मानव विकास रिपोर्ट 2015

मानव विकास के लिए कार्य

2015 की मानव विकास रिपोर्ट, स्वतंत्र, विश्लेषणात्मक और अनुभव से स्थापित विकास के मुद्दों, प्रवृत्तियों और नीतियों की चर्चा पर आधारित, 1990 के बाद से संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा प्रकाशित वैश्विक मानव विकास रिपोर्ट की श्रृंखला में नवीनतम है। 20 से अधिक भाषाओं में पूरे संस्करणों या रिपोर्ट के सारांश सहित, 2015 की मानव विकास रिपोर्ट से संबंधित अतिरिक्त जानकारी http://hdr.undp.org पर ऑनलाइन ली जा सकती है। इसके अलावा 20 से अधिक भाषाओं में पूरे संस्करण या रिपोर्ट के सारांश, पृष्ठभूमि के कागजात तथा विचार सामग्री, 2015 की रिपोर्ट के लिए साधिकार, इंटरैक्टिव नक्शे तथा मानव विकास सूचकांक के आँकड़े, सभी स्रोतों की व्याख्या तथा रिपोर्ट के समग्र सूचकांक में उपयोग होने वाली कार्यविधि, देशों के विवरण तथा अन्य पृष्ठभूमि सामग्री के साथ साथ पहले की वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय मानव विकास रिपोर्ट भी वेब साइट पर उपलब्ध है।

रिपोर्ट का आवरण यह संवाद प्रस्तुत करता है कि कार्य ही वह मूलभूत गतिशील कारक है जो मानव विकास अभियान को आगे बढ़ाता है। आवरण की पृष्ठभूमि रिपोर्ट में दर्शाई गई आकृति 2.2 की अभिव्यक्ति है, जो रिपोर्ट का विस्तार बताती है कि इसमें विश्व भर की 98 प्रतिशत आबादी 156 देशों का प्रतिनिधित्व है। विगत 25 वर्षों की सफलता का ब्योरा यह है कि अधिक देश और अधिक लोग (1990 में 3 विलियन लोगों से अधिक आबादी के साथ 62 देशों से वर्ष 2014 में 1 विलियन लोगों के साथ 43 देशों तक) निम्न मानव विकास श्रेणी से बाहर आ गये तथा उसी समय, कुल मिला कर (वर्ष 1990 में 1.2 विलियन लोगों के साथ 47 देशों से 2014 में 3.6 विलियन लोगों के साथ 84 देशों तक) अधिक देश और अधिक लोग उच्च तथा अति उच्च मानव विकास वर्ग की श्रेणी के अंदर आ गये। आकृति की पृष्ठभूमि में नीचे की हल्की नीली पट्टी पहले की स्थिति दर्शाती है और ऊपर दर्शाई हरी पट्टी से दूसरे दौर की स्थिति उजागर होती है। आवरण पर मानव आकृतियों की गोलाकार प्रस्तुति उनके विभिन्न प्रकार के कार्यों को दर्शाती है, जैसे घरेलू कार्य, रचनात्मक कार्य तथा स्वेच्छिक कार्य। आवरण की यह अभिव्यक्ति केवल मानव विकास में उनके योगदान को ही नहीं दर्शाती बल्कि यह भी याद दिलाती है कि विविध कार्यों की सह-क्रियाशीलता विकास को कैसे गतिशील बनाती है।

कॉपीराइट © 2015
संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा
1, यूएन प्लाज़ा, न्यू यॉर्क, एनवाई 10017, संयुक्त राज्य अमेरिका

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन का कोई भी भाग बिना पूर्व अनुमति के किसी रूप में किसी भी साधन से, इलेक्ट्रोनिक, यांत्रिकी, फोटोकॉपींग, रिकार्डिंग या अन्यथा पुनर्प्रकाशित, संचित या संप्रेषित नहीं किया जा सकता।

आईएसएसएन: 0969-4501

इस पुस्तक का तालिका रिकार्ड, ब्रिटिश लाईब्रेरी और लाईब्रेरी ऑफ कॉंग्रेस में उपलब्ध है।

संपादन तथा उत्पादन: कम्यूनिकेशन्स डेवेलपमेंट इनकार्पोरेटेड, वाशिंगटन डीसी, संयुक्त राज्य अमेरिका
सूचना, कवर डिजाइन तथा डाटा विजुलाइजेशन: क्यूइन इफोर्मेशन डिजाइन, फीनिक्स डिजाइन एड एंड एक्युरेट एस.आर.एल.

हिन्दी अनुवाद : याशियान लेंगुएज सर्विसेज, नई दिल्ली, भारत

मुद्रण के बाद पाई गई किन्ही गलतियों या चूकों की सूची के लिए कृपया हमारी वेबसाइट http://hrd.undp.org पर जाएं।

मानव विकास रिपोर्ट 2015

मानव विकास के लिए कार्य

संयुक्त राष्ट्र
विकास कार्यक्रम
(यूएनडीपी) के
लिए प्रकाशित

Empowered lives.
Resilient nations.

25 मानव विकास के

मानव विकास रिपोर्ट 2015 टीम

निदेशक एवं प्रमुख लेखक
सलीम जहाँ

उप निदेशक
ईवा जेसपर्सन

शोध एवं सांख्यिकी
शांतानु मुखर्जी (टीम प्रमुख), मिलोरद कोवासेविक (मुख्य सांख्यिकीकार) एस्ट्रा बोनीनी, सिसीलिया काल्डेरॉन, क्रिस्तेले काज़ाबत, यू-चीह सू, क्रिस्टीना लेंगफेद्लर, सासा लूसिक, तन्नी मुखोपाध्याय, शिवानी नय्यर, थॉमस रोका, हेरिबरतो तापिया, कटरीना टेकसोज़ एवं सिमोन ज़मपिनो।

पहुंच और प्रलेख प्रस्तुतिकरण
बोटागोज अब्द्रेयेवा, एलिनोर फोर्निअर-टोम्बस्, जोन हॉल, एडमिर जाहिक, अन्ना अर्तुब्रिया, जेनिफर ओल्डफील्ड एवं मिशेल रेदांते।

परिचालन एवं प्रशासन
सरंतूया मैंड (परिचालन प्रबंधक) ममाए गेब्रेसादिक, फे हुएरेज़ शनाहन एवं मै विंट थान।

आमुख

आज से पच्चीस वर्ष पहले 1990 में मानव विकास रिपोर्ट की शुरुआत इस सरल धारणा के साथ हुई थी: जिसका उद्देश्य यह स्थापित करना था कि विकास का अर्थ लोगों के विकल्पों में विस्तार का होना है तथा- मोटे तौर पर, मानव जीवन की समृद्धि पर केंद्रित करना है, न कि बारीकी से आर्थिक समृद्धि पर केंद्रित करना है। इस दिशा में कार्य का मूल आधार यही है कि लोगों के आर्थिक स्तर तथा जीवन स्तर दोनों में समृद्धि हो लेकिन कार्य के आकलन को आर्थिक दृष्टि से करने की प्रवृत्ति है न कि मानव के विकास की दृष्टि से। वर्ष 2015 की मानव विकास रिपोर्ट इस सोच से आगे की स्थितियों को देखने की है और इसका लक्ष्य कार्य को मानव जीवन की समृद्धि से जोड़ना है।

यह रिपोर्ट एक बहुत ही बुनियादी प्रश्न को लेकर आगे बढती है कि कार्य, कैसे मानव विकास में वृद्धि कर सकता है? यह रिपोर्ट केवल नौकरी तक सीमित न रह कर आगे की ओर देखते हुए कुछ और ऐसी गतिविधियों पर दृष्टि डालती है, जैसे देखभाल के अवैतनिक काम, स्वैच्छिक काम और रचनात्मक काम-यह सब भी मानव जीवन में समृद्धि लाने के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यह रिपोर्ट दर्शाती है कि पिछले पच्चीस वर्षों से मानव जीवन में प्रशंसनीय सुधार हुआ है। आज मनुष्य पहले की अपेक्षा लम्बे समय तक जीवित रह रहा है, अधिक बच्चे स्कूल पहुँच रहे हैं, अपेक्षाकृत अधिक लोगों तक साफ पानी पहुँच रहा है और उन्हें मूलभूत स्वच्छता की बुनियादी सुविधाएं प्राप्त हैं। विश्व भर में प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है और निर्धानता घटी है, इससे अधिकाँश लोगों के जीवन स्तर में सुधार आया है। विभिन्न देशों और समाजों के लोग डिजिटल क्रांति के कारण एक दूसरे से जुड़ पा रहे हैं। लोगों की योग्यता निर्माण की प्रगति में कार्य का बहुत बड़ा योगदान रहा है। सम्मान जनक कार्य से लोगों में गरिमा की भावना आई है और जिससे लोगों की अपने समाज से जुड़ने में रूचि बढ़ी है।

निरंतर निर्धनता और जलवायु परिवर्तन के लिए कष्टदायक असमानताएं और सामान्यत: पर्यावरणीय संवहनीयता, तथा संघर्ष और अस्थिरता के कारण बहुत सी चुनौतियां अभी भी शेष हैं। यह सब कारण मिल कर ऐसी बाधाएं खड़ी करते हैं जिससे लोग पूरी तरह से सम्मान जनक कार्य तक नहीं पहुँच पाते और लोगों की असली क्षमता का पूरा दोहन नहीं हो पाता। विशेष रूप से युवा लोग, स्त्रियाँ शारीरिक रूप से अक्षम तथा अन्य हाशिये पर जीने वाले लोग इन बाधाओं से प्रभावित हैं। यह रिपोर्ट अपना यह तर्क सामने रखती है कि यदि सभी लोगों की क्षमताओं का पूरा दोहन विभिन्न रणनीतियों और समुचित नीति निर्धारण के द्वारा हो सके तो मानव विकास की गति तेजी से बढ़ेगी और अब तक की कमी की भरपाई काफी हद तक पूरी हो जाएगी।

यह रिपोर्ट हमें याद दिलाती है कि कार्य और मानव विकास की गति में कोई स्वत: संबंध नहीं होता है। कार्य की गुणावत्ता एक बहुत महत्वपूर्ण आयाम है जो सुनिश्चित करता है कि कार्य मानव विकास की गति को बढ़ाता है। आपसी भेदभाव और हिंसा जैसे मुद्दे, कार्य और मानव विकास के सकारात्मक जुड़ाव को बाधित करते हैं। बाल श्रम, बेगार और तस्करी श्रमिकों के श्रम जैसे कार्य, जो सब मानवाधिकार का गंभीर उलंघन में आते हैं, मानव विकास के लिए बेहद घातक हैं। बहुत से मामलों में कामगार लोगों को ऐसे खतरनाक कामों में लगाया जाता है जिससे उनमें अवमानना और असुरक्षा का भाव पनपता है और वह अपनी स्वायत्तता और स्वतंत्रता खो देते हैं।

वैश्वीकरण और तकनीकी क्रांति ने काम की दुनिया में जिस तरह का तेज बदलाव किया है, उनको देखते हुए ऊपर बताये गये मुद्दे हल करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। वैश्वीकरण ने कुछ लोगों के लिए तो लाभ का रास्ता खोला है लेकिन दूसरे लोगों को इससे क्षति भी पहुंची है। डिजिटल क्रांति ने जहाँ नये अवसर पैदा किये हैं, वहीं उससे नयी चुनौतियों को भी जन्म दिया है, जैसे अनियमित ठेके और अस्थायी काम का विषमतापूर्ण वितरण जिनके कारण उच्च दक्षता प्राप्त और साधारण कामगारों के बीच असमानता की गहरी खाई बन गई है।

यह रिपोर्ट बहुत जोरदार ढंग से स्त्रियों के पक्ष में अपनी यह बात कहती है कि स्त्रियाँ काम के सन्दर्भ में बहुत घाटे की स्थिति में रहती हैं, चाहे वह भुगतान वाला काम हो या बिना भुगतान वाला। भुगतान वाले कामों के क्षेत्र में उन्हें श्रमिक संख्या में पुरूषों से कम लगाया जाता है, उनकी कम कमाई होती है, उन्हें दिया जाने वाला काम अरक्षित होता है और ऊँचे प्रबंधन स्तर पर और उन पदों पर जहाँ उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है, वहां भी उनका प्रतिनिधित्व कम होता है। बिना भुगतान वाले कामों, जैसे घरेलू काम और देख भाल के काम, में भी उनकी भागीदारी अनुपातहीन होती है।

यह रिपोर्ट संवहनीय कार्यों को चिन्हित करती है जो नकारात्मक प्रभावों और अनायास नतीजों, जैसे संवहनीय विकास के लिए प्रमुख रूकावटों, को समाप्त करते हुए मानव विकास को प्रोत्साहित करती है। इस तरह के काम वर्तमान समय की युवा पीढ़ी के लिए, बिना भावी पीढ़ी के अवसरों को प्रभावित किये, अनुकूल अवसर प्रदान करेंगे।

इस रिपोर्ट का तर्क है कि कार्य के द्वारा मानव विकास को आगे बढाने के लिए तीन प्रमुख क्षेत्रों में नीतियों और

रणनीतियों की आवश्यकता है- पहले, काम के अवसरों का सृजन, उसके साथ कर्मचारियों के कल्याण की रक्षा और लक्षित गतिविधियों का विकास। पहला दायित्व राष्ट्रीय रोजगार रणनीति के प्रबंधन से निभाया जा सकता है, जिससे बदलते परिवेश और कार्यक्षेत्र से उपलब्ध अवसरों पर अधिकार कर लिया जायगा। दूसरा आवश्यक काम यह है कि कर्मचारियों के अधिकारों और लाभों की गारंटी हो, सामाजिक संरक्षण को फैलाया जाए और असमानताओं का संज्ञान लिया जाए। कार्य की संवहनीयता के लिए लक्षित कामों, जैसे भुगतान और बिना भुगतान कार्यों में असंतुलन को संबोधित करना और विशिष्ट समूहों के लिए हस्तक्षेप करना, पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए- उदाहरण के लिए, विकलांग युवा एवं अन्य लोग। इसके अलावा, एक नए सामाजिक सम्पर्क, वैश्विक सौदे, और सम्मान जनक कार्य ऐजेंडे के अनुसरण पर कार्यवाही के लिए एक कार्यसूची की आवश्यकता है।

इस वर्ष की रिपोर्ट यथा समय, संयुक्त राष्ट्र के संवहनीय विकास सम्मलेन के ठीक बाद आई है। इस सम्मलेन में संवहनीय विकास के विभिन्न लक्ष्य निर्धारित करते हुए आठवें लक्ष्य पर विशेष बल दिया गया: संवहनीय, समावेशी और सतत आर्थिक वृद्धि, पूर्ण और उत्पादक रोजगार तथा सबके लिए सम्मान जनक कार्य को बढ़ावा देना।

इस सन्दर्भ में, कार्य क्षेत्र में होने वाले लगातार चुनौती भरे परिवर्तनों पर गंभीर विमर्श किये जाने की आवश्यकता है। उन सभी अवसरों को अपना लेने की आवश्यकता है जो कार्य तथा मानव विकास के बीच की कड़ियों को मजबूती प्रदान करते हैं। पिछले पच्चीस वर्षों में मानव विकास की अवधारणा, विभिन्न रिपोर्टों में चिन्हित मानक विकास के सूचकांक, तथा संबंधित चुनौतियों पर विश्व भर में लगातार संवाद, विचार विमर्श तथा नीतिगत मुद्दों पर चर्चा होती रही है। मैं आशा करती हूँ, कि इस वर्ष की रिपोर्ट में भी, मानव विकास की अवधारणा और रणनीतियों को अग्रिम करने के लिए के संवाद और बहस प्रारंभ करने की अपनी क्षमता में कोई अपवाद नहीं होगा।

हेलेन क्लार्क
प्रशासक
संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम

आभार

2015 की मानव विकास रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) में मानव विकास रिपोर्ट ऑफिस (एचडीआरओ) के प्रयासों का प्रतिफल है।

रिपोर्ट में उल्लेखित निष्कर्ष, विश्लेषण और नीतिगत सुझाव केवल एचडीआरओ के ही हैं और इनके लिए यूएनडीपी या इसके कार्यकारी मंडल के किसी सदस्य को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने आधिकारिक तौर पर मानव विकास रिपोर्ट को ''एक स्वतंत्र बौद्धिक परिश्रम'' के रूप में मान्यता दी है, जो कि ''विश्वभर में मानव विकास के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण'' बन गया है।

इस रिपोर्ट को तैयार करने के दौरान बहुत सें प्रख्यात व्यक्तियों और संगठनों ने योगदान दिया जिससे इसके प्रस्तुतीकरण में काफी लाभ हुआ है। इस हस्ताक्षरित योगदान के लिए हम विशेष रूप से महामहिम श्री बेनिग्नो एस एक्विनो तृतीय (फिलीपींस के राष्ट्रपति), लेमह जीबोवी (2011 के शांति नोबेल पुरस्कार के विजेता), महामहिम सुश्री रोजा ओटुनबायेवा (किर्गिस्तान की पूर्व राष्ट्रपति), नोहरा पडीला (2013 में गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार प्राप्तकर्ता), ओरहन पामुक (साहित्य के क्षेत्र में 2005 के नोबेल पुरस्कार विजेता), रॉबर्ट रैह (संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व श्रम सचिव), कैलाश सत्यार्थी (2014 के शांति नोबेल पुरस्कार विजेता) और महामहिम श्री मैत्रीपाला सिरीसेना (श्रीलंका के राष्ट्रपति) के आभारी हैं।

हम उन लेखकों की प्रशंसा करनी चाहेंगे जिन्होंने इस रिर्पोट में सहयोग प्रदान किया: एंटोनियो एंड्रियोनी, मारीज़िओ अतज़ेनी, फेड ब्लॉक, डेविड ब्लूम, जैक चार्मीज, मार्था चेन, डायने कोयले, क्रिस्टोफर क्रेमर, पीटर इवांस, पीटर फरेज, नैन्सी फोलब्रे, मरीना गोरबिस, केनेथ हार्टजेन, रोल्फ एरिक वान डेर होवेन, रिजवानुल इस्लाम, पैट्रिक कबांडा, क्लाउडियो मोंटेनेग्रो, नमीरा नुज़हात, डानी रोड्रिक्स, जिल र्‍यूबेरी, मैल्कम सॉयर, फ्रांसिस स्टीवर्ट, मिगुएल जेकली, मार्लिन वारिंग और लानयिंग झांग।

इस रिपोर्ट को विकसित करने के लिए कई विषयों पर विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श समान रूप से आवश्यक और महत्वपूर्ण हैं तथा प्रारंभिक अनौपचारिक गहन दौर के पश्चात् 2015 रिपोर्ट के लिए मनोनीत सलाहकार पैनल के साथ भी विचार-विमर्श किया गया। निम्न व्यक्तियों द्वारा समय, सलाह और समीक्षा की प्रतिबद्धता अत्यधिक मूल्यवान थी: अमर्त्य सेन, सुधीर आनंद, एमी आर्मीनिया, मार्था चेन, मिग्नॉन डफी, पीटर इवांस, नैन्सी फोलब्रे, गैरी जिरेफी, एनरिको गियोवेनिनी, मरीना गोरबिस, जेम्स हेन्ट्ज, जेन्स लेर्ज़े, जोस एंटोनियो ओकाम्पो, समीर रादवन, अकिहिको तनाका, लेस्टर सालामॉन, फ्रांसिस स्टीवर्ट, रोब वास, रेबेका विंथ्रोप और रुआन ज़ोंगज़ी।

हम सांख्यिकी सलाहकार पैनल को भी धान्यवाद देना चाहेंगे, जिन्होंने रिपोर्ट के मानव सूचकांक की गणना से संबंधित कार्यपद्धति और आंकड़ों के चयन संबंधी विशेषज्ञ सलाह उपलब्ध करायी, वासमालिया बिवर, मार्टिन डूरंड, हैशान फू, पास्कोल गेरेस्टनफेल्ड, इफिन्वा इस्कवे, येमी काले, राफेल डीज जी मदीना, फियोना रॉबर्टसन और मिकला सैसाना इस पैनल के सदस्य हैं। रिपोर्ट में समग्र सूचकांक और अन्य सांख्यिकी संसाधान अपने विशिष्ट क्षेत्रों में अग्रणी अंतरराष्ट्रीय आंकड़ा प्रदाताओं की विशेषज्ञता पर निर्भर हैं। सटीकता और स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए गिसेला रोबल्स एगुइलर, सबीना अलकिर, जैक्स चार्मीज, केनेथ हार्टजन, क्लाउडियो मोंटेनेग्रो और यांगयंग शेन के साथ सांख्यिकीय मुद्दों पर चर्चा से रिपोर्ट में सांख्यिकीय विश्लेषण को काफी लाभ हुआ। मैं उनके योगदान की गहराई से सराहना करता हूं।

रिपोर्ट को, और अधिक सुधारने और अद्यतन करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न संकेतक के संकलन के लिए राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालयों के प्रतिनिधियों के साथ हुए संवादों से काफी लाभ हुआ।

रिपोर्ट को तैयार करने के दौरान आयोजित विचार-विमर्श कई संस्थाओं और व्यक्तियों की उदार सहायता पर आधारित थे, जिनकी संख्या यहाँ उल्लेख करने की दृष्टि से काफी अधिक है। घटनाक्रम और विचार-विमर्श अकरा, बोस्टन, जिनेवा और सिंगापुर में आयोजित किया गया। (प्रतिभागियों और भागीदारों का सूची http://hrd.undp.org/en/reports/hrd2013/consultation पर उपलब्धा है)।

कार्य पर केंद्रित रिपोर्ट बिना व्यापक विचार-विमर्श किये तथा जनेवा और न्यूयॉर्क दोनों जगह के अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के बहुत सारे सहयोगियों द्वारा बिना उदार समय लगाए तैयार करनी संभव नहीं होती। संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष, संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक और संयुक्त राष्ट्र महिला के सहयोगियों ने भी बहूमूल्य अंर्तदृष्टि और समीक्षा उपलब्ध करायी। फ्रांस और जर्मनी की सरकारों से बहूमूल्य वित्तीय योगदान प्राप्त हुआ।

यूएनडीपी क्षेत्रीय ब्यूरो, क्षेत्रीय सेवा केन्द्रों, वैश्विक नीति केन्द्रों और देश कार्यालयों से योगदान, समर्थन और सहायता को भी आभार के साथ स्वीकार किया गया है। यूएनडीपी के उन सहयोगियों, जिन्होंने रिपोर्ट के लिए पाठक समूह का गठन किया उनका विशेष धन्यवाद करता हूँ: नथाली बाउचे, डगलस ब्रॉडरिक, पेड्रो कोनसिकेओ, जॉर्ज रोनाल्ड ग्रे, शीला मार्नी, आयोडील ओडुसोला, रोमूलो पेस

डी सूजा, थंगावेल पलानीवेल और क्लाउडिया विनय। रूबी संधू-रोजोन, मोराद वाभा, केनी विग्नाराजा ने रिपोर्ट का राजनीतिक रूप से अध्ययन करने और सुझाव देने के लिए मैं उनका धन्यवाद पूर्वक आभार व्यक्त करता हूँ। रैंडी डेविस, मनदीप धालीवाल, करेन डूकेस, अल्बेरिककाओ, पैट्रिक कुलियर्स, ब्रायन लुट्ज, अब्दुल्लाये मार डिए ने भी रिपोर्ट के बारे में अपनी टिप्पणियां, सुझाव और मार्गदर्शन प्रस्तुत किए। मैं उनका आभारी हूँ।

एचडीआरओ इंटर्न, जिनेवा दमयंती, क्विंसहेंग हाऊ, यियिंग साना रियाज, एलिजाबेथ शीब, ना यू और एली वांग भी समर्पण और योगदान के लिए मान्यता के योग्य हैं।

कम्युनिकेशंस डेवेलपमेंट इनकॉर्पोरेटेड में ब्रूस रॉस के नेतृत्व में कापोनियो, क्रिस्टोफर ट्रॉट और ऐलेन विल्सन – और डिजाइनरों जरमन क्विन, एक्यूरेट डिजाइन और फोनिक्स डिजाइन एड, एक अत्यधिक पेशेवर संपादन और उत्पादन समूह टीम, का सहयोग अत्यधिक महत्वपूर्ण रहा, जिन्होंने ऐसी रिपोर्ट प्रस्तुत करी जो कि काफी आकर्षक और बहुत पढ़ी जाने वाली है।

सबसे बढ़कर, मैं गर्वान्वित रूप से यूएनडीपी प्रशासक हेलेन क्लार्क, उनके नेतृत्व, दूरदृष्टि, उनकी सलाह, मार्गदर्शन और समर्थन तथा पूरी एडीआरओ दल के प्रति एक ऐसी रिपोर्ट, जो कि मानव विकास की उन्नति को और आगे ले जाने के लिए प्रयासरत है, को तैयार करने को लेकर उनके समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए आभारी हूँ।

सलीम जहाँ
निदेशक
मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय

अनुक्रम

आमुख iii
आभार v
विहंगावलोकन 1

अध्याय 1
कार्य और मानव विकास - विश्लेषणात्मक सूत्र 29
कार्य रोजगार की तुलना में व्यापक है 29
जीवन चक्र के विभिन्न चरणों में कार्य 30
कार्य मानव विकास को बढ़ाता है 32
कार्य और मानव विकास के बीच की कड़ी स्वत: नहीं है 34
कार्य जो मानव विकास को नुकसान पहुंचाता है 40
श्रमिक खतरे में 44
निष्कर्ष 46

अध्याय 2
मानव विकास और कार्य: प्रगति और चुनौतियां 55
मानव प्रगति और कार्य के योगदान का पैमाना 55
गंभीर मानव अभाव, लेकिन बहुत मानव क्षमता उपयोग में नहीं 58
आगे की मानव विकास चुनौतियां 65
मानव विकास - भविष्य की ओर देखना 71

अध्याय 3
कार्य की बदलती दुनिया 77
कार्य का संरचनात्मक बदलाव 77
तकनीकी क्रांति 80
कार्य का वैश्वीकरण 82
डिजिटल युग में कार्य 86
कार्य के लिए नई सीमाएं 88
आधुनिक श्रमिक शक्ति 95
वादे जो अभी पूरे नहीं हुए 98
मानव विकास के लिए निहितार्थ 102
निष्कर्ष 103

अध्याय 4
वैतनिक और अवैतनिक कार्य में असंतुलन 107
वैतनिक कार्य की दुनिया में भेदभाव 108
अवैतनिक कार्य में असंतुलन 117
उभरती चुनौतियाँ - देखभाल में अंतराल, स्वास्थ्य झटके और जलवायु परिवर्तन 119
पुनर्संतुलन की ओर - विकल्पों का विस्तार, लोगों का सशक्तीकरण 121
निष्कर्ष 122

अध्याय 5
संवहनीय कार्य की ओर अग्रसर 131
संदर्भ स्थापना: सतत विकास के लिए लक्ष्य 131
मानव विकास ढांचे में संवहनीयता 131
कार्य और संवहनीय विकास 135
सतत विकास लक्ष्य का पुनर्निर्धारण - वे कार्य के लिए क्या करते हैं 144
निष्कर्ष 148

अध्याय 6
कार्य के माध्यम से मानव विकास को बढ़ाना 151
कार्य के अवसर सृजन के लिए रणनीतियां 151
श्रमिकों का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए रणनीतियां 160
लक्ष्य आधाारित कार्यवाही के लिए रणनीतियां 169
कार्यवाही के लिए एक एजेंडा - तीन स्तंभ 179
निष्कर्ष 181

नोट 187
संदर्भ 190

सांख्यिकीय संलग्नक

पाठकों के लिए मार्गदर्शिका 203
सांख्यिकीय सारणियाँ
1. मानव विकास सूचकांक और इसके संघटक 208
2. मानव विकास सूचकांक के रुझान 1990-2014 212
3. असमानता-समायोजित मानव विकास सूचकांक 216
4. लैंगिक विकास सूचकांक 220
5. लैंगिक असमानता सूचकांक 224
6. बहुआयामी निर्धनता सूचकांक : विकासशील देश 228
7. बहुआयामी निर्धनता सूचकांक : समय के साथ बदलाव 230
8. जनसंख्या का रुझान 234
9. स्वास्थ्य परिणाम 238
10. शैक्षिक उपलब्धियां 242
11. राष्ट्रीय आय और संसाधनों का संयोजन 246
12. पर्यावरणीय संवहनीयता 250
13. कार्य और रोजगार 254
14. मानव सुरक्षा 258
15. अंतर्राष्ट्रीय एकीकरण 262
16. पूरक सूचकांक: कल्याण की अवधारणा 266
क्षेत्र 270
सांख्यिकीय संदर्भ 271

विशेष योगदान

शांति की स्थापना और आशा को पुन:स्थापित करना: राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका – लेमाह ग्बोवी 40
बाल श्रम के उन्मूलन की ओर कार्यरत – कैलाश सत्यार्थी 42
असमानता और श्रम बाजार – राबर्ट रीच 66
रचनात्मक कार्य – ओरहान पामुक 96
मध्य एशिया: महिलाओं के लिए उभरती चुनौतियां और अवसर, उभरे हुए क्षेत्र – रोजा ओटुन्बायेवा 116
ग्रामीण क्षेत्रों में जीविका को बेहतर बनाने के लिए सामुदायिक भागीदारी – इतिहास से सबक – मैथ्रीपाला सिरिसेना 134
रीसाइकिल करने वाले: कूड़ा उठाने वालों से लेकर संवहनीय विकास के वैश्विक ऐजेंट – नोहरा पाडिला 138
समावेशी विकास के लिए कौशल निर्माण और कामगारों की सुरक्षा– बेनिग्नो एस। एक्विनो तृतीय 158

बॉक्स

1 मानव विकास – एक समग्र अवधारणा 2
2 मानव विकास का आकलन 3
3 संवहनीय कार्य की ओर जाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर संभव उपाय 21
4 डेनमार्क में फ्लेक्सीक्यूरिटी 23
5 डीसेंट वर्क एजेंडा के चार स्तंभ 23
1.1 कार्य का आशय क्या है? 30
1.2 कार्य की गुणवत्ता के मापक 35
1.3 प्रसन्नता किससे मिलती है – मात्र रोजगार के होने से, या कुछ इसके अतिरिक्त? 36
2.1 डिजिटल क्राति तक असंगत पहुंच 59
2.2 दीर्घ कालीन युवा बेरोजगारी का प्रभाव 64
2.3 मानव कल्याण के वैकल्पिक उपाय 72
3.1 काम का एक संक्षिप्त इतिहास 78
3.2 चौथी औद्योगिक क्रांति 82
3.3 बोस्निया और हर्जेगोविना– बाह्य स्रोतों से काम मिलने से स्थानीय विकास 85
3.4 अरब देशों में स्टार्ट-अप के लिए चुनौतियां 92
3.5 समूह में काम करने में सुधार के प्रयास 92
4.1 अवैतनिक देखरेख के कार्य का मौद्रिक मूल्यांकन 117
4.2 जापान में दीर्घकालिक वृद्ध देखरेख के लिए ऋण 120
4.3 संवेतन पैतृक अवकाश, जिसमें अनिवार्य पैतृक अवकाश शामिल है 123
5.1 सतत विकास के लक्ष्य और मानव विकास 132
5.2 जहाज तोड़ने के कार्य का रूपांतरण: मानदंड लागू करके संवहनीय कार्य को बढ़ावा देना 140
5.3 अक्षय ऊर्जा स्रोतों के अमल पर तजाकिस्तान के राष्ट्रीय कार्यक्रम को लागू करना 143
5.4 बड़े पैमाने पर आंकड़े: कार्य और सतत विकास लक्ष्यों के लिए कुछ प्रयोग 145
6.1 राष्ट्रीय रोजगार रणनीति 152
6.2 मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य) का स्वरोजगार कार्यक्रम 153
6.3 अनौपचारिक अर्थव्यवस्था से निपटने के लिए श्रम मानक-एक नये मील का पत्थर 154
6.4 एम-पैसा– वित्तीय समावेशन की ओर नवीन दृष्टिकोण 155
6.5 काम की स्थितियों में सुधार करके प्रतिस्पर्धा में बने रहना 156
6.6 कम्बोडिया– कार्य की वैश्वीकृत दुनिया में सफलता की एक कहानी 157
6.7 यौनकर्मियों के अधिकारों की सुरक्षा 162
6.8 स्व-नियोजित महिला संस्था– दुनिया का सबसे बड़ा अनौपचारिक श्रमिक ट्रेड यूनियन 164
6.9 बांग्लादेश में सार्वजनिक संपत्ति के लिए ग्रामीण रोजगार के अवसर 166
6.10 भारत में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना – एक मील का पत्थर 167
6.11 चिली सुधार से सुधारों तक: अधिक एकता, अधिक योगदान 168
6.12 मोन्टेनेग्रिन्स तृतीयक शिक्षा का कैसे मूल्यांकन करता है 169
6.13 बोल्सा फैमिलिया – ब्राजील का सशर्त नकदी हस्तांतरण कार्यक्रम 170
6.14 असमानताएं कम करने के लिए सुझाए गए उपाय 170
6.15 सकारात्मक पितृत्व अवकाश व्यवस्था 172
6.16 देखभाल कार्य के लिए नकदी 172
6.17 नार्वे में लैंगिक नीतियां 173
6.18 स्थानीय स्तर पर बेमेल कौशल पर काबू पाने के लिए तुर्की के निजी क्षेत्र के प्रयास 174
6.19 कार्य की 'सामाजिक मजदूरी' 176
6.20 संवहनीय कार्य की ओर अग्रसर होने के लिए देश के स्तर पर संभावित उपाय 177
6.21 डेनमार्क में कल्याणकारी श्रम व्यवस्था 180
6.22 सम्मानित कार्य संबंधी कार्यसूची के चार स्तंभ 180

रेखांकन

1 कार्य पूरी दुनिया में विभिन्न तरह से लोगों को सक्रिय करता है 2
2 कार्य और मानव विकास एक दूसरे से जुड़े हैं 3
3 क्षयकारी और शोषक कार्य मानव विकास को छिन्न भिन्न करते हैं 6
4 संयुक्त राज्य में नई तकनीक की स्वीकार्यता की गति 7
5 स्वचालन द्वारा सबसे अधिक और सबसे कम प्रतिस्थापित किए जा सकने वाली 20 नौकरियां सबसे कम प्रतिस्थापित की जाने की संभावना 11
6 वैश्विक क्षेत्र के अनुसार व्यवसाय में वरिष्ठ प्रबंधन में महिलाओं का प्रतिनिधित्व, 2015 12
7 संवहनीय कार्य का ढांचा 14
8 कार्य के माध्यम से मानव विकास को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत विकल्प 17
9 देशों की संख्या जिन्होंने 1990 और 2014 के विभिन्न अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन सम्मेलनों की पुष्टि की 19
1.1 कार्य के दायरे में नौकरी भर से कहीं अधिक है 31
1.2 उन देशों में जहाँ पेंशन का प्रावधान बहुत कम है, 65 वर्ष की आयु के बाद भी श्रम बाजार में रहने का प्रयास करते हैं, लेकिन जिन देशों में पेंशन का प्रावधान अधिक है, वहां के लोगों की प्रवृत्ति जल्दी ही कार्य मुक्त होने की होती है 32
1.3 कार्य तथा मानव विकास सह-क्रियाशील हैं 33
1.4 क्षयकारी और शोषणकारी कार्य मानव विकास को छिन्न भिन्न करते हैं 41
1.5 बंधुआ मजदूरी के क्षेत्र में महिलाओं और बच्चों की संख्या पुरुषों और लड़कों की अपेक्षा अधिक है, 2012 41
1.6 2006 से बंधुआ मजदूरी द्वारा सबसे अधिक वार्षिक लाभ एशिया और प्रशांत क्षेत्र में हैं 44
1.7 2007–2010 में बड़ी संख्या में मानव तस्करी के पीड़ित यौन शोषण के लिए लाये गए थे 45
2.1 वर्ष 1990 से मानव विकास सूचकांक की प्रगति हर काल और सभी विकासशील देश क्षेत्रों में स्पष्टत: नियमित और ठोस रही है 56
2.2 वर्ष 1990 और 2014 के बीच उच्च मानव विकास वर्ग के देशों में रहने वाले लोगों की संख्या बढ़ी जबकि निम्न मानव विकास वर्ग के देशों में रहने वाले लोगों की संख्या घटी 56
2.3 आय और मानव विकास, 2014 के बीच कोई स्वत: कड़ी नहीं है 57
2.4 किर्गीस्तान में आय निर्धनता भुगतान के बिना और अधिक हो जाएगी 58
2.5 इथोपिया: विखंडित मानव विकास सूचकांक मान राष्ट्रीय औसतों को उजागर कर सकता है 58
2.6 2012 में दक्षिण अफ्रीका में बच्चे न केवल गैर-आनुपातिक तौर पर निर्धन थे बल्कि निर्धनतम घरों में इनका संकेद्रण भी अधिक था 60
2.7 माल्डोवा में 2014 में ग्रामीण-शहरी क्षेत्र में बुनियादी सामाजिक सेवाओं तक पहुंच असमान थी 60
2.8 पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र ने 1990–2014 के दौरान विकासशील देशों के बीच मानव विकास सूचकांक में कमी को सबसे तेजी से घटाया 60
2.9 2012 में चीन के शहरी इलाकों के मुकाबले बहुआयामी निर्धनता ग्रामीण इलाकों में अधिक थी 62
2.10 विश्व में मानव निर्धनता का विस्तार 62
2.11 2008–2014 के बीच अरब देशों में युवा बेरोजगारी दर सबसे अधिक है 64
2.12 2014 में लगभग 80 प्रतिशत लोगों के पास दुनिया की केवल 6 प्रतिशत संपत्ति थी 65

2.13 2014 में निम्न मानव विकास देशों में उच्च निर्भरता अनुपात का मुख्य संचालक युवा आबादी है 67
2.14 1950 में दुनिया की एक तिहाई आबादी शहरों रहती है आज आधे से अधिक और 2050 में दो तिहाई से अधिक रहेगी 67
2.15 कुपोषण और मोटापे की दर में क्षेत्र के हिसाब से बदलाव 70
3.1 हालांकि हो सकता है कि कृषि का अर्थव्यवस्था के लिए महत्व कम हो रहा हो, लेकिन घटने के बावजूद श्रमिकों के लिए कृषि का महत्व अब भी अधिक है 79
3.2 अमेरिका में नई तकनीकों को स्वीकार करने की गति प्रभावशाली है 82
3.3 साल 1995 से 2015 के बीच पूरी दुनिया में तकनीकी बदलाव की बड़ी मात्रा में पैठ बनी और इसने पूरी दुनिया में लोगों को फायदा पहुंचाने की उम्मीद को पूरा किया 83
3.4 डिजिटल क्रांति ने वस्तुओं और सेवाओं के वैश्विक उत्पादन विशेषकर डिजिटल व्यापार को गति दी है 87
3.5 वैश्विक प्रवाह का डिजिटल अंश बढ़ गया है- चुनिंदा उदाहरण 88
3.6 मोबाइल एप्लीकेशन्स के लिए कृषि और ग्रामीण विकास में अवसर 89
3.7 उप-सहारा अफ्रीका में मोबाइल ग्राहकी के 2013 और 2020 के बीच उल्लेखनीय रूप से बढ़ने का अनुमान है 89
3.8 1970 और 2014 के बीच अमेरीकी राज्य पेटेंट और ट्रेडमार्क कार्यालय द्वारा (अमेरिका और अन्य देशों में) दिए गए पेटेंट की सख्या में करीब पांच गुना बढ़ोतरी हुई है 94
3.9 जापान 2013 में दिए गए पेटेंट की कुल संख्या में सबसे आगे रहा 94
3.10 20 ऐसी नौकरियां, जिन्हें स्वचालन से बदले जाने की सबसे अधिक और सबसे कम संभावना है 99
3.11 नीदरलैंड, अमेरिकी उत्पादकता में वृद्धि अधिकतर हिस्से में बढ़े हुए वेतन के रूप में नहीं दिखी है 100
3.12 उत्पादन की वृद्धि दर को डिजिटल क्रांति आने से आशा के अनुरूप उछाल नहीं मिला है 100
3.13 27 विकसित और 28 विकासशील देशों के विश्लेषण के अनुसार कुल मिलाकर श्रमिक कुल कॉर्पोरेट आय का छोटा सा हिस्सा ही पा रहे हैं 101
3.14 उच्च-कौशल वाले श्रम की आय का हिस्सा बढ़ रहा है, जबकि मध्य और कम-कुशल श्रम का हिस्सा कम हो रहा है 101
3.15 सर्वाधिक वेतन पाने वालों को काम के प्रतिफल में तीव्र वृद्धि ने बहुत कम को लाभ पहुंचाया है, 1980 से यह अंतर बढ़ता जा रहा है 101
4.1 पुरुष वैतनिक काम में अग्रणी हैं तो महिलाएं अवैतनिक कार्यों में 107
4.2 श्रम शक्ति भागीदारी दर द्वारा दिखाया गया है कि महिलाओं के वैतनिक कार्यों में संलग्न होने की संभावना कम ही है 108
4.3 साल 2015 में काम करने की आयु (15 साल और अधिक) के 72 प्रतिशत पुरुष नौकरी कर रहे थे जबकि महिलाओं का प्रतिशत 47 था 109
4.4 महिलाओं और पुरुषों में आय में अधिकतर अंतर अव्याख्यित हैं 110
4.5 साल 2015 में सभी इलाकों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ व्यवसायिक प्रबंधन में कम रहा 111
4.6 महिलाओं के सार्वजनिक सेवाओं में नेतृत्व वाले पदों पर पहुंचने की संभावना कम ही है 111
4.7 शुरुआती और स्थापित उद्यमियों, दोनों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम है, 2014 112
4.8 दुनिया भर के अधिकतर हिस्सों में महिलाओं के असुरक्षित नौकरी में होने की संभावना अधिक है, 2013 113
4.9 दक्षिण एशिया में महिलाओं के रोजगार का लगभग 62 प्रतिशत कृषि, में है लेकिन पुरुषों के रोजगार के प्रतिशत 42 से कम है 114
4.10 ग्रामीण मलावी में महिलाएं अगर घर से बाहर भी काम करती हैं तो भी उन्हें अक्सर भुगतान नहीं किया जाता, 2008 114
4.11 मुख्यत: महिलाएं ही अधिकतर देखरेख के अवैतनिक कार्य करती हैं 118
4.12 सभी मानव विकास समूहों में महिलाओं के मुकाबले पुरुषों को आनंद और सामाजिक गतिविधियों के लिए अधिक समय मिलता है, सबसे ताजा समय के आंकड़े उपलब्ध हैं 119
4.13 दादा-दादी (या नाना-नानी) प्राय: अपने पोते-पोतियों की देखरेख में समय लगाते हैं 119
4.14 वृद्धों की देखरेख का दबाव चीन में अमेरिका के मुकाबले तेजी से बढ़ा है 120
5.1 विकासशील देशों के मानव विकास सूचकांक और ऊर्जा खपत के बीच मजबूत सकारात्मक संबंध है 136
5.2 कृषि क्षेत्र में दुनिया के रोजगार का सबसे बड़ा हिस्सा पूर्वी एशिया और दक्षिणी एशिया में है 141
6.1 170 से अधिक देशों ने 1951 के समान पारिश्रमिक सम्मेलन और 1958 के भेदभाव (रोजगार और व्यवसाय) सम्मेलन की पुष्टि की है। लेकिन कुछ ने इसे अस्वीकार किया है 161
6.2 2014 तक, यौन झुकावों के आधार पर रोजगार में भेदभाव पर रोक लगाने के लिए 65 देशों में कानून थे- कम से कम उनके क्षेत्र के कुछ हिस्सों में - ये 15 साल पहले के तिगुने से भी अधिक था 162
6.3 वैश्विक रूप से, 2010, वही सामान्य श्रम कानून जिसके अधीन दूसरे सभी कामगार आते हैं उनके अधीन केवल 10 प्रतिशत घरेलू कामगार आते हैं 163
6.4 महिला के लिए विद्यालयीय शिक्षा और श्रम बल भागीदारी के बीच वाले वर्षों में संबंध एक उथला घुमावदार आकार दिखाता है 171

नक्शे

5.1 उर्वरक के प्रयोग में भारी अंतर है 142
5.2 अक्षय ऊर्जा की रोजगार क्षमता महत्वपूर्ण है 146

सारणी

1 सतत विकास लक्ष्य 15
1.1 सबसे हाल के वर्ष में उपलब्ध उच्च तथा कम आय वाले देशों में विकलांग व्यक्तियों की रोजगार दर 38
A1.1 शोषण, जोखिम एवं असुरक्षा के साथ कार्य 47
A1.2 विविध प्रकार के रोजगार 51
2.1 2014 में क्षेत्रवार लैंगिक विकास सूचकांक मान 59
2.2 बहुआयामी निर्धनता में सर्वाधिक लोगों वाले देश 61
2.3 चयनित इलाकों के लिए मानव विकास सूचकांक और असमानता-समायोजित विकास सूचकांक 65
A2.1 मानव विकास बैलेंस शीट 74
4.1 भारत में खंडवार घरेलू श्रमिक, 2004-05 115
4.2 खाड़ी सहयोग परिषद के देशों में प्रवासी घरेलू श्रमिक 115
A4.1 समय उपयोग 125
5.1 ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और क्षेत्र द्वारा रोजगार 135
5.2 उद्योग के व्यापक रूप से बंद होने का सामना करना 139
5.3 स्थापित घरेलू सौर प्रणाली की संख्या और बिजली से वंचित लोगों की संख्या (चुने हुए देशों में) 143
5.4 स्वच्छ ऊर्जा से रोजगार सृजन 146
5.5 शिक्षकों की मांग 147
5.6 स्वास्थ्य कर्मियों की मांग 148
A6.1 मौलिक श्रम अधिकार सम्मेलनों की स्थिति 182

विहंगावलोकन

मानव विकास के लिए कार्य

रेखांकन : मानव विकास के आयाम

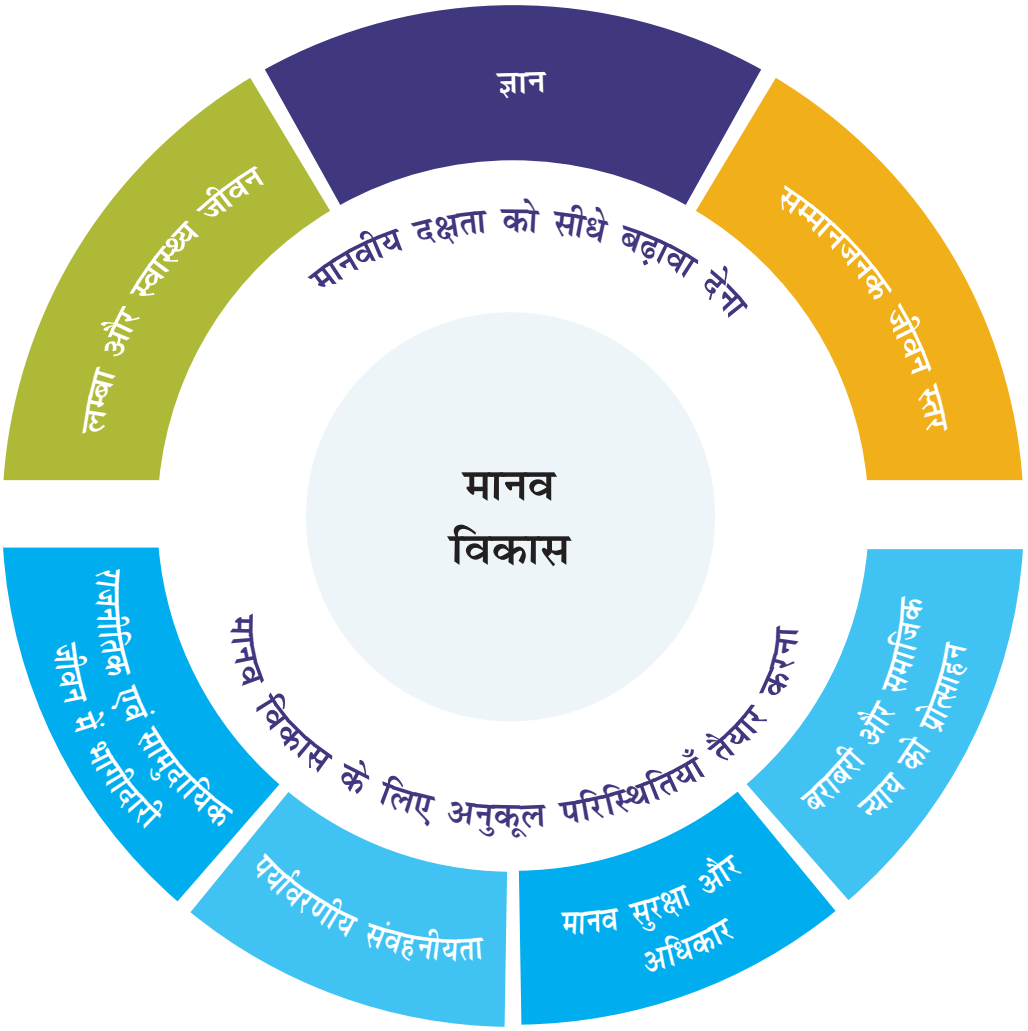

विहंगावलोकन

मानव विकास के लिए कार्य

मानव विकास मानव विकल्पों को विस्तारित करने के बारे में है – अर्थव्यवस्था की मजबूती के बजाय मानव जीवन की समृद्धि पर जोर देना (देखें रेखांकन)। इस प्रक्रिया में सबसे कठिन है काम, जो पूरी दुनिया में विभिन्न तरीकों से लोगों को कार्य में लगाता है और उनके जीवन का प्रमुख हिस्सा इसमें लगा लेता है। दुनिया के 7.3 बिलियन लोगों में से 3.2 बिलियन लोग रोजगार में हैं और अन्य सेवा कार्य, रचनात्मक कार्य, स्वैच्छिक कार्य या अन्य तरह के कार्य में लगे हैं अथवा स्वयं को भविष्य के कामगार के रूप में तैयार कर रहे हैं। इसमें से कुछ कार्य मानव विकास के लिए किए जाते हैं और कुछ नहीं। यहां तक कि कुछ कार्य मानव विकास को हानि भी पहुंचाते हैं। (रेखांकन 1)।

कार्य लोगों को आजीविका कमाने के योग्य और आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाता है। यह न्याय संगत आर्थिक वृद्धि, निर्धनता उन्मूलन और लैंगिक समानता के लिए महत्वपूर्ण है। यह लोगों को समाज में पूर्ण हिस्सेदारी की अनुमति भी प्रदान करता है ताकि उनमें गरिमा और मूल्यों की भावना जागृत हो सके। कार्य जन हित में योगदान करते हैं। कार्य में दूसरों की देखभाल करना भी शामिल है। कार्य परिवारों और समुदायों के भीतर सामंजस्य भी बढ़ाता है।

कार्य समाज को भी सशक्त बनाता है। साथ ही मनुष्य साथ-साथ केवल भौतिक वस्तुएं बढ़ाने के लिए काम नहीं करता, वे ज्ञान का विस्तृत आयाम भी निर्मित करता हैं जो संस्कृति और सभ्यता के लिए आधार होते हैं। जब यह सभी कार्य पर्यावरण के अनुकूल होते हैं, इसके लाभ पीढ़ियों तक प्राप्त होते रहते हैं। निश्चित तौर पर कार्य मानव क्षमता को विस्तारित करता है, रचनात्मकता और मानवीय भावना को बढ़ाता है।

इस वर्ष की मानव विकास रिपोर्ट में यह पता लगाने की कोशिश की गई है कि कैसे कार्य मानव विकास को मजबूती प्रदान कर सकता है। रिपोर्ट से पता चलता है कि कार्य की दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है और इसी के साथ मानव विकास के समक्ष चुनौतियां भी बनी हुई हैं। स्वैच्छिक और रचनात्मक कार्य सहित यह रिपोर्ट कार्य का व्यापक अवलोकन करती है और इस तरह रोजगार से परे जाती है। यह सेवा कार्य यहां तक कि वैतनिक कार्य पर विशेष ध्यान देते हुए कार्य और मानव विकास के बीच की कड़ी की भी जाँच करती है तथा कार्य की संवहनीयता पर विचार-विमर्श करती है।

रिपोर्ट यह भी बताती है कि कार्य और मानव विकास के बीच की कड़ी स्वत: नहीं है और इस तरह कुछ कार्य जैसे जबरन मजदूरी, मानव अधिकार के उल्लंघन, मानव गरिमा को ठेस पहुंचाने और स्वतंत्रता तथा स्वायत्तता का त्याग करने से मानव विकास को हानि पहुंच सकती है। बिना उपयुक्त नीति के, कार्य के असमान अवसर और प्रतिफल विभाजनकारी और समाज में असमानता बढ़ाने वाले हो सकते हैं।

रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि कार्य मानव विकास को तभी मजबूती प्रदान कर सकता है जब नीतियां उत्पादकता बढ़ाने वाली, लाभकारी और कार्य के संतोषजनक अवसरों वाली, श्रमिकों की कार्यकुशलता और क्षमता बढ़ाने वाली, उनके अधिकारों, सुरक्षा व बेहतरी की गारंटी करने वाली हों। रिपोर्ट, नए सामाजिक अनुबंध, वैश्विक संधि और सम्मानित कार्य एजेंडे पर आधारित, कार्यकारी एजेंडे की कोशिश करती है।

लोग देशों की वास्तविक संपत्ति हैं और मानव विकास लोगों के विकल्पों को विस्तारित करने पर ध्यान केंद्रित करता है

पचीस वर्ष पूर्व पहली मानव विकास रिपोर्ट ने मानव विकास की धारणा प्रस्तुत की थी, दूरगामी प्रभावों के साथ एक सरल अभिप्राय। लंबे समय तक विश्व केवल भौतिक समृद्धि पाने में संलग्न था और लोगों को हाशिए पर धकेलता जा रहा था। जन आधारित धारणा के साथ मानव विकास ढाँचे ने जन-केन्द्रित विकास संबंधी आवश्यकताओं को समझने का तरीका ही बदल दिया है।

यह इस पर बल देती है कि विकास का मूल उद्देश्य केवल आय बढ़ाना ही नहीं बल्कि स्वतंत्रता और मानव अधिकारों को मजबूती प्रदान करने, क्षमता बढ़ाने, अवसर उपलब्ध कराने, लंबे, स्वस्थ और रचनात्मक जीवन के माध्यम से मानव के विकल्पों को विस्तार देना भी है (बाक्स 1)।

मानव विकास की अवधारणा मानक के साथ पूरित है – मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) – जो व्यापक परिप्रेक्ष्य में आय से परे जाकर मानव कल्याण का आकलन करता है (बाक्स 2)।

लोगों पर केंद्रित विकास के साधारण लेकिन शक्तिशाली धारणा के साथ बीते 25 वर्षों के दौरान लगभग दो दर्जन वैश्विक मानव विकास रिपोर्ट और 700 से अधिक राष्ट्रीय मानव विकास रिपोर्ट प्रस्तुत की जा चुकी हैं। इन रिपोर्ट ने विकास को लेकर संवाद बढ़ाने में योगदान दिया, विकास के परिणामों का आकलन किया, शोध और नवोन्मेषी चिंतन को प्रेरित किया और नीतिगत विकल्पों को सुझाया है।

मानव विकास मानव जीवन की समृद्धि पर केंद्रित

रेखांकन 1

कार्य पूरी दुनिया में विभिन्न तरह से लोगों को सक्रिय रखता है

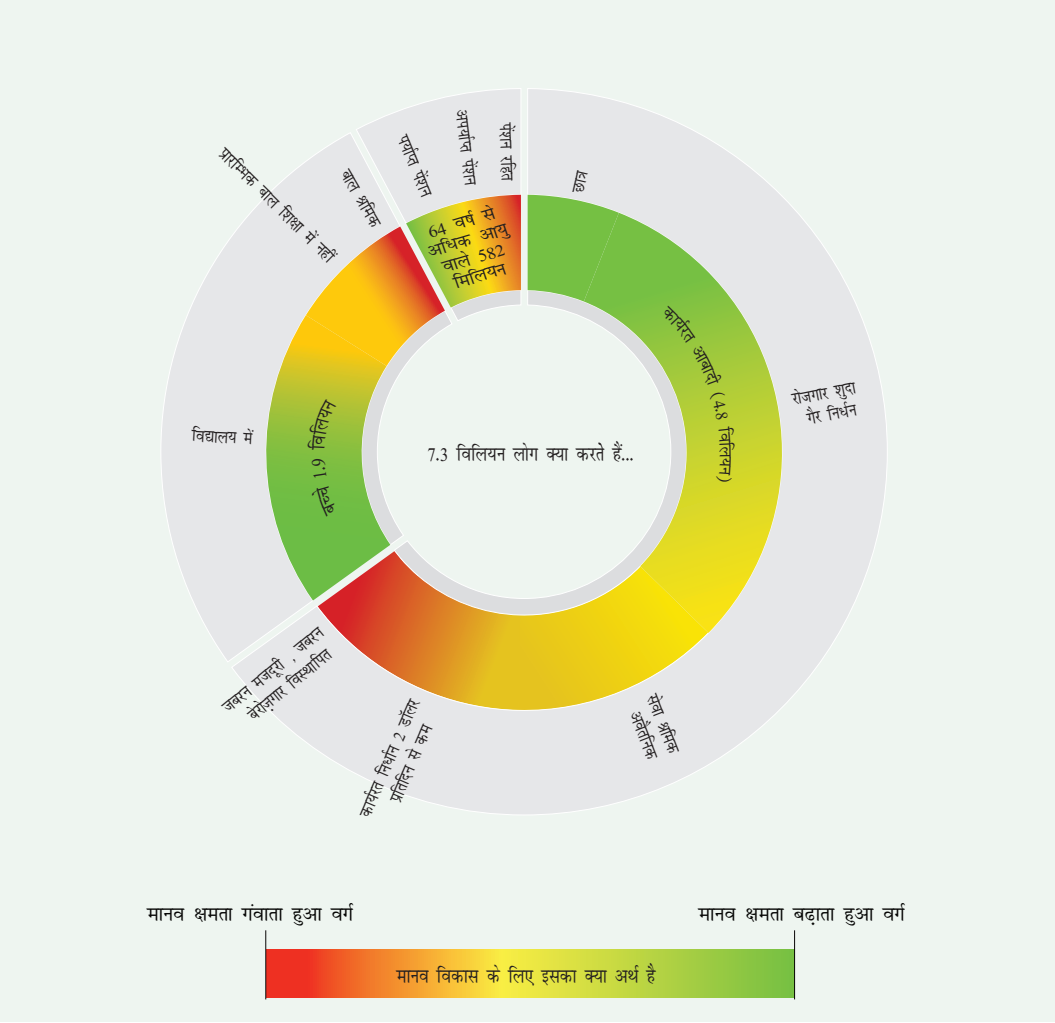

कार्य मानव क्षमता, मानव रचनात्मकता और मानव भावना को उन्मुख करता है

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

बॉक्स 1

मानव विकास-एक व्यापक अवधारणा

मानव विकास लोगों के लिए विकल्पों को विस्तार देने की प्रक्रिया है ताकि वे अपनी क्षमता को बढ़ा सकें और उन क्षमताओं का उपयोग कर अधिकाधिक अवसर प्राप्त कर सकें। लेकिन मानव विकास एक उद्देश्य भी है। अत: यह एक प्रक्रिया और एक परिणाम दोनों है। मानव विकास में यह निहित है कि लोग उन प्रक्रियाओं को प्रभावित करें जो उनके जीवन को स्वरूप देती हों। इस सब में आर्थिक वृद्धि मानव विकास का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, लेकिन अंतिम नहीं। मानव विकास है, लोगों का विकास-मानवीय क्षमताएं निर्मित करने के द्वारा, लोगों के लिए-उनके जीवन में सुधार के द्वारा और लोगों द्वारा-प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के द्वारा जो उनके जीवन को स्वरूप प्रदान कर सके। यह किसी अन्य अवधारणा की तुलना में कहीं अधिक व्यापक है जैसे कि मानव संसाधन की अवधारणा, मौलिक आवश्यकता की अवधारणा या मानव कल्याण की अवधारणा।

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

बॉक्स 2

मानव विकास का आकलन

मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) मानव विकास के तीन बुनियादी आयामों पर केंद्रित एक समग्र सूचकांक है: जन्म के समय की संभावित आयु द्वारा मापा गया लंबा और स्वस्थ्य जीवन यापन, स्कूली शिक्षा के वर्षों और संभावित स्कूली शिक्षा के वर्षों के दवारा मापी गई ज्ञान अर्जित करने की क्षमता और सकल राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय के द्वारा मापित सम्मानित जीवन स्तर प्राप्त करने की क्षमता। एचडीआई की ऊपरी सीमा 1.0 है।

अधिक गहराई से मानव विकास का आकलन करने के लिए, मानव विकास रिपोर्ट चार अन्य संयुक्त सूचकांक प्रस्तुत करती है। असमानता समायोजित एचडीआई (आईएचडीआई) असमानता के स्तर के अनुसार मानव विकास सूचकांक में कटौती करता है। लैंगिक विकास सूचकांक (जीडीआई) महिला और पुरुष मानव विकास सूचकांक मानों की तुलना करता है। लैंगिक असमानता सूचकांक (जीआईआई) महिला सशक्तिकरण पर बल देता है। बहुआयामी निर्धनता सूचकांक (एमपीआई) निर्धनता के बिना आय वाले आयामों का आकलन करता है।

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

कार्य, केवल नौकरियों को ही नहीं बल्कि मानव प्रगति और मानव विकास को बढ़ाने में भी योगदान देता है

मानव विकास की दृष्टि से, कार्य की अवधारणा केवल नौकरियों या रोजगार की तुलना में कहीं अधिक व्यापक और गहरी है। नौकरियां आय उपलब्ध कराती हैं और मानव गरिमा को सहायता, हिस्सेदारी और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती हैं। लेकिन नौकरियों का ढाँचा बहुत सारे कार्यों को प्राप्त करने में असफल रहता है जिनके महत्वपूर्ण मानव विकास प्रभाव होते हैं जैसे सेवा कार्य, स्वैच्छिक कार्य और रचनात्मक कार्य जैसे लेखन या रेखांकनकारी।

कार्य और मानव विकास के बीच की कड़ी सहक्रियाशील हैं। कार्य आय और आजीविका द्वारा, निर्धनता कम करके और समानता आधारित वृद्धि सुनिश्चित कर मानव विकास को मजबूती प्रदान करता है। मानव विकास- स्वास्थ्य, ज्ञान, कौशल और जागरूकता को बढ़ा कर-मानव पूंजी बढ़ाता है और अवसरों व विकल्पों को विस्तृत करता है (रेखांकन 2)।

1990 से दुनिया ने मानव विकास के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। वैश्विक मानव विकास सूचकांक मूल्य एक तिहाई से अधिक बढ़ा है और यदि न्यूनतम विकसित देशों में देखें तो आधे से अधिक है। यह प्रगति समय और क्षेत्रों के आधार पर काफी स्थिर है। निम्न मानव विकास में रहने वाले लोगों की संख्या 1990 में 3 बिलियन से गिरकर 2014 में धीरे-धीरे 1 बिलियन रह गई (देखें सांख्यिकीय परिशिष्ट सारणी 8)।

आज, लोग लंबे समय तक जी रहे हैं, अधिक बच्चे स्कूल जा रहे हैं और अधिक लोगों को साफ पानी और बुनियादी स्वच्छता उपलब्ध हो रही है। यह

कार्य की धारणा नौकरियों की तुलना में व्यापक और गहन है

रेखांकन 2

कार्य तथा मानव विकास परस्पर जुड़े हैं

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

प्रगति आय में वृद्धि के साथ हो रही है तथा मानव इतिहास में उच्चतम जीवन स्तर संपन्न कर रही है। डिजिटल क्रांति अब सभी समाजों और देशों के लोगों को जोड़ रही है। यह बहुत महत्वपूर्ण है, राजनीतिक घटनाक्रम अधिकाधिक लोगों को लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में रहने के लिए सक्षम बना रहे हैं। यह सब कुछ मानव विकास के महत्वपूर्ण पहलू हैं।

1990 और 2015 के बीच विकासशील देशों वाले क्षेत्र में आय निर्धनता दो-तिहाई से अधिक गिरी है। दुनिया के स्तर पर सबसे अधिक निर्धन लोगों की संख्या 1.9 बिलियन से गिरकर 836 मिलियन हो गई। शिशु मृत्यु दर आधे से अधिक गिर गई और पांच साल से नीचे के बच्चों की मृत्यु दर 12.7 मिलियन से गिरकर 6 मिलियन पर आ गई। लगभग 2.6 बिलियन लोगों को पीने के पानी का परिष्कृत स्रोत उपलब्ध हो गया और 2.1 बिलियन को परिष्कृत स्वच्छता सुविधाएं मिल गईं, यह सब तब हुआ जब दुनिया की आबादी 5.3 बिलियन से बढ़कर 7.3 बिलियन तक पहुंच गई।

इस प्रगति में 7.3 बिलियन लोगों ने विभिन्न रूप के कार्यों से योगदान दिया है। लगभग एक बिलियन लोग जो कृषि क्षेत्र में कार्य करते हैं और 500 मिलियन से अधिक परिवारिक खेतिहर लोग मिलकर विश्व की कुल खाद्य खपत के 80 प्रतिशत से अधिक की आपूर्ती करते हैं जिससे पोषतिकता और स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार हुआ है। विश्व स्तर पर, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में 80 मिलियन श्रमिकों ने मानव क्षमता को बढ़ाया है। विभिन्न सेवाओं में एक बिलियन से अधिक श्रमिकों ने मानव प्रगति में योगदान दिया है। चीन और भारत में स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में काम करते हुए 23 मिलियन लोगों की वजह से पर्यावरणीय संवहनीयता बढ़ रही है।

कार्य का एक सामाजिक मूल्य होता है जो व्यक्तिगत श्रमिकों के लाभ के परे होता है। 450 मिलियन से अधिक उद्यमी मानव नवोन्मेष और रचनात्मकता में अपना योगदान दे रहे हैं। लगभग 53 मिलियन वेतन वाले घरेलू श्रमिक लोगों की सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने में लगे हैं। भविष्य के लिए उन्हें बच्चों की देखभाल के कार्य के लिए तैयार किया जा रहा है। कार्य जो उन्हे वृद्ध लोगों अथवा विकलांग लोगों की देखभाल करने के लिए उनकी क्षमताओं को बनाए रखने में सहायता कर रहा है। कलाकारों, संगीतकारों और लेखकों द्वारा किए गए कार्य से मानव जीवन को समृद्ध बनाया जा रहा है। 970 मिलियन से अधिक लोग जो हर साल स्वैच्छिक गतिविधियों में लगे रहते हैं, परिवारों और समुदायों की सहायता कर रहे हैं, सामाजिक ढाँचा निर्मित कर रहे हैं और सामाजिक सद्भाव बनाने में सहायता कर रहे हैं।

निम्न मानव विकास में रहने वाले लोगों की संख्या में लगभग 2 विलियन की कमी हुई

अभी तक मानव प्रगति असंतुलित रही है, मानव अभावग्रस्तता अभी भी बहुत व्यापक है और अधिकांश मानव क्षमता का उपयोग किया जाना अभी बाकी है

मानव विकास क्षेत्रों के बीच, विश्व स्तर पर और देशों के भीतर असंतुलित रहा है। 2014 में लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र के देशों में मानव विकास सूचकांक मान 0.748 था जबकि अरब देशों में तुलनात्मक मान 0.686 था। और ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनोमिक डेवेलपमेंट कंट्रीज में मातृ मृत्यु दर का अनुपात प्रति 100,000 जीवित प्रसव में केवल 21 था, इसकी तुलना में दक्षिण एशिया में यह आंकड़ा 183 था। (देखें सांख्यिकीय परिशिष्ट सारणी 5)

विश्व स्तर पर पुरुषों की तुलना में महिलाएं 24 प्रतिशत कम कमाती हैं और व्यवसाय की दुनिया में उनके पास केवल 25 प्रतिशत प्रशासनिक तथा प्रबंधकीय पद हैं - जबकि 32 प्रतिशत व्यवसायों में वरिष्ठ प्रबंधकीय पद पर कोई महिला नहीं है। महिलाओं के पास अभी भी देशों की संसद के निचले अथवा ऊपरी सदन में केवल 22 प्रतिशत सीटें ही हैं।

2012 में मलेशिया में सबसे धनवान 10 प्रतिशत जनसंख्या के पास राष्ट्रीय आय का 32 प्रतिशत था, जनसंख्या के सबसे निर्धन 10 प्रतिशत के पास राष्ट्रीय आय का केवल 2 प्रतिशत था। मोल्दोवा में ग्रामीण लोगों के केवल 23 प्रतिशत की तुलना में 69 प्रतिशत शहरी लोगों को साफ पेयजल उपलब्ध है।

असंतुलित मानव विकास उपलब्धियों के अतिरिक्त व्यापक पैमाने पर मानव अभावग्रस्त हुआ है। दुनिया के स्तर पर 795 मिलियन लोग हमेशा रहने वाली भूख से पीड़ित हैं, हर मिनट पांच साल से कम उम्र के 11 बच्चों की मृत्यु हो जाती है और हर घंटे 33 माताओं की मृत्यु हो जाती है। लगभग 37 मिलियन लोग एचआईवी पीड़ित और 11 मिलियन तपेदिक की बीमारी से ग्रस्त हैं।

660 मिलियन से अधिक लोग असंशोधित स्रोतों का पानी पीते हैं, 2.4 बिलियन लोग असंशोधित स्वच्छता सुविधाओं का उपयोग करते हैं और लगभग एक बिलियन लोग खुले में शौच करते हैं।

दुनिया के स्तर पर 780 मिलियन प्रौढ और 103 मिलियन युवा लोग (उम्र 15-24 वर्ष) अनपढ़ हैं। विकसित देशों में 160 मिलियन लोग कार्यात्मक रूप से अनपढ़ हैं। वैश्विक स्तर पर 250 मिलियन बच्चे बुनियादी कौशल नहीं सीख सके हैं - जबकि उनमें से 130 मिलियन ने स्कूल में कम से कम चार साल बिताए हैं।

गहरी मानव क्षमता का मानव विकास को बढ़ाने का काम करने के लिए उपयोग न करना, दुरोपयोग अथवा अनुपयोग करना एक गंभीर मानव अभावग्रस्तता

है। 2015 में, 204 मिलियन लोगों के पास काम नहीं था, इसमें 74 मिलियन युवा लोग भी शामिल हैं- यह आंकड़ा औपचारिक बेरोजगारी आंकड़ों पर आधारित है। दुनिया में लगभग 830 मिलियन लोग कम काम कर रहे हैं - प्रतिदिन 2.00 डॉलर से कम पर गुजारा करते हैं - और 1.5 बिलियन से अधिक असुरक्षित रोजगार में लगे हैं, आम तौर पर गरिमामय कार्य दशाओं और समुचित आवाज तथा सामाजिक सुरक्षा का अभाव।

इस क्षमता को प्रभावी बनाना उस समय अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब उभरती मानव विकास चुनौतियों पर विचार किया जा रहा हो।

आय, संपत्ति और अवसरों में बढ़ती असमानता को लें। आज विश्व के लगभग 80 प्रतिशत लोगों के पास विश्व की संपत्ति का केवल 6 प्रतिशत है। सबसे धनी एक प्रतिशत का हिस्सा वर्ष 2016 तक 50 प्रतिशत से अधिक होने की संभावना है। कार्य की दुनिया में उत्पादकता की अपेक्षा मजदूरी कम है और श्रमिकों का आय में हिस्सा गिरता जा रहा है।

अधिकांशत: दक्षिण एशिया से प्रेरित और उप-सहारा अफ्रीका द्वारा बढ़ाई गई, जनसंख्या वृद्धि का मानव विकास, कार्य अवसरों, देखभाल की आवश्यकताओं और देखभाल प्रदाताओं के बीच का अभाव तथा सामाजिक सुरक्षा के प्रावधानों पर प्रमुख प्रभाव होगा। हाल का अनुमान संकेत देता है कि वैश्विक स्तर पर 13.6 मिलियन सेवा श्रमिकों का अभाव है इस कारण से 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए दीर्धकालीन देखभाल सेवाओं की अत्यधिक कमी होगी। अधिक लंबी उम्र, उम्र बढ़ना, युवा उभार और निर्भरता अनुपात सभी पर प्रभाव पड़ेगा। एक अनुमान के अनुसार 2050 में दुनिया की आबादी के दो तिहाई से अधिक - या 6.2 बिलियन लोग शहरी क्षेत्रों में रहेंगे। इसलिए शहरों की क्षमता बढ़ाने पर बल दिया जाना चाहिए।

मानव सुरक्षा को अनेक स्रोतों से खतरा है। 2014 के अंत में, विश्व स्तर पर 60 मिलियन लोग विस्थापित हो चुके हैं। 2000 और 2013 के बीच वैश्विक और राष्ट्रीय हिंसक उग्रवाद बढ़ने से संचयी मौतों का आंकड़ा 3,361 से 17,958 तक पहुंच गया जो कि पांच गुने से अधिक है। मानव विकास के लिए महिलाओं के खिलाफ हिंसा एक सर्वाधिक क्रूर चुनौती है। तीन में से एक महिला को शारीरिक अथवा लैंगिक हिंसा का शिकार होना पड़ा है।

महामारियों द्वारा, उभरते स्वास्थ्य खतरों द्वारा, आर्थिक और वित्तीय संकटों द्वारा तथा भोजन व ऊर्जा असुरक्षा द्वारा खतरों, विविध आघातों, असुरक्षिताओं के रहते मानव विकास को कम करके आंका गया है। उदाहरण के लिए, असंक्रामक (या जीर्ण) बीमारियां अब एक वैश्विक स्वास्थ्य खतरा हैं। इससे हर वर्ष 38 मिलियन लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से लगभग तीन चौथाई (28 मिलियन) निम्न और मध्य आय वर्ग वाले देशों से हैं। दुनिया के लगभग 30 प्रतिशत (2.1 बिलियन) लोग मोटापे के शिकार हैं, इनमें से विकासशील देशों में 60 प्रतिशत से अधिक हैं।

विश्व भर के समुदाय जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से अधिकाधिक असुरक्षित हो रहे हैं। इससे जैव विविधता को भी हानि पहुंच रही है, जो कई निर्धन देशों की जीवन रेखा है। लगभग 1.3 बिलियन लोग भुरभुरी जमीन पर जीवन व्यतीत कर रहे हैं। लाखों लोग प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित हैं।

विश्वभर में, 5 साल की उम्र से कम के 11 बच्चों की हर मिनट में तथा 33 माताओं की हर घंटे में मृत्यु हो जाती है

कार्य मानव विकास को मजबूती प्रदान कर सकता है, लेकिन कुछ कार्य इसे भी हानि पहुंचाते हैं- दोनों के बीच कड़ी स्वत: नहीं है

कार्य और मानव विकास के बीच कड़ी स्वत: नहीं है। यह कार्य की गुणवत्ता, कार्य की दशा, कार्य के सामाजिक मूल्य आदि पर निर्भर करती है। लोगों के पास कार्य है क्या यह महत्वपूर्ण है जैसे कि अन्य मुद्दे। उदाहरण के लिए: क्या कार्य सुरक्षित है? क्या लोग अपने कार्य से परिपूर्ण और संतुष्ट हैं? क्या उनकी उन्नति की संभावनाएं हैं? क्या रोजगार एक लचीले कार्य - जीवन संतुलन को सहायता पहुंचाता है? क्या महिला और पुरुष के लिए समान अवसर उपलब्ध हैं?

कार्य की गुणवत्ता में यह भी शामिल है कि क्या एक नौकरी गरिमा और गौरव का बोध कराती है और क्या यह हिस्सेदारी और आपसी संपर्क की सुविधा प्रदान करती है। मानव विकास के साथ कड़ी को मजबूत बनाने के लिए, कार्य पर्यावरणीय संवहनीयता को भी मजबूती प्रदान करता है। कार्य तब मानव विकास के साथ अपना संपर्क मजबूत करता है जब यह व्यक्तिगत लाभों से ऊपर उठ कर साझा सामाजिक दायित्वों जैसे निर्धनता और असमानता में कमी लाना, सामाजिक एकता, संस्कृति और सभ्यता के लिए योगदान देता है।

इसके विपरीत, कार्य का मूल्य कम और इसकी मानव विकास के साथ कड़ी कमजोर हो जाती है, जब कार्य के दौरान भेदभाव और हिंसा होती है। पद, वेतन और व्यवहार के स्तर पर सबसे उल्लेखनीय भेदभाव लैंगिक आधार पर होता है। अमेरिका में महिला वित्त विशेषज्ञों का वेतन उनके पुरुष समकक्षों की तुलना में केवल 66 प्रतिशत है। लेकिन जाति, ध र्म, अक्षमता और लैंगिक आधार पर भी भेदभाव होता है। लैटिन अमेरिका में स्वदेशी जातीय समूहों और शेष जनसंख्या के बीच अनुमानित तौर पर वेतन में अंतर 38 प्रतिशत होता है।

कार्यस्थल अथवा व्यावसायिक हिंसा - धमकियां और शारीरिक या मौखिक गाली गलौज - भी कार्य

कार्य और मानव विकास के बीच की कड़ी स्वत: नहीं है

और मानव विकास की कड़ी को कमजोर करते हैं। 2009 में लगभग 30 मिलियन यूरोपीय संघ के श्रमिक कार्य संबंधी हिंसा जैसे उत्पीड़न, धमकी, बदमाशी या शारीरिक हिंसा के शिकार हुए। इनमें से 10 मिलियन कार्यस्थल में और 20 मिलियन इसके बाहर हिंसा के शिकार हुए।

संघर्षों और संघर्षों के बाद की स्थितियों में भी कड़ी कमजोर होती है। इन परिस्थितियों में कार्य से हमेशा परिभाष्य संतुष्टि नहीं होती और मानव विकास एक तरह से साधारण अस्तित्व प्राप्त नही कर सकता है।

कई कार्य कुछ परिस्थितियों में मानव विकास को हानि पहुंचाते हैं। बहुत से लोग ऐसे कार्यों में लगे हैं जो उनके जीवन के विकल्पों को बाधित करते हैं। लाखों लोग अपमानजनक और शोषणकारी परिस्थितियों में कार्य करते हैं जो उनके मूलभूत मानव अधिकारों का हनन करते हैं और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं। उदाहरण के लिए बाल श्रमिक, जबरन मजदूरी और श्रमिकों की तस्करी। (रेखांकन 3) घरेलू, प्रवासी, सेक्स और खतरनाक उद्योगों के श्रमिक विभिन्न तरह के खतरों का सामना करते हैं।

विश्व में 168 मिलियन बाल श्रमिक हैं। यह बाल जनसंख्या का लगभग 11 प्रतिशत है। इनमें लगभग 100 मिलियन लड़के और 68 मिलियन लड़कियां हैं। इनके लगभग आधे खतरनाक कार्यों में संलग्न हैं।

विश्व स्तर पर 2012 में लगभग 21 मिलयन लोग जबरन श्रम (बेगार), तस्करी करके मजदूरी और यौन शोषण के लिए लाए गए या गुलामी जैसी स्थितियों में रखे गए – 14 मिलयन श्रम शोषण और 4.5 मिलियन यौन शोषण के शिकार थे। पुरुषों और लड़कों की तुलना में महिलाओं व लड़कियों की संख्या अधिक थी। माना जाता है कि जबरन श्रम से प्रति वर्ष लगभग 150 बिलियन डॉलर का अवैध लाभ होता है।

विश्व में हथियार और नशीले पदार्थों की तस्करी के बाद मानव तस्करी सबसे आकर्षक अवैध व्यवसाय है। 2007 और 2010 के बीच 136 राष्ट्रीयताओं के तस्करी से लाए गए पीड़ित 118 देशों में पाए गए, इनमे 55–60 प्रतिशत महिलाएं थीं।

अवैध आप्रवासियों की तस्करी हाल में काफी बढ़ी है। तस्करों का जाल उन हताश पलायनकर्ताओं से धन की वसूली करता है जो समुद्री और जमीनी रास्तों से अन्य देशों में अवैध तरीके से प्रवेश करने के लिए इच्छुक होते हैं। 2014 में लगभग 3,500 लोग या इससे भी अधिक लोगों ने मुख्य रूप से लीबिया से यूरोप की ओर जाने की कोशिश में भूमध्य सागर पार करते हुए नाव पलटने या डूबने की वजह से अपनी जान गंवाई।

लाखों श्रमिकों के लिए वैतनिक घरेलू कार्य आय का एक महत्वपूर्ण साधन है जिसमें अधिकतर महिलाएं हैं। काम वाले स्थानों में उपयुक्त सुरक्षा के साथ, घरेलू कार्य लोगों को सशक्त बना सकते हैं और उनके परिवारों को निर्धनता से बाहर निकाल सकते

रेखांकन 3

क्षयकारी और शोषक कार्य मानव विकास को छिन्न भिन्न करते हैं

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

हैं। लेकिन वैतनिक घरेलू कार्य में विशेषकर महिला प्रवासी कामगारों के लिए दुर्व्यवहार आम है। कई बार यदि कानूनी ढाँचा अनुपयुक्त या लागू किया हुआ नहीं हो तो नियोक्ता धमकियों और कम वेतन अथवा बिना वेतन के भी काम करवाते हैं। वे वैतनिक घरेलू कामगारों को लंबे समय तक – बिना अवकाश के एक दिन में 18 घंटे तक जबरन काम करवा सकते हैं। कार्य की स्थितियां बहुधा बहुत खराब होती हैं – थोड़ा भोजन दिया जाता है और किसी तरह की स्वास्थ्य सुविधा नहीं है। वैतनिक घरेलू कामगारों का शारीरिक अथवा यौन शोषण भी किया जाता है।

कई देशों में खनन सर्वाधिक खतरनाक व्यवसायों में से एक है। यह वैश्विक कार्यबल (30 मिलियन कामगार) का केवल एक प्रतिशत होता है। लेकिन कार्य के दौरान घातक हादसों और अनेक चोटों तथा अक्षम बनाने वाली बीमारियों जैसे (काला फेफड़े की बीमारी) से पीड़ित 8 प्रतिशत लोगों के लिए खनन जिम्मेदार है।

वैश्वीकरण और तकनीकी क्रांति में तेजी से परिवर्तन हो रहा है –हम कैसे कार्य करें और हम क्या करें

कार्य का संदर्भ मानव विकास के लिए निहितार्थ के साथ बदल रहा है। वैश्वीकरण और तकनीकी क्रांति, विशेषकर डिजिटल क्रांति ने कार्य के रूप में बदलाव किया है। वैश्वीकरण ने व्यापार के तरीकों पर विशेष प्रभाव के साथ, निवेश, वृद्धि और रोजगार सृजन तथा विनाश – के साथ ही रचनात्मक और स्वैच्छिक कार्य के लिए नेटवर्क पर वैश्विक परस्पर निर्भरता को बढ़ावा दिया है। हम ऐसा प्रतीत करते हैं कि जैसे हम नई और त्वरित तकनीकी क्रांति के माध्यम से रह रहे हैं।

बीते 10 वर्षों में वस्तुओं और सेवाओं का वैश्विक व्यापार लगभग दो गुना हो गया है– 2005 में 13 ट्रिलियन डॉलर की तुलना में 2014 में करीब 24 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

डिजिटल तकनीक की पैठ और स्वीकार्यता की गति दिमाग को चकरा देने वाली है। संयुक्त राज्य अमेरिका में पहले की आधी जनसंख्या के पास टेलिफोन होने में 50 वर्ष लिए। जबकि सेलफोन के लिए इसने केवल 10 वर्ष लिए (रेखांकन 4)। 2015 के अंत तक हमारे ग्रह में करीब 7 बिलियन मोबाइल और 3 बिलियन से अधिक इंटरनेट उपभोक्ता होंगे।

डिजिटल क्रांति की पहुंच क्षेत्रों, वर्गों, आयु समूहों और शहरी–ग्रामीण विभाजन में असंतुलित है। 2015 में, विकसित देशों में 81 प्रतिशत घरों में इंटरनेट की सुविधा थी। इसकी तुलना में इंटरनेट की सुविधा विकासशील देश के क्षेत्रों में केवल 34 प्रतिशत और कम विकसित देशों में 7 प्रतिशत घरों में थी।

रेखांकन 4

संयुक्त राज्य अमेरिका में नई तकनीक की स्वीकार्यता की गति

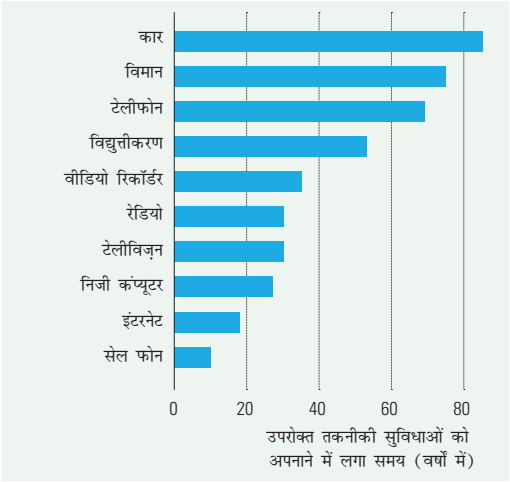

नोट : स्वीकार्यता का मतलब है 50 प्रतिशत जनसंख्या तक पहुँच के लिए लिया गया समय।
स्त्रोत : डोनाय 2014।

वाह्य स्रोतों (आउटसोर्सिंग) और वैश्विक मूल्य श्रृंखला के माध्यम से वैश्वीकरण वैश्विक नेटवर्क में कामगारों और व्यवसायों को एक साथ लाता है। कंपनियां कुछ क्रियाकलापों या कम महत्वपूर्ण गतिविधियों को स्थानांतरित अथवा उप अनुबंध (या दोनों थोड़े भाग में) उन देशों में करती हैं जहां लागत कम लगती है। उदाहरण के लिए एप्पल में पूरी दुनिया में लगे 750,000 से अधिक लोगों में से केवल 63,000 कर्मचारी कार्यरत हैं, जो उत्पादों को डिजाइन, बिक्री, निर्माण और समवेत करते हैं।

बहुत सी आर्थिक गतिविधियां अब वैश्विक मूल्य श्रृंखला में एकीकृत हैं जो देशों, कई बार महाद्वीपों तक विस्तारित हैं। यह एकीकरण कच्चे माल और उपघटक से लेकर बाजार तक पहुंच और बिक्री के बाद की सेवाओं तक जाता है। मुख्य तौर पर मध्यवर्ती वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन, खंडित हुई और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तितर–बितर उत्पादन प्रक्रियाओं में संयोजित, बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा और उद्योगों के पार जा कर समन्वित किया जाता।

हाल के वर्षों में ज्ञान उत्पादन का केंद्र बन गया है। यहां तक कि निर्माण में तैयार वस्तुओं का मूल्य दिये हुए ज्ञान से ही तेजी से बढ़ता है। 2012 में ज्ञान आधारित वस्तुओं, सेवाओं और वित्त – करीब 13 ट्रिलियन डालर – श्रम आधारित वस्तुओं के व्यापार की तुलना में 1.3 गुना तेजी से बढ़ा, जो वस्तुओं और सेवाओं के कुल व्यापार का एक बड़ा अनुपात होता है।

डिजिटल क्रांति ने कार्य के साझा अर्थव्यवस्था (ग्रैब टैक्सी), व्यवसाय प्रक्रिया की वाह्य स्रोतों (आउटसोर्सिंग), बहुतायत कार्य (मैकेनिकल टर्क)

विश्व में लगभग 168 मिलियन बाल श्रमिक हैं तथा 21 मिलियन लोग जबरन मजदूरी में हैं

और लचीले कार्य जैसे नए आयाम पेश किए हैं। इसने रचनात्मक कार्य और छोटे उत्पादकों व कारीगरों की रचनात्मकता में भी क्रांति ला दी है।

उन्नत तकनीक ने न केवल कार्य को बदल दिया है; बल्कि इससे रचनात्मकता और नवीनता के नए तरीके भी अपनाए गए हैं। दूरदर्शी और सहयोगपूर्ण टीमों ने विचारों को यथार्थ वस्तुओं व सेवाओं में बदल दिया है। कंप्यूटरों और इलेक्ट्रॉनिक्स में नई खोजें इस वृद्धि के केंद्र में हैं : 1990 से 2012 तक सभी नए पेटेंट में इनका हिस्सा दोगुने से अधिक था, यह 25 प्रतिशत से लेकर लगभग 55 प्रतिशत था।

डिजिटल क्रांति ने स्वैच्छिकता (स्वयं सेवा) में भी बदलाव ला दिया है, जो अब वास्तव में (आनलाइन या डिजिटल) तरीके से भी की जा सकती है। यूएन वॉलंटियर्स' के आनलाइन स्वैच्छिकता प्रणाली ने 2014 में 10,887 स्वयं सेवकों (इनमें 60 प्रतिशत महिलाएं हैं) विकासात्मक कार्यों के लिए उनकी कार्यकुशलता बढ़ाने में सहायता की।

समूह तकनीक, 3डी (त्रिआयामी) छपाई, उन्नत रोबोटिक्स, ऊर्जा संग्रहण और ज्ञान आधारित कार्य का स्वत:करण जैसे कार्यों को उच्च क्षमता वाली कुछ तकनीक पूरी तरह बदल देने में सक्षम हैं। इस बुद्धिमत्तापूर्ण साफ्टवेयर प्रणाली के माध्यम से संगठन और ज्ञान आधारित कार्य की उत्पादकता में बदलाव होगा और लाखों लोगों को बुद्धिमत्तापूर्ण डिजिटल प्रणाली के उपयोग करने की क्षमता आएगी।

हम नई और त्वरित तकनीकी क्रांति के दौर में रहते दिखाई पड़ रहे हैं

कार्य की इस नई दुनिया में, कामगारों को अधिक लचीलेपन और स्वीकार्य बनने – और रोकने, स्थानांतरित होने तथा कार्य करने की स्थिति पर नए सिरे से बातचीत करने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है। उन्हें नए अवसरों की खोज के लिए अधिक समय लगाने की भी आवश्यकता है।

कार्य की नई दुनिया से जुड़े बहुत सारे लोग सहस्त्रब्दी (मिलेनियलस) वाले हैं – मोटे तौर पर 1980 के बाद पैदा हुए हैं। यह समूह ऐसे समय में इस उम्र के पड़ाव पर पहुंचा जब डिजिटल तकनीक और उन्नत सूचना व संचार तकनीक जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। वे ऐसे समय में प्रौढ़ हुए हैं, जब लचीलापन, स्वीकार्यता और अपरंपरागत कार्य बहुत तेजी से आम हो गए हैं। ऐसे कई सहस्त्रब्दी (मिलेनियल) वाले लोग इस तरह के कार्यों की तलाश में हैं जो लाभ सृजित करने, अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए पर्यावरणीय और सामाजिक समस्याओं को सुलझाने की कोशिश में लगे हैं।

सामाजिक उद्यमी भी एक नए कार्यबल की तरह उभर रहे हैं। वे उद्देश्य परक लोग हैं जो सामाजिक समस्याओं को सुलझाने के प्रति प्रतिबद्ध हैं और वे बिना घाटे, बिना लाभ वाली कंपनियां स्थापित करते हैं (जहां सभी लाभ को फिर से कंपनी में निवेश कर दिया जाता है) जिनका उद्देश्य वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर और अधिकाधिक सामाजिक लाभ पाना होता है।

कार्य के वैश्वीकरण से कुछ लोगों को लाभ तथा कुछ को नुकसान हुआ

विकसित देशों में आउटसोर्सिंग के साथ, नौकरियों के एकत्रिकरण की वजह से निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्र की ओर बढ़ना शुरू हो गया, जैसे विकासशील देशों ने निर्यात आधारित औद्योगीकरण स्वीकार किया। विकासशील देशों जैसे चीन और मैक्सिको में रोजगार सृजन का प्रभाव बढ़ा, जहां तक छोटे देशों का सवाल है जैसे कोस्टा रिका, डोमिनिकन गणराज्य और श्रीलंका में पर्याप्त और सकारात्मक, बहुधा स्थानीय विकास को बढ़ा है, यद्यपि कार्य की गुणवत्ता और श्रम मानकों को लागू करना अलग-अलग है।

वैश्विक स्तर पर सेवाओं के रोजगार को बाहर के देशों को देने के दौर ने 1990 में गति पकड़ना शुरू किया क्योंकि उन्नत सूचना और प्रौद्योगिकी तकनीक ने अलग से कई सहयोगी सेवाएं शुरू करने की अनुमति दे दी। उदाहरण के लिए, 2000 और 2010 के बीच भारत में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काफी संख्या में सीधे नौकरियां 284,000 से बढ़कर 20 लाख से भी अधिक हो गईं। रूस, लैटिन अमेरिका और अफ्रीका में भी सेवाएं तेजी से बढ़ रही हैं, कंपनियों के हितों में विविधता लाने के लिए अलग-अलग समय में 24 घंटे की सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। लेकिन विकासशील देशों को आउटसोर्सिंग सभी क्षेत्रों और सभी कामगारों के लिए लाभकारी नहीं हो सकी।

जबकि सामान्य रूप से आउटसोर्सिंग का मतलब विकासशील देशों वाले क्षेत्र के लिए लाभकारी होता है लेकिन विकासित देशों में कामगारों के लिए इसके अन्य परिणाम भी हैं। इस बारे में अनुमान अलग-अलग हैं। तात्कालिक के बजाय दूरगामी प्रभाव बहुत स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन सेवाओं की तुलना में विनिर्माण के क्षेत्र में नौकरियों को नुकसान अधिक है। रोजगारों को बाहर के देशों को देने के कारण अल्पकालिक नौकरी की हानि की रेंज कुछ देशों में 0 से लेकर पुर्तगाल में सभी नौकरियों में मिला कर लगभग 55 प्रतिशत तक पाई गई।

आज, प्रशासनिक समर्थन, व्यवसाय और वित्तीय संचालन और कंप्यूटर व गणितीय कार्य वाली नौकरियां काफी सीमा तक आउटसोर्स की जाने वाली हैं। आस्ट्रेलिया, कनाडा और संयुक्त राज्य में सभी नौकरियों की 20-29 प्रतिशत ऐसी हैं जिन्हें बाहर के देशों द्वारा किया जा सकता है, यद्यपि यह संभव नहीं होगा कि उन सभी को बाहर के देशों द्वारा किया जाए। इस अनुमान के अनुसार कई कार्य मध्यम-और उच्च दक्षता वाली सेवाओं में हैं जो बाहर के देशों से कम लागत में कराए जा सकते हैं क्योंकि वहां शिक्षा का स्तर ऊंचा उठा है और सूचना और संचार प्रोद्योगिकी का ढाँचा उन्नत हो गया है।

इसलिए, जबकि उन देशों में जहां बाहर के देशों

से आने वाले कार्य किए जाते हैं नई नौकरियां पाने में बहुत सारे लाभ हो सकते हैं, इसके कारण नौकरियां गंवाने वाले व्यक्तियों के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वे अधिक प्रतिस्पर्धी माहौल में प्रशिक्षण प्राप्त करें और नई क्षमताएं विकसित करें। समायोजन को आसान बनाने के लिए, नए कार्य तलाशने में लोगों की सहायता के लिए और उनकी क्षमता बढ़ाने तथा मूलभूत आय को बरकरार रखने के लिए, कार्यक्रमों की आवश्यकता होगी। विकासशील देशों में श्रमिकों को नई नौकरियां प्राप्त करने के लिए उनकी क्षमताएं प्रशिक्षण द्वारा बढ़ाई जा सकती हैं।

वैश्विक मूल्य श्रृंखला में विकासशील देशों के एकीकरण ने वैतनिक कार्यों के लिए अवसर बढ़ाए हैं और श्रमिक शक्ति में महिलाओं की भागीदार बढ़ाई है (परिधान उद्योग में काफी संख्या में रोजगार मिला है) । 2013 में 453 मिलियन श्रमिक (1995 की संख्या से 296 मिलियन अधिक), जिनमें 190 मिलियन महिलाएं थीं, वैश्विक मूल्य श्रृंखला में शामिल थे।

लेकिन इस तरह का एकीकरण कार्य की गुणवत्ता के बारे में अधिक कुछ नहीं कहता और यह भी बताता कि श्रमिकों ने अपनी मानव क्षमताओं को कहां उपयोग किया। श्रमिक सुरक्षा के स्तरों और दक्षता उन्नत करने के लिए अवसरों को लेकर चिंताएं हैं।

वैश्विक मूल्य श्रृंखला व्यवस्था देशों के अंदर और आर पार तथा उद्योगों में विजेताओं और पराजित होने वालों को सृजित करती हैं। वैश्विक मूल्य श्रृंखला की कहीं भी चले जाने की प्रकृति के कारण नौकरी की सुरक्षा कम हो सकती है और यह सरकारों तथा उपठेकेदारों पर लागत कम करने के लिए अधिक दबाव बना सकती है। इसके बदले में श्रमिकों विशेषकर कम दक्षता वाले श्रमिकों के वेतन और काम करने की परिस्थिति पर दबाव पड़ता है। विकासशील देश का भी वैश्विक मूल्य श्रृंखला के कम मूल्य वर्धित नोड्स में शामिल होने का खतरा बढ़ता है, जो कार्य अवसरों, दक्षता विकास और प्रोद्योगिकी विस्तार को सीमित करता है।

वैश्विक मूल्य श्रृंखला के संक्रमण ने विकसित और विकासशील देशों में समान रूप से श्रमिकों के सामने नई जटिलताएं पैदा की हैं। अभी भी यह सवाल बचा रह गया है कि वैश्विक मूल्य श्रृंखला बनाम उनके बाहर कार्य के योगदान में भाग ले कर श्रमिक कितना हासिल कर पाते हैं। ऐसे कुछ प्रमाण मिलते हैं कि वैश्विक मूल्य श्रृंखला उन्मुख कार्य में उत्पादकता अधिक है लेकिन फिर भी भीतर के श्रमिकों और वैश्विक मूल्य श्रृंखला से बाहर के श्रमिकों के लिए वेतन समान है। उत्पादकता कैसे बढ़ाई जाए संबंधी सवाल उठाया जाना, श्रमिकों और पूंजी के बीच साझा किया जाता है।

बाजार का दबाव वैश्विक मूल्य श्रृंखला के माध्यम से संप्रेषित हुआ है जिसे श्रमिकों दवारा अवशोषित होना है – चाहे यह वेतन में हो (वैश्विक प्रतिस्पर्धा द्वारा नीचे संचालित), अनियमितीकरण बढ़ने और ठेका प्रथा वाली असुरक्षा (अनेक उप ठेकेदारी श्रृंखलाओं के माध्यम से) या छंटनी हो (गिरते प्रदर्शन के दौरान)। लचीले उत्पादन उपलब्ध कराने और लागत के प्रबंधन के लिए बहुराष्ट्रीय कॉर्पोरेशन बहुत तेजी से श्रमिक बल की छटनी पर भरोसा करती हैं तथा तय अवधि के कर्मचारियों का मिश्रित उपयोग, अस्थायी श्रमिकों, स्वतंत्र ठेकेदारों, परियोजना आधारित श्रमिक और आउटसोर्स किए गए श्रमिकों का उपयोग करती हैं। मूल्य श्रृंखला में भागीदारी कुछ को सुरक्षित, गरिमामय नौकरी तो कुछ अन्य के लिए दोहरे श्रम के रूप में अधिक जोखिम वाला कार्य (यहां तक कि उसी देश और क्षेत्र में) उपलब्ध कराती है।

डिजिटल क्रांति में भविष्य तय करना संयोग या भाग्य नहीं है – यह कौशल और दूरदर्शिता है

जिस तरह के कार्य और जिस तरीके से लोग करते हैं, वह नई प्रौद्योगिकी द्वारा बदले जा चुके हैं। यह बदलाव नया नहीं है, लेकिन यह नई प्रोद्योगिकियों से लोगों के लिए अधिकाधिक तेज सकारात्मक उपलब्धियों के लिए कार्य और मानव विकास तथा विभिन्न प्रकार की नीतियों व संस्थाओं के बीच नया स्वरूप ग्रहण कर रहा है।

डिजिटल प्रौद्योगिकी का प्रसार और पैठ हर जगह कार्य की दुनिया को बदल रहा है, लेकिन भिन्न-भिन्न देशों में इसके प्रभाव भिन्न-भिन्न हैं। कुछ तकनीकी बदलाव प्रतिस्पर्धी हैं, जैसे कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी तथा मोबाइल फोन व अन्य हाथ में रहने वाले उपकरणों का प्रसार। फिर भी, कई देश व्यापक पैमाने पर उत्पादन और रोजगार ढाँचे व डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग, बड़े पैमाने पर कृषि, उद्योग और सेवाओं से संबंधित आर्थिक महत्व के रूप में करते हैं, यहां तक कि लोगों की क्षमता विकसित करने में भी संसाधनों का उपयोग किया जाता है। श्रम बाजार में वैतनिक से अवैतनिक कार्य का अनुपात और प्रत्येक देश में पहले से निर्धारित कार्यस्थलों के प्रकार अलग-अलग हैं – इसलिए कार्य पर डिजिटल प्रौद्योगिकी के प्रभाव भी अलग-अलग होंगे।

हाल के वर्षों में ज्ञान के उत्पादन का केंद्र बन गया है

डिजिटल क्रांति उच्च तकनीक वाले उद्योगों के साथ जुड़ सकती है लेकिन यह कृषि से लेकर सड़क पर माल बेचने तक की अधिक अनौपचारिक गतिविधियों की एक पूरी श्रेणीबद्धता को भी प्रभावित करती है। कुछ सीधे तौर पर मोबाइल उपकरणों से संबंधित हो सकती हैं। इथियोपिया में किसान कॉफी की कीमतें पता करने के लिए मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं। सऊदी अरब में किसान वायरलेस

तकनीक का उपयोग गेहूं की खेती के लिए दुर्लभ सिंचाई के पानी के वितरण में करते हैं। बांग्लादेश में कुछ गांवों में महिला उद्यमी पड़ोसियों के लिए वैतनिक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अपने फोन का उपयोग करती हैं।

मोबाइल फोन अब वॉयस काल, एसएमएस और मोबाइल अनुप्रयोगों (एप्लिकेशन्स) के संयोजन के माध्यम से अनेक तरह के कार्यों को संपन्न करने की सुविधा प्रदान करते हैं। कई अन्य प्रकार की गतिविधियों के लिए भी यह लाभप्रद है- औपचारिक तथा अनौपचारिक, भुगतान और बकाया - काहिरा में भोजन विक्रेताओं से लेकर सेनेगल में सड़क की सफाई करने वालों व लंदन में सेवा प्रदाताओं के लिए।

इसके पहले कभी साधारण योग्यता और दक्षता वाले कामगारों के लिए इतना बुरा समय नहीं आया

इंटरनेट और मोबाइल फोन का उपयोग लोगों को उनकी रचनात्मकता और बुद्धिमत्ता को बढ़ाने में काफी सहायक होता है। इससे भी कहीं अधिक संभव है, विशेषकर यदि पुरुष और महिला तथा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों तक पहुंच में असमानता समाप्त हो सके। यदि विकासशील देशों में भी विकसित देशों की ही तरह इंटरनेट की पहुंच हो तो एक अनुमान के अनुसार, घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 2.2 ट्रिलियन डॉलर सकल उत्पन्न किए जा सकते हैं तथा 140 मिलियन नई नौकरियां - 44 मिलियन अफ्रीका में और 65 मिलियन भारत में सृजित की जा सकती हैं। विकासशील देशों में लंबी अवधि की उत्पादकता 25 प्रतिशत तक बढ़ाई जा सकती है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था ने कई महिलाओं को कार्य खोजने में सक्षम बनाया है। यह उन्हें अपनी रचनात्मकता और क्षमता का उपयोग करने का अवसर प्रदान करती है। 2013 में करीब 1.3 बिलियन महिलाएं इंटरनेट का उपयोग कर रही थीं। कुछ उद्यमी की तरह ई-ट्रेडिंग (इंटरनेट व्यापार) में लगी थीं और कुछ समूह श्रम या ई-सर्विसेज (इंटरनेट सेवाओं) के माध्यम से रोजगार के काम में लगी थीं। लेकिन कार्य की यह नई दुनिया विज्ञान और प्रौद्योगिकी में कौशल तथा योग्यता के साथ श्रमिकों पर, अधिक संभव है वह महिला हो, उच्च प्रीमियम रखता है।

अधिक बूढ़े श्रमिक भी नए कार्य अवसर तलाश सकते हैं, इस तरह या तो वे अपने कार्य में आनंद का अनुभव करते हैं या वे सेवानिवृत्ति का जोखिम नहीं उठा सकते। बहुतायत वृद्ध और युवा श्रमिक विभिन्न श्रम बाजार में हैं (इसलिए कि सीधे प्रतिस्थापन नहीं है) और यह कोई मुद्दा नहीं है कि वृद्ध लोगों के कार्य में लगे रहने के लिए बढ़ावा देने से युवाओं को नौकरियां मिलने में कमी आ जायगी।

फिर भी, कई जोखिम और वादे अभी भी अधूरे ही हैं। वास्तव में हम एक ऐसे मोड़ पर हो सकते हैं, जिसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव हैं। तकनीकी क्रांति कौशल पक्षपाती तकनीकी बदलाव प्रस्तुत करती है: यह सोच है कि नई प्रौद्योगिकियों के प्रभाव से कम कुशल श्रमिकों के लिए मांग में कमी आएगी जबकि उच्च कौशल वाले श्रमिकों के लिए मांग बढ़ जाएगी। परिभाषा के अनुसार, इस तरह का बदलाव उच्च मानव पूंजी, कार्य अवसरों के ध्रुवीकरण के साथ लोगों के पक्ष में होता है।

सबसे ऊपर उन लोगों के लिए नौकरियां होंगी जिनके पास उच्च शिक्षा और कौशल होगा। उदाहरण के लिए, आटोमोबाइल उद्योग में, उन्हें लाभ होगा जो इंजीनियर होंगे और नए वाहनों का निर्माण व परीक्षण करने में सक्षम होंगे। निचले स्तर पर अभी भी वे होंगे जिनके पास कम कौशल, कम उत्पादकता, कम वेतन वाली सेवाओं में नौकरियां होंगी जैसे कार्यालय की सफाई। लेकिन मध्य क्षेत्रों में कार्यालयों के छोटे-छोटे कमरों और कारखाने के तल पर काम के लिए कई नौकरियों में स्थिरता दिखेगी। सबसे अधिक नुकसान उन श्रमिकों को होगा जिनके पास कोई विशिष्ट योग्यता नहीं है और केवल आम कार्य कुशलता है (रेखांकन 5)।

कई संज्ञानात्मक जटिल नौकरियां भी आवश्यक योग्यताएं पूरी करने के बावजूद लोगों की पहुंच के बाहर हैं। इस कारण से कुछ उद्योग कौशल की कमी का सामना कर रहे हैं, इसलिए कंपनियां वैश्विक बाजार को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम प्रतिभाओं के लिए अधिक वेतन देने की भी इच्छुक हैं। मुख्य रूप से वैश्विक बाजार से उच्च कौशल वाले श्रमिकों और राष्ट्रीय बाजारों से कम कौशल वाले श्रमिकों के आने के साथ, राष्ट्रीय स्तर पर ध्रुवीकरण होने के अलावा, कार्य बल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी बंट गया है।

अब समय आ गया है कि एक श्रमिक के पास विशेष कौशल और उपयुक्त शिक्षा होनी चाहिए, क्योंकि ऐसे लोग मूल्य सृजन और उस पर अधिकार के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कर सकते हैं। लेकिन कभी इतना खराब समय नहीं रहा है कि श्रमिक के पास केवल साधारण कौशल और योग्यता रहे, क्योंकि कंप्यूटर, रोबोट और अन्य डिजिटल प्रौद्योगिकियां असाधारण गति के साथ इस तरह के कौशल और योग्यता वाली हो गई हैं।

डिजिटल क्रांति का एक अंतर्निहित दावा यह था कि यह श्रमिक उत्पादकता को बढ़ाएगा और इस प्रकार वह अधिक वेतन अर्जित कर सकेगा। ऐसा किसी भी मोर्चे पर प्रतीत होता नहीं दिखाई देता : उत्पादकता उस अनुपात से नहीं बढ़ी जितनी आशा थी और कुछ ही को उच्च वेतन का लाभ प्राप्त हो सका। कई अर्थव्यवस्थाओं में (उदाहरण के लिए नीदरलैंड) उत्पादकता और वेतन वृद्धि में अंतर कुछ वर्षों में काफी बढ़ा है और हालात भी कहीं अधिक गंभीर हुए हैं जैसे औसत वेतन आवरण के बारे में तथ्य यह है कि बहुत सारे श्रमिकों का वास्तविक वेतन स्थिर है और सबसे अधिक कमाने वालों की आय बहुत अधिक बढ़ी है।

तकनीकी क्रांति बढ़ती असमानता के साथ आई है। श्रमिकों को कुल आय का बहुत छोटा हिस्सा मिल रहा है। यहां तक कि बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण

रेखांकन 5

स्वचालन द्वारा सबसे अधिक और सबसे कम प्रतिस्थापित किए जा सकने वाली 20 नौकरियां

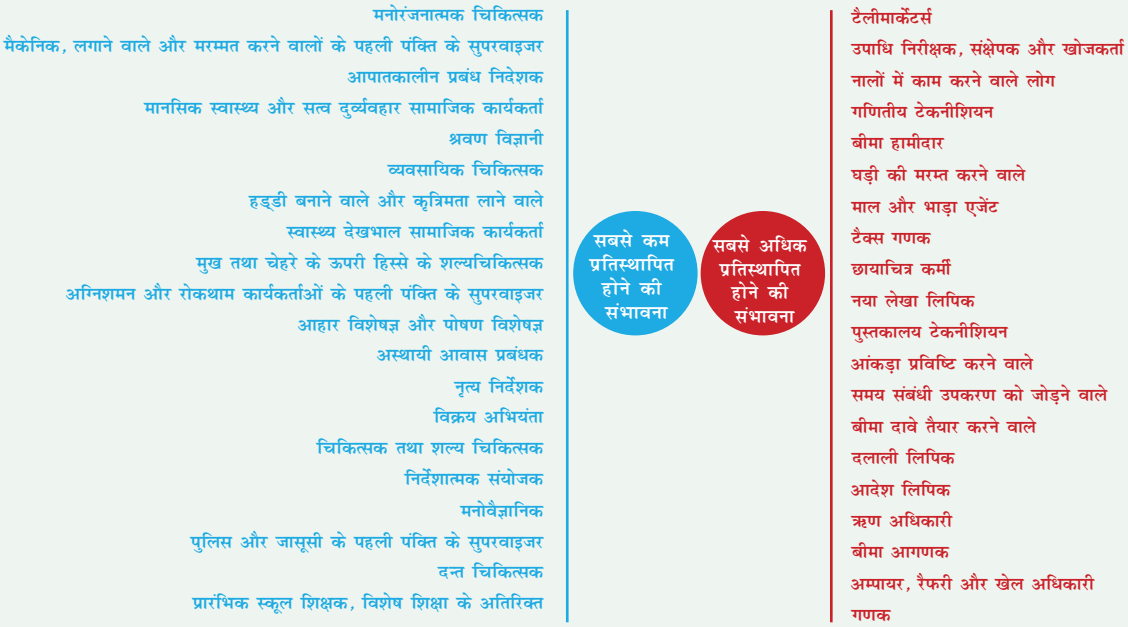

नोट : यह सारणी कार्यों को इस आधार पर सूचीबद्ध करती है कि उनमें कम्प्यूटरीकरण होना कितना सरल या कठिन है जिनमें कठिन है, उन्हें नीले से और जिनमें सरल है उन्हें लाल से दर्शाया गया है व्यवसाय अमेरिकी विभाग के लेबर स्टेंडर्ड औकुपेशनल क्लासिफिकेशन के अनुरूप है।
स्त्रोत : फ्रे तथा ओसबोर्न 2013।

प्राप्त वे श्रमिक जो अधिक उत्पादक कार्य कर सकते हैं, उन्हें भी आय, स्थिरता या सामाजिक मान्यता के अनुरूप प्रतिफल नहीं प्राप्त कर पाते।

कुल आमदनी में कामगार की आय की गिरती हुई हिस्सेदारी को सकल औसत वेतन के स्तर में धीमी बढ़ोतरी से जोड़ कर देखा जा सकता है: जैसे जैसे उच्च दक्षता प्राप्त श्रमिकों की आय और पूंजी में बढ़ोतरी हो रही है वैसे वैसे दूसरे श्रमिकों का हिस्सा घटता जा रहा है।

कार्य के बदले सबसे तेज बढती आय वाले सर्वोच्च वेतन भोगियों के माध्यम से बहुत छोटे वर्ग को लाभ पहुंचा है, वह चाहे सर्वोच्च 10 प्रतिशत वाला वर्ग हो, 1 प्रतिशत वाला या 0.1 प्रतिशत वाला। वर्ष 2014 में विश्व के सबसे अमीर 1 प्रतिशत की औसत संपत्ति प्रति वयस्क 2.7 मिलियन डॉलर थी।

क्या श्रमिक, नियोक्ता और नीति निर्माता उभरती कार्य की दुनिया की चुनौतियों को स्वीकार करने को तैयार हैं? इस तरह की दुनिया में, विशिष्ट तकनीकी ज्ञान बहुत तेजी से पुराना हो जाता है और बीते समय की नीतियां व नियम आज या आने वाले कल की चुनौतियों को पूरा करने वाले नहीं हो सकते।

कार्य के दायरे में असंतुलन महिलाओं के लिए - चाहे वे वैतनिक हों अथवा अवैतनिक - नुकसान पहुंचाने वाला है

कार्य के दो संसार - अवैतनिक देखभाल और वैतनिक कार्य - लैंगिकता, स्थानीय मूल्यों, सामाजिक परंपराओं और ऐतिहासिक लैंगिक भूमिकाओं में असंतुलन परिलक्षित होता है। देखभाल के कार्य में घरेलू काम भी शामिल हैं, जैसे परिवार के लिए भोजन तैयार करना, घर की सफाई करना और पानी तथा ईंधन एकत्र करना, इसके साथ ही बच्चों के लिए देखभाल के कार्य, बूढ़े और परिवार के वे सदस्य जो बीमार हैं- दोनों की कम और लंबे समय तक देखभाल करना। सभी क्षेत्रों के बहुतायत देशों में महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक काम करती हैं। एक अनुमान के अनुसार वैश्वक कार्य में महिलाएं 52 प्रतिशत और पुरुष 48 प्रतिशत योगदान करते हैं।

किन्तु, भले ही स्त्रियाँ काम का आधे से ज्यादा बोझ उठा रही हैं, वह वैतनिक और अवैतनिक दोनों ही तरह के कामों में घाटे की स्थिति में हैं, और इस परिपाटी में दोनों ही तरह के काम एक दूसरे को सुदृढ़ करते हैं।

2015 में वैश्विक श्रम बल हिस्सेदारी दर

अनुमान के अनुसार विश्व भर के कुल कामों में महिलाओं का योगदान 52 प्रतिशत और पुरुषों का शेष 48 प्रतिशत है

महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत थी लेकिन पुरुषों के लिए 77 प्रतिशत। दुनिया के स्तर पर 2015 में, कामकाजी उम्र (15 वर्ष और उससे अधिक) के नौकरीपेशा पुरुष 72 प्रतिशत थे, इनकी तुलना में महिलाएं केवल 47 प्रतिशत थीं। श्रम शक्ति में स्त्रियों की भागीदारी और नियुक्ति की दर आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक मुद्दों और घर में देखभाल के काम के वितरण से बहुत अधिक प्रभावित होती है।

घर के बाहर मिलने वाले 59 प्रतिशत वेतन वाले कामों में, पुरुषों के हाथ लगभग दोगुने काम आते हैं, जैसे पुरुषों को 31 प्रतिशत तथा महिलाओं को 21 प्रतिशत। अवैतनिक कार्य के लिए तस्वीर ठीक उलट है, अधिकतर घर के भीतर और देखभाल जिम्मेदारियों को शामिल करके: कार्य का 41 प्रतिशत जो अवैतनिक है, महिलाएं करीब तीन गुना अधिक करती हैं जैसे महिलाओं को 31 प्रतिशत तथा पुरुषों को 10 प्रतिशत।

इसलिए असंतुलन – वैतनिक कार्य की दुनिया में पुरुष हावी हैं, अवैतनिक कार्य में महिलाएं। घर के अंदर अवैतनिक काम समाज और मानव जीवन के लिये आवश्यक हैं, लेकिन जब यह काम अनिवार्यत: महिलाओं के ही माने जाते हैं तो महिलाओं के लिये दूसरी ऐसी गतिविधियों के अवसर प्रतिबंधित हो जाते हैं जो उसे अधिक संपन्न बना सकते हैं।

तब भी जब महिलाएं वैतनिक कार्य में होती हैं, वे नुकसान और भेदभाव सहती हैं। इनमें कांच को सीलबंद करने का काम एक उदाहरण है। वैश्विक स्तर पर वरिष्ठ व्यावसायिक प्रबंधन में महिलाओं का प्रतिनिधित्व काफी कम है: क्षेत्रीय अनुपात में वह वरिष्ठ नेतृत्वकारी पदों पर केवल 22 प्रतिशत हैं और 32 प्रतिशत व्यवसायों में कोई भी महिला वरिष्ठ प्रबंधक नहीं हैं (रेखांकन 6)। दोनों उन्नत और विकासशील देशों में व्यावसायिक अलगाव समय के साथ और आर्थिक समृद्धि के स्तर के पार व्यापक हुआ है – शिल्प, ट्रेड, संयंत्र और मशीन चलाना तथा प्रबंधकीय व विधायी पद ग्रहण करने में पुरुषों का प्रतिनिधित्व अधिकाधिक है। महिलाएं मध्य कौशल वाले व्यवसाय, लिपिक, सेवा कार्यकर्ता और दुकान व बिक्री श्रमिक के रूप में कार्यरत हैं।

यहां तक कि जब एक ही तरह का कार्य कर रहे होते हैं, महिलाएं पुरूषों की अपेक्षा कम कमा पाती हैं – सर्वोच्च वेतन पाने वाले व्यवसायिक पदों के लिए तो यह अंतर सबसे अधिक होता है। वैश्विक स्तर पर, महिलाएं पुरुषों से 24 प्रतिशत कम कमाती हैं। लैटिन अमेरिका में शीर्ष महिला प्रबंधक शीर्ष पुरुष प्रबंधकों के वेतन का औसतन केवल 53 प्रतिशत कमाती हैं। अधिकतर क्षेत्रों में महिलाओं के अधिक असुरक्षित रोजगार में होने की संभावना अधिक हो सकती हैं – चाहे वह अपने लिये काम कर रही हों या किसी अन्य के लिये, अनौपचारिक सन्दर्भ में, उनके लिये आय का स्तर कमतर होता है तथा सामाजिक संरक्षण और सुरक्षा बहुत ही कम या बिल्कुल नहीं होती।

पुरुषों का विश्व के वैतनिक कामों में महिलाओं का अवैतनिक कामों में वर्चस्व है

देखभाल के कार्य का एक असमान हिस्सा महिलाएं वहन करती हैं

महिलाएं संसार भर में घर और समुदाय में अधिकांशत: अवैतनिक देखभाल कार्य करती हैं, जिसमें मुख्य रूप से घरेलू कार्य (जैसे भोजन तैयार करना, जलाने की लकड़ी एकत्र करना, पानी इकट्ठा करना और सफाई करना) और देखभाल करना (जैसे बच्चों की देखभाल, बीमार और बूढ़े लोगों की देखभाल) शामिल हैं।

रेखांकन 6

वैश्विक क्षेत्र के अनुसार व्यवसाय में वरिष्ठ प्रबंधन में महिलाओं का प्रतिनिधित्व- 2015

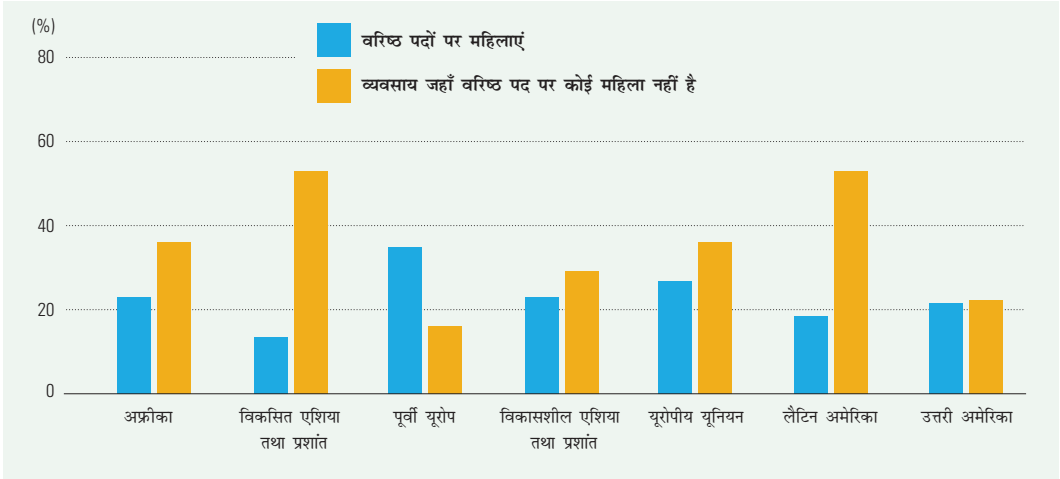

स्त्रोत : ग्रांट थोर्मटन 2015।

देखभाल के कार्य में महिलाओं के असंगत हिस्से के कारण, अन्य गतिविधियों के लिए जिसमें वैतनिक कार्य और शिक्षा भी शामिल है, पुरुषों की तुलना में उनके पास कम समय होता है। इसमें अपनी इच्छा अनुसार खाली समय न मिलना शामिल है। 62 देशों के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि प्रतिदिन पुरुष को औसतन 4.5 घंटे का खाली समय मिल जाता है जिसे वह सामाजिक मेलजोल में या स्वतंत्रतापूर्वक बिताता है, जब कि स्त्रियों को यह समय केवल 3.9 घंटे का मिल पाता है। कम मानव विकास वाले देशों में महिलाओं की तुलना में पुरुष सामाजिक जीवन और अवकाश पर करीब 30 प्रतिशत अधिक समय खर्च करते हैं। अति उच्च मानव विकास वाले देशों में यह अंतर 12 प्रतिशत है।

देखभाल के वैतनिक कार्यों में भी महिलाएं असंगत तरीके से लगी हैं। वैतनिक घरेलू श्रमिक के लिए मांग बढ़ी है। वैश्विक स्तर पर एक अनुमान के अनुसार 15 वर्ष या उससे ऊपर के 53 मिलियन लोग वैतनिक घरेलू कार्य में हैं। इनमें से 83 प्रतिशत महिलाएं हैं – कुछ, प्रवासी श्रमिक। इस तरह एक वैश्विक देखभाल कार्य की श्रृंखला उभरकर सामने आई है जहां प्रवासी घरेलू श्रमिक अपने देश के बाहर घरेलू कार्य में लगने लगे और बच्चों की देखभाल तथा अन्य घरेलू कार्यों में लग गए हैं। लेकिन वे अक्सर अपने निजी बच्चों और माता-पिता को अपनी मातृभूमि में छोड़ देते हैं, जिससे देखभाल में रिक्तता आई है जिसे बहुधा उनके दादा-दादी या अन्य संबंधियों अथवा स्थानीय सहायकों को काम पर रख कर पूरा किया जाता है।

घरेलू कार्य में संभावित दुर्व्यवहार – कम मजदूरी, खराब कार्य दशाओं, चिकित्सा देखभाल का अभाव और शारीरिक अथवा यौन दुर्व्यवहार – के बावजूद अनेक श्रमिक इस तरह के खराब व्यवहार करने वाले नियोक्ताओं के साथ बने रहने को बाध्य रहते हैं क्योंकि उन्हें कार्य की आवश्यकता है। मानव विकास के लिए महत्वपूर्ण होने के बावजूद, देखभाल के कार्य को अक्सर पहचान नहीं मिल पाती। यह आंशिक रूप से इसलिए है क्योंकि, यह अवैतनिक है, यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तरह आर्थिक संकेतकों में परिलक्षित नहीं होता। लेकिन अवैतनिक देखभाल कार्य के मूल्यांकन से घरेलू और सामुदायिक कार्य में महिलाओं के योगदान को विशिष्ट रूप से प्रदर्शित किया जा सकता है और उनकी भौतिक दशाओं व बेहतरी के बारे में नीतियां बनवाने के लिए संभावित निहितार्थ की ओर ध्यान आकर्षित किया जा सकता है। उन सभी देशों में जो अवैतनिक देखभाल कार्य का मूल्यांकन करने का प्रयास कर रहे हैं, इसकी अनुमानित दर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की 20 प्रतिशत से 60 प्रतिशत की रेंज में है। भारत में अवैतनिक देखभाल कार्य सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अनुमानतः 39 प्रतिशत है, दक्षिण अफ्रीका में 15 प्रतिशत है।

जब महिलाओं के पास कोई विकल्प नहीं होता तो वे अवैतनिक कार्य को प्रमुखता देती हैं और जब वे श्रम शक्ति से बाहर हो जाती हैं, तब बड़ा त्याग करती हैं और शायद कार्यस्थल में अपनी क्षमताओं को विस्तारित करने का मौका गंवाती हैं। वह अपनी आर्थिक स्वतंत्रता का अवसर भी खो देती हैं।

वैश्विक स्तर पर महिलाओं की पुरुषों की तुलना में 24 प्रतिशत कम आय

अवैतनिक और वैतनिक कार्य में असंतुलन को संबोधित करना वर्तमान और भावी पीढ़ी दोनों के लिए लाभदायक

महिलाओं और पुरुषों के बीच कार्य के विभाजन में असंतुलन बदला जाना चाहिए। हां, कई समाज एक पीढ़ीगत बदलाव का अनुभव कर रहे हैं, विशेषकर शिक्षित मध्यवर्गीय परिवारों में, महिलाओं और पुरुषों के बीच देखभाल कार्य का अधिकाधिक साझा किया जाने लगा है। फिर भी गहरी लैंगिक असमानताओं को संबोधित करने के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। लंबे समय से चली आ रही ढाँचागत असमानताएं एक दूसरे को नए सिरे से मजबूर कर सकती हैं, जिससे स्त्रियाँ और लड़कियां पीढ़ियों तक गिने चुने विकल्पों और अवसरों में बंध कर रह जाती हैं।

नीतियों की चारों धुरियों पर एक साथ कदम उठाने की आवश्यकता है – अवैतनिक देखभाल कार्य का बोझ कम करना और बराबरी का साझा करना, वैतनिक कार्य में महिलाओं के लिए अवसरों को विस्तारित करना, वैतनिक कार्य में परिणाम सुधारना; और नियमों में बदलाव करना।

अवैतनिक देखभाल कार्य में लगाए गए समय को पूर्णतः कम करने और अधिक समान साझेदारी करने की आवश्यकता है। साफ पानी तक सबकी पहुँच हो, घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आधुनिक तरह की उर्जा उपलब्ध हो, अच्छे स्तर की जन सेवा विशेष रूप से स्वास्थ्य तथा देखभाल सहज में उपलब्ध हों, कार्य स्थल की व्यवस्था में लचीलेपन का गुण हो, जिससे व्यवसायिक प्रगति को कोई हानि न पहुंचे, लोगों की मानसिकता में ऐसा परिवर्तन आये जिससे कार्य में लैंगिकता के आधार पर भूमिकाएं निर्धारित हों। उत्तरदायित्वों का वितरण ऐसा हो कि परिवारों और विशेष रूप से महिलाओं ऊपर से देखभाल का कार्यभार कम किया जा सके।

कानून और लक्षित नीतियां महिलाओं को वैतनिक कार्य की ओर अग्रसर कर सकती हैं। सभी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा और सक्रिय भर्ती प्रयास बाधाओं को कम कर सकते हैं, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां महिलाओं की पहुंच नहीं है अथवा जहां वेतन विषमता है।

नीतियां कार्यस्थल में महिलाओं की उन्नति के लिए बाधाओं को दूर करने में भी सहायक हो सकती

हैं। उपाय जैसे कार्यस्थल पर होने वाली प्रताड़ना और समान वेतन, अनिवार्य पैतृक अवकाश, ज्ञान बढ़ाने के लिए समान अवसर तथा विशेषज्ञता व मानव पूंजी के संघर्षण को समाप्त करने के उपाय और विशेषज्ञता महिलाओं के कार्य के परिणामों को सुधारने में सहायता पहुंचा सकते हैं।

वैतनिक पैतृक अवकाश कठिन है। अधिक समान और प्रोत्साहित पैतृक अवकाश, वेतन के अंतर में कमी और महिलाओं व पुरुषों के लिए बेहतर कार्य जीवन संतुलन महिला श्रम शक्ति हिस्सेदारी की उच्च दर सुनिश्चित करने में सहायता कर सकता है। कई देश अब माता और पिता के बीच बांटकर पैतृक अवकाश दे रहे हैं।

सामाजिक मापदंड भी महिलाओं और पुरुषों के समान क्षमता प्रदर्शित करने की आवश्यकता को प्रतिबिंबित करते हैं। वरिष्ठता, उत्तरदायित्व और सार्वजनिक तथा निजी दोनों क्षेत्र में निर्णय लेना व पारंपरिक रूप से महिला प्रधानता वाले पेशों में पुरुषों को भी लगाने को प्रोत्साहित करना जड़ मान्यताओं को बदलने में सहायक हो सकता है।

संवहनीय कार्य मानव विकास को बढ़ावा देता है

संवहनीय विकास के लिए संवहनीय कार्य एक प्रमुख बुनियाद है

संवहनीय कार्य मानव विकास को बढ़ावा देता है जबकि नकारात्मक दुष्प्रभावों और अनपेक्षित परिमाणों को कम और समाप्त करता है। यह न केवल ग्रह को बनाए रखने किंतु भावी पीढ़ियों के लिए कार्य सुनिश्चित करने के लिए भी महत्वपूर्ण है। (चित्र 7)

ऐसे कार्यों को और अधिक सामान्य बनाने के लिए तीन समांतर बदलावों की आवश्यकता है:

- समापन (कुछ कार्य समाप्त होंगे या कम किए जाएंगे)
- रूपांतरण (कुछ कार्य अपनाने योग्य नई प्रौद्योगिकियों में निवेश और पुनर्परीक्षण या कौशल उन्नयन के द्वारा संरक्षित किए जाएंगे)
- सृजन (कुछ कार्य नए होंगे)

देशों के जनपरिवहन प्रणाली में निवेशों के चलते कुछ पेशे, जैसे रेलवे टेक्नीशियन, पर संकट मंडराने की आशा है। हटाए गए कर्मचारी मुख्यत: उन सेक्टरों से हो सकते हैं जो प्राकृतिक संसाधनों पर बहुत अधिक निर्भर हैं या ग्रीनहाउस गैसों या अन्य प्रदूषक तत्वों का उत्सर्जन करते हैं। दुनिया भर में लगभग 50 मिलियन लोग ऐसे सेक्टरों में नियुक्त हैं (उदाहरण के

रेखांकन 7

संवहनीय कार्य का ढांचा

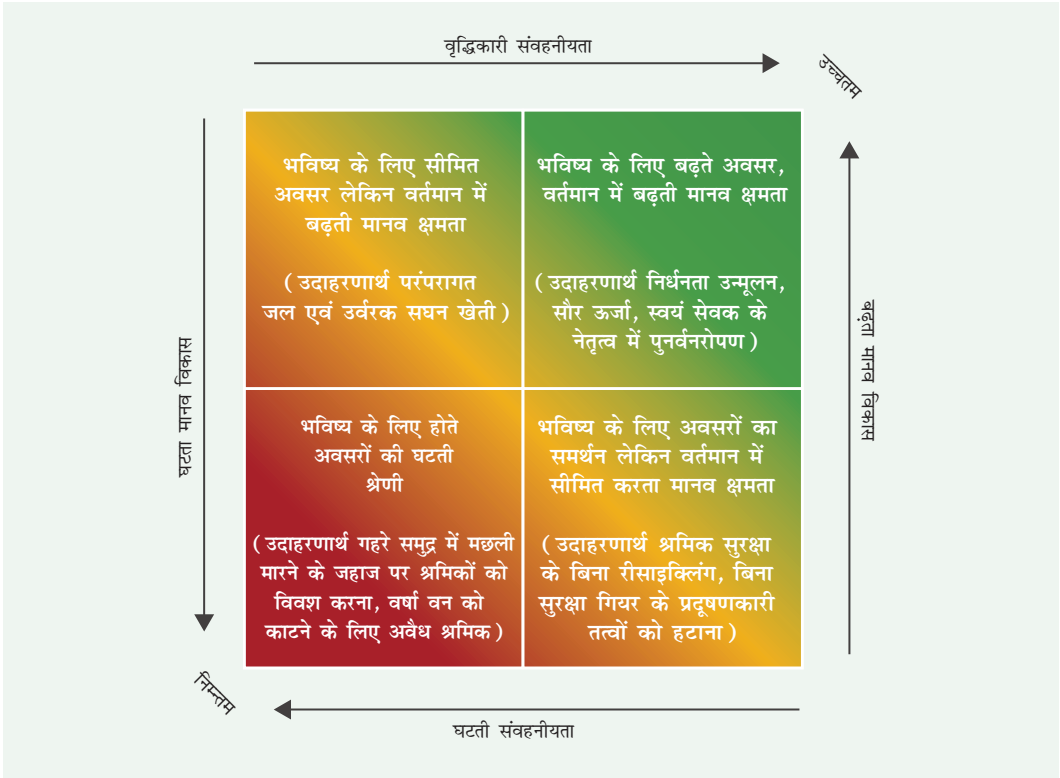

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

तौर पर कोयला खदानों में 7 मिलियन लोग नियुक्त हैं)।

मानकों को लागू करके और उन पर अमल करके कई पेशों, जैसे पुराने जहाज के विखंडन, में कैसे उत्पादन तैयार किया जाता है इसमें भी बदलाव की आवश्यकता है।

सोलर फोटोवोल्टाइक प्रौद्योगिकी समेत कई नए कार्यक्षेत्र कई देशों की पुनर्नवीकृत ऊर्जा रणनीति के महत्वपूर्ण अंग हो गए हैं। मानव विकास के लिए इनकी क्षमता इस बात से बिल्कुल बदल जाती है कि वे पारंपरिक माध्यमों से उत्पादित ग्रिड आधरित बिजली को प्रतिस्थापित कर रहे हैं या कई विकासशील देशों की तरह ग्रिड मुक्त बिजली का दायरा बढ़ा रहे हैं। वर्ष 2030 तक वहनीय, भरोसेमंद और आधुनिक बिजली सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुच सुनिश्चित करने के लिए सतत विकास लक्ष्य (7) हासिल करने की दिशा में पुनर्नवीकृत ऊर्जा एक मुख्य औजार बन सकती है। (सारणी 1)

संवहनीय कार्य के लिए सतत विकास लक्ष्य के मुख्य निहितार्थ

संवहनीय कार्य के लिए संवहनीय विकास लक्ष्य का सर्वाधिक प्रत्यक्ष निहितार्थ लक्ष्य 8 (संवहनीय, समावेशी और संवहनीय आर्थिक विकास, पूर्ण और उत्पादक रोजगार और सभी के लिए सम्माननीय रोजगार) और इससे जुड़े हुए लक्ष्य जो संवहनीय कार्य के लिए कुछ निहितार्थों को बताते हैं। लक्ष्य 8.7 बंधुआ मजदूरी के उन्मूलन, आधुनिक दासप्रथा और मानव व्यापार की समाप्ति के लिए तत्काल और प्रभावी उपाय करना और बाल सैनिकों की नियुक्ति और उपयोग समेत बाल श्रम के सबसे बुरे स्वरूप का निषेध और उन्मूलन हासिल करना और वर्ष 2025 तक बाल श्रम के सभी स्वरूपों को समाप्त करना है।

लक्ष्य 8.8 – श्रमिक अधिकारों की सुरक्षा और प्रवासी श्रमिकों, विशेषकर महिला प्रवासियों और जोखिमपूर्ण रोजगार वाले श्रमिकों समेत सभी श्रमिकों के लिए भयमुक्त और सुरक्षित माहौल को बढ़ाना देने के उद्देश्य से लाभ की स्पर्धा को नजरअंदाज करते हुए श्रमिकों के लिए मानव विकास के परिणामों को मजबूत करने का लक्ष्य है। लक्ष्य 8.9 – संवहनीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नीतियां

अक्षय ऊर्जा संवहनीय विकास को प्राप्त करने की दिशा में एक प्रमुख साधन बन सकती है

सारणी 1

सतत विकास लक्ष्य

लक्ष्य 1	हर जगह से निर्धनता के सभी स्वरूपों की समाप्ति
लक्ष्य 2	भुखमरी की समाप्ति, खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना और पोषण में सुधार और संवहनीय खेती को बढ़ावा देना
लक्ष्य 3	स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना और सभी उम्र वर्ग के लिए बेहतरी को बढ़ावा देना
लक्ष्य 4	समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना और सभी के लिए पढ़ने के अवसर को बढ़ावा देना
लक्ष्य 5	लैंगिक समानता प्राप्त करना और सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना
लक्ष्य 6	जल और स्वछता का संवहनीय प्रबंधन और उपलब्धता सुनिश्चित करना
लक्ष्य 7	सभी के लिए सस्ती, भरोसेमंद, संवहनीय और आधुनिक ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करना
लक्ष्य 8	संवहनीय, समावेशी और संवहनीय आर्थिक विकास, पूर्ण और उत्पादक रोजगार और सभी के लिए सम्माननीय रोजगार को बढ़ावा देना
लक्ष्य 9	लचीला बुनियादी ढांचा निर्मित करना, समावेशी और संवहनीय उद्योगीकरण को और नवोन्मेष को बढ़ावा देना
लक्ष्य 10	देशों के अंदर व देशों के बीच असमानता घटाना
लक्ष्य 11	शहरों और मानव बस्तियों को समावेशी, सुरक्षित, लचीला और संवहनीय बनाना
लक्ष्य 12	संवहनीय उपभोग और उत्पादन प्रवृत्तियां सुनिश्चित करना
लक्ष्य 13	जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों से लड़ने के लिए अविलंब कार्रवाई करना
लक्ष्य 14	महासागरों, सागरों और समुद्री संसाधनों का संरक्षण और संवहनीय उपयोग
लक्ष्य 15	पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र के संवहनीय उपयोग की सुरक्षा, बहाली और प्रोत्साहन देना, वनों का संवहनीय प्रबंधन, मरुस्थलीकरण रोकना, भूमि पतन रोकना और स्थिति बदलना तथा जैव विविधता क्षति को रोकना
लक्ष्य 16	संवहनीय विकास के लिए शांतिपूर्ण और समावेशी समाज को बढ़ावा देना, सभी को न्याय तक पहुंच उपलब्ध कराना और सभी स्तरों पर प्रभावी,उत्तरदायी और समावेशी संस्थाएं निर्मित करना
लक्ष्य 17	संवहनीय विकास के लिए वैश्विक भागीदारी को पुनर्जीवित करना और कार्यान्वयन के साधनों को मजबूत बनाना

a. स्वीकार करते हुए कि जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक प्रतिक्रिया पर संवाद के लिए यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज प्राथमिक अंतर्राष्ट्रीय, अंतर-सरकारी मंच है।

स्रोत : यूएन 2015b।

बहुत सा कार्य जो पर्यावरणीय संवहनीयता के साथ बंधा है उसमें आधारभूत संरचना और निर्माण शामिल होगा

बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने, जिससे वर्ष 2030 तक रोजगार सृजित हों और स्थानीय संस्कृति और उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष प्रकार के (संवहनीय) काम की पैरवी करता है।

लक्ष्य 3.ए – सभी देशों में तंबाकू नियंत्रण पर विश्व स्वास्थ्य संगठन रूपरेखा संधिपत्र पर क्रियान्वयन को मजबूत करना, तंबाकू उत्पादन और वितरण से जुड़े कार्यों को उपयुक्त स्तर तक कम करना और श्रमिकों के स्वास्थ्य में सुधार करना। लक्ष्य 9.4– वर्ष 2030 तक सभी देशों द्वारा कौशल विकास और नए कार्य क्षेत्र की खास दिशा में काम करते हुए अपनी सापेक्षिक क्षमताओं के अनुरूप कदम उठाते हुए वृद्धिकारी संसाधन उपयोग क्षमता और स्वच्छ और पर्यावरण उन्मुख प्रौद्योगिकी और औद्योगिक प्रक्रिया को अपना कर बुनियादी ढाँचा और पुनर्संयोजन उद्योग को संवहनीय बनाने के लिए उन्हें उन्नत करना है।

सतत विकास लक्ष्य के अधिकांश उद्देश्य मानव विकास पर नकारात्मक असर डालने वाले कामों पर ध्यान केंद्रित करने की दिशा में उन्मुख हैं। लक्ष्य 8.7, अगर हासिल हुआ तो यह 168 मिलियन बाल मजदूरों और 21 मिलियन बंधुआ मजदूरों का जीवन सुधारेगा। लक्ष्य 5.2, 4.4 मिलियन यौन शोषित महिलाओं की सहायता करेगा। और लक्ष्य 3.ए तंबाकू क्षेत्र के लगभग 100 मिलियन मजदूरों पर असर डालेगा। इस तरह के कार्यों में सक्रिय रह चुके लोगों को समर्थन के लिए सक्रिय नीतियों और कार्यक्रमों की आवश्यकता है।

अन्य लक्ष्य और उद्देश्यों में कार्यों के वर्तमान तरीकों के रूपांतरण और नए दृष्टिकोण की पहचान करना है। लक्ष्य 2– भुखमरी की समाप्ति, खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने तथा पोषण सुधारने और संवहनीय खेती को बढ़ावा देना– कृषि क्षेत्र में बड़ी संख्या में सक्रिय लोगों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों के तरीके में रूपांतरण की क्षमता है।

खेती, मछलीपालन और वानिकी जैसे कुछ प्राथमिक उद्योगों के कार्यों में पूरी दुनिया के एक बिलियन से अधिक लोग सक्रिय हैं और इनमें अधिकांश 1.25 डॉलर रोजाना से कम पर अपनी जिंदगी बसर करते हैं। यह सेक्टर बड़े अनुपात में ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन के लिए उत्तरदायी हैं, जल और मिटी के उपयोग के असंवहनीय पैटर्न से संबंधित है, वनों की कटाई और जैव विविधता की क्षति से जुड़ा है और जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर विशेषकर संवेदनशील हैं।

इसलिए किसानों द्वारा फसल उगाने और उसकी कार्यविधि के तरीके में बदलाव करना महत्वपूर्ण है। यह बदलाव कर सकने के लिए प्रौद्योगिकी और कृषि विधि मौजूद हैं लेकिन इन्हें तेजी से अपनाने की आवश्यकता है। उदाहरण के तौर पर कुल खाद्य उत्पादन का एक तिहाई हिस्सा नष्ट हो जाता है या क्षतिग्रस्त हो जाता है जिसमें सबसे अधिक बरबादी अनाज की होती है। प्रदर्शन योग्य विस्तार, तत्काल लाभ के लिए और औद्योगिक या शिल्प निर्माताओं नए उत्पाद सृजित करने के लिए।

पर्यावरणीय संवहनीयपन (लक्ष्य 9.4) की मुहिम से जुड़े अधिकांश कार्यों में बुनियादी ढाँचा और निर्माण शामिल है। ऊर्जा परियोजनाएं (लक्ष्य 7) अन्य उद्योगों को विकसित करने और संवारने में सक्षम होने पर प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से दीर्घकालिक और अल्पकालिक रोजगार पैदा कर सकती हैं। वर्ष 2014 में पुनर्नवीकरण ऊर्जा (बड़ी पनबिजली परियोजनाओं को छोड़ कर जिनमें लगभग 1.5 मिलियन प्रत्यक्ष रोजगार हैं) ने प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से लगभग 7.7 मिलियन लोगों को रोजगार दिया। पुनर्नवीकरण ऊर्जा में सोलर फोटोवोल्टाइक्स 2.5 मिलियन रोजगार के साथ पूरी दुनिया में सबसे बड़ी नियोक्ता है।

स्वास्थ्य और शिक्षा के परिणामों को, विशेषकर बच्चों में, मजबूत बनाकर सतत विकास लक्ष्य, संवहनीय कार्यों वाले पेशों के लिए कौशल हासिल करने की दिशा में लोगों के लिए, आधार तय कर सकता है।

कार्य के द्वारा मानव विकास को बढ़ाने के लिए ठोस नीतियों और कार्रवाई के लिए एक एजेंडे की आवश्यकता है

जहां तक नीति का सवाल है, काम के माध्यम से मानव विकास को मजबूत करने के लिए तीन व्यापक आयाम निर्मित किए जाने चाहिए – काम के विकल्पों का विस्तार करने के लिए अधिक कार्य अवसर सृजित करना, काम करने वालों का जीवन बेहतर बनाने के लिए काम व मानव विकास के बीच सकारात्मक संपर्क बनाना और विशिष्ट समूहों तथा संदर्भों के समक्ष चुनौतियों से निपटने के लिए लक्षित कार्रवाई को करना। बदलाव को गति प्रदान करने के लिए कार्रवाई, एजेंडा तैयार करने के लिए तीन स्तरीय दृष्टिकोण, एक नया सामाजिक अनुबंध, एक वैश्विक समझौता और सम्मानित काम एजेंडा, (रेखांकन 8) की भी आवश्यकता है।

मानव विकास के लिए कार्य का अर्थ रोजगार से कहीं

रेखांकन 8

कार्य के माध्यम से मानव विकास को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत विकल्प

स्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

कार्य की बदलती दुनिया में कार्य के अवसर सृजित करने व उन पर अधिकार करने के लिए सुव्यवस्थित रोजगार योजनाएं और उसी तरह की रणनीतियों की आवश्यकता है।

रोजगार, केवल आर्थिक विकास की उत्पत्ती, अब और नहीं माना जा सकता

अधिक है, लेकिन मानव विकास का अर्थ लोगों के लिए विकल्पों का विस्तार और अवसरों की उपलब्ध ता सुनिश्चित कराना भी है। इसमें यह सुनिश्चित करना शामिल है कि उपयुक्त व गुणवत्तापूर्ण भुगतान वाले कामों के अवसरों की उपलब्धता तथा आवश्यकतामंद लोगों की उन तक पहुंच संभव हो सके। कई देशों में कार्य की जटिल चुनौतियों को संबोधित करने के लिए राष्ट्रीय रोजगार रणनीतियां बनाने की आवश्यकता है। लगभग 27 विकासशील देशों ने राष्ट्रीय रोजगार रणनीतियां बनाई हैं, 18 अन्य देश ऐसा कर रहे हैं और पांच अन्य नई रोजगार चुनौतियों से बेहतर तरीके से निपटने के लिए अपनी नीतियों पर पुनर्विचार कर रहे हैं। एक राष्ट्रीय रोजगार रणनीति के प्रमुख नीति के रूप में शामिल हो सकते है:

- *रोजगार लक्ष्य निर्धारित करना।* एक दर्जन से अधिक देशों ने रोजगार लक्ष्य निर्धारित किए हैं (होंडुरास और इंडोनेशिया समेत)। केंद्रीय बैंक दोहरे लक्ष्य पर काम कर सकते हैं – मुख्य रूप से मुद्रास्फीति पर नियंत्रण से लेकर रोजगार लक्ष्य प्राप्त करने तक। वे चिली, कोलंबिया, भारत, मलेशिया और सिंगापुर की तरह अधिकाधिक कार्य अवसर सृजित करने के लिए विशिष्ट मौद्रिक नीति के साधनों (जैसे क्रेडिट आवंटन तंत्र के रूप में) पर विचार कर सकते हैं।
- *रोजगार आधारित विकास रणनीति बनाना।* रोजगार लंबे समय तक आर्थिक विकास का प्रतिफल नहीं हो सकता। रोजगार को बढ़ावा देने के लिए छोटे और मध्यम आकार वाले उद्यमों की पूंजीगत आवश्यकताएं पूरी करने और बड़ी पूंजी वाली कंपनियों के बीच संपर्क मजबूत बनाने के लिए कुछ नीतिगत हस्तक्षेप किए जाने, जीवन चक्र से अधिक काम करने वालों का कौशल बढ़ाने, जहां निर्धन लोग काम करते हैं (जैसे कृषि) उन क्षेत्रों में निवेश और आवश्यकताएं पूरी करने पर ध्यान देना, रोजगार आधारित विकास के रास्ते में आने वाली बाधाओं (जैसे ऋण प्राप्त करने में छोटे और मध्यम श्रेणी के उद्यमों से किए जाने वाले भेदभाव) को दूर करना, ठोस कानूनी व नियामक ढाँचे तथा पूंजी व श्रम के वितरण से संबंधित समस्याएं दूर करने के लिए ऐसी प्रौद्योगिकियों पर बल देना जो रोजगार सृजित कर सकें।
- *वित्तीय समावेशन के लिए प्रयास जारी है।* ढाँचागत बदलाव और काम सृजन के लिए एक समावेशी वित्तीय व्यवस्था आवश्यक है। विकासशील देशों में उद्यमों के संचालन और विकास विशेषकर महिलाओं के लिए, वित्तीय सहायता प्राप्त करने की कमी प्रमुख बाधा रही है। नीतिगत विकल्पों में सुविधाविहीन और हाशिये पर डाल दिए गए समूहों

के लिए बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराना (जैसे इक्वाडोर में), ऐसी जगह जहां सेवा उपलब्ध नहीं, दूरदराज के इलाकों और लक्षित क्षेत्रों (जैसे अर्जेंटिना, मलेशिया और कोरिया गणराज्य) में पूंजी प्रवाह बढ़ाना तथा छोटे व मध्यम श्रेणी के उद्यमों व निर्यात आधारित क्षेत्रों को कम ब्याज दर पर ऋण और ऋण गारंटी प्रदान करना।

- *एक सहायक व्यापक आर्थिक ढाँचे का निर्माण*। कुछ नीतिगत साधन जैसे वास्तविक विनियम दर स्थिर और प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के अलावा परिवर्तनशीलता कम करना और सुरक्षित रोजगार सृजित करना, पूंजीगत खाते का सावधानीपूर्वक प्रबंधन, रोजगार सृजित करने वाले क्षेत्रों के लिए नए सिरे से बजट आवंटन, सार्वजनिक खर्चों के लिए आर्थिक जगह बनाना, एक सक्षम व्यावसायिक वातावरण बनाने को प्रोत्साहन देना, उच्च श्रेणी का ढाँचा सुनिश्चित करना और एक ऐसा नियामक ढाँचा अपनाए जाना जो व्यवसाय के लिए प्रतिस्पर्धी, कार्य क्षमता बढ़ाने वाला, पारदर्शिता सुनिश्चित करने वाला और जवाबदेह हो।

कई देशों में कार्य की जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय रोजगार रणनीतियां आवश्यक हैं

बदलती दुनिया में कार्य के अवसरों पर अधिकार करने के लिए ऐसी नीति की आवश्यकता है जो नए कार्य के वातावरण में लोगों को कामयाब बनाने में सहायता करे। कौशल, ज्ञान और दक्षता से संपन्न व्यक्ति नई प्रौद्योगिकी का उपयोग कर सकते हैं और उभरते अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। यहां कुछ नीतिगत कार्यवाहियों की आवश्यकता होगी:

- *नीचे की ओर दौड़ कर रवाना होना*। यह मानते हुए कि वैश्वीकरण संपादित और संभावित लाभों के अतिरिक्त कार्य भी लाता है इसका मात्र परिणाम, नीचे की ओर दौड़ – कम मजदूरी और खराब काम की स्थितियां, नहीं है। समुचित मजदूरी, श्रमिकों की सुरक्षा करना और निष्पक्ष व्यापार के रूप में दीर्घकालिक तौर पर व्यवसाय को अधिक स्थायित्व प्रदान करना, क्योंकि उपभोक्ताओं के दिमाग में कार्य की स्थितियां लगातार जटिल होती जा रही हैं, वैश्विक स्तर पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।
- *नए कौशल और शिक्षा के साथ श्रमिक उपलब्ध कराना*। विज्ञान और इंजीनियरिंग में नौकरी के लिए और कई अन्य नौकरियों के लिए उच्च और विशिष्ट कौशल की आवश्यकता होगी जो रचनात्मकता, समस्याएं सुलझाने और जीवन पर्यन्त सीखने के लिए सहज योग्यता होगी।

श्रमिकों के अधिकारों और लाभों की गारंटी करना,

श्रमिक भलाई को सुनिश्चित करने के लिए रणनीतियां, अधिकारों, लाभों, सामाजिक सुरक्षा और असमानता पर, केंद्रित होनी चाहिए।

काम और मानव विकास के बीच सकारात्मक संपर्क को मजबूत करना और नकारात्मक संपर्क को कमजोर करना इसके मूल में है।

नीतियां जो शामिल हो सकती हैं:

- *कानून और नियमन की स्थापना*। यह सब बेरोजगारी बीमा, न्यूनतम मजदूरी, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और श्रमिक सुरक्षा सामूहिक सौदेबाजी पर होना चाहिए। कार्य पर आठ अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन सम्मेलनों के प्रस्तावों की पुष्टि और लागू करने तथा कानूनी दायरे में लाने की भी आवश्यकता है (रेखांकन 9)।
- *सुनिश्चित करना कि अक्षम (विकलांग) लोग काम कर सकते* हैं। काम का उपयुक्त वातावरण बनाने के लिए नियोक्ताओं को प्रेरित करना। राज्य मानदंडों और धारणाओं को बदलने, अक्षम लोगों की क्षमताओं को बढ़ाने, कार्यस्थल पर पहुंच सुनिश्चित करने और उपयुक्त प्रौद्योगिकी अपनाने तथा सकारात्मक कार्रवाई नीतियां अपनाने के लिए प्रयास कर सकते हैं।
- *सीमाओं से परे श्रमिक अधिकार व सुरक्षा का मुद्दा*। उपायों में शामिल हो सकता है नियामक ढाँचा, जो कि प्रवासियों, उप क्षेत्रीय प्रेषण (भेजी हुई रकम) क्लियरिंग हाउस और प्रवासी स्रोत वाले देशों, तक विस्तृत हो। ये क्षेत्रीय अथवा उप क्षेत्रीय सार्वजनिक वस्तुओं के ढाँचे का गठन कर सकते हैं।
- *सामूहिक कार्रवाई और ट्रेड यूनियनवाद को बढ़ावा देना*। यह देखते हुए कि वैश्वीकरण, तकनीकी क्रांति और श्रम बाजार में परिवर्तन, सामूहिक कार्रवाई के साथ उभरते स्वरूपों (जैसे कि भारत में स्व कार्यरत महिला एसोसिएशन) लचीले श्रमिकों के लिए अभिनव संगठनों (जैसे कि संयुक्त राज्य अमेरिका में फीलांसरों के संघ के रूप में) को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन और सामूहिक सौदेबाजी के लिए सहयोग की आवश्यकता है।

दुनिया की केवल 27 प्रतिशत महिला आबादी ही व्यापक सामाजिक सुरक्षा के दायरे में हैं, जो गंभीर रूप से सुरक्षा और श्रमिकों के विकल्पों को सीमित करती है। सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करने की कार्रवाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

- *सही डिजाइन, लक्षित और कार्यक्रम चलाने को आगे ले जाना*। एक बुनियादी और सामान्य तौर पर सामाजिक सुरक्षा की गारंटी, सामाजिक स्थानान्तरण के माध्यम से सभी नागरिकों के लिए नकदी और अन्य प्रकार से सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। उदाहरण स्वरूप, प्रगतिशील

रेखांकन 9

देशों की संख्या जिन्होनें 1990 और 2014 की विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन सम्मेलनों की पुष्टि की

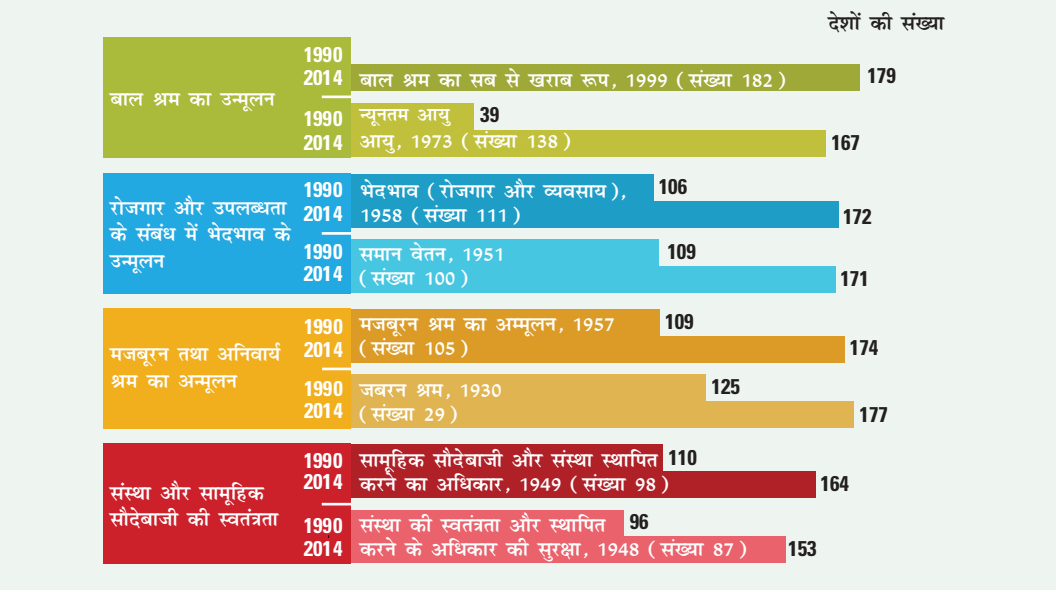

स्त्रोत : आईएलओ (2014c) पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की गणना।

करों, पुनर्गठित व्ययों और व्यापक अंशदायी योजनाओं के माध्यम से संसाधन जुटाए जा सकते हैं।

- *उचित कार्य रणनीतियों के साथ सामाजिक सुरक्षा का मेल है*। एक सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था के रूप में यह कार्यक्रम निर्धन लोगों को काम उपलब्ध कराएगा।
- *आजीविका के लिए आय का आश्वासन*। रोजगार बाजार से स्वतंत्र, नकदी हस्तांतरण के माध्यम से सभी के लिए एक बुनियादी न्यूनतम आय होगी। ऐसी नीति से अवैतनिक काम को अधिक व्यावहारिक और सुरक्षित विकल्प बनाने में सहायता मिलेगी।
- *स्थानीय संदर्भों के परिप्रेक्ष्य में सफल सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को बनाना*। नकदी हस्तांतरण या सशर्त नकदी हस्तांतरण कार्यक्रम ने विशेष रूप से लैटिन अमेरिका (ब्राजिल में बोल्साफैमिला और मैक्सिकों में ऑपरटडूनिडैड्स, जिसे अब प्रोस्पेरा कहा जाता है) में सामाजिक सुरक्षा को एक स्रोत प्रदान किया है और दुनिया के अन्य भागों में भी इसे दोहराया जा सकता है।
- *प्रत्यक्ष रोजगार गारंटी कार्यक्रम को अपनाया जाना*। कई देशों में भी रोजगार गारंटी की योजना अपनाई जा रही है। भारत में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को हम सब अच्छी तरह जानते हैं।
- *बुजुर्गों के मामले में लक्ष्य का निर्धारण करना*। पेंशन की सुविधा की वजह से बुजुर्गों के लिए कार्य के चयन की सीमा सीमित है। गैर अंशदान आधारित सामाजिक पेंशन सिस्टम का विस्तार और पूरी तरह से वित्त पोषित अंशदायी पेंशन व्यवस्था की खोज विकल्प नीति में शामिल है (उदाहरण के लिए जैसे कि चिली में है)।

क्योंकि श्रमिकों की कुल आय का एक छोटा हिस्सा और अवसरों में विषमताएं अभी भी पर्याप्त हैं, इसलिए इन नीतिगत विकल्पों पर धयान केंद्रित करना चाहिए:

- *गरीबों के हित में उनके विकास की रणनीतियां बनाई व लागू की जाना*। जहां सबसे निर्धन लोग काम करते हैं, वहां इस सेक्टर में काम का सृजन करना पड़ेगा जैसे कि निर्धन परिवारों का सुधार तथा स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षित पानी और साफ-सफाई और इनपुट, ऋण और वित्त जैसे उत्पादक संसाधनों- जैसे सामाजिक सेवाओं तक उनकी पहुंच उपलब्ध कराना, जिसका वे उपयोग कर सकें। ये कार्य भी अवैतनिक काम में बिताए समय को पूरी तरह से मुक्त कर सकते हैं। सब्सिडी लक्षित व्यय और मूल्य निर्धारण तंत्र अन्य विकल्प हैं।
- *पूरक सहायता प्रदान करना*। विपणन सुविधाएं, भौतिक बुनियादी ढाँचे में निवेश, (विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में) विस्तार सेवाओं की वृद्धि और श्रम प्रधान प्रौद्योगिकियां, कार्य के समान अवसर के लिए अनुकूल हैं। निजी क्षेत्र को सही प्रोत्साहन के साथ, निर्माण और भौतिक आधारभूत संरचना में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए, प्रोत्साहित किया जा सकता है।

अधिकार और श्रमिकों के लाभ की गारंटी कार्य और मानव विकास के बीच सकारात्मक कड़ी को अंदरूनी मजबूती देती है

श्रमिकों के साथ लाभ में साझा और उद्यमों में कर्मचारियों को शेयर देना आय की असमानता को कम करने में सहायता कर सकता है

- *राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर, विशेष रूप से उच्च शिक्षा को प्रजातंत्रीय बनाना*। कई देशों ने उच्च शिक्षा को ऊँचे स्थान पर रखा है लेकिन उस तक पहुंच असमान है और कार्य में असमानता को बनाए रखता है, इसे इस रूप में देशों (उच्च शिक्षा के साथ काम करने वाले अधिकतर लोग उच्च आय वाले परिवार से हैं) के अंदर और देशों (इस क्षेत्र में पहले से ही उच्च स्थान प्राप्त करने के साथ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अधिक से अधिक वृद्धि के साथ कई देश औद्योगिक देश रहे हैं) के बीच देखा जा रहा है।

देखभाल और वैतनिक काम के बीच संतुलन साधने, कार्य को संवहनीय बनाने, युवा बेरोजगारी को संबोधित करने, रचनात्मक और स्वैच्छिक कार्य को प्रोत्साहित करने और संघर्ष तथा संघर्ष के बाद की स्थितियों में काम उपलब्ध कराने के लिए लक्षित कार्यवाहियां आवश्यक हैं।

महिलाओं और पुरुषों के बीच वैतनिक और अवैतनिक काम के अवसर में संतुलन द्वारा निम्नलिखित नीतिगत उपायों से लाभ हो सकता है:

- *महिला वैतनिक रोजगार के लिए लैंगिक रूप से संवेदनशील नीतियों का विस्तार करना और उन्हें मजबूत बनाना*। कार्यक्रमों में शिक्षा द्वारा, विशेषकर गणित और विज्ञान के साथ कौशल विकास किया जा सकता है, ऐसे प्रशिक्षण भी दिए जाएं जो बाजार की मांग और व्यावसायिक विकास जारी रखने से मेल खाते हों।
- *निर्णय लेने के वरिष्ठ पदों पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए कार्य करना*। इनके प्रतिनिधित्व को मानव संसाधन, चयन और भर्ती, और प्रोत्साहन की नीतियों के माध्यम से सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में बढ़ाया जा सकता है। वरिष्ठ पदों पर पुरुषों और महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए मानदंड समान होने चाहिए। कार्यस्थल पर महिलाओं को सलाह और प्रशिक्षण द्वारा सशक्त किया जा सकता है, उदाहरण के लिए सफल वरिष्ठ महिला प्रबंधकों का उपयोग रोल मॉडल के रूप में करके।
- *लाभ में हिस्सेदारी और कर्मचारियों को स्वामीत्व देने का अनुसरण करना*। श्रमिकों को लाभ में हिस्सेदारी और उपक्रमों में श्रमिकों की हिस्सेदारी आय असमानता में कटौती करने में सहायक होगी।
- *उचित वितरण नीतियों को अपनाना और उन्हें लागू करना*। इसमें आय और संपत्ती पर प्रगतीशील कर, किराया निकासी को कम करने के सख्त नियमन (विशेष रूप से वित्त की)और निर्धनों पर लक्षित सार्वजनिक व्यय को बढ़ाना शामिल हो सकता हैं।
- *वित्तीय क्षेत्र के विनियमन के चक्र के प्रतिगामी प्रभाव को कम करने के लिए वित्तीय क्षेत्र का विनियमन*। वास्तविक अर्थव्यवस्था में निवेश को प्रोत्साहित करने से सुरक्षित रोजगार का सृजन किया जा सकता हैं, जबकि वित्तीय निवेश कम स्थाई हो सकता है और कम नौकरियां सृजित कर सकता है।
- *श्रम और पूंजी की गतिशीलता के बीच विषमताओं को समाप्त करना*। श्रम की गतिशीलता पूंजी के आंतरिक मतभेदों से मेल नहीं खाती। नीतिगत मामलों के रूप में औद्योगिक देश पूंजी की गतिशीलता को प्रोत्साहित करते हैं लेकिन श्रमिकों को हतोत्साहित करते हैं। कोई किसी से कम नहीं है, विकासशील देशों में पूंजी गतिशीलता को विनियमित करके व्यापक आर्थिक अस्थिरता और मध्यम आय वाले जाल को कम किया जा सकता है, और जब मजदूरी बहुत अधिक हो जाती हैं तब पूंजी को विदेशों में जाने से रोका जाता है। प्रवासन नीतियां पलायन के जोखिम को कम कर सकती हैं।
- *विशिष्ठ हस्तक्षेप*। महिलाओं और पुरुषों के बीच कार्यस्थल पर उत्पीड़न की असमानता को घटाने के लिए, भर्तियों में भेदभाव और वित्त और प्रौद्योगिकी तक पहुंच के लिए वैधानिक उपायों की आवश्यकता हैं।
- *मातृ और पितृ अवकाश पर केंद्रित करना*। यही नहीं बल्कि लैंगिक रूप से पूरी तरह तटस्थ दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया जा सकता है, अगर अभिभावकों को बच्चों की देखरेख के लिए छुट्टी की गारंटी एक बोनस है तो इसे माता-पिता दोनों के लिए समान होना चाहिए; पिता को पितृत्व अवकाश का और अधिक उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।
- *देखरेख के विकल्पों को विस्तारित करना*। इसमें डे-केयर सेंटर, दोपहर बाद के स्कूली कार्यक्रम, वरिष्ठ नागरिकों के लिए गृह और दीर्घावधि के लिए देखरेख सुविधाओं को शामिल किया जा सकता है। नियोक्ता एक तरफ बच्चों की देखरेख का प्रस्ताव भी दे सकते हैं। दूसरे विकल्प के रूप में देखरेख के कार्य को वाउचर और टिकट के माध्यम से सब्सिडाइज्ड भी किया जा सकता है।
- *टेलीकम्युटिंग के साथ लचीली कार्य व्यवस्था को प्रोत्साहित करना*। जन्म देने के बाद काम पर लौटने के लिए पर्याप्त प्रोत्साहन होना चाहिए। मातृत्व अवकाश पर रहने वाली महिलाओं के लिए एक साल तक नौकरियों में आरक्षण दिया

जा सकता है। महिलाओं को लाभ के प्रस्ताव (उदाहरण स्वरूप, वेतन बढ़ा कर) दे कर उन्हें काम पर लौटने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। टेलीकम्यूटिंग और कार्य के लचीले घंटे भी महिलाओं और पुरुषों को वैतनिक और अवैतनिक कार्य की अनुमति दे सकते हैं।

- *देखभाल के कार्य का महत्व*। समाज में देखभाल के कार्य के महत्व के बारे में ऐसे प्रयास जागरूकता की नीतियों के बढ़ावा देने में सहायक होंगे और इस तरह के काम को पुरस्कृत करने के लिए विभिन्न विकल्पों को प्रोत्साहित किया जा सकता है।
- *वैतनिक व अवैतनिक कार्य पर आंकड़ों का संग्रहण*। अधिक से अधिक महिला जांचकर्ताओं और उचित नमूने और प्रश्नावली का उपयोग करते हुए राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली को वैतनिक और अवैतनिक कार्य के वितरण पर बेहतर आंकड़े इकट्ठा करना चाहिए।

स्थायी काम के लिए लक्षित उपायों में कार्य को समाप्त करने, बदलने और उन्नत मानव विकास के लिए कार्य सृजित करने और पर्यावरणीय संवहनीयता के लिए ध्यान केंद्रित किया जा सकता है। नीतिगत उपाय इन पर ध्यान केंद्रित कर सकते है:

- *विभिन्न तकनीक को अपनाना कर और नए निवेशों को प्रोत्साहित करना*। सामान्य रूप से व्यापार से प्रस्थान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ावा देने और शीघ्रता से संवहनीय कार्य की ओर जाने की आवश्यकता होगी।
- *असमानता के खिलाफ सतर्क रहना और व्यक्तिगत कार्रवाई को प्रोत्साहन देना*। लोगों के काम में सकारात्मक बाहरी तत्व को पहचानने और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है- उदाहरण के रूप में, समाज के लिए महत्वपूर्ण कार्य (उदाहरण के लिए, वन संरक्षण) के लिए कामगारों को पुरस्कृत कर सामाजिक मजदूरी का उपयोग किया जाए जो निजी मजदूरी के परिप्रेक्ष्य में हो।
- *दुविधाओं का प्रबंधन*। उदाहरण के लिए,उन कामगारों की सहायता करना जो ऐसे क्षेत्र/उद्योग (उदाहरण स्वरूप- खनन) में कार्यरत हैं और उन उद्योग की गतिविधियों के समाप्त होने पर अपनी नौकरी खो देते हैं, और अंतरपीढ़ीगत विषमताओं का सामना करने और परिवर्तनकारी सुविधाओं के प्रबंधन को लेकर मानकों (जैसा कि जहाज तोड़ने के उद्योग में) को लागू करना है।

इसके अतिरिक्त, कार्यों में वांछित वैश्विक परिणामों को बदलने के लिए एक तंत्र की आवश्यकता है (बाक्स 3)

जैसा कि नीतिगत विकल्पों में पहले ही उल्लेख किया गया है, विशेष रूप से शिक्षा और कौशल निर्माण के लिए, युवा बेरोजगारी को संबोधित करना विशेष रूप से प्रासंगिक हैं। लेकिन इस चुनौती की गंभीरता और इसके बहुआयामी (आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक) प्रभावों को देखते हुए लक्षित हस्तक्षेप की आवश्यकता है। युवाओं के लिए काम करने के रोमांचक अवसर हैं कि वे काम की नई दुनिया में अपनी रचनात्मकता, नवाचार और उद्यमिता को दिखा सकते हैं। ऐसा करने के लिए विधियां शामिल है:

- *नये तरीके के कार्य के लिए क्षेत्रों और संस्थाओं के लिए नीतिगत समर्थन उपलब्ध कराना*। जैसे कि कई पहल पर काम चल रहे हैं और प्रतिदिन नए अवसरों की खोज हो रही है, लेकिन उन्हें नीतिगत समर्थन की आवश्यकता होगी।
- *कौशल विकास, रचनात्मकता और समस्या के समाधान में निवेश करना*। युवा महिला और पुरुषों में प्रशिक्षुता, व्यापार और व्यावसायिक प्रशिक्षण और नौकरियों के लिए सीख के लिए विशेष समर्थन किया जाना चाहिए।

संवहनीय कार्य के लिए लक्षित उपाय कार्य को समाप्त करने,बदलने और सृजन करने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं

बॉक्स 3

संवहनीय कार्य की ओर जाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर संभव उपाय

- उचित तकनीक और निवेश के विकल्प की पहचान करना, जिसमें लीपफ्रोगिंग अवसर भी शामिल हैं।
- स्थायी नीतियों को अपनाने की सुविधा के साथ नियामक और व्यापक आर्थिक व्यवस्थाएं निर्धारित करना।
- यह सुनिश्चित करना कि आबादी उचित कौशल पर आधारित हो- जिसमें शिक्षा, रोजगार और संचार के लिए कोर क्षमताओं के साथ तकनीकी और उच्च गुणवत्ता वाले कौशल का संयोजन हो।
- कृषि जैसे अनौपचारिक क्षेत्रों में श्रमिकों की बड़ी संख्या के कौशल का उन्नयन करना और उन्हें फिर से प्रशिक्षित करना। कुछ कामगार बाजार के माध्यम से पहुंच सकते हैं, अन्य कामगारों को सार्वजनिक क्षेत्र, गैर सरकारी संगठन और अन्य की सहायता की आवश्यकता होगी। ये कार्यक्रम महिलाओं और अन्य परंपरागत रूप से वंचित समूहों का समर्थन करने के लिए एक साधन हो सकते हैं।
- समर्थन के विविध पैकेज की पेशकश द्वारा संक्रमण के प्रतिकूल प्रभावों का प्रबंधन और पीढ़ीगत असमानताओं के संचरण को तोड़ना।
- आबादी को कौशल आधारित बनाने का निरंतर काम करना। हस्तक्षेप की संचयी प्रकृति को पहचानने के लिए जो कि सीखने को प्रोत्साहित करता है, उसके लिए एक जीवन चक्र दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी। कौशल के स्थानांतरण में सार्वजनिक क्षेत्र की सतत भूमिका को रेखांकित करते हुए स्वास्थ्य और शिक्षा कार्यकर्ताओं की संख्या और गुणवत्ता में बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता होगी।

स्त्रोत : एटकिंसन (2015)।

- *युवा उद्यमिता को सहायता देने के लिए सहायक सरकारी नीतियां उपलब्ध कराई जाना।* इन क्षेत्रों के वित्तपोषण के लिए व्यवसायों और पहल के लिए और बेहतर उपकरणों तथा चैनल की स्थापना के लिए सलाहकार सेवाएं शामिल हैं। हाल ही में, क्राउडसोर्सिंग छोटी पहलों के लिए धन पैदा करने वाले एक साधन के रूप में उभरा है।
- *अधिक व्यापक रूप से उपलब्ध इंटरनेट के माध्यम से उच्च प्रशिक्षण सिखाने के माध्यम बनाना।* बड़े पैमाने पर खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रम दुनिया भर में विश्व प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थानों और छात्रों को जोड़ रहा है।
- *कैश ट्रांसफर कार्यक्रमों का उपयोग स्थानीय युवाओं और गरीबों के लिए रोजगार प्रदान करने के लिए किया जाना।* भारत और युगांडा में इन कार्यक्रमों के द्वारा वित्त पोषित नौकरी खोजने के लिए संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं और उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण और कौशल विकास का समर्थन किया जा रहा है। उद्यमशीलता के लिए ऋण के अन्य स्रोतों के लिए उपयोग में भी वृद्धि हुई है।

युवा लोगों के लिए रोमांचक काम करने के अवसर सृजित किये जाने चाहिए

रचनात्मक कार्य को एक समर्थकारी कार्य के वातावरण की आवश्यकता है। इसमें वित्तीय सहयोग, अवसरों के लिए सहयोग और विचारों का आदान प्रदान शामिल है। रचनात्मकता और नवाचार को कामयाब करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण आवश्यकताएं है:

- *समावेशी नवाचार।* इधर, नई वस्तुओं और सेवाओं को गैर प्रतिनिधित्व वाले समूहों या महिलाओं के लिए अवसर प्रदान करने या सबसे कम आय पर रहने वाले लोगों द्वारा विकसित किया जा सकता है।
- *लोकतांत्रिक रचनात्मकता का आश्वासन देना।* हर स्तर पर नवाचार को कार्यस्थल और आनलाइन प्लेटफार्म से संगठित तौर पर प्रोत्साहित किया जा सकता है।

अच्छाईयों को आगे बढ़ाती है, इसमें स्वैच्छिक कार्य शामिल है और ये मानव विकास में वृद्धि कर सकते हैं।

स्वयंसेवी संगठनों को कर में छूट, सब्सिडी और सार्वजनिक अनुदान दे कर स्वैच्छिक कार्य को प्रोत्साहित किया जा सकता है। विशेषकर संघर्ष और प्राकृतिक आपदाओं जैसी आपात स्थिति के दौरान, सामाजिक लाभ पाने के लिए स्वैच्छिक कार्य के लिए स्थान का सृजन और उसकी रक्षा जन समर्थन से हो सकती है।

संघर्ष और संघर्ष के बाद की स्थितियों में एजेंसी का निर्माण, लोगों को सशक्त करने, उत्पादक नौकरियों पर ध्यान केंद्रित करने, आवाज उठाने की शक्ति प्रदान करने, सामाजिक स्थिति की पेशकश और सम्मान, एकता, विश्वास और नागरिक समाज में भाग लेने के लिए लोगों की इच्छा को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। कुछ नीतिगत विकल्प है:

- *स्वास्थ्य प्रणाली में सहायक कार्य।* कई संघर्ष प्रभावित देशों में स्वास्थ्य प्रणालियां नष्ट हो गई है और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए समर्थ कामगारों और घायलों के लिए यह महत्वपूर्ण है।
- *सामाजिक सेवाएं प्राप्त करना तथा चलाना।* इसके सामाजिक और राजनीतिक लाभ हैं। इसे समुदाय, गैर सरकारी संगठन और सार्वजनिक निजी साझेदारी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनशिप) द्वारा संचालित किया जा सकता है।
- *लोक निर्माण कार्यक्रमों की शुरुआत।* यहां तक कि आपातकालीन अस्थायी नौकरी, काम के लिए नकदी और इस तरह के बहुत आवश्यक आजीविका प्रदान कर सकते हैं और महत्वपूर्ण भौतिक और सामाजिक ढाँचे के निर्माण में योगदान भी कर सकते हैं।
- *लक्षित समुदाय आधारित कार्यक्रमों को तैयार व लागू किया जाना।* इस तरह के कार्यक्रमों से स्थिरता सहित कई लाभ अर्जित किए जा सकते हैं। आर्थिक गतिविधियां, लोगों को जोड़ने के

नीतिगत विकल्पों के अलावा, नीतिगत विकल्पों के अलावा, कार्रवाई के लिए एक व्यापक एजेंडे की आवश्यकता है।

- *अनुदान का प्रयोग और जोखिम।* यह जटिल सामाजिक और पर्यावरण संबंधी समस्या को सुलझाने पर जोर देता है कि फाउंडेशनों और सार्वजनिक संस्थाओं को कम सिद्ध कार्यों में धन लगाने का जोखिम उठाने की आवश्यकता हो सकती है।
- *सार्वजनिक वस्तुओं के लिए नवाचार करना।* रचनात्मकता और नवाचार से कई उन्नत उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकता है। नीतियां जो कि प्रत्यक्ष रूप से अधिक से अधिक सामाजिक

नेटवर्क के पुनर्निर्माण और सामाजिक ताने-बाने को बहाल करने में सहायता कर शुरूआत कर सकती हैं।
- *एक नए सामाजिक अनुबंध का विकास किया जाना।* कार्य प्रतिभागियों की नई दुनिया में एक ही नियोक्ता के लिए लंबे समय तक संबद्ध रहना या उनके पूर्ववर्ती की तुलना में ट्रेड यूनियन के सदस्य होने की संभावना कम होती है। कार्य की इस दुनिया में सुरक्षा के लिए पारंपरिक व्यवस्था उपयुक्त नहीं है। कैसे समाज एक व्यापक

जनसंख्या को कवर करने के लिए जो हमेशा काम में नहीं है, औपचारिक क्षेत्र से बाहर काम कर रहे लोगों, नए श्रम बाजार के नवागंतुकों (विशेष रूप से प्रवासियों) को समायोजित करने और काम करने में असमर्थ लोगों के लिए धन जुटा सकता है? बीसवीं सदी के दौरान बहुत बड़े पैमाने पर बातचीत से जुड़े ऐसे हालात में एक नए सामाजिक अनुबंध की आवश्यकता हो सकती है। डेनमार्क तेजी से लचीले रोजगार बाजार में फिर से कौशल विकास और कौशल उन्नयन के साथ प्रगति और सुरक्षा प्रदान कर रहा है। (बाक्स-4)

- *वैश्विक समझौते को प्रोत्साहन।* वैश्विक उत्पादन के युग में, राष्ट्रीय नीतियां और सामाजिक अनुबंध वैश्विक प्रतिबद्धताओं के बाहर काम नहीं कर सकते। इसके अलावा, यह सच है कि वैश्वीकरण साझेदारी के विचार पर टिका हुआ है- हम लोगों को 'वैश्विक कार्य जीवन' के लिए उत्तरदायित्व को साझा करना चाहिए।

वैश्विक समझौते में सभी भागीदारों- कामगारों, व्यावसायियों और सरकारों को जुटाने की आवश्यकता होगी- दुनिया भर में, मजदूरों के अधिकारों का सम्मान करने और सभी स्तरों पर समझौतों के लिए बातचीत करने के लिए तैयार किया जा रहा है। इसके लिए नए संस्थानों की आवश्यकता नहीं होगी, केवल दुनिया के सबसे मजबूत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ध्यान पुनः केंद्रित करना होगा।

वैश्विक समझौते सरकारों को अपने नागरिकों की आवश्यकताओं को पूरा करने वाली नीतियों को लागू करने में मार्गदर्शन कर सकते है। बगैर वैश्विक समझौते के राष्ट्रीय नीतियां घरेलू श्रम की मांग पर प्रतिक्रिया दे सकती हैं बिना बाहरी दबावों का संज्ञान लिए। तात्पर्य यह है कि वैश्विक-राष्ट्रीय समझौता भी आवश्यक है। घरेलू कामगारों के लिए अच्छे काम के संबंध में इस तरह के इन्टर्नेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन कन्वेंशन कन्सर्निंग डीसेंट वर्क फॉर डोमेस्टिक वर्कर्स में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जो सितंबर 2013 में हुआ, जिसमें दुनिया भर में घरेलू कामगारों के अधिकारों के लिए वैश्विक मानकों को स्थापित करने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता किया गया था। इस तरह के समझौते पर हस्ताक्षर करने वालों के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत प्रदान किया जाता है लेकिन राष्ट्रीय सरकारें प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय संदर्भों के भीतर नीतियों को लागू करने के लिए स्थान छोड़ देती हैं। वैश्विक कार्रवाई से प्रेरित हो, राष्ट्रीय नीतियां स्थानीय समुदायों में वास्तविक परिवर्तन पैदा करती हैं।

- *डीसेंट वर्क एजेंडा को लागू करना।* डीसेंट वर्क एजेंडा के चार स्तंभ हैं (बाक्स-5)। एजेंडा और मानव विकास के ढाँचे पारस्परिक रूप से एक दूसरे को मजबूत कर रहे हैं। डीसेंट वर्क एजेंडा अपने प्रत्येक स्तंभों के माध्यम से मानव विकास को बढ़ाता है। रोजगार सृजन और उद्यम विकास, लोगों के लिए आय और आजीविका प्रदान कर रहे हैं जो निवेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण उपकरण है, और आत्म-सम्मान और गरिमा की सुविधा में भाग लेने के लिए एक साधन हैं। मजदूरों

बॉक्स 4

डेनमार्क में फ्लेक्सीक्यूरिटी

डेनमार्क के श्रम बाजार में बहुत कुछ है, लेकिन ऐसा क्या है जिसे 'फ्लेक्सीक्यूरिटी' कहा जाता है: नियोक्ताओं और कर्मचारियों और सुरक्षा के लिए कम समायोजन की लागत के रूप में, एक उप-उत्पाद डेनमार्क की अच्छी तरह से विकसित सामाजिक सुरक्षा तंत्र, लचीलेपन के सह-अस्तित्व को उच्च कवरेज और प्रतिस्थापन दर सुनिश्चित करता है।

'फ्लेक्सीक्यूरिटी' का प्रमुख उद्देश्य नौकरी की सुरक्षा में रोजगार सुरक्षा को बढ़ावा देना है। सुरक्षा का अर्थ श्रमिकों पर केंद्रित है न कि उनके काम पर। परिणाम स्वरूप, नियोक्ता एक लचीले श्रम शक्ति के सभी लाभ से लाभान्वित होते हैं, जबकि कर्मचारी सक्रिय श्रम बाजार की नीतियों के साथ लागू एक मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र में सुविधा महसूस कर सकते हैं।

स्त्रोत : विश्व बैंक, 2015 b।

बॉक्स 5

डीसेंट वर्क एजेंडा के चार स्तंभ

- रोजगार सृजन और उद्यम विकास। इसे स्वीकार करने की आवश्यकता है कि निर्धनता से निकलने का मुख्य मार्ग नौकरी है और अर्थव्यवस्था को निवेश, उद्यमशीलता, रोजगार सृजन और संवहनीय आजीविका के लिए अवसर पैदा करने की आवश्यकता है।
- कार्य पर अधिकार और मानक। लोगों को भाग लेने के लिए प्रतिनिधित्व के अवसर की आवश्यकता है, ताकि वे विचारों को आवाज देकर सम्मान अर्जित कर सकें। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के मानक कार्य अनुपालन और प्रगति को मापने के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- सामाजिक सुरक्षा। मूल रूप से सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य की देखभाल और सेवानिवृत्ति सुरक्षा के रूप में समाज और अर्थव्यवस्था में उत्पादकता में भाग लेने के लिए एक आधार है।
- गवर्नेंस और सामाजिक संवाद। सरकारों, श्रमिकों और नियोक्ताओं के बीच सामाजिक संवाद, सुशासन को प्रोत्साहित करते हैं, महत्वपूर्ण आर्थिक और सामाजिक मुद्दों को हल कर श्रम संबंधों को स्थापित करने और आर्थिक और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा दे सकते हैं।

स्त्रोत : आईएलओ 2008b।

सम्मानित कार्य एजेंडा लागू करने से मानव विकास के काम को बढ़ाने में सहायता मिलेगी

मानव विकास की धारणा विकास की बातचीत करने के लिए अभी भी प्रासंगिक है- आज की दुनिया में और भी अधिक ऐसा ही

के अधिकार मानवाधिकार, मानव स्वतंत्रता और श्रम मानकों को सुनिश्चित करने के द्वारा मानव विकास का समर्थन करती है। सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षा जाल सुनिश्चित जोखिम और कमजोरियों से लोगों की रक्षा और देखभाल का काम कराने में मानव विकास के लिए योगदान देता है और सामाजिक संवाद व्यापक आधार वाली भागीदारी, सशक्तिकरण और सामाजिक एकता के माध्यम से मानव विकास में सहायता करता है।

इसके विपरीत, मानव विकास चार स्तंभों में योगदान देता है। मानव विकास के माध्यम से क्षमताओं का विस्तार रोजगार और उद्यमशीलता के लिए अवसर बढ़ाते हैं। मानव विकास के भागीदारी का पहलू सामाजिक संवाद को बेहतर बनाने में सहायता करता है। मानव विकास भी मानवाधिकारों को बढ़ावा देने पर बल देता है जो मजदूरों के अधिकारों और मानव सुरक्षा को बढ़ाता है। इन सभी अंतरसंबंधों को देखते हुए, डीसेंट वर्क एजेंडा को लागू करने से मानव विकास के काम को बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

दुनिया बहुत नाटकीय रूप से बदल रही है, लेकिन मानव विकास की अवधारणा अभी भी प्रासंगिक है- जितनी कभी नहीं थी।

आज की दुनिया 1990 की दुनिया से काफी भिन्न है जब मानव विकास की धारणा और मानव कल्याण का आकलन करने के लिए मानक तय करने की शुरुआत की गई थी। तब से, विकास का वातावरण बदल चुका है, वैश्विक विकास केंद्र स्थानांतरित हो चुके हैं, महत्वपूर्ण भौगोलिक परिवर्तनों को व्यवस्थित किया जा चुका है और विकास की चुनौतियों का एक नया दौर सामने आ चुका है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था बदल रही है। उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का प्रभाव बढ़ रहा है। वैश्विक जीडीपी का विकसित अर्थव्यवस्थाओं का हिस्सा (डॉलर की खरीद क्षमता पर आधारित) 2004 में 54 प्रतिशत से गिरकर 2014 में 43 प्रतिशत पर पहुंच गया। राजनीतिक रूप से, पूरी दुनिया के विभिन्न हिस्सों में स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की इच्छा प्रवल होने लगी। डिजिटल क्रांति ने हमारे सोचने और काम करने के तरीकों को बदल दिया। असमानता बढ़ती गई। मानव सुरक्षा की स्थिति काफी कमजोर हो गई। जलवायु परिवर्तन मानवीय जीवन को कहीं अधिक प्रभावित करने लगा।

इसलिए, क्या मानव विकास की धारणा विकास के उपदेश और मानव कल्याण के उपायों के संदर्भ में अभी भी प्रासंगिक है? हां, आज की दुनिया में कहीं और भी अधिक।

दुनिया के स्तर पर सभी तरह के आर्थिक और तकनीकी विकास के बावजूद, लोगों को प्रगति के सभी फायदे समान रूप से उपलब्ध नहीं हो पाते, मानवीय क्षमताएं और अवसर हमेशा नहीं पनपते। मानव सुरक्षा दांव पर है तथा मानव अधिकार व स्वतंत्रता हमेशा सुरक्षित नहीं हैं। सभी जगहों पर लैंगिक समानता का अभाव है और भावी पीढ़ी के उन विकल्पों पर ध्यान नही दिया जाता जिसके वह लायक हैं। इसके अलावा, मानव विकास की धारणा – बढ़ते विकल्प, लंबे, स्वस्थ और रचनात्मक जीवन पर जोर देना और क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालना तथा अवसर सृजित करना – लोगों को विकास के केंद्र में रखकर विकास का ढाँचा तैयार करने की आवश्यकता कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

इसी तरह, मानव कल्याण के उपायों का मानव विकास ढाँचा अभी भी नीति निर्माण में योगदान की तुलना में मानव विकास का अति व्यापक परिप्रेक्ष्य प्रदान करता है।

25 वर्षों के बाद, अब समय आ गया है कि दोनों पहलूओं पर फिर से विचार करें- धारणा और उपाय।

आज की चुनौतियों और भविष्य की दुनिया के लिए मानविक विकास की धारणा और उपायों को अधिकाधिक प्रासंगिक बनाने के लिए इसकी समीक्षा की जानी चाहिए।

तेजी से बदलती दुनिया के समक्ष आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए मानव विकास की अवधारणा की अति घनिष्ठ विश्लेषणात्मक नींव रखने, विशेषकर संवहनीय विकास और सतत विकास लक्ष्यों के लिए नए 2030 एजेंडे पर बातचीत की आवश्यकता है।

व्यक्तिगत और सामूहिक विकल्प, परस्पर विरोधी परिस्थितियों मे उनके संभावित क्रियाकलाप, इस तरह के विकल्पों के बीच अनुक्रम तथा वर्तमान व भावी पीढ़ी के बीच संतुलन पर बुनियादी ध्यान केंद्रित रखा जाना चाहिए। लेकिन संवहनीयता, दहशतों और असुरक्षिताओं, मानव अधिकार और मानव सुरक्षा के संबंध में मानव विकास का अर्थ नए सिरे से

परिभाषित करना होगा।

संवहनीय विकास और सतत विकास लक्ष्यों के लिए एजेडा 2030 तथा उनमें प्रगति को मापने के लिए नए मापन साधन की आवश्यकता है–पर्यावरणीय स्थिरता और मानव भलाई के लिए संपूर्ण उपायों के साथ एकीकृत करने को प्राथमिकता देनी होगी।

तीन अन्य चुनौतियों से भी पार पाना होगा। पहला, नीतियों को बहुत तेजी से प्रभावित करने वाले उपायों और संकेतकों को चिन्हित किया जाना। दूसरा, दहशतों और संकटों के समय मानव की भलाई का आकलन करने के लिए अक्सर मानक असमान होते हैं, ऐसे में इन्हें आवश्यकता के अनुसार नए सिरे से निर्धारित किया जाना चाहिए। तीसरा, 'तत्काल मार्गदर्शन' नीति निर्धारक तरीके खोजे जाने चाहिए।

इन सभी प्रयासों के लिए ठोस, सुसंगत और विश्वसनीय आंकड़ों की आवश्यकता होगी। इन आवश्यकताओं को पूरा करने और कहीं अधिक महत्वाकांक्षी अंतर्राष्ट्रीय एजेंडे पर, 2014 में यूएन महासचिव द्वारा बुलाए गए 2015 के बाद के एजेंडे पर उच्च स्तरीय पैनल जिसे आंकड़ा क्रांति कहा गया, पर भी विचार करने की आवश्यकता है। यह प्रगति पर नजर रखने की आवश्यकता पर बल देता है।

तीन मुद्दों पर ध्यान देना आवश्यक:

- पहला, भारी मात्रा में वास्तविक-समय के आंकड़ों के द्वारा विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति की बेहतर सूचना प्राप्त की जा सकती है। सेंसर, सैटेलाइट और अन्य उपकरणों के माध्यम से लोगों की गतिविधियों का वास्तविक समय आंकड़ा उपलब्ध हो सकता है। नीति निर्माण में इनका उपयोग किया जा सकता है।
- दूसरा, वृहद आंकड़ों में सांख्यिकी पेश करने की तात्कालिक क्षमता होती है और बाहरी जनगणना के अकल्पनीय विस्तार के स्तर पर अभी तक के असंग्रहण की अनुमति प्रदान करता है। इस तरह के आंकड़े इस जटिल दुनिया में लगातार होते जा रहे करणीय संबंधों की समझ को विस्तारित करने और कुछ मानवी स्थितियों में तेजी से सुधार लाने के लिए सक्षम बना रहे हैं।

लेकिन आंकड़ों के अपने खतरे भी हैं – वे गोपनीयता और वैयक्तिकता को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अभी भी अनेक शोधार्थी यह तय करने के प्रयास में हैं कि कैसे करोड़ों लोगों की दिनचर्या से संबंधित आकस्मिक व जानबूझकर एकत्रित करी गई ये व्यापक सूचनाएं संवहनीयता को मजबूत कर सकती है और जीवन स्तर सुधारने में उपयोगी साबित हो सकती हैं।

- तीसरा, इससे जनगणना के आंकड़े, जैसे प्रशासनिक रजिस्टरों को मोबाइल उपकरणों में स्थानांतरित करने से लेकर भूस्थानिक सूचना प्रणाली और इंटरनेट तक, एकत्रित करने के पारंपरिक और नए तरीकों का उपयोग संभव हो सकता है। कई देश ऐसा पहले ही कर चुके हैं।

इस बदली और बदल रही दुनिया में, एक नए विकास एजेंडे और नए विकास लक्ष्य के साथ, 25 वर्ष पुराने प्रस्ताव और मानव विकास के उपायों पर पुनिर्विचार किया जाना आवश्यक हो गया है। अगले वर्ष के क्रम में 25वीं मानव विकास रिपोर्ट इसी पर समर्पित होगी।

इस बदली और बदल रही दुनिया में, मानव विकास की धारणा और उपायों में संशोधन की आवश्यकता महत्वपूर्ण है।

अध्याय 1

कार्य और मानव विकास - विश्लेषणात्मक सूत्र

कार्य तथा मानव विकास के बीच का संबंध सह-क्रियाशील है।

1.

कार्य और मानव विकास - विश्लेषणात्मक सूत्र

विकास कार्यक्रम का असली लक्ष्य केवल लोगों की आय में वृद्धि करना नहीं है बल्कि लोगों के विकल्पों को अधिकतम करना भी है- मानवाधिकारों, स्वतंत्रता, क्षमताओं और अवसरों को बढ़ाने के द्वारा तथा लोग को स्वस्थ्य, लम्बा तथा रचनात्मक जीवन व्यतीत करने के लिए समर्थ बना कर। इस प्रक्रिया में कार्य की सबसे अधिक महत्वपूर्ण भूमिका है और इसी से मानव जाति का अस्तित्व है। इंसान बचपन से कार्य के लिए स्वयं को तैयार करता है, वयस्क हो कर कार्य का दायित्व सम्हालता है और आगे के जीवन में कार्य से मुक्त होने की आशा करता है। मनुष्य के जीवन चक्र में इसलिए जीवन की गुणवत्ता, कार्य की गुणवत्ता से बहुत गहराई पूर्वक जुड़ी है।

आर्थिक दृष्टि से कार्य लोगों को अपनी जीविका कमाने और आर्थिक सुरक्षा जुटाने के लिए समर्थ बनाता है। लेकिन मानव विकास के परिप्रेक्ष्य में, यह लोगों को कौशल और ज्ञान प्रदान करके उनकी क्षमताओं को बढ़ाने में योगदान देता है। कार्य से अर्जित आय कामगार को बेहतर जीवन स्तर जीने में सहायता करती है, और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य तथा शिक्षा की सुविधा तक पहुंच उपलब्ध कराती है। स्वास्थ्य और शिक्षा, यह दो महत्वपूर्ण तत्व हैं जिनके द्वारा क्षमताओं का विकास हो सकता है। कार्य के माध्यम से ही लोगों को अधिक अवसर प्राप्त होते हैं और उनके सामने नये आर्थिक और सामाजिक विकल्प खुलते हैं। कार्य कामगारों के आत्मसम्मान की भावना और श्रेय को जुटाते हुए उनको समाज में पूरी तरह जुड़ने की अनुमति देता है। कार्य की ही शक्ति से लोगों में दूसरों की सहायता करने का भाव उपजता है जिससे पारिवारिक, सामाजिक और सामुदायिक जुड़ाव मजबूत होता है। मानव विकास में योगदान देने योग्य वही कार्य होता है जो उत्पादनशील हो, अर्थपूर्ण और प्रासंगिक हो- और जो मनुष्य की क्षमता, रचनात्मक और भावना को उन्मुक्त करे।

कार्य समाज को मजबूत बनाता है। साथ साथ कार्य करने के द्वारा मानव न केवल अपनी भौतिक स्थिति सुधारता है, बल्कि एक विस्तृत ज्ञान का भण्डार भी एकत्र करता है जो संस्कृतियों और सभ्यताओं के लिए आधार का कार्य करता है। इसके अतिरिक्त, जब कार्य पर्यावरण के अनुकूल होता है तब उसके लाभ का विस्तार कई पीढ़ियों तक होता है। कार्य इस प्रकार मानव विकास का विस्तार करता है। यह कहने की आवश्यकता नहीं कि मानव क्षमताओं, अवसरों और विकल्पों में सुधार करने के द्वारा मानव विकास कार्य में योगदान देता है। संक्षेप में, कार्य और मानव विकास में परस्पर जुड़े हुए हैं और सुदृढ़ बना रहे हैं (अध्याय के शुरू में रेखांकन देखें)।

तथापि, कार्य और मानव विकास के बीच की कड़ी स्वत: नही है। कार्य थकाने वाला, नीरस, दोहराने वाला तथा खतरनाक भी हो सकता है। और जैसे उपयुक्त तरह का कार्य मानव विकास में सहायक होता है, अनुचित तरह का कार्य बहुत ही घातक हो सकता है। दुनिया भर में लाखों लोग, जिनमें बहुत के अभी बच्चे हैं, शोषित मजदूरी करने को मजबूर हैं। कुछ तो बंधुआ मजदूरी के दुश्चक्र में फंसे हैं और इस तरह वह अपने अधिकारों और आत्मसम्मान से वंचित हैं। कुछ दूसरे घातक वातावरण में कार्य कर रहे हैं, वह श्रम अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा से वंचित हैं, वह सारा दिन कठिन परिश्रम करते हैं जिससे उनकी क्षमताएं दब जाती हैं (अध्याय के अंत में सारणी A 1.1 देखें)। जहाँ कार्य के द्वारा निष्पक्ष समाज का निर्माण होना चाहिए, वहीं कार्य बांटनेवाला भी हो सकता है यदि के अवसरों और प्रतिफल में विशाल अंतर, विभाजन और असमानताओं को बनाए रखता है।

कार्य रोजगार की तुलना में व्यापक है

कार्य की धारणा नौकरी या रोजगार से कहीं अधिक व्यापक और गहरा है। (देखें बॉक्स 1.1) नौकरी से आय होती है जिससे कामगार आत्मसम्मान पाता है और उसे भागीदारी का अवसर तथा आर्थिक सुरक्षा मिलती है। लेकिन नौकरी का ढांचा प्रतिबंधक है। यह कई प्रकार कार्यों को पकड़ने में असफल होता है जो अधिक लचीले और खुलापन के साथ होते हैं जिनमें देखभाल के कार्य, स्वैच्छिक कार्य तथा रचनात्मक अभिव्यक्ति जैसे लेखन तथा रेखांकनकारी शामिल हैं- यह सब कार्य मानव विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन अन्य आयामों को सम्मलित करने के लिए कार्य की व्यापक धारणा की आवश्यकता है (देखें रेखांकन 1.1)।

कार्य की धारणा नौकरी या रोजगार की तुलना में अधिक व्यापक और गहरी है

इस तरह स्पष्ट है, कि कार्य बहुत विविध है। यह वैतनिक या अवैतनिक, औपचारिक या अनौपचारिक, और घरेलू परिसर में या कहीं बाहर किया जाने वाला हो सकता है (देखें सारणी A 1.2)। कार्य विभिन्न परिस्थितियों में सुखद या अप्रिय, अधिकारों और अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला को प्रस्तावित करके किया जा सकता है, यह सब अलग अलग संदर्भो और विकास के स्तर दर्शाते हैं। कार्य की गुणवत्ता उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी उसकी मात्रा।

मानव विकास के सन्दर्भ में देखभाल के कार्य (अध्याय 4 में विचार किये गये) का बुनियादी महत्व है। देखभाल के कार्य में घरेलू कार्य भी शामिल है जैसे परिवार के लिये खाना बनाना, घर की सफाई करना

बॉक्स 1.1

कार्य का आशय क्या है?

इस रिपोर्ट के लिए, कार्य कोई भी गतिविधि है जो न केवल उत्पादन, माल की खपत या सेवाएं करता है बल्कि वह आर्थिक मूल्य के लिए उत्पादन से कहीं आगे जा कर देखता है। इस तरह कार्य में वह गतिविधियां शामिल हैं जिनका परिणाम, वर्तमान और भविष्य के लिए, व्यापक मानव भलाई हो सकता है।

कार्य में चार वर्गों के लोग हिस्सेदार होते हैं: कामगार स्वयं; अन्य हस्तियां जैसे नियोक्ता या मालिक जो पूरक सामान प्रदान करता है; उत्पादित वस्तुओं या सेवाओं के उपभोक्ता; और शेष पूरा विश्व, जिसमें अन्य लोग, समाज और प्राकृतिक पर्यावरण के साथ साथ भावी पीढ़ियां और कामगारों का भविष्य खुद शामिल है। व्यक्त और अनपेक्षित परिणाम के साथ कार्य वास्तविक और अवास्तविक है तथा प्रतिफल वित्तीय और अवित्तीय हैं।

किसी ऐसे व्यक्ति का ध्यान करें जो खाना बना रहा है। अगर वह केवल अपने लिये खाना बना रहा है तो उत्पादक के रूप में लागत उसके समय की अवसर लागत है, अर्थात, वह यह समय किसी और कार्य के करने में भी लगा सकता था; उपभोक्ता के रूप में उसे भोजन से प्राप्त होने वाली पौष्टिकता का प्रतिफल मिल रहा है। इसमें कोई और कर्ता शामिल नहीं हैं, हालांकि उसके इस कार्य से पर्यावरण पर कुछ न कुछ प्रभाव पड़ रहा होगा। अब ऐसे व्यक्ति का विचार कीजिए जो अपने परिवार के लिए खाना बना रहा है। इस स्थिति में उपभोक्ताओं की संख्या अधिक हो जाएगी। प्रत्यक्षत: उसे यह लाभ मिलेगा कि वह परिवार के लिए पौष्टिकता का उत्पादन कर रहा है, कुल मिला कर अप्रत्यक्षत: उसे अपने कार्य से आत्मसंतोष के साथ साथ प्रशंसा भी मिलेगी- या उसे इस बात की निराशा भी हो सकती है कि इस कार्य के कारण वह कहीं कुछ और गतिविधियां, जैसे धन कमाना, आगे पढ़ना, या सार्वजनिक जीवन मे भागीदारी, से वंचित रह गया है। मानव विकास के दृष्टिकोण से कार्य का संबंध उस व्यक्तिगत स्वतंत्रता के स्तर से है जिसमें उनके पास चुन सकने के लिए विकल्प हों कि वह क्या कार्य करें।

दूसरी ओर, यदि खाना बनाने का कार्य एक घरेलू नौकर कर रहा है, तो स्थिति बदल जाती है। इस दशा में उस कामगार को आर्थिक लाभ मिल रहा है। यहाँ परिवार न केवल उपभोक्ता है बल्कि वह बतौर मालिक सामान आदि की व्यवस्था भी कर रहा है। इस गतिविधि के लिए अलग अलग तरीके से कामगार को भुगतान किया जा सकता है यह निर्भर करता है कि कार्य महिला द्वारा किया गया या पुरुष द्वारा, देश के नागरिक द्वारा या प्रवासी द्वारा। एक व्यक्ति को कार्य करने को मजबूर किया जाता है, या एक व्यक्ति, जो दूसरों की अपेक्षा कम पैसों पर कार्य करने लिए उपलब्ध हैं, को शोषित किया जा रहा है।

कार्य के प्रति यह दृष्टिकोण रचनात्मक और स्वैच्छिक कामगारों पर भी लागू किया जा सकता है। उदाहरण के लिये, किसी रेस्तरां में कोई रसोइया, आय और अनुभव व्यवसायिक संतुष्टि, आत्मसम्मान और गरिमा के अतिरिक्त, रचनात्मकता का अनुसरण कर सकता है। इसी तरह कोई स्वयंसेवी किसी सामुदायिक रसोई में आर्थिक लाभ के लिए कार्य नहीं कर रहा है बल्कि वह परोपकारी संतुष्टि के लिए कार्य कर रहा होगा।

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

तथा पानी और ईंधन आदि की व्यवस्था करना। उसके साथ देखभाल का कार्य उन समूहों के लिए जो अपना कार्य स्वयं नहीं कर सकते- जैसे बच्चे बूढ़े और बीमार परिवार के सदस्यों की देखभाल का कार्य, अल्प और लम्बे दोनों समय के लिए।

स्वैच्छिक कार्य अवैतनिक अनावश्यक कार्य के रूप में परिभाषित किया गया है अर्थात इसमें व्यक्ति अपना समय गतिविधि करने के लिए बिना किसी वेतन या देय पाये देता है। व्यक्ति यह गतिविधियां या तो किसी संस्थान से जुड़ कर करता है या स्वतंत्र रूप से, दूसरों के लिए, उनके घर परिसर के बाहर करता है। पारिभाषिक रूप से स्वैच्छिक कार्य एक स्वतंत्र चुनाव की अभिव्यक्ति है, और आंतरिक रूप से व्यक्तिगत संदर्भ में मानव विकास को बढ़ाता है।

रचनात्मक अभिव्यक्ति नए विचारों को जन्म देती है

रचनात्मक अभिव्यक्ति समाज को, कला और सांस्कृतिक उत्पादों, क्रियाशील कृतियों, वैज्ञानिक हस्तक्षेपों तथा तकनीकी नवाचारों के कार्य क्षेत्र में, नये विचार देती है। रचनात्मक कार्य कई व्यक्तियों के लिए वांछनीय है क्योंकि ऐसे कार्य के माध्यम से वह नवाचार तथा आत्म अभिव्यक्ति के अवसर जुटाते हैं, साथ ही जीवन यापन के लिए कमाई करने का प्रयास करते हैं। हालाँकि रचनात्मक कार्य विवेकाधीन, सुधारात्मक तथा अमौलिक भी हो सकते हैं लेकिन इनमें मौलिकता और विशिष्टता शामिल है।

जीवन चक्र के विभिन्न चरणों में कार्य

जीवन चक्र के विभिन्न चरणों की अवधि, जनसांख्यिकी, भौतिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से, समय पर निर्भर है तथा उसके साथ बदलती है। विभिन्न चरण परस्पर व्याप्त हैं, और उनमें पारस्परिक परिवर्तन भी हो सकते हैं। कार्य को मनुष्य के जीवन चक्र के सन्दर्भ में देखा जाना चाहिये कि वह मनुष्य के जीवन चक्र के साथ विभिन्न चरणों में कैसे बदलता है। अनेक मामलों में कोई विकल्प होता ही नहीं; निर्णय सांस्कृतिक कारण के प्रभावित होते हैं या किसी उपयुक्त सहायक स्थिति न होने कि दशा में लोग भिन्न कार्य स्वीकार करने को विवश होते हैं। जैसे लड़कियों का कम आयु में विवाह या राज्य द्वारा प्रदान की गई बच्चों की देखभाल में कटौती के फलस्वरूप लड़कियां अपनी स्कूली पढ़ाई छोड़ सकती है- इसका आजीवन प्रभाव, उनकी श्रम

रेखांकन 1.1

कार्य के दायरे में केवल नौकरी भर से कहीं अधिक है।

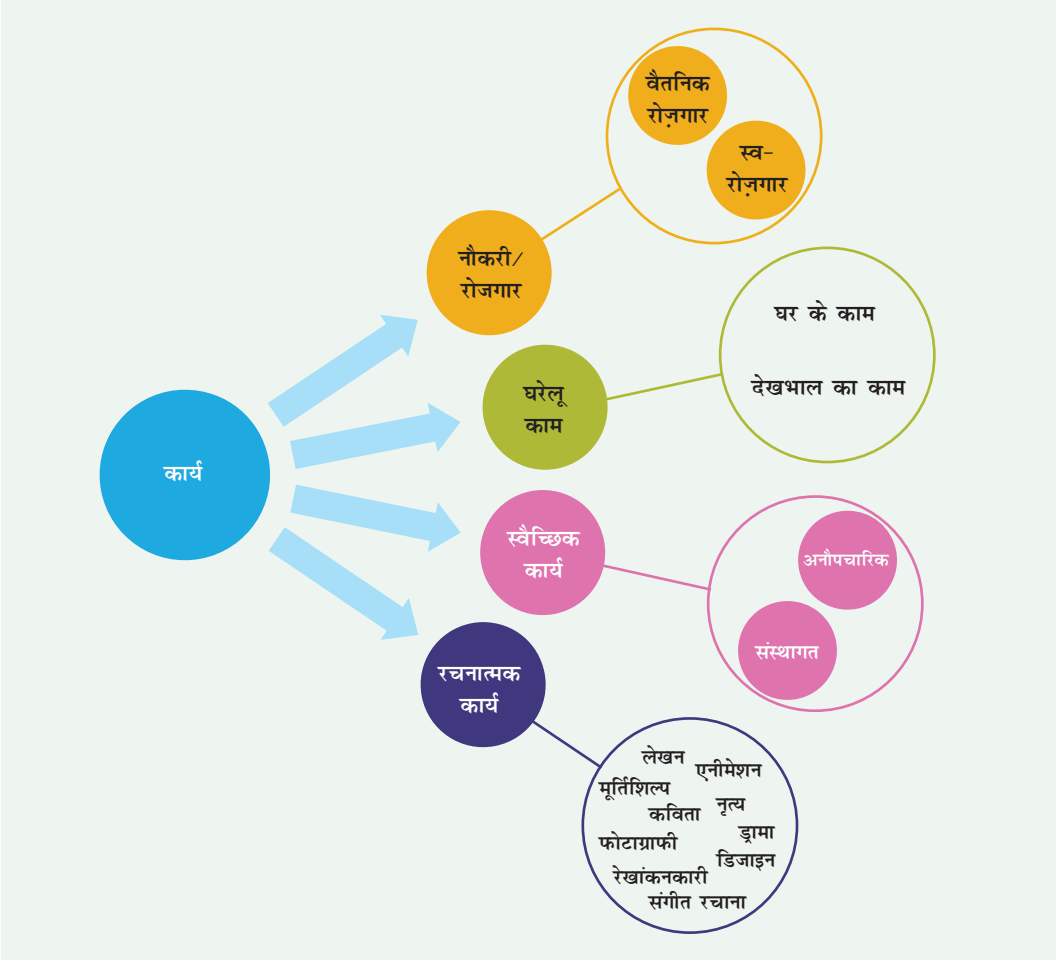

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

कार्य को एक मानव चक्र के संदर्भ में देखा जाना चाहिए

बाजार में प्रवेश करने की क्षमता, बेहतर आय अर्जित करके आर्थिक रूप से सशक्त होने पर पड़ता है। कार्य जोखिम और असुरक्षा का एक स्रोत तथा प्रतिक्रिया है, जिसमें लोग अपने जीवन के विभिन्न चरणों में तरह तरह के अनुभवों से गुजरते हैं।

युवावस्था जो कार्य करने की उम्र होती है तब कामगारों की प्रवृत्ति अन्य दूसरी आवश्यकताओं को छोड़ कर अधिकतम आर्थिक अर्जन की होती है। वह लोग न केवल अपने वर्तमान समय के लिए बल्कि अपनी भविष्य की आवश्यकताओं के लिए भी बचत कर लेना चाहते हैं। किन्तु कुछ दूसरी परिस्थितियों में लोग, जिनमें वयस्क और प्रौढ़ लोगों के साथ युवा कामगार भी शामिल हैं, कार्य के लिए उन दिशाओं में जाना चाहते हैं जहाँ आर्थिक लाभ भले ही अधिक न हो किन्तु वहां कार्य से संतुष्ट हों जिसे करने में वह प्रसन्नता का अनुभव कर सकें। साथ ही कुछ युवा लोग अपने कार्यों के विकल्पों से विवश हो सकते हैं। जिस तरह युवाओं के लिए बेरोजगारी की समस्या बढ़ रही है, कम वेतन के अतिरिक्त असुरक्षित जीविका की स्थिति भी अनेक युवाओं के लिए डराने की हो सकती है। इसी तरह के खतरे और असुरक्षितताएं प्रौढ़ कामगारों के लिए भी हैं विशेषकर विकासशील देशों में, जहां प्रौढ़ आयु में जीवन यापन के लिए वैतनिक कार्य का होना बहुत आवश्यक है लेकिन कार्य के विकल्प बहुत कम हैं।

अधिकांश देशों में लोग लम्बा और स्वस्थ जीवन जी रहे हैं जिसके कारण प्रौढ़ कामगारों में उत्पादक क्षमता का विस्तार देखा जा रहा है। लेकिन ऐसे लोग भी हैं जो अपने समय अपना बेहतर नियंत्रण चाहते हैं, विवेकाधीन अवकाश के लिए या किसी और भिन्न तरह के वैतनिक या अवैतनिक कार्य के लिए। परिवर्तन करने के लिए सही उम्र शायद प्रत्येक कामगार के लिए एक सी नहीं है इसीलिए कार्य मुक्त करने की आयु वढ़ाने के लिये नीतिगत निर्णय जटिल हो गए हैं।

प्रौढ़ लोगों के कार्य विकल्पों के संबंध में निर्णय

कार्य और मानव विकास के बीच सकारात्मक संबंध दोनों ओर जाता है

राष्ट्रीय पेंशन नीतियों और कार्यक्रमों से बहुत प्रभावित होते हैं। वैश्विक परिदृश्य में, उन देशों में जहाँ पेंशन का प्रावधन बहुत कम है, 65 वर्ष की आयु के बाद भी श्रम बाजार में रहने का प्रयास करते हैं, लेकिन जिन देशों में पेंशन का प्रावधन अधिक है, वहां के लोगों की प्रवृत्ति जल्दी ही कार्य मुक्त होने की होती है (देखें रेखांकन 1.2)। इस विषमता का लोगों के कार्य संबंधी निर्णयों पर बड़ा असर पड़ता है, और इसके गंभीर मानवीय विकास निहितार्थ हैं। अधिकतर विकसित देशों जहां पेंशन के प्रावधन या पेंशन कम है वहां लोग वैतनिक कार्य में लम्बे समय तक लगे रहने के लिए मजबूर हैं। इसके विपरीत, विकसित देशों में जहां पर्याप्त लाभों के साथ लोगों को पेंशन की सुविधा उपलब्ध है, वहां वह जल्दी कार्यमुक्त होने का प्रयास करते हैं या दूसरे ऐसे कार्यों की ओर चले जाते हैं जिसमें भले ही आर्थिक लाभ अधिकतम न हों लेकिन वहां अन्य प्रतिफलों का प्रस्ताव होता है।

श्री लंका में औपचारिक सेवाओं में लगे अधिकतर कामगार 60 वर्ष की आयु के आसपास कार्यमुक्त हो जाते हैं, और इस वर्ग में बहुत कम ऐसे लोग होते हैं जो इस उम्र के बाद पूरे समय या अल्प समय के लिए कार्य करते हैं। किन्तु अस्थायी कामगार तथा स्व-रोजगार से जुड़े कामगार अपने पूर्ण कालिक नौकरी से लम्बे समय तक जुड़े रहते हैं। इस तरह पूरे कार्यकाल की गणना करना केवल औपचारिकता भर होती है।[1]

आज के विश्व में संभावित आयु की अवधि बढ़ रही है और तकनीकी व्यवस्था लोगों को लम्बे समय तक समाज में सक्रिय बनाये रखती है, इससे बहुत से वृद्ध लोग सक्रियता से कार्य करते रहना चाहते हैं, चाहे वह वैतनिक कार्य हो या स्वैच्छिक। बहुत से देश इस ओर सकारात्मक कदम बढ़ाते हुए ऐसी व्यवस्था कर रहे हैं कि वृद्ध लोगों को, बिना अन्य, विशेष रूप से युवाओं के अवसरों को बाधित करते हुए कुछ कार्य दिया जा सके (देखें अध्याय 3 तथा 6)।

कार्य मानव विकास को बढ़ाता है

मानव विकास लोगों के सामने विकल्प का विस्तार करने की एक प्रक्रिया है, इसलिए इसका कार्य से बहुत गहरा संबंध है। मानव विकास तथा कार्य के बीच का सकारात्मक संबंध दोनों ओर जाता है (रेखांकन 1.3)। मानव विकास पर कार्य का प्रभाव विविध सन्दर्भों में पड़ता है और यह सारे सन्दर्भ एक दूसरे को सशक्त कर सकते है:

- *आय तथा जीविका*। लोग मुख्यत: अपने जीवन स्तर को सम्मानित बनाने के लिए कार्य करते हैं। बाजार आधारित आर्थिक तंत्र में वह इसके लिए या तो वैतनिक कार्य करते हैं या स्व-रोजगार। पारंपरिक तथा निर्वाह अर्थव्यवस्था में वह लोग अपनी आजीविका को गतिविधियों के विशिष्ट चक्र द्वारा बनाए रखते हैं। आर्थिक प्रगति न्यायसंगत तथा निर्धनता कम करने वाली हो यह सुनिश्चित करने के लिए कार्य मुख्य कारक हो सकता है।
- *सुरक्षा*। कार्य के द्वारा लोग अपने जीवन का सुरक्षित आधार बना सकते हैं, इससे वह दीर्घकालिक निर्णय ले सकते हैं, वरीयताएँ और विकल्प तय कर सकते हैं। वह अपनी गृहस्थी को भी स्थिर

रेखांकन 1.2

उन देशों में जहाँ पेंशन का प्रावधन बहुत कम है, 65 वर्ष की आयु के बाद भी श्रम बाजार में रहने का प्रयास करते हैं, लेकिन जिन देशों में पेंशन का प्रावधन अधिक है, वहां के लोगों की प्रवृत्ति जल्दी ही कार्य मुक्त होने की होती है।

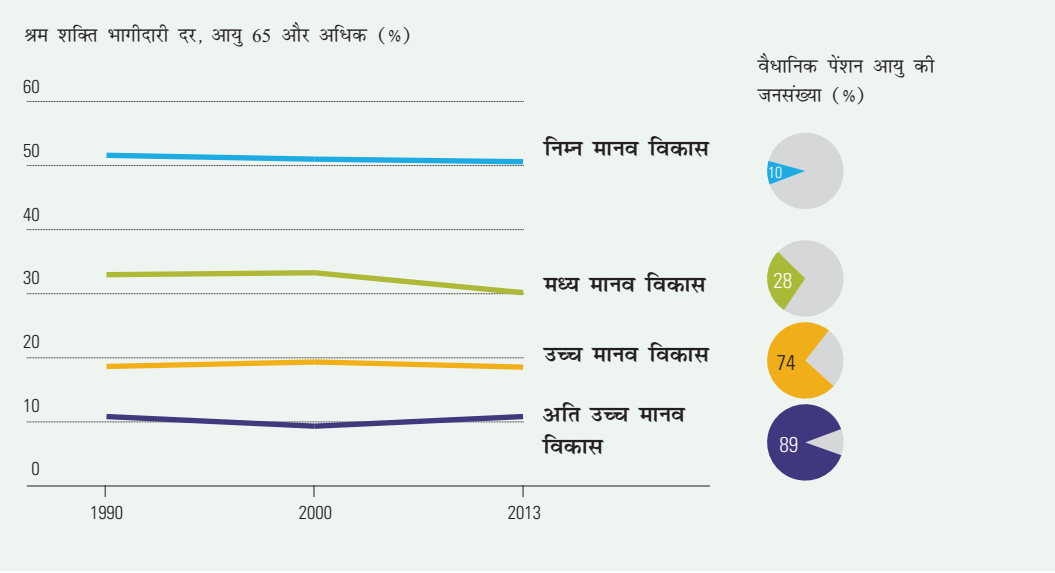

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की गणना आईएलओ के आंकड़ों के आधार पर (2015d, 2015e)।

रेखांकन 1.3

कार्य तथा मानव विकास सह-क्रियाशील हैं।

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

बनाए रख सकते हैं, विशेष रूप से तब, जब वह अपनी आय का, अपने परिवार के खाद्य, उनकी पौष्टिकता, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा नियमित बचत में, बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से उपयोग करें।

- *महिला सशक्तीकरण*। वह महिलाएं जो कार्य के माध्यम से अपनी आय सुनिश्चित करती हैं, उन्हें परिवार के भीतर और कार्य की जगह पर अधिक आर्थिक स्वायत्तता और निर्णय लेने का अधिकार प्राप्त होता है। वे विश्वास, सुरक्षा और लचीलापन भी प्राप्त करती हैं।
- *भागीदारी और आवाज*। कार्य के माध्यम से दूसरों से विचार विमर्श करके लोग सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में भाग लेना सीखते हैं और उन्हें अपनी आवाज उठाने का अधिकार मिलता है। कार्य कर रहे लोगों के भीतर नये विचार आते हैं, उन तक सूचनाएं पहुँचती हैं और उनको अलग अलग पृष्ठभूमि के लोगों से विचार विमर्श करने का अवसर मिलता है। इस तरह वह बड़े पैमाने पर नागरिक मुद्दों में शामिल हो सकते हैं।
- *सम्मान एवं मान्यता*। अच्छे कार्य को साथ के कामगारों, सहकर्मियों तथा दूसरे लोगों द्वारा मान्यता मिलती है जिससे आत्म तृप्ति की भावना, आत्मसम्मान और सामाजिक पहचान मिलती है। लोगों ने ऐतिहासिक रूप से अपने पेशे के माध्यम से नाम कमाया है: जैसे मिलर ने इंग्लैड में और अति कुशल किसान हुरुद्जा ने शोन में प्रसिद्धि पाई।
- *रचनात्मकता और नई खोज*। कार्य से मानव रचनात्मकता की ग्रंथियां खुलती हैं और इसने अनगिनत नई खोजों को जन्म दिया है जिसने मानव जीवन के अनेक पहलुओं, जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, संचार तथा पर्यावरणीय संवहनीयता, में क्रांति ला दी है।

कामगारों को उच्च मानव विकास से लाभ हो सकता है और वह फिर से कई चैनलों द्वारा संचालन कर सकते हैं:

- *स्वास्थ्य*। स्वस्थ कामगारों का लंबा तथा अधिक उत्पादक कार्यकारी जीवन होता है और वह अपने देश तथा विदेशों में कार्य के अनेक विकल्प खोज सकते हैं।
- *ज्ञान तथा कौशल*। बेहतर शिक्षित तथा प्रशिक्षण प्राप्त कामगार अनेक तरह के कार्यों को उच्च मानक के साथ कर सकता है तथा अधिक रचनात्मक तथा नवोन्मेषी हो सकता है।
- *जागरूकता*। वे कामगार जो अपने सामुदायों में पूरी तरह से भाग ले सकते हैं, वह अपने कार्यस्थल में बेहतर परिस्थिति और श्रम के उच्चतर मानकों के लिये बातचीत करने में सक्षम होंगे, जिसके परिणामस्वरूप उद्योग अधिक कार्य कुशल और प्रतिस्पर्धी बन जायेगा।

कार्य और मानव विकास के बंधन में स्वयंसेवा, रचनात्मकता तथा नवाचार विशेष रूप से ध्यान दिये

स्वयंसेवा, अपने स्वभाव से ही, एजेंसी को दर्शाता है

जाने की मांग करते हैं।

स्वयंसेवा, अपनी मूल प्रकृति द्वारा संस्था तथा विकल्प चुनने के लिये क्षमता को दर्शाता है। स्वयं सेवक अपने कार्य से लाभान्वित होता है क्योंकि वह या तो परोपकार की भावना से प्रेरित होते हैं या वह कार्य के माध्यम से समुदाय के साथ जुड़ने में अपनी निजी समृद्धि पाते हैं। स्वैच्छिक कार्य का वैसे भी पर्याप्त सामाजिक मूल्य होता है। लोगों का स्वयंसेवी गतिविधियों में भाग लेना उन्हें समुदायों में योगदान देने के लिए सक्षम कर सकता है तथा सार्वजनिक भलाई इस तरह जैसी कि बाजार या सार्वजनिक संस्थानों से नहीं हो सकती।

स्वयंसेवी बड़े नवोन्मेषी हो सकते हैं, वह कार्य करने के नए तरीके तथा कामगारों, वैतनिक अथवा अवैतनिक, को संगठित कर नई राह बना सकते हैं। वंगारी मथाई, जिन्होंने वर्ष 2004 का नोबेल पुरस्कार जीता था, उन्होंने संवहनीय विकास और लोकतंत्र के लिये तथा महिला अधिकारों और शान्ति के लिये जमीनी आन्दोलन चलाये थे। उनके आन्दोलनों की धारा का वर्ष 2015 के बाद के विकास के एजेंडे को बनाने में बहुत प्रभाव रहा।

स्वयंसेवी संस्थाएं राजनैतिक, भौगोलिक तथा सांस्कृतिक यथार्थ को जोड़ने का कार्य कर सकती हैं, अंतर्राष्ट्रीय प्रयत्नों को संयोजित कर के उन्हें मानवतावादी उद्देश्यों के प्रति पूर्णता दे सकती हैं। अन्य स्रोतों के अतिरिक्त, इंटरनेशनल कमेटी ऑफ रेड क्रॉस ने मानव जीवन एवं स्वास्थ्य के संरक्षण के लिये समर्पण भाव से कार्य किया और उन्हें तीन बार, 1917, 1944, तथा 1963 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मेडेसिन्स सॉन्स फ्रॉंटीयर्स, जिन्हें 1999 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया, ने डॉक्टरों और नर्सों को संगठित किया कि वह दुनिया भर में स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति की समस्याओं के संबोधित करें।[2] यूएन स्वयंसेवकों ने स्वयंसेवा के एकीकरण को विकास तथा विकासशील देशों में शांति प्रक्रियाओं, सरकारों और अन्य स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय निकायों के साथ साझेदारी में प्रोत्साहित किया। इन सभी तरीकों से, स्वयंसेवा ने मानव विकास के लिए प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया।

लोगों की क्षमता और उनके लिए अवसरों को बढ़ाने में रचनात्मक कार्य उतना ही महत्वपूर्ण है। ऐसे सहायक योगदान हैं जिनके परिणाम स्वरूप सीधा आर्थिक लाभ हुआ, तथा ऐसे असहायक योगदान जिनसे ज्ञान तथा सामाजिक सौहार्द की भावना प्रगाढ़ हुई। यह योगदान पारस्परिक रूप से स्थिर नहीं हैं; मानव विकल्पों के विस्तार और लोगों को सशक्त करने के लिए यह परस्पर बातचीत करते हैं।[3]

रचनात्मक कार्य कामगार को न केवल आत्म संतोष देता है बल्कि उनसे उसके भीतर आनंद, प्रसन्नता और संतुष्टि भी बढ़ा सकता है तथा दूसरों की भलाई इसे एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक अच्छाई बना देती है। आदिकालीन सभ्यता के दौर में रचित कला कृतियाँ आज भी नये ज्ञान की नींव तैयार करती हैं। विगत समय के संगीतकारों कि रचनाएं नये संगीत की प्रेरणा बनती हैं। रचनात्मक कार्य समाज कल्याण और सामंजस्य को जोड़ने का कार्य कर सकते हैं। और यह समाज कल्याण अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के पार भी पहुँच सकता है, उदाहरण के लिए सांस्कृतिक पर्यटन में रचनात्मकता द्वारा जुड़ कर।

कार्य के संसार में रचनात्मकता और नवोन्मेष की केन्द्रीयता को देखते हुए लोगों का ध्यान विशेष प्रकार के कार्य स्थल और कार्य करने की परिस्थितियों की ओर खिंच रहा है जो दूसरों की अपेक्षा नवोन्मेष के लिए अधिक अनुकूल हों। कामगारों की वचनबद्धता और रचनात्मकता में एजेंसी एक महत्वपूर्ण कारक है, इसको स्वीकार करते हुए कुछ कंपनियों ने कामगार रचनात्मक हों इसके लिए अलग समय रखा है। वर्ष 1948 के शुरूआती दिनों में 3एम ने एक 15 प्रतिशत का नियम अपनाया जिसमें कर्मचारियों को यह छूट दी गई कि प्रत्येक सप्ताह में एक पूरा दिन अपनी निजी योजना पर समर्पित करें। इस दृष्टिकोण का एक परिणाम 'पोस्ट इट' का आविष्कार था।[4] हाल के समय में ही, गूगल, फेसबुक, लिंक्ड-इन तथा एपल ने भी अलग अलग ढंग से 20 प्रतिशत का नियम अपनाया जिसमें इंजीनियर्स को अपनी रूचि के क्षेत्र में रचनात्मक परिकल्पनाओं को विकसित करने का अवसर दिया गया है।[5]

कार्य की गुणवत्ता उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी उसकी मात्रा

कार्य और मानव विकास के बीच की कड़ी स्वतः नहीं है

कार्य तथा मानव विकास के बीच अग्रगामी कड़ियां, स्वतः नहीं होतीं, बल्कि विभिन्न परिस्थितियों, जैसे लोगों के लिये कार्य की गुणवत्ता तथा समाज के लिये कार्य का महत्त्व आदि पर निर्भर करती हैं। यह कड़ी इस पर भी निर्भर करती है कि कार्य की व्यवस्था में कामगार की आवाज और उसकी भागीदारी की कितनी जगह है और कार्य का परिवेश भेदभाव तथा हिंसा आदि कार्य पर आम है।

कार्य की गुणवत्ता

भले ही लोगों के लिये कार्य का होना कितना भी आवश्यक हो, लेकिन कार्य की प्रकृति और वहां की परिस्थितियां भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। उदहारण के लिये: क्या कार्य सुरक्षापूर्ण है? क्या लोग परिपूर्ण तथा संतुष्ट हैं? क्या कार्य से लोगों को सुरक्षित जीविका मिल रही है? क्या कार्य में प्रशिक्षण, सामाजिक संवाद तथा प्रगति के अवसर हैं? क्या रोजगार में वांछित लोच है, जिससे कार्य तथा निजी जीवन में संतुलन बन सके? यह कुछ सामान्य प्रश्न हैं जिनके उत्तर कार्य को अच्छा कार्य ठहरा सकते हैं। मानव विकास के दृष्टिकोण

किसी कार्य का अच्छा होना इस बात पर भी निर्भर करता है कि क्या कार्य सम्मानजनक है तथा आत्मगौरव के अनुकूल है? क्या कार्य के परिवेश में कामगार की भागीदारी तथा उसकी आवाज की सुविधा है? क्या वहां अभिव्यक्ति का मंच उपलब्ध है, और क्या कार्य कामगार के अधिकारों तथा मानव अधिकारों का सम्मान करता है?

वास्तव में कार्य की गुणवत्ता का गठन किसी देश के परिवेश, निजी परिस्थितियां तथा संदर्भगत सीमाओं के अंतर्गत भिन्न हो सकता है – यह वास्तविकता ऐसी है, जो वैश्विक स्तर पर कार्य की गुणवत्ता के आकलन को जटिल बना देते हैं। अगर कार्य की गुणवत्ता की एक विश्वव्यापी परिभाषा मान भी ली जाय, तो भी विभिन्न राष्ट्रों के आंकड़ों के बीच समतुल्यता की संभावना सीमित ही होगी। ऐसी चुनौतियों के बावजूद, क्षेत्रीय तथा कुछ सीमा तक वैश्विक स्तर पर भी, कार्य की गुणवत्ता के तुलनात्मक पैमाने विकसित किये गए हैं, जिनमें संयुक्त संकेतक दर्शाए गये हैं जो कार्य की गुणवत्ता के अनेक आयामों को व्यक्त करते हैं (बॉक्स 1.2)।

यद्यपि कार्य सामान्यत: लोगों के लिए लाभकारी है, कार्य की गुणवत्ता बहुत अत्याधिक कार्य करने के कारण प्रभावित हो सकती है। सब तरह के मोबाईल उपकरण जो कार्य से लगातार जुड़े रहने में सहायता करते हैं इसके कारण अत्याधिक कार्य करने की प्रवृति सामान्य रूप से बढती जा रही है। लगातार चौबीस घंटे कार्य करने की संस्कृति बढती जा रही है विशेष रूप से उच्च दक्षता, अत्यधिक आय वाली पेशेवर सेवा नौकरियों में जैसे कानून, वित्त, परामर्श सेवा तथा लेखा कार्य में। यह अत्याधिक कार्य करने की संस्कृति कार्य के क्षेत्र में लैंगिक विषमता को बाधित कर सकती है, क्योंकि इससे कार्य तथा पारिवारिक संतुलन महिलाओं, जिनका देख भाल के कार्य में अनुपातहीन हिस्सा है, के लिए अधिक कठिन बन जाता है।[6]

ऑर्गनाइजेशन फॉर इकोनोमिक कोऑपरेशन एंड डेवेलपमेंट देशों के बीच में, अत्याधिक कार्य को 50 घंटे प्रति सप्ताह या अधिक कार्य करने से परिभाषित किया जाता है, तथा अत्याधिक कार्य करने का प्रसार इन देशों में उच्चतम है– टर्की में (औपचारिक कर्मचारियों की संख्या का 41 प्रतिशत के समीप) इसके बाद मेक्सिको में लगभग 29 प्रतिशत।[7] कुछ एशियाई देशों में भी अधिक कार्य करने का दबाव अधिक है। जापान में करोशी शब्द का अर्थ है अत्याधिक कार्य करने से हुई मृत्यु।

बेहद लंबे कार्य के घंटे आघात, दिल के दौरे, दिमाग की नस फटने तथा अन्य अकस्मात होने वाली मृत्युओं का कारण बन सकते हैं।[8] आर्थिक दृष्टिकोण से भी अत्याधिक कार्य करना सामान्यत: अनुत्पादक होता

कामगार की संतुष्टि और प्रसन्नता, श्रम और मानव विकास के बीच एक मजबूत कड़ी सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण तत्व हैं

बॉक्स 1.2

कार्य की गुणात्मकता के मापक

क्षेत्रीय स्तर पर वर्ष 2011 में यूरोपियन कौंसिल ने कार्य की गुणवत्ता के अनुमापन के लिये 18 सांख्यकीय सूचकांकों का एक पोर्टफोलियो प्रस्तुत किया, और वर्ष 2008 में यूरोपियन ट्रेड यूनियन इंस्टिट्यूट ने कार्य का गुणवत्ता सूचकांक विकसित किया था।[1] यूरोफाउंड ने यूरोपियन वर्किंग कंडिशन्स सर्वे की स्थापना करी।[2] अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के सम्मानजनक कार्य एजेंडे की प्रगति को नापने के लिए सूचकांकों का डैशबोर्ड प्रस्तावित किया।[3] कामगारों, नियोक्ताओं तथा सरकारों के बीच रोजगार की गुणवत्ता की संकल्पना और उद्देश्यों पर सहमति को लेकर गंभीर विचार विमर्श ने इन सारे प्रयासों को चुनौती दी। यहाँ कामगारों और नियोक्ताओं की विभिन्न प्राथमिकताओं के प्रश्न हैं, साथ ही यह प्रश्न भी उठता है कि क्या व्यक्तिगत कामगारों, नियामक वातावरण या कार्य की प्रकृति पर ध्यान केंद्रित किया जाय।

वर्तमान उपाय ऐसी नीतियों की ओर ध्यान आकर्षित कराते हैं जिनसे रोजगार और नियुक्ति की गुणवत्ता में सुधार हो सके, विशेष रूप से जब रोजगार और नियुक्ति की गुणवत्ता में रुझानों को दर्शाया गया है जैसा कि यूरोफाउंड की रिपोर्ट में भी है। यह देखते हुए कि कुछ सूचकांक जो केवल कुछ सीमित तथ्यों को संक्षेप में प्रस्तुत करते हैं, वह नीति निर्धारकों तक अपने विचार पहुंचाने में सफल हुए हैं, तथा कुछ संस्थाओं (जैसे यूनाईटेड नेशन्स इकोनोमिक कमिशन फॉर यूरोप) ने वैश्विक रोजगार की गुणवत्ता सूचकांक, जो कुछ आयामों जैसे आय, औपचारिकता का स्तर, सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था में भागीदारी, अनुबंध की अवधि और उसमें प्रशिक्षण के प्रावधन पर आधारित हैं, प्रस्तावित किये हैं।[4] जब कि ऐसे समग्र उपाय अनिवार्य रूप से कार्य गुणवत्ता के कुछ आयाम छोड़ देते हैं, यह नीति निर्धारकों को रोजगार-गुणवत्ता मुद्दों की तात्कालिकता व्यक्त कर सकते हैं और अधिक विधिवत ढंग से आंकड़े प्राप्त करने की वकालत के लिए इस्तेमाल हो सकते हैं। उसी समय में, कुछ अतिरिक्त कदम उठाये जा सकते है– जैसे कि कनेडियन इम्पीरियल बैंक ऑफ कॉमर्स ने अपने बनाए हुए रोजगार गुणवत्ता सूचकांक के द्वारा खराब गुणवत्ता के कार्य के कारणों की पहचान, आकलन और निदान करना, जो कि राष्ट्र, स्थानीय तथा कार्य की जगहों के संदर्भ में अलग-अलग हो सकते हैं।[5]

1. ईटीयूआई 2015.
2. यूरोफाउंड 2013.
3. आईएलओ 2012a.
4. यूएनईसीई, रोजगार गुणवत्ता मापने पर विशेषज्ञ समूह 2012.
5. टीऐएल2015.

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

है क्योंकि यह श्रम उत्पादकता को घटाता है। कार्य के कम घंटे और लोचपूर्ण कार्यशैली मानव विकास और आर्थिक दोनों दृष्टिकोणों से भी लाभप्रद हो सकते हैं।

कामगार की संतुष्टि और प्रसन्नता

कार्य तथा मानव विकास के बीच दृढ़ कड़ी को सुनिश्चित करने के लिए कामगार की संतुष्टि और प्रसन्नता बहुत महत्वपूर्ण तत्व हैं। किन्तु कार्य संतुष्टि तथा प्रसन्नता के बीच का बंधन इतना सरल और सहज नहीं है।

निसंदेह, बेरोजगार होना प्रसन्नता को कम करता है। उदाहरण के लिये, ब्रिटेन में बेरोजगारी और कम व्यक्तिनिष्ठ भलाई के बीच संबंध अनेक श्रेणीगत उपायों के पार भली भांति स्थापित है जैसे जीवन में असंतोष, उदासी का भाव और बढती हुई बेचैनी आदि।[9] संयुक्त राज्य अमेरिका में बेरोजगारी में आय ना होने का प्रभाव आय होने के प्रभाव से पांच गुना अधिक आंका गया।[10] बेरोजगारी के कारण उदासी कुछ ऐसी नहीं है जिसका लोग बहुत आसानी से समायोजन कर सकें। जर्मनी में जीवन से संतुष्टि का स्तर, बेरोजगार हो जाने पर एकदम गिर जाता है और उसमें तीन या चार साल की बेरोजगारी के बाद भी कोई सहजता नहीं आती।[11] इसलिए, बेरोजगारी एक असहनीय पीड़ा दायक है और कार्य का होना, संतोष जनक। किन्तु, क्या केवल रोजगार होना या कार्य के कुछ और पहलू भी हैं जो मनुष्य की प्रसन्नता में मायने रखते हैं (बॉक्स 1.3)?

आवाज और भागीदारी

श्रम संगठनों, राजनैतिक दलों, महिलाओं के समूहों तथा अन्य सामूहिक इकाइयों ने कामगारों को उनकी भागीदारी और उनकी आवाज को जगह दिलाने के कार्य में बहुत सहायता की है, जो कि मूल्य और कार्य की गुणवत्ता के लिए महत्वपूर्ण है। इन मंचों के माध्यम से कामगारों ने साझा मूल्यों, सामूहिक हितों का गठन किया और उनका अनुसरण किया है। सशक्त विरोध के बावजूद, इन प्रयासों के परिणाम स्वरूप कामगारों को वास्तविक लाभ मिला। उदाहरण के लिए, वर्ष 1980 के दशक में, ब्राजील में जब कामगारों को बेहतर श्रमिक अधिकार और बेहतर वेतन प्राप्त हुए, और दक्षिण अफ्रीका में जब आन्दोलनों ने अश्वेत श्रमिक संगठनों को कानूनी वैधता मिलने में सहायता की।[12] इन प्रक्रियाओं के माध्यम से कामगारों ने मानव विकास और कार्य के बीच की कड़ी को पर्याप्त सुदृढ़ किया है।

हाल के दशकों में कामगारों की, अपने हितों की रक्षा में की जाने वाली सशक्त बातचीत की क्षमता में तेजी से क्षीणता आई है- वैश्वीकरण ने विभिन्न देशों में श्रमिकों को एक दूसरे के विरूद्ध खड़ा कर दिया; तकनीकी नवाचारों के कारण, जिसने श्रम शक्ति को बहुत छोटा कर दिया है। इसके अलावा कार्य करने के नये तरीकों ने, जिनमें अधिकतर अल्पकालिक कार्य शामिल हैं जिन्होंने कार्य के औपचारिक तथा अनऔपचारिक होने के बीच की विभाजक रेखा को धुंधला कर दिया है। कामगारों को सशक्त आन्दोलन चलाने के लिए अब एकजुट होना कठिन हो गया है, कुछ हद तक प्रबंधन के लिए यह वांछित परिणाम है। कुछ नियोक्तागण जानबूझ कर ऐसे नये तरीके अपनाते हैं जो श्रमिक संगठन को कमजोर कर सकें, वह नई तकनीकों के माध्यम से कामगारों पर गहरी नजर रखते हैं और इस तरह इस संभावना को कम करते हैं कि श्रमिक अपने कार्य के परिवेश को नियंत्रित कर सकें।

श्रमिक संगठनों के पारंपरिक रूप जैसे ट्रेड यूनियन आज कमजोर हैं

बॉक्स 1.3

प्रसन्नता किससे मिलती है- मात्र रोजगार के होने से, या कुछ इसके अतिरिक्त?

हम इस संबंध में क्या जानते हैं, कि कार्य, रोजगार होने भर के अतिरिक्त प्रसन्नता कैसे देता है ? कुछ किस्म के कार्य, अन्य दूसरे कार्यों की अपेक्षा अधिक प्रसन्नता देने वाले होते हैं और कार्य से होने वाली आय ही वह कारण नहीं है जिससे प्रसन्नता मिलती है। विभिन्न तरह के कार्यों और उससे मिलने वाली प्रसन्नता के विषय में किये गए एक अध्ययन से पता चलता है कि आय से उसका कोई सीधा संबंध नहीं है। सबसे अधिक संतोष की स्थिति में पादरी मिले, फिर सर्वोच्च तथा वरिष्ठ अधिकारी और खेतिहर जमींदार। सबसे कम संतुष्ट मदिरालय प्रबंधकों का कार्य करने वाले, कम दक्षता वाले इमारती कारीगरों का या उन लोगों का पाया गया, जो ऋण वसूली का कार्य करते थे।[1]

कार्य में प्रसन्नता किन कारणों से आती है, इस संबंध में अभी बहुत कुछ जानना बाकी है, यद्यपि कुछ कारणों को पहचान कर भली भांति स्वीकार कर लिया गया है। उदाहरण के लिए, अपने अधिकारी के साथ संबंध एक महत्वपूर्ण कारण है। वास्तव में, कार्य स्थल में विश्वसनीयता होना सामान्यत: एक महत्वपूर्ण घटक है। कनाडा में, प्रबंधन में विश्वसनीयता के एक-तिहाई सामान्य विचलन वृद्धि से प्रसन्नता का स्तर इतना बढ़ गया जितना वेतन में 31 प्रतिशत की वृद्धि से बढ़ता है। उपयुक्त रोजगार-किसी को ऐसे कार्य को करने का अवसर मिलना जो कि वह सर्वोत्तम तरीके के करता है-व्यक्तिनिष्ठ भलाई के लिए भी महत्वपूर्ण है। बेहतर उपयुक्त रोजगार, उच्च जीवन मूल्यांकन और विश्व के सातों क्षेत्रों में बेहतर दैनिक अनुभवों से जुड़ा है।[2]

नोट: 1. ईस्टन 2014, 2. हेलिवेल तथा हुआंग 2011b।
स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

आज के समय में श्रमिक संगठनों जैसे ट्रेड यूनियनों का पारंपरिक रूप कमजोर होता जा रहा है और पहले की अपेक्षा अब उनमें सदस्यों का संख्या घटती जा रही है। श्रमिक संगठनों में सदस्यों की संख्या कुल कामगारों के प्रतिशत में सब देशों में अलग अलग है। जहां अर्जेंटीना, केन्या तथा दक्षिण अफ्रीका में सदस्यों का प्रतिशत (30 प्रतिशत से ऊपर) बहुत सशक्त है, वहीं नाइजीरिया और यूगांडा में 5 प्रतिशत से भी कम है।[13] किन्तु, यह आंकड़ा भी ट्रेड यूनियनों के वास्तविक प्रभाव का अधिक आकलन कर सकता है, क्योंकि बहुत से देशों में, बड़े अनुपात में कामगार या तो स्व-रोजगार में हैं या औपचारिक अर्थतंत्र पर निर्भर नहीं हैं, अत: वह श्रम संगठनों की गतिविधियों में सक्रियता से भागीदार नहीं भी हो सकते हैं। श्रमिक संगठनों का इस तरह की कमजोरी तथा अल्प विकसित होना मानव विकास के लिए हितकर नहीं है, इससे श्रमिक तथा सामजिक संस्थाओं की कार्यवाहियां पूरी तरह से बाधित होती हैं।[14]

कामगारों के हित में इनमें से चुनौतियों को संबोधित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, कदम उठाये गए हैं। जैसे कि, इंटरनेशनल ट्रेड यूनियन कॉनफेडरेशन तथा इंटरनेशनल डोमेस्टिक वर्कर्स फेडरेशन कामगारों की एकता के लिए कार्य कर रहे हैं।

संवहनीय कार्य

कार्य और मानव विकास की कड़ी मजबूत हो इसके लिए आवश्यक है कि कार्य संवहनीय हो। ऐसे कार्य को संवहनीय माना जाता है जो भौगोलिक और सामायिक अनुभवों से उपजी बाहरी बाधाओं को निरस्त या कम करके मानव विकास में सहयोगी हों। ऐसे कार्य न केवल इस धरती की संवहनीयता के लिए महत्वपूर्ण हैं बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए कार्य सुनिश्चित करने के लिए भी आवश्यक हैं।

संवहनीय कार्य केवल वैतनिक कार्य नहीं हैं (जिसका अध्याय 5 में तर्क दिया गया है), बल्कि अक्सर उसके दायरे में स्वयंसेवियों, कलाकारों, कानूनविदों आदि के ऐसे प्रभावी कार्य आते हैं, जिनके मानव विकास के हित में अनुकूल प्रभाव देखे गए हैं। इतना ही नहीं, संवहनीय विकास के कार्य ऐसी गतिविधियों के प्रति केंद्रित रहते हैं जो दोहरे लाभ के रूप में उच्च स्तरीय संवहनीयता के साथ साथ उच्च मानव विकास भी प्रस्तुत करते हैं।

मानव विकास के साथ सुदृढ़ कड़ी बनाने के लिए संवहनीय कार्य को तीन प्रमुख रास्ते अपनाने होंगे, जैसा कि अध्याय 5 में बताया गया है; कार्यों के कुछ वर्तमान रूपों को निरस्त करें, कुछ में बदलाव करें और नये रूप के कार्यो की खोज करें।

कार्य का सामाजिक महत्व

कार्य के माध्यम से मानव विकास में सहभागिता तभी संभव होती है जब कार्य व्यक्तिगत लाभ को न देख कर समूचे समाज के लक्ष्यों की हिस्सेदारी में योगदान देता है। ऐसा कार्य, आय में वृद्धि करता है, निर्धनता को कम करता है, असमानता को घटाता है और समाज को तनावों से मुक्ति दिलाता है फिर भी कार्य के द्वारा मानव विकास के लिए संसाधन जुटाने के वास्ते अर्जित धन पर कर लगाया जा सकता है। ऐसे कार्य जो वृद्ध लोगों या विकलांग लोगों को उनकी क्षमताओं को बनाए रखने में और सामाजिक एकता को मजबूत करने में सहायता करें, तथा बच्चों की देख भाल करके भविष्य की पीढ़ियों की क्षमता का निर्माण करें। कामगार सामाजिक और आर्थिक संबंधों की भी स्थापना करते हैं और अन्य तथा संस्थानों में विश्वास व सामाजिक एकता का निर्माण भी करते हैं।

पूरे समाज के लिए कार्य का अपना मूल्य है

रचनात्मक कार्य समाज के लिए बहुमूल्य हैं क्योंकि उनसे पारंपरिक, सांस्कृतिक विरासत संपन्न होती है। इसी तरह स्वैच्छिक कार्य सामाजिक अंतर्संबंध व भुगतान सहित रोजगार के बाहर नेटवर्क बनाने के लिए साधन प्रदान करता है और समाज को समृद्ध बनाने में योगदान कर सकता है। आस्ट्रेलिया में हुए एक सर्वेक्षण से पता चला कि 83 प्रतिशत स्वयं सेवियों में, कार्य ने उनकी सामुदायिक लगाव की भावना को उत्प्रेरित किया है।[15]

इस तरह कार्य का महत्त्व समूचे समाजिक परिदृश्य के लिए है। प्राय:, कार्य से प्राप्त निजी तथा सामाजिक मूल्य एक हो जाते हैं, जैसे कार्य जो पर्यावरण के अनुकूल हो, उससे न केवल कामगार बल्कि भावी पीढ़ी सहित अन्य लोगों को भी लाभ पहुंचता है। किन्तु कभी कभी इसके प्रतिकूल परिणाम भी नजर आते हैं- उदाहरण के लिए; शिकारियों का कार्य किसी व्यक्ति के लिए आय उत्पन्न करना है, लेकिन इससे समाज को क्षति पहुँचती है।

कार्य स्थल में भेद भाव तथा हिंसा

कभी कभी कार्य का महत्व तथा उसका मानव विकास के सह-संबंध कमजोर हो जाता है क्योंकि कार्य स्थल में भेदभाव और हिंसा होती है। अधिकांशत: भेदभाव की स्थिति लैंगिक सन्दर्भ में, पद, वेतन तथा व्यवहार के स्तर पर होती है (देखें अध्याय 4)। लेकिन भेदभाव जातीयता, जातिगत, विकलांगता तथा लैंगिकता के आधार पर भी होता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में जातीय भेदभाव अधिकाशं मामलों में अक्सर कार्य स्थल में भेदभाव के रूप में होता है, यूनाइटेड स्टेट ईक्वल अपॉरिचुनिटी कमीशन के सामने 35 प्रतिशत मामले इसी सन्दर्भ से जुड़े हुए होते हैं।[16] यूनाइटेड किंगडम में 22 प्रतिशत सर्वेक्षण कर्ताओं ने कार्यस्थल पर जातीय भेदभाव का साक्ष्य किया है। वहां 34 प्रतिशत अश्वेत लोगों ने तथा 29 प्रतिशत एशियाई लोगों ने कार्य स्थल पर धार्मिक तथा जातीय भेदभाव के व्यवहार का प्रत्यक्ष निजी अनुभव लिया।[17] हंगरी में 64 प्रतिशत विस्थापित लोगों ने एक सर्वेक्षण

में बताया कि कार्य की खोज के दौरान भेदभाव का अनुभव उन्होंने किया; उन्होंने पाया कि रोमा लोगों को हंगरी के वैधानिक न्यूनतम वेतन से कम वेतन दिया जा रहा था।[18]

विकसित देशों में (जहाँ नियुक्ति संबंधी व्यवस्था पूरी तरह औपचारिक है) भेदभाव के परिणाम स्वरूप श्रमिकों की भागीदारी बहुत कम है, बेरोजगारी अधिक है तथा हाशिये पर ठहरे वर्ग का वेतन अन्य लोगों की अपेक्षा बहुत कम है। इस भेदभाव की दो परतें इस अंतर के परिणाम को प्रभावित करती है: एक, अच्छी शिक्षा तक असमान पहुंच दूसरे, नौकरियों तक पहुंचने तथा कार्यस्थल में पदोन्नति में पक्षपात।

विकासशील देशों में यह भेदभाव अक्सर स्वदेशी जातीय समूहों के साथ होता है।[19] वंचित जातीय समूहों के श्रमिकों के साथ तरह तरह के असमानता के रूप प्रतिबिंबित होते हैं, इन्हें सीमित अवसर दिए जाते हैं तथा इनके साथ आजीवन भेदभाव होता है। विकसित देशों के विपरीत, विकाशील देशों में वंचित वर्ग के श्रमिकों की भागीदारी अधिक होने का झुकाव होता है क्योंकि उनकी स्व-रोजगार तथा अनौपचारिक कार्य व्यवस्था पर अधिक निर्भरता है, किन्तु इस तरह की व्यवस्था का परिणाम असुरक्षित कार्य और सीमित सामाजिक सुरक्षा होता है। उदाहरण के लिए, लैटिन अमेरिका में स्वदेशी जातीय समूहों के कामगारों और शेष लोगों के वेतन में अनुमानत: अंतर 38 प्रतिशत है और 10 प्रतिशत से अधिक मामलों में इस अंतर का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है।[20]

विकलांग लोगों के साथ भी भेदभाव के मामले बहुत सामान्य हैं। 1 बिलियन से भी अधिक व्यक्ति, अर्थात प्रति सात में एक व्यक्ति, किसी न किसी रूप में विकलांग हैं।[21] अधिकाँश विकलांग अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने में समर्थ नहीं होते। भेदभाव की शुरुआत स्कूल में ही हो जाती है। विकासशील देशों में विकलांग विद्यार्थियों को शिक्षा या प्रशिक्षण के लिए पुनर्वास केन्द्रों में प्रवेश प्राय: नहीं मिल पाता है और बाद में उनके लिए कार्य मिल पाने की संभावना बहुत कम रह जाती है। उच्च आय तथा निम्न आय वाले, दोनों तरह के देशों में विकलांग लोगों के लिए वेतन की दर अन्य लोगों की अपेक्षा कम होती है (सारणी 1.1) । विकलांग महिलाओं के लिए कार्य के बाजार में पहुँच पाना और भी कठिन होता है, इस प्रकार कम आय वाले देशों में विकलांग महिलाओं के रोजगार में होने की दर विकलांग पुरुषों की अपेक्षा लगभग एक तिहाई है और उच्च आय वाले देशों में भी यह दर करीब आधी है।

विकलांग लोगों के विरुद्ध कार्य में भेदभाव भी सामान्य है

कार्य स्थल पर समलैंगिक महिलाएं, समलैंगिक पुरुष, उभय लिंगी, अलैंगिक, उभयकामी तथा इंटरसेक्स वाले लोग भी भेदभाव का सामना कर रहे हैं। बहुत ही कम देशों में ऐसे लोगों के हित में कानून की व्यवस्था है और जहाँ कानून है भी वहां इसका अनुपालन नहीं के बराबर है। अर्जेंटिना, हंगरी, दक्षिण अफ्रीका तथा थाईलैंड में हुए शोध के अनुसार ऐसे लोगों की संख्या बहुत अधिक है और भेदभाव का यह सिलसिला स्कूलों में ही शुरू हो जाता है। थाईलैंड में ऐसा भेदभाव रोजगार की प्रक्रिया में सभी चरणों में है इसमें शिक्षा, प्रशिक्षण, रोजगार तक पहुंच और पदोन्नति के अवसर, सामाजिक सुरक्षा और साथी के लाभ भी शामिल हैं।[22] अलैंगिक लोगों के लिए अवसर केवल कुछ ही कार्यों के लिए खुले हैं जैसे सौन्दर्य प्रसाधन तथा स्व-रोजगार।

कार्यस्थल या व्यावसायिक हिंसा, धमकियों और शारीरिक हिंसा या गाली गलौज के रूप में, का सामना करना भी बहुत से कामगारों के लिये एक समस्या है। ऐसी घटनाओं की संख्या चौंकाने वाली है। वर्ष 2009 में कार्य स्थल पर ऐसे विभिन्न प्रकार 572,000 अघातक हिंसाऐं, जिनमें विभिन्न रूपों के हमले शामिल हैं, संयुक्त राज्य अमेरिका में रिपोर्ट की गई तथा 521 युवक कार्य स्थल पर दैहिक यौन उत्पीड़न के शिकार हुए।[23] दक्षिण अफ्रीका में हुए सर्वेक्षण में उत्तर देने वालों ने बताया गया कि 80 प्रतिशत लोगों ने कभी न कभी कार्य स्थल पर अनेक प्रकार के विरोध (सभी रूपों में धमकियां) सहे हैं।[24] वर्ष 2009 में 30 मिलियन यूरोपियन यूनियन के कामगारों ने कार्य संबंधी हिंसा (जैसे उत्पीड़न, धमकी, डराना-धमकाना या शारीरिक हिंसा) का सामना किया है। इनमें से 10 मिलियन लोगों के साथ ऐसा व्यवहार कार्यस्थल पर ही हुआ और शेष ने ऐसी यातनाऐं कार्यस्थल के बाहर सही हैं। ऐसी हिंसा का सीधा प्रभाव शारीरिक तथा भावात्मक स्वास्थ्य पर पड़ता है जिसके फलस्वरूप कार्य से अनुपस्थिति की स्थिति उत्पन्न होती है।[25]

सारणी 1.1

सबसे हाल के वर्ष में उपलब्ध उच्च तथा कम आय वाले देशों में विकलांग व्यक्तियों की रोजगार दर (%)

	कम आय वाले देश		उच्च आय वाले देश	
	विकलांग नहीं	विकलांग	विकलांग नहीं	विकलांग
पुरुष	71	59	54	36
महिलाएं	32	20	28	20

स्त्रोत : विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा विश्व बैंक 2011।

संघर्ष और संघर्ष के बाद की स्थिति में कार्य

विश्व में करीब 1.5 बिलियन अर्थात 25 प्रतिशत लोग नाजुक स्थिति वाले या संघर्ष ग्रस्त देशों में रहते हैं।[26] संघर्ष की स्थितियां उच्च आपराधिक हिंसा से गृह युद्ध से अन्य आतंरिक संघर्ष तक हो सकती हैं। ऐसी स्थितियों में कार्य तथा कार्य और मानव विकास की कड़ी कोई अलग ही आयाम ले सकती है। हिंसा की बढ़ती वारदातों के अंतर्गत, अपनी तथा परिवार की सुरक्षा की वरीयता आर्थिक आवश्यकताओं से अधिक है इस भावना के साथ, मानवीय वरीयताओं में बदलाव आ जाता है।

संघर्ष और कार्य के बीच की कड़ी पारस्परिक सुदृढ़ करने वाली है। शांति स्थापित करने तथा बेरोजगारी में कार्य सहायक हो सकता है, जब बेरोजगारी अन्य सामजिक असंतोषों के साथ मिल कर और भी अस्थिरता पैदा कर सकती है। जब लोग बेरोजगार होते हैं तो उनकी हिंसात्मक गतिविधियों में शामिल होने की संभावना बढ़ जाती है। गंभीर मामलों और अस्थिर वातावरण में बेरोजगारी विद्रोहियों द्वारा भर्ती को बढ़ा सकती है, इस प्रकार गृह युद्ध का खतरा बहुत बढ़ जाता है। यह स्थिति बेरोजगारी, असंतोष ओर शिकायतें यह भड़काती है, साथ ही हिंसा की अवसर लागत में कमी, काफी हो सकती है।

हिंसात्मक संघर्ष के कार्य पर बहुत से जटिल प्रभाव पड़ते हैं। संघर्ष केवल यातना और मृत्यु जैसी त्रासदी की अगुवाई नहीं करते; बल्कि वे जीविका को भी नष्ट करते हैं। हिंसा तथा लूटपाट की घटनाओं में लोग अपनी संपत्ति, भूमि तथा व्यापार खो बैठते हैं। विस्थापित हो जाने की दशा में उनके लिए कार्य कर पाना कठिन हो जाता है, विशेष रूप से तब, यदि वह ऐसे क्षेत्र या देश में चले गए हों, जहाँ संसाधनों की पहले से ही कमी है। इससे केवल तात्कालिक निर्धनता ही नही बढती बल्कि उससे उबरने की संभावना भी घट जाती है, विशेषकर तब, जब संघर्ष अपने पैर अधिक पसारने लगे, उदाहरण के लिए, छोटे हथियारों का प्रसार, पशुओं को हांक ले जाना तथा अन्य कोई आतंकवादी गतिविधि का होना। हिंसक संघर्ष के अधिक बढ़ने पर प्रमुख ढांचागत संरचनाएं, बिजलीघर तथा ईंधन के स्रोत नष्ट हो जाते हैं, उद्योगों को आयातित संसाधनों को लिए विदेशी मुद्रा नहीं मिलती, उत्पादन में कार्य तथा उत्पादन संबंधी सेवाओं, पर्यटन तथा कृषि की अवनति हो सकती है।

हिंसात्मक संघर्ष प्राय: लोगों से उनकी बहुत पुरानी जमा पूंजी के छिन जाने का कारण भी बनते हैं: संपत्ति धारकों से उनकी संपत्ति छीनने के लिए उन पर अतिरिक्त-आर्थिक या गैर आर्थिक जबरदस्ती का उपयोग होता (उदाहरण के लिए, अपनी जगह से जबरन भगाये जाने या युद्ध के समय भूमि अधिग्रहण की स्थिति में) तथा लोगों को जीवन बचाने के लिए श्रम के बाजार में उतरना पड़ता है।

संघर्ष के माहौल में कामगारों के बीच कार्य के अवसरों का बंटवारा केवल देश की सीमाओं के भीतर तक सीमित नहीं रहता। क्षेत्रीय संघर्ष की जटिलताएँ, जैसा कि कहा जाता है, प्राय: जटिल श्रम बाजार बना देती है और सीमाओं के पार अक्सर अपमानजनक श्रम संबंध तथा कार्य की कठिन परिस्थितियां, अर्थव्यवस्थाओं के स्थानांतरण में मदद करती हैं। 1980 के अंतिम और 1990 के शुरूआती वर्षों में दक्षिण अफ्रीका के वैश्विक प्रतियोगी कृषि उद्योग के बाजार में मोजाम्बीक युद्ध के दौरान अनेक विस्थापित महिलाओं को असंवैधानिक और बहुत कम कीमत पर कार्य करने पड़े। युगांडा के ग्रामीण श्रम बाजारों में बहुत से श्रमिक ऐसे थे जो कांगो या रवांडा के संघर्ष जनित कारणों से विस्थापित हो कर वहां पहुंचे थे और कुछ कार्य पाने के दौरान कार्य की शर्तों और व्यवहार संबंधी अनेक प्रकार का भेदभाव सह रहे थे।

संघर्ष के माहौल का प्रभाव अलग अलग वर्गों पर अलग अलग ढंग से पड़ता है। उदाहरण के लिए युवाओं के हाथ में उत्पादक कार्यों के बहुत कम अवसर रह जाते हैं और वह आतंकवादियों, विद्रोहियों या अपराधी गिरोहों द्वारा नियुक्त करने के लिए असुरक्षित हो जाते हैं। संघर्ष की स्थिति समाप्त हो जाने के बाद भी, युवा व्यक्ति पूर्व सैनिक होते हैं, प्राय: उन्हें कार्य से दूर ही रखा जाता है।

संघर्ष की स्थिति में महिलाओं पर कार्य का बोझ बढ़ जाने की संभावना रहती है। जब पुरुष घर से बाहर हैं या लड़ाई में फंसे हैं, तब महिलाओं को घर में सभी तरह के, वैतनिक या अवैतनिक कार्य भार को सम्हालना पड़ता है। संघर्ष की गतिविधि में महिलाएं भी सक्रियता से भागीदार हो सकती हैं। सूडान में महिलाएं और लड़कियां, सैनिकों और शांति कार्यकर्ताओं के रूप में, दो उत्तर-दक्षिण गृह युद्धों की अगली पंक्ति में थीं।[27]

शांति कायम करने में, संघर्ष की स्थिति रोकने में तथा शांति वार्ता में भागीदारी में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। वह संघर्ष के दौरान मध्यस्थता भी निभाती है और संघर्ष के बाद की व्यवस्था में भी भागीदार होती हैं। इसको संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् ने महिलाओं, शान्ति तथा सुरक्षा पर अपने प्रस्ताव संख्या 1325, जिसे अक्टूबर 2000 में पारित किया गया, व्यापक रूप से मान्यता में दी। इस प्रस्ताव में महिलाओं पर हिंसात्मक संघर्ष के गहरे प्रभाव को माना गया और सरकारों से यह आग्रह किया कि शाति तथा सुरक्षा संबंधी प्रयासों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जाय।[28] इस प्रस्ताव पर योजना संबंधी कार्य पूरा हो चुका है और लाइबेरिया से नार्वे तक और नैपाल से फिलीपींस तक करीब 25 देशों में इसे लागू भी किया जा चुका है।[29]

इसके पहले, पिछले दस वर्षों में 39 सक्रिय संघर्षों की शांति वार्ता में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम था; शांति संधियों के केवल छोटे से भाग में महिलाओं का प्रत्यक्ष संदर्भ था (कुल 585 शांति संधियों का 16 प्रतिशत)।[30] एक अध्ययन से पता चलता है कि 1992 से 2011 के बीच हुई 31 प्रमुख शांति प्रक्रियाओं में

हिंसक संघर्षों के कार्य पर अनेकों जटिल प्रभाव हैं

विशेष योगदान

शांति की स्थापना और आशा को पुनःस्थापित करना : राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका

जैसे घर के भीतर महिलाओं का कार्य अदृश्य रहता है, उसी तरह सामुदायिक विकास तथा संघर्ष के समाधन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में महिलाओं का योगदान प्रायः अनदेखा रह जाता है, जिनका कि मानव विकास की गति पर बहुत प्रभाव पड़ता है।

महिलाओं के शांति स्थापना के प्रयास कोई अजीब घटना नहीं हैं, वह शीत युद्ध के बाद भड़की हिंसा और लड़ाई के बाद से ही हो रहे हैं। बोस्निया और हेर्जेगोविना से लेकर लाइबेरिया तक, बुरांडी से सिएरा लिओन, कांगो से ले कर यूगांडा तक महिलाएं स्थानीय स्तर पर परिवर्तनकारी भूमिका निभाती रही हैं, नागरिक संघर्ष के दौरान और उसके बाद भी उनका ऐसा योगदान देखा गया है। मैं बिना किसी संशय के यह कह सकती हूँ कि युद्ध को रोकने और सभी प्रकार की हिंसा पर काबू पाने में महिलाओं की भूमिका अहम रही है। इस सन्दर्भ में यह दुखद है कि वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर नीति निर्धारक लोगों का ध्यान इस सत्य की ओर बहुत धीमी गति से जा रहा है।

मेरे अपने अनुभव की शुरुआत करीब दो दशक पहले, लाइबेरिया के नागरिक संघर्ष के समय हुई। वहां मैंने देखा कि युद्ध कैसे समूचे समाज और मानवता को उधेड़ देता है, इसका जीवन लिए सम्मान और अधिकार तथा लोगों की गरिमा के लिए आदर कितना है। युद्ध कैसे समाज की संरचना को छिन्न-भिन्न कर देता है। उन सारी मान्यताओं को निरस्त कर देता है जो मनुष्य के अहं से उत्पन्न आतंक पर अंकुश रखती हैं। वहां मैंने मनुष्य के शासन और उसकी शैतानी अभिव्यक्तियों को नजदीक से देखा।

वहां पर व्यवस्था का, अधिकार के विवेक का और नागरिकता के भाव का पूरी तरह अभाव था, जब लाइबेरिया की महिलाएं अपने देश और समाज की आत्मा का पुनरुद्धार करने उठ खड़ी हुई थीं। लाइबेरिया भर से हजारों महिलाएं 'लाइबेरिया में शांति के लिए महा-अभियान' का बैनर लेकर, अपनी सुरक्षा की परवाह किये बिना युद्ध के विरुद्ध और युद्ध के नाम पर की जा रही निंदनीय गतिविधियों के विरुद्ध निकल पड़ी थीं।

लेकिन यह कहानी केवल लाइबेरिया तक सीमित नहीं है। यह अधिकांश युद्ध प्रभावित समाजों में ऐसे ही घटित हुआ है। करीब एक साल पहले, जब मुझे कांगो के गणराज्य के तीन प्रदेशों की यात्रा का अवसर मिला था, मैंने वहां भी एक महिला का ऐसा ही अभियान देखा था जो शांति के पक्ष में चलाया जा रहा था। मेरी उसी वर्ग की महिलाओं से भेंट हुई जिन्हें लाइबेरिया के शांति सन्दर्भ में देखा गया था। भले ही उनके प्रसंग फर्क थे किन्तु उनका चारित्र वही था, उनकी मूल्य चेतना, उनकी गुणवत्ता तथा कार्य के प्रति उनके सिद्धांत वही थे। इस समुदाय की महिलाएं आगे बढ़ कर दूसरी अन्य ऐसी महिलाओं की सहायता परामर्श के माध्यम से कर रहीं है जो शान्ति स्थापना के कार्य में लगी हैं। नाईजीरिया में भी महिलाएं लगातार चिबूक से गायब हुईं 200 लड़कियों के पक्ष में लगातार आन्दोलन कर रही हैं। शान्ति की स्थापना, मानवाधिकारों की रक्षा और न्याय के लिए संघर्ष करती महिलाओं की गाथा निरंतर सामने आ रही है।

जब युद्ध समाप्त हो जाते हैं तब शांति के कार्य में महिलाओं के योगदान की स्मृति धुंधलाने लगती है। पुरुष प्रधन व्यवस्था आगे आती है और महिलाओं के सारे प्रयास भुला दिए जाने लगते हैं। फिर, बिना समय गँवाए पुरुष प्रधन सत्ता किसी नए युद्ध की नींव रखने लगती है, महिलओं, बच्चों और अन्य असुरक्षित लोगों के अधिकारों का संस्थागत उल्लंघन किया जाने लगता है। यह दुखद कहानी बनी हुई है, अब महिलाओं को इसका सामना करने की तैयारी करनी चाहिए तथा नीतियों में बदलाव, अर्थव्यवस्था और युद्ध के बाद की स्थितियों के निवारण में अपनी भागीदारी के लिए महिलाओं को आग्रहशील होना चाहिए। बहुत से देशों में युद्ध के बाद की स्थितियों को सम्हालने की योजना में महिलाओं की विशिष्ट आवश्यकताओं तथा सरोकारों की अनदेखी कर दी जाती है जिस से महिलाएं जिन्होंने युद्ध में अपना बहुत कुछ खोया होता है, वह सुधारात्मक क्रम में उपेक्षित रह जाती हैं।

इस स्थिति को संबोधित करने के लिए, बहुत से समुदायों में महिलाएं भी सचेत हुई हैं और अपने सहकारिता केंद्र तथा अपनी औद्योगिक इकाइयां बना रही हैं ताकि उनके कार्य से उनके और उनके बच्चों के लिए साधन उपलब्ध कराये जा सकें। यह गतिविधि मानव अधिकारों की संवहनीयता और शांति के लाभों के समेकन के लिए बुनियादी आवश्यकता है।

आशा की जाती है कि मानवाधिकार और शान्ति के लिए महिलाओं की खोज में नया एजेंडा सशक्त है। जिस तरह से सरकारी कार्यालयों में महिलाएं वरिष्ठ पदों पर कार्य कर रही हैं, महिलाओं के साथ हुई हिंसात्मक घटनाओं में उन की सुनवाई हो रही है, उससे यह स्पष्ट है कि वांछित परिवर्तन आकार ले रहा है। महिलाएं और उनके बच्चे इस नये मंच के प्रति अपना आभार जता रहे हैं जिसको तकनीकी ने संभव किया है।

मेरा गहरा विश्वास है कि अब पूरे संसार और सभी वैश्विक संस्थाओं को मान लेना चाहिए कि संघर्ष की स्थिति को टालने और सामुदायिक संगठन बनाने में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस तथ्य को जान कर उसे मान्यता देना तो महत्वपूर्ण है ही, यह भी आवश्यक है कि महिलाओं को वैश्विक संघर्ष के समाधन खोजने के कार्य में भी लगाया जाय। यदि हम सचमुच संघर्ष की घातक प्रक्रिया को रोकना चाहते हैं और इस वैश्विक असुरक्षा से बचना चाहते हैं तो हमे सबको तत्काल सामूहिक रूप से इस लक्ष्य को गंभीरता से अपना लेना चाहिए।

लेमाह ग्बोवी

शान्ति सक्रियतावादी तथा 2011 की नोबेल शान्ति पुरस्कार विजेता

केवल 9 प्रतिशत शान्ति वार्ताओं में महिलाएं वार्ताकार थीं।[31] शांति प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी का प्रश्न केवल नैतिक या समानता के आधार पर महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि यह क्षमताओं से भी जुड़ता है। यदि वैश्विक स्तर पर महिलाएं शांति प्रक्रिया का हिस्सा नहीं हैं तो इसका अर्थ है कि संसार में शांति स्थापना की कुल संभावना का आधा भाग बेकार चला गया। लाइबेरिया में संघर्ष की स्थिति को समाप्त करने में अग्रिणी रहीं, लेमाह ग्बोवी, जिन्हें वर्ष 2011 में शान्ति के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया, वह मानती हैं कि विशेष योगदान के रूप में, शांति स्थापना का कार्य महिलाओं की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी से संपन्न होता है (हस्ताक्षरित बॉक्स)।

कार्य जो मानव विकास को नुकसान पहुंचाता है

अधिकतर लोग अपने जीवनयापन के लिए कार्य करते हैं। वह इस लिए भी कार्य करते हैं ताकि वह अपने जीवन को सार्थक कर सकें, किन्तु सभी कार्यों से यह अभीष्ट सिद्ध नहीं होता। बहुत से लोग ऐसे कार्यों में लगे होते हैं जो उनके जीवन के विकल्पों को बाधित करते हैं। लाखों लोग अपमानजनक और शोषक स्थितियों में कार्य करने को मजबूर हैं, उनके कार्य की स्थितियां उनके मूल मानव अधिकारों की अवमानना करती हैं और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं, जैसे बाल श्रमिक, बंधुआ मजदूर तथा श्रमिक तस्करी (देखें रेखांकन 1.4)। ऐसी क्षयकारी और शोषक गतिविधियाँ मानव विकास को धवस्त करती हैं। लाखों घरेलू, विस्थापित, यौन तथा खतरनाक उद्योगों के कामगार ऐसे कार्यों के सहारे अपना जीवनयापन करते हैं जो खतरनाक हैं और कल्याणकारी नहीं हैं।

बाल श्रमिक

बहुत से समाजों में बच्चे अपने परिवारों के ऐसे कार्यों में सहायता करते हैं जो न तो हानिकारक होते हैं और न ही शोषणकारी। किन्तु बाल श्रम बच्चों को उनके बचपन, संभावित प्रतिभा और उनकी गरिमा से वंचित करता है, यह उनके लिए मानसिक, शारीरिक सामाजिक तथा नैतिक रूप से हानिकारक हो सकता है। इससे उनकी शिक्षा में बाधा आ सकती है, उन पर स्कूल के अतिरिक्त लम्बे समय तक कार्य का बोझ पड़ सकता है अथवा इन परिस्थितियों में वह या तो स्कूल की शिक्षा अधूरी छोड़ देते हैं या स्कूल की शिक्षा शुरू ही नहीं कर पाते। ऐसी स्थिति के सबसे घातक परिदृश्य यह होते हैं कि बच्चे गुलामी का जीवन जीने लगते हैं, अपने परिवारों से अलग हो जाते हैं, गंभीर रूप से खतरनाक कार्य में फंस जाते हैं, बीमार हो जाते हैं या बहुत ही छोटी उम्र में महानगरों की सड़कों पर पड़े रह कर किसी तरह जीते हैं।

विश्व में 168 मिलियन बाल श्रमिक हैं। यह बाल जनसंख्या का लगभग 11 प्रतिशत है। इनमें लगभग 100 मिलियन लड़के और 68 मिलियन लड़कियां हैं। इनके लगभग आधे खतरनाक कार्यों में संलग्न हैं। विकासशील देशों से आने वाले 23 प्रतिशत बाल श्रमिक कम आय वाले देशों के हैं, जिनमें सबसे अधिक संख्या में एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र से है। उप-सहारा अफ्रीका से सर्वाधिक बाल श्रमिक करीब 20 प्रतिशत निकले हैं।[32]

किन्तु इस समस्या के निवारण में पर्याप्त प्रगति भी हुई है जो अंशत: इस प्रयास से आई है कि बच्चे स्कूल जाना शुरू करें। वर्ष 2000 और 2012 के बीच बाल श्रमिकों की संख्या में 78 मिलियन की कमी आई जो एक तिहाई के करीब है। इस प्रगति में सबसे अधिक अंश कम उम्र के बच्चों का है और उन बच्चों का, जो खतरनाक तरह के कार्यों में लगे हुए थे। बाल श्रमिक लड़कियों की संख्या में 40 प्रतिशत की गिरावट आई जब कि लड़कों में यह गिरावट 25 प्रतिशत रही।[33]

वर्ष 2014 में शान्ति के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित भारतीय कैलाश सत्यार्थी का बाल श्रमिक समस्या पर विशेष योगदान है। इस संबंध में वह अपने विचार साझा करते हैं (देखें हस्ताक्षरित बॉक्स)।

बंधुआ मजदूरी

बंधुआ मजदूरी एक सर्वाधिक हानिकारक कार्य है जो मानव विकास के सन्दर्भ में लोगों की स्वतंत्रता और

रेखांकन 1.4

क्षयकारी और शोषणकारी कार्य मानव विकास को क्षति पहुंचाने हैं।

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

रेखांकन 1.5

बंधुआ मजदूरी के क्षेत्र में महिलाओं और बच्चों की संख्या पुरुषों और लड़कों की अपेक्षा अधिक है, 2012।

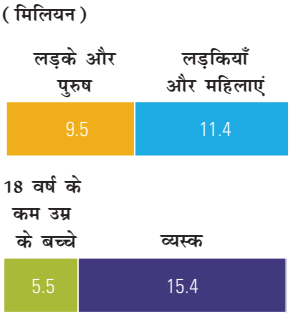

स्त्रोत : आईएलओ 2014e।

Kailash

बाल श्रम के उन्मूलन की ओर कार्यरत

आपके इस क्षेत्र में उतरने के बाद बाल श्रम के परिदृश्य में बदलाव कैसे आया? इस सन्दर्भ में कौन से परिवर्तन कुछ सकारात्मक हैं और कुछ कम सकारात्मक हैं।

जब 1981 में मैंने अपना कार्य शुरू किया तब यह गंभीर समस्या पूरी तरह से उपेक्षित थी। लोग इसे आसानी से अनदेखा करे जा रहे थे और सबका सोच यह था कि यह निर्धन बच्चे हैं इसलिए वह कार्य कर रहे हैं, इसमें कुछ नया नहीं है। बच्चों के अधिकार का प्रश्न संस्थागत चिंता का विषय नहीं बना था, यहाँ तक कि ऐसा कोई विचार भी अंकुरित नहीं हुआ था। बच्चों के अधिकार का मुद्दा 1989 में उठाया गया था और 1990 में इसे स्वीकृति मिली थी।

मैंने अपने साथियों के साथ मिल कर यह प्रसंग उठाया कि यह बाल श्रमिक निर्धन बच्चे भर नहीं हैं जो कार्य करने को बाध्य है, यह स्थिति बचपन के स्वातंत्र्य के हनन की है, उनके सम्मान भाव और भविष्य के विकास के इनकार की है साथ ही इन्हें शिक्षा और स्वास्थ्य से वंचित करती है।

ताकतवर वर्ग, जिसमें बड़े उद्योगपति और सरकारें शामिल हैं, की पहली प्रतिक्रिया इनकार थी। वह इस प्रश्न से बचना चाहते थे। इस विचार पर कोई शोध या दस्तावेज नहीं था; इस बारे में अंग्रेजों के समय के पुराने कानूनों के अतिरिक्त कोई अन्य कानून भी नहीं था। नेपाल और पाकिस्तान में कार्य शुरू करते समय मैंने पाया कि दक्षिणी एशिया भर में बाल श्रमिकों की स्थिति ऐसी ही है। इस क्रम में मुझे एहसास हुआ कि समस्या के प्रति अज्ञानता, इसकी उपेक्षा और इसके प्रति इनकार विश्व भर की समस्या थी।

इस एहसास के साथ हमने इसके विरोध का रास्ता अपना लिया, हमने न्यायपालिका से भेंट की, मीडिया के सामने यह मुद्दा रखा, और उन व्यवसायियों के सामने चुनौती खड़ी की जो बच्चों को गुलाम बना और उनकी तस्करी करके कार्य करा रहे थे। इस कदम का तीखा विरोध हुआ और हिंसक प्रतिक्रियाएं हुईं- हमारे दो साथी मारे गए और मुझ पर कई बार हमला हुआ।

अंततः सामान्य नागरिकों ने समस्या को समझना शुरू किया और माना कि यह केवल निर्धनता का मामला नहीं है और इसे साधारण मान कर अनदेखा नहीं किया जा सकता। इससे समाज के हर वर्ग की सोच में बदलाव आया, न्यायपालिका की भी सोच बदली और उसकी ओर से सकारात्मक तथा भारत और विश्व के अन्य भागों से सक्रिय प्रतिक्रिया आने लगी। इसके साथ ही मजदूर संगठन भी हमारे साथ जुड़ने लगे।

धारणा में बदलाव आया तो उसने व्यवहार में भी बदलाव दर्शाया। पिछले 15-17 वर्षों में बाल श्रम के स्तर में स्पष्ट गिरावट देखी गयी है वह 260 मिलियन से घट कर 168 मिलियन रह गयी है, लेकिन यह अभी भी एक गहन समस्या है। इस सन्दर्भ में वैश्विक स्तर पर अभी भी राजनैतिक इच्छा शक्ति की कमी दिखती है और यही स्थिति राष्ट्रीय स्तर पर भी है। इस समस्या से संबंधित राष्ट्रीय कानून बनाये गए हैं और इस विषय पर अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा आयोजित एक सम्मलेन हुआ था जिसे अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने वर्ष 1999 में एक मत से अपनाया। उसके बाद से इसे 179 और देशों ने इसको अपना समर्थन दिया। फिर भी देश व्यापी स्तर पर वांछित स्तर का बदलाव अभी सामने नहीं आया है। इसके लिए गंभीर स्तर की राजनैतिक इच्छा शक्ति की आवश्यकता है।

राजनैतिक इच्छा शक्ति के विकास को आप किस तरह आकलन करते हैं? आपने और आपके साथियों ने धारणा में बदलाव की दिशा में जो रास्ता अपनाया है, क्या आप उसी पर चल कर राष्ट्रीय सरकारों और साझेदारों को अपने साथ ला सकते हैं?

निश्चित। विगत 20-30 वर्षों में जो सबसे बड़ी बात हुई है वह नागरिक वर्ग का हमारे साथ जुड़ना है। ऐसा पारम्परिक दान से किये गए कार्य से संभव हुआ और जब इसमें आवश्यक नीति बनाने वाले भी सहयोगी बने तो इसे और अधिक बल मिला- उदाहरण के लिए, संयुक्त राष्ट्र संघ में हुई बातचीत। मैं इसमें भागीदार था, दो बड़े आन्दोलनों, शिक्षा के लिए वैश्विक अभियान और बाल श्रम के विरुद्ध वैश्विक मार्च, के साथ बहुत गहराई से जुड़ा था। जहाँ तक और अधिक राजनैतिक इच्छा शक्ति का प्रश्न है, वह और अधिक जोशपूर्ण और क्रियाशील और सशक्त नागरिक समाज, उसकी सचेत निगरानी और सरकार के लिए उसका महत्वपूर्ण नीतिगत सहयोगी होने के साथ बनेगी।

समाज की सक्रियता भी बहुत आवश्यक है और उसके लिए मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

हमें व्यवसायिक क्षेत्र से भी सीधे संवाद बनाना होगा, उन्हें अधिक दायित्वपूर्ण भूमिका में रखना होगा, बच्चों के लिए उनकी जवाबदेही बढानी होगी। ऐसा होने पर राजनैतिक इच्छा शक्ति का और अधिक विकास होगा। निगमों ने वैश्विक तापमान वृद्धि और पारिस्थितिकीय परिवर्तन के सन्दर्भ को राजनैतिक गति देने में अपनी भूमिका निभाई है जिससे राजनैतिक इच्छा शक्ति का विकास हुआ है तथा ऐसा ही विशेषकर बाल श्रम के सन्दर्भ में, बल्कि व्यापक रूप से बाल अधिकारों के सन्दर्भ में भी किया जा सकता है।

आपने कुछ ऐसा शुरू कर दिया है जो हमारी चर्चा के लिए केंद्रीय विचार है, कि कार्य का संसार कैसे बदल रहा है- ऐसा लगता है कि विभिन्न निर्णायकों के बीच शक्ति का केंद्र अपनी जगह बदल रहा है। आपने बताया कि व्यवसायी वर्ग ने वैश्विक तापमान वृद्धि और पारिस्थितिकीय परिवर्तन के सन्दर्भ में मुद्दे उठाये जो कि बहुत सार्थक कदम रहे, क्या ऐसा ही कोई उदाहरण बाल श्रम के संबंध में भी दिया जा सकता है जहाँ कॉर्पोरेट समर्थन बाल अधिकारों के हितों के पक्ष में मिला हो?

उस दिशा में निश्चित रूप से उनकी मानसिक अवधारणा बदली है, यद्यपि हमें उनसे और अधिक प्रयास और ठोस परिणाम प्राप्त करने हैं। उदहारण के लिए, 1980 के दशकों में हमने भारत, नेपाल और पाकिस्तान में कालीन उद्योग को लेकर अभियान चलाये। इनसे एकदम पहली बार एक नई परंपरा शुरू हुई, कि दक्षिण एशिया में सामाजिक प्रमाणन और 'घोषणा पद्धति' पर दृष्टि रखी जाने लगी, इसको 'गुड वीव' कहा गया (जिसे पहले 'रग मार्क ' कहा जाता था)। यह एकदम पहला दृष्टान्त था जब व्यवसायी जगत ने स्थानीय उत्पादकों, नागरिक समाज के संगठनों गैर सरकारी संगठनों तथा संयुक्त राष्ट्र की इकाइयों के साथ स्वयं को जोड़ कर कार्य किया, सबसे महत्वपूर्ण उनका उपभोक्ता संगठनों से जुड़ाव रहा। इन गठबन्धनों द्वारा दक्षिण एशिया के कालीन उद्योग से बहुत अच्छे परिणाम प्राप्त हुए जैसे इनमें बाल श्रमिकों की संख्या 1 मिलियन से घट कर 200,000 रह गयी।

मैं निजी तौर पर घाना और आइवरी कोस्ट के अभियानों में भी शामिल था जो कोको उद्योग में श्रमिक तस्करी और गुलामी जैसी प्रथा के विरुद्ध चलाया जा रहा था।

कॉरपोरेट की भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण है। आदर्श रूप से हम अधिक सकारात्मक और निर्माणवादी होना चाहते हैं न कि उद्योगों या उत्पादों पर प्रतिबन्ध तथा उनके वहिष्कार की बात करना। कॉर्पोरेट चेतना और कॉर्पोरेट जिम्मेदारी की पूरी धारणा बोर्डरूम स्तर से वर्कशॉप स्तर तक आपूर्ति श्रृंखला के माध्यम से नीचे की ओर आयी है। अब हम इस पर कार्य कर रहे हैं।

यह सुनना बहुत उत्साहजनक है। अब, आपने यह प्रसंग उठाया है कि एक सामान्य नागरिक या आम आदमी इस मुद्दे के उन्मूलन के सन्दर्भ में क्या कर सकता है। क्या आप इस चर्चा को और विस्तार देना पसंद करेंगे कि कोई ऐसा व्यक्ति

जो सड़क पर है, या कोई विद्यार्थी, अपनी सीमाओं में रहते हुए इस समस्या के समाधन के लिए क्या कर सकता है।

बाल श्रम कोई अकेली स्वतंत्र समस्या नहीं है और वह अलग थलग रहते हुए नहीं हल की जा सकती। इसका सीधा संबंध मानव विकास तथा मानव अधिकार से है। यदि मानव अधिकार, परिवार तथा समुदाय सुरक्षित नहीं हैं तो फिर बच्चों को भी संरक्षण नहीं दिया जा सकता। इसी तरह, बिना संवहनीय और समावेशी विकास तक पहुंचे, बाल श्रम का भी अलग से, उन्मूलन नहीं हो सकता।

मैं पिछले तीस साल से इस बात पर बल दे रहा हूँ कि निर्धनता, बाल श्रम और निरक्षरता, यह तीनों मिल कर एक 'दोषपूर्ण त्रिकोण' बनाते हैं। वह एक दूसरे के कारण भी है और प्रभाव भी, और इनमें से कोई भी, बिना अन्य घटकों का निवारण किये हल नहीं जा सकता। जहाँ 168 मिलियन बच्चे पूर्णकालिक कार्य में हैं, वहीं लाखों वयस्क लोगों के पास कार्य नहीं है। बाल श्रमिक रखना पसंद किया जाता है क्योंकि वह बहुत सस्ते है– और बंधुआ हों तो मुफ्त में हैं। वह शारीरिक तथा मानासिक रूप से आज्ञाकारी हैं, वह श्रम संगठन नहीं बनाते, अदालत में नहीं जाते, मालिक को चुनौती नहीं देते और इस तरह यह दुष्चक्र अटूट बना रहता है।

बल श्रम स्वास्थ्य, शिक्षा तथा निर्धनता उन्मूलन के मुद्दों से जुड़ा हुआ है। मैं एक ऐसे कार्यक्रम को प्रस्तुत करने की तैयारी में हूँ जो बाल श्रम, दासता, श्रमिक तस्करी इन सब को पूरी तरह समाप्त कर सके और सतत विकास के लक्ष्य का हिस्सा बन सके।

यह बहुत आवश्यक है क्योंकि हम जिस संसार में रह रहे हैं उसमें बच्चे सुरक्षित नहीं हैं। एक ओर बहुत से विकास, बहुत सी वृद्धि, अनेक कानूनी संरक्षणों आदि की बात हो रही है, तो दूसरी ओर संसार अधिक से अधिक कठिन, असुरक्षित, बच्चों के लिए भयावह होता जा रहा है उन कारणों से जिनमें असहिष्णुता और आतंकवाद शामिल हैं। विशेषकर विकासशील देशों में हम इस स्थिति में नहीं हैं कि बच्चों को सुरक्षित भविष्य का आश्वासन दे सकें। हिंसा बढती जा रही है।

मेरा दृढ़ विश्वास है कि हिंसा और मानव विकास साथ साथ नहीं रह सकते। मानव विकास लाने के लिए हमें हिंसा को समाप्त करना ही होगा। मैं इस बात के प्रति आश्वस्त हूँ कि जब तक हम बच्चों के लिए निरापद संसार की व्यवस्था नहीं कर लेते, हम मानवधिकारों की रक्षा नहीं कर सकते। मानवाधिकार की रक्षा, समाज का समावेशी विकास, और हिंसा से मुक्ति यह एक दूसरे से जुड़े हुए प्रसंग है और इन्हें जीतने के क्रम में हमें बच्चों से शुरू करना होगा।

बच्चों के प्रति होने वाली किसी भी तरह की हिंसा के विरुद्ध लोगों को आवाज उठानी होगी। बाल श्रम के साथ साथ शिक्षा से वंचित रखना भी बच्चों के अधिकार का हनन है जैसे कि बच्चों की तस्करी है। इस सन्दर्भ में, स्वस्थ सामान्य व्यक्ति कहीं भी कुछ करने की राह खोज सकता है। एक कार्य तो यही है कि वह अपने साथियों, मित्रों और संबंधियों के बीच ज्ञान और जानकारी पैदा करे, उसका विस्तार करे और चेतना जगाए। विश्व भर में बच्चों के विरुद्ध बहुत कुछ हो रहा है। आवश्यकता है कि हम इसके संज्ञान को विस्तार दें, और इस सरोकार के प्रति लोगों में चेतना पैदा करें। दूसरे, एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर हम निश्चित रूप से स्थानीय राजनेताओं, संसद सदस्यों और सरकारी प्रतिनिधियों से यह कह सकते हैं कि वह बच्चों के हित की ओर विशेष ध्यान दें। ऐसा विकासशील और विकसित, दोनों तरह के देशों के लोग कर सकते हैं। इस क्रम में यह बात बहुत मजबूत धारणा से सामने रखी जा सकती है कि संसार में कोई भी समस्या अकेली और स्वतंत्र नहीं होती और उसे अकेले अलग थलग रह कर हल नहीं किया जा सकता। जैसे समस्याएँ एक दूसरे से संलग्न हैं, वैसे ही उनके हल भी संलग्न हैं। समस्या विश्व के एक कोने में शुरू होंगी तो पीड़ा विश्व के दूसरे छोर तक पहुंचेगी।

हमें वैश्विक स्तर पर विचार करना होगा, 9/11 के बाद और तापमान में वैश्विक वृद्धि की जानकारी पा लेने के बाद यह समझ लेने की आवश्यकता है कि हमें वैश्विक नागरिक होने के नाते संगठित होना चाहिए ताकि हम बाल श्रम तथा बच्चों में निरक्षरता जैसी समस्याओं को हल करने में सहायता कर सकें। उपभोक्ता के रूप में हम यह मांग करें कि हम केवल वह उत्पाद खरीदेंगे जो बाल श्रम के बिना तैयार किये गये हैं। यह विवेक खिलौनों, खेल के सामान, परिधन तथा जूतों की खरीद के समय अपनाया जा सकता है। इस से उद्योगों पर दबाव पड़ेगा और इस तथ्य का संचार होगा कि इन्हें भी इस सन्दर्भ में और अधिक जिम्मेदार और जवाबदेह होने की आवश्यकता है।

एक नागरिक, उपभोक्ता तथा किसी ऐसे व्यक्ति के तौर पर जो सामाजिक मीडिया से जुड़ा हुआ है, हमें बच्चों की ओर से आवाज उठानी चाहिए। युवा लोग, विशेष रूप से जो विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में हैं, वह बाल श्रम से जुड़ी जानकारियां एकत्रित करें और अपना दायित्व निभाते हुए उन जानकारियों को अपने कंप्यूटर, स्मार्ट मोबाईल फोन आदि के द्वारा दूर तक फैलाएं। इस से लोगों में बाल श्रम तथा बच्चों के विरुद्ध हिंसा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

अभी जब सतत विकास लक्ष्य निकट भविष्य में है, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिये, विशेष रूप से सब बच्चों के अधिकार के हित में आप क्या सन्देश देना चाहेंगे?

मिलेनियम (सहस्त्राब्दी) विकास लक्ष्य घोषित होने के भी पहले, मैं उनको अंतर्राष्ट्रीय एजेंडे में जोड़े जाने के प्रति बहुत चिंतित था और मैंने इस सन्दर्भ में संयुक्त राष्ट्र संघ के गलियारों में अनेक बैठकें संयोजित करीं। हमने यह बहुत स्पष्ट सन्देश देना चाहा कि बाल श्रम और बच्चों के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन के बिना हम उनमें से बहुत से लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकते, चाहे वह सबके लिए शिक्षा का लक्ष्य हो, बेरोजगारी कम करते हुए निर्धनता कम करने का लक्ष्य हो या पारिस्थितिक और स्वास्थ्य मुद्दे हों (85 मिलियन बच्चे खतरनाक रोजगार में लगे हुए हैं)। हमने इन लक्ष्यों की दिशा में कुछ सफलता तो पाई लेकिन साथ में कई लक्ष्यों में असफलता भी है।

अब कुछ एक जैसे सोच वाले लोगों को साथ ले कर तथा मजदूर संगठनों के साथ हमारा अभियान यह मांग कर रहा है कि;

- सतत विकास लक्ष्य में बाल श्रम के विरोध में जो सशक्त भाषा प्रस्तावित की गई है उसे बनाए रखा जाय।
- शिक्षा के प्रसंग में सशक्त भाषा, जो कि शामिल भी की गयी है।
- बाल दासता तथा बाल बंधुआ मजदूरी, जो कि अभी घोषित लक्ष्य की तरह शामिल नहीं है, उसे भी स्पष्ट भाषा में व्यक्त करते हुए सामने लाया जाय। बाल श्रमिकों की संख्या में तो गिरावट आई है, वह स्तर 260 मिलियन से घट कर 168 मिलियन पर आ गया है लेकिन बाल दासता के आंकड़े नीचे नहीं आये हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार बंधुआ मजदूरी में बच्चे, जिसे हम बाल दासता कहते हैं, वह संख्या अभी भी 5.5 मिलियन पर ठहरी हुई है। मेरा अनुमान है कि यह संख्या इस से भी अधिक है।

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को यह समझना चाहिए कि यदि हम अपने बच्चों को सुरक्षा नहीं दे सकते, तो हम विकास का संरक्षण भी नहीं कर सकते। बच्चों के विरुद्ध हिंसा को तो हमें खत्म करना ही होगा।

जब योजना क्रियान्वन की बात आती है, मैं यह बात संयुक्त राष्ट्र संघ से कहता रहा हूँ कि वह बच्चों के प्रसंग में और अधिक सहयोगी निकटता के भाव से कार्य करें, कभी कभी ऐसा लगता है कि हम विभाजित दृष्टिकोण से स्थितियों को देख रहे हैं और हमारी प्रतिक्रियाएं भी विभाजित हैं, वह विभिन्न स्रोतों के जनादेशों के आधार पर बंटी हुई हैं। हमें और अधिक संयोजित तथा दूरदर्शी सक्रियता से कार्य करने की आवश्यकता है, बजाय इसके कि हम केवल उन घटनाओं पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करें जो बच्चों के विरुद्ध हो रही हैं।

आपका यह नोबेल पुरस्कार किस तरह नितांत हाशिये पर पड़े बच्चों की हिंसा से सुरक्षा, शिक्षा के क्षेत्र में उन्हें शामिल किया जाना, उनके स्वास्थ्य को सुधारना तथा मानव विकास के सन्दर्भों को प्रभावित करेगा?

मैंने इस पुरस्कार पर अपनी त्वरित प्रतिक्रिया तो उसी दिन व्यक्त कर दी थी जिस दिन इस पुरस्कार की घोषणा हुई थी। मैंने कहा था कि यह एकदम पहली बार हुआ है कि इस विश्व में नितांत हाशिये पर पड़े बच्चों की त्रासदी को पहचाना गया है। यह पुरस्कार उनके लिए हैं; भले ही यह मेरे माध्यम से आया है। इसीलिए मैं व्यक्तिगत रूप से अनुभव करता हूँ कि मेरे ऊपर नैतिक उत्तरदायित्व बढ़ गया

विशेष योगदान

है। यह इस सत्य को मिली मान्यता है कि 'शान्ति' की स्थापना बिना बच्चों की सुरक्षा और उनके संरक्षण के नहीं हो सकती। इस पुरस्कार ने शान्ति और सर्वोच्च स्तर पर नैतिकता की दृष्टि से बाल अधिकार तथा शांति और समाज को जोड़ कर देखा है।

पुरस्कार की घोषणा के तीन घंटों के ही भीतर इस सन्दर्भ को इतने महत्व से देखा गया जितना पिछले तीन दशकों में कभी भी नहीं देखा गया था। अब हम सर्वोच्च स्तर पर अपनी बात से राजनैतिक संवाद को कुछ बेहतर ढंग से प्रभावित कर सकते हैं। मैं अनेक प्रधन मंत्रियों तथा राष्ट्राध्यक्षों से भेंट करता रहा हूँ, मै संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव और उनकी इकाइयों से भी मिलता रहा हूँ। मेरा पूरा विमर्श, पूरी बहस शीर्ष स्तर तक पहुंची है और अब यह संभव नहीं है कि उसको पीछे हटा दिया जाय। यह प्रसंग अब इस स्तर पर पहुँच चुका है जहां देखते हुए सरकारें या अंतर्शासकीय इकाइयां बच्चों के प्रसंग को वरीयता देंगी, क्योंकि हर एक मिनट का महत्त्व है, हर एक बच्चा महत्वपूर्ण है और एक भी बचपन को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

कैलाश सत्यार्थी

सक्रियतावादी तथा 2014 के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित

उनके विकल्पों को बाधित करता है। इस की परिधि में वह सारे कार्य या सेवाएं आती हैं जो किसी व्यक्ति से दंडस्वरूप, उसकी स्वैच्छिक स्वीकृति के विरुद्ध उससे लिए जा रहे हों। अनिवार्य सैन्य सेवाएँ, सामजिक आवश्यकता के सहज कार्य या किसी न्यायालय के आदेशानुसार कराया जा रहा कार्य बंधुआ मजदूरी की परिधि में नहीं आता, जब तक इन कार्यों को किसी शासकीय अधिकारी की देखरेख और नियंत्रण में कराया जाता है। मानव तस्करी मोटे तौर नियुक्तियों तथा लोगों को शोषण के उद्देश्य से ले जाने को संदर्भित करती है।[34] यह, विशेष रूप से कामगारों को जबरन यौन शोषण, घरेलू कार्य तथा खेती किसानी के शोषणकारी कार्यों में लगाने के लिए फंसाने तथा उन्हें दूसरे देशों में ले जाने से संबंधित गतिविधि है।

रेखांकन 1.6

2006 से बंधुआ मजदूरी द्वारा सबसे अधिक वार्षिक लाभ एशिया और प्रशांत क्षेत्र में हैं।

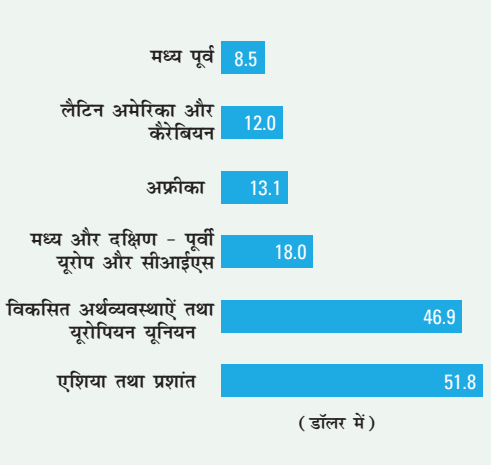

स्त्रोत : आईएलओ 2014e।

वर्ष 2012 में 21 मिलियन से अधिक लोग विश्व भर में बंधुआ मजदूरी, श्रम के लिए तस्करी तथा यौन शोषण या दासता जैसी स्थिति में कार्य कर रहे थे; इनमें 14 मिलियन (68 प्रतिशत) लोग श्रम शोषण तथा 4.5 मिलियन (22 प्रतिशत) लोग यौन शोषण जैसे कार्यों की गिरफ्त में थे। इस समूह के 90 प्रतिशत अंश को निजी व्यक्ति तथा उद्यमी शोषित कर रहे थे।[35] इनमें महिलाओं और लड़कियों की संख्या पुरुषों और लड़कों की अपेक्षा अधिक थी, और वयस्क बच्चों की अपेक्षा वयस्कों की गिनती भी अधिक थी (देखें रेखांकन 1.5)। वर्ष 2006 से, ऐसा अनुमान है कि 150 बिलियन डॉलर की वार्षिक लाभ की कमाई बंधुआ मजदूरी से की जा रही है।[36] ऐसे लाभ का स्तर सबसे अधिक एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र में है और सबसे कम मध्य पूर्व में (देखें रेखांकन 1.6), किन्तु, प्रति पीड़ित व्यक्ति लाभ सबसे अधिक (34,800 डॉलर) विकसित अर्थव्यवस्थाओं में तथा सबसे कम (3,900 डॉलर) अफ्रीका में है।[37]

दुनिया के कुछ भागों में अभी भी बंधुआ मजदूरी, दासता है। दासता के निकट सामान्य कार्य का रिश्ता, ऋण दासता है। दुनिया के कुछ भागों में निर्धन किसान और स्थानीय लोग, कमी के समय में, अग्रिम मजदूरी या छोटे ऋण स्वीकार कर लेते हैं। यह ऋण तेजी से तब तक बढ़ता रहता है जब तक कि उनका भुगतान असंभव न हो जाए और वह लोग अपने जमींदार या नियोक्ता के साथ बंधन में न आ जाएं।

ऋण बंधन का हालिया प्रकार अंतर्राष्ट्रीय प्रवास के माध्यम से उत्पन्न हुआ है। यात्रा तथा विदेशों में कार्य पाने के लिए आने वाले प्रवासी अपने एजेंटों से भारी रकम उधार ले लेते हैं। उसके बाद एजेंट तथा नियोक्ता इस उधारी में गड़बड़ी करते हैं और आये हुए कामगार उनके जाल में फंसते जाते हैं। एक तरह से बंदी हो जाने के बाद उन्हें तरह तरह का शारीरिक और यौन उत्पीड़न सहने पड़ते हैं। इस तरह की बंधुआ मजदूरी तब होती है जब कामगारों को नियोक्ता या एजेंट इतना भारी ऋण दे देते हैं जिसे वे कभी नहीं चुका सकते।

तस्करी से लाए गये कामगार

हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी के बाद विश्व में व्यापक रूप से सबसे अधिक आकर्षक किन्तु अवैध

रेखांकन 1.7

2007-2010 में बड़ी संख्या में मानव तस्करी के पीड़ित यौन शोषण के लिए लाये गए थे।

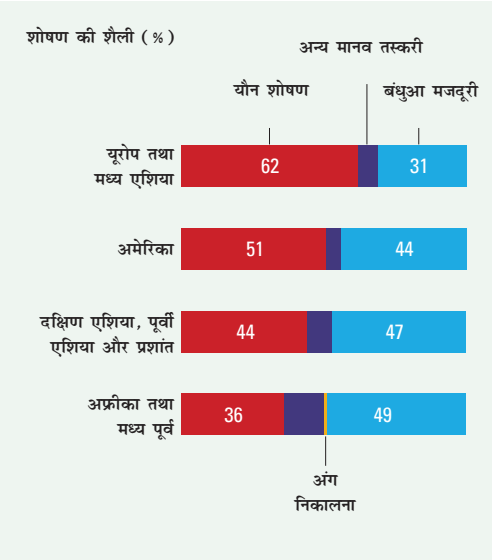

स्त्रोत : यूएनओडीसी 2012।

धंधा मानव तस्करी का है। अधिकतर महिलाएं इस का शिकार बनती हैं किन्तु, पुरुष भी इससे अछूते नहीं हैं। उदाहरण के लिए बोलिविया से पुरुषों की सपरिवार तस्करी अर्जेंटीना की ओर होती है जहाँ वह सिले सिलाए कपड़ों की फैक्टरी में कार्य करते हैं। उनके पासपोर्ट मालिकों द्वारा रख लिए जाते हैं और उन्हें फैक्टरी में जबरन बंद कर के उनसे 17 घंटे प्रतिदिन कार्य कराया जाता है।[38]

मानव तस्करी बड़े पैमाने पर होती है लेकिन इसकी हद का आकलन करना कठिन है। यह जान पाना बहुत कठिन है कि यह विस्थापन स्वैच्छिक है या जबरन कराया जा रहा है। यह आंकड़े निकल पाना भी कठिन है कि कुल विस्थापन में कितना अवैध तथा शोषणकारी विस्थापन है। अब चूंकि यह गतिविधि अवैध तथा गैर कानूनी है, इसलिए शोषित व्यक्ति शिकायत करने से भी डरता है साथ ही उसे निर्वासित किए जाने का भी डर सताता है। इसके अलावा मानव तस्करी और अन्य तस्करी के बीच भी स्पष्ट विभाजक रेखा नहीं है।

वर्ष 2007 और 2010 के बीच 136 राष्ट्रीयता के तस्करी द्वारा सीमा पार से लाये हुए पीड़ित लोग 118 देशों में पाए गए। इनमें लगभग 55-60 प्रतिशत महिलाएं थीं।[39] अधिकतर महिलाओं को यौन शोषण के लिए लाया गया था या उनसे बंधुआ मजदूरों की तरह कार्य करवाया जा रहा था।[60] प्रतिशत से अधिक पीड़ित लोग यूरोप तथा मध्य एशिया में और 50 प्रतिशत से अधिक अमेरिका में यौन शोषण के लिए लाये गए थे। लगभग आधे अफ्रीका, और मध्य पूर्व में और 45 प्रतिशत से अधिक दक्षिणी एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र में लोगों की तस्करी बंधुआ मजदूरी के कार्य के लिए हुई थी (देखें रेखांकन 1.7)।

श्रमिक खतरे में

वैसे तो सभी कामगार खुद को जोखिम भरी तथा अवमानना की स्थिति में पाते हैं किन्तु कुछ वर्ग विशेषकर असुरक्षित होते हैं, इनमें अवैध रूप से आए प्रवासी कामगार, घरेलू कार्य वाले, यौन कर्मी तथा खतरनाक कार्यों में लगे कामगार शामिल हैं।

प्रवासी कामगार- वैध तथा अवैध

शोषण के खतरे में फंसे कामगारों में दूसरे देशों से अवैध रूप से आने वाले कामगार सबसे अधिक है। वह अक्सर मानव तस्करों के शिकार हो जाते हैं और खतरे से गुजरते हैं और कभी कभी जान की बाजी लगा कर अपने ठिकानों तक पहुँचते हैं। तस्करों के बिछाए हुए जाल में विदेश जाने के इच्छुक लोग फंस कर उन्हें धन देते हैं और फिर सीमा पार कर के अवैध रूप से अन्य देशों में पहुँचने की कोशिश करते हैं। वर्ष 2014 में 3500 लोग या उससे अधिक, मुख्यत: लीबिया से, जो भूमध्य सागर में नाव द्वारा अवैध तरीके से यूरोप जा रहे थे, उनकी नाव संभवत: डूब गयी और सब के सब लोगों ने अपनी जान गंवा दी।[40]

कई बार ऐसा देखा गया है कि वैध रूप से आये प्रवासी कामगार, विशेषकर कम दक्षता वाले जो कम वेतन पाते हैं, वह दंगों, हिंसा, असुरक्षित स्थितियों और यहाँ तक कि अवमानना के शिकार हो जाते हैं। कुछ कामगारों को कम वेतन पर बहुत लम्बे समय तक कार्य करना पड़ता है। यदि उनके मालिक उनके पासपोर्ट तथा अन्य दस्तावेज अपने पास रख लें तब तो उनके लिए फंस जाने की स्थिति हो जाती है।[41]

अवैध प्रवासियों की तस्करी हाल ही में बढ़ी है

घरेलू कामगार

वैतनिक घरेलू कार्य के लिए आये कामगारों के लिए शोषण सबसे अधिक सामान्य है, विशेष तौर पर सीमा पार से विकासशील देशों में आई महिलाओं के लिए। घरों के भीतर हो रहे लोगों के शोषण के लिए प्राय: कोई कानूनी प्रावधन नहीं होता। नियोक्ता कामगारों को धमकी देते हुए कम मजदूरी देते हैं या कुछ भी नहीं देते। वह घरेलू कामगारों से लम्बे समय, 18 घंटों तक कार्य कराते हैं, कोई साप्ताहिक अवकाश नहीं देते, इनके आने जाने पर पाबंदी लगाते हैं और उन्हें किसी सामाजिक आयोजन में जाने से रोकते हैं। अक्सर उनके लिए स्वास्थ्य सेवाएँ बहुत खराब होती हैं, साथ ही उन्हें पर्याप्त आहार भी नहीं मिलता। घरेलू कामगारों को अक्सर शारीरिक तथा यौन उत्पीड़न का भी शिकार होना पड़ता है।[42] फिर भी कई घरेलू कामगार आभारी महसूस करते हुए अवमाननापूर्ण वातावरण में कार्य करते रहते हैं क्योंकि उन्हें किसी तरह अपने परिवारों का जीवन यापन करना होता है।

यौन कार्य

संयुक्त राष्ट्र संघ की परिभाषा के अनुसार उन महिलाओं, पुरुषों, अ-लिंगी वयस्क तथा 18 वर्ष से अधिक आयु वाले, वयस्क लोगों को यौनकर्मी माना जाता है, जो स्वेच्छापूर्वक नियमित रूप से या किन्हीं अवसरों पर यौन सेवाएँ प्रदान करते हैं और उसके बदले धन या वस्तुएं प्राप्त करते हैं।[43] बहुत से देशों में यौन सेवाएँ बेचना या खरीदना गैर कानूनी है। साथ ही वहां वैश्यालय चलाना और यौन कर्म को जीविका बनाना भी प्रतिबंधित है। एड्स पर अनुसंशा 200 तथा अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) का वर्ल्ड ऑफ वर्क, यौन कर्मियों को कवर करता है और प्रस्तावित करता है कि सरकारें यौन कर्म को एक रोजगार के रूप में मान्यता दें, ताकि यौन कर्मियों तथा ग्राहकों की सुरक्षा का नियमन हो सके।[44] यौन कर्म में शोषण, अवमानना, हिंसा तथा असुरक्षा की संभावना रहती है और यह सब मानव विकास को एजेंसी और विकल्प के संदर्भ में क्षति पहुंचाते हैं।

यौन कर्म तथा संबंधित गतिविधियों पर पर लगे कानूनी प्रतिबन्ध के कारण यौन कर्मियों को असुरक्षित वातावरण में जाना पड़ता है जिससे उनके लिए हिंसा और एड्स जैसे यौन संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। हाल में हुए लैंसेट के प्रदर्शन ने सुझाव दिया कि यौन कर्मियों को अपराधमुक्त पहचान देने से एड्स के संक्रमण को, जो कि अगले दशक में एक व्यापक और घातक महामारी का रूप ले सकता है, 33 से 46 प्रतिशत तक रोका जा सकता है।[45] भारत से साक्ष्य यह सुझाव देते हैं कि यौन कर्मियों की सामूहिक गतिविधि से पश्चिम बंगाल में 80 प्रतिशत अवैध अवयस्क लड़कियों और महिलाओं की पहचान हो सकी है। इस से पता चलता है कि यौन कर्मी इस तरह के पीड़ितों की सहायता करने में सहयोगी हो सकते हैं।[46]

खतरनाक उद्योगों में कामगार

बहुत से देशों में खनन एक सबसे खतरनाक कार्य है। यद्यपि इसमें विश्व भर की केवल 1 प्रतिशत (30 मिलियन कामगार) श्रम शक्ति लगी है फिर भी कार्य के दौरान हुई जानलेवा दुर्घटनाओं का 8 प्रतिशत अंश, कई घायल करने वाली दुर्घटनाएं तथा काले फेफड़े जैसी जानलेवा और अपंग कर देने वाली बीमारियां, इसी खनन कार्य के नाम लिखी हैं।[47] सरकारी आंकड़े संभवत: कुल हुई दुर्घटनाओं को कम करके प्रस्तुत करते हैं और खनन के कई स्थल अनौपचारिक खानों से जुड़े हुए हैं जहाँ दुर्घटनाओं की दर प्राय: बहुत अधिक होती है।

भवन निर्माण का उद्योग दूसरा खतरनाक स्थल है। विकासशील देशों में भवन निर्माण कामगारों को बहुत तरह के स्वास्थ्य संबंधी खतरों का सामना करना पड़ता है, जैसे धूल भरा वातावरण, इसके अतिरिक्त उनके लिए दूसरे कामगारों की अपेक्षा दुर्घटना से जान गंवाने का खतरा तीन से छ: गुना तक अधिक होता है। इसका मुख्य कारण सुरक्षा साधनों का आभाव है। अनेक विकासशील देशों में निर्माण कर्मी किसी भी सुरक्षा व्यवस्था का प्रयोग नहीं करते। इसी तरह उन स्थानों में जहाँ निर्माण कार्य बहुलता से हो रहा हो, वहां अधिकतर मजदूर और कारीगर गांव से, बहुत कम मजदूरी पर आते हैं, उनके कार्य की जगह सुविधा जनक नहीं होती और उन्हें लम्बे और अनियामित समय तक कार्य करते रहना पड़ता है।[48]

कारखानों में भी बहुत से खतरे देखे गए हैं, और हाल के दिनों में वैश्विक आवा-गमन तथा आर्थिक संकट के कारण उनमें बढ़ोतरी हुई है। गहराते हुए प्रतियोगी दबाव के चलते खर्चों में कटौती की गति बहुत तेज होती जा रही है। इस कटौती का सबसे भारी प्रभाव यह हुआ है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी अधिक होने लगी है, जिससे कारखाने के कामगारों के लिये खतरा बढ़ गया है। उदाहरण के लिए बांग्लादेश में 2013 में हुई राना प्लाजा त्रासदी को याद करें। उस दुर्घटना के बाद सरकार ने बने बनाए कपड़ों और बुनाई के उद्योग पर निगरानी तेज कर दी, कामगारों के अधिकार आश्वस्त किये और सुरक्षा साधनों का प्रयोग अनिवार्य कर दिया, किन्तु इस दिशा में अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है।

प्रौढ़ और वृद्ध कामगारों के सामने भी बड़े खतरे हैं। उन्हें अपनी दो पालियों के बीच आराम का लम्बा समय चाहिए, विशेष रूप से तब, जब वह शारीरिक या मानसिक रूप से थकाने वाला कार्य कर रहे हों। जैसे यूरोप में सबसे अधिक जान लेवा दुर्घटनाएं 55 से 60 वर्ष के कामगारों के साथ हुई हैं।[49]

निष्कर्ष

मनुष्य के अस्तित्व तथा विकास के लिए कार्य बहुत आवश्यक है। कार्य ने मानव विकास के क्रम में पर्याप्त और प्रभावी योगदान दिया है, लेकिन मानव क्षमता का बहुत बड़ा अंश अभी तक इस्तेमाल नहीं हो रहा है- क्योंकि लोग कार्य पर नहीं हैं, असुरक्षित कार्य में लगे हैं या कार्य कर रहे हैं किन्तु निर्धन हैं। कई युवा बेरोजगार हैं, महिलाओं को कम वेतन मिल रहा है और उनके लिए वैतनिक कार्य के अवसर कम हैं। महिलाएं देखभाल के अवैतनिक कार्य के अनानुपतिक बोझ तले दबी हुई हैं। संसार उनके रचनात्मक और नवोन्मेष वाले योगदान से वंचित है। ऐसे अवसरों के सृजन से जिनमें संसार के सभी लोगों की क्षमता का उपयोग हो, मानव विकास के लक्ष्य को त्वरित किया जा सकता है। उस से मानव विकास के कार्य में हुए अभाव को कम किया जा सकता है और मानव विकास के रास्ते में जो चुनौतियाँ है उनका सामना किया जा सकता है। यह मुद्दे आगे के अध्यायों में संबोधित किए जाएंगे।

शोषण, जोखिम एवं असुरक्षा के साथ कार्य

		मानव विकास के लिए जोखिम भरा कार्य					व्यावसायिक चोटें		रोजगार से सुरक्षा		
		बाल श्रम	घरेलू श्रमिक (कुल रोजगार का %)		2 अमेरिकी डॉलर से कम पर काम करने वाले मेहनतकश गरीब	कम वेतन दर	गैर-जानलेवा	जानलेवा	बेरोजगारी लाभ प्राप्तकर्ता	भुगतान सहित मातृत्व अवकाश	वृद्धावस्था पेंशन प्राप्तकर्ता
		(%5–14 उम्र वर्ग)	स्त्री	पुरुष	(कुल रोजगार का %)		(हजारों में)	(मामले)	(15-64 उम्र वर्ग बेरोजगारों का %)	(दिवस)	कानूनी पेंशन उम्र जनसंख्या का %
	एचडीआई श्रेणी	2005–2013[a]	2000–2010[a]	2000–2010[a]	2003–2012[a]	2001–2011[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2014	2004–2012[a,b]
अति उच्च मानव विकास											
1	नॉर्वे	..	0.1	0.1	..	..	15.2	48	61.8	..	100.0
2	आस्ट्रेलिया	..	0.1	0.1[c]	..	16.1	100.1	212	52.7	..	83.0
3	स्विटज़रलैण्ड	..	2.8	0.4	..	12.2	93.8	192	61.9	98	100.0
4	डेनमार्क	..	0.3	0.1[c]	..	13.4	41.7	40	77.2	126	100.0
5	नीदरलैण्ड	..	0.1	0.1[c]	..	..	831.8	49	61.9	112	100.0
6	जर्मनी	..	1.1	0.1	..	20.5	1,007.2	664	88.0	98	100.0
6	आयरलैण्ड	..	1.0	0.1	..	..	..	40	21.6	182	90.5
8	अमेरिका	..	0.9	0.1	..	25.1	1,191.1	4,383	26.5	..	92.5
9	कनाडा	..	0.9	0.1[c]	..	20.3	..	..	40.5	105	97.7
9	न्यूज़ीलैण्ड	..	0.2	0.1[c]	..	12.6	..	48	32.9	98	98.0
11	सिंगापुर	..	..	..	..	..	11.8	59	0.0	112	0.0
12	हांगकांग, चीन (एस.ए.आर.)	..	..	..	..	..	37.8	188	16.9	70	72.9
13	लिक्टेन्सटाइन	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
14	स्वीडन	..	..	..	..	..	30.5	33	28.0	..	100.0
14	ब्रिटेन	..	0.6	0.3	..	20.6	79.9	148	62.6	273	99.5
16	आइसलैण्ड	..	..	..	..	16.7	1.6	6	28.6	90	100.0
17	कोरिया गणराज्य	..	1.5	0.1[c]	..	22.2	..	1,292	45.5	90	77.6
18	इस्राइल	..	3.5	0.3	..	20.3	66.3	62	29.4	98	73.6
19	लक्ज़मबर्ग	..	..	..	..	19.1	8.5	22	43.8	..	90.0
20	जापान	..	0.1	0.1[c]	..	14.4	..	1,030	19.6	98	80.3
21	बेल्जियम	..	1.9	0.1	..	12.7	71.0	72	80.2	105	84.6
22	फ्रांस	..	4.1	0.7	..	..	658.8	529	56.2	112	100.0
23	ऑस्ट्रिया	..	0.5	0.1[c]	..	16.5	59.5	91	90.5	112	100.0
24	फ़िनलैण्ड	..	0.3	0.3	..	5.7	..	26	59.1	147	100.0
25	स्लोवेनिया	..	0.1	0.1[c]	..	..	15.2	18	30.8	105	95.1
26	स्पेन	..	8.4	0.6	..	16.2	402.7	232	46.9	112	68.2
27	इटली	..	4.0	0.4	..	9.5	402.9	621	55.8	150	81.1
28	चेक गणराज्य	..	0.1	0.1[c]	..	17.1	42.9	105	21.2	196	100.0
29	ग्रीस	..	4.8	0.1	..	13.3	15.2[d]	107[d]	43.1	119	77.4
30	एस्टोनिआ	..	..	..	..	..	4.2	20	27.6	140	98.0
31	ब्रूनेई दारस्सलाम	..	28.8	1.9	..	..	..	..	0.0	..	81.7
32	साइप्रस	..	9.7	0.1	..	..	1.5	9	78.7	..	85.2
32	कतर	..	38.9	2.8	..	..	0.1	..	0.0	..	7.9
34	अंडोरा	..	..	..	..	..	..	..	11.1	..	..
35	स्लोवाकिया	..	0.4	0.1[c]	..	20.0	8.5	53	11.2	238	100.0
36	पोलैण्ड	..	0.1	0.1[c]	..	24.3	..	348	16.8	182	96.5
37	लिथुआनिया	..	0.1	0.1	..	..	3.1	60	21.5	126	100.0
37	माल्टा	..	0.2	0.1[c]	..	..	3.1	6	..	..	60.5
39	सऊदी अरब	..	47.1	3.9	..	..	..	..	0.0	70	..
40	अर्जेंटीना	4.4	18.3	0.3	4.0	25.6	441.1	562	4.9	90	90.7
41	संयुक्त अरब अमीरात	..	42.4	6.0	..	..	..	..	0.0	45	..
42	चिली	6.6[e]	14.3	2.0	3.8	18.5	215.0	322	29.9	126	74.5
43	पुर्तगाल	3.4[e,f]	7.2	0.1	..	10.3	173.6	276	42.1	..	100.0
44	हंगरी	..	0.1	0.1[c]	..	21.0	17.0	62	31.4	168	91.4
45	बहरीन	4.6[f]	42.2	5.8	..	..	1.0	23	7.9	..	40.1
46	लात्विया	..	..	..	..	31.5	1.6	29	19.5	112	100.0
47	क्रोएशिया	..	0.6	0.1	..	..	15.4	27	20.0	208	57.6
48	कुवैत	..	53.3	11.3	..	..	..	..	0.0	70	27.3
49	मॉन्टीनेग्रो	9.9	0.1	0.1[c]	1.8	..	..	..	..	45	52.3
उच्च मानव विकास											
50	बेलारुस	1.4	..	..	2.7	..	..	141	46.1	126	93.6
50	रुसी गणराज्य	..	0.1	0.1[c]	3.4	..	..	1,699	20.6	140	100.0
52	ओमान	..	59.3	2.8	..	..	..	..	0.0	42	24.7
52	रोमानिया	0.9[f]	0.5	0.2	..	..	3.4	223	..	126	98.0
52	उरूग्वे	7.9[e]	18.5	1.4	3.9	27.7	22.9	51	27.9	84	68.2
55	बहामास	..	6.4	3.0	..	..	..	..	25.7	..	84.2
56	कज़ाकिस्तान	2.2	0.4	0.1	3.7	..	2.6	341	0.5	126	95.9
57	बारबाडोस	..	..	..	..	..	0.8	0	..	..	68.3
58	एंटिगुआ और बरबूडा	..	6.3	1.4	..	..	..	..	0.0	..	69.7

सारणी A1.1 शोषण, जोखिम एवं असुरक्षा के साथ कार्य

		मानव विकास के लिए जोखिम भरा कार्य					व्यावसायिक चोटें		रोजगार से सुरक्षा		
		बाल श्रम	घरेलू श्रमिक (कुल रोजगार का %)		2 अमेरिकी डॉलर से कम पर काम करने वाले मेहनतकश गरीब	कम वेतन दर	गैर-जानलेवा	जानलेवा	बेरोजगारी लाभ प्राप्तकर्ता	भुगतान सहित मातृत्व अवकाश	वृद्धावस्था पेंशन प्राप्तकर्ता
		(%5–14 उम्र वर्ग)	स्त्री	पुरुष	(कुल रोजगार का %)		(हजारों में)	(मामले)	(15-64 उम्र वर्ग बेरोजगारों का %)	(दिवस)	कानूनी पेंशन उम्र जनसंख्या का %)
एचडीआई श्रेणी		2005–2013[a]	2000–2010[a]	2000–2010[a]	2003–2012[a]	2001–2011[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2014	2004–2012[a,b]
59	बुल्गेरिया	..	..	..	..	..	2.2	81	25.6	410	96.9
60	पलाउ	..	..	..	..	..	..	..	..	..	48.0
60	पनामा	5.6[e]	13.8	1.0	8.5	11.6	0.0	24	0.0	98	37.3
62	मलेशिया	..	5.9	0.4	8.4	..	41.5	274	0.0	60	19.8
63	मॉरिशिस	..	8.1	0.6	5.7	..	1.1	3	1.2	84	100.0
64	सेशेल्स	..	..	..	..	..	0.1	1[d]	5.0	..	100.0
64	ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	0.7	..	..	..	..	0.8	9	0.0	..	98.7
66	सर्बिया	4.4	0.5	0.1	1.8	..	..	..	..	135	46.1
67	क्यूबा	..	..	..	5.9	..	4.9	88	0.0	..	..
67	लेबनान	1.9	..	..	..	..	..	..	0.0	49	0.0
69	कोस्टा रिका	4.1	17.3	1.1	4.3	21.4	134.8	95	0.0	120	55.8
69	ईरान इस्लामिक गणराज्य	11.4[e]	0.4	0.1[c]	7.4	..	..	..	..	90	26.4
71	वेनेजुएला (बोलिवेरियाई गणराज्य)	7.7[f]	14.4	0.9	8.4	12.1	3.0[g]	31[g]	..	182	59.4
72	तुर्की	5.9[e]	2.1	0.4	2.5	..	2.2	745	7.7	112	88.1
73	श्रीलंका	..	2.5	0.6	20.4	..	1.5	141	0.0	84	17.1
74	मैक्सिको	6.3[e]	10.3	0.6	2.8	17.4	542.4	1,314	0.0	84	25.2
75	ब्राज़ील	8.3[e]	17.0	0.9	3.4	21.5	636.1	2,938	8.0	120	86.3
76	जॉर्जिया	18.4	1.2	0.2	20.6	..	..	..	0.0	126	89.8
77	सेंट किट्स एवं नेविस	..	..	..	..	..	..	..	0.0	..	44.7
78	अज़रबेजान	6.5[e]	2.0	1.5	5.0	40.0	0.1	66	2.5	126	81.7
79	ग्रेनाडा	..	..	..	..	..	..	..	0.0	..	34.0
80	जॉर्डन	1.6[e]	2.2	0.2	4.0	..	15.3	87	0.0	70	42.2
81	मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	12.5	0.3	0.1	4.1	..	..	..	..	270	52.2
81	यूक्रेन	2.4	..	..	1.8	..	15.6	474	20.9	126	95.0
83	अल्जीरिया	4.7[e]	1.2	0.3	..	..	..	912	8.8[d]	98	63.6
84	पेरू	33.5[e]	6.7	0.3	9.5	26.3	19.0	178	0.0	90	33.2
85	अल्बानिया	5.1[e]	..	..	3.9	..	..	..	6.9	365	77.0
85	अर्मेनिआ	3.9	0.6	0.2	12.2	25.8	0.0	12	15.8	140	80.0
85	बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	5.3	..	..	2.0	..	..	..	2.0	365	29.6
88	इक्वाडोर	8.6[e]	..	..	10.3	17.2	13.7	..	6.7[h]	84	53.0
89	सेंट लूसिआ	3.9	7.0	0.9	..	..	..	..	0.0	..	26.5
90	चीन	..	..	..	20.4	21.9	3.8[g]	14,924[g]	14.0	98	74.4
90	फ़िजी	..	..	..	19.4	..	..	..	0.0	84	10.6
90	मंगोलिया	10.4	1.1	1.2	..	..	..	..	10.0	120	100.0
93	थाइलैण्ड	8.3	1.2	0.1	5.6	..	..	619	28.5	45	81.7
94	डोमिनिका	..	..	..	..	..	..	..	0.0	..	38.5
94	लीबिया	..	..	..	..	..	..	..	0.0	..	43.3
96	ट्यूनीशिया	2.1	..	..	4.5	..	43.2[i]	155[i]	..	30	68.8
97	कोलम्बिया	9.7[e]	13.0	0.6	10.2	20.5	..	..	0.0	98	23.0
97	सेंट विन्सेन्ट एवं ग्रेनाडाइन	..	..	..	..	..	0.2	1	0.0	..	76.6
99	जमैका	3.3	10.2	1.5	6.7	..	..	..	0.0	56	55.5
100	टोंगो	..	2.4	1.3	..	..	..	..	0.0	..	1.0
101	बेलीज़	5.8	12.8	2.3	..	..	1.8	..	0.0	..	64.6
101	डोमीनिकन गणराज्य	12.9	14.4	0.8	7.3	..	..	313	0.0	84	11.1
103	सूरीनाम	4.1	..	..	..	..	..	..	0.0	..	..
104	मालदीव	..	..	..	12.6	..	..	..	0.0	..	99.7
105	समोआ	..	3.1	0.8	..	..	..	..	0.0	..	49.5
मध्यम मानव विकास											
106	बोत्स्वाना	9.0[e]	7.0	2.6	23.9	..	1.2	24	0.0	84	100.0
107	मॉल्डोवा गणराज्य	16.3	0.6	0.1	3.2	23.6	..	36	11.4	126	72.8
108	मिस्र	9.3[e]	0.3	0.3	9.6	..	26.9[d]	208	..	90	32.7
109	तुर्कमेनिस्तान	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
110	गैबन	13.4	..	..	15.2	..	1.1[j]	20[j]	0.0	98	38.8
110	इण्डोनेशिया	6.9[e]	4.4	0.9	38.1	29.0	..	..	0.0	90	8.1
112	पराग्वे	27.6[e]	..	..	8.1	..	..	..	0.0	63	22.2
113	फिलिस्तीन राज्य	5.7	0.2	0.1	3.0	..	0.7	20	..	70	8.0
114	उज़्बेकिस्तान	..	..	..	..	..	..	..	0.0	126	98.1
115	फ़िलीपीन्स	11.1[e]	11.5	1.4	36.8	14.5	..	161	0.0	60	28.5
116	अल सल्वाडोर	8.5[e]	10.2	0.7	9.9	..	..	96	0.0	84	18.1
116	दक्षिण अफ्रीका	..	15.5	3.5	13.0	32.4	9.4	185	13.5	120	92.6

		मानव विकास के लिए जोखिम भरा कार्य					व्यावसायिक चोटें		रोजगार से सुरक्षा		
		बाल श्रम	घरेलू श्रमिक		2 अमेरिकी डॉलर से कम पर काम करने वाले मेहनतकश गरीब	कम वेतन दर	गैर-जानलेवा	जानलेवा	बेरोजगारी लाभ प्राप्तकर्ता	भुगतान सहित मातृत्व अवकाश	वृद्धावस्था पेंशन प्राप्तकर्ता
		(%5–14 उम्र वर्ग)	(कुल रोजगार का %)								
			स्त्री	पुरुष	(कुल रोजगार का %)		(हजारों में)	(मामले)	(15-64 उम्र वर्ग बेरोजगारों का %)	(दिवस)	कानूनी पेंशन उम्र जनसंख्या का %)
	एचडीआई श्रेणी	2005–2013[a]	2000–2010[a]	2000–2010[a]	2003–2012[a]	2001–2011[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2014	2004–2012[a,b]
116	वियतनाम	6.9	0.9	0.1	13.8	..	..	..	8.4	180	34.5
119	बोलिविया (प्लूरीनेशनल राज्य)	26.4[e]	7.4	0.2	11.6	..	..	..	0.0	84	100.0
120	किर्गिस्तान	3.6	0.7	0.7	14.5	..	0.2	29	0.9	126	100.0
121	इराक	4.7	0.2	0.1	10.6	..	..	..	0.0	..	56.0
122	केप वर्दे	6.4[e]	..	..	28.6	..	..	..	0.0	..	55.7
123	माइक्रोनेशिया (संघीय राज्य)	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
124	गयाना	16.4	7.1	0.8	..	..	2.1[h]	1[h]	0.0	..	100.0
125	निकारगुआ	14.9[f]	12.1	1.7	14.2	..	25.8	42	0.0	84	23.7
126	मोरक्को	8.3	..	..	13.3	..	..	..	0.0	98	39.8
126	नामीबिया	..	19.4	4.2	30.9	..	0.6[j]	10[j]	0.0	84	98.4
128	ग्वाटेमाला	25.8[e]	8.8	0.3	18.8	..	..	..	0.0	84	14.1
129	ताजिकिस्तान	10.0	0.1	0.2	19.1	..	..	..	9.2	140	80.2
130	भारत	11.8	2.2	0.5	55.5	..	6.0	2,140	0.0	84	24.1
131	होण्डुरास	14.0[e]	..	..	18.8	33.4	2.1	..	0.0	84	8.4
132	भूटान	2.9	..	..	14.1	..	..	..	0.0	..	3.2
133	टिमोर लेस्ट	4.2[f]	..	..	66.9	..	..	..	..	..	100.0
134	सीरियाई अरब गणराज्य	4.0	..	..	11.8	..	9.7	612	0.0	120	16.7
134	वनुआतु	..	..	..	..	..	..	..	0.0	..	3.5
136	कांगो	18.4	..	..	50.7	..	..	..	0.0	105	22.1
137	किरिबाटी	..	..	..	..	..	..	..	0.0	..	..
138	इक्वेटोरियल गिनी	27.8[f]	..	..	19.3	..	..	..	0.0	..	..
139	ज़ाम्बिया	40.6[e]	..	..	84.7	..	..	..	0.0	84	7.7
140	घाना	33.9	0.3	0.4	44.3	..	..	..	0.0	84	7.6
141	लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	10.1[e]	..	..	65.0	..	..	..	0.0	90	5.6
142	बांग्लादेश	12.8	2.3	0.2	76.4	..	..	..	0.0	112	39.5
143	कम्बोडिया	18.3[e]	0.8[f]	0.9[f]	40.2	..	..	..	0.0	90	5.0
143	साओ टोम एवं प्रिन्साइप	7.5	3.3	0.1	..	..	..	..	0.0	..	41.8
	निम्न मानव विकास										
145	केन्या	25.9[f]	0.6	0.7	..	..	..	..	0.0	90	7.9
145	नेपाल	33.9[e]	0.3	0.3	49.5	..	..	..	0.0	52	62.5
147	पाकिस्तान	..	1.2	0.3	45.8	..	0.1[g]	110[g]	0.0	84	2.3
148	म्याँमार	..	..	..	66.9	..	0.2	32	0.0	..	..
149	अंगोला	23.5[f]	..	..	56.4	..	..	..	0.0	90	14.5
150	स्वाज़ीलैण्ड	7.3	..	..	36.0	..	..	..	0.0	..	86.0
151	तंज़ानिया गणराज्य	21.1[e]	1.2	0.3	73.9	..	..	..	0.0	84	3.2
152	नाईजीरिया	24.7	0.6	0.4	76.6	..	0.1[i]	5	0.0	84	..
153	कैमरून	41.7	..	..	52.9	..	..	..	0.0	98	12.5
154	मैडागास्कर	22.9[e]	..	..	93.0	..	..	..	0.0	98	4.6
155	ज़िम्बाब्वे	..	3.6	1.2	84.6	..	4.6	91	0.0	98	6.2
156	मॉरिटानिया	14.6	..	..	40.8	..	..	..	0.0	98	9.3 f
156	सॉलोमन द्वीपसमूह	..	5.6[f]	0.2[f]	52.1	..	..	..	0.0	..	13.1
158	पापुआ न्यू गिनी	..	..	..	..	..	11.8[d]	180[d]	0.0	..	0.9
159	कोमोरॉस	22.0	..	..	70.7	..	..	..	0.0	..	..
160	यमन	22.7	2.5	0.4	25.1	..	..	..	0.0	70	8.5
161	लेसोथो	22.9[f]	8.1[f]	1.3[f]	63.9	..	..	..	0.0	84	100.0
162	टोगो	28.3	..	..	70.5	..	0.3[i]	10[i]	0.0	98	10.9
163	हैती	24.4	..	..	..	..	..	..	0.0	42	1.0
163	रवाण्डा	28.5	..	..	83.7	..	1.0[h]	406[h]	0.0	84	4.7
163	युगाण्डा	16.3[e]	1.8	0.6	57.7	..	..	..	0.0	60	6.6
166	बेनिन	15.3	..	..	72.3	..	0.7[i]	4[i]	0.0	98	9.7
167	सूडान	..	..	..	35.0	..	..	..	..	56	4.6
168	जिबूती	7.7	41.6[f]	1.9[f]	..	..	..	..	0.0	..	12.0 f
169	दक्षिण सूडान	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
170	सेनेगल	14.5	6.7	1.4	58.4	..	..	..	0.0	98	23.5
171	अफ़गानिस्तान	10.3	..	..	88.1	..	..	..	0.0	..	10.7
172	आइवरी कोस्ट	26.4	..	..	59.0	..	..	..	0.0	98	7.7
173	मलावी	25.7	..	..	88.4	..	..	..	0.0	56	4.1
174	इथियोपिया	27.4	1.5	0.1	73.8	..	..	..	0.0	90	9.0
175	गैम्बिया	19.2	..	..	56.0	..	..	..	0.0	..	10.8
176	कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	15.0	..	..	90.4	..	..	..	0.0	98	15.0

सारणी A1.1 शोषण, जोखिम एवं असुरक्षा के साथ कार्य

	मानव विकास के लिए जोखिम भरा कार्य					व्यावसायिक चोटें		रोजगार से सुरक्षा		
	बाल श्रम	घरेलू श्रमिक (कुल रोजगार का %)		2 अमेरिकी डॉलर से कम पर काम करने वाले मेहनतकश गरीब	कम वेतन दर	गैर-जानलेवा	जानलेवा	बेरोजगारी लाभ प्राप्तकर्ता	भुगतान सहित मातृत्व अवकाश	वृद्धावस्था पेंशन प्राप्तकर्ता
	(%5–14 उम्र वर्ग)	स्त्री	पुरुष	(कुल रोजगार का %)		(हजारों में)	(मामले)	(15–64 उम्र वर्ग बेरोजगारों का %)	(दिवस)	कानूनी पेंशन उम्र जनसंख्या का %)
एचडीआई श्रेणी	2005–2013[a]	2000–2010[a]	2000–2010[a]	2003–2012[a]	2001–2011[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2014	2004–2012[a,b]
177 लाइबेरिया	20.8	0.6	1.0	94.0	..	..	..	0.0	90	..
178 गिनी बिसाउ	38.0	..	..	..	..	..	..	0.0	..	6.2
179 माली	21.4	8.7	1.4	78.1	..	..	..	0.0	98	5.7
180 मोज़ाम्बीक	22.2	..	..	85.8	..	..	..	0.0	60	17.3
181 सिएरा लिओन	26.0	0.5	0.4	82.8	..	..	..	0.0	84	0.9
182 गिनी	28.3	0.4[f]	0.3[f]	73.8	..	..	..	0.0	98	8.8
183 बुर्किना फ़ासो	39.2	0.6	0.3	70.1	..	3.4[h]	8[h]	0.0	98	3.2
184 बुरुण्डी	26.3	..	..	94.8	..	..	..	0.0	84	4.0
185 चाड	26.1	..	..	62.2	..	..	..	0.0	98	1.6
186 एरिट्रिया	..	..	..	77.4	..	..	..	0.0	..	..
187 मध्य अफ़्रीकी गणराज्य	28.5	..	..	83.9	..	0.1	9	0.0	..	..
188 नाइजर	30.5	..	..	72.2	..	..	..	0.0	98	6.1
अन्य देश अथवा क्षेत्र										
कोरिया (लोकतांत्रिक गणराज्य)	..	..	..	59.6	..	..	..	0.0	..	..
मार्शल द्वीप	..	..	..	..	..	..	..	0.0	..	64.2
मोनाक्को	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
नॉरू	..	..	..	..	..	..	..	0.0	..	56.5
सैन मरीनो	..	..	..	..	..	0.6	0	..	..	..
सोमालिया	49.0	..	..	86.8	..	..	..	0.0	..	..
तुवालू	..	..	..	..	..	..	..	0.0	..	19.5
मानव विकास समूह										
अति उच्च मानव विकास	..	4.3	0.4	..	..	6,070.5	12,114	43.4	123	89.4
उच्च मानव विकास	8.3	..	..	14.7	..	1,512.7	25,940	6.0	125	73.9
मध्यम मानव विकास	11.6	..	..	46.9	..	85.8	3,584	1.7	98	27.7
निम्न मानव विकास	23.8	..	..	67.5	..	22.3	855	0.0	85	9.8
विकासशील देश	14.5	..	..	33.8	..	2,273.9	29,292	2.5	99	51.0
क्षेत्र										
अरब राज्य	10.5	..	..	17.3	..	96.8[k]	2,017[k]	1.7	70	35.7
पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र	..	..	..	23.8	..	57.2[k]	16,190[k]	1.6	—	65.3
यूरोप और मध्य एशिया	5.4	..	..	3.8	..	20.7[k]	1,844[k]	6.2	161	86.1
लैटिन अमेरिका और कैरिबियन	10.8	14.2	0.8	5.6	..	2,066.5[k]	6,065[k]	5.3	92	60.8
दक्षिण एशिया	12.3	2.2	0.5	54.9	..	7.5[k]	2,391[k]	0.0	84	23.9
सब सहारा अफ़्रीका	24.7	..	..	70.5	..	23.7[k]	776[k]	2.3	90	21.9
न्यूनतम विकसित देश	21.7	..	..	71.7	..	5.7[k]	469[k]	0.0	—	19.7
छोटे द्वीप विकासशील राज्य	..	..	..	..	..	22.8[k]	596[k]	0.9	—	28.0
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन	..	3.0	0.3	..	17.1	6,098.6[k]	13,210[k]	38.7	131	87.1
विश्व	**14.5**	**..**	**..**	**26.4[T]**	**..**	**7,691.9[k]**	**42,493[k]**	**12.2**	**109**	**65.0**

नोट

a आँकड़े विशिष्ट अवधि में अद्यतन उपलब्ध सबसे हाल के वर्ष के हैं।

b क्योंकि वैधानिक पेंशन की आयु हर देश के लिहाज से अलग-अलग होती है, इसलिए पार-देशों से तुलना में सावधानी बरतने की जरूरत है।

c 0.1 या कम।

d 2003 के लिए संदर्भित।

e मानक परिभाषा से अलग है या किसी देश के किसी खास हिस्से के लिए संदर्भित।

f निर्दिष्ट अवधि से एक वर्ष पहले के लिए संदर्भित।

g 2002 के लिए संदर्भित।

h 2000 के लिए संदर्भित।

i 2004 के लिए संदर्भित।

j 2001 के लिए संदर्भित।

k कॉलम में दिए गए हैडिंग के सापेक्ष क्षेत्र से बाहर रहने वाले वर्ष के लिए संदर्भित।

l दर्ज मामलों में अनिर्धारित योग।

परिभाषाएं

बाल श्रम: 5 से 11 वर्ष आयु के बाल श्रमिकों की फीसदी दर, जिन्होंने निर्दिष्ट अवधि के दौरान कम से कम एक घंटे की आर्थिक गतिविधि में हिस्सा लिया है या घरेलू कामों में 28 घंटे दिए हैं। 12 से 14 आयु वर्ग के बच्चों ने निर्दिष्ट अवधि के दौरान कम से कम 14 घंटे की आर्थिक गतिविधि में हिस्सा लिया है या घरेलू कामों में 28 घंटे दिए हैं।

घरेलू श्रमिक: घरेलू या कई घरों में काम करने वाली कार्यरत जनसंख्या का प्रतिशत।

2 अमेरिकी डॉलर से कम पाने वाले मेहनतकश गरीब: रोजगार प्राप्त लोग जो 2 अमेरिकी डॉलर (क्रय शक्ति समता दर के लिहाज से) से कम पर गुजर बसर कर रहे हैं। रोजगार प्राप्त ऐसी 15 साल या उससे अधिक की आबादी का प्रतिशत।

कम वेतन दर: कर्मचारियों का प्रतिशत जिनकी सभी कामों में एक घंटे की कमाई तुलनात्मक रूप से दो तिहाई मंझली प्रति घंटे की कमाई से भी कम है।

गैर जानलेवा व्यावसायिक चोटें: व्यावसायिक दुर्घटनाओं की संख्या जिनमें जान जाने का खतरा नहीं रहता लेकिन काम के समय का अच्छा खासा नुकसान होता है।

जानलेवा व्यावसायिक चोटें: व्यावसायिक दुर्घटनाओं की संख्या जिनमें एक साल के भीतर ही संबंधित शख्स की जान चली गई।

बेरोजगारी लाभ पाने वाले: 15 से 64 वय के लोगों का प्रतिशत जिन्हें बेरोजगारी से जुड़े लाभ मिलते हैं। (समय -समय पर और जीविका साधन से जुड़े लाभ)।

भुगतान सहित अनिवार्य मातृत्व अवकाश: अपने नवजात बच्चे की देखभाल के लिए महिला कर्मचारी को मिलने वाले सवैतनिक अवकाश के दिनों की संख्या, जिसकी वह हकदार होती है।

वृद्धावस्था पेंज़न प्राप्तकर्ता: वैधानिक पेंशन योग्य आयु से ऊपर के लोग जिन्हें वृद्धावस्था पेंशन (अंशदायी, गैर अंशदायी या दोनों) मिल रही है। इन्हें पात्र जनसंख्या के प्रतिशत बतौर दिखाया गया है।

आँकड़ों के मुख्य स्रोत

कॉलम 1: यूनिसेफ (2015)।

कॉलम 2 एवं 3: आईएलओ (2013)।

कॉलम 4: आईएलओ (2015)।

कॉलम 5: आईएलओ (2012)।

कॉलम 6 एवं 7: आईएलओ (2015)।

कॉलम 8 एवं 10: आईएलओ (2015)।

कॉलम 9: वर्ल्ड बैंक (2015)।

सारणी A 1.2

विविध प्रकार के रोजगार

वर्ष 1993 में हुए 15वें अधिवेशन में श्रमिक सांख्यिकी विशेषज्ञों ने रोजगारों का नवीनतम वर्गीकरण प्रारूप प्रस्तुत किया।

वैतनिक रोज़गार

वैतनिक रोजगार की श्रेणी में वह लोग आते है जिनके साथ लिखित या मौखिक अनुबंध किया गया होता है, जो उन्हें मूल मानदेय प्रदान करता है जो नियोक्ता संस्थान के अर्जन पर निर्भर नहीं करता (यह संस्थान कोई भी निगम, लाभ न कमाने वाली संस्था या घरेलू इकाई हो सकती है)

दिहाड़ी और वेतन भोगी कर्मचारी, जिनके पास वैतनिक नौकरी है।,

स्व-रोज़गार

स्व-रोजगार के अंतर्गत वह कार्य आते हैं जिनका मानदेय सीधे अर्जित लाभ पर निर्भर करता है (या लाभ अर्जित करने की क्षमता पर) जो कि उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं से मिलता है (जिसमें स्वयं का उपभोग मुनाफे का हिस्सा माना जाता है)। पदग्राही संसथान से संबंधित कार्यकारी निर्णय स्वयं लेता है या किसी अन्य को यह उत्तरदायित्व सौंपता है किन्तु संस्थान के कल्याण का दायित्व उसी पर होता है।

स्व-निर्भर कर्मचारी वह होते हैं जो अपने अधिकार और विवेक से कार्य करते हैं या उनके साथ एक या एक से अधिक भागीदार होते हैं और जो स्व-नियुक्त रोजगार से जुड़े कहलाते हैं।

सहयोगी (अवैतनिक) पारिवारिक कर्मचारी वह होते हैं जो स्व-नियुक्त रोजगार से जुड़े बाजार आधारित घरेलू व्यवस्था में किसी ऐसे संबंधी के साथ कार्य करते हैं जिन्हें साझीदार नहीं कहा जा सकता।

स्व-रोजगार के अंतर्गत बहुत तरह के कार्य आते हैं जिनमें विविध तरह की असुरक्षा, क्षीण ाता तथा मानदेय संबंधी अनिश्चितता होती है। स्व रोजगार की श्रेणी में उच्च दक्षता प्राप्त स्वच्छंद कारीगरों से लेकर सड़क पर कार्य करने वाले छोटे व्यवसायी भी आते हैं।

स्व-रोजगार की श्रेणी के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपने दायित्व पर स्वयं कार्य करने वाले तथा पारिवारिक कार्य में योगदान देने वाले कामगारों की पहचान असुरक्षित कामगारों की श्रेणी में की है।

असामान्य रोज़गार

असामान्य रोजगार की श्रेणी में वह कार्य व्यवस्थाएं आती है जिन्हें सामान्यत: सामान्य रोजगार के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह कार्य पूर्णकालिक, अनिश्चित और एक अधीनस्थ का हिस्सा लेकिन दोहरी नियुक्ति जैसा समझा जाता है। असामान्य स्वरूप के रोजगार के अंतर्गत वह कर्मचारी आते है जो औपचारिक या अनौपचारिक रोजगार की व्यवस्था से तब तक जुड़े होते हैं जब तक उनका वह अनुबंध चलता है और जो अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की परिभाषा के अंतर्गत चार श्रेणियों में आता है, जैसे:

अस्थायी रोजगार के अंतर्गत वह कामगार आते हैं तो नियत समय के लिए, परियोजना या कार्य आधारित शर्तों पर नियुक्त होते हैं। वह सामयिक, आकस्मिक या दैनिक मजदूर भी हो सकते हैं।

अनुबंधगत व्यवस्था में कई सहयोगी गुट हो सकते हैं जैसे अस्थायी एजेंसी कार्य, इसमें स्थिति के अनुसार कर्मचारी निजी रोजगार एजेंसी तथा सेवा प्रदाता द्वारा अनुबंधित किये जाते हैं और वही उनका भुगतान करते हैं लेकिन कार्य उपभोक्ता संस्थान द्वारा कराया जाता है।

अंश कालिक रोजगार में कार्य के घंटे पूर्णकालिक कार्य के सापेक्ष कम होते हैं।

संदिग्ध रोजगार में कार्य वह हैं जिसमें अधिकारों और अपेक्षाओं की रूपरेखा अस्पष्ट होती है।

स्व-रोजगार श्रेणी में वह लोग आ सकते है जिनको किसी तरह का सामाजिक संरक्षण प्राप्त होता है या जो बेरोजगारी बीमा राष्ट्रीय योजना के अंतर्गत सुरक्षित होते हैं, और ऐसे कर्मचारी भी जिनकी जीविका पूर्णत: उनके अपने सामान तथा सेवाओं को बेचने की दक्षता पर निर्भर करती है। असुरक्षित कामगार, जिनमें अधिकांशत: महिलाएं और बच्चे हैं इस श्रेणी में जगह बनाते हैं। यह लोग किसी अनुबंधात्मक कार्य के लिए उपयुक्त नहीं माने जाते और यह आर्थिक रूप स्वतंत्र नहीं होते तथा घरेलू शक्ति संबंध तथा आर्थिक अनिश्चितता इन्हें प्रभावित करती है। यह लोग सामान्यत: बेरोजगारी बीमा, सामाजिक सुरक्षा या स्वास्थ्य बीमें से कवर नहीं होते। स्व-रोजगार में केवल अपने पर निर्भर कार्य में लगे लोगों की संख्या विश्व में बढती जा रही है। कार्य का बेहतर परिवेश तथा सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था इस श्रेणी के लोगों का प्रमुख सरोकार है।

स्त्रोत: आईएलओ 2015h।

अध्याय 2

मानव विकास और कार्य: प्रगति और चुनौतियां

लेखाचित्र : कार्य विश्व के अधिसंख्य लोगों को शामिल करता है।

7.3 बिलियन लोग क्या करते हैं।

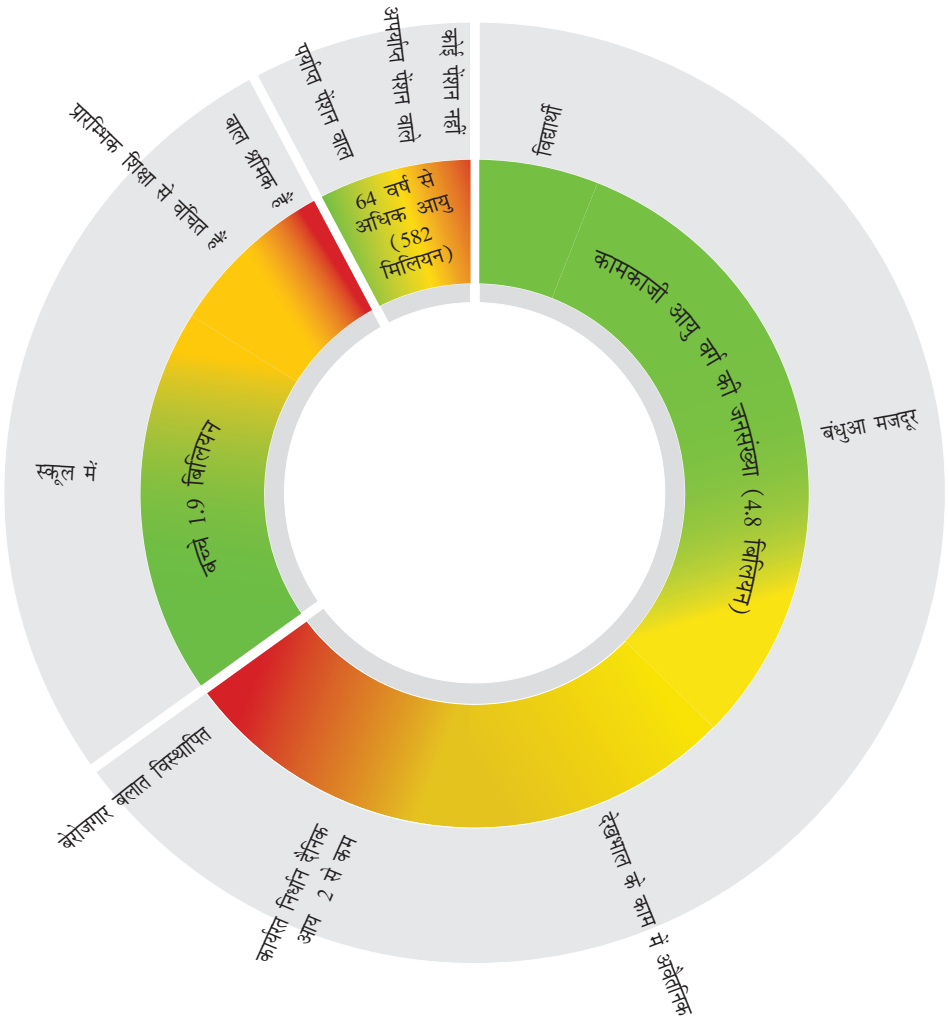

और **मानव विकास** का अर्थ क्या है

	कार्यकारी उम्र जनसंख्या	बच्चे	64 से अधिक उम्र के
मानव क्षमता को सक्षम बनाना	विद्यार्थी (459 मिलियन)	विद्यालयों में (1.46 बिलियन)	पर्याप्त पेंशन (116 मिलियन)
	नियोजित गैर-गरीब (2.4 बिलियन)		
	अवैतनिक कर्मी (1 बिलियन)		
	कार्यरत गरीब (2 डॉलर रोजाना से कम) (830 मिलियन)	बचपन की शुरुआती उम्र में शिक्षा नहीं (480 मिलियन)	अपर्याप्त पेंशन (187 मिलियन)
	बेरोजगार (204 मिलियन)		
	जबरन प्रतिस्थापित (60 मिलियन)		
मानव क्षमता को अवरोधित करना	बंधुआ मजदूर (21 मिलियन)	बाल मजदूर 168 मिलियन	पेंशन नहीं (279 मिलियन)

2.

मानव विकास और कार्यः प्रगति और चुनौतियां

पिछले दो दशक में विश्व ने मानव विकास में लंबी छलांग लगाई है। आज मानव दीर्घ जीवन जी रहा है, ज्यादा बच्चे विद्यालय जा रहे हैं और ज्यादा लोगों को स्वच्छ जल और मूलभूत स्वच्छता उपलब्ध है। आय बढ़ने के साथ यह विकास हाथों-हाथ पहुंच रहा है जिससे जीवन स्तर मानव इतिहास में उच्चतम मानकों की ओर बढ़ रहा है। डिजिटल क्रांति ने विभिन्न समाजों और देशों के लोगों को जोड़ दिया है। एक महत्वपूर्ण बात यह कि राजनीतिक घटनाक्रमों ने लोकतांत्रिक दौर में जीने में अब तक सबसे ज्यादा लोगों को सक्षम बनाया है। यह सभी मानव विकास के महत्वपूर्ण पहलू हैं।

7.3 बिलियन लोगों की गतिविधियों ने विभिन्न रूपों में मानव प्रगति में योगदान किया है (अध्याय की शुरुआत में दिए रेखांकन को देखें)। इन कार्यों ने लोगों को न केवल आय के रूप में बल्कि क्षमताओं को बढ़ाने के महत्वपूर्ण अवयवों स्वास्थ्य और शिक्षा के रूप में भी बेहतर जीवन स्तर हासिल करने में मदद की है। इन कार्यों ने लोगों को ज्यादा सुरक्षा भी उपलब्ध कराई है जिसमें महिला सशक्तिकरण और मानव जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में इनकी बढ़ती भागीदारी का योगदान है।

हालांकि विभिन्न इलाकों में, देशों के बीच और देशों में हुई प्रगति में उल्लेखनीय अंतर है। इससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि मानव अब भी अपनी जरूरतों को पूरा करने से वंचित है। विश्व लगातार जलवायु परिवर्तन और सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संकट का सामना कर रहा है जो मानव के विकास क्रम को उलट सकता है और हर किसी के लिए व्यापक अवसरों को अवरुद्ध कर सकता है।

इसके साथ ही, भारी मात्रा में मानव क्षमता अब भी अप्रयुक्त है। लाखों लोग या तो बेरोजगार हैं या कार्य तो कर रहे हैं लेकिन अब भी निर्धनता में जीवन यापन कर रहे हैं। यहां तक कि युवा, जो वैश्विक जनसंख्या के लगभग आधे हैं (और कुछ क्षेत्रों में युवा उभार के चलते ज्यादा बड़ा हिस्सा हैं), लाखों युवा लोग बेरोजगार हैं जिससे विश्व उनके जोश, सृजनात्मकता और नवोन्मेष से वंचित हैं। इसी तरह विश्व के विभिन्न हिस्सों में महिलाओं की रोजगार क्षमता अब भी अप्रयुक्त है।

मौजूदा मानव अभाव से उबरने और उभरती मानव विकास चुनौतियों से निपटने के लिए विश्व की मानव क्षमता के सर्वोत्तम उपयोग की जरूरत होगी। इस तरह का सर्वोत्तम उपयोग अब तक के मानव विकास की उपलब्धियों को उत्प्रेरित करेगा और ज्यादा मजबूती के साथ मानव विकास का लाभ प्रदान करेगा।

मानव प्रगति का पैमाना और कार्य का बंटवारा

मानव विकास के कई साधनों में प्रगति स्पष्ट दिखती है- जैसे कि स्वास्थ्य, शिक्षा, आय, सुरक्षा और भागीदारी और मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) जैसे संयुक्त संकेतक में।

मानव विकास सूचकांक पर प्रवृत्तियां

लगभग 25 वर्षों में विश्व एचडीआई का मान 20 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा है और अल्पतम विकसित देशों के लिए यह 30 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा है। विश्व के हर क्षेत्र ने एचडीआई में बढ़त देखी है। पिछले 15 वर्षा के दौरान धीमी गति से विकास के बावजूद समय के साथ सभी विकास क्षेत्रों में प्रगति स्पष्टतः नियमित और ठोस रही है और अधिकांश क्षेत्र मानव विकास वर्गीकरण (रेखांकन 2.1) में आगे बढ़े हैं।

ये बदलाव हर मानव विकास वर्गीकरण में देशों की संख्या में भी परिलक्षित होते हैं। 1990 और 2014 के बीच, तुलनात्मक आंकड़ों वाले 156 देशों जिनमें 2014 में विश्व की जनसंख्या का 98 प्रतिशत हिस्सा था, बहुत उच्च मानव विकास वर्ग में देशों की संख्या 12 से बढ़ कर 46 हो गई और इस वर्ग में शामिल जनसंख्या 0.5 बिलियन से बढ़ कर 1.2 बिलियन हो गई। इस अवधि में निम्न मानव विकास वर्ग में देशों की संख्या 62 से घट कर 43 हो गई, जैसे कि इस वर्ग में जनसंख्या 3.2 बिलियन से घट कर 1.2 बिलियन हो गई (रेखांकन 2.2)।

एचडीआई में प्रगति देशों के स्तर पर उल्लेखनीय रही है। उदाहरण के तौर पर, इथोपिया का एचडीआई मान आधा से ज्यादा, रवांडा का लगभग आधा, अंगोला और जांबिया समेत पांच देशों का एक तिहाई से ज्यादा और बांग्लादेश, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक आफॅ द कांगो और नेपाल समेत 23 देशों का पांचवें हिस्से से ज्यादा बढ़ा है। यह भी उत्साहवर्धक है कि निम्न मानव विकास देशों में तीव्रतम प्रगति हुई है।

कार्य द्वारा लोगों को मानव विकास का एक बेहतर स्तर को प्राप्त करने में मदद मिली है।

रेखांकन 2.1

वर्ष 1990 से मानव विकास सूचकांक की प्रगति हर काल और सभी विकासशील देश क्षेत्रों में स्पष्टत: नियमित और ठोस रही है।

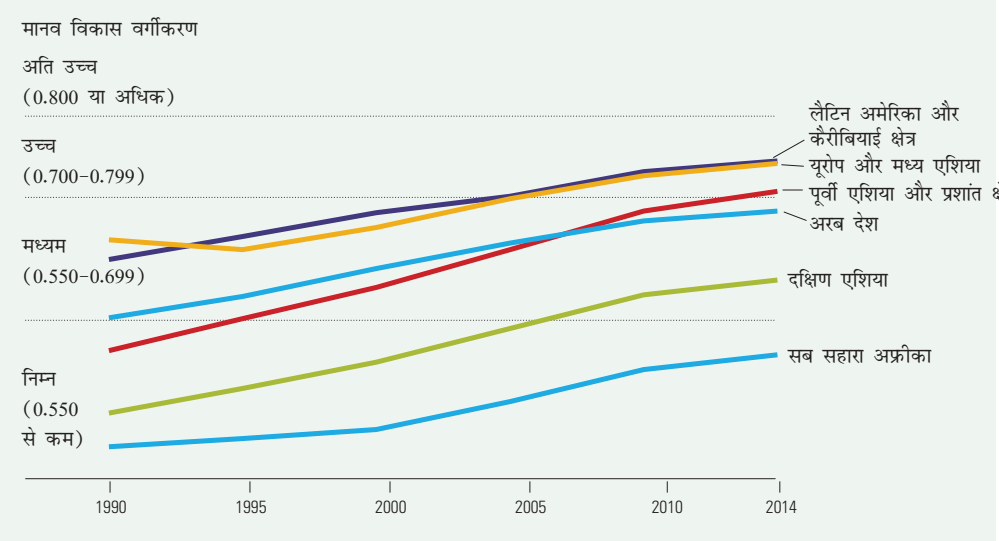

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय गणना।

रेखांकन 2.2

वर्ष 1990 और 2014 के बीच उच्च मानव विकास वर्ग के देशों में रहने वाले लोगों की संख्या बढ़ी जबकि निम्न मानव विकास वर्ग के देशों में रहने वाले लोगों की संख्या घटी।

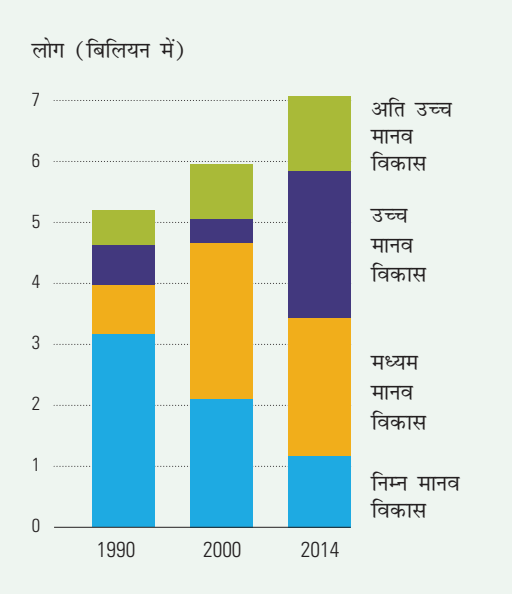

नोट : 156 देशों के पैनल से मिले आंकड़े।
स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय गणना।

कार्य और मानव विकास के बीच कोई स्वत: कड़ी नही है।

लेकिन यह हमें यह भी याद दिलाता है कि आय और मानव विकास के बीच कोई स्वचालित संबंध नहीं है। आय एचडीआई में शामिल है लेकिन यह चार संकेतकों में केवल एक है। आर्थिक वृद्धि स्वत: उच्च मानव विकास में रूपांतरित नहीं होती। इक्वेटोरियल गुएना और चिली की प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (खरीद आय क्षमता के रूप में) समान है लेकिन इनके एचडीआई का मान भिन्न है, इसके विपरीत गैबों और इंडोनेशिया की आय भिन्न है लेकिन इनके एचडीआई का मान समान है। (रेखांकन 2.3)।

एचडीआई के संपूर्ण मान में सुधार एचडीआई के सभी अवयव संकेतकों में प्रगति के साथ-साथ आय निर्धनता और भुखमरी, स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक समानता, बुनियादी सामाजिक सेवाओं तक पहुंच, टिकाऊ पर्यावरण और भागीदारी जैसे मानव विकास के कई गैर-एचडीआई पहलुओं से भी निर्धारित होता है। (देखें अध्याय के अंत में सारणी 2.1)।

कार्य ने मानव विकास उपलब्धियों में योगदान किया है

7.3 बिलियन लोगों की विभिन्न गतिविधियों ने मानव प्रगति में योगदान दिया है। करीब एक बिलियन लोगों, जो विश्व के कुल खाद्यान्न का 80 प्रतिशत हिस्सा उत्पादित करने वाले कृषि क्षेत्र और 500 मिलियन पारिवारिक खेतों में कार्य करते हैं, ने विश्व जनसंख्या

के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण में योगदान किया है।[1] विश्व भर में स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में कार्य करने वाले 8 मिलियन लोगों ने मानव क्षमताओं को बढ़ाने में मदद की है।[2] सेवा क्षेत्र में कार्यरत एक बिलियन से ज्यादा लोगों ने मानव प्रगति में योगदान किया है।[3] चीन और भारत में स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में सृजित 2.3 मिलियन रोजगार ने लोगों को टिकाऊ पर्यावरण के क्षेत्र में योगदान देने का अवसर दिया है।[4]

दूसरों की देखभाल के लिए किया गया कार्य न केवल मौजूदा पीढ़ी के लिए मानव विकास को त्वरित और सुरक्षित करने (उदाहरण के तौर पर बुजुर्गों और विकलांग लोगों की देखभाल) में योगदान देता है बल्कि मानव क्षमता (उदाहरण के तौर पर बच्चों की देखभाल) भी सृजित करता है। भोजन बनाने, सफाई करने, पानी और ईंधन जुटाने के साथ ही साथ बच्चों, बुजुर्गों और रोगियों का ख्याल रखने समेत देखभाल का कार्य भुगतान या बिना भुगतान के हो सकता है। यदि देखभाल के कार्य का भुगतान होता है तो बहुधा इसे घरेलू कार्य कहते हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का अनुमान है कि विश्व भर में कम से कम 5.3 मिलियन भुगतान पर वयस्क घरेलू कामगार हैं, इनमें 83 प्रतिशत महिलाएं हैं और यह संख्या और ज्यादा हो सकती है। वर्ष 1995 से 2010 के बीच कुल रोजगार में घरेलू कामगारों की हिस्सेदारी लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों में करीब 6 प्रतिशत से बढ़ कर 8 प्रतिशत हो गई, मध्य-पूर्व और एशिया और प्रशांत क्षेत्र में भी यह संख्या बढ़ी है।[5] यह कार्य मौजूदा और भावी मानव विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

कार्य का एक सामाजिक मान होता है जो किसी एक कामगार की प्राप्तियों से बहुत ज्यादा होता है। मानव नवोन्मेष और सृजनशीलता में 450 मिलियन से ज्यादा उद्यमियों ने योगदान किया है।[6] कला ने सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक पहचान में योगदान के साथ ही साथ आय भी सृजित की है। अकेले लोकशिल्प का वैश्विक बाजार ही वर्ष 2011 में अनुमानत: 30 बिलियन डॉलर मान का था। कुछ देशों में जीडीपी का एक बड़ा हिस्सा दस्तकारी और शिल्प के उत्पादन और बिक्री से आता है। ट्यूनीशिया में 3 लाख शिल्प कामगार जीडीपी के 3.8 प्रतिशत का योगदान देते हैं। थाईलैंड में शिल्पकारों की संख्या अनुमानत: करीब 20 मिलियन है। कोलंबिया में शिल्प उत्पादन से करीब 40 मिलियन डॉलर के निर्यात समेत सालाना करीब 400 मिलियन डॉलर की आय होती है।[7] विकासशील देशों में वर्ष 2011 में दृश्य कला का निर्यात करीब 9 बिलियन डॉलर और प्रकाशन का 8 बिलियन डॉलर था।[8]

सृजनात्मक अभिव्यक्ति से चालित नवोन्मेष जीवन स्तर में सुधार की संभावना के साथ स्वास्थ्य, ऊर्जा और वित्त समेत कार्य के कई अन्य क्षेत्रों में स्थान ले रहा है। जब लोग अपने कार्य में नवोन्मेषी और सृजनशील होते हैं तो वे मानव प्रगति को छोटी-छोटी बढ़तों में सीमित रखने के बजाय स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में बड़ी छलांग लगा कर मानव प्रगति को बढ़ा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर इम्यूनोथिरैपी कैंसर कोशिकाओं पर ध्यान लगाने की बजाय स्वस्थ कोशिकाओं की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा रहा है ताकि शरीर की बढ़ी हुई प्रतिरोधक क्षमता कैंसर कोशिकाओं को किनारे लगा सके या नष्ट कर सके। इसे कैंसर, खास कर फेफड़ों के कैंसर के खिलाफ युद्ध में मील के पत्थर की तरह सराहा जा चुका है। इस कैंसर से हर साल 354,000 यूरोपीय और 158,000 अमेरिकियों की मौत हो जाती है।[9] ऊर्जा क्षेत्र में इमारतों और कारों के शीशों को सूर्य के प्रकाश से बिजली बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। सौर चालित उड़ानों में सौर आवेग का भी प्रयोग हुआ है। स्वचालित संपत्ति प्रबंधक वास्तविक सलाहकार की लागत के एक बहुत छोटे हिस्से में बढ़िया वित्तीय सलाह दे सकते हैं।

970 मिलियन से ज्यादा लोग- जिसमें 62 प्रतिशत निम्न और निम्न मध्य आय देशों के, 12 प्रतिशत उच्च मध्य आय देशों के और 26 प्रतिशत उच्च आय देशों के हैं- हर साल सामाजिक एकजुटता में सुधार कर और सार्वजनिक वस्तुओं का वितरण कर परिवारों और समुदायों की मदद के लिए स्वैच्छिक कार्य करते हैं। पड़ोसी के बच्चों की निगरानी, घर पर रहना और इसी तरह दो तिहाई स्वैच्छिक कार्य अनौपचारिक ढांचे में या सामुदायिक व्यवहार में किए जाते हैं। शेष स्वैच्छिक कार्य गैर लाभकारी संगठनों द्वारा किए जाते हैं। स्वैच्छिक अर्थव्यवस्था का आर्थिक आकार अनुमानत: वैश्विक जीडीपी के 2.4 प्रतिशत हिस्से के बराबर है।[10] कई देशों में बुजुर्ग अपना काफी समय स्वैच्छिक कार्यों में गुजारते हैं। वर्ष 2011 में नीदरलैंड के 55-75 आयु वर्ग के 33 प्रतिशत लोग और ब्रिटेन के 65-74 आयु वर्ग के 30 प्रतिशत लोग स्वैच्छिक कार्यों में संलग्न थे।[11]

विदेशी कामगारों के कार्य और उनके द्वारा भेजे गए धन ने स्रोत और गंतव्य, दोनों देशों में मानव विकास को बढ़ाने में मदद की है। वर्ष 1990 और 2013 के बीच विश्व भर में अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों की संख्या 92 मिलियन से ज्यादा बढ़ कर 247 मिलियन हो गई। इसमें अधिकांश वृद्धि वर्ष 2000 और 2010 के बीच हुई। इसके वर्ष 2015 में 250 मिलियन के पार हो जाने का अनुमान है। विकसित देशों के 143 मिलियन में से 40 प्रतिशत किसी विकसित देश में पैदा हुए हैं। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों में करीब आधी संख्या महिलाओं की है- विकसित देशों में इनका अनुपात थोड़ा ज्यादा (करीब 52 प्रतिशत) है और बढ़ रहा है और विकासशील देशों में कम (करीब 43 प्रतिशत) है और घट रहा है।[12] इन लोगों ने गंतव्य देशों के आर्थिक विकास और आय सृजन में योगदान किया है और इन अर्थव्यवस्थाओं में कौशल, ज्ञान और सृजनशीलता लाए हैं।

विदेशों से भेजा गया धन कई विकासशील देशों

रेखांकन 2.3

आय और मानव विकास, 2014 के बीच कोई स्वत: कड़ी नहीं है।

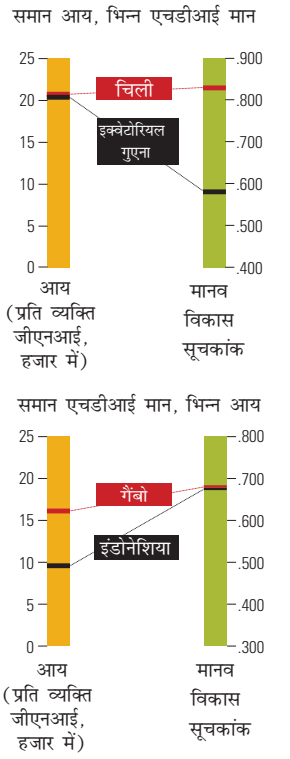

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय गणना।

क्षेत्रों और देशों के बीच और उनके भीतर मानव विकास उपलब्धियों में प्रभावी अंतर बना हुआ है।

के लिए उल्लेखनीय समय आर्थिक प्रभावों के साथ विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख स्रोत रहा है। लेकिन व्यक्ति के आर्थिक स्तर पर विदेश से भेजा गया धन न सिर्फ आय के रूप में बल्कि बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए स्रोत के रूप में कई घरों के लिए जीवन रेखा बना हुआ है। आधिकारिक रूप से दर्ज विश्व भर में विदेश से भेजा गया धन वर्ष 2014 में कुल 583 बिलियन डॉलर या वैश्विक आधिकारिक विकास सहायता के चार गुना के बराबर रहा और वर्ष 2015 में इसके 586 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। आधिकारिक रूप से दर्ज विकासशील देशों को विदेश से भेजा गया धन 2014 के 436 बिलियन डॉलर के मुकाबले 2015 में बढ़ कर 440 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है।[13] वर्ष 2014 में विदेश से भेजा गया धन प्राप्त करने वाले शीर्ष देशों में भारत (70 बिलियन डॉलर या जीडीपी का 4 प्रतिशत), चीन (64 बिलियन डॉलर या जीडीपी का 1 प्रतिशत), फिलीपींस (28 बिलियन डॉलर या जीडीपी का 10 प्रतिशत) और मैक्सिको (25 बिलियन डॉलर या जीडीपी का 2 प्रतिशत) हैं। यहां तक कि पूर्वी यूरोप के कुछ देशों और कॉमनवेल्थ और इंडिपेंडेंट स्टेट के देशों में विदेश से भेजे गए धन का प्रवाह और ज्यादा महत्वपूर्ण है; वर्ष 2013 में तजाकिस्तान को प्राप्त भुगतान जीडीपी के 49 प्रतिशत के बराबर था।[14] प्रवासी इस विदेश से भेजे जाने वाले धन को अनधिकृत रास्तों से भी भेजते हैं या अपने गृह देश को वापसी के वक्त साथ ले जाते हैं। रेखांकन 2.4 किर्गीस्तान में निर्धनता घटाने के लिए ऐसे मानव विकास नतीजों के महत्व को दर्शाया गया है।

रेखांकन 2.4

किर्गिस्तान में आय निर्धनता विदेश से आने वाले धन के बिना और अधिक हो जाएगी।

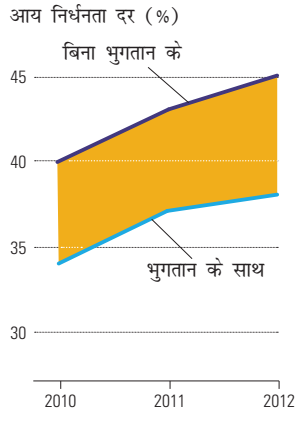

नोट : यह आंकड़े केवल आधिकारिक प्रवाह के हैं।
स्त्रोत : किर्गीस्तान राष्ट्रीय सांख्यिकी समिति द्वारा किए गए घरेलू बजट सर्वेक्षण के आंकड़े।

गंभीर मानव अभाव, लेकिन बहुत मानव क्षमता उपयोग में नहीं

कुल मिलाकर मानव विकास में आगे बढ़ने के बावजूद हर एक लाभान्वित नहीं है। मानव जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में गंभीर मानव अभाव बना हुआ है। इसके बाद व्यापक बेरोजगारी, विशेष रूप से युवाओं और कई लोगों के रोजगार में होने के बावजूद सीमित कार्य विकल्प के चलते उनकी क्षमता के बेकार हो जाने के कारण मानव क्षमता की एक बड़ी मात्रा अप्रयुक्त है। विश्व में महिलाओं की वैतनिक कार्य क्षमता भी वेतन, रोजगार अवसरों और करियर में उन्नति में लैंगिक भेदभाव के साथ आदर्श स्तर पर नहीं है।

असमान मानव विकास उपलब्धियां

क्षेत्रों और देशों के बीच और उनके भीतर मानव विकास उपलब्धियों में असाधारण अंतर बना हुआ है। वर्ष 2014 तक सब-सहारा अफ्रीका को छोड़ कर अन्य सभी क्षेत्र मध्यम मानव विकास वर्गीकरण तक पहुंच चुके थे। निम्न मानव विकास वर्गीकरण में एचडीआई मान नाइजर के लिए 0.348 से ले कर नेपाल के लिए 0.548 तक है।

राष्ट्रीय एचडीआई मान देशों के भीतर व्याप्त बड़े अंतरों को ढक सकता है लेकिन देश अंतरों को उजागर करने के लिए एचडीआई का विखंडन कर सकते हैं और अल्प विकसित क्षेत्रों को और समर्थन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रभावी नीतियां बनाने के लिए परिणामों का उपयोग कर सकते हैं। इथियोपिया ने अपने 2015 के राष्ट्रीय मानव विकास रिपोर्ट (रेखांकन 2.5) के द्वारा ऐसा किया है।

विभिन्न मानव विकास संकेतकों के बीच भी प्रगति असमान है: 1990 और 2015 के बीच जब अति निर्धनता का वैश्विक प्रसार 47 प्रतिशत से घट कर 14 प्रतिशत (70 प्रतिशत की कमी) तक आ गया, उप-सहारा अफ्रीका में यह 57 प्रतिशत से घट कर केवल 41 प्रतिशत (28 प्रतिशत की कमी)

रेखांकन 2.5

इथोपिया: भिन्न भिन्न मानव विकास सूचकांक मान राष्ट्रीय औसतों की पोल खोल सकते हैं।

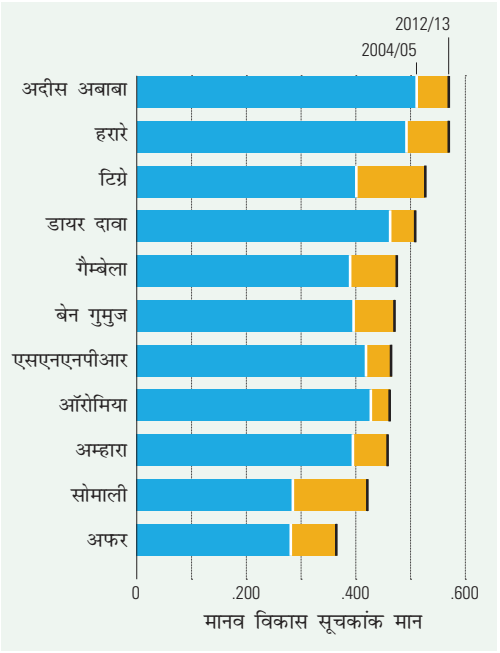

एसएनएनपीआर सदर्न नेशंस, नेशनेलिटीस और पीपुल्स रीजन है।
स्त्रोत : यूएनडीपी 2015।

तक आया। वर्ष 2014 और 2016 के बीच दक्षिण एशिया के 16 प्रतिशत और उप-सहारा अफ्रीका के 23 प्रतिशत की तुलना में लैटिन अमेरिका में 5 प्रतिशत से कम लोगों के कुपोषित होने का अनुमान है। अविकसित होने के संदर्भ में जनसंख्या के सबसे गरीब समूह के बच्चों के सबसे समृद्ध समूह के बच्चों के मुकाबले अविकसित होने की संभावना दोगुने से अधिक थी।[15]

वर्ष 2015 में शिशु मृत्यु दर पूर्वी एशिया के लिए प्रति 1,000 जन्म पर 11 मृत्यु और उप-सहारा अफ्रीका में 86 थी। उच्चतम मातृ मृत्यु अनुपात सब-सहारा अफ्रीका (प्रति एक लाख प्रसव पर 510 मृत्यु) में है जिसके बाद दक्षिण एशिया (190 मृत्यु) का स्थान है।[16] वर्ष 2014 में विश्व में एचआईवी संक्रमित लोगों में आधी से ज्यादा महिलाएं पाई गईं। विश्व में एचआईवी संक्रमित 70 प्रतिशत से ज्यादा लोग सब-सहारा अफ्रीका के हैं। तकरीबन 14 लाख नए संक्रमित लोग भी इसी क्षेत्र से हैं।[17] प्रथामिक स्तर पर स्कूल छोड़ने वाले 57 मिलियन बच्चों में 33 मिलियन बच्चे सब-सहारा अफ्रीका के हैं। विकासशील देशों में समृद्धतम घरों के बच्चों के मुकाबले में निर्धन घरों के चार गुना बच्चों के स्कूल छोड़ने का अनुमान है।[18] पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र, यूरोप और मध्य एशिया और लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र में सकल माध्यमिक नामांकन अनुपात 80 प्रतिशत पार कर चुका है लेकिन सब-सहारा अफ्रीका में यह 50 प्रतिशत से कम है। पूरे विश्व में ग्रामीण और शहरी इलाकों में सुरक्षित पेयजल और बुनियादी स्वच्छता तक पहुंच असमान है। ग्रामीण पहुंच में सुधार हुआ है लेकिन अधिकांश प्रगति शहरी इलाकों में हुई है। उदाहरण के तौर पर 84 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या के मुकाबले 96 प्रतिशत शहरी जनसंख्या की पेयजल के बेहतर हुए स्रोत तक पहुंच है।[19]

सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए एचडीआई मान पुरुषों के मुकाबले कम है (सारणी 2.1)– महिलाओं की स्थिति बारबडोस, एस्टोनिया, पोलैंड और उरुग्वे समेत केवल 14 देशों में बेहतर है।

यहां तक कि डिजिटल क्रांति ने मानव विकास और कार्य विश्व में आमूलचूल बदलाव लाने में उल्लेखनीय योगदान किया है, लेकिन जैसा कि अध्याय 3 में बताया गया है कि डिजिटल क्रांति पर पहुंच असमान होने ने मानव जीवन पर पड़ सकने वाले इसके प्रभाव को अवरुद्ध कर दिया है। (बॉक्स 2.1).

देशों के भीतर आय, उम्र, जातीय समूहों और ग्रामीण-शहरी स्थलों के बीच उल्लेखनीय अंतर हो सकता है। मलेशिया में 2012 में जनसंख्या के 10 प्रतिशत सबसे गरीब लोगों के पास राष्ट्रीय आय का 32 प्रतिशत हिस्सा था जबकि 10 प्रतिशत गरीबतम लोगों के पास आय का 2 प्रतिशत हिस्सा था।[20] नेपाल में 2014 में 44 प्रतिशत पहाड़ी दलितों (निम्न

सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए एचडीआई मान पुरुषों के मुकाबले कम है।

सारणी 2.1

2014 में क्षेत्रवार लैंगिक विकास सूचकांक मान।

	मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) मान		लैंगिक विकास सूचकांक मान (स्त्री एचडीआई मान/पुरुष एचडीआई मान)
	स्त्री	पुरुष	
बिलियन राज्य	0.611	0.719	0.849
पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र	0.692	0.730	0.948
यूरोप और मध्य एशिया	0.719	0.760	0.945
लैटिन अमेरिका और कैरिबियाइ क्षेत्र	0.736	0.754	0.976
दक्षिण एशिया	0.525	0.655	0.801
सब सहारा अफ्रीका	0.480	0.550	0.872

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय गणना।

बॉक्स 2.1

डिजिटल क्रांति तक असमान पहुंच।

- विकसित और विकासशील देश: 2015 में विकासशील देशों में 34 प्रतिशत और अल्पतम विकसित देशों में 7 प्रतिशत के मुकाबले विकसित देशों में 81 प्रतिशत घरों की इंटरनेट तक पहुंच है।
- शहरी और ग्रामीण क्षेत्र: 2015 में, विश्व की 29 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या के मुकाबले 89 प्रतिशत शहरी जनसंख्या के पास 3जी मोबाइल ब्रॉडबैंड सुविधा थी।
- स्त्री और पुरुष: 2013 में, 1.3 बिलियन महिलाएं (37 प्रतिशत) और 1.5 बिलियन पुरुषों (41 प्रतिशत) ने इंटरनेट का उपयोग किया था।
- युवा और बुजुर्ग: 2013 में विश्व की जनसंख्या के 42.4 प्रतिशत लोग 24 वर्ष या इससे कम आयु के थे लेकिन इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में इनकी हिस्सेदारी 45 प्रतिशत थी। 2013 में ट्विटर उपयोगकर्ताओं में दो-तिहाई 15-25 वर्ष के थे।
- वेबसाइट पर विषय वस्तु तैयार करना: इस पर विकसित देशों का प्रभुत्व है, जिनके खाते में 2013 में पंजीकृत सभी नये डोमेन नामों का 80 प्रतिशत हिस्सा है। अफ्रीका से पंजीकरण 1 प्रतिशत से कम था।

स्त्रोत : आईटीयू 2013, 2015।

जाति) के मुकाबले 10 प्रतिशत पहाड़ी ब्राह्मण (उच्च जाति) आमदनी की कमी में जीवन यापन कर रहे थे।[21] 2012 में दक्षिण अफ्रीका के 57 प्रतिशत बच्चों के मुकाबले 43 प्रतिशत वयस्क राष्ट्रीय निर्धनता रेखा के नीचे थे।[22] बाल निर्धनता की मौजूदगी भी सबसे गरीब घरों में सर्वाधिक थी (रेखांकन 2.6)। माल्डोवा में बुनियादी सामाजिक सेवाओं तक पहुंच में ग्रामीण-शहरी अंतर बहुत अधिक है (रेखांकन 2.7) । चेक रिपब्लिक में पुरुष बेरोजगारी दर रोम में 33 प्रतिशत और गैर-रोम में 5 प्रतिशत है।[23]

रेखांकन 2.6

2012 में दक्षिण अफ्रीका में बच्चे न केवल गैर-आनुपातिक तौर पर निर्धन थे बल्कि निर्धनतम घरों में इनका संकेद्रण भी अधिक था।

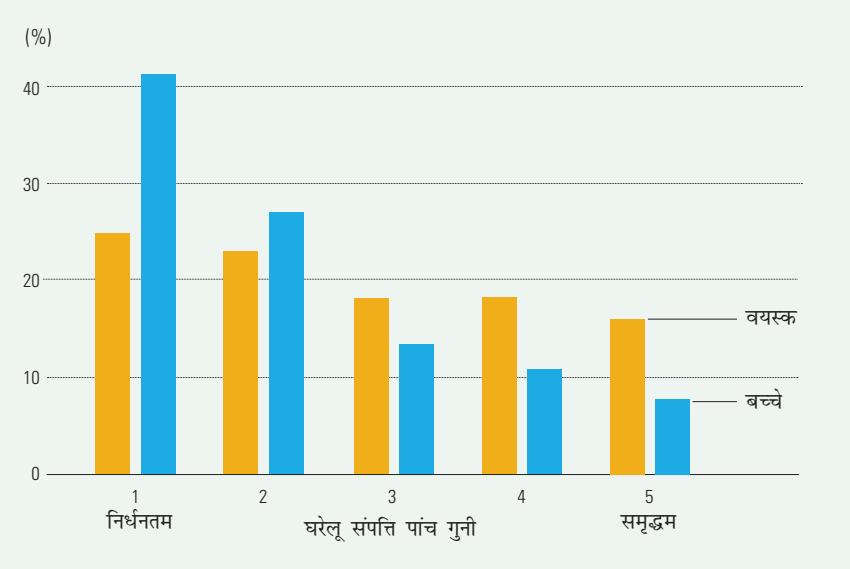

स्त्रोत : हाल 2015।

मानव विकास कमियां

मानव विकास में असमान उपलब्धियों के अलावा कई आयामों, क्षमता में कमी, अवसरों और इन सबसे मानव जीवन की बेहतरी में कमी बनी हुई है।

मानव विकास सूचकांक में कमी

एचडीआई एक संयुक्त सूचकांक है जिसकी अधिकतम सीमा 1.0 है। 2014 में औसत वैश्विक मान 0.711 था, यानी 0.289 की कमी थी। एचडीआई प्रगति को समझने का एक रास्ता यह है कि कुछ क्षेत्रों ने कैसे अपनी कमियों को कम किया। पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र में वर्ष 1990 में 0.484 और 2014 में 0.290 की कमी थी, 0.194 (40 प्रतिशत) की कमी पाटी गई और यह विकासशील देशों के क्षेत्र में पाटी गई सर्वाधिक कमी थी (रेखांकन 2.8)। सब-सहारा अफ्रीका में एचडीआई कमी इसी अवधि में महज 20 प्रतिशत पाटी गई। आगामी वर्षों में मानव

रेखांकन 2.7

माल्डोवा में 2014 में ग्रामीण-शहरी क्षेत्र में बुनियादी सामाजिक सेवाओं तक पहुंच असमान थी।

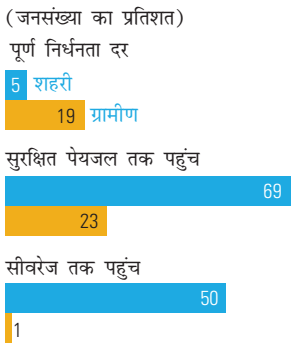

स्त्रोत : यूएनडीपी 2014c।

रेखांकन 2.8

पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र ने 1990-2014 के दौरान विकासशील देशों के बीच मानव विकास सूचकांक की कमी को सबसे तेजी से दूर किया है।

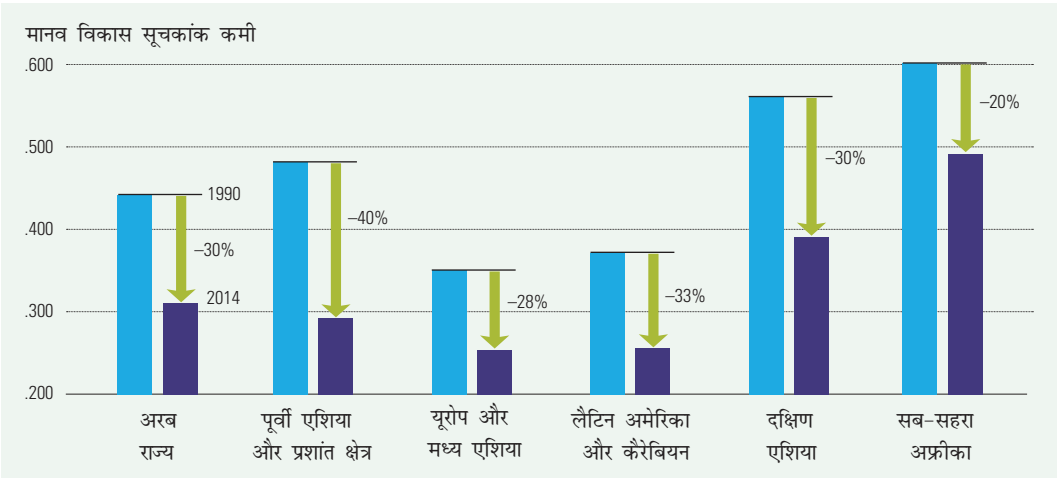

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय गणना।

विकास के लिए एक प्रमुख चुनौती एचडीआई कमी को घटाना है।

बहुआयामी निर्धनता

निर्धनता का पारंपरिक मापन केवल आय पर विचार करता है, अति निर्धनता में लोग 1.25 डॉलर रोजाना से कम में जीवन यापन करते हैं। लेकिन लोग स्कूल जाने से वंचित हो सकते हैं, अल्पपोषित हो सकते हैं या सुरक्षित पेयजल उनकी पहुंच से दूर हो सकता है। निर्धनता की यह व्यापक अवधारणा 10 संकेतकों के भारित औसत बहुआयामी निर्धनता सूचकांक में परिलक्षित होती है। किसी व्यक्ति को तब बहुआयामी निर्धन माना जाता है अगर वह इन संकेतकों में कम से कम एक तिहाई में वंचित हो। इसमें हर संकेतक का एक परिभाषित अभाव स्तर होता है।

मानव विकास रिपोर्ट 2010 से बहुआयामी निर्धनता सूचकांक का विवरण देती रही है। इस वर्ष बहुआयामी निर्धनता सूचकांक 101 देशों के लिए अनुमानित किया गया है (देखें सांख्यिकी सारणी 6) । यह अनुमान बताता है कि करीब 1.5 बिलियन लोग बहुआयामी निर्धनता में रहते हैं। सारणी 2.2 में बहुआयामी निर्धनता में जीवन बसर करने वाली सबसे बड़ी जनसंख्या वाले पांच देशों की सूची है, हालांकि देश की जनसंख्या के सर्वाधिक अनुपात (60 प्रतिशत) के गंभीर निर्धनता (आधे से अधिक आयामों में वंचित) की चपेट में होने वाले देशों में नाइजर, दक्षिणी सूडान, चाड, इथोपिया, बुर्किना फासो और सोमालिया हैं और गुएना-बिसाई और माली में आधी से अधिक जनसंख्या गंभीर निर्धनता की चपेट में है।

बहुआयामी निर्धनता सूचकांक आम तौर पर एक राष्ट्रीय औसत को पेश करता है जो देशों के भीतर असमानता और बड़े इलाकों की निर्धनता को ढक सकता है। चीन में तकरीबन 72 मिलियन लोग बहुआयामी निर्धनता में रहते हैं लेकिन इसका सारे प्रदेशों में प्रसार अलग-अलग है। शहरी क्षेत्रों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में इसका अधिक प्रभाव है। (2.9)

इसके अतिरिक्त मानव विकास और बहुआयामी निर्धनता के सूचकांकों को ध्यान में रखते हुए निर्धन लोगों की पूरी संख्या के बारे में समझना उपयोगी होगा। (रेखांकन 2.10)

भारी मात्रा में मानव क्षमता का उपयोग नहीं

कई क्षेत्रों में प्रभावकारी उपलब्धियों के बावजूद भारी मात्रा में मानव क्षमता का उपयोग नहीं हो रहा है। पूरी दुनिया के पैमाने पर 2015 में 204 मिलियन लोग -72 मिलियन युवा (उम्र 15-24) समेत- बेरोजगार थे।[24] विकासशील देशों के इलाकों में तकरीबन 83 मिलियन मजदूर 2 डॉलर प्रतिदिन से भी कम पर जीवन यापन कर रहे हैं।[25] विकासशील देशों के आधे मजदूर और उनका परिवार 4 डॉलर प्रतिदिन से भी कम पर गुजर-बसर कर रहा है।[26] इन लोगों की कार्य करने की क्षमता का पूरी तरह से इस्तेमाल नहीं हुआ है।

समूहों की कार्यक्षमता का भरपूर उपयोग नहीं हो पाया है (खासकर भुगतान से जुड़े कार्यों में), वह हैं युवा और महिलाएं। पुरुषों के मुकाबले कम महिलाएं नौकरी करना चाहती हैं या फिर उन्हें मिलती भी कम है और नौकरी के दौरान पुरुषों के मुकाबले उन्हें न तो ऊंचा पद मिलता है और न ही उनकी नौकरी ही सुरक्षित रहती है। विश्व के पैमाने पर 2015 में श्रम भागीदारी की दर (श्रम बाजार में सक्रिय लोगों का

कई मायनों में प्रभावशाली उपलब्धियों के बावजूद, बहुत अधिक मानव सामर्थ्य बिना इस्तेमाल किए रह जाता है।

सारणी 2.2

बहुआयामी निर्धनता में सर्वाधिक लोगों वाले देश।

		बहुआयामी निर्धनता में जनसंख्या	
देश	**वर्ष**	**(दस लाख)**	**(%)**
इथियोपिया	2011	78.9	88.2
नाइजीरिया	2013	88.4	50.9
बांग्लादेश	2011	75.6	49.5
पाकिस्तान	2012/2013	83.0	45.6
चीन	2012	71.9	5.2

स्त्रोत : जनसांख्यिकीय और स्वास्थ्य सर्वेक्षण, मल्टीपल इंडीकेटर क्लस्टर सर्वे और नेशनल हाउसहोल्ड सर्वे के आंकड़ों का उपयोग कर मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की गणना।

रेखांकन 2.9

2012 में चीन के शहरी इलाकों के मुकाबले बहुआयामी निर्धनता ग्रामीण इलाकों में अधिक थी।

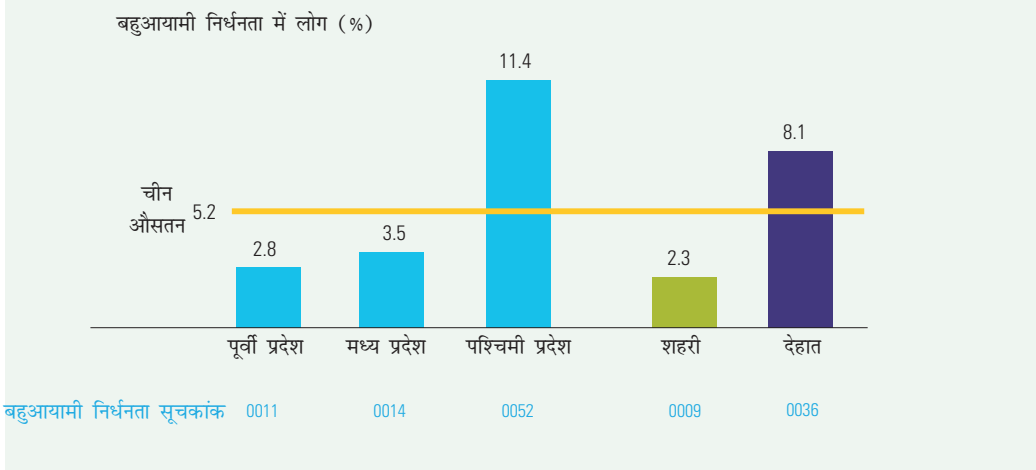

स्त्रोत : 2012 के चीन परिवार पैनेल अध्ययन के आंकड़ों पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की गणना।

रेखांकन 2.10

विश्व में मानव निर्धनता का विस्तार।

दुनिया भर में 1.5 बिलियन से अधिक श्रमिक असुरक्षित रोजगार में हैं।

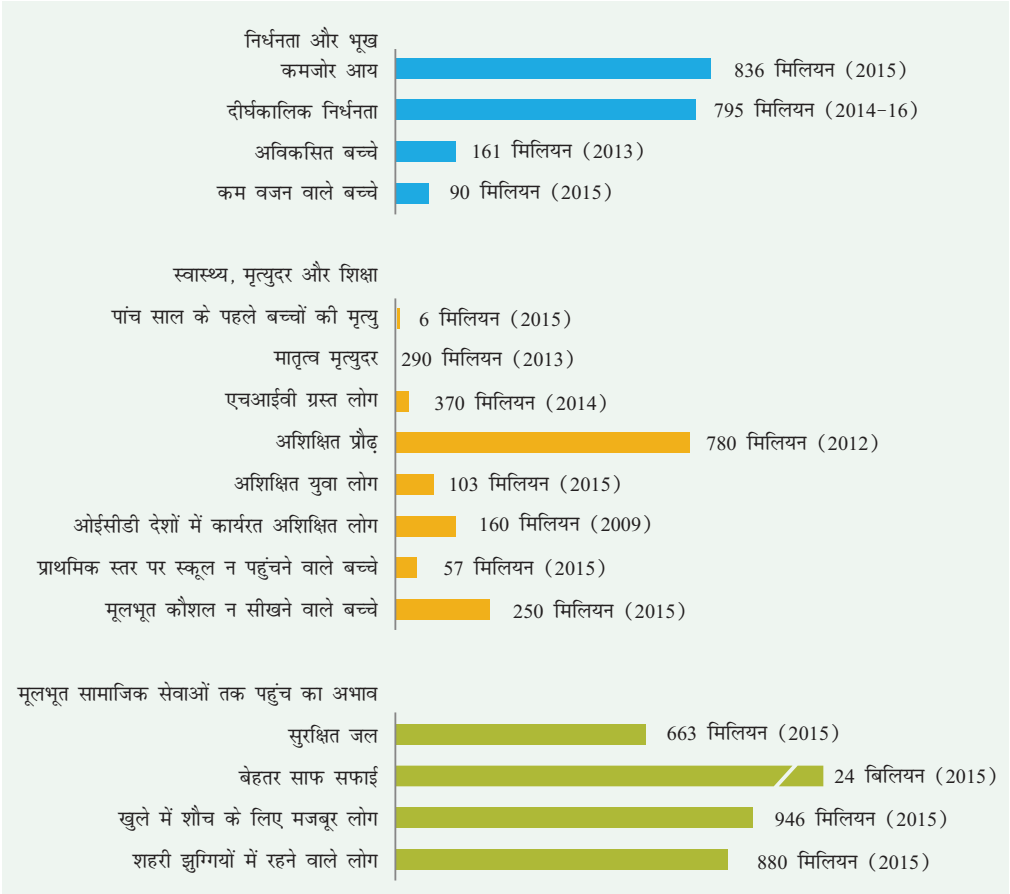

स्त्रोत : यूएन 2015b, यूएनएआईडीएस 2015, यूएनईएससीओ 2013a, यूएनईएससीओ 2014।

मापन) महिलाओं के बीच 50 प्रतिशत जबकि पुरुषों में यह मात्रा 76 प्रतिशत था।[27] उसी वर्ष कार्य करने की उम्र (15 साल से ऊपर) वाली 47 प्रतिशत महिलाएं रोजगारशुदा थीं जबकि इस दौरान पुरुषों के रोजगारशुदा होने की मात्रा 72 प्रतिशत थी। तकरीबन 50 प्रतिशत महिलाएं अनिश्चित रोजगार के क्षेत्र में हैं जबकि इस मामले में पुरुषों की संख्या 44 प्रतिशत है।[28] दुनिया के पैमाने पर केवल 18 प्रतिशत महिलाएं मंत्री पद, 22 प्रतिशत संसदीय सीटों और 25 प्रतिशत प्रशासन और प्रबंधकीय पदों पर हैं।[29] व्यवसाय के क्षेत्र में 32 प्रतिशत इलाके ऐसे हैं जहां वरिष्ठ प्रबंधकों के पद पर महिलाएं नहीं हैं।[30] इन मुद्दों पर और अधिक जानकारी के लिए अध्याय 4 और 6 देखें।

मजदूर भी लंबे समय तक बेरोजगार रहते हैं। यहां तक कि अमेरिका में भी जहां फिर से रोजगार की संभावना ज्यादा रहती है। मई 2015 के आखिरी में तकरीबन 30 प्रतिशत रोजगार चाहने वाले छह महीने से बेरोजगार थे।[31] ये मजदूरों और अर्थव्यवस्था के लिए बेहद नुकसानदायक है क्योंकि ज्यादा समय तक रोजगार न हासिल होने पर लोग अपना कौशल खोते हैं और फिर उसी स्तर के रोजगार को हासिल करने के लिए उन्हें संघर्ष करना पड़ता है। लंबे दिनों तक बेरोजगारी (12 महीने या उससे ज्यादा) लोगों को निम्न स्तरीय, निम्न उत्पादकता वाले कार्यों जैसे अनौपचारिक क्षेत्रों की तरफ धकेल देती है। ये उन्हें एक हतोत्साहित मजदूर भी बना देती है। ये लोग ऐसे बन जाते हैं जो कार्य करना चाहते हैं लेकिन विभिन्न कारणों से कार्यों को सक्रिय रूप से तलाश नहीं करते हैं।

2011 से वैश्विक रोजगार विकास दर 1.4 प्रतिशत के हिसाब से प्रति वर्ष कम होती गई है या संकटकालीन वर्षों के पहले के दौरान (2000–2007)[32] के 1.7 प्रतिशत के हिसाब से औसत से कम हो गई है। दुनिया भर में करीब 61 मिलियन कम लोगों के पास 2014 में नौकरियां थीं उस स्थिति से जबकि यदि संकटकाल से पहले की स्थिति जारी रहती। मौजूदा प्रवृत्ति के हिसाब से 2018 तक वैश्विक स्तर पर रोजगार चाहने वालों की संख्या 215 मिलियन तक पहुंच सकती है जो 2014 में 202 मिलियन थी।[33]

असुरक्षित रोजगार

दुनिया के पैमाने पर 2014 में केवल आधे कामगार मजदूरी या वेतनभोगी थे। हालांकि अलग-अलग इलाकों में बड़ा अंतर था। जिन देशों से आंकड़े लिए गए हैं, उन देशों मे जिनमे विश्व के रोजगार का 84 प्रतिशत हिस्सा है, 26 प्रतिशत लोग स्थाई अनुबंध पर थे, 13 अस्थाई और 61 प्रतिशत बगैर अनुबंध के थे। अर्ध रोजगार बहुप्रचलित है। जिन 86 देशों से आंकड़े लिए गए हैं उनमे विश्व रोजगार के 65 प्रतिशत में से 17 प्रतिशत से ज्यादा लोग अंशकालिक रोजगार में संलग्न हैं। पुरुषों के मुकाबले महिलाएं अंशकालिक रोजगार की ज्यादा सम्भावना हैं (महिलाएं 24 प्रतिशत और पुरुष 12 प्रतिशत)।[34]

दुनिया भर में 1.5 बिलियन से अधिक मजदूर अस्थाई रोजगार में संलग्न हैं। निम्न मानव विकास देशों में कार्यों का 80 प्रतिशत हिस्सा अस्थाई रोजगार में आता है।[35] अधिकतर अल्परोजगार और अल्पभुगतान वाले मजदूर अनौपचारिक रूप से कार्य करते हैं। अधिकतर विकासशील देशों में क्षेत्रीय अनौपचारिक कार्य आधे से अधिक गैरकृषि कार्यों का हिस्सा होता है। इसमें सबसे अधिक हिस्सेदारी दक्षिण एशिया (82 प्रतिशत), उप सहारा अफ्रीका (66 प्रतिशत) पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया (65 प्रतिशत), लैटिन अमेरिका (51) है। लगभग 700 मिलियन अनौपचारिक मजदूर भीषण गरीबी में रहते हैं। बहुत सारे देशों में अनौपचारिक कार्य राष्ट्रीय गैर कृषि उत्पादन के निश्चित अनुपात में होता है। उदाहरण के लिए 2008 में भारत में यह 46 प्रतिशत था। ये अनुपात कुछ पश्चिम अफ्रीकी देशों में भी बहुत ऊंचा है– बेनिन, नाइजर और टोगो में 50 प्रतिशत से अधिक है।[36]

युवा बेरोजगारी

आज विश्व की आधी से अधिक जनसंख्या 30 साल से कम उम्र की है।[37] इन युवाओं के अपने माता-पिता से अधिक स्वस्थ और बेहतर शिक्षित होने की संभावना है और वैश्विक समाज में पूरी तरह से शामिल होने के लिए वे आधुनिक संचार प्रौद्योगिकियों और मीडिया का सहारा ले सकते हैं। इसलिए उन्हें ऊंचे कार्य की अपेक्षा है लेकिन उनमें से बहुत लोगों को कार्य नहीं मिल पाता है।

2015 में 74 मिलियन युवा (15-24 उम्र के बीच) बेरोजगार थे।[38] युवाओं से लेकर बालिग बेरोजगारी की दर अपने ऐतिहासिक स्तर पर है और खासकर बिलियन और दक्षिण यूरोप और लैटिन अमेरिकी तथा कैरिबियन देशों में बहुत अधिक है।[39] उदाहरण के लिए इटली में 2014 में बालिग लोगों की बेरोजगारी की दर के मुकाबले युवा लोगों की बेरोजगारी 3.4 गुना अधिक थी जबकि क्रोएशिया में 3 गुना और चेक गणतंत्र, पुर्तगाल और स्लोवाकिया में 2.5 गुना अधिक थी। निरपेक्ष रूप से कहा जाए तो इन देशों में युवा बेरोजगारी बहुत अधिक है– स्पेन में 53 प्रतिशत, क्रोएशिया में 46 प्रतिशत, पुर्तगाल में 35 प्रतिशत और स्लोवाकिया में 30 प्रतिशत।[40]

बिलियन में युवा बेरोजगारी दर बहुत अधिक है जहां कई देशों के क्षेत्रों में बढ़ते शिक्षित कार्यबल के लिए रोजगार के अवसरों की संख्या अपर्याप्त है (रेखांकन 2.11)। उदाहरण के लिए 1995 और

आज दुनिया की आधे से अधिक जनसंख्या की उम्र 30 वर्ष है।

2015 में, 15-24 वर्ष उम्र के 7.4 मिलियन युवा लोग बेरोजगार थे।

रेखांकन 2.11

2008-2014 के बीच बिलियन देशों में युवा बेरोजगारी दर सबसे अधिक है।

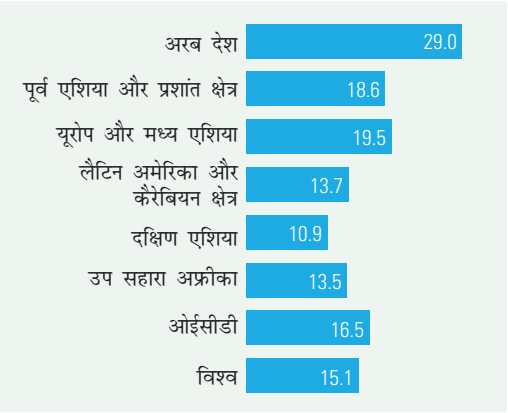

स्त्रोत : आईएलओ (2015) पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की गणना।

2006 के बीच मिस्र ने 50 लाख कॉलेज ग्रेजुएट पैदा किए लेकिन कौशल संबंधी सेवा क्षेत्र में केवल 18 लाख रोजगार सृजित हो पाये (इसमें निर्माण और थोक और खुदरा व्यापार शामिल नहीं है)।[41]

युवा बेरोजगारी केवल युवा आबादी वाले देशों तक सीमित नहीं है। ग्रीस और स्पेन जैसे बढ़ती उम्र वाली आबादी के देशों में आर्थिक तौर पर सक्रिय आधा से ज्यादा युवा बेरोजगार हैं। स्कूल ड्रॉप आउट दर के लगातार बढ़ने से स्थिति और खराब होती जा रही है। पूरे यूरोपियन यूनियन में 14 प्रतिशत के मुकाबले स्पेन में जल्दी स्कूल छोड़ने वाले 18 से 24 साल के नौजवानों की संख्या 24 प्रतिशत है।[42] युवा अकुशल मजदूरों के औपचारिक अर्थव्यवस्था में पूर्णकालिक रोजगार हासिल करने की संभावना बहुत कम है।

ऐसा लगता है कि वैश्विक मंदी और 2008 के वित्तीय संकट के चलते बढ़ी युवा बेरोजगारी संकट के बाद धीमी विकास दर के दौरान भी जारी रही। 2012 से 2020 के बीच पूरे रोजगार की तलाश कर रहे 1.1 बिलियन युवाओं के रोजगार बाजार में प्रवेश करने की संभावना है जिनमें से अधिकतर दक्षिण एशिया और उप सहारा अफ्रीका के होंगे।[43] इसके साथ ही कौशल की मांग और कौशल की उपलब्धता में भी अंतर है। ये इस बात को दिखाता है कि नौजवानों की बड़ी संख्या शिक्षा, रोजगार या फिर प्रशिक्षण में शामिल नहीं है। इस माहौल का एक नतीजा उच्च स्तर पर बेरोजगारी के रूप में सामने आता है, जैसे कि स्पेन, जहां 2015 की शुरुआत में युवा बेरोजगारी दर 50 प्रतिशत से अधिक थी।[44] विकासशील देश इसी तरह के सवालों का सामना करते हैं लेकिन उन्हें और अधिक युवाओं को रोजगार देना होता है- न केवल उच्च कुशलता और तकनीक में सिद्धहस्थ लोगों को शामिल करना होता है बल्कि कम कुशल लोगों की बढ़ती संख्या को भी। इसमें से अधिकतर लोगों को कृषि और बुनियादी सेवाओं में कार्य करने की जरूरत है।

बहुत सारे युवा मजदूरों के लिए औपचारिक अर्थव्यवस्था में रोजगार प्राप्त करने का केवल एक रास्ता अस्थाई कार्य है। उनके सबसे ज्यादा कार्य से हटाए जाने की संभावना होती है, विशेष रूप से यूरोप में क्योंकि प्राथमिकता पुराने स्थाई मजदूरों के रोजगार की रक्षा होती है। संकट शुरू होने के साथ ढेर सारे देशों में ऐसे युवाओं का अनुपात बढ़ गया जो न नौकरीशुदा थे और न ही शिक्षा या प्रशिक्षण ले रहे थे।[45] निम्न भागीदारी और और उच्च युवा बेरोजगारी का नतीजा सेवानिवृत्ति लाभों के लिए सीमित योगदान- या देर से शुरू हुआ योगदान है। दूसरी बात यह है कि बढ़ती युवा बेरोजगारी, खासकर दीर्घकाल वाली, पर अगर ध्यान नहीं दिया गया तो अर्थव्यवस्था में भटके हुए कामगारों की भरमार हो जाएगी (बॉक्स 2.2)।

जैसा कि अध्याय 1 में बताया गया है, 2012 में दुनिया भर में लगभग 21 मिलियन लोग बंधुआ मजदूर थे। इसमें 14 मिलियन के श्रम का शोषण हो रहा था जबकि 45 लाख का शारीरिक शोषण हो रहा था (इसमें जबरन वेश्यावृत्ति और जबरन पोर्नोग्राफी दोनों शामिल है)।[46] और करीब 168 मिलियन बाल मजदूर हैं।[47] ये मानव क्षमता बेकार जा रही है।

बॉक्स 2.2

दीर्घकालीन युवा बेरोजगारी का प्रभाव।

लंबे समय तक बेरोजगार रहने वाले युवा न केवल वित्तीय तौर पर कष्ट सहते हैं बल्कि अपना कौशल भी खोना शुरु कर देते हैं और भविष्य में उनकी कार्य करने की क्षमता भी कम होती जाती है। वो अपना आत्म सम्मान खोते जाते हैं जो उनके अपने और परिवार के कल्याण पर बुरा असर डालता है। लोगों की पूरी क्षमता का इस्तेमाल न करने से युवा बेरोजगारी एक देश की आर्थिक क्षमता को भी कम करती है। इसके अतिरिक्त ये सामाजिक बिखराव का कारण बनता है जिसमें अपराधा, हिंसा और सामाजिक अशांति सारे समुदायों क प्रभावित करती है।

69 देशों के अध्ययन में पाया गया कि बेरोजगारी लोकतंत्र के प्रभाव को लेकर नकारात्मक विचार को पैदा करती है खासकर दीर्घकालिक बेरोजगारों में।[1] उत्तरी अफ्रीका में युवा से बालिग होने के परिवर्तन के टलने के चलते देश को अशांति और गुस्सा भर गया है। सोमालिया में, जहां युवा बेरोजगारी 67 प्रतिशत है, सामाजिक तौर पर बहिष्कृत और आर्थिक रूप से हाशिये पर जाने की भावना ने नौजवानों को आतंकवादी संगठनों द्वारा भरती करने के लिए बहुत असुरक्षित बना दिया है।[2]

नोट : 1. अल्टिनदाग और मोकैन 2010.2. यूएनडीपी 2012d।
स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

आगे की मानव विकास चुनौतियां

असमान मानव विकास, मौजूदा मानव अभाव और खोई इंसानी क्षमता के अलावा भी कई दूसरी मानवीय विकास की चुनौतियां हैं। कुछ पहले से ही बहुत बड़ी हो गई हैं। (जैसे बढ़ती असमानता और जलवायु परिवर्तन)। कुछ अपने विस्तार और प्रकृति में बहुत तेजी से बदल रही हैं (जैसे मानव असुरक्षा, झटके और भेद्यता) और कुछ पूरा प्रभाव प्रभाव छोड़ चुकी हैं लेकिन अभी उनको काबू में रखा जाना बाकी है (जैसे जनसंख्या वृद्धि, बढ़ता शहरीकरण और वैश्विक महामारी)।

बढ़ती असमानता

दुनिया के पैमाने पर हाल के दिनों में बढ़ती आय अपने साथ आय, संपत्ति और अवसरों में असमानता भी साथ लेकर आई है। असमानता को गिनी गुणांक के जरिये मापा जा सकता है जिसे 0 (प्रत्येक के पास बराबर है) और 1 (एक व्यक्ति के पास सब कुछ है) के मान के बीच प्रदर्शित किया गया है।

1990 से 2010 के बीच औसत के हिसाब और जनसंख्या के आकार को ध्यान में रखते हुए विकासशील देशों में आय की असमानता में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विकासशील देशों के परिवारों का एक बड़ा हिस्सा– 75 प्रतिशत आबादी से अधिक–एक ऐसे समाज में रहता है जहां 1990 के मुकाबले आय का अधिक असमान तरीके से वितरण हुआ है। विकसित देशों में भी आय की असमानता एक गंभीर मुद्दा है। 1990 और 2010 में उच्च आय वाले देशों में परिवारों की आय की असमानता 9 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ी।[48] यद्यपि बहुत देशों के सारे परिवारों में आय की असमानता में वृद्धि हुई है। कुछ आकलन दिखाते हैं कि पूरी दुनिया में इस क्षेत्र में गिरावट आई है जैसा कि विकसित और विकासशील देशों की औसत आय में बदलाव हो रहा है।[49]

असमानता–समायोजित एचडीआई के द्वारा असमानता को मापा जा सकता है। प्रत्येक कारक को उसमें असमानता की मात्रा के अनुसार कम किया जाता है। उप सहारा में एचडीआई मान के मुकाबले असमानता–समायोजित एचडीआई मान 33 प्रतिशत कम है और दक्षिण एशिया और बिलियन देशों में 25 प्रतिशत से अधिक कम है (सारणी 2.3)। चार देशों– मध्य अफ्रीकी गणतंत्र, कॉमरोस, नामीबिया और सियरा लियोन– असमानता–समायोजित एचडीआई मान 40 प्रतिशत से अधिक कम है। 35 दूसरे देशों में ये 30–40 प्रतिशत कम है।

ऊपरी स्तर पर आय के वितरण में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। 1976 से 2011 के बीच अमेरिका में सबसे धनी 1 प्रतिशत आबादी को हासिल होने वाली कुल आय 9 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत हो गई है। इसी तरह से 1980 और 2007 के बीच 1 प्रतिशत अमीर लोगों को द्वारा हासिल कुल आय 7 प्रतिशत से बढ़कर 13 प्रतिशत हो गई है।[50] कुछ विकासशील देशों का भी यही चलन है। कोलंबिया में सबसे अमीर 1 प्रतिशत राष्ट्रीय आय का 20 प्रतिशत हासिल करते हैं और दक्षिण अफ्रीका में इसी तरह के हालात हैं।[51] अर्थव्यवस्थाओं में आय के वितरण में बढ़ती असमानता ने श्रम को ज्यादा से ज्यादा प्रभावित किया है और यही एक बिंदु है जिसको अमेरिका के पूर्व श्रम मंत्री प्रोफेसर राबर्ट रीच ने एक विशेष लेख में रखा है (हस्ताक्षरित बॉक्स)।

असमानताएं आय से भी अधिक हैं। अवसरों में बड़े स्तर पर असमानता मौजूद है, खासकर शिक्षा के क्षेत्र में। दक्षिण एशिया में 2000 के दशक में प्राइमरी स्कूल की शिक्षा पूरी करने वाले गरीब बच्चों के मुकाबले दौलतमंद समूह के बच्चे करीब दोगुने थे।[54] स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी गंभीर असमानताएं हैं। लैटिन अमेरिका, कैरेबियाई और पूर्वी एशिया में पांच साल के पहले मरने वाले बच्चों में गरीब बच्चों की संख्या अमीरों के मुकाबले तीन गुना अधिक है। शहर और ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य अंतर बहुत अधिक है। लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों में बच्चों की

रेखांकन 2.12

2014 में लगभग 80 प्रतिशत लोगों के पास दुनिया की केवल 6 प्रतिशत संपत्ति थी।

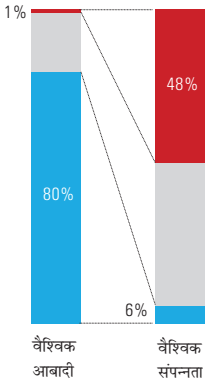

स्त्रोत : ऑक्सफैम 2015।

केवल 80 व्यक्तियों के पास इतनी संपत्ति है जितनी दुनिया के 3.5 बिलियन सबसे निर्धन व्यक्तियों के पास।

सारणी 2.3

चयनित इलाकों के लिए मानव विकास सूचकांक और असमानता–समायोजित विकास सूचकांक।

	मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) मान	असमानता-समायोजित (एचडीआई) मान	असमानता के चलते नुकसान (%)
उप सहारा अफ्रीका	0.518	0.345	33.3
दक्षिण एशिया	0.607	0.433	28.7
बिलियन राज्य	0.686	0.512	25.4
लैटिन अमेरिका और कैरिबियाई	0.748	0.570	23.7

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

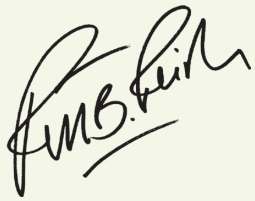

असमानता और श्रम बाजार

कथित 'अनुबंध की स्वतंत्रता' के मसले पर 19वीं सदी के अंत में हुई बहसों में कहा गया था कि कर्मचारियों और मजदूरों के बीच कोई भी सौदा बिल्कुल सही है अगर दोनों पक्ष स्वत: ही इसके लिए सहमत होते हैं। इसलिए श्रम बाजार से हासिल मजदूरी से अधिक मजदूरों की कोई कीमत नहीं है। और अगर वो किसी बेहतर विकल्प के अभाव में किसी मिठाई की दुकान में 12 घंटे तक मजदूरी करने के लिए मजबूर हैं, तो इसमें कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। वो खुद से इन शर्तों पर सहमत हुए थे।

ये कुछ लोगों के लिए यह समय भारी संपत्ति हासिल करने था जबकि बहुत सारे लोगों के लिए यह समय घिनौना था। और भ्रष्टाचार का भी, क्योंकि लुटेरे सामंतों के नौकर दब्बू विधायकों-सांसदों की मेज पर बोरियों में भरकर रुपये रख रहे थे। संयोग से दशकों तक श्रमिकों के संघर्ष और राजनीतिक कोलाहल के बाद 20वीं सदी में इस बात पर सहमति बनी कि पूंजीवाद को भी न्यूनतम शिष्टता और स्पष्टता का मानदंड अपनाने की जरूरत है- कार्यस्थल की सुरक्षा, एक न्यूनतम मजदूरी, अधिकतम घंटे (और ओवर टाइम के लिए एक और आधा) और बाल श्रम पर प्रतिबंध।

हमने ये भी सीखा कि पूंजीवाद को बड़े कॉर्पोरेशन और मजदूरों के बीच एक साफ शक्ति संतुलन की भी जरूरत है। हमने इसे विश्वास विरोधी कानूनों के द्वारा हासिल किया जिसने भारी कॉर्पोरेशनों को अपनी इच्छा थोपने से रोक दिया और श्रम कानूनों के द्वारा जिसने मजदूरों को सामूहिक तौर पर सौदा करने के लिए संगठित कर दिया।

1950 के दशक में जब अमेरिका में निजी क्षेत्र का 35 प्रतिशत एक श्रम संगठन से जुड़ा था, तो वो ऊंची मजदूरी और बेहतर कार्य करने की स्थितियों के लिए बातचीत करने की स्थिति में थे अगर मालिक उन्हें खुद ही यह उपलब्ध न करवा दें तो।

लेकिन ऐसा लगता है कि अमेरिका 19वीं सदी की ओर जा रहा है।

कॉर्पोरेशन पूरे समय के कार्य को अस्थाई, फ्रीलांसर और ठेका मजदूरी में बदल रहे हैं जो दशकों पहले स्थापित श्रम रक्षा कानूनों से बाहर हैं। इस बीच, राष्ट्र के सबसे बड़े कॉर्पोरेशन और वॉल स्ट्रीट बैंक पहले से बड़े हैं और ज्यादा ताकतवर हो गए हैं।

और निजी क्षेत्र के कामगारों के मजदूर संगठनों की सदस्यता सिकुड़ कर 7 प्रतिशत से भी कम रह गई है।

इसलिए ये कोई अचरज की बात नहीं है कि हम एक बार फिर इस बात को सुन रहे हैं कि मजदूरों की कीमत उससे अधिक नहीं है जितना उन्हें बाजार से मिल सकता है।

लेकिन जैसा कि एक सदी पहले हमें सोच लेना चाहिए था कि प्रकृति में श्रम बाजार नहीं होता है, उसे इंसानों ने बनाया है। असली सवाल ये है कि उन्हें कैसे बनाया जाता है और किसके लाभ के लिए।

19वीं सदी के अंत में उन्हें ऊपर के कुछ लोगों के लिए तैयार किया जाता था।

लेकिन 20वीं सदी के मध्य में उन्हें बड़े बहुमत के लिए बनाया जाने लगा।

दूसरा विश्व युद्ध समाप्त होने के बाद के 30 साल के दौरान क्योंकि अर्थव्यवस्था आकार में दोगुनी हो गई, इसलिए अधिकतर अमेरिकियों की मजदूरी भी- इसके साथ ही घंटों में सुधार और कार्य की स्थितियां भी बेहतर हुई।

फिर भी 1980 के आस-पास अर्थव्यवस्था एक बार फिर दोगुनी हो गई (महामंदी भी सामने नहीं आई थी) अधिकतर अमेरिकियों की मजदूरी स्थिर हो गई थी। और उनके लाभ और कार्य करने की स्थितियों में भी गिरावट आई।

ऐसा इसलिए नहीं हुआ कि अधिकतर अमेरिकियों की कोई कीमत नहीं है। वास्तव में मजदूरों का उत्पादन पहले से बहुत अधिक है।

ऐसा इसलिए है क्योंकि बड़े कॉर्पोरेशन, वॉल स्ट्रीट और कुछ बड़े दौलतमंद व्यक्तियों ने अपने तरीके से बाजार को संगठित करने के लिए राजनीतिक शक्ति हासिल कर ली जिससे उन्हें अपनी संपत्ति को बढ़ाने का मौका मिल गया जबकि अधिकतर अमेरिकी पीछे छूट गए।

बड़े कॉर्पोरेशन और वॉल स्ट्रीट की वित्तीय संपत्ति की बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा के व्यापार समझौते इसमें शामिल हैं लेकिन अमेरिकियों के रोजगार और मजदूरी नहीं।

बड़े वॉल स्ट्रीट बैंकों और उनके एक्जीक्यूटिव और शेयरधारकों के अपने कर्जों को न दे पाने की स्थिति में बेलआउट की व्यवस्था लेकिन मकान के मालिकों के लिए नहीं जो अपने गिरवी मकानों की अदायगी को पूरा नहीं कर सकते।

बड़े कॉर्पोरेशन के लिए दिवालिया होने पर रक्षा, अपने कर्जों से छुटकारा पाने की छूट इसमें श्रम समझौते भी शामिल हैं। लेकिन छात्र कर्जों के बोझ से दबे कॉलेज के स्नातकों के लिए दिवालिएपन से कोई रक्षा नहीं।

अमेरिकी उद्योग के एक बड़े समूह के लिए स्पर्धारोधी कोमलता है- जिसमें बड़ी केबल कंपनियां (कॉमकास्ट, एटी एंड टी, टाइम-वार्नर), बड़ी तकनीकी कंपनियां (अमेजन, गूगल), बड़ी फार्मा कंपनियां, बड़े वॉल स्ट्रीट बैंक और भीमकाय खुदरा वितरक (वॉलमार्ट) शामिल हैं।

लेकिन इसमें श्रम संगठनों के प्रति कम सहिष्णुता भी शामिल है- जैसे ही मजदूर संगठन बनाने का प्रयास करते हैं, उन्हें बर्खास्त कर दिया जाता है और अधिकतर राज्य 'कथित कार्य के अधिकार' कानून को अपनाते हैं जो संगठनों को दरकिनार करता है।

ऐसा लगता है कि हम पूरी गति से 19वीं सदी की ओर पीछे लौट रहे हैं। इस समय इसे क्या पलटेगा?

राबर्ट रीच

पूर्व श्रम मंत्री, संयुक्त राज्य अमेरिका

मौत की दर शहरों के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में तीन गुना अधिक है।[55]

जनसंख्या वृद्धि और ढांचा

2015 से 2050 के बीच दुनिया की जनसंख्या के 7.3 बिलियन से 9.6 बिलियन तक बढ़ने की संभावना है। इसमें अधिकतर विकास विकासशील देशों में बढ़ेगी- 6 बिलियन से 8.2 बिलियन तक। इसका एक बड़ा हिस्सा सबसे ज्यादा प्रजनन वाले 15 देशों, उप सहारा अफ्रीका के सबसे कम विकसित देशों में रहेगा। 2050 के आस-पास 85 प्रतिशत दुनिया के लोगों के विकासशील देशों के इलाकों में रहने की संभावना है।[56] जनसंख्या वृद्धि के मानव विकास पर बहुत महत्वपूर्ण प्रभाव होते हैं और महिलाओं तथा लड़कियों के जीवन पर इसका सीधा असर पड़ता है- इसमें श्रम बल और रोजगार, देखभाल के कार्य और सामाजिक सुरक्षा जिनके बारे में अध्याय 4 और 6 में विचार किया गया है। बुढ़ापा भी एक प्रमुख मुद्दा है।

जनसंख्या वृद्धि का एक आयाम वैश्विक मध्य वर्ग का अच्छे खासे आकार में विस्तार है जिसमें प्रति परिवार के हिसाब से 10-100 डॉलर प्रति व्यक्ति खर्च (प्रति व्यक्ति खरीदने की क्षमता के संदर्भ में) है।[57] इस वैश्विक मध्य वर्ग के 2030 में 4.9 बिलियन तक बढ़ जाने की संभावना है यानी कुल वैश्विक जनसंख्या का लगभग 57 प्रतिशत- इसमें 3.2 बिलियन एशिया और पैसिफिक, अधिकतर चीन और भारत में होंगे। सबसे बड़े मध्य वर्ग की आबादी वाले 10 देशों (ब्राजील, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, मेक्सिको, रूसी फेडरेशन और अमेरिका) में मध्य वर्ग द्वारा उपभोग 2030 में (38 ट्रिलियन डॉलर होने की भविष्यवाणी की गई है।[58]

ये बदलाव खपत के तरीकों और वैश्विक आबादी के बड़े हिस्से के जीवन स्तर तथा पर्यावरणीय संवहनीयता व मानव विकास के अन्य आयामों के लिए बहुत प्रभावकारी साबित होंगे।

मेडीसिन, पोषण और स्वच्छता संबंधी बुनियादी ढांचों में तकनीकी प्रगति के चलते अधिकतर देशों के लोग बुनियादी सामाजिक सेवाओं की गुणवत्ता और मात्रा दोनों लिहाज से बेहतर जीवन जी रहे हैं, खासकर गरीब देशों में। 21वीं सदी के पहले दशक में वैश्विक जीवन की संभावना तीन साल और बढ़ गई है।[59] बड़ी लंबी उम्र मानव विकास का एक स्वागत योग्य लक्षण है। लेकिन ये कार्य, स्वास्थ्य की देखभाल और सामाजिक सुरक्षा और सेवानिवृत्ति आयु और पेंशन पर सार्वजनिक नीतियों के लिए एक नया मुद्दा है- मुद्दे जिन्हें अध्याय 3 और 6 में लिया गया है।

बड़ा लंबा जीवन और पैदाइश में गिरावट का नतीजा ये है कि बुजुर्ग लोग राष्ट्रीय जनसंख्या के एक बड़े हिस्से का निर्माण करते हैं। ये बढ़ती उम्र बूढ़े लोगों की निर्भरता के अनुपात में बिल्कुल साफ दिखती है: इसे 65 और उससे अधिक के लोगों की उम्र और कार्य करने वाले 15 से 65 के बीच के उम्र के अनुपात के बीच संख्या से आसानी से समझा जा सकता है। विकासशील देशों में 2015 में अनुपात 10 प्रतिशत था। इसके 2050 तक 47 प्रतिशत बढ़ने की संभावना है।[60] हालांकि बढ़ती उम्र एक वैश्विक अवधारणा है, देश अपने विकास और उनके जनसांख्यिकीय परिवर्तन के स्तर के अनुरूप (रेखांकन 2.13) अलग-अलग स्तर पर हैं। निम्न मानव विकास वाले देशों में उच्च निर्भरता अनुपात में युवा आबादी (15 साल से नीचे के बच्चे) की प्रमुखता है। बहुत ऊंचे विकास वाले देशों में बुजुर्गों और युवा की जनसंख्या का दबाव समान है, लेकिन बुजुर्ग लोग जल्द ही हावी हो जाएंगे।

रेखांकन 2.13

2014 में निम्न मानव विकास वाले देशों में उच्च निर्भरता अनुपात का मुख्य चालक युवा आबादी है।

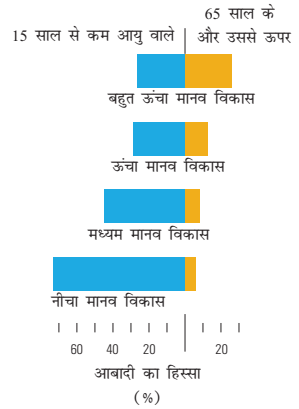

स्त्रोत : यूएनडीईएसए पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

बढ़ता शहरीकरण

दुनिया ग्रामीण से शहरी जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन को महसूस कर रही है। 1950 में दुनिया की एक तिहाई आबादी शहरों में रहती थी जबकि 2000 में लगभग आधी शहरी हो गई है और 2050 तक इसके दो तिहाई तक बढ़ जाने के आसार हैं। ये तेजी से विकास खासकर विकासशील देशों में होगा। अफ्रीका और एशिया दूसरों के मुकाबले अभी कम शहरीकृत हैं। शहरीकरण का विकास इसमें सबसे अधिक होगा। अफ्रीका की शहरी आबादी जो इस समय 40 प्रतिशत है, 2050 में इसके 56 प्रतिशत होने के आसार हैं और एशिया की 48 से बढ़कर 64 प्रतिशत।[61]

विकासशील देशों में तेजी से शहरीकरण का एक कारक गांव से शहरों में पलायन है जो शहरों में रोजगार के अवसरों से प्रेरित है ('आकर्षण का कारक')। सबसे अधिक ग्रामीण इलाकों से शहरों की ओर स्थानांतरण चीन में है, जहां लगभग 275 मिलियन लोग या फिर एक तिहाई से अधिक श्रम बल ग्रामीण इलाकों के प्रवासी मजदूरों का है।[62] बहुत सारे विकासशील देशों में ग्रामीण इलाकों से शहरों की ओर पलायन के कारण प्राकृतिक आपदाएं (जैसे बाढ़) और बढ़ता भूमि क्षरण और रेगिस्तानीकरण के कारण कृषि में मुश्किलें हैं। उदाहरण के लिए बहुत लोग सूखा प्रभावित इलाके उत्तर-पूर्व ब्राजील से रियो डि जेनेरियो की ओर पलायन कर रहे हैं।[63]

समाजों की आर्थिक स्थिति को सुधारने की सबसे अधिक क्षमता शहरीकरण में है। दुनिया के आधे से अधिक लोग शहरों में रहते हैं, लेकिन वो दुनिया की 80 प्रतिशत जीडीपी का उत्पादन करते हैं।[64] अधिकतर देशों में शहरों में रहने वालों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। ऐसा स्वास्थ्य और शिक्षा,

रेखांकन 2.14

1950 में दुनिया की एक तिहाई आबादी शहरों रहती है आज आधे से अधिक और 2050 में दो तिहाई से अधिक रहेगी।

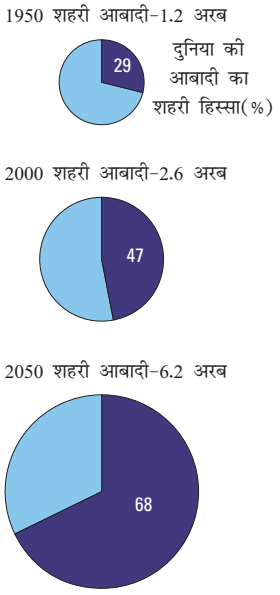

स्त्रोत : डब्ल्यूईएफ 2015।

शहरीकरण समाज के आर्थिक कल्याण में सुधार करने की क्षमता रखता है, लेकिन यह मानव विकास के लिए भी कई चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है।

बेहतर रहने की स्थितियों और लक्षित सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों तक उनकी पहुंच के चलते हुआ है। शहर मानव कल्याण में बेहतरी के वादे को निभाने में विश्वास करते हैं।[65]

फिर भी शहरीकरण बहुत सारी मानव विकास चुनौतियां भी पेश करता है। ये शहरों के बुनियादी ढांचे पर दबाव डालता है– जैसे मकान, बिजली, पीने का पानी और स्वच्छता– और रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता पर भी विपरीत प्रभाव डाल सकता है। लगभग 40 प्रतिशत दुनिया के शहरी क्षेत्रों का विस्तार झोपड़ियों, आर्थिक अंतर को बढ़ाने और गंदगी की स्थितियों को बढ़ाने में हुआ है। झोपड़ी में रहने वाली सारी 700 मिलियन शहरी आबादी स्वच्छता से वंचित है, इसके साथ ही उसे पीने का साफ पानी भी नसीब नहीं है। इसके साथ ही हैजा और डायरिया जैसी संक्रामक बीमारियों के फैलने की सबसे अधिक आशंका रहती है, खासकर बच्चों में।[66] शहरीकरण आय और अवसरअंतर का निर्माण करता है। ये न केवल ग्रामीण और शहरी इलाकों के बीच होता है बल्कि शहरी समूहों में रहने वाले सामाजिक–आर्थिक समूहों के बीच भी होता है, जो सामाजिक तनाव को बढ़ावा देता है।[67]

मानव सुरक्षा

मानव विकास कई स्रोतों से खतरे में है। 2014 में दुनिया बड़े पैमाने पर संघर्ष, हिंसा और मानवाधिकारों के उल्लंघन की गवाह बनी। इसका नतीजा देश के अंदर और बाहर दोनों स्तरों पर बड़े स्तर पर विस्थापन के रूप में सामने आया। 2014 के आखिर में दुनिया के पैमाने पर 60 मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हुए थे, जो दूसरे विश्व युद्ध के बाद ये अपने आप में एक रिकार्ड है। इन लोगों को मिलाकर एक 24वां सबसे बड़ा राष्ट्र बनाया जा सकता है। कई तरह के संघर्ष कांगों लोकतांत्रिक गणतंत्र, इराक, नाइजीरिया, पाकिस्तान, दक्षिण सूडान, सीरियाई बिलियन गणतंत्र और यूक्रेन में चल रहे हैं।[68]

इन 60 मिलियन लोगों में से एक तिहाई प्रवासी या शरण चाहने वाले हैं। 38 मिलियन लोग अपने देश की सीमा के अंदर ही विस्थापित हैं। उपलब्ध साक्ष्यों के अनुसार, विश्व की शरणार्थी आबादी के आधे बच्चे हैं जो पिछले 10 साल का सबसे बड़ा अनुपात है। यह वृद्धि विशेष रूप से अफगान, सोमाली और सीरियाई शरणार्थी बच्चों की बढ़ती संख्या के कारण से हुई है।69

2000 और 2013 के बीच हिंसक अतिवादिता से कुल मौतों की संख्या– आम नागरिकों, नागरिकों के समूह और खास लोगों को आतंकित करने के लिए– 3,361 से बढ़कर 17,958 हो गई है।70 इराक के इस्लामिक राज्य और लेवांट और उससे जुड़े हथियारबंद समूहों ने इराक, सीरिया, तुर्की और दूसरे देशों के लोगों पर बर्बर हमले किए हैं। इसमें हत्या, बलात्कार और यौन दासता, उत्पीड़न, दबाव में धर्म परिवर्तन और बच्चों को बंधक बनाने जैसी करतूतें शामिल हैं। बोको हरम ने बेनिन, चाड, कैमरन, नाइजीरिया और नाइजर के नागरिकों पर हमले किए हैं और अल शबाब आतंकियों ने भी इसी तरह के हमले सोमालिया और केन्या पर किए हैं। युगांडा में पैदा हुए लेकिन मध्य अफ्रीकी लोकतांत्रिक गणतंत्र कांगो और दक्षिणी सूडान में सक्रिय सैन्य संगठन लार्ड्श रेजिस्टेंस आर्मी ने इंसानों पर अत्याचार किए हैं।

हिंसक अतिवाद और संघर्षों से पैदा हिंसा के खतरों के बीच रहने वाले लोग न केवल अपनी स्वतंत्रता खो देते हैं बल्कि उनकी क्षमता के विस्तार के अवसर भी कम हो जाते हैं। भौतिक और सामाजिक बुनियादी ढांचे के धवस्त होने के साथ उन्हें अपने जीवनयापन के लिए बहुत कम अवसर मिल पाते हैं। साथ ही स्वास्थ्य और स्कूलों तक पहुंच भी कम हो जाती है। ऐसे माता–पिता जिन्हें अपने बच्चों की सुरक्षा की चिंता होती है, वो उन्हें स्कूल से बाहर रखना पसंद करते हैं।[71] इन सब को मिलाकर घर के भीतर देखभाल की स्थितियों में जिम्मेदारी को और बढ़ा देती हैं।

हिंसक अतिवाद और संघर्ष सामूहिक मानव विकास को भी क्षति पहुंचाते हैं। धमकी और हिंसा समुदायों को हतोत्साहित कर सकते हैं और सामाजिक ढांचे को नष्ट कर सकते हैं। इसके साथ ही जहां तक राजनीतिक संस्थाओं की बात है, तो यह एकजुटता को दरकिनार करने और राज्य को कमजोर करने की तरु जाता है। किसी खास समूह पर लक्षित हिंसा समाज में मौजूद खाई को और चौड़ी कर देती है। अतिवादी समूह नियमित तौर पर महिलाओं और यौन, जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों को धमकाते हैं और प्राय: बलात्कार को शक्ति और बर्बरता के हथियार के तौर पर इस्तेमाल करते रहे हैं।[72] ये खतरे वैश्विक हैं और उनका प्रभाव देश की सीमाओं के पार जाता है, न केवल शरणार्थियों की संख्या के तौर पर, बल्कि कब और कहां आतंकी हमले हों, इसकी आशंका की दृष्टि से भी।

हिंसक अतिवादी गतिविधियां और बड़े पैमाने पर संघर्ष सरकारों के लिए लोगों को स्वास्थ्य की देखभाल और शिक्षा जैसी बुनियादी सेवाओं को मुहैया कराने में भी बाधा डालती हैं। संघर्ष प्रभावित देशों में लगभग 30 मिलियन बच्चे स्कूलों के बाहर हैं।[73] कम आर्थिक अवसरों के साथ कम शिक्षित युवा अतिवादी संगठनों के लिए भर्ती के सबसे आसान स्रोत बन जाते हैं। ये कार्य इंटरनेट से बहुत बेहतर तरीके अंजाम दिया जा रहा है। उदाहरण के लिए सोमालिया में अल शबाब के साथ युवाओं की हिस्सेदारी उच्च बेरोजगारी, अपर्याप्त शिक्षा और कमजोर राजनीतिक भागीदारी से संचालित है।[74]

महिला सशक्तिकरण

महिला सशक्तिकरण के लिए घर के अंदर और बाहर जीवन के हर क्षेत्र – वित्तीय, आर्थिक, राजनीतिक सामाजिक और सांस्कृतिक– में महिलाओं को स्वायत्तता की आवश्यकता है। लैंगिक समानता के मानदंडों में सुधार हो रहे हैं, लेकिन लैंगिक समानता उन देशों में वास्तविक सशक्तिकरण नहीं ला सकती जहां समग्र विकास कम है।

सामाजिक रूप से पुरुषों और महिलाओं के बीच संबंधों के निर्धारण के द्वारा भी लैंगिक समानता में सुधार हुआ है। राजनीतिक निर्णयों में महिलाओं की स्थिति बेहतर हुई है और कार्यस्थलों पर बनी शीशे की दीवार अगर अभी तक टूटी नहीं है तो कम से कम दरक रही है। बहुत से समाजों में रूढ़िवादी लैंगिक भूमिकाएं बदल रही हैं, जैसे कि घरों के अंदर जिम्मेदारियां बांटना।

फिर भी, जीवन के हर कदम में परस्पर मजबूत होती व्यवस्था द्वारा महिलाओं को सक्रिय रूप से कमजोर किया जा रहा है। उन्हें सामाजिक मान्यताओं, मानदंडों और सांस्कृतिक मूल्यों में पूर्वाग्रह रोक रहे हैं। वे आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक संरचना के साथ-साथ नीतिगत, संस्थागत और रणनीतिक रूप से भेदभाव का सामना कर रही हैं। प्रायः ही वे वास्तविक और महसूस की जाने वाली शारीरिक असुरक्षा से दो-चार होती हैं।

महिलाओं के खिलाफ हिंसा, जिसमें घरेलू हिंसा भी शामिल है, हर समाज और सभी आर्थिक-सामाजिक समूहों और यहां तक कि हर शिक्षित स्तर पर व्याप्त है। 2013 के एक वैश्विक विश्लेषण के अनुसार, एक तिहाई महिलाओं (35 प्रतिशत) को अपने शारीरिक व यौन अंतरंग साथी या गैर यौन अंतरंग साथी द्वारा यौन हिंसा का अनुभव करती है।[75] लेकिन कुछ देशों में तो ऐसी महिलाओं की संख्या 70 प्रतिशत तक बढ़ गई है।[76] अधिकांश हिंसा की घटनाओं की रिपोर्ट पुलिस तक पहुंच ही नहीं पाती। यूरोपीय संघ के सदस्य 28 देशों की 42,000 महिलाओं के साक्षात्कार से पता चला कि केवल 14 प्रतिशत महिलाओं ने ही अपने अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा की गंभीर घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज करवाई है और केवल 13 प्रतिशत महिलाओं ने अपने गैर अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा की घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज करवाई है।[77]

इस तरह की हिंसा की घटनाएं महिला सशक्तिकरण को प्रभावित करती हैं। मानव विकास पर इसके पूरे प्रभाव को मापना मुश्किल है, लेकिन वित्तीय मामले में इसे मापने के कुछ प्रयास किए गए हैं। आस्ट्रेलिया में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ घरेलू और गैर घरेलू हिंसा को लेकर एक अनुमान के मुताबिक एक वर्ष में 14 बिलियन डॉलर खर्च होते हैं। वियतनाम में महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा में सकल घरेलू उत्पाद 1.4 प्रतिशत आय के नुकसान और हिंसा के कारण से स्वास्थ्य पर भी किए जाने वाले खर्च, जो वापस नहीं मिलना है, को मिलाकर कुल हानि सकल घरेलू उत्पाद के 1.8 प्रतिशत तक होती है।[78]

झटके, असुरक्षा और जोखिम

कई समाजों, और विशेष रूप से गरीब समुदायों के लिए, मानव विकास को कई झटकों, कमजोरियों और जोखिम की वजह से कम आंका जाता है: जैसे कि आर्थिक और वित्तीय संकट, खाद्य पदार्थों की कीमत और खाद्य असुरक्षा में बढ़ोत्तरी, ऊर्जा के मूल्य में बढ़ोतरी, बढ़ते स्वास्थ्य जोखिम और महामारियां। इनमें से कोई भी मानव विकास को धीमा, वापस या फिर पूरी तरह पटरी से उतार सकता है, जैसा कि 2008–2009 के वित्तीय और आर्थिक संकट के समय साबित हुआ है। संकट आने की वजह से लैटिन अमेरिका में संभावना से अधिक 32 लाख लोग निर्धनता में जी रहे हैं।[79] वैश्विक स्तर पर 2014 में आशा से 61 मिलियन नौकरियां कम रहीं।[80]

हिंसक उग्रवाद और संघर्ष भी सामूहिक मानव विकास को धीरे-धीरे नष्ट करता है।

उभरते स्वास्थ्य जोखिम

गैरसंचारी (या स्थायी) बीमारियां एक वैश्विक स्वास्थ्य जोखिम बन गई हैं। साल भर में ये 38 मिलियन लोगों की जान लेती हैं, इनमें से तीन-चौथाई (28 मिलियन) लोग कम या मध्य आय वाले देशों के होते हैं। गैरसंचारी बीमारियों में सबसे ज्यादा मौतें हृदय रोग से (लगभग 18 मिलियन) हुई, इसके बाद कैंसर (8.2 मिलियन), श्वसन रोग (4 मिलियन) और मधुमेह (1.5 मिलियन) से।[81]

तंबाकू की वजह से लगभग 6 मिलियन लोगों की मौत एक साल में होती हैं, (इसमें धूम्रपान भी शामिल है) इस संख्या में 2030 तक और 8 मिलियन की वृद्धि का अनुमान है।[82] 2 मिलियन महिलाएं और बच्चे खाना पकाने के दौरान उत्पन्न धुंए से घर के अंदर वायु प्रदूषण से होने वाली बीमारी से समय पूर्व ही मर जाते हैं।[83]

हालांकि मोटापे से बचा जा सकता है और इसे कम किया जा सकता है लेकिन यह गैरसंचारी बीमारियों के बढ़ने की बड़ी वजह बन रहा है। पिछले 20 वर्षों में दुनिया भर में अधिक वजन या मोटापा एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या बन कर उभरी है, खासकर विकसित देशों में, लेकिन अब तो यह विकासशील देशों में भी, खासकर शहरी हिस्सों में, बढ़ रही है। दुनिया की कुल आबादी में कम से कम 30 प्रतिशत

या 2.1 बिलियन लोग अधिक वजन या मोटापे के शिकार हैं, इनमें से 62 प्रतिशत विकासशील देशों के हैं, जिनमें क्षेत्र के हिसाब से भारी अंतर है (रेखांकन 2.15)। अनुमान है कि 2030 तक अधिक वजन वाले बच्चों की संख्या दोगुनी हो जाएगी।[84]

गैरसंचारी बीमारियां केवल जीवनशैली का मामला नहीं रह गई हैं बल्कि यह निर्धनता और अभाव से भी गहराई से जुड़ी हैं। निर्धन लोग अक्सर कम कीमत, कम-पोषण वाले, उच्च प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का उपभोग करते हैं। इसलिए उनका भोजन काफी हद तक सूक्ष्म पोषक तत्वों के बिना कैलोरी से बना होता है। गैर संचारी रोगों का प्रसार स्वाभाविक तौर पर सामाजिक प्रभावों से जुड़ा है।

असंक्रामक (या पुरानी) बीमारियाँ एक वैश्विक स्वास्थ्य जोखिम बन गई हैं।

महामारी

वर्ष 2014 में इबोला वाइरस का गंभीर प्रकोप दिखा। इसी तरह मई 2015 के अंत तक कम से कम गिनी, लाइबेरिया और सिएरा लियोन में 11,000 मौतें हुई और 27,000 संभावित, संदिग्ध दर्ज और पुष्ट मामले सामने आए। इनसे 5,000 से अधिक बच्चे संक्रमित हुए और 16,000 बच्चों के एक या दोनों अभिभावक या देखरेख करने वाले नहीं रहे।[85]

स्कूल बंद होना, पहले अर्जित स्वास्थ लाभ को ख तरा पैदा होना और आर्थिक गिरावट इबोला के कुछ प्रभावों में से हैं। एक अनुमान के अनुसार गिनी, लाइबेरिया और सिएरा लियोन में कई महीने तक स्कूल बंद रहने से 5 मिलियन बच्चे शिक्षा से वंचित हो गए।[86] सिएरा लियोन में मलेरिया का इलाज करा रहे 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की संख्या में मई और सितंबर 2014 के बीच 39 प्रतिशत की कमी आई। लाइबेरिया में कुशल स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता की सहायता से बच्चों को जन्म देने वाली महिलाओं की संख्या 2013 के 52 प्रतिशत से गिरकर मई और अगस्त 2014 के बीच केवल 37 प्रतिशत रह गई।[87]

गिनी, लाइबेरिया और सिएरा लियोन पर इबोला की वजह से 2014 में कुल 500 मिलियन डॉलर का आर्थिक भार पड़ा, जो उनके संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद का लगभग पांच प्रतिशत था। 2015 में सकल घरेलू उत्पाद के 12 प्रतिशत से अधिक नुकसान का अनुमान था।[88] इसके अतिरिक्त, इन सभी देशों ने कृषि उत्पाद में कमी, संभावित खाद्य असुरक्षा, कम मजदूरी और बाहरी साझेदारों द्वारा निवेश की योजनाओं को रोक दिए जाने को झेला।

जलवायु परिवर्तन

दुनिया भर के कई समुदाय तेजी से जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभाव की चपेट में आते जा रहे हैं, इसमें जैवविविधता का नुकसान भी शामिल है। इसका ज्यादा प्रभाव उन पर पड़ा है जो ऊसर मृदा के और शुष्क क्षेत्रों वाले वाली ढलानों और वन पारिस्थितिकीय में हैं। अनुमान हैं कि 2002 इस भूमि में 1.3 बिलियन लोग रहते थे (50 वर्ष पहले की संख्या से दोगुने) और इस पर दबाव बढ़ता जा रहा है।[89] जलवायु परिवर्तन पर असर डालने वाली कार्बन डाइऑक्साइड का वैश्विक उत्सर्जन 1990 से 50 प्रतिशत बढ़ा है।[90]

जलवायु परिवर्तन ने इन कमजोरियों को बढ़ा

रेखांकन 2.15

अल्पपोषण और मोटापे की दर क्षेत्र के साथ बदलती है।

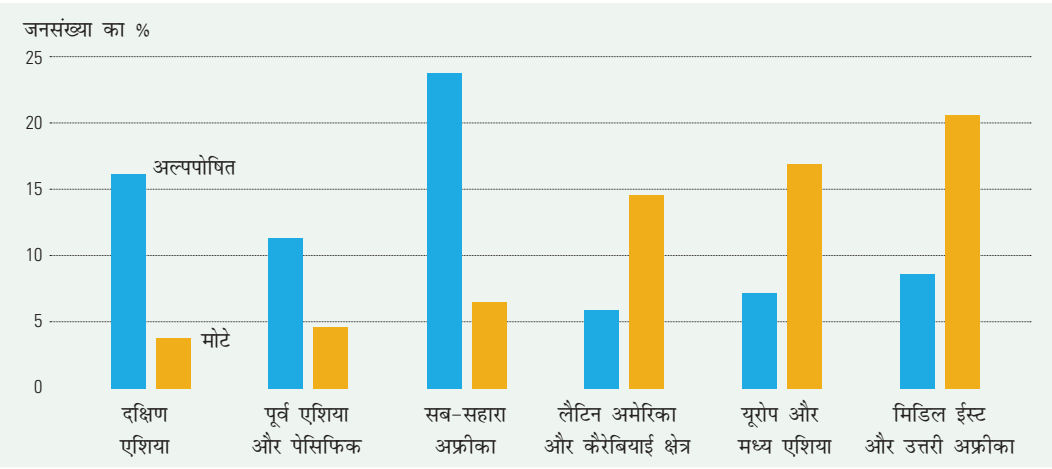

स्त्रोत : विश्व बैंक 2015a।

दिया है और वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के विकल्पों को सीमित कर दिया है। इसके प्रभाव सबसे गंभीर विकासशील देशों और उनके सबसे गरीब निवासियों पर पड़े हैं, जो प्राय: सबसे नाजुक पारिस्थितिकी वाले क्षेत्रों में रहते हैं और अपने जीवन और आजीविका के लिए सीधे तौर पर प्राकृतिक वातावरण पर निर्भर होते हैं। जलवायु परिवर्तन छोटे से द्वीप जैसे विकासशील देशों के लिए अस्तित्व का खतरा बन गया है।

जल की उपलब्धता पर जलवायु परिवर्तन का तीव्र प्रभाव पड़ेगा, जिससे अफ्रीका में 250 मिलियन लोगों पर पानी की कमी से दबाव पड़ सकता है। वर्ष 2020 तक कुछ देशों में वर्षा आधारित कृषि की पैदावार को सूखा आधा कर सकता है।[91] इससे पूरे सब-सहारा अफ्रीका और दक्षिण और पूर्वी एशिया में सूखा और बारिश में अंतर जोती गई फसल और उत्पादन में भारी नुकसान पहुंच सकता है।

हाल के दशकों में जलवायु परिवर्तन के स्वास्थ्य पर कुछ असर पहले ही दिखने लगे हैं। कुछ मध्य आय वाले देशों में वर्ष 2000 में 6 प्रतिशत मलेरिया के मामलों और दुनिया भर में 2.4 प्रतिशत आंत्रशोथ के मामलों के लिए इन परिवर्तनों को ही जिम्मेदार बताया गया था।[92] अन्य कारकों की 'कोलाहलपूर्ण' पृष्ठभूमि के कारण छोटे परिवर्तनों की पुष्टि मुश्किल हो जाती है। लेकिन एक बार पहचान हो जाए तो अनौपचारिक आरोपण के मामलों को विभिन्न जनसंख्या वाली स्थितियों में इसी तरह के निरीक्षणों से मजबूती मिलती है।

मानव स्वास्थ्य में परिवर्तन के प्रथम चिन्ह कुछ संक्रामक रोगों की भौगोलिक सीमा (अक्षांश और ऊंचाई) और मौसम में परिवर्तन हो सकता है, इसमें मलेरिया और डेंगू बुखार जैसे अप्रत्यक्ष रूप से प्रसारित होने वाले रोग और जैसे सलमोनेलोसिस जैसे खाद्य जनित संक्रमण शामिल हैं, जो आम तौर पर गर्म महीनों में अपने चरम पर होते हैं। औसत गरम तापमान के साथ मिलकर बढ़ी हुई जलवायु परिवर्तनशीलता ऊष्मीय चरम के ढांचे को बदल सकती है जिससे सर्दी और गर्मी दोनों में स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ सकते हैं।

इसके विपरीत भौतिक खतरों, भूमि हानि, आर्थिक व्यवधन और नागरिक संघर्ष की वजह से प्राकृतिक और प्रबंधित खाद्य उत्पादक पारिस्थितिक तंत्र में गड़बड़ी, समुद्र का जलस्तर बढ़ने और आबादी विस्थापन जैसे सार्वजनिक स्वास्थ्य पर असर कई दशकों तक स्पष्ट नहीं होंगे।

लाखों लोग प्राकृतिक आपदा से भी प्रभावित हैं। वर्ष 2003 से 2013 के बीच औसतन प्रति वर्ष 388 प्राकृतिक आपदाएं आई, इनसे 216 मिलियन लोग प्रभावित हुए और 1,06,654 लोगों की मौतें हुई। लेकिन बीते 16 वर्षों के दौरान 330 आपदाओं के साथ वर्ष 2013 प्राकृतिक आपदाओं के सबसे निचले स्तर पर रहा, इनसे 97 मिलियन लोग प्रभावित हुए और 21,610 लोगों की मौतें हुई। इसी तरह वर्ष 2003-2013 के वार्षिक औसत के हिसाब से क्षति भी औसतन 157 बिलियन डॉलर की अपेक्षा 119 बिलियन डॉलर के साथ कम रही। वर्ष 2013 में मौतों की संख्या के लिहाज से 10 सर्वाधिक प्रभावित देशों में निम्न या निम्न-मध्य आय वाले देश पांच थे।[93] एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2008 से प्रति सेकेंड एक व्यक्ति किसी आपदा के कारण विस्थापित होता है। अकेले वर्ष 2014 में ही 19.3 मिलियन लोग अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर हुए।[94]

मानव विकास- भविष्य की ओर देखना

मानव विकास का रिकॉर्ड मिश्रित है - यहां तक कि पूरी तरह असमान क्षेत्रों, देशों और समूहों के बीच भी। कई मोर्चे पर प्रभावशाली प्रगति के बावजूद उल्लेखनीय अभाव मौजूद हैं, ये सभी चीजें मानव विकास के सामने चुनौतियां पेश करती हैं। इस अध्याय के अंत में सारणी। 2.1 में मानव प्रगति और अभाव पर एक बैलेंसशीट पेश की गई है।

इस गतिशीलता को एक बदली हुई दुनिया के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। आज की दुनिया 1990 की दुनिया से काफी अलग है, जब देशों द्वारा मानव विकास की धारणा और उसका आकलन करने के लिए अपने उपायों को मानव कल्याण के रूप में शुरू किया गया। अब विकास का कैनवास बदल गया है, वैश्विक विकास के केंद्र अब खिसक गए हैं, महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय बदलावों को समझ लिया गया है और विकास की नई चुनौतियां उभर गई हैं।

जलवायु परिवर्तन वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए विकल्पों की बेड़ी है।

मानव विकास की धारणा को बदलती दुनिया में उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक प्रासंगिक विश्लेषणात्मक आधार तैयार करने के लिए संदर्भ में तैयार करने की जरूरत है। व्यक्तिगत और सामूहिक क्षमताओं और विकल्प, विभिन्न स्थितियों में उनकी संभावित दुविधा, ऐसे विकल्पों के बीच संभावित क्रम, अंतरपीढ़ीगत (वर्तमान और भविष्य की पीढ़ी दोनों के लिए) विकल्प और क्षमताएं (जो स्थायित्व की धारणा को प्रदर्शित करती हैं) और सदमे तथा कमजोरियों की स्थिति के बीच मानव विकास के मुद्दों पर पुनर्विचार करना होगा और वर्तमान ढांचे को दोबारा मजबूत करने और भविष्य के लिए प्रासंगिक बनाना होगा।

इनमें से कुछ मुद्दों पर पहले से ही सोच-विचार शुरू हो गया है। मानव कल्याण (खास तौर से सापेक्ष कल्याण और खुशी के रूप में) की नई धारणाओं को प्रस्तावित कर दिया गया है और इसे मापने के लिए वैकल्पिक उपाय तैयार कर लिए गए हैं (बॉक्स 2.3)। यहां तक कि मानव विकास के उपायों के लिए, कई नए तरीकों का प्रयोग जिनमें से कुछ राष्ट्रीय मानव विकास रिपोर्ट में हैं (उदाहरण

के लिए, भारत के मध्य प्रदेश में बाल मृत्यु दर का उपयोग मानव विकास सूचकांक की गणना में एक लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए संकेतक के रूप में उपयोग किया गया है)।

उपर्युक्त विवेचना बस यह है कि बदली हुई दुनिया में मानव कल्याण के आकलन को 25 साल पहले विकसित किए गए से आगे जाना होगा। क्योंकि विश्व 2015 के पश्चात विकास एजेंडा और सतत विकाल लक्ष्यों, सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों की जगह लेने वालों पर चर्चा कर रहा है। इसलिए मानव कल्याण के आकलन और निगरानी के लिए नए उपायों और उपकरणों की खोज और स्पष्ट हो गई है। इन कार्यक्रमों और लक्ष्यों के आने वाले सालों में मानव विकास के समक्ष आने वाली चुनौतियों और कमियों पर काबू पाने के प्रयासों को संबल देने की उम्मीद है, लेकिन निगरानी के लिए नए, नूतन और प्रासंगिक उपकरणों की आवश्यकता है। पर्यावरणीय स्थिरता को मापना और मानव कल्याण के लिए समग्र उपायों के साथ इसे करना प्राथमिकताएं हैं।

तीन अन्य चुनौतियों का भी सामना करने की जरूरत है। सबसे पहले, उपायों और संकेतक की पहचान की जानी है ताकि नीतिगत उपायों के प्रभावों को जल्द ही हासिल किया जा सके। दूसरा, उपलब्ध उपाय प्राय: झटके और कमजोरी के समय मानव कल्याण के आकलन करने के लिए अपर्याप्त हैं; ऐसे उपायों और संकेतकों पर विचार किया जाना चाहिए जो झटकों और कमजोरियों के प्रभावों को समझ सकें और पूर्वानुमान लगा सकें। तीसरा, त्वरित नीति मार्गदर्शन प्रदान करने के उपायों का पता लगाया जाना है।

इन सभी उपायों के लिए मजबूत, सुसंगत और विश्वसनीय आंकड़ों की आवश्यकता होगी। इसका ख्याल रखते हुए और यह ध्यान में रखते हुए कि 2015 के पश्चात विकास कार्यक्रम एजेंडा और सतत विकास लक्ष्यों की तरह एक बहुत अधिक महत्वाकांक्षी अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम पर विचार किया जा रहा है, 2014 में संयुक्त राष्ट्र सचिव द्वारा बुलाई गई 2015 के पश्चात विकास एजेंडे के उच्च स्तरीय पैनल ने डाटा क्रांति का आह्वान किया था। इसमें जोर दिया गया कि 2015 के पश्चात विकास कार्यक्रम के संदर्भ में किसी को भी पीछे न छोड़ा जाए और इस एजेंडे की प्राप्ति की प्रगति की निगरानी की जाए। तीन मुद्दों पर प्रकाश डालना आवश्यक है:

- पहला, वास्तविक समय के आंकड़ों की पर्याप्त मात्रा कुछ चीजों के लिए बेहतर जानकारी प्रदान कर सकती है, जैसे कि गरीबी के मुहाने पर मौजूद लोगों को मुख्य फसल की कीमत में वृद्धि गैरआनुपातिक ढंग से प्रभावित करेगी। सेंसर, उपग्रह और अन्य उपकरण गतिविधियों और कमजोरियां पर वास्तविक समय के आंकड़े तैयार करते हैं- उदाहरण स्वरूप, अफ्रीका में टिन की छतों की छवियों के माध्यम से वनों की कटाई, शहरीकरण, बाढ़ और निर्धनता की सूची तैयार की जा सकती है।
- दूसरा, 'भारी आंकड़े' का विश्लेषण तुरंत बेहद प्रासंगिक जानकारी का उत्पादन कर सकने में सक्षम हैं जो अब तक जनसंख्या गणना के अलावा अकल्पनीय है।[95] उदाहरण के लिए, किसी भी अनजान मोबाइल फोन के आंकड़े से जनता के प्रवाह को दिखाया जा सकता है और इसका शहरी नियोजन में इस्तेमाल किया जा सकता। इंटरनेट पर लाखों लोगों द्वारा खोज और सोशल मीडिया पर उपयोगकर्ताओं की पोस्ट के चलन लोगों की राय और प्राथमिकताओं के बारे में अंदरूनी जानकारी देते हैं। 'भारी आँकड़ों' में क्षमता है जिसको महत्वपूर्ण संकेतकों के माप सहित विविध उपयोगों, व्यवहार प्रवृत्तियों को अधिकृत करने, स्वास्थ्य संबंधी महामारी की निगरानी और नीति निर्माण की प्रभाव पर वास्तविक समय प्रतिक्रिया (रियल टाइम फीड बैंक) प्रदान करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।[96]

मानव विकास की धारणा को बदलती दुनिया में उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए प्रासंगिक होने की आवश्यकता है।

बॉक्स 2.3

मानव कल्याण के वैकल्पिक उपाय।

पिछले 15 वर्षों या जनता को जानकारी देने और बहस को विस्तार देने लिए कई राष्ट्रीय सरकारों ने राष्ट्रीय कल्याण पर व्यापक रिपोर्ट जारी की हैं। इनमें से सबसे पहले आस्ट्रेलिया, आयरलैंड और ब्रिटेन से पहल की गई हैं। मानव विकास सूचकांक के साथ समग्र संकेतक का उपयोग करने के बजाय आम तौर पर उन्होंने व्यक्तिगत संकेतकों के संग्रह को शामिल किया है।

अन्य देशों ने कल्याण या खुशी के व्यक्तिपरक उपायों का समर्थन किया। उदाहरण के लिए भूटान में एक सकल राष्ट्रीय खुशी सूचकांक में है। ब्रिटेन केवल अपने जीडीपी के बारे में बात नहीं करता, बल्कि जीडब्ल्यूबी- आम कल्याण के बारे में बात करता है। इसमें कल्याण के कई पहलुओं के बारे में लोगों की भावनाओं के सार को दिखाने वाली एक संख्या को पैदा करना शामिल है। इससे कारकों पर जोर दिए जाने की जरूरतों से बचा जा सकता है लेकिन यह आंकड़ों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है और अन्य देशों से तुलना को कठिन बना देता है।

कल्याण के इन सभी दृष्टिकोणों का सरकार, शिक्षा, नागरिक समाज के कई प्रकार के कर्ताओं के अलावा अन्य भी प्रयोग कर रहे हैं।

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

प्रतिदिन मोबाइल फोन से 294 बिलियन ईमेल भेजते हैं, फेसबुक पर 1,00,000 गीगाबाइट97 आंकड़े अपलोड करते हैं, 230 मिलियन ट्वीट करते हैं तथा 1.3 बिलियन गीगावाइट आंकड़े भेजते और प्राप्त करते हैं। कुछ अनुमानों के अनुसार अगर यह चलन जारी रहा तो आज की अपेक्षा 2035 में 100 बिलियन गुना अधिक आंकड़े पैदा होंगे।[98]

इस तरह के आंकड़े एक लगातार जटिल होती दुनिया में कार्य-कारण संबंध की समझ का विस्तार कर रहे हैं और कुछ मानवीय स्थितियों में तेजी से प्रतिक्रिया करने को लेकर सक्षम बना रहे हैं। लेकिन इस तरह के आंकड़ों के जोखिम भी हैं- जहां गोपनीयता और गुमनामी का पूरी तरह ध्यान नहीं रखा जाता, वहां इन आंकड़ों का प्रयोग नुकसान करने के लिए भी किया जा सकता है। गोपनीयता और सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर स्पष्ट होने के बावजूद कई शोधकर्ता इसमें लगे हुए हैं कि इस भारी मात्रा में जानकारी- जो दुर्घटनावश और जानबूझकर दोनों तरह से अपना दैनिक जीवन बिताने वाले अरबों लोगों से एकत्र की जा रही है- की पहचान कैसे की जाए, जो स्थायित्व लाने में मदद कर सकती है और जीवन को बेहतर करने के लिए अंदरूनी जानकारी प्रदान कर सकती है।

- तीसरा, कई देशों में जनगणना के लिए आंकड़ों के संग्रह के लिए पारंपरिक और नए तरीकों को मिलाकर इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें प्रशासनिक रजिस्टरों से लेकर मोबाइल उपकरण तक, भू-स्थानिक सूचना प्रणाली और इंटरनेट का प्रयोग तक शामिल है। नई तकनीकों से जन्म पंजीकरण में लाभ हुआ है: अल्बानिया, पाकिस्तान और अन्य देशों में भू-मान रेखांकनण तकनीकों से जन्म पंजीकरण आंकड़े इकट्ठा करने और देखने में मदद मिली है।

इस बदले हुए और बदलते विश्व में, विकास के एक नए कार्यक्रम और नए विकास लक्ष्यों के साथ मानव प्रगति गंभीर रूप से मानव जाति द्वारा कार्य पर निर्भर होगी। उपलब्ध मानव क्षमता का पूरा उपयोग मौजूदा मानव विकास घाटे पर काबू पाने और मानव विकास को लेकर उभरती चुनौतियों का सामना करने में एक महत्वपूर्ण घटक होगा। इसे कार्य की एक बदलती दुनिया में ही किया जाना है- जिस पर अगले अध्याय में ध्यान केंद्रित है।

कई देशों में आंकड़े संग्रह संयुक्त पारंपरिक और नए तरीकों से किया जाता है।

सारणी A 2.1

मानव विकास बैलेंस सीट

प्रगति	अभाव
स्वास्थ्य	
• 2015 में वैश्विक बाल मृत्युदर गिरकर 1990 के दर से आधी हो गई है, यह प्रति 1000 जीवित जन्म पर 90 बच्चों की मौत से गिरकर 43 रह गई है- या 12.7 मिलियन से गिरकर 6 मिलियन हो गई है। • 1990 और 2013 के बीच वैश्विक मातृ मृत्यु अनुपात, 45 प्रतिशत गिरा, प्रति 1,00,000 जीवित जन्म पर 380 से गिरकर 210 पर आ गया है। • 1995 और 2013 में तपेदिक की रोकथाम के बीच, निदान और इलाज के उपायों से दुनिया भर में 37 लाख लोगों की जान बचाई गई। वर्ष 2000-2015 के बीच मलेरिया को लेकर हस्तक्षेप किए जाने से 62 लाख लोगों की जान बचाई जा सकी और 2000 से, एचआईवी के लिए वैश्विक प्रतिक्रिया से 30 लाख नए संक्रमण से लोगों को बचा लिया गया है।	• 2015 में दुनिया भर में लगभग 6 लाख बच्चों की 5 साल की उम्र तक पहुंचने से पहले मृत्यु हो गई। लगभग 3 लाख उन बच्चों की मृत्यु के उनके जीवन के 28 दिनों के भीरत हुई। • 2013 में लगभग 2,90,000 महिलाओं की दुनिया भर में गर्भावस्था और बच्चे के जन्म संबंधित कारणों से मृत्यु हुई। • 2015 में दुनिया भर में मलेरिया के 214 मिलियन मामले दुनिया भर में हुए, और इस बीमारी ने 4,72.000 लोगों को मार डाला। 2013 में 11 मिलियन लोग तपेदीक के शिकार थे। एक अनुमान के अनुसार 2014 में 37 मिलियन लोग एचआईवी संक्रमित थे।
शिक्षा	
• वैश्विक युवा साक्षरता दर (उम्र 15-24) 1990 में 83 प्रतिशत से बढ़कर 2015 में 91 प्रतिशत हो गई। वयस्क साक्षरता दर (उम्र 15 से अधिक) 76 प्रतिशत से बढ़ कर 86 प्रतिशत हो गई। • 1990 और 2015 के बीच प्राथमिक शिक्षा में सभी क्षेत्रों में बच्चों का नामांकन बढ़ा है- और अफ्रीका के सब सहारा में दोगुने से अधिक हो गया है।	• वर्ष 2012 में दुनिया भर में 780 मिलियन वयस्क निरक्षर थे, इसी तरह 2015 में भी 103 मिलियन युवा निरक्षर हैं। • दुनिया भर में 57 मिलियन बच्चे प्राथमिक शिक्षा की उम्र में स्कूल से बाहर हैं। प्रति छह में से एक किशोर (उम्र 14-16) अपनी प्राथमिक शिक्षा भी पूरी नहीं कर पाया।
महिला सशक्तीकरण	
• 42 देशों की राष्ट्रीय संसद में कम से कम एक सदन में 30 प्रतिशत से अधिक हैं।	• वैश्विक स्तर पर 24 प्रतिशत महिलाएं पुरुषों से 24 प्रतिशत कम आय करती हैं और लगभग 50 प्रतिशत महिलाएं असुरक्षित रोजगार में है।
बुनियादी सामाजिक सेवाओं तक पहुँच	
• 1990 के बाद से 2.6 बिलियन लोगों के लिए शुद्ध पेयजल के स्रोत तक पहुंच वास्तविकता बन गई है। • 1990 और 2012 के बीच लगभग 2.1 बिलियन अतिरिक्त लोगों की दुनिया भर में स्वच्छता की सुविधा तक पहुंच बनी है।	• दुनियाभर में 663 मिलियन लोग अशुद्ध स्रोत से पानी लेते हैं। • 2015 में, दुनियाभर में 2.4 बिलियन लोग शुद्ध स्वच्छता की सुविधा का उपयोग नहीं कर पाते और 946 मिलियन लोग खुले में शौच करते हैं।
आय और निर्धनता	
• 1990 और 2015 के बीच विकासशील देशों में प्रतिदिन 1.25 डॉलर से कम में गुजारा करने वाले लोगों की संख्या 1.9 बिलियन से कम हो कर 836 मिलियन रह गई है। • अल्पपोषित लोगों की संख्या- वैसे लोग जो नियमित रूप से सक्रिय व स्वस्थ जीवन के लिए पर्याप्त खाद्य नहीं पाते थे, वैसे लोगों की संख्या विकासशील देशों में कम हुई है और यह संख्या 1990-92 में जहां 23.3 प्रतिशत थी वहीं 2014-2016 में 12.9 प्रतिशत हो गई हैं। 5 वर्ष से कम उम्र के कमजोर बच्चे 1990 में 40 प्रतिशत थे, जो 2013 में यह संख्या गिर कर 25 प्रतिशत रह गए। • प्रति व्यक्ति दुनिया के सकल राष्ट्रीय आय में इजाफा हुआ है, 1990 में पीपीपी 8.510 डॉलर था तो 2013 में पीपीपी 13.551 डॉलर हो गई।	• वर्ष 2013 में विकासशील देशों में लगभग 379 मिलियन लोग कार्य तो करते हैं लेकिन 1.25 डॉलर प्रतिदिन से कम में दिन का गुजारा करते हैं। • वर्ष 2014-2016 में लगभग 795 मिलियन लोग दुनियाभर में और इनमें 780 मिलियन लोग विकासशील देशों में रहते हैं और लंबे समय से भूख से जूझ रहे हैं। दुनियाभर के हर सात में एक बच्चा- एक अनुमान के मुताबिक 5 वर्ष से कम उम्र के 90 मिलियन बच्चे कुपोषण के शिकार है और वर्ष 2015 में हर चार में से एक बच्चा कमजोर है। • वर्ष 2014 में दुनिया के लोगों में सबसे अमीर 1 प्रतिशत लोगों के पास वैश्विक संपत्ति का 48 प्रतिशत है, वर्ष 2016 में यह 50 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा।
सहभागिता	
• वर्ष 2015 के अंत तक दुनिया भर में 7.1 बिलियन लोग मोबाइल का और 3.2 बिलियन लोग इंटरनेट का उपयोग करने वाले होंगे। वर्ष 2014 के अंत तक प्रति माह एक बिलियन से अधिक सक्रिय फेसबुक उपयोगकर्ता थे और ट्विटर पर प्रति माह 300 मिलियन से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ता थे।	• वर्ष 2015 में दुनिया के 7.3 बिलियन लोगों में से लगभग 4 बिलियन लोग जिनमें से अधिकांश विकासशील देशों में रहते हैं, की पहुंच इंटरनेट तक नहीं है। आम तौर पर दुनिया के सबसे निर्धन और सबसे वंचित आबादी संपर्क में नहीं हैं।
पर्यावरण स्थिरता	
• वर्ष 2000 और वर्ष 2010 के बीच जंगल में वैश्विक शुद्ध नुकसान 83 लाख हेक्टेयर प्रति वर्ष के औसत से गिर 5.2 हेक्टेयर प्रति वर्ष रह गया है, वनीकरण और वनों का प्राकृतिक विस्तार की वजह से हुआ है। • दुनिया लगभग ओजोन परत को कमजोर बनाने वाले पदार्थों को खत्म कर चुकी है, जिनकी खपत में 1986 और 2013 के बीच 98 प्रतिशत की गिरावट आई है।	• दुनिया की लगभग 1.3 बिलियन आबादी पारिस्थितिकीय रूप से भुरभुरी भूमि पर रहती है। • 1990 और 2013 के बीच कार्बनडाइऑक्साइड के वैश्विक उत्सर्जन में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। • पूरी दुनिया के 40 प्रतिशत से अधिक लोग जल संकट के प्रभावों से जूझ रहे हैं।

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

अध्याय 3

कार्य की बदलती दुनिया

लेखाचित्र : वैश्वीकरण और डिजीटल क्रांति कार्य को बदल रहे हैं।

a. दुनिया की 72 प्रतिशत जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने वाले देशों में किए गए सर्वे के आंकड़ों को दर्शा रहा है।
b. कलील और मिलर 2015।

3.

कार्य की बदलती दुनिया

इतिहास के दौरान कार्य की प्रवृत्ति विकसित हुई है। सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक ढांचों में परिवर्तन ने कब और कहां कार्य करना है, क्या वस्तुएं और सेवाएं प्रदान की जानी हैं और कार्य को व्यवस्थित कैसे करना है को बदल दिया। मानव विकास पर असर विविध प्रकार के और जटिल रहे हैं। कुछ सबसे अधिक नाटकीय बदलाव 18वीं शताब्दी में यूरोप में औद्योगिक क्रांति (बॉक्स 3.1) के साथ शुरू हुए।

आज, कार्य में बदलाव वैश्वीकरण और तकनीकी क्रांतियों से संचालित होते हैं, विशेषकर डिजिटल क्रांति- यांत्रिक से डिजिटल तकनीक की ओर बदलने से। पूरी दुनिया में श्रमिक और कर्मचारी व्यापार और स्थानांतरण के जटिल जाल से लगातार एक-दूसरे से जुड़ रहे हैं जबकि आर्थिक पूंजी तुरंत सीमा पार चली जाती है। समय के साथ कंपनियों ने पुनर्गठन किया और अपने उत्पादन प्रक्रिया को फैला लिया। सस्ती मजदूरी और अन्य लागतों का फायदा उठाते हुए और कुछ मामलों में उभरते बाजारों के नजदीक जाकर संचालन करते हुए, उन्होंने अपनी गतिविधियों को दुनिया भर में कई इकाइयों में बांट लिया है, उन्हें ऐसे देशों में रखा है जो न सिर्फ कम मजदूरी उपलब्ध करवा रहे हैं बल्कि आवश्यक कौशल और आधारभूत ढांचा भी।

पिछले 30 साल से एक बदलावकारी शक्ति, वैश्वीकरण ने दुनिया भर में परस्पर निर्भरता को बढ़ाया है, जिसका व्यापार के तरीकों, निवेश, वृद्धि और नौकरी के मौके देने और खत्म करने, के साथ ही रचनात्मक और स्वेच्छा से कार्य करने वालों के नेटवर्क पर असर पड़ा है। ऐसा लगता है कि हम एक नई और तेज गति की तकनीकी क्रांति के बीच जी रहे हैं- या एक ही समय बहुत सारी क्रांतियों के बीच।

ये नई तकनीकी क्रांतियां श्रम बाजारों और कार्यस्थलों में अनुबंध और उप-अनुबंध के नए तरीकों, कार्य की नई शर्तों और नए व्यवसायों और सांगठनिक ढांचों के द्वारा मजदूरी और उत्पादकता को बदल रही हैं। ये सभी क्षेत्रों में श्रम की मांग के वितरण को प्रभावित कर रही हैं, जिसका ढांचागत बदलाव की प्रक्रिया पर असर पड़ रहा है। ये कुछ क्षेत्रों और उपक्रमों में कार्य की मात्रा और गुणवत्ता को प्रभावित कर रही हैं और इसके साथ ही सभी स्तरों पर आय और संपत्ति के वितरण को भी। और ये रचनात्मकता और खोज के लिए नए मौके पैदा कर रहे हैं और कुछ हद तक ऐसे कार्य को भी सबके सामने ला रहे हैं, जिसके लिए भुगतान नहीं किया गया है। बदलाव की यह गति धीमी नहीं पड़ी है- अगले 20 साल में कार्य, कार्यस्थल में लगातार क्रांति होती रहेगी जिसमें जटिलता, अनिश्चितता और अस्थिरता के चिन्ह होंगे।

इस पृष्ठभूमि में एक महत्वपूर्ण सवाल है: मानव विकास के लिए इन सब स्वरूपों का क्या अर्थ है? और इससे भी आवश्यक: क्या श्रमिक, कर्मचारी और नीति निर्माता कार्य की उभरती दुनिया की चुनौतियों का सामना करने को तैयार हैं. ऐसी दुनिया में, विशिष्ट तकनीकी जानकारी बहुत जल्द ही पुरानी पड़ जाती है और बीते कल की नीतियां और नियम संभवत: आज और आने वाले कल की चुनौतियों का सामना न कर पाएं। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय, शिक्षा प्रदाता और नीति निर्माता इन तीव्र बदलावों से ताल मिलाने को मजबूर हैं, ताकि बदलावों के चलन का अहसास कर सकें और उन्हें ऐसी ठोस रणनीतियों और नियमों में बदल सकें जो अधिक कार्य दे सके- और अच्छी गुणवत्ता का कार्य- वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए। श्रमिकों को पारंपरिक तरीकों और सामूहिक संगठन को लेकर नई तरह की प्रतियोगिता और चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

विकास के पारंपरिक रास्ते आज कम व्यवहार्य लगते हैं। इसलिए भविष्य पर पकड़ बनाना किस्मत या इत्तेफाक का खेल नहीं है- यह कौशल, दूरदर्शिता और समझ का मामला है।

कार्य में संरचनात्मक बदलाव

पिछली सदी के दौरान विकसित अर्थव्यवस्थाओं में विकास कमोबेश एक रेखा पर रहा है। गतिविधि कृषि से उद्योग और फिर सेवा की ओर बढ़ी हैं। आर्थिक गतिविधि का क्षेत्रवार वितरण जीडीपी के हिस्से में मूल्य संवर्धन और क्षेत्रवार रोजगार, दोनों में दिखा है। आज के कुछ चलन यह सवाल उठाते हैं कि एक ही दिशा में बढ़ने की यह प्रवृत्ति क्या अन्य श्रमिकों और अर्थव्यवस्थाओं के लिए भी कारगर होगी।

पारंपरिक रास्ते आज विकास करने के लिए कम व्यवहारिक लगते हैं

पहला तो, अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र के हिस्से के निरंतर कम होने के बावजूद बहुत से श्रमिक अब भी कृषि क्षेत्र में हैं, विशेषकर दक्षिण एशिया और अफ्रीका के उप-सहारा इलाके में। अन्य शब्दों में, हालांकि अर्थव्यवस्थाओं के लिए कृषि का महत्व कम हो रहा है- 2010 में यह जीडीपी का महज 3.1 प्रतिशत था- श्रमिकों के लिए कृषि का महत्व, गिरावट के बावजूद, बहुत अधिक है- 2010 में विश्व के श्रम बाजार का 33.1 प्रतिशत कृषि क्षेत्र में कार्य करता था (रेखांकन 3.1)।[1] दूसरे, उद्योग में रोजगार वृद्धि और आर्थिक गतिविधियां पिछले कुछ सालों में ढीली रही हैं। उद्योग में वैश्विक मूल्य 1995 में जीडीपी के 32.8 प्रतिशत से गिरकर 2010[2] में 26.9 प्रतिशत रह गया और रोजगार मात्र 1.2 प्रतिशत अंक बढ़ा।[3] तीसरे, सेवा क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और बहुत से लोगों को वहां रोजगार

बॉक्स 3.1

कार्य का एक संक्षिप्त इतिहास

एक समय मानव सभ्यता में किसान और पशुपालक थे। हॉब्स के अनुसार जिंदगी, ''बुरी, पाशविक और छोटी थी।'' कर और अन्य आवश्यकता की चीजें वसूलने वाले मुखिया, जमींदार और राज्य निर्दयी थे। बहुत से लोग खेतिहर थे या गुलाम, जिन्हें कोई स्वतंत्रता या सम्मान प्राप्त नहीं था, वह कुछ किस्मत वाले लोगों के लिए था। निर्धनता और अन्याय आम बात थी।

फिर औद्योगिक क्रांति हुई। आदमी और औरतों के झुंड ग्रामीण इलाकों से कस्बों में पहुंचने लगे ताकि फैक्ट्रियों की श्रमिकों की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। यातायात, कपास के कपड़ों, लोहे और स्टील में नई तकनीक ने लगातार श्रमिकों के उत्पादन को बढ़ाया। लेकिन दशकों तक दमघोंटू परिस्थितियों में कई घंटों कार्य करने वाले श्रमिकों को इसके फायदे नहीं मिले। वह छोटे घरों में ठुंसकर रहते रहे और उनकी आमदनी में मामूली ही बढ़ोत्तरी हुई।

अंतत: पूंजीवाद ने खुद को बदला और इसके फायदों को अधिक व्यापक रूप से बांटा जाने लगा। ऐसा कुछ इसलिए भी हुआ क्योंकि क्योंकि ग्रामीण इलाकों से श्रमिकों के आने का सिलसिला बंद होने से मजदूरी स्वाभाविक रूप से बढ़ने लगी। लेकिन इतना ही महत्वपूर्ण यह था कि श्रमिक संगठित हो गए और उन्होंने अपने अधि कार मांगने शुरू कर दिए। मात्र उनके अपने दुखों की वजह से उनकी मांग ने जोर नहीं पकड़ा। आधुनिक औद्योगिक उत्पादों की स्थितियों की वजह से भी उच्च वर्ग के लिए आम तौर पर प्रयोग की जाने वाली अपनी फूट डालो और राज करो की रणनीति पर जोर देना संभव नहीं रहा। कई प्रमुख शहरों में केंद्रित फैक्ट्रियों की वजह से श्रमिकों के बीच सामंजस्य, सामूहिक लामबंदी और हिंसक आंदोलन को बढ़ावा मिला।

क्रांति के डर से उद्योगपतियों ने समझौता कर लिया। श्रमिक वर्ग को राजनीतिक अधिकार और मतदान का अधिकार दे दिए गए और इस तरह लोकतंत्र ने पूंजीवाद पर काबू कर लिया। राज्य के आदेशानुसार या समझौते के अनुरूप कार्यस्थलों में कार्य की शर्तें बेहतर हुईं, कार्य के घंटे कम किए गए, सुरक्षा उपाय बढ़ाए गए और छुट्टियों, परिवार के स्वास्थ्य की देखरेख और अन्य फायदे मिलने लगे। शिक्षा और प्रशिक्षण में सार्वजनिक धन के निवेश से श्रमिक अधिक उत्पादक हुए और अपनी मर्जी का कार्य चुनने को स्वतंत्र हुए। उद्यम की बचत में श्रमिकों का हिस्सा बढ़ा। फैक्ट्री की नौकरियों ने शारीरिक श्रम का कार्य उपलब्ध करवाया और एक मध्यवर्ग का उदय हुआ, जिसमें जीवन को बेहतर बनाने की गुंजाइश थी।

तकनीकी प्रगति ने औद्योगिक पूंजीवाद को बढ़ाया लेकिन अंतत: इसे खोखला भी कर दिया। निर्माण उद्योग में श्रमिकों की उत्पादकता अर्थव्यवस्था के किसी भी दूसरे क्षेत्र के मुकाबले काफी तेजी से बढ़ी। इसका अर्थ यह हुआ कि उच्च गुणवत्ता के स्टील, कार या इलेक्ट्रॉनिक्स का उत्पादन बहुत कम श्रमिकों द्वारा किया जा सकता था। द्वीतीय विश्वयुद्ध के बाद सभी विकसित औद्योगिक देशों में कुल रोजगार में निर्माण क्षेत्र का हिस्सा लगातार कम होता रहा। कर्मचारी सेवा उद्योग- शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन और सार्वजनिक प्रबंधन- की ओर चले गए। इस तरह उद्योग-के बाद वाली अर्थव्यवस्था का जन्म हुआ।

कुछ लोगों के लिए कार्य सुखद हो गया लेकिन सबके लिए नहीं। जिनके पास कौशल, पूंजी और उद्योग-के बाद के समय में समृद्ध होने की समझ थी सेवा क्षेत्र ने उनके लिए असीमित अवसर खोल दिए। बैंकरों, परामर्शदाताओं, अभियंताओं को बहुत ऊंचा वेतन मिलता था। इतना ही महत्वपूर्ण यह था कि ऑफिस में कार्य किए जाने से एक स्तर तक आजादी और निजी स्वतंत्रता मिली जो फैक्ट्री में कार्य किए जाने में प्राप्त नहीं होती थी। कार्य करने के घंटे अधिक हो सकते थे- फैक्ट्री में कार्य करने के मुकाबले अधिक- लेकिन सेवा क्षेत्र के पेशेवरों का अपने दैनिक जीवन और कार्यस्थल में निर्णयों पर अधिक नियंत्रण था। शिक्षकों, नर्सों और बैरों को उतना अच्छा भुगतान नहीं होता था लेकिन वह भी फैक्ट्री के अंदर किए जाने वाले नीरस मशीनी कार्य से मुक्त थे।

हालांकि उद्योग-के बाद की अर्थव्यवस्था ने एक नई खाई पैदा की, उन लोगों जिनके पास सेवा क्षेत्र में अच्छी नौकरी- स्थाई, अच्छी कमाई और प्रतिफल वाली- और उनके बीच जिनकी नौकरियां खराब थीं- अस्थाई, कम कमाई वाली और असंतोषजनक। दो चीजें दो तरह की नौकरियों के मिश्रण को तय करती हैं और उस असमानता के स्तर को भी जिसे उद्योग-के बाद के बदलाव ने पैदा किया है। पहला, श्रम शक्ति का शिक्षा और हुनर का स्तर जितना अच्छा होगा सामान्यत: उतना ही अच्छा वेतन होगा। दूसरा, सेवा क्षेत्र में श्रम बाजार का जितना अधिक सांस्थानिकरण होगा (सिर्फ निर्माण क्षेत्र में नहीं), आम तौर पर सेवा क्षेत्र के कार्य की गुणवत्ता उतनी ही बढ़ेगी। इसलिए असमानता, अपवर्जन, द्विविधता ऐसे देशों में साफ नजर आती हैं जहां कौशल का वितरण ठीक नहीं है और बहुत सी सेवाएं हाजिर बाजार के किताबी आदर्श के अनुरूप होती हैं।

स्त्रोत : रॉड्रिक 2015b।

कृषि का महत्व कार्य के एक स्रोत के रूप में ऊँचा रहेगा

मिल रहा है लेकिन सारी नौकरियां उच्च-तकनीक वाली उन्नत सेवाओं में नहीं हैं।

इन सभी प्रवृत्तियों का नीति निर्माताओं और व्यक्तियों के भविष्य के कार्य की तैयारी पर असर होता है और इस पर भी कि कार्य और मानव विकास के बीच सकारात्मक संपर्क के लिए सहायक बनने के लिए प्रयासों को कैसे केंद्रित किया जाए।

कृषि

हालांकि राष्ट्रीय उत्पाद में अब इसका हिस्सा कम है लेकिन कृषि अब भी कार्य का एक महत्वपूर्ण स्रोत है, दुनिया भर में 1.34 बिलियन लोग या तो इसमें कार्य कर रहे हैं या ढूंढ रहे हैं।[4] इनमे से अधिकतर पारिवारिक खेतों में है। विश्व की 70-80 प्रतिशत कृषि भूमि का प्रबंधन 50 मिलियन से अधिक परिवार करते हैं जिनके श्रमिक, अधिकतर परिवार के ही, विश्व के

रेखांकन 3.1

हांलाकि हो सकता है कि कृषि का अर्थव्यवस्था के लिए महत्व कम हो रहा हो, लेकिन घटने के बावजूद श्रमिकों के लिए कृषि का महत्व अब भी अधिक है।

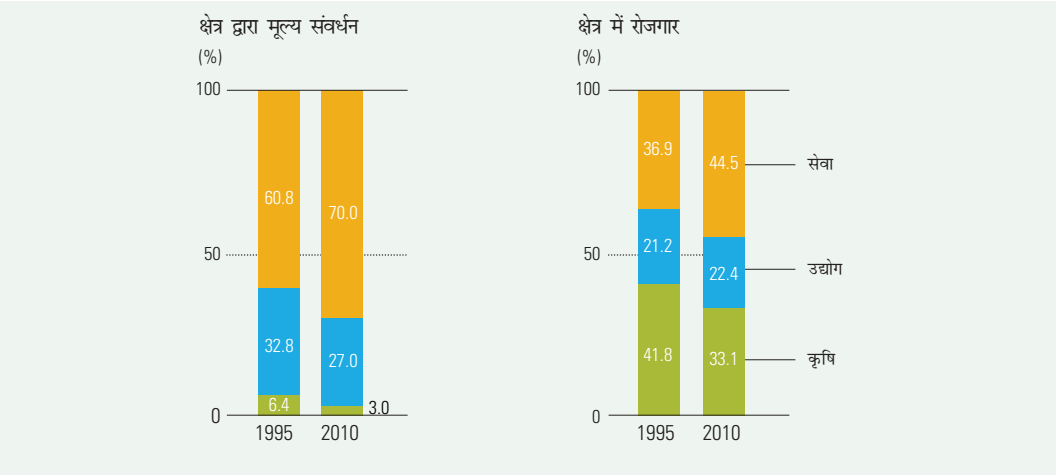

स्त्रोत : विश्व बैंक 2015f; आईएलओ 2015e।

भोजन का 80 प्रतिशत उपजाते हैं।[5] विकासशील देशों में कृषि श्रम शक्ति का करीब 43 प्रतिशत महिलाएं हैं और अफ्रीका और एशिया के इलाके में 50 प्रतिशत तक महिलाएं किसान हैं।[6]

पारिवारिक खेत एक हैक्टेयर से कम भूमि (72 प्रतिशत पारिवारिक खेत) से लेकर 50 हैक्टेयर से अधिक (एक प्रतिशत पारिवारिक खेत) तक के होते हैं।[7] सबसे बड़े खेतों में प्राय: भारी मशीनों, उन्नत बीज और खाद के साथ ही कृषि विस्तार सेवाओं का प्रयोग किया जाता है। इसके विपरीत विकासशील देशों में छोटे और मध्यम आकार के खेतों में संसाधनों तक पहुंच सीमित होती है और उत्पादन कम होता है। परिवार के खेतों में कार्य करने वाले बहुत से श्रमिक अन्य जगह कार्य करके भी कमाते हैं।

इन खेतों में मजदूरी और उत्पादकता कम होती है, कार्य करने की स्थितियां असुरक्षित होती हैं और कार्य का समय अनिश्चित होता है। कार्य अक्सर मौसमी होता है: कटाई और रोपण के समय बच्चों सहित परिवार के सभी सदस्यों की लंबे कार्य के घंटों की मांग होती है– लगभग 60 प्रतिशत बाल श्रमिक कृषि में कार्य करते हैं।[8] साल के कुछ समय तो कार्य और आय बहुत कम होती है। जीवन यापन के लिए कृषि पर निर्भर लोगों की बड़ी संख्या और जिन मुश्किल कमजोर परिस्थितियों में ये कार्य करते हैं उसके दृष्टिगत कृषि उत्पादकता और कृषि क्षेत्र में कार्य करने की स्थितियों में सुधार के प्रयास मानव विकास पर उल्लेखनीय सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। (अध्याय 5 और 6 इन बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हैं।)

उद्योग

विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में, उद्योग– विशेषकर निर्माण– रोजगार का महत्वपूर्ण स्रोत बना हुआ है, जिसका विश्व के रोजगार में हिस्सा 23.2 प्रतिशत है।[9] लेकिन 1990 से कुल रोजगार में निर्माण क्षेत्र का हिस्सा बहुत से देशों में कम हो रहा है, बड़े निर्यातक देशों में भी।[10] साल 2000 से 2010 के बीच जर्मनी में निर्माण क्षेत्र में रोजगार 8 प्रतिशत और कोरिया गणतंत्र में 11 प्रतिशत कम हुआ।[11]

ऐसा कुछ इसलिए भी हुआ कि निर्माण अब अधिक पूंजी आधारित हो रहा है। रोबोटों का प्रयोग बढ़ रहा है। हर साल 2,00,000 और औद्योगिक रोबोट का प्रयोग बढ़ जाता है। मोटरवाहन उद्योग, बहुत से देशों का एक महत्वपूर्ण निर्यात उद्योग, औद्योगिक रोबोटों का सबसे बड़ा खरीददार है।[12]

उत्पादन अधिक पूंजी सघन होता जा रहा है

निर्माण उद्योग में कौशल की आवश्यकता भी अधिक होती है और डिजिटल तकनीक के उत्पादक अब अलग तरह के कौशल की मांग कर रहे हैं। कुछ चुनिंदा कॉर्पोरेशनों के लिए किए गए एक शोध की रिपोर्ट के अनुसार निर्माण उद्योग में एक मिलियन नौकरियां इसलिए नहीं भरी जा पा रही हैं क्योंकि लोगों के पास सही कौशल नहीं है।[13]

ठीक उसी समय जबकि निर्माण उद्योग और सेवा क्षेत्र के बीच विभाजक रेखा लगातार धुंधली होती जा रही है। निर्माण कंपनियां शोध, बिक्री और उपभोक्ता सहायता सेवा के साथ एक एकीकृत उत्पादन तंत्र बन गई हैं। अमेरिका में निर्माण क्षेत्र के 30–55 प्रतिशत कार्य सेवा क्षेत्र के हैं।[14]

इसलिए भविष्य में उद्योग क्षेत्र में ग्रामीण इलाकों के श्रमिकों के बड़ी संख्या में लिए जाने की संभावना

कम ही है। पूर्व में निर्माण क्षेत्र में उन लाखों लोगों को रोजगार मिला था जो बाहर से शहरों में आए थे- जैसे कि चीन में। लेकिन आज ऐसी नौकरियां ढूंढना मुश्किल है। वैश्वीकरण और श्रम-बचाने वाली तकनीकों के निर्माण उद्योग पर दबाव के चलते बहुत से देश, विशेषकर अफ्रीका के उप-सहारा में, 'पूर्व समय विऔद्योगिकीकरण' का सामना कर रहे हैं। यह एक ऐसी स्थिति है जब औद्योगिकीरण करने वाले देशों के मुकाबले उद्योग क्षेत्र जल्दी कमजोर होकर बहुत कम स्तर की आय पर पहुंच जाता है।[15] बढ़ती आबादी के लिए ढंग की नौकरी के मौके देने और लोगों के लिए सम्मानजनक जीवन जीने के अवसरों में विस्तार पर इसके प्रभाव व्यापक होते हैं।

आज लोग किस प्रकार के और किस तरीके से कार्य करते हैं यह नई प्रौद्योगिकियों के द्वारा परिवर्तित किया जा रहा है

सेवा क्षेत्र

साल 2002 से दुनिया भर में रोजगार उपलब्ध करवाने वाला मुख्य क्षेत्र है सेवा, जिसका सभी तरह के रोजगार में हिस्सा 2013 तक 46 प्रतिशत था।[16] सेवा क्षेत्र की वृद्धि का आधार जानकारी-आधारित कार्य हैं जैसे कि वित्तीय और व्यवसायिक क्षेत्र और तकनीक-आधारित क्षेत्र। इसके साथ ही कम-कौशल के कार्य जैसे कि खाने का कार्य, देखभाल के कार्य और भवन निर्माण- जो मानव की भलाई के लिए महत्वपूर्ण हैं लेकिन जहां श्रमिक सबसे कमजोर स्थिति में हैं। वस्तुओं और सेवाओं के वैश्विक आदान-प्रदान और व्यापार में लॉजिस्टिक्स ने बहुत सारी नौकरियां पैदा की हैं।[17] व्यापार और वितरण सेवाओं में रोजगार ने 1960 से सेवा क्षेत्र के अधिकतर श्रम को जगह दी है, जिसमें सबसे अधिक वृद्धि 1990 से 2010 के दौरान हुई।[18]

कई मायनों में सेवा क्षेत्र मानव विकास को विभिन्न तरह से प्रभावित करने वाले कई श्रेणियों के कार्यों, हुनर की आवश्यकताओं और कार्य की परिस्थितियों का प्रतिनिधित्व करता है। बहुत अधिक कौशल वाले, बहुत अधिक वेतन पाने वाले जानकार श्रमिक उन नई तकनीकों का उत्पादन और संचालन करते हैं जो इंसान की तरक्की को विस्तार देते हैं, जैसे कि नीचे चर्चा की गई है। देखभाल करने वाले श्रमिक वह अनिवार्य सेवाएं प्रदान करते हैं जो मानव सुख को बढ़ाती हैं, लेकिन उनके कार्य की परिस्थितियां अलग-अलग होती हैं (देखें अध्याय 1 और 4)। इसके साथ ही सेवा क्षेत्र के कार्यों में मौलिक, रचनात्मक और सांस्कृतिक सेवाएं आती हैं (देखें अध्याय 1)।

सेवा क्षेत्र के कार्यों के बढ़ते प्रभाव के देखते हुए क्षेत्र के लिए नीति निर्माण की आवश्यकता है, जिसके अभी और लोगों को रोजगार देने की उम्मीद है। इसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि मानव विकास और तकनीकी प्रगति जारी रहे, ये सेवाएं प्रदान करने वाले श्रमिक आवश्यक कौशल अर्जित करने में सक्षम हों और सेवा क्षेत्र के श्रमिकों को अपर्याप्त मजदूरी और कार्य करने की शोषणात्मक परिस्थितियों से सुरक्षा मिले।

तकनीकी क्रांति

आज लोग जिस तरह के कार्य करते हैं और वह जिस तरह कार्य को पूरा करते हैं उसे नई तकनीकें बदल रही हैं। यह नया नहीं है, लेकिन यह कार्य और मानव विकास के संबंध और लोगों के सुख को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक नीतियों और संस्थाओं के प्रकार को नए सिरे से गढ़ रहा है।

इतिहास दो औद्योगिक क्रांतियों का गवाह रहा है, दोनों एक आम-उद्देश्य तकनीक से जुड़ी हुई थीं- तकनीकी खोजों का एक समूह इतना शक्तिशाली रहा कि इसने विकास की सामान्य रफ्तार को बाधित किया और रफ्तार दी। पहली क्रांति भाप से निकली और दूसरी बिजली से। तीसरी क्रांति अब नजर आ रही है- जो कंप्यूटरों और नेटवर्कों से हो रही है। अगर इसे अवसर उपलब्ध करवाने और क्षमता बनाने की ओर मोड़ा जाए तो वर्तमान तकनीकी क्रांति बड़े पैमाने पर लोगों की जिंदगी को बेहतर बना सकती है। लेकिन जो तेज और बड़े पैमाने पर होते हैं- जो सामाजिक ताने-बाने को फिर से बुनते हैं- वह शुरुआती समय में सहज रूप से अशांतिकारक होते हैं, हालांकि दीर्घकाल में सकारात्मक होते हैं। कुछ कर्मचारी तेजी से समायोजन कर पाने की स्थिति में होते हैं और उन्हें अन्य के मुकाबले अधिक सकारात्मक परिणाम मिलते हैं।

कार्य की प्रवृत्ति को बदलने की अधिकतम क्षमता वाली कुछ तकनीकें हैं।[19]

- *मोबाइल इंटरनेट 3.2 बिलियन इंटरनेट यूजर्स के जीवनों को प्रभावित कर रहा है।* मौजूदा समय में 7.1 बिलियन मोबाइल कनेक्शन हैं, जो लोगों के कार्य करने, नई खोजों, संवाद करने और व्यवसाय करने के तरीकों को बदल रहे हैं।
- *कुशल सॉफ्टवेयर प्रणाली द्वारा जानकारी के कार्य* का स्वचालन जानकारी के कार्य की उत्पादकता और संगठन को बदल रहा है और यह लाखों लोगों के लिए कुशल डिजिटल सहायता का प्रयोग संभव बना सकता है।
- *क्लाउड तकनीक* में व्यवसायों और सरकारों के लिए कम कीमत पर ऑनलाइन सूचना तकनीक सेवा तक पहुंच को सुधारने की क्षमता है- और बिलियनों उपभोक्ताओं और लाखों व्यवसायों के लिए नए ऑनलाइन उत्पादों और सेवाओं को उपलब्धकराने की भी।
- *3डी प्रिंटिंग* कार्य को नया आकार दे रही है क्योंकि यह औद्योगिक प्रारूप से लेकर मानव के ऊतक तक कुछ भी बना सकती है। 3डी प्रिंटर्स का सबसे बड़ा वैश्विक नेटवर्क 110 देशों में संचालित होता है जिनमें 9,000 मशीनों को यह प्रतिघंटा की दर से किराए पर देता है।[20] यह

मांग-पर उत्पादन को संभव बनाता है और इसमें 32 मिलियन निर्माण क्षेत्र कर्मचारियों- जो विश्व की श्रम शक्ति का 12 प्रतिशत हैं- की नौकरी को प्रभावित करने की क्षमता है। कृत्रिम अंग प्रिंट करने वाली दुनिया की पहली 3डी प्रयोगशाला दक्षिणी सूडान: प्रोजेक्ट डेनियल 2013 में शुरू की गई थी जिसमें एक बम विस्फोट में दोनों हाथ गंवाने वाले युवक, डेनियल उमर, के लिए कृत्रिम अंग बनाए गए थे। आज ये प्रिंटर बहुत कम तरह की चीजें ही बना सकते हैं लेकिन भविष्य अलग हो सकता है। ये मशीनें फैक्ट्रियों में बनने वाली एक जैसी वस्तुओं के बहुत लंबे समय के प्रचलन को स्थाई रूप से बेकार कर सकती हैं और व्यक्तियों और छोटी कंपनियों के लिए विकेंद्रीकृत उत्पादन की राह खोल सकती हैं। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे-जैसे इन मशीनों की क्षमता उन्नत होगी मानव श्रमिकों के लिए, विशेषकर जिनके पास हुनर कम हैं, श्रम बाजार और तंग हो जाएगा।[21]

- *उन्नत रोबोटिक्स* निर्माण क्षेत्र के स्वचालन को नए स्तर पर ले जा रहे हैं। लोग बहुत समय से कल्पना करते रहे हैं कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग करने वाली तकनीक मानवीय विचार की आवश्यकता को खत्म कर देगी। हालांकि विचार के उच्च स्तर पर यह मुश्किल साबित हुआ है। लेकिन कम जटिल कार्यों के लिए अधिक जानकारी और कौशल विशिष्ट तकनीकी इकाइयों में डाले जा रहे हैं। वैक्यूम क्लीनर से लेकर वजन तोलने की मशीनों जैसे पहले के 'मूक' उपकरण कैमरा, सैंसर और प्रोसेसर लगाकर मानव अंत: क्रिया (इंटरएक्शन) के प्रति अधिक अनुकूल हो रहे हैं। और पहले सिर्फ सैन्य कार्यों के लिए इस्तेमाल होने वाले उपकरण, जैसे कि ड्रोन, अब नागरिक जीवन में भी प्रयोग हो रहे हैं। इनमें से बहुत से एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और 'वस्तुओं के इंटरनेट' के माध्यम से एक-दूसरे से संवाद कर रहे हैं।

स्वचालन तेज गति से हो रहा है (वित्तीय संकट के बावजूद 2009 और 2011 के बीच औद्योगिक रोबोटों की बिक्री में अनुमानत: 170 प्रतिशत बढ़ी है)[22] और 2015 में रोबोटों की कुल संख्या 15 लाख पहुंचने का अनुमान है।[23] रोबोटों की वजह से कार्यस्थल सुरक्षित हो गए हैं, क्योंकि वह कुछ ऐसे कार्य करते हैं जो बहुत खतरनाक है, जैसे कि विकिरण के स्थान की पहचान करना। रोबोट ऐसी जगह निर्माण उद्योग को पुनर्जीवित करने या बचाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं जहां श्रम बहुत कम उपलब्ध या महंगा है। सामान्य कार्य को रोबोट श्रमिक के मुकाबले सस्ता कर सकते हैं- उदाहरण के लिए कुछ जर्मन सयंत्रों में सामान्य कार्य करने वाले रोबोट 5 यूरो प्रतिघंटा की लागत से (जिसमें रखरखाव और ऊर्जा की लागत शामिल है) जीवन पर्यंत कार्य कर सकता है, जबकि जर्मन श्रमिक की लागत (मजदूरी, पेंशन और स्वास्थ्य की देखरेख) मिलाकर 40 यूरो प्रतिघंटे पड़ती है।[24] इसके अलावा जल्द ही रोबोट और भी जटिल कार्य करने में सक्षम हो जाएंगे, जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता फैक्ट्रियों में कार्य संभाल लेगी। इसका कार्य पर संभावित प्रभाव स्वाभाविक है। हाल ही के समय में इस सारे विचार को चौथी औद्योगिक क्रांति (बॉक्स 3.2) कहा जा रहा है।[25]

- *ऊर्जा का संग्रहण* सौर और पवन ऊर्जा का अधिकतम प्रयोग संभव बनाएगा जिससे 1.2 बिलियन लोगों तक वहनीय बिजली पहुंचाई जा सकेगी, जिनके पास अभी नहीं है। नियत समय में ऊर्जा के संग्रहण से बिजली चालित गाड़ियां भी सस्ती हो सकती हैं और विद्युत ग्रिड बदल सकते हैं- जिससे नई नौकरियां पैदा होंगी।

इसके अलावा ड्राइवर विहीन वाहन, उन्नत सामान, तेल और गैस का उन्नत अन्वेषण और रिकवरी तकनीकें, भारी आंकड़े, जैव प्रौद्योगिकी और अक्षय ऊर्जा तकनीकें सभी तकनीकी क्रांति के हिस्से हैं।

वर्तमान तकनीकी क्रांति की कुछ विशेषताएं कार्य के द्वारा अर्जित मानव विकास के लिए अनोखी चुनौती और अवसर देते हैं। पहला, तकनीकी बदलाव की गति और पैठ विलक्षण है जो नई तकनीकों को प्रभावशाली ढंग से तुरंत स्वीकार कर लेने में दिखती है (रेखांकन 3.2)। सिर्फ कुछ साल पहले एप्पल ने पहला आईपैड बनाया था, जिसकी बिक्री संख्या 6.7 मिलियन थी। इतनी संख्या में मैक कंप्यूटरों को बेचने में 24 साल, आईपॉड को बेचने में पांच साल और आईफोन को बेचने में तीन साल से अधिक लगे।[26] इंटरनेट और मोबाइल फोन के प्रयोग में तकनीक के पैठ बनाने की गति को रेखांकन 3.3 में दर्शाया गया है। न सिर्फ बदलाव बहुत बड़ा है बल्कि स्वीकार्यता व्यापक है और दुनिया भर के लोगों को लाभ पहुंचाने के वायदे को पूरा भी करता है।

ऐसा इसलिए है क्योंकि बहुत सी तकनीक कुछ अर्थों में सार्वभौमिक मशीनें हैं जिनका सभी क्षेत्रों, उद्योग और धंधों में उपयोग है। ये उत्पादन के सभी क्षेत्रों में छा गई हैं: निर्माण, सेवा और कृषि में। इसलिए कृषि को अब कम-तकनीकी नहीं कहा जा सकता। सभी क्षेत्रों में श्रमिकों को अधिक शिक्षित, अधिक लोचदार और तकनीक का जानकार होने की चुनौती मिल रही है।

लेकिन कुछ लोगों का तर्क है कि कंप्यूटर और स्वचालन में हालिया तरक्की मानव विकास के लिए उतनी परिवर्तनकारी नहीं हो सकतीं जितनी कि पुरानी खोज जैसे कि विद्युतिकरण, कारें और संभवत: घर के अंदर की प्लंबिंग।[27] पहले की तरक्की ने लोगों को लंबी दूरियों में संवाद करने और तेजी से जाने के काबिल बनाकर दुनिया को जोड़ा और संभवत: समाज की उन्नति के लिए 21वीं सदी में आई किसी भी चीज से अधिक प्रभावी साबित हुई।[28] यह भविष्य की खोजों और वह कैसे प्रयोग में लाई जाती हैं। इस पर भी निर्भर करता है। अन्य का कहना है कि तकनीकी विकास की रफ्तार उन क्षेत्रों में रुकी रही है जो जानकारी और

वर्तमान तकनीकी क्रांति मानव विकास के लिए अद्वितीय चुनौतियां और अवसर प्रस्तुत करती है

बॉक्स 3.2

चौथी औद्योगिक क्रांति।

चौथी औद्योगिक क्रांति के दौरान न सिर्फ अकेली मशीनें बल्कि पूरी फैक्ट्री ही स्मार्ट और स्वचालित बन जाएगी, जिससे उत्पादन प्रक्रिया अधिक सटीक होगी और उत्पाद विशेष रूप से निर्मित होंगे। डिजिटल तकनीक से उत्पाद स्वयं अपने संयोजन पर नियंत्रण कर सकेंगे क्योंकि वह विशिष्ट उत्पाद आवश्यकताओं (रंग, आकार, पदार्थ) से संवाद कर सकेंगे और ऐसी मशीनें होंगी जो असेंबली लाइन की गति और प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए आपस में संवाद कर सकेंगी।

जर्मनी अपने उद्योग संस्करण 4 के तहत स्मार्ट फैक्ट्री के प्रयोग के साथ इस क्षेत्र में आगे है। देश ने 20 मिलियन यूरो शोध, व्यवसाय में लगाए हैं और सरकार पारंपरिक उद्योग के डिजिटलीकरण में मदद करेगी।[1] सीमेंस ने पहले ही एम्बर्ग में एक प्रायोगिक डिजिटलीकृत फैक्ट्री बना दी है जो अन्य स्मार्ट फैक्ट्री में प्रयोग होने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स बनाएगी। इस फैक्ट्री में उत्पादन बड़े पैमाने पर स्वचालित है- सिर्फ 25 प्रतिशत कार्य आदमी करते हैं जबकि मूल्य श्रृंखला का 75 प्रतिशत कार्य मशीन और कंप्यूटर संभालते हैं। इंसान के हाथ उत्पाद को सिर्फ शुरुआत में छूते हैं जब एक सर्किट बोर्ड को असेंबली लाइन में लगाया जाता है। इस सयंत्र की स्थापना 1989 में की गई थी और हालांकि सयंत्र का आकार और कर्मचारियों की संख्या (1,200) नहीं बढ़ी है लेकिन उत्पादन आठ गुना बढ़ गया है और उत्पाद की गुणवत्ता अभूतपूर्व 99.9988 है।[2]

स्मार्ट फैक्ट्रियों में क्षमता है कि वह वास्तविक समय के आंकड़े का प्रयोग कर प्रतियोगी कीमतों पर लगातार उच्च गुणवत्ता के विशेष रूप से बनाए गए उत्पाद तैयार कर सकें। लेकिन नौकरी पर इसके क्या प्रभाव पड़ेंगे? बहुत से लोग तर्क देते हैं कि मनुष्य प्रासंगिक बने रहेंगे लेकिन उत्पादन में मूल्य संवर्धन मानवीय श्रम के बजाय मशीनों की प्रोग्रामिंग और सर्विसिंग से ही होगा। इस परिदृश्य में कौशल और ज्ञान मजदूरी से भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं और उत्पादन का केंद्र उन देशों की ओर मुड़ सकता है जहां शिक्षित श्रम शक्ति और स्मार्ट फैक्ट्रियों और परिष्कृत मशीनों में लगाने के लिए बहुत सारी पूंजी है। हो सकता है कि चौथी औद्योगिक क्रांति सिर्फ विकसित देशों तक सीमित न रहे; दरअसल, रोबोटिक सिलाई के मशीन के प्रभाव के बहुत व्यापक होने की उम्मीद है, जिसमें विकासशील देशों की नौकरियां भी शामिल हैं जो पारंपरिक रूप से कम-लागत के, कम-कौशल के श्रमिक पर निर्भर होती हैं।

नोट : 1. जर्मनी व्यापार और निवेश 2014। 2. सीमेंस एजी 2015। 3. दि इकोनॉमिस्ट 2015b।
स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

सभी क्षेत्रों में श्रमिकों को, अधिक शिक्षित, अधिक लचीला और अधिक तकनीकी समझ वाले होने के लिए चुनौती दी जाएगी

रेखांकन 3.2

अमेरिका में नई तकनीकों को स्वीकार करने की गति प्रभावशाली है।

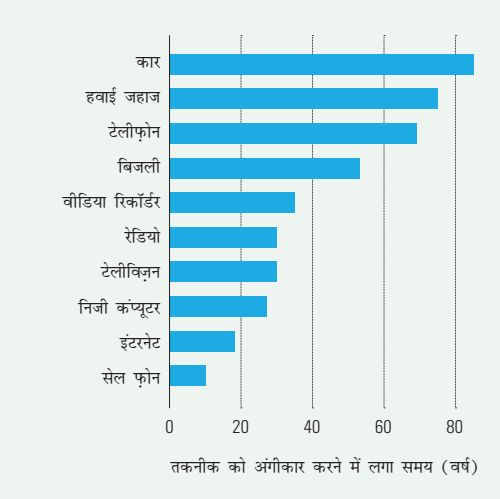

नोट : स्वीकार करने का अर्थ उस समय सीमा से है जिसमें कोई तकनीक अमेरिकी आबादी के 50 प्रतिशत में पैठ बनाती है।
स्त्रोत : डोने 2014।

मानव विकास के विस्तार को बल देतीं, जिनमें ऊर्जा, औषधी, अंतरिक्ष अनुसंधन और नैनो तकनीक शामिल हैं।[29]

सभी उभरती हुई तकनीकों के भारी आर्थिक और सामाजिक प्रभाव पड़ने की उम्मीद की जाती है। वैश्वीकरण से जुड़ने वाली और उसे मजबूत करने वाली तकनीकों के लोगों के रहने और कार्य करने के तरीकों, नए अवसर पैदा करने और व्यावसायिक प्रारूपों को बदलने, विकास को दिशा देने और देशों के तुलनात्मक लाभ के भूगोल को बदलने की उम्मीद की जाती है। इन ताकतों का कार्य और श्रमिकों पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ता है।

किसी भी सूरत में तकनीकी क्रांति सामान्य चीज नहीं हो सकती। इस नई लहर में क्रांतिकारी तत्व हैं, विशेषकर उत्पादन और कार्य की वैश्वीकृत दुनिया में। क्या कार्य के भविष्य को कुछ और प्रभावित करेगा? अगर हां, तो वह क्या है?

कार्य का वैश्वीकरण

तकनीक संचार के नए तरीकों को लाकर, नए उत्पादों और हुनर की नई मांग को लाकर कार्य की प्रकृति को प्रभावित कर रही है। नई तकनीकें वैश्विक मूल्य श्रृखलाओं और बाह्य स्रोतों को कार्य देकर श्रमिकों और व्यवसायों को वैश्विक नेकवर्क के दायरे में लाकर

रेखांकन 3.3

साल 1995 से 2015 के बीच पूरी दुनिया में तकनीकी बदलाव की बड़ी मात्रा में पैठ बनी और इसने पूरी दुनिया में लोगों को फायदा पहुंचाने की उम्मीद को पूरा किया।

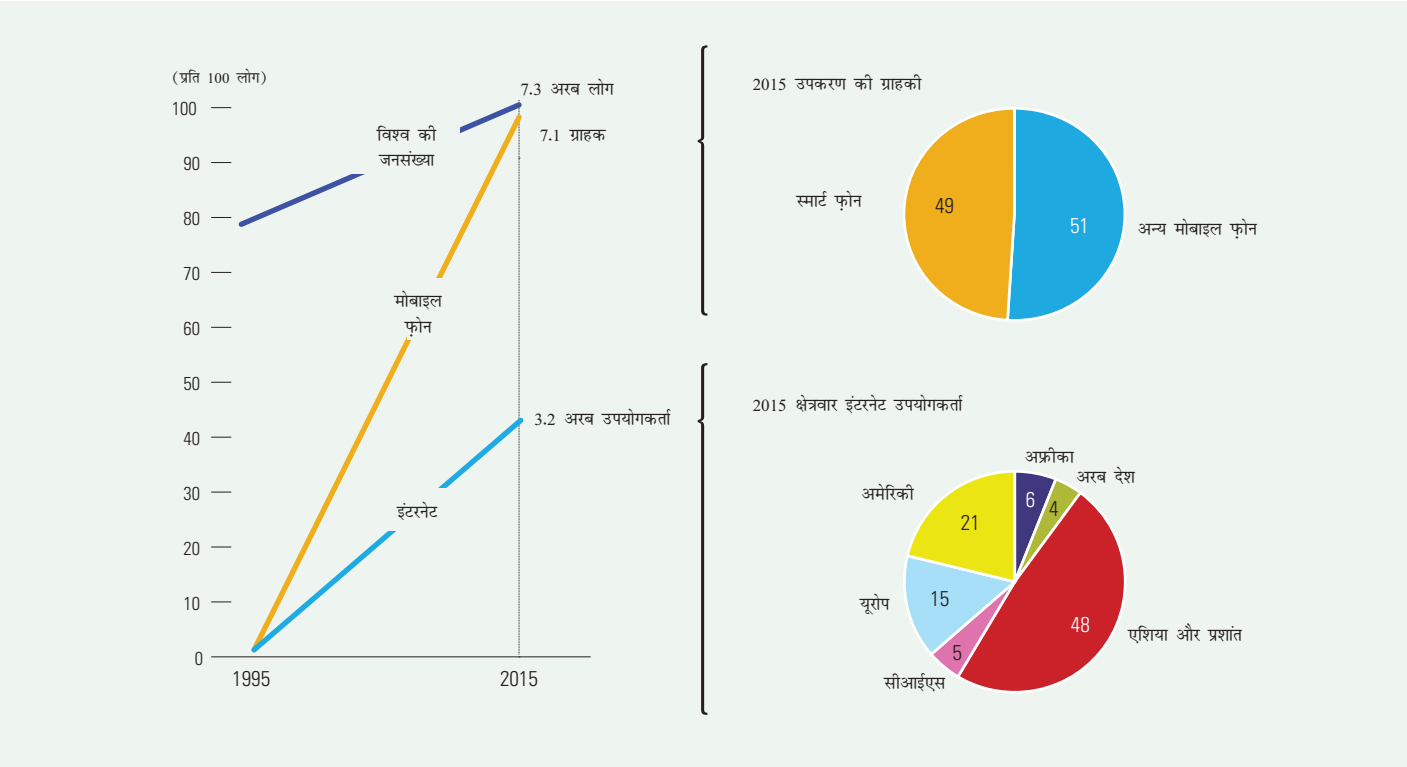

नोट : क्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ की श्रेणियां हैं।
स्त्रोत : विश्व बैंक (2015f) और आईटीयू (2015) पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

आर्थिक वैश्वीकरण के पुराने तरीकों को हमेशा ही गहरा और मजबूत करती हैं। ये प्रक्रियाएं कार्य को फिर से आकार दे रही हैं और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नीतियों को परख रही हैं।

हाल के समय तक विशेष कौशल वाले श्रमिक विभिन्न क्षेत्रों में विशेष गतिविधियों से जुड़े रहते थे। वह राष्ट्रीय स्तर पर नौकरी के लिए अन्य श्रमिकों से प्रतियोगिता करते थे। उन्होंने अपना हुनर अपने विशेष क्षेत्र और उद्योग में कार्य करते हुए सीखा था और कार्यस्थल, संगठन और उत्पाद में बदलाव की गति अधिकतर धीमी थी और वह इसमें समायोजित हो सकते थे।

श्रम बाजार के बहुत से क्षेत्र अब वैश्वीकृत हो गए हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की पहुंच दुनिया भर के श्रम तक है और श्रमिक कार्य के लिए विश्व स्तर पर प्रतियोगिता करते हैं। डिजिटल तकनीक ने श्रमिकों और श्रम की मांग के बीच से भौगोलिक बाधाएं हटाकर प्रतियोगिता को बढ़ा दिया है- बहुत से मामलों में कंपनियों को शारीरिक रूप से जाने की या कर्मचारी को स्थानांतरण की भी आवश्यकता नहीं होती। कार्य के लिए संपर्क इंटरनेट या मोबाइल फोन से किया जा सकता है। वैश्विक स्तर पर श्रम की अधिकता ने श्रमिकों के बीच प्रतियोगिता को और कड़ा कर दिया है।

उपभोक्ताओं की मांग भी विकसित हुई है और कम-दाम की उपभोक्ता सामग्री, नए और ताजे उत्पादों और दुनिया भर के उत्पादों तक डिजिटल पहुंच की उम्मीद पैदा होने लगी है। इसने कंपनियों के लिए सस्ते, मौलिक उत्पादों को उपलब्ध करवाने का दबाव बनाया है जो तेजी से बदलते दौर में टिक सकें। और इससे भी बढ़कर डिजिटल तकनीक कंपनियों को उपभोक्ता की आदतों और रुचियों की सूचना तक त्वरित और निरंतर पहुंच देती हैं। उत्पादन और लागत में कटौती, जिसमें श्रम लागत शामिल है, के प्रति लोचदार रवैया उत्पादक की प्रतिक्रिया रहा है। कम श्रम लागत और श्रमिकों से स्थिति अनुरूप प्रतिबद्धता से कंपनियों को उपभोक्ता की जरूरतों और मांग के स्थान के अनुसार तेजी से और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देना संभव होता है।

कर्मचारियों के लिए ये चलन एक ऐसी दुनिया के साथ तारतम्य बैठाने की कोशिश है जहां रचनात्मकता, हुनर, चतुरता और लोचनीयता महत्वपूर्ण हैं। लेकिन जो उभरते हुए कार्य के तंत्र में प्रतियोगिता के लिए बेहतर

वैश्वीकरण राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नीतियों के परीक्षण और कार्य को पुनः आकार दे रहा है

कार्य के कई क्षेत्रों में श्रम बाजार अब वैश्विक है

स्थिति में हैं, उन लोगों के लिए भी सुरक्षा कम हो रही है। दुनिया भर में चार में से सिर्फ एक आदमी ही पूर्णकालिक, स्थायी अनुबंध पर कार्य करता है; जो मजदूरी या वेतन पर नौकरी करते हैं, पांच में से तीन अस्थाई या अंश-कालिक श्रमिक हैं।[30] क्योंकि दुनिया की श्रम शक्ति के 30 प्रतिशत को ही बेरोजगारी से सुरक्षा प्राप्त है, इसलिए लोचनीयता को तरजीह देने वाली कार्य की दुनिया श्रमिकों के जीवन के स्थायित्व के लिए एक चुनौती हो सकती है।[31]

बाह्य स्रोतों को कार्य देना

बाजार में बढ़ती प्रतियोगिता और लागत के दबाव से निपटने के लिए कंपनियों का एक तरीका कुछ क्रियाकलापों को ऐसे देशों में स्थानांतरित करना था जहां मजदूरी कम है या कुछ कम महत्वपूर्ण क्रियाकलापों को उपअनुबंध में ऐसे देशों में दे देना जहां लागत कम है (या दोनों तरीकों का मिश्रण)। उदाहरण के लिए एप्पल के सीधे कर्मचारी सिर्फ 63,000 हैं और दुनिया भर में इसके उत्पादों के डिजाइन, बिक्री, उत्पादन और पुर्जे जोड़ने के कार्य में 7,50,000 से अधिक लोग जुड़े हुए हैं।[32] होटल उद्योग में बहुत से कर्मचारी होटल ब्रांड के सीधे कर्मचारी नहीं होते बल्कि कपड़े धोने, खानपान, सफाई या बागवानी का कार्य करने वाली अन्य कंपनियों से जुड़े होते हैं। अन्य क्षेत्रों में वस्तुएं और सेवाएं आपूर्ति करने वाली श्रृंखला को कई हिस्से कर कई कंपनियों को उप-अनुबंध पर दे दिया जाता है।[33]

कार्य के लिहाज से वैश्वीकरण के सबसे बड़े प्रभावों में से एक है व्यवसाय की प्रक्रिया को बाह्य स्रोतों को कार्य पर देना, जिसने व्यवसायिक सेवाओं को कॉर्पोरेट मुख्यालय से विकेंद्रीकृत कर दिया है। व्यवसायिक प्रक्रिया को बाह्य स्रोतों पर देना कंपनियों के द्वारा कार्य करता है- उदाहरण के लिए, भारत में यह प्रमुख सूचना तकनीक उपक्रमों के द्वारा कार्य करता है। इससे किसी को लाभ होता है तो किसी को हानि।

विकासशील देशों ने निर्यात-केंद्रित औद्योगिकीकरण को अपनाया तो विकसित देशों में फिटिंग की नौकरियां निर्यात संसाधन क्षेत्रों की ओर जाने लगीं। बड़े विकासशील देशों जैसे कि चीन और मैक्सिको और छोटे देशों जैसे कि कोस्टा रिका, डोमिनियन गणतंत्र और श्रीलंका में रोजगार निर्माण में उल्लेखनीय और सकारात्मक प्रभाव पड़ा, विशेषकर महिलाओं पर, जो प्राय: कपड़ों की फैक्ट्रियों में कार्य करती थीं।[34] बहुत से मामलों में बाह्य स्रोतों को कार्य दिए जाने से स्थानीय विकास को रफ्तार मिली है हालांकि कार्य की गुणवत्ता और श्रम मानकों को लागू करने में अंतर रहा है (बॉक्स 3.3)।

विश्व स्तर पर सुदूर देश से सेवाएं लेना- उत्पादन या सेवा को विदेश के बाह्य स्रोतों को कार्य पर देना- ने 1990 में गति पकड़ना शुरू किया जब सूचना और संचार तकनीक की वजह से बहुत सी सहायक सेवाओं का किसी दूसरे स्थान से दिया जाना संभव हो सका। साल 2001-2002 में डॉटकॉम के बुलबुले के फूटने के बाद तकनीकी कंपनियों ने लागत में कटौती के अन्य उपाय ढूंढना शुरू किया जिसमें कम महत्वपूर्ण गतिविधियों को कम मजदूरी और उच्च तकनीकी कौशल वाले देशों, विशेषकर भारत, में स्थापित किया जाना शामिल था। साल 2,000 से 2,010 तक भारत में सूचना और संचार तकनीक में सीधी नौकरियों की संख्या 2,84,000 से बढ़कर 22.60 लाख हो गई।[35] पिछले कुछ सालों में भारत ने सेवा क्षेत्र की नौकरियों में सुदूर क्षेत्र की नौकरियों के लिहाज से मजबूत स्थिति बनाई हुई है लेकिन सुदूर क्षेत्र अब तेजी से विविधतापूर्ण हो रहे हैं।[36] रूसी संघ, अफ्रीका और लातिन अमेरिकी देशों में सेवाएं बढ़ रही हैं, जो कंपनियों के 24 घंटे तक सेवा देने के उद्देश्य से कार्य को विभिन्न समय-स्थानों में बांटने की रुचि के अनुरूप हैं।[37]

विकसित देशों में सुदूर देशों से सेवाएं लेने को नौकरियों में कमी के रूप में देखा जाता है, यह डर बढ़ रहा है कि नौकरियां कहीं और चली जाएंगी। निर्माण में यह प्रक्रिया 60 के दशक में शुरू हुई और 70 के दशक में उत्पादन राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक उत्पादन नेटवर्कों की ओर खिसकने लगा, जो औद्योगिक उत्पादन का सबसे आधुनिक और विस्तार करता हुआ प्रकार है। हालांकि सुदूर देश से सेवाएं लेने के विकसित देशों के श्रमिकों पर प्रभाव अलग-अलग हैं, और दीर्घकालिक प्रभाव, अल्पकालिक प्रभाव के मुकाबले कम स्पष्ट हैं। नौकरियों की हानि निर्माण क्षेत्र में सेवा क्षेत्र के मुकाबले अधिक है। मध्यवर्ती आयातित उत्पादित वस्तु का एक प्रतिशत आयात करने वाले देश में निर्माण क्षेत्र में रोजगार को 1.5 प्रतिशत कम कर देता है और आयातित मध्यवर्ती सेवा, सेवा क्षेत्र में रोजगार को 0.08 प्रतिशत घटाती है।[38] सुदूर क्षेत्रों से सेवा लेने से संबंधित नौकरियों की हानि विभिन्न देशों में अलग-अलग है, अल्पकाल में हानि कुछ देशों में कुल नौकरियों के शून्य से लेकर नीदरलैंड्स में 0.7 प्रतिशत और पुर्तगाल में करीब 55 प्रतिशत तक देखी गई है।[39]

आज के कार्यों में प्रबंधकीय सहायता, व्यवसाय और वित्तीय संचालन, कंप्यूटर और गणितीय कार्य के बाह्य स्रोत को कार्य के लिए देने की संभावना सबसे अधिक होती है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और अमेरिका में 20-29 प्रतिशत कार्यों के लिए सुदूर देशों में सेवाएं लेने की संभावना है, हालांकि उन सभी के लिए ऐसा किए जाने की संभावना कम ही है।[40] इनमें से बहुत सी नौकरियां मध्य और उच्च-कौशल वाली पेशेवर सेवाएं हैं जिन्हें विदेशों से कम दाम में करवाया जाता है क्योंकि विकासशील देशों में शिक्षा का स्तर बढ़ रहा है और संचार का ढांचा सुधर रहा है।

इसलिए सुदूर देशों को सेवाएं देने वाले देशों को हालांकि नई नौकरियों तक पहुंचने में भारी लाभ होता है, नौकरियां गंवाने वाले व्यक्तियों को, विशेषकर विकसित देशों में, नए प्रतियोगी माहौल के लिए

बॉक्स 3.3

बोस्निया और हर्ज़ेगोविना- बाह्य स्रोतों से कार्य मिलने से स्थानीय विकास।

पोलैंड और स्लोवाकिया के यूरोप में सेवा क्षेत्र के केंद्रबिंदु बनने के बाद और मध्य और पूर्वी यूरोप में डिजिटल क्रांति के अगुआ के रूप में उभरने के बाद बोस्निया और हर्ज़ेगोविना बड़े उद्योगों और मोटर वाहन कंपनियों के लिए बाह्य स्रोतों से कार्य लेने वाले केंद्र के रूप में विकास कर रहा है। सस्ती लागत के कुशल श्रम की कभी न खत्म न होने वाली तलाश के तहत मोटर वाहन पुर्जों का उत्पादन लगातार जर्मनी से चेक गणराज्य और स्लोवाकिया की ओर और उसके आगे पूर्व में बोस्निया और हर्ज़ेगोविना की ओर खिसक रहा है बोस्निया और हर्ज़ेगोविना में बाह्य स्रोतों को कार्य देना अभी नया और सीमित है लेकिन स्थानीय बेरोजगारी में कमी और उद्यमशीलता और स्थानीय स्टार्ट-अप में वृद्धि से प्रगति नजर आती है। उदाहरण के लिए, पश्चिमी यूरोपीय मोटरवाहन कॉर्पोरेशन्स के निवेश के प्रवाह के बाद गोराज़्दे और जेपके के निगमों में लोगों के लिए कार्य करने मौके बहुत बढ़ गए हैं। स्थानीय आर्थिक बदलाव ने स्थानीय मानव विकास को सहारा दिया है। गोराज़्दे में एक ध्यान देने योग्य परिणाम महिलाओं के बीच बेरोजगारी की दर है, जो पूरे देश के मुकाबले बहुत कम है। महिलाओं के स्वामित्व वाले व्यवसायों में सैकड़ों श्रमिक कार्य करते हैं जिनमें से 40 प्रतिशत महिलाएं हैं (जो 34 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से ऊपर है), जिनमें से बहुत सी ऊंचे प्रबंधकीय पदों पर हैं। ये नमूना भरोसा जगाता है और स्लोवाकिया के नब्बे के दशक की याद दिलाता है, जब बाह्य स्रोतों से कार्य तुलनात्मक रूप से कम था लेकिन उसने बाद में बड़े प्रवाह की राह बनाई।

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

प्रशिक्षण और नया हुनर अर्जित करने की आवश्यकता है। ऐसे कर्मचारियों के लिए, जिनकी जीविका को व्यापार से जुड़े नौकरी के स्थानांतरण से खतरा है, ऐसे कार्यक्रम चलाने चाहिए जिससे उन्हें नया कार्य पाने, अपने कौशल को विस्तृत करने और मूलभूत आय को कायम करने में सहायता मिले। इसी तरह विकासशील देशों में प्रशिक्षण से श्रमिकों की बाह्य स्रोतों से मिलने वाले कार्य को हासिल करने की क्षमताएं बढ़ सकती हैं।

वैश्विक मूल्य श्रृंखला

बहुत सी आर्थिक गतिविधियां वैश्विक उत्पादन नेटवर्क और वैश्विक मूल्य श्रृंखला का हिस्सा होती हैं जो बहुत से देशों और कई बार महाद्वीपों में फैली होती है। यह एकीकरण कच्चे माल का प्रावधन से लेकर बाजार पहुंच के उपघटक और बिक्री-पश्चात सेवाओं तक होता है। इस तरह निर्माण कार्य जटिल और गतिशील आर्थिक नेटवर्क के द्वारा किया जाता है जो अंतर और अंतरा-कंपनी संबंधों और वैश्विक नेटवर्क से बने होते हैं, जहां संबंध 'बहुतों-से-बहुत के' होते हैं 'एक-के-बाद-अगले-से' के बजाय।[41]

वैश्विक मूल्य श्रृंखला में परिवर्तन आने के साथ उत्पादन एक उद्योग में एक कंपनी के बाह्य स्रोतों को एक विशेष गतिविधि के लिए एक स्थान पर कार्य देने के बारे में नहीं रह गया है। यह मध्यवर्ती वस्तुओं और सेवाओं को टुकड़ा-टुकड़ा और अंतर्राष्ट्रीय रूप से फैली हुई उत्पादन प्रक्रिया को संगठित करने के बारे में है, जिसका संयोजन बहुराष्ट्रीय कंपनियां करती हैं और यह उद्योगों से परे जाता है। किसी विशिष्ट वस्तु या सेवा का उत्पादन संबद्ध, अनुबंधित साझीदार, हाथ भर की दूरी पर मौजूद आपूर्तिकर्ता के नेटवर्क द्वारा किया जाता है जो प्राय: विकासशील देशों में होता है और किसी विकसित देश में स्थित मुख्यालय के तहत कार्य कर रहा होता है। वैश्वीकरण अब क्षेत्र-आधारित से उत्पादन के स्तर और कार्य के वैश्वीकरण की ओर बढ़ा है।[42] इस प्रकार के उत्पादन कार्य के संयोजन में डिजिटल क्रांति और सूचना और संचार तकनीक में उन्नति ने मदद की है।

इन वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में कार्य करने वाले लोगों की संख्या बहुत अधिक है और बढ़ रही है: 40 देशों के आंकड़ों के अनुसार 2013 में पांच में एक व्यक्ति या 45.30 मिलियन लोग (1995 में 29.60 मिलियन लोग थे) वैश्विक मूल्य श्रृंखला में कार्य कर रहे थे, जिनमें 19 मिलियन महिलाएं थीं।[43]

विकसित देशों के वैश्विक मूल्य श्रृंखला में एकीकरण से भुगतान किए जाने वाले कार्य के अवसर बढ़े हैं और महिलाओं के लिए श्रमशक्ति में परिवर्तन आया है (जिनमें से बहुत को कपड़ा उद्योग में नौकरी मिलती है)। निवेश से युवाओं को लाभ मिलता है जो नए कौशल सीख सकते हैं और उन्हें अपने पूरे कार्यजीवन में प्रयोग कर सकते हैं। लेकिन हर आयु और कौशल के स्तर की महिला के लिए कार्य की जरूरत है। यह चिंताजनक है कि बहुत से कारखानों में मात्र कम कौशल वाली जवान महिलाओं को ही नौकरी पर रखने का चलन है, जिससे वृद्ध और अधिक कौशल वाली महिलाओं के लिए अवसर कम हो जाते हैं। श्रम सुरक्षा के स्तर को लेकर भी चिंताएं हैं।

कर्मचारियों और वैश्विक मूल्य श्रृंखला में हिस्सेदारी से जुड़ी अर्थव्यवस्थाओं को लाभ पहले से तय नहीं हैं। वैश्विक मूल्य श्रृंखला में एकीकरण मानव विकास के आयामों को अलग तरह से और प्राय: विरोधाभासी तरीकों से प्रभावित करता है। ऐसा एकीकरण वैश्विक रूप से एकीकृत- कारखानों में कार्य की गुणवत्ता और कर्मचारी अपनी मानवीय क्षमताओं का विस्तार कर पाए हैं या नहीं- के बारे में कुछ नहीं कहता।

इसके अलावा वैश्विक मूल्य श्रृंखला प्रणाली देशों और उद्योगों के अंदर और बाहर विजेता और हारने

व्यवसायिक प्रक्रिया को वाह्य स्रोतों से कराना वैश्वीकरण के सबसे बड़े परिणामों में से एक है

वालों को जन्म देती है। वैश्विक मूल्य श्रृंखला की कहीं भी चले जाने की प्रवृत्ति नौकरी की सुरक्षा कम करती है सरकारों और उप-ठेकेदारों पर दाम को कम करने का दबाव बनाती है। इसके बदले ये श्रमिकों की मजदूरी और उनकी कार्यस्थितियों पर दबाव डालती है, विशेषकर कम-कौशल वालों पर। विकासशील देशों के वैश्विक मूल्य श्रृंखला के कम-मूल्य की अतिरिक्त गांठों में फंस जाने का खतरा भी होता है, जिससे कार्य के अवसर, कौशल विकास और तकनीक के अनावरण के अवसर भी सीमित हो जाते हैं।

वैश्विक मूल्य श्रृंखला की ओर बदलाव विकासशील और विकसित देशों में श्रमिकों के लिए एक जैसी जटिलताएं सामने लाया है। इसे लेकर सवाल हैं कि श्रमिकों को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में हिस्सेदारी देने वाला कार्य का हिस्सा बनकर कितना लाभ होता है बनिस्पित उस कार्य के जो उनके ठीक सामने होता है। कुछ ऐसे प्रमाण हैं कि वैश्विक मूल्य श्रृंखला के लिए किए जाने वाले कार्य की उत्पादकता अधिक है लेकिन वैश्विक मूल्य श्रृंखला[44] के अंदर और बाहर कार्य करने की मजदूरी एक समान है, जिससे यह सवाल उठ रहे हैं कि बढ़ी हुई उत्पादकता का बंटवारा श्रमिकों और पूंजी के बीच कैसे होता है।

बाजार के दबाव, जो वैश्विक मूल्य श्रृंखला के द्वारा प्रसारित होते हैं, को श्रमिकों को ही झेलना होता है- चाहे वह वैश्विक प्रतियोगिता की वजह से मजदूरी कम होना हो, अनौपचारिक और ठेकेदारी की वजह से बढ़ी हुई असुरक्षा हो जो कई उप-ठेकदारी की श्रृंखला से उपजती है (जो देश की सीमाओं और स्थानीय बाजार से पर पैदा हुई मूल्य अस्थिरता का सामना करने से आती है) या व्यापार में घाटे के दौरान नौकरी से हटाने के रूप में हो। एक प्रतियोगी वैश्विक अर्थव्यवस्था में बहुराष्ट्रीय कंपनियों की किसी भी तरह के अधिकार से मुक्त श्रम शक्ति, परियोजना-आधारित श्रमिकों और बाह्य स्रोतों वाले श्रमिकों पर निर्भरता बढ़ रही है ताकि उत्पादन की लोचशीलता उपलब्ध हो और लागत नियंत्रण में रहे।[45] मूल्य श्रृंखला में हिस्सेदारी कुछ को सुरक्षित, अच्छी नौकरी देती है तो अन्य को अधिक अस्थिर कार्य (एक ही देश और क्षेत्र में भी)। अस्थाई कर्मचारी अक्सर दीर्घकालिक पदों पर बैठे लोगों के साथ कार्य करते हैं, जिससे एक तरह का श्रम द्वैतवाद पैदा होता है।

चुनौतियों के बावजूद राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर नीतियों का संयोजन वैश्विक मूल्य श्रृंखला द्वारा वैश्विक कार्य परिस्थितियों में लोगों के समृद्ध होने में सहायता कर सकता है। लेकिन इसके लिए जैसा-चल-रहा-है वैसी ही नीतियां या छोटे नीतिगत कदम उठाने से कुछ अधिक करना होगा। अध्याय 6 में कुछ ऐसी नीतियों के प्रकार के उदाहरण हैं जो श्रमिकों और देशों को तब पनपने का मौका देती हैं जब कार्य अधिक लोचशील बन जाता है और राष्ट्रीय सीमाओं से परे जाता है।

वैश्विक मूल्य श्रृंखला प्रणाली में जीत और हार दोनों ही हैं

डिजिटल युग में कार्य

डिजिटल क्रांति पर ध्यान दिए जाने की जरूरत कार्य की दुनिया में इसके द्वारा किए जा रहे बदलावों और वैश्वीकरण को रफ्तार देने के तरीकों की वजह से है। हाल ही के सालों में डिजिटल क्रांति ने वस्तुओं और सेवाओं के वैश्विक उत्पादन को गति दी है, विशेषकर डिजिटल व्यापार में (रेखांकन 3.4)। साल 2014 में वस्तुओं का व्यापार 18.9 पदम (ट्रिलियन) डॉलर और सेवाओं का व्यापार 4.9 पदम (ट्रिलियन) डॉलर तक पहुंच गया था।[46]

जानकारी आधारित वैश्विक प्रवाह लगातार प्रभावी होता जा रहा है और यह पूंजी और श्रम आधारित प्रवाह के मुकाबले तेजी से बढ़ रहा है। आज जानकारी-आधारित प्रवाह वैश्विक प्रवाह का आधा है और इसका हिस्सा लगातार बढ़ रहा है: जानकारी-आधारित वस्तुओं का प्रवाह श्रम-आधारित वस्तुओं के प्रवाह के मुकाबले 1.3 गुना की दर से बढ़ रहा है।[47] इसके परिणामस्वरूप वस्तुओं और सेवाओं के प्रवाह का डिजिटल अंश बढ़ गया है (रेखांकन 3.5)। वास्तव में बहुत सी वस्तुएं, जिन्हें आज 'ऐप अर्थव्यवस्था' के रूप में दर्शाया जाता है, पूरी तरह आभासी हैं। इंटरनेट से गुजरने वाला अधिकतर डाटा, प्राय: स्मार्टफोन पर होता है। आज करीब 7 बिलियन मोबाइल ग्राहक हैं, 2.3 बिलियन लोग स्मार्टफोन का प्रयोग करते हैं और 3.2 लोग इंटरनेट से जुड़े हुए हैं।[48]

डिजिटल तकनीक का प्रसार और पैठ हर जगह कार्य की दुनिया को बदल रहे हैं, लेकिन अलग-अलग देशों में इसके असर उनके सामाजिक और विकासशील संदर्भों में अलग-अलग होते हैं। कुछ तकनीकी बदलाव इसके पार जाते हैं जैसे कि सूचना और संचार तकनीक और मोबाइल फोन तथा अन्य हाथ में लिए जाने वाले उपकरण। लेकिन अब भी देशों में अलग-अलग उत्पादन और रोजगार ढांचे चलते रहेंगे और डिजिटल तकनीक का अलग प्रयोग भी जो मुख्यत: आर्थिक और कृषि, उद्योग और सेवाओं के भार के साथ ही लोगों की क्षमताओं के विकास में लगाए गए संसाधनों को प्रतिबिंबित करेगा। श्रम बाजारों, भुगतान की जाने वाली और अभुगतान की जाने वाली कार्य का अनुपात और कार्य के प्रमुख प्रकार हर देश में अलग होते हैं- इसलिए डिजिटल तकनीक का कार्य पर प्रभाव उसी तरह अलग होगा।

डिजिटल क्रांति संभवत: उच्च-तकनीकी उद्योग से जुड़ी हुई हो लेकिन यह अनौपचारिक गतिविधियों जैसे कि कृषि से लेकर सड़क पर सामान की बिक्री तक बहुत सी चीजों को प्रभावित कर रही है। कुछ सीधे मोबाइल उपकरणों से संबंधित हो सकती हैं। इथियोपिया में किसान मोबाइल फोनों का प्रयोग कॉफी के दाम पता करने के लिए कर रहे हैं।[49] सऊदी बिलियन में किसान गेहूं की फसल के लिए बेहद कम उपलब्ध सिंचाई के पानी के वितरण के लिए वायरलेस तकनीक का प्रयोग करते हैं।[50] बांग्लादेश के कुछ गांवों में महिला

उद्यमी अपने फोनों का प्रयोग पड़ोसियों को भुगतान की जाने वाली सेवाएं देने के लिए करती हैं। बहुत से विकासशील देशों में बहुत से लोग सेल फोन कार्ड या मोबाइल फोन की बिक्री और मरम्मत से जुड़े हुए हैं।

मोबाइल फोन अब कार्य के बहुत से पहलुओं को वॉयस कॉल, एसएमएस और मोबाइल एप्लीकेशन्स द्वारा मदद देते हैं। कुछ मोबाइल फोन का कृषि में प्रयोग करते हैं जैसे कि रेखांकन 3.6 में दिखाया गया है, लेकिन अन्य तरह की गतिविधियों के लिए भी इसके लाभ हैं जैसे कि औपचारिक और अनौपचारिक, भुगतान किए जाने वाले और भुगतान न किए जाने वाले कार्य, काहिरा में खाद्य सामग्री विक्रेताओं से लेकर सेनेगल की सड़कें साफ करने वालों से लेकर लंदन में देखभाल करने वालों तक। मोबाइल फोन-आधारित आर्थिक गतिविधियों के तेजी से विस्तार करने की संभावना है। उप-सहारा अफ्रीका में 2013 में मोबाइल ग्राहकों के 31.10 लाख से 2020 में 50.40 लाख तक बढ़ने का अनुमान है (रेखांकन 3.7)।[51]

मोबाइल फोन और मोबाइल इंटरनेट सेवा श्रमिकों और अर्थव्यवस्थाओं को बहुत से नए अवसर और लाभ प्रदान करती है, जो सामन्यत: हैं:

- *सक्रिय मूल्य सूचना तक पहुंच*। भारत में किसान और मछुआरे मोबाइल फोनों से मौसम कि स्थितियों पर नजर रखते हैं और थोक मूल्यों की तुलना करते हैं और सूचना तक बेहतर पहुंच का परिणाम उपभोक्ताओं के लिए मूल्यों में 4 प्रतिशत की कमी रहा है।[52] इसी तरह नाइजर में मोबाइल फोनों के प्रयोग से देश के विभिन्न बाजारों में अनाज के मूल्यों में अंतर 10 प्रतिशत तक कम हुआ है।[53] मोबाइल फोन श्रमिकों का सूचना से सशक्तिकरण करते हैं।
- *उत्पादकता में वृद्धि*। मलेशिया, मैक्सिको और मोरक्को जैसे विविधतापूर्ण देशों में बाजार प्रवेश की बाधाओं और कारोबार की लागत को कम कर छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों ने उत्पादकता में औसत 11 प्रतिशत वृद्धि की है।[54]
- *रोजगार निर्माण*। इंटरनेट और मोबाइल तकनीकें नए रोजगार अवसरों का सृजन प्रत्यक्ष रूप से तकनीक-आधारित उद्यमों द्वारा श्रम की मांग और अप्रत्यक्ष रूप से तकनीक-आधारित उद्योमों को समर्थन देने के लिए तैयार कंपनियों के परितंत्र द्वारा करती हैं। अप्रत्यक्ष रोजगारों में स्थापना, देखरेख करने वाले और कौशल-आधारित सेवा प्रदाता जैसे कि विज्ञापन और लेखा कार्य शामिल हैं।
- *आपूर्ति श्रृंखला का प्रबंधन*। छोटे व्यवसाय आपूर्ति और सुपुर्दगी का ब्यौरा रखते हैं और कुशलता बढ़ाते हैं। इससे खाने की बर्बादी रोकने से लेकर वैश्विक मूल्य श्रृंखला में आसानी से रोजगार मिलने तक में मदद मिल सकती है।
- *बेहतर सेवाएं*। मोबाइल फोन कृषि विस्तार सेवाओं की पहुंच बढ़ा रहे हैं। भारत, केन्या और युगांडा में किसान तकनीकी कृषि सेवा के लिए फोन या मैसेज कर सकते हैं।[55] केन्या में विकसित एक एप्लीकेशन है आईकाउ (iCow), जो पशुओं के उर्वरता चक्र पर नजर रख उनकी प्रजनन क्षमता के अधिकतम प्रयोग में किसानों की मदद करता है।

डिजिटल क्रांति वैश्वीकरण को तेज कर रही है और कार्य की दुनिया बदल रही है

रेखांकन 3.4

डिजिटल क्रांति ने वस्तुओं और सेवाओं के वैश्विक उत्पादन विशेषकर डिजिटल व्यापार को गति दी है।

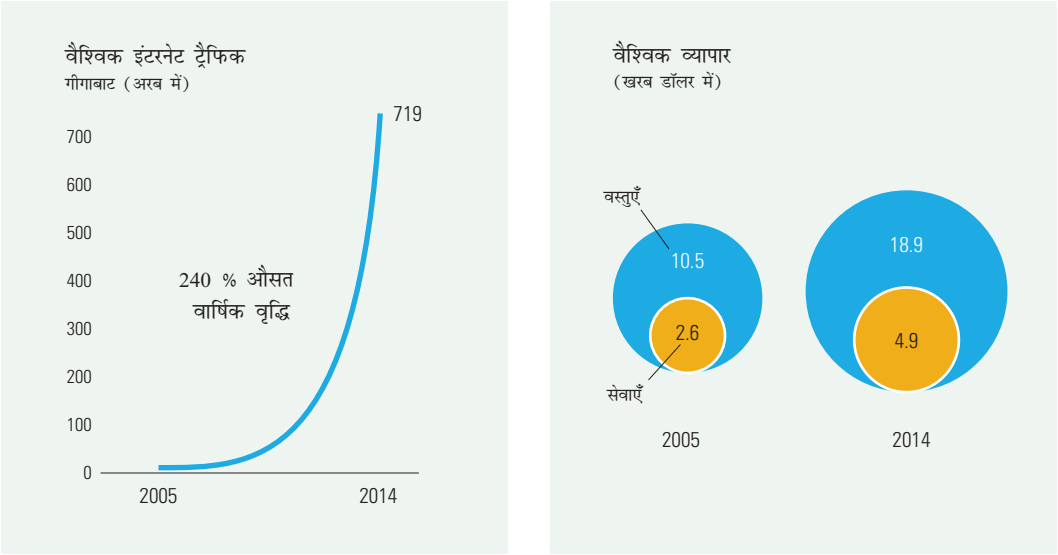

स्त्रोत : यूएनसीटीएडी (2015) और सिस्को (2015) के आंकड़ों पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की गणना।

रेखांकन 3.5

वैश्विक प्रवाह का डिजिटल अंश बढ़ गया है- चुनिंदा उदाहरण।

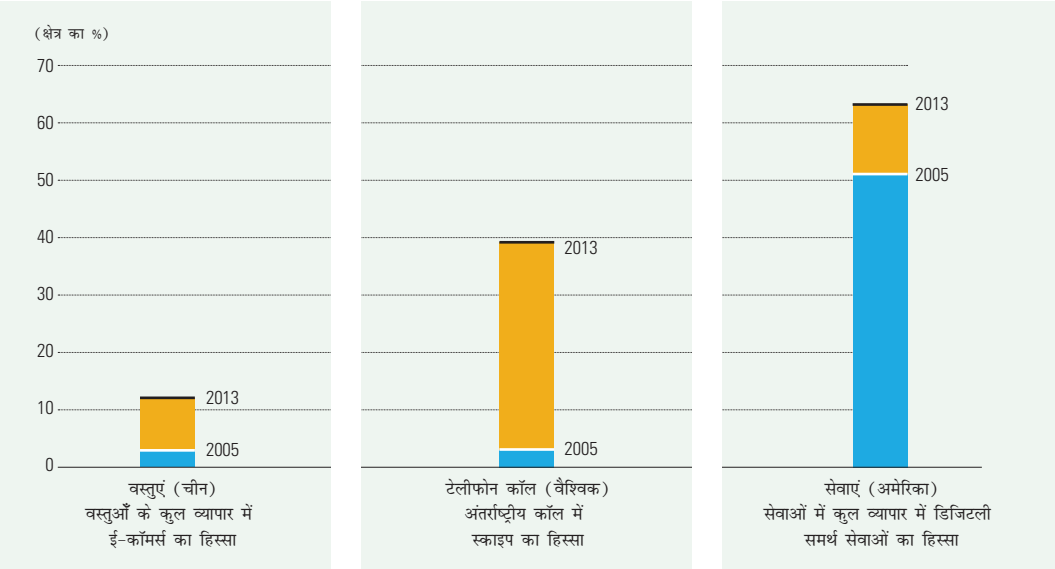

नोट : डिजिटल अंश से मतलब प्रवाह के डाटा और संचार से है। उदाहरण के लिए किताबों और डिजाइन का सीमापार आदान-प्रदान प्रवाह के डिजिटल अंश का प्रतिनिधित्व करेगा।
स्त्रोत : मैक्किन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट 2014।

मोबाइल फोन जानकारी के साथ कामगरों को सशक्त करता है

- *श्रम बाजार की सेवाएं।* मोबाइल सेवाएं कर्मचारियों को रिक्त पदों से मिला सकती हैं। दक्षिण अफ्रीका में मोबाइल सेवाओं के विस्तार से रोजगार में 15 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी जुड़ी हुई है, जिनमें अधिकांश महिलाएं हैं।[56] बहुत सी नौकरी दिलाने वाली कंपनियां नौकरी ढूंढने वालों को रिक्त पदों की वास्तविक समय की सूचना देती हैं, जिससे शुरुआती और कम-कौशल की नौकरियों के लिए नियोक्ताओं को अपने भरती तंत्र के विस्तार में मदद मिलती है।[57] नौकरी ढूंढ रहे ऐसे लोगों के लिए वॉयस मैसेज विशेषकर लाभप्रद हैं जिन्हें लिखने और पढ़ने में परेशानी होती है।
- *मोबाइल बैंकिंग।* मोबाइल फोन से धन का स्थानांतरण और भुगतान हो सकता है। इस तरह शहरी इलाकों में कार्य कर रहे कपड़ा कर्मचारी या फल विक्रेता तीव्र लेन-देन कर सकता है और धन को ग्रामीण घरों में भेज सकता है। मोबाइल धन की कुछ सबसे अग्रणी सेवाएं दक्षिण एशिया में विकसित की गई हैं, बांग्लादेश में बीकैश के रूप में और उप-सहारा अफ्रीका के केन्या में एम-पैसा के रूप में।
- *वित्त तक पहुंच।* छोटे व्यवसाय वित्त ऑनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल कर पूरी दुनिया से आकृष्ट पक्षों द्वारा वित्त हासिल कर सकते हैं। केयर इंटरनेशनल का एक तंत्र है जो संभावित निवेशकों को 10 देशों में छोटे व्यवसायिक विचारों और प्रोफाइल्स को देखने देता है। इन देशों में बोस्निया और हर्जेगोविना शामिल है। लोग व्यक्तिगत रूप से इसमें 25 डॉलर तक की मामूली राशि से निवेश कर सकते हैं।[58]

यह श्रमिकों और अर्थव्यवस्थाओं के मोबाइल फोन और इंटरनेट तक पहुंच स्थापित होने के अनगिनत लाभों में से कुछ हैं। यह पहुंच लोगों को अपनी रचनात्मकता और चतुरता को कार्य के माध्यम से उत्पादन और मानव विकास जैसे बड़े उद्देश्यों के लिए प्रयोग करने का मौका देती है। और भी बहुत कुछ संभव है, विशेषकर अगर इंटरनेट और मोबाइल फोनों तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाएं, विशेषकर महिलाओं और ग्रामीण क्षेत्र में रहने वालों के लिए। एक अध्ययन का अनुमान है कि अगर विकासशील देशों में इंटरनेट तक पहुंच विकसित देशों के समान होती तो 2.2 पदम (ट्रिलियन) जीडीपी और 14 मिलियन से अधिक नई नौकरियां पैदा हो सकती थीं जिनमें से 4.4 मिलियन अफ्रीका में और 6.5 मिलियन भारत में होतीं। विकासशील देशों में दीर्घकालिक उत्पादन 25 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।[59]

कार्य के लिए नई सीमाएँ

अर्थव्यवस्थाओं के उत्पादन और रोजगार को बदल रही डिजिटल क्रांति में लाखों लोगों कार्य के नए तरीकों और नई नौकरियों से सशक्त करने की ताकत है। लेकिन गतिविधियां भी पारंपरिक अर्थों में रोजगार और नौकरियों

रेखांकन 3.6

मोबाइल एप्लीकेशन्स के लिए कृषि और ग्रामीण विकास में अवसर।

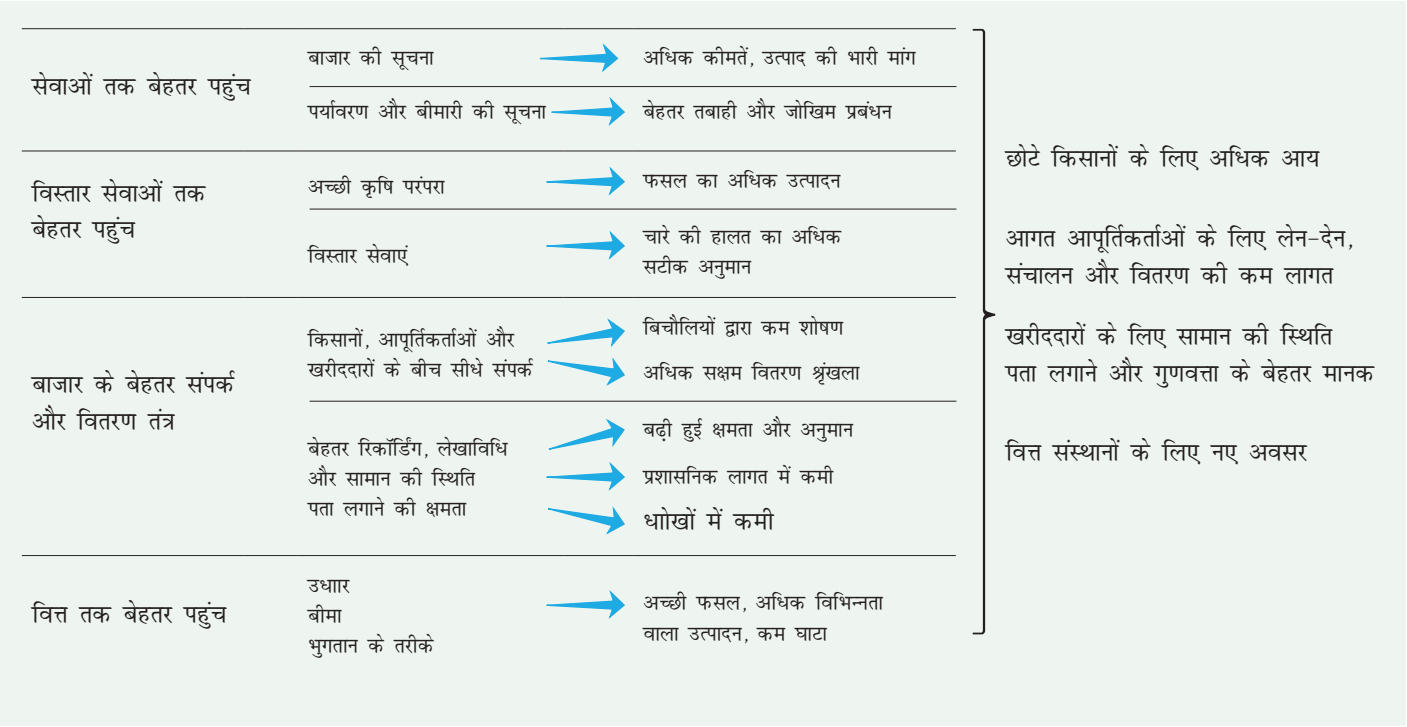

स्त्रोत : कियांग और अन्य 2011।

से दायरे से बाहर निकल रही हैं और एक व्यक्तिगत बाजार-आधारित गतिविधि के रूप में कार्य की प्रवृत्ति का बदलना भी तय है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्य के मौजूदा तरीके को अनिवार्य रूप से बाधित करेगी। कुछ मामलों में सहयोग, साझीदारी और नई खोजों के नए रूप कार्य को एक अधिक सामाजिक अनुभव की ओर खिसकाएंगे।

नए उत्पादक

डिजिटल अर्थव्यवस्था का एक विशिष्ट लक्षण है सीमांत लागत शून्य करने की संभावना। जब डाटा और एप्लीकेशन में एक बार डिजिटलीकृत जानकारी डाल दी जाती है तो इसे बिना किसी अतिरिक्त लागत के असंख्य बार फिर बनाया जा सकता है। पुर्नउत्पादन की कम या शून्य लागत कार्य के फायदों तक पहुंच को विस्तार देती है लेकिन कुच और नई नौकरियां पैदा कर सकती हैं। मार्च 2015 में ट्विटर के 30.20 मिलियन सक्रिय मासिक यूजर्स थे, जिन्होंने 50 मिलियन ट्वीट्स प्रतिदिन द्वारा सूचना[60] और समाचार पैदा किए या प्रसारित किए, लेकिन ट्विटर के मात्र 3,900 कर्मचारी हैं जिनमें से आधे इंजीनियर हैं।[61]

डिजिटल अर्थव्यवस्था की एक दूसरी महत्वपूर्ण विशेषता, जो कार्य के नौकरी या रोजगार में परिवर्तित होने को प्रभावित करती है, यह है कि वस्तुएं और सेवाएं जिनका लोग उपभोग करते हैं वह खुद उपभोक्ताओं द्वारा ही उत्पादित होती हैं- वह 'प्रोज्यूमर' बन जाते हैं। इसका सबसे सीधा उदाहरण शायद विकीपीडिया है, जिसके 73,000 से अधिक सक्रिय स्वैच्छिक अंशदाता हैं।[62]

फ्री ऑनलाइन एन्साइक्लोपीडिया भुगतान लेकर सूचना देने वाली सेवाओं जैसे कि एन्साइक्लोपीडिया ब्रिटैनिका से सीधी प्रतियोगिता कर रहा है, जिसने 244 साल बाद अपने प्रकाशन का मुद्रण रोक दिया है।[63]

इसी तरह के कार्य भौतिक दुनिया में हो रहे हैं। नई तकनीकें, जिनमें से कुछ का ऊपर के अध्यायों में उल्लेख है, पूरी तरह से नई और सामान्यत: उत्पादन और उपभोग के विकेंद्रीकृत प्रकार को संभव बनाती हैं। एक उदाहरण ऊर्जा है। घरों में बहुत समय से पवन ऊर्जा का प्रयोग कर अपने लिए ऊर्जा उत्पादन संभव रहा है लेकिन अब नए स्मार्ट ग्रिडों के द्वारा उनके लिए अपनी अतिरिक्त ऊर्जा ग्रिड को बेचना संभव हो पाया है, जिससे पहले बगैर भुगतान के किए गए कार्य के लिए उन्हें वित्तीय लाभ मिल रहे हैं।

रेखांकन 3.7

उप-सहारा अफ्रीका में मोबाइल ग्राहकी के 2013 और 2020 के बीच उल्लेखनीय रूप से बढ़ने का अनुमान है।

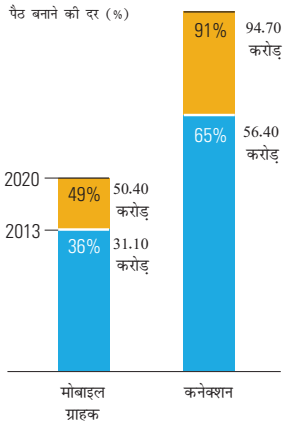

स्त्रोत : जीएसएमए 2014।

व्यक्तिगत सेवाएं और वस्तुएं

तकनीक बाजारों को भी बदल रही है क्योंकि बहुत सी व्यक्तिगत सेवाएं ऑनलाइन की ओर जा रही हैं। अब ग्राहक राशन खरीदने, रेस्तरां से खाना ऑर्डर करने, होटल और एयरलाइन की बुकिंग इंटरनेट से करते हैं और घर की सफाई या बच्चे की देखरेख के लिए नौकर की सेवाएं भी लेते हैं। ऑनलाइन सेवाओं के लिए पूर्णकालिक सेवा प्रदाता के मुकाबले कम समर्पण की जरूरत होती है और इससे उपभोक्ताओं को कभी-कभार ही इन सेवाओं के प्रयोग की छूट मिलती है। ऑनलाइन प्रणाली उन लोगों को अस्थायी कार्य के अवसर भी उपलब्ध करवाती है जो कुछ अतिरिक्त कमाना चाहते हैं या जो अपने कार्यक्रमों को थोड़ा लोचदार रखना चाहते हैं। ऑनलाइन कार्य सेवा कंपनियां लोगों को खरीददारी करने या सिनेमा की टिकटों के लिए लाइन में लगने जैसे दैनिक कार्य करने वालों को भुगतान करने का मौका देती हैं। ऑनलाइन लेनदेन सेवाएं अपने उपभोक्ताओं को अलग-अलग मामलों के लिए अनुवादक रखने की आजादी देती हैं, इनमें से कुछ विद्यार्थी होते हैं जो लोचशील कार्य की तलाश में होते हैं।

डिजिटल क्रांति ने रचनात्माक कार्यों में भी क्रांति कर दी है और छोटे उत्पादकों और कलाकारों को सशक्त किया है। यह ईबे और इट्से जैसी साइट्स के द्वारा संभव हुआ है जहां कलाकारों को ऐसे खदरीदार मिल सकते हैं जो किसी विशेष प्रकार के या आला उत्पादों को ढूंढ रहे होते हैं। लेखक और कलाकार खुद पब्लिश कर सकते हैं और अपनी कृत्रियों को दुनिया के साथ साझा कर सकते हैं, चाहे ई-बुक के रूप में, संगीत डाउनलोड या वीडियो क्लिप के रूप में। और स्मार्टफोन ने छोटे-स्तर के सॉफ्टवेयर डिजाइनर्स के लिए एक नया और विशाल बाजार तैयार कर दिया है जो विशेष आवश्यकताओं का ध्यान रखता है। ऑनलाइन स्टोर्स अलग-अलग व्यक्तिगत ऐप बेचते हैं जो यूजर्स के लिए सब कुछ करना संभव बनाते हैं जिसमें अपनी सेहत पर नजर रखने से लेकर, भाषाएं सीखने और खेल खेलने तक शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप ऐप इकोनॉमी अर्थव्यवस्था गति से विकसित हो रही है। एक शोध में दावा किया गया है कि 2013 में ऐप अर्थव्यवस्था ने अकेले अमेरिका में 7,50,000 लोगों को किसी तरह का कार्य उपलब्ध करवाया।[64]

तकनीकी भी बाजारों को परिवर्तित कर रही है

नई व्यवसायिक सेवाएं

इंटरनेट के घरों तक विस्तार के साथ लोगों के लए यह संभव हो गया है कि वह व्यवसायिक संसाधन सेवाएं अपने घरों से प्रदान करें। प्राय: इसमें वाइट-कॉलर कौशल जैसे कि कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, कॉपीराइटिंग और कानूनी कार्यों के लिए बैक-ऑफिस कार्य, शामिल होते हैं। ये कार्य सामान्यत: विकसित देशों में स्थित कंपनियों के लिए विकासशील देशों, जैसे कि बांग्लादेश, भारत और फिलीपीन्स में किए जाते हैं।

इनमें से अधिकतर व्यवसायों में मध्यस्थता ऐसी कंपनियां करती हैं जो फ्रीलॉसर्स और ऐसी छोटे, मध्यम आकार की फर्म के बीच समन्वय करती हैं, जिन्हें व्यवसायिक सेवा की आवश्यकता होती है। समन्वय करने वाली कंपनियां फ्रीलॉसर्स से थोड़ी दलाली लेती हैं लेकिन प्राय: उनसे कोई शुल्क नहीं लेतीं जो यह कार्य देते हैं। इसमें से अधिकतर कार्य शहरी क्षेत्रों में किया जाता है लेकिन अब कोशिशें की जा रही हैं कि इन अवसरों को अधिक वंचित क्षेत्रों तक विस्तार दिया जाए। यह 'प्रभाव स्रोत' (इम्पैक्ट सोर्सिंग) के माध्यम से किया जा रहा है जो बाह्य स्रोत से कार्य लेने वाले सामाजिक दायित्व का एक प्रकार है जिसमें सुविधाहीन समूहों के लिए नौकरियां पैदा की जाती हैं।[65] इससे ग्रामीण रोजगार के लिए अधिक संभावना बनेगी।

साझा अर्थव्यवस्था

एक और उभरता हुआ चलन, जिसमें कार्य के आकार को बदलने की क्षमता है वह है साझा अर्थव्यवस्था। अब उपभोक्ताओं और व्यक्तिगत आपूर्तिकर्ताओं के बीच मांग और आपूर्ति को मिलाना संभव है। टैक्सी के विकल्प के रूप में लोगों के लिए अपनी कारों को सवारी देने के लिए उपलब्ध करवाना आसान है, जिससे पेशेवर चालकों और उन लोगों के बीच की रेखा धुंधली हो रही है जिनके पास अपनी कार है। तकनीक ने पारंपरिक टैक्सी चालकों के लिए ऊबर और ग्रैब टैक्सी जैसी ऑनलाइन सर्विस के माध्यम से, जो कई दक्षिण-एशियाई एशिया में व्यवसाय कर रही हैं, ग्राहक ढूंढना आसान बना दिया है। यही सिद्धांत भारत में ऑटोरिक्शा एमगाड़ी के साथ लागू कर रहे हैं। अन्य कंपनियां लोगों को अपने निजी घरों में रहने की जगह को किराए पर देने देती हैं (जीसे कि एयरबीएनबी)।

ये व्यवस्थाएं लोगों को अपनी पूंजीगत संपत्ति, जैसे कि कारों या घरों के बेहतर प्रयोग में सक्षम बनाती हैं। लेकिन ये अगर ये पारंपरिक होटलों और परिवहन सेवाओं, जैसे कि टैक्सी चालकों और होटल कर्मचारियों- जो अक्सर कम कौशल वाले होते हैं और कम पैसा पाते हैं, से प्रतियोगिता करें तो कई की जगह भी ले सकती हैं। इसके अलावा सेवाओं के विनियमन, लगातार गुणवत्ता सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं की सुरक्षा जैसी नई चुनौतियां भी हैं। कुछ अर्थों में कार्य का पेशेवरीकरण उलट रहा है।

स्टार्ट अपस्

तकनीक ने व्यवसाय को शुरू करना आसान बना दिया है, जो युवाओं के लिए एक आकर्षक विकल्प है, जिनमें से कुछ तो बहुत प्रतिष्ठित नौकरियां इसके लिए

छोड़ रहे हैं। जब लोग अपने कार्य के दौरा एक अच्छे विचार की पहचान करते हैं और उसे अपने स्तर पर आगे ले जाना चाहते हैं तो उनके पास अपने उद्यमशील प्रयासों में मदद करने के लिए अधिक साधन हैं। वस्तुत: एक हालिया अनुमान के अनुसार दुनिया की 73 प्रतिशत आबादी वाले देशों में 45.50 मिलियन उद्यमी हैं, जो 2011 में 40 मिलियन थे।[66]

ये (प्राय: युवा) लोग उद्यमशीलता को पारंपरिक नौकरियों के व्यवहारिक विकल्प और अपने सपनों को पाने के एक माध्यम के रूप में देखते हैं। एशिया में इन्हें तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है। युवा बहुत अवसर देखते हैं, जिन्हें वित्तीय तकनीक और भारी आंकड़ों का साथ मिलता है।[67] हालांकि स्टार्ट-अप को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। पूंजी तक पहुंच एक बात है और ऐसे विचार जो टिकाऊ हों वह दूसरी। विकासशील देशों में कमजोर कानूनी संस्थाएं एक समस्या पैदा करती हैं और दीर्घकाल के लिए व्यावहारिकता उनकी सबसे बड़ी चुनौती है (बॉक्स 3.4)।

समूह में कार्य करना

ऑनलाइन व्यक्तिगत ठेकेदार के रूप में कार्य करने के साथ ही नियोक्ता अनौपचारिक माध्यमों, जैसे कि समूह में कार्य करने वाले श्रमिकों से भी कार्य ले रहे हैं। इस कार्य में सामान्यत: 'मानव बुद्धिमत्ता के कार्य' होते हैं, और पैसा दो और कार्य करो वाली परिस्थितियां आमतौर पर आदर्श नहीं होतीं। इस बाजार के मुख्य खिलाड़ियों में शामिल हैं क्लिक वर्कर, क्लाउड वर्क, कास्टिंग वर्ड्स और अमेजन का मैकेनिकल टर्क। अमेजन का मैकेनिकल टर्क सबसे बड़ा बाजार है जिसमें विश्व भर के पांच लाख श्रमिक हैं।[68] जुलाई 2015 तक इसमें श्रमिकों के लिए 3,25,000 मानव बुद्धिमत्ता के कार्य उपलब्ध थे।[69]

अगर सेवा चाहने वाले मैकेनिकल टर्क द्वारा किए गए कार्य से संतुष्ट नहीं होते तो उन्हें भुगतान रोकने का अधिकार है। वह मूल्यांकन के लिए खराब अंक भी दे सकते हैं: एक टर्कर (मैकेनिकल टर्क के साथ कार्य करने वाला श्रमिक) को कई बार खराब अंक मिलते हैं तो उसे वह कार्य करने से रोक दिया जाता है। कार्य और सेवा की गुणवत्ता को सुधारने की कोशिशें की जाती हैं, इसलिए ये एक-दूसरे पर दबाव डालते हैं (बॉक्स 3.5)।

ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था

हाल के सालों में ज्ञान उत्पादन के केंद्र में आ गया है। निर्माण क्षेत्र में भी, अब तैयार वस्तु का मूल्य और भी अधिक उसमें मिले ज्ञान से तय हो रहा है। उदाहरण के लिए सबसे अच्छे स्मार्टफोन की कीमत उसमें लगाए गए उपकरणों और संयोजन से कम और उसके परिष्कृत डिजाइन और इंजीनियरिंग से अधिक तय होती है।[70] साल 2012 में करीब 13 पदम (ट्रिलियन) मूल्य की ज्ञान की प्रमुखता वाली वस्तुओं, सेवाओं और वित्त के व्यापार में शोध और विकास के साथ दक्ष श्रम का हिस्सा कुल मूल्य का करीब आधा था।[71] और यह अनुपात नियमित रूप से बढ़ रहा है जबकि ज्ञान के बजाय श्रम, पूंजी और संसाधनों की प्रमुखता वाले उत्पादों और सेवाओं का अनुपात घट रहा है। ऐसा कुछ तो इसलिए हो रहा है क्योंकि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में शामिल हो रहे देशों में मजदूरी में अंतर है और वैश्विक मूल्य श्रृंखला उच्च और निम्न मजदूरी वाले देशों में इसे बांट रही है।

कृषि अर्थव्यवस्था अब भी मौजूद हैं, हालांकि अब इनकी संख्या कम हो रही है। और औद्योगिक गतिविधियां अब भी कायम हैं हालांकि अब कंप्यूटर-आधारित तकनीकें और कार्यस्थल उन्हें बदल रहे हैं, उनकी जगह ले रहे हैं। वास्तविकता यह है कि ज्ञान आधारित समाज में वृद्धि और व्यवसायिक ढांचों में नूतनता कार्य के वातावरण और बहुत से कार्यों के लिए हुनर की मांग में भारी बदलाव ला रही हैं। कार्य का वातावरण तकनीकी रूप से समृद्ध है और उत्पादन, विश्लेषण, वितरण और सूचना के उपभोग के आधार पर कारोबार की एक पूरी नई श्रेणी उभरी है।[72]

ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में कौशल के बेमेलपन की चुनौती तकनीकी अन्वेषण की गति और नए और उच्च कौशल की मांग में तीव्र वृद्धि की वजह से है, जो साथ नहीं चल पा रहे हैं। आठ यूरोपीय देशों में व्यवसायों के सर्वेक्षण में 27 प्रतिशत संभावित नियोक्ताओं ने कहा कि वह रिक्त स्थान इसलिए नहीं भर पा रहे हैं क्योंकि आवेदकों के पास वांछित कौशल नहीं है।[73] यूनान में 45 प्रतिशत और इटली में 47 प्रतिशत नियोक्ताओं ने कहा कि उनके व्यवसाय शुरुआती-स्तर के कौशल की कमी से प्रभावित हुए हैं।[74]

आज विकासशील देशों में बढ़ रही नौकरियों के लिए जटिल अंत: क्रिया की आवश्यकता होती है जिसके लिए गहरा ज्ञान, निर्णय क्षमता और अनुभव चाहिए होता है- जो निर्माण कौशल या सामान्य लेन-देने से अधिक है। उदाहरण के लिए 2010 से 2020 के बीच यूरोपीय संघ में 1.6 मिलियन नौकरियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले लोगों को जोड़ा जाना है, जबकि औपचारिक शिक्षा के अभाव वाले लोगों की नौकरियां 1.2 मिलियन घटने की संभावना है।[75] बहुत सी नौकरियां ऐसी सेवाओं में पैदा हो रही हैं जिनका विकल्प नहीं है जैसे कि स्वास्थ्य, शिक्षा और सार्वजनिक सेवाएं, ये मूलभूत मानव विकास को बढ़ाने वाले क्षेत्र भी हैं।

विकासशील देशों में उच्च मूल्य-संवर्धन सेवाओं और उत्पादन में बदलाव न्यूनतम माध्यमिक शिक्षा और पेशेवर प्रशिक्षण वाले श्रमिकों की मांग बढ़ा रहा है, इसके साथ ही अत्यधिक योग्य पेशेवरों और तकनीशियनों की भी।[76] एक बेहद गतिशील वैश्विक बाजार में जहां उत्पाद और प्रक्रियाएं तेजी से बदलती

कार्य को पुन: आकार प्रदान करने की क्षमता के साथ एक और उभरती प्रवृत्ति है साझा अर्थव्यवस्था

बॉक्स 3.4

बिलियन देशों में स्टार्ट-अप के लिए चुनौतियां।

बिलियन देशों में स्टार्ट-अप के सामने आने वाली चुनौतियों पर साल 2013 के एक सर्वे, जिसमे 700 से अधिक उद्यमियों को शामिल किया गया था, इनमे आधे तकनीक के क्षेत्र में थे (जिनमे सॉफ्टवेयर विकास और सेवाएं, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाएं, गेमिंग और टेलीकॉम और मोबाइल सेवाएं शामिल हैं) ने अलग तरह के निष्कर्ष निकाले।

अधिकतर उद्यमी पुरुष थे जिन्होंने जीवन के दूसरे दशक के उत्तरार्ध में या तीसरे दशक के पूर्वार्द्ध में अपनी कंपनियां शुरू की थीं, जिनके पास विश्वविद्यालय की डिग्री थी, जिन्होंने विदेश में पढ़ाई या कार्य किया था और सह संस्थापकों के साथ साझीदारी की थी। उद्यमियों की औसत आयु 32.5 साल थी और अधिकतर कंपनियां पांच साल पुरानी भी नहीं थीं। 75 प्रतिशत कंपनियों के संस्थापक पुरुष थे, मात्र 23 प्रतिशत उद्यमी महिलाएं थीं। सर्वे में शामिल लगभग सभी उद्यमी स्नातक थे। 70 प्रतिशत की योजना आने वाले एक या दो साल में नए देशों में या ऐसे देशों में जहां वह पहले से कार्य कर रहे थे, नए कार्यालय खोलने की थी। बहुत से संयुक्त बिलियन अमीरात (39 प्रतिशत) और सऊदी बिलियन (38 प्रतिशत) में विस्तार करने की उम्मीद कर रहे थे। अधिकतर उद्यमियों ने वित्त के लिए अपनी निजी बचत का प्रयोग किया था या परिवार या दोस्तों से मदद ली थी, जबकि 24 प्रतिशत को देवदूत निवेश- एक समृद्ध व्यक्ति द्वारा वित्तीय सहायता, का लाभ मिला था। उल्लेखनीय रूप से बड़े हिस्से को व्यवसायिक बैंकों से मदद नहीं मिली थी।

एक चौथाई उद्यमियों ने संकेत दिए कि निवेश हासिल करना एक चुनौती था। बड़े पैमाने पर पूंजी, जिसमें धन मिलने के कई प्रकार के स्रोत हों, वित्त तक पहुंच को बढ़ा सकती है। बहुत सी कंपनियों को सामान्य लागत और कानूनी बाधाओं के साथ ही विदेश में विस्तार करने के लिए साझीदार ढूंढने में समस्या हुई। स्टार्ट-अप में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम था। इससे यह लगता है कि शिक्षा और लिंग में विविधता को बढ़ावा देकर अन्वेषण के भंडार को बढ़ाया जा सकता है।

स्त्रोत : वाएन 2014।

हाल के वर्षों में ज्ञान उत्पादन का केंद्र बन गया है

बॉक्स 3.5

समूह में कार्य करने में सुधार के प्रयास।

क्राउड फैक्ट्री के साथ केन्या और नेपाल में करीब 3,000 समूह में कार्य करने वाले जुड़े हुए हैं। कंपनी का लक्ष्य अपने ठेकेदारों से अच्छा बर्ताव कर अपनी सेवाओं को सुधारना है। खुले बाजार में प्रस्ताव देने के बजाय यह अपने श्रमिकों को चुनती है, उन्हें प्रशिक्षण देती है और निरीक्षण करती है। क्लाउट फैक्ट्री के श्रमिकों को कार्य की तलाश में अधिक समय नहीं लगाना पड़ता और सामान्यत: वह एक घंटे के एक डॉलर से तीन डॉलर तक कमा लेते हैं, जो समूह में कार्य के लिहाज से काफी अधिक हैं।

मोबाइल वर्क्स भी इन्हीं सिद्धांतों के साथ कार्य कर रही कंपनी है, जिसने 2010 में अपना लीडजीनियस नाम का मंच शुरू किया था और अब 50 देशों में इसके सैकड़ों पूर्णकालिक कर्मचारी हैं। कंपनी सुविधाहीन और वंचित लोगों को लक्ष्य बनाती है, जिनमें पूर्व सैनिकों से लेकर शरणार्थी तक होते हैं। अधिकतर समूह में कार्य करवाने वाली कंपनियों के विपरीत यह प्रति घंटे के हिसाब से भुगतान करती है। तेजी से कार्य करने के प्रलोभन को हटाकर यह अपने उच्च-गुणवत्ता के लक्ष्य को सुनिश्चित करती है। मोबाइल वर्क्स के समूह में कार्य करने वाले हफ़्ते में 40 घंटे कार्य की उम्मीद कर सकते हैं। इसका भुगतान सामान्यत: हमेशा ही न्यूनतम राष्ट्रीय वेतन से अधिक होता है।

स्त्रोत : पूलर 2014।

हैं, साक्षरता और गणना में मूलभूत शिक्षा के साथ ही लगातार तेजी से और पर्याप्त सीखना महत्वपूर्ण है। मूलभूत क्षमताएं होने से जीवन के कई पहलुओं में सफलता की गुंजाइश बढ़ जाती है। संज्ञानात्मक और गैर संज्ञानात्मक कौशल (जैसे की अंतर्विवेकशीलता, स्व-नियमन, प्रेरणा और दूरदृष्टि) उत्तरगामी क्षमताओं के विकास को आकार देने को बहुत जोशीले तरीके के प्रभावित करते हैं। बहुत बचपन में किया गया हस्तक्षेप इन आवश्यक हुनरों को बढ़ाने में काफी प्रभावी हो सकता है और मानव पूंजी में अभिभावकों और बच्चों द्वारा किए गए निवेश को प्रतिबिंबित करता है।[77] सुविधाहीन बच्चों के शुरुआती वातावरण को समृद्ध करके बच्चे के परिणामों को सुधारा जा सकता है और ये संज्ञानात्मक और गैर-संज्ञानात्मक कौशल पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। शिक्षा की गुणवत्ता, सीखने और समस्या सुलझाने की क्षमता और ई-साक्षरता का महत्व भी बढ़ रहा है।[78] अधिकतर विकसित देशों में सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा को करीब-करीब प्राप्त कर लिया गया है लेकिन माध्यमिक शिक्षा और उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा भविष्य में नौकरी दिए जाने योग्य श्रमशक्ति के लिए अनिवार्य आधार हैं।

कार्य में ज्ञान की प्रबलता कंपनी को कुछ क्षेत्रों में कर्मचारियों को कम करने की छूट देती है। अब कंपनियां नियमित कार्यों में लगे हुए कर्मचारियों को कम कर सकती हैं, दोनों मानवीय और संज्ञानात्मक कार्य बहुत आराम से प्रोग्राम और स्वचालित किए जा सकते हैं। एक कर्मचारी जो धातु की चद्दरों की वेल्डिंग करता है, उसे आसानी से एक रोबोट से बदला जा सकता है, जो यह कार्य तेजी से, सस्ता और अधिक सटीकता के साथ कर सकता है। इसी तरह संज्ञानात्मक कार्य, जैसे कि गणना करने वाले एक मुनीम को आमतौर पर कंप्यूटर प्रोग्राम बदल सकता है।

पहले की बहुत सी सफल अर्थव्यवस्थाएं कम-मुनाफे वाली, श्रम की प्रमुखता वाली वस्तुओं से

इलेक्ट्रॉनिक संयोजन की ओर बढ़ी हैं और फिर उच्च उत्पादन, डिजाइन और प्रबंधन की ओर। जैसे कि पहले भी व्याख्या की गई है, विकास प्रक्रिया में देर से पहुंचने वाले देशों को 'असामयिक विऔद्योगिकीकरण' या 'गैर उद्योगिकीकरण' का सामना करना पड़ता है।[79] वे अब अपने लाखों बेरोजगारों को उत्पादन क्षेत्र में खपाने की उम्मीद नहीं कर सकते क्योंकि अब अधिकतर कार्य स्वचालित हो गया है।

लोचशील कार्य

डिजिटल क्रांति कार्य के अधिक लोचशील प्रकार संभव बनाती है, जिससे लोग अपनी आजीविका और अपने कार्य की गतिविधियों को अपने जीवन के आस-पास रख सकें। बहुत से लोग जिनका कार्य कंप्यूटर आधारित है, सैद्धांतिक रूप से कहीं भी कार्य कर सकते हैं, कैफे में, ट्रेन में और विशेषकर अपने घरों में। वस्तुत: कुछ नियोक्ता निवास कार्यालय के लिए भुगतान भी करते हैं। और तो और अपने लैपटॉप का प्रयोग कर श्रमिक अपने कार्यालय के तंत्र से जुड़कर अपनी मेल और फाइलों तक पहुंच सकते हैं और टेलीकॉफ्रेंसिंग के माध्यम से अपने साथियों से जुड़ सकते हैं। साल 20104 में ब्रिटेन के 14 प्रतिशत श्रमिकों ने अपने कार्य समय का कम से कम आधा अपने घर में बिताया था।[80] इसी तरह 2012 में अमेरिका में 6।4 मिलियन लोगों की नौकरियां ऐसी थीं जिनमें से 50 प्रतिशत कार्य घर से किया जा सके।[81]

माना जाता है कार्य में लोचशीलता से कर्मचारी अधिक उत्पादक होते हैं और नौकरी कम बदलते हैं (लोचशील कार्य-जीवन संतुलन के लिए नीतियों पर किए गए एक शोध के मुताबिक)।[82] दूरसंचार कंपनियों पर हालिया शोधों से पता चला है कि लोचशील कार्य सारणी और दूरस्थ-कार्य का ज्ञान को साझा करने, परस्पर कार्यों में सहयोग और अंतरसांगठनिक भागीदारी के द्वारा प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।[83]

लेकिन कार्यस्थल की लोचशीलता सामान्यत: उन्हीं के लिए एक विकल्प होती है जिनके पास औपचारिक नौकरी होती है। अस्थाई अल्पकालिक व्यवस्थाओं में, जहां प्राय: प्रति घंटे की दर से भुगतान होता है, परिवार या अन्य आवश्यकतों को समय देने का अर्थ है सीधे मजदूरी की हानि (हालांकि स्वतंत्र रूप से कार्य करने वाले उच्च दक्षता और कौशल वाले लोग एक अपवाद हैं)। विकासशील देशों में गरीब या गरीबी के कगार पर खड़े कर्मचारियों के लिए किसी तरह की लोचशीलता को पाना कठिन है।

विकेंद्रीकृत कार्यस्थल और दूरस्थ-कार्य के लाभ-हानि दोनों हैं। ऐसे कार्य की व्यस्थाएं यात्रा समय बचाती हैं और अधिक स्वतंत्रता के लिए लोचशील सारणी देती हैं। लेकिन ये समूह में कार्य और सामाजिक संवाद के अवसर घटा देती हैं जिससे नियोक्ता के लिए कर्मचारियों का प्रबंधन कठिन हो जाता है।

कार्य करने का नया तरीका कार्यालयों के आकार भी बदल रहा है। एक पारंपरिक कार्यस्थल में निर्दिष्ट मेज का प्रयोग आधे समय ही होता है। इसका एक लोकप्रिय विकल्प बहुपयोगी मेज (एक ही स्थान पर अलग-अलग लोगों को कार्य करने का स्थान दिया जाना) है- जैसे कि हर 10 कर्मचारियों के लिए सात मेज हों- जिससे अन्य गतिविधियों के लिए स्थान खाली हो जाता है। जब ज्ञान का कार्य करने वाले कर्मचारी अपने कार्यस्थल पर आते हैं तो सामान्यत: वह दिमाग दौड़ाते हैं, समस्याएं सुलझाते हैं और विचार पैदा करते हैं- ऐसी गतिविधियां तब सबसे अच्छे ढंग से की जा सकतीस हैं जब जगहें सुखद हों, खुले कॉफीघरों, आरामदायक बैठकी वाली और शांत हों।

कुछ नियोक्ता अपने कार्यालयों को इतना आकर्षक बनाने की कोशिश करते हैं कि कर्मचारियों को जाने की आवश्यकता ही महसूस न हो। किचन, रेस्तरां, जिम, खेलने के कमरे और सोने के लिए बिस्तरों के साथ कर्मचारी कार्य और आराम अधिक लोचशीलता और दक्षता के साथ कर सकते हैं- और विभिन्न समय क्षेत्रों में ग्राहकों और साझीदारों के साथ वास्तव में संपर्क कर सकते हैं। ब्रिटेन में वकीलों की कुछ कंपनियों में सोने के लिए बिस्तर हैं जहां देर तक कार्य करने वाले वकील आराम कर सकते हैं या कभी-कभार रात गुजार सकते हैं।

लेकिन कार्यालय से दूर होने पर भी कार्य से बचना कठिन है। मोबाइल उपकरणों पर लगातार संपर्क में रहने ने कार्य और आराम के अंतर को धुंधला कर दिया है और सार्वजनिक और निजी जीवन की सीमारेखा को कम कर दिया है। बहुत से श्रमिक छुट्टी के दौरान भी अपने कार्यालयों के संपर्क में रहते हैं, इस तरह कार्य कभी बंद नहीं होता। स्वतंत्र रूप से कार्य करने वालों और लोचशील कर्मचारियों के लिए अपने कार्य और जीवने के अन्य पहलुओं में अंतर कर पाना विशेषकर चुनौतीपूर्ण होता होगा क्योंकि यह कभी स्पष्ट नहीं होता कि अगला कार्य कब मिलेगा। ऐसा लग सकता है कि ऐसी व्यवस्थाएं बेहतर कार्य- जीवन संतुलन में सहायक होंगे लेकिन वास्तव में ये एक अर्थपूर्ण और संतोषजनक जीवन में सहायक नहीं होतीं।

ज्ञान अर्थव्यवस्था में कौशल का असंतुलन है

रचनात्मक अन्वेषण

तकनीकी प्रगति ने न सिर्फ कार्य को बदल दिया है बल्कि ये नए प्रकार की रचनात्मकताओं और नूतनता की जीवनशक्ति हैं। डिजिटल क्रांति और सूचना और संचार तकनीक तंत्र इसे मदद करते हैं, जो रचनात्मक और नूतन कार्यों से निकले हैं। सहयोगपूर्ण दल और स्वप्नदर्शियों के विचारों को वास्तविक वस्तुओं और सेवाओं में बदला जाता है। डिजिटल तकनीकें तेज और इतनी सस्ती हैं कि सभी प्रकार के नए नवोत्पादों, जिसमें स्वचालित किताबों से लेकर चालकविहीन कारों और लोचशील कारखाने के रोबोट बनाने तक को प्रोत्साहित

तकनीकी प्रगति रचनात्मकता और नवीनता के नए रूपों के लिए इंजन हैं

करती हैं। यह पिछले कुछ दशकों में दुनिया भर में दिए गए पेटेंटों में नजर आता है।[84] साल 1970 से 2012 के बीच अमेरीकी राज्य पेटेंट और ट्रेडमार्क कार्यालय द्वारा (अमेरिका और अन्य देशों में) दिए गए पेटेंट की सख्या में करीब पांच गुना बढ़ोतरी (रेखांकन 3.8) हुई है।[85] कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक के क्षेत्र में आई नूतनता इस वृद्धि के केंद्र में रही: 1990 से 2012 तक सभी नए पेटेंट में इनका हिस्सा दोगुने से अधिक, 25.6 प्रतिशत से 54.6 प्रतिशत, हो गया।[86] रेखांकन 3.9 में 2013 में 12 सबसे ज्यादा पेटेंट देने वाले देशों को दिखाया गया है।[87]

पेंटिंग्स, मिटी के कार्य, मूर्तियों और मुद्रित वस्तुओं का डिजिटलीकरण कलाकृत्रियों तक पहुंच को भी बढ़ा रहा है। बहुत से प्रमुख संग्रहालयों की विस्तृत डिजिटलीकरण परियोजनाएं हैं: एमस्टरडम के रिक्सम्यूजियम ने अपनी 95 प्रतिशत पेंटिंगों और शिप मॉडलों, 60 प्रतिशत मूर्तियों और 50 प्रतिशत मिटी के पात्रें का डिजिटलीकरण कर दिया है। वॉशिंगटन, डीसी, के स्मिथसोनियन संस्थान ने कन्वेयर-बेल्ट स्कैनर जैसे नए स्वचालित डिजिटलीकरण के तरीकों को ईजाद कर 13.80 मिलियन के संग्रह में से 22 लाख वस्तुओं का डिजिटलीकरण कर लिया है।[88]

कार्य में रचनात्मकता उत्पादकता को विस्तार देती है और नूतनता को बढ़ाती है, इसके साथ ही लोगों के अपने कार्य के प्रति संतुष्टि और अच्छा होने की भावना में भी योगदान देती है। विश्व मान्यता सर्वेक्षण के नुसार करीब 80 फीसदी कर्मचारी मानते हैं कि उनके कार्य में (भले ही वह बहुत साधारण हों) कुछ हद तक रचनात्मकता है, लेकिन इसके अनुपात में उल्लेखनीय अंतर होता है जो विशेषकर शिक्षा के स्तर से जुड़ा होता है। प्राथमिक स्तर से कम शिक्षित मात्र 10 प्रतिशत श्रमिक अपने कार्य को बहुत रचनात्मक मानते हैं, जबकि कॉलेज की डिग्री हासिल कर चुके लोगों का यह प्रतिशत 34 है।[89]

कई मामलों में प्रक्रिया में थोड़ा सा संशोधन कार्यस्थल पर नूतनता पर बहुत बढ़ता हुआ असर डालता है। टोयोटा को ले लें। नूतनता हर श्रमिक के कार्य का हिस्सा है, यह ऐसा कार्य नहीं जो चुनिंदा प्रबंधकों और नेताओं को दिया गया है। छोटे विचार जुड़ते जाते हैं और कुछ आकड़ों के अनुसार टोटोटा एक साल में 10 लाख नए विचार लागू करता है, जिनमें से अधिकतर कारखानों में जमीन पर कार्य करने वाले कर्मचारियों के होते हैं, उदाहरण के लिए जो सुझाते हैं कि पुर्जों तक आसानी से कैसे पहुंचा जाए। कार्य के ऐसे माहौल में जहां लगातार सुधार की आशा की जाती है, अमेरिकी कंपनियों की तुलना में जापानी कंपनियों को अपने कर्मचारियों से 100 गुना अधिक सुझाव मिलते हैं।[90]

रचनात्मक श्रम को इसकी पारंपरिक सीमाओं की धारणा से परे ले जाते हुए 2006 में साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार हासिल करने वाले ओरहान पामुक ने रचनात्मक कार्य पर विशेष योगदान दिया है (हस्ताक्षरित बॉक्स)।

रेखांकन 3.8

1970 और 2014 के बीच अमेरीकी राज्य पेटेंट और ट्रेडमार्क कार्यालय द्वारा अमेरिका और अन्य देशों में दिए गए पेटेंट की सख्या में करीब पांच गुना बढ़ोतरी हुई है।

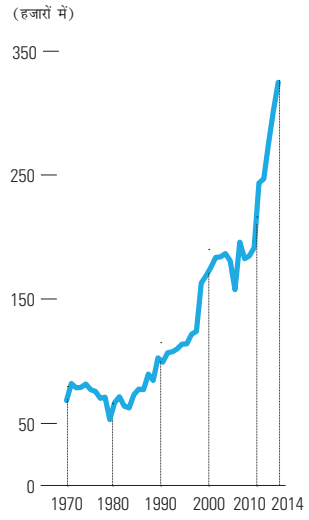

स्त्रोत : यूएसपीटीओ (2015) के आंकड़ों पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की गणना।

अप्रत्यक्ष स्वयंसेवा

डिजिटल क्रांति द्वारा संभव बनाए गए कार्य के प्रकार भुगतान किए जाने वाली नौकरी से अधिक हैं। अब स्वयंसेवा, सामाजिक सक्रियता, राजनीति से जुड़ने और कला की अभियक्ति के नए अवसर उपलब्ध हैं। लोग भौगोलिक सीमाओं और समय क्षेत्रों से परे साथ मिलकर कार्य कर सकते हैं, अपने संसाधनों और चतुरता को एक जगह ला सकते हैं। संपर्क के लिए ऑनलाइन मंच प्राय: पारंपरिक संगठनों के मुकाबले कम वर्गीकृत होते हैं और अलग-अलग दृष्टिकोणों को स्वीकार कर सकते हैं।

डिजिटल क्रांति ने स्वयंसेवा की प्रवृत्ति को बदल दिया है और ऐसे लोगों के लिए अवसर खोले हैं जिन्होंने पहले कभी स्वयंसेवा नहीं की हो। अब आभासी (ऑनलाइन या डिजिटल) स्वयंसेवा भी है- जिसमें इंटरनेट, संगठन से दूर स्थित लोगों के समूह से सहायता ली जाती है।

स्वयंसेवा के नए प्रकार विशेषकर उन लोगों के लिए कार्य करना संभव बना रहे हैं जो शारीरिक रूप से अक्षम हैं जिसकी वजह से उनके यात्रा की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं या उनके लिए जो दिन में कुछ मिनट या एक घंटे ही स्वयंसेवा कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र के स्वयंसेवक के ऑनलाइन स्वयंसेवा तंत्र ने 2014 में विकास कार्यों में 10,887 स्वयंसेवकों (जिनमें से 60 प्रतिशत महिलाएं हैं) को अपने कौशल का योगदान देने का अवसर दिया।[91] आभासी स्वयंसेवक छोटे व्यवसाइयों को सलाह देते हैं, रिपोर्ट और प्रस्ताव लिखते हैं और

रेखांकन 3.9

जापान 2013 में दिए गए पेटेंट की कुल संख्या में सबसे आगे रहा।

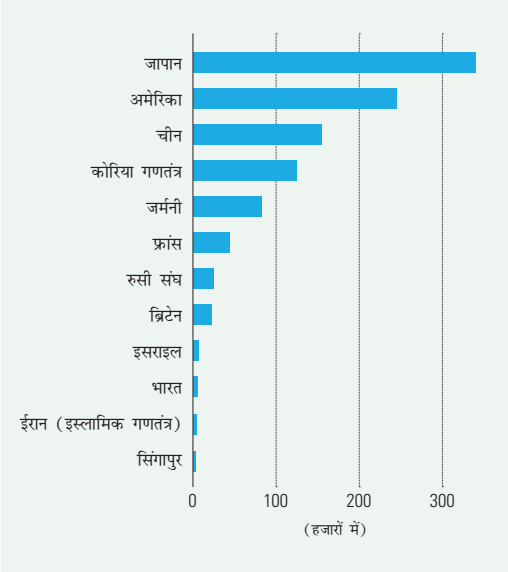

स्त्रोत : डब्यूआईपीओ 2015।

ऑनलाइन कक्षाओं में पढ़ाते हैं। 'लघु-स्वयंसेवक' इंटरनेट, एसएमएस मोबाइल तकनीक और स्मार्टफोन ऐप के माध्यम से समूह में कार्य कर सहायता करते हैं।

नवंबर, 2013 की शुरुआत में फिलीपीन्स में आए हेयान चक्रवात के बाद 700 डिजिटल स्वयंसेवकों ने अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस के साथ तबाही के क्षेत्र और स्तर की पहचान में और कार्रवाई के निर्देशन के लिए सूचना उपलब्ध करवाने वाले ओपनस्ट्रीटमैक के माध्यम के जिस प्रकार की मदद और सहायता की आवश्यकता थी, वह की।[92] अप्रैल, 2015 में नेपाल में आए गोरखा भूकंप के बाद स्वयंसेवकों के अंतर्राष्ट्रीय तंत्र ने सोशल मीडिया की पोस्ट से सूचनाएं निकालकर क्षतिग्रस्त स्थानों की पहचान करने और मदद के लिए गुहार लगाकर तबाही के नक्शे में योगदान दिया।[93] और एक मुक्त-स्रोत सॉफ्टवेयर कंपनी, उषाहिदी, सूचनाओं के संकलन, मानरेखांकनण और आंकड़ों के मानसदर्शन में लगी हुई है जो मूलत: केन्या में संघर्ष पर नजर रखने से जुड़े हुए हैं।[94] इस तरह के प्रयास तबाही और अन्य संकटों के दौरान जमीन पर कार्य कर रहे लोगों के लिए सूचनाओं के अंतर को दूर करते हैं।

आधुनिक श्रमिक शक्ति

कार्य की नई दुनिया में श्रमिकों को अधिक लोचशील और अनुकूलनशील होने और फिर से प्रशिक्षण लेने, स्थानांतरण करने और कार्य के हालात पर फिर बात करने को तैयार रहने की आवश्कयता है। उन्हें अपना पूरा समय नए अवसरों की तलाश में लगाने की भी आवश्यकता है। इसके साथ ही अपने मौजूदा कार्य के बारे में लगातार सोचने के साथ ही उन्हें अपने नए कार्य के बारे में भी सोचना होगा।

सहस्राब्दि की पीढ़ी

कार्य की नई दुनिया से सबसे अधिक जुड़े हुए वह युवा वयस्क हैं जिन्हें कभी-कभी 'सहस्राब्दि की पीढ़ी' (मिलेनिएल्स) भी कहा जाता है- लगभग वह दस्ता जो 1980 के बाद पैदा हुआ है। यह समूह तब जवान हुआ जब डिजिटल तकनीकों और सूचना और संचार तकनीकों में उन्नति ने जीवन के सभी क्षेत्रों में पैठ बनाई और उनमें से बहुत की तो इन तकनीकों तक बचपन से ही पहुंच थी, विशेषकर विकसित देशों में। जब लोचशीलता, अनुकूलता और अपारंपरिक कार्य तेजी से सामान्य हुआ तब वह वयस्क हो गए।

उत्तरी अमेरिका, पश्चिमी यूरोप, लातिन अमेरिका और पूर्वी एशिया के 26 देशों के 7800 'मिलेनिएल्स' पर 2013 में किए गए सर्वेक्षण के अनुसार मिलेनिएल्स को अंदाज हो गया था कि उनका कार्य जीवन लोचशील और विभिन्नता भरा रहेगा। करीब 70 प्रतिशत के किसी न किसी समय स्व-रोजगार करने का अनुमान था।[95] बहुत से मिलेनिएल्स लाभ कमाने से इतर कार्य की तलाश में थे, पर्यावरण और सामाजिक समस्याओं को सुलझाने में अपनी भूमिका निबाहकर जीविका कमाना चाहते थे। इसी सर्वेक्षण के अनुसार 63 प्रतिशत ने ध र्मार्थ कार्यों के लिए पैसा दिया था, 43 प्रतिशत ने सामुदायिक संगठनों के लिए स्वयंसेवा की थी या उसके सदस्य थे और 52 प्रतिशत ने याचिकाओं पर हस्ताक्षर किए थे। ये पीढ़ी विशेषकर कार्य के सामुदायिक पक्ष को लेकर गंभीर थी।

सामाजिक उद्यमी

सामाजिक व्यवसाय कार्य के नए क्षेत्रों के रूप में उभर रहे हैं। किसी सामाजिक समस्या के निदान के लिए ध्येय-प्रेरित कंपनियों- न लाभ, न हानि कंपनियां (जिनमें लाभों को वापस कंपनियों में डाल दिया जाता है)- का लक्ष्य वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर होना होता है और अधिकतम लाभ के बजाय (हालांकि ये वांछित होते हैं) प्राथमिक उद्देश्य सामाजिक लाभों को अधिकतम करना होता है।[96]

एक विशिष्ट ध्येय और समाज को कुछ वापस देने की इच्छा से प्रेरित, दुनिया के कई सफल उद्यमी दनिया को लाभ के लिए उद्यमों से सामाजिक बदलाव की ओर ले जा रहे हैं। भारत में 763 व्यवसायिक उद्यमियों के एक सर्वेक्षण में, जिन्होंने 2003 से 2013 के बीच व्यवसायिक से सामाजिक उद्यमशीलता की ओर परिवर्तन को महसूस किया था और 493 उद्यमियों के एक अंतिम नमूने के मात्रात्मक विश्लेषण से पता चला कि 21 प्रतिशत सफल उद्यमी सामाजिक बदलाव की कोशिशों की ओर खिसक गए हैं।[97] अधिक कुशल संगठन निर्माता, स्वतंत्र रूप से संपन्न थे और प्राय: प्रतिष्ठान से बाहर के थे, कुछ तो प्रवासी थे।

महिलाओं के लिए अवसर

वैश्वीकरण, डिजिटल तकनीकें और कार्य की नई लहर भी पुरुषों और महिलाओं के लिए नई धारणाओं को सामने ला रहे हैं। एक डिजिटल अर्थव्यस्था ने महिलाओं को ऐसे कार्यों तक पहुंच बनाने का असर दिया है जो उन्हें अपनी रचनात्मकता और क्षमता दिखाने करने का मौका देती है। साल 2013 में करीब 1.3 बिलियन महिलाएं इंटरनेट का प्रयोग कर रही थीं।[98] कुछ उद्यमी के रूप में ई-व्यापार कर रही थीं या समूह में कार्य करने के लिए नियुक्त की गई थीं या ई-सेवाएं दे रही थीं। इससे भी अधिक महिलाओं के अब वरिष्ठ पदों पर (देखें अध्याय 4) होने की संभावना बढ़ गई है लेकिन शीशे की चादर- कार्यस्थलों में महिलाओं की उन्नति की अदृश्य बाधक- चटकती लग रही है, अभी टूटी नहीं है। फिर भी अब विकासशील देशों में गरीब महिला उद्यमी भी बाजार सूचना और वित्त के स्रोतों तक

डिजिटल क्रांति ने स्वयं सेवा का प्रकार बदल दिया है

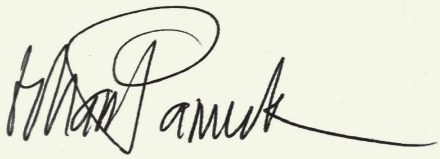

रचनात्मक कार्य

जर्मन गणितज्ञ कार्ल फीडरिक गॉस के बारे में एक मजेदार कहानी है। इस्तांबुल में हमारे शिक्षकों ने इसका जो संस्करण हमें सुनाया उसके अनुसार, जर्मनी में उच्च विद्यालय के विद्यार्थी बदतमीजी कर रहे थे (हमारी तरह ही), और उन्हें सजा देने के लिए उनके शिक्षक ने उन्हें एक से एक सौ तक की सभी संख्याओं को जोड़ने को कहा। इन विद्यार्थियों में से एक, गॉस को, अचानक महसूस हुआ कि पहली और अंतिम संख्या का जमा और दूसरे और अंतिम से दूसरे का और इसी तरह आगे भी- हमेशा 101 होता है। उन्होंने यह भी ध्यान दिया कि पहले सौ अंकों के बीच ऐसे कुल 50 जोड़े हैं और इस तरह उन्हें कुल जमा (5,050) निकालने में मात्र दो मिनट का समय लगा और इसके लिए उन्होंने अपना प्रसिद्ध सिद्धांत प्रतिपादित किया जिससे गणना करने में लगने वाले उनके घंटे ही नहीं संभवत: दिन भी बचे।

मेरे लिए यह कहानी सिर्फ गणित के बारे में नहीं है, बल्कि यह भी है कि रचनात्मकता और सभी प्रकार के 'रचनात्मक श्रम', कलात्मक और साहित्यिक भी हैं। इस कहानी के निरीक्षण से हम 'रचनात्मक कार्य' की धारणा को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और मानव विकास से इसके संबंधों को खोल सकते हैं और उन पर चर्चा कर सकते हैं।

हम में से अधिकतर के लिए रचनात्मकता और मानव इतिहास के बीच संबंध इतना साफ है कि इस पर चर्चा भी नहीं की जा सकती। 1960 में तुर्की में तिहास की पाठ्य पुस्तकों में हमें पढ़ाया जा रहा था कि हालांकि राजनीतिक और सैन्य विजयें किसी सभ्यता के महत्व को जानने का सबसे महत्वपूर्ण मानक है लेकिन हमें कलात्मक, साहित्यिक और रचनात्मक निवेश पर भी विचार करना चाहिए।

हालांकि साठ के दशक में तुर्की में सभी शिक्षकों ने गॉस की कक्षा की रचनात्मता को सराहा नहीं होगा, क्योंकि उनकी कक्षा को जो कार्य दिया गया था वह रचतनात्मक प्रोत्साहन या अंकों से खेलने के लिए नहीं दिया गया था बल्कि सजा देने के लिए दिया गया था जो उन्हें दिए गए समय में हल ढूंढने के लिए घिसकर मिलनी थी। लेकिन रचनात्मकता की यह परिभाषा और इसकी आधारभूत जटिलताएं यही हैं: कि यह हमेशा अप्रत्याशित और आश्चर्यजनक होती है।

समस्या के मूल में जाने के लिए हमें रचनात्मकता की व्याख्या ऐसी शक्ति के रूप में करने का साहसिक कदम उठाना होगा जो किसी चीज को हासिल करने में लगने वाली ताकत को कम कर देती है, उन नियमों और स्थितियों को बदल देती है जो अन्य प्रक्रिया को बहुत श्रमसाध्य बना देते हैं। हमारी सहज बुद्धि हमें बताती है कि सामान्य: रचनात्मकता नियमों और व्यवस्थाओं, परंपराओं, अफसरशाही और आदतों के विरुद्ध कार्य करती। रचनात्मक व्यक्ति कलात्मक और साहित्यिक उद्यम में लगे हो सकते हैं; वह किसी विज्ञापन एजेंसी में कार्य कर रहे हो सकते हैं या किसी कारखाने की संयोजन रेखा में; लेकिन इससे उनके सबसे प्रमुख विशेषता रचनात्मकता की प्रवृत्ति को बदला नहीं जा सकता। इसी संदर्भ में, 'रचनात्मक श्रम' सहज रूप से विरोधाभासी अवधारणा बन जाता है।

ठीक उसी समय रचनात्मकता मात्र कुछ चीज से अधिक है जो समय और कोशिश को कम करती है; यह कोशिश के पीछे के उद्देश्य को भी बदल देती है। उदाहरण के लिए, हम जानते हैं कि फोटोग्राफी की कला का विकास और विस्तार प्रभाववादी चित्रकारी के उभार के साथ-साथ हुआ। यह इसलिए हुआ क्योंकि फोटोग्राफी के विस्तार ने कला के ऐसे किसी भी प्रकार को अप्रचलित कर दिया जिसका लक्ष्य तब भी प्रकृति का चित्रण ही था। सरकार प्रायोजित कलादीर्घाओं और गैलरियों, अफसरशाहों, परंपरावादियों और शास्त्रीयवादियों के विरोध के बाद भी प्रभाववादी रचनात्मकता ने कला के मूल उद्देश्य को ही बदल दिया। कलाकारों ने संसार की वैसे चित्रकारी बंद कर दी जैसा वह था और वैसे शुरू की जैसी कलाकार को दिखाई देती थी- इंसान की नजरों को।

एक और समस्या यह थी कि रचनात्मक और अरचनात्मक साधारण कार्य के प्रति हम जो भी रेखा खींचे जल्द ही वह मनमानी और गलत साबित होने लगीं। ऐसे बहुत से लोग हैं जो कहते हैं कि किसी विज्ञापन कंपनी के लिए किया गया कार्य किसी कवि के कार्य से कम है, लेकिन क्या यह सही है? क्या यह कहना सही है कि एक कलाकार एक कार डिजाइनर या एक शिक्षक से अधिक सृजनात्मक है। एक किताब का अनुवादक उसके लेखक जितना ही सृजनात्मक है; अनुवादकों को भी अपने कार्य में रचनात्मक होने का अधिकार है और अपने इस पक्ष के लिए उसे स्वीकार्यता मिलनी चाहिए। रचनात्मक श्रम हमें अपने व्यक्तित्व और विशिष्टता को प्रदर्शित करने का मौका देता है और इस आधारभूत मानवीय इच्छा के पालन का अधिकार अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार और हमारे अंतरों की स्वीकार्यता की ही तरह आधारभूत है। मेरा नैतिक पक्ष मुझे बताता है कि हर प्रकार का श्रम, हर प्रकार का कार्य रचनात्मक होना चाहिए और ऐसा होने का इरादा होना चाहिए।

रचनात्मक कार्य की धारणा की कल्पना करना समस्याजनक और कठिन होना चाहिए लेकिन इससे हमें रचनात्मकता को मानव विकास और श्रम के मुख्य उपाय के रूप में लिए जाने से दूर नहीं करना चाहिए। गॉस के शिक्षक ने एक से 100 तक के सभी अंकों को एक के बाद जोड़ने की परेशानी से बचाने के लिए अभी अंकों का योग करने के एक सिद्धांत प्रतिपादित करने के लिए उनकी सहारना कीय हम सभी चाहेंगे कि शिक्षक इसी तरह के हों, क्योंकि हम सभी चाहते हैं कि हमारे कार्य हमें किसी कलाकार या गणितज्ञ की तरह रचनात्मक होने का मौका दें। बेहद रचनात्मक व्यक्तियों

विशेष योगदान

के लिए हमारा आदर और सराहना ये संकेत देती है कि हम अपने अंदर की रचनात्मकता और नूतनता को अपने कार्य में निकालना चाहते हैं, चाहे वह कार्य कुछ भी क्यों न हो।

गॉस की गणितीय रचनात्मकता की कहानी का स्थाई आकर्षण उनके द्वारा प्रतिपादित उस गणितीय सिद्धांत की उपयोगिता भर नहीं है। हम गौस की रचनात्मकता का सम्मान उसी के लिए करते हैं। मानवीय रचनात्मकता के लाभ से अधिक हमारा आदर स्वयं मानवता के प्रति है, इसकी सरलता और इसकी कल्पना शक्ति, क्षमताओं और योग्यताओं के प्रति। कानूनी स्तर पर नहीं तो बौद्धिक स्तर पर रचनात्मकता की यह समझ हमारे दिमाग में विचारों की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की धारणाएं पहुंचाती है। इसलिए जब गॉस के शिक्षक अपने विद्यार्थी को उसकी खोज पर- कक्षा को बाधित करने के लिए सजा देने के बजाय- उत्सुकता के साथ स्वीकृति देते हैं और सत्कार करते हैं तो और यह कहानी एक से दूसरे को तब तक जाती रहती है जब तक दंतकथा का विषय नहीं बन जाती, तो हम बहुत खुश होते हैं। यह वैसी ही खुशी है जैसी कि जब हम जानते हैं कि हमारी पहचान, हमारी परंपराओं और हमारी निजी कहानियों और पसंद को सम्मान दिया जा रहा है। जब हम कार्य की स्थितियों और वातावरण का आकलन करते हैं तो हमें यह भी आकलन करना चाहिए कि क्या ऐसी व्यवस्था है जो मानव की रचनात्मकता को पहचान, उसकी प्रशंसा करे और उपयोग में लाए। जहां हम कार्य करते हैं वहां हमारी खोजों और नए विचारों का आदर किया जाता है और उन्हें लागू किया जाता है? क्या हम मात्र उस मौजूदा ढांचे और तरीके को दोहराते हैं जिसे कहीं और सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है? जब हम कार्य के दौरान कोई वास्तविक समाधन सुझाते हैं, क्या यह स्वीकार किया जाता है और क्या ऐसी व्यवस्था है जो हमें बोलने की आजादी देती है? क्या हमसे पहले से स्थापित मानकों और तरीकों पर टिके रहने की उम्मीद की जाती है? अगर हम ऐसी जगह कार्य करते हैं जहां हमसे नियमित रूप से रचनात्मक होने की आशा की जाती है, तो क्या वास्तव में हमसे रचनात्मकता की ही मांग की जा रही है या फिर पुरानी रूपरेखा को ही जल्दबाजी में दोहराने की। क्या हमारा कार्यस्थल रचनात्मक व्यक्तियों को समस्या पैदा करने वालों की तरह देखता है या गॉस की तरह उनका आदर किया जाता है? मुझे लगता है कि इन सवालों के जवाबों की मात्र निर्धारित की जा सकती है और मापी जा सकती है।

करीब आधा सदी पहले, औपनिवेशिक और उपनिवेशोपरांत के समाज नाटकीय रूप से प्रतिकृति, प्रमाणिकता और मौलिकता की चिंता करते थे आज हम अपनी रचनात्मकता का मानव विकास के एक अनिवार्य तत्व के रूप में मूल्यांकन करते हैं और सोचते हैं कि कैसे हम रचनात्मक श्रम को मापना शुरू कर सकते हैं।

ओरहान पामुक
उपन्यासकार, पटकथा लेखक, विद्वान और 2006 के साहित्य के नोबेल पुरस्कार विजेता
अनुवाद- एकिन ओकलाप

पहुंच हासिल करने के लिए मोबाइल फोनों का प्रयोग कर रही हैं। वह यह कार्य लोचशीलता के साथ घर से भी कर सकती हैं।

इसका एक शुरुआती उदाहरण 1997 में बांग्लादेश में दिखा था जब महिला उद्यमियों ने गांव में भुगतान कर प्रयोग किए जाने वाले फोन लगाए। ग्रामीण बैंकों से उधार लेकर लिए गए मोबाइल फोनों से वह अन्य गांववालों को सेवाएं बेच सकती थीं।[99] भारत के आंध्र प्रदेश में महिलाएं ई-सेवा केंद्र चलाती हैं जो कई प्रकार की सेवाएं ऑनलाइन देते हैं।[100] इनमें इंटरनेट ब्राउजिंग करने के सिवा के अलावा ऑनलाइन नीलामी तक पहुंचा जा सकता है, ग्राहक इन केंद्रों का प्रयोग बिल देने, भूमि और जन्म प्रमाणपत्र हासिल करने और शिकायतें और दुख दर्ज करने और दूरस्थ-चिकित्सा और दूरस्थ-कृषि तक पहुंच बनाने के लिए कर सकते हैं।

कार्य की नई दुनिया विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में शिक्षित और कुशल श्रमिकों को अधिक लाभ देती है, ऐसे श्रमिक जो ऐतिहासिक रूप से महिलाएं कम ही हुआ करती थीं। महिलाओं का प्रतिनिधित्व इन विषयों के माध्यमिक और उच्च शिक्षा स्तरों पर और कुल तकनीकी श्रमशक्ति में कम ही है।[101] जो देश नूतनता को गति देना चाहते हैं उन्हें तकनीक-केंद्रित शिक्षा और नौकरियों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की आवश्यकता है। एक तरीका तो ऑनलाइन शिक्षा सेवाएं हैं, जैसे कि ईडीएक्स, जो एक गैर-लाभकारी ऑनलाइन शिक्षा समूह है जिसे हॉर्वर्ड विश्वविद्यालय और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का समर्थन हासिल है। उदाहरण के लिए, ईडीएक्स सऊदी श्रम विभाग के साथ कार्य कर रहा है ताकि युवाओं और महिलाओं के लिए ऑनलाइन कक्षाएं विकसित की जा सकें।[102]

सामाजिक व्यवसाय कार्य के नए क्षेत्रों के रूप में उभर रहे हैं

पुराने कर्मचारियों के लिए नए क्षितिज

साल 2050 तक 2.1 बिलियन लोग 60 साल से ऊपर के होंगे।[103] पुराने श्रमिक अर्थव्यस्था की एक महत्वपूर्ण ताकत हो सकते हैं, विशेषकर ऐसे क्षेत्रें में जहां की आबादी की उम्र बढ़ने के कारण श्रमशक्ति का आकार कम होने (जैसे कि यूरोप और जापान) की संभावना है। बहुत से लोग सामान्य सेवानिवृत्ति की आयु के बाद भी कार्य करते रहते हैं, जबकि बहुत से समाजों में युवाओं की बेरोजगारी बहुत अधिक है। ब्रिटेन में 50-64 साल की आयु के लोगों में रोजगार 1995 के 57 प्रतिशत से बढ़कर 2015 में 69 प्रतिशत हो गया

और 62 साल या उससे अधिक के लोगों में यह दर 5.2 से बढ़कर 10.4 प्रतिशत हो गई।[104]

पुराने कर्मचारी कार्य करना इसलिए जारी रखते हैं क्योंकि वह अपनी नौकरियों को पसंद करते हैं या वह रिटायर होना झेल नहीं सकते। उत्सुकता और रुचि आयु के साथ अनिवार्य रूप से घटती नहीं है और जो कार्य करना जारी रखते हैं वह सामाजिक संपर्कों को बेहतर कायम रखकर और अकेलेपन और अलगाव को टालकर अपने सुख को बेहतर कर सकते हैं। कार्य बुजुर्ग लोगों को एक उद्देश्य और सामाजिक कार्य देता है। वह युवा श्रमिकों के सलाहकार भी हो सकते हैं और सालों के अनुभव से सीखी बातों को बता सकते हैं।

अधिकतर मामलों में पुराने और युवा श्रमिक अलग श्रम-बाजार के हिससे में होते हैं, क्योंकि उनका सीधा स्थानापन्न नहीं होता। यह चिंता कि अगर पुराने लोगों को कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा तो युवाओं के लिए कार्य करने के अवसर को जाएंगे को 'श्रम अशुद्धि की गांठ' कहा जाता है।[105] फिर भी सेवानिवृत्ति का एक झरने वाला असर हो सकता है, युवा कर्मचारियों के लिए जगह बनाने का।

अभी तक पूरे नहीं हुए वायदे

अब कार्य की दुनिया नए अवसर पैदा कर रही है। हालांकि, अभी उच्च उत्पादकता और बेहतर नौकरियों के बहुत से वायदे पूरी किए जाने बाकी हैं और इसके कुछ नकारात्मक पहलू अभी से दिख रहे हैं। कार्य की नई दुनिया के मानव विकास पर असर आशाजनक हैं लेकिन ये वायदे अभी तक पूरी तरह से पूरे नहीं किए गए हैं।

मानव विकास पर कार्य की नई दुनिया के निहितार्थ आशाजनक हैं-लेकिन इन वादों को अभी तक संपूर्णरूप से पूरा नहीं किया गया है

तकनीकी क्रांति- नौकरियों में बढ़ोत्तरी या कमी?

अर्थशास्त्रियों ने ऐतिहासिक रूप से इस तर्क को नकार दिया है कि श्रम उत्पादकता में वृद्धि दीर्घकाल में रोजगार को कम करती है। यह तर्क मजबूत होता अगर एक सीमीत संख्या में कार्य होता, लेकिन विचार यह है कि नई तकनीक श्रम के लिए नई मांग पैदा करती है। वस्तुत: औद्योगिक क्रांति शुरू होने के बाद से दो सदियों में, श्रमशक्ति लगातार बढ़ ही रही है और उत्पादन और जीवन स्तर नाटकीय रूप से बढ़ा है।

कुछ लोगों का डर है कि स्वचालन से नौकरियां जाएंगी। वस्तुत: बहुत सी नौकरियां पहले ही खत्म हो चुकी हैं या असुरक्षित हैं (रेखांकन 3.10)। मध्य प्रबंधन के बहुत बड़ी संख्या में साफ होने का खतरा है। बहुत सारी मेजें खाली हो जाएंगी, इसलिए नहीं क्योंकि उनके लक्ष्यों के लिए कर्मचारी उपयुक्त नहीं हैं बल्कि इसलिए कि वह लक्ष्य अब हैं ही नहीं। कुछ अनुमानों के अनुसार 2025 तक आज के कारोबारों का लगभग 50 प्रतिशत बेकार हो जाएगा।[106] नई नौकरियों में रचनात्मकता, बुद्धिमत्ता, सामाजिक कौशल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल करने की क्षमता चाहिए होगी।

लेकिन अन्य का तर्क है कि कंप्यूटर रचनात्मकता, सहज-ज्ञान, अनुनय और कल्पना का प्रयोग कर समस्या को सुलझाने के काबिल होने से बहुत दूर हैं और हो सकता है कि वह वहां तक कभी न पहुंचें। यह विचार है कि कुछ कारोबार कंप्यूटरों द्वारा हटा दिए जाने के प्रभाव से पृथक हैं। इसके अलावा आदमियों और मशीनों की पूरकता बहुत महत्वपूर्ण है: ज्यादातर कार्य गतिविधियां इस तरह मिश्रित होती हैं कि उन्हें साथ मिलकर ही पूरा किया जा सकता है, कुछ कंप्यूटर द्वारा पूरी की जाती हैं और कुछ मानव द्वारा।[107]

किसी भी सूरत में, तकनीक बहुत से लोगों को पीछे छोड़ देगी और कुछ मानव कौशल हमेशा ही अधिक मूल्यवान रहेंगे। हम एक ऐसे मोड़ पर हो सकते हैं, जहां से दोनों सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव पड़ सकते हों। तकनीकी क्रांति 'हुनर-की ओर झुकाव वाले तकनीकी परिवर्तन' का प्रतिनिधित्व करती है: यह विचार कि नई तकनीकों का कुल मिलाकर प्रभाव कम कुशल श्रमिकों की मांग में कमी जबकि कुशल श्रम की मांग में वृद्धि है। परिभाषा के अनुसार ऐसे बदलाव अधिक मानव पूंजी वाले लोगों का समर्थन करते हैं, जिससे कार्य के अवसर धरुवीकृत होते हैं।

सबसे शीर्ष पर अच्छी नौकरियां उनके लिए होंगी, जिनके पास आवश्यक शिक्षा और कौशल होगा। उदाहरण के लिए स्वचालन उद्योग में नए वाहनों को डिजाइन और परीक्षण करने वाले इंजीनियरों को लाभ होगा। सबसे नीचे कम-कौशल, कम उत्पादकता, कम-मजदूरी की सेवाओं वाले कार्य होंगे जैसे कि कार्यालय में स्फाई करना। लेकिन मध्यवर्ग को भी ऑफिस की मेजों और कारखानों के फर्श से बहुत सारी नौकरियां लगातार गंवानी पड़ सकती हैं। लेकिन सबसे अधिक हानि कम-विशेषज्ञता के हुनर वाले श्रमिकों को होगी। बहुत सी ज्ञान की जटिलता वाली नौकरियां अच्छी खासी शिक्षा वाले लोगों की क्षमताओं से भी बाहर होती हैं। इसलिए कुछ उद्योगों में कौशल की कमी हो सकती है, इसलिए कंपनियां वैश्विक बाजार में उपलब्ध सबसे अच्छी प्रतिभा को बहुत ऊंचा वेतन देने को तैयार रहेंगी। इसके अलावा राष्ट्रीय रूप से धरुवीकृत श्रमशक्ति को अंतर्राष्ट्रीय बाजार से वर्गीकृत किया जाता है, कम-कौशल वाले श्रमिक मुख्यत: राष्ट्रीय बाजारों से आते हैं उच्च-कौशल वाले कर्मचारी वैश्विक बाजार से। एक समय था जब विशेष कौशल और सही शिक्षा के साथ कर्मचारी होना बेहतर था, क्योंकि ये लोग तकनीक का प्रयोग महत्व बनाने और उसे अधिकार में करने में करते थे। लेकिन सामान्य कौशल और क्षमताओं वाला कर्मचारी होने के लिहाज से इससे खराब समय कभी नहीं रहा क्यंकि कंप्यूटर, रोबोट और अन्य डिजिटल तकनीकों ने ये कौशल और क्षमताएं असामान्य गति से हासिल कर ली हैं। जिन लोगों के पास ढंग का कार्य नहीं है उनके जीवन की संभावनाओं को

रेखांकन 3.10

20 ऐसी नौकरियां, जिन्हें स्वचालन से बदले जाने की सबसे अधिक और सबसे कम संभावना है।

नोट : कारोबारों को उनकी कंप्यूटरीकरण की संभावनाओं के आधार पर क्रमवार रखा गया है (जिनके स्वचालित होने की संभावना सबसे कम है वह नीले में हैं जिनकी सबसे अधिक वह लाल में हैं। ये धंधे अमेरिकी श्रम मानक व्यवसायिक वर्गीकरण विभाग के काफी अनुरूप हैं।
स्त्रोत : फ्रे और ऑस्बॉर्न 2013।

समानता पर लाने के लिए नीतियों की भूमिका भी इतनी महत्वपूर्ण कभी नहीं रही।

उत्पादकता और मजदूरी- जिसकी आशा थी वह नहीं है

डिजिटल क्रांति का एक अंतर्निहित वायदा था कि ये श्रम उत्पादकता को बढ़ाएगा और इस तरह बढ़े वेतन की ओर ले जाएगा। ऐसा होता हुआ नहीं लग रहा है। उत्पादकता आशानुरूप दर से नहीं बढ़ी है और अधिकतर हिस्सों में लाभ बढ़े हुए वेतन के रूप में नहीं बदले हैं। अमेरिका और नीदरलैंड्स को उदाहरण के रूप में लें (रेखांकन 3.11)।[108] अमेरिका में उत्पादन और वेतन करीब 1973 से अलग-अलग दिशाओं में जानी शुरू हुई और तबसे यह अंतर बढ़ ही रहा है, उत्पादकता में वृद्धि 2013 तक करीब 75 प्रतिशत थी और वेतन में वृद्धि 10 प्रतिशत से भी कम थी। नीदरलैंड्स में भी 70 के दशक के मध्य से उत्पादकता और वेतन में अंतर बढ़ता देखा जा रहा है। कुछ मामलों में वेतन उतना ही रहा है। साल 2007 और 2013 के बीच जापान, इटली और ब्रिटेन में वास्तविक वेतन कम हुआ है।[109] लेकिन यह इस तथ्य को छुपा देता है कि जहां अधिकतर श्रमिकों का असली भुगतान घटता गया है सर्वाधिक कमाई करने वालों का तेजी से ऊपर गया है।

डिजिटल क्रांति के अवतार से हालांकि उत्पादन बढ़ा है, लेकिन आशा के अनुरूप विकास दर असामान्य ढंग से उछली नहीं है (रेखांकन 3.12)। इस घटना को सोलो विरोधाभास कहा जाता है। इस विरोधाभास की कई व्याख्याएं की गई हैं- डिजिटल क्रांति कम बुनियादी रही है इसलिए इसके लाभ कम हैं, जिसे बाद में जनांकिक बदलाव और बढ़ती असमानता ने समायोजित कर दिया है; इसमें एक लंबा अंतराल है; या कि डिजिटल क्रांति की वजह से उत्पादन में उछाल निर्माण नहीं सेवा क्षेत्र में दिखेगा, जहां परिमाण की अर्थव्यस्थाएं नाटकीय साबित हो सकती हैं।

तकनीकी कई लोगों को पीछे छोड़ देती है, और कुछ मानव कौशल दूसरों की तुलना में कहीं अधिक मूल्यवान होंगे

रेखांकन 3.11

नीदरलैंड, अमेरिकी उत्पादकता में वृद्धि अधिकतर हिस्से में बढ़े हुए वेतन के रूप में नहीं दिखी है।

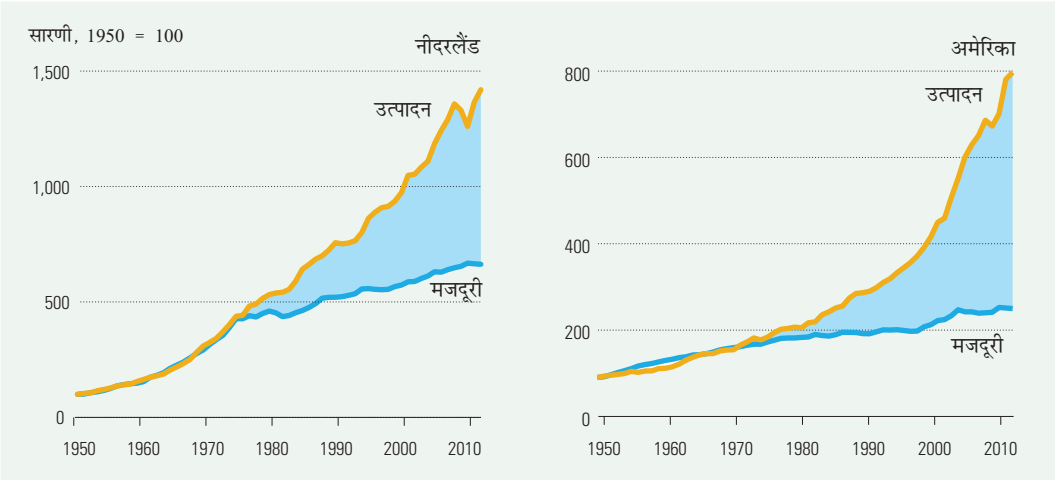

स्त्रोत : बीएलएस (2012) के आंकड़ों पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की गणना।

आय के बंटवारे में बढ़ती असमानता- इस पर कोई सवाल नहीं

तकनीकी क्रांति के साथ असमानता बढ़ती है

तकनीकी क्रांति के साथ बढ़ती असमानता भी आई है। और तो और हो सकता है कि बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण वाले लोगों को भी जो अधिक उत्पादकता के साथ कार्य कर सकते हैं आय, स्थायित्व और सामाजिक पहचान के रूप में आनुपातिक प्रतिफल न मिले। 27 विकसित और 28 विकासशील देशों के विश्लेषण के अनुसार कर्मचारियों को कुल कॉर्पोरेट आय का बहुत छोटा सा हिस्सा ही मिल रहा है। इन परिणामों की पुष्टि विकसित देशों से एकत्र आंकड़ों से होती है जहां वेतन में दिया जाना जाने वाला जीडीपी का हिस्सा 1980 से 2015 के बीच लगभग 8 प्रतिशत गिर गया है।[110] विकासशील देशों में 1990 के बाद से तीव्र गिरावट देखी गई है।[111]

कॉर्पोरेट आय और जीपीडी में श्रम को वेतन के रूप में दिए जाने वाले हिस्से के गिरने को औसत और वास्तविक वेतन की वृद्धि में मंदी के रूप में देखा जा सकता है, जबकि उच्च-कौशल वाले श्रम (और पूंजी) की आय का हिस्सा बढ़ रहा है, जबकि मधय और कम-कुशल श्रम का हिस्सा कम हो रहा है (रेखांकन 3.14)।

सर्वोच्च वेतन पाने वालों को कार्य की क्षतिपूर्ति में तीव्र वृद्धि का फायदा अल्पसंख्यकों को ही मिला है, चाहे वह शीर्ष के 10 प्रतिशत हों, 1 प्रतिशत या 0.1 प्रतिशत ही (रेखांकन 3.15)। समय के साथ, उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में शीर्ष पर बैठे लोगों ने कॉर्पोरेट आय के वितरण में बड़ा हिस्सा लिया है। इन संख्याओं ने कार्य की उत्पादकता और 'कार्य के मूल्य' को लेकर

रेखांकन 3.12

उत्पादन की वृद्धि दर को डिजिटल क्रांति आने से आशा के अनुरूप उछाल नहीं मिला है।

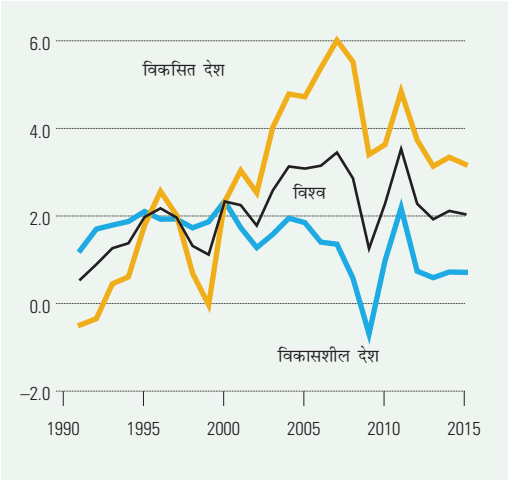

स्त्रोत : दि कांफ्रेंस बोर्ड (2015)।

आर्थिक और नैतिक सवाल खड़े किए हैं, विशेषकर तब जबकि ये बहुत अधिक वेतन वाले ये कर्मचारी 2008 के वित्तीय संकट के पीछे थे। पिछले 50 साल में ऐसा क्या नाटकीय परिवर्तन हुआ है जो मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को प्रतिफल में तुलनात्मक उछाल को सही ठहरा सकता हो? क्या अपनी-अपनी कंपनियों के लिए बाकी अन्य सामान्य कर्मचारियों की तुलना में वे बहुत अधिक मूल्यवृद्धि करते हैं?

उच्च कौशल वाले कर्मचारियों के लिए अधिक प्रतिफल से वितरण के शीर्ष पर बैठे कर्मचारियों की आय और संपत्ति में असंगत वृद्धि हो रही है। विश्व के सबसे अमीर एक प्रतिशत के वैश्विक संपत्ति में हिस्से में 2009 के 44 प्रतिशत से 2014 में 48 प्रतिशत तक की वृ) हुई, जो 2016 में 50 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। इस वैश्विक विशिष्ट वर्ग के सदस्यों की औसत संपत्ति 2014 में प्रति वयस्क 27 लाख डॉलर थी।[112] उदाहरण के लिए अमेरिका में मुख्य कार्यकारी अधिकारी और कर्मचारी को प्रतिफल का अनुपात (स्टॉप विकल्प मिलाकर) 1965 के 20 और 1 से बढ़कर 1978 में 30 और 1, 2000 में 383 और 1, से बढ़कर 2013 में

सर्वोच्च वेतन पाने वालों को कार्य की क्षतिपूर्ति में तीव्र वृद्धि का फायदा अल्पसंख्यकों को ही मिला है

रेखांकन 3.13

27 विकसित और 28 विकासशील देशों के विश्लेषण के अनुसार कुल मिलाकर श्रमिक कुल कॉर्पोरेट आय का छोटा सा हिस्सा ही पा रहे हैं।

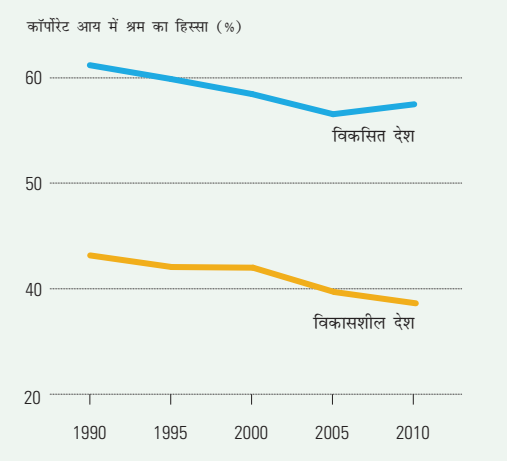

नोट : कॉर्पोरेट आय में कर्मचारी का हिस्सा कॉर्पोरेट क्षेत्र में कर्मचारियों की क्षतिपूर्ति को कॉर्पोरेट समग्र मूल्य मिलाकर भाग देने के बराबर होता है।
स्त्रोत : काराबारबाउनिस और नीलमैन 2014।

रेखांकन 3.14

उच्च-कौशल वाले श्रम की आय का हिस्सा बढ़ रहा है, जबकि मध्य और कम-कुशल श्रम का हिस्सा कम हो रहा है।

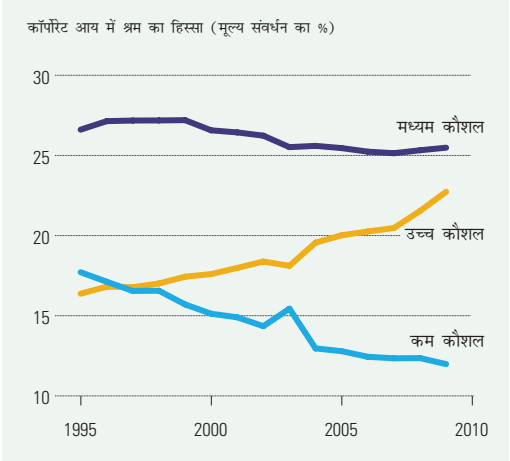

नोट : 40 देशों का सामान्य औसत ।
स्त्रोत : डब्ल्यूआईओडी 204 के आंकड़ों पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की गणना।

रेखांकन 3.15

सर्वाधिक वेतन पाने वालों को कार्य के प्रतिफल में तीव्र वृद्धि ने बहुत कम को लाभ पहुंचाया है, 1980 से यह अंतर बढ़ता जा रहा है

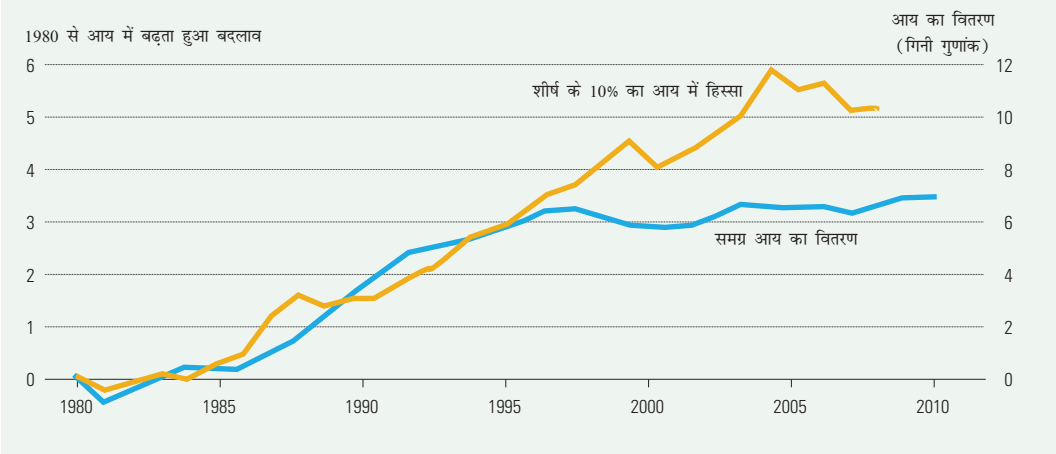

नोट : जिनी गुणांक तब 0 के बराबर होता है जब किसी देश में सारी आय समान रूप से बांटी जाती है और 100 तब होता है जब एक व्यक्ति सारी आय ले लेता है।
स्त्रोत : एल्वारेडो और अन्य 2015।

296 और 1 हो गया। ये आंकड़े कार्य के अलग प्रकारों के महत्व को लेकर आधारभूत आर्थिक और नैतिक सवाल खड़े करते हैं।[113]

श्रम आय में कमी के पीछे बहुत सी ताकतें हैं जिनमें वित्तीयकरण, वैश्वीकरण, तकनीकी बदलाव, सांस्थानिक कारण (जैसे कि संघ की सदस्यता में कमी) और लोकहितकारी राज्य का क्षय।[114] तकनीक इन प्रकियाओं का हिस्सा है लेकिन इसका प्रभाव आसानी से पहचाना नहीं जाता।

वित्त के कर्ता-धर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका ऋण के प्रसार और बहुत गतिशील प्रवाह से जुड़ी हुई है। पूंजी के भारी प्रवाह ने पूंजीवादियों को निवेश के अधिक विकल्प उपलब्ध करवाए हैं (जिससे व्यवसाय का उनका दायरा बढ़ा है), कर्मचारियों से जुड़ी उनकी तोल-मोल की ताकत को बढ़ा दिया है (क्योंकि कानून में वित्तीय प्रतिबद्धता को श्रम प्रतिबद्धता के मुकाबले प्राथमिकता मिलती है) और उनके बाहरी विकल्पों को विस्तार दिया है। लातिन अमेरिकी अनुभव के आधार पर, वित्तीय प्रवाह की वजह से बनी वृहद आर्थिक अस्थिरता का वास्तविक मजदूरी, रोजगार और समानता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।[115]

वस्तुएं और सेवाएं जिस तरह आपस में बदलती हैं, उत्पादित होती हैं और उनके परिमाण को बदलकर वैश्वीकरण ने वैश्विक मूल्य श्रृंखला के साथ- आय की भागीदारी में असमानताएं पैदा की हैं। इस बात के प्रमाण हैं कि इन श्रृंखलाओं में, पूंजी का अंशदान (जिसे मूल्य जुड़ने से मापा जाता है) और उच्च-कौशल वाला श्रम लगातार बढ़ा है।[116] इन चलनों का आय के वितरण पर प्रभाव पड़ा है।

कार्य की बदलती दुनिया के बहुत से मानव विकास निहितार्थ हैं-कुछ सकारात्मक और कुछ नकारात्मक

मानव विकास के लिए निहितार्थ

जैसा कि पिछली चर्चा से लगता है, कार्य की बदली दुनिया, जिसे वैश्वीकरण और डिजिटल क्रांति आगे धकेल रही है, के मानव विकास पर उल्लेखनीय प्रभाव हैं, कुछ सकारात्मक और कुछ नकारात्मक। इस दुनिया ने लोगों के लिए नई क्षमताओं का और अवसरों, रचनात्मकता और नूतनता का योगदान दिया है। कुछ मामलों में वैश्वीकरण ने लोगों के लिए कार्य के नए अवसरों को बढ़ाया है, विशेषकर महिलाओं के लिए (हालांकि महिलाओं के अवसर कुछ मामलों में वृद्ध महिलाओं तक नहीं पहुंचे हैं), लेकिन इसका परिणाम नौकरियों में कटौती भी हुआ है। वैश्विक मूल्य श्रृखलाओं ने युवाओं को नए हुनर सीखने में मदद की है जिन्हें वह अपने पूरे कार्यजीवन के दौरान प्रयोग कर सकते हैं लेकिन बहुत से मामलों में इन तंत्रों ने उनके लिए वह कार्य के अवसर पैदा नहीं किए जिनका वादा किया गया था।

मूल्य श्रृंखला में भागीदारी ने कुछ को सुरक्षित और ठीक-ठाक नौकरियां दिलाई हैं लेकिन अन्य को अस्थिर नौकरी। दुनिया भर में चार में से तीन लोग पूर्णकालिक स्थायी अनुबंध पर कार्य नहीं करतेय मजदूरी या वेतन पाने वाले पांच में से तीन श्रमिक अल्पकालिक या अस्थायी कार्य करते हैं। इस तरह वैश्विक मूल्य श्रृंखलाएं आर्थिक असुरक्षा से जुड़ी हुई हैं। विजेता और पराजित दोनों के साथ कार्य के वैश्वीकरण ने देशों की सीमाओं से परे, देशों के अंदर और श्रमिकों में मानव विकास पर विषम प्रभाव डाला है।

इसी प्रकार कार्य के डिजिटलीकरण ने कुछ को तो भारी अवसर दिए हैं लेकिन बाकी के लिए खतरे ही पैदा किए हैं। इसने कार्य को काफी लोचशील बना दिया है और रचनात्मकता के नए मोर्चे खोल दिए हैं, लेकिन सबको इससे लाभ नहीं हुआ है। बहुत शानदार कौशल और सहज योग्यता वाले तो अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम रहे लेकिन सामान्य कौशल वाले लोगों की नौकरियां ख त्म हो गई हैं। डिजिटलीकरण पारंपरिक क्षेत्रों के कार्य तक भी पहंचा है (जैसे कि कृषि) लेकिन उस हद तक नहीं जितना की वित्त जैसे आधुनिक क्षेत्र तक। ज्ञान कर्मचारी नई तकनीक बनाते और प्रयोग करते हैं जो मानव विकास को बढ़ाए लेकिन तकनीक के लाभों को अभी तक बिल्कुल भी बांटा नहीं गया है।

निजीकृत वस्तुएं और सेवाएं लोगों को लक्षित सेवाएं प्रदान करके मदद करती हैं, जो समय बचाती हैं और जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सहायक रही हैं। एक साझा अर्थव्यवस्था पर्यावरणीय चिंताओं पर ध्यान देती है और जिस समाज से यह जुड़ी है उसमें योगदान करती है। लोचशील कार्य के प्रबंध लोगों को अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने का अवसर देते हैं। लेकिन उसी समय मोबाइल उपकरणों पर लगातार संपर्क में रहने की वजह से कार्य और आराम के बीच की रेखा धुंधाली हो गई है, मशीनों के द्वारा सीधे मानव से संपर्क कर पाने से पैदा संयुक्ता और सार्वजनिक और निजी स्थान के बीच।

अंतत: दोनों वैश्वीकरण और डिजिटलीकरण ने कार्य के लाभों को साझा करने में असमानताएं बढ़ाई हैं। उच्च कौशल वाले कर्मचारियों और पूंजी का हिस्सा बढ़ रहा है और जबकि अन्य श्रम का कम हो रहा है। सबसे अधिक कमाने वालों के लिए प्रतिफल और उनके आय में उनके हिस्से को, उनके कार्य और उत्पादकता को देखते हुए, तर्कसंगत बताना मुश्किल है। ऐसी असमानताएं मानव विकास के अवसरों और परिणामों पर भारी कुप्रभाव डालती हैं।

निष्कर्ष

कार्य की बदलती दुनिया पूरी तरह अप्रचलित होने में दशकों लेगी और इतिहास और मानव विकास के पथ पर तीखे बदलावों का कारण बनेगी। इसके घुमाव और मोड़ पर नजर रखना हमेशा आसान नहीं रहेगा।

अकेले बाजार के ही डिजिटल तकनीक और वैश्विक संपर्क प्रणाली को उच्च मानव विकास

की दिशा में निर्देशित करने की उम्मीद कम ही है। इन अवसरों का बेहतर लाभ उठाने के लिए राष्ट्रीय और वैश्विक सार्वजनिक नीतियों और कार्रवाइयों की आवश्यकता है। नूतनता और आर्थिक गतिविधियों के अवसरों और लाभों को समाज के बृहद हिस्से तक पहुंचाने के लिए संयुक्त संस्थानों की आवश्यकता है।

आखिरकार, कार्य की इस बदलती दुनिया की चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि एक विश्व जिसका वैश्वीकरण हो रहा है, आमूल परिवर्तन हो रहा है, वह बढ़े हुए मानव विकास के समान अवसर सबके लिए– महिलाओं और पुरुष, वर्तमान और भावी पीढ़ियों के लिए सुनिश्चित करे। इस संदर्भ में भुगतान किए गए और भुगतान के बिना किए गए देखरेख के कार्य में संतुलन के साथ ही चिरस्थायी कार्य सबसे अधिक महत्व के हैं और इतना ही अगले दो अध्यायों पर ध्यान भी।

कार्य की बदलती दुनिया को पूरी तरह बदलने में दशकों का समय लगेगा और इससे इतिहास और मानव विकास की राह में तेजी से परिवर्तन आयगा

अध्याय 4

वैतनिक और अवैतनिक कार्य में असंतुलन

इंफोग्राफिक- चुनिंदा आयामों में लैंगिक समानता में गति: एचडीआर 1995 और 2015 में तुलना

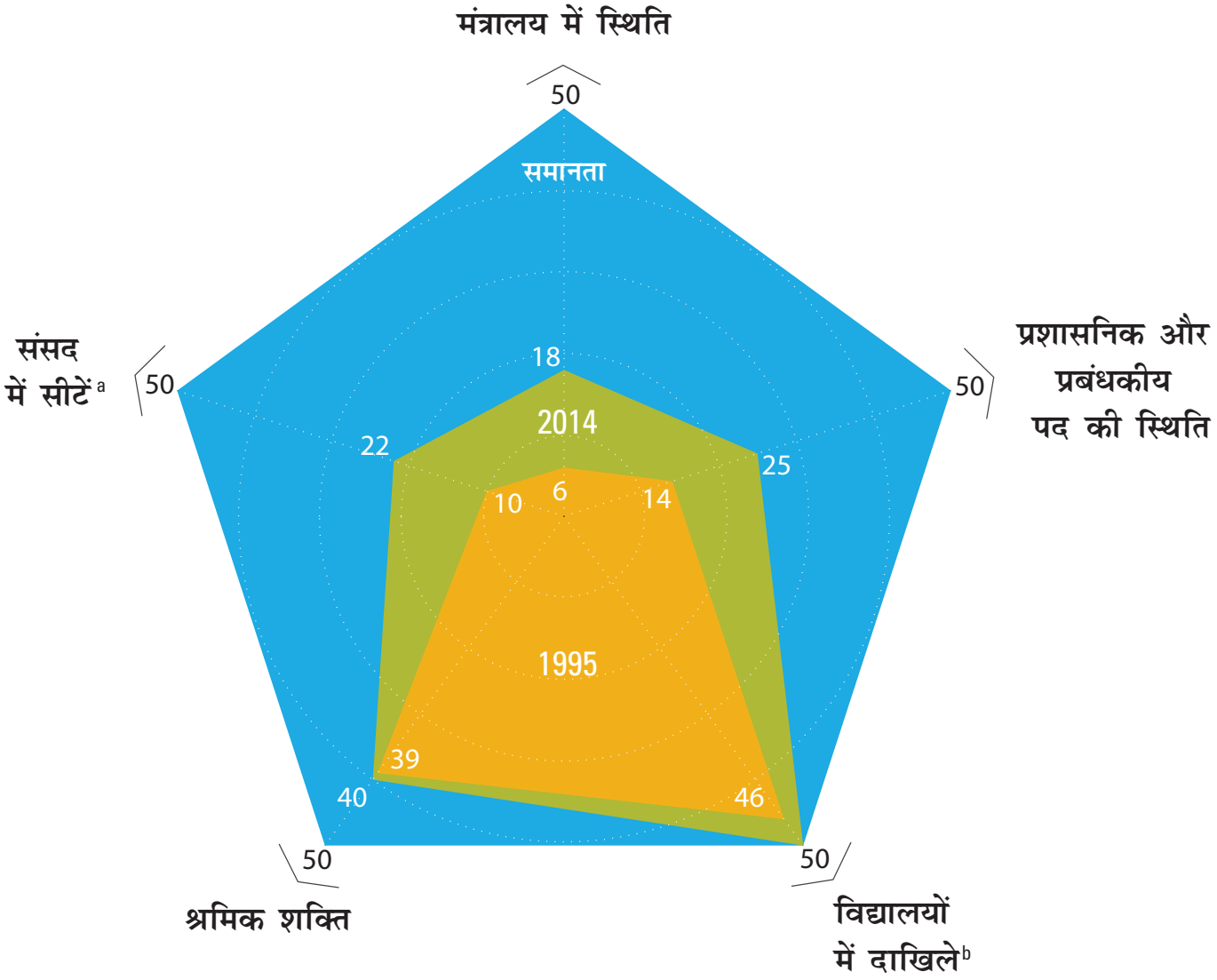

नोट्स : आंकड़े प्रतिशत में हैं।

a. द्विसदन व्यवस्था वाले देशों में, संसदीय सीटों की गणना दोनों सदनों की सीटों को लेकर की गई है।

b. स्कूलों में दाखिले में प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक शामिल है।

4.

वैतनिक और अवैतनिक कार्य में असंतुलन

वैतनिक और अवैतनिक दोनों तरह के कार्य मानवीय संभावनाओं की प्राप्ति में योगदान देते हैं- पिछले अध्यायों में यही बताया गया है। वस्तुतः, अधिकतर लोगों को अपने दैनिक जीवन में इन दोनों को शामिल करना पड़ता है। हालांकि, सभी लिंगों में यह संतुलन कैसे बनता है और इस संदर्भ में आपको चुनाव करने की आजादी कितनी है इनका स्पष्ट असंतुलन जारी है।

कार्य के दो क्षेत्रों में पुरुष और महिलाओं की भूमिका सामान्यत: बहुत अलग है, जो स्थानीय परिस्थितियों, मानकों और सामाजिक मूल्यों के साथ ही धारणाओं, रवैये और ऐतिहासिक लैंगिक भूमिका से तय होती है। ये स्पष्टता अलग-अलग अवसरों और मानव विकास के लिए अलग परिणामों के रूप में सामने आते हैं। उदाहरण के लिए महिलाओं द्वारा कार्य पर खर्च कुल समय पुरुषों के अधिक होता है: समय के प्रयोग पर विश्व की 69 प्रतिशत वयस्क आबादी के प्रतिनिधित्व पर किए गए सर्वेक्षण के विश्लेषण के अनुसार कुल कार्य समय का 52 प्रतिशत महिलाओं और 48 प्रतिशत पुरुषों के खाते में है (रेखांकन 4.1)।

कार्य के वैतनिक 59 प्रतिशत हिस्से पर, जो अधिकतर घर से बाहर होता है, पुरुषों का कब्जा है- जो महिलाओं के 21 प्रतिशत के मुकाबले 38 प्रतिशत, करीब दोगुना है। अवैतनिक कार्यों, जो अधिकतर घरों के अंदर होता है और जिसमें देखरेख की कई जिम्मेदारियां शामिल होती हैं, उसमें यह तस्वीर उलट जाती है: कुल कार्य के 41 प्रतिशत अवैतनिक हिस्से में महिलाएं पुरुषों के मुकाबले तीन गुना से भी अधिक- 10 के मुकाबले 31 प्रतिशत- योगदान करती हैं।

रेखांकन 4.1

पुरुष वैतनिक कार्य में अग्रणी हैं तो महिलाएं अवैतनिक कार्यों में

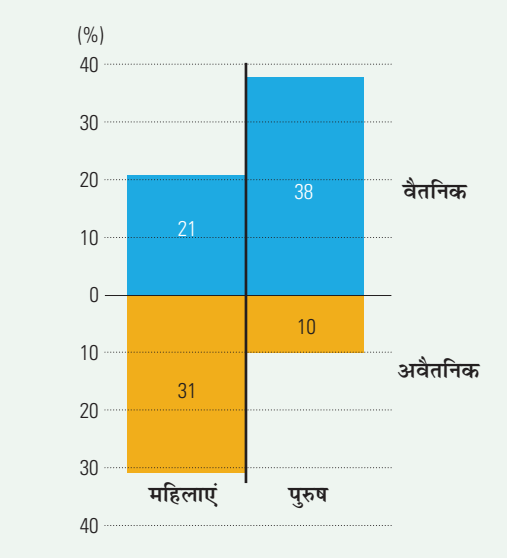

नोट : आंकड़े महिला और पुरुष आबादी के हैं- इसमें 63 देशों की औसतन 69 प्रतिशत वयस्क आबादी (15 साल से अधिक) का प्रतिनिधित्व है।
स्त्रोत : चार्म्स (2015) पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट ऑफिस की गणना।

ये संख्याएं असंतुलन का सिर्फ एक आयाम हैं जो कई स्तर पर मौजूद है। साल 1995 की मानव विकास रिपोर्ट में देखा गया कि महिलाएं पुरुषों के मुकाबले अधिक घंटे तक कार्य करती हैं।[1] उस समय उपलब्ध आंकड़ों से निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों में निर्णय करने के स्तर में प्रतिनिधित्व और श्रम शक्ति और स्कूलों में दाखिले में असंतुलन नजर आया (देखें इस अध्याय के शुरु में दिया गया इंफोग्राफिक)। उसकी तुलना में मौजूदा आंकड़े दिखाते हैं कि वैश्विक स्तर पर सभी मोर्चों पर समानता के लिए सकारात्मक प्रयास हो रहे हैं, लेकिन अलग-अलग गति से: श्रम शक्ति की भागीदारी की दर, उनके लिए जो पहले से ही नौकरी कर रहे हैं या सक्रियता से इसे ढूंढ रहे हैं बहुत थोड़ी ही बढ़ी है। जबकि निर्णय लेने के स्तर पर समानता कहीं अधिक स्पष्ट है। जिससे यह पता चलता है कि कहां अवरोध अधिक हैं।

वास्तव में हालांकि महिलाएं पुरुषों के मुकाबले अधिक समय तक कार्य करती हैं, उनका श्रम शक्ति में सीमित हिस्सा देखरेख की जिम्मेदारियों और उम्मीदों को साझा करने में असंतुलन के लक्षण को दर्शाता है जिससे उनके विकल्प सीमित हो जाते हैं। महिलाओं के लिए अवसरों, विकल्पों और आजादी के लिए कई कदम उठाने की आवश्यकता है जिनसे एक ओर तो सभी बाधाओं को हटाया जाए और वैतनिक कार्यों में समान भागीदारी का मौका मिले; दूसरी आवश्यकता इस बात की है देखरेख के जिस कार्य को वह असंगत तरीके से ढोती हैं उसकी पहचान की जाए, उसे कम किया जाए और उसका फिर से बंटवारा किया जाए।

बहुत से क्षेत्रों में, भले ही धीरे, लेकिन सामान्य स्थितियां बदल रही हैं क्योंकि रवैये और मानक बदल रहे हैं। अधिक महिलाएं उच्च शिक्षा पा रही हैं और एक वैश्विक कार्य वातावरण में बहुत सी

भुगतान सहित और भुगतान रहित दोनों कार्य मानव क्षमता की प्राप्ति के लिए योगदान देते हैं

नई तकनीकों के साथ महिलाओं के लिए नए अवसर खुल रहे हैं। महिलाओं का प्रतिनिधित्व दुनिया भर में संसदों, वरिष्ठ सरकारी पदों और वरिष्ठ व्यापार प्रबंधन के बीच बेहतर हुआ है: 'ग्लास सीलिंग' टूटी नहीं है, लेकिन कुछ दरारें दिखने लगी हैं। साथ ही महिलाओं और पुरूषों के बीच अवैतनिक कार्य को अधिक बराबरी में बाँटा जा रहा है। इस परिवर्तन की गति धीमी है, और इस क्षेत्र में अभी बहुत कार्य करना बाकी है।

वैतनिक कार्य की दुनिया में भेदभाव

महिलाएं मजदूरी वाले कार्य में कम लगी हुई हैं

हालांकि महिलाएं विश्व के कार्य का आधे से अधिक बोझ उठाती हैं लेकिन कार्य की दुनिया में वे घाटे में ही हैं- वैतनिक और अवैतनिक दोनों कार्यों में। महिलाओं को मजदूरी वाले कार्य में कम ही लिया जाता है, उन्हें पुरुषों से कम पैसे मिलते हैं, निर्णय करने वाले वरिष्ठ पदों में उनका प्रतिनिधित्व कम है, उद्यमशीलता की दिशा में उन्हें असंगत बाधाओं का सामना करना पड़ता है और बहुत से देशों में उनके असुरक्षित नौकरियों में होने की आशंका अधिक है।

श्रमशक्ति में महिलाओं को कम ही शामिल किया जाता है

कार्य और नौकरी के पारंपरिक साधन अवैतनिक देखरेख के कार्यों में शामिल लोगों को नहीं गिनते, जिसमें से अधिकतर घरों में होता है: हालांकि ये साधन यह संकेत अवश्य देते हैं कि महिलाओं के मजदूरी के लिए कार्य करने या ऐसे कार्य ढूंढने की संभावना कम ही है (रेखांकन 4.2 और 4.3)। दोनों समय के इस्तेमाल के सर्वेक्षण और समग्र अर्थशास्त्रीय संकेतक जैसे कि श्रम शक्ति की भागीदारी की दर इस बात का समर्थन करते हैं।

श्रम शक्ति की भागीदारी की दर- वैतनिक नौकरी करने वाली या ऐसा कार्य ढूंढने वाली कार्य करने योग्य आबादी का अनुपात महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग है। हालांकि इस अंतर की एक वजह कभी-कभार कार्य करने वालों या घरों में किए जाने वाले कार्यों- जिसमें महिलाओं, विशेषकर विकासशील देशों के ग्रामीण क्षेत्रों, का प्रतिनिधित्व पुरुषों से अधिक है- की अल्पगणना है[2], इसका असर इतना अधिक नहीं कि इसे असमानता के लिए पूरी तरह जिम्मेदार ठहराया जाए। इस मामले में विशेषकर दो धाराएं, अलग नजर आती हैं।

पहली तो यह कि महिलाओं की श्रम शक्ति में भागीदारी की दर पुरुषों के मुकाबले लगातार कम है, दोनों वैश्विक और मानव विकास समूहों में (रेखांकन 5.2)। बहुत से क्षेत्रों में यह अंतर दशकों से समान है। 2015 में पुरुषों की भागीदारी की दर करीब 77 प्रतिशत थी और महिलाओं की करीब 50 प्रतिशत।[3]

दूसरे, दुनिया भर में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की भागीदारी की दर पिछले कुछ सालों में गिरी है। इस दर में गिरावट का मुख्य कारण भारत (1990 के 35 प्रतिशत से घटकर 2013 में 27 प्रतिशत) और चीन (1990 के 73 प्रतिशत से घटकर 2013 में 64 प्रतिशत) में हुई कटौती है।[4] दूसरी तरफ कम और बहुत अधिक मानव विकास वाले देशों में महिला और पुरुष दरों में समाभिरूपता दिखने लगी है जिसमें पहली वाली बढ़ी है और दूसरी या तो रुकी रही है या घटी है।

ये अंतर अर्थव्यवस्थाओं, सामाजिक और

रेखांकन 4.2

श्रम शक्ति भागीदारी दर द्वारा दिखाया गया है कि महिलाओं के वैतनिक कार्यों में संलग्न होने की संभावना कम ही है

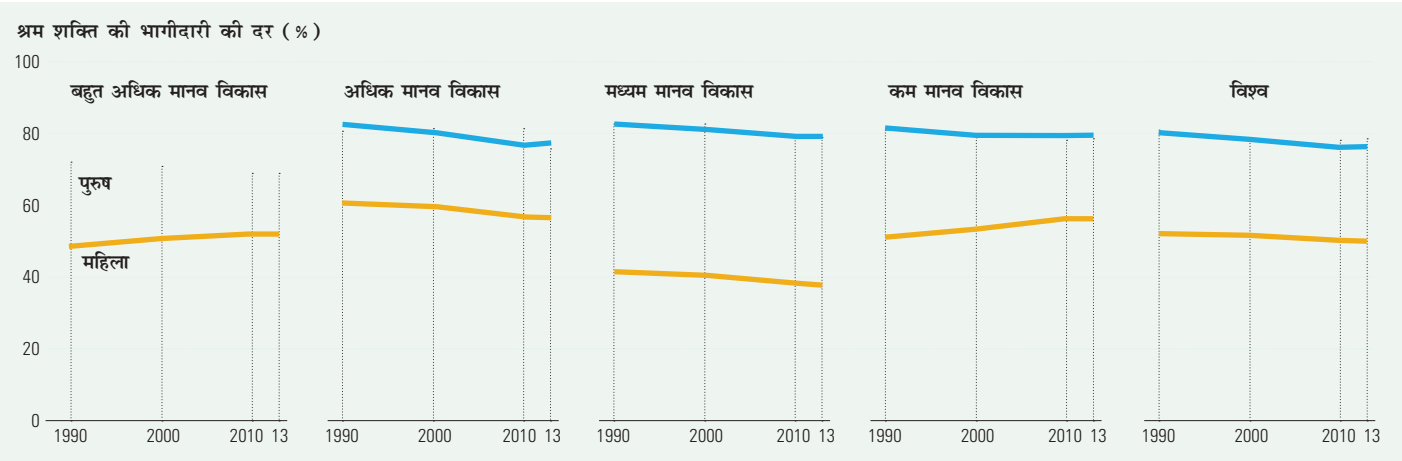

स्त्रोत : आईएलओ (2015e) पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट ऑफिस की गणना।

सांस्कृतिक तत्वों का प्रतिबिंब हैं जो महिलाओं और पुरूषों को अलग तरह से प्रभावित करते हैं, हालांकि विभिन्न देशों में इसमें अंतर है। उदाहरण के लिए 15-49 साल आयु वर्ग में हर बच्चे का जन्म महिलाओं को श्रम शक्ति से औसतन दो साल के लिए बाहर कर देता है।[5] सभी क्षेत्रों में प्रजनन दर में गिरावट दिखने से महिलाओं को अधिक समय मिलना चाहिए जिससे श्रमशक्ति में भागीदारी बढ़ने का अवसर है बशर्ते अन्य बाधाओं को हटाया जाए और उपयुक्त अवसर मौजूद रहें। आने वाले दशकों में विश्वभर में प्रजनन दर के गिरते रहने की संभावना है, जो मौजूदा 2.5 बच्चे प्रति महिला[6] से घटकर 2075 में 2.1 और 2100[7] में 1.99 हो जाएगी।

प्रजनन दर में कमी से महिला श्रमशक्ति की भागीदारी बढ़ने की संभावना है। 97 देशों के एक सर्वेक्षण में (जिसमें दुनिया की 80 प्रतिशत आबादी को शामिल किया गया था), यह अनुमान लगाया गया है कि इस प्रभाव के चलते 2010 से 2030[8] के बीच 91मिलियन महिलाएं श्रमशक्ति में जुड़ेंगी।

महिलाओं की श्रमशक्ति बढ़ने का एक अन्य कारण यह भी हो सकता है कि महिलाओं की बेहतर शैक्षणिक उपलब्धियों के चलते भी अवसर उपलब्ध होंगे (हालांकि अगर महिलाएं श्रम बाजार में प्रवेश करने के बजाय उच्च शिक्षा का विकल्प चुनती हैं तो इसमें अल्पकालिक गिरावट आ सकती है)। यह वजह बड़ी हो सकती है: 97 देशों के एक नमूने के अनुसार बढ़ा हुआ शैक्षणिक स्तर महिलाओं की श्रमशक्ति में भागीदारी 2010 से 2030[9] तक करीब 3 प्रतिशत बिंदु बढ़ेगी। हालांकि श्रम बाजार के अवसरों का अनुमान लगाने में विभेद हो या देखरेख के कार्य के बोझ के बंटवारे में या सामाजिक उम्मीदों को पूरा करने में असमानता रहेगी तो ऐसे लाभों का अहसास मुश्किल से होगा। इस तरह के मुद्दे महिलाओं के वैतनिक कार्यों की ओर जाने को मुश्किल बना सकते हैं। महिलाओं और पुरुषों के शैक्षणिक स्तर में अंतर कम होने के साथ ऐसे पूरक कदम उठाए जाने चाहिए जो श्रम बाजार में समानता लाने में मदद करें।

रोजगार के संदर्भ में ऐसी ही तस्वीर मजबूत होती है: साल 2015 में कार्य करने की आयु (15 साल और अधिक) के 72 प्रतिशत पुरुष नौकरी कर रहे थे जबकि महिलाओं का प्रतिशत 47 था (रेखांकन 4.3)।

वैतनिक कार्यों में उच्च स्तर की संलिप्तता हासिल किए जाने के लाभ न सिर्फ महिलाओं के लिए हैं बल्कि वृहद रूप से समाज और अर्थव्यवस्थाओं को हैं। यह अच्छी तरह मानी हुई बात है कि महिला श्रम शक्ति की उच्च भागीदारी दर अर्थव्यवस्था की वृद्धि को बढ़ाती है। उदाहरण के लिए जापान में वर्तमान दर 66 प्रतिशत को बढ़ाकर 80 प्रतिशत किए जाने से (जो अब भी पुरुष भागीदारी दर से 5 प्रतिशत कम ही है) देश का उत्पादन 13 प्रतिशत[10] बढ़ेगा। सक्रिय श्रम (श्रम शक्ति भागीदारी दर और स्कूल जाने के

रेखांकन 4.3

साल 2015 में कार्य करने की आयु (15 साल और अधिक) के 72 प्रतिशत पुरुष नौकरी कर रहे थे जबकि महिलाओं का प्रतिशत 47 था

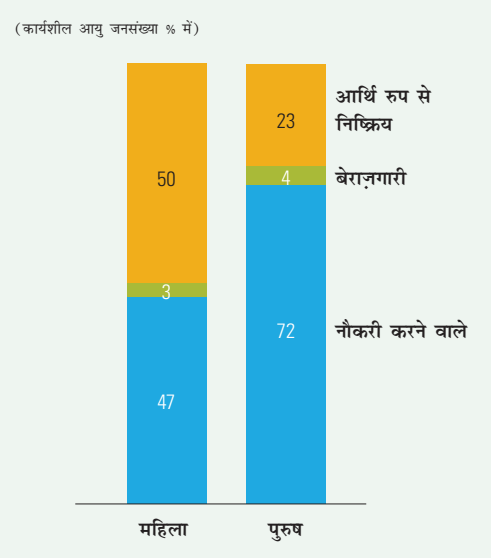

स्त्रोत : संयुक्त राष्ट्र 2015b।

साल) में अंतर की वजह से अर्थव्यवस्था को वार्षिक हानि उप-सहारा अफ्रीका[11] में अनुमानत: 60 बिलियन डॉलर की होगी।

महिलाएं कम कमाती हैं

अगर वेतन के लिए कार्य की बात हो तो भी महिलाओं और पुरुषों की आय में अलग है। पूरी दुनिया में महिलाएं पुरुषों के मुकाबले 24 प्रतिशत कम कमाती हैं।[12] यह अंतर कुछ तो इस वजह से है कि महिलाओं का अधिक भुगतान वाले कार्यों और उच्च स्तर की आय में प्रतिनिधित्व कम है। लेकिन जब एक समान कार्य करने की बात आती है तो महिलाएं अक्सर कम कमाती हैं- जिसका अंतर सबसे अधिक कमाई वाले पेशों में बढ़ता जाता है। अमेरिका में महिला वित्त विशेषज्ञ अपने पुरुष प्रतिपक्षी के मुकाबले मात्र 66 प्रतिशत कमाती हैं। दंत चिकित्सकों के लिए इसका प्रतिशत 74 और लेखाकारों में 76 है।[13] लातिन अमेरिका में शीर्ष महिला प्रबंधक शीर्ष पुरुष प्रबंधकों के मुकाबले 53 प्रतिशत ही वेतन पाती हैं और महिला वैज्ञानिक मात्र 65 प्रतिशत।[14]

वेतन में कुछ अंतरों को तो शैक्षिक, कौशल के स्तर, अनुभव के सालों से समझाया जा सकता है- जो अक्सर महिला की देखरेख की जिम्मेदारी से जुड़े होते हैं- लेकिन अधिकतर मामलों में ये अव्याख्यित

वैतनिक के कार्य में अधिक लगना महिलाओं को ही नहीं बल्कि समाज को भी अनेक लाभ देता है

ही रह जाते हैं (रेखांकन 4.4)। एस्टोनिया में वेतन का अंतर करीब 29 प्रतिशत है लेकिन मात्र एक चौथाई को ही विभिन्न निरीक्षण योग्य विशेषताओं से समझाया जा सकता है जैसे कि मानव पूंजी से संबंधित या पेशे की प्रवृत्ति से- अगर इन अंतरों को हटा भी दिया जाए, महिलाएं फिर भी बेहद कम कमाएंगी। जैसा कि बहुत से अन्य देशों में होता है, एस्टोनिया में भी उच्च आय दशमक में अधिक है। डेनमार्क और पॉलैंड जैसे देशों में व्याख्यित अंतर नकारात्मक है, जिसका अर्थ यह हुआ कि विभिन्न विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए महिलाओं को पुरुषों से अधिक कमाना चाहिए।[15] आय के अंतर के अव्याख्यित हिस्से के लिए एक तर्क तो यह है- कार्य में भेदभाव है, चाहे वह खुला हो या ढका हुआ।

वेतन में अंतर सिर्फ आर्थिक मुद्दा ही नहीं है, ये शक्ति संबंधों को भी प्रभावित करते हैं- उन से प्रभावित होते हैं। एक ओर तो आर्थिक आजादी के लिए कमाई की जाती है, जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता, घर और समाज में आवाज उठाने और प्रतिनिधित्व की दिशा में महत्वपूर्ण कारक है। दूसरी ओर किसी घर में देखरेख की जिम्मेदारियों के असमान वितरण से एक अभिभावक को दूसरे के मुकाबले नियमित रूप से खाली समय अधिक मिलता है- जिससे दूसरे अभिभावक की वर्तमान और भविष्य में कमाने की संभावनाएं कम होंगी और विभेद बना रहेगा। समान कार्य और समान वेतन मात्र सामाजिक न्याय का मुद्दा नहीं है बल्कि इसमें उल्लेखनीय सामाजिक मूल्य भी हैं, विशेषकर घरों और समाज में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए।

मजदूरी में अंतर केवल एक आर्थिक मुद्दा नही है

'ग्लास सीलिंग' के कारण प्रतिनिधित्व में लिंग-भेद जारी है

वेतन में अंतर, निजी क्षेत्र में नेतृत्व और वरिष्ठता की स्थितियों पर महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व का एक संकेत हैं। दुनिया भर में महिलाएं मात्र 22 प्रतिशत नेतृत्व की स्थितियों में हैं और 32 प्रतिशत व्यवसायों में वरिष्ठ प्रबंधक पदों पर महिलाओं का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है।[16] क्षेत्रीय तस्वीर काफी बदल जाती है (रेखांकन 4.5) और अलग-अलग देशों में वरिष्ठ प्रबंधन के पदों पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व जापान में 8 से लेकर रूसी संघ में 40 प्रतिशत तक है।[17] यह तस्वीर उद्योगों के साथ भी बदलती है: वरिष्ठ तकनीकी नौकरियों में महिलाओं की भागीदारी 19 प्रतिशत तक है।[18] यह स्थिति शीर्ष उद्योगों मे और भी भयानक है, क्योंकि 2014 में मात्र 9 प्रतिशत कंपनियों की मुख्य कार्यकारी अधिकारी महिला थी। कार्य के लंबवत विभेद के साथ विभिन्न पेशों में क्षैतित अंतर भी है: कार्य में महिलाओं की भागीदारी खनन और उत्खनन में 12 प्रतिशत से लेकर शिक्षा और सामाजिक सेवा क्षेत्र की पेशेवर सेवाओं में 41 प्रतिशत तक है।[19] पेशागत विभेद समय के साथ आर्थिक समृद्धि के सभी स्तरों तक फैलता गया है- उन्नत और विकासशील देशों में आदमियों का शिल्प, व्यापार, पौधो और मशीन संचालन के साथ ही प्रबंधकीय और विधायिका के कार्यों में ज्यादा प्रतिनिधित्व है; और महिलाएं मध्य-कौशल के व्यवसायों में हैं जैसे कि क्लर्क, सेवा कार्यकर्ता और दुकान और बिक्री कार्यकर्ता।

रेखांकन 4.4

महिलाओं और पुरुषों में आय में अधिकतर अंतर अव्याख्यित हैं

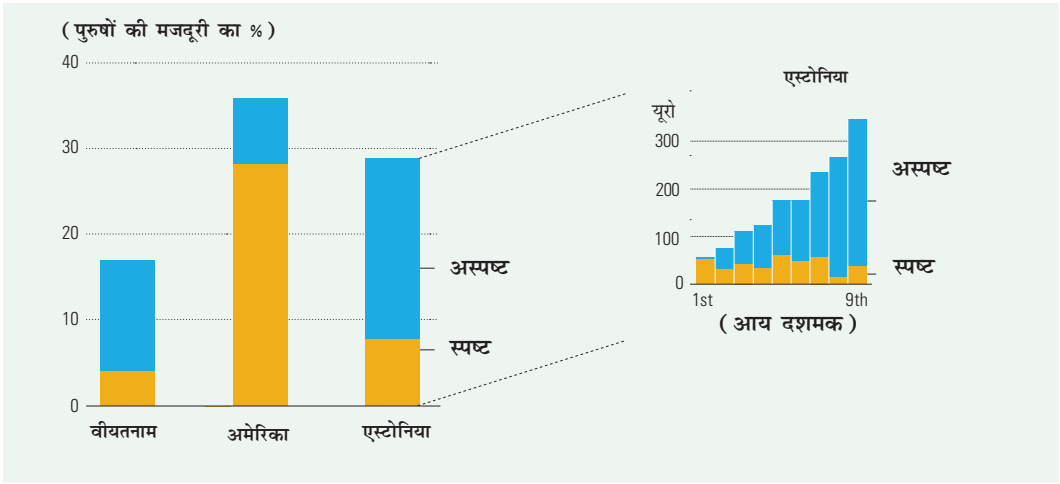

नोट :
स्त्रोत : आईएलओ 2015b।

सार्वजनिक सेवा में भी- जहां 'समान कार्य के लिए समान वेतन' को प्राप्त करना आसान है- नेतृत्व के पदों पर असमान रूप से पुरुषों का कब्जा जारी है। महिलाएं वरिष्ठ राजनीतिक और न्यायिक सेवाओं जैसे प्रभावशाली पदों- जो कानून और नियमों और उनके लागू होने के तरीकों के माध्यम से लैंगिक संतुलन को प्रभावित कर सकते हैं- में सिर्फ 25 प्रतिशत या कम ही हैं (रेखांकन 4.6)।

उद्यमशीलता के लिए विषम बाधाएं

महिलाएं उन्हीं कारणों से उद्यमी बनती हैं जिनसे पुरुष- आजीविका अर्जन, परिवार की सहायता, अपने करियर को बढ़ाने के लिए और एक हद तक आजादी हासिल करने के लिए।20 महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए उद्यमशीलता के शुरुआती स्तर (3.5 साल से कम पुराने उद्यम) की सबसे ऊंची दर अफ्रीका में है, जिसके बाद लैटिन अमेरिका और कैरेबियन का स्थान है (रेखांकन 4.7 का बायां पैनल)। हालांकि सभी इलाकों में महिलाओं के अपना उद्यम शुरू करने की संभावना पुरुष के मुकाबले कम होती है। विशेषकर

सर्वजनिक सेवा में नेतृत्व के पदों पर पुरुषों का अनुपातहीन ढंग से अधिकार जारी है

रेखांकन 4.5

साल 2015 में सभी इलाकों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ व्यवसायिक प्रबंधन में कम रहा

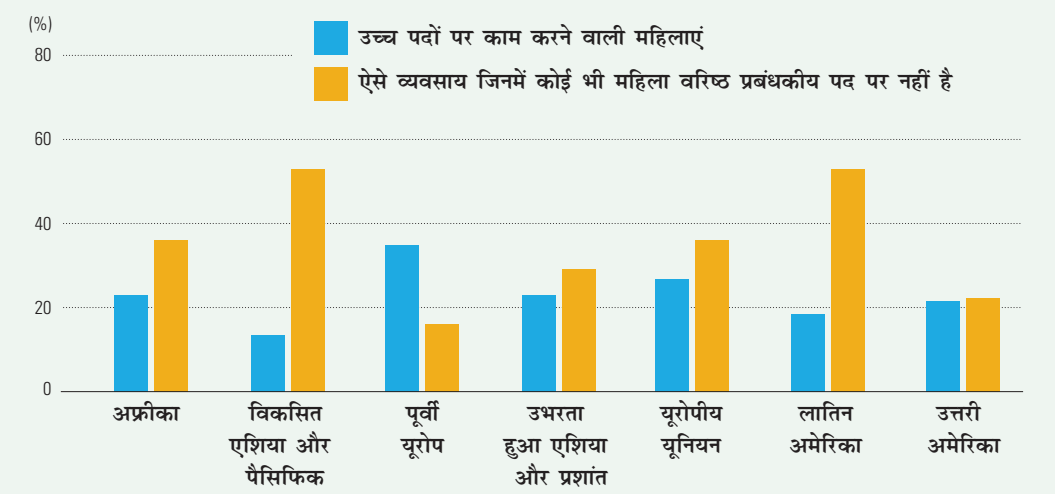

स्त्रोत : ग्रांट थॉर्नटन 2015।

रेखांकन 4.6

महिलाओं के सार्वजनिक सेवाओं में नेतृत्व वाले पदों पर पहुंचने की संभावना कम ही है

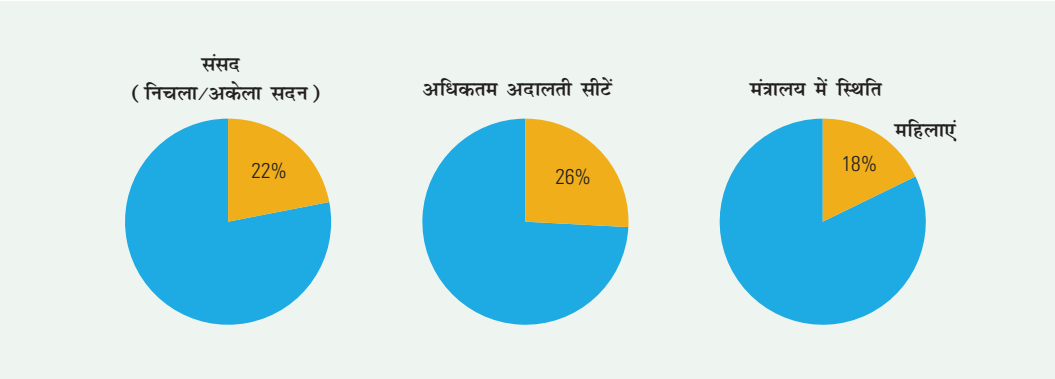

नोट : द्विसदन व्यवस्था वाले देशों में संसद में प्रतिनिधित्व की गणना दोनों सदनों के आधार पर की गई है।
स्त्रोत : आईपीयू (2015) और यूएनडीपी (2015b) पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट ऑफिस की गणना।

रेखांकन 4.7

शुरुआती और स्थापित उद्यमियों, दोनों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम है, 2014

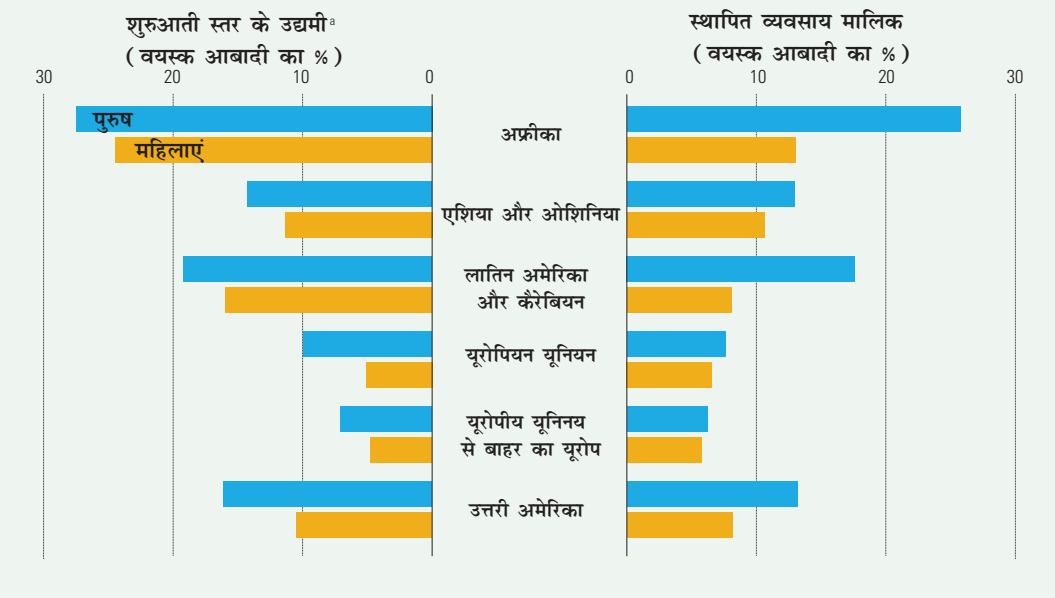

नोट : शुरुआती-स्तर के उद्यमियों का अर्थ उन व्यक्तियों से है जिन्होंने अपना व्यवसाय पिछले 3.5 साल के अंदर शुरू किया है।
स्त्रोत : सिंगर, अमोरोस एंड मोस्काएरेओला 2015।

लैटिन अमेरिका और कैरेबियन में महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के स्थापित व्यवसाय बनने न बन पाने संख्या असंगत रूप से अधिक है (रेखांकन 4.7 का दाहिना पैनल)।[21]

महिला उद्यमी कम क्यों हैं? इसका कारण सीमित वित्तीय अवसर और तकनीक का असमान प्रयोग है।

- वित्त तक असमान पहुंच। दुनिया भर में कोई 42 प्रतिशत महिलाओं का 2014 में बैंक अकाउंट नहीं था और यह अनुपात विकासशील देशों में अधिक था (50 प्रतिशत)। और 38 देशों, जिनमें भारत, मैक्सको, पाकिस्तान, युगांडा शामिल हैं, 80 प्रतिशत महिलाओं का बैंक अकाउंट नहीं था।[22] इसके विपरीत जापान और कोरिया गणतंत्र में 90 प्रतिशत से अधिक महिलाओं के बैंक अकाउंट हैं।[23]
- कानूनी प्रतिबंध और भेदभावपूर्ण परंपराएं। वैश्विक उद्यमशीलता और विकास सारणी द्वारा कवर किए गए 22 देशों में विवाहित महिलाओं के अधिकार विवाहित पुरुषों के समान नहीं हैं और 8 देशों में महिलाओं के संपत्ति पर पुरुषों जैसे अधिकार नहीं हैं। एक तिहाई देशों में महिलाओं की सार्वजनिक स्थानों तक पहुंच या तो कानूनी प्रावधनों या भेदभावपूर्ण परंपराओं के चलते बंद है।[24]
- तकनीक के प्रयोग तक असमान पहुंच। साल 2013 तक भारत में 39 प्रतिशत महिलाएं इंटरनेट का प्रयोग करती थीं जबकि पुरुषों का प्रतिशत 61 था। चीन में महिलाओं का प्रतिशत 44 था और पुरुषों का 56, तुर्की में 64 प्रतिशत पुरुषों के मुकाबले मात्र 44 प्रतिशत महिलाएं इंटरनेट का प्रयोग करती थीं।[25] उत्पादन, परिवहन और उन्नत तकनीक के व्यवसायों का संचालन कम ही महिलाएं करती हैं।[26]

महिलाओं को पुरुषों के समान कानूनी अधिकार नहीं मिलते

असुरक्षित कार्य में असमान मौजूदगी

जहां औपचारिक वैतनिक नौकरी के अंदर भारी भेदभाव है, ऐसा कार्य कुछ हद तक आर्थिक सुरक्षा और सब कर्मचारियों के लिए अनुबंध पर आधारित और कानूनी सरंक्षण प्रदान करता है। दूसरी तरु अनौपचारिक क्षेत्र में कार्य करने या स्व-रोजगार करने पर (बतौर नियोक्ता नहीं) कम और अस्थिर आय, कार्य की खराब परिस्थितियां, आवाज उठाने की जगह न होना और सामूहिक कदमों की सीमित गुंजाइश देखी गई है- जो असुरक्षा और निर्भरता बढ़ाती है।

इसे मापने का एक तरीका तो यह है कि 'असुरक्षित नौकरियां' करने वालों की गणना कर ली जाए- जिसे श्रम सांख्यिकीविद् पारिवारिक-सदस्य (योगदान करने वाले पारिवारिक कर्मचारी) द्वारा चलाया जा रहा व्यवसाय या स्व-रोजगार लेकिन उनके लिए लगातार कोई कर्मचारी कार्य न कर रहा हो (अपने ही खाते के कर्मचारी) की श्रेणी में रखते हैं। दूसरा तरीका यह है कि अनौपचारिक क्षेत्र में कार्य

करने वालों की गणना कर ली जाए। ऐसे कर्मचारियों के औपचारिक नौकरी के अन्य प्रकारों द्वारा प्रदान सुरक्षा की पहुंच से वंचित रह जाने की आशंका होती है।

ऐसे देशों में जहां कुल वैश्विक श्रम शक्ति का 84 प्रतिशत है, 48 प्रतिशत पुरुष और 41 प्रतिशत महिलाएं स्वराजगार कर रहे हैं; कम आय वाले देशों में महिला दर (90 प्रतिशत) पुरुष दर (83 प्रतिशत) से अधिक है।[27] दुनिया भर में करीब 50 प्रतिशत नौकरी करने वाली महिलाएं असुरक्षित कार्य कर रही हैं, जबकि उनकी तुलना में पुरुष 44 प्रतिशत हैं। कम आय वाले देशों में महिलाओं की दर 86 प्रतिशत और पुरुषों की 77 प्रतिशत है।[28]

जब मानव संसाधन विकास क्षेत्रों ने वर्गीकरण किया तो पता चला कि कम और मध्यम मानव विकास वाले देशों में महिलाओं के असुरक्षित नौकरी में होने की आशंका अधिक है। उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर- कुछ इलाकों में सीमित पहुंच के बावजूद- भोगोलिक क्षेत्रों में भी ऐसी ही परिस्थियां बनती हैं: अधिकतर क्षेत्रों में महिलाओं के असुरक्षित नौकरी में होने की संभावना अधिक है (रेखांकन 4.8)। एक अपवाद लातिन अमेरिका और कैरेबियन हैं, जहां कुछ हद तक समानता है, वहां महिला और पुरुषों दोनों की कार्य करने वाली आबादी का करीब एक तिहाई असुरक्षित नौकरियों में है।[29]

इस तरह के कार्य के उदाहण कई क्षेत्रों में मिलते हैं लेकिन दो विशेष तौर पर उभरते हुए अलग दिखते हैं जिनमें महिलाए हैं: कृषि और वैतनिक घरेलू कार्य।

कृषि

दक्षिण एशिया में महिलाओं के रोजगार का 62 प्रतिशत, मुख्यत: अनौपचारिक, कृषि में है लेकिन पुरुषों के रोजगार के प्रतिशत 42 से कम है (रेखांकन 4.9)।

इसके अलावा, कार्य की प्रवृत्ति और कार्य विभिन्न लिंगों में अलग-अलग हो सकते हैं- उदाहरण के लिए हो सकता है कि महिला और पुरुष दोनों छोटे के खेत में कार्य करते हों, जो मुख्यत: गुजारे के लिए किए जाने वाला कार्य हो।[30] हालांकि मलावी में संभवत: बड़ी संख्या में महिलाएं अवैतनिक और पारिवारिक खेतों में कार्य करती हैं (रेखांकन 4.10)।

कृषि श्रमशक्ति का महिला हिस्सा सभी क्षेत्रों में पिछले 20 सालों में बढ़ा है जिसकी वजहें बहुत सारी हैं, जिनमें वैतनिक कार्यों के अवसरों की तलाश में पुरुषों का स्थानांतरण शामिल है। वर्ष 1980 से 2010 के बीच पूर्वी और उत्तरी अफ्रीका के उपक्षेत्रों में यह 30 से बढ़कर 45 प्रतिशत हो गया।[31] इस चलन के चलते लैंगिक असमानता और बदतर होने वाली है।

महिलाओं की असुरक्षित रोजगार में होने की संभावना अधिक होती है

रेखांकन 4.8

दुनिया भर के अधिकतर हिस्सों में महिलाओं के असुरक्षित नौकरी में होने की संभावना अधिक है

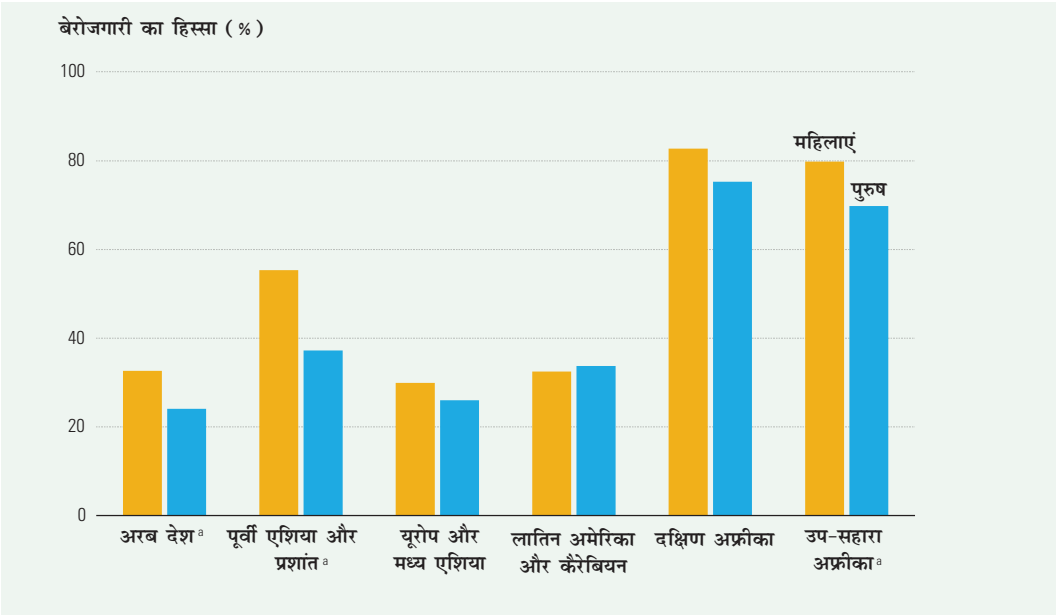

नोट : बिलियन इलाकों, पूर्वी एशिया और प्रशांत और उप-सहारा अफ्रीका की कवरेज, क्षेत्रीय एकीकरण के लिए तय मानकों से कम है।
स्त्रोत : आईएलओ 2015e पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की गणना।

रेखांकन 4.9

दक्षिण एशिया में महिलाओं के रोजगार का लगभग 62 प्रतिशत कृषि, में है लेकिन पुरुषों के रोजगार के प्रतिशत 42 से कम है

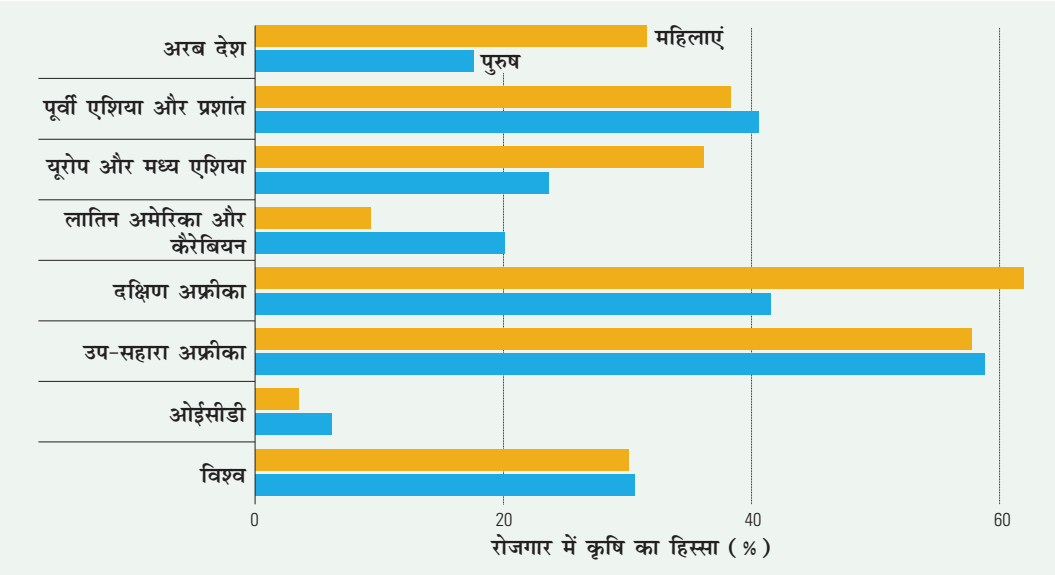

नोट : क्षेत्रीय आंकड़े 2005–2013 तक के देश के आंकड़ों से निकाले गए हैं। इसमें चीन नहीं है क्योंकि वहां लिंग के हिसाब से आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।
स्त्रोत : आईएलओ 2015e।

रेखांकन 4.10

ग्रामीण मलावी में महिलाएं अगर घर से बाहर भी कार्य करती हैं तो भी उन्हें अक्सर भुगतान नहीं किया जाता। 2008

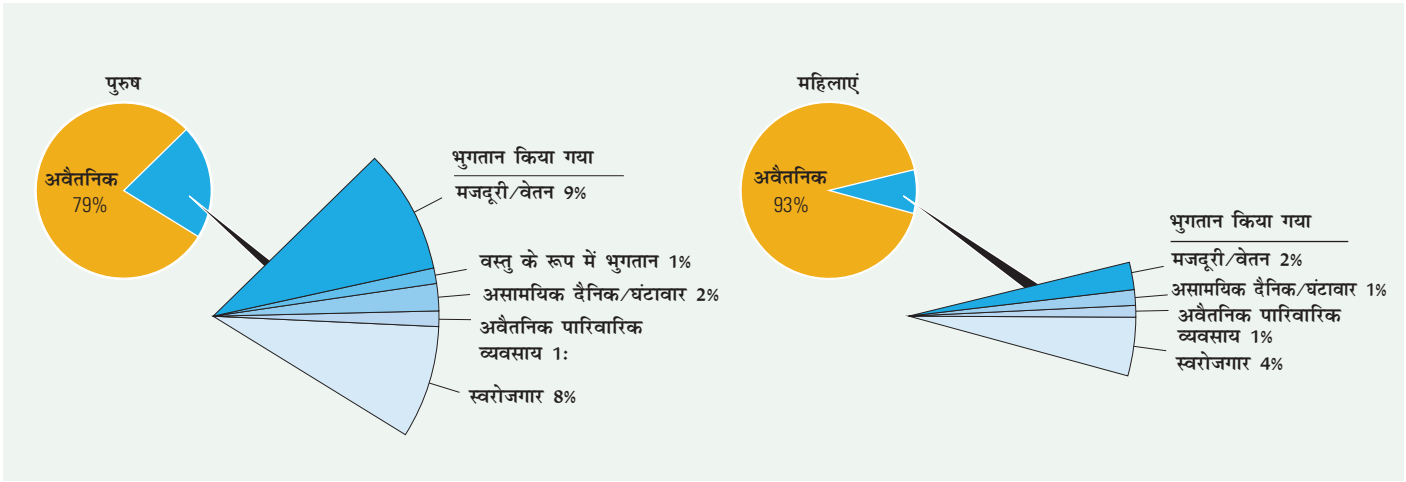

स्त्रोत : एफएओ 2011a।

वैतनिक घरेलू कार्य

घर की आमदनी बढ़ने और अधिक लोगों के घरों से बाहर कार्य करने के चलते घरेलू कार्य करने वालों की मांग बढ़ी है। साल 2010 में दुनिया भर में 15 वर्ष और अधिक उम्र के करीब 5.30 मिलियन लोग घरेलू कार्य कर रहे थे। इनमें से 83 प्रतिशत महिलाएं थीं– जो कुल महिला कर्मचारियों का 7.5 प्रतिशत थीं।[32] कुछ प्रवासी श्रमिक थीं।

घरेलू कार्य में कई तरह के कार्य शामिल हैं जिसमें महिला और पुरुष दोनों बड़ी संख्या में हैं। उदाहरण के लिए 2004/05 में भारत में 42 लाख

घरेलू कार्य श्रमिक थे- कुल नौकरियों का एक प्रतिशत (सारणी 4.1)- इनमें से एक चौथाई पुरुष थे। 70 प्रतिशत से अधिक महिलाएं घरेलू सहायक या नौकरानी के रूप में कार्य कर रही थीं।[33] उनमें से कुछ पूर्णकालिक घर में रहने वाली कर्मचारी थीं- उनका रोजगार स्थाई और रहने का स्तर ठीक हो सकता है लेकिन आजादी बहुत कम होती है। अन्य अंशकालिक कार्य करती हैं, अपने घरों में रहती हैं और नियोक्ता के घर एक या दो बार जाती हैं। इस तरह वे एक से अधिक घरों में कार्य कर सकती हैं, और उनके पास चुनाव और कार्य छोड़ने के विकल्प अधिक होते हैं।[34]

घरेलू कार्य की मांग देशों में प्रवास को बनाए रखती है- जैसे कि ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों की ओर- या फिर देश की सीमाओं के पार। उदाहरण के लिए लातिन अमेरिकी देशों में प्रवासी घरेलू श्रमिक पड़ोसी देश के होते हैं- अर्जेंटीना में बोलिवियाई, चिली में पेरुआई- प्राय: ये कम यात्रा लागत, प्रवेश पर हल्के प्रतिबंध और स्थापित तंत्र को परिलक्षित करते हैं।[35]

लेकिन अन्य लंबी दूरियां तय करते हैं, कम से अधिक आय वाले देशों की ओर। लातिन अमेरिकी अमेरिका में कार्य करते हैं और यूक्रेन के देखरेख करने वाले कर्मचारियों को इटली में नौकरी मिलती है।[36] फिलीपीन्स या इंडोनेशिया के श्रमिक सिंगापुर जा सकते हैं जहां पांच में से एक घर में घरेलू श्रमिक को रखा जाता है।[37] ऐसे श्रमिकों के कुछ सबसे बड़े नियोक्ता खाड़ी सहयोग परिषद के देश हैं। वे 24 लाख प्रवासियों को नौकरी देते हैं जिनमें से बहुत सी महिला घरेलू श्रमिक होती हैं (सारणी 4.2)।[38] 2001 और 2010 के बीच प्रवासी घरेलू श्रमिकों की संख्या नाटकीय रूप से बढ़ी है।[39]

हालांकि बहुत से घरेलू कर्मचारी जो अन्य देशों की यात्रा करते हैं संभवत: उससे अधिक कमाते हैं जो वह घर में कमाते, लेकिन वह बंद दरवाजों के पीछे दुर्व्यवहार और शोषण की परिस्थितियों भी फंस सकते हैं, जहां मदद के माध्यम बहुत सीमित होते हैं। उदाहरण के लिए उनके नियोक्ता उनके पासपोर्ट और वेतन रोक सकते हैं, हो सकता है कि अनुबंध समाप्त होने के बाद भी उन्हें नौकरी नहीं छोड़ने दें। कार्य के घंटे असाधारण रूप से लंबे हो सकते हैं और हो सकता है कि कर्मचारियों की ऐसी सेवाओं तक पहुंच सीमित या बिल्कुल न हो जो उनके अधिकार दिलाने में मदद कर सकें, जिससे वे शोषण और तो और शारीरिक, यौन हिंसा के शिकार बन जाते हैं।[40]

बहुत से राष्ट्रीय श्रमिक अपनी कम-आय, कम-कौशल और प्राय: कम-प्रतिष्ठा वाली नौकरियों से इनकार कर देते हैं, फिर भी घरेलू कार्य के लिए मांग दुनिया भर में बढ़ रही है। उदाहरण के लिए अमेरिका में कम से कम 18 लाख कर्मचारी अमेरिकी घरों में कार्य करते हैं और उनमें से अधिकतर (95 प्रतिशत) महिलाएं या विदेशों में पैदा हुए प्रवासी देखरेख करने वाले हैं जो प्राय: अपने परिवार और

सारणी 4.1

भारत में खंडवार घरेलू श्रमिक, 2004-05 (हजारों में)

घरेलू कार्य का प्रकार	महिला	पुरुष	कुल
घरेलू सहायक या नौकर	2,011	301	2,312
रसोइया	89	34	123
माली	4	15	19
द्वारपाल, चौकीदार या गार्ड	7	129	136
मास्टरनी या आया	63	25	88
अन्य	781	748	1,528
कुल	2,955	1,252	4,206

स्त्रोत : आईएलओ 2013b।

सारणी 4.2

खाड़ी सहयोग परिषद के देशों में प्रवासी घरेलू श्रमिक (हजारों में)

देश	महिलाएं	पुरुष
बहरीन (2011a)	52	83
कुवैत (2010)	310	570
ओमान (2009)	69	95
कतर (2009)	48	80
सऊदी बिलियन (2009)	507	777

नोट : मात्र प्रथम चौथाई।
स्त्रोत : राक्की और ससिकुमार 2012।

बच्चों को, जिन्हें खुद देखरेख की आवश्यकता होती है, घर पर दादा-दादी या रिश्तेदारों के पास छोड़ जाते हैं या स्थानीय देखरेख करने वाले की सेवाएं लेते हैं।[41]

प्रवासी देखभाल करने वाले अक्सर अपने परिवार और बच्चों को घर पर ही छोड़ देते हैं

इस तरह घरेलू कार्य करने वालों के वैश्विक प्रवाह के साथ-साथ देखरेख करने वालों की समांतर वैश्विक श्रृंखला बढ़ती जाती है। हालांकि उनके भेजे गए धन से इन परिवारों को आर्थिक लाभ होता है लेकिन अपने प्रिय लोगों से अलगाव भावनात्मक आघात दे सकता है और बच्चों की शैक्षिक उपलब्धियों को हानि पहुंचा सकता है। महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता (या कम से कम परिवार में संसाधनों में सह-निर्णय) तब सबसे अधिक होता है जब वे नियोक्ता होती हैं या अपने देश में वेतन या मजदूरी पर कार्य कर रही होती हैं, जहां उनके अधिकार सुनिश्चित करने वाले कानून और सेवाएं मौजूद होती हैं। यह उन्नति स्थाई या अपरिवर्तनशील नहीं होती- बढ़ भी सकती हैं और कम भी हो सकती हैं जिसमें सरकारी नीति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। किर्गीस्तान की पूर्व राष्ट्रपति, रोजा ओटुन्बायेवा, के विशेष योगदान ने किर्गिस्तान को केंद्र में रखते हुए मध्य एशिया में महिला सशक्तिकरण के समक्ष आने

मध्य एशिया: उभरा क्षेत्र, महिलाओं के लिए उभरती चुनौतियां और अवसर

मध्य एशियाई महिलाओं के आंदोलन को सौ बरस होने जा रहे हैं। श्रमशक्ति में सोवियत महिलाओं की मुक्ति से शुरू हुआ ये आंदोलन, आंशिक रूप से द्वीतीय विश्व युद्ध के मोर्चे पर लड़ रहे पुरुषों के लिए खड़े होने की आवश्यकता से कुछ निर्देशित हुआ, मध्य एशिया की महिलाओं ने खेतों में भारी मशीनें चलाई, विद्युत सयंत्रों का प्रबंधन किया और विमान उड़ाए। उन्होंने पूरे उद्योग के लिए तेल और गैस क्षेत्र विकसित करने में मदद की।

नब्बे के दशक में आजादी के बाद से बहुत कुछ बदल गया। विऔद्योगिकीकरण, तीव्र सामाजिक विभाजन के परिणामस्वरूप सार्वजनिक संपत्तियों का अनुचित निजीकरण, और बहुत अधिक आंतरिक और बाहरी प्रवास ने नाटकीय रूप से जीवन स्तर को घटा दिया। सामाजिक ढांचे के धीरे-धीरे ढ़हते जाने और नए व्यवसायिक विशिष्ट वर्ग में महिलाओं की मामूली संख्या ने महिलाओं की आर्थिक पूंजी को वास्तव में खत्म करने की ओर और उन्हें गरीबी और बेरोजगारी की असुरक्षा की ओर अग्रसर किया।

मध्य एशिया, जहां दो-तिहाई आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, जलवायु परिवर्तन के परिणाम झेल रहा है, वहां पानी कम हो रहा है और भू-विकृतिकरण हो रहा है। अफगानिस्तान से मादक पदार्थों की तस्करी और श्रमिक प्रवास ने क्षेत्र में एचआईवी के प्रसार को तेजी से बढ़ा दिया है। भारी भ्रष्टाचार, घटिया स्तर की सार्वजनिक सेवाओं और कानून के राज की कमी की वजह से ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक और धार्मिक संस्थाएं सरकार के विकल्प के रूप में कार्य करने की कोशिश कर रही हैं। पुरुषों की महिलाओं पर श्रेष्ठता, कम आयु में शादी, बहुविवाह और महिलाओं की आर्थिक गतिविधियों को घर में ही पुर्नस्थापित करने जैसे अप्रचलित पितृसत्तात्मक मूल्य अब स्पष्ट सांसारिक सामाजिक मूल्यों से होड़ कर रहे हैं।

ये समस्याएं और उनके समाधनों पर 2015 की राष्ट्रीय महिला गोष्ठी में चर्चा की गई थी जो किर्गीस्तान में महिला आंदोलन की 90वीं वर्षगांठ, बीजिंग मंच की 20वीं वर्षगांठ और शांति स्थापना तथा संघर्ष समाधन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव की 15वीं वर्षगांठ को समर्पित थी। महिलाओं और लड़कियों की उन्नति पर 1995 के बीजिंग सम्मेलन ने मध्य एशिया की प्रतिनिधियों को एक शक्तिशाली प्रेरणा और राष्ट्रीय लैंगिक नीतियों के लिए खाका दोनों प्रदान किए। पिछले 20 साल से हमने लैंगिक समानता के लिए राष्ट्रीय महिला आंदोलन चलाया और सांस्थानिक प्रक्रिया और कानून और नीति का ढांचा तैयार किया है।

आज किर्गीस्तान के नागरिक समाज का नेतृत्व 70 प्रतिशत तक महिलाओं के हाथ में है। हम देश के सबसे सक्रिय मानवाधिकार संगठनों और मजबूत मीडिया का नेतृत्व करती हैं, न्यायिक सुधारों का संचालन करती हैं, भ्रष्टाचार से लड़ती हैं और सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता को सुधारने के लिए कार्य करती हैं। अपने देश में हुए सभी महत्वपूर्ण बदलावों के अग्रिम मोर्चे पर हम रही हैं, जिनमें देश का एक संसदीय लोकतंत्र में बदलाव शामिल है। महिलाएं हर मंत्रालय के सार्वजनिक निरीक्षण बोर्डों और खनन उद्योग पारदर्शिता पहल में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। देश का लघु ऋण आंदोलन, जिसमें महिलाओं ने प्रमुख भूमिका निभाई है, पिछले 20 साल में उल्लेखनीय रूप से फैल गया है, जिससे गांव और शहरों के गरीबों को भोजन देने में मदद मिली है। हालांकि सार्वजनिक और सरकारी कंपनियों के निदेशक मंडल में कम ही महिलाएं शामिल हैं। जो महिला उद्यमी अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहती हैं उन्हें कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हमें व्यापार इन्क्यूबेटरों (नए व्यवसाय को जमने में सहायता करने वाली कंपनी), व्यवसायिक और कानूनी प्रशिक्षण की आवश्यकता है। धार्मिक और पारंपरिक सोच में रमने की बजाय हमें रचनात्मक उद्योगों और खेलों में महिलाओं की स्थित को मजबूत करना चाहिए। हमें दशकों तक ऐसी प्रगति करनी होगी जिसमें महिलाओं को अपनी आकांक्षाओं का अहसास हो और वह नई ऊंचाइयों तक पहुंचें।

मध्य और पूर्वी यूरोप के देशों में अब दो दशक से लोकतांत्रिक विकास हो रहा है। हालांकि बहुत समय नहीं हुआ है लेकिन यह अनुभव लगातार हमारी सामाजिक-राजनीतिक चेतना और इतिहास की याद में बस रहा है। कई ऐतिहासिक मोड़ों पर 'लोकतंत्र के वंशाणु' बदलाव के जीवनदायी कारक बने हैं और इन देशों को एक ऐसे समूह में ला रहे हैं जिनकी भलाई और समृद्धि सीधे लैंगिक समानता की संभावना से जुड़ी है। मुझे पूरा विश्वास है कि मध्य एशिया के देश- जो सोवियत संघ से मुक्त हुए हैं और महिलाओं की 100 प्रतिशत साक्षरता दर हासिल कर चुके हैं- बदलाव के दौर की समस्याओं, लैंगिक समानता की राह में आने वाली पारंपरिक और उभरती हुई चुनौतियों का सामना करने में कामयाब होंगे। हमें महिलाओं और लड़कियों में निवेश करना ही होगा और लिंग को लेकर चली आ रही धारणाओं को स्थाई, समावेशी और निष्पक्ष सामाजिक आर्थिक प्रगति के माध्यम से बदलना होगा। अगर हमारा राज्य लैंगिक समानता को राष्ट्रीय विकास का अंतर्निहित भाग मानता है तो हम महिलाओं और लड़कियों को उनकी पूरी क्षमताओं और आकांक्षाओं को हासिल करने में मदद कर के सफलतापूर्वक आधुनिक हो सकेंगे।

रोजा ओटुन्बायेवा
किर्गीस्तान की पूर्व राष्ट्रपति

बॉक्स 4.1

अवैतनिक देखरेख के कार्य का मौद्रिक मूल्यांकन

परिवार की देखरेख में लोग बिना पैसे लिए समय लगाते हैं, दोस्त और पड़ोसी भी स्पष्ट: आर्थिक जीवन स्तर में, सामाजिक भलाई में और मानव क्षमताओं के विकास में योगदान देते हैं। उसी समय यह लोगों को अर्थव्यवस्था में विभिन्न कार्य करने के योग्य बनाता है। हालांकि बाद वाले का एक मौद्रिक मूल्य होता है और यह राष्ट्रीय जमा, जैसे कि जीडीपी, में दिखता भी है, पहले वाला मुख्यत: ऐसे पैमाने द्वारा बिना नपे ही रह जाता है और आर्थिक नीतियों पर होने वाली बहसों से भी नदारद रहता है।

लेकिन चीजें बदल रही हैं- कुछ तो संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव के कारण जिसमें महिलाओं के अवैतनिक कार्य की दृश्यता बढ़ाने पर बल दिया गया है, बहुत से देश अब राष्ट्रीय स्तर पर समय-लेने वाले सर्वेक्षणों की व्यवस्था करते हैं जिनमें लोगों से बीते दिन की गई गतिविधियों को याद करने को कहा जाता है। साल 2000-2010 के बीच ऐसे 87 सर्वेक्षण किए गए जो 1900-2000 के बीच किए गए सर्वेक्षणों से अधिक थे। घरेलू कार्य में दिए गए विभिन्न समय के अनुमानों से उसकी बाजार की कीमत की गणना यह पूछकर की जाती है कि इसी सेवा के लिए इतने घंटे तक बाजार से यह सेवा ली जाती तो उसकी लागत कितनी आती। इसे 'स्थानापन्न लागत' द्वारा मूल्यांकन कहते हैं- अन्य तरीके भी संभव हैं, लेकिन आमतौर पर इसे ही कार्य में लिया जाता है। महत्वपूर्ण यह है कि अवैतनिक कार्य योगदान का मूल्यांकन हमेशा या पूरी तौर पर बाजार की शर्तों के आधार पर नहीं हो सकता। हालांकि इसके मौद्रिक मूल्य, जैसे कि दामरहित वातावरणीय पूंजी और सेवाओं के मूल्य का अनुमान महत्वपूर्ण परिज्ञान दे सकता है।

राष्ट्रीय खाता प्रणाली द्वारा अवैतनिक घरेलू कार्य, जो वस्तुओं के उत्पादन की ओर ले जाता है (जैसे कि अपने लिए भोजन का प्रबंध या घर के लिए आवश्यक जलावन की लकड़ी या पानी जुटाना) को 'उत्पादन' का हिस्सा माना जाता है और सकल घरेलू उत्पाद के अधिकतर अनुमानों में इस कार्य का अनुमानित मूल्य शामिल किया जाता है। हालांकि अवैतनिक देखरेख के कार्यों, जैसे कि खाना बनाना, घर की सफाई, कपड़े धोना और बच्चों की देखरेख स्पष्ट रूप से इससे बाहर हैं। हालांकि देखरेख के सभी कार्यों को समय-लेनेवाले सर्वेक्षणों में गिना जाता है, वे कार्य के न पहचाने गए और कम मूल्यांकन किए गए प्रकार में लगाए गए कुल घंटों का बेहतर अनुमान प्रदान करते हैं।

मूल्यांकन के प्रयासों को प्राय: 'सैटेलाइट अकाउंट्स' (अर्थव्यवस्था के ऐसे क्षेत्रों का आकार मापने की व्यवस्था जिन्हें राष्ट्रीय खातों में उद्योग के रूप में दर्ज नहीं किया जाता) में डाला जाता है जो पारंपरिक अनुमानों के इर्द-गिर्द घूमते हैं और धीरे-धीरे राष्ट्रीय आय की गणना में अपना स्थान बना रहे हैं और जानकारी देने वाले हैं। विभिन्न तरह के बहुत से देशों के परिणाम बताते हैं कि अवैतनिक कार्य में लगाया गया समय वैकल्पिक या सनक की वजह से नहीं बल्कि सोचसमझ कर रोज की पारिवारिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगाया जाता है, विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों और विकलांगता या बीमारी के शिकार लोगों की देखरेख में।

सभी देशों में अवैतनिक कार्यों के मूल्य को मापने के प्रयास हो रहे हैं, इसके अनुमान जीडीपी के 20 प्रतिशत से 60 प्रतिशत तक हैं।[1] भारत में अवैतनिक देखरेख अनुमानत: जीडीपी की 39 प्रतिशत है, दक्षिण अफ्रीका में 15 प्रतिशत।[2] लातिन अमरीकी देशों में ग्वाटेमाला का मूल्य अनुमानत: आधिकारिक जीडीपी के 26 से 34 प्रतिशत के बीच है और अल सल्वाडोर में 32 प्रतिशत।

साल 2008 में आर्थिक सहयोग और विकास संगठन ने 27 देशों में घरेलू उत्पाद के अनुमान प्रकाशित किए थे, इसके लिए स्थानापन्न लागत पद्धति का प्रयोग किया गया था जिससे यह स्पष्ट हुआ कि जीडीपी के हिस्से के रूप में घरेलू उत्पादन का मूल्य विभिन्न देशों में बहुत अलग-अलग है। समृद्ध माने जाने वाले कई देशों- जैसे कि ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और जापान में यह 35: से ऊपर है और कम जीडीपी वाले मैक्सिको और कोरिया में 20: से नीचे है।

ऐसे मूल्यांकनों की बड़े पैमाने पर स्वीकारोक्ति राष्ट्रीय नीतियों को दिशा देने में सहायक हो सकती हैं। उदाहरण के लिए विकासशील देशों में महिलाएं परिवार की मूलभूत आवश्यकताएं पूरा करने में काफी समय लगाती हैं और सफ पानी, आधुनिक ऊर्जा सेवाओं तक पहुंच उनकी उत्पादन क्षमता में भारी सुधार ला सकती है। हालांकि सार्वजनिक निवेश के प्रतिदान के अनुमान ऐसे गैर-बाजारी कार्य के मूल्य को दर्ज नहीं करते। ऐसा किए जाने से संसाधनों के वितरण और परियोजनाओं को लागू करने की प्राथमिकताएं बदल सकती हैं।

नोट : 1. एमटोनोपोलोस 2009, 2. बडलेंडर 2010।
स्त्रोत : फोबर 2015।

वाली चुनौतियों और इस दिशा में की गई प्रगति को विशेष रूप से दर्शाया है। (हस्ताक्षरित बॉक्स)।

अवैतनिक कार्य में असंतुलन

अवैतनिक कार्य को आर्थिक मूल्यांकन में अनदेखा कर दिया जाता है लेकिन इसका लोगों और समाज के लिए बहुत महत्व है (बॉक्स 4.1) और यह बहुत से लोगों के आनंद और संतुष्टि का स्रोत हो सकता है। घरों के अंदर और सामुदायिक कार्यों में इस तरह के कार्य में अपनी और दूसरों की देखरेख करने संबंधी बहुत सी सेवाएं शामिल होती हैं। इस तरह के कुछ कार्य घरों की दिनचर्या में शामिल होते हैं- सफाई, खाना बनाना और कपड़े धोना। लेकिन एक ठीक-ठाक हिस्सा दूसरों की देखरेख से संबंधित है- उदाहरण के लिए करीब 200 मिलियन बच्चे।[42] बहुत से वयस्कों को भी एक हद तक देखरेख की आवश्यकता होती है- बुजुर्ग (80 साल से अधिक उम्र के लोगों की संख्या अब करीब 120 मिलियन है)[43], विकलांग (करीब दस मिलियन लोग[44]); और बीमार (उदाहरण के लिए करीब 37 मिलियन लोग एचआईवी/एड्स से ग्रस्त हैं)।[45]

ऐसे कार्य मानव विकास और क्षमताओं की उन्नति के लिए अपरिहार्य हैं। ये समाजों और अर्थव्यवस्थाओं के लिए आवश्यक हैं और बहुते से वैतनिक कार्य को संभव बनाते हैं। हालांकि इसका विभिन्न लिंग में असमान वितरण है- पुरुषों के मुकाबले मुख्यत: महिलाएं ही अधिकतर अवैतनिक कार्य करती हैं

अवैतनिक कार्य को आर्थिक मूल्यांकन में अनदेखा कर दिया जाता है

(रेखांकन 4.11)।

विभिन्न देशों और समय में विविधता है। उदाहरण के लिए अर्जेंटीना में 2013 में अनुमानत: 50 प्रतिशत पुरुष अवैतनिक घरेलू कार्य करते थे जो औसतन 2.4 घंटे प्रतिदिन था। महिलाओं के लिए आंकड़ा 87 प्रतिशत और 3.9 घंटे था।[46] उसी साल बोगोटा में पुरुषों और महिलाओं का अनुपात 30 प्रतिशत और 54 प्रतिशत था क्योंकि महिलाएं खाना बनाने की तेयारियां, सफाई और मरम्मत का अधिक दायित्व उठाती थीं।[47] यह बोझ कैसे बांटा जाए यह प्रक्रिया भी विकसित हो रही है- 1965 में अमेरिका में महिलाएं 240 मिनट से अधिक घरेलू कार्यों में लगाती थीं और पुरुष 40 मिनट; 2012 में महिलाओं की भागीदारी गिरकर 140 मिनट प्रतिदिन पर आ गई और पुरुषों की 80 मिनट से अधिक हो गई। इस बदलाव के बावजूद यह असमान है।[48]

महिलाओं के पास पुरुषों की तुलना में कम स्वनिर्णयगत खाली समय है

विकासशील देशों में समय-लेने वाले सर्वेक्षणों (टाइम-यूज सर्वे) के अनुसार महिलाएं सीधे-सीधे घर के अवैतनिक देखरेख के कार्यों के पर अपने समय का तीन-चौथाई बिताती हैं। मध्य या उच्च आय वर्ग वाले घरों- जिनकी सामान्यत: मूलभूत सेवाओं तक बेहतर पहुंच होती है और वे पैसे देकर सहायता ले सकते हैं या श्रम बचाने वाली तकनीक का प्रयोग कर सकते हैं, के मुकाबले कम आय वाले घरों में यह समय कई घंटे और बढ़ जाता है।[49] अफ्रीका में ही महिलाएं औसतन पानी एकत्र करने मं प्रतिदिन करीब 200 मिलियन घंटे लगाती हैं।[50] भले ही इस कार्य का बोझ कुछ कम हुआ हो लेकिन यह मुख्यत: श्रम की प्रधनता वाला बना हुआ है और अन्य गतिविधियों की राह में बाधक बनता है, जैसे कि शिक्षा, वैतनिक कार्य, सहभागिता या आनंद।

विवेकाधीन खाली समय में असमानता

महिलाएं पुरुषों से अधिक कार्य करती हैं, भले ही उसका बड़ा हिस्सा तुलनात्मक रूप से अदृश्य हो क्योंकि वह देखदेख के अवैतनिक कार्यों का होता है। इसके परिणामस्वरूप उनके पास अपनी इच्छा से बिताने के लिए खाली समय कम होता है। 62 देशों के एक नमूने (सैंपल) में पुरुष औसतन 4.5 घंटे आनंद और सामाजिक कार्यों पर खर्च करते हैं जबकि महिलाएं 3.9 घंटे।[51] यह अंतर उन जगहों पर अधिक है जहां मानवीय विकास का स्तर कम है: 29 प्रतिशत (पुरुषों की तुलना में) कम मानवीय विकास वाले देशों में और उच्च मानवीय विकास वाले देशों में 12 प्रतिशत (रेखांकन 4.12)। उप-सहारा अफ्रीका में महिलाएं उच्च श्रम शक्ति दर और देखरेख के कार्यों दोनों में अधिक भागीदारी करती हैं, जिससे उनके पास खाली समय बहुत कम बच पाता है- तंजानिया में महिलाओं के पास आनंद के लिए दो घंटे का समय भी नहीं होता।

डेनमार्क, जर्मनी और न्यूजीलैंड में आनंद का समय पांच घंटे से अधिक है, पुरुषों और महिलाओं के बीच अंतर बहुत कम या नहीं है। इन देशों में

रेखांकन 4.11

मुख्यत: महिलाएं ही अधिकतर देखरेख के अवैतनिक कार्य करती हैं

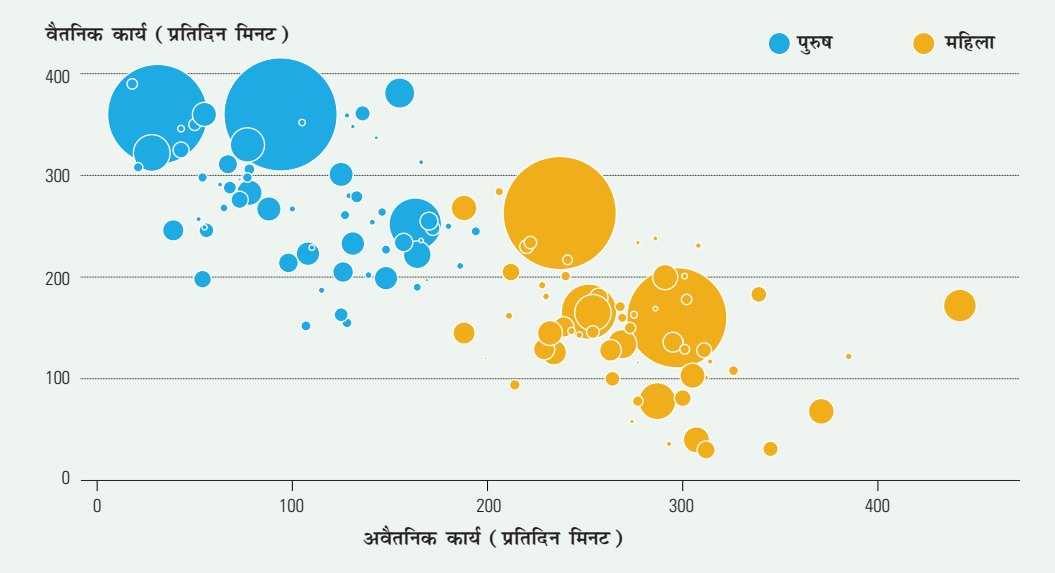

नोट : हर बुलबुला एक देश को दर्शाता है; बुलबुले का आकार उस देश की आबादी को दर्शाता है।
स्त्रोत : चार्म्स (2015) पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की गणनाएं।

रेखांकन 4.12

सभी मानव विकास समूहों में महिलाओं के मुकाबले पुरुषों को आनंद और सामाजिक गतिविधियों के लिए अधिक समय मिलता है, सबसे ताजा समय के आंकड़े उपलब्ध हैं

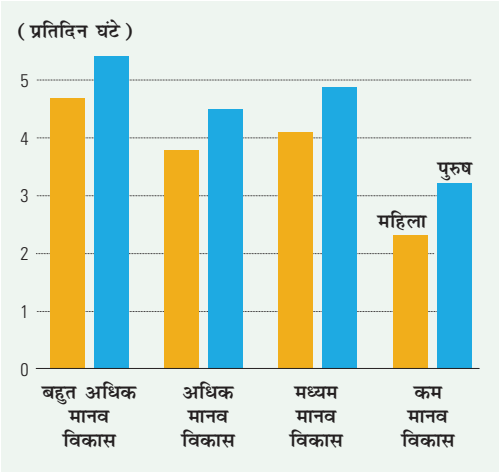

नोट : आंकड़े सभी मानव विकास समूहों का सीधा औसत हैं और 62 देशों से लिए गए हैं।
स्रोत : चार्म्स (2015) पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय के आंकड़े।

मजबूत सार्वजनिक नीतियां श्रम बाजार में लैंगिक समानता और महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देती हैं; इसके साथ ही सामाजिक प्रतिमानों में भी। हालांकि कुछ विकासशील देशों के लिए आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं लेकिन पूर्वी यूरोप के देशों में यह अंतर 18 प्रतिशत, बिलियन देशों में 16 प्रतिशत, एशिया और प्रशांत में 15 प्रतिशत, दक्षिण एशिया में 13 प्रतिशत और लातिन अमेरिका और कैरेबियन में 7 प्रतिशत है।[52]

देखरेख के कार्य के लिए दायित्व की साझेदारी

देखरेख देने के स्रोत अब बदल रहे हैं और बहुत से घरों में पुरुष भी घरेलू दायित्व निभा रहे हैं, जैसे कि बच्चों की देखभाल। अमेरिका में 2012 में पिता एक दिन में बच्चे की देखरेख में 65 मिनट लगाते थे जो 1965 में मात्र 21 मिनट ही थे। समकालीन दुनिया में बच्चों की देखरेख में लगाए जाने वाले समय के मानक भी ऊंचे हुए हैं और 2012 में एक अमेरिकन मां बच्चे की देखरेख पर 117 मिनट लगाती थी जबकि 1965 में यह मात्र 90 मिनट थे।[53] हालांकि, 1965 के मूल्यों के मुकाबले यह तुलनात्मक रूप से कम वृद्धि है– जो करीब एक तिहाई ही है, फिर भी पुरुषों के मुकाबले यह समय दोगुना है। पारिवारिक ढांचे में बदलाव और बड़े परिवारों से छोटे परिवारों की ओर जो परिवर्तन हुआ है, उसने भी इस बदलाव में सहयोग किया है, जैसे कि बदलते सामाजिक मानकों और वैतनिक कार्यों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी ने किया है।

दादा-दादी (या नाना-नानी) अगर हों तो प्राय: अपने पोते-पोतियों की देखरेख में समय गुजारते हैं (रेखांकन 4.3)। कुछ मामलों में बहुत कम विकल्प होते हैं। चीन में जहां ग्रामीण इलाकों के अभिभावक शहरी क्षेत्रों में प्रवासी श्रमिक के रूप में कार्य करते हैं, दादा-दादी (या नाना-नानी) 19 मिलियन बच्चों की देखरेख करते हैं, जिनके दोनों अभिभावक दूर हैं।[54] वर्ष 2013 तक दुनिया भर में 8 साल से कम उम्र के 1.8 मिलियन बच्चे एक या दोनों मां-बाप एड्स से जुड़ी वजहों से खो चुके थे। उनमें से बहुत की देखरेख उनके दादा-दादी (या नाना-नानी) करते थे।[55]

उभरती चुनौतियां: देखभाल के अंतराल, स्वास्थ्य झटके और जलवायु परिवर्तन

देखभाल के स्रोत बदल रहे हैं

अवैतनिक देखरेख के कार्यों में मानवीय और सामाजिक अनिवार्यताओं का प्रभुत्व होता है। हालांकि ऐसी अनिवार्यता उनके लिए विकल्प सीमित कर देती है जिन्हें यह उपलब्ध करवानी है। जैसे-जैसे देखरेख की आवश्यकता बढ़ती है और सरकार द्वारा प्रदान सेवाओं के विकल्प पर्याप्त नहीं रह जाते, ये उम्मीदें और पारंपरिक भूमिकाएं विकल्पों को और सीमित कर

रेखांकन 4.13

दादा-दादी (या नाना-नानी) प्राय: अपने पोते-पोतियों की देखरेख में समय लगाते हैं

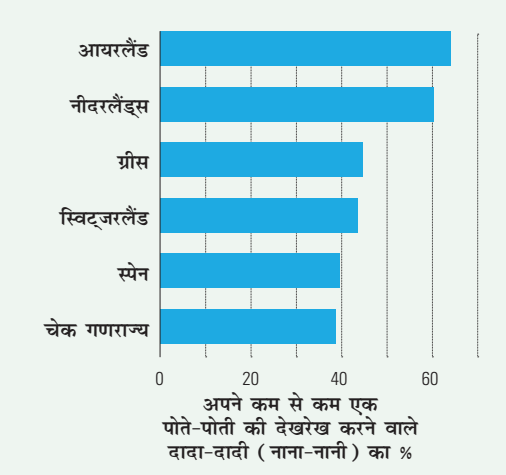

स्रोत : ओईसीडी 2015a।

देती हैं, जब तक कि ढांचागत परिवर्तन ऐसे कार्यों की अधिक समान भागीदारी की ओर नहीं बढ़ते। इसके व्याख्यात्मक उदाहरणों के रूप में हम तीन उभरती हुई चुनौतियों की बात करते हैं- देखरेख के अंतर, स्वास्थ्य को झटके और जलवायु परिवर्तन।

लगभग 14 मिलियन देखभाल श्रमिकों की विश्व भर में कमी है

देखरेख के अंतर

अलग-अलग आयुवर्ग के लिए देखरेख की अलग आवश्यकताएं होती हैं और जैसे-जैसे आबादी की आयु बढ़ती है सेवाओं की प्रवृत्ति को भी बदलने की आवश्यकता होती है। पारंपरिक रूप से शिशुओं और बच्चों की देखरेख की आवश्यकता सबसे ऊपर होती है और आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थाएं उन्हें पूरा करने के हिसाब से विकसित हुई हैं। सांस्थानिक प्रबंधन बदलते हैं- उदाहरण के लिए, पैतृक छुट्टी के प्रावधनों के माध्यम से या पुरुष और महिलाएं जिन बदलावों की उम्मीद करते हैं- किस तरह की देखरेख की सेवाओं की आवश्यकता है, वह कैसे प्रदान की जाएंगी और इसमें कितना धन और समर्पण की आवश्यकता होगी, मोटे तौर पर बनाई गई इसकी रूपरेखा को अच्छी तरह समझ लिया गया है। जैसे कि दुनिया भर में प्रजनन दर कम हो रही है तो देखदेख की आवश्यकता वाले बच्चों की संख्या घटनी चाहिए, हालांकि प्रयासों को विभिन्न क्षेत्रों में किस तरह बांटा जाता है वह बदलेगा और- उम्मीद है कि- सभी लिंगों में अधिक समान वितरण होगा।

इसके विपरीत, जैसे-जैसे देखरेख की आवश्यकता वाले बच्चों की संख्या कम होगी, बुजुर्गों की देखरेख की आवश्यकताएं बेहद महत्वपूर्ण हो जाएंगी। उच्चतम स्तर पर इसके लिए प्रावधन कुछ हद तक आर्थिक निर्भरता अनुपात से नापे जाते हैं- 65 और अधिक आयु वालों (श्रम शक्ति में नहीं) और 15-64 आयु वर्ग (श्रम शक्ति में शामिल) का अनुपात। हालांकि, बच्चों की तरह, इसका उल्लेखनीय हिस्सा भी परिवार में की जाने वाली देखरेख से आता है, जिसे पारंपरिक आर्थिक उपायों द्वारा दर्ज नहीं किया जाता।

हालिया अनुमानों के अनुसार दुनिया भर में 1.36 मिलियन देखरेख करने वाले श्रमिकों की आवश्यकता है, जिससे 65 वर्ष से अधिक आयु वालों के लिए दीर्घकाल में देखरेख सेवाओं की भारी कमी हो रही है।[56] बुजुर्ग लोगों की संख्या और अपने रोजमर्रा के कार्य कर नहीं पाने में उनकी असमर्थता की संख्या के साथ ही वृद्धों की देखरेख की कुल आवश्यकता बढ़ती है। दुनिया भर में करीब 110-190 मिलियन लोगों को इन कार्यों में भारी दिक्कत होती है और उन्हें अपने दैनिक जीवन में दीर्घकालिक देखरेख की आवश्यकता है।[57]

इनमे से कुछ तो घर के बाहर से भुगतान करके ली गई सेवाओं द्वारा हासिल हो सकती हैं (चाहे बाजार आधारित हों या सार्वजनिक रूप से उपलब्ध); हालांकि इसका उल्लेखनीय हिस्सा पारिवारिक सदस्यों और घरेलू देखरेख के अवैतनिक कार्यों का होता है- जिसे प्रमुखत: महिलाएं करती हैं। इसलिए हो सकता है कि पारंपरिक लैंगिक भूमिकाएं लंबे जीवन, घरों के सिकुड़ते आकार और विकल्पों तक सीमित पहुंच जिससे असमान ढंग से वितरित देखरेख के बड़े हिस्से का दबाव महिलाओं पर अधिक आता है- इससे अन्य प्रकार के कार्य करने के उनके विकल्प और भी सीमित हो जाते हैं।

रेखांकन 4.14

वृद्धों की देखरेख का दबाव चीन में अमेरिका के मुकाबले तेजी से बढ़ा है

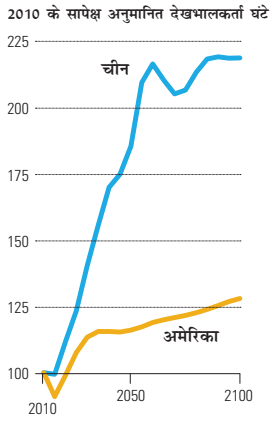

स्त्रोत : मुखर्जी और नैय्यर 2015।

बॉक्स 4.2

जापान में दीर्घकालिक वृद्ध देखरेख के लिए ऋण

जापान ने बुजुर्ग लोगों की देखरेख की एक नए तरह की प्रणाली विकसित की है जो 'समय ऋण' के आदान-प्रदान से चलती है। फुराई किप्पू (देखरेख के संबंधों का टिकट) एक आपसी सहायता तंत्र है जो शहरो में जमीनी स्तर पर आपसी-मदद के समूहों के रूप में उभरा है जैसे कि टोक्यो में दैनिक जीवन संघ की मदद और कोबे लाइफ देखरेख संघ। इस प्रणाली के तहत लोग बुजुर्ग या अपने घरों में रह रहे विकलांग लोगों की खाने या नहाने में मदद करते हैं और उनकी खरीदारी या खाना बनाने में मदद करते हैं। इसके बदले में देखरेख करने वालों को एक इलेक्ट्रॉनिक टिकट मिलता है जिसे कंप्यूटीकृत बचत खाते में दर्ज कर दिया जाता है। वह इसे अपने फुराईकिप्पू में जमा कर सकते हैं ताकि भविष्य में अपनी आवश्यकतानुसार प्रयोग कर सकें या फिर अपनी पसंद से किसी को स्थानांतरित कर सकते हैं, आमतौर पर वह अभिभावक या पारिवारिक सदस्य होता है। कुछ मामलों में तो वे फुराईकिप्पू के बराबर नकद ले सकते हैं।

यह प्रणाली बुजुर्गों के महंगे सेवानिवृत्ति आवासों में जाने को टालती है या बचाती है। यह किसी स्वास्थ्य समस्या के कारण अस्पताल में बिताए जाने वाले समय को कम भी करती है। सबसे अधिक, यह जीवन स्तर की गुणवत्ता को बढ़ाती है।

स्त्रोत : हयाशी 2012।

एक ओर जहां ये पहले से ही कई विकसित देशों की चिंता का विषय है- विशेषकर जापान, जहां 2014 में 26 प्रतिशत आबादी की आयु 65 वर्ष से अधिक थी और उनकी देखरेख की लागत 2050 तक दोगुनी से अधिक होने की उम्मीद है[58], वैकल्पिक प्रणालियों की उपलब्धता के बावजूद (बॉक्स 4.2), अन्य में भी यह आसन्न है। उदाहरण के लिए अमेरिका में बुजुर्गों की देखरेख का दबाव 2010 के मूल्य की तुलना में धीरे बढ़ रहा है- 2030 तक यह 16.66 प्रतिशत और 2080 तक 20 प्रतिशत होगा (रेखांकन 4.14)। लेकिन चीन में यह बढ़ोतरी कहीं तेज है और 2030 तक यह चालीस प्रतिशत और 2050 तक दोगुनी हो जायगी।[59]

इसकी परवाह के बगैर कि कहां और कब यह प्रकट हो जाए, बुजुर्गों की देखरेख एक बढ़ता हुआ महत्वपूर्ण मुद्दा है। पारंपरिक लैंगिक भूमिकाएं और सार्वजनिक विकल्पों का अभाव अगर इसी तरह जारी रहा तो महिलाओं के लिए अपने लिए विकल्प चुनने की संभावनाएं सीमित होती जाएंगी।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

देखरेख का कार्य और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब एचआईवी/एड्स, एवियन फ्लू और इबोला वायरस की वजह से पैदा स्वास्थ्य संकट के दौरान इसको करना होता है। कमजोर स्वास्थ्य सेवाओं वाले देशों में यह दबाव घरों के अंदर चुपचाप देखरेख करने वालों के सिर पर आ गिरता है- क्योंकि नीतिनिर्माताओं का गलत अनुमान यह है कि इसकी अंतहीन आपूर्ति होती रहेगी। ऐसी परिस्थितियों में लोगों से अपने परिवारों और समाज के लिए खुद का त्याग करने की उम्मीद की जाती है, अपनी भलाई को ख तरे में रख कर भी। पारंपरिक रूप से लैंगिक भेद वाली भूमिकाएं तब परिणामस्वरूप महिलाओं के विकल्प और भी सीमित कर देती हैं- प्राय: गरीबों के लिए अधिकतम सीमित जिनके पास इसे वहन करने की क्षमताएं सबसे कम होती हैं।

उदाहरण के लिए पूरे दक्षिण अफ्रीका में अवैतनिक, स्वयंसेवा, अनौपचारिक देखरेख करने वालों के तंत्र एचआईवी/एड्स जैसी बीमारियों के शिकार लोगों की मदद के लिए महत्वपूर्ण हरावल दस्ते के रूप में उभरे हैं। क्योंकि पूरे क्षेत्र में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को कई तरह की चुनौतियों के सामना करना पड़ता है और न्यूनतम सहायता के बावजूद भी पारिवारिक और सामुदायिक देखरेख करने वाले, सरकार द्वारा प्रदान स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर को पाट रहे हैं।

इसके लैंगिक आयाम स्पष्ट हैं। जैसा कि हालिया इबोला के प्रकोप के दौरान देखा गया, महिलाएं विशेषरूप से प्रभावित हुईं। जिन मामलों में इसकी पुष्टि हुई वह कुल मिलाकर पुरुषों और महिलाओं में बराबर ही थे, जिसमें महिलाओं की संख्या थोड़ी सी अधिक थी। लेकिन इसका प्रकोप लैंगिक आयाम संक्रमण की दर से अधिक है। उपलब्ध प्रमाण महिलाओं के बीमार की सेवा की अपनी अपेक्षित भूमिका निबाहने की ओर इशारा करते हैं जिससे वे संक्रमण के प्रति और असुरक्षित हो जाती हैं; और स्कूल बंद होने के कारण और परिवार में बीमारी की वजह से उनके और अधिक समय की मांग की जाती है। इस दायित्व के परिणामस्वरूप आर्थिक गतिविधियों में उनकी भूमिका घट जाती है जिसमें इसके अलावा सड़कें और बाजार बंद होने का भी असर पड़ता है। अंतत: एक विषचक्र में, जैसे अर्थव्यवस्था सिकुड़ती है और आय घटती है, सार्वजनिक व्यय में कमी देखरेख की लागत को उनमें और बांट देती है जो इसके लिए सबसे कम भुगतान कर सकते हैं।[60]

जलवायु परिवर्तन

शोधों से पहले ही दर्शाया जा चुका है कि महिलाएं जो अवैतनिक कार्य करती हैं उसका संबंध पानी, ईंधन और जलावर की लकड़ी जुटाने से है- विकासशील देशों में 2 बिलियन से अधिक लोग पारंपरिक बायोमास ईंधन का प्रयोग अपने प्रमुख ईंधन के रूप में करते हैं। अनुमानत: दुनिया भर में महिलाएं एक दिन में 20 मिलियन घंटे अपने और अपने परिवारों के लिए पानी एकत्र करने में लगाती हैं।[61] साल 2003 के एक शोध में उप-सहारा अफ्रीका के उदाहरणों से दर्शाया गया कि महिलाएं इन गतिविधियों में पुरुषों के मुकाबले अधिक समय व्यतीत करती हैं, जिसमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्रें के निवासों के हिसाब से अंतर होते हैं।[62] अन्य घटक जो समय बिताए जाने को प्रभावित करते हैं, वे हैं आधारभूत ढांचा और सेवाओं तक पहुंच, घर की आय भी एक घटक है। कुल मिलाकर यह बोझ गरीब पर सबसे अधिक पड़ता है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में जहां खाना बनाने के आधुनिक ईंधन और बेहतर जल संसाधन, विशेषरूप से कम हैं।

जैवविविधता से इनकार और वनों की कटाई का अर्थ यह हुआ है कि लकड़ी- जो सर्वाधिक प्रयोग होने वाला ठोस ईंधन है- उन स्थानों से और दूर होगा जहां लोग रहते हैं। भूजल के संबंध में ऐसे ही परिणाम हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि इन आवश्कताओं के दबाव के चलते महिलाओं और लड़कियों के लिए वैतनिक या अवैतनिक वैकल्पिक गतिविधियों में हिस्सा लेने का समय और कम होगा।

जलवायु परिवर्तन से इन दबावों के और बढ़ने की संभावना है। जलवायु परिवर्तन पर अंतर्सरकारी पैनल ने अपने 2014 के अनुमानों में कहा है कि दरअसल यह तय है कि जलवायु परिवर्तन से बहुत से सूखे, उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के नवीकरणीय योग्य जल

पानी लाने, ईंधन और जलाऊ लकड़ी एकत्र करने का कार्य महिलाओं के अवैतनिक कार्य का हिस्सा है पानी लाने, ईंधन और जलाऊ लकड़ी एकत्र करने का कार्य महिलाओं के अवैतनिक कार्य का हिस्सा है

संसाधन उल्लेखनीय रूप से घट जाएंगे जिसके परिणामस्वरूप पीने के पानी और बायोमास आधारित ईंधन की कमी हो जाएगी।[63] इन क्षेत्रों में बहुत से उप-सहारा अफ्रीका और दुनिया के अन्य कम विकसित हिस्सों में पड़ते हैं जहां महिलाएं और लड़कियां अपने दिन का बड़ा समय घर के लिए इन आवश्यकताओं को पूरा करने में लगाती हैं। उचित आधारभूत ढांचे या सभी लिंगों के बीच एक निष्पक्ष साझेदारी की कमी जारी रहने की दशा मे, जलवायु परिवर्तन महिलाओं के लिए विकल्पों को और सीमित करेगा।

पुनर्संतुलन की ओर: विकल्पों का विस्तार, लोगों को सशक्तीकरण

महिलाएं जो कार्य करती हैं- वैतनिक और अवैतनिक- उसके स्वयं अपने पर और दूसरों के लिए महत्वपूर्ण मानवीय विकास के प्रभाव होते हैं। वैतनिक कार्य आर्थिक स्वायत्तता के साथ ही भागीदारी और सामाजिक संवाद के अवसर प्रदान करता है, इसके साथ ही कौशल और क्षमता बढ़ाता है, आत्म सम्मान और आत्म विश्वास को बल देता है। लेकिन अवैतनिक और सामुदायिक कार्य मानव की भलाई के लिए महत्वपूर्ण हैं और इनकी व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों अहमियत हैं। देखरेख के अवैतनिक कार्य कभी-कभार ही अपने दायित्व के पालन में विकल्प चुनने की अनुमति देते हैं और प्राय: ये सांस्कृतिक, पारिवारिक और सामाजिक बाध्यताओं से संचालित होते हैं। जब लोग देखरेख का दायित्व उठाते हैं और श्रमशक्ति से अलग रहते हैं, वे बड़े त्याग करते हैं, संभवत: श्रमशक्ति में अपने दायित्व का विस्तार करने का अवसर गंवाते हैं। वे प्राय: अपनी आर्थिक स्वतंत्रता और निजी स्वायत्तता से भी समझौता करते हैं, जो उनके लिए और उनके बच्चों के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है।

लेकिन फिर भी ऐसी देखरेख मानवीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है, विशेषकर पारिवारिक सदस्यों द्वारा की गई व्यक्तिगत देखभाल- जो परिवार के संबंधों को और मजबूत बनाती है और परिवार के अन्य सदस्यों की शारीरिक और मानसिक भलाई को रफ्तार देती है, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों की। जो महिलाएं अपने बच्चों को स्तनपान करवा सकती हैं, जो बच्चों की सेहत के लिए आवश्यक होता है[64], और पहले 15 महीने तक देखभाल कर सकती हैं, बच्चों के शैक्षिक प्रदर्शन पर सकारात्मक असर डालती हैं।[65] और देखभाल के ऐसे लाभों के लिए वह कार्यस्थल सबसे अच्छे होते हैं जो उचित परिस्थितियां और सुविधाएं देते हैं।

इस बात के प्रमाण बढ़ रहे हैं कि वैतनिक कार्य करने वाली मांओं और बेटियों को बाद के जीवन में लाभ होता है। पच्चीस देशों के 50,000 वयस्कों के नमूनों के एक हालिया सर्वेक्षण का निष्कर्ष था कि कार्यकाजी महिलाओं की बेटियों, जिन्होंने अधिक समय तक स्कूल की पढ़ाई की है, को नौकरी मिलने की संभावनाएं अधिक हैं, विशेषकर निरीक्षण वाली भूमिकाओं में और अच्छी आय कमाने की संभावनाएं भी हैं। अमेरिका में कार्यकाजी माओं की बेटियों की आय घर पर रहने वाली महिलाओं की बेटियों की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक थी, इनमें से कुछ प्रभाव अधिक थे। लड़कों की जीविका (करियर) पर कार्यकाजी मां के होने का उल्लेखनीय प्रभाव नहीं पड़ा, इसमें अचरज भी नहीं क्योंकि सामान्यत: आदमी के कार्य करने की उम्मीद की ही जाती है, लेकिन कार्यकाजी मांओं के बेटे बच्चों की देखरेख और घरों के कार्यों में अधिक समय बिताते नजर आए।[66]

एक शिक्षित और पेशेवर के रूप में सक्रिय मां अपने बच्चों की बौद्धिकता को प्रेरणा दे सकती है और उसे उभार सकती है और अपनी बेटियों के लिए सकारात्मक आदर्श हो सकती है। बहुत से देशों में सार्वजनिक सामाजिक सेवा में कटौतियों के चलते परिवार की मदद करने वाली सेवाएं और सुविधाएं देने वाले सार्वजनिक प्रावधन कमजोर हो गए हैं।

ऐसे में सवाल यह उठता है: समाज ऐसा उदार वातावरण कैसे बना सकता है जहां महिलाएं सशक्त विकल्प चुन सकती हों? ऐसे विकल्पों को भूमिकाओं, दायित्वों और परिणामों- दोनों वैतनिक और अवैतनिक- में विभिन्न लिंगों के बीच निष्पक्ष संतुलन के रूप में बदलने के लिए किस चीज की आवश्यकता होगी?

ऐसे हस्तक्षेपों पर आगे अध्याय 6 में चर्चा की गई है लेकिन इसे चार अक्षों के साथ बनाए जाने की आवश्यकता होगी, बहुत सारे पक्षों को शामिल करना होगा और ये सभी महिलाओं और पुरुषों पर असर डालेगा।

- अवैतनिक कार्य का बोझ कम करना और साझा करना- साफ पानी को सब तक पहुंचाना, घरों की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक ऊर्जा सेवाएं, उच्च स्तर की सार्वजनिक सेवाएं जिनमें स्वास्थ्य और देखरेख संबंधी शामिल हों, कार्यस्थल इंतजाम जो बिना पेशेवर तरक्की को दंडित किए लोचशील समय-सारणी के अनुरूप हों और लिंग के आधार पर भूमिकाओं और दायित्वों वाली मानसिकता में बदलाव।
- महिलाओं की वैतनिक कार्यों में संलिप्तता को विस्तार देना- जिसमें सभी क्षेत्रों में अच्छी गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा तक पहुंच, सक्रियता से नौकरी के प्रयास और उद्यमशीलता के अवसर घटाना शामिल है।
- कार्य में परिणामों को सुधारना- इसमें कानूनी उपाय भी शामल हैं जैसे कि कार्यस्थल में शोषण और समान भुगतान से संबंधित, अनिवार्य पैतृक अवकाश, ज्ञान और विशेषज्ञता के विस्तार के

एक शिक्षित और पेशेवर सक्रिय मां अपने बच्चों को प्रेरणा दे सकती हैं और प्रोत्साहित कर सकती है

बॉक्स 4.3

संवेतन पैतृक अवकाश, जिसमें अनिवार्य पैतृक अवकाश शामिल है

संवेतन पैतृक अवकाश कामकाजी मां-बाप जको मिलने वाले लोचशीलता के सबसे महत्वपूर्ण लाभ हैं, विशेषकर तब जब अनिवार्य पैतृक अवकाश नीति लागू हो। नीतियों का सही मिश्रण उच्च दर पर महिला श्रमशक्ति की भागीदारी और उत्प्रेरित, संतुष्ट कर्मचारी, जिनका कार्य-जीवन का संतुलन अच्छा हो, को सुनिश्चित करने में मदद करता है।

संवेतन मातृत्व अवकाश लाभ प्रसव के बाद महिलाओं के कार्य पर लौटने के लिए अनिवार्य हैं। करीब 85 प्रतिशत देश कम से कम 12 हफ्तों का मातृत्व अवकाश प्रदान करते हैं। जिन 185 देशों का अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने सर्वेक्षण किया उनमें से दो के अलावा (पपुआ न्यू गिनी और अमेरिका) मांओं को सरकार द्वारा, नियोक्ता द्वारा या कुछ मामलों में दोनों द्वारा भुगतान की गई कुछ न्यूनतम छुट्टियां भी प्रदान करते हैं। हालांकि मात्र एक तिहाई देश ही नई मांओं के लिए प्रस्तावित न्यूनतम 14 हफ्ते की छुट्टियां, कम से कम उनका दो तिहाई वेतन और निधियां सार्वजनिक रूप से देते हैं, यह तस्वीर मोटे तौर पर विकसित देशों में अच्छी है और विकासशील देशों के क्षेत्रों में सुधार रही है।[1]

लेकिन अकेले मातृत्व अवकाश के कारण जीविका (करियर) पर रोक के अनभिप्रेरित असर पड़ते हैं जो महिलाओं की जीविका पर विपरीत प्रभाव डाल सकते हैं। और ऐसे प्रभाव और भी भारी होते हैं जब छुट्टियां लंबी होती हैं। उदाहरण के लिए जब महिलाएं मातृत्व अवकाश के बाद कार्य पर लौटती हैं, तो इस तरह के प्रमाण हैं कि जैसा कि लोचशीलता के अन्य पहलुओं के साथ होता है, उन्हें संवैतनिक मातृत्व अवकाश लेने के लिए दंडित किया जाता है, विशेषतौर पर जब छुट्टियां बहुत हों। श्रम बाजार से बाहर बिताया गया समय महिलाओं की कमाने की शक्ति और पेंशन के लाभों को घटा सकता है क्योंकि वे अनुभव अर्जित करने और पदोन्नति पाने के मौके गंवा देती हैं। वरिष्ठ प्रबंधन में पहुंचना विशेषतौर पर मुश्किल हो जाता है।

जर्मनी में हर उस साल जब कोई महिला मातृत्व अवकाश लेती है तो उसकी आय, कार्य करते रहने पर होने वाली आय से, 6-20 प्रतिशत घट जाती है। फ्रांस में हर साल अनुपस्थित रहने से कम होने वाली आय 7 प्रतिशत है।[2] यह प्रभाव और बढ़ जाता है जब लंबे मातृत्व अवकाश के साथ अंशकालिक कार्य को बढ़ावा देने वाली नीतियां होती हैं, जो महिलाओं को श्रमशक्ति में वापस आने का लालच देती हैं लेकिन उन्हें कनिष्ठ स्थितियों में बनाए रखती हैं। वस्तुत: यह चर्चा की गई है कि एल्टरन्कानरेन्ज, जिससे अभिभावकों को जर्मनी में तीन साल और ऑस्ट्रिया में दो साल तक घर में रहने के लिए भुगतान किया जाता है, वास्तव मे उन महिलाओं की जीविका के अवसरों को नष्ट कर रहा है जो इसका लाभ उठाती हैं।[3]

संवैतनिक मातृत्व अवकाश के बावजूद ब्रिटेन में मातृत्व की कीमत वेतन हानि के रूप में चुकानी पड़ती है: नर्सरी या प्राइमरी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की कामकाजी माएं अंशकालिक कार्य करती हैं, और बाकी बड़े, माध्यमिक स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की मांओं की आधी संख्या भी। मात्र 10 प्रतिशत पिता अंशकालिक कार्य करते हैं। अंशकालिक कार्य करने वाली महिलाएं पूर्णकालिक कार्य करने वाले पुरुष की तुलना में प्रतिघंटे एक तिहाई कम कमाती हैं और अंशकालिक कार्य करने वाली 40 प्रतिशत महिला कर्मचारी जीविकोपार्जन वाले वेतन से भी कम पाती हैं।[4]

चिली में 1981 का देखरेख कानून कार्य करने वाली महिलाओं का प्रतिशत बढ़ाना चाहता है, जो 50 से कम है। इसके अनुसार 20 या अधिक महिला कर्मचारियों वाली कंपनियों को 2 साल से कम उम्र के बच्चों वाली महिलाओं के बच्चों की देखरेख के लिए नजदीक में ऐसा स्थान उपलब्ध करवाना और उसका भुगतान करना होगा, जहां महिलाएं जाकर बच्चों को दूध पिला सकें। इसने कार्य में वापस आने के परिवर्तन को आसान बना दिया और बच्चों के विकास में मदद की, लेकिन इसकी वजह से महिलाओं के शुरुआती वेतन में 9-20 प्रतिशत की कमी आई।[5]

ऐसी नीतियां जो महिलाओं की मां के रूप में भूमिका को परिभाषित करती हैं, सिर्फ लंबी छुट्टियां लेने वाली ही नहीं, कार्यस्थल पर सभी महिलाओं के परिणामों को प्रभावित करती हैं। एक युवा अभिभावक के संवैतनिक अवकाश के दौरान कोई भी नियोक्ता स्थाई स्थानापन्न नहीं ला सकता। चूंकि पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के लंबे मातृत्व अवकाश लेने की संभावनाएं अधिक होती हैं इसलिए नियोक्ताओं के पास पुरुषों का नौकरी देने का मजबूत आधार होता है। यूरोप के समान रोजगार कानून ऐसे भेदभाव को गैरकानूनी बनाते हैं, लेकिन प्रमाण यह साबित करते हैं कि नियोक्ता फिर भी अंतर करते हैं।[6]

पैतृक अवकाश के मुद्दे ने इसलिए ध्यान खींचा है क्योंकि बच्चे की पैदाइश में पिता की भूमिका और देखरेख के कार्य को साझा करने पर जोर दिया गया है। बहुत से देश अब पैतृक अवकाश देते हैं। यह एक ऐसा नजरिया है जो माता और पिता के बीच इन्हें बांटकर, अभिभावकों की छुट्टी में संतुलन को बढ़ावा देता है। बहुत से यूरोपीय देशों, और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में भी ऐसी प्रणाली है। इसकी कमी यह है कि चूंकि बच्चे के पालन-पोषण को पारंपरिक रूप से एक मां का कार्य माना जाता है, पिता इसके लिए छुट्टियां नहीं लेते, जब तक कि ये अनिवार्य न हों।

ऑस्ट्रिया, चेक रिपब्लिक और पोलैंड में जहां पैतृत्व अवकाश स्थानांतरणीय है, मात्र 3 प्रतिशत पिता ही इसका प्रयोग करते हैं। हालांकि ये देश इस समस्या से मुक्ती पाने के लिए अलग-अलग तरीके अपना रहे हैं। चिली, इटली और पुर्तगाल में पैतृत्व अवकाश अनिवार्य है। लैंगिक-निष्पक्षता वाले नजरिये और बार-बार साथ छुट्टी लेने वाले मां-बाप को बोनस देने जैसे प्रलोभनों के कारण और अधिक पिता पैतृक अवकाश लेने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। उदाहरण के लिए इन्हीं तरीकों से जर्मनी में पिताओं के छुट्टी लेने की दर 2006 में 3 प्रतिशत से बढ़कर 2013 में 32 प्रतिशत हो गई।[7]

नोट : 1. *दि इकोनॉमिस्ट* 2015C। 2. *दि इकोनॉमिस्ट* 2015C। 3. मंक एंक रुकेर्ट 2015। 4. दि प्रेगनेंसी टेस्ट 2014। 5. विलेना, सांचेज एंज रोजाज 2011; प्राडा, रुक्कि एंड उर्जुआ 2015। 6. मंक एंड रुकेर्ट 2015। 7. दि इकोनॉमिस्ट 2015C।
स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

समाज कैसे एक अनुकूल वातावरण बना सकता है जहां महिलाओं के लिए सशक्त विकल्प हो?

लिए समान अवसर और मानव पूंजी के अपघर्षण को खत्म करना और देखरेख के कार्य करने के दौरान विशेषज्ञता होना (बॉक्स 4.3)

- बदलते मानदंड- जिनमें नजर में आने वाले वरिष्ठ पदों पर महिलाओं की तरक्की, निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में दायित्व मिलना और निर्णय करनाय और पारंपरिक रूप से महिलाओं की प्रधानता वाले पेशों में पुरुषों के शामिल होने को बढ़ावा देना।

निष्कर्ष

निष्कर्ष है कि, आर्थिक योगदान के अलावा, वैतनिक और अवैतनिक कार्य का सामाजिक मूल्य भी है जिसका मानवीय विकास पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ता है।

संवहनीय कार्यों के लिए भुगतान सहित भुगतान रहित कार्य के बीच असंतुलन पर विजय पाना महत्वपूर्ण है

नीतियों, सामाजिक मानदंडों और विभिन्न समाजों में पुरुषों और महिलाओं की बदलती भूमिका को लेकर सकारात्मक प्रगति भी है जो कार्य की दुनिया के पुनर्संतुलन की ओर ले जाएगी। शिक्षा, सामाजिक नीतियां और समाजों के आधुनिकीकरण ने भी इसमें भूमिका निभाई है।

लेकिन फिर भी हम अपेक्षित परिणामों से दूर हैं। सरकारें नीतियों के द्वारा पुरुषों और महिलाओं के सशक्त विकल्प चुनने की परिस्थियों को बढ़ावा दे सकती हैं लेकिन सरकारी उपाय सिर्फ थोड़े ही कार्ययाब हो सकते हैं अंतिम ध्यान तो महिलाओं और पुरुषों द्वारा दायित्वों को साझा करने और वैतनिक और अवैतनिक कार्यों में आपसी योगदान को संतुलित करने पर होना चाहिए, यह न सिर्फ तेजी से बदलती और बुढ़ाती दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि चिरस्थाई कार्य के लिए भी– ऐसा विषय जिस पर हम अध्याय 5 में बात करने जा रहे हैं।

समय उपयोग

देश	सर्वेक्षण का वर्ष		कुल सवेतन कार्य		कुल अवैतनिक कार्य		सीखना		सामाजिक जीवन और फुर्सत		निजी देखभाल और रख-रखाव		अन्य (यात्राओं सहित)	
			स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष
			(मिनट प्रति दिन)		(मिनट प्रति दिन)		(मिनट प्रति दिन)		(मिनट प्रति दिन)		(मिनट प्रति दिन)		(मिनट प्रति दिन)	
अल्बानिया	2010–2011		117	257	314	52	56	57	163	226	699	733	83	108
अल्जीरिया	2012		30	198	312	54	42	30	240	330	798	768	18	72
अर्मेनिआ	2004		101	291	312	63	43	36	189	255	749	733	46	61
आस्ट्रेलिया	2006		128	248	311	172	26	25	284	308	666	649	25	39
ऑस्ट्रिया	2008–2009		160	264	269	146	39	44	300	335	673	654	5	5
बेल्जियम	2005		94	155	214	128	41	36	313	371	696	662	83	89
बेल्जियम	1999		96	167	224	128	38	36	310	347	697	674	75	89
बेनिन	1998	शहरी	240	237	199	63	68	110	144	243	723	722	31	49
बेनिन	1998	ग्रामीण	308	285	210	66	31	70	133	215	746	758	38	59
बेनिन	1998	कुल	284[a]	268[a]	206[a]	65[a]	44[a]	84[a]	137[a]	225[a]	738[a]	745[a]	35[a]	55
बुल्गेरिया	2009–2010		137	190	298	164	24	27	241	296	730	750	37	26
कम्बोडिया	2004		270	390	188	18	18	36	222	258	742	738	0	0
कनाडा	2010		180	255	257	170	37	34	309	346	656	634	0	0
कनाडा	2005		186	282	252	156	36	30	324	348	648	624	18	24
चीन	2008		263	360	237	94	31	34	215	251	696	704	0	0
कोलम्बिया	2012–2013		151[b]	311[b]	239[b]	67[b]	52[b]	56[b]	309[b]	338[b]	706[b]	690[b]	0[b]	0
कोस्टा रिका	2004		122[b]	352[b]	385[b]	105[b]	39[b]	37[b]	278[b]	289[b]	662[b]	653[b]	0[b]	0
डेनमार्क	2001		147	211	243	186	29	20	325	346	673	643	22	33
इक्वाडोर	2012		150	306	273	78	83	87	174	190	877	875	0	0
अल सल्वाडोर	2010		192	346	228	43	52	73	266	305	577	573	0	0
एस्टोनिआ	2009–2010		161	197	261	169	30	36	267	314	670	666	51	60
एस्टोनिआ	1999–2000		167	234	302	179	41	51	243	283	647	648	40	45
इथियोपिया	2013	शहरी	177	318	245	66	101	124	136	177	781	754	0	0
इथियोपिया	2013	ग्रामीण	206	296	304	141	45	55	89	130	795	819	0	0
इथियोपिया	2013	कुल	200	301	291	125	58	70	99	140	792	805	0	0
फ़िनलैण्ड	2009		162	202	211	139	67	53	301	362	649	633	56	58
फ़िनलैण्ड	1999		183	267	221	130	69	51	284	323	638	621	52	56
फ़िनलैण्ड	1987		197	269	222	128	70	61	291	308	622	625	47	57
फ़िनलैण्ड	1979		187	258	226	120	80	73	266	297	632	634	56	69
फ्रांस	2010		126	199	234	148	34	33	269	309	713	696	64	55
फ्रांस	1999		120	207	267	151	36	43	249	285	731	716	37	38
फ्रांस	1986		196	347	307	127	0	0	208	249	685	672	44	45
जर्मनी	2001–2002		134	222	269	164	28	26	330	355	656	636	24	38
घाना	2009		230	288	220	68	81	110	169	254	732	709	0	0
ग्रीस	2013–2014		78	152	277	107	38	39	318	395	711	719	18	29
हंगरी	1999–2000		171	261	268	127	33	34	256	304	683	681	28	32
भारत	1998–1999		160	360	297	31	0	0	241	277	736	765	0	0
ईरान इस्लामिक गणराज्य	Winter 2009	शहरी	42	298	322	76	78	72	206	213	792	776	2	5
ईरान इस्लामिक गणराज्य	Summer 2009	शहरी	39	274	284	77	28	22	226	242	862	823	1	1
ईरान इस्लामिक गणराज्य	Autumn 2008	शहरी	38	276	316	80	81	82	215	218	790	780	1	5
ईरान इस्लामिक गणराज्य	Average of three surveys	शहरी	40	283	307	78	62	59	216	224	815	793	1	4
इराक	2007	प्रशासनिक केंद्र	36	245	330	56	58	61	268	335	716	702	32	40
इराक	2007	अन्य शहरी	26	231	340	62	48	63	284	340	705	701	38	44
इराक	2007	ग्रामीण	40	226	362	58	30	55	249	334	720	713	41	55
इराक	2007	कुल	31	246	345	56	46	58	264	328	713	700	48	116
आयरलैण्ड	2005		142	280	296	129	35	38	296	346	629	602	42	44
इटली	2008–2009		103	223	305	108	26	25	250	310	685	683	70	90
इटली	2002–2003		108	252	347	126	26	25	241	305	691	692	27	39
इटली	1988–1989		92	241	362	87	27	31	235	285	696	715	44	81
जापान	2011		165	330	254	77	57	59	247	276	673	660	46	41
जापान	2006		167	333	220	43	42	47	214	238	652	638	144	139
जापान	2001		162	330	219	35	44	50	218	249	652	637	145	139
कोरिया गणराज्य	2009		145	246	188	39	71	79	270	294	653	652	112	131
कोरिया गणराज्य	2004		154	260	194	36	69	79	234	259	634	635	156	172
कोरिया गणराज्य	1999		167	279	204	32	82	94	232	257	618	618	136	160
किर्गिस्तान	2010		163	267	275	100	69	76	288	348	644	647	1	2
लात्विया	2003		234	337	277	143	15	11	233	273	653	646	27	30
लिथुआनिया	2003		231	313	308	166	12	10	210	270	656	653	24	28
मैडागास्कर	2001	शहरी	189	320	234	65	112	133	164	191	783	779	13	16
मैडागास्कर	2001	ग्रामीण	253	363	217	44	66	64	107	141	811	812	15	19
मैडागास्कर	2001	कुल	234[c]	350[c]	222[c]	50[c]	80[c]	85[c]	124[c]	156[c]	803[c]	802[c]	14[c]	18[c]

सारणी A4.1 समय उपयोग

देश	सर्वेक्षण का वर्ष		कुल सवेतन कार्य		कुल अवैतनिक कार्य		सीखना		सामाजिक जीवन और फुर्सत		निजी देखभाल और रख-रखाव		अन्य (यात्राओं सहित)	
			स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष
			(मिनट प्रति दिन)		(मिनट प्रति दिन)		(मिनट प्रति दिन)		(मिनट प्रति दिन)		(मिनट प्रति दिन)		(मिनट प्रति दिन)	
माली	2008	शहरी	138	282	235	27	71	104	249	330	729	658	20	43
माली	2008	ग्रामीण	262	322	245	18	40	57	112	178	718	713	74	154
माली	2008	कुल	217	308	241	21	51	74	161	233	722	693	55	114
मॉरिशिस	2003		116	296	277	73	65	67	290	345	709	695	0	0
मैक्सिको	2009		172	381	442	155	72	75	150	174	604	584	0	71
मैक्सिको	2002		122	327	385	88	77	116	165	186	596	583	95	140
मंगोलिया	2011		238	348	286	131	44	44	168	206	700	703	0	0
मोरक्को	2011–2012		81	325	300	43	d	d	d	d	d	d	d	d
नीदरलैण्ड	2005–2006		146	279	254	133	37	42	297	308	657	619	49	61
न्यूज़ीलैण्ड	2009–2010		143	254	247	141	36	41	311	311	664	650	39	42
न्यूज़ीलैण्ड	1998–1999		136	253	250	138	42	48	295	305	657	645	60	49
नॉर्वे	2010		181	250	230	180	28	27	338	347	624	599	38	38
नॉर्वे	2000		179	274	236	161	27	22	348	353	611	586	39	43
नॉर्वे	1990		168	270	262	156	33	29	329	349	610	598	37	39
नॉर्वे	1980		143	280	286	146	31	30	333	340	619	611	28	33
नॉर्वे	1970		116	329	355	133	17	23	278	296	636	619	36	40
ओमान	2007–2008		58	187	274	115	58	72	317	374	720	691	0	0
पाकिस्तान	2007		78	322	287	28	58	82	194	243	824	767	0	0
फिलिस्तीन राज्य	2012–2013		36	249	293	55	81	76	337	361	693	697	0	1
फिलिस्तीन राज्य	1999–2000		32	307	301	54	97	96	342	374	685	649	6	3
पनामा	2011	शहरी	201	359	301	128	40	38	166	157	734	748	1	1
पेरू	2010		183[e]	361[e]	339	136	75	78	127	122	715	742	1	1
पोलैण्ड	2003–2004		136	234	295	157	39	39	285	332	658	642	27	35
पुर्तगाल	1999		178	298	302	77	34	40	175	255	686	685	57	79
कतर	2012–2013		120[f]	229[f]	199[f]	110[f]	70[f]	66[f]	303[f]	332[f]	748[f]	703[f]	0[f]	0[f]
रोमानिया	2011–2012		100	163	264	125	25	28	280	335	727	735	42	55
सर्बिया	2010–2011		129	227	301	148	25	19	305	341	673	665	22	28
स्लोवेनिया	2000–2001		169	236	286	166	41	36	287	339	630	632	26	30
दक्षिण अफ्रीका	2010		129	214	229	98	64	71	259	307	758	750	0	0
दक्षिण अफ्रीका	2000		116	190	216	83	96	109	276	330	734	727	0	0
स्पेन	2009–2010		128	205	263	126	39	39	271	326	686	693	52	53
स्पेन	2002–2003		119	243	280	101	43	42	265	321	681	684	51	50
स्वीडन	2010–2011		201	245	240	194	18	13	285	305	640	621	57	61
स्वीडन	2000–2001		180	265	254	183	22	16	279	295	638	611	67	70
तंज़ानिया गणराज्य	2006		205	276	212	73	75	87	103	148	846	858	0	0
थाइलैण्ड	2009		268	360	188	55	65	64	198	233	719	733	0	0
थाइलैण्ड	2004		281	372	174	49	75	70	182	209	724	733	0	0
ट्यूनीशिया	2005–2006		108	298	326	54	47	47	244	312	692	702	16	26
तुर्की	2006		68	267	371	88	20	24	254	286	672	672	55	103
ब्रिटेन	2005		145	233	232	131	14[g]	14[g]	296	328	673	652	84	82
ब्रिटेन	2000		140	248	261	153	15	16	266	300	678	649	78	75
अमेरिका	2013		166	252	252	163	29	28	318	349	658	634	21	16
अमेरिका	2012		176	250	249	156	28	32	321	361	656	631	15	14
अमेरिका	2011		177	254	249	165	27	29	318	346	656	631	18	17
अमेरिका	2010		176	245	252	167	29	28	313	349	653	632	22	20
अमेरिका	2009		171	256	258	166	30	26	321	352	649	631	16	14
अमेरिका	2008		179	271	259	162	31	25	319	347	644	630	14	10
अमेरिका	2007		188	271	263	169	26	25	310	344	643	625	11	12
अमेरिका	2006		181	272	263	164	32	27	307	342	649	628	13	12
अमेरिका	2005		180	266	262	163	25	27	311	342	649	631	11	10
अमेरिका	2004		178	265	268	165	29	29	313	347	642	626	9	8
अमेरिका	2003		173	274	268	168	29	26	315	340	643	622	12	11
उरूग्वे	2013		309[h]	133	[h]									

नोट

a यह परिणाम राष्ट्रीय स्तर के हैं, जो सर्वेक्षण के दौरान शहरी और ग्रामीण क्षत्रों के बीच जनसंख्या वितरण के आधार पर एकत्र किए गए हैं। 30 प्रतिशत शहरी और 70 प्रतिशत ग्रामीण।

b एकत्र किया गया डाटा डायरी केंद्रित नहीं है। इस कारण एक दिन में दर्ज किए गए कुल घंटों की संख्या अलग-अलग गतिविधियों के कारण 24 घंटे से अधिक का समय दर्शा रही है।

c कुछ सीखने, सामाजिक जीवन और फुर्सत, निजी देखभाल और रख-रखाव में इस्तेमाल में लाया गया समय लिंग के आधार पर अलग-अलग नहीं किया गया है। इसके अनुसार कुल समय में सीखने के लिए 29 मिनट, सामाजिक जीवन और फुर्सत के लिए 400 मिनट, निजी देखभाल और रख-रखाव के लिए 636 मिनट और यात्रा समेत अन्य कामों के लिए 59 मिनट खर्च किए गए।

d प्रति दिन के कुल मिनट (1,440) और अवैतनिक समेत अन्य गतिविधियों के लिए कुल मिनटों के अंतर के आधार पर गणना की गई है।

e सिर्फ कतर के नागरिकों के लिए उल्लेखित।

f इसमें मनोरंजन का अध्ययन शामिल है।

g सर्वेक्षण अवैतनिक कार्यों पर ही केंद्रित है।

परिभाषाएं

कुल सवेतन कार्य: भुगतान वाले कार्यों (निगम, अ) निगम, गैर लाभकारी संस्थाओं और सरकारी) प्राथमिक उत्पादन गतिविधियों, गैर प्राथमिक उत्पादन गतिविधियों, निर्माण जुड़ी गतिविधियों और आय के लिए अन्य सेवाओं में बिताया गया समय।

कुल अवैतनिक कार्य: अंतत: अपने ही इस्तेमाल के लिए बगैर भुगतान वाले घरेलू काम, घर के सदस्यों को बगैर भुगतान वाली देखभाल मुहैया कराने के साथ सामुदायिक सेवा और अन्य घरेलू काम।

सीखना: कुछ सीखने के क्रम में खर्च किया गया समय। इसमें शिक्षा के लिए सभी स्तर की कक्षाओं (पूर्व प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक, तकनीकी और व्यावसायिक, उच्च शिक्षा, अतिरिक्त या मेकअप कक्षाएं) में भाग लेना शामिल है। विकलांग बच्चों या वयस्क और अन्य समूह जो स्कूल में शामिल नहीं हो सकते हैं के लिए साक्षरता और अन्य विशेष कार्यक्रमों में भाग लेना, गृहकार्य पूरा करना, निजी अधययन और अनुसंधान में शामिल होना, पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं के लिए अध्ययन करना, शॉर्ट टर्म कोर्स में शामिल होना, सेमिनार और इस जैसी व्यावसायिक दक्षता बढ़ाने वाली गतिविधियों में शामिल होना, स्कूल की कक्षाओं में और अन्य गतिविधियों में शामिल होना और इसके लिए यात्राएं करना आदि शामिल है।

सामाजिक जीवन और फुर्सत का समय: सामुदायिक, मनोरंजक और खेलकूद से जुड़ी गतिविधियों में भागीदारी में खर्च हुआ समय, शौक, गेम्स और अन्य फुर्सत से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लेना, खेलकूद और आउट डोर गतिविधियों में भाग लेना।

निजी देखभाल और रख-रखाव: निजी देखभाल और रख-रखाव में खर्च समय। इनमें जैविक जरूरतों से जुड़ी गतिविधियां (सोना, खाना, आराम करना सरीखी) भी शामिल हैं। खुद के स्वास्थ्य और रख-रखाव पर धयान देना या ऐसी सेवाओं का उपभोग करना, आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों में शामिल होना, कुछ भी नहीं करना, आराम करना, ध्यान लगाना, सोचना और योजना बनाना।

अन्य (यात्राओं सहित): अन्य हर गतिविधि जिसमें यात्रा भी शामिल है ताकि कुल समय 1,440 से 1,445 मिनट हो सके।

आँकड़ों के मुख्य स्रोत

कॉलम 1 से 14: चार्म्स (2015) देखें देश के लिहाज से स्रोत की पूरी लिस्ट http://hdr.undp.org

अध्याय 5

संवहनीय कार्य की ओर अग्रसर

इंफोग्राफिक- संवहनीय कार्य का सांचा

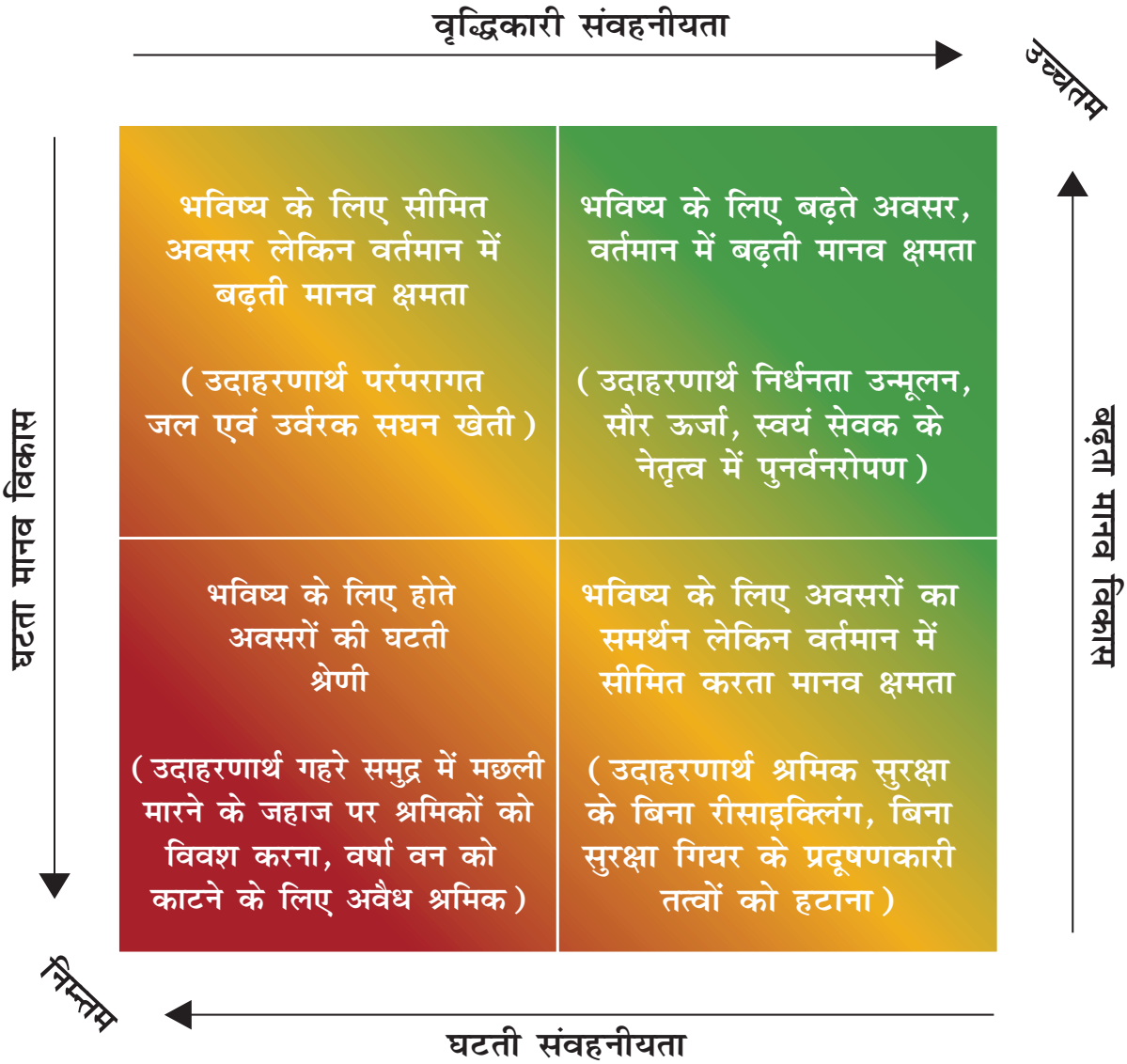

5.

संवहनीय कार्य की ओर अग्रसर

पिछले अध्यायों में हमने दिखाया है कि कैसे नए चलन कार्य की दुनिया को बदल रहे हैं- जो बाजार की ताकतों द्वारा संचालित हैं, लेकिन साथ ही सरकारी कार्रवाइयों और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा प्रोत्साहित और नियंत्रित हैं- मानव विकास के लिए भविष्य में उल्लेखनीय लाभ दे सकते हैं। हम कैसे रहते हैं और कार्य करते हैं इसमें जल्द ही आने वाला एक परिवर्तन संवहनीय विकास की ओर बढ़ना है। कुछ देशों में ऐसा होना शुरू हो गया है लेकिन सामान्यत: अलग-अलग है। उसी समय यह गंभीर अनिवार्यता और अति आवश्यकता के साथ आता है। यह अगर हम सामूहिक रूप से समय पर आगे बढ़ने में असफल रहे तो वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों की कुंठित मानव क्षमताएं विनाशकारी साबित हो सकती हैं।

इस के लिए सामान्य व्यवसाय से अलग हट कर विचारपूर्वक, योजना बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए सभी देशों और क्षेत्रों और निजी और सार्वजनिक कर्ताओं के बीच स्पष्ट सहयोग और संयोजन की आवश्यकता होगी। और यह अपने साथ कार्य की कुछ पूर्वनिश्चित वैश्विक और अंतरपीढ़ीगत जटिलताएं भी लाता है।

संदर्भ स्थापना : सतत विकास के लक्ष्य

सहस्राब्दि (मिलेनियम) के विकास लक्ष्य- 2000 की सहस्राब्दि की घोषणा[1] में जिन्हें सुनिश्चित किया गया है- 2015 तक मानव विकास के आधारभूत पहलुओं में अभाव के कष्ट को कम करने के मात्रात्मक लक्ष्य निर्धारित करते हैं। साल 2013 से एक प्रक्रिया चल रही है जो 2015 के बाद के विकास के एजेंडा की व्याख्या करने और सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों के अंतर्गत होने वाले कार्यों को विस्तार देने और आगे बढ़ाने में सहायता करे। इस प्रक्रिया के अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों ने, 2014 के अंत में, संवहनीय विकास के लिए लक्ष्य तय कर दिए हैं।

सतत विकास लक्ष्यों के केंद्र में 2030 तक मानव विकास में असमानता और मानवीय अभाव के कष्ट को समाप्त करना और दुनिया के हर व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार लाने और अवसरों का वायदा है। संवहनीय विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने से मानव विकास का स्तर बदल जाएगा (बॉक्स 5.1)। निस्संदेह संयुक्त राष्ट्र सदस्यों के इस मूल विचार के लिए किए गए प्रयास और इसके लक्ष्यों को स्वीकार करना यह संकेत देता है कि मानव विकास को गति देने और संवहनीय बनाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति है।

सतत विकास लक्ष्यों में तीन तत्व शामिल हैं:

- उनका जोर संवहनीय विकास की सरंचना के भीतर निर्धनता उन्मूलन की प्राथमिकता पर है।
- वे वैश्विक हैं, सभी देशों और सभी व्यक्तियों को इसमें शामिल करते हैं।
- उन्होंने लक्ष्यों की समय सीमा तय की है जिनकी प्रगति की निगरानी राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर की जाएगी।

इस तरह सतत विकास के लक्ष्य मानव विकास दृष्टिकोण की व्यवहारिक समझ को बढ़ा रहे हैं: लोगों को विकास के केंद्र में रखकर ताकि उनकी क्षमताओं को पूरी तरह से उपयोग की संभावना को बढ़ाया जा सके।

मानव विकास ढांचे में संवहनीयता

वैश्विक दृष्टिकोण- दुनिया के सभी लोगों के लिए अभी और भविष्य में, विकास को अर्थपूर्ण बनाना- भी मानव विकास प्रतिमान के केंद्र में है। मानव विकास का असली आधार हर किसी के लिए जीवन के अधिकार को मानने में सार्वभौमिकता है। जीवन के अधिकार का सार्वभौमिकता वह डोर है जो आज के मानव विकास की जरूरतों को भविष्य के विकास की अनिवार्यताओं से बांधता है, विशेषकर पर्यावरणीय संरक्षण और पुनर्जनन के संदर्भ में।

मानव विकास के दृष्टिकोण से पर्यावरण को बचाने का सबसे मजबूत तर्क यह है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए वैसे ही विविध और प्रचुर विकल्प उपलब्ध रहें जैसे पुरानी पीढ़ियों को प्राप्त थे। इसलिए मानव विकास और संवहनीयता जीवन के अधिकार के सार्वभौमिकता के समान नैतिकता के अनिवार्य तत्व हैं।[2] यह संवहनीय विकास के साथ भी लगातार जारी है- पारंपरिक रूप से पर्यावरण और विकास पर विश्व आयोग ने इसे, ''ऐसा विकास जो वर्तमान की आवश्यकताएं पूरी करने के साथ ही भविष्य की पीढ़ियों की जरूरतों को पूरा करने की क्षमताओं से समझौता न करे'', बताया था।[3]

सीधे शब्दों में कहा जाए तो, मानव विकास के लिए संवहनीयता सुनिश्चित करने के लिए तीन चीजों की आवश्यकता होगी, जिन्हें सतत विकास लक्ष्यों को सुनिश्चित करना होगा:

- जीवन को विस्तार देने वाले अवसरों की संख्या और प्रकार- घर में, कार्य में और समाज में- जो सभी लोगों को उनके जीवनकाल में ही उपलब्ध हों और उनकी आने वाली पीढ़ियों के लिए कम

इसलिए मानव विकास और संवहनीयता जीवन के अधिकार के सार्वभौमिकता के समान नैतिकता के अनिवार्य तत्व हैं

बॉक्स 5.1

सतत विकास के लक्ष्य और मानव विकास

साल 2012 में हुए रियो+20 सम्मेलन के मुख्य परिणामों में से एक सदस्य देशों के बीच सतत विकास लक्ष्यों के एक ढांचे को विकसित करने पर अनुबंध था जो विश्व को सहस्राब्दि के विकास के लक्ष्यों से 2015 के बाद के विकास कार्यक्रम में बदलेगा। यह तय किया गया कि "सतत विकास लक्ष्यों पर एक संयुक्त और पारदर्शी अंतरसरकारी प्रक्रिया शुरू की जाए जो इसके सभी पक्षकारों के लिए खुली हो और विचार यह रहे कि वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों पर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा सहमति दी जाए।"[1]

इसलिए एक अंतर्सरकारी मुक्त कार्यसमूह का गठन किया गया और 2013–14 में 13 बार इसकी बैठक हुई। इसे विद्वानों, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों, तकनीकी विशेषज्ञों और बहुपक्षीय प्रणाली के विभिन्न तत्वों से सूचनाएं और जानकारी मिली।

यह समूह सतत विकास लक्ष्य बनाने वाले 17 लक्ष्यों और 169 कार्यों पर सहमत हुआ। जनवरी 2015 से संयुक्त राष्ट्र महासभा उन पर चर्चा कर रही है, जिसके बाद सितंबर 2015 में संयुक्त राष्ट्र संवहनीय विकास सम्मेलन में देशों और सरकारों के प्रमुखों ने उन्हें स्वीकार कर लिया। ये मानवता और ग्रह (पृथ्वी) के लिए पांच अति महत्वपूर्ण क्षेत्रों की बात करते हैं।

इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग में वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तरों पर लक्ष्यों और कार्यों की प्रगति की निगरानी के लिए संकेतकों पर सहमत होने की प्रक्रिया भी चल रही है। इन संकेतकों पर अंतिम निर्णय 2016 में होने की आशा है।

सतत विकास लक्ष्य मानवता और पृथ्वी के लिए पांच अति महत्वपूर्ण क्षेत्रें से सरोकार रखते हैं।

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करके मानव विकास की स्थिति का रूपांतरण होगा

नोट : सतत विकास लक्ष्यों के प्रतिरूपों को ट्रॉलबैक्कंपनी के सहयोग में विकसित किया गया है।

1. संयुक्त राष्ट्र 2012b।

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालयय संयुक्त राष्ट्र 2015c।

न हो जाएं।

- इन अवसरों का लाभ उठाने की क्षमताएं- सभी लोगों के जीवनकाल और सभी पीढ़ियों में- इनका विस्तार होता रहे।
- सामाजिक, सांस्कृतिक और शारीरिक बाधाएं जो लोगों को उन अवसरों तक पहुंचने से रोकती हों जो उनकी क्षमताओं के अनुरूप सर्वश्रेष्ठ हैं- भले ही वह भागीदारी, सुरक्षा, सशक्तिकरण या आधारभूत ढांचे की कमी की वजह से हों- उन्हें हटाया जाना होगा।

लेकिन विकास के लाभों को एक ही पीढ़ी और कई पीढ़ियों में एक समान और टिकाऊ तरीके से साझा करना आसान नहीं है। एक ओर तो आवश्यक प्रगति करने के लिए सामूहिक स्रोतों की उपलब्धता कभी भी इतनी अधिक नहीं रही। वैश्विक संपत्ति और आय पहले के मुकाबले आज सर्वाधिक है: वैश्विक संपत्ति 2013 की 20 ट्रिलियन डॉलर से 2014 में 263 ट्रिलियन डॉलर हो गई है जबकि विश्व की जीडीपी 78 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गई है।[4] मानवीय चतुरता हमारे आस-पास मौजूद दुनिया के प्रति विकसित होती हमारी समझ के आधार पर नए मौलिक समाधन प्रस्तुत कर रही है, इस तरह अवसरों और क्षमताओं को बढ़ाने के लिए सकारात्मक आधार दे रही है।

दूसरी ओर, मानवीय गतिविधियां, अगर इसी चलताऊ ढंग से जारी रहीं तो ये अब तक मिले लाभों के जारी रहने को जोखिम में डाल सकती हैं और इसके साथ ही भविष्य में प्रगति की क्षमताओं को भी, हमारे और आने वाली पीढ़ियों दोनों के लिए। प्राकृतिक संसाधनों के असंवहनीय इस्तेमाल के साथ ही सामाजिक बाधाओं को दूर करने में आने वाली परेशानियों की वजह से पैदा हुए इन खतरे, पैमाने- वैश्विक और स्थानीय- और गुंजाइश दोनों में अलग हैं। अगर ये खतरे बिना किसी रोक-टोक या लगातार जारी रहे तो ये कार्य के कुछ प्रकारों के जारी रहने को भी रोक सकते हैं क्योंकि प्राकृतिक स्रोतों का आधार घट जाएगा।

स्थानीय स्तर पर ये संबंध कुछ समय से रहे हैं और बहुत से मामलों में स्थानीय हल भी खोजे जाते रहे हैं। उदाहरण के लिए दुनिया के बहुत से पारंपरिक समाजों में संवहनीय फसल के लिए वर्षाजल को कृषि कार्यों में प्रयोग करने का तंत्र विकसित कर लिया गया है। सामुदायिक स्तर पर प्रबंधित ऐसी प्रणालियां श्रीलंका के माननीय राष्ट्रपति मैथ्रिपाला सिरिसेना के विशेष लेख (हस्ताक्षरित बॉक्स) का विषय हैं।

अन्य हालिया उदाहरण भी बहुतायत में हैं। साल 1962 में रशेल कार्सन के साइलेंट स्प्रिंग ने दिखाया कि डाइक्लोरो डाइफीनाइल ट्राईक्लोरोएथेन (जिसे आमतौर पर डीडीटी के नाम से जाना जाता है) के कृषि में कीटनाशक के रूप में अतिप्रयोग ने प्राकृतिक व्यवस्था और मनुष्यों को कितनी हानि पहुंचाई है। बाद में घरों के अंदर और बाहर की हवा के प्रदूषण, भूमि के अपकर्ष, जंगलों में कमी और पानी के असंवहनीय प्रयोग- विशेषकर कृषि में, ने दुनिया के कई हिस्सों में इसे सही करने के लिए कदम उठाने को मजबूर कर दिया।

समय के साथ ऐसे उपायों का विस्तार उत्पादकों और उपभोक्ताओं के समाज से बढ़कर प्रांतीय और राष्ट्रीय स्तर तक हो गया जहां लागत और लाभ संभवत: बड़े पैमाने पर वितरित थे। प्रभावों के अनुमान, दुविधाओं के आकलन और निर्णय करने के लिए एक सामान्य सरंचना लागत-लाभ का विश्लेषण है।[5] ऐसे विश्लेषणों में रोजगार जाने के अनुमान भी शामिल होते हैं; हालांकि सभी रोजगार एक समान नहीं होते। एक ओर बड़े पैमाने पर बेरोजगारी के आंकड़ों का बहुत थोड़ा ही प्रभाव पड़ेगा अगर सभी कर्मचारियों को जल्द ही किसी और फर्म या कंपनी में कार्य मिल जाता है। दूसरी ओर कम संख्या में नौकरी जाना बहुत हानिकारक हो सकता है अगर यह एक-फैक्ट्री वाले कस्बे के अंदर होता है या प्रभावित श्रमिकों के पास स्थानांतरणीय कौशल या भविष्य में रोजगार की संभावनाएं कम होती हैं।

लागत-लाभ विश्लेषण के उदाहरण के लिए 1990 के अमेरिका के स्वच्छ वायु संशोधन कानून को लें, जिसने वायु प्रदूषण के उत्सर्जन को नियमों के द्वारा भारी मात्रा में कम कर दिया जिसने बिजली सयंत्र, मोटर वाहन के अलावा ड्राई क्लीनर और व्यवसायिक बेकरी जैसे छोटे-मोटे उद्योगों को प्रभावित किया। पर्यावरण को होने वाले लाभों के अलावा, यह अनुमान लगाया जाता है कि इस कारण से 2010 तक सांस की दिक्कत के लाखों मामले और गंभीर बीमारियों और मौतों के हजारों मामलों को टाला जा सका। इन्होंने संभवत: 13 मिलियन कार्य दिवसों और 3.2 मिलियन स्कूल के दिनों की हानि को भी बचाया।[6]

लेकिन नए नियम लागू होने के बाद तीन साल में विनियमित क्षेत्रों में कर्मचारियों की औसत आय 5 प्रतिशत से अधिक गिरी। आय में सुधार नीति बदलने के पांच साल बाद ही शुरू हुआ। विनियमित क्षेत्र में एक औसत कर्मचारी को आय में नियमन-पूर्व की आय के 20 प्रतिशत के बराबर हानि हुई है।[7] लेकिन एकदम सही लागत का अनुमान जनसांख्यिकी, औद्योगिक ढांचे और अर्थव्यवस्था के प्रकार के आधार पर ही लगाया जा सकता है[8] और चली गई आय के ये अनुमान इससे जुड़े उन स्वास्थ्य लाभों से कम हैं जो बड़े पैमाने लोगों को हुए हैं- अगर विशुद्ध आर्थिक दृष्टिकोंण से देखें तो भी।[9]

ऐसे प्रभाव अब स्थानीय, राष्ट्रीय और तो और क्षेत्रीय सीमाओं से भी ऊपर पहुंच गए हैं और पूरे ग्रह को प्रभावित कर रहे हैं- विजेताओं और पराजितों को तो भूगोल या समय मिटा सकता है, जिससे एक महत्वपूर्ण बदलाव आता है कि प्रभावों का प्रबंधन कैसे किया जाए। एक प्रमुख उदाहरण, जलवायु परिवर्तन है जो विश्व के औसत तापमान में दीर्घकालिक वृद्धि से जुड़ा हुआ है और मौसम के बदलते स्वरूप से और समुद्रतल में बढ़ोत्तरी और बहुत कठिन मौसम के

विकास के लाभों को एक ही पीढ़ी और कई पीढ़ियों में एक समान और टिकाऊ तरीके से साझा करना आसान नहीं है

विशेष योगदान

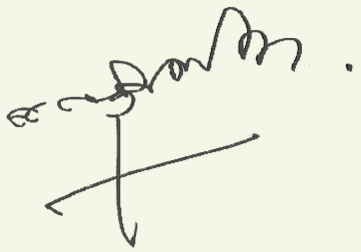

ग्रामीण क्षेत्रों में जीविका को बेहतर बनाने के लिए सामुदायिक भागीदारी- इतिहास से सबक

सदियों तक सिंचाई आधारित कृषि और चावल की खेती श्रीलंका की सांस्कृतिक परंपराओं में रची बची रही और अपने लोगों के जीवन के हर पहलू को समृद्ध बनाती रही है। अब इन पारंपरिक व्यवसायों के औचित्य को आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं की मांगों के अनुरूप परिभाषित करने की आवश्यकता है।

श्रीलंका की नई सरकार का मुख्य उद्देश्य असमानता को कम करने और निर्धनता को समाप्त करने के लिए देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। सरकार का मानना है कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का एक प्रमुख तरीका कृषि क्षेत्र की उत्पादकता को बेहतर करना है। प्राचीन काल से खाद्य सुरक्षा और रोजगार सुनिश्चित करने वाले साधन के रूप में कृषि को विशेष महत्व मिलता रहा है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में विविधता लाने के प्रयासों के बावजूद रोजगार के माध्यम के रूप में कृषि का महत्व लंबे समय से कायम है, हालांकि हाल के दशकों में इस क्षेत्र का मुख्य उद्देश्य उत्पादकता बढ़ाना रहा है।

कृषि क्षेत्र के लिए कई मोर्चों पर चुनौतियां हैं। कीटों और खरपतवार पर नियंत्रण के लिए नई तकनीकों का विकास और प्रतियोगिता के साथ बने रहने के लिए फसलों की उत्पादकता बनाए रखना एक चुनौती है। ये चुनौती अतिप्रयोग, प्रदूषण और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं, घटती श्रम लागत के साथ जुड़ी हुई हैं। पानी की आपूर्ति और अन्य कृषि संसाानों के टिकाऊ माध्यम दूसरी चुनौती है। तीसरी चुनौती जनसंख्या वृद्धि, औद्योगिकीकरण और शहरीकरण है जिनकी वजह से पानी और भूमि कम हो गए हैं और जमीन कम उत्पादक हो गई है। चौथे विकास के लिए वनभूमि के अनियोजित प्रयोग ने भूजल स्तर को गिरा दिया है जिससे कृषि के लिए इसकी उपलब्धता कम हो गई है। पांचवे ऐसे विकास की वजह से पहाड़ों पर मौसम बहुत तीक्ष्ण हो गया है। पेड़ों से सुरक्षित न होने के कारण ढलानों की ऊपरी मृदा बह रही है। इससे भूमि कम कृषि योग्य रह जाती है। यह बह गई मृदा की तलछट नदियों और सिंचाई तंत्र में जाकर जम जाती है। इससे सिंचाई तंत्र को नियमित देखरेख और सफाई की आवश्यकता पड़ती है वरना गाद के कारण टंकियों और जलमार्गों की पानी को जमा करने और ले जाने की क्षमता कम हो जाती। छठा, बदलते मौसम चक्रों ने बारिश को कम किया है और सिंचाई के पानी की आवश्यकता को बढ़ा दिया है।

संवहनीय कृषि के लिए ग्रामीण कृषि आधारित पारिस्थितिकी को बनाए रखने का मुद्दा सदियों से किसानों के लिए एक चुनौती रहा है। लेकिन किसानों की समितियों ने सामूहिक कार्यों से न सिर्फ कृषि आधारित पारिस्थितिकी की सुरक्षा सुनिश्चित की है बल्कि समयांतराल पर होने वाली बारिश के पानी के साल भर प्रयोग के लिए संग्रहण और भंडारण की भी व्यवस्था की है।

श्रीलंका के ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों की सभ्यताएं सूखे क्षेत्रों से शुरू हुई थीं और इन चुनौतियों से वे सामूहिक प्रयासों से पार पा सके। प्राचीन किसान संवहनीय कृषि के लिए स्वतंत्र प्राकृतिक संसाधनों के तंत्र की सुरक्षा और बेहद सीमित संसाधनों के अधिकतम प्रयोग के महत्व को जानते थे। उन्होंने मिलकर एक ऐसा सिंचाई तंत्र तैयार किया जिसमें वह समयांतराल या मौसमी बारिश के पानी को गांव के तालाबों में जमा कर लेते ताकि अपने समुदाय की जीविकोपार्जन की आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके। श्रीलंका में 18,000 से भी अधिक ग्रामीण तालाब हैं। वह रणनीतिक रूप से बारिश का पानी एकत्र करने वाले स्थान पर स्थित हैं या बनाए गए हैं। इसके अलावा इन छोटे-छोटे तालाबों का संग्रह मिलकर पानी का एक ऐसा तंत्र तैयार करता है कि जिससे किसानों को मौसमी बारिश का अधिकतम लाभ मिलना तय हो जाता है।

ऐसे सिंचाई तंत्र अच्छे प्रबंधन के साथ ही बनाए रखे जा सकते हैं। सबसे पहले इन तालाबों के जलग्रहण क्षेत्र में जंगल और जमीन को संरक्षित रखना चाहिए ताकि पानी का उचित संग्रहण हो सके। पानी के तालाब तक जाने वाले नहरों और जलमार्गों से गाद हटाकर उसे साफ किया जाना चाहिए ताकि पानी का ठीक से बहाव हो सके। गांव के तालाबों के स्थानीय स्तर पर प्रबंधन से यह सुनिश्चित हो जाता है कि उनकी नियमित देखरेख हो। क्योंकि जो किसान सिंचाई तंत्र के मालिक हैं और इसका प्रबंधन करते हैं वही इसके मुख्य लाभार्थी हैं, इसलिए उन्हें इस प्रणाली के नियमित प्रबंधन को सुनिश्चित करना ही होता है।

गांव के तालाबों के जल संग्रहण क्षेत्र में वनों का संरक्षण भी किसान समितियां सुनिश्चित करती हैं। ये स्वशासन रणनीति प्रभावी और सस्ती दोनों है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसान इन आम संपत्तियों का प्रबंधन इसलिए नहीं करते कि किसी व्यक्ति को लाभ हो बल्कि इसलिए कि समुदाय को अधिकतम लाभ हो। सबके लाभ के लिए आम संपत्तियों के प्रबंधन की आवश्यकता किसानों को साथ लाई है जिससे श्रीलंका के ग्रामीण इलाकों में किसान समितियां बनी हैं। आज किसान अपने पूर्ववर्तियों के प्रयासों का लाभ उठा रहे हैं जिन्होंने गांव का सिंचाई संसाधन प्रबंधन तंत्र बनाया है।

आज का कृषि क्षेत्र 50 साल पहले के कृषि क्षेत्र से अलग है। आज का किसान निर्वाह के लिए खेती नहीं करता। वह व्यवसायिक उद्देश्यों से फसल उगाता है। कुछ का जोर अतिरिक्त मूल्य पर केंद्रित एकीकृत कृषि उत्पादन उद्यमों पर है। गांव की कृषक समितियों द्वारा अपनाए गए प्रशासनिक ढांचे की नकल करना आज के संदर्भ में पूरी तरह सही नहीं हो सकता। लेकिन स्वशासन, पर्यावरण के संसाधनों की जानकारी और संरक्षण, इसके साथ ही संसाधनों की कमी से जूझने के समाधन ढूंढना ऐसे सबक हैं जिन्हें हम पहले के ग्रामीण कृषक समुदाय से सीख सकते हैं। ऐसे सामूहिक कार्य श्रीलंका में ग्रामीण किसानों को अपने पर्यावरण की सुरक्षा, बदलते मौसमी ढांचे के अनुरूप ढलने और कृषि कार्य का उत्पादन बढ़ाने के काबिल बना सकते हैं। अंतत: कार्य को व्यवसाय की तरह चतुरता से करके किसान अर्थव्यवस्था में अधिक योगदान दे सकते हैं। अगर वह इसमें सफल रहते हैं तो हमारी सरकार का असमानता को न्यूनतम करने और निर्धनता को समाप्त करने का मुख्य उद्देश्य पूरा होगा।

मैथ्रीपाला सिरिसेना
श्रीलंका के राष्ट्रपति

बार-बार आने से भी जुड़ा हुआ है।

जलवायु परिवर्तन के मानव विकास पर अनर्थकारी प्रभावों की समस्या से अगर निपटा नहीं गया है तो भी इसे कई मचों में उठाया गया है, जिनमें 2011 की मानव विकास रिपोर्ट शामिल है।[10] इनमें वह बदलाव भी शामिल हैं जो उन कार्यों और परिस्थितियों को प्रभावित करेंगे जिनमें लोग-विशेषकर निर्धन-मजदूर कार्य करते हैं।

उदाहरण के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया की निचली मेकोंग नदी घाटी- जिस पर मुख्यत: मछुआरे और कृषक समुदायों का अधिकार है- में जलवायु परिवर्तन 42 मिलियन से अधिक लोगों के जीवन और जीविका को गंभीर रूप से प्रभावित करेगा। फसलों की अनुकूलता, पशुओं की मृत्यु दर में भारी बदलाव आएगा, मत्स्यपालन के इलाके घटेंगे, खेतों में कार्य करते हुए गर्मी का असर अधिक होगा और विभिन्न तरह की बीमारियां बढ़ जाएंगी।[11] इन बदलावों के प्रति अनुकूल होने के लिए लोगों को अपने कार्य करने और जोखिम प्रबंधन के तरीके बदलने पड़ेंगे।

वैश्विक स्तर पर मौजूदा अनुमान के अनुसार अगर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन- जलवायु परिवर्तन की तात्कालिक वजह- पर रोक नहीं लगाई जाती तो विश्व की सतह का तापमान 2100 तक पूर्व-औद्योगिक काल से भी अधिक 3.7^0 सेल्सियस और 4.8^0 सेल्सियस बढ़ जाएगा।[12] इसे 2^0 सेल्सियस के सहमति के स्तर तक रोके रखने के लिए (जिसे आमतौर पर माना गया है) 2050 तक कुल उत्सर्जन के स्तर में 40-70 प्रतिशत (2010 की तुलना में) की कमी करनी होगी। इतनी कमी करना संभव तो है, लेकिन इससे अंतत: ऐसा उत्सर्जन करने वाले क्षेत्रों में कार्य करने वाले मिलियनों लोगों की नौकरी चली जाएगी (सारणी 5.1)।

इन क्षेत्रें के मानव विकास से कई तरह से जुड़ने की प्रवृत्ति होती है और कमी करने की कोशिशें किस तरह करी जाती हैं इसके महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ते हैं। उदाहरण के लिए विकसित देशों में ऊर्जा उपभोग और मानव विकास सूचकांक के बीच मजबूत संबंध है (रेखांकन 5.1)। आधुनिक सुविधाओं तक पहुंच, स्वास्थ्य सुधार, निर्धनता कम करने, जीवनस्तर सुधारने और सकारात्मक लैंगिक परिणामों के बहुतायत में अनुभवजनित साक्ष्य भी इसका समर्थन करते हैं।

साल 2012 में 1.3 बिलियन लोगों के पास बिजली नहीं थीं और 2.7 बिलियन घरेलू ईंधन के लिए पारंपरिक जैव ईंधन पर निर्भर थे।[13] बिजली तक पहुंच को विस्तार देना मानव विकास को विस्तार देने की किसी भी योजना का अनिवार्य अंग होना चाहिए, हालांकि ऐसे ही चलता है के दृष्टिकोण से जलवायु परिवर्तन के वैश्विक लक्ष्य के साथ सामंजस्य बैठाने में मुश्किल होगी, भले ही ये स्थानीय संवहनीय विचार के अनुकूल हो।

कार्य और संवहनीय विकास

शुरुआती अध्यायों में हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि कार्य के अनायास नतीजे होते हैं जो उन लोगों से परे जाते हैं जो सीधे इसमें शामिल होते हैं- इनका विस्तार उन तक होता है जिन्हें भूगोल या समय ने मिटा दिया है। इन प्रभावों के हमेशा नकारात्मक होने की भी आवश्यकता नहीं- ऐसे कार्यों से जुड़ी गतिविधियां मानव विकास के रखरखाव में बदल सकती हैं और ऐसे बहुत से लोगों को सकारात्मक लाभ दे सकती हैं जो सीधे उनसे नहीं जुड़े हैं।

विकसित देशों में ऊर्जा उपभोग और मानव विकास सूचकांक के बीच मजबूत संबंध है

सारणी 5.1

ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और क्षेत्र द्वारा रोज़गार

क्षेत्र	2000-2010[a] के बीच ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वृद्धि का हिस्सा (%)	लोग जिन्हें सीधे रोजगार मिला है (मिलियन में)
ऊर्जा, बिजली और ऊष्मा समेत	34.6	30
कृषि, वानिकी और अन्य भू-उपयोग	24.0	1,044
उद्योग	21.0	200[b]
परिवहन	14.0	88
भवन	6.4	110

a. आईपीसीसी (2014b) पर आधारित मानवजनित कुल वार्षिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रॉस ऑक्साइड, "लुओरिनेटिट गैस) के एक मिश्रित नाप का प्रतिनिधित्व करता है। आईपीसीसी (2014b) के अनुसार मानवीय गतिविधियों की वजह से हुआ वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन 2000 से 2010 के बीच प्रतिवर्ष एक गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड जितना (2.2 प्रतिशत) बढ़ा, जो एक साल में 49 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर पहुंच गया है।
b. वास्तविक संख्या बड़ी है। जो मूल्य बताए गए हैं वह मात्र संसाधन-की गहनता वाले निर्माण उद्योग के हैं, जो संवहनीय दृष्टिकोण से अधिक महत्वपूर्ण हो सकते हैं।
स्त्रोत : आईपीसीसी 2014b, पोशेन 2015।

रेखांकन 5.1

विकासशील देशों के मानव विकास सूचकांक और ऊर्जा खपत के बीच मजबूत सकारात्मक संबंध है

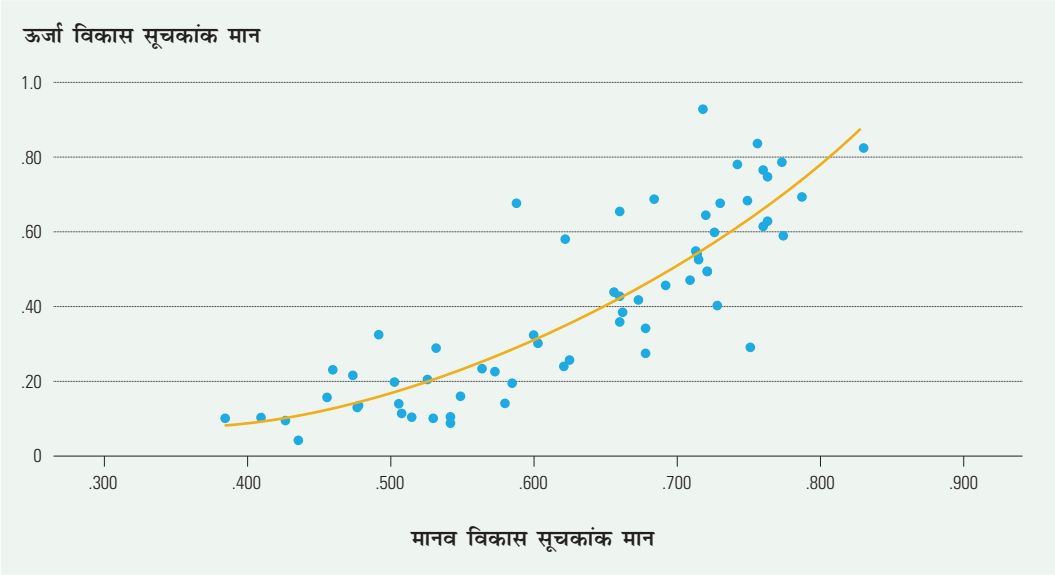

स्त्रोत : आईईए (2012) पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की गणना।

संवहनीय कार्य

पर्यावरणीय संवहनीयता और मानव विकास पर कार्य के अधिकतर प्रभाव एक निरंतर, आस-पास के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव के साथ-साथ चलते हैं (देखें अध्याय के आरंभ में दिया गया रेखांकन)। जो कार्य मानव विकास को बढ़ावा देता है जबकि नकारात्मक पक्ष प्रभावों और अनपेक्षित परिणामों को कम या समाप्त कर देता है उसे 'संवहनीय कार्य' कहा जाता है।

संवहनीय कार्य (रेखांकन में मेट्रिक्स के सबसे दाएं ओर के वर्ग में) विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में होता है लेकिन ये पैमाने, कार्य की परिस्थितियों, मानव विकास की कड़ियों और नीतियों के तात्पर्य में अलग हो सकता है। यह उन 'ग्रीन जॉब' के समान है जिनकी आमतौर पर व्याख्या 'ऐसा साफ-सुथरा कार्य जो पर्यावरण के संरक्षण या फिर पहले जैसा करने में योगदान देता है, चाहे वह कृषि, उद्योग, सेवा या प्रशासन हो', के रूप में की जाती है। लेकिन यह दो महत्वपूर्ण तरीकों से अलग है।[14]

पहला संवहनीय कार्य को जीविकोपार्जन के संदर्भ में नहीं लिया जाना चाहिए इसलिए यह स्वयंसेवकों, कलाकारों, वकीलों और अन्य के प्रयासों के इर्द-गिर्द होता है। दूसरा यह कार्य को मेट्रिक्स के शीर्ष दाहिने की ओर धकेल कर मानव विकास की उन्नति की अनिवार्यता के लिए होता है। उदाहरण के लिए ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने लिए कार इंजनों में नए पुर्जे लगाना या पारंपरिक जैव ईंधन जलाने वाले चूल्हों को सौर कुकरों से बदलना दोनों 'ग्रीन' गतिविधियां हैं लेकिन बाद वाली मानव विकास के लिए कहीं अधिक अर्थवान हो सकती है क्योंकि यह महिलाओं, लड़कियों को जलावन की लकड़ी एकत्र करने से मुक्त करती है और इसके बजाय उन्हें आर्थिक गतिविधियों में भाग लेने या विद्यालय जाने में सक्षम बनाती है।[15]

मेट्रिक्स के अंदर ही कार्य के तुलनात्मक वितरण को लेकर हर देश अलग है। मेट्रिक्स के अंदर ही दुविधाएं भी हो सकती हैं। उदाहरण के लिए स्वयंसेवक निम्न और बंजर भूमि पर वनरोपण करते हैं जो मानव विकास और संवहनीयता के लिए लाभप्रद है। लेकिन ऐसे वनरोपण के साथ ही उन क्षेत्रों में कृषि के विस्तार के आर्थिक अवसर समाप्त हो जाते हैं और ऐसी दुविधाओं को दूर करने के लिए सामाजिक प्राथमिकताओं को स्पष्ट करने (मान लें कि जैवविविधता के संरक्षण के लिए एक सुरक्षित क्षेत्र का रेखांकन करके) या जीविकोपार्जन के लिए एक वैकल्पिक प्रणाली ढूंढने की आवश्यकता है।

संवहनीय कार्य के अधिक व्यापक रूप से शुरू होने के लिए इसके साथ-साथ तीन चीजों की आवश्यकता है जिन सभी के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नीति निर्माताओं, उद्योग और निजी क्षेत्र के कर्ताओं, नागरिक समाज और व्यक्तिओं द्वारा विशेष कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है।

- *समापन।* कुछ मौजूदा कार्यों को समाप्त होना होगा और उनसे विस्थापित कर्मचारियों को अन्य

नकारात्मक पक्ष प्रभावों और अनपेक्षित परिणामों को कम या समाप्त करते हुए संवहनीय कार्य मानव विकास को बढ़ावा देता है

व्यवसायों में समायोजित करने की आवश्यकता होगी (रेखांकन में मेट्रिक्स के नीचे के बाएं का वर्ग)।

- *बदलाव*। कुछ मौजूदा कार्यों को बदलना होगा ताकि नई अनुकूलनीय तकनीक, पुनर्प्रशिक्षण या कौशल सुधार में निवेश के मिश्रण द्वारा उन्हें संरक्षित किया जा सके।
- *सृजन*। कुछ कार्य बड़े पैमाने पर नए, संवहनीयता और मानव विकास को लाभ देने वाले होंगे लेकिन मौजूदा व्यवसायों के समूह से बाहर उभरेंगे (रेखांकन में मेट्रिक्स के शीर्ष- दाएं का वर्ग)।

संवहनीय कार्य की ओर बढ़ना, ऐसे-ही-कार्य-चलता- है, के रास्ते से अलग होना है; यह तत्काल अनिवार्यता की समयसीमा से भी संचालित होता है। भूमंडलीय सीमाएं, जैसे कि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन या जीवमंडल की अखंडता का पहले ही अतिक्रमण किया जा चुका है, जिससे एक कई गुना कम अच्छे वातावरण के लक्षण पहले ही दिखने लगे हैं। इसलिए अब नष्ट करने के लिए समय नहीं है। और जैसे-जैसे असंवहनीय विकास और जलवायु परिवर्तन के कारण जीवन और जीविकोपार्जन के लिए अनिवार्य प्राकृतिक संसाधन (जैसे कि ऊपरी मिट्टी और पानी की गुणवत्ता) जर्जर हो रहे हैं और उनका स्तर गिर रहा है, स्थानीय आबादी के मानव विकास के लाभ उलटे हो सकते हैं, जिसके साथ संघर्ष और बड़े पैमाने पर प्रवासन भी हो सकता है।

सार्वजनिक नीति निजी क्षेत्र, सामाजिक संस्थाओं, वैज्ञानिक निकायों, हिमायती समूहों, कर्मचारी समितियों और व्यक्तिगत नेताओं के प्रयासों को बढ़ावा दे सकती हैं। उदाहरण के लिए नौ विकसित और विकासशील देशों मे योजनाबद्ध और लागू की गई पर्यावरणीय नीति के मापकों से पता चला कि कुल रोजगार में प्रशंसनीय सुधार संभव है जब अनुपूरक और प्रेरणादायक नीतियां मौजूद हों, जिनमें कर आभार, आर्थिक सहायता और कर्मचारियों का प्रशिक्षण शामिल हैं।[16] और तो और जब कार्य का विशिष्ट हिस्सा अंतरनिहित रूप से ग्रीन हो और बाजार की ताकतों के जवाब में स्वाभाविक रूप से उठ खड़ा होता है तो मानव विकास के लिए अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त प्रयासों की आवश्यकता होती है, जैसे कि 2013 के गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार की विजेता नोहरा पाडिला, के विशेष लेख में सलाह दी गई है (हस्ताक्षरित बॉक्स)।

समापन, बदलाव और सृजन से जुड़े कुछ मुद्दों को विस्तार से नीचे बताया गया है। इसमें बहुत से क्षेत्र शामिल हैं (और बहुत सारे उदाहरण संभव हैं), लेकिन हमने उन्हीं को रेखांकित किया है जो मिलियनों गरीबों के जीवन को प्रभावित करते हैं और जो मानव विकास की गति को बढ़ाने में निर्णायक होंगे।

समापन- हानियों का प्रबंधन

कुछ व्यवसायों के संरक्षित किए जाने और संवहनीय कार्य की ओर जाकर महत्व अर्जित करने की आशा की जा सकती है। उदाहरण के लिए देश शहरीकरण और यात्रियों के आवागमन के प्रबंधन के लिए सामूहिक परिवहन में निवेश कर रहे हैं और रेलवे तकनीशियनों की मांग बने रहने की आशा है। लेकिन अन्य इतने सौभाग्यशाली नहीं रहेंगे।

जिन कर्मचारियों को निकाला जाएगा उनके उन क्षेत्रों में सर्वाधिक होने की संभावना है जो भारी मात्रा में प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करते हैं या ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन या अन्य तरह से प्रदूषण फैलाते हैं। दुनिया भर में करीब 50 मिलियन लोग ऐसे क्षेत्रों में नौकरी कर रहे हैं (उदाहरण के लिए 7 मिलियन कोयले की खदानों में)। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन के अनुसार ''सात सबसे अधिक प्रदूषक उद्योग 80 प्रतिशत उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं जबकि इनमें श्रमशक्ति का मात्र 10 प्रतिशत ही है।''[17] चीन में प्रदूषण कम करने और ऊर्जा क्षमता पर राष्ट्रीय नीति के चलते 2005-2020 के बीच पुराने ढंग के ऊर्जा और स्टील सयंत्रों से करीब 8,00,000 लोगों की नौकरी जाएगी।[18] वस्तुत: इस तरह के उपाय कोयला उद्योग के सितारे के डूबने के लिए थोड़े तो जिम्मेदार हैं ही- अमेरिका की सबसे बड़ी चार कोयला कंपनियों की बाजार पूंजी 2010 के 22 बिलियन डॉलर से गिरकर मई 2015 में 1.2 बिलियन डॉलर रह गई।[19]

ऐसी चुनौतियां नई नहीं हैं। उदाहरण के लिए पोलैंड में 1990 में लाभहीन कोयला खदानें बंद कर दी गई थीं। उत्तरी अटलांटिक की कॉड (एक तरह की मछली) की संख्या में गिरावट के बाद कनाडा और नॉर्वे के कॉड के शिकार के उद्योग भी बंद हो गए। सारणी 5.2 में उद्योगवार बंद किये, कर्मचारियों की सहायता और इन उपायों पर खर्च के उदाहरण दिए गए हैं। अधिकतर मामलों में सरकारों ने बंद करने के बाद की परिस्थिति के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, चाहे वह प्रत्यक्ष रूप में हो या मौजूदा सुरक्षा तंत्र के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप में।

सबसे अच्छा अनुभव पोलैंड का दर्ज है, जहां आर्थिक स्थितियों की वजह से 16 साल में 37 कोयले की खदान बंद हो गईं और 2,69,000 कर्मचारियों की नौकरी चली गई। सहायता उपायों में एकमुश्त भुगतान भी था जो कई महीनों के वेतन के बराबर था- अगर कर्मचारी खुद जाए तो यह अधिक था; 24 महीने तक एक मासिक भुगतान था जब तक कि कर्मचारी नौकरी ढूंढता है; और अपने उद्यम की स्थापना के लिए आसान ऋण था जो करीब 9 बिलियन डॉलर तक का हो सकता था (इसमें 5 बिलियन डॉलर से अधिक वाली कंपनियों के लिए ऋण माफी शामिल नहीं थी) । करीब 60 प्रतिशत कर्मचारियों को तुरंत नौकरी मिल गई। पोलैंड के सहायता उपायों के चलते कर्मचारियों

संवहनीय कार्य की ओर बढ़ना, ऐसे-ही-कार्य-चलता-है, के रास्ते से अलग होना है

रीसाइकिल करने वालेः कूड़ा उठाने वालों से लेकर संवहनीय विकास के वैश्विक ऐजेंट

सहस्राब्दि के विकास लक्ष्यों और 2015 के बाद के संवहनीय विकास की कार्यसूची ने दुनिया के 2 मिलियन रीसाइकिल करने वालों का ध्यान खींचा है। इन मंचों के अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप को देखते हुए संभव है कि ये स्थानीय और राष्ट्रीय नीतियों को उनके लिए सम्मानजनक जीवन की स्थितियों और ढंग का कार्य लाने, इसके साथ ही जो कार्य वह करते हैं उसके लाभों की पहचान और पूंजीवाद, सामाजिक अन्याय और आर्थिक असमानता के वजह से पैदा हुई समस्याओं का समाधन करने के लिए प्रेरित करें।

हम जैसे बहुत से रीसाइकिल करने वाले दुनिया भर के विकासशील देशों की कचरा डालने की जगहों में पैदा हुए और पले-बढ़े हैं- कुछ मर भी गए हैं। निश्चित ही 30 साल पहले हम में से किसी ने भी कल्पना नहीं की होगी कि हमारा कार्य उपेक्षा और अस्वीकार किए जाने वाली चीज न रहकर पहचाने जाने योग्य माध्यम माना जाएगा। संघर्षों और कारखानों में बड़े पैमाने पर नौकरी जाने से बहुत से परिवार विस्थापित हो गए हैं- जिनमें उत्पादन प्रणाली और सामाजिक, मानव विकास के लाभों से बाहर छोड़ दिए गए अप्रवासी और निर्धन शामिल हैं, जिनके पास ढंग की जिंदगी और कार्य के बहुत सीमित विकल्प हैं- उन्हें यह सस्ता कार्य करने को मजबूर किया गया है, जो कूड़े के ढेरों के बीच रीसाइकिल योग्य वस्तुओं को ढूंढते रहते हैं।

'कूड़ा बीनने वाले' लाखों परिवारों के लिए कूड़ा स्वर्ग की तरह है जो उन्हें रोज उनका खाना, ओढ़ने के लिए कंबल और उन झोपड़ियों के रूप में छत प्रदान करता है जो वे शहर के कोनों में अपने लिए बनाते हैं। अब भी, जबकि वह टनों ऐसे पदार्थ बीनते हैं जिनकी रीसाइकिल कर उनसे बनाई वस्तुओं को दुनिया भर में हर सामाजिक स्तर के लोग प्रयोग करते हैं, बहुत से रीसाइकिल करने वालों को कूड़े में वह चीजें मिल जाती हैं जिनसे वह जिंदा रह सकते हैं।

उत्पादन गतिविधियों में रीसाइकिल की वृद्धि ने एक ऐसी जादुई दुनिया के दरवाजे खोल दिए हैं जहां रीसाइकिल करने वालों को अपने कार्य के महत्व और बाजार और समाज के साथ अपने संबंधों को बदलने की आवश्यकता का पता चला। रीसाइकिल करने वालों ने समाज से उनके कार्य को पहचान देने, मान्यता देने और समर्थन देने की मांग शुरू की। उनका पहला लाभ संगठनों में हुआः स्थानीय स्तर पर उनके कार्य को संरक्षण देने के लिए सहकारी समितियां और संघ बनाए गए और उसके बाद क्षेत्रीय, महाद्वीपीय और वैश्विक कार्रवाई के लिए तंत्र का निर्माण हुआ। इन संगठनों ने रीसाइकिल को सार्वजनिक सफाई सेवाओं के अंग के रूप में बढ़ावा दिए जाने को नीति निर्माण में शामिल करने को लेकर संघर्ष किया और इन नीतियों के अनुरूप सार्वजनिक बजट के पुनर्वितरण में विजय प्राप्त की। रीसाइकिल करने वालों, जो लगातार अधिक संगठित होते जा रहे हैं और जिन्होंने मानव आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के निर्धारण में भूमिका प्राप्त कर ली है, की मांग के परिणामस्वरूप बहुत से देशों में सरकारों ने रीसाइकिल को मजबूत करने के तरीके विकसित किए हैं।

रीसाइकिल के आंकड़े प्रभावशाली हैंः लाखों टन पुनर्चक्रित सामग्री और नए उत्पाद बाजार में हैं, व्यवसाय और सार्वजनिक खजाने में लाखों का लाभ और बचत हो रही है, लाखों लोगों को जीविका मिल रही है, प्राकृतिक संसाधनों की मांग घटी है और लाखों वर्गमीटर स्थान को कूड़े के निपटारे के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा रहा। हालांकि रीसाइकिल करने वाले बहुत से लोग अब भी इसमें लगे हुए हैं और जो इससे जो पैसा मिल रहा है उसमें से बहुत कम इन लोगों की जेबों में आता है, जो रीसाइकिल की श्रृंखला के सबसे निचले पायदान पर हैं।

सहकारी संस्थाओं और संघों ने व्यक्तिगत सौदेबाजी को सफलतापूर्वक सामूहिक मोल-तोल की ओर ले गए हैं जिसने पूरे व्यवसाय के लाभ के लिए सौदेबाजी को आगे बढ़ाया है, बेहतर बाजार मूल्य प्राप्त किए हैं और कूड़े की रीसाइकिल और सेवाओं से अतिरिक्त आय प्राप्त की है। हालांकि अभी बहुत कुछ किया जाना है ताकि दुनिया में रीसाइकिल करने वाले अधिक लोग जीविका कमाने से अधिक कुछ प्राप्त कर सकें, अपने बच्चों को पढ़ाई का अवसर और नई संभावनाएं प्रदान कर सकें। रीसाइकिल करने वालों की इस नई पीढ़ी के बच्चों को, अपने माता-पिता के कार्य की वजह से, अपने पारिवारिक व्यापार या एकदम नए पेशे के बीच चुनाव की स्वतंत्रता होगी।

दूरदृष्टि वाले नेता रीसाइकिल करने वालों के श्रम संघों को मान्यता देने और लाभ प्रदान करने वाली नीतियों और प्रक्रियाओं को प्रोत्साहन देने को लेकर निर्णायक रहे हैं और इसने प्रक्रिया को मजबूत करने वाली मूल्य श्रृंखला की ओर ध्यान खींचा है। रीसाइकिल के संबंधित सांगठनिक, वाणिज्यिक और व्यवसायिक प्रक्रियाएं आसान नहीं हैं; उनके लिए पारदर्शी और सहयोगपूर्ण संबंधों के साथ ही सरकार के सहायता कार्यक्रमों, नीतिगत उपाय और बाजार की आवश्यकता होती है। कुल मिलाकर इसके लिए एक संपूर्ण प्रणाली की आवश्यकता होती है जो ऐसे बहुत से आधारों का ध्यान रखता है जिन्हें तैयार करना तो मुश्किल है लेकिन जो पूरे समाज के लाभ के लिए रीसाइकिल करने वालों की भूमिका को बढ़ाने और मजबूत करने के लिए अनिवार्य हैं। दुनिया एक नए चरण में प्रवेश कर रही है और सभी समाजों को, अपने प्रतिनिधि संस्थानों, जैसे कि सरकारों और जमीन पर कार्य करने वाले संगठनों के माध्यम से यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए कि सामाजिक प्रगति की राह पर बढ़ना सुनिश्चित हो। इसे विशेषकर उन लाखों लोगों के लिए प्राप्त किया जाना चाहिए जिन्हें आधारभूत मानवाधिकार और न्यूनतम जीवनस्तर भी प्राप्त नहीं है। वे लोग जिन्हें पानी और मूल स्वच्छता सेवाएं भी प्राप्त नहीं हैं- जिन्हें एक सार्वजनिक वस्तु की तरह प्रदान किया जाना चाहिए न कि लाभ के लिए दी जाने वाली निजी सेवाओं की तरह- उन्हें साफ पर्यावरण और सम्मान के साथ ढंग का कार्य करने का अवसर भी मिलना चाहिए। लेकिन सबसे बड़ी बात हमें निर्धनता, असमानता और अन्याय से ऊपर उठने के लिए मिलकर कार्य करना होगा ताकि विश्व में सामाजिक विकास के माध्यम लाखों परिवारों की आशाओं का भी ध्यान करें।

नोहरा पाडिला

निदेशक, नेशनल एसोसिएशन ऑफ रीसाइकिलर्स (कोलंबिया) और एसोसिएशन ऑफरीसाइकिलर्स ऑफ बोगोटा, तथा 2013 के गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार की विजेता

सारणी 5.2

उद्योग के व्यापक रूप से बंद होने का सामना करना

बंद होना	प्रभावित कंपनियां	प्रभावित कर्मचारियों	विस्थापित कर्मचारी के लिए उपाय	पुनर्रोजगार उपाय	सभी उपायों की कुल लागत (2015 अमरीकी डॉलर)
पोलैंड में लाभहीन कोयला खदाने (1990–2006)	37 खदानें	269,000	अन्य क्षेत्रों में व्यवसाय के लिए सुलभ ऋण नौकरी की तलाश के के 24 महीनों के दौरान सामाजिक लाभ भुगतान औसत वेतन के गुणक के आधार पर एकमुश्त भुगतान	54–65 प्रतिशत को खनन क्षेत्र से बाहर नौकरियां मिल गई जिन 33 प्रतिशत का साक्षात्कार किया गया उन्होंने पेशा बदल लिया	10.9 बिलियन डॉलर ऋण माफी कुल 6.7 बिलियन डॉलर
कनाडा में कॉड मत्स्य पालन केंद्र (1992–2001)	800 मत्स्य संसाधन संयत्र	30,000	तटवर्ती समुदायों के लिए बिलियनों डॉलर के राहत पैकेज सरकार द्वारा वित्तीय सहायता, सेवानिवृत्ति और पुनर्प्रशिक्षण कार्यक्रम बेरोजगारों के लिए सहायता पैकेज जिसमें 225 डॉलर–406 डॉलर का साप्ताहिक भुगतान किया जाना है करीब 28,000 को आय सहायता के लाभ मिले	अधिकतर को शेलफिश उद्योग में नौकरी मिल गई	3.7 बिलियन डॉलर
कनाडा में वानिकि उद्योग का पुनर्गठन (2004–2014)	20 मिलें	118,000	वेतन रोकना अवस्थांतर योजनाएं, जिनमें प्रांत भर में बुजुर्ग मिल कर्मचारियों को जल्दी सेवानिवृत्त होने के लिए प्रेरित करने के लिए लागू होने वाली पेंशन भी थी बंदी के प्रति आकर्षित करने के लिए मिलों को आर्थिक सहायता अंशकालिक कार्य के लिए कर्मचारी बीमा	उत्पादन को कम करना और कर्मचारियों को नौकरी से हटाना, बाद में फिर कार्य पर लेना। कर्मचारियों को शिक्षा का स्तर बढ़ाने या अन्य क्षेत्र के लिए प्रशिक्षण के लिए सक्षम बनाना	विभिन्न तरह के संसाधनों से जुड़ी 'संभावित' परियोजनाएं 140 बिलियन डॉलर
चीन में वानिकि उद्योग का पुनर्गठन (2015–17)	400 कंपनियां	100,000	कुछ सरकारी वानिकि कंपनियां संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करेंगीय अन्य निजी व्यवसाय की तरह कार्य करेंगी; लक्ष्य कर्मचारियों को खपाना या प्रशिक्षण देना है	निकाले गए कर्मचारियों को फिर से वानिकि प्रबंधन और सुरक्षा में नियुक्त करना है	12 बिलियन डॉलर बजट का प्राकृतिक वन सुरश्रा कार्यक्रम भू-संरक्षण के लिए 127 मिलियन का मुआवजा
ब्रिटेन में कोयला खदानें (1984–2016)	167 खदानें	222,000	तीन साल तक मासिक बेरोजगारी लाभ कर्मचारी लाभ न्यास पेंशन सुरक्षा निधि कर्मचारियों के उपार्जित लाभों की सुरक्षा, जिसमें निजीकरण से पहले अर्जित पेंशन शामिल है सरकार द्वारा स्थापित नौकरी पैदा करने वाली संस्था	अन्य उद्योग में 1,32,400 नौकरियों में वृद्धि द्वारा समायोजन और उसी क्षेत्र में सेवाएं बेरोजगारी में वृद्धि और विवश होकर लाभ चाहने वाले और जल्दी सेवानिवृत्त होने वाले	सरकार और यूरोपीय यूनियन के स्रोतों से कम से कम 768 मिलियन डॉलर

स्त्रोत : सुआला (2010); श्रैंक (2003); लियु, यैंग और ली (2013); बेटी और अन्य (2007); और बेनेट और अन्य (2000) की गणना पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की रिपोर्ट।

के बड़े हिस्से का पुनर्वास हो गया; हालांकि प्रति कर्मचारी 35,000 डॉलर की लागत से इसे सस्ता नहीं कहा जा सकता।

ऐसी बर्खास्तगियों में विशेषकर खतरा प्राय: पुराने और अधिक अनुभवी कर्मचारियों को, जो भौगालिक और पेशेवर रूप से कम गतिशील होते हैं और ऐसे क्षेत्रों में जहां अप्रत्याशित बंदी आती है, होता है। जैसे-जैसे देश संवहनीय कार्य की ओर बढ़ रहे हैं, अव्यवहार्य क्षेत्रों को बंद करने की गतिविधियों को सही ढंग से करने के लिए विशेष प्रयास करने की आवश्यकता है और इसके साथ ही विविधतापूर्ण सहायता जिसमें प्रशिक्षण, नौकरी लगाना, व्यवसाय विकास, आर्थिक और स्वास्थ्य सहायता दिया जाना शामिल है।

रूपांतरण- कार्य की प्रकृति को बदलना

बहुत से व्यवसायों में उत्पाद कैसे तैयार होता है इसे बदलने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, दुनिया भर में बहुत से कर्मचारी रीसाइकिल से संबंधित कार्य में लगे हुए हैं, हालांकि कर्मचारियों के मानव विकास का संबंधा हमेशा सीधा-सपाट नहीं होता। पानी के जहाज के टुकडे करना इस सबंध में एक प्रमुख उदाहरण है- मानदंड लागू करके संवहनीय कार्य को बढ़ावा दिया जा सकता है (बॉक्स 5.2)।

कृषि क्षेत्र में कार्य- जिसमें खेती, मत्यस्य पालन और वानिकि शामिल है- में दुनिया भर में एक बिलियन लोग लगे हुए हैं, जिनमें से बहुत से 1.25 डॉलर प्रतिदिन से भी कम पर जीवन बिता रहे हैं। इस क्षेत्र को बड़े पैमाने पर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की चिंता नहीं है और न ही नाइट्रोजन और फास्फोरस के चक्र के ग्रह की सीमा की हद तक जाने की। यह पानी और मृदा के संवहनीय प्रयोग के तरीकों से जुड़ा हुआ है। यह जंगलों के कटने और जैविविधता से संबंधित है। और विशेषकर जलवायु परिवर्तन में दखल अतिसंवेदनशील है। संवहनीय कार्य में इसका बदलाव हालांकि बेहद महत्वपूर्ण है लेकिन संवहनीय विकास के लक्ष्यों द्वारा उन्हें कम आंका गया है जिनका लक्ष्य 2030 तक संवहनीय रूप से भूख और निर्धनता को हटाना है।

बढ़ती आबादी और उपभोग के बदलते तरीकों, जैसे कि प्रति व्यक्ति बढ़ते उपभोग और पशु आधारित प्रोटीन को देखते हुए कृषि उत्पादन का बढ़ना अब भी महत्वपूर्ण है। कृषि उत्पादों के लिए विश्व की मांग के 2050 तक 1.1 प्रतिशत बढ़ने की संभावना है। बहुत से कर्मचारी अब भी कृषि क्षेत्र में ही लगे हुए हैं, विशेषकर एशिया और अफ्रीका में (रेखांकन 5.2) । हालांकि उत्पादन बढ़ाने के तीन पारंपरिक तरीकों- पैदावार, गहन फसल और खेती का स्थान- सबकी सीमाएं हैं। पैदावार बढ़ाना संभव है अगर पानी और खाद अधिक दक्षता से डाले जाएं। फसल की गहनता और खेती की जगह की सीमाएं वन क्षेत्र की सुरक्षा और मृदा की गुणवत्ता (पहले ही गिर चुकी) के प्रबंधन की वजह से सीमित हो गई हैं। और अगर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव जल्द ही सामने आने लगेंगे तो यह स्थितियां और बुरी होंगी।

किसान जिस तरीके से फसलों को उगाते और उसको तैयार करते हैं उस तरीके को बदलना महत्वपूर्ण है। तकनीक और खेती के ऐसे तरीके मौजूद हैं जिनसे अंतर आ सकता है लेकिन उन्हें तेजी से अपनाने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, कुल खाद्य उत्पाद का करीब एक तिहाई खो जाता है या बर्बाद हो जाता है, बर्बाद होने वाले खाद्य पदार्थों में सबसे बड़ा हिस्सा अनाज का है। ऐसी तकनीक मौजूद है जिससे इसे रोका जा सकता है, जिनमें सामुदायिक मडसिलो (जैसे घाना में हैं) और पारिवारिक संग्रहण इकाई और वायु: ढंग से बंद होने वाले थैले शामिल हैं। व्यक्तिगत रूप से किसानों के लिए प्रदर्शनीय, त्वरित लाभ भी हैं। लेकिन विकासशील देशों में इन्हें अपनाने की दर कम है और इनके विस्तार और औद्योगिक या दस्तकारी

मानदंड लागू करके संवहनीय कार्य को बढ़ावा दिया जा सकता है

बॉक्स 5.2

जहाज तोड़ने के कार्य का रूपांतरण: मानदंड लागू करके संवहनीय कार्य को बढ़ावा देना

जहाज तोड़ने का कार्य बिलियनों डॉलर का उद्योग है जहां व्यावसायिक जहाजों का उनकी परिचालन अवधि के पूरा होने के बाद रिसाइकिल किया जाता है। यूं ही छोड़ देने ताकि वह समय के साथ नष्ट हो जाए और बड़ी मात्रा में हानिकारक प्रदूषक वातावरण में छोड़े, इसके बजाय ईंधन, तेलों, इंजन के हिस्सों और स्थायी सामग्री के साथ स्टील के ढांचे का सक्रिय व्यवसाय है। जहाज के टुकड़े करने वाले पांच शीर्ष के देश हैं बांग्लादेश, चीन, भारत, पाकिस्तान और तुर्की। यह उद्योग कई बहुत विशाल समस्याओं के लिए रीसा. इकिल का समाधन प्रदान करता है और कम-कुशल श्रमिकों के लिए हजारों नौकरियां पैदा करता है (प्रत्यक्ष और सहायक उद्यमों में) और बड़ी मात्रा में स्टील का उत्पादन करता है जो विशेषकर स्टील का उत्पादन न करने वाले देशों के कार्य का हो सकता है।

इस सबके संवहनीयता और, एक स्तर पर, मानव विकास दोनों के लिए लाभदायक परिणाम लाने की दिशा में ले जाने की आशा की जा सकती है। हालांकि बाद वाला अधिक कमजोर है: बहुत से देशों में, उद्योगों के लिए पर्यावरण और श्रम संरक्षण के उपाय कमजोर हैं या लागू ही नहीं किए जाते। कर्मचारी स्वाभाविक रूप से खतरनाक स्थितियो में मशक्कत करते हैं और जहरीले रसायनों के संपर्क में आते है जिनमें एस्बेस्टस, पॉलीक्लोरिनेटेड बाइफिनाइल्स और कई अन्य भारी धातुएं हैं। इनमें बच्चों के कार्य करने की खबरें भी आती रहती हैं और इस प्रक्रिया के दौरान प्रदूषक स्थानीय पर्यावरण को दूषित करते हैं, जो कई बार खतरनाक स्तर तक बढ़ जाते हैं।

नियम और उचित नीतिगत उपायों से अंतर आ सकता है। वस्तुत: जहाज के टुकड़े करने पर संयुक्त राष्ट्र का एक सम्मेलन जारी है और इसके पर्यावरणीय और श्रम मानदंडों को बनाए रखने की आशा है।[1] हालांकि कार्यान्वयन असमान है, बहुत से अध्ययनों से पता चलता है कि हितों का उचित संतुलन से मानव विकास की वृद्धि को मजबूत करना- संभव है। ऐसा संतुलन और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उद्योग का फैलाव और हो रहा है क्योंकि अगले दशक में और भी बहुत से जहाजों के प्रयोग की उम्र समाप्त हो जाएगी।

नोट:
1. आईएमओ 2009
स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

रेखांकन 5.2

कृषि क्षेत्र में दुनिया के रोजगार का सबसे बड़ा हिस्सा पूर्वी एशिया और दक्षिणी एशिया में है

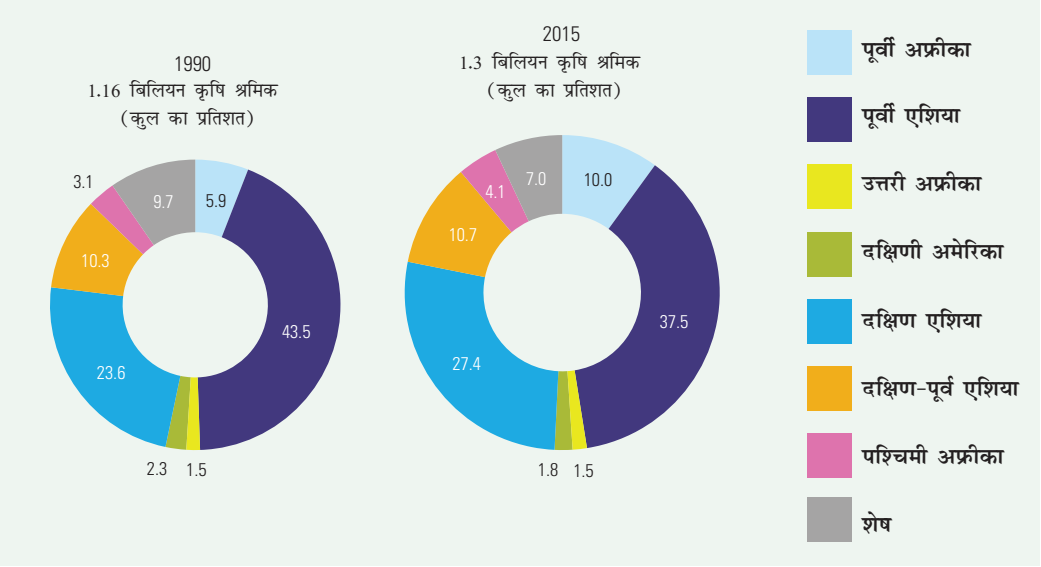

नोट : कृषि में आर्थिक रूप से सक्रिय आबादी में कृषि, शिकार, मत्स्य पालन या वानिकी में कार्य ढूंढ रहे लोग शामिल हैं। इसमें वह सभी शामिल हैं जिनकी जीविका कृषि पर निर्भर है (जैसे कि अवैतनिक पारिवारिक सदस्य)।
स्त्रोत : एफएओ 2015।

उत्पादन के लिए नए उत्पाद तैयार करने के लिए प्रमुखता से प्रयास करने की आवश्यकता है।

फसल की बेहतर किस्में, जो जलवायु परिवर्तन के असर के प्रति प्रतिरोधक हों, सहायतागार हो सकती हैं- ठीक इसी तरह खेतों को बेहतर ढंग से तैयार करना, कृषि वानिकी और जल संचयन (मृदा के पोषक तत्वों के संरक्षण और कई फसलों को बढ़ावा देने के लिए)। लेकिन इन्हें अपनाने की गति वित्तीय बाधाओं, सांस्कृतिक और पारंपरिक मानदंडों, सीमित जानकारी और प्रशिक्षण के चलते धीमी है। इन बाधाओं को विशेष संदर्भों में कम किया जा सकता है जो सूक्ष्म वित्त (माइक्रोफाइनेंस), साथी किसानों द्वारा प्रदर्शन[26] और सेलफोन आधारित सूचना सेवा के माध्यम से हो सकता है।[27]

कृषि विस्तार सेवाएं अब सरकारी संगठनों और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के साथ ही पारंपरिक सरकारी नियोक्तों द्वारा प्रदान की जा रही हैं। विस्तार कर्मचारी (एक्सटेंशन वर्कर्स) की संख्या विभिन्न देशों में अलग अलग होती हैं, चीन में ये 60,000 से अधिक हैं। इनकी कार्यक्षेत्र व्याप्ति भी असमान होती है- ब्राजील और इथियोपिया में हर 1,000 परिवार पर चार विस्तार कर्मचारी हैं लेकिन भारत में 1,000 परिवारों पर एक से भी कम है। महिला किसानों के बीच उनकी पहुंच विशेषकर खराब है- ये चिंता का विषय है क्योंकि विकासशील देशों में कृषि में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है लेकिन बाजार की सूचनाओं, निवेश और वित्त तक उनकी पहुंच बहुत सीमित है। किसानों के खेती करने और फसलों के संसाधन के तरीके को बदलने के लिए विस्तार सेवाओं की कार्यक्षेत्र व्याप्ति और गुणवत्ता को बढ़ाना होगा।

खादों के प्रयोग में भारी अंतर है और विभिन्न क्षेत्रों में पुनर्वितरण के अवसर मौजूद हैं (नक्शा 5.1)- जो देशों के बीच सहयोग का एक मौका है। खादों के अत्यधिक प्रयोग को रोकने के लिए- आर्थिक सहायता सीमित करना, संवहनीय वर्गीकरण शुरू करना और किसानों को अप्रत्याशित हानि से सुरक्षित करना- वैश्विक नीतियों को क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और तो और देश के किसी हिस्से में चल रही परंपरा को शामिल करने की आवश्यकता है।

वैश्विक सम्मेलनों, जहां वे होते हैं, के परिणामों को स्थानीय कर्ताओं द्वारा प्रभावी कार्रवाई में बदलने की आवश्यकता है। वस्तुतः जहाज के टुकड़े करना (बॉक्स 5.2) वैश्विक रीसाइकिल श्रृंखला का मात्र एक उदाहरण है- जिसमें अब कारों के अलावा, सौर फोटोवॉल्टिक पैनल, स्मार्टफोन, टैबलेट्स और अन्य टिकाऊ उपभोक्ता सामग्री भी शामिल है- जिसके बहुत से मुद्दे वही हैं। जैसे-जैसे हम एक तरह के मानको के साथ संवहनीयता की ओर बढ़ते हैं, नए और जहरीले प्रदूषकों द्वारा जमीन, पानी और हवा के खराब ढंग से निपटान और दूषण की बढ़ती समस्या पर भी ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

किसान जिस तरीके से फसलों को उगाते और उसको तैयार करते हैं उस तरीके को बदलना महत्वपूर्ण है

नक्शा 5.1

उर्वरक के प्रयोग में भारी अंतर है

फ़ासफ़ोरस

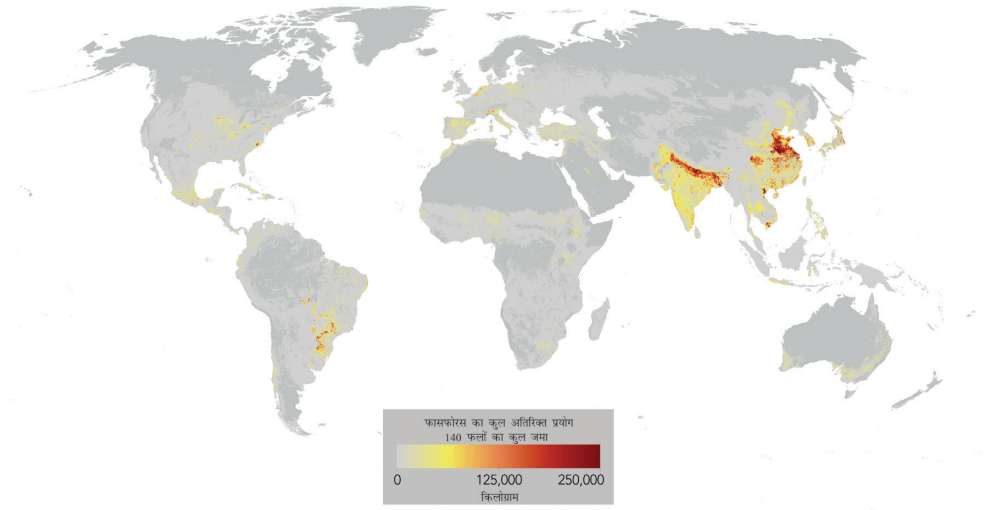

नाइट्रोजन

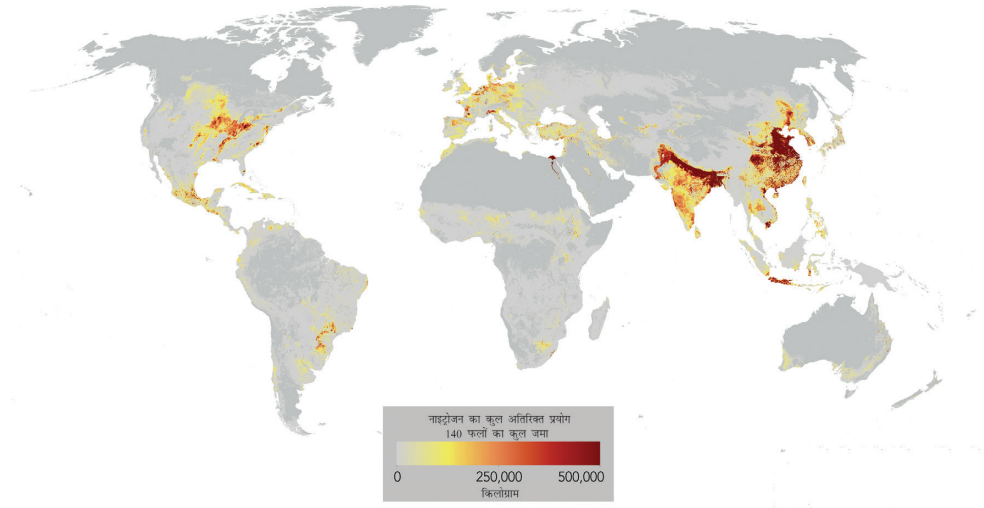

नोट : 140 फसलों के कुल जोड़ पर आधारित।
स्रोत : Earthstat.org वेस्ट पर आधारित और अन्य (2014)।

वैश्विक सम्मेलनों के परिणामों को स्थानीय कर्ताओं द्वारा प्रभावी कार्रवाई में बदलने की आवश्यकता है

सृजन - कार्य के नए क्षेत्रों की ओर बढ़ना

सौर फोटोवॉल्टिक तकनीकें, जो सूर्य की रोशनी को बिजली में बदलती हैं, बहुत से देशों की अक्षय ऊर्जा रणनीतियों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनका मानव विकास पर पर संभावित असर इस बात पर बहुत अधिक निर्भर करता है कि क्या वह ग्रिड-आधारित बिजली (जो पारंपरिक ढंग से पैदा की जाती है) की जगह ले पाती हैं या नहीं, जैसा कि बहुत से विकसित देशों में है, या बहुत से विकासशील देशों की तरह ग्रिड से हटकर ऊर्जा तक पहुंच बढ़ा पाती है या नहीं। सौर फोटोवॉल्टिक तकनीकें संवहनीय विकास लक्ष्यों 7 को प्राप्त करने का महत्वपूर्ण साधन बन सकती हैं- 2030 तक सभी के लिए वहन करने योग्य, विश्वसनीय और आधुनिक ऊर्जा सेवाओं को सुनिश्चित करना। कुछ देश अक्षय ऊर्जा स्रोतों को अपनी ऊर्जा आवश्यकता के कम से कम एक हिस्से को पूरा करने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं (बॉक्स 5.3)।

फोटोवॉल्टिक तकनीकों से ऊर्जा प्रदान करके विकासशील देश मानव विकास को बेहतर बना सकते हैं। अफ्रीका और एशिया के बहुत से हिस्सों में सौर ऊर्जा घरेलू प्रणाली ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली उपलब्ध करवाती है (बॉक्स 5.3) फोटोवॉल्टिक तकनीकें

स्व-रोजगार करने वाले क्षेत्रीय सहायकों को लिए कार्य भी पैदा करती हैं जो मूलभूत तकनीकी और पेशेवर कौशल के साथ इन प्रणालियों को बेच और स्थापित कर सकते हैं और नियमित देखरेख कर सकते हैं। भारत में एक औद्योगिक सर्वेक्षण के परिणाम बताते हैं कि ग्रिड से हटकर सौर फोटोवॉल्टिक प्रणालियां प्रत्यक्ष (सौर पैनलों के निर्माण से सीधे जुड़े हुए) और अप्रत्यक्ष रूप से (डीलरों, निर्माताओ, सौर लालटेनों-घरेलू रोशनी किट जैसे उत्पादों के निर्माताओं आदि के पास नौकरी) 90 नौकरियां प्रति मेगावाट उपलब्ध करवाती हैं।

दक्षिण एशिया में बहुत से देशों ने यह साबित किया है कि ऐसा कार्य महिलाओं के लिए एक व्यवहारिक विकल्प है, जो उन्हें उनके कार्य और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन बनाने में सहायता करता है। अक्षय ऊर्जा छोटे उद्यमों को भी प्रोत्साहित करती है जैसे कि लालटेनों को किराए पर देना, फोन और बैटरी चार्जिंग आदि। कैरोसीन से चलने वाली लाइटों को बदलने से कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन भी घटता है। ऐसी भी खबरें हैं कि बच्चे अब पढ़ाई में अधिक समय बिताते हैं। ऐसे सकारात्मक प्रभावों को कौशल विकास और प्रशिक्षण (जिसमें मूल्य श्रृंखला के शीर्ष पर मौजूद लोग भी शामिल हों), खरीदारी के लिए ऋण और देसी अनुकूलन और नई खोजों के लिए बेहतर तकनीकी क्षमताएं, जैसे कि बांग्लादेश में है, के माध्यम से बड़े पैमाने पर विस्तार दिया जा सकता है। बहुत से विकासशील देश इस तकनीक को स्थापित कर रहे हैं- और इस तरह विशेषज्ञता प्राप्त कर रहे हैं (देखें सारणी 5.3)। अब भी बड़े पैमाने पर लोगों के बिजली से वंचित होने के देखते हुए फोटोवॉल्टिक तकनीकें एक ऐसे स्तर पर कूदकर पहुंचने का अवसर प्रदान करती हैं जहां मानव विकास और संवहनीयता एक साथ बढती है- यह एक उद्देश्य है जिसे संयुक्त राष्ट्र वैश्विक तकनीक स्थानांतरण व्यवस्था द्वारा पोषित किया जा सकता है।

सारणी 5.3

स्थापित घरेलू सौर प्रणाली की संख्या और बिजली से वंचित लोगों की संख्या (चुने हुए देशों में)

क्षेत्र और देश	स्थापित घरेलू सौर प्रणाली (हजारों में)	लोग जिनके पास बिजली नहीं है (%)
अफ्रीका		
केन्या	320	77.0
दक्षिण अफ्रीका	150	14.6
जिंबाब्वे	113	59.5
एशिया		
बांग्लादेश	3,800	40.4
भारत	892	21.3
इंडोनेशिया	264	4.0
नेपाल	229	23.7
श्रीलंका	132	11.3

स्त्रोत : आरीना 2013; विश्व बैंक 2015f; यूएनडीईएसए 2012।

सतत विकास लक्ष्य का पुनर्निर्धारण - वे कार्य के लिए क्या करते हैं?

बहुत सारे सतत विकास लक्ष्यों और प्रयोजनों का (सिंहावलोकन में सारणी 3 देखें) संवहनीय कार्य पर प्रभाव होता है। सबसे सीधा लक्ष्य 8 (सभी के लिए स्थाई, समावेशी और संवहनीय आर्थिक वृद्धि, पूर्ण व उत्पादक रोजगार तथा गरिमापूर्ण कार्य) और इससे जुड़े लक्ष्य हैं। उदाहरण के लिए, लक्ष्य 8.7 में आशा है कि जबरन श्रम उन्मूलन, आधुनिक गुलामी और मानव तस्करी के खात्मे तथा सुरक्षित निषेध और बाल

अक्षय ऊर्जा छोटे उद्यमों को भी प्रोत्साहित करती है

बॉक्स 5.3

अक्षय ऊर्जा स्रोतों के अमल पर तजाकिस्तान के राष्ट्रीय कार्यक्रम को लागू करना

तजाकिस्तान में पर्यावरण पर ऊर्जा के उपभोग का कुप्रभाव पिछले 20 साल में घट गया है। ऊर्जा उत्पादन में जैविक ईंधनों को सप्रयास कम किए जाने से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन 10 गुना तक कम हुआ है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीकें (सौर, पवन, भूतापीय और कुछ तरह के जैव ईंधन) हालांकि अभी उन तकनीकी और आर्थिक मानकों को प्राप्त नहीं कर पाए हैं कि उनका बड़े पैमाने पर प्रयोग संभव हो पाए (विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों, छोटी सामाजिक जगहों में, ताकि दैनिक जीव में ग्रीनहाउस फसलों का उत्पादन हो पाए), लेकिन इनमें प्रगति हुई है। इन सभी का नौकरियों के उत्पादन पर असर पड़ा है।

साल 2008 में एक सरकारी प्रस्ताव के बाद तजाकिस्तान विज्ञान अकादमी अक्षय ऊर्जा स्रोतों के प्रयोग पर शोध के लिए एक केंद्र स्थापित कर पाई। अक्षय ऊर्जा स्रोतों के बड़े पैमाने पर प्रयोग के लिए विस्तृत नियोजित कार्यक्रम को लागू करने के लिए सभी प्रकार के अक्षय ऊर्जा स्रोतों (छोटी नदियों, सूर्य, पवन, जैव ईंधन और इसी तरह के अन्य) का अध्ययन किया गया। इससे देश के अक्षय ऊर्जा स्रोतों की तकनीकी और आर्थिक संभावना का पता चला, जिनमें नौकरी पैदा करना भी शामिल था। अक्षय ऊर्जा स्रोतों की शुरुआत से संबंधित बहुत सी परियोजनाएं पूरी हो गई हैं और कुछ अब भी चल रही हैं जिनका लोगों के जीवन और कार्य पर प्रभाव पड़ा है।

स्त्रोत : यूएनडीपी 2012d।

श्रम के सबसे खराब तरीकों की समाप्ति, जिसमें बाल सैनिकों की नियुक्ति और प्रयोग शामिल हो और 2025 तक हर प्रकार के बाल श्रम को समाप्त करने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है।

लक्ष्य 8.9 – संवहनीय पर्यटन, जो 2030 तक रोजगार सृजित करे और स्थानीय संस्कृति व उत्पादों को बढ़ावा दे, के प्रोत्साहन के लिए नीतियां बनाने और लागू करने की बात करता है– विशिष्ट किस्म के (संवहनीय) कार्य की वकालत करता है। लक्ष्य 8.8– श्रमिकों को पिछड़ने से बचाने के लिए, मानव विकास परिणामों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रवासी श्रमिकों विशेषकर महिला प्रवासी, और अनिश्चित रोजगार में लगे लोगों समेत सभी श्रमिकों के लिए श्रम अधिकारों की रक्षा करने और विश्वसनीय व सुरक्षित कार्य का माहौल बनाने की बात करता है।

बहुत सारे सतत विकास लक्ष्यों और प्रयोजनों का अभिप्राय कार्य कम करने का होता है जिसका मानव विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है

लक्ष्य 3.a – तंबाकू नियंत्रण पर विश्व स्वास्थ्य संगठन सरंचना सम्मेलन के प्रस्तावों को सभी देशों में सही ढंग से लागू करने में मजबूती लाने की बात करता है– श्रमिकों के स्वास्थ्य में सुधार करते हुए तंबाबू उत्पादन और वितरण से जुड़े कार्य को कम करना चाहता है। लक्ष्य 9.4 – 2030 तक आधारभूत ढांचे और पुनर्संयोजन उद्योग में सुधार कर उन्हें संवहनीय बनाना, बढ़े हुए संसाधनों के साथ– कौशल और स्वच्छ और पर्यावरणीय रूप से ठोस तकनीकों और औद्योगिक प्रक्रियाओं को अधिक ग्रहण करना, जिसमें सभी देश अपनी–अपनी क्षमताओं के अनुरूप शामिल हों– जिनका परिणाम कार्य के नए क्षेत्रों की संभावना और कौशल सुधार के विशिष्ट दिशा में बढ़ने के रूप में निकले।

इसका एक अलग पहलू स्वैच्छिक कार्य है। दूसरा है भरपूर आंकड़े। यहां तक कि जिस तरह नई डिजिटल प्रौद्योगिकियां और संचार मंचों की व्यापक उपलब्धता कार्य की नई दुनिया निर्मित कर रहे हैं, वे विश्लेषण, नीति निर्माण और प्रभाव में सुधार के बदले कार्य के विभिन्न आयामों के आकलन और उस तक पहुंच के लिए आंकड़ों का एक वृहत भंडार भी बनाते हैं।

इन प्रयासों का समर्थन करना एक व्यापक सहमिलन है। जैसा अध्याय 1 में उल्लेख किया गया है, संयुक्त राष्ट्र ने 2015 के बाद की विकास कार्यसूची और संवहनीय विकास लक्ष्यों के एक आवश्यक हिस्से के रूप में आंकड़ों की क्रांति का आह्वान किया था, जिसमें बड़े पैमाने पर आंकड़ों के महत्वपूर्ण होने की आशा थी (बॉक्स 5.4)।

बड़े पैमाने पर आंकड़े वस्तुत: आंकड़ा संग्रह के पारंपरिक तरीकों का पूरक है और उन्हें विस्तार दे सकते हैं। यह समयानुकूल और नियमित हो सकते हैं और यह व्यक्तिगत से वैश्विक स्तर पर संग्रहण के अनेक स्तरों पर क्षमता आकलन करने का प्रयास करते है। फिर भी ऑनलाइन व्यवहार और व्यापक सामाजिक–आर्थिक संकेतकों के बीच संबंधों का मजबूती से अनुमान लगाने की संभावना और पहुंच सीमित है।

इन चिंताओं में से कुछ पर आगे अध्ययन के माध्यम से ध्यान दिया जा सकता है जिससे परिणामों की विस्तृत बाहरी पुष्टि की जा सकती है। लेकिन नीतिगत कार्रवाई के लिए संदर्भ के बिंदु उपलब्ध कराने के लिए संग्रहित आंकड़ों का आधारभूत नक्शा और अन्य प्रस्तुतिकरण नियमित तौर पर तैयार किए जाने चाहिए। आंकड़ों को व्यवस्थित तरीके से उपयोग में लाने के लिए प्रक्रियाएं भी मौजूद होनी चाहिएं।

सतत विकास लक्ष्यों के माध्यम से कार्य का समापन, रूपांतरण और सृजित करना

सतत विकास लक्ष्यों की एक बड़ी संख्या की कोशिश मानव विकास के लिए नकारात्मक प्रभावों वाले कार्य में कमी लाना है। लक्ष्य 8.7 प्राप्त करने से 168 मिलियन बाल श्रमिकों, आधुनिक गुलामी[34] में लगे करीब 36 मिलियन लोगों और 21 मिलियन जबरन श्रम में लगे लोगों के जीवन में सुधार लाया जा सकता है।[35] लक्ष्य 5.2 यौन शोषण की शिकार 44 लाख महिलाओं और लड़कियों[36] की सहायता करेगा जबकि लक्ष्य 3.a तंबाकू में लगे अनुमानमित 100 मिलियन श्रमिकों को प्रभावित करेगा– जो मुख्यत: ब्राजील, चीन, भारत, इंडोनेशिया, अमेरिका और जिंबाब्वे में हैं।[37] इन मामलों में कार्य के इन क्षेत्रों में पहले कार्य कर रहे लोगों की सहायता के लिए सक्रिय नीतियों और कार्यक्रमों की आवश्यकता होगी।

अन्य लक्ष्यों और प्रयोजनों में कार्य के मौजूदा तरीकों में बदलाव और नई पद्धतियों को लाना शामिल है। लक्ष्य 2– भूख की समाप्ति, खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना और बेहतर पोषण व संवहनीय कृषि प्रोत्साहन– में बहुत बड़ी संख्या में कृषि में लगे लोगों के अपनी गतिविधियां जारी रखने को बदलने की क्षमता है।

पर्यावरणीय संवहनीयता (लक्ष्य 9.4) की ओर आगे बढ़ने के साथ जुड़े अधिकांश कार्य में बुनियादी ढांचा और निर्माण शामिल होगा। अनेक विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में ऊर्जा कुशलता के पुनर्संयोजन का संवहनीय प्रभाव हो सकता है– जर्मनी में इससे 2006–2013 के अनुमानत: 100 बिलियन यूरो इकट्ठे हुए थे जिनसे निर्माण उद्योग में 3,00,000 नौकरियों में सहायता मिली।[38] ऊर्जा परियोजनाएं (लक्ष्य 7) जब अन्य उद्योगों को बढ़ने और पनपने देने में सक्षम बनाती हैं तो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दीर्घकालिक और अल्पकालिक नौकरियों का मार्ग प्रशस्त कर सकती हैं। 2014 में अक्षय ऊर्जा (बड़ी पनबिजली को छोड़कर) ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अनुमातित तौर पर 7.7 मिलियन नौकरियां दीं।[39] बड़ी पनबिजली परियोजनाओं में मौटे तौर पर 1.5 मिलियन प्रत्यक्ष नौकरियां मिली थीं।[40] अक्षय ऊर्जा में सौर फोटोवोल्टिक मे दुनिया में सबसे अधिक 25

बॉक्स 5.4

बड़े पैमाने पर आंकड़े: कार्य और सतत विकास लक्ष्यों के लिए कुछ प्रयोग

ऑनलाइन सामग्री- व्यक्तियों को सुनना

संयुक्त राज्य में गूगल खोजों के पाठ का उपयोग यह पूर्वानुमान लगाने के लिए किया गया कि कितनी संख्या में लोग बेरोजगारी के लाभ प्राप्त करने के लिए एक विशेष सप्ताह में पहली बार आवेदन कर रहे हैं।[1] एक तय सप्ताह में नौकरी से निकाले गए लोगों की संख्या का यह संवेदी संकेतक नीति निर्माताओं, बाजारों और अन्य के लिए महत्वपूर्ण है। पारंपरिक तरीके प्रशासकीय माध्यम से जुटाई गई जानकारियों का उपयोग करते हैं और इसलिए देरी से ही उपलब्ध होते हैं।

हालांकि, जब बेरोजगारी का अनुमान लोगों द्वारा लगाया जाता है तो यह अनुमान लगाया जा सकता है कि 'नौकरियां', 'बेरोजगारी कार्यालय', और 'बेरोजगारी के लिए आवेदन' जैसे शब्दों वाली खोज बढ़ सकती है। वास्तविक समय[2] में इन खोजों की कुल जमा संख्याओं का उपयोग कर इसके पूर्वानुमानों की सटीकता में 16 प्रतिशत तक सुधार किया जा सकता है कि कितनी तेजी से छंटनी की जा रही है। जर्मनी और इजराइल में अनुमानों की सटीकता में ऐसे ही सुधार देखे गए हैं।[3]

एक अन्य प्रयोग में, आयरलैंड में खोजकर्ताओं ने जून 2009-जून 2011 के बीच ब्लॉगों, मंचों, वेबसाइटों और सोशल मीडिया पर उपयोगर्ताओं द्वारा डाली गई 'बातचीत' को 'ऑनलाइन सुना' ताकि एक गुणात्मक तस्वीर बनाई जा सके जो वैश्विक आर्थिक संकट के दौरान आधिकारिक रोजगार आंकड़ों[4] की पूरक हो सके। करीब 28,000 ऑनलाइन दस्तावेज वापस ले लिए गए, हर एक में उसकी मन:स्थिति- उत्सुकता, विश्वास, व्यग्रता, अनिश्चितता, ऊर्जा या खुशी- पर आधारित सामग्री थी। आंकड़ों में अनेक प्रमुख और ठंडे संबंध उजागर हुए। उदाहरण के लिए, बेरोजगारी में आंशिक कमी से पहले के करीब पांच महीनों में व्यग्रता चरम पर थी। बेरोजगारी बढ़ने के बाद के करीब आठ महीनों के दौरान बदतर आवास स्थितियों की ओर अग्रसर होने को लेकर बड़बड़ाहट बढ़ी।[5] इस तरह के अध्ययन कार्य के दौरान बड़े हंगामों के पूर्वानुमान और सामाजिक सुरक्षा नीतियों में सुधार के लिए ऑनलाइन जानकारी से ढूंढकर निकाले गए संकेतकों के सामर्थ्य का संकेत देते हैं।

मानचित्रीकरण- आंकड़ों के पूर्ण वर्णन का प्रयोग

मोबाइल फोन के उपयोग के द्वारा सृजित आंकड़े उपयोगकर्ताओं की पहचान छिपाते हुए मानव आबादी का नक्शा प्रस्तुत करता है। ये नक्शे आबादी मानचित्रीकरण के अन्य तरीकों से बेहतर, प्राय: अधिक सटीक होते हैं, सुदूर इलाकों का रेखांकन कर सकते हैं और प्रस्तुत किए जा सकते हैं और लगातार और कम खर्चे में अद्यतन किए जा सकते हैं।[6] वे वास्तविक समय में जनसंख्या की गतिविधियों में परिवर्तनों का भी पता लगा सकते हैं जो आजीविका या परिस्थितियों का सामना करने के तरीकों में परिवर्तन के बारे में बताते हैं।[7] सेनेगल में 13 आजीविका क्षेत्रों में मौसमी प्रवासन गतिविधियों का रेखांकनण संभव हो सका है।8

मानचित्रीकरण के एक अन्य प्रयोग में स्पेन में उपराष्ट्रीय स्तर पर ट्विटर उपयोगकर्ताओं द्वारा छोड़ी गई डिजिटल छाप का कार्य संबंधी व्यवहार और संकेतकों के अध्ययन के उपयोग किया गया। नवंबर 2012 से जून 2013 तक विभिन्न भौगोलिक स्थानों के लगभग 2 मिलियन ट्वीट्स से पता चला कि जिन समुदायों में लोगों का बहुतायत हिस्सा कार्य कर रहा है रोज के ट्वीट्स का काफी हिस्सा कार्य वाले दिनों में सुबह (8-11 बजे के बीच) का था।[9] लेकिन कुल आबादी के अनुपात में कुल ट्विटर उपयोगकर्ताओं के कम होने की प्रवृत्ति देखी गई।[10]

निगरानी करना - सुविचारित और सक्रिय संग्रहण

जब तात्कालिक समय में संकेतकों पर उपकरणों और संवेदकों का उपयोग निगरानी और जानकारियों के लिए किया जाता है तब कार्य पर एक अलग तरह के प्रभाव का अनुमान लगाया जा सकता है। बीजिंग के निवासी 2008 से आवास आधारित संवेदकों के माध्यम से स्थानीय हवा की गुणवत्ता की निगरानी कर रहे हैं, और उन्होंने इस जानकारी को साझा और जमा किया है ताकि नगरपालिका पर कार्रवाई के लिए दबाव बनाया जा सके।[11] एक तरह से नागरिक नए वास्तविक समय के आंकड़े एकत्र कर रहे हैं। वास्तव में, जैसे-जैसे इस तरह की नागरिक निगरानी अधिक व्यापक होगी, एकत्र किए गए आंकड़ों के संवहनीय कार्य की ओर बढ़ने में रफ्तार तेज होने की संभावना हो सकती है।

नोट : 1. चोई और वारियन 2009। 2. गूगल के प्रचलन विभिन्न श्रेणियों में पूछे गए सवालों की मात्र पर दैनिक और साप्ताहिक जानकारियां उपलब्ध कराता है, जो नौकरी, कल्याण और रोजगार से संबंधित हैं। 3. आस्किातस और जिम्मरमैन 2009; सुहॉय 2009। 4. ग्लोबल पल्स और एसएएस 2011। 5. संयुक्त राज्य के लिए 430,000 दस्तावेजों की जांच भी इसी अध्ययन में की गई। बेरोजगारी और ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं द्वारा सृजित सामग्री के बीच ऐसे ही स्वरूप पाए गए। 6. डेविले और अन्य 2014। 7. ग्लास और अन्य 2013; भारती और अन्य 2013। 8. जुफीरिया और अन्य 2015। 9. लॉरेन्ट और अन्य 2014। 10. विरोधाभास रहा कि ऑनलाइन सामग्री के अन्य प्रकारों का उपयोग करने से कुछ अंतरसंबंध पाए गए - उदाहरण के लिए, नौकरियों से संबंधित विशिष्ट शब्दावली- जो बेरोजगारी अनुपात के साथ निकटता से संबद्ध नहीं लगी। 11. लू और अन्य 2015।
स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

लाख नौकरियां हैं। ये आंकड़े मोटे तौर पर 10 देशों में अक्षय ऊर्जा की रोजगार क्षमता अनुमानों के अनुरूप हैं (नक्शा 5.2)।

स्वच्छ ऊर्जा के लिए एक वैश्विक विस्तृत योजना के एक अन्य उदाहरण में 20 वर्ष के लिए जीडीपी के 1.5 प्रतिशत के वार्षिक निवेश के साथ वैश्विक जलवायु स्थिरता कार्यक्रम के लिए एक विकल्प शामिल है (दो तिहाई स्वच्छ नवीनीकरण योग्य ऊर्जा, एक तिहाई ऊर्जा क्षमता)।[41] इतने बड़े निवेश प्रयास के परिणामस्वरूप जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन में लगने वाली लागत में काफी बचत होगी और ये कार्बन डाइआक्साइड के उत्सर्जन में 40 प्रतिशत की कमी कर सकता है। ये परियोजना आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के लिए भी अच्छी लग रही है (सारणी 5.4) । सारणी में दिखाए गए छह देशों को 13.5 मिलियन नौकरियों का लाभ होगा, जीवाश्म ईंधन क्षेत्र में जाने वाली 13.5 मिलियन नौकरियों को स्वच्छ ऊर्जा में मिलने वाली 27 मिलियन नौकरियां समायोजित कर

2014 में अक्षय ऊर्जा (बड़ी पनबिजली को छोड़कर) ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अनुमातित तौर पर 7.7 मिलियन नौकरियां दीं

नक्शा 5.2

अक्षय ऊर्जा की रोज़गार क्षमता महत्वपूर्ण है

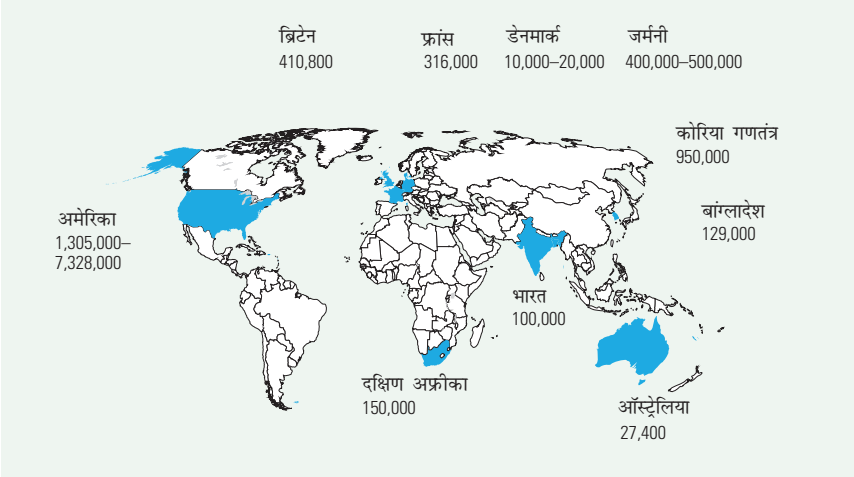

नोट : अनुमानित रोजगार क्षमता 2015 तक बांग्लादेश, डेनमार्क और ब्रिटेन, भारत में 2022 तक और कोरिया गणराज्य और संयुक्त राज्य में 2030 तक के संदर्भ में है।
स्त्रोत : स्ट्रिएट्स्का-इलिना 2011।

बहुत से देशों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पारंपरिक तौर पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व काफी कम है

लेंगी। ये आंकड़े एक अच्छी अवस्थांतर योजना और और देशों की नए ऊर्जा क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने की क्षमताओं पर निर्भर करेंगे।

संवहनीय कार्य की ओर बढ़ते हुए नीति निर्माताओं को नुकसान और अभाव के मौजूदा स्वरूपों के प्रति सजग रहना चाहिए तथा उसी के अनुरूप प्रयास करने चाहिए। बहुत से देशों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पारंपरिक तौर पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व काफी कम है और वे कौशल के ऐसे चक्र में फंस सकती हैं जो बाजार की मांगों से मेल नहीं खातीं, जिससे उनके लिए परिणाम बहुत कमजोर रह सकते हैं। सप्रयास सौर विद्युत ऊर्जा तकनीशिनों या पर्यावरणीय पर्यटन की योजना बनाना और वित्त तक पहुंच जैसी कुछ पारंपरिक बाधाओं को दूर करना सहायक साबित हो सकता है। उदाहरण के लिए माना जाता है कि विकासशील देशों में पहले से ही हरित उद्योगों के निचले स्तर पर कार्य कर रहे अनुमानित डेढ़ से दो मिलियन अनौपचारिक कूड़ा बीनने वाले में बड़ी संख्या में महिलाएं हैं[42]– जिन्हें अपने कार्य के मानव विकास सामर्थ्य को ठीक से महसूस करने के लिए अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता होगी।

सतत विकास लक्ष्यों द्वारा कौशल और क्षमता निर्माण

स्वास्थ्य और शिक्षा के परिणामों को मजबूती प्रदान कर, विशेषकर बच्चों के लिए, संवहनीय विकास लक्ष्य लोगों के लिए संवहनीय कार्य संबंधी व्यवसायों की ओर बढ़ने के लिए कौशल प्राप्त करने का आधार निर्मित कर सकते हैं। लक्ष्य 4.1 – 2030 तक प्रासंगिक और प्रभावी शिक्षण परिणाम प्राप्त करने के लिए सभी लड़कियों और लड़कों को पूरी तरह स्वतंत्र, न्यायसंगत और गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक तथा माध्यमिक शिक्षा सुनिश्चित करता है– इस संदर्भ में निर्णायक होगा लेकिन सफलता के लिए अधिक और बेहतर शिक्षकों की आवश्यकता है।

जब तक शिक्षा के लिए वैकल्पिक प्रतिपादन पद्धतियों के इस अनुमान में संशोधन किया जाता है (सारणी 5.5), 2030[43] तक कुल 84 लाख अतिरिक्त प्रशिक्षित शिक्षक– प्राथमिक शिक्षा में 3.3 मिलियन और निचली माध्यमिक शिक्षा में 5.1 मिलियन – की आवश्यकता होगी, इसके अलावा प्रबंधकों, प्रशासकों, शिशु विद्यालयों के शिक्षकों और अधयापकों के

सारणी 5.4

स्वच्छ ऊर्जा से रोजगार सृजन

	जीडीपी के 1.5 प्रतिशत निवेश द्वारा सृजित कुल स्वच्छ ऊर्जा नौकरियां	जीवाश्म ईंधन क्षेत्र में नौकरियां छिनने के बाद स्वच्छ ऊर्जा में सृजित शुद्ध नौकरियां	कुल श्रम शक्ति के हिस्से के रूप में स्वच्छ ऊर्जा नौकरियों का सृजन (%)	
			कुल नौकरियां	शुद्ध नौकरियां
भारत	12.0 मिलियन	5.7 मिलियन	2.6	1.4
चीन	11.4 मिलियन	6.4 मिलियन	1.5	0.6
अमेरिका	1.5 मिलियन	650,000	1.0	0.5
इंडोनेशिया	954,000	203,000	0.8	0.6
ब्राजील	925,000	395,000	0.9	0.4
दक्षिण अफ्रीका	252,000	126,000	1.4	0.7

स्त्रोत : पोलिन 2015।

प्रशिक्षकों की संख्या भी इसी तरह बढ़ेगी।

इसी तरह स्वास्थ्य परिणाम सुदृढ़ीकरण के लिए भी अधिक प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मचारियों की आवश्यकता होगी। चिकित्सकों, नर्सों और दाइयों की मौजूदा संख्या 2012 में करीब 34 मिलियन थी, जिसका केवल 3.6 प्रतिशत उप सहारा अफ्रीका में है, जो विश्व आबादी का 12 प्रतिशत है।[44]

अतिरिक्त श्रमिकों की संख्या का आकलन अलग-अलग हो सकता है। एक पुरातन आवश्यकता-आधारित आकलन (प्रति 1,000 लोग पर 3.45 स्वास्थ्य पेशेवरों के अनुपात का उपयोग करते हुए) बताता है कि 2030 तक 11 मिलियन स्वास्थ्य पेशेवर बढ़ सकते हैं (उप सहारा अफ्रीका में 37 प्रतिशतय सारणी 5.6)। हालांकि वास्तविक मांग- प्रति व्यक्ति आय और बढ़ती उम्र को मुख्य संचालक की तरह मानते हुए तैयार एक प्रतिमान- बताता है कि आवश्यकता के अनुरूप वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य पेशेवरों की संख्या 45 मिलियन तक बढ़ सकती है। पिछले रुझानों के आधार पर भविष्य की आवश्यकताओं का अनुमान लगाने में यह बाद का तंत्र तार्किक रूप से अधिक यथार्थवादी है; हालांकि यह बताता है कि उप सहारा अफ्रीका में तेजी से बढ़ती आबादी के बावजूद क्षेत्र में स्वास्थ्य पेशेवरों के निर्माण की दर इतनी नहीं बढ़ सकती कि प्रति 1,000 पर 3.45 की रूढ़िवादी आवश्यकता को ही पूरी कर सके। स्पष्ट तौर पर यूं ही चलता रहेगा का नजरिया उन स्थानों पर आवश्यक संख्या में स्वास्थ्य पेशेवर नहीं प्रदान कर सकता, जहां सबसे अधिक आवश्यकता है।

हाल के अनुभवों से पता चलता है कि यह किया जा सकता है, लेकिन यह सुनिश्चित करने और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए देखभाल की आवश्यकता होगी। घाना को लें: देश को सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल की ओर ले जाने के लिए जब वहां 2003 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना लागू की गई, सरकार ने मानव संसाधन आवंटन आरक्षण व्यवस्था का उपयोग करते हुए और क्षेत्रीय नर्स प्रशिक्षण विद्यालयों की स्थापना कर 2009 तक प्रशिक्षित नर्सों की संख्या दोगुनी कर दी। मलावी ने भी स्वास्थ्य देखभाल में स्वास्थ्य संबंधी पदों को भरने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए।[65] प्रतिशत रिक्तता दर के जवाब में 2004 और 2045 के बीच दाई (मिडवाइफ) और नर्सिंग शिक्षा संस्थानों ने नर्स छात्रों और दाइयों के वार्षिक प्रवेश में 22 प्रतिशत की वृद्धि की जिसने सहस्त्राब्दी विकास लक्ष्य की दिशा में स्वास्थ्य परिणामों और प्रगति में सफलता दिलाई है।

संवहनीय कार्य, न केवल, ग्रह की संवहनीयता के लिए, बल्कि कार्य की सुनिश्चितता के लिए भी महत्वपूर्ण है जो मानव विकास को सक्षम बनाती है

निष्कर्ष

संवहनीय कार्य न केवल ग्रह की संवहनीयता बल्कि कार्य की सुनिश्चितता के लिए भी महत्वपूर्ण है जो भावी पीढ़ियों के लिए उन्नत मानव विकास की निरंतरता बनाए रखता है। दोनों को मिला देने से, संवहनीय कार्य भविष्य के लिए विकल्पों की रक्षा करता है जबकि वर्तमान के लिए उन्हें बनाए रखता है। वर्तमान की ही तरह भावी पीढ़ी दोनों के लिए कार्य के माध्यम से मानव विकास को विस्तार

सारणी 5.5

शिक्षको की मांग

	सार्वभौमिक कवरेज की पहुंच तक शिक्षकों की मांग द्धहजारों मेंऋ							
	प्राथमिक शिक्षा				निचली माध्यमिक शिक्षा			
	वास्तविक 2011	आवश्यकता 2030	बदलाव		वास्तविक 2011	आवश्यकता 2030	बदलाव	
			पूर्ण	प्रतिशत			पूर्ण	प्रतिशत
बिलियन राज्य	1,931	2,385	454	23.5	1,198	1,781	583	48.7
मध्य और पूर्वी यूरोप	1,127	1,238	111	9.8	1,570	1,901	331	21.1
मध्य एशिया	340	385	45	13.2	406	473	67	16.5
पूर्व एशिया और प्रशांत	10,378	10,468	90	0.9	5,833	6,063	230	3.9
लातिन अमेरिका और कैरेबियन	3,102	3,140	38	1.2	2,160	2,282	122	5.6
उत्तरी अमेरिका और पश्चिम एशिया	3,801	4,103	302	7.9	2,555	2,725	170	6.7
दक्षिण और पश्चिम एशिया	5,000	5,196	196	3.9	2,460	3,500	1,040	42.3
उप सहारा अफ्रीका	3,190	5,290	2,100	65.8	1,096	3,637	2,541	231.8
विश्व	28,869	32,205	3,336	11.6	17,278	22,362	5,084	29.4

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय यूनेस्को 2014।

सारणी 5.6

स्वास्थ्य कमियों की मांग

	चिकित्सक, नर्सों और दाइयों की मांग (हज़ारों में)							
	मांग आधारित				आवश्यकता आधारित [a]			
			बदलाव				बदलाव	
	वास्तविक 2012	आकार 2030	पूर्णतया	प्रतिशत	वास्तविक 2012	एसडीजी 2030	पूर्णतया	प्रतिशत
पूर्व एशिया और प्रशांत	9,350	36,679	27,329	292.3	9,350	11,368	2,018	21.6
यूरोप और मध्य एशिया	9,773	14,259	4,486	45.9	9,773	9,773	Ñ	0.0
लैटिन अमेरिका और कैरेबियन	3,723	5,964	2,241	60.2	3,723	4,151	427	11.5
मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका	1,629	3,443	1,814	111.4	1,629	2,069	440	27.0
उत्तरी अमेरिका	4,246	7,959	3,713	87.5	4,246	4,246	Ñ	0.0
दक्षिण एशिया	3,443	6,875	3,432	99.7	3,443	6,924	3,482	101.1
उप सहारा अफ्रीका	1,229	3,585	2,356	191.8	1,229	4,986	3,758	305.8
विश्व	33,989	79,360	45,371	133.5	33,989	44,114	10,125	29.8

a. प्रति 1,000 लोगों पर 3.45 स्वास्थ्य कर्मियों की सीमा रेखा पर आधारित।
स्त्रोत : डब्ल्यूएचओ (2014) और विश्व बैंक (2014b) पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय के अनुमान।

देने के लिए सुविचारित और अच्छी तरह प्रतिपादित नीतिगत विकल्पों की आवश्यकता होगी, समाप्त हो रहे अध्याय की विषय वस्तु यही है।

अध्याय 6

कार्य के माध्यम से मानव विकास को बढ़ाना

रेखांकन- कार्य के माध्यम से मानव विकास को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत विकल्प

6.

कार्य के माध्यम से मानव विकास को बढ़ाना

पिछले अध्याय में हमने कार्य-मानव विकास संबंध के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण किया- कार्य कैसे मानव विकास को बढ़ाता है और हानि पहुंचाता है, कैसे अवैतनिक देखभाल का कार्य और वैतनिक कार्य को अधिक न्यायसंगत बनाने की आवश्यकता है और कैसे कार्य की दुनिया को बदलने के लिए कार्य को संवहनीय बनाने की आवश्यकता है। इन चुनौतियों के जवाब में, इस अध्याय में कार्य की ओर अधिक ध्यान दिया गया है: कार्य के द्वारा मानव विकास को कैसे बढ़ाया जाए इसके लिए नीतिगत विकल्प और नीतिगत सिफारिशें करना है।

ये अध्याय नीतिगत विकल्पों को तीन व्यापक आयामों में बांटता है। पहला, कार्य के अवसरों के सृजन की रणनीति, दूसरा, कामगारों की बेहतरी को सुनिश्चित करने की रणनीति और तीसरा, लक्षित प्रक्रिया के लिए रणनीति। इनमें से प्रत्येक के साथ नीतिगत प्रक्रिया का समूह होगा (अध्याय के शुरू में लेखाचित्र में परिलक्षित)। नीतियों के अलावा, ये तीन खंभों- नये सामाजिक अनुबंध का विकास, वैश्विक समझौते को आगे बढ़ाना और 'डीसेंट वर्क ऐजेंडा' को लागू करना- पर आधारित कार्रवाई के लिए अति महत्वपूर्ण एजेंडा प्रस्तुत करता है।

कार्य के अवसर सृजन के लिए रणनीतियाँ

मानव विकास के लिए कार्य करना नौकरी से अधिक होता है। लेकिन लोगों के विकल्पों में विस्तार लाना और अवसर की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी मानव विकास ही है। इसमें शामिल है यह सुनिश्चित करना कि पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण वैतनिक कार्य उपलब्ध हैं और वह उनकी पहुंच में हैं जिन्हें वैतनिक कार्य की आवश्यकता है और इसकी इच्छा रखते हैं। एक ऐसी दुनिया में जहां युवाओं में उच्च बेरोजगारी, वित्तीय अस्थिरता और कामगार निर्धनों की एक बड़ी जनसंख्या है, गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर पैदा करना अत्यंत आवश्यक है। महिलाओं के लिए वैतनिक कार्य के द्वारा आर्थिक सशक्तिकरण तब होगा जब रोजगार उपलब्ध होंगे। ये अनुभाग उन नीतियों पर केंद्रित है जो वैतनिक कार्य के विकल्पों का विस्तार करती है।

वैतनिक रोजगार के अवसरों को पैदा करने की रणनीतिक कार्रवाई के अंतर्गत दो जटिल समूह है: गुणवत्तापूर्ण वैतनिक कार्य की उपलब्धता के मामले में मौजूद संकट को दूर करने के लिए राष्ट्रीय रोजगार रणनीति का निर्माण तथा कार्य की बदलती दुनिया में लोगों और देशों को इस योग्य बनाना कि वे अवसर को पकड़ सकें। विचार है कि इस मुद्दे का समाधन मांग के साथ ही साथ पूर्ति की तरु से भी निकाला जाए।

कार्य में संकट के समाधन के लिए राष्ट्रीय रोजगार रणनीति तैयार करना

कार्य में चुनौतियां - बेराजगारी या खराब गुणवत्ता का कार्य- कई समाजों को सामना करना पड़ता है। जैसे कि पहले अध्याय में हम चर्चा कर चुके हैं, समस्या की गंभीरता को देखते हुए ये साफ है कि कार्य को उसके विभिन्न आयामों में बढ़ावा देने के अलग अलग दृष्टिकोण होने से कार्य नहीं बनेगा। अधिक व्यापक राष्ट्रीय रोजगार रणनीति की आवश्यकता है। इस रणनीति की बुनियादी आवश्यकता है पुरुषों और महिलाओं के लिए अधिक और अच्छी गुणवत्ता वाले कार्य का सृजन करना। इस तरह का दृष्टिकोण जिसमें लोगों की आवश्यकताएं अर्थव्यवस्था के मूल में हैं वह एक देश की राष्ट्रीय विकास रणनीति का केंद्र हो सकता है। (बॉक्स 6.1)। कुछ नीतिगत विकल्प इस प्रकार है:

कार्य में चुनौतियां - बेराजगारी या खराब गुणवत्ता का कार्य - कई समाजों को सामना करना पड़ता है।

रोजगार लक्ष्य निर्धारण

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने व्यापक स्तर पर ये माना है कि रोजगार सृजन के लिए आवश्यक राष्ट्रीय मौद्रिक और वित्तीय नीतियों को लक्षित करना और पुनर्मूल्यांकन अनिवार्य है।[1] यही कारण है कि प्रस्तावित सतत विकास लक्ष्य है सब के लिए उत्पादक रोजगार और सम्मानित कार्य उपलब्ध कराना। उपायों में शामिल है:

- *राष्ट्रीय नीति मेट्रिक्स में रोजगार बढ़ाने के लिए लक्ष रखना।* लगभग दर्जन भर देशों में रोजगार के लक्ष्य निर्धारित किए हैं (उदाहरण के लिए, होंडुरास में साल 2010 से 2014 के बीच 80,000 नौकरियों का सृजन और इंडोनेशिया में बेराजगारी घटकर 7.6 प्रतिशत से 5-6 प्रतिशत हो जाना)।[2] कार्य करने की इस तरह की राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं ने रोजगार सृजन का मंच तैयार किया है और इससे सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में कार्य के लिए पहल का वातावरण बना है। उदाहरण के लिए, अनुकूल शर्तों पर छोटे और मंझोले आकार के उद्यम के लिए ऋण उपलब्ध कराना या वाणिज्यिक बैंकों को कोटा रखने का निर्देश देना

बॉक्स 6.1

राष्ट्रीय रोजगार रणनीति।

लगभग 27 विकसित देशों ने राष्ट्रीय रोजगार रणनीति अपनाई है। इनमें से अधिकांश ने ये रणनीति साल 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद अपनाई। अन्य 18 देश ऐसा कर रहे हैं, और 5 देश अपनी नीति की समीक्षा कर रहे हैं ताकि रोजगार की नई चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से किया जा सके। कुछ देशों ने सीधे विकास और रोजगार को एकीकृत करने का प्रयत्न किया। उदाहरण के लिए, कैमरुन में विकास और रोजगार रणनीति और टोगो में त्वरित विकास और रोजगार संवर्धन के लिए रणनीति। श्रीलंका ने 2014 में अपने राष्ट्रीय मानव संसाधन और रोजगार रणनीति के अंतर्गत मानव संसाधन और रोजगार रणनीतियों को समन्वित किया।

रोजगार रणनीति को अपनाने के बाद कैमरून में रोजगार और जनसंख्या का अनुपात 63 प्रतिशत से बढ़कर 65 प्रतिशत हो गया। जबकि टोगो में ये 70 प्रतिशत से बढ़कर 75 प्रतिशत हुआ। पांच सालों में कैमरून में श्रम उत्पादकता की विकास दर नकारात्मक से बढ़कर सकारात्मक 1.3 प्रतिशत हो गई। श्रीलंका में वार्षिक रोजगार वृद्धि दर 12 प्रतिशत है।

अरब देशों में विकास की उछाल के बाद से, जॉर्डन और ट्यूनीशिया ने कई दूसरी रोजगार संबंधी चुनौतियों का सामना करने के लिए व्यापक राष्ट्रीय रोजगार रणनीतियों को आगे बढ़ाया, युवा केंद्रित सक्रिय श्रम बाजार नीतियों पर व्यापक स्तर पर ध्यान केंद्रित किया।

स्त्रोत : आईएलओ 2015a।

ताकि ये सुनिश्चित हो सके कि कुछ खास क्षेत्रों (जैसे कृषि) जहां अधिकांश निर्धन लोग कार्य करते हैं, को पर्याप्त मात्रा में ऋण प्रदान किया जाए जिससे रोजगार सृजन में सहायता मिले। इसी तरह, रोजगार के अनुकूल वित्तीय नीतियों, राजस्व नीतियों, जैसे छोटे और मंझोले आकार के उद्यमों के लिए टैक्स क्रेडिट और कम विकसित इलाके में शुरू किए गए उद्यमों के लिए सब्सिडी, से रोजगार सृजन की गति तेज हो सकती है।

- *केंद्रीय बैंको द्वारा दोहरे लक्ष्य निर्धारण का अनुसरण।* रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए केंद्रिय बैंकों के पारंपरिक ध्यान को मुद्रास्फीति नियंत्रण से हटा कर रोजगार सृजन पर विस्तार करने की आवश्यकता होगी। इसका मुद्रास्फीति और मुद्रास्फीति की उम्मीदों को कम करने पर मामूली असर होने के बावजूद, यह वास्तविक आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण सुधार के साथ जुड़ा हुआ प्रतीत नहीं होता।[3] वास्तव में, विकासशील देशों में मुद्रास्फीति को लक्षित करने का विकास पर सकारात्मक असर पड़ता नहीं देखा गया है। इसके अलावा, बेरोजगारी जैसी गंभीर चुनौतियों और मानव विकास और निर्धनता कम करने के लिए नौकरियों के सृजन के निर्णायक महत्व को देखते हुए केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति और रोजगार के दोहरे लक्ष्य का अनुसरण कर सकती है।
- *नौकरी पैदा करने वाले निवेश को बढ़ाने के लिए विशिष्ट मौद्रिक नीति के साधनों पर विचार।* इनमें वो नीतियां शामिल हैं जो वास्तविक अर्थव्यवस्था में व्यावसायिक गतिविधियों और निवेश के लिए वित्तीय सहयोग में वृद्धि करती हैं। उदाहरण के लिए, परिसंपत्ति-आधारित आरक्षित आवश्यकताओं के लिए क्रेडिट आबंटन तंत्र जो बैंकों में रिजर्व बनाए रखने, उद्यमी के लिए उधार के खतरे को कम करने वाली ऋण की गारंटी, छोटे ऋण के जोखिम अंकनए कार्य-सृजन निवेश और पूंजी प्रबंधन तकनीक के लिए केंद्रीय बैंको से धन रिलीज करने वाले डिस्काउंट विंडो के इस्तेमाल को काफी महंगा बना देता है। कई अर्थव्यवस्थाओं (चिली, कोलंबिया, भारत, मलेशिया और सिंगापुर) के अध्ययन में पाया गया है कि ये तकनीक- स्वस्थ्य परिसंपत्तियां, राज्य की क्षमता और केंद्रीय बैंक नीति स्वतंत्रता जैसे पूरक कारक द्वारा समर्थित होते हैं तो रोजगार पैदा करने में सहायक साबित हो सकती है। इन उपकरणों को लैंगिक संवेदनशील बनाया जा सकता है। उदाहरण के लिए परिसंपत्ति-आधारित आरक्षित आवश्यकताओं को इस तरह तैयार किया जा सकता है कि वे महिलाओं के लिए अधिक रोजगार पैदा करें। और केंद्रीय बैंक महिलाओं के लिए अधिक और बेहतर कार्य के अवसर पैदा करने वाली कंपनियों में निवेश या धन देने वाले वित्तीय संस्थानों के लिए डिस्काउंट विंडो तैयार करने को प्राथमिकता दे।

रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए केंद्रिय बैंकों के पारंपरिक ध्यान को मुद्रास्फीति नियंत्रण से हटा कर रोजगार सृजन पर विस्तार करने की आवश्यकता होगी।

रोजगार-उन्मुख विकास रणनीति तैयार करना

रोजगार आर्थिक विकास का अब यौगिक नहीं रहा। काफी समय से इसे इस रूप में देखा जाता रहा है कि आर्थिक विकास से स्वत: रोजगार सृजन होता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में दुनिया ने रोजगारविहीन आर्थिक विकास देखा। आर्थिक विकास के साथ नई नौकरियां पैदा नहीं हुई। यहां ये सुनिश्चित करना आवश्यक है कि विकास की प्रक्रिया में श्रम और पूंजी के बीच की पूरकता फिर से बहाल हो और मजबूत बने।

रोजगार-उन्मुख विकास के संदर्भ में कुछ हस्तक्षेप अनिवार्य होंगे:

- *रोजगार केंद्रित विकास के लिए महत्वपूर्ण बाधाओं को दूर करना।* उदाहरण के लिए छोटे और मध्यम

आकार के उद्यमों को अक्सर बाजार में प्रवेश करते, ऋण लेते समय पक्षपात का सामना करना पड़ा है। यही नहीं सूचना और विपणन कौशल तक भी उनकी पहुंच नहीं होती। विशेषकर महिलाओं को पूंजी, तकनीक और ऋण प्राप्त करने के लिए भेदभाव का सामना करना पड़ता है। इन बाधाओं को दूर करने के लिए आवश्यक है कि बहुस्तरीय सहयोग हो ताकि इन सभी तरह के नियामक व्यवस्थाओं और सार्वजनिक और निजी संस्थाओं से आने वाले उद्यमों की आय और उत्पादकता में सुधार लाया जा सके। ऋण, वित्त, प्रशिक्षण और कौशल विकास की समस्या को दूर करने के लिए कुछ देशों ने स्व-रोजगार कार्यक्रम को अपने राष्ट्रीय रोजगार योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया है। (बॉक्स 6.2)

- *छोटे और मध्यम उद्यमों (विशेषकर श्रम अधिकता वाले) और बड़े (विशेषकर अंतर्राष्ट्रीय) पूंजी अधिकता वाली कंपनियों के बीच के संबंधों को मजबूत बनाने की आवश्यकता है*। इस तरह के संबंध संसाधनों को ऐसे क्षेत्रों, जिनका अधिक महत्व है और जिनमें नौकरी पैदा करने की क्षमता है, में स्थानांतरित करके विकास का स्वरूप बदलने में सहायता कर सकते हैं। इस लक्ष्य को, उदाहरण के लिए, सार्वजनिक निवेश द्वारा समर्थित औद्योगिक समूहों के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। ये नेटवर्क पूंजी और तकनीक तक पहुंच को बढ़ा सकते हैं और कौशल के हस्तांतरण को भी बढ़ावा देते हैं।
- *पूरे जीवन काल में मजदूरों का कौशल उन्नयन*। इस क्षेत्र में मिली सफलता रोजगार-विकास-रोजगार के गुणकारी चक्र की ओर ले जा सकती है। इससे विकास और अधिक उत्पादक और बेहतर गुणवत्तापूर्ण रोजगार पैदा करने में सहायता मिलती है। व्यक्ति विशेष में उन्नत कार्य क्षणता का सृजन होता है।
- *उस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना जहां निर्धन रहते और कार्य करते हैं*। विशेष रूप से, ग्रामीण इलाकों में कृषि क्षेत्र में कार्य करने वाले निर्धनें पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण है। कृषि के क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने और उनको सुरक्षित करने के नीतिगत उपायों का उद्देश्य बिना कार्य विस्थापन के उन्नत खेती, फसलों के स्वरूप में बदलाव, एकीकृत इनपुट पैकेज, बेहतर मार्केटिंग और पसंद के द्वारा उत्पादकता में सुधार लाए जाना।
- *अनौपचारिक कार्य से तालमेल बिठाने के लिए एक अनुकूल कानूनी और विनियामक ढ़ाचे को बनाना और लागू करना*। अनौपचारिक श्रमिक सबसे कमजोर और असुरक्षित कामगारों में से हैं। उनके कार्य के लिए नियामक ढांचा, मूल्य और उत्पादकता को बढ़ाने और असुरक्षा को कम करने के लिए संरक्षण प्रदान करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। ऐसे ढ़ांचे अनौपचारिक क्षेत्र में कम लागत वाली तकनीक को अपनाकर नई खोजों में सहयोग दे सकते हैं। ये अनौपचारिक कार्य में लैंगिक आयामों के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं। यही नहीं, ये अनौपचारिक कामगारों को अपनी आवाज बुलंद करने और नागरिक और उद्यमी के रूप में उनकी पहचान को मान्यता देने में भी सहयोग कर सकते हैं। (बॉक्स 6.3)
- *रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए सार्वजनिक व्यय में पूंजी और श्रम के वितरण का समायोजन*। जिस तरह की तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है उससे और मानव विकास को मजबूत करने की दृष्टि से व्यय कर रहे क्षेत्र, उदाहरण के लिए सेहत, शिक्षा और सामाजिक सेवा, के द्वारा सार्वजनिक व्यय की सहायता से रोजगार सृजन किया जा सकता है।

एक दृष्टिकोण विकसित हो जाए तो सार्वजनिक क्षेत्र के भीतर भी अर्थव्यवस्था की उपलब्धता के लिए

अनौपचारिक श्रमिक सबसे कमजोर और असुरक्षित कामगारों में से हैं।

बॉक्स 6.2

मेसीडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लव गणराज्य) का स्वरोजगार कार्यक्रर्म।

स्वरोजगार कार्यक्रम मेसीडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य) की ओर से साल 2007 में शुरू की गई पहली राष्ट्रीय रोजगार योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। 2015 तक 6,700 लोगों को, इस कार्यक्रम के अंतर्गत अपनी कंपनी का गठन करके या मौजूदा कारोबार को औपराचिक स्वरूप देते हुए, सुरक्षित और संवहनीय रोजगार प्राप्त हुआ। स्वरोजगार के अवसरों ने देश में व्यापक स्पेक्ट्रम पर प्रभाव पैदा किया। इन प्रभावों में नर्सरी गार्डन, दंत चिकित्सा स्टूडियो, नाई की दूकान, पर्यावरण सुलभ पर्यटन, फैशन डिजाइन आदि शामिल हैं।

सरकार पिछले आठ वर्षों में इस कार्यक्रम में 3 करोड़ 30 लाख डॉलर का निवेश कर चुकी है। प्रशिक्षण और उपकरण प्राप्त करने वाले लगभग 70 प्रतिशत उद्यमी कारोबार में बने रहे। इसतरह की नई कंपनियों की वैश्विक सफलता दर मोटे तौर पर 50 प्रतिशत से उपर आंकी गई। 2014 में इस कार्यक्रम के कारण करीब निजी क्षेत्र में नए 13 प्रतिशत रोजगार के अवसरों का सृजन और 14 प्रतिशत एकदम नए कारोबार पैदा हुए।

महिलाओं ने नए स्थापित उद्यमियों में से 35 प्रतिशत की शुरुआत की और युवा उद्यमियों ने 30 प्रतिशत की। इस कार्यक्रम नें युवाओं और महिलाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने और उन्हें अपनी आजीविका को बेहतर बनाने के लिए उत्साहित करने में बड़ी कामयाबी प्राप्त की है और यह कार्यक्रम इस मामले में मील का पत्थर साबित हुआ है। यही नहीं यह कार्यक्रम घरेलू हिंसा की पीड़ितों और अकेली मांताओं की सहायता करने में भी आगे रहा है।

स्त्रोत : यूएनडीपी 2013d।

बॉक्स 6.3

अनौपचारि अर्थव्यवस्था से निपटने के लिए श्रम मानक-एक नये मील का पत्थर।

अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में लाखों की संख्या में कामगार लगे हुए हैं। अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कम उत्पादकता, मजदूरों के अधिकारों का हनन, गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए अपर्याप्त अवसरो, अपर्याप्त सामाजिक सुरक्षा और सामाजिक संवाद की कमी जैसी समस्याएं हैं। ये संवहनीय उद्यम के विकास में बाधा पैदा करते हैं। सरकार, कामगार और नियोक्ताओं के बीच इस बात को लेकर जागरुकता बढ़ा रही है कि इस क्षेत्र को प्रोत्साहन के साथ ही साथ कामगारों को सुरक्षा देने की आवश्यकता है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने हाल ही में नया अंतरराष्ट्रीय श्रम मानक अपनाया है। ये अपने आप में पहला एक ऐसा मानक है जिसका उद्देश्य अनौपचारिक अर्थव्यवस्था से निपटना है। इससे करोड़ों की संख्या में कामगारों और आर्थिक इकाइयों को सहायता मिलने की आशा है।

ये मानक कामगारों के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा प्रदान करने, आय सुरक्षा के लिए अवसर सुनिश्चित करने, आजीविका, उद्यमशीलता तथा अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में सम्मानित नौकरियों और उद्यमों की स्थिरता का सृजन और संरक्षण करने में जीवंत भूमिका निभा सकते हैं। लाखों कामगारों के लिए एक बड़ा कदम आगे बढ़ाते हुए, अनौपचारिक अर्थव्यवस्था के मसले को हल करने में देशों की सहायता करने के लिए मार्गदर्शन का अब एक अंतरराष्ट्रीय ढांचा उपलब्ध है।

स्त्रोत : आईएलओ 2015C।

मार्गदर्शन और संकेतों का प्रदर्शनकारी प्रभाव हो सकता है तथा श्रम प्रधान बनाम पूंजी प्रधान तकनीकों का इस्तेमाल अधिक होगा।

वित्तीय समावेश की ओर कदम

संरचनात्मक परिवर्तन और कार्य निर्माण के लिए एक समावेशी वित्तीय प्रणाली की आवश्यकता है। दुनिया भर में 25 लाख, दुनिया के लगभग आधे वयस्क बैंक से नहीं जुड़े हुए हैं। महिलाओं के पास असंगत रूप से वित्त की कमी है। लगभग तीन चौथाई लोगों, जो प्रतिदिन 2 डॉलर पर जी रहे हैं, के पास बैंक अकाउंट नहीं है।[9] फिर भी घर में जितनी निर्धनता होगी उतना ही जोखिम के खिलाफ इसके संरक्षण की आवश्यकता होगी, विशेषकर जब कार्य नहीं है।

संरचनात्मक परिवर्तन और कार्य निर्माण के लिए एक समावेशी वित्तीय प्रणाली की आवश्यकता है।

विकासशील देशों में वित्त की कमी उद्यमों के संचालन और विकास की राह में प्रमुख बाधा है। विकासशील देशों में कराए गए कारोबार से जुड़े 77 प्रतिशत सर्वे में वित्त की कमी शीर्ष पांच समस्याओं में से एक मानी गई है।[10] अफ्रीका के उप-सहारा, दक्षिण एशिया और लैटिन अमरीका तथा कैरेबियन में सर्वे की गई कंपनियों के 30 प्रतिशत से भी अधिक में वित्त की कमी को सबसे बड़ी बाधा पाया गया।[11] वित्त की कमी से निपटने के लिए आवश्यक नीतिगत विकल्प, जो अंतत: रोजगार के अवसरों का सृजन करेगी, उसमें शामिल हो सकते है:

- *बैंकिंग सेवाओं को महिलाओं सहित वंचित और उपेक्षित समूह तक पहुंचाना।* इक्वाडोर में बैंकिंग को बढ़ावा देने वाले उपायों को अपनाने के बाद देखा गया कि 2011 में बैंक अकाउंट रखने वाले लोगों का प्रतिशत 29 से बढ़कर 83 प्रतिशत हो गया।[12]
- *उपेक्षित, दूरदराज के इलाकों और लक्षित इलाकों की ओर ऋण का संचालन करना।* अर्जेंटीना, ब्राजील, कोरिया गणराज्य और मलेशिया में निवेश बैंकों ने लक्षित क्षेत्रों की ओर ऋण के निर्देशन में केंद्रीय भूमिका निभाई है।[13]
- *ब्याज दर को कम करना, छोटे और मध्यम आकार के उपक्रमों और निर्यात आधारित क्षेत्रों को रियायती ऋण उपलब्ध कराना और ऋण की गारंटी देना। ये सारे उपाय उत्पादकता और रोजगार में वृद्धि को बढ़ावा देने में सहायता कर सकते हैं और जल्दी परिणाम भी देते हैं।* रवांडा में ऋण गारंटी योजना ने देश को इस तरह सक्षम बनाया कि वह विशेषकर कॉफी का प्रमुख निर्यातक बन गया है।[14]
- वित्तीय समावेश को बढ़ावा देने के लिए नवीन तकनीक को सक्रिय करना। बैंक से वंचित लोगों तक पहुंचने के लिए मोबाइल फोन तकनीक का कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है, केन्या में एम-पैसा इसका एक प्रमुख उदाहरण है। (बॉक्स 6.4)

एक सहायक व्यापक आर्थिक ढांचे का निर्माण

व्यापक वित्तीय स्थिरता को कायम रखना सफल रोजगार रणनीति के लिए एक पूर्व शर्त है। हालांकि व्यापक आर्थिक नीतियों की पहुंच आर्थिक स्थायित्व को सुनिश्चित करने से अधिक होनी चाहिए जो कार्य सृजन की महत्वपूर्ण लेकिन पर्याप्त शर्त नहीं है। और रोजगार सृजन के लिए इस बात को भी सुनिश्चित करना चाहिए कि पर्यावरण अनुकूल हो। इस क्षेत्र मंज आवश्यकता है कि नीतियां विनिमय दर प्रबंधनए पूंजी खातों के उपाय और सरकार राजकोषीय स्पेस पर ध्यान दें। कुछ विकल्पों में शामिल है:

- *वास्तविक विनिमय दर को स्थिर और प्रतिस्पर्धी रखना।* वित्तीय अस्थिरता कार्य के माहौल और रोजगार को कम सुरक्षित बनाती है और वास्तविक

बॉक्स 6.4

एम-पैसा- वित्तीय समावेशन की ओर नवीन दृष्टिकोण।

एम-पैसा एक लघु-मूल्य धन हस्तांतरण प्रणाली है। यह केन्या में 2007 में शुरू की गई थी। इसकी पहुंच व्यापक है और ये जनसंख्या के बड़े हिस्से को बुनियादी वित्तीय सेवाएं पहुंचाती है। 2012 में सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या 1 करोड़ 50 लाख , या कहें कि देश के 60 प्रतिशत से अधिक वयस्क और देश की 30 प्रतिशत आबादी तक पहुंच गई। साल 2014 में देश में एम-पैसा के 81,000 एजेंट आउटलेट थें जो 2013 की तुलना में 15,000 अधिक थे। एम-पैसा का उपयोग न केवल मानक धन हस्तांतरण और एयरटाइम खरीद के लिए किया जाता है बल्कि वेतन, उपयोगिता और दूसरे बिलों का भुगतान भी किया जाता है। साथ ही सामान खरीदने और ऑनलाइन तथा दूकान में जाकर खरीदारी करने जैसी सेवाओं के भुगतान के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। हस्तांतरण व्यवस्था का इस्तेमाल सरकार, कारोबार और गैरसरकारी संगठन समान तरीके से करते हैं। संचालन को मुख्य रूप से मोबाइल फोन में बहुत सहायक नियामक व्यवस्था, अभिनव व्यापार मॉडल और तकनीकी विकास पर केंद्रित किया गया है। इस दृष्टिकोण को अन्य देशों, जैसे कि बांग्लादेश में बीकैश के रूप में दोहराया जा रहा है।

स्त्रोत : नुज़हत 2015।

अर्थव्यवस्था में निवेश को कम करती है। एक स्थिर विनिमय दर अर्थव्यवस्था की मूलभूत आवश्यकता है जो विकास और रोजगार को प्रोत्साहित कर सकती है। यहां इस बात पर आम सहमति देखने को मिलती है कि मुद्रा अधिमूल्यन का रोजगार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है क्योंकि यह अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को बिगाड़ती है।[15]

- *विवेकी पूंजी खाता प्रबंधन का भरोसा*। ये जानना महत्वपूर्ण है कि चिली के समान क्या विनिमय दर नीति रोजगार सृजन को बढ़ावा देती है।[16] पूंजी नियंत्रण के लिए पारदर्शी और व्यापर स्तर पर स्वीकार्य नियम को जारी रखा जाना चाहिए ताकि देश की अर्थव्यवस्था के भीतर और बाहर पूंजी के प्रवाह की अस्थिरता को कम किया जा सके। और इस प्रकार उत्पादक गतिविधियों में निवेश की अस्थिरता को घटाया जा सके।
- *मानव क्षमताओं को बढ़ाने और बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए, रोजगार पैदा करने वाले क्षेत्र को संसाधन आबंटन के लिए बजट का पुनर्गठन*। इससे मौजूदा व्यय स्वरूप की समीक्षा और रोजगार सृजन (सामाजिक क्षेत्र में अध्यापकों और नर्सों के लिए नौकरी, सार्वजनिक कार्यक्रम, भौतिक बुनियादी ढांचे का संचालन और रखरखाव) के लिए संसाधनों का पुनर्निधारण अनिवार्य हो जाता है।
- *संसाधन इस्तेमाल में दक्षता और व्यापक कर प्रबंधन की सहायता से वित्तीय स्थान को बनाना*। सार्वजनिक व्यय नौकरियां पैदा कर सकता है लेकिन सार्वजनिक व्यय के लिए वित्तीय स्थान को बनाने के लिए अच्छी तरह से निर्मित, पारदर्शी और कर निर्धारण और व्यय के लिए कुशल योजना की आवश्यकता है। मूल्य वृद्धि और विकास के सामान्य अवधि में स्थिर वित्तीय उपायों की बुनियाद डालना, और मंदी के दौरान समर्पित स्थिरीकरण कोष जुटाना सार्वजनिक निवेश का समर्थन करने के लिए अच्छा विकल्प है। संसाधनों की कमी से उबरने से नए संसाधनों को जुटाने के बराबर उपयोग की हुई दक्षता बढ़ेगी।
- *एक समर्थनकारी व्यवसायिक माहौल को बढ़ावा देना*। इस तथ्य के बाद कि सार्वजनिक क्षेत्र अक्सर रोजगार सृजन का प्रमुख कारक होता है, एक समर्थनकारी व्यवसायिक माहौल वित्त, बुनियादी ढांचा और विनियमन को प्राप्त करने के रास्ते में सामने आने वाली बाध्यकारी बाधाओं को दूर करते हुए बनाया जा सकता है। इसमें शामिल तत्व कर राहत के द्वारा कारोबारी प्रोत्साहन प्रदान करते हैं। वैसी कारोबारी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा सकता है जो गुणवत्तापूर्ण रोजगार का सृजन करती हैं। उदाहरण के लिए, उस कारोबार के लिए इनपुट पर सब्सिडी देना जो कम विकसित क्षेत्र में स्थापित किए गए हैं, जो वंचित समूहों को कार्य के अवसर प्रदान करते हैं और इस तरह से श्रम प्रधान तकनीक का उपयोग करते हैं। मजदूरी सब्सिडी या उनके करों में कटौती के रूप में नियोक्ताओं को सीधाा स्थानान्तरण मौजूदा कार्य को बनाए रखने या अधिक कामगारों को कार्य पर रखने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- *सड़क, बिजली और दूरसंचार सहित उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचों को सुनिश्चित करना*। मोबाइल फोन ने निर्धन महिला उद्यमी के कार्य में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं और बहुत सारी नौकरियों का सृजन किया है। परिवहन के बहुत से मार्ग और स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच के साथ ही साथ इंटरनेट का बुनियादी ढ़ांचा और दूरसंचार में विस्तार ग्रामीण इलाकों में लोगों के लिए मौजूद रोजगार विकल्पों में सुधार ला सकते हैं और निवेश तथा कारोबारी गतिविधियों को तेज कर सकते हैं।
- ऐसे नियामक ढ़ांचे को अपनाना जो प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करते हैं, क्षमता को बढ़ाते हैं और कारोबार में पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। लाल फीताशाही को उखाड़ फेंकना, भ्रष्टाचार से लड़ाई, लाइसेंस और परमिट के राजनीतिक उपयोग और सार्वजनिक क्षेत्र में निर्णय लेने में तेजी लाना ये सभी कारोबार के विकास में सहायता करते हैं और घरेलू और बाहरी निवेश को आकर्षित करते हैं और कभी कभी नौकरियों की संख्या भी बढ़ाते हैं।

वित्तीय अस्थिरता कार्य के माहौल और रोजगार को कम सुरक्षित बनाती है

रोजगार की बदलती दुनिया में अवसरों पर अधिकार करना

शोषण करने वाली स्थितियाँ वैश्विक मूल्य श्रृंखला में स्वीकार्य नहीं हैं

लोगों को आजकल के कार्य माहौल में प्रवेश करने के लिए सहायता करने वाली नीति पर ध्यान देने की तत्काल आवश्यकता है। मानव विकास की दृष्टि से देखा जाए तो ऐसे में इस बात की अधिक आवश्यकता है कि लोगों के कार्य और जीवन से जुड़े विकल्पों में विस्तार लाने के लिए नई तकनीक और नए संबंधों का दोहन और तरीके खोजे जाएं। कार्य की बदलती दुनिया में नए और बेहतर कार्य सृजन के द्वारा और सब लोगों में सुधार के द्वारा मानव विकास में योगदान कर सकते हैं- अधिक से अधिक उभरते अवसर का लाभ उठाने के लिए यदि वे कौशल, जानकारी और दक्षता से लैस हो सकें। इस तरह लैस होने से, यह सामान्य या छोटे कार्य, असंबद्ध नीतिगत कदमों की तुलना में कहीं अधिक समय लेगा।

निचले स्तर की ओर बढ़ती एक दौड़

वैश्विक उत्पादन के संभावित (और साधित) लाभ की मौजूदगी में, निचले स्तर की ओर एक दौड़- कम वेतन और बिगड़ती कार्य की परिस्थितियां- ही अकेले संभावित नतीजे नहीं हैं। यह परिदृश्य मुख्यत: प्रतिस्पर्धा, जो कि उत्पादन की प्रति इकाई से मापा जाती है, की स्थिर एवं संकीर्ण व्याख्या पर गलत अवधारणा के कारण है। यह केंद्र बिंदु, जो आज कंपनियों की निचले स्तर में सहायता कर सकता है, लंबे समय तक संवहनीय नहीं है। सम्मानित मजदूरी, कामगारों की सुरक्षा को बना, रखना और उनके अधिकारों की सुरक्षा करना वैश्विक मसले हैं जो, यदि सुलझा लिए जाएं, तो ऐसी दौड़ को रोक सकते हैं। कुछ नीतिगत विकल्पों मे शामिल है:

- *वैसी परिस्थितियों पर ध्यान केंद्रित करना जिनमें माल का उत्पादन किया जाता है (लागत और प्रतिस्पर्धा के आर्थिक पहलुओं से परे)*। कार्य की परिस्थितियां (बॉक्स 6.5) महत्वपूर्ण हैं। श्रम की कमी की स्थिति में वैसे कारोबार जो बेहतर कार्य की परिस्थितियां मुहैया करते हैं वे सबसे कुशल श्रम को आकर्षित करेंगे। उपभोक्ता भी तेजी से कार्य की स्थिति में बदलाव के प्रति जागरूक तथा संवेदनशील होते जा रहे हैं और नैतिकता को ध्यान में रखते हुए खरीदार बिचौलिए अधिक केंद्रिय बनने के लिए दवाव का सामना कर रहे हैं। यह इस बात से स्पष्ट है कि बांग्लादेश के रेडीमेड कपड़ा उद्योगों में कई दुर्घटनाओं के होने से वैश्विक स्तर पर इसका कड़ा विरोध हुआ। इस दबाव के कारण, अधिकांश खुदरा विक्रेताओं ने, जो बांग्लादेश के कारखानों से आयात करते हैं, कार्य की परिस्थितियों को बेहतर बनाने के लिए उपचारात्मक योजनाओं की शुरुआत की है। यही नहीं, वे कामगारों को वित्तीय सहायता भी दे रहे हैं।[17] हालांकि इनकी ओर से की गई पहल की भी सीमा है, ये इस बात की ओर संकेत करते है कि शोषित स्थितियां वैश्विक मूल्य शृंखला में स्वीकार्य नहीं हैं।
- *निष्पक्ष व्यापार निचले स्तर की दौड़ को पहले ही रोकने में मदद कर सकता है, क्योंकि ये विचार कई उपभोक्ताओं के लिए जरूरी होता है*। उपभोक्ता जिस वस्तु को खरीदते हैं उसके बारे में कई सवाल पूछते हैं, ऐसे में लागत दक्षता के बारे में एक तरीके से सोचना कम देखा गया है और ये एक कमजोर व्यापारिक रणनीति है। कम्बोडिया का अनुभव बताता है कि कैसे एक देश बिना अच्छी मजदूरी और कार्य माहौल के साथ समझौता किए, अपने निर्यात बाजार को बनाए रख सकता है। (6.6)।

कामगार को नए कौशल और शिक्षा देना

उन्नत कौशल और शिक्षा की कितनी जरूरत है ये भविष्य बताएगा। विज्ञान और इंजीनियरिंग की नौकरियों

बॉक्स 6.5

कार्य की स्थितियों में सुधार करके प्रतिस्पर्धा में बने रहना।

वैश्विक मूल्य शृंखला में कुछ देश जो पहले कम मजदूरी वाले रोजगार पर निर्भर रहते थे अब उन्हें श्रम की कमी का सामना करना पड़ रहा है- इस परिस्थिति ने मजदूरों को सौदेबाजी की अधिक शक्तियां दे दी हैं। चीन ने ऐसे कुछ कानून बनाए हैं जो व्यक्तिगत कामगार का अधिकार देते हैं, रोजगार सुरक्षा को बढ़ाते हैं, रोजगार की औपचारिकता को कम करते हैं और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच को व्यापक बनाते हैं। इनमें श्रम संविदा कानून (2008), श्रम विवाद मध्यस्थता और मध्यस्थता कानून (2008) और सामाजिक सुरक्षा कानून (2011) शामिल हैं।[1] कुछ लोग तर्क देते हैं कि यदि इन कानूनों को देखा जाये, तो कड़े श्रम अधिनियम के आर्थिक सहयोग और विकास संस्था के सदस्यों में चीन तीसरे स्थान पर होगा।[2] 2013 में वियतनाम ने नया श्रम कोड पारित किया जो कार्य के समय को दुरुस्त करके, मातृत्व अवकाश देकर और सामूहिक सौदेबाजी को अधिक स्थान देकर तथा सुधरी हुई मजदूरी व्यवस्था की मदद से कार्य की स्थितियों को बेहतर बना सकता है।

नोट : 1- फ्राइडमैन और कुरुविल्ला 2015. 2-गालाघर और दूसरे 2014. 3- आईएलओ 2014a.
स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

बॉक्स 6.6

कम्बोडिया- कार्य की वैश्वीकृत दुनिया में सफलता की एक कहानी।

1990 में निर्यात के लिए रेडीमेड कपड़ों के उत्पादन क्षेत्र में प्रवेश करने वाला कम्बोडिया इस बात के लिए उत्सुक था कि अच्छे श्रम मानकों को बना, रखने के क्षेत्र में उसे प्रतिष्ठा मिले। 1999 में सरकार ने मजदूरों के अधिकारों का पालन करने के लि, अमरीका के साथ एक समझौता किया जिसके बदले में अमरीका अपने वार्षिक आयात कोटा को बढ़ाने के लिए राजी हुआ।

इससे न केवल कम्बोडिया को सीधा फायदा मिला बल्कि उसने कोटा प्रणाली खत्म होने के बाद भी इस व्यवस्था को बनाए रखा। संक्षेप में, ये कोई जरूरी नहीं कि कार्य की स्थितियों को लेकर किए गए समझौते और कम मजदूरी निर्यात बाजार में प्रतिस्पर्धा को बना, रखने में मदद करे।

स्त्रोत : इस्लाम 2015।

के लिए अधिक और विशिष्ट कौशल की जरूरत होगी। तकनीक को आज बुनियादी कौशल, रचनात्मकता, नए प्रयोग और समस्या को हल करने में अभिरुचि की मांग की अधिक जरूरत है। निर्माण गतिविधियां कौशल विशेष होती हैं क्योंकि रोजमर्रा की गतिविधि स्वचालित होती है, और कृषि के क्षेत्र में इस बात की जरूरत है कि लोग शिक्षित हों और उत्पादकता को और बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था हो। शिक्षा, लचीलापन, अनुकूलनशीलता, और कार्य संबंधी कुशलता एक श्रमिक को उसकी आजीविका सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है। इस बात पर फिलीपींस के राष्ट्रपति महामहिम बेनिग्नो एक्विनो एस तृतीय ने एक विशेष योगदान मे जोर दिया है। (हस्ताक्षरित बॉक्स)

औद्योगिकी से सूचना आधारित ज्ञान अर्थव्यवस्थाओं का स्थानांतरण बदल रहा है। हम कैसे रहते, सोचते, कार्य करते और सीखते हैं यह कौशल की चार व्यापक श्रेणियों की ओर इशारा है जिनकी आवश्यकता पड़ सकती है:[18] सोचने का तरीका, जिसमें रचनात्मकता, नवाचार, महत्वपूर्ण सोच, समस्या का हल करना, निर्णय लेना और सीखना शामिल है) कार्य करने का तरीका, जो संचार, सहयोग और टीम वर्क का उल्लेख करता है (कार्य करने के उपकरण, जो कि अधिकांशत: नई सूचना और संचार प्रौद्योगिकी और सूचना युक्त की साक्षरता पर आधारित हैं, जिसमें डिजिटल सोशल नेटवर्क के द्वारा कार्य करने और सीखने की क्षमता शामिल है) और दुनिया में रहने का तरीका, जैसे कि वैश्विक और स्थानीय नागरिकता का एहसास, जीवन और कैरियर के विकास की ओर एक दृष्टिकोण और प्रतिबद्धता और व्यक्तिगत और सामाजिक जिम्मेदारी।

ठोस नीतिगत उपाय जिन पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं

- *जो भविष्य के लिए सही हो यानी फिट-फॉर-लर्निंग शिक्षा प्रणाली को तैयार करना और लागू करना।* पाठ्यक्रम के साथ उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, जो छात्रों को सिखाती है कि स्कूली शिक्षा के जरूरी पहलुओं को कैसे सीखा जाए, और इस तरह सीखने से जुड़ा नमूना बदलाव एक दिशा में होता है- एक ऐसा बदलाव जिसमें स्कूली शिक्षा के वैश्विक पहुंच का लक्ष्य 'पहुंच और शिक्षा' हो, जिसमें पहुंच की तुलना में शिक्षा के परिणाम को बेहतर बनाने पर फोकस होता है।[19] छात्रों को गणित और प्राकृतिक विज्ञान सिखाने, लिखने और प्रभावशाली तरीके से संवाद करने पर भी बल दिया जाना चाहिये, और नेतृत्व और टीम सहयोग के साथ कौशल को विकसित करने के उन्हें अवसर देने चाहिए। शिक्षा प्रणाली में सभी स्तरों पर प्रतिभा को बढ़ावा देने की जरूरत है।
- *उच्चतर शिक्षा तक पहुंच को बढाना।* किसी भी समाज में ये आवह्यक है कि उच्च शिक्षा गरीब तबके के बच्चों सहित अधिक से अधिक छात्रों तक पहुंचे। इसलिए कक्षा के अन्दरं की शिक्षा को श्रम बाजार की मांग से अलग नहीं किया जा सकता है। कुछ छात्रों को उद्योग-विशिष्ट कौशल में लक्षित प्रशिक्षण से लाभ होगा। विकसित देशों में साल 2000 के बाद से अब तक उच्चतर शिक्षा में 10 प्रतिशत की वृद्धि हासिल हुई है।[20] हालांकि उन्नत कौशल को अनिवार्य बनाते हुए, भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए इससे भी अधिक वृद्धि दर हासिल हो सकेगी।

इस बात पर भी चिंता जाहिर की जा रही है कि जिन तीसरे दर्जे की डिग्री की मांग है- विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित, उन सबके प्रकार, खासकर इन क्षेत्रों में डिग्री हासिल करने वाले स्नातक लोगों की संख्या के बीच तालमेल नहीं है। अमरीका में विज्ञानए तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित विषयों में केवल 11 फीसदी कॉलेज स्नातक थें, जबकि इसकी तुलना में चीन में 42 फीसदी, कोरिया में 35 फीसदी और जर्मनी में 28 फीसदी थें।[21] महिलाओं का प्रतिनिधित्व इन क्षेत्रों में खासकर कम था, जो स्त्री और पुरुषों के बीच काफी हद तक मजदूरी में अंतर का कारण है।

- *कौशल का विकास और पुर्नस्थापना।* इससे उन विस्थापित प्रशिक्षित कामगारों को मदद मिल सकती है जिनकी रोजी-रोटी कार्य का क्षेत्र बार बार बदलने से जोखिम में रहती है। प्रशिक्षण मिलने के बाद ऐसे कामगारों को मजदूरी पर सब्सिडी और अस्थायी आय समर्थन (दूसरी सेवाओं के अलावा) सहित समान या अधिक वेतन वाली नई नौकरियां मिल सकती हैं। इसका एक खास उदाहरण उत्तरी अमरीकी मुक्त व्यापार समझौते के तहत चलाया जा रहा व्यापार समायोजन सहायता कार्यक्रम है। उपलब्ध कार्यक्रम में विविधता, राज्यों में अंतर और कौशल तथा अनुभव में भागीदारों की विविधता और स्थानीय कार्यान्वयन से प्रशिक्षण के बाद के कौशल लाभ, पुनर्रोजगार और मजदूरी वृद्धि के कारण मिले-जुले नतीजे सामने आए। लेकिन उचित जगह पर इस तरह के कार्यक्रम नौकरी में बदलाव

किसी भी समाज में ये आवश्यक है कि उच्च शिक्षा गरीब तबके के बच्चों सहित अधिक से अधिक छात्रों तक पहुंचे।

समावेशी विकास के लिए कौशल निर्माण और कामगारों की सुरक्षा

हमें भरोसा है कि केवल समावेशी विकास ही फिलीपींस के लोगों की अपरिमित क्षमता का प्रयोग कर सकती है। यह सिद्धांत हमारी रणनीति का मूल आधार रही है, यही कारण है कि हमने अपने लोगों में भारी निवेश किया है। सच तो ये है कि सामाजिक सेवाओं में जितना धन निवेश किया गया है वो बजट का सबसे बड़ा हिस्सा यानी 36.6 प्रतिशत है। इस तरह से हम फिलीपींस के नागरिकों को विकास में हिस्सेदार बनने को उत्साहित करते है: ताकि उनका विकास और कार्य से एक ऐसा चक्र बने जिससे न केवल एक व्यक्ति बल्कि पूरा देश सफल बने।

जिस चक्र की हम बात कर रहे हैं, वो काफी हद तक इस बात पर निर्भर है कि हमारे लोगों के पास अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए जरूरी जानकारी और कौशल है कि नहीं। दीर्घकालीन स्तर पर हमने बुनियादी शिक्षा में कई सुधार किए है: फिलीपींस के छात्र स्कूल में अब बुनियादी शिक्षा के 12 साल होंगे, इससे पाठ्यक्रम में महारत हासिल करने के लिए पर्याप्त समय मिलता है जो अंतर्राष्ट्रीय मानकों के बराबर है। हमारा प्रमुख गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम, सशर्त नकदी हस्तांतरण (सीसीटी) प्रोग्राम भी इस लक्ष्य में योगदान करते है: परिवारों को नकद सहायता मिले, प्राथमिक जरूरत ये है कि बच्चा स्कूल जा रहा है कि नहीं इसे सुनिश्चित किया जाए। दूसरे तरह की जांच भी की जा रही है, खासकर, हमारी तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास प्राधिकरण (टीईएसडीए) के जरिए, जिसने हमारे पूरे कार्यकाल में विभिन्न पाठ्यक्रमों के 78 मिलियन स्नातकों को विभिन्न उद्योंगों के लिए प्रासंगिक कौशल प्राप्त करने मे सहायता दी है।

इन सबके दौरान, हमें इस बात की जरूरत है कि हम अपने समुदाय के लिए प्रासंगिक रोजगार में आने वाले बदलाव का निरीक्षण करें और उसके अनुसार प्रतिक्रिया दें। उदाहरण के लिए उच्च शिक्षा के लिए हमारा आयोग (सीएचईडी) खराब और अस्वीकार्य कार्यक्रम को खत्म करने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। और ये सब तब हो रहा है जब कार्यक्रम की मांग जोरों पर है और ये उभरता हुआ क्षेत्र है। इसका एक और सबूत ये है कि हमने चुनौतियों को स्वीकार किया है, जैसे कि स्कूल से बाहर के युवाओं को आर्थिक अवसरों तक पहुंचने में सहायता करके। जैसा कि हमने पहले सीसीटी प्रोग्राम का उल्लेख किया था, इसने इस संदर्भ में काफी कुछ कार्य किया है। फिलीपींस इन्स्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट स्टडीज (पीआईडीएस) की ओर से किया गया अनुसंधान बताता है कि स्कूल से बाहर निकलने वाले किशोरों की संख्या कम हुई है: ये 2008 में 2.9 मिलियन थी और घटकर 2013 में 1.2 मिलियन हो गई। 1.7 मिलियन की कमी चौंकाने वाला आंकड़ा है।

शिक्षा विभाग (डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेज़न) का अबोट-आलम प्रोग्राम, जिसका मतलब है, पहुंच के भीतर ज्ञान, का मकसद इस संख्या को और कम करना है। 2014 में शुरू किया गया ये प्रोग्राम पहला ऐसा प्रोग्राम है जो देश भर में स्कूल बीच में ही छोड़ने वाले बच्चों का पता लगाता है और फिर उन्हें शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण या उद्यमशीलता के क्षेत्र में भेजता है। हमारे श्रम और रोजगार विभाग (डीओएलई) भी जोखिम में पड़े युवाओं की नौकरी पाने में मदद करता है। ये विभाग नियोक्ताओं की ओर से तय किए गए जीवन कौशल, तकनीक और कंपनी में इन्टर्नशिप को हासिल करने में हमारे जॉबस्टार्ट प्रोग्राम के जरिए मदद करता है।

जिस तरह लक्षित तरीके से हमने चुनौतियों का सामना किया है और अपने युवाओं के लिए अवसर पैदा करने में मदद की है ताकि दूसरे क्षेत्रों में भी उन्हें कार्य करने का मौका मिले।

घरेलू कामगार अनौपचारिक क्षम बल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं, चाहे वो फिलीपींस हो या दुनिया का कोई दूसरा देश। उनके रोजगार की प्रकृति उसे नियमित करना मुश्किल बनाती है, यहां तक कि, मेरे देश ने इस संदर्भ में असाधारण नेतृत्व का प्रदर्शन किया है।

साल 2012 में, फिलीपींस डीसेंट वर्क फॉर डोमेस्टिक वर्कर, घरेलू कामगारों को मान्यता देने वाला पहली अंतर्राष्ट्रीय उपकरण, जो उन्हें इंसान मानता है और उन्हें रोजगार का अधिकार देता है, के लिए अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन कन्वेंशन संख्या 189 को मंजूरी देने वाला दूसरा देश है। हमारे देश ने सऊदी अरब, जॉर्डन और लेबनान के साथ समुद्रपार फिलिपनों घरेलू कामगारों की सुरक्षा के लिए द्विपक्षीय समझौते पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

यहां हमारे अपने समुद्री तट के भीतर, आरए 10361, या घरेलू कामगारों की सुरक्षा और कल्याण के लिए एन एक्ट इन्स्टीच्यूटिंग पॉलिसी- सामान्यतया कासम्बाहे कानून के नाम से जाना जाता है, अंतत: मेरे प्रशासन प्रबंध के तहत कानून बनाया गया। इस कानून के तहत हमारे 1.9 मिलियन घरेलू कामगारों को औपचारिक क्षेत्र के सदस्यों के रूप में, सभी उचित अधिकार, लाभ प्रशिक्षण और योग्यता के मूल्यांकन के साथ, पहचान मिली।

हमने जो भी लागू किया ये उसका बस एक नमूना हो सकता है लेकिन चाहे वो शिक्षा, युवाओं को रोजगार या घरेलू कार्य हो, संदेश साफ है: संयुक्तता। हमें हमारी जनता का ध्यान है: हम जो भी करते हैं उसका अंतिम लक्ष्य वही हैं। इस तरह से, हम उन्हें सशक्त करने के सारे प्रयास करेंगे, उन्हें एक समान अधिकार और सुरक्षा देंगे, और उन्हें अधिकतम अवसर सुनिश्चित करेंगे। चाहे वो किसी भी सामाजिक तबके से आते हों और हां, चाहे उनकी कार्य की प्रकृति जो हो। इस प्रकार, हमारा प्रत्येक और हरएक नागरिक अपने कार्य को सार्थक, गरिमामय और उत्पादक समझेगा तथा अपनी सफलता और विकास का जरिया समझेगा।

बेनिग्नो एस एक्विनो तृतीय
फिलीपिन्स के राष्ट्रपति

की समस्या में मदद कर सकते हैं।[22]

आजीवन सीखना और प्रशिक्षण कौशल के विकास के लिए नितांत आवश्यक है। नई तरह की नौकरियों के लिए प्रशिक्षण और अधिकांश ज्ञान औपचारिक शिक्षा के पहले ही हो जाता है। कम कुशल कार्य करने वालों सहित, कामगारों को आजीवन कार्य के दौरान ज्ञान हासिल करने और नए सिरे से सीखने के लिए तैयार रहना होगा।

- *निरंतर शिक्षा के लिए प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम का उपयोग करना।* उत्तरी यूरोपीय देश आजीवन शिक्षा के मामले में बेहद सफल रहे हैं। डेनमार्क, फिनलैंड, नीदरलैंड, नार्वे और स्वीडन में कुल आबादी का 60 प्रतिशत से भी अधिक हिस्सा प्रौढ़ शिक्षा

में भागीदार है।[23] प्रशिक्षुता और उद्योग- लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ ही साथ कार्य स्थल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को कार्य के लिए तैयार करने और बाद में करियर को बदलने में सक्षम बनाने में मदद करता है। नियोक्ता और सरकार दोनों इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन कर सकते हैं।

वैसी नीतियां जो टैक्स क्रेडिट या सरकारी ठेकों तक बेहतर पहुंच जैसे नियोक्ताओं के प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करती हैं, उनकी भी जरूरत है। महिलाओं और लड़कियों पर खास ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि उन्हें अक्सर सामाजिक या सांस्कृतिक कारणों से प्रशिक्षण के अवसरों से दूर रखा जाता है। अनौपचारिक क्षेत्र में इस बात की जरूरत है कि जानकारी तक महिलाओं की समान पहुंच हो ताकि बाजार की मांग का वे अंदाजा लगा सकें और कौन से सामान का उत्पादन करना है इसका फैसला करने में वे कूटनीतिज्ञ की तरह पेश आये। चाहे तकनीक के जरिए या दूसरे साधनों के जरिए महिलाओं की पहुंच वैश्विक बाजार तक होनी भी आवश्यक है।

जमीनी स्तर पर शिक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन संचार तकनीक, ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्म और वैश्विक सहयोग का लाभ उठाते हुए प्रशिक्षण को बढ़ाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, वी कनेक्ट इंटरनेशनल चीनी, अंग्रेजी और स्पेनिश में उद्यमशीलता, व्यापार और नेतृत्व कौशल की शिक्षा देते हुए महिलाओं के स्वामित्व वाले व्यापारों के वैश्विक नेटवर्क के लिए ऑनलाइन शिक्षा मुहैया करता है।[24] मोरक्को में श्रम शक्ति के बीच कौशल अंतराल को भरने के लिए गैरसरकारी संस्थान एजुकेशन फॉर इम्पलॉयमेंट ने मैकग्रा-हिल और मोरक्को में कारोबार के नेताओं के साथ एक कार्यक्रम डिजाइन किया है। इसमें बैंकिंग, रिटेल और विनिर्माण क्षेत्र में जरूरी व्यावसायिक कौशल पर ध्यान केंद्रित किया गया है।[25]

नवाचार ताकि सभी आय वर्ग को फायदा हो

इस बात का सुझाव दिया जाता रहा है कि न तो कामगार और न ही नियोक्ता, भविष्य में अर्थव्यवस्था के वास्तविक विजेता होंगे। इसके बजाय एक तीसरा पक्ष, वे लोग जो नए उत्पाद, सेवा और व्यापारिक मॉडल बनाते हैं, वे बड़े पैमाने पर उन्नति करेगें। ये दृष्टिकोण इस अन्वेषक वर्ग से बाहर हर व्यक्ति के लिए एक स्वीकार्य जीवन स्तर देने की क्षमता की चुनौती पर प्रकाश डालता है। यह संपन्न नए व्यापार क्षेत्र के महत्व को रेखांकित करता है। यदि डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में प्रगति को नए और बेहतर कारोबार के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है तो कामगारों की बढ़ती समृद्धि में ज्यादा बेहतर तरीके से साझेदारी होगी। लेकिन यदि उद्यमशीलता में गिरावट आती है तो नई तकनीक संपूर्ण सामाजिक कल्याण लाभ की गारंटी नहीं देगी, जो कि इस बात का एक कारण है कि क्यों स्टार्ट-अप और सामाजिक उद्यमों के लिए नीति पर्यावरण अनुकूल होना चाहिए। नीति पर विचार (भावी पीढ़ी के लिए कौशल सेट को एक ओर छोड़कर) में शामिल है:

- *कार्य संगठनों को नए सिरे से तैयार करना।* इससे बुरा कोई समय नहीं रहा जब मशीन से मुकाबला करना पड़ा, लेकिन एक प्रतिभाशाली उद्यमी होने के लिए इससे अच्छा समय कभी नहीं हो सकता। लेकिन क्या इन सभी उद्यमियों के लिए पर्याप्त अवसर हैं? क्या हमारे पास नए आविष्कारों और विचारों की कमी हो गई है? जब व्यापार परमाणु की जगह बिट्स (डिजिटल युग का एक आम लक्षण) पर निर्भर हो तो हर नया उत्पाद जिस तरह से फिजिकल वर्ल्ड में खनिज और खेत खत्म होते गए हैं उसी तरह सोच के स्टॉक को खत्म करने की बजाय अगले उद्यमी के लिए उपलब्ध बिल्डिंग ब्लॉक के सेट में इजाफा करता है। चूंकि नए आविष्कार अक्सर पिछले नवाचारों के संयोजन और पुनर्संयोजन पर गंभीर तरीके से निर्भर करता है, इसलिए सुलभ आइडिया में जितने गहरे और व्यापक तरीके से डुबकी लगाई जाएगी, नवाचार के लिए उतने ही अधिक अवसर होंगे। इनमें प्रमुख रूप से मानव कौशल और बढ़ती तकनीक का लाभ उठाने के लिए होंगे।
- *पूरक नवाचारों को अपनाना।* सामान्य प्रयोजन तकनीक, जैसे कि भाप बिजली, बिजली और आंतरिक दहन इंजनए समय के साथ न केवल बेहतर हुई हैं बल्कि जिन प्रक्रियाओं, कंपनियों और उद्योग-धंधों में इसका इस्तेमाल होता है, उसमें इसने नए पूरक नवाचारों को प्रोत्साहित किया है। इससे व्यापक और गहरे दोनों स्तरों पर बड़े पैमाने पर लाभ हासिल हुआ। वर्तमान में हुए कई तकनीकी क्रांति के साधन (जैसे कि कंप्यूटर) हमारे युग के सामान्य प्रयोजन वाले तकनीक हैं। इनके तार पहले से ही नेटवर्क और चिन्हित सूचना और संचार तकनीक से गहरे जुड़े हुए हैं। हालांकि उन्हें पूरक नवाचारों के प्रति दृढ़प्रतिज्ञ होना होगा ताकि ज्यादातर लोगों पर इसका व्यापक प्रभाव हो।

प्रवासन का इस्तेमाल

आर्थिक अवसर लोगों को बेहतर जीवन के लिए दूसरे देशों में जाकर कार्य करने को प्रेरित करते हैं। इसके अलावा सूखा और मतभेद जैसे कारणों से भी लोग बाहरी प्रदेशों की ओर पलायन करते हैं। प्रवासी कामगार नई जानकारी, कौशल, रचनात्मकता, नए आविष्कार और अनुभव लेकर आते हैं। इससे दो तरफा लाभ यानी प्रवासी को कार्य का लाभ और जहां वे जाते हैं उन देशों को कौशल और अनुभव का लाभ मिलता है। महत्वपूर्ण बात यहां ये है कि प्रवासन में शामिल मानव क्षमता को कैसे सभी संबंधित पक्षों के लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। कुछ नीतिगत विकल्प इस

इससे बुरा कोई समय नहीं रहा जब मशीन से मुकाबला करना पड़ा, लेकिन एक प्रतिभाशाली उद्यमी होने के लिये इससे अच्छा समय कभी नहीं हो सकता।

महत्वपूर्ण बात यहां ये है कि प्रवासन में शामिल मानव क्षमता को कैसे सभी संबंधित पक्षों के लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

प्रकार हो सकते है:

- *प्रवासी कामगारों के लिए बेहतर तरीके से तैयार की गई योजनाओं का अनुसरण*। इस तरह की योजनाओं में कृषि और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में मौसमी श्रमिकों के लिए कार्यक्रम में विस्तार, इससे कम कुशल श्रमिकों के लिए कार्य सुरक्षित होगा और इसमें कुशल कामगारों को लक्षित कर बनाए गए कार्यक्रम शामिल हों। इन्हें गंतव्य देशों में किए गए समझौतों के संदर्भ में विकसित किया जा सकता है। ये समझौते उस सार्वजनिक चर्चा के आधार पर राजनीतिक प्रक्रिया के जरिए किए गए हैं जो अलग-अलग हित, स्थानीय प्राथमिकताओं, मांग और उस संवाद के बीच संतुलन बनाने का कार्य करते हैं जिसमें स्रोत देश, नियोक्ता और मजदूर संदेश शामिल होता है। इन सभी प्रक्रियाओं के कारण प्रवासी श्रमिकों के अधिकार, सुरक्षा, और संरक्षण मजबूत हो रहे हैं।
- *स्रोत देशों में कार्रवाई करना*। स्रोत देश प्रवासी श्रमिकों को उनके अधिकारों और दायित्वों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए कौशल विकास और प्रशिक्षण जैसी पहल की शुरुआत कर सकते हैं। वे गंतव्य देशों की संस्कृति, कायदे और कानून के प्रति प्रवासी व्यक्ति को शिक्षित करने के लिए अनुकूलन कार्यक्रम को पूरा करने का लक्ष्य भी निर्धारित कर सकते हैं।
- *प्रवासन के वैश्विक प्रबंधन में सुधार*। प्रवासन और विकास पर बना मौजूदा वैश्विक फोरम, जिसमें 150 देश प्रतिभागी हैं, आम प्रतिक्रियाओं के माध्यम से पलायन की चुनौती का समाधान करने के लिए एक अच्छा मंच मुहैया करा रहा है। इस तरह के मंच का महत्व तब और बढ़ जाता है जब दुनिया यूरोप में मौजूदा संकट जैसी समस्याओं का सामना करती है। इस तरह के फोरम की मदद से प्रवासन के वैश्विक प्रबंधन में प्रासंगिक सुधारों के जरिए प्रवासन के दौरान और लक्षित देशों में कार्य करते वक्त प्रवासियों की सुरक्षा और अवसरों में वृद्धि करते हुए सुधार लाया जा सकता है।

श्रमिकों की भलाई को सुनिश्चित करने के लिए रणनीति

कार्य या रोजगार से मानव विकास में बढोत्तरी होनी चाहिये लेकिन जैसा कि हमने पिछले अध्याय में देखा, ये कम हो गया। यानी रोजगार और मानव विकास के बीच का संबंध हमेशा स्वत: और सीधा नहीं होता। कार्य को लेकर व्यक्ति विशेष का चुनाव असंख्य प्रभावों के अधीन होता है और ये कार्य की गुणवत्ता में बदलाव लाता है। पिछले भाग में हमने कार्य के अवसरों को बढ़ाने के तरीके पर चर्चा की। इन नीतियों को ऐसी नीतियों से पूरित किया जा सकता है जो श्रमिकों की भलाई करे और लोगों के उन विकल्पों में विस्तार लाये जो वैतनिक या अवैतनिक हर तरह के कार्य को करते वक्त मिलते हों।

श्रमिकों का कल्याण कामगारों के अधिकार और लाभ में शामिल होता है। एक तरफ तो कामगारों की सुरक्षा, भागीदारी और आवाज महत्वपूर्ण है तो दूसरी तरफ उन्हें होने वाली आय और सामाजिक सुरक्षा के लाभ का भी काफी महत्व है। श्रमिकों का कल्याण उनके कार्य की गुणवत्ता के साथ ही साथ उनके जीवन की गुणवत्ता के साथ भी जुड़ा हुआ है।

श्रमिकों के अधिकार और लाभ की गारंटी करना

श्रमिकों के अधिकार मानव अधिकार भी हैं। इस प्रकार इन अधिकारों को सुनिश्चित करने का आंतरिक के साथ ही साथ निमित्त महत्व भी है। एक ओर तो श्रमिकों के अधिकार को सुनिश्चित करने से लोग सुरक्षित और संरक्षित होते हैं जबकि दूसरी ओर यह आय, सुरक्षा, रचनात्मक अवसर, सामाजिक संपर्क और कार्य से जुड़े अन्य लाभ में अच्छी भागीदारी को भी सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है।

श्रमिक के अधिकारों और लाभों की गारंटी कार्य और मानव विकास के बीच सकारात्मक कड़ी को मजबूत करता है और नकारात्मक कड़ी को कमजोर करता है। सकारात्मक कड़ी इस बात को सुनिश्चित करती है कि श्रमिकों का अधिकार और लाभ अच्छी मजदूरी से आगे बढ़े और। यह ऐसा माहौल भी तैयार करती है जो कामगारों को उत्पादक, सुरक्षित और सशक्त बनाती है। नकारात्मक कड़ी को कमजोर करने का मतलब है श्रमिकों के अधिकारों की गारंटी करना और उनके शोषण, अपमानए असुरक्षित कार्य माहौल और गरिमा में कमी को दूर करना।

शीर्ष से- कानून और नियम सेट करना।

दुनिया भर के लाखों करोड़ों श्रमिकों की सुरक्षा के लिए कानून और विनियमन बेहद महत्वपूर्ण हैं। ये उन श्रमिकों को खबरदार करने के लिए काफी मायने रखता है जो मानव विकास को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों में शामिल होते हैं। या वैसे श्रमिकों के लिए भी कानून और विनियमन जरूरी है जो उच्च जोखिम वाले कार्य, जैसा कि अध्याय 1 में विस्तार से बताया गया है, करते हैं। नीतिगत विकल्प विभिन्न रूप ले सकते है:

- *बेरोजगारी और मजदूरी से जुड़ी अच्छी नीतियां*। बेरोजगारी बीमा और न्यूनतम मजदूरी श्रमिकों के हित में होती है और उन्हें आर्थिक सुरक्षा मुहैया

कराते हुए सशक्त करती है। कई मामलों में इन दोनों को मजबूत करने की जरूरत है। 2013 में श्रम शक्ति के केवल 30 फीसदी हिस्से को ही कानूनी रूप से बेरोजगारी लाभ (आवधिक नकद) मिल रहा था। यह 90 के दशक से 18 फीसदी अधिक है। दक्षिण एशिया में न्यूनतम मजदूरी औसत मजदूरी का 58 फीसदी थी जबकि उप सहारा अफ्रीका में ये केवल 18 प्रतिशत थी। इस संदर्भ में दो नीतिगत विकल्पों पर विचार करना जरूरी है: इसमें न्यूनतम मजदूरी को बढ़ाना और इसे कर ऋण के साथ पूरक के रूप में पेश किया जा सकता है ताकि कार्य करने वाले गरीबों को जीवन निर्वाह करने लायक मिलने वाली आय को बढ़ाया जा सके। इस तरह की नीतियों को निवेश को हतोत्साहित करने की जरूरत नहीं है क्योंकि पारंपरिक धारणा के विपरीत जो प्रमाण मिले हैं वे बताते हैं कि श्रम नियम रोजगार सृजन के लिए प्राथमिक बाधा नहीं हैं।

- *श्रमिकों के अधिकारों को सुरक्षित करना और उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करना।* कार्य की रक्षा और सुरक्षा को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए पहले से ही मार्गदर्शन करने वाले समझौते हैं। जैसे कि संघ की स्वतंत्रता, बेगार, भेदभाव, बाल श्रम और घरेलू कामगार पर आठवां मौलिक सम्मेलन जिनसे मिलकर मजदूरों के अधिकारों का चार्टर (आंकड़ा संख्या 9 में विस्तार से देखें) बनता है। लेकिन निम्नलिखित उद्देश्यों को साथ इनका अनुसरण करने और विभिन्न देशों द्वारा लागू करने की जरूरत है:
  - *आठवें सम्मेलन को मंजूरी देना और लागू करना तथा कार्यान्वयन की प्रगति पर रिपोर्टिंग करना।* 170 से अधिक देशों ने 1951 के समान पारिश्रमिक सम्मेलन और 1958 का भेदभाव (रोजगार और व्यवसाय) सम्मेलन की पुष्टि की है। लेकिन कुछ ने इसे अस्वीकार किया है (देखें आंकड़ा 6-1)। 2014 तक 65 देशों में रोजगार के क्षेत्र मे हो रहे भेदभाव पर रोक लगाने के लिए कानून थे। ये कानून कम से कम उनके क्षेत्र में यौन अभिविन्यास के आधार पर कार्य करते थे जिनकी संख्या 15 साल पहले इससे तीन गुनी अधिक थी (आंकड़ा 6.2)। यदि समर्थन की जरूरत है तो वैश्विक समुदाय को चाहिये कि वह इनके लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता के प्रयासों में वृद्धि करे।
  - *श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा करने और उन्हें मजबूत बनाने तथा सभी तरह के भेदभाव और अपमान को दूर करने के लिए कानूनी खांचे में रखना और कानून को मजबूत बनाना (बॉक्स 6.7)।* श्रमिक अधिकार, रक्षा, सुरक्षा और कार्य परिस्थितियां इस तरह के ढांचे का हिस्सा हो। वैश्विक रूप से, दूसरे श्रमिकों को शामिल करता इससे मिलता जुलता सामान्य श्रम कानून वैतनिक घरेलू कामगार का केवल 10 फीसदी हिस्सा है (आंकड़ा 6.3)।

रेखांकन 6.1

170 से अधिक देशों ने 1951 के समान पारिश्रमिक सम्मेलन और 1958 के भेदभाव (रोजगार और व्यवसाय) सम्मेलन की पुष्टि की है। लेकिन कुछ ने इसे अस्वीकार किया है।

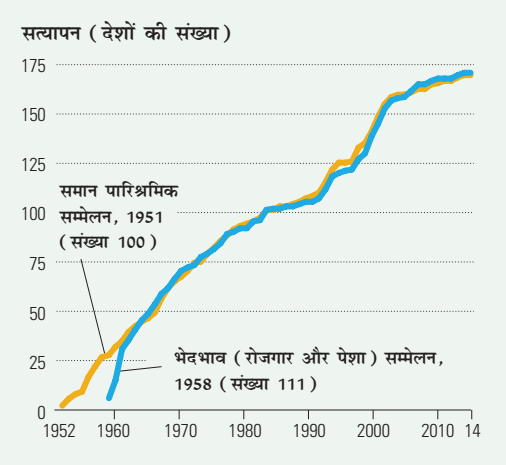

स्त्रोत : आईएलओ 2014d।

सुनिश्चित करना कि विकलांगता के साथ भी लोग कार्य कर सकते हैं

विकलांगता के साथ लोग बस कार्य करने के लिए अलग तरीके से सक्षम होते हैं। वास्तव में, यदि पहुंच और लचीलेपन में उचित निवेश किया जाए तो अक्षम व्यक्ति कार्य में काफी योगदान कर सकते हैं। अक्षम लोगों के लिए कार्य की जगह एक बराबरी का क्षेत्र बन सकता है यदि नियोक्ता का दृष्टिकोण दान और सहायता को निवेश में बदलना हो। कुछ नीतिगत विकल्पों में शामिल है:

- *विकलांगो को एक ऐसा माहौल देना जो उनकी उत्पादकता के अनुकूल हो।* नकारात्मक धारणाओं, सांस्कृतिक मानदंडों, परिवहन की समस्या, संसाधनों तथा परिसर तक पहुंच में मुश्किल और इस तरह की कई परेशानियों के कारण विकलांगों के लिए कार्य खोजना और उसे बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। सूचना प्रवाह और ढांचे में परिवर्तन विकलांगों को कार्य पाने के काबिल बनाते हैं और नियोक्ता को उनकी प्रतिभा का लाभ उठाने में सक्षम बनाते हैं।
- *विकलांग लोगों के पक्ष में व्यवहार संबंधी प्रोत्साहन।* सामाजिक मानदंडों और धारणाओं को बदलना ताकि लोग ये मानें कि विकलांग अलग

श्रमिकों के अधिकार मानव अधिकार भी हैं।

रेखांकन 6.2

2014 तक, यौन झुकावों के आधार पर रोजगार में भेदभाव पर रोक लगाने के लिए 65 देशों में कानून थे- कम से कम उनके क्षेत्र के कुछ हिस्सों में - ये 15 साल पहले के तिगुने से भी अधिक था।

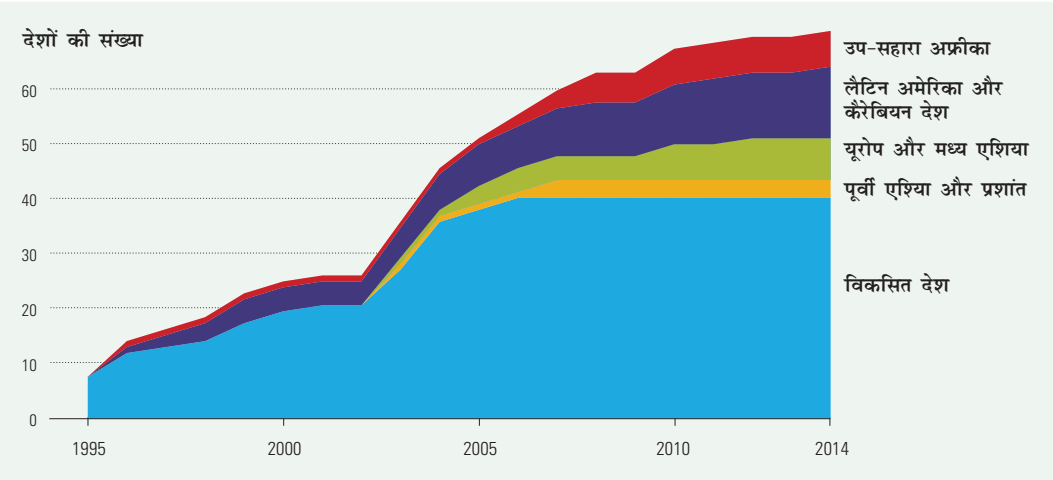

स्त्रोत :

बॉक्स 6.7

यौनकर्मियों के अधिकारों की सुरक्षा।

यौनकर्मियों के अधिकारों की रक्षा करना, उनकी सेहत और सुरक्षा को सुनिश्चित करना और हिंसा के खिलाफ उनकी रक्षा करना बुनियादी प्राथमिकताएं हैं। इसके अलावा, यौनकर्मियों को श्रम कानून के दायरे में लाया जाए तो वे भी उसी नियंत्रण और निगरानी के अधीन होगें जो बेगार के कारण दूसरे कार्यों पर रखे गए मजदूरों पर लागू होता है।

साल 2003 में न्यूजीलैंड ने वेश्यावृत्ति सुधार अधिनियम को अपनाया, जिसने देश में यौनकर्म के क्षेत्र को प्रभावी तरीके से अपराध मुक्त किया और यौनकर्मियों और उनके ग्राहकों के लिए सेहत और सुरक्षा के प्रबंध किए। इस अधिनियम ने यौनकर्मियों को कानूनी व्यवस्था तथा ग्राहकों के साथ और विकल्पों में सौदेबाजी को मजबूती प्रदान की है। साथ ही, पुलिस और स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ उनके रिश्ते भी सुधरे हैं। देश से मिले सबूत बताते हैं कि यदि यौनकर्मियों को सहयोग मिले तो वे अपने समुदाय की ओर से उनके हितों की वकालत करने की अपनी योग्यता को बेहतर बनाने और व्यवस्थित करने में सक्षम होते हैं और उन्हें कार्य की परिस्थितियों और कामगारों की सुरक्षा को बेहतर बनाने के काबिल बनाती है।

नोट : बार्नेट 2007।
स्त्रोत : संकुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम एचआईवी और स्वास्थ्य समूह।

विकलांगता के साथ लोग कार्य करने के लिए अलग तरीके से सक्षम होते हैं।

ढंग से किसी कार्य को करने में सक्षम हैं और बुनियादी रूप से उन्हें कार्य करने का उचित अवसर दें। इसके लिए कानूनी ढांचे के साथ पूरक होना पड़ेगा और विकलांगों के साथ किसी भी भेदभाव को हतोत्साहित करना होगा।

- *क्षमता और अवसरों को बढ़ावा देना।* विकलांगों को कौशल और व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर, स्व-रोजगार के लिए वित्त जैसे उत्पादक संसाधनों तक पहुंच को बढ़ाकर, और उचित मोबाइल डिवाइस के जरिए सूचना मुहैया कराके ये सारे उद्देश्य पूरे किए जा सकते हैं।
- *पहुंच को सुनिश्चित करना।* कार्य की जगह जाने और आने के यातायात के साधनों को सुधारने के लिए उचित कदम उठाए जाने होंगे, और परिसर और दफ्तर के स्पेस, कार्यस्थल और उपकरण तक पहुंच में सुधार लाना होगा।
- *उचित तकनीक अपनाना।* तकनीक विकलांगों की क्षमता को बढ़ा सकता है। कई कम आय वाले देशों में केवल 5 से 15 प्रतिशत लोगों को ही, जिन्हें जरूरी सहायक उपकरणों और तकनीकों की जरूरत है, ये उपकरण और सुविधा उपलब्ध हैं।
- *वैकल्पिक कार्रवाई जारी रखना।* विकलांग लोगों के लिए नौकरियां उपलब्ध हैं, इसे सुनिश्चित करने के लिए हमें लक्षित हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी। इस संबंध मे सकारात्मक कार्रवाई (जैसे कि कोटा का उपयोग) न केवल विकलांगों के लिए नौकरियों

रेखांकन 6.3

वैश्विक रूप से, 2010, वही सामान्य श्रम कानून जिसके अधीन दूसरे सभी कामगार आते हैं उनके अधीन केवल 10 प्रतिशत घरेलू कामगार आते हैं।

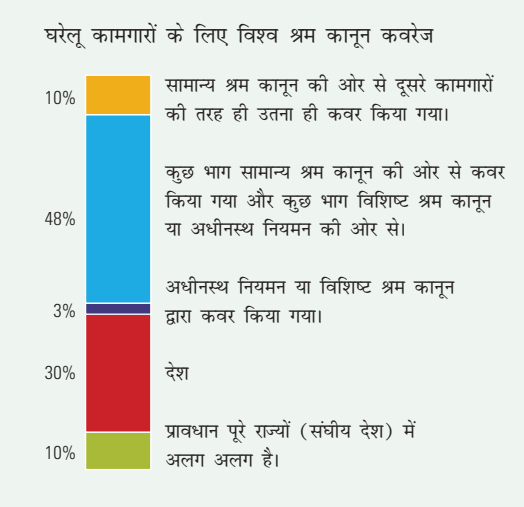

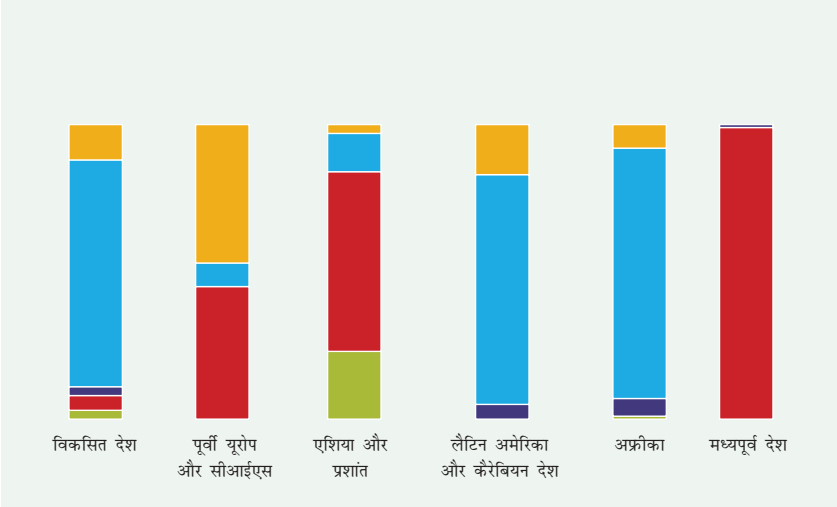

स्त्रोत : आईएलओ 2013b।

को आरक्षित करता है बल्कि ऐसे कार्यक्रम समाज के बाकी हिस्सों को ये देखने समझने का एक अवसर देते हैं कि विकलांग भी सक्षम हैं और वे भी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं, जिसका संभवत: समाज के मानदंडों को बदलने, विकलांगों के प्रति पूर्वाग्रहों को दूर करने में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

- *बड़े डेटा का उपयोग, लेकिन सावधानी के साथ।* विकलांगों से जुड़े रोजगार के रुझानों पर नजर रखने के लिए डेटा का संग्रह और इस्तेमाल नीति निर्णाण में मदद कर सकता। बड़े डेटा में श्रम बाजार में मौजूद भेदभाव को उजागर करने की क्षमता होती है, और ऐसा करते हुए वह सुधारात्मक नीतियों को गति प्रदान करता है। हालांकि, ऐसा करने में कुछ जोखिम भी हैं, उदाहरण के लिए, एल्गोरिदम का उपयोग, जो नियोक्ताओं को उम्मीदवारो के लिए सिफारिश करता है (ऐतिहासिक रुचि या प्रदर्शन संकेतक, और उपलब्ध सभी दूसरी जानकारियों पर आधारित) और जो जाति, सामाजिक वर्ग और लिंग (जो सोशल नेटवर्क की जानकारी से अनुमान लगाया जा सकता है) पर आधारित वर्तमान पक्षपात तथा पूर्वधारणा को फिर से जागृत कर सकता है, जिससे ऐतिहासिक रूप से संबद्ध वंचित समूहों के लिए एक दायित्व शुरू होता।

कामगारों के अधिकार और सुरक्षा को सीमा पार का मुद्दा बना देना

सीमा पार कार्रवाई वैश्विकृत दुनिया में आधारभूत है जहां दोनों कार्य और कामगार सीमाओं से परे चले जाते हैं। उपायों में शामिल होते है:

- *कामगारों के सीमा पार आवाजाही को सुविधाजनक बनाने और उन्हें अपने कार्य का लाभ लेने में मदद करने के लिए वैश्विक श्रम सम्मेलन के आधार पर एक ठोस नियामक ढांचे का निर्माण करना।* उदाहरण के लिए, प्रवासी कामगारों के लिए, इस तरह का ढांचा कामगारों के प्रवासन को कानूनी माध्यमों से सरल और कारगर बना सकती है और भेजी हुई रकम के कुशल हस्तांतरण को सुनिश्चित करती है ताकि इन संसाधनों का प्रभावी इस्तेमाल हो सके। यह कार्य परिस्थितियों, जैसे कि भुगतान वाले घरेलू कार्य करने वालों सहित इन प्रवासी मजदूरों के कार्य के घंटे, पगार और सुरक्षा, के लिए नियम और ठोस दिशा-निर्देश को भी स्थापित कर सकता है। इस तरह की व्यस्थाएं अक्सर द्विपक्षीय रूप से समझौता करती हैं। इस तरह के तंत्र पर अक्सर द्विपक्षीय रूप से सहमित बनती है, लेकिन बहुदेशीय या उपक्षेत्रेय दृष्टिकोण से दिशा-निर्देशों और बाध्यकारी नियमों पर कुछ सहमति बन सकती है। यदि इन्हें अच्छे तरीके से तैयार किया जाए तो ऐसे तंत्र जनता के लिए प्रभावकारी क्षेत्रीय या उपक्षेत्रीय साधन बन सकते हैं।

ऐसे तंत्र की सीमाओं को महत्वाकांक्षी आर्थिक प्रवासियों, जो उप-सहारा अफ्रीका से यूरोप और दक्षिण

सीमा पार कार्रवाई वैश्विकृत दुनिया में आधारभूत है जहां दोनों कार्य और कामगार सीमाओं से परे चले जाते हैं।

एशिया से दक्षिण-पूर्वी एशिया जाने के लिए सभी तरह के खतरे (जैसे कि जरूरत से ज्यादा लदे हुए और सुमद्री यात्रा के लिए अयोग्य नौकाओं से समुद्र और महासागर पार करना) को उठाते हैं, को शामिल करने के लिए बढ़ाया जा सकता है। गतिशीलता जैसे जैसे बढ़ती है और लोग खतरे उठाना जारी रखते हैं, इन तंत्रों के तहत प्रावधानों को (जैसे कि सुरक्षा को प्राथमिकता देने या प्रवासियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कोटा शुरू करना) शुरू किया जा सकता है।

- उपक्षेत्रीय रेमिटेंस (भेजी हुई रकम), क्लियरिंग हाउस और रेमिटेंस बैंक जिनका संबंध श्रम भेजने वाले देशों से है, को विकसित करना। ऐसे संस्थान कुशल और कम लागत वाले संसधानों और प्रवासी मजदूरों के मेहनत की कमाई की सुरक्षा को सुनिश्चित कर सकते हैं।
- *स्रोत देशों को प्रवासी घरेलू कामगारों को उनके अधिकारों के बारे में सचेत करने और दुरुपयोग और शोषण होने पर सहायता प्रदान करने ज्यादा सहयोग देना*। गंतव्य देशों में सरकार को प्रवासी घरेलू कामगारों के लिए औपचारिक अनुबंध और श्रम कानूनों को लागू करना चाहिए। उन्हें कामगारों के परिवार के सदस्यों के लिए वीजा से जुड़े प्रतिबंधों को भी कम करना और राष्ट्रीय शिक्षा व्यवस्था में प्रवासी बच्चों का समन्वयन करना चाहिए ताकि परिवार से बेवजह की जुदाई जैसी स्थिति से बचा जा सके।

सामूहिक कार्रवाई ने कार्य और मानव विकास के बीच की कड़ी को मजबूत किया है।

निचले स्तर से- श्रमिक संघवाद और सामूहिक कार्रवाई को बढ़ावा देना

सामूहिक कार्रवाई ने, क्षतिपूर्ती और सामाजिक बीमा बढ़ाकर और कार्य करते हुए स्वास्थ्य के खतरों के खिलाफ सुरक्षा देकर, कार्य और मानव विकास के बीच की कड़ी को मजबूत किया है। सामूहिक कार्रवाई एजेंसी और व्यक्ति की आवाज को तेज करने वाले साझा मूल्यों और कामगारों की एकजुटता का निर्माण करने में जीवंत भूमिका निभाता है।

श्रम बाजार में वैश्वीकरण, तकनीकी क्रांति और बदलाव कार्य के नए तरीके रच रहे हैं, और ये स्पष्ट है कि इस नए और जटिल संदर्भ नीति में सामूहिक कार्रवाई को बढ़ावा देने के विकल्पों पर विचार करने की जरूरत है, जैसे कि:

- *सामूहिक कार्रवाई के लिए सुधार*। सरकारी सुधार जो श्रम मानकों की पुनर्पुष्टि करते हैं, कामगारों को सामूहिक रूप से सौदेबाजी करने का मौका देते हैं, सभी हितधारकों- कामगार, प्रबंधक और शेयरधारक- को कार्यकारी वेतन के फैसलों में एक हक देते हैं, कामगारों की आवाज को तेज कर सकते हैं और श्रम पारिश्रमिक को बेहतर बना सकते हैं।
- *सामूहिक कार्रवाई के उभरते रूप*। अलग अलग तरह के कार्यों को अलग अलग तरह के संगठनों की जरूरत पड़ती है। अनौपचारिक कामगार निकायों जैसे कि भारत का स्व-नियोजित महिला संगठनए अंतर्राष्ट्रीय कामगार संगठन जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय श्रम संघ परिसंघ और प्रवासी कामगारों को सुरक्षा देने वाले निकाय तथा घरेलू कामगार जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय घरेलू कामगार परिसंघ और मौजूदा संस्थानों में से कुछ (देखें बॉक्स 6.8)। लेकिन अधिकांश कामगार न तो आवाज उठा पाते हैं न ही उनका कोई प्रभाव होता है और सामूहिक संगठनों में नवाचार के लिए ज्यादा जगह होती है जो आधुनिक कामगारों की चुनौतियों और माहौल को दर्शाती है।
- *लचीले श्रमिकों के लिए अभिनव सामूहिक कार्रवाई*। कामगारों के अधिकार और 'गिग इकोनॉमी' में जो कार्य करते हैं- क्राउड वर्कर और अन्य के हितों की सुरक्षा करने के लिए कार्रवाई और संस्थानों की जरूरत है। फ्रीलांसर यूनियन का उदाहरण लें, जिसमें 250,000 स्वतंत्र ठेकेदार हैं। अमरीका में

बॉक्स 6.8

स्व-नियोजित महिला संस्था- दुनिया का सबसे बड़ा अनौपचारिक श्रमिक ट्रेड यूनियन।

स्व-नियोजित महिला संस्थान में करीब 20 लाख सदस्य हैं। ये सभी महिलाएं निर्धन कामकाजी महिलाएं हैं। ये दुनिया के सभी धर्म और जातीय समुदाय से आती हैं और देश के 10 राज्यों में कई तरह के व्यवसाय या उद्यम में लगी हैं। इसे अनौपचारिक मजदूरों का दुनिया का सबसे प्रभावशाली संगठन माना जाता है। इसकी नीतियां, नियम और प्रैक्टिस हर स्तर पर बेहद प्रभावी होती हैं।

यह संगठन आत्मनिर्भरता, चाहे वो व्यक्तिगत हो या सामूहिक, पर जोर देता है। यह रोजगार, आमदनी, भोजन और सामाजिक सुरक्षा चार चीजों के लिए कार्य करता है। वैसे तो यह मुख्य रूप से ट्रेड यूनियन है लेकिन यह संस्था व्यापक पैमाने पर हस्तक्षेप करने में शामिल है। उदाहरण के लिए नेतृत्व विकास, सामूहिक सौदेबाजी, नीतियों की वकालत, वित्तीय सेवाएं (बचत, ऋण और बीमा), सामाजिक सेवा, आवास और बुनियादी सेवाएं तथा प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण।

संस्था विभिन्न स्तरों पर उनका प्रतिनिधित्व बढ़ाते हुए अपने सदस्यों की आवाज बुलंद करना चाहती है। उसका लक्ष्य स्थानीय निकायों, नगर निगम, राज्य और राष्ट्रीय नियोजन निकायों, त्रिपक्षीय बोर्ड, न्यूनतम मजदूरी और दूसरे अन्य सलाहकार बोर्ड, क्षेत्र विशेष व्यापार संघों, और स्थानीय, राज्य और राष्ट्रीय श्रम महासंघों में सदस्यों को भाग लेने के अवसर पैदा करना है।

स्त्रोत : चेन, बोनर और कैरे 2015।

देश के कार्यबल का 40 प्रतिशत, 53 मिलियन फ्रीलांसर हैं। फ्रीलांसरों की आबादी का 10वां भाग अस्थायी है, जो किसी एक नियोक्ता के लिए ठेके पर कार्य करता है।[35] भौगोलिक रूप से बिखरे होने के बावजूद क्राउड वर्करों ने आपसी एकजुटता के साथ ही कार्यस्थल की एकजुटता को डिजिटल स्वरुप स्थापित किया है।

- *विरोध और प्रदर्शनों के जरिए सामाजिक आंदोलन।* दुनिया भर में बढ़ते सामाजिक आंदोलनों के जरिए देखा जा सकता है कि कामगारों की एक और तरह की एजेंसी आकार ले रही है। उनमें से अधिकांश की प्रेरणा हैं नौकरी, बेहतर श्रम स्थितियां और अधिक मजदूरी। जब तक रोजगार और कामगारों की जरूरतें नीति की प्राथमिकताओं में शामिल नहीं होंगी, लंबे समय तक और अनिश्चित अवधि तक रहने वाली अशांति कई देशों की हकीकत बन जाएगी।
- *नई सूचना और संचार तकनीक।* तकनीक का उपयोग कामगारों को जुटाने, वे जहां भी हों, दूसरे लोगों से संवाद बनाने के लिए सोशल नेटवर्क तक उनकी पहुंच बनाने में किया जा सकता है। इससे कामगारों के लिए सहयोग जुटाया जा सकता है और कार्य की स्थितियों के बारे में जनता में जागरूकता भी बढाई जा सकती है, विशेष तौर से व्यक्तिगत मामलों में और कॉरपोरेशन की गतिविधियों की निगरानी करने में। क्लीन क्लोथ अभियान इंटरनेट का इस्तेमाल करते हुए स्थानीय गैर-सरकारी संगठन और वर्करों के गठबंधन का एक अच्छा उदाहरण है।
- *राज्य की ठोस कार्रवाई।* सरकार, नियोक्ताओं और कामगारों के बीच त्रिपक्षीय विचार विमर्श लंबे समय तक कार्य के नियमन की विशेषता रहा है। लेकिन अब हाल के वर्षों में यह संतुलन राज्य के कम हस्तक्षेप के साथ कामगारों और नियोक्ताओं के बीच के संवाद की ओर खिसक गया है। घटती कामगार एजेंसियां और बढ़ती सामाजिक कलह के बीच त्रिपक्षीय व्यवस्था में सरकार की भूमिका बड़ी हो गई है।

मौजूदा संस्थानों (जैसे कि ट्रेड यूनियन) के जरिए सामूहिक कार्रवाई को बढ़ावा देने के साथ ही साथ वैकल्पिक संस्थागत तंत्र के अन्वेषण की जरूरत है। ये जरूरत न केवल कामगारों के अधिकार, आवाज और भागीदारी को सुरक्षित करने के लिए है, बल्कि व्यापक सामाजिक उद्देश्यों जैसे कि सामाजिक एकता, स्थिरता और विकास के लिए भी है। अगर ये तंत्र न हो, या मौजूदा संस्थान अपनी ताकत खो दें तो कामगारों की भलाई में कमी आ सकती है, या समाज पर प्रतिकूल असर डालने वाला राजनीतिक आंदोलन हो सकता है। इसलिए, समाज के व्यापक हित में सभी हितधारकों को कामगारों की भलाई को बनाए रखने वाले संस्थानों को मजबूत बनाने की दिशा की ओर कार्य करना चाहिए। 1985-2002 के बीच 100 विकसित और विकासशील देशों के लिए पैनल डेटा का इस्तेमाल करते हुए किया गया एक अध्ययन बताता है कि सामूहिक श्रम अधिकार (जैसा कि सामूहिक श्रम अधिकार सूचकांक की ओर से आकलन किया गया) का संबंध निम्न आय असमानता से है।[37]

सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करना

सामाजिक संरक्षण की अवधारणा सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक सहायता या सामाजिक सुरक्षा तंत्र से कहीं अधिक व्यापक है। इसमें तीनों व्यवस्थाओं का संयोजन होता है और ये कामगारों की भलाई और कामकाजी जिंदगी में लोगों के विकल्प को बेहतर बनाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। आज दुनिया की आबादी के केवल 27 प्रतिशत को ही व्यापक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली की सुविधा प्राप्त है। दूसरे शब्दों में कहें तो 73 प्रतिशत यानी 53 लाख लोग व्यापक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली से वंचित हैं।[38] हाल के वर्षों में अधिकांश मध्यम आय और कुछ निम्न आय वाले देशों ने अपनी व्यवस्था का विस्तार किया है। हालांकि इनमें से कुछ कानूनी नहीं हैं और उनके लिए फंडिंग सुरक्षित वित्त की व्यवस्था नहीं है। विकसित देशों में सामाजिक सुरक्षा की बढ़ती मांग के बावजूद, 2008 के वित्तीय संकट ने सामाजिक सुरक्षा पर सवाल खड़े करते हुए व्यापक तौर पर इसे संकुचित कर दिया। उदाहरण के लिए, वृद्ध लोग कम से कम 14 यूरोपीय देशों में अब कम पेंशन पाते हैं।

आज दुनिया की आबादी के केवल 27 प्रतिशत को ही व्यापक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली की सुविधा प्राप्त है।

व्यापक सामाजिक सुरक्षा की ओर बढ़ते कदम

सामाजिक सुरक्षा में विस्तार लाने और कार्य और मानव विकास के बीच कड़ी स्थापित करने के लिए कुछ नीतियों के विकल्पों में शामिल हैं:

- *अच्छी तरह से तैयार और लक्ष्यों के साथ और बेहतर तरीके से लागू किए जाने वाले सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम को लाना।* सभी नागरिकों के लिए नकद रूप से सोशल ट्रांसफर करते हुए सामाजिक सुरक्षा की गारंटी का मामूली सेट और बुनियादी बातों को उपलब्ध कराना। वैश्विक पेंशन, बाल लाभ और रोजगार योजना के साथ इस तरह की सुविधा प्रदान करने का खर्च भारत में जीडीपी का 4 प्रतिशत जबकि बुरकिना फासो की जीडीपी का 11 प्रतिशत आएगा। यदि प्रगतिशील कर प्रणाली, व्यय का पुनर्गठन, सब्सिडी से मुक्ति और अंशदायी योजनाओं का विस्तार जैसी चीजों को अपना लिया जाए तो संसाधनों को जुटाया जा सकता है।
- *सामाजिक सुरक्षा को समुचित कार्य रणनीति के साथ संयोजित करना।* ये प्रोग्राम निर्धनों को रोजगार देगा जबकि दूसरी ओर यह सामाजिक सुरक्षा नेट के रूप

सामाजिक सुरक्षा के उपाय, जब श्रम बाजार की नीतियों के साथ मिल जाते हैं, तब रोजगार सृजन को आसान कर देते हैं

में सेवाएं भी देगा। भले सामाजिक सुरक्षा वैतनिक कार्यों के लिए हतोत्साहित करने वाला साबित हो सकता है, आम सहमति यही है कि अपने आप में सामाजिक सुरक्षा उपाय जरूरी नहीं कि बेरोजगारी में वृद्धि करें। और वे, खासकर जब उन्हें श्रम बाजार की नीतियों के साथ संयोजित किया जाए तो वे रोजगार सृजन को बढा सकते हैं। रोजगार सृजन, निर्धनता में सुधार और खतरे के खिलाफ लोगों की सुरक्षा जैसी चीजें एक आदर्श परिणाम हैं, जैसा कि बांग्लादेश में (बॉक्स 6.9) सार्वजनिक संपत्ति में ग्रामीण रोजगार अवसर में समझाई गई हैं। सामाजिक सुरक्षा (खासकर बेरोजगारी लाभ) को प्रशिक्षण और रोजगार अनुसंधान सहायता से जोड़ने से बेरोजगार कामगारों को श्रम बल में फिर से समन्वित होने में मदद मिलती है।

इस तरह दो तरह की कार्रवाई क्रम में है: सामाजिक सुरक्षा में क्षतिपूरक उपाय और श्रम बाजार में सुधारात्मक उपाय। कामगारों के लिए दूसरे श्रम बाजारों की स्थितियों में सुधार, भागीदारी और वेतन (युवा और महिला कामगोरों जैसे वंचित समूहों के लिए अंतराल सहित) की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था के भविष्य को आकार देने में जीवंत भूमिका होती है।

- *जीविका आय उपलब्ध कराना*। जीविका आय सभी (एक नागरिक की आय) के लिए, रोजगार बाजार के आत्मनिर्भर, मूलभूत न्यूनतम आय उपलब्ध करा सकती है। कार्य की वर्तमान बदलती दुनिया में जीविका आय अधिक प्रासंगिक हो गई है, जैसे स्वचालन से बहुत सारे श्रमिक नौकरियों से बाहर हो सकते हैं, क्योंकि नौकरियों की प्रकृति बदल रही है और कई नौकरियों के समाप्त हो जाने (अगले 20 वर्षों में 50 प्रतिशत से अधिक उपलब्ध नौकरियों पर संकट हो सकता है) का खतरा उत्पन्न हो गया है।[41] आगे का रास्तों में एक यह हो सकता है कि व्यक्तियों की योग्यता बढ़ाने के लिए अवैतनिक कार्यों में अपना समय लगाने पर ध्यान देना जिससे मानव विकास को बढ़ाया जा सकता है, सभी नागरिकों को बिना किसी कर शर्त के साथ उपलब्ध कराया जा सकता है, जो वैतनिक कार्य में गिरावट से प्रतिफल जैसा बनाया जा सकता है। जीविका आय के प्रस्ताव के संदर्भ में दो आपत्तियां उठाई जा सकती हैं – समाज इतने गरीब हैं कि वे इसे वहन नहीं कर सकते और यह कार्य के लिए हतोत्साहित करने वाले हो सकते हैं। पहली आपत्ति उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के लिए सत्य नहीं है और दूसरी अप्रासंगिक है क्योंकि उद्देश्य वैतनिक कार्य के लिए प्रोत्साहन बढ़ाने वाला नहीं है, लेकिन लोगों को वैतनिक कार्य के बिना रहने के लिए सक्षम बनाने वाला है।
- *स्थानीय संदर्भों के लिए सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम की सफल बुनावट*। नकदी हस्तांतरण या सशर्त नकदी हस्तांतरण के लिए कार्यक्रम ने प्रभावी सामाजिक सुरक्षा प्रदान की है, विशेषकर लैटिन अमेरिका में (उदाहरण के लिए ब्राजील में बोल्सा फेमिलिया और ओपारचुनिडेड्स, अब मैक्सिको में प्रोस्पेरा कहलाता है तथा दुनिया के अन्य हिस्सों (उप-सहारन अफ्रीका) में अपनाया गया। ये कार्यक्रम गरीब परिवारों के लिए आय समर्थन उपलब्ध कराता है और स्कूली शिक्षा तथा बच्चों के स्वास्थ्य देखभाल के लिए कोष बढ़ाकर मानव की क्षमताओं को निर्मित करता है। विभिन्न तरीकों से सशर्त नकदी हस्तांतरण संकटग्रस्त श्रम बाजार जोखिमों को कम करने में भी मददगार रहा है, जैसे निकारागुआ का काफी मूल्य संकट।
- *प्रत्यक्ष रोजगार गारंटी कार्यक्रम उपक्रम*। नकदी हस्तांतरण या सशर्त नकदी हस्तांतरण के बजाय, कई देशों ने रोजगार गारंटी को भी अपनाया।

बॉक्स 6.9

बांग्लादेश में सार्वजनिक संपत्ति के लिए ग्रामीण रोजगार के अवसर।

गरीबी बांग्लादेश के लाखों लोगों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों और उन परिवारों में जिनकी प्रमुख महिला होती है, को प्रभावित करती है। सार्वजनिक संपत्ति के लिए ग्रामीण रोजगार के अवसर – महिलाओं के नेतृत्व वाले परिवारों को सहायता पहुंचाने वाली परियोजना – स्थानीय सरकार की सबसे निचले स्तर की परिषदों के संघ के समर्थन के साथ छह खाद्य असुरक्षा वाले जिलों में शुरू की गई।

परियोजना के तहत निराश्रित महिलाओं को दो वर्ष का रोजगार और खाली समय के दौरान आकस्मिक श्रमिकों के लिए सुरक्षा व्यवस्था के साथ रोजगार उपलब्ध कराया गया। महिलाओं ने सामाजिक और कानूनी मुद्दों लैंगिक समानता, मानव अधिकार, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, पोषण और आय सृजन पर प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। 2008 और 2012 के बीच, 25,000 महिलाओं को दो वर्ष के लिए रोजगार मिला और आकस्मिक श्रमिकों के लिए 500,000 कार्य दिवस सृजित किए गए। करीब 11,000 से अधिक महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

मरम्मत के कार्य में लगे महिलाओं के कार्य समूह द्वारा 2009 से 2012 तक, बाढ़ की वजह से टूटी-फूटी 12,000 किलोमीटर महत्वपूर्ण ग्रामीण पूर्वी सड़कों की मरम्मत की गई। रोज 100 टका (करीब 1.25 अमेरिकी डालर) कमाने वाली हर महिला ने 30 टका की बचत करना अनिवार्य बना लिया था। 2010 और 2011 के दौरान हर महिला ने 51,100 टका नकद कमाया और 21,900 टका बचत किया और परियोजनाके तहत स्थानीय बचत बैंक खाते में जमा किया। इसके अतिरिक्त परियोजना की समाप्ति पर हर महिला को बोनस के रूप में 5,200 टका प्राप्त हुआ, परियोजना छोड़ने के साथ कुल बचत 27,100 टका रही।

स्त्रोत : यूरोपएड 2012।

अर्जेंटीना में जेफेस डे होगर और नेपाल में क्षेत्रीय करनाली रोजगार कार्यक्रम इसके उदाहरण हैं42, हालांकि भारत में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना सबसे अधिक प्रसिद्ध है। (बॉक्स 6.10)

बूढ़े लोगों के लिए हस्तक्षेप का लक्ष्य

बूढ़े लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा मजबूत करना – विशेषकर सेवानिवृत्ति या वैतनिक कार्य वापसी– प्राथमिकता होनी चाहिए। इसमें नीतिगत विकल्प भी शामिल हैं:

- *गैर अंशदायी बुनियादी सामाजिक पेंशन व्यवस्था का विस्तार करना।* 1990 और 2011 के बीच बहुत सारे देशों ने दोगुना से अधिक गैर अंशदायी बुनियादी और लक्ष्य आधारित पेंशन व्यवस्था लागू की – बुनियादी व्यवस्था के लिए 10–20 और लक्ष्य आधारित के लिए 20–4643 बूढ़े लोगों के लिए गरीबी कम करने को गैर अंशदायी व्यवस्था केवल एक पहला कदम है: कार्यक्रम बेहतर तरीके से वित्त पोषित और नियमों और संस्थाओं के साथ संबद्ध होना चाहिए जो जो कुशल संसाधन प्रबंधन में सक्षम हो।
- *पूरी तरह वित्त पोषित गैर अंशदायी पेंशन व्यवस्था की तलाश।* यह तरीका – जहां पेंशन पूर्व की बचत से निकाली जाती है – हाल के समय में फिर से उभरा है। चिली में 1981 में पहला कार्यक्रम शुरू किए जाने के बाद से, 1990 में 5 से ऊपर, 2011 में, 34 विकासशील देशों ने इस तरह के कार्यक्रम अपनाए।[44] दो दशक बाद, चिली में चुनौतियां सामने आईं और इस देश ने एक नए 'एकता स्तंभ' पर आधारित व्यापक सुधार प्रस्तुत किया (बॉक्स 6.11)। कुछ एक देशों (अर्जेंटिना और बोलिविया) ने भी अपनी व्यवस्थाओं में क्रांतिकारी परिवर्तन किए।[45]
- *बूढ़े लोगों के लिए सामाजिक पेंशन को वित्त पोषण।* इस तरह का वित्त पोषण पेंशन व्यवस्था के लिए अधिक योगदान और उचित कीमत पर व्यवस्था में पर्याप्त सुधारों, जिसमें दोनों यथार्थपरक हैं, के माधयम से प्राप्त किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, लैटिन अमेरिका में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के 10 प्रतिशत के बराबर गैर अंशदायी व्यवस्था (बूढ़े लोगों के बीच गरीबी कम करना), गैरअंशदायी स्तंभ के पूरक के लिए अनुदान के साथ, एक अनुमान के हिसाब से जीडीपी का 1.4–2.5 प्रतिशत होगा।[46]

बूढ़े लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा मजबूत करना प्राथमिकता होनी चाहिए।

असमानताओं को दूर करना

कार्य की बदलती दुनिया में, संवाहनीय मानव प्रगति के लिए ढांचागत चुनौतियों, जैसे असमानता को काबू में किए जाने की आवश्यकता है। जैसा अध्याय 3 में दिखा, श्रमिक वैश्विक कुल आय का एक बहुत छोटा हिस्सा प्राप्त करते हैं, जबकि पूंजी की वापसी का अनुपात काफी तेजी से बढ़ा है। अवसरों में भी सतत असमानता है, जैसा कि अध्याय 1 में उल्लिखित है। कार्य में अनगिनत असमानताएं शामिल हैं जो बिना नीतिगत हस्तक्षेप के बढ़ती ही जा सकती हैं। असमानताओं का विस्तारित होना मानव विकास के लिए एक चुनौती है क्योंकि वे क्षमताओं और विकल्पों में भेदभाव को बढ़ाती हैं।

परिणामों और अवसरों में असमानता निम्नलिखित मुद्दों पर ध्यान दिए जाने से कम की जा सकती है:

- *गरीब के पक्ष में रोजगार रणनीतियां बनाना और लागू करना।* एक प्रमुख समस्या यह है कि असमानता अपने आप को दोबारा पेश करती है; इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि रोजगार रणनीतियां

बॉक्स 6.10

भारत में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना – एक मील का पत्थर।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एक महत्वाकांक्षी, कृषि उत्पादकता सुधारने और भूमि अवक्रमण कम करने जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण गरीबों के फायदे के लिए मांग आधारित रोजगार-सृजन कार्यक्रम कानून 2005 में लागू की गई थी। यह ग्रामीण परिवारों को 100 दिन का अकुशल शारीरिक कार्य की गारंटी प्रदान करता है।

जैसे ही योजना के तहत पहले के रोजगार कार्यक्रमों का पुनिर्निर्माण शुरू किया गया, मूल्यांकन से पता चला कि अभियान के पहले वर्ष 2006–2007 में 20 मिलयन परिवारों के बीच 1 बिलियन से कम रोजगार सृजित हुआ, यह 2010–2011 में 50 मिलियन परिवारों के बीच 2.5 बिलियन तक पहुंच गया। इसके आधार पर अनुमान लगाया गया कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 0.02–0.03 तक बढ़ सकता है, श्रम आय 700 मिलियन रुपये बढ़ सकती है और सर्वाधिक गरीब परिवारों का कल्याण (जैसा शुरुआती खपत से स्लूटस्की समायोजन द्वारा मापा गया) 8 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। अनुसूचित जनजाति या अनुसूचित जाति के लोगों को भी लाभ हो सकता है।

फिर भी मूल्यांकन में, इस कार्यक्रम के प्रभाव शहरों और ग्रामीण इलाकों में निवास करने वाले लोगों, पुरुष और महिला, कम उन्नत और सुविधा संपन्न समूहों तथा अधिक शिक्षित बनाम कम शिक्षित समूहों के बीच विषम पाए गए। इसका राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय कोई उदाहरण नहीं है, जिसके कारण महत्वपूर्ण डिजाइन और प्रबंधकीय चुनौतियां प्रस्तुत करता है।

स्त्रोत : जेपेडा और अन्या 2013।

बॉक्स 6.11

चिली सुधार से सुधारों तक: अधिक एकता, अधिक योगदान।

चिली ने 1981 में पूर्ण वित्त पोषित अंशदायी पेंशन व्यवस्था आरंभ की। लेकिन दो दशकों बाद लाभान्वित होने वाले पक्ष और कुछ योगदान करने वालों की ओर से भी, योगदान के बहुत निचले स्तर व घनत्व तथा व्यापक लैंगिक असमानता संबंधी कुछ समस्याएं सामने आईं। इसके जवाब में, सरकार ने 2008 में व्यापक सुधार किया।

नए वास्तु ढ़ांचे के मुख्य बिंदुओं में कुछ सार्वभौमिक बुनियादी पेंशन पर्याप्त योगदान न करने वालों के लिए भी (समय में) और 65 की उम्र पर संसाधन के काफी अधिक संचय के बिना (विकलांकता के साथ रहने वाले लोगों के लिए विस्तारित); एक सामाजिक सुरक्षा एकता योगदान जो व्यवस्था के लिए योगदान करने वालों को बूढ़े लोगों और विकलांग लोगों के लिए) पेंशन बचत के पूरक हैं, स्व रोजगार वाले श्रमिकों से अनिवार्य योगदान (2018 तक पूरा किए जाना है), कर व्यवस्था के माध्यम से मजबूती पूरक स्वैच्छक बचतों के लिए अधिकाधिक मजबूत कार्य व्यवस्थाय और युवा श्रमिकों से पेंशन योगदान करने वालों के लिए अनुदान (व्यवस्था में प्रारंभिक हिस्सेदारी को प्रोत्साहन के लिए) और युवा श्रमिक नियोक्ता (युवा श्रमिकों को रखने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए), कम वेतन पर 18-35 वर्ष की उम्र के श्रमिकों को लक्षित करना।

2009 में श्रम बाजार में भेदभाव की क्षतिपूर्ति के लिए महिलाओं के लिए पात्रता जोड़ी गई: हर महिला को उसके पेंशन खाते में जमा की गई राशि में उसके प्रत्येक बच्चे के लिए अनुबंध प्राप्त होगा, जो न्यूनतम वेतन के आधार पर 18 महीने के योगदान के बराबर होगा। इस सुधरी व्यवस्था की सार्वजनिक लागत अनुमानत: एक वर्ष के सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 प्रतिशत थी। 2015 में एक अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्षीय आयोग ने व्यवस्था के आकलन और इसकी कमजोरियों को दूर करने के लिए प्रस्ताव पेश किए।

स्त्रोत : बोश, मेलगुइजो और पेजेज 2013; उटोफ 2015।

कार्य की बदलती दुनिया में, संवहनीय मानव प्रगति के लिए ढांचागत चुनौतियों, जैसे असमानता को काबू में किए जाने की आवश्यकता है।

गरीब के पक्ष में हों। विकल्पों में उन क्षेत्रों में कार्य सृजन जहां बहुतायत गरीब लोग कार्य करते हैं, गरीब परिवारों के लिए बुनियाद सामाजिक सेवाएं जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, साफ पानी और स्वच्छता की बेहतर उपलब्धताय तथा उत्पादक संसाधन जैसे जानकारियां, ऋण व वित्त का उपयोग शामिल है। अनुदानए लक्ष्य आधारित खर्चे और मूल्य निर्धारण व्यवस्था पर भी विचार किया जाना चाहिए।

- *पूरक सहायता उपलब्ध कराना*। यह विपणन सुविधाओं, भौतिक ढांचे (विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जैसे सहायक सड़कें), सेवाओं के विस्तार और श्रम प्रधान प्रौद्योगिकियों के माध्यम से आ सकता है। उचित प्रोत्साहन के साथ, निजी क्षेत्र को भौतिक ढांचे के निर्माण और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, ब्राजील में 65 बिलियन डॉलर के ढ़ांचा पैकेज का उपयोग (सकल घरेलू उत्पाद का करीब 3.5 प्रतिशत) अन्य चीजों के अतिरिक्त, निजी क्षेत्र को रियायत से 7,000 किलोमीटर राजमार्गों, रेलवे और बंदरगाहों के निर्माण के लिए किया जा सकता है।[47] इस तरह के निवेश से गरीबी और असमानता पर प्रभावों के साथ तत्काल कम कौशल वाले श्रमिकों के लिए कार्य सृजित किए जा सकेंगे।
- *चक्र के प्रतिगामी प्रभावों को कम करने के लिए वित्तीय क्षेत्र का विनियमन*। उदाहरण के लिए, भौतिक निवेश बढ़ाने से कंपनियों और श्रमिकों के लिए सतत विकास हो सकता है, जबकि वित्तीय निवेश बढ़ाना रोजगार सृजन के लिए कम स्थायी और कम संभाव्य हो सकता है। स्थायी वृहत आर्थिक माहौल वास्तविक अर्थव्यवस्था में वित्त पोषित निवेश के लिए 'वित्तीय' आवंटन बढ़ाने और रोजगार सृजन के बजाय अधिक 'उत्पादकता' बढ़ाने वाला हो सकता है।[48]
- *श्रम और पूंजी की गतिशीलता के बीच विषमताओं को दूर करना*। स्वाभाविक मतभेदों के कारण श्रम की गतिशीलता और पूंजी की गतिशीलता समान नहीं होती, लेकिन जहां तक नीति का सवाल है: औद्योगिक देश पूंजी गतिशीलता को प्रोत्साहित करते हैं लेकिन श्रम गतिशीलता को हतोत्साहित करते हैं। फिर भी, पूंजी की गतिविधि के विनियमन से स्थायी आर्थिक अस्थिरता और विकासशील देशों में मध्य आय के संजाल को कम किया जा सकता है, जैसे वेतन काफी ऊंचा होने पर पूंजी विदेश की ओर जाती है। इस अध्याय में कहीं और विश्लेषित प्रवासन नीतियां प्रवासन के खतरों को न्यूनतम स्तर पर कम कर सकती हैं।

असमानता एक राजनीतिक आयाम भी है। असमानता दूर करने में यह अंतर्निहित है कि विकास के फल के मौजूदा हिस्से को नए सिरे से संतुलित किए जाने की आवश्यकता है। इस में, बंटवारे के वर्तमान तरीके से लाभान्वित लोगों द्वारा विरोध किया जाना अवश्यंभावी है। लेकिन असमानता को बढ़ने देना व्यवस्था की यथास्थिति के लिए चुनौती है। इसलिए, लोकतांत्रीकरण के कुछ रूपों, हिस्सेदारी और स्थानान्तरण के संदर्भ में नीतियों के वितरण को अपनाया जाना चाहिए।

- *शिक्षा का लोकतांत्रीकरण, विशेषकर उच्च, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर*। कई देश उच्च शिक्षा पर उच्च लाभांश लगाते हैं जो हमेशा आबादियों के बीच समान रूप से वितरित नहीं किया जाता।[49] यह देशों के बीच प्रत्यक्ष (जैसे उच्च शिक्षा के साथ अधिकतर श्रमिक उच्च आय वाले परिवारों से आते हैं) और देशों के बीच (जैसे वृहत स्तर और तृतीयक शिक्षा में बढ़त के साथ औद्योगिक देश हैं)। ऐसी दुनिया में जो कार्य के लिए कौशल की मांग करते

हैं, उच्च शिक्षा में असमानताएं कार्य हासिल करने में असमानताओं और सामाजिक तथा आर्थिक लाभों को मजबूत कर सकती हैं। मोन्टेनेग्रिन्स उच्च शिक्षा की समान उपलब्धता और इस तरह की नीतियों को समर्थन की आवश्यकता को समझता है (बॉक्स 6.12)।

- *लाभांश हिस्सेदारी और श्रमिक स्वामित्व के प्रयास।* श्रमिक के साथ लाभ साझेदारी और उद्योगों के स्वामित्व में श्रमिकों को साझीदार देने से आय के हिस्से में असमानता को कम किया जा सकता है। असमानता कम करने के अतिरिक्त, यह कार्यक्रम प्रशिक्षण और नौकरी की सुरक्षा बढ़ाकर उत्पादकता और श्रमिकों का लाभ बढ़ा सकता है।[50] फिर भी, लाभ साझेदारी अपवाद है नियम नहीं। यूरोपीय संघ में 30 प्रतिशत से भी कम कंपनियों ने लाभ साझेदारी की है और 10 प्रतिशत से भी कम श्रमिकों ने अपनी कंपनियों के कुल जमा में स्वामित्व हासिल किया है।[51]
- *वितरणकारी नीतियां अपनाना और लागू करना।* इसमें आय और संपत्ति पर आगे बढनेवाले कर लाभांश किराया निकासी को कम करने के नियम, कड़े से कड़े नियम (विशेषकर वित्त का) और गरीब पर लक्ष्य आधारित सार्वजनिक खर्च शामिल किया जा सकता है। कई देशों में (उदाहरण के लिए सेनेगल) विद्यालय भोजन योजनाएं अत्यंत गरीब परिवारों के बच्चों के भूख और पोषण की समस्या सुलझाने और स्वास्थ्य परिणामों में भेदभाव को कम करने में मददगार साबित हुई हैं।[52] नकदी हस्तांतरण कार्यक्रमों से अत्यंत गरीब परिवारों को (उदाहरण के लिए दक्षिण अफ्रीका में) मदद पहुंचाई है।[53] सशर्त नकदी हस्तांतरण कार्यक्रम गरीबी और असमानता पर उल्लेखनीय सकारात्मक प्रभाव हुआ है (बॉक्स 6.13)। विकसित देशों में वित्तीय क्षेत्र के बेहतर विनियमन संकीर्ण असमानता में मददगार हो सकता है।

A असमानता कम करने के लिए एक 15 स्तरीय कार्यसूची का सुझाव, जिनमे से कुछ को बाक्स 6.14 में दर्शाया गया है।

लक्ष्य आधारित कार्यवाही के लिए रणनीतियां

लक्ष्य आधारित कार्रवाई के लिए रणनीतियों को रोजगार सृजन और श्रमिकों की बेहतरी के लिए पूरक रणनीतियों की आवश्यकता है। विशिष्ट मुद्दा आधारित क्षेत्रों (जैसे कि संवहनीय कार्य), विशेष समूह (जैसे कि युवा लोग) और खास स्थिति (जैसे कि संघर्ष और संघर्ष के बाद की स्थितियां) में कार्य और मानव विकास के बीच कड़ी को मजबूत बनाने के लिए विशेष नीति पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इन मुद्दों में से कुछ (जैसे कि युवा रोजगार) आम नीति कार्रवाई से लाभान्वित हो सकता है, लेकिन कुछ चुनौतियों की विशिष्ट प्रकृति के कारण लक्ष्य आधारित कार्रवाई की आवश्यकता है।

श्रमिक के साथ लाभ साझेदारी और उद्योगों के स्वामित्व में श्रमिकों को साझीदार बनाने से आय के हिस्से में असमानता को कम किया जा सकता है।

बॉक्स 6.12

मोन्टनेग्रिन्स उच्च शिक्षा का कैसे मूल्यांकन करता है।

मोन्टेनेग्रिन्स में विश्वविद्यालयों की सघनता तुलनीय या क्षेत्र में अन्य देशों से कही ऊंची हो गई है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम का 2011 में किया गया नागरिकों का सर्वेक्षण पुष्ट करता है कि मोन्टेनेग्रिन्स उच्च शिक्षा की प्रतिस्पर्धा को बहुत महत्व देता है। जब पूछा गया, आपके विचार से, आपके बच्चे/पोते के लिए किस प्रकार की शिक्षा सबसे उपयुक्त हो सकती है? करीब 60 प्रतिशत जवाब देने वालों ने उच्च शिक्षा और 32 प्रतिशत ने स्नातकोत्तर और चिकित्सकीय कार्यक्रमों को सबसे उपयुक्त बताया।

सरकार ने विकासशील मानव पूंजी में उच्च शिक्षा पर जोर दिया। इस क्षेत्र के लिए कुल बजट बढ़ाया गया और समान अधिकार और छात्रों के अधिकार पर आधारित शिक्षा रणनीतियां लागू की गईं। इन उपायों को अपनाने का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शिक्षा व्यवस्था व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए ज्ञान सृजन करने में योगदान दे - जो आर्थिक प्रगति के लिए कौशल विकसित करने की आवश्यकता और लोकतांत्रिक राजनीतिक समुदाय में सक्रिय हिस्सेदारी तथा दुनिया के तेज, सतत व वैश्विक बदलाव में सफलता के लिए है।

किस प्रकार की शिक्षा सबसे उपयुक्त है?

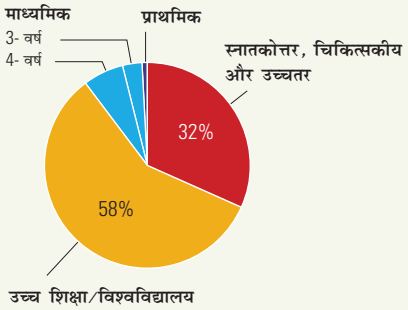

स्त्रोत : यूएनडीपी 2013c।

बॉक्स 6.13

बोल्सा फैमिलिया – ब्राजील का सशर्त नकदी हस्तांतरण कार्यक्रम।

बोल्सा फैमिलिया दुनिया के सबसे बड़े नकदी हस्तांतरण कार्यक्रमों में से एक है, 13.8 मिलियन परिवारों को लाभ का प्रबंध करने वाला है। यह 2012 में 10.75 बिलियन डॉलर के बजट के साथ – 2013 में सकल घरेलू उत्पाद का 0.53 प्रतिशत – इसकी सभी नगर पालिकाओं की आबादी के 26 प्रतिशत को शामिल करता है। यह सामाजिक सुरक्षा बजट के माध्यम से आम सरकारी राजस्व से पूरी तरह वित्त पोषित है।[1]

कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य गरीबी कम करना, खाद्य सुरक्षा को प्रोत्साहित करना, मानव पूंजी संग्रहण के माध्यम से गरीबी के पीढ़ीगत चक्र को खत्म करना और सार्वजनिक सेवाओं विशेषकर स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सहायता की पहुंच बढ़ाना। महिला कार्यक्रम की प्राप्तकर्ता हैं और स्थितियों के साथ स्वीकार करने के लिए जिम्मेदार हैं: स्वास्थ्य चिकित्सालय का नियमित दौरा, गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिला की निर्धारित पैतृक व पैदाइश के बाद उपस्थिति, स्वास्थ्य और पोषण पर शैक्षिक गतिविधियों की उपस्थिति, 7 वर्ष से नीचे के बच्चों का पूर्ण टीकाकरण और नियमित स्वास्थ्य जांच तथा विकास की निगरानी।

कार्यक्रम शुरू किए जाने के बाद से, 5 मिलियन ब्राजीली नागरिकों को अत्यंत गरीबी से बाहर किया गया और 2009 तक कार्यक्रम ने गरीबी दर को अनुमानत: 6 प्रतिशत के बिंदु तक कम कर दिया है।[2] कार्यक्रम अनुमानित श्रेणी 1–4 में 5.5 प्रतिशत बिंदु और श्रेणी 5–8 में 6.5 प्रतिशत बिंदु तक पंजीकरण बढ़ने के साथ आकलित किया गया, हालांकि इसका प्रभाव इसे छोड़ने वालों की दर पर उतना अच्छा नहीं रहा। 2001–2009 के बाद के वर्ष में ब्राजील की स्कूली शिक्षा 6.8 से 8.3 तक बढ़ी, जबकि वर्ष की स्कूली शिक्षा का गिनी सूचकांक 0.347 से 0.288 तक गिरा।[3]

प्रारंभिक चिंताओं के बावजूद कि गरीब परिवारों के लिए नकदी हस्तांतरण उनकी श्रम आपूर्ति और रोजगार दर में गिरावट का खतरा हो सकता है, अनुभव कहीं अधिक उत्साहवर्धक रहे। बोल्साफैमिलिया आर्थिक रूप से सक्रिय आबादी की रोजगार दर बढ़ाने, अकर्मण्यता और अनौपचारिकता दर कम करने, सामाजिक सुरक्षा के लिए श्रमिकों के योगदान का अनुपात में वृद्धि और प्राथमिक अवसर उपलब्धता के लिए घंटे के औसत के अधार पर मजदूरी बढ़ाने में सक्षम बनाती है।[4]

नोट : 1. फुल्ट्ज और फैंसिस 2013. 2. सोयरेस 2012. 3. ग्लेवे और कास्साफै 2008. 4. मच्छाडो और अन्य 2011।
स्त्रोत : मानव विकास

बॉक्स 6.14

असमानताएं कम करने के लिए सुझाए गए उपाय।

- सरकार को एकाधिकार और प्रतिस्पर्धी नीति के प्रति अधिक सचेत रहना चाहिए।
- श्रमिकों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए श्रमिक संगठनों को मजबूत बनाया जाना चाहिए।
- सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियां न्यूनतम मजदूरी पर उनको दिलाना चाहिए जो चाहते हों, जैसे ठेले पर भोजन, बूढ़े लोगों की देखभाल, बच्चों की देखभाल और इसी तरह के कार्य।
- न्यूनतम मजदूरी के अतिरिक्त, उच्चतर स्तर पर मजदूरी को नियंत्रित करने के लिए एक ढांचा होना चाहिए। कुछ कंपनियों ने स्वैच्छिक तौर पर यह आदेश जारी कर रखा है कि कार्यकारी वेतन कंपनी में औसत वेतन का 65 या 75 गुना तक निर्धारित कर देना चाहिए।
- व्यक्तिगत आय कर 65 प्रतिशत की अधिकतम दर के साथ अधिक प्रगतिशील बनाया जाना चाहिए।
- प्रत्येक बच्चे को गरीबी से बाहर लाने में मदद करने के लिए 'बच्चा लाभ' का भुगतान मिलना चाहिए।

स्त्रोत : एटकिन्सन 2015।

लैंगिक विभाजन – वैतनिक और अवैतनिक दोनों कार्यों में – लंबे समय से चले आ रहे पक्षपात के तरीके की एक अभिव्यक्ति है।

कार्य के दौरान लैंगिक विभाजन को कम करना

लैंगिक विभाजन – वैतनिक और अवैतनिक दोनों कार्यों में – लंबे समय से चले आ रहे पक्षपात के तरीके की एक अभिव्यक्ति है। वे एक दूसरे को सीमित विकल्पों और अवसरों की जगहों में सभी पीढ़ियों की महिलाओं और लड़कियों को इक्कठा करने में मजबूती प्रदान कर सकते हैं। कार्य के किसी नए संतुलन के लिए विभिन्न स्तरों पर एक सुसंगत और सतत प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। नीतियां जो वैतनिक कार्य में लगाने के लिए महिलाओं को अवसरों का विस्तार कर सकें, कार्य पर परिणामों को बढ़ाने, जो परिवारों के भीतरर देखभाल के कार्य में संतुलन बना सके; और जो कार्य से जुड़े लैंगिक नियमों को बदल सके जिससे कार्य संबंधी लैंगिक असमानताओं को कम करने में मदद मिल सके। नीतियां निम्नलिखित दिशाओं में लागू की जा सकती हैं:

- *महिला मजदूरी रोजगार के लिए लैंगिक-संवेदनशील नीतियों का विस्तार और मजबूती प्रदान करना।* इस तरह के कार्यक्रमों में उच्च शिक्षा विशेषकर गणित और विज्ञान में प्राप्त करने में सुधार, महिलाओं के लिए बाजार की मांग के अनुरूप कौशल बढ़ाने के साथ-साथ प्रशिक्षण दिया जाना शामिल है। लगातार पेशेवर विकास किए जाने के साथ यह संभव हो सकता है। रेखांकन 6.4 विद्यालयीय शिक्षा और श्रम बल भागीदारी के बीच वाले कुछ वर्षों के बीच महिलाओं के लिए संबंध एक उथला घुमावदार आकार दिखाता है। विद्यालयीय शिक्षा के कुछ वर्षों के साथ, भागीदारी दर ऊंची रही, क्योंकि संभवत: कम शिक्षा के साथ गरीब महिला जीवन यापन के लिए कार्य करके आय अर्जित करती है। विद्यालयीय शिक्षा के वर्ष बढ़ने के साथ यह कम होता गया, लेकिन अंतत: दोबारा विद्यालयीय शिक्षा

में वृद्धि के साथ इसने गति पकड़ ली।

- *विशिष्ट हस्तक्षेप*। महिलाएं कार्यस्थल पर उत्पीड़न का शिकार हो सकती हैं और भर्ती तथा प्रतिपूर्ति, वित्त और प्रौद्योगिकी तक पहुंच में भेदभाव का सामना कर सकती हैं। अवसरों में इन असमानताओं को कम करने के लिए कानूनी प्रावधानों की आवश्यकता है। सक्रिय भर्ती नीतियां जो नौकरी के लिए महिला अभ्यर्थियों की भर्ती को प्रोत्साहित करें, इसी तरह के कार्यक्रम जो ऋण, वित्त और प्रशिक्षण के लिए बाधाओं को कम कर सके जिससे वैतनिक कार्य में अवसर बढ़ाए जा सकें। उदयमशीलता की बाधाएं कम करने से स्वरोजगार के विकल्प बढ़ सकते हैं। कार्यस्थल पर समानता के लिए कार्यस्थल पर उत्पीड़न के विरुद्ध नियम भी आवश्यक हैं।
- *मातृत्व और पैतृक पितृत्व अवकाश दोनों पर ध्यान*। अवैतनिक देखभाल कार्य के विभाजन में संतुलन और वैतनिक कार्य में मजदूरी में अंतर कम करने जब पिता उदार पितृत्व अवकाश नीतियों में शामिल हो – इससे भी अधिक जब वे उनको उपयोगी बनाने के लिए प्रोत्साहन हासिल कर सकें, तब काफी कुछ प्राप्त किया जा सकता है (बॉक्स 6.15)।
- *विद्यालयीय शिक्षा के बाद के कार्यक्रमों, दिन में देखभाल केंद्रों, वरिष्ठ नागरिकों के घर और लंबी अवधि की देखभाल सुविधाओं समेत देखभाल विकल्पों का विस्तार करना*। नियोक्ता यथा स्थान पर भी बाल देखभाल प्रस्तुत करते हैं। दूसरा विकल्प है रसीद और टिकट जैसे लेखपत्रों के माध्यम से देखभाल कार्य को आर्थिक मदद पहुंचाना (बॉक्स 6.16)। शुरुआती शिशु शिक्षा का सार्वजनिक प्रावधानीकरण देखभाल कार्य की जिम्मेदारियों को उसी तरह कम कर सकता है जैसे बाद के जीवनचक्र में शिक्षा और कार्य के परिणाम।[54] सरकारों के लिए यह आवश्यकता होगी कि नियोक्ता जर्मनी की तरह लंबी अवधि के लिए अवकाश का प्रस्ताव कर सकें, जहां 2015 से कर्मचारी गंभीर रूप से बीमार परिजनों के लिए देखभाल कार्य के लिए 10 दिन का अवकाश लेने के लिए अधिकृत किये गए हैं, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था द्वारा भुगतान किया जाता है। यदि परिवार के किसी सदस्य को लंबे समय तक देखभाल की आवश्यकता है, पुरुष व महिला कर्मचारी अधिक अवकाश ले सकता है अथवा छह महीने से अधिक अपने कार्य के घंटे कम कर सकता है। उस समय के दौरान पुरुष/महिला सरकार द्वारा ब्याज मुक्त रियायती ऋण प्राप्त कर सकता है। कुछ जटिल मामलों में कर्ज निरस्त भी हो सकता है। यदि कर्मचारी फिर भी अधिक अवकाश चाहता है, तो पुरुष/महिला दो वर्ष से अधिक के लिए एक सप्ताह के 15 घंटे का कार्य समय कम कर सकता है, जबकि हालांकि क्रियाकलापों के लिए वापसी और घंटों को पूरा करने का अधिकार बनाए रख सकता है।[55]
- *वरिष्ठ निर्णय लेने की हैसियत वाली महिला के प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए सक्रिय उपाय करना*। मानव संसाधन नीतियों में सक्रिय उपाय, चयन और भर्ती में लैंगिक आवश्यकताएं और अवरोधन के लिए प्रोत्साहन प्रक्रिया सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ा सकती हैं। कमजोर रुकावटों को हटाने में प्रगति को मजबूत करने के लिए नीति को प्रमुखता दी जानी चाहिए। वरिष्ठ प्रबंधकीय पदों पर लोगों को ले जाने के

महिलाएं कार्यस्थल पर उत्पीड़न का शिकार हो सकती हैं और भर्ती तथा प्रतिपूर्ति, वित्त और प्रौद्योगिकी तक पहुंच में भेदभाव का सामना कर सकती हैं।

रेखांकन 6.4

महिला के लिए विद्यालयीय शिक्षा और श्रम बल भागीदारी के बीच वाले वर्षों में संबंधा एक उथला घुमावदार आकार दिखाता है।

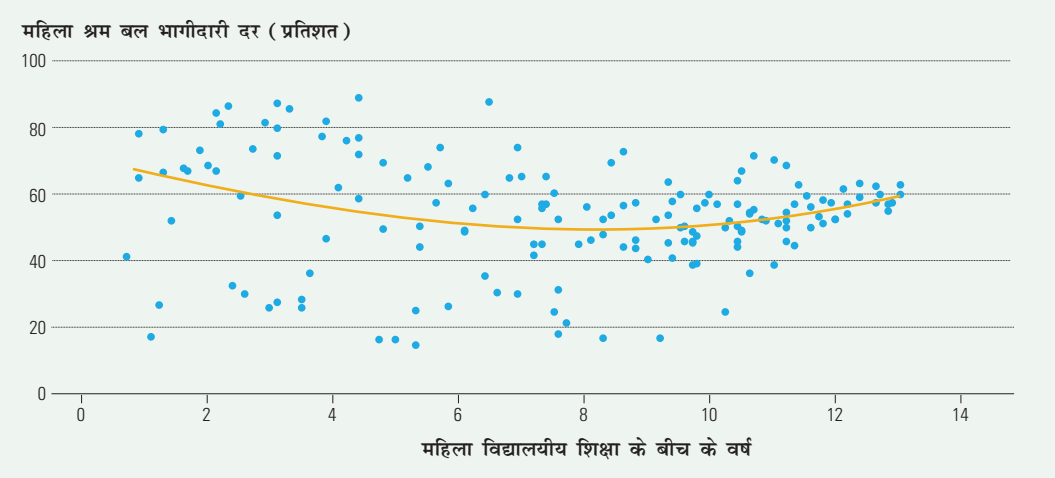

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय। आकलन आईएलओ (2015) और यूनेस्को सांख्यिकी के लिए संस्थान (2015)।

बॉक्स 6.15

सकारात्मक पितृत्व अवकाश व्यवस्था।

स्वीडन ने 40 वर्षों से लैंगिक तटस्थ पितृत्व अवकाश नीतियां अपनाई हैं। प्रत्येक माता-पिता कम से कम दो महीने का वैतनिक अवकाश ले सकता है। प्रारंभ में, कुछ पुरुषों ने इसका उपयोग किया, इसलिए उन्हें 2002 से एक प्रोत्साहन का प्रस्ताव दिया गया। यदि माता-पिता दोनों दो महीने का अवकाश लेते हैं, परिवार को एक अतिरिक्त महीने का वैतनिक अवकाश मिलता है- एक बराबर बोनस के रूप में। अब, स्वीडन के 90 प्रतिशत पिता पितृत्व अवकाश लेते हैं। इस प्रकार वे बच्चा देखभाल कार्य का बहुतायत हिस्सा संभालते हैं और उनका पैतृक अवकाश समाप्त के बाद लंबे समय तक बच्चे की परवरिश में शामिल हो सकते हैं। यह संभवत: संयोग नहीं कि स्वीडन दुनिया में सबसे कम मजदूरी अंतर वाले देशों में से एक है, और महिला खुशी के उच्चतम स्तरों में से एक है।[1]

इसी तरह, क्यूबेक, कनाडा में पैतृक बीमा योजना पर अध्ययन दिखाता है कि क्यूबेक के पिताओं के पितृत्व अवकाश लेने की दर 2001 में 10 प्रतिशत से बढ़कर 2010 में 80 प्रतिशत तक पहुंच गई और जिन पिताओं ने अवकाश का फायदा उठाया उन्होंने पारिवारिक कार्यों के लिए अपने समय का 23 प्रतिशत अधिक समय समर्पित किया - यहां तक कि उनके अवकाश समाप्त होने के एक से तीन वर्ष बाद तक भी।[2]

नोट : 1. दि इकॉनामिस्ट 2014b। 2. पटनायक 2015।
स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

बॉक्स 6.16

देखभाल कार्य के लिए नकदी।

सरकारें नकद भुगतान प्रस्ताव द्वारा परिवारों को मदद कर सकती हैं। 1990 के मध्य से नीदरलैंड ने देखभाल के लिए नकद योजनाएं अपना रखी हैं। इसके लाभ आवश्यकताओं और आय अनुमान पर आधारित हैं, लेकिन यह औसतन प्रति वर्ष करीब 14,500 यूरो है। इसमें कुछ प्रतिबंध भी हैं कि कैसे इसका उपयोग किया जा सकता है। प्रशासनिक लागत कम है और मूल्यांकन बताते हैं कि नकदी का उपयोग प्रभावी तरीके से किया गया है। परिवार को लाभ उपयुक्त लगता है और योजना लोकप्रिय साबित हुई है।

इजरायल ने भी इसी तरह की योजना अपनाई। 2008 में सरकार ने एक मार्गदर्शक योजना शुरू की और 2010 में इसे देश के 15 प्रतिशत को शामिल करने के लिए विस्तारित किया। नकद लाभ के लिए योग्य होने के लिए, एक व्यक्ति को देखभाल प्रदान करने वाले व्यक्ति द्वारा मध्यम या उच्च स्तर की देखभाल प्राप्त करनी चाहिए जो परिवार का सदस्य न हो। हालांकि इसका उपयोग कम है, और आयु, आय और लाभ के स्तर के अनुसार अंतर भी है। प्राप्त कर्ता नकदी योजना के साथ संतुष्ट हैं लेकिन विभिन्न प्रकार के लाभ प्राप्त करने वालों से कम लाभ प्राप्त कर पाते हैं।

फ्रांस में लाभ प्राप्तकर्ता लंबे समय तक देखभाल सेवाओं के लिए अदायगी कर सकते हैं या धनादेश आधारित सेवाओं वाले सार्वभौमिक योजना के तहत सीधो देखभाल प्रदान करने वाले को नियुक्त कर सकते हैं और किसी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय संगठन से प्रतिपूर्ति प्राप्त कर सकते हैं। यह व्यवस्था पारदर्शी और सार्वजनिक खर्च के अनुकूलन के मद्देनजर लाभदायक साबित हुई है।

स्त्रोत : कोलोंबो और अन्य 2015।

कमजोर रुकावटों को हटाने में प्रगति को मजबूत करने के लिए नीति को प्रमुखता दी जानी चाहिए।

लिए पुरुष और महिला के लिए पहचान श्रेणी बनाई जानी चाहिए और यह लैंगिक पूर्वाग्रह से मुक्त तथा समान कार्य के लिए समान वेतन पर आधारित होना चाहिए। महिला प्रतिनिधित्व स्वीकारात्मक कार्रवाई उपायों के माध्यम से बढ़ाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, निगम परिषदों में महिलाओं के लिए आरक्षण दिया जाना चाहिए, एक प्रयास यूरोपीय संघ में बहुत तेजी से देखा गया है।[56] इस तरह के प्रयास तब अधिक प्रभावकारी हो सकते हैं जब नीतियां अवरोधन दर बढ़ाती हैं। परामर्श देने, प्रशिक्षण देने और प्रायोजित करने से कार्यस्थल में महिलाओं का सशक्तिकरण किया जा सकता है - उदाहरण के लिए, सफल वरिष्ठ महिला प्रबंधकों को आदर्श व प्रायोजक जैसा उपयोग करना।[57] ये सभी दृष्टिकोण मानदंड़ों को बदलने और वरिष्ठ पदों पर महिला को पदोन्नति, जिम्मेदारी और निर्णय लेने में मददगार हो सकता है। मानदंडों को बदलने के लिए एक पूरक दृष्टिकोण पेशों में पुरुष को कार्य में लगाना है जो पारंपरिक रूप से महिला के अधीन था।

- *संचारण समेत लचीली कार्य व्यवस्था प्रोत्साहित करना।* शिशु को जन्म देने के बाद महिला को कार्य पर लौटने के लिए पर्याप्त प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। इसमें महिला के एक वर्ष से अधिक के मातृत्व अवकाश के लिए नौकरी में आरक्षण प्रदान करना हो सकता है। महिला को कार्य पर लौटने के लिए वेतन वृद्धि का प्रस्ताव भी दिया जा सकता है। संचारण या लचीले घंटे जैसी लचीली कार्य व्यवस्था महिला और पुरुष के वैतनिक और अवैतनिक कार्य में संतुलन प्रदान कर सकती है।

- *सार्वजनिक सेवाओं में सुधार और देखभाल के कार्य के बोझ को कम करने के लिए ढांचा*। पानी और ईंधन एकत्र करना, भोजन पकाना और इस तरह के कार्यों को अंजाम देने जैसे देखभाल कार्य में अधिक समय खर्च होता है। सफ पानी और स्वच्छता, ऊर्जा सेवाएं और परिवहन के लिए सार्वजनिक ढांचा में सुधार किए जाने से वैतनिक कार्य के लिए अधिक समय लगाने वाले परिवारों के लिए देखभाल कार्य का बोझ कम करने में उल्लेखनीय मदद मिल सकती है।
- *अवैतनिक देखभाल कार्य का मूल्यांकन*। इस तरह का मूल्यांकन केवल कृत्रिम नहीं है; यह नीतिगत जागरूकता बढ़ाने में सहायता करता है इस आशय के साथ कि इस तरह के कार्य का पारिश्रमिक देने के विकल्पों की तलाश की जाए । विभिन्न सांख्यिकीय तरीकों (जिस तरह अध्याय 4 के बाक्स4.1 में वर्णित है) का उपयोग किया जा सकता है। लेकिन आंकड़ा संग्रहण के लिए बेहतर तरीके की आवश्यकता होगी।
- *वैतनिक और अवैतनिक कार्य का बेहतर आंकड़ा संग्रहण*। अधिक महिला जांचकर्ताओं और उपयुक्त नमूनों व प्रश्नावलियों के उपयोग से राष्ट्रीय सांख्यिकीय व्यवस्था से अवैतनिक कार्य पर बेहतर आंकड़ा एकत्र किया जा सकता है। आंकड़े के साथ, ऐसी नीतियां भी अपनाई जा सकती हैं जो वैतनिक और अवैतनिक कार्य में संतुलन बनाने में मददगार हों – नार्वे ने इसे सफलतापूर्वक किया है (बाक्स 6.17)।

संवहनीय कार्य की दिशा में बढ़ना

समाप्त कर देना, बदल देना और विभिन्न तरीकों से कार्य सृजित करना संभव है जो मानव विकास और पर्यावरणीय स्थिरता दोनों को उन्नत करेगा। हालांकि इसके लिए वैश्विक स्तर पर, राष्ट्रीय और उपराष्ट्रीय स्तर पर नीतियों और सामूहिक कार्रवाइयों की आवश्यकता होगी, जो कौशल, प्रौद्योगिकी, निवेश, नियमन और सामाजिक हस्तक्षेप के अधिक संयोजन को सुनिश्चित कर सकता है।

स्थानीय और वैश्विक स्थिरता में एक संकट है, लेकिन इसमें मानवता को अधिक सहनीय बनाने की दिशा में कार्य के लिए और संवहनीय मानव विकास के रास्ते पर बढ़ने का अवसर भी है। हालांकिए इसके लिए उठाए जाने वाले कदमों की समय सीमा काफी सख्त है क्योंकि देर करने से विपरीत प्रभाव की संभावनाएं अधिक हैं।

क्षमताओं और कौशल का विकास करना

संवहनीय कार्य की दिशा में बढ़ने (जैसा अध्याय 5 में वर्णित किया गया है) के लिए विभिन्न परिवर्तनों की आवश्यकता होगी, इसमें क्या उत्पादित किया गया है, इसे कैसे उत्पादित किया गया और यह कहां उत्पादित किया गया शामिल है। विशेष तौर पर महत्वपूर्ण है उदाहरण के लिए, नेपाल में सौर ऊर्जा तकनीशियनों के लिए कौशल-समुच्चय में बदलाव आवश्यक कौशल समुच्चय में बदलाव करना।

- *वर्तमान और भविष्य की कौशल जरूरतों को*

अवैतनिक देखभाल कार्य का मूल्यांकन केवल कृत्रिम नहीं है, यह नीतिगत जागरूकता बढ़ाने में सहायता करता है।

बॉक्स 6.17

नार्वे में लैंगिक नीतियां।

1970 और 2010 के बीच नार्वे में मजबूत लैंगिक नीतियों से महिलाओं के लिए वैतनिक कार्य बढ़ाने और उनके अवैतनिक कार्य को कम करने में मदद मिली। सरकार ने पहले ही 1956 में वैतनिक मातृत्व अवकाश प्रदान करने की व्यवस्था की थी लेकिन 1993 में इस नीति में सुधार करते हुए माता और पिता को 49 सप्ताह का पूर्ण वैतनिक पितृक अवकाश की अनुमति प्रदान कर दी। पितृक अवकाश के सप्ताहों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ाने के लिए कई वैधानिक बदलाव किए गए जो 'पितृक आरक्षण' के तहत केवल पिता के लिए उपलब्ध हैं। 1993 में चार सप्ताह का आरक्षण प्रदान किया गया और 2009 तक (चरणों में) इसे 10 तक बढ़ाया गया। इसने पिता को कम से कम आठ सप्ताह तक का अवकाश लेने के हिस्से को काफी बढ़ाने के लिए प्रेरित किया, यह 1996 में 8 प्रतिशत से बढ़कर 2010 में 41 प्रतिशत तक पहुंच गया।[1]

दूसरा महत्वपूर्ण मील का पत्थर था 1979 का लैंगिक समानता कानून। इसने कार्यस्थल पर गर्भावस्था, जन्म या अवकाश के अधिकार से संबंधित, किसी भी तरह के लैंगिकता आधारित भेदभाव को प्रतिबंधत किया। यह भी नियमबद्ध किया गया कि सार्वजनिक संस्थाएं परिषदों, बोर्डों और समितियों के सदस्यों की नियुक्ति के समय लैंगिक समानता का उद्देश्य ध्यान में रखें। 2006 और 2007 के बीच सार्वजनिक तथा निजी तौर पर स्वामित्व वाली पब्लिक लिमिटेड कंपनियों की समिति में लैंगिक संतुलन बनाने के लिए नियम लागू किए गए। नार्वे ने 2007 में शुरुआती शिशु देखभाल के लिए कानूनी अधिकार लागू किया जिसका भुगतान पिताओं के लिए टुकड़ों में किया जाना था, लेकिन यह हर महीने 300 यूरो के अधिकतम योगदान के साथ। विश्व आर्थिक मंच के वैश्विक लैंगिक रिक्तता प्रतिवेदन 2014 के अनुसार, नार्वे और सिंगापुर में महिलाओं का वेतन पुरुषों के काफी करीब पाया गया – लेकिन महिलाओं का वेतन अभी भी पुरुषों का केवल 80 प्रतिशत है।[2] इन नीतियों से पारिवारिक कार्यों को लेकर नापसंदगी को कम करने में मदद मिली है। इन्होंने महिलाओं की परिवार के आकार तय करने और जन्म दर वृद्धि की स्वतंत्रता को भी बढ़ाया है।

नोट : 1. ईस्थर, जेवोर्सिक और अल्टवेइट-मोए 2015। 2. डब्ल्यूईएफ 2014।
स्त्रोत : फिनलैंड सामाजिक मामले और स्वास्थ्य मंत्रालय 2009।

संवहनीय कार्य की दिशा में बढ़ने के लिए विभिन्न परिवर्तनों की आवश्यकता होगी

चिन्हित करना। समुदायों के लिए आवश्यक वर्तमान और प्रत्याशित आवश्यकताओं के लिए कौशल की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, निकट भविष्य में अधिक सक्षम और स्वच्छ प्रौद्योगिकी को अपनाना। इसी तरह कौशल निरंतर नवाचार को भी मजबूत बनाता है जो कार्य को स्थायित्व प्रदान करने की कोशिश को बनाए रखेगा। वर्तमान कौशल स्तरों का तैयार वैश्विक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, लेकिन उसका वितरण स्पष्ट तौर पर असमान माना जाता है और संवहनीय कार्य के लिए आवश्यकता के अनुरूप नहीं माना जा सकता है।

- *संवहनीय कार्य को गतिमान बनाने के लिए कौशल विकास*। इनमें तकनीकी और वैज्ञानिक कौशल को शामिल किया जा सकता है जो विकास, अनुकूलन, स्थापन और संवहनीय समाधान का रखरखाव यहां तक कि सीखने और कार्य के नए तरीके अपनाने के योग्य बनाने के लिए श्रमिकों में साक्षरता, गणना, रोजगार योग्यता और उद्यमशीलता बढ़ानी होगी। सभी श्रमिकों को सीखने की प्रक्रिया में संचार, प्रशिक्षण और शिक्षा की सुविधा देनी होगी।

इसलिए सामाजिक क्षेत्र की नीतियों में जीवन चक्र पर कौशल निर्माण के गति विज्ञान की इस समझ को शामिल किया जाना चाहिए और असमानताओं पर काबू पाने के लिए बच्चों की शुरुआती वर्षों में शिक्षा के महत्व को समझना चाहिए तथा कार्यबल के लिए उल्लेखनीय कौशल प्रस्तुत किया जाना चाहिए। निजी क्षेत्र के प्रयास भी मददगार हो सकते हैं (बॉक्स 6.18)।

- *सामूहिकता और समयबद्धता सुनिश्चित करना*। संवहनीय कार्य की ओर अग्रसर सुविधाओं के लिए कौशल विकास में, ऊपर उल्लिखित कौशल के संक्रमण में सामूहिकता और समयबद्धता होनी चाहिए। जब तक कि इस तरह के उपाय प्रभावकारी हैं, संवहनीय कार्य के लिए संक्रमण को उल्लेखनीय अभ्यास, सामाजिक और राजनीतिक बाधाओं का सामना कर पड़ सकता है।

विभिन्न प्रौद्योगिकियां और नए निवेशों को अपनाना

विभिन्न प्रौद्योगिकियों और नए निवेशों को अपनाना देश की स्थितियों के प्रसंग में देखा जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, कमजोर ढांचों, कम क्षमताओं और निवेश के लिए अनुपयुक्त संसाधनों वाले गरीब देशों को वैश्विक समुदायों (उदाहरण के लिए प्रौद्योगिकी स्थानांतरण बढ़ाने के लिए) के समर्थन की आवश्यकता होगी। लेकिन अनेक कम मूल्य वाली स्वीकार्य प्रोद्योगिकियों पर स्वदेशी ज्ञान उपलब्ध हैं और अनेक वैकल्पिक प्रौद्योगिकियां सार्वजनिक अधिकार क्षेत्र में हैं। विभिन्न अनुभवों से प्राप्त सीख के आधार पर दक्षिण–दक्षिण सहयोग देशों को मदद पहुंचा सकते हैं जिन्हें नए विचारों को फैलाने, क्रियान्वयन का अनुमापन करने और प्रतिकृति को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

- *सामान्य तौर पर व्यवसायों से अलग होना*। जलवायु प्रतिरोधी फसल प्रजातियां सार्वजनिक शोध संस्थाओं द्वारा विकसित जलवायु प्रतिरोधी फसल प्रजातियों की तरह की अनेक प्रौद्योगिकियां सार्वजनिक अधिकार क्षेत्र में पहले से ही हैं। कुछ स्थानीय स्वदेशी ज्ञान व्यवस्थाओं (कम लागत वाली भवन सामग्री) का हिस्सा हैं या व्यवसायियों और गैरसरकारी संगठनों (सक्षम और कुकस्टोव) द्वारा विकसित किए गए हैं। इन मामलों में पूर्व प्रभावकारी चुनौतियां प्रोद्योगिकियों की पहचान करना, उसके बाद स्थानीय संदर्भ में (अगर आवश्यक है तो) स्वीकार करना और उनके उपयोग का मापन करना।

बॉक्स 6.18

स्थानीय स्तर पर बेमेल कौशल पर काबू पाने के लिए तुर्की के निजी क्षेत्र के प्रयास।

वाणिज्य और उद्योग शिक्षा प्रतिष्ठान प्रकोष्ठ बुर्सा ने तुर्की के एक सबसे औद्योगिक रूप से विकसित और व्यापार उन्मुख शहरों में से एक बुर्सा में एक निजी क्षेत्र के स्वामित्व और उसके नेतृत्व में एक प्रयास शुरू किया। प्रतिष्ठान ने 2009 से स्थानीय स्तर पर बेमल कौशल पर काबू पाने के लिए योगदान दिया है। यह उद्योग के लिए कुशल मानव संसाधन के लक्ष्य को लागू करने और हाशिए वाले समूहों के लिए विशेषकर बेरोजगार युवा लोगों को परस्पर रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ गैर-लाभकारी व्यावसायिक और प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण केंद्र की तरह कार्य करता है। प्रशिक्षण केंद्र की सभी गतिविधियों के लिए कोष और प्रतिष्ठान का मालिकाना बुर्सा वाणिज्य और उद्योग प्रकोष्ठ का है।

प्रयास के संपूर्ण उद्देश्यों में, पाठ्यक्रम और प्रशिक्षु चयन प्रक्रिया के साथ, बुर्सा में निजी क्षेत्र के नेताओं और उद्योगपतियों और स्थानीय क्षेत्रों की कौशल आवश्यकताओं को पूरा करना शामिल है। तकरीबन सभी प्रशिक्षण और सेवाएं मुफ्त में प्रदान की जाती हैं। हाशिये वाले लोगों के लिए बाजार के लिए प्रासंगिक व्यावसायिक तथा प्रौद्योगिकी कौशल उपलब्ध कराने के लिए और उन्हें रोजगारोन्मुख बनाने में मदद के लिए प्रतिष्ठान ने निजी क्षेत्र का नेतृत्व, स्वामित्व व संलग्नता उपलब्ध कराया है। प्रतिष्ठान स्थानीय उद्योगपतियों के साथ करीबी और सतत संबंध रखता है, जो प्रशिक्षुओं के लिए रोजगार नियोजन की सुविधा और प्रशिक्षण की सहूलियतें प्रदान करता है। यह कपड़ा और दस्तकारी से लेकर मोटर वाहन धातुओं और हार्डवेयर से लेकर विभिन्न क्षेत्रों में एक वर्ष में करीब 3,000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण के लिए सुविधाएं और ढांचा उपलब्ध कराता है। सफल प्रशिक्षुओं के लिए रोजगार दर 80 प्रतिशत पर है।

स्त्रोत : यूएनडीपी 2014a।

- *प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का अनुकरण करना।* नवीनीकरण योग्य ऊर्जा उत्पादन (जलीय, सौर और पवन), अधिकाधिक निवेश द्वारा अनुरूपित स्वीकार्यता प्रोद्योगिकी हस्तांतरण पर निर्भर हो सकती है। 2010–2012 तक नवीनीकरण योग्य ऊर्जा (जलीय, सौर और पवन समेत) की औसत वार्षिक वृद्धि दर 4 प्रतिशत थी – 2030 तक सभी के लिए संवहनीय ऊर्जा का लक्ष्य प्राप्त करने के लिहाज से काफी धीमी थी। वार्षिक वृद्धि दर करीब 7.5 प्रतिशत तक बढ़ाई जानी चाहिए और 2030 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तात्कालिक वार्षिक निवेश करीब 400 बिलियन डॉलर का तीन गुना किए जाने की आवश्यकता है।[58]
- *अधिक संवहनीय कार्य के लिए लीपफ्रौगिंग।* यदि अधिक उन्नत और उपयुक्त प्रौद्योगिकियों में निवेश किए जाते हैं, कई देश लीपफ्रौगिंग के माध्यम से अधिक संवहनीय कार्य प्राप्त कर मानव विकास में प्राप्ति और सुरक्षा की दृष्टि से बड़ी उपलब्धि के लिए सक्षम हो सकते हैं। हालांकि घरेलू संसाधन, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, बहुपक्षीय विकास बैंक जैसे निवेश के अनेक स्रोत उपलब्ध हो सकते हैं – उपयुक्त व्यवस्था अनुज्ञापत्रों या अन्य व्यवस्थाओं के माध्यम से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए उपयुक्त प्रबंधन की आवश्यकता होगी।

इस तरह के हस्तांतरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय उदाहरण मौजूद हैं: विश्व व्यापार संगठन के बौद्धिक संपदा अधिकार (1994) के व्यापार संबंधी आयामों पर समझौते का अनुच्छेद 66.2 कम विकसित देशों के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सुविधा के उद्देश्य से तंत्र पर सहमति के लिए स्पष्टता प्रदान करता है।[59] व्यवहार में, पदार्थों पर मॉन्ट्रियल आदर्श पत्र जो ओजोन परत (1989), क्योटो आदर्श पत्र का स्वच्छ विकास तंत्र (1997) और जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र संरचना सम्मेलन का प्रौद्योगिकी तंत्र (2012) ये सभी अधिकाधिक अथवा कम से कम परिमाण में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की सुविधा प्रदान किए हैं। (रियो + 20 के स्वीकार्य दस्तावेज ने 'प्रौद्योगिकी उपलब्धता तंत्र' प्रस्तावित किया है जिसमें सतत विकास लक्ष्यों को भी शामिल किया गया है।)

व्यक्तिगत कार्रवाइयों को प्रोत्साहित करना, क्रियाकलाप विमुखता का प्रबंधन और असमानताओं के विरुद्ध संरक्षण

उन्नत संवहनीयता के लिए हल निकलेंगे लोगों के कार्य में सकारात्मक बाहरीपन को मान्यता देने और इस तरह की कार्रवाइयों को प्रोत्साहित करने से (बॉक्स 6.19)। अन्य को जिम्मेदारियां निभाने वालों को सही दिशा प्रदान करने के लिए उपयुक्त नियामक और व्यापक आर्थिक नीतियों की आवश्यकता होगी।

- *व्यापार विमुखता के प्रबंधन के लिए सार्वजनिक नीतियां अपनाना।* कुछ श्रमिकों को उनके उद्योग अथवा कार्य क्षेत्र में गतिविधियों के समाप्त होने के कारण नौकरियों का नुकसान हो सकता है। 21 देशों के मामलों का विश्लेषण बताता है कि नवीनीकरण योग्य ऊर्जा, हरित इमारतों और पुनः संयोजन, परिवहन, पुनरावर्तन और अपशिष्ट तथा जल प्रबंधन संबंधी उद्योगों के स्थायित्व और कृषि व वानिकी, मछली पालन, सार तत्व निकालने वाले उद्योग तथा खनिज ईंधन उत्पादन, उत्सर्जन आधारित विनिर्माण, मोटर वाहन उत्पादन, जहाज निर्माण व सीमेंट निर्माण के लिए काफी कम प्रयास किए गए।[60]

व्यापार विमुखता का दूसरा उदाहरण उपसहारा अफ्रीका से आता है, जहां ग्रामीण गरीबी बहुत व्यापक है और बहुतायत श्रम शक्ति ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। कृषि उत्पादकता बढ़ने से वहां खाद्य सुरक्षा और मानव विकास की गति तेज कर अधिकाधिक आर्थिक वृद्धि तथा गरीबी कम करने की कोशिशों की संभावना बढ़ी है। उदाहरण के लिए, घाना में 2000 से ग्रामीण गरीबी तेजी से कम हुई है। इस क्षमता के साथ घाना सहस्त्राब्दि विकास लक्ष्य 1 प्राप्त करने वाला क्षेत्र का पहला देश बन गया है। यह प्रगति श्रम आधारित छोटे खेतों पर नारियल की खेती कर हिस्सों में लाई गई।[61] लेकिन विस्तार और वृहत खेती ने पर्यावरणीय तनाव को बढ़ाया। संवहनीय कार्य को समर्थन के लिए संवहनीयता और रोजगार के विभिन्न और कई बार प्रतिस्पर्धी लक्ष्यों के बीच व्यापार विमुखता में सामंजस्य स्थापित किया जाना चाहिए।

- *मानकों को लागू करना।* संवहनीय कार्य के प्रोत्साहन पर अध्याय 5 के बॉक्स 5.2 में विचार किया गया है कि कैसे मानकों को लागू कर, नियमन और उपयुक्त नीतिगत उपायों से जहाज तोड़ने के उद्योग के संदर्भ में अंतर कर सकते हैं। इस तरह के मानकों को लागू करने में कठिनाइयों पर भी यह उचित ही जोर देता है, जो गुणवत्ता वाले संवहनीय कार्य के लिए कहीं से कम आवश्यक नहीं है।
- *अंतरपीढ़ीगत असमानताओं को दूर करना।* संवहनीय कार्य के लिए बेहतर वैतनिक कौशल विकसित करने के अधिक योग्य वे लोग हैं जिनके पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पोषण प्राप्त करने के लिए समय और संसाधन है– उनके बच्चे आय और धन वितरण के ऊपरी छोर पर हैं। क्या इन व्यक्तियों (कम कौशल वाले श्रमिकों की तुलना में) की कमाई में अंतरसंबंध इतना व्यापक होना चाहिए, बदले में उनके बच्चों के लिए अधिक उच्च वैतनिक कौशल विकसित करने के लिए अवसर प्राप्त करने की संभावना अधिक हो सकेगी। नीतियां खेल के मैदान के स्तर की होनी चाहिए जो समय के साथ निमज्जक होती जा रही हैं, इसलिए कि मानव विकास में असमानता सभी पीढ़ियों में नहीं रही है।
- *बदलाव का प्रबंध करना और सुगम बनाना।*

उन्नत संवहनीयता के लिए हल निकलेंगे लोगों के कार्य में सकारात्मक बाहरीपन को मान्यता देने और इस तरह की कार्रवाइयों को प्रोत्साहित करने से।

बॉक्स 6.19

कार्य की 'सामाजिक मजदूरी'

पर्यावरण संरक्षण में मदद करने अथवा संवहनीयता को प्रोत्साहित करने से समाज और भावी पीढ़ी को लाभ मिलता है जो व्यक्तिगत तौर पर तात्कालिक लाभ से परे जाता है। यह कार्य के अनेक अन्य तरीकों की एक विशेषता है जिसमें कुछ देखभाल के कार्य भी शामिल हैं। इन वस्तुओं और सेवाओं के सामाजिक मूल्य उनके निजी (बाजार) मूल्य से भिन्न हो सकते हैं और मुक्त बाजार स्थितियों में शामिल किए जा सकते हैं।

यह विशेषकर तब प्रासंगिक होता है जब सामाजिक तौर पर लाभदायक गतिविधियों में लगाई गई श्रमिकों की संख्या अथवा गुणवत्ता वस्तु या सेवा के सामाजिक तौर पर अपेक्षित स्तर प्रदान करने के अनुपयुक्त होती है। उदाहरण के लिए यह उच्चतम शिक्षित श्रमिक के साथ घटित हो सकता है जिसके पास उच्च आरक्षित मजदूरी का कोई वैकल्पिक व्यवसाय होता है: हालांकि सामाजिक तौर पर अधिक उपयोगी उत्पादों के बाजारी मूल्यांकन कम होने से पुरुष अथवा महिला को दिया जाने वाला भुगतान प्रतिबंधित होता है और परिणामस्वरूप कम मजदूरी से गतिविधियों में लगे लोगों की संख्या व गुणवत्ता में कमी आती है।

यह विरोधाभासी तरीके से ऐसे उच्च शिक्षित व्यक्तियों को आकर्षित करने में मददगार हो सकता है जो स्वयंसेवक हैं (या स्वयं सेवकों जैसे, निजी बाजार उन्हें जितना प्रदान कर सकता है उससे कम मजदूरी स्वीकार करने वाले) और बिना वेतन के कार्य करना चाहते हैं क्योंकि वे परिणामों में दृढ़ता से विश्वास करते हैं। उनकी प्रतिबद्धता और क्षमताएं कम आपूर्ति को ठीक करने यहां तक कि प्रेरित करने व सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं, ताकि अंतत: राजनीतिक व्यवस्था समुचित कार्रवाई कर सके।

सामाजिक मजदूरी का प्रस्ताव एक दृष्टिकोण हो सकता है - एक मजदूरी जो समाज के लिए प्रयास के मूल्य के तौर पर श्रमिक द्वारा किए गए प्रयास का प्रतिफल हो सके। कुछ क्षेत्रों में इसके लिए संघर्ष वाली स्थितियों या महामारी से निपटने में निजी क्षेत्र के श्रमिकों को जोखिम भुगतान या एक अस्थायी पदोन्नति के रूप में प्रोत्साहन पहले से ही दिया जाता है। पदोन्नति के लिए अन्य प्रोत्साहन या समुचित लक्ष्य आधारित अनुदानों के लिए इसी तरह के फैसले किए जाने चाहिए। उदाहरण के लिए, स्थायित्व पर सार्वजनिक तौर पर अधिक उपलब्ध अनुसंधान।

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

एक सामाजिक मजदूरी, समाज के लिए किए गए प्रयास के मूल्य के संदर्भ में कार्यकर्ता द्वारा किए गए प्रयास की, क्षतिपूर्ति करती है

संवहनीय कार्य की ओर बढ़ने के कारण खत्म होती नौकरियों का बढ़ना, पूरी तरह परिवर्तित (बहुमत) और निर्मित, सार्वजनिक नीतियां बदलाव प्रबंधन और सुगमता में अत्यंत महत्वपूर्ण होंगी। कई हितधारक मिलजुलकर और वैश्विकता के साथ कार्य करेंगे। देश के क्रियाकलापों में इच्छित वैश्विक परिणाम प्राप्त करने के लिए एक तंत्र की आवश्यकता होगी।

र149

समूह-विशेष हस्तक्षेप का जिम्मा लेना

कुछ समूहों और स्थितियों के लिए, ध्यान केंद्रित नीतिगत हस्तक्षेपों की आवश्यकता होगी क्योंकि समग्र नीतिगत हस्तक्षेप विशिष्ट चुनौतियों को उपयुक्त तरीके से नहीं सुलझा सकते। युवा बेरोजगारी, उम्रदराज श्रमिक संघर्ष अथवा संघर्ष के बाद की स्थितियों और रचनात्मक और स्वैच्छिक कार्य कुछ ऐसे मामले हैं जिन पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

युवा बेरोजगारी

इससे पहले नीतिगत विकल्प, शिक्षा और कौशल की दृष्टि से विशेषकर कार्य की बदलती दुनिया के लिए लोगों को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए है। युवा बेरोजगारी दूर करने के लिए ये नीतियां विशेष तौर पर प्रासंगिक हैं। लेकिन इस चुनौती की प्रदत्त बार-बार की तीव्रता और इसके बहुआयामी (आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक) प्रभाव, इसके लिए भी लक्षित हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी। युवाओं के लिए उत्साहवर्धक कार्य अवसर सृजित किए जाने चाहिए ताकि वे कार्य की नई दुनिया में अपनी रचनात्मकता, नवाचार और उद्यमशीलता को बंधनों से मुक्त कर सकें।

- *कार्य की नई लकीरें खींचने वाले क्षेत्रों और व्यक्तियों के लिए नीतिगत समर्थन उपलब्ध कराना।* इस तरह के प्रयास किए जा रहे हैं और हर दिन नए अवसर खोजे जा रहे हैं, लेकिन उन्हें नीतिगत समर्थन की आवश्यकता है।
- *कौशल विकास, रचनात्मकता और समस्याओं के समाधान में निवेश।* युवा महिला और पुरुष को प्रशिक्षण, व्यापार तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण और नौकरी के दौरान शिक्षण के लिए विशेष समर्थन प्रदान किया जाना चाहिए।
- *युवा उद्यमियों को मदद के लिए समर्थनकारी सरकारी नीतियों को उपलब्ध कराना।* व्यवसायों और प्रयासों की स्थापना के साथ ही वित्त पोषण के लिए बेहतर उपकरणओं और प्रणालियों के लिए सुझाव सेवा को शामिल किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, विकासशील देशों में सूक्ष्म वित्त युवाओं के लिए छोटे पैमाने पर सामुदायिक वित्त पोषण कर सकते हैंय अधिक विकसित अर्थव्यवस्थाओं, विशेषकर सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, उद्यम पूंजी शुरुआत में और बड़े प्रयासों में मददगार हो सकती है। अभी हाल में, छोटे प्रयासों के लिए कोष बनाने के एक विकल्प के रूप में क्राउडसोर्सिंग (लोगों के समूह

बॉक्स 6.20

संवहनीय कार्य की ओर अग्रसर होने के लिए देश के स्तर पर संभावित उपाय

- लीपफ्रागिंग अवसरों समेत उपयुक्त प्रौद्योगिकियों और निवेश विकल्पों की पहचान करना।
- संवहनीय नीतियों की स्वीकार्यता सुनिश्चित करने के लिए नियामक और व्यापक आर्थिक ढ़ांचा खड़ा करना
- सुनिश्चित करना कि आबादी के पास उपयुक्त कौशल आधार है – तकनीकी तथा शिक्षा, रोजगार और संवाद के लिए मूल योग्यता के साथ उच्च गुणवत्ता वाले कौशल का संयोजन।
- कृषि की तरह के अनौपचारिक क्षेत्रों में भारी संख्या में श्रमिकों के फिर से प्रशिक्षण और कौशल को उन्नत बनाना। हालांकि कुछ श्रमिक बाजार के माध्यम से पहुंच सकते हैं, दूसरों को निजी क्षेत्र, गैर सरकारी संगठनों व अन्य की मदद की आवश्यकता पड़ सकती है। ये अवसर महिलाओं और अन्य परंपरागत रूप से वंचित समूहों को समर्थन का एक तरीका हो सकते हैं।
- विविध संकुलों (पैकेज) के माध्यम से संक्रमण के विपरीत प्रभावों के प्रबंधन और समर्थन के अंतर पीढ़ीगत असमानता के संचरण को तोड़ने के लिए बराबरी का अवसर प्रदान करना।
- आबादी का निरंतर कौशल आधार निर्मित करना। इसके लिए जीवन चक्रीय दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी जो हस्तक्षेप की संचयी प्रकृति को पहचान प्रदान करता है जिससे सीखने की ओर अग्रसर हुआ जा सकता है। कौशल बदलाव में निजी क्षेत्र की निरंतर जारी भूमिका को रेखांकित करने के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा श्रमिकों की संख्या और गुणवत्ता में बड़ा निवेश आवश्यक होगा।

स्त्रोत : मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।

से आवश्यकता पूरी करना) उभरकर सामने आया है।[62]

- *इंटरनेट के माधयम से अधिक व्यापक रूप से उपलब्ध तृतीयक शिक्षण स्थापित करना।* विश्व विख्यात शैक्षणिक संस्थानों और छात्रों के बीच व्यापक पैमाने पर मुक्त आनलाइन पाठ्यक्रमों को बड़ी संख्या में अनुयायी मिल रहे हैं। उच्च शिक्षा की गति तेज करने में ये इंटरनेट द्वारा संचालित प्रयास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन अंतर वैयक्तिक संपर्क की तरह समूह कार्य और समस्या समाधान अभी भी लाभदायक शिक्षण के लिए आवश्यक हैं।
- *स्थानीय युवा लोगों और गरीब लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए नकदी हस्तांतरण कार्यक्रमों का उपयोग करना।* भारत और युगांडा में ये कार्यक्रम रोजगार की तलाश के लिए आर्थिक मदद और उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण को समर्थन के लिए और कौशल विकास के लिए संसाधन उपलब्ध कराते हैं।[63] इन्होंने उद्यमशीलता के लिए ऋण के अन्य स्रोतों तक पहुंच को भी बढ़ाया है।

बूढ़े श्रमिक

बूढ़े लोग दो कारणों से कार्य जारी रखना चाहते हैं: वे सक्रिय रहना चाहते हैं और अपने कार्य में लगे रहने चाहते हैं अन्यथा वे अपनी सेवानिवृत्ति को वहन नहीं कर सकते। वैतनिक रोजगार छोड़ देने वाले बूढ़े श्रमिक देखभाल और स्वैच्छिक कार्य के लिए अधिक समय दे सकते हैं। इस प्रकार वे सामाजिक समावेश की भावना को बनाए रखने में समाज के लिए योगदान दे सकते हैं। एचआईवी/एड्स से प्रभावित देशों में दादा-दादी ने इस तरह की बीमारियों से अनाथ हुए बच्चों की पालक माता-पिता की तरह सेवा की।[64] बूढ़े संबंधी उन बच्चों की भी देखभाल कर सकते हैं जिनके माता-पिता कार्य के लिए दूसरे स्थानों पर चले गए हैं। दुनिया की करीब आधी आबादी को पेंशन नहीं प्राप्त नहीं होती और बाकी के लिए पेंशन अनुपयुक्त है।[65] परिवार के दूसरे सदस्य जब तक उनकी मदद नहीं करते हैं, उन्हें अनियमित क्षेत्र में लगातार कार्य जारी रखना चाहिए।

फ्रांस, जर्मनी, इटली, पोलैंड, स्पेन और संयुक्त गणराज्य जैसे कुछ देशों ने बूढ़े श्रमिकों को संपत्ति के रूप में पहचान की है और कई बार अनिवार्य सेवानिवृत्ति के कानून को हटाकर या पेंशन की आयु बढ़ाकर उन्हें बनाए रखने के प्रयास कर रहे हैं।[66] यह लोगों को लंबे समय तक कार्य करने में सक्षम बनाता है और पेंशन की लागत को कम करता है, लेकिन यह बूढ़े लोगों के लिए इस पसंद को खत्म कर सकता है कि वे कब सेवानिवृत्त हों। बूढ़े श्रमिक अंशकालिक नौकरियों की अधिक उपलब्धता और लचीले कार्य व्यवस्थाओं से लाभान्वित होते हैं जो उनके लिए सेवानिवृत्ति को आसान बना सकते हैं। लचीलेपन के लिए एक विकल्प स्वरोजगार है: गूगल ने 50 वर्ष की आयु से ऊपर के पहली बार वाले उद्यमियों को मदद का भरोसा दिया है।[67]

युवाओं के लिए उत्साहवर्धक कार्य अवसर सृजित किए जाने चाहिए

संघर्ष और संघर्ष के बाद की स्थितियों में कार्य

संघर्ष और संघर्ष के बाद की स्थितियों में उत्पादक नौकरियां जो लोगों का सशक्तिकरण कर सके, अभिकरण निर्मित करे, अभिव्यक्ति को मुखर कर सके, सामाजिक हैसियत प्रदान कर सके, और सम्मान एकता, विश्वास तथा लोगों में नागरिक समाज में हिस्सेदारी की इच्छा जागृत कर सके, पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। इस तरह की नौकरियां आर्थिक और सामाजिक संबंधों का सृजन करने और सीमाओं से परे कार्य को प्रोत्साहन प्रदान

रचनात्मक कार्य के लिए सक्षम कार्य वातावरण की आवश्यकता होती है।

करने के लिए की क्षमता रखने व संघर्ष को सुलझाने में मददगार हो सकती हैं। कुछ नीतिगत विकल्प हैं:

- *संघर्ष विशेष से उपजी आवश्यकताओं के बढ़ने के साथ उभरकर सामने आए कार्य के नए स्वरूप निर्धारित करना*। उदाहरण के लिए, प्रतिरोध के दौरान मुकाबला करने वालों के लिए देखभाल (भोजन बनाने वाले के रूप में), घायलों के लिए स्वास्थ्य देखभाल और पुनर्निर्माण अत्यंत उपयोगी हो सकते हैं।
- *स्वास्थ्य व्यवस्था में मददगार कार्य कई लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं*। संघर्ष के शिकार कई देशों में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से धवस्त हो गई, इससे स्वास्थ्य सेवाएं मददगारों और घायलों के लिए जीवन खतरे में डालने की चुनौती उत्पन्न हो गई। इस माहौल में, अंतर्राष्ट्रीय सहायता अपरिहार्य हो जाती है, लेकिन स्थानीय स्वयंसेवक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने और जीवन बचाने में लगातार योगदान देते हैं।
- *मूलभूत सामाजिक सेवाएं प्राप्त करना और संचालित करना*। आर्थिक विवेचन के अलावा, इसके सामाजिक और राजनीतिक लाभ हैं। समुदाय, गैर सरकारी संगठन और सार्वजनिक-निजी भागीदारी संचालक हो सकते हैं।
- *लोक निर्माण कार्यक्रम शुरू करना*। यहां तक कि आपात अस्थायी नौकरियां, कार्य के लिए नकदी और इस तरह के कार्यक्रम अति आवश्यक आजीविका उपलब्ध करा सकते हैं और जटिल भौतिक तथा सामाजिक ढांचे के निर्माण में योगदान दे सकते हैं।
- *लक्षित समुदाय आधारित कार्यक्रम बनाना और लागू करना*। इस तरह के कार्यक्रम स्थायित्व के अलावा विभिन्न तरीके से लाभप्रद हो सकते हैं। आर्थिक गतिविधियां लोगों को नए सिरे से जोड़कर, ढांचे का पुनर्निर्माण कर और सामाजिक संरचना बहाल करने में मदद कर शुरू की जा सकती हैं।

रचनात्मक और स्वैच्छिक कार्य

रचनात्मक कार्य के लिए वित्तीय सहायता, मिलकर कार्य करने के अवसरों व विचारों की परिपक्वता के साथ सक्षम कार्य वातावरण की आवश्यकता होती है। यह संदर्भ मानव विकास में रचनात्मक होने की क्षमता और आम वस्तुओं के लिए योगदान के अलावा मानवीय क्षमताओं को विस्तारित करने के लिए पूर्व शर्त की तरह बहुत करीबी रहा है। रचनात्मकता और नवोन्मेष की प्राप्ति के लिए कुछ मुख्य आवश्यकताएं हैं:

- *समावेशी तरीके से नई खोज करना*। यहां, उचित प्रतिनिधित्व न पाने वाले समूहों के लिए रचनात्मक अवसरों का विस्तार कर, कम आय पर आजीविका चलाने वाले द्वारा या उन के लिए अथवा महिलाओं के लिए नई वस्तुओं और सेवाओं को विकसित करना।
- *लोकतांत्रिक रचनात्मकता सुनिश्चित करना*। कार्यस्थल और आभासी मंच इस तरह संयोजित किए जा सकते हैं जो हर स्तर पर नई खोज को प्रोत्साहित कर सकें।
- *प्रयोग और खतरे का वित्तपोषण*। यह न सुलझाई जा सकने वाली सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान करना अपरिहार्य बनाती है जिसके लिए ऐसे प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक संस्थाओं की आवश्यकता होगी जो कम प्रमाणित दृष्टिकोण पर वित्तीय मदद के लिए तैयार हों - उदाहरण के लिए, अधिक मूलभूत शोध कार्यक्रमों को सहायता प्रदान करना। यह नई खोज करने वालों और रचनात्मक श्रमिकों को अपनी खोजों का अधिकार अपने पास रखने में मदद कर सकते हैं।
- *सार्वजनिक भलाई के लिए नई खोज करना*। रचनात्मकता और नई खोज कई उद्देश्यों को उन्नत बना सकते हैं। नीतियां जो स्वैच्छिक कार्य के अलावा वृहत्तर सामाजिक भलाई की दिशा में नई खोजों को निर्देशित करती हैं, मानव विकास को मजबूती प्रदान कर सकती हैं।
- *स्वैच्छिक कार्य को प्रोत्साहित करना*। यह विभिन्न नीति प्रपत्रों के माध्यम से भी किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, राजकोषीय नीति प्रपत्र जैसे कर छूट, अनुदान और सार्वजनिक वित्तीय सहायता स्वैच्छिक संगठनों और उनके कार्य को मदद पहुंचा सकती हैं। राजनीतिक स्तर पर स्वैच्छिक कार्य के लिए जगह बनाने व उसकी सुरक्षा करने के लिए विशेषकर संघर्षों और प्राकृतिक आपदा जैसी आपात स्थितियों में, लोगों के समर्थन से सामाजिक लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

कार्यवाही के लिए एक एजेंडा - तीन स्तंभ

पिछले तीन वर्गों में उल्लिखित नीति विकल्पों के अतिरिक्त, कार्रवाई के लिए एक व्यापक कार्यसूची, जो तीन स्तंभों नया सामाजिक अनुबंध, एक वैश्विक सौदा और सम्मानित कार्य सूची के साथ कार्य के परिवर्तित वैश्विक संदर्भ को पूरी करती है, मानव विकास कार्य को समृद्ध बनाने की दिशा में कार्य कर सकता है।

यह कोई आसान कार्यसूची नहीं है। इसे राजनीतिक प्रक्रिया से स्वीकृति और उच्च नेतृत्व से समर्थन और राजनीतिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। प्रस्तावित कार्रवाई कार्यसूची में कुछ मुद्दे 2015 के बाद की विकास कार्यसूची और सतत विकास लक्ष्यों (सम्मानित कार्य कार्यसूची की तरह के) का पहले से ही हिस्सा हैं; अन्य को राजनीतिक समर्थन मिला लेकिन स्वीकार नहीं किए जा सके (जैसे एक नया वैश्विक सौदा)।

इसलिए एक गति दिखी है जिसे प्रेरित किए जाने की आवश्यकता है। कुछ कार्यसूची संबंधी कार्रवाइयों के लिए वैश्विक और देश दोनों स्तर पर व्यापकता आधारित सामाजिक विचार-विमर्श की आवश्यकता होगी।

दुनिया की बदलती प्रकृति के कारण कार्य और मानव विकास के लिए इससे पहले कभी न देखे गए प्रभावों के साथ, यह आवश्यक हो जाता है कि इन मुद्दों पर गंभीर संवाद शुरू किया जाए। उस भावना में, प्रतिवेदन प्रस्तावित कार्रवाई के लिए निम्नलिखित कार्यसूची प्रस्तुत करता है।

एक नया सामाजिक अनुबंध विकसित करना

20वीं शताब्दी के दौरान, मुख्य रूप से विकसित देशों में राज्य, औद्योगिक क्षेत्र में शामिल नियोक्ता और कर्मचारी, सेवा और सार्वजनिक क्षेत्रों के बीच सामाजिक अनुबंध विकसित हुए। यह बहुत संकीर्ण तरीके से सामने आया, बाद में विकासशील देशों में विशेषकर औपचारिक और सार्वजनिक क्षेत्रें में पाया गया। योजनाबद्ध तरीके से, सामाजिक अनुबंधों ने राज्य द्वारा व्यापक आर्थिक और मौद्रिक स्थिरता उपलब्ध कराए जाने, शिक्षा और प्रशिक्षण व श्रम अधिकारों के कानून के माध्यम से श्रम शक्ति का विकास करने (और कुछ सैन्य सेवा के माध्यम से) तथा नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच बातचीत से तय अनुबंधों के बदले, अक्सर संगठित और श्रम बाजार स्थिरिता को लेकर व्यवस्थाएं सुझाई हैं। कोष के लिए स्वीकृत अनुबंध के तहत राज्य शुरुआत में शिक्षा सेवाओं तथा कुछ पेंशनों व आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में निगम और व्यक्तिगत कर तथा अतिरिक्त श्रम शुल्क की उगाही कर सकता है। जैसे-जैसे समाज संपन्न होते गए, सेवाएं और सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थाएं बढ़ाई जाने लगीं।

सामाजिक अनुबंधों ने विकसित देशों में आबादी के बढ़ते हिस्सों और औपनिवेशिकता से मुक्त विकासशील देशों में औपचारिक व सार्वजनिक क्षेत्र के श्रमिकों के हितों का पोषण किया। दूसरे विश्व युद्ध के बाद, जब समाजों ने पुनर्निर्माण और 'दोबारा कभी नहीं' की नीतियों को लागू करने की मांग की, शिक्षा और सामाजिक कार्यक्रमों (विशेष तौर पर बेरोजगारी बीमा के साथ सामाजिक सुरक्षा), विकलांगता व वृद्धावस्था पेंशन सभी बढ़ाए गए। औपचारिक अर्थव्यवस्था में कृषि से लेकर शहरी केंद्रों तक कार्य के अवसर भी बहुत तेजी से चलाए गए। अनेक देशों में हाल के वर्षों में वैतनिक मातृत्व अवकाश और उपेक्षा के शिकार लोगों के लिए सहायता भी सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा बनाई गई। स्वरोजगार में लगे लोगों या छोटे व्यवसायों में कार्य करने वालों, अक्सर सेवा उद्योग में लगे लोगों के लिए भी कुछ व्यवस्था बनाई गई।

बहुत तेजी से विकसित हो रही कार्य की दुनिया में, हिस्सेदारी करने वाले के किसी एक नियोक्ता के साथ लंबे समय तक बंध कर रहने अथवा किसी श्रमिक संगठन का सदस्य होने की संभावना कम होती है। वे विभिन्न तरह के नियोक्ताओं और ठेकेदारों के लिए स्वतंत्र रूप से भीड़ श्रमिक के रूप में कार्य करने में लग सकते हैं। कार्य की दुनिया वैश्विक होने, कम एकजुट व गैर संगठित तथा अधिक विभक्त होने के कारण अनेक सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थाओं के परिणामस्वरूप पारंपरिक तरीका आज गंभीर दबाव में आ गया है। यह सुरक्षा के लिए पारंपरिक व्यवस्थाओं के अनुरूप उपयुक्त नहीं है और बहुत सारे स्वतंत्र रूप से कार्य करने वाले अपनी निजी पेंशन व स्वास्थ्य देखभाल के लिए खुद जिम्मेदार हैं। तब समाज हमेशा कार्य में न रहने वाली बढ़ती आबादी, औपचारिक क्षेत्र के बाहर कार्य करने वालों तक पहुंच, श्रम बाजार में नए-नए शामिल होने वालों को समायोजित करने (विशेषकर प्रवासियों) और वैतनिक कार्य प्राप्त करने में अक्षम लोगों शामिल करने के लिए कैसे निष्पक्ष तरीके से कोष एकत्रित कर सकता है?

संयुक्त राज्य में स्वतंत्र रूप से कार्य करने वालों के संगठन की तरह के कुछ प्रयास पहले से ही किए जा रहे हैं।[68] डेनमार्क में बढ़ रहे लचीले रोजगार बाजार में सुरक्षा के साथ दोबारा दक्षता और कौशल को उन्नत बनाने की सुविधा प्रदान की गई (बॉक्स 6.21)। लेकिन अत्यधिक पैमाने पर या कई देश श्रमिकों की सुरक्षा और सामाजिक कल्याण सुनिश्चित करने की शर्तों पर जो कुछ 20वीं शताब्दी में अर्जित किया था वह खोते जा रहे हैं, इस पर अधिकाधिक विचार-विमर्श किए जाने की आवश्यकता है। अब समय आ गया है कि आज की कार्य की दुनिया के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों के लिए नए सामाजिक अनुबंधों को लेकर खुली बातचीत की जाए।

वैश्विक समझौते का अनुशीलन करना

वैश्विक उत्पादन के युग में, राष्ट्रीय नीतियों और सामाजिक अनुबंधों को अतिरिक्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। क्या घर पर कार्य प्रतिस्पर्धी वैश्विक वातावरण वाले कार्य नहीं हो सकते। इसके अलावा, वास्तिवक वैश्वीकरण भागीदारी के विचार पर टिका है - हमें 'वैश्विक कार्य जीवन' के लिए अंतिम रूप से जिम्मेदारी लेने के लक्ष्य में भागीदारी करनी चाहिए।

व्यवहार के स्तर पर और सभी स्तरों पर समझौतों के लिए बातचीत करने को तैयार होने के लिए पूरी दुनिया में श्रमिकों के अधिकारों के घोषणापत्र को मंजूरी और लागू करने के अलावा, सभी हिस्सेदारों - श्रमिकों, व्यवसायों और सरकारों को इस तरह के वैश्विक समझौते के प्रयासों की आवश्यकता पड़ सकती है। मजबूत अंतर्राष्ट्रीय मंचों में इसके लिए नए संस्थानों की आवश्यकता नहीं होगी, केवल लक्ष्यों और कार्यसूचियों की जरूरत होगी जो दुनिया के पास पहले से मौजूद है।

वैश्विक समझौता सरकारों को अपने नागरिकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नीतियों को लागू

अब समय आ गया है कि आज की कार्य की दुनिया के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों के लिए नए सामाजिक अनुबंधों को लेकर खुली बातचीत की जाए।

बॉक्स 6.21

डेनमार्क में कल्याणकारी श्रम व्यवस्था

डैनिश श्रम बाजार 'कल्याणकारी श्रम व्यवस्था' वाला माना जाता है: नियोक्ताओं और कर्मचारियों के लिए कम समायोजन लागत के रूप में और सुरक्षा जो डेनमार्क के विकसित सामाजिक सुरक्षा तंत्र की वजह से प्राप्त सुरक्षा उच्च बीमाकृत राशि और प्रतिस्थापन दर सुनिश्चित करता है। कल्याणकारी श्रम व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य नौकरी की सुरक्षा से रोजगार सुरक्षा को प्रोत्साहित करना, जिसका मतलब है उनकी नौकरियों की बजाय श्रमिकों को सुरक्षित किया जाना। परिणामस्वरूप, लचीली श्रम शक्ति के सभी लाभों से नियोक्ता लाभान्वित हो सकते हैं जबकि सक्रिय श्रम बाजार नीतियों के साथ लागू मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र कर्मचारियों के लिए सुविधाजनक हो सकते हैं।

स्त्रोत : विश्व बैंक 2015b।

करने में मार्गदर्शन कर सकता है। वैश्विक समझौतों के बिना, राष्ट्रीय नीतियां बाह्यताओं के लिए लेखांकन के बिना यथास्थान श्रमिक आवश्यकताओं को पूरा कर सकती हैं। इसका तात्पर्य यह है कि इसमें वैश्विक-राष्ट्रीय करार भी आवश्यक है। सितंबर 2013 में शुरू किए गए घरेलू श्रमिकों के लिए सम्मानित कार्य से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन सम्मेलन की तरह के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अभूतपूर्व समझौते थे जो विश्व स्तर पर वैतनिक घरेलू श्रमिकों के अधिकारों के लिए वैश्विक मानक स्थापित करने वाले थे। इस प्रकार के समझौते हस्ताक्षर करने वालों के लिए दिशा निर्देशक सिद्धांत प्रस्तुत करते हैं लेकिन राष्ट्रीय सरकारों को नीतियां लागू करने के लिए मौका प्रदान करते हैं जो वैश्विक कार्रवाइयों द्वारा प्रेरित विभिन्न राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिये उपयुक्त हैं लेकिन स्थानीय समुदायों में वास्तविक बदलाव ला रहे हैं।

वैश्विक समझौता सरकारों को अपने नागरिकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नीतियों को लागू करने में मार्गदर्शन कर सकता है।

सम्मानित कार्य संबंधी कार्यसूची लागू करना

सम्मानित कार्य संबंधी कार्यसूची स्वतंत्रता, समानता, सुरक्षा और मानव गरिमा की स्थितियों में महिला और पुरुष के लिए उत्पादक कार्य प्रस्तुत करती है। यह उत्पादक कार्य के लिए अवसरों को शामिल करता है और उचित आय प्रदान करता है; कार्यस्थल पर सुरक्षा और श्रमिकों व उनके परिजनों के लिए सुरक्षा प्रदान करता है; लोगों को अपनी चिंताओं को व्यक्त करने की स्वतंत्रता देता है, संगठित होने और निर्णयों में हिस्सेदारी जो उनके जीवन को प्रभावित करते हैं; और सभी के लिए समान अवसर तथा समान व्यवहार सुनिश्चित करता है।[69] कार्यसूची के चार स्तंभ बाक्स 6.22 में हैं।

सम्मालित कार्य संबंधी कार्यसूची और मानव विकास ढांचा एक दूसरे को मजबूती प्रदान करते हैं। सम्मानित कार्य अपने प्रत्येक स्तंभ के माध्यम से मानव विकास को मजबूती प्रदान करते हैं। रोजगार सृजन और उद्यमिता विकास लोगों को आय और आजीविका प्रदान करते हैं, समानता के लिए महत्वपूर्ण संसाधन होते हैं और हिस्सेदारी तथा आत्म सम्मान व गरिमा के लिए उपयोगी होते हैं। श्रमिकों के अधिकार मानवाधिकारों की रक्षा, मानवीय स्वतंत्रता और श्रम मानकों द्वारा मानव विकास में मददगार होते हैं। सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित सुरक्षा तंत्र द्वारा मानव विकास के लिए सामाजिक सुरक्षा प्रदान करता है और जोखिम तथा कमजोरियों से लोगों को सुरक्षा प्रदान करता है। सामाजिक संवाद व्यापक हिस्सेदारी, सशक्तिकरण और सामाजिक एकजुटता के माधयम से मानव विकास को मदद पहुंचाता है।

मानव विकास भी चार स्तंभों को योगदान देता है। रोजगार और उद्यमशीलता के लिए मानव विकास से समृद्ध अवसरों के माध्यम से मानवीय क्षमताओं का विस्तार करना। मानव विकास का भागीदारी पहलू सामाजिक संवाद को बेहतर बनाने में मदद करता है। मानव विकास मानवाधिकारों को प्रोत्साहित करता है जो

बॉक्स 6.22

सम्मानित कार्य संबंधी कार्यसूची के चार स्तंभ।

- *रोजगार सृजन और उद्यमिता विकास।* यह स्वीकार करने की आवश्यकता है कि गरीबी दूर करने का मुख्य रास्ता नौकरी है और अर्थव्यवस्था के लिए निवेश, उद्यमशीलता, रोजगार सृजन और संवहनीय आजीविका के लिए अवसर सृजित किए जाने की आवश्यकता है।
- *कार्य के दौरान मानक और अधिकार।* हिस्सेदारी और अधिकार प्राप्त करने और सम्मान अर्जित करने की दिशा में उनके विचारों की अभिव्यक्ति के लिए लोगों को प्रतिनिधित्व का अवसर की आवश्यकता होती है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठनों के मानक कार्य अनुपालन और प्रगति मापने के लिए कुंजी की तरह हैं।
- *सामाजिक सुरक्षा।* गरीबतम देशों में 10 प्रतिशत से भी कम लोगों को उपयुक्त सामाजिक सुरक्षा संरक्षण प्राप्त होता है। स्वास्थ्य देखभाल और सेवानिवृत्ति जैसी मूलभूत सामाजिक सुरक्षा समाज और अर्थव्यवस्था में भागीदारी आधारित उत्पादकता के लिए नींव की तरह होती है।
- *शासन और सामाजिक संवाद।* सरकारों, श्रमिकों और नियोक्ताओं के बीच सामाजिक संवाद महत्वपूर्ण आर्थिक और सामाजिक मुद्दों का समाधन कर सकते हैं, सुशासन को प्रोत्साहित कर सकते हैं, मजबूत श्रम संबंध स्थापित कर सकते हैं और आर्थिक तथा सामाजिक प्रगति को बढ़ावा दे सकते हैं।

स्त्रोत : आईएलओ 2008b।

श्रमिकों के अधिकारों और मानव सुरक्षा को मजबूती करता है। दिए गए इन सभी अंतर सूत्रों के कारण, सम्मानित कार्य संबंधी एजेंडे को लागू करना कार्य बढ़ाने के मानव विकास में सहायक होगा।

निष्कर्ष

विश्व समुदाय 2015 के बाद की विकास कार्यसूची के लिए सहमत हो चुका है और सतत विकास लक्ष्य का निर्धारण कर चुका है। कार्यसूची प्रयोजन में वैश्विक है, लेकिन राष्ट्रीय संदर्भ में इसकी स्वीकार्यता और क्रियान्वयन देशों के बीच भिन्न-भिन्न हो सकती है। एक एकीकृत सिद्धांत 'किसी को भी पीछे न छोड़ें' हो सकता है।

यह इस नई वैश्विक प्रतिबद्धता और बदलाव के संदर्भ में है कि यह प्रतिवेदन दिखाता है कि मानव रचनात्मकता, सरलता, नवोन्मेष और कार्य किस तरह विकल्पों को विस्तारित करता है, बेहतरी को मजबूती प्रदान करता है और हर मनुष्य को समानता और संवहनीयता प्रदान करने की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है – ताकि मानव प्रगति वास्तव में किसी को भी पीछे न छोड़े।

सम्मानित कार्य संबंधी एजेंडे को लागू करना कार्य बढ़ाने के मानव विकास में सहायक होगा।

मौलिक श्रम अधिकार सम्मेलनों की स्थिति

	संस्था और सामूहिक सौदेबाजी की स्वतंत्रता		बंधुआ और अनिवार्य मज़दूरी का उन्मूलन		रोज़गार और व्यवसाय में भेदभाव का उन्मूलन		बल मज़दूरी का उन्मूलन		
	सीओ 87 : संस्था की स्वतंत्रता और सम्मेलन आयोजित करने के अधिकार का संरक्षण, 1948	सीओ 98 : संगठन के अधिकार और सामूहिक सौदेबाजी का सम्मेलन, 1949	सीओ 29 : बंधुआ मज़दूरी सम्मेलन, 1930	सी 105 : बंधुआ मज़दूरी का उन्मूलन सम्मेलन, 1957	सी 100 : समान पारिश्रमिक सम्मेलन, 1951	सी 111 : भेदभाव (रोजगार और व्यवसाय) सम्मेलन, 1958	सी 138 : न्यूनतम आयु सम्मेलन, 1973		सी 182 : बाल मज़दूरी के विकृत रूप का सम्मेलन, 1999
	अमल में आया : 4 जुलाई 1950	अमल में आया : 18 जुलाई 1951	अमल में आया : 1 मई 1932	अमल में आया : 17 जनवरी 1959	अमल में आया : 23 मई 1953	अमल में आया : 15 जून 1960	अमल में आया : 15 जून 1976		अमल में आया : 19 नवंबर 2000
देश	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	आयु	संपुष्टि वर्ष
अफ़गानिस्तान				1963	1969	1969	2010	14 वर्ष	2010
अल्बानिया	1957	1957	1957	1997	1957	1997	1998	16 वर्ष	2001
अल्जीरिया	1962	1962	1962	1969	1962	1969	1984	16 वर्ष	2001
अंगोला	2001	1976	1976	1976	1976	1976	2001	14 वर्ष	2001
एंटिगुआ और बरबूडा	1983	1983	1983	1983	2003	1983	1983	16 वर्ष	2002
अर्जेंटीना	1960	1956	1950	1960	1956	1968	1996	16 वर्ष	2001
अर्मेनिआ	2006	2003	2004	2004	1994	1994	2006	16 वर्ष	2006
आस्ट्रेलिया	1973	1973	1932	1960	1974	1973			2006
ऑस्ट्रिया	1950	1951	1960	1958	1953	1973	2000	15 वर्ष	2001
अज़रबेजान	1992	1992	1992	2000	1992	1992	1992	16 वर्ष	2004
बहामास	2001	1976	1976	1976	2001	2001	2001	14 वर्ष	2001
बहरीन			1981	1998		2000	2012	15 वर्ष	2001
बांग्लादेश	1972	1972	1972	1972	1998	1972			2001
बारबाडोस	1967	1967	1967	1967	1974	1974	2000	16 वर्ष	2000
बेलारुस	1956	1956	1956	1995	1956	1961	1979	16 वर्ष	2000
बेल्जियम	1951	1953	1944	1961	1952	1977	1988	15 वर्ष	2002
बेलीज़	1983	1983	1983	1983	1999	1999	2000	14 वर्ष	2000
बेनिन	1960	1968	1960	1961	1968	1961	2001	14 वर्ष	2001
बोलिविया (प्लूरीनेशनल राज्य)	1965	1973	2005	1990	1973	1977	1997	14 वर्ष	2003
बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	1993	1993	1993	2000	1993	1993	1993	15 वर्ष	2001
बोत्स्वाना	1997	1997	1997	1997	1997	1997	1997	14 वर्ष	2000
ब्राज़ील		1952	1957	1965	1957	1965	2001	16 वर्ष	2000
ब्रूनेई दारस्सलाम							2011	16 वर्ष	2008
बुल्गेरिया	1959	1959	1932	1999	1955	1960	1980	16 वर्ष	2000
बुर्किना फ़ासो	1960	1962	1960	1997	1969	1962	1999	15 वर्ष	2001
बुरुण्डी	1993	1997	1963	1963	1993	1993	2000	16 वर्ष	2002
केप वर्दे	1999	1979	1979	1979	1979	1979	2011	15 वर्ष	2001
कम्बोडिया	1999	1999	1969	1999	1999	1999	1999	14 वर्ष	2006
कैमरून	1960	1962	1960	1962	1970	1988	2001	14 वर्ष	2002
कनाडा	1972		2011	1959	1972	1964			2000
मध्य अफ्रीकी गणराज्य	1960	1964	1960	1964	1964	1964	2000	14 वर्ष	2000
चाड	1960	1961	1960	1961	1966	1966	2005	14 वर्ष	2000
चिली	1999	1999	1933	1999	1971	1971	1999	15 वर्ष	2000
चीन					1990	2006	1999	16 वर्ष	2002
कोलम्बिया	1976	1976	1969	1963	1963	1969	2001	15 वर्ष	2005
कोमोरॉस	1978	1978	1978	1978	1978	2004	2004	15 वर्ष	2004
कांगो	1960	1999	1960	1999	1999	1999	1999	14 वर्ष	2002
कोस्टा रिका	1960	1960	1960	1959	1960	1962	1976	15 वर्ष	2001
आइवरी कोस्ट	1960	1961	1960	1961	1961	1961	2003	14 वर्ष	2003
क्रोएशिया	1991	1991	1991	1997	1991	1991	1991	15 वर्ष	2001
क्यूबा	1952	1952	1953	1958	1954	1965	1975	15 वर्ष	
साइप्रस	1966	1966	1960	1960	1987	1968	1997	15 वर्ष	2000
चेक गणराज्य	1993	1993	1993	1996	1993	1993	2007	15 वर्ष	2001
कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	2001	1969	1960	2001	1969	2001	2001	14 वर्ष	2001
डेनमार्क	1951	1955	1932	1958	1960	1960	1997	15 वर्ष	2000
जिबूती	1978	1978	1978	1978	1978	2005	2005	16 वर्ष	2005
डोमिनिका	1983	1983	1983	1983	1983	1983	1983	15 वर्ष	2001
डोमीनिकन गणराज्य	1956	1953	1956	1958	1953	1964	1999	14 वर्ष	2000
इक्वाडोर	1967	1959	1954	1962	1957	1962	2000	14 वर्ष	2000
मिस्र	1957	1954	1955	1958	1960	1960	1999	15 वर्ष	2002
अल सल्वाडोर	2006	2006	1995	1958	2000	1995	1996	14 वर्ष	2000
इक्वेटोरियल गिनी	2001	2001	2001	2001	1985	2001	1985	14 वर्ष	2001
एरिट्रिया	2000	2000	2000	2000	2000	2000	2000	14 वर्ष	
एस्टोनिआ	1994	1994	1996	1996	1996	2005	2007	15 वर्ष	2001
इथियोपिया	1963	1963	2003	1999	1999	1966	1999	14 वर्ष	2003
फ़िजी	2002	1974	1974	1974	2002	2002	2003	15 वर्ष	2002
फ़िनलैण्ड	1950	1951	1936	1960	1963	1970	1976	15 वर्ष	2000

	संस्था और सामूहिक सौदेबाजी की स्वतंत्रता		बंधुआ और अनिवार्य मज़दूरी का उन्मूलन		रोज़गार और व्यवसाय में भेदभाव का उन्मूलन		बल मज़दूरी का उन्मूलन		
	सीओ 87 : संस्था की स्वतंत्रता और सम्मेलन आयोजित करने के अधिकार का संरक्षण, 1948	सीओ 98 : संगठन के अधिकार और सामूहिक सौदेबाजी का सम्मेलन, 1949	सीओ 29 : बंधुआ मज़दूरी सम्मेलन, 1930	सी 105 : बंधुआ मज़दूरी का उन्मूलन सम्मेलन, 1957	सी 100 : समान पारिश्रमिक सम्मेलन, 1951	सी 111 : भेदभाव (रोजगार और व्यवसाय) सम्मेलन, 1958	सी 138 : न्यूनतम आयु सम्मेलन, 1973		सी 182 : बाल मज़दूरी के विकृत रूप का सम्मेलन, 1999
	अमल में आया : 4 जुलाई 1950	अमल में आया : 18 जुलाई 1951	अमल में आया : 1 मई 1932	अमल में आया : 17 जनवरी 1959	अमल में आया : 23 मई 1953	अमल में आया : 15 जून 1960	अमल में आया : 15 जून 1976		अमल में आया : 19 नवंबर 2000
देश	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	आयु	संपुष्टि वर्ष
फ्रांस	1951	1951	1937	1969	1953	1981	1990	16 वर्ष	2001
गैबन	1960	1961	1960	1961	1961	1961	2010	16 वर्ष	2001
गैम्बिया	2000	2000	2000	2000	2000	2000	2000	14 वर्ष	2001
जॉर्जिया	1999	1993	1993	1996	1993	1993	1996	15 वर्ष	2002
जर्मनी	1957	1956	1956	1959	1956	1961	1976	15 वर्ष	2002
घाना	1965	1959	1957	1958	1968	1961	2011	15 वर्ष	2000
ग्रीस	1962	1962	1952	1962	1975	1984	1986	15 वर्ष	2001
ग्रेनाडा	1994	1979	1979	1979	1994	2003	2003	16 वर्ष	2003
ग्वाटेमाला	1952	1952	1989	1959	1961	1960	1990	14 वर्ष	2001
गिनी	1959	1959	1959	1961	1967	1960	2003	16 वर्ष	2003
गिनी बिसाउ		1977	1977	1977	1977	1977	2009	14 वर्ष	2008
गयाना	1967	1966	1966	1966	1975	1975	1998	15 वर्ष	2001
हैती	1979	1957	1958	1958	1958	1976	2009	14 वर्ष	2007
होण्डुरास	1956	1956	1957	1958	1956	1960	1980	14 वर्ष	2001
हंगरी	1957	1957	1956	1994	1956	1961	1998	16 वर्ष	2000
आइसलैण्ड	1950	1952	1958	1960	1958	1963	1999	15 वर्ष	2000
भारत			1954	2000	1958	1960			
इण्डोनेशिया	1998	1957	1950	1999	1958	1999	1999	15 वर्ष	2000
ईरान इस्लामिक गणराज्य			1957	1959	1972	1964			2002
इराक		1962	1962	1959	1963	1959	1985	15 वर्ष	2001
आयरलैण्ड	1955	1955	1931	1958	1974	1999	1978	16 वर्ष	1999
इस्राइल	1957	1957	1955	1958	1965	1959	1979	15 वर्ष	2005
इटली	1958	1958	1934	1968	1956	1963	1981	15 वर्ष	2000
जमैका	1962	1962	1962	1962	1975	1975	2003	15 वर्ष	2003
जापान	1965	1953	1932		1967		2000	15 वर्ष	2001
जॉर्डन		1968	1966	1958	1966	1963	1998	16 वर्ष	2000
कज़ाकिस्तान	2000	2001	2001	2001	2001	1999	2001	16 वर्ष	2003
केन्या		1964	1964	1964	2001	2001	1979	16 वर्ष	2001
किरिबाटी	2000	2000	2000	2000	2009	2009	2009	14 वर्ष	2009
कोरिया गणराज्य					1997	1998	1999	15 वर्ष	2001
कुवैत	1961	2007	1968	1961		1966	1999	15 वर्ष	2000
किर्गिस्तान	1992	1992	1992	1999	1992	1992	1992	16 वर्ष	2004
लाओ जनतांत्रिक गणराज्य			1964		2008	2008	2005	14 वर्ष	2005
लात्विया	1992	1992	2006	1992	1992	1992	2006	15 वर्ष	2006
लेबनान		1977	1977	1977	1977	1977	2003	14 वर्ष	2001
लेसोथो	1966	1966	1966	2001	1998	1998	2001	15 वर्ष	2001
लाइबेरिया	1962	1962	1931	1962		1959			2003
लीबिया	2000	1962	1961	1961	1962	1961	1975	15 वर्ष	2000
लिथुआनिया	1994	1994	1994	1994	1994	1994	1998	16 वर्ष	2003
लक्ज़मबर्ग	1958	1958	1964	1964	1967	2001	1977	15 वर्ष	2001
मैडागास्कर	1960	1998	1960	2007	1962	1961	2000	15 वर्ष	2001
मलावी	1999	1965	1999	1999	1965	1965	1999	14 वर्ष	1999
मलेशिया		1961	1957	1958 [a]	1997	1997		15 वर्ष	2000
मालदीव	2013	2013	2013	2013	2013	2013	2013	16 वर्ष	2013
माली	1960	1964	1960	1962	1968	1964	2002	15 वर्ष	2000
माल्टा	1965	1965	1965	1965	1988	1968	1988	16 वर्ष	2001
मॉरिटानिया	1961	2001	1961	1997	2001	1963	2001	14 वर्ष	2001
मॉरिशिस	2005	1969	1969	1969	2002	2002	1990	15 वर्ष	2000
मैक्सिको	1950		1934	1959	1952	1961			2000
माइक्रोनेशिया (संघीय राज्य)	1996	1996	2000	1993	2000	1996	1999	16 वर्ष	2002
मंगोलिया	1969	1969	2005	2005	1969	1969	2002	15 वर्ष	2001
मॉन्टीनेग्रो	2006	2006	2006	2006	2006	2006	2006	15 वर्ष	2006
मोरक्को		1957	1957	1966	1979	1963	2000	15 वर्ष	2001
मोज़ाम्बीक	1996	1996	2003	1977	1977	1977	2003	15 वर्ष	2003
म्याँमार	1955		1955						2013
नामीबिया	1995	1995	2000	2000	2010	2001	2000	14 वर्ष	2000
नेपाल		1996	2002	2007	1976	1974	1997	14 वर्ष	2002

सारणी A6.1 मौलिक श्रम अधिकार सम्मेलनों की स्थिति

	संस्था और सामूहिक सौदेबाजी की स्वतंत्रता		बंधुआ और अनिवार्य मज़दूरी का उन्मूलन		रोज़गार और व्यवसाय में भेदभाव का उन्मूलन		बल मज़दूरी का उन्मूलन		
	सीओ 87 : संस्था की स्वतंत्रता और सम्मेलन आयोजित करने के अधिकार का संरक्षण, 1948	सीओ 98 : संगठन के अधिकार और सामूहिक सौदेबाजी का सम्मेलन, 1949	सीओ 29 : बंधुआ मज़दूरी सम्मेलन, 1930	सी 105 : बंधुआ मज़दूरी का उन्मूलन सम्मेलन, 1957	सी 100 : समान पारिश्रमिक सम्मेलन, 1951	सी 111 : भेदभाव (रोजगार और व्यवसाय) सम्मेलन, 1958	सी 138 : न्यूनतम आयु सम्मेलन, 1973		सी 182 : बाल मज़दूरी के विकृत रूप का सम्मेलन, 1999
	अमल में आया : 4 जुलाई 1950	अमल में आया : 18 जुलाई 1951	अमल में आया : 1 मई 1932	अमल में आया : 17 जनवरी 1959	अमल में आया : 23 मई 1953	अमल में आया : 15 जून 1960	अमल में आया : 15 जून 1976		अमल में आया : 19 नवंबर 2000
देश	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	आयु	संपुष्टि वर्ष
नीदरलैण्ड	1950	1993	1933	1959	1971	1973	1976	15 वर्ष	2002
न्यूज़ीलैण्ड		2003	1938	1968	1983	1983			2001
निकारगुआ	1967	1967	1934	1967	1967	1967	1981	14 वर्ष	2000
नाइजर	1961	1962	1961	1962	1966	1962	1978	14 वर्ष	2000
नाइजीरिया	1960	1960	1960	1960	1974	2002	2002	15 वर्ष	2002
नॉर्वे	1949	1955	1932	1958	1959	1959	1980	15 वर्ष	2000
ओमान		1998	2005				2005	15 वर्ष	2001
पाकिस्तान	1951	1952	1957	1960	2001	1961	2006	14 वर्ष	2001
पनामा	1958	1966	1966	1966	1958	1966	2000	14 वर्ष	2000
पापुआ न्यू गिनी	2000	1976	1976	1976	2000	2000	2000	16 वर्ष	2000
पराग्वे	1962	1966	1967	1968	1964	1967	2004	14 वर्ष	2001
पेरू	1960	1964	1960	1960	1960	1970	2002	14 वर्ष	2002
फ़िलीपीन्स	1953	1953	2005	1960	1953	1960	1998	15 वर्ष	2000
पोलैण्ड	1957	1957	1958	1958	1954	1961	1978	15 वर्ष	2002
पुर्तगाल	1977	1964	1956	1959	1967	1959	1998	16 वर्ष	2000
कतर			1998	2007		1976	2006	16 वर्ष	2000
रोमानिया	1957	1958	1957	1998	1957	1973	1975	16 वर्ष	2000
रुसी गणराज्य	1956	1956	1956	1998	1956	1961	1979	16 वर्ष	2003
रवाण्डा	1988	1988	2001	1962	1980	1981	1981	14 वर्ष	2000
सेंट किट्स एवं नेविस	2000	2000	2000	2000	2000	2000	2005	16 वर्ष	2000
सेंट लूसिआ	1980	1980	1980	1980	1983	1983			2000
सेंट विन्सेन्ट एवं ग्रेनाडाइन	2001	1998	1998	1998	2001	2001	2006	14 वर्ष	2001
समोआ	2008	2008	2008	2008	2008	2008	2008	15 वर्ष	2008
सेन मैरिनो	1986	1986	1995	1995	1985	1986	1995	16 वर्ष	2000
साओ टोम एवं प्रिन्साइप	1992	1992	2005	2005	1982	1982	2005	14 वर्ष	2005
सऊदी अरब			1978	1978	1978	1978	2014	15 वर्ष	2001
सेनेगल	1960	1961	1960	1961	1962	1967	1999 [b]	15 वर्ष	2000
सर्बिया	2000	2000	2000	2003	2000	2000	2000	15 वर्ष	2003
सेशेल्स	1978	1999	1978	1978	1999	1999	2000	15 वर्ष	1999
सिएरा लिओन	1961	1961	1961	1961	1968	1966	2011	15 वर्ष	2011
सिंगापुर		1965	1965	1965 [c]	2002		2005	15 वर्ष	2001
स्लोवाकिया	1993	1993	1993	1997	1993	1993	1997	15 वर्ष	1999
स्लोवेनिया	1992	1992	1992	1997	1992	1992	1992	15 वर्ष	2001
सॉलोमन द्वीपसमूह	2012	2012	1985	2012	2012	2012	2013	14 वर्ष	2012
सोमालिया	2014	2014	1960	1961		1961			2014
दक्षिण अफ्रीका	1996	1996	1997	1997	2000	1997	2000	15 वर्ष	2000
दक्षिण सूडान		2012	2012	2012	2012	2012	2012	14 वर्ष	2012
स्पेन	1977	1977	1932	1967	1967	1967	1977	16 वर्ष	2001
श्रीलंका	1995	1972	1950	2003	1993	1998	2000	14 वर्ष	2001
सूडान		1957	1957	1970	1970	1970	2003	14 वर्ष	2003
सूरीनाम	1976	1996	1976	1976					2006
स्वाज़ीलैण्ड	1978	1978	1978	1979	1981	1981	2002	15 वर्ष	2002
स्वीडन	1949	1950	1931	1958	1962	1962	1990	15 वर्ष	2001
स्विटज़रलैण्ड	1975	1999	1940	1958	1972	1961	1999 [d]	15 वर्ष	2000
सीरियाई अरब गणराज्य	1960	1957	1960	1958	1957	1960	2001	15 वर्ष	2003
ताजिकिस्तान	1993	1993	1993	1999	1993	1993	1993	16 वर्ष	2005
तंज़ानिया गणराज्य	2000	1962	1962	1962	2002	2002	1998	14 वर्ष	2001
थाइलैण्ड			1969	1969	1999		2004	15 वर्ष	2001
मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	1991	1991	1991	2003	1991	1991	1991	15 वर्ष	2002
टिमोर लेस्ट	2009	2009	2009						2009
टोगो	1960	1983	1960	1999	1983	1983	1984	14 वर्ष	2000
ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	1963	1963	1963	1963	1997	1970	2004	16 वर्ष	2003
ट्यूनीशिया	1957	1957	1962	1959	1968	1959	1995	16 वर्ष	2000
तुर्की	1993	1952	1998	1961	1967	1967	1998	15 वर्ष	2001
तुर्कमेनिस्तान	1997	1997	1997	1997	1997	1997	2012	16 वर्ष	2010
युगाण्डा	2005	1963	1963	1963	2005	2005	2003	14 वर्ष	2001
यूक्रेन	1956	1956	1956	2000	1956	1961	1979	16 वर्ष	2000

	संस्था और सामूहिक सौदेबाजी की स्वतंत्रता		बंधुआ और अनिवार्य मज़दूरी का उन्मूलन		रोज़गार और व्यवसाय में भेदभाव का उन्मूलन		बाल मज़दूरी का उन्मूलन		
	सीओ 87 : संस्था की स्वतंत्रता और सम्मेलन आयोजित करने के अधिकार का संरक्षण, 1948	सीओ 98 : संगठन के अधिकार और सामूहिक सौदेबाजी का सम्मेलन, 1949	सीओ 29 : बंधुआ मज़दूरी सम्मेलन, 1930	सी 105 : बंधुआ मज़दूरी का उन्मूलन सम्मेलन, 1957	सी 100 : समान पारिश्रमिक सम्मेलन, 1951	सी 111 : भेदभाव (रोजगार और व्यवसाय) सम्मेलन, 1958	सी 138 : न्यूनतम आयु सम्मेलन, 1973		सी 182 : बाल मज़दूरी के विकृत रूप का सम्मेलन, 1999
	अमल में आया : 4 जुलाई 1950	अमल में आया : 18 जुलाई 1951	अमल में आया : 1 मई 1932	अमल में आया : 17 जनवरी 1959	अमल में आया : 23 मई 1953	अमल में आया : 15 जून 1960	अमल में आया : 15 जून 1976		अमल में आया : 19 नवंबर 2000
देश	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	संपुष्टि वर्ष	आयु	संपुष्टि वर्ष
संयुक्त अरब अमीरात			1982	1997	1997	2001	1998	15 वर्ष	2001
ब्रिटेन	1949	1950	1931	1957	1971	1999	2000	16 वर्ष	2000
अमेरिका				1991					1999
उरूग्वे	1954	1954	1995	1968	1989	1989	1977	15 वर्ष	2001
उज़्बेकिस्तान		1992	1992	1997	1992	1992	2009	15 वर्ष	2008
वनुआतु	2006	2006	2006	2006	2006	2006			2006
वेनेज़ुएला (बोलिवेरियाई गणराज्य)	1982	1968	1944	1964	1982	1971	1987	14 वर्ष	2005
वियतनाम	2007				1997	1997	2003	15 वर्ष	2000
यमन	1976	1969	1969	1969	1976	1969	2000	14 वर्ष	2000
ज़ाम्बिया	1996	1996	1964	1965	1972	1979	1976	15 वर्ष	2001
ज़िम्बाब्वे	2003	1998	1998	1998	1989	1999	2000	14 वर्ष	2000

नोट

a अमल में नहीं। 10 जनवरी 1990 को समझौता समाप्त।

a समझौते के अनुच्छेद 5, पैरा 2 के अनुपालन में सरकार ने घोषणा की कि यह प्रावधान ग्रामीण क्षेत्रों या शहरी परिवेश के बगैर पारिश्रमिक वाले परंपरागत कामों पर लागू नहीं होता है। 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा किए जा रहे इन कामों का उद्देश्य उन्हें अपने आसपास के माहौल में ढलने का मौका उपलब्ध कराना है।

a अमल में नहीं। 19 अप्रैल 1979 को समझौता खत्म।

a अनुच्छेद 3 के अंतर्गत भूमिगत कामों के लिए न्यूनतम आयु 19 वर्ष और शिक्षार्थी के लिए 20 साल होगी।

परिभाषाएं

सीओ 87: संघ की स्वतंत्रता और सम्मेलन आयोजित करने के अधिकार का संरक्षण, 1948: कहता है कि श्रमिक और नियोक्ता अपनी मर्जी से बगैर पूर्व अनुमति किसी भी संस्था या संगठन स्थापित कर सकते हैं या उसमें शामिल हो सकते हैं। यह उनका अधिकार है। श्रमिक और नियोक्ता की ऐसी किसी भी संस्था को भी किसी भी महासंघ या परिसंघ को स्थापित करने या उसमें शामिल होने का अधिकार है। साथ ही ऐसी किसी भी संस्था, महासंघ या परिसंघ को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त श्रमिकों या नियोक्ताओं के संगठन में शामिल होने का अधिकार होगा।

सीओ 98: संगठन के अधिकार और सामूहिक सौदेबाजी का सम्मेलन, 1949: यह श्रमिकों को संगठन विरोधी भेदभाव से रोकता है। साथ ही ऐसी किसी व्यवस्था से भी उन्हें संरक्षण देता है जिससे कि वे रोजगार प्राप्त करने के लिए किसी संघ में शामिल नही हो सकते हैं या उन्हें किसी संघ की सदस्यता से किन्हीं शर्तों के कारण इस्तीफा देना होगा। उन्हें इसी तरह किसी संघ के सदस्य होने या संघ की किसी गतिविधि में शामिल होने पर नौकरी से नहीं हटाया जा सकता है। यह संधि श्रमिक या नियोक्ता के संगठन को आपस में किसी तरह के हस्तक्षेप करने के प्रति भी संरक्षण प्रदान करती है। खासकर श्रमिकों के संगठन पर नियोक्ता या नियोक्ता के प्रभुत्व से भी संरक्षण प्रदान करती है। इसके अलावा श्रमिकों के संघ को वित्तीय या अन्य तरीके से सहयोग पर भी नियंत्रण लगाती है, जिसका उद्देश्य ऐसी किसी भी गतिविधि द्वारा संघ पर नियंत्रण रखना हो। इसके साथ ही सम्मेलन सामूहिक सौदेबाजी के अधिकार को सुरक्षित भी रखती है।

सीओ 29: बंधुआ श्रम सम्मेलन, 1930: हर तरह के बंधुआ और अनिवार्य श्रम को निषेध करती है। इसके अंतर्गत वे सभी काम या सेवाएं आ जाती हैं जिन्हें किसी व्यक्ति से अर्थदंड के भय से कराया गया हो। या किसी भी ऐसी सेवा या काम जिसके लिए कर्मचारी ने स्वेच्छा से हामी नहीं भरी हो। इसमें से सैन्यबल, सामान्य नागरिक प्रशासन सेवाओं संबंधित कार्य तथा अदालत में मुकदमे में सज़ा के तौर पर दिए गए कार्य को बाहर रखा गया हैं। इसके लिए यह शर्त अनिवार्य है कि ऐसे काम या सेवा को किसी सार्वजनिक प्राधिकरण की देखरेख या नियंत्रण में किया गया हो और साथ ही काम या सेवा देने वाला किसी भी निजी व्यक्ति, कंपनी या संघ द्वारा भाड़े या किसी अनुबंध पर नहीं रखा गया हो। आपातकाल या छोटी-मोटी समाज सेवा के अंतर्गत किसी समुदाय के सदस्य द्वारा किया गया काम भी इसके दायरे से बाहर माना जाएगा, जिससे समाज का कोई भला हो रहा हो।

सी 105: बेगार श्रम का उन्मूलन सम्मेलन, 1957: प्रचलित शिक्षा या किसी राजतीतिक विचारधारा या सैद्धांतिक विचारों को उद्धत करने पर जो किसी संस्थान, राजनीतिक, सामाजिक या आर्थिक प्रतिष्ठान के खिलाफ जाते हों के सजा बतौर या राजनीतिक दबाव बतौर लिया गया अनिवार्य श्रम या बेगार से रोकता है। किसी तरीके की ऐसी गतिविधि जिससे आर्थिक विकास जुड़ा हो के खिलाफ रोकता है। श्रम अनुशासन के नाम पर, हड़ताल में भाग लेने पर किया गया उत्पीड़न इसके दायरे में आता है। नस्लीय, सामाजिक, राष्ट्रीय या धार्मिक भेदभाव के नाम पर उत्पीड़न भी इसके दायरे में आता है।

सी 111: भेदभाव (रोजगार और व्यवसाय) सम्मेलन, 1958: रोजगार और व्यवसाय के संदर्भ में एकसमान अवसर और व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न देशों से राष्ट्रीय नीति बनाना और उस पर अमल करना शामिल है। इसका मकसद व्यावसायिक प्रशिक्षण, रोजगार की प्राप्ति और खास व्यवसायों में रोजगार के नियमों व शर्तों में भेदभाव का उन्मूलन शामिल है। इस भेदभाव की परिभाषा में नस्ल, रंग, धर्म, लिंग, सामाजिक जड़ों, राजनीतिक विचारधारा के आधार पर विभेद, बहिष्कार या वरीयता के आधार पर किया जाने वाला बर्ताव आता है। यानी वे सभी बातें जो इस आधार पर रोजगार और व्यवसाय में बर्ताव और अवसर देने के क्रम में समानता के सिद्धांत के खिलाफ जाती हों।

सी 138: न्यूनतम आयु सम्मेलन, 1973: रोजगार या काम करने के लिए न्यूनतम आयु का समर्थन। इसके तहत न्यूनतम आयु 15 साल (हल्के कामों के लिए 13 साल) रखी गई है। जोखिम भरे कामों के लिए न्यूनतम आयु 18 साल (कड़ी देखरेख में 16 साल)। इसमें उन देशों के लिए भी विशेष प्रावधान किया गया है जहां शिक्षा या आर्थिक सुविधाएं विकसित नहीं हैं। ऐसे देशों में रोजगार के लिए न्यूनतम आयु 14 साल रखी गई है।

सी 182: बाल श्रम के निकृष्टतम रूप का सम्मेलन, 1999: सभी देशों से अपेक्षा की जाती है कि वे बाल श्रम के निकृष्टतम रूप का उन्मूलन करने की दिशा में काम करेंगे और इस आशय की संधि को स्वीकार करेंगे। (18 वर्ष से कम उम्र के व्यक्ति को बाल श्रमिक माना गया है) बाल श्रम के इस विकृत रूप में हर तरह की गुलामी। इस जैसे ही तरीकों का प्रयोग मसलन बच्चों की खरीद फरोख्त, ऋण बंधन, दासत्व समेत बेगार और अनिवार्य श्रम शामिल है। यही नहीं सशस्त्र विद्रोह, बाल यौन उत्पीड़न, पोर्नोग्राफी, अवैध गतिविधियों खासकर मादक पदार्थों की तस्करी जैसे काम भी शामिल हैं। इसमें ऐसे काम भी आते हैं जिनका बच्चों के स्वास्थ्य, नैतिक बल और सुरक्षा पर विपरीत प्रभाव पड़ता हो। इस संधिपत्र के आधार पर सदस्य देशों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे बाल श्रम के विकृत रूप के उन्मूलन की दिशा में काम करेंगे। इन क्षेत्रों में कार्यरत बच्चों के पुनर्वास और सामाजिक एकीकरण की दिशा में काम करेंगे। इसके लिए सदस्य देश परस्पर सहयोग देते हुए काम करेंगे। साथ ही निकाले गए बच्चों को फ्री शिक्षा देने के प्रयास करेंगे। जहां तक संभव होगा ऐसे बच्चों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देने की व्यवस्था भी।

आँकड़ों के मुख्य स्रोत

कॉलम 1–9: ILO (2015d).

नोट्स

अध्याय 1

1 वोपिवेक और अरुनातिलाके 2008।
2 नोबेल मीडिया 2015।
3 कबान्डा 2015।
4 क्रेट्कोवस्की 1998।
5 टाटे 2013।
6 मिलर 2015a।
7 ओईसीडी 2015c।
8 किविमाकी और अन्य 2015।
9 यूके केबिनेट ऑफिस 2013।
10 हेलिवैल और हुआंग 2011a।
11 क्लार्क और अन्य 2008।
12 बेवर्ली 2003; गेय 1994।
13 आईएलओ 2014g।
14 आईएलओ 2014g।
15 यूएन वॉलंटियर्स 2011।
16 यूनाइटेड स्टेट्स ईक्वाल एम्पलॉयमेंट ऑपोर्चुनिटी कमिशन 2014।
17 शिफर्स 2002।
18 आएनएआर 2013।
19 आईएलओ 2011b।
20 अटल, नोपो और वाइन्डर 2009।
21 डब्ल्यूएचओ और विश्व बैंक 2011।
22 आईएलओ 2013a।
23 सेकान 2013।
24 चौपेल और डाइ मार्टिनो 2006।
25 आईएलओ 2009।
26 विश्व बैंक 2011। यह अनुभाग स्टीवर्ट (2015) और क्रेमर (2015) पर वर्णन करता है।
27 क्वेनास्ट 2015।
28 यूएन 2000a।
29 क्वेनास्ट 2015।
30 क्वेनास्ट 2015।
31 यूएन वीमेन 2012b।
32 आईएलओ 2013c।
33 आईएलओ 2013c।
34 आईएलओ 2014e।
35 आईएलओ 2014e।
36 आईएलओ 2014e।
37 आईएलओ 2014e।
38 कायी 2006।
39 यूएनओडीसी 2012।
40 यूरोन्यूज 2015।
41 ह्यूमन राइट वाच 2014a, 2014b।
42 ह्यूमन राइट वाच 2014a, 2014b।
43 यह अनुभाग संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के एचआईवी/एड्स के समूह द्वारा एक योगदान का वर्णन करता है जो कि यूएनएड्स, 2012 का आभार स्वीकार करता है।
44 आईएलओ 2010a, 2010b।
45 शैनन और अन्य 2015।
46 जाना और अन्य 2014।
47 आईएलओ 2015f।
48 शी 2008।
49 आईएलओ 2013e।

अध्याय 2

1 एफएओ 2014।
2 यूनेस्को 2014; डब्लूएचओ 2014; विश्व बैंक 2015f।
3 आईएलओ 2015e।
4 पॉलिन 2015।
5 आईएलओ 2013b।
6 गेरा आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय गणना (2015)।
7 कबांडा 2015।
8 यूनेस्को और यूएनडीपी 2013।
9 क्रो 2015।
10 सैलेमोन, सोकोलोवस्की और हैडॉक 2011।
11 यूएनएफपीए और हेल्पएज इंटरनेशनल 2012।
12 यूएनडीईएसए 2013a; विश्व बैंक 2015c।
13 विश्व बैंक 2015c।
14 विश्व बैंक 2015ब, 2015e।
15 यूएन 2015b।
16 यूएन 2015b।
17 यूएन 2015b; यूएनएड्स 2015।
18 यूएन 2015b।
19 यूएन 2015b।
20 यूएनडीपी 2012b।
21 यूएनडीपी 2014d।
22 हाल 2015।
23 यूएनडीपी2014e।
24 यूएन 2015b।
25 आईएलओ 2015e।
26 यूएन 2015b।
27 आईएलओ किसी देश की कार्य की उम्र वाली आबादी के अनुपात में श्रमशक्ति की हिस्सेदारी को परिभाषित करता है जो श्रम बाजार में संलिप्तता पर आधारित होती है। यह सर्वेक्षणों की संरचना पर निर्भर करता है, कुछ निश्चित श्रमिक समूहों के बीच हिस्सेदारी को कम करने आंका जा सकता है - विशेषतौर पर रोजगारशुदा व्यक्ति जो (a) उल्लिखित समय में केवल कुछ घंटे कार्य (b) अवैतनिक रोजगार में हैं या (c) अपने घर या पास में कार्य। व्यापक संदर्भ में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या कम करके आंकी जाती है। अधिक व्यापक परिभाषा और विचार-विमर्श के लिए आईएलओ 2015e देखें।
28 यूएन 2015इ।
29 आईपीयू 2015; आईएलओ 2015j।
30 ग्रैंट थोर्न्टन 2015।
31 bएलएसस 2015b।
32 आईएलओ 2015h।
33 आईएलओ 2015i।
34 आईएलओ 2015h।
35 यूएन 2015b।
36 विएगो एंड आईएलओ 2013।
37 यूएनडीईएसए 2015।
38 यूएन 2015b।
39 आईएलओ 2014b।
40 यूरोस्टैट 2015; ओईसीडी 2015b।
41 मैक्किन्से ग्लोबल इंस्टीटड्यूट 2012b।
42 मैक्किन्से ग्लोबल इंस्टीटड्यूट 2012b।
43 ओर्टिज एंड कमिन्स 2012।
44 ओईसीडी 2015b।
45 आईएलओ 2012b।
46 आईएलओ 20114e।
47 आईएलओ 2013c।
48 यूएनडीपी 2013b।
49 हेलेब्रैनड्ट एंड मेयूरो 2015। अध्ययन का अनुमान है कि वैश्विक असमानता कम हुई - एक गुएना से गुणांक 2003 में 0.69 से 2013 में 0.65। घरेलू आय का वैश्विक वितरण, प्रभावकारी ताकतें देशों के भीतर आय के वितरण में बदलवा नहीं करतीं, लेकिन जनसंख्या द्वारा वजनित देशों की संबंधित औसत आय में बदलाव किए हैं। इस तरह भारत की तुलना में चीन की वृद्धि अस्वाभाविक है - जिसे वैश्विक घरेलू असमानता में गिरावट का ही पता चलता है।
50 अलवारेडोआन्ड और अन्य 2011, 2013।
51 यूएनडीपी 2013b।
52 आक्सफैम 2015।
53 आक्सफैम 2015।
54 यूएनडीपी 2013b।
55 यूएनडीपी 2013b।
56 यूएनडीईएसए 2013b।
57 खारास एंड गेर्ट्ज 2010।
58 खारास एंड गेर्ट्ज 2010।
59 यूएनडीईएसए 2015।
60 कोर्टेज 2012।
61 डब्ल्यूईएफ 2015।
62 ऐन्डेर्लिनी 2015।
63 डब्ल्यूएमओ 2014, बारबैरी और अन्य 2010।
64 वर्ल्ड बैंक 2015d।
65 डब्ल्यूईएफ 2015।
66 हाकिन्स, ब्लैकेट एंड हेमंस 2013।
67 हाकिन्स, ब्लैकेट एंड हेमंस 2013।
68 यूएन 2015b।
69 यूएन 2015b।
70 आईईपी 2014।
71 यूएनडीपी 2014b।
72 क्रग एंड अदर्स 2002।
73 यूनेस्को 2013b।
74 यूएनडीपी 2012c।
75 डब्ल्यूएचओ 2013।
76 यूएन वूमेन 2014a।
77 यूरोपियन यूनियन एजेंसी फार फंडामेंटल राइट्स 2014।
78 यूएन वूमेन 2012, 2014।
79 ग्रोश, बुसोलो और फ्रेइज 2014।
80 आईएलओ 2015i।
81 डब्ल्यूएचओ2015b।
82 डब्ल्यूएचओ2015b।
83 डब्ल्यूएचओ2015a।
84 विश्व बैंक 2015a।
85 संयुक्त राष्ट्र 2015b।
86 संयुक्त राष्ट्र और अन्य लोगों का 2015।
87 संयुक्त राष्ट्र 2015b।
88 संयुक्त राष्ट्र 2015b।
89 विश्व बैंक 2002।
90 संयुक्त राष्ट्र 2015b।
91 यूएनडीपी 2012a।
92 डब्ल्यूएचओ 2003।
93 गुहा-स्पेयर 2014 होयोसिस एंड बिलो।
94 नार्वे शरणार्थी परिषद और आईडीएमसी 2015।
95 ''बिग डाटा'' जानकारी के बड़े और जटिल मात्रा में वर्णन है इसकी एक व्यापक अवधारणा है। पारंपरिक डेटा के विपरीत, बिग डाटा को पांच v (वोल्यूम, वेलोसिटी, वेराइटी, वर्सिटी, और वैल्यू) के रूप में विश्लेषित किया जाता है। यह भारी मात्रा में है- एकल डाटा सेट में जेटाबाइट और ब्रोनोटोबाइट्स अनुक्रम में है। बिग डेटा भी उच्च वेग के साथ और और विशाल विविधाता के साथ उत्पन्न होता है (वह यह है कि, गति के साथ डेटा संग्रहीत और विश्लेषण किया जाना चाहिए)। इसके अतिरिक्त, बिग डाटा असंरचित है और अक्सर अच्छी तरह से खाते में गुणात्मक जानकारी लेता है। पांचवां v, वैल्यू- यह बिग डाटा की क्षमता विकास के लिए जिम्मेदार है और इसका इस्तेमाल किया जाएगा।
96 यूएन ग्लोबल पल्स 2013।
97 एक गीगाबाइट बराबर 1 अरब बाइट्स, जानकारी की बुनियादी इकाई होती है।
98 सू और अन्य 2014।

अध्याय 3

1 विश्व बैंक 2015f; आईएलओ 2014c।
2 विश्व बैंक 2015f।
3 आईएलओ 2014c आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की गणना
4 एफएओ 2015 खाद्य और कृषि संगठन के आंकड़ों के अनुसार कृषि में आर्थिक रूप से सक्रिय आबादी अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार कृषि क्षेत्र में कार्य करने वालों से अधिक है क्योंकि खाद्य और कृषि संगठन कृषि में सक्रिय आबादी (कृषि श्रम शक्ति) की व्याख्या कृषि, शिकार, मछली पकड़ने, वानिकी में सक्रिय या उसमें कार्य ढूंढ रहे लोगों के रूप में करता है जबकि अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की 'कृषि क्षेत्र में रोजगार' की परिभाषा में मात्र कर्मचारी (मजदूरी और वेतन पाने वाले) आते हैं और वह स्व-रोजगार करने वाले और पारिवारिक सदस्यों को इससे बाहर रखता है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार रोजगार का कृषि क्षेत्र में हिस्सा खाद्य और कृषि संगठन के अनुमानों के हिसाब से कम है।
5 एफएओ 2014।
6 एफएओ 2014।
7 एफएओ 2014।
8 आईएलओ 2013d।
9 आईएलओ 2014c।
10 टिमर और अन्य 2014a।
11 मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीटड्यूट 2012a।
12 इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रोबोटिक्स 2014।
13 डब्ल्यूईएफ 2012a।
14 मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट 2012a।
15 रॉड्रिक 2015a।
16 आईएलओ 2014c।
17 वारहर्स्ट और अन्य 2012।
18 टिमर और अन्य 2014a।
19 मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट 2013।
20 सोशल टेक गाइड 2015।
21 कोवेन 2013।
22 डॉब्स, मानीका और वोएट्ज़ेल 2015।
23 राइडर 2015।
24 मास्टर्स 2015।
25 क्रैंगरमैन, लुकास एंड वाल्सटर 2011।
26 किंग्सले-ह्यूज़ 2012।
27 कीर्ने, हर्षबीन एंड बॉडी 2015।
28 गॉर्डन 2014।
29 मिल्केन इंस्टीट्यूट 2013।
30 आईएलओ 2015j।
31 आईएलओ 2015j।
32 लूस एंड अदर्स 2014।
33 सालाजार-शिरिनैक्स 2015।

34 आईएलओ 2003a।
35 बर्धन, जाफीएंद क्रॉल 2013।
36 एवरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट 2008।
37 यूएनसीटीएडी 2014।
38 ओईसीडी 2007।
39 ओईसीडी 2007।
40 लिप्पॉल्ट 2012।
41 एन्ड्रिओनी 2015।
42 एल्म्स एंड लो 2013।
43 आईएलओ 2015j।
44 आईएलओ 2015j।
45 ओईसीडी 2014।
46 वैश्विक व्यापार सभी आयात और निर्यात के योग के बराबर है। यूएनसीटीएडी (2015) पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की गणना।
47 मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट 2014।
48 आईटीयू 2015।
49 गाब्रे-मधीन 2012।
50 अट्टा, बोट्टा और अख्खा 2011।
51 जीएसएमए 2014।
52 डेलोइटे 2014b।
53 डेलोइटे 2014b।
54 डेलोइटे 2014b।
55 अकेर एंड बिटि 2010।
56 आईडीआरसी 2013।
57 सेलिम 2013।
58 केयर इंटरनेशनल वेबसाइट, www.lendwithcare.org.
59 डेलोइट्टे 2014b।
60 ट्विटर वेबसाइट, http://about.twitter.com/company.
61 ट्विटर वेबसाइट, http://about.twitter.com/company.
62 विकिपीडिया 2015।
63 मैकार्थी 2012।
64 मंडेलस 2013।
65 सेलिम 2013।
66 ग्लोबल इंटरप्रिन्यूरशिप मॉनीटर डाटाबेस के जून 2015 पर आधारित गणना।
67 बॉयड 2015।
68 पूलेर 2014।
69 अमेजन 2015।
70 दि इकोनॉमिस्ट 2014a।
71 मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट 2014।
72 सालाजार-शिरिनैक्स 2015।
73 मैकिन्से एंड कंपनी 2014।
74 मैकिन्से एंड कंपनी 2014।
75 विल्सन (2010) पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की गणना।
76 यूएन 2012a।
77 कोन्टी एंड हेकमैन 2010।
78 कोन्टी एंड हेकमैन 2010।
79 रॉड्रिक 2015a।
80 डॉडी 2014।
81 ग्लोबल वर्कप्लेस एनेलीटिक्स 2012।
82 स्मीटन, रे और नाइट 2014. लोचशील कार्य पर आंकड़े कई स्रोतों से निकाले गए हैं, जिनमें मामलों के अध्ययन, अर्थमितीय सहायक आंकड़ों के विश्लेषण, मीटा-विश्लेषणों और विशेष तौर पर करवाए गए सर्वेक्षणों के आधार पर प्राथमिक शोध जो किसी मैनेजर या कर्मचारी के कार्य की लागत या लाभ पर विचार पर प्रकाश डालते हैं- जीवन संतुलन की नीतियां। इसके बाद अंतिम परिणामों का निर्धारण- कहीं कवरेज, गुणवत्ता, विभिन्न संकेतकों, कार्यपद्धति या संगति, के साथ जांच परिणामों का समान्यीकरण और व्याख्या- शोध के क्षेत्र में एक चुनौती बने हुए हैं।
83 कोएनेन एंड कोक 2014।
84 ब्रीन्जोल्फ्सन एंड मैकेफ़ी 2014।
85 यूएसपीटीओ 2015।
86 यूएसपीटीओ 2015।
87 डब्ल्यूआईपीओ 2015।
88 हेमैन 2015।
89 विश्व मूल्य सर्वेक्षण, छठी तरंग, 2014।
90 मई 2007।
91 संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक 2014।
92 क्लार्क 2013।
93 लागेसे 2015।
94 उषाहिदी वेबसाइट, www.ushahidi.com
95 डेलोएटी 2014a।
96 यूनुस 2009।
97 विस्सा 2015।
98 आईटीयू 2013।
99 माइर 2008।
100 माइर 2008
101 यूनेस्को 2015।
102 मिश्किन 2014।
103 यूएनडीईएसए 2015।
104 जेकब्स 2015b।
105 जेकब्स 2015b। श्रम अशुद्धि की गांठ का तर्क यह है कि श्रमिकों के लिए जितना कार्य उपलब्ध है वह निश्चित है। अधिकतर अर्थशास्त्री इसे एक अशुद्धि मानते हैं क्योंकि उनका मत है कि कार्य की मात्रा स्थिर नहीं है।
106 सीबीआरई ग्लोबल 2014।
107 ऑटोर 2014।
108 कूपर एंड मिशेल 2015।
109 आईएलओ 2015b।
110 विकसित देशों के लिए एमेको (2015) पर आधारित एचडीआरओ की गणनाएं।
111 स्टॉकहैमर 2013।
112 ऑक्सफैम 2015।
113 मिशेल एंड डेविस 2014।
114 स्टॉकहैमर 2013।
115 एफ्फेंच-डेविस 2012।
116 टिमर एंड अदर्स 2014b।

अध्याय 4

1 यूएनडीपी 1995।
2 अब्देलाली-मार्टिन 2011।
3 यूएन 2015b।
4 आईएलओ 2015e।
5 ब्लूम और अन्य 2009।
6 यूएनडीईएसए 2013b।
7 यूएनडीईएसए 2013b।
8 ब्लूम और मैक्केना 2015।
9 यह विशुद्ध रूप से उच्च महिला शिक्षा का महिला श्रम शक्ति में भागीदारी पर असर है और प्रजनन पर शिक्षा के असर की गणना नहीं करता। इसके अलावा पुरुषों की शिक्षा में वृद्धि से महिला श्रम शक्ति के विभाजन पर प्रति संतुलित प्रभाव पड़ सकता है. पुरुषों की शिक्षा का प्रभाव करीब 2 प्रतिशत बिंदु है। ब्लूम और मैक्केना 2015।
10 लेविनस 2015।
11 बंडारा 2015।
12 यूएन वूमेन 2015।
13 मिलर 2014।
14 आईएडीबी 2012।
15 आईएलओ 2015b।
16 ग्रांट थॉर्टन 2015।
17 ग्रांट थॉर्टन 2015।
18 ग्रांट थॉर्टन 2015।
19 ग्रांट थॉर्टन 2015।
20 गायक, अमोरोस और मोस्काअर्रिओला 2015।
21 गायक, अमोरोस और मोस्काअर्रिओला 2015।
22 देमिर्गुक- कंट और अन्यय विश्व बैंक 2014a।
23 जीईडीआई 2014।
24 जीईडीआई 2014।
25 स्टैटिस्टा 2014, 2015; तुर्की सांख्यिकी संस्थान 2015।
26 ग्रांट थॉर्टन 2015।
27 आईएलओ 2015h।
28 आईएलओ 2015h।
29 आईएलओ 2015e पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।
30 FAO 2010।
31 FAO 2010, 2011b।
32 आईएलओ 2013b।
33 आईएलओ 2013b। इसके अलावा आईएलओ (2013b), में भारत में सरकारी अनुमानों और अन्य स्रोतों से लिए गए अनुमानों में भारी अंतर है और इसलिए परिणामों में थोड़े अंतर की गुंजाइश है। यहां दिए गए परिणाम भारत के राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संस्थान (61वां दौर) के रोजगार और बेरोजगारी सर्वेक्षण के सूक्ष्म आंकड़ों के अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के 2004/05 द्वारा किए गए विश्लेषण पर आधारित हैं।
34 रघुराम 2001।
35 टोकमैन 2010। घरेलू और देखरेख के कार्य की परस्पर व्याप्त अवधारणा के चलते इन आंकड़ों में दोनों ही शामिल हैं।
36 डी'कुन्हा, लोपेज- एकरा और मोलार्ड 2010।
37 टीडब्ल्यूसी2 2011।
38 आईएलओ 2013b।
39 रक्की और ससिकुमार 2012।
40 ह्यूमन राइट्स वॉच 14b।
41 यूनाइटेड वर्कर्स कॉंग्रेस d।
42 मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की 15 साल से कम उम्र की वर्तमान आबादी की गणनाय साखयिकी परिष्ट में सारणी 8 को भी देखें।
43 यूएनएफपीए और हेल्पेज इंटरनेशनल 2012।
44 विश्व स्वास्थ्य संगठन और विश्व बैंक 2011।
45 संयुक्त राष्ट्र एड्स 2015।
46 आईएनडीईसी 2014।
47 डीएएनई 2014।
48 सायेर 2015।
49 चार्म्स (2015) के आंकड़ों पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय।
50 डीन 2012।
51 चार्म्स (2015) के आंकड़ों पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की गणना. मूल्य वयस्क आबादी- लिंग पर आधारित भारित औसत, के हैं।
52 चार्म्स (2015) के आंकड़ों पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की गणना।
53 बीएलएस 2015c; सायेर 2015।
54 को और हान्क 2013।
55 संयुक्त राष्ट्र 2015b।
56 शील-एडलुंग 2015।
57 विश्व स्वास्थय संगठन और विश्व बैंक 2011।
58 दि जापान टाइम्स 2015।
59 देखरेख के बोझ का अनुमान लगाने की कार्य-प्रणाली के लिए मुखर्जी और नैय्यर (2015) को देखें।
60 एल्सन, 2012।
61 यूएन वूमेन वॉच 2009।
62 चार्म्स, 2006।
63 जिमेनेज सिस्नेरोस एट एल 2014।
64 बाकेर और मिलिगन 2008।
65 आंकड़े मात्र शिक्षिक मांओं के ही हैं. लियु और स्कान्स 2010।
66 मिलर 2015b।

अध्याय 5

1 संयुक्त राष्ट्र 2000b।
2 यूएनडीपी 1994।
3 पर्यावरण और विकास पर विश्व आयोग 1987।
4 क्रेडिट स्विस रिसर्च इंस्टीट्यूट 2014।
5 एरो और अन्य1996।
6 ईपीए 2011।
7 वॉकर 2013।
8 मासुर और पोसनेर 2011।
9 वॉकर 2013।
10 यूएनडीपी 2011।
11 यूएसएआईडी 2013।
12 आईपीपीसी 2014a।
13 आईएए 2014।
14 यूएनईपी और अन्य 2008।
15 पोशेन (2015) आगे बताते हैं कि हरित नौकरियां (ग्रीन जॉब्स) वह होंगी जो ऊर्जा और कच्चे माल की खपत कम करें, ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन सीमित करें, बर्बादी और प्रदूषम को न्यूनतम करें, पारिस्थिकी तंत्र की सुरक्षा और उसे बनाए रखे और उद्यमों और समुदायों को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल होने लायक बनाएं।
16 आईएलओ 2013a।
17 संयुक्त राष्ट्र 2015a।
18 आईयूईएस और सीएएसएस 2010।
19 दि इकोनॉमिस्ट 2015a।
20 सुवाला 2010।
21 एफ्एओ 2015।
22 स्टीफ़ेन और अन्य 2015।
23 एफ्एओ 2012।
24 डब्ल्यूआरआई 2014।
25 फ्यूजाइल एंड निन-प्रैट 2012।
26 यिशाए और मोबारक 2014।
27 कोल और फर्नांडो 2012।
28 स्वासन और डेविड 2014।
29 भारतीय उद्योग संघ और भारतीय नवीन और अक्षय ऊर्जा मंत्रालय 2010।
30 आईसी 2010।
31 संयुक्त राष्ट्र 2015c।
32 विश्व स्वास्थ्य संगठन 2005।
33 संयुक्त राष्ट्र 2014।
34 वॉक फ्री फ़ाउंडेशन 2015।
35 आईएलओ 2012c।
36 आईएलओ (2014e) और संयुक्त राष्ट्र महिलाएं (2014) पर आधारित मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय की गणना।
37 आईएलओ 2003b।
38 आईएलओ 2013f।
39 अक्षय ऊर्जा में सबसे अधिक नौकरियों वाले दस देश थे चीन, ब्राजील, अमेरिका, भारत, जर्मनी, इंडोनेशिया, जापान, फ्रांस, बांग्लादेश और कोलंबिया।
40 आइरीना 2015।
41 पॉलिन 2015।
42 आईएलओ 2013f।
43 यूनेस्को 2014।

44 विश्व स्वास्थ्य संगठन 2014; विश्व बैंक 2014b।
45 कोलंबिया विश्वविद्यालय 2013।

अध्याय 6

1 आईएलओ और अन्य 2012।
2 आईएलओ 2015b।
3 एप्सटेइन 2007b।
4 एप्सटेइन 2007b।
5 डेर्विस 2012; क्रुगमैन 2014; रोसेनग्रेन 2013।
6 डेर्विस 2012; क्रुगमैन 2014; रोसेनग्रेन 2013।
7 जाहन 2005।
8 विश्व बैंक 2013।
9 डेमिर्जिक-कुन्टैंड क्लैपर 2012।
10 डब्ल्यूईएफ 2012b।
11 विश्व बैंक 2012।
12 बान्को सेंट्रल डे एक्वाडर 2012।
13 एप्सटेइन 2007b।
14 आईएलओ 2011a।
15 गैलिन्डो, इज्क्यूरडोआन्ड मोन्टेरो 2006; प्रताप, लोबैटो और सोमुआनो 2003; ब्लिक्ले और कोआन 2002।
16 एप्सटेइन 2007a।
17 इस्लाम 2015।
18 मेलबर्न विश्विवद्यालय 21वीं शताब्दी में कौशल के आकलन और अध्यापन पर एक परियोजना पर कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय विश्व भर के 60 संस्थानों के 250 से अधिक शोधकर्ताओं के साथ कार्य कर रहा है, परियोजना ने 21वीं शताब्दी में कौशल को चार व्यापक श्रेणियों में रखा है। देखें www.atc21s.org.
19 फोर्स 2013।
20 ओईसीडी 2013a।
21 ओईसीडी 2013a।
22 बैबकाक और अन्य 2012।
23 ओईसीडी 2013b।
24 डब्ल्यूईकानेक्ट इंटरनेशनल वेबसाइट, www.weconnectinternational.org.
25 शिक्षा और रोजगार वेबसाइट, www.efe.org.
26 ब्रिन्जोल्फसन और मैकैफे 2014।
27 ब्रिन्जोल्फसन और मैकैफे 2014।
28 आईएलओ 2015h।
29 इस्लाम और इस्लाम 2015।
30 इस्कीडेल्स्की 2015।
31 इवान्स 2015।
32 आईएलजीए 2014।
33 लैमिच्छाने 2015।
34 डब्ल्यूएचओ और विश्व बैंक 2011।
35 जैकब्स 2015a।
36 स्वच्छ कपड़ा अभियान वेबसाइट, wwwcleanclothes.org.
37 केरिस्से 2015।
38 आईएलओ 2014h।
39 आईएलओ 2014h।
40 इस्लाम और इस्लाम 2015, p.238।
41 इस्कीडेल्स्की 2015।
42 बेजले 2014; कोस्तजर 2008; यूएनडीपी 2014d।
43 होल्जमैन पर आधारित (2012)।
44 होल्जमैन 2012।
45 बोश्च, मेलगुइजो और पेजेज 2013।
46 बोश्च, मेलगुइजो और पेजेज 2013।
47 लेही 2015।
48 फेंच-डेविस 2010।
49 मोन्टेनेग्रो और पैट्रिनो 2014।
50 ब्लैसी, फ्रीमैन और क्राउस 2014।
51 ब्लैसी, फ्रीमैन और क्राउस 2014।
52 डब्ल्यूएफपी 2015।
53 आरनोल्ड, कान्वे और ग्रीन्सलेड 2011।
54 यूएनडीपी 2014b।
55 श्रम और सामाजिक मामलों का जर्मन फेडरल मंत्रालय 2015।
56 स्माले और मिलर 2015।
57 ग्रांट थोर्टन 2014।
58 सभी प्रयासों के लिए सतत ऊर्जा के तीन लक्ष्य हैं, जिन्हें 2030 तक प्राप्त किया जाना है: आधुनिक ऊर्जा सेवाओं के लिए सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करना, ऊर्जा क्षमता के सुधार की दर दोगुना करना और ऊर्जा मिश्रण में नवीनीकरण योग्यता की हिस्सेदारी दोगुना करना।
59 बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार संबंधी आयामों पर समझौते (1994) के अनुच्छेद 66.2 में कहा गया है कि 'विकसित देश के सदस्यों को उद्यमों और संस्थाओं को कम विकसित देश के सदस्यों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को प्रोत्साहन के उद्देश्य से उनके क्षेत्रों में प्रोत्साहन प्रदान करना चाहिए ताकि वे मजबूत और व्यावहारिक प्रौद्योगिकी आधार निर्मित कर सकें।'
60 आईएलओ 2011a।
61 यूएनडीपी 2013a।
62 हैजेलहर्स्ट 2015।
63 गरीबी कार्रवाई के लिए खोज 2015।
64 कैसेड्डे और अन्य 2014।
65 आईएलओ 2014h।
66 एवरशेड्स 2014।
67 जैकब्स 2015b।
68 जैकब्स 2015b।
69 आईएलओ 2008a।

References

Abdelali-Martin, M. 2011. "Empowering Women in the Rural Labor Force with a Focus on Agricultural Employment in the Middle East and North Africa (MENA)." EGM/RW/2011/EP.9. Paper prepared for the Expert Group Meeting "Enabling Rural Women's Economic Empowerment: Institutions, Opportunities and Participation," 20–23 September, Accra. www.un.org/womenwatch/daw/csw/csw56/egm/Martini-EP-9-EGM-RW-Sep-2011.pdf. Accessed 21 August 2015.

ACE (Architects' Council of Europe). 2014. "The Architectural Profession in Europe 2014: A Sector Study." West Sussex, UK. www.ace-cae.eu/fileadmin/New_Upload/7._Publications/Sector_Study/2014/EN/2014_EN_FULL.pdf. Accessed 23 July 2015.

Agreement on Trade-Related Aspects of Intellectual Property Rights. 1994. Signed 15 April, Marrakesh, Morocco. www.wto.org/english/tratop_e/trips_e/t_agm0_e.htm. Accessed 15 June 2015.

Aker, J.C., and M.I. Mbiti. 2010. "Mobile Phones and Economic Development in Africa." Working Paper 211. Center for Global Development, Washington, DC.

Altindag, D., and N. Mocan. 2010. "Joblessness and Perceptions about the Effectiveness of Democracy." *Journal of Labor Research* 31(2): 99–123.

Alvaredo, F., A. Atkinson, T. Piketty, and E. Saez. 2011. The World Top Incomes Database. http://topincomes.g-mond.parisschoolofeconomics.eu/. Accessed 7 July 2015.

ÑÑÑ. 2013. "The Top 1 Percent in International and Historical Perspective." *Journal of Economic Perspectives* 27(3): 3–20. http://pubs.aeaweb.org/doi/pdfplus/10.1257/jep.27.3.3. Accessed 7 July 2015.

ÑÑÑ. 2015. 2015. "The World Top Incomes Database." http://topincomes.gmond.parisschoolofeconomics.eu/. Accessed 7 July 2015.

Amazon. 2015. "Working on HITs." www.mturk.com/mturk/welcome?variant=worker. Accessed 2 July 2015.

Anderlini, J. 2015. "China's Great Migration." *FT Magazine,* 30 April. www.ft.com/intl/cms/s/2/44096ed2-eeb0-11e4-a5cd-00144feab7de.html. Accessed 8 July 2015.

Andreoni, A. 2015. "Production as a Missing Dimension of Human Development." Background think piece for Human Development Report 2015. UNDP–HDRO, New York.

Antonopoulos, R. 2009. "The Unpaid Care Work-Paid Work Connection." Working Paper 86. International Labour Organization, Policy Integration and Statistics Department, Geneva.

Arnold, C., T. Conway, and M. Greenslade. 2011. "Cash Transfers: Literature Review." Policy Division, London.

Arrow, K., M. Cropper, G. Eads, R. Hahn, L. Lave, R. Noll, and others. 1996. "Is There a Role for Benefit-Cost Analysis in Environmental, Health, and Safety Regulation?" *Science* 272(5259): 221–22.

Askitas, N., and K. Zimmerman. 2009. "Google Econometrics and Unemployment Forecasting." *Applied Economics Quarterly* 55(2): 107–20.

Atal, J., H. Ñopo, and N. Winder. 2009. "New Century, Old Disparities: Gender and Ethnic Wage Gaps in Latin America." Working Paper 25. Inter-American Development Bank, Washington, DC. http://papers.ssrn.com/sol3/papers.cfm?abstract_id=1815933. Accessed 6 August 2015.

Atkinson A. 2015. *InequalityÑWhat Can Be Done?* Cambridge, MA: Harvard University Press.

Atta, R., T. Boutraa, and A. Akhkha. 2011. "Smart Irrigation System for Wheat in Saudi Arabia Using Wireless Sensors Network Technology." *International Journal of Water Resources and Arid Environments* 1(6): 478–82.

Autor, D. 2014. "Polanyi's Paradox and the Shape of Employment Growth." Working Paper 20845. National Bureau of Economic Research, Cambridge, MA.

Babcock, L., W.J. Congdon, L.F. Katz, and S. Mullainathan. 2012. "Notes on Behavioral Economics and Labor Market Policy." *IZA Journal of Labor Policy* 1(1): 1–14.

Baker, M., and K. Milligan. 2008. "Maternal Employment, Breastfeeding and Health: Evidence from Maternity Leave Mandates." *Journal of Health Economics* 27(4): 871–87.

Banco Central de Ecuador. 2012. "De la Definicion de la Politica a la Practicia: Hacendo Inclusion Financiera." www.afa-global.org/library/publications. Quito.

Bandara, A. 2015. "The Economic Costs of Gender Gaps in Effective Labour: Africa's Missing Growth Reserve." *Feminist Economist* 21(2): 162–86. www.tandfonline.com/doi/pdf/10.1080/13545701.2014.986153. Accessed 23 July 2015.

Barbieri, A.F., E. Domingues, B.L. Queiroz, R.M. Ruiz, J.I. Rigotti, J.A.M. Carvalho, and M.F. Resende. 2010. "Climate Change and Population Migration in Brazil's Northeast: Scenarios for 2025–2050." *Population and Environment* 31(5): 344–70. http://link.springer.com/article/10.1007%2Fs11111-010-0105-1. Accessed 8 July 2015.

Bardhan, A., D.M. Jaffee, and C.A. Kroll, eds. 2013. *The Oxford Handbook of Offshoring and Global Employment.* Oxford, UK: Oxford University Press.

Barnett. T. 2007. "Decriminalizing Prostitution in New Zealand: The Campaign and the Outcome." http://myweb.dal.ca/mgoodyea/Documents/New%20Zealand/Decriminalising%20Prostitution%20in%20NZ.pdf. Accessed 10 July 2015.

Beatty, C., S. Fothergill, and R. Powell. 2007. "Twenty Years On: Has the Economy of the UK Coalfields Recovered?" *Environment and Planning* 39(7): 1654–75.

Beazley, R. 2014. "Social Protection through Public Works in Nepal: Improving the Karnali Employment Programme." Briefing Note. Oxford Policy Management, Oxford, UK.

Bennett, K., H. Beynon, and R. Hudson. 2000. *Coalfields Regeneration: Dealing with the Consequences of Industrial Decline.* Bristol, UK: The Policy Press.

Beverly, S. 2003. *Forces of Labor: Worker's Movements and Globalization since 1870.* Cambridge, UK: Cambridge University Press.

Bharti, N., X. Lu, L. Bengtsson, E. Wetter, and A. Tatem. 2013. "Rapid Assessment of Population Movements in Crises: The Potential and Limitations of Using Nighttime Satellite Imagery and Mobile Phone Data." Third conference on the Analysis of Mobile Phone Datasets and Networks, MIT (Media Lab), 1 May, Cambridge, MA.

Blasi, J., R. Freeman, and D. Krauss. 2014. *Citizen's Share: Reducing Inequality in the 21st Century?* New Haven, CT: Yale University Press.

Bleakley, H., and K. Cowan. 2002. "Corporate Dollar Debt and Depreciations: Much Ado about Nothing?" Working Paper 02-5. Federal Reserve Bank of Boston, MA.

Bloom, D.E., and M.J. McKenna. 2015. "Population, Labor Force, and Unemployment: Implications for the Creation of Jobs and of Decent Jobs, 1990-2030." Background think piece for Human Development Report 2015. UNDP–HDRO, New York.

Bloom, D.E., D. Canning, G. Fink, and J.E. Finlay. 2009. "Fertility, Female Labor Force Participation, and the Demographic Dividend." *Journal of Economic Growth* 14(2): 79–101. http://link.springer.com/article/10.1007%2Fs10887-009-9039-9. Accessed 11 June 2015.

BLS (United States Bureau of Labor Statistics). 2012. "International Comparisons of Manufacturing Productivity and Unit Labor Cost Trends, 2011." Economic News Release USDL-12-2365. Washington, DC. www.bls.gov/news.release/prod4.nr0.htm. Accessed 18 May 2015.

ÑÑÑ. 2015a. "Economic News Release: Table 1. Number and Percent of the U.S. Population who Were Eldercare Providers 1 by Sex and Selected Characteristics, Averages for the Combined Years 2011-12." Washington, DC. www.bls.gov/news.release/elcare.t01.htm. Accessed 27 July 2015.

ÑÑÑ. 2015b. "Economic News Release: Table A-12 Unemployment Persons by the Duration of Employment." Washington, DC.

ÑÑÑ. 2015c. "Economic News Release: American Time Use Survey." www.bls.gov/news.release/atus.toc.htm. Accessed 8 October 2015.

Bosch, M., A. Melguizo, and C. Pages. 2013. *Better Pensions, Better Jobs: Towards Universal Coverage in Latin America and the Caribbean.* Washington, DC: Inter-American Development Bank.

Boyde, E. 2015. "Asia Embraces the Start-up." *FT Wealth: Entrepreneurs*, May: 50–51.

Brynjolfsson, E., and A. McAfee. 2011. *Race against the Machine.* Lexington, MA: Digital Frontier Press.

ÑÑÑ. 2014. *The Second Machine Age: Work, Progress, and Prosperity in a Time of Brilliant Technologies.* New York: W.W. Norton and Company.

Budlender, D. 2010. "What Do Time Use Studies Tell Us about Unpaid Care Work?" In D. Budlender, ed., *Time Use Studies and Unpaid Care Work.* Geneva: United Nations Research Institute for Social Development.

Campbell, D. 2011. "Employment-led Growth and Growth-led Employment in the Recovery." In *The Global Crisis: Causes, Responses, and Challenges.* Geneva: International Labour Organization.

Carson, R. 1962. *Silent Spring.* Boston, MA: Houghton Mifflin.

CBRE Global. 2014. *Genesis Research Report: Fast Forward 2030: The Future of Work and the Workplace.* Beijing. www.cbre.com/o/international/AssetLibrary/CBRE_Genesis_FAST_FORWARD_Workplace_2030_Exec_Summary_E.pdf. Accessed15 June 2015.

Chappell, D., and V. Di Martino. 2006. *Violence at Work.* 3rd edition. Geneva: International Labour Organization. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/@dgreports/@dcomm/@publ/documents/publication/wcms_publ_9221108406_en.pdf. Accessed 6 August 2015.

Charmes, J. 2006. "A Review of Empirical Evidence on Time Use in Africa from UN-Sponsored Surveys." In C.M. Blackden and Q. Wodon, *Gender, Time Use, and Poverty in Sub-Saharan Africa*. Working Paper 73. Washington, DC: World Bank.

ÑÑÑ. 2015. "Time Use across the World: Findings of a World Compilation of Time-Use Surveys." Working Paper. UNDP–HDRO, New York.

Chen, M., C. Bonner, and F. Carré. 2015. "Organizing Informal Workers: Benefits, Challenges and Successes." Background think piece for Human Development Report 2015. UNDP–HDRO, New York.

Choi, H., and H. Varian. 2009. "Predicting Initial Claims for Unemployment Benefits: Technical Report." Research at Google. http://research.google.com/archive/papers/initialclaimsUS.pdf.

Cisco. 2015. "VNI Forecast Highlights." www.cisco.com/web/solutions/sp/vni/vni_forecast_highlights/index.html. Accessed 15 June 2015.

Clark, A.E., E. Diener, Y. Georgellis, and R. Lucas. 2008. "Lags and Leads in Life Satisfaction: A Test of the Baseline Hypothesis." *Economic Journal*, 118(529): F222–F243.

Clark, L. 2013. "How the Red Cross and Digital Volunteers are Mapping Typhoon Haiyan to Save Lives." *Wired*, 14 November. www.wired.co.uk/news/archive/2013-11/14/red-cross-typhoon-philippines. Accessed 4 May 2015.

Coenen, M., and R. Kok. 2014. "Workplace Flexibility and New Product Development Performance: The Role of Telework and Flexible Work Schedules." *European Management Journal* 32(4): 564–76. www.sciencedirect.com/science/journal/02632373/32/4. Accessed 4 September 2015.

Cole, S., and A.N. Fernando. 2012. "The Value of Advice: Evidence from Mobile Phone-based Agricultural Extension." Finance Working Paper 13-047. Harvard Business School, Cambridge, MA.

Colombo, F., A. Llena-Nozal, J. Mercier, and F. Tjadens. 2015. *Help Wanted? Providing and Paying for Long-term Care.* Paris. www.oecd.org/els/health-systems/help-wanted.htm. Accessed 8 June 2015.

Columbia University. 2013. "Council of Malawi to Launch Clinical Mentorship Initiative." http://icap.columbia.edu/news-events/detail/icap-supports-the-nurses-and-midwives-council-of-malawi-to-launch-clinical. Accessed 27 May 2015.

Confederation of Indian Industry and India Ministry of New and Renewable Energy. 2010. "Human Resource Development Strategies for Indian Renewable Energy Sector." Hyderabad, India. http://mnre.gov.in/file-manager/UserFiles/MNRE_HRD_Report.pdf. Accessed 20 July 2015.

The Conference Board. 2015. Total Economy Database. www.conference-board.org/data/economydatabase/. Accessed 15 May 2015.

Conti, G., and J.J. Heckman. 2010. "Understanding the Early Origins of the Education-Health Gradient: A Framework That Can Also Be Applied to Analyze Gene-Environment Interactions." *Perspectives on Psychological Science* 5(5): 585–605.

Cooper, D., and L. Mishel. 2015. "The Erosion of Collective Bargaining Has Widened the Gap between Productivity and Pay." Economic Policy Institute, Washington, DC. www.epi.org/publication/collective-bargainings-erosion-expanded-the-productivity-pay-gap/. Accessed 10 June 2015.

Cortez, A.L. 2012. "The International Development Strategy beyond 2015: Taking Demographic Dynamics into Account." Working Paper 122. United Nations Department of Economic and Social Affairs, New York. www.un.org/esa/desa/papers/2012/wp122_2012. Accessed 4 June 2015.

Cowen, T. 2013. *Average Is Over: Powering America beyond the Age of Great Stagnation.* New York: Penguin.

Cramer, C. 2015. "Peace Work." Background think piece for Human Development Report 2015. UNDP–HDRO, New York.

Credit Suisse Research Institute. 2014. "Credit Suisse Global Wealth Report." Geneva. https://publications.credit-suisse.com/tasks/render/file/?fileID=60931FDE-A2D2-F568-B041B58C5EA591A4. Accessed 15 June 2015.

Crow, D. 2015. "Doctors Hail New 'Pillars' in Fight against Cancer as Trial Data Back Latest Drug." *Financial Times*, 29 May.

D'Cunha, J., S. Lopez-Ekra, and B. Mollard. 2010. "Uncovering the Interfaces between Gender, Family, Migration and Development: The Global Care Economy and Chains." Background paper for Roundtable 2.2 on Migration, Gender and Family at the Global Forum for Migration and Development. www.gfmd.org/files/documents/gfmd_mexico10_rt_2-2-annex_en.pdf. Accessed 30 June 2015.

DANE (Departamento Administrativo Nacional de Estadística de Colombia). 2014. "Encuesta nacional de uso del tiempo: Resultados para Bogotá." Bogota. www.dane.gov.co/files/investigaciones/boletines/ENUT/Bol_ENUT_BTA_Ago2012_Jul2013.pdf. Accessed 29 June 2015.

Deen, T. 2012. "Women Spend 40 Billion Hours Collecting Water." Inter Press Service, 31 August. www.ipsnews.net/2012/08/women-spend-40-billion-hours-collecting-water/. Accessed 21 August 2015.

Deloitte. 2014a. "The Deloitte Millennial Survey: Big Demands and High Expectations: Executive Summary." London. http://www2.deloitte.com/content/dam/Deloitte/global/Documents/About-Deloitte/2014_MillennialSurvey_ExecutiveSummary_FINAL.pdf. Accessed 10 July 2015.

ÑÑÑ. 2014b. "Value of Connectivity: Economic and Social Benefits of Expanding Internet Access." London. http://www2.deloitte.com/content/dam/Deloitte/ie/Documents/TechnologyMediaCommunications/2014_uk_tmt_value_of_connectivity_deloitte_ireland.pdf. Accessed 10 July 2015.

Demirgüç-Kunt, A., and L. Klapper. 2012. "Measuring Financial Inclusion: The Global Findex Database" Policy Research Working Paper 6025. World Bank, Washington, DC.

Demirgüç-Kunt, A., L. Klapper, D. Singer, and P. Van Oudheusden. 2015. "The Global Findex Database 2014: Measuring Financial Inclusion around the World." Policy Research Working Paper 7255. World Bank, Development Research Group, Finance and Private Sector Development Team, Washington, DC.

Derviş, K. 2012. "Should Central Banks Target Employment?" 19 December. Brookings Institution. www.brookings.edu/research/opinions/2012/12/19-central-banks-employment-dervis. Accessed 18 June 2015.

Deville, P., C. Linard, S. Martin, M. Gilbert, F. Stevens, A. Gaughan, and others. 2014. "Dynamic Population Mapping Using Mobile Phone Data." *Proceedings of the National Academy of Sciences* 111(45): 15888–93.

Dishman, L. 2013. "Where Are All the Women Creative Directors?" *Fast Company*, 26 February. www.fastcompany.com/3006255/where-are-all-women-creative-directors. Accessed 23 July 2015.

Dobbs, R., J. Manyika, and J. Woetzel. 2015. *No Ordinary Disruption: The Four Global Forces Breaking All the Trends.* New York: Public Affairs.

Domestic Workers United and Data Center. 2006. "Home Is Where Work Is: Inside New York's Domestic Work Industry." Bronx, NY, and Oakland, CA. www.datacenter.org/reports/homeiswheretheworkis.pdf. Accessed 30 June 2015.

Donay, C. 2014. "The Positive Shock of the New." Briefing for Entrepreneur Summit 2014. Pictet Wealth Management, Geneva.

Dowdy, C. 2014. "Make Yourself More at Home in the Office." *Financial Times*, 24 November.

Easton, M. 2014. "Vicar or Publican: Which Jobs Make You Happy?" BBC News, 20 March. www.bbc.com/news/magazine-26671221. Accessed 6 August 2015.

EC (European Commission). 2015. AMECO database. http://ec.europa.eu/economy_finance/ameco/user/serie/SelectSerie.cfm. Accessed 1 July 2015.

The Economist. **2014a.** "Arrested Development." 4 October. http://www.economist.com/news/special-report/21621158-model-development-through-industrialisation-its-way-out-arrested-development. Accessed 1 July 2015.

ÑÑÑ. **2014b.** "Why Swedish Men Take So Much Paternity Leave." 22 June. www.economist.com/blogs/economist-explains/2014/07/economist-explains-15. Accessed 22 June 2015.

ÑÑÑ. **2015a.** "Black Moods." 6 June. www.economist.com/news/business/21653622-coals-woes-are-spreading-it-still-has-its-fans-black-moods. Accessed 15 June 2015.

ÑÑÑ. **2015b.** "Made to Measure." 30 May. www.economist.com/news/technology-quarterly/21651925-robotic-sewing-machine-could-throw-garment-workers-low-cost-countries-out. Accessed 15 June 2015.

ÑÑÑ. **2015c.** "Parenting and Work: A Father's Place." 14 May. www.economist.com/news/international/21651203-men-have-long-been-discouraged-playing-equal-role-home-last-starting. Accessed 23 July 2015.

Elms, D.K., and P. Low, eds. 2013. *Global Value Chains in a Changing World.* Geneva: World Trade Organization.

Elson, D. 2012. "Social Reproduction in the Global Crisis." In P. Utting, S. Razavi, and R. Varghese Buchholz, eds., *The*

Global Crisis and Transformative Social Change. London: Palgrave McMillan.

ENAR (European Network Against Racism). 2013. "ENAR Shadow Report 2012/13 on Racism in Europe: Key Findings on Racism and Discrimination in Employment." Brussels. www.enar-eu.org/IMG/pdf/key_findings_shadow_report_2012-13_layout.pdf. Accessed 1 July 2015.

EPA (United States Environmental Protection Agency). 2011. "The Benefits and Costs of the Clean Air Act from 1990 to 2010: Final Report – Rev. A." Washington, DC. www.epa.gov/cleanairactbenefits/feb11/fullreport_rev_a.pdf. Accessed 7 July 2015.

Epstein, G. 2007a. *Central Banks, Inflation Targeting and Employment Creation*. Economic and Labour Market Paper 2007/2. Geneva: International Labour Organization.

ÑÑÑ. 2007b. "Central Banks as Agents of Employment Creation." ST/ESA/2007/DWP/38. Working Paper 38. United Nations Department of Economic and Social Affairs, New York.

Esther A., B. Javorcik, and K. Ulltveit-Moe. 2015. "Globalization: A Woman's Best Friend? Exporters and the Gender Wage Gap." Discussion Paper. University of Oxford, UK. www.economics.ox.ac.uk/materials/papers/13874/paper743.pdf. Accessed 5 June 2015.

ETUI (European Trade Union Institute). 2015. "Job Quality Index (JQI)." www.etui.org/Topics/Labour-market-employment-social-policy/Job-quality-index-JQI. Accessed 1 July 2015.

Eurofound. 2013. "European Working Conditions Survey." www.eurofound.europa.eu/european-working-conditions-surveys-ewcs. Accessed 1 July 2015.

Euronews. 2015. "Greek Island of Samos Feels Strain of Migrant Influx." 21 May. www.euronews.com/2015/05/21/greek-island-of-samos-feels-strain-of-migrant-influex/. Accessed 2 July 2015.

EuropeAid. 2012. "Food Security: Rural Employment Opportunities for Public Assets (REOPA), Bangladesh." Brussels. http://ec.europa.eu/europeaid/documents/case-studies/bangladesh_food-security_reopa_en.pdf. Accessed 12 June 2015.

European Union Agency for Fundamental Rights. 2014. *Violence against Women: An EU-wide Survey*. Vienna. http://fra.europa.eu/sites/default/files/fra-2014-vaw-survey-main-results-apr14_en.pdf. Accessed 14 July 2015.

Eurostat. 2015. "Statistics Explained: Unemployment Statistics." http://ec.europa.eu/eurostat/statistics-explained/index.php/Main_Page. 1 June 2015.

Evans, P. 2015. "Expanding the Supply of Capability-Enhancing Jobs and Transforming Employment Structures: The Role of the Public Sector." Background think piece for Human Development Report 2015. UNDP–HDRO, New York.

Everest Research Institute. 2008. "Share of Market for Business Process Offshoring by Location." Dallas, TX.

Eversheds. 2014. "Compulsory Retirement: An International Comparison." Global Employment HR e-briefing, 11 April. www.eversheds.com/global/en/what/articles/index.page?ArticleID=en/Employment_and_labour_law/Global_Employment_HR_e-briefing-Compulsory_retirement_an_international_comparison. Accessed 6 July 2015.

FAO (Food and Agriculture Organization). 2009. *The State of Food Insecurity in the World 2009: Economic Crises: Impacts and Lessons Learned*. Rome. ftp://ftp.fao.org/docrep/fao/012/i0876e/i0876e.pdf. Accessed 14 July 2015.

ÑÑÑ. 2010. "Gender and Rural Employment Policy: Differentiated Pathways out of Poverty." Policy Brief 1–7. Rome. www.fao.org/docrep/013/i2008e/i2008e00.htm. Accessed 23 July 2015.

ÑÑÑ. 2011a. *Gender Inequalities in Rural Employment in Malawi: An Overview*. Rome. www.fao.org/docrep/016/ap092e/ap092e00.pdf. Accessed 23 July 2015.

ÑÑÑ. 2011b. *The State of Food and Agriculture 2010–11: Women in Agriculture: Closing the Gender Gap for Development*. Rome. www.fao.org/docrep/013/i2050e/i2050e.pdf. Accessed 23 July 2015.

ÑÑÑ. 2012. "World Agriculture towards 2030/2050: The 2012 Revision." ESA Working Paper 12-03. Rome. www.fao.org/docrep/016/ap106e/ap106e.pdf. Accessed 15 May 2015.

ÑÑÑ. 2014. *The State of Food and Agriculture 2014: Innovation in Family Farming*. Rome. www.fao.org/3/a-i4040e.pdf. Accessed 20 May 2015.

ÑÑÑ. 2015. FAOSTAT database. http://faostat3.fao.org/home/E. Accessed 10 June 2015.

Ffrench-Davis, R. 2010. "Macroeconomics for Development: From "Financierism" to "Productivism." *CEPAL Review* 102: 7–26. www.cepal.org/publicaciones/xml/0/43000/rvi102ffrenchdavis.pdf. Accessed 15 June 2015.

ÑÑÑ. 2012. "Employment and Real Macroeconomic Stability: The Regressive Role of Financial Flows in Latin America." *International Labour Review* 151(1–2): 21–41.

Finland Ministry of Social Affairs and Health. 2009. "Promoting Children's Welfare in the Nordic Countries." *Our Schools/Our Selves*, Spring. www.policyalternatives.ca/sites/default/files/uploads/publications/National%20Office/2009/04/Promoting%20Children's%20Welfare%20in%20the%20Nordic%20Countries.pdf. Accessed 22 June 2015.

Folbre, N. 2015. "Valuing Non-Market Work." Background think piece for Human Development Report 2015. UNDP–HDRO, New York.

Force, L.M.T. 2013. *Toward Universal Learning: What Every Child Should Learn*." Montreal, Canada: United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization Institute for Statistics; Washington, DC: Center for Universal Education at Brookings. www.brookings.edu/~/media/Research/Files/Reports/2013/02/learning-metrics/LMTFRpt1TowardUnivrslLearning.pdf?la=en. Accessed 8 June 2015.

Frey, C., and M. Osborne. 2013. "The Future of Employment: How Susceptible Are Jobs to Computerisation?" Oxford Martin School, Oxford, UK.

Friedman, E., and S. Kuruvilla. 2015. "Experimentation and Decentralization in China's Labor Relations." *Human Relations* 68(2): 181–95.

Fuglie, K., and A. Nin-Pratt. 2012. "Agricultural Productivity: A Changing Global Harvest." In International Food Policy Research Institute, *Global Food Policy Report 2012*. Washington, DC. www.ifpri.org/publication/agricultural-productivity-changing-global-harvest. Accessed 3 June 2015.

Fultz, E., and J. Francis. 2013. "Cash Transfer Programmes, Poverty Reduction and Empowerment of Women: A Comparative Analysis: Experiences from Brazil, Chile, India, Mexico and South Africa." Working Paper 4/2013. International Labour Organization, Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---dgreports/---gender/documents/publication/wcms_233599.pdf. Accessed 16 April 2015.

Gabre-Madhin, E. 2012. "A Market for Abdu: Creating a Commodity Exchange in Ethiopia." International Food Policy Research Institute, Washington, DC.

Galindo A., A. Izquierdo, and J. Montero. 2006. "Real Exchange Rates, Dollarization and Industrial Employment in Latin America." Working Paper 575. Inter-American Development Bank, Research Department, Washington, DC.

Gallagher, M., J. Giles, A. Park, and M. Wang. 2014. "China's 2008 Labor Contract Law: Implementation and Implications for China's Workers." *Human Relations*.

Gay, S. 1994. *Manufacturing Militance: Workers' Movements in Brazil and South Africa*. Berkeley, CA: University of California Press. Accessed 20 July 2015.

GEDI (Global Entrepreneurship and Development Institute). 2014. "The Gender Global Entrepreneurship and Development Index (GEDI): A 30-country Analysis of the Conditions That Foster High-potential Female Entrepreneurship." Washington, DC. http://cleancookstoves.org/binary-data/RESOURCE/file/000/000/299-2.pdf. Accessed 10 August 2015.

GERA (Global Entrepreneurship Research Association). 2015. Global Entrepreneurship Monitor Database. www.gemconsortium.org/data/sets. Accessed 15 June 2015.

German Federal Ministry of Labor and Social Affairs. 2015. "Social Security at a Glance 2015." Bonn. www.bmas.de/SharedDocs/Downloads/DE/PDF-Publikationen/a998-social-security-at-a-glance-total-summary.pdf?__blob=publicationFile. Accessed 15 June 2015.

Germany Trade and Invest. 2014. "Industrie 4.0: Smart Manufacturing for the Future." Berlin. www.gtai.de/GTAI/Content/EN/Invest/_SharedDocs/Downloads/GTAI/Brochures/Industries/industrie4.0-smart-manufacturing-for-the-future-en.pdf. Accessed 24 June 2015.

Glass, H., I. Kirkpatrick, and A. Schiff. 2013. "Analysing and Mapping Population Movements from Anonymous Cellphone Activity Data." Paper presented at the Third International Conference on the Analysis of Mobile Phone Datasets NetMob 2013 Special Session on the D4D Challenge, 1–3 May, Cambridge, MA. http://perso.uclouvain.be/vincent.blondel/netmob/2013/NetMob2013-program.pdf. Accessed 10 June 2015.

Glewwe, P., and A.L. Kassouf. 2008. "What Is the Impact of the Bolsa Familia Programme on Education?" OnePager 107. International Policy Centre for Inclusive Growth, Brasilia. www.ipc-undp.org/pub/IPCOnePager107.pdf. Accessed 10 June 2015.

Global Pulse and SAS Institute Inc. 2011. "Using Social Media and Online Conversations to Add Depth to Unemployment Statistics." Methodological White Paper. www.unglobalpulse.org/projects/can-social-media-mining-add-depth-unemployment-statistics. Accessed 27 May 2015.

Global Workplace Analytics. 2012. "Latest Telecommuting Statistics." http://globalworkplaceanalytics.com/telecommuting-statistics. Accessed 18 May 2015.

Goldin, C. 2014. "A Grand Gender Convergence: Its Last Chapter." *American Economic Review* 104(4): 1091–1119.

http://scholar.harvard.edu/files/goldin/files/goldin_aeapress_2014_1.pdf. Accessed 29 June 2015.

Goldin, C., and L. Katz. 2008. *The Race between Education and Technology*. Cambridge, MA: Belknap Press.

Gordon, R.J. 2014. "The Demise of U. S. Economic Growth: Restatement, Rebuttal, and Reflections." Working Paper 19895. National Bureau of Economic Research, Cambridge, MA.

Grant Thornton. 2014. *Women in Business: From Classroom to Boardroom*. Grant Thornton International Business Report 2014. London. www.grantthornton.at/files/GTI%20IBR/women-in-business-international-business-report.pdf. Accessed 14 June 2015.

ÑÑÑ. 2015. *Women in Business: The Path to Leadership*. Grant Thornton International Business Report 2015. London. www.grantthornton.be/Resources/IBR-2015-Women-in-Business.pdf. Accessed 15 June 2015.

Grosh, M., M. Bussolo, and S. Freije, eds. 2014. *Understanding the Poverty Impact of the Global Financial Crisis in Latin America and the Caribbean*. Washington, DC: World Bank.

GSMA (Groupe Speciale Mobile Association). 2014. *The Mobile Economy: Sub-Saharan Africa 2014*. London. www.gsmamobileeconomyafrica.com/GSMA_ME_SubSaharanAfrica_Web_Singles.pdf. Accessed 15 June 2015.

Guha-Sapir, D., P. Hoyois, and R. Below. 2014. *Annual Disaster Statistical Review 2013: The Numbers and Trends*. Brussels: Centre for Research on the Epidemiology of Disasters. www.cred.be/sites/default/files/ADSR_2013.pdf. Accessed 14 July 2015.

Hall, K. 2015. "Child Poverty: Measurements, Trends and Policy Directions." Paper presented at a conference on measuring deprivation to promote human development organized by Academy of Science of South Africa, 9–10 June, Muldersdrift, South Africa.

Handa, S., and B. Davis. 2006. "The Experience of Conditional Cash Transfers in Latin America and the Caribbean." *Development Policy Review* 24(5): 513–36.

Hawkins, P., I. Blackett, and C. Heymans. 2013. *Poor-Inclusive Urban Sanitation: An Overview*. Washington, DC: World Bank. www.wsp.org/sites/wsp.org/files/publications/WSP-Poor-Inclusive-Urban-Sanitation-Overview.pdf. Accessed 20 July 2015.

Hayashi, M. 2012. "Japan's Fureai Kippu Time-banking in Elderly Care: Origins, Development, Challenges and Impact." *International Journal of Community Currency Research* 16(A): 30–44. http://ijccr.net/2012/08/16/japans-fureai-kippu-time-banking-in-%E2%80%A8elderly-care-origins-development-%E2%80%A8challenges-and-impact. Accessed 30 June 2015.

Hazelhurst, J. 2015. "The Search for Seed Capital." *FT Wealth: Entrepreneurs*, 8 May, p. 40–41.

Heckman. J. 2013. *Giving Kids a Fair Chance*. Cambridge, MA: The MIT Press.

Hellebrandt, T., and P. Mauro. 2015. "The Future of Worldwide Income Distribution." Working Paper 15-7. Peterson Institute for International Economics, Washington, DC. www.iie.com/publications/wp/wp15-7.pdf. Accessed 7 July 2015.

Helliwell, J., and H. Huang. 2011a. "New Measures of the Costs of Unemployment: Evidence from the Subjective Well-being of 2.3 Million Americans." Working Paper 2011-03. University of Alberta, Department of Economics, Edmonton, Canada. www.ualberta.ca/~econwps/2011/wp2011-03.pdf. Accessed 6 August 2015.

ÑÑÑ. 2011b. "Wellbeing and Trust in the Workplace." *Journal of Happiness Studies* 12(5): 747–67.

Heyman, S. 2015. "A Museum at the Forefront of Digitization." *New York Times*, 13 May.

Holzman, R. 2012. "Global Pension Systems and Their Reform: Worldwide Drivers, Trends, and Challenges." Social Protection and Labor Discussion Paper 1213. World Bank, Washington, DC.

Hsu, A., O. Malik, L. Johnson, and D.C. Esty. 2014. "Development: Mobilize Citizens to Track Sustainability." *Nature* 508(7494): 33–35.

Human Rights Watch. 2014a. *Hidden Away: Abuses against Migrant Domestic Workers in the UK*. New York. www.hrw.org/node/124191. Accessed 6 August 2015.

ÑÑÑ. 2014b. "'I Already Bought You.' Abuse and Exploitation of Female Migrant Domestic Workers in the United Arab Emirates." www.hrw.org/report/2014/10/22/i-already-bought-you/abuse-and-exploitation-female-migrant-domestic-workers-united. Accessed 6 August 2015.

IADB (Inter-American Development Bank). 2012. "La mujer latinoamericana y caribeña: más educada pero peor pagada." Washington, DC. www.iadb.org/es/noticias/articulos/2012-10-15/diferencia-salarial-entre-hombres-y-mujeres,10155.html. Accessed 3 July 2015.

IDRC (International Development Research Centre). 2013. "Growth and Economic Opportunities for Women." Ottawa. www.idrc.ca/EN/Documents/GrOW-Literature ReviewEN.pdf. Accessed 3 June 2015.

IEA (International Energy Agency). 2012. *World Energy Outlook 2012*. Paris. www.iea.org/publications/freepublications/publication/WEO2012_free.pdf. Accessed 26 May 2015.

ÑÑÑ. 2014. *World Energy Outlook 2014: Executive Summary*. Paris. www.iea.org/publications/freepublications/publication/WEO_2014_ES_English_WEB.pdf. Accessed 26 May 2015.

IEP (Institute for Economics and Peace). 2014. *Global Terrorism Index 2014: Measuring and Understanding the Impact of Terrorism*. New York. www.visionofhumanity.org/sites/default/files/Global%20Terrorism%20Index%20Report%202014_0.pdf. Accessed 4 June 2015.

IFC (International Finance Corporation). 2010. "Solar Lighting for the Base of the Pyramid: Overview of an Emerging Market." Washington, DC. www.ifc.org/wps/wcm/connect/a68a120048fd175eb8dcbc849537832d/SolarLightingBasePyramid.pdf?MOD=AJPERES. Accessed 1 June 2015.

ILGA (International Lesbian Gay Bisexual Trans and Intersex Association). 2014. "State- Sponsored Homophobia: A World Survey of Laws: Criminalization, Protection and Recognition of Same-sex Love." Brussels. http://old.ilga.org/Statehomophobia/ILGA_SSHR_2014_Eng.pdf. Accessed 20 July 2015.

ILO (International Labour Organization). 2003a. "Employment and Social Policy in Respect of Export Processing Zones." GB.286/ESP/3. Committee on Employment and Social Policy, Geneva.

ÑÑÑ. 2003b. "Up in Smoke: What Future for Tobacco Jobs?" 18 September. www.ilo.org/global/about-the-ilo/newsroom/features/WCMS_071230/lang--en/index.htm. Accessed 15 May 2015.

ÑÑÑ. 2008a. *Toolkit for Mainstreaming Employment and Decent Work*. Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---dgreports/---exrel/documents/publication/wcms_172612.pdf. Accessed 15 June 2015.

ÑÑÑ. 2008b. "ILO Declaration on Social Justice for a Fair Globalization." Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---dgreports/---cabinet/documents/genericdocument/wcms_371208.pdf. Accessed 15 June 2015.

ÑÑÑ. 2009. "Violence at Work in the European Union." Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---ed_protect/---protrav/---safework/documents/publication/wcms_108536.pdf. Accessed 22 July 2015.

ÑÑÑ. 2010a. "Fifth Item on the Agenda: HIV/AIDS and the World of Work: Report of the Committee on HIV/AIDS." Provisional Record 13(Rev.), 99th Session, Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---ed_norm/---relconf/documents/meetingdocument/wcms_141773.pdf. Accessed 2 July 2015.

ÑÑÑ. 2010b. "Recommendation 200: Recommendations Concerning HIV and AIDS and the World of Work Adopted by the Conference at Its Ninety-ninth Session." 17 June, Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---ed_norm/---relconf/documents/meetingdocument/wcms_142613.pdf. Accessed 20 June 2015.

ÑÑÑ. 2011a. *Efficient Growth, Employment and Decent Work in Africa: Time for a New Vision*. Geneva.

ÑÑÑ. 2011b. *Equality at Work: The Continuing Challenge: Global Report under the Follow-up to the ILO Declaration on Fundamental Principles and Rights at Work*. Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---ed_norm/---declaration/documents/publication/wcms_166583.pdf. Accessed 1 July 2015.

ÑÑÑ. 2012a. *Decent Work Indicators: Concepts and Definitions*. 1st edition. Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---dgreports/---integration/documents/publication/wcms_229374.pdf. Accessed 5 August 2015.

ÑÑÑ. 2012b. *Global Employment Trends for Youth 2012*. Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/@dgreports/@dcomm/documents/publication/wcms_180976.pdf. Accessed 9 June 2015.

ÑÑÑ. 2012c. *ILO Global Estimate of Forced Labour: Results and Methodology*. Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---ed_norm/---declaration/documents/publication/wcms_182004.pdf. Accessed 4 June 2015.

ÑÑÑ. 2013a. "Discrimination at Work on the Basis of Sexual Orientation and Gender Identity: Results of Pilot Research." GB.319/LILS/INF/1. Legal Issues and International Labour Standards Section Governing Body 319th Session, 16–31 October, Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---ed_norm/---relconf/documents/meetingdocument/wcms_221728.pdf. Accessed 22 July 2015.

ÑÑÑ. 2013b. "Domestic Workers across the World: Global and Regional Statistics and the Extent of Legal Protection." Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---dgreports/---dcomm/---publ/documents/publication/wcms_173363.pdf. Accessed 23 July 2015.

ÑÑÑ. 2013c. "Global Estimates and Trends of Child Labour 2000-2012." Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/

public/---ed_norm/---ipec/documents/publication/wcms_221881.pdf. Accessed 1 July 2015.

ÑÑÑ. 2013d. *Marking Progress against Child Labour: Global Estimates and Trends 2000-2012.* Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---ed_norm/---ipec/documents/publication/wcms_221513.pdf. Accessed 6 July 2015.

ÑÑÑ. 2013e. *Protecting Workplace Safety and Health in Difficult Economic Times: The Effect of the Financial Crisis and Economic Recession on Occupational Safety and Health.* Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---ed_protect/---protrav/---safework/documents/publication/wcms_214163.pdf. Accessed 2 July 2015.

ÑÑÑ. 2013f. "Sustainable Development, Decent Work and Green Jobs: Report V." International Labour Conference, 102nd Session, Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/@ed_norm/@relconf/documents/meetingdocument/wcms_207370.pdf. Accessed 3 June 2015.

ÑÑÑ. 2014a. "Case Study: Better Work Vietnam Shows Path for Labour Law Reform." Geneva. http://betterwork.org/global/wp-content/uploads/ILO-Better-Work-Vietnam.LRWeb_.pdf. Accessed 15 June 2015.

ÑÑÑ. 2014b. *Global Employment Trends 2014: Risk of a Jobless Recovery.* Geneva.

ÑÑÑ. 2014c. Key Indicators of the Labor Market database. www.ilo.org/empelm/what/WCMS_114240/lang--en/index.htm. Accessed 20 June 2015.

ÑÑÑ. 2014d. NORMLEX database. www.ilo.org/dyn/normlex/en/. Accessed 20 June 2015.

ÑÑÑ. 2014e. *Profits and Poverty: The Economics of Forced Labour.* Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---ed_norm/---declaration/documents/publication/wcms_243391.pdf. Accessed 22 July 2015.

ÑÑÑ. 2014f. "Social Protection for Older Persons: Key Policy Trends and Statistics." Social Protection Policy Paper. Geneva.

ÑÑÑ. 2014g. *World of Work Report 2014: Developing with Jobs.* Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---dgreports/---dcomm/documents/publication/wcms_243961.pdf. Accessed 6 August 2015.

ÑÑÑ. 2014h. *World Social Protection Report 2014/15: Building Economic Recovery, Inclusive Development and Social Justice.* Geneva.

ÑÑÑ. 2015a. *1. What Is A National Employment Policy?* National Employment Policies: A Guide for Workers' Organization. Geneva.

ÑÑÑ. 2015b. *Global Wage Report 2014/15: Wages and Income Inequality.* Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---dgreports/---dcomm/---publ/documents/publication/wcms_324678.pdf. Accessed 20 July 2015.

ÑÑÑ. 2015c. "ILO Adopts Historic Labour Standard to Tackle the Informal Economy." 12 June. www.ilo.org/ilc/ILCSessions/104/media-centre/news/WCMS_375615/lang--en/index.htm. Accessed 12 June 2015.

ÑÑÑ. 2015d. ILO Social Protection Sector databases. www.ilo.org/protection/information-resources/databases. Accessed 15 May 2015.

ÑÑÑ. 2015e. *Key Indicators of the Labour Market.* 8th edition. Geneva. www.ilo.org/empelm/what/WCMS_114240/. Accessed 18 May 2015.

ÑÑÑ. 2015f. "Mining: A Hazardous Work." www.ilo.org/safework/areasofwork/hazardous-work/WCMS_124598/lang--en/index.htm. Accessed 2 July 2015.

ÑÑÑ. 2015g. "Overview and Topics of Labour Statistics." www.ilo.org/global/statistics-and-databases/statistics-overview-and-topics/lang--en/index.htm. Accessed 15 May 2015.

ÑÑÑ. 2015h. *World Employment and Social Outlook: The Changing Nature of Jobs.* Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---dgreports/---dcomm/---publ/documents/publication/wcms_368626.pdf. Accessed 6 July 2015.

ÑÑÑ. 2015i. *World Employment and Social Outlook: Trends 2015.* Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---dgreports/---dcomm/---publ/documents/publication/wcms_337069.pdf. Accessed 6 July 2015.

ÑÑÑ. 2015j. ILOSTAT database. www.ilo.org/ilostat. Accessed 30 March 2015.

ILO (International Labour Organization), UNCTAD (United Nations Conference on Trade and Development), UNDESA (United Nations Department of Economic and Social Affairs), and WTO (World Trade Organization). 2012. "Macroeconomic Growth, Inclusive Growth and Employment." Thematic Think Piece. UN System Task Team on the Post-2015 UN Development Agenda. New York. www.un.org/millenniumgoals/pdf/Think%20Pieces/12_macroeconomics.pdf. Accessed 15 June 2015.

IMO (International Maritime Organization). 2009. "The Hong Kong International Convention for the Safe and Environmentally Sound Recycling of Ships." www.imo.org/en/About/conventions/listofconventions/pages/the-hong-kong-international-convention-for-the-safe-and-environmentally-sound-recycling-of-ships.aspx. Accessed 17 June 2015.

INDEC (Instituto Nacional de Estadística y Censo de Argentina). 2014. "Encuesta sobre trabajo no remunerado y uso de tiempo." 10 July. Buenos Aires. www.indec.mecon.ar/uploads/informesdeprensa/tnr_07_14.pdf. Accessed 29 June 2015.

Innovation for Poverty Action. 2015. "Northern Uganda Social Action Fund–Youth Opportunities Program." www.poverty-action.org/project/0189. Accessed 1 June 2015.

International Federation of Robotics. 2014. Industrial Robot Statistics. www.ifr.org/industrial-robots/statistics/. Accessed 2 June 2015.

International Women's Media Foundation. 2011. *Global Report on the Status of Women in the News Media.* Washington, DC. www.iwmf.org/wp-content/uploads/2013/09/IWMF-Global-Report-Summary.pdf. Accessed 29 June 2015.

IPCC (Intergovernmental Panel on Climate Change). 2014a. *Climate Change 2014: Mitigation of Climate Change.* Contribution of Working Group III to the Fifth Assessment Report of the Intergovernmental Panel on Climate Change. Geneva. www.ipcc.ch/report/ar5/wg3/. Accessed 26 May 2015.

ÑÑÑ. 2014b. *Climate Change 2014: Synthesis Report.* Contribution of Working Groups I, II and III to the Fifth Assessment Report of the Intergovernmental Panel on Climate Change. Geneva. www.ipcc.ch/report/ar5/syr/. Accessed 26 May 2015.

IPU (Inter-Parliamentary Union). 2015. *Women in Politics: 2015.* New York. http://www.ipu.org/pdf/publications/wmnmap15_en.pdf. Accessed 26 May 2015.

IRENA (International Renewable Energy Agency). 2013. *Renewable Energy and Jobs.* Abu Dhabi. www.irena.org/rejobs.pdf. Accessed 27 May 2015.

ÑÑÑ. 2015. *Renewable Energy and Jobs: Annual Review 2015.* Abu Dhabi. www.irena.org/DocumentDownloads/Publications/IRENA_RE_Jobs_Annual_Review_2015.pdf. Accessed 27 May 2015.

Islam, R. 2015. "Globalization of Production, Work and Human Development: Is Race to the Bottom Inevitable?" Background think piece for Human Development Report 2015. UNDP–HDRO, New York.

Islam, R., and I. Islam. 2015. *Employment and Inclusive Development.* New York: Routledge.

ITU (International Telecommunication Union). 2013. "ICT Facts and Figures: The World in 2013." Geneva.

ÑÑÑ. 2015. "ICT Facts and Figures: The World in 2015." Geneva. www.itu.int/en/ITU-D/Statistics/Documents/facts/ICTFactsFigures2015.pdf. Accessed 15 June 2015.

IUES (Institute for Urban and Environmental Studies) and CASS (Chinese Academy of Social Sciences). 2010. "Study on Low Carbon Development and Green Employment in China." Beijing.

Jacobs, E. 2014. "Women Earn Less than Men Even When They Set the Pay." *Financial Times*, 6 November. www.ft.com/cms/s/0/79a98b40-59d6-11e4-9787-00144feab7de.html. Accessed 27 June 2015.

ÑÑÑ. 2015a. "Workers of the Gig Economy." *Financial Times*, 13 March.

ÑÑÑ. 2015b. "Working Older." *Financial Times*, 3 July.

Jahan, S. 2005. "Reorienting Development: Towards an Engendered Employment Strategy." Working Paper 5. United Nations Development Programme, International Poverty Centre, Brasilia.

Jana, S., B. Dey, S. Reza-Paul, and R. Steen. 2014. "Combatting Human Trafficking in the Sex Trade: Can Sex Workers Do It Better?" *Journal of Public Health* 36(4): 622–28.

The Japan Times**. 2015.** "Seniors Grow to 26% of Population as Japan Shrinks for Fourth Year Straight." 17 April. www.japantimes.co.jp/news/2015/04/17/national/seniors-grow-26-population-japan-shrinks-fourth-year-straight/. Accessed 23 July 2015.

Jaumotte, F., and C. Buitron. 2015. "Power from the People." *Finance & Development* 52(1): 29–31.

Jiménez Cisneros, B.E., Oki, T., Arnell, N.W., and others. 2014. "Freshwater Resources." In C.B. Field, V.R. Barros, D.J. Dokken, and others, eds., *Climate Change 2014: Impacts, Adaptation, and Vulnerability. Part A: Global and Sectoral Aspects.* Contribution of Working Group II to the Fifth Assessment Report of the Intergovernmental Panel on Climate Change. New York: Cambridge University Press.

Kabanda, P. 2015. "Work as Art: How the Linkages between Creative Work and Human Development Flow: Analytical Paper on the Linkages between Creative Work and Human Development." Background think piece for Human Development Report 2015. UNDP–HDRO, New York.

Kagermann, H., W.-D. Lukas, and W. Wahlster. 2011. "Industrie 4.0: Mit dem Internet der Dinge auf dem Weg zur 4. industriellen Revolution." www.ingenieur.de/Themen/Produktion/Industrie-40-Mit-Internet-Dinge-Weg-4-industriellen-Revolution. Accessed 3 June 2015.

Kalil, T., and J. Miller. 2015. "Advancing U.S. Leadership in High-Performance Computing." White House Blog, 29 July. www.whitehouse.gov/blog/2015/07/29/

advancing-us-leadership-high-performance-computing. Accessed 14 September 2015.

Karabarbounis, L., and B. Neiman. 2014. "The Global Decline of the Labor Share." *Quarterly Journal of Economics* 129(1): 61–103.

Kasedde, S., A. Doyle, J. Seeley, and D. Ross. 2014. "They Are Not Always a Burden: Older People and Child Fostering in Uganda during the HIV Epidemic." *Social Science and Medicine* 113: 161–68.

Kaye, M. 2006. *Contemporary Forms of Slavery in Argentina.* Anti-Slavery International 2006, London. www.antislavery.org/includes/documents/cm_docs/2009/c/contemporary_forms_of_slavery_in_argentina.pdf. Accessed 2 July 2015.

Kearney, M.S., B. Hershbein, and D. Boddy. 2015. "The Future of Work in the Age of the Machine." Framing Paper. The Hamilton Project, Washington, DC. www.hamiltonproject.org/papers/future_of_work_in_machine_age/. Accessed 9 June 2015.

Kerrissey, J. 2015. "Collective Labour Rights and Income Inequality." *American Sociological Review* 80(3): 626–53.

Kharas, H., and G. Gertz. 2010. "The New Global Middle Class: A Crossover from West to East." In C. Li, ed., *China's Emerging Middle Class: Beyond Economic Transformation.* Washington, DC: Brookings Institution Press.

Kingsley-Hughes, A. 2012. "Apple Sells 645,000 Devices per Day in Q2." ZDNet, 25 April. www.zdnet.com/article/apple-sells-645000-devices-a-day-during-q2/. Accessed 18 May 2015.

Kivimäki, M., M. Jokela, S.T. Nyberg, A. Singh-Manoux, E.I. Fransson, L. Alfredsson, and others. 2015. "Long Working Hours and Risk of Coronary Heart Disease and Stroke: A Systematic Review and Meta-analysis of Published and Unpublished Data for 603,838 Individuals." *Lancet,* Online First, 9 August.

Ko, P., and K. Hank. 2013. "Grandparents Caring for Grandchildren in China and Korea: Findings from CHARLS and KLoSA." *Journal of Gerontology: Series B: Psychological Sciences and Social Sciences* 69(4): 646–51. http://psychsocgerontology.oxfordjournals.org/content/69/4/646.full.pdf+html. Accessed 23 July 2015.

Kostzer, D. 2008. "Argentina: A Case Study of the Plan Jefes y Jefas de Hogar Desocupados, or Employment Road to economic Recovery." Working Paper 534. Levy Economics Institute of Bard College, Annandale-on-Hudson, New York.

Kretkowski, P. 1998. "The 15 Percent Solution." *Wired*, 23 January. http://archive.wired.com/techbiz/media/news/1998/01/9858. Accessed 5 August 2015.

Krug, E.G., L.L. Dahlberg, J.A. Mercy, A.B. Zwi, and R. Lozano, eds. 2002. *World Report on Violence and Health.* Geneva: World Health Organization. http://whqlibdoc.who.int/publications/2002/9241545615_eng.pdf. Accessed 4 June 2015.

Krugman, P. 2014. "Inflation Targets Reconsidered." Draft paper for European Central Bank Forum on Central Banking, 21–23 May, Sintra, Portugal. https://2014.ecbforum.eu/up/artigos-bin_paper_pdf_01346580014006810 89-957.pdf. Accessed 15 May 2015.

Kuehnast, K. 2015. "Gender and Peacebuilding: Why Women's Involvement in Peacebuilding Matters." United States Institute of Peace. www.buildingpeace.org/think-global-conflict/issues/gender-and-peacebuilding. Accessed 29 June 2015.

Kurtzleben, D. 2013. "CHARTS: New Data Show, Women, More Educated Doing Most Volunteering." U.S. News, 27 February. www.usnews.com/news/articles/2013/02/27/charts-new-data-show-women-more-educated-doing-most-volunteering. Accessed 29 June 2015.

Kynge, J., and J. Wheatley. 2015. "Emerging Markets: Redrawing the World Map." *Financial Times*, 3 August.

Lagesse, D. 2015. "Virtual Volunteers Use Twitter and Facebook to Make Maps of Nepal." NPR, 15 May. www.npr.org/sections/goatsandsoda/2015/05/05/404438272/virtual-volunteers-use-twitter-and-facebook-to-make-maps-of-nepal. Accessed 21 May 2015.

Lambert, K., and C. Driscoll. 2003. "Nitrogen Pollution: From the Sources to the Sea." Hubbard Brook Research Foundation, Hanover, NH.

Lamichhane, K. 2015. *Disability, Education and Employment in Developing Countries: From Disability to Investment.* New Delhi, India: Cambridge University Press.

Leahy, J. 2015. "Rouseff Unveils Plan to Recovery." *Financial Times*, 10 June.

Lewis, L. 2015. "Mind the Gap." *Financial Times*. Big Read, 7 July. https://soundcloud.com/ft-analysis/japan-mind-the-gap. Accessed 23 July 2015.

Lippoldt, D., ed. 2012. *Policy Priorities for International Trade and Jobs*. Paris: Organisation for Economic Co-operation and Development.

Littleton, C. 2014. "Employment of Women in Film Production Dips Below 1998 Levels." *Variety*, 14 January. http://variety.com/2014/film/news/employment-of-women-in-film-production-dips-below-1998-levels-1201055095/. Accessed 23 July 2015.

Liu, Q., and O.N. Skans. 2010. "The Duration of Paid Parental Leave and Children's Scholastic Performance." *B. E. Journal of Economic Analysis and Policy* 10(1).

Liu,Y., F. Yang, and X. Li. 2013. "Employment and Decent Work in China's Forestry Industry." Draft Working Paper. International Labour Organization, Sectoral Activities Department, Country Office for China and Mongolia, Geneva. http://apgreenjobs.ilo.org/resources/employment-and-decent-work-in-china2019s-forestry-industry-draft. Accessed 5 June 2015.

Llorente, A., M. Garcia-Herranz, M. Cebrian, and E. Moro. 2014. "Social Media Fingerprints of Unemployment." arXiv:1411.3140 [physics.soc-ph].

Lu, Y., N. Nakicenovic, M. Visbeck, and A. Stevance. 2015. "Five Priorities for the UN Sustainable Development Goals." *Nature* 520: 432–33. www.nature.com/polopoly_fs/1.17352!/menu/main/topColumns/topLeftColumn/pdf/520432a.pdf. Accessed 8 June 2015.

Luce, S., J. Luff, J.A. McCartin, and R. Milkman, eds. 2014. *What Works for Workers? Public Policies and Innovative Strategies for Low-Wage Workers.* New York: Russell Sage Foundation.

Machado A., G. Geaquinto Fontes, M. Furlan Antigo, R. Gonzalez, and F. Veras Soares. 2011. "Bolsa Família as Seen through the Lens of the Decent Work Agenda." OnePager 133. International Policy Centre for Inclusive Growth, Brasilia. www.ipc-undp.org/pub/IPCOnePager133.pdf. Accessed 14 July 2015.

Maddison, A. 2008. "Historical Statistics of the World Economy: 1-2008 AD." www.ggdc.net/maddison/Historical_Statistics/horizontal-file_02-2010.xls. Accessed 25 June 2015.

Maier, S. 2008. "Empowering Women through ICT-Based Business Initiatives: An Overview of Best Practices in E-Commerce/E-Retailing Projects." *Information Technologies and International Development* 4(2): 43–60.

Mandel, M. 2013. "752,000 App Economy Jobs on the 5th Anniversary of the App Store." Progressive Policy Institute, Washington, DC. www.progressivepolicy.org/slider/752000-app-economy-jobs-on-the-5th-anniversary-of-the-app-store/. Accessed 25 June 2015.

Masters, B. 2015. "The Nuts and Bolts of Robot-Human Working Relations." *Financial Times*, 3 July.

Masur, J., and E. Posner. 2012. "Regulation, Unemployment, and Cost-Benefit Analysis." *Virginia Law Review* 98(3): 579–634.

May, M. 2007. *The Elegant Solution: Toyota's Formula for Mastering Innovation.* New York: Simon and Schuster.

McCarthy, T. 2012. "Encyclopedia Britannica Halts Print Publication after 244 Years." *The Guardian*, 13 March. www.theguardian.com/books/2012/mar/13/encyclopedia-britannica-halts-print-publication. Accessed 26 May 2015.

McKinsey & Company. 2014. "Education to Employment: Getting Europe's Youth to Work." New York. www.mckinsey.com/insights/social_sector/converting_education_to_employment_in_europe. Accessed 25 June 2015.

McKinsey Global Institute. 2012a. "Manufacturing the Future: The Next Era of Global Growth and Innovation." New York.

ÑÑÑ. 2012b. "The World at Work: Jobs, Pay and Skills for 3.5 Billion People." New York.

ÑÑÑ. 2013. "Disruptive Technologies: Advances That Will Transform Life, Business, and the Global Economy." New York.

ÑÑÑ. 2014. "Global Flows in a Digital Age: How Trade, Finance, People, and Data Connect the World Economy." New York. www.mckinsey.com/insights/globalization/global_flows_in_a_digital_age. Accessed 18 June 2015.

Milken Institute. 2013. "In Tech We Trust? A Debate with Peter Thiel and Marc Andreessen." Milken Institute, Santa Monica, CA.

Miller, C.C. 2014. "Pay Gap Is Because of Gender, Not Jobs." *New York Times*, 23 April. www.nytimes.com/2014/04/24/upshot/the-pay-gap-is-because-of-gender-not-jobs.html. Accessed 3 July 2015.

ÑÑÑ. 2015a. "The 24/7 Work Culture's Toll on Families and Gender Equality." *New York Times*, 28 May. www.nytimes.com/2015/05/31/upshot/the-24-7-work-cultures-toll-on-families-and-gender-equality.html. Accessed 5 August 2015.

ÑÑÑ. 2015b. "Mounting Evidence of Advantages for Children of Working Mothers." *New York Times*, 15 May. www.nytimes.com/2015/05/17/upshot/mounting-evidence-of-some-advantages-for-children-of-working-mothers.html. Accessed 11 August 2015.

Mishel, L., and A. Davis. 2014. "CEO Pay Continues to Rise as Typical Workers Are Paid Less." Issue Brief 380. Economic Policy Institute, Washington, DC.

Mishkin, S. 2014. "Saudi Arabia to Use edX Web Courses to Train Unemployed." *Financial Times*, 15 July. www.ft.com/

intl/cms/s/0/67fe0cb8-0c3d-11e4-943b-00144feabdc0.html. Accessed 22 July 2015.

Montenegro, C., and H. Patrinos. 2014. "Comparable Estimates of Returns to Schooling around the World." Policy Research Working Paper 7020. World Bank, Washington, DC.

Mukherjee, S., and S. Nayyar. 2015. "Aging and the Care Burden: Implications for Developed and Developing Countries." Working Paper. UNDP–HDRO, New York.

Munk, M.R., and R. Rückert. 2015. "To Work or Not Shouldn't Be a Question." *Science* 348(6233): 470. www.sciencemag.org/cgi/pmidlookup?view=long&pmid=25908825. Accessed 29 June 2015.

Nobel Media. 2015. "889 Nobel Laureates since 1901." www.nobelprize.org/nobel_prizes/. Accessed 30 June 2015.

Norwegian Refugee Council and IDMC (Internal Displacement Monitoring Center). 2015. *Global Estimates 2015: People Displaced by Disasters*. Geneva. www.internal-displacement.org/assets/library/Media/201507-globalEstimates-2015/20150713-global-estimates-2015-en-v1.pdf. Accessed 31 July 2015.

Nuzhat, N. 2015. "Mobile Technology towards Human Development." Background think piece for Human Development Report 2015. UNDP–HDRO, New York.

OECD (Organisation for Economic Co-operation and Development). 2007. *Offshoring and Employment: Trends and Impacts*. Paris.

ÑÑÑ. 2013a. *Education at a Glance 2013: OECD Indicators*. Paris.

ÑÑÑ. 2013b. *OECD Skills Outlook 2013: First Results from the Survey of Adult Skills*. Paris.

ÑÑÑ. 2014. *OECD Employment Outlook 2014*. Paris.

ÑÑÑ. 2015a. OECD Family database. Paris. www.oecd.org/social/family/database.htm. Accessed 23 July 2015.

ÑÑÑ. 2015b. OECDStat. http://stats.oecd.org. Accessed 2 July 2015.

ÑÑÑ. 2015c. "Work-Life Balance." www.oecdbetterlifeindex.org/topics/work-life-balance/. Accessed 22 July 2015.

Ortiz, I., and M. Cummins. 2012. "When the Global Crisis and Youth Bulge Collide." Social and Economic Policy Working Paper. United Nations Children's Fund, New York.

Oxfam. 2015. "Wealth: Having It All and Wanting More." Issue Briefing. Oxford, UK. www.oxfam.org/sites/www.oxfam.org/files/file_attachments/ib-wealth-having-all-wanting-more-190115-en.pdf. Accessed 10 July 2015.

Patnaik, A. 2015. "Reserving Time for Daddy: The Short and Long-Run Consequences of Fathers' Quotas." Cornell University, Ithaca, NY. http://ssrn.com/abstract=2475970. Accessed 18 June 2015.

Pearlin, L.I., S. Schieman, E.M. Fazio, and S.C. Meersman. 2005. "Stress, Health, and the Life Course: Some Conceptual Perspectives." *Journal of Health and Social Behavior* 46(2): 205–19.

Pollin, R. 2015. *Greening the Global Economy*. Cambridge, MA: MIT Press.

Pooler, M. 2014. "Crowdworkers Team Up on Pay and Practices." *Financial Times*, 3 November.

Poschen, P. 2015. *Decent Work, Green Jobs and the Sustainable Economy*. Geneva: International Labour Organization. www.ilo.org/global/publications/books/WCMS_373209/lang--en/index.htm. Accessed 1 June 2015.

Prada, M.F., G. Rucci, and S.S. Urzúa. 2015. "The Effects of Mandated Child Care on Female Wages in Chile." Working Paper 21080. National Bureau of Economic Research, Cambridge, MA. www.nber.org/papers/w21080.pdf. Accessed 29 June 2015.

Pratap, S., I. Lobato, and A. Somuano. 2003. "Debt Composition and Balance Sheet Effects of Exchange Rate Volatility in Mexico: A Firm Level Analysis." *Emerging Markets Review* 4(4): 450–71.

The Pregnancy Test. 2014. "Ending Discrimination at Work for New Mothers." Trade Union Congress, London. www.tuc.org.uk/sites/default/files/pregnancytestreport.pdf. Accessed 29 June 2015.

Qiang C., S. Kuek, A. Dymond, and S. Esselaar. 2011. "Mobile Applications for Agriculture and Rural Development." World Bank, Washington, DC. http://siteresources.worldbank.org/INFORMATIONANDCOMMUNICATIONANDTECHNOLOGIES/Resources/MobileApplications_for_ARD.pdf. Accessed 4 June 2015.

Raghuram, P. 2001. "Caste and Gender in the Organisation of Paid Domestic Work in India." *Work, Employment & Society* 15(3): 607–17.

Rakkee, T., and S.K. Sasikumar. 2012. *Migration of Women Workers from South Asia to the Gulf*. New Delhi: V.V. Giri National Labour Institute and UN Women. www.ucis.pitt.edu/global/sites/www.ucis.pitt.edu.global/files/migration_women_southasia_gulf.pdf. Accessed 24 July 2015.

Rodrik, D. 2015a. "Premature Deindustrialization." Working Paper 20935. National Bureau of Economic Research, Cambridge, MA.

ÑÑÑ. 2015b. "Work and Human Development in a De-industrializing World." Background think piece for Human Development Report 2015. UNDP-HDRO, New York.

Rosengren, E. 2013. "Should Full Employment Be a Mandate for Central Banks?" Speech at the Federal Reserve Bank of Boston's 57th Economic Conference on "Fulfilling the Full Employment Mandate – Monetary Policy & The Labor Market," 12 April, Boston, MA.

Ryder, G. 2015. "Labor in the Age of Robots." Project Syndicate, 22 January. www.project-syndicate.org/commentary/labor-in-the-age-of-robots-by-guy-ryder-2015-01. Accessed 15 June 2015.

Salamon, L.M., S.W. Sokolowski, and M.A. Haddock. 2011. "Measuring the Economic Value of Volunteer Work Globally: Concepts, Estimates and a Roadmap to the Future." *Annals of Public and Cooperative* 82(3): 217–52. http://ccss.jhu.edu/wp-content/uploads/downloads/2011/10/Annals-Septmeber-2011.pdf. Accessed 1 July 2015.

Salazar-Xirinachs, J. 2015. "Trends and Disruptions and Their Implication for the Future of Jobs." World Economic Forum, International Business Council, Geneva.

Sayer, L.C. 2015. "The Complexities of Interpreting Changing Household Patterns." Council on Contemporary Families, 7 May. https://contemporaryfamilies.org/complexities-brief-report/. Accessed 29 June 2015.

Schifferes, S. 2002. "Racism at Work: Workers Feel the Effects of Prejudice." BBC. http://news.bbc.co.uk/hi/english/static/in_depth/uk/2002/race/racism_at_work.stm. Accessed 1 July 2015.

Schrank, W. 2003. "Introducing Fisheries Subsidies." Fisheries Technical Paper 437. Food and Agriculture Organization, Rome. www.fao.org/3/a-y4647e.pdf. Accessed 10 June 2015.

Scott, J. 2008. "SLIDES: Threats to Biological Diversity: Global, Continental, Local." Presentation at Summer Conference on Shifting Baselines and New Meridians: Water, Resources, Landscapes, and the Transformation of the American West, 4–6 June, Boulder, CO. http://scholar.law.colorado.edu/cgi/viewcontent.cgi?article=1014&context=water-resources-and-transformation-of-American-West. Accessed 10 June 2015.

Seckan, B. 2013. "Workplace Violence in America: Frequency and Effects." *Journalist's Resources*, 12 May. http://journalistsresource.org/studies/economics/workers/workplace-violence-america-frequency-effects. Accessed 22 July 2015.

Selim, N. 2013. "Innovative Approaches to Job Creation." Background note for World Development Report 2013. World Bank, Washington, DC.

Shannon, K., S.Z. Strathdee, S.M. Goldenberg, P. Duff, P. Mwangi, M. Rusakova, and others. 2015. "Global Epidemiology of HIV among Female Sex Workers: Influence of Structural Determinants." *Lancet* 385(9962): 55–71. www.thelancet.com/journals/lancet/article/PIIS0140-6736(14)60931-4/abstract. Accessed 2 July 2015.

Scheil-Adlung, X. 2015. "Long-term Care Protection for Older Persons: A Review of Coverage Deficits in 46 Countries." ESS Working Paper 50. International Labour Organization, Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---ed_protect/---soc_sec/documents/publication/wcms_407620.pdf. Accessed 8 October 2015.

Shi, L. 2008. "Rural Migrant Workers in China: Scenario, Challenges and Public Policy." Working Paper 89. International Labour Organization, Policy Integration and Statistics Department, Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---dgreports/---integration/documents/publication/wcms_097744.pdf. Accessed 6 August 2015.

Siemens AG. 2015. "Fact Sheet: Amberg Electronics Plant." Munich, Germany. www.siemens.com/press/pool/de/events/2015/corporate/2015-02-amberg/factsheet-amberg-en.pdf. Accessed 3 June 2015.

Singer, S., J.E. Amorós, and D. Moska Arreola. 2015. *Global Entrepreneurship Monitor: 2014 Global Report*. London: Global Entrepreneurship Research Association. www.gemconsortium.org/report. Accessed 18 June 2015.

Skarhed, A. 2010. "Förbud mot köp av sexuell tjänst En utvärdering 1999–2008." Government of Sweden, Stockholm.

Skidelsky, R. 2015. "Minimum Wage or Living Income" Project Syndicate, 16 July. www.project-syndicate.org/commentary/basic-income-tax-subsidies-minimum-wage-by-robert-skidelsky-2015-07. Accessed 20 July 2015.

Smale, A., and C.C. Miller. 2015. "Germany Sets Gender Quota in Boardrooms." *New York Times*, 6 March.

Smeaton, D., K. Ray, and G. Knight. 2014. "Costs and Benefits to Business of Adopting Work Life Balance Working Practices: A Literature Review." UK Department for Business, Innovation and Skills, London. http://www.psi.org.uk/images/uploads/bis-14-903-costs-and-benefits

-to-business-of-adopting-work-life-balance-working-practices-a-literature-review.pdf. Accessed 4 September 2015.

Soares, S. 2012. "Bolsa Família, Its Design, Its Impacts and Possibilities for the Future." Working Paper 89. International Policy Center for Inclusive Growth, Brasilia.

Social Tech Guide. 2015. "Project Details: 3D Hubs." http://socialtech.org.uk/projects/3d-hubs/. Accessed 4 June 2015.

Statista. 2014. "Statistics and Facts on Internet Usage in India." www.statista.com/topics/2157/internet-usage-in-india/. Accessed 2 June 2015.

ÑÑÑ. 2015. "Distribution of Internet Users in China from December 2012 to December 2014, by Gender." www.statista.com/statistics/265148/percentage-of-internet-users-in-china-by-gender/. Accessed 25 June 2015.

Steffen, W., K. Richardson, J. Rockström, S. Cornell, I. Fetzer, E. Bennett, and others. 2015. "Planetary Boundaries: Guiding Human Development on a Changing Planet." *Science* 347(6223). www.sciencemag.org/content/347/6223/1259855.abstract. Accessed 26 May 2015.

Stevens, G. 2012. "Women in Architecture 1: First Thoughts." Architectural Blatherations blog. www.archsoc.com/kcas/ArchWomen.html. Accessed 16 April 2012.

Stewart, F. 2015. "Employment in Conflict and Post-Conflict Situations." Background think piece for Human Development Report 2015. UNDP–HDRO, New York.

Stiglitz, J. 2015. *The Great Divide*. New York: W.W. Norton and Company.

Stockhammer, E. 2013. "Why Have Wage Shares Fallen? A Panel Analysis of the Determinants of Functional Income Distribution. Conditions of Work and Employment 35. International Labour Organization, Geneva.

Strietska-Ilina, O., C. Hofmann, M. Durán Haro, and S. Jeon. 2011. *Skills for Green Jobs: A Global View.* Geneva: International Labour Organization. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---dgreports/---dcomm/---publ/documents/publication/wcms_159585.pdf. Accessed 28 May 2015.

Suhoy T. 2009. "Query Indices and a 2008 Downturn: Israeli Data." Discussion Paper 2009.06. Bank of Israel, Jerusalem. www.bankisrael.gov.il/deptdata/mehkar/papers/dp0906e.pdf. Accessed 5 June 2015 .

Surowiecki, J. 2008. "The Open Secret of Success." *New Yorker*, 12 May.

Suwala, W. 2010. "Lessons Learned from the Restructuring of Poland's Coal-mining Industry." International Institute for Sustainable Development, Winnipeg, Canada.

Swanson, B., and K. Davis. 2014. "Status of Agricultural Extension and Rural Advisory Services Worldwide." Global Forum for Rural Advisory Services, Lindau, Switzerland. www.g-fras.org/images/wwes/GFRAS-Status_of_Rural_Advisory_Services_Worldwide.pdf. Accessed 20 July 2015.

Tal, B. 2015. "Canadian Employment Quality Index: Employment QualityÑTrending Down." Canadian Imperial Bank of Commerce. Toronto, Canada. http://research.cibcwm.com/economic_public/download/eqi_20150305.pdf. Accessed 1 July 2015.

Tate, R. 2013. "Google Couldn't Kill 20 Percent Time Even If It Wanted To." *Wired*, 21 August. www.wired.com/2013/08/20-percent-time-will-never-die/. Accessed 3 June 2015.

Tcherneva, P. 2014. "The Social Enterprise Model for a Job Guarantee in the United States." Policy Note Archive 2014/1. Levy Economics Institute of Bard College, Annandale-on-Hudson, New York.

Timmer, M.P, G.J. de Vries, and K. de Vries. 2014a. "Patterns of Structural Change in Developing Countries." Research Memorandum 149. Groningen Growth and Development Centre, Groningen, The Netherlands.

Timmer, M.P., A.A. Erumban, B. Los, R. Stehrer, and G.J. de Vries. 2014b. "Slicing Up Global Value Chains." *Journal of Economic Perspectives* 28(2): 99–118.

Tokman, V. 2010. "Domestic Workers in Latin America: Statistics for new policies." Working Paper (Statistics) 17. Women in Informal Employment Globalizing and Organizing, Cambridge, MA. http://wiego.org/sites/wiego.org/files/publications/files/Tokman_WIEGO_WP17.pdf. Accessed 30 June 2015.

Turkish Statistical Institute. 2015. "Information and Communication Technology (ICT) Usage in Households and by Individuals." Ankara. www.turkstat.gov.tr/PreTablo.do?alt_id=1028. Accessed 20 June 2015.

TWC2 (Transient Workers Count Too). 2011. "Fact Sheet: Foreign Domestic Workers in Singapore (Basic Statistics)." https://twc2.org.sg/2011/11/16/fact-sheet-foreign-domestic-workers-in-singapore-basic-statistics/. Accessed 30 June 2015.

UK Cabinet Office. 2013. "Subjective Wellbeing and Employment: Analysis of the Annual Population Survey (APS) Wellbeing Data, Apr-Oct 2011." London. www.gov.uk/government/uploads/system/uploads/attachment_data/file/225510/subjective_wellbeing_employment.pdf. Accessed 6 August 2015.

UN (United Nations). 2000a. "Resolution 1325 (2000)." S/RES/1325, 31 October. http://daccess-dds-ny.un.org/doc/UNDOC/GEN/N00/720/18/PDF/N0072018.pdf. Accessed 29 June 2015.

ÑÑÑ. 2000b. "United Nations Millennium Declaration." Resolution 55/2 adopted by the General Assembly, 8 September, New York. www.un.org/millennium/declaration/ares552e.htm. Accessed 16 June 2015.

ÑÑÑ. 2012a. "Education and Skills for Inclusive Sustainable Development beyond 2015." Thematic Think Piece. UN System Task Team on the Post-2015 UN Development Agenda. New York. www.un.org/millenniumgoals/pdf/Think%20Pieces/4_education.pdf. Accessed 1 July 2015.

ÑÑÑ. 2012b. "The Future We Want." Resolution 66/288 adopted by the General Assembly, 27 July. New York. www.un.org/ga/search/view_doc.asp?symbol=A/RES/66/288&Lang=E. Accessed 1 July 2015.

ÑÑÑ. 2014. *A World That Counts: Mobilising the Data Revolution for Sustainable Development.* New York. www.undatarevolution.org/report/. Accessed 25 June 2015.

ÑÑÑ. 2015a. "Achieving Sustainable Development through Employment Creation and Decent Work for All." Background Note. New York. www.un.org/en/africa/osaa/pdf/events/20150330/backgrounder.pdf. Accessed 25 June 2015.

ÑÑÑ. 2015b. *The Millennium Development Goals Report 2015.* New York. www.un.org/millenniumgoals/2015_MDG_Report/pdf/MDG%202015%20rev%20(July%201).pdf. Accessed 30 July 2015.

ÑÑÑ. 2015c. "Transforming Our World: The 2030 Agenda for Sustainable Development." New York.

UN (United Nations), World Bank, European Union, and African Development Bank. 2015. *Recovering from the Ebola Crisis.* Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---dgreports/---dcomm/---publ/documents/publication/wcms_359364.pdf. Accessed 20 July 2015.

UN Global Pulse. 2013. "Big Data for Development: A Primer." www.unglobalpulse.org/sites/default/files/Primer%202013_FINAL%20FOR%20PRINT.pdf. Accessed 20 June 2015.

UN Volunteers. 2011. *State of the World's Volunteerism Report: Universal Values for Global Well-being.* New York: United Nations Development Programme. www.unv.org/fileadmin/docdb/pdf/2011/SWVR/English/SWVR2011_full.pdf. Accessed 20 July 2015.

ÑÑÑ. 2014. "UNV Online Volunteering Service." www.onlinevolunteering.org/en/vol/about/index.html. Accessed 20 July 2015.

UN Women. 2012a. *Estimating the Costs of Domestic Violence against Women in Viet Nam.* Hanoi. www.unwomen.org/~/media/headquarters/attachments/sections/library/publications/2013/2/costing-study-viet-nam%20pdf.pdf. Accessed 4 June 2015.

ÑÑÑ. 2012b. "Women's Participation in Peace Negotiations: Connections between Presence and Influence." In *UN Women Sourcebook on Women, Peace and Security.* New York.

ÑÑÑ. 2014. "Facts and Figures: Ending Violence against Women: A Pandemic in Diverse Forms." www.unwomen.org/en/what-we-do/ending-violence-against-women/facts-and-figures. Accessed 4 June 2015.

ÑÑÑ. 2015. *Progress of the World's Women 2015-2016: Transforming Economies, Realizing Rights.* New York. http://progress.unwomen.org/en/2015/pdf/UNW_progressreport.pdf. Accessed 20 July 2015.

UN WomenWatch. 2009. "Fact Sheet: Women, Gender Equality and Climate Change." www.un.org/womenwatch/feature/climate_change/. Accessed 16 October 2015.

UNAIDS (Joint United Nations Programme on HIV and AIDS). 2012. *UNAIDS Guidance Note on HIV and Sex Work.* Geneva. www.unaids.org/sites/default/files/sub_landing/files/JC2306_UNAIDS-guidance-note-HIV-sex-work_en.pdf. Accessed 2 July 2015.

ÑÑÑ. 2015. *How AIDS Changed EverythingÑMDG6: 15 Years, 15 Lessons of Hope from the AIDS Response.* Geneva. www.unaids.org/en/resources/documents/2015/MDG6_15years-15lessonsfromtheAIDSresponse. Accessed 28 May 2015.

UNCTAD (United Nations Conference on Trade and Development). 2014. *Services: New Frontier for Sustainable Development.* Geneva.

ÑÑÑ. 2015. UNCTADStat database. http://unctadstat.unctad.org/wds/ReportFolders/reportFolders.aspx. Accessed 2 June 2015.

UNDESA (United Nations Department of Economic and Social Affairs). 2012. "World Population 2012." New York. www.un.org/en/development/desa/population/publications/pdf/trends/WPP2012_Wallchart.pdf. Accessed 20 May 2015.

ÑÑÑ. 2013a. *International Migration Report 2013.* New York. www.un.org/en/development/desa/population/publications/pdf/migration/migrationreport2013/Full_Document_final.pdf. Accessed 20 August 2015.

ÑÑÑ. 2013b. *World Population Prospects: The 2012 Revision. Volume II: Demographic Profiles.* New York. http://esa.un.org/wpp/Documentation/pdf/WPP2012_Volume-II-Demographic-Profiles.pdf. Accessed 4 June 2015.

ÑÑÑ. 2015. *World Population Prospects: The 2015 Revision.* New York. http://esa.un.org/unpd/wpp/Publications/Files/Key_Findings_WPP_2015.pdf Accessed 30 July 2015.

UNDP (United Nations Development Programme). 1994. *Human Development Report 1994.* New York.

ÑÑÑ. 1995. *Human Development Report 1995.* New York.

ÑÑÑ. 2011. *Human Development Report 2011: Sustainability and Equity: A Better Future for All.* New York.

ÑÑÑ. 2012a. *Africa Human Development Report 2012: Towards a Food Secure Future.* New York. www.undp.org/content/dam/undp/library/corporate/HDR/Africa%20HDR/UNDP-Africa%20HDR-2012-EN.pdf. Accessed 4 June 2015.

ÑÑÑ. 2012b. *Malaysia National Human Development Report 2012.* Kuala Lumpur.

ÑÑÑ. 2012c. *Somalia National Human Development Report: Empowering Youth for Peace and Development.* Nairobi. http://hdr.undp.org/sites/default/files/reports/242/somalia_report_2012.pdf. Accessed 31 July 2015.

ÑÑÑ. 2012d. *National Human Development Report: Tajikistan: Institutions and Development.* Dushanbe.

ÑÑÑ. 2013a. *Accelerating Progress: Sustaining Results.* New York.

ÑÑÑ. 2013b. *Humanity Divided: Confronting Inequality in Developing Countries.* New York. www.undp.org/content/dam/undp/library/Poverty%20Reduction/Inclusive%20development/Humanity%20Divided/HumanityDivided_Full-Report.pdf. Accessed 25 June 2015.

ÑÑÑ. 2013c. *National Human Development Report 2013: People Are the Real Wealth of the Country: How Rich Is Montenegro?* Podgorica. www.me.undp.org/content/dam/montenegro/docs/publications/NHDR/NHDR2013/NHDR%202013%20ENG.pdf. Accessed 8 June 2015.

ÑÑÑ. 2013d. "Self-Employment Success Stories." Republic of Macedonia, Employment Service Agency, Podgorica. www.mk.undp.org/content/dam/the_former_yugoslav_republic_of_macedonia/docs/SuccessStories_fullPreview.pdf. Accessed 8 June 2015.

ÑÑÑ. 2014a. "How the Private Sector Develops Skills Lessons from Turkey." Istanbul International Center for Private Sector in Development, Ankara.

ÑÑÑ. 2014b. *Human Development Report 2014: Sustaining Human Progress: Reducing Vulnerabilities and Building Resilience.* New York. http://hdr.undp.org/sites/default/files/hdr14-report-en-1.pdf. Accessed 16 July 2015.

ÑÑÑ. 2014c. *National Human Development Report 2014: Good Corporate Citizens: Public and Private Goals Aligned for Human Development.* Chisinau. http://hdr.undp.org/sites/default/files/engleza_final.pdf. Accessed 21 July 2015.

ÑÑÑ. 2014d. *Nepal Human Development Report 2014.* Kathmandu. http://hdr.undp.org/sites/default/files/nepal_nhdr_2014-final.pdf. Accessed 21 July 2015.

ÑÑÑ. 2014e. *Roman Poverty from a Human Development Perspective.* New York. www.eurasia.undp.org/content/dam/rbec/docs/roma%20poverty%20from%20a%20human%20development%20perspective.pdf. Accessed 31 July 2015.

ÑÑÑ. 2015a. *National Human Development Report 2014: Ethiopia: Accelerating Inclusive Growth for Sustainable Human Development in Ethiopia.* http://hdr.undp.org/sites/default/files/nhdr2015-ethiopia-en.pdf. Accessed 7 July 2015.

ÑÑÑ. 2015b. "Integrated Results and Resources Framework." Annex II in *Report of the Administrator on the Strategic Plan: Performance and Results for 2014.* Presented in Annual Session, June. www.undp.org/content/dam/undp/library/corporate/Executive%20Board/2015/Annual-session/English/dp2015-11_Annexes%20I%20II%20and%20III.docx. Accessed 16 October 2015.

UNECE (United Nations Economic Commission for Europe) Expert Group on Measuring Quality of Employment. 2012. "Statistical Framework for Measuring Quality of Employment." Draft revised after the Expert Group meeting on 22–23 November. www.unece.org/fileadmin/DAM/stats/documents/ece/ces/ge.12/2013/Statistical_framework_for_measuring_quality_of_employment.pdf. Accessed 1 July 2015.

UNEP (United Nations Environment Programme), ILO (International Labour Organization), IOE (International Organization of Employers), and ITUC (International Trade Union Confederation). 2008. *Green Jobs: Towards Decent Work in a Sustainable, Low-carbon World.* Nairobi. www.unep.org/PDF/UNEPGreenjobs_report08.pdf. Accessed 18 May 2015.

UNESCO (United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization). 2013a. "Literacy for All Remains an Elusive Goal, New UNESCO Data Shows." UNESCO Media Services, 5 September. www.unesco.org/new/en/media-services/single-view/news/literacy_for_all_remains_an_elusive_goal_new_unesco_data_shows/#.VawSjflVikp. Accessed 20 May 2015.

ÑÑÑ. 2013b. "UNESCO: Half of All Out-of-school Children Live in Conflict-affected Countries." UNESCO Media Services, 11 July. www.unesco.org/new/en/media-services/single-view/news/unesco_half_of_all_out_of_school_children_live_in_conflict_affected_countries/#.VXCzU89Viko. Accessed 20 May 2015.

ÑÑÑ. 2014. *EFA Global Monitoring Report 2013/4: Teaching and Learning: Achieving Quality for All.* Paris. http://unesco.nl/sites/default/files/dossier/gmr_2013-4.pdf. Accessed 17 June 2015.

ÑÑÑ. 2015. "A Complex Formula: Girls and Women in Science, Technology, Engineering and Mathematics in Asia." Bangkok. http://unesdoc.unesco.org/images/0023/002315/231519e.pdf. Accessed 17 June 2015.

UNESCO (United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization) Institute for Statistics. 2015. UIS.Stat. http://data.uis.unesco.org. Accessed 17 June 2015.

UNESCO (United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization) and UNDP (United Nations Development Programme). 2013. *Creative Economy Report 2013 Special Edition: Widening Local Development Pathways.* Paris.

UNFPA (United Nations Population Fund) and HelpAge International. 2012. *Ageing in the Twenty-First Century: A Celebration and a Challenge.* New York and London. www.unfpa.org/sites/default/files/pub-pdf/Ageing%20report.pdf. Accessed 11 August 2015.

United States Equal Employment Opportunity Commission. 2014. "Charge Statistics. FY 1997 through FY 2014." http://eeoc.gov/eeoc/statistics/enforcement/charges.cfm. Accessed 1 July 2015.

United Workers Congress. n.d. "Domestic Workers." www.unitedworkerscongress.org/domestic-workers.html. Accessed 30 June 2015.

UNODC (United Nations Office on Drugs and Crime). 2012. *Global Report on Trafficking in Persons 2012.* Vienna. www.unodc.org/documents/data-and-analysis/glotip/Trafficking_in_Persons_2012_web.pdf. Accessed 6 August 2015.

USAID (United States Agency for International Development). 2013. *USAID Mekong ARCC Climate Change Impact and Adaptation Study for the Lower Mekong Basin: Main Report.* Bangkok: Regional Development Mission for Asia. http://mekongarcc.net/sites/default/files/mekong_arcc_main_report_printed_-_final.pdf. Accessed 15 June 2015.

USPTO (United States Patent and Trademark Office). 2015. Statistical database. www.uspto.gov/learning-and-resources/statistics. Accessed 9 June 2015.

Uthoff, A. 2015. "Reforma al Sistema de Pensiones Chileno." Serie Financiamiento para el Desarrollo 240. http://repositorio.cepal.org/bitstream/handle/11362/5221/S1100849_es.pdf?sequence=1. Accessed 23 January 2015.

Vanek, J., M.A. Chen, F. Carré, J. Heintz, and R. Hussmanns. 2014. "Statistics on the Informal Economy: Definitions, Regional Estimates and Challenges." Working Paper (Statistics) 2. Women in Informal Employment Globalizing and Organizing, Cambridge, MA. http://wiego.org/sites/wiego.org/files/publications/files/Vanek-Statistics-WIEGO-WP2.pdf. Accessed 29 June 2015.

Villena, M.G., R. Sanchez, and E. Rojas. 2011. "Unintended Consequences of Childcare Regulation in Chile: Evidence from a Regression Discontinuity Design." Munich Personal RePEc Archive. http://mpra.ub.uni-muenchen.de/62096/1/MPRA_paper_62096.pdf. Accessed 29 June 2015.

Vissa, B. 2015. "Entrepreneurial Skills for Social Good." *FT Wealth*, 5 July 2015.

Vodopivec, M., and N. Arunatilake. 2008. "Population Ageing and the Labor Market: The Case of Sri Lanka." SP Discussion Paper 821. World Bank, Washington, DC. http://siteresources.worldbank.org/SOCIALPROTECTION/Resources/SP-Discussion-papers/Labor-Market-DP/0821.pdf. Accessed 5 August 2015.

Walk Free Foundation. 2015. *The Global Slavery Index 2014.* Dalkeith, Australia. http://d3mj66ag90b5fy.cloudfront.net/wp-content/uploads/2014/11/Global_Slavery_Index_2014_final_lowres.pdf. Accessed 18 June 2015.

Walker, R. 2013. "The Transitional Costs of Sectoral Reallocation: Evidence from the Clean Air Act and the Workforce." *Quarterly Journal of Economics* 128(4): 1787–1835.

Warhurst, C., F. Carré, P. Findlay, and C. Tilly. 2012. *Are Bad Jobs Inevitable?* Basingstoke, UK: Palgrave Macmillan.

WEF (World Economic Forum). 2012a. "The Future of Manufacturing: Opportunities to Drive Economic Growth." Geneva. http://www3.weforum.org/docs/

WEF_MOB_FutureManufacturing_Report_2012.pdf. Accessed 6 July 2015.

ÑÑÑ. 2012b. *The Global Competitiveness Report 2012-2013*. Geneva.

ÑÑÑ. 2014. *Global Gender Gap Report 2014*. Geneva. http://reports.weforum.org/global-gender-gap-report-2014/. Accessed 4 June 2015.

ÑÑÑ. 2015. *Global Risks 2015, 10th Edition*. Geneva. www.weforum.org/risks. Accessed 20 July 2015.

West, P., J. Gerber, P. Engstrom, N. Mueller, K. Brauman, K. Carlson, and others. 2014. "Leverage Points for Improving Global Food Security and the Environment." *Science* 345: 325–28.

WFP (World Food Programme). 2015. "Senegal: Building Sustainable School Meal Programmes." 6 May. www.wfp.org/stories/cash-vouchers-changing-students-lives-senegal. Accessed 2 June 2015.

WHO (World Health Organization). 2003. "Climate Change and Human Health: Risks and Responses." www.who.int/globalchange/summary/en/. Accessed 18 June 2015.

ÑÑÑ. 2005. "The WHO Framework Convention on Tobacco Control: An Overview." www.who.int/fctc/about/WHO_FCTC_summary_January2015.pdf. Accessed 12 June 2015.

ÑÑÑ. 2013. *Global and Regional Estimates of Violence against Women*. Geneva. http://apps.who.int/iris/bitstream/10665/85239/1/9789241564625_eng.pdf. Accessed 4 June 2015.

ÑÑÑ. 2014. "Health Workforce 2030: Towards a Global Strategy on Human Resources for Health." Global Health Workforce Alliance Synthesis Paper of the Thematic Working Groups. Geneva. www.who.int/workforcealliance/media/news/2014/public_consultations_GHWA_Synthesis_Paper_Towards_GSHRH_21Jan15.pdf. Accessed 4 June 2015.

ÑÑÑ. 2015a. "Household Air Pollution and Health." Fact Sheet 292. Geneva. www.who.int/mediacentre/factsheets/fs292/en/. Accessed 8 July 2015.

ÑÑÑ. 2015b. "Noncommunicable Diseases." Fact sheet. www.who.int/mediacentre/factsheets/fs355/en/. Accessed 8 July 2015.

WHO (World Health Organization) and World Bank. 2011. *World Report on Disability*. Geneva. www.who.int/disabilities/world_report/2011/report.pdf. Accessed 30 June 2015.

WIEGO (Women in Informal Employment Globalizing and Organizing) and ILO (International Labour Organization). 2013. *Women and Men in the Informal Economy: A Statistical Picture*. 2nd Edition. Cambridge, MA, and Geneva. www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---dgreports/---stat/documents/publication/wcms_234413.pdf. Accessed 29 June 2014.

Wikipedia. 2015. "Wikipedia:About." https://en.wikipedia.org/wiki/Wikipedia:About. Accessed 2 June 2015.

Wilson, R.A. 2010. *Skills Supply and Demand in Europe: Medium-term Forecast up to 2020*. Luxembourg: Publications Office of the European Union.

WIOD (World Input-Output Database). 2014. World Input-Output Database www.wiod.org/new_site/data.htm Accessed 26 June 2015.

WIPO (World Intellectual Property Organization). 2015. Statistics database. www.wipo.int/ipstats/en/. Accessed 3 June 2015.

WMO (World Meteorological Organization). 2014. *The Impact of Climate Change: Migration and Cities in South America*. Geneva. www.wmo.int/bulletin/en/content/impact-climate-change-migration-and-cities-south-america. Accessed 12 May 2015.

World Bank. 2002. "Improving Livelihoods on Fragile Lands." In *World Development Report 2003: Sustainable Development in a Dynamic World: Transforming Institutions, Growth, and Quality of Life*. Washington, DC. http://elibrary.worldbank.org/doi/abs/10.1596/0821351508_Chapter4. Accessed 30 June 2015.

ÑÑÑ. 2011. *World Development Report 2011: Conflict, Security and Development*. Washington, DC. http://siteresources.worldbank.org/INTWDRS/Resources/WDR2011_Full_Text.pdf. Accessed 6 August 2015.

ÑÑÑ. 2012. "Enterprise Surveys." www.enterprisesurveys.org. Accessed 22 June 2015.

ÑÑÑ. 2013. "Three Quarters of the World's Poor are Unbanked." 19 April. http://go.worldbank.org/72MAKHBAM0. Accessed 20 May 2015.

ÑÑÑ. 2014a. Global Findex Database. http://datatopics.worldbank.org/financialinclusion/. Accessed 10 August 2015.

ÑÑÑ. 2014b. World Development Indicators database. http://data.worldbank.org/data-catalog/world-development-indicators. Accessed 5 June 2015.

ÑÑÑ. 2015a. *Ending Poverty and Hunger by 2030: An Agenda for the Global Food System*. Washington, DC. http://www-wds.worldbank.org/external/default/WDSContentServer/WDSP/IB/2015/06/03/090224b082eed2bb/2_0/Rendered/PDF/Ending0poverty0e0global0food0system.pdf. Accessed 8 July 2015.

ÑÑÑ. 2015b. *Global Monitoring Report 2014/2015: Ending Poverty and Sharing Prosperity*. Washington, DC. www.worldbank.org/content/dam/Worldbank/gmr/gmr2014/GMR_2014_Full_Report.pdf. Accessed 15 June 2015.

ÑÑÑ. 2015c. "Migration and Remittances: Recent Development and Outlook: Special Topic: Financing for Development." Migration and Development Brief 24. Washington, DC. http://siteresources.worldbank.org/INTPROSPECTS/Resources/334934-1288990760745/MigrationandDevelopmentBrief24.pdf. Accessed 17 September 2015.

ÑÑÑ. 2015d. "Overview." www.worldbank.org/en/topic/urbandevelopment/overview. Accessed 8 July 2015.

ÑÑÑ. 2015e. "Remittances Growth to Slow Sharply in 2015, as Europe and Russia Stay Weak; Pick Up Expected Next Year." Press release, 13 April. Washington, DC. www.worldbank.org/en/news/press-release/2015/04/13/remittances-growth-to-slow-sharply-in-2015-as-europe-and-russia-stay-weak-pick-up-expected-next-year. Accessed 22 July 2015.

ÑÑÑ. 2015f. World Development Indicators database. http://data.worldbank.org/data-catalog/world-development-indicators. Accessed 15 June 2015.

World Commission on Environment and Development. 1987. *Our Common Future*. New York: Oxford University Press.

World Values Survey. 2014. Wave 6. www.worldvaluessurvey.org/wvs.jsp. Accessed 12 June 2015.

WRI (World Resources Institute). 2014. *Creating a Sustainable Food Future*. Washington, DC. www.wri.org/sites/default/files/wri13_report_4c_wrr_online.pdf. Accessed 20 June 2015.

Wyne, J. 2014. "The Next Step: Breaking Barriers to Scale for MENA's Entrepreneurs." Wamda Research Lab, Beirut.

Yang, S., and L. Zheng. 2011. "The Paradox of Decoupling: A Study of Flexible Work Programs and Workers' Productivity." *Social Science Research* 40(1): 299–311. www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0049089X10000761. Accessed 29 June 2015.

Yishay, A., and A. Mobarak. 2014. "Social Learning and Communication." Working Paper 20139. National Bureau of Economic Research, Cambridge, MA. www.nber.org/papers/w20139. Accessed 18 May 2015.

Yunus, M. 2009. *Creating a World without Poverty: Social Business and the Future of Capitalism*. New York: Public Affairs.

Zabriskie, R.B., and B.P. McCormick. 2001. "The Influences of Family Leisure Patterns on Perceptions of Family Functioning." *Family Relations* 50(3): 281–89.

Zepeda, E., S. McDonald, M. Panda, and G. Kumar. 2013 *Employing India. Guaranteeing Jobs for the Rural Poor*. Washington, DC: Carnegie Endowment for International Peace.

Zufiria, P., D. Pastor-Escuredo, L. Úbeda-Medina, M. Hernández-Medina, I. Barriales-Valbuena, A. Morales, and others. 2015. "Mobility Profiles and Calendars for Food Security and Livelihoods Analysis." D4D Challenge proceedings, Netmob 2015. www.unglobalpulse.org/sites/default/files/UNGP%20Case%20Study_D4D%20Mobility_2015.pdf. Accessed 15 July 2015.

सांख्यिकीय संलग्नक

पाठकों के लिए मार्गदर्शिका 203

सांख्यिकीय सारणियाँ

मानव विकास सूचकांक

1 मानव विकास सूचकांक और इसके संघटक 208
2 मानव विकास सूचकांक के रुझान 1990–2014 212
3 असमानता-समायोजित मानव विकास सूचकांक 216
4 लैंगिक विकास सूचकांक 220
5 लैंगिक असमानता सूचकांक 224
6 बहुआयामी निर्धनता सूचकांक : विकासशील देश 228
7 बहुआयामी निर्धनता सूचकांक : समय के साथ बदलाव 230

मानव विकास सूचक

8 जनसंख्या का रुझान 234
9 स्वास्थ्य परिणाम 238
10 शैक्षिक उपलब्धियां 242
11 राष्ट्रीय आय और संसाधनों का संयोजन 246
12 पर्यावरणीय संवहनीयता 250
13 कार्य और रोजगार 254
14 मानव सुरक्षा 258
15 अंतर्राष्ट्रीय एकीकरण 262
16 पूरक सूचकांक : कल्याण की अवधारणा 266

क्षेत्र 270

सांख्यिकीय संदर्भ 271

पाठकों के लिए मार्गदर्शिका

इस अनुलग्नक में 16 सांख्यिकीय सारणियों के साथ अध्याय 2, 4 और 6 के बाद उपलब्ध सांख्यिकीय सारणी मानव विकास के प्रमुख पहलुओं का सिंहावलोकन प्रस्तुत करती है। प्रथम सात सारणियों में मिश्रित मानवीय विकास सूचकांक के वर्ग और मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय (एचडीआरओ) द्वारा आकलित उनके घटक शामिल हैं। बाकी सारणियां मानव विकास से संबंधित सूचकों का वृहद समूह प्रस्तुत करती है।

जब तक या अन्यथा टिप्पणियों में निर्दिष्ट किया हो, इन सारणियों में एचडीआरओ को 15 अप्रैल, 2015 तक उपलब्ध आंकड़ों का उपयोग किया गया है। सभी सूचकों के समेत मिश्रित सूचकांकों की गणना की तकनीकी टिप्पणियों और अतिरिक्त स्रोतों के बारे में जानकारी ऑनलाइन http://hdr-undp-org/en/data पर उपलब्ध हैं।

देशों और अंचलों को उनके 2014 के मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) मानों के अनुसार श्रेणीबद्ध किया गया है। सुदृढ़ता और विश्वसनीयता विश्लेषण ने दर्शाया है कि अधिकतर देशों के लिए एचडीआई मान में अंतर दशमलव के चौथे स्थान के बाद सांख्यिकीय दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं है।[1] इसी कारण से जिन देशों के एचडीआई मान दशमलव के तीसरे स्थान पर समान हैं, उन्हें उनकी सहबद्ध श्रेणी (tied ranks) के अनुसार श्रेणीबद्ध किया गया है।

स्रोत तथा परिभाषाएं

जब तक या अन्यथा टिप्पणियों में निर्दिष्ट किया हो, एचडीआरओ अंतर्राष्ट्रीय डाटा एजेंसियों के आंकड़ों का उपयोग करता है, जो निर्दिष्ट सूचकांकों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आंकड़े एकत्र करने के लिए अधिकृत, संसाधन संपन्न होती हैं तथा इस काम को करने के लिए विशेषज्ञ हैं।

प्रत्येक सारणी के अंत में सूचकांकों की परिभाषाएं तथा मूलभूत आंकड़ों के स्रोतों के बारे में जानकारी दी गई है और स्रोतों की विस्तृत जानकारी सांख्यिकीय संदर्भ शीर्षक में दी गई है।

क्रय शक्ति समता के आधार पर प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय सकल आय

विभिन्न देशों की आय के आधार पर जीवन स्तरों की तुलना करने के लिए में राष्ट्रीय मूल्य स्तरों के अंतर को दूर करना आवश्यक है इसके लिए एचडीआई का आय वाला घटक प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) को क्रय शक्ति समता (पीपीपी) में बदलकर उसका उपयोग करता है।

इंटरनेशनल कम्पैरिजन प्रोग्राम (आईसीपी) सर्वेक्षण दुनिया का सबसे बड़ा सांख्यिकीय उपक्रम है, जिसके द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तुलनात्मक मूल्य स्तर, वास्तविक रुप में आर्थिक समुच्चय और पीपीपी का आकलन किया जाता है। 2011 में आईसीपी द्वारा 190 देशों के सर्वे, के आकलनों का उपयोग 2014 के एचडीआई मानों की गणना के लिए किया गया था।

कार्यप्रणाली का अद्यतन

2015 रिपोर्ट में मानव विकास सूचकांक के परिवार से सभी मिश्रित सूचकांकों को रहने दिया है-जैसे एचडीआई, असमानता -समायोजित मानव विकास सूचकांक, लैंगिक विकास सूचकांक, लैंगिक असमानता सूचकांक और बहुआयामी निर्धनता सूचकांक। इन सूचकांकों की गणना के लिए उपयोग होने वाली कार्यप्रणाली वही है, जिसका उपयोग 2014 रिपोर्ट में किया गया था। विस्तृत जानकारी के लिए http://hdr-undp-org पर तकनीकी टिप्पणी 1-5 देखें।

समय साक्षेप तथा रिपोर्ट के संस्करणों पर आधारित तुलनाएं

चूंकि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां लगातार अपने आंकड़ों की श्रृंखलाओं कों सुधारती रहती हैं, इसलिए इस रिपोर्ट में प्रस्तुत आंकड़ों की-इसमें एचडीआई मान और श्रेणीक्रम शामिल हैं-तुलना पिछले संस्करणों में प्रकाशित आंकड़ों से नहीं की जा सकती। वर्षों और देशों पर आधारित एचडीआई की तुलना के लिए सारणी 2 देखें, जो लगातार आंकड़ों का उपयोग करते हुए वर्तमान प्रवृति दर्शाती है।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय आकलनों में विसंगतियां

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आंकड़ों के आकलनों में कई बार असमानता हो सकती हैं क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां विभिन्न देशों के राष्ट्रीय आंकड़ों को तुलनात्मक बनाने के लिए अनुरुपीकरण (Harmonization) पद्धितियों का उपयोग करती हैं, बहुधा अनुपलब्ध आंकड़ों के अनुमान भी प्रस्तुत करती हैं, या फिर अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों को एक दम हाल के राष्ट्रीय आंकड़े उपलब्ध नहीं हो पाते। जब एचडीआरओ इन विसंगतियों से अवगत होता है तो वह इन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आंकड़ा प्राधिकारियों के संज्ञान में लाता है।

देशों का समूहीकरण और समुच्चय

सारणियों में अनेक देश समूहों के लिए भारित समुच्चय प्रस्तुत किए गए हैं। सामान्यत:, समुच्चय को केवल तभी प्रस्तुत किया जाता है, जब कम से कम आधे देशों के प्रासंगिक आंकड़े उपलब्ध हों और वह उस वर्गीकरण में कम से कम दो-तिहाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करे। प्रत्येक वर्गीकरण के समुच्चय में उन देशों का प्रतिनिधित्व होता है, जिनके लिए आंकड़े उपलब्ध हैं।

मानव विकास वर्गीकरण

एचडीआई वर्गीकरण एचडीआई के निश्चित निर्दिष्ट बिंदुओं पर आधारित होता है, जो संकेतकों के वितरणो के चतुर्थांश पर आधारित हैं। यह निर्दिष्ट बिंदु निम्न मानव विकास के लिए 0.550 से कम एचडीआई, मध्यम मानव विकास के लिए 0.550-0.699, उच्च मानव विकास के लिए 0.700-0.799 और बहुत अधिक मानव विकास के लिए 0.800 या उससे अधिक होते हैं।

क्षेत्रीय समूहीकरण

देशों को क्षेत्रों में समूहीकृत करने के लिए संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के क्षेत्रीय वर्गीकरण को आधार बनाया हैं। अल्पविकसित देशों और छोटे द्विपीय विकासशील देशों को संयुक्त राष्ट्र वर्गीकरण के आधार पर परिभाषित किया गया है (www.unohrlls.org देखें)।

विकासशील देश

विकासशील देशों के रूप में वर्गीकृत देशों के समूह के लिए समुच्चय दिए जाते हैं।

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन के 34 सदस्यों के लिए समुच्चय प्रस्तुत किए जाते हैं, इसमें 31 विकसित देश और 3 विकासशील देश हैं। समुच्चय में समूह के वे सभी देश आते हैं, जिनके लिए आंकड़े उपलब्ध हैं।

देश के बारे में टिप्पणी

चीन के आंकड़ों में हाँग काँग स्पेशल एडमिनिस्ट्रेशन रीजन ऑफ चाइना, मकाओ स्पेशल एडमिनिस्ट्रेशन रीजन ऑफ चाइना या ताईवान प्रोविंस ऑफ चाइना के आंकड़े सम्मिलित नहीं है।

प्रतीक

दो वर्षों के बीच का डैश (–), जैसे 2005–2014 के बीच, दर्शाता है कि प्रस्तुत आंकड़े इस विस्तृत अवधि के सबसे हाल के वर्ष के लिए उपलब्ध आंकडे हैं। दो वर्षों के बीच लगा स्लैश (/) , जैसे 2005/2014 के बीच, प्रदर्शित वर्षों के लिए औसत को दर्शाता है। वृद्धि दरें सामान्य तौर पर दिए गए समयांतराल के पहले और अंतिम वर्ष के बीच की वृद्धि का वार्षिक औसत हैं।

सारणियों में निम्नलिखित प्रतीकों का उपयोग हुआ है:

''उपलब्ध नहीं
0 या 0.0 शून्य या नगण्य
– लागू नहीं

सांख्यिकीय आभार

इस रिपोर्ट में मिश्रित सूचकांक और अन्य सांख्यिकीय स्रोत, विशेष क्षेत्रों में विविध प्रकार के अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सर्वाधिक सम्मानित आंकड़े उपलब्ध कर्ताओं से प्राप्त किए गए हैं, पर आधारित हैं। एचडीआरओ विशेषकर इनका आभारी हैं: सेंटर फॉर रिसर्च ऑन द एपिडिमियोलॉजी ऑफ डिज़ास्टर्स; इकोनॉमिक कमिशन फॉर लैटिन अमेरिका एंड द कैरिबीयन, यूरोस्टेट(फूड एंड एग्रिकल्चर ऑर्गनाइजेशन; गैलप; आईसीएफ मैक्रो, इंटरनल डिस्पलेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर; इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन; इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड; इंटरनेशनल टेलिकम्युनिकेशन यूनियन; इंटर-पार्लियामेंटरी यूनियन, लक्जमबर्ग इनकम स्टडी; ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट; यूनाइटेड नेशन्स चिल्ड्रेन फंड; यूनाइटेड नेशन्स कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट; यूनाइटेड नेशन्स डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक एंड सोशल अफेयर्स; यूनाइटेड नेशन्स इकोनॉमिक एंड सोशल कमिशन फॉर वेस्ट एशिया; यूनाइटेड नेशन्स एजुकेशनल, साइंटिफिक एंड कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन इंस्टीटयूट फॉर स्टेटिसटिक्स; ऑफिस ऑफ यूनाइटेड नेशन्स हाई कमिशनर फॉर रिफ्यूजीज; यूनाइटेड नेशन्स ऑफिस ऑन ड्रग्स एंड क्राइम; यूनाइटेड नेशन्स वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गेनाइजेशन; वर्ल्ड बैंक और वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गेनाइजेशन। इस रिपोर्ट के सूचकांकों की गणना के लिए रोबर्ट बैरो (हार्वर्ड यूनिवर्सिटी) और जोंग-व्हा ली (कोरिया यूनिवर्सिटी) द्वारा तैयार किया गया अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक डाटाबेस भी एक अन्य अमूल्य स्रोत है।

सांख्यिकीय सारणियाँ

पहली सात सारणियों में पांच मिश्रित मानव विकास सूचकांकों और उनके संघटक दिए गए हैं।

चार मिश्रित मानव विकास सूचकांक- एचडीआई, असमानता-समायोजित मानव विकास सूचकांक, लैंगिक असमानता सूचकांक और बहुआयामी निर्धनता सूचकांक की गणना 2010 की मानव विकास रिपोर्ट के बाद की गई है। पिछले वर्ष की रिपोर्ट में लैंगिक विकास सूचकांक शुरु किया गया, जिसमें महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग एचडीआई की गणना करके तुलना की गई और उसे इस वर्ष की रिपोर्ट में फिर से शामिल किया गया है।

शेष सारणियाँ मानव विकास-संबंधित सूचकांकों के एक वृहद समूह प्रस्तुत करती हैं तथा वे किसी देश के मानव विकास की अधिक विस्तृत चित्र उपलब्ध कराती हैं। इनमें से तीन सारणियों को अध्याय 2, 4 और 6 के अनुलग्नकों के रुप में प्रस्तुत किया गया है।

सारणी 1. मानव विकास सूचकांक और उसके संघटक, 2014 एचडीआई मान के अनुसार देशों को श्रेणी वद्ध करती है तथा तीन एचडीआई संघटकों, दीर्घायु, शिक्षा (दो सूचकांकों के साथ) और आय, के मान के बारे में विस्तृत जानकारी देती है। यह सारणी एचडीआई और जीएनआई द्वारा की गई श्रेणी में अंतर को भी प्रस्तुत करती है।

सारणी 2. 1990-2014, मानव विकास सूचकांक रुझान, एचडीआई मानों की एक समय श्रृंखला उपलब्ध कराती है, जिससे 2014 के एचडीआई मानों की तुलना पिछले वर्षों के मानों से की जा सके। 2015 में उपलब्ध और हाल में समीक्षित ऐतिहासिक आंकड़ों का उपयोग इस सारणी में किया गया है और उसी कार्यप्रणाली को अपनाया है जो 2014 एचडीआई की गणना के लिए अपनायी गई। ऐतिहासिक एचडीआई मानों के साथ सारणी में विगत पांच वर्षों के अंतराल में एचडीआई श्रेणी में आए परिवर्तन और चार विभिन्न समयावधि, 1990-2000, 2000-2010, 2010-2014 और 1990-2014 के अंतराल में हुई औसत वार्षिक एचडीआई वृद्धि दर को शामिल किया गया है।

सारणी 3. असमानता-समायोजित मानव विकास सूचकांक, आईएचडीआई में असमानता के दो संबंधित उपाय शामिल हैं- आईएचडीआई और असमानता के कारण एचडीआई में क्षति। आईएचडीआई स्वास्थ्य, शिक्षा और आय में किसी देश की औसत उपलब्धियों के परे जा कर दर्शाती है कि इन उपलब्धियों का वितरण उस देश के निवासियों के बीच किस प्रकार किया गया है। आईएचडीआई को मानव विकास (असमानता के अनुसार) के वास्तविक स्तर के रुप में व्यक्त किया जा सकता है। आईएचडीआई और एचडीआई के बीच तुलनात्मक अंतर किसी देश के भीतर एचडीआई के वितरण में असमानता के कारण होने वाली हानि है। यह सारणी मानवीय असमानता गुणक को भी प्रस्तुत करती है, जो

असमानताओं में तीन आयामों का अभारित औसत है। इसके अलावा, यह सारणी एचडीआई और आईएचडीआई पर प्रत्येक देश की श्रेणियों में अंतर को दर्शाती है। नकारात्मक मान का अर्थ है कि असमानता के अनुसार एचडीआई वितरण में किसी देश की श्रेणी को घटाना। यह सारणी आय असमानता के तीन मानक माप भी प्रस्तुत करती हैं: शीर्ष और तल के पंचमक का अनुपात; पाल्मा अनुपात, जो कि सबसे ऊपर के 10 प्रतिशत और नीचे के 40 प्रतिशत लोगों की आय का अनुपात है; और गिनी गुणक।

सारणी 4. लैंगिक विकास सूचकांक, एचडीआई में लैंगिक असमानताओं को मापना। इस सारणी में एचडीआई मान का आकलन महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग करके प्रस्तुत किया गया है; इन दोनों एचडीआई मानों के अनुपात को जीडीआई कहते हैं। यह अनुपात 1 के जितना समीप होता है, महिलाओं और पुरुषों के बीच का अंतर उतना ही कम होता है। तीन एचडीआई संघटकों, दीर्घायु, शिक्षा (दो सूचकांकों के साथ) और आय- जिसको लैंगिक आधाार पर प्रस्तुत किया है, के मान। इस सारणी में ऐसे देशों के समूहीकरण को शामिल किया गया हैं जिनमें लैंगिक समानता पर एचडीआई मानों में संपूर्ण विचलन हैं।

सारणी 5. लैंगिक असमानता सूचकांक, में तीन आयामों- प्रजनन संबंधी स्वास्थ्य, सशक्तीकरण और श्रम बाजार का उपयोग करते हुए लैंगिक असमानता का एक मिश्रित उपाय प्रस्तुत किया गया है। प्रजनन संबंधी स्वास्थ्य को दो सूचकांकों, मातृत्व मृत्यु अनुपात और किशोर जन्म दर, द्वारा मापा गया है। महिलाओं के हिस्से में कितनी संसदीय सीटों की संख्या और कम से कम माध्यमिक शिक्षा वाली जनसंख्या में उनकी हिस्सेदारी से महिला सशक्तीकरण को मापा गया है। और श्रम बाजार को श्रम बल में भागीदारी द्वारा मापा जाता है। निम्न लैंगिक असमानता सूचकांक मान महिलाओं और पुरुषों और इसके प्रतिकूल पुरुषों और महिलाओं के बीच निम्न असमानता दर्शाती है।

सारणी 6. बहुआयामी निर्धनता सूचकांकः विकासशील देश, में लोग का अपनी शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर में कई तरह के अभावों का सामना करना दर्शाया गया है। आयविहीन वाली बहुआयामी निर्धनता (बहुआयामी निर्धनता का सामना करने वाले लोगों की संख्या) और उसकी प्रवलता (तुलनात्मक अभावों संख्या जिनका निर्धन लोग उसी अंतराल में सामना करते हैं) को एमपीआई द्वारा दर्शाया गया है। प्रवलता की सीमा रेखा के आधार पर लोगों को, बहुआयामी निर्धनता के निकट, बहुआयामी निर्धन या अत्यधिक निर्धनता में, वर्गीकृत किया गया है। कुल मिला कर निर्धनता के प्रत्येक आयाम में अभावों का योगदान भी शामिल किया गया है। जो लोग पीपीपी आधार पर प्रतिदिन 1.25 डॉलर से कम पर गुजारा करते हैं और जो लोग राष्ट्रीय निर्धनता रेखा के नीचे जीवन व्यतीत कर रहे हैं, इस सारणी में उनकी आय निर्धनता का नाप प्रस्तुत किया गया है। इस वर्ष के बहुआयामी निर्धनता सूचकांक के आकलनों में उस संशोधित कार्य प्रणाली का उपयोग किया गया है, जिसे पहली बार 2014 की रिपोर्ट में प्रयोग किया था। संशोधित कार्यप्रणाली में 10 सूचकांकों के मूल सेट में किए गए कुछ संशोधनों को भी शामिल किया गया हैं। यह संशोधन हैं- पांच साल से कम के बच्चों के मामले में उम्र-के लिए-वजन को उम्र-के लिए-लंबाई से परिवर्तित करना क्योंकि लंबाई का कम होना दीर्घकालीन कुपोषण का अच्छा सूचकांक है, किसी बच्चे की मृत्यु को स्वास्थ्य संबंधी कमियों के कारण हुई मृत्यु केवल तभी माना जाना जबकि मृत्यु सर्वेक्षण से पांच वर्ष पहले हुई हो, शिक्षा के अभाव की न्यूनतम सीमा रेखा को स्कूली शिक्षा के पांच वर्ष से बढ़ा कर छह वर्ष करना, ताकि सहस्त्रब्दी विकास लक्ष्यों में उपयोग होने वाली प्राथमिक स्कूली शिक्षा की मानक परिभाषा तथा कार्यात्मक साक्षरता के अंतर्राष्ट्रीय उपायों और सूचकांक को प्रतिबिंबित करती हो तथा ग्रामीण व शहरी घरेलू परिसम्पत्तियों का विस्तार।

सारणी 7. बहुआयामी निर्धनता सूचकांक, समय के साथ परिवर्तन, बहुआयामी निर्धनता सूचकांक के मान और उसके संघटकों, दो या अधिक समयावधि के लिए उन देशों के लिए जिनके वर्ष 2015 के संगत आंकड़े उपलब्ध थे, का आकलन प्रस्तुत किया गया। यह आकलन 2014 की रिपोर्ट में शुरु की गई संशोधित कार्यप्रणाली पर आधारित है।

सारणी 8. जनसंख्या के रूझान, में कुल जनसंख्या, मध्यिका उम्र, निर्भरता अनुपात और कुल जनन क्षमता दर सहित जनसंख्या के प्रमुख सूचकांक शामिल हैं, जोकि किसी देश में श्रम शक्ति पर पडे समर्थन बोझ के आकलन में सहायता कर सकते हैं। जन्म के समय प्राकृतिक यौन अनुपात के विचलन का असर जनसंख्या विस्थापन स्तरों पर पड़ता हैं जो कि भविष्य की संभावित सामाजिक और आर्थिक समस्याओं की ओर संकेत करता हैं तथा लैंगिक भेदभाव को इंगित कर सकता है।

सारणी 9. स्वास्थ्य परिणाम, इसमें, शिशु स्वास्थ्य (उन शिशुओं का प्रतिशत बताता है जों जीवन के पहले छह महीनों के अंतराल में केवल स्तनपान करते हैं, शिशुओं का प्रतिशत जिन्हें डीटीपी और चेचक के टीके नहीं लगते और शिशु मृत्यु दर), बाल स्वास्थ्य (बाल मृत्यु दर तथा पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों का प्रतिशत जिनकी लंबाई कम है) और वयस्क स्वास्थ्य (लिंग, मलेरिया और टीबी, एचआईवी के कारण होने वाली युवा मृत्यु दर तथा 60 वर्ष की उम्र पर जीवन प्रत्याशा), प्रस्तुत किया गया है। स्वास्थ्य देखभाल की गुणवत्ता के दो सूचकांकों, प्रति 10000 व्यक्ति पर फिजिशियन यानी डॉक्टरों की संख्या और जीडीपी के हिस्से के रूप में सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय, को भी इसमें शामिल किया गया है।

सारणी 10. शैक्षिक उपलब्धियाँ, इसमें शैक्षिक गुणवत्ता सूचकांको के साथ मानक शैक्षिक सूचकांक प्रस्तुत किया गया है, जिनमें पढ़ने की परीक्षा के औसत अंक तथा 15 वर्ष की उम्र के छात्रें के गणित और विज्ञान परीक्षा के औसत अंक शामिल किए गए हैं। इस सारणी में शैक्षिक उपलब्धि- वयस्क और युवाओं दोनों के सूचकांक उपलब्ध कराए गए हैं तथा कम से कम कुछ माध्यमिक शिक्षा के साथ वयस्क आबादी के बारे में भी जानकारी उपलब्ध कराती है। प्राथमिक स्कूल स्तर पर छोड़ने वालों की दर के द्वारा शिक्षा के हर स्तर पर सकल नामांकन अनुपात को पूरित किया गया है। इस सारणी में शैक्षिक गुणवत्ता के दो सूचकांको-शिक्षण के लिए प्रशिक्षित प्राथमिक स्कूल शिक्षक और छात्र तथा शिक्षक अनुपात के साथ जीडीपी के हिस्से के रूप में शिक्षा पर होने वाले सार्वजनिक खर्च का एक संकेत, को शामिल किया गया है।

सारणी 11. राष्ट्रीय आय और संसाधानों का संयोजन, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), सकल जमा पूंजी गठन और समस्त कर राजस्व के प्रतिशत के रूप में आय, और पूंजीगत लाभ पर करों को इसके अंर्तगत दिखाया गया हैं। सकल जमा पूंजी गठन उस राष्ट्रीय आय का मोटा सूचकांक है जिसका उपयोग नहीं बल्कि निवेश किया जाता है। आर्थिक अनिश्चितता या मंदी के समय में सकल जमा पूंजी गठन सामान्य तौर पर कम होता है। सरकार के सामान्य अंतिम खपत संबंधी व्यय (जिसे जीडीपी और औसत वार्षिक विकास दर के हिस्से के रूप में प्रस्तुत किया जाता है), और शोध तथा विकास व्यय सार्वजनिक व्यय के सूचकांक हैं। इनके अलावा, इस सारणी में ऋण के तीन सूचकांकों को प्रस्तुत किया गया है- बैंकिंग सेक्टर द्वारा उपलब्ध घरेलू ऋण, बाहरी ऋण स्टॉक और समस्त ऋण

सेवा, और सभी की गणना जीडीपी या सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) के प्रतिशत के रूप में की जाना। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति मापने का पैमाना है (इसमें खाद्य मूल्यों से जुड़े दो सूचकांकों–प्राइस लेवल इंडेक्स यानी मूल्य स्तर सूचकांक और प्राइस वोलैटिलिटी इंडेक्स यानी मूल्य परिवर्तनत सूचकांक को भी इसमें प्रस्तुत किया गया है।

सारणी 12. पर्यावरणीय वहनीयता, इसके अंदर पर्यावरणीय असुरक्षाओं और पर्यावरणीय खतरों के असर को सम्मलित किया गया है। यह सारणी जीवाश्म ईंधन और प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति, स्तर तथा प्रति व्यक्ति कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन की वार्षिक वृद्धि दर और पारिस्थिकी और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के उपायों (जीएनआई प्रतिशत के रूप में प्राकृतिक संसाधनों का क्षय, वन क्षेत्र और वन क्षेत्र तथा ताजे पानी की निकासी में परिवर्तन) में अक्षय ऊर्जा संसाधनों के अनुपात को दर्शाती है। इस सारणी में बाहरी और भीतरी वायु प्रदूषण और असुरक्षित पानी और असंशोधित स्वच्छता या खराब स्वच्छता के कारण पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर सम्मिलित है। इस सारणी में प्राकृतिक आपदाओं (प्रति 10 लाख व्यक्तियों में प्रभावित औसत वार्षिक जनसंख्या) के प्रत्यक्ष प्रभाव का सूचकांक प्रस्तुत किया गया है।

सारणी 13. काम और रोजगार, इस सारणी में तीन संघटकों–रोजगार, बेरोजगारी और श्रम उत्पादकता से जुड़े सूचकांक सम्मलित हैं। रोजगार से जुड़े जिन दो प्रमुख सूचकांकों पर प्रकाश डाला गया है, वे हैं: जनसंख्या के अनुपात में रोजगार और श्रम बल भागीदारी दर। इस सारणी में कृषि और सेवाओं में रोजगार और वर्ष 1990 से आए बदलावों की रिपोर्ट की गई है। तृतीयक शिक्षा प्राप्त श्रम बल के प्रतिशत को भी इसमें प्रस्तुत किया गया है, जो कि उच्च कौशल युक्त श्रम बल के साथ जुड़ा हुआ है। इस सारणी में असुरक्षित रोजगार और विभिन्न प्रकार की बेरोजगारी से जुड़े हुए संकेतकों को साथ मिलाया गया है। और श्रम उत्पादकता की गणना प्रति कामगार और प्रति सप्ताह काम के घंटों के आधार पर की गई है।

सारणी 14. मानवीय सुरक्षा, यह उस सीमा को प्रतिबिंबित करती है, जहां तक जनसंख्या सुरक्षित है। यह सारणी पंजीकृत जन्म के प्रतिशत के साथ प्रारंभ होती है और इसके बाद शरणार्थियों की संख्या उनके जन्म के देश के अनुसार और आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की संख्या आती है। प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुई बेघर जनसंख्या का आकार, अनाथ बच्चों की जनसंख्या और जेल में बंद जनसंख्या भी इस सारणी में प्रस्तुत की गई है। इसमें मानव हत्या और आत्महत्या (लैंगिक आधार पर) से जुड़े सूचकांक उपलब्ध कराए गए हैं। और इस सारणी में खाद्य में कमी की गम्भीरता और महिलाओं के विरुद्ध हिंसा से जुड़े एक सूचकांक को भी शामिल किया गया है।

सारणी 15. अंतर्राष्ट्रीय एकीकरण, यह सारणी वैश्वीकरण के बहुत से पक्षों के सूचकांक उपलब्ध कराती है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को जीडीपी के हिस्से के रूप में मापा जाता है। वित्तीय प्रवाहों को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और निजी पूंजी, आधिकारिक विकास सहायता और विप्रेषित धन के अन्तर्वाह के द्वारा प्रस्तुत किया गया है। मानवीय गतिशीलता को, कुल प्रवास दर, प्रवासियों की संख्या, विदेशों से उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए आने वाले छात्रें की संख्या (उस देश में ऐसे छात्रें के कुल प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त) और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या, द्वारा अधिकृत किया गया है। इंटरनेट उपयोग कर्ताओं की जनसंख्या के भाग, प्रति 100 व्यक्ति, शुल्क वाले मोबाइल फोनों की संख्या और 2009 तथा 2014 के बीच शुल्क वाले मोबाइल फोनों में प्रतिशत बदलाव के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संचार को अधिकृत किया गया है।

सारणी 16. पूरक सूचकांकः बेहतरी की अनुभूति, इसमें वे सूचकांक शामिल गिए गए हैं, जो व्यक्ति विशेष के मत और मानव विकास के प्रासंगिक आयामों – शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता, जीवन स्तर और श्रम बाजार, व्यक्तिगत सुरक्षा और जीवन एवं चयन की स्वतंत्रता से पूर्ण संतुष्टि से जुड़े आत्म बोध हैं। इस सारणी में वे सूचकांक हैं, जिनसे पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी सरकारी नीतियों और राष्ट्रीय सरकार तथा न्यायिक व्यवस्था से संबंधित लोगों के विचार प्रतिबिंबित होते हैं।

अध्याय 1 अनुलग्नक सारणी, शोषण, खतरों और असुरक्षाओं से जुड़े काम, इस अध्याय में उस काम के संकेतक हैं, जो मानव विकास–बाल श्रम, घरेलू कामगारों और काम करने वाले निर्धनों से जुड़े खतरों को दर्शाते हैं। इस सारणी में व्यावसायिक चोटों के नवीनतम आंकड़े भी प्रस्तुत किए गए हैं। तीन सुचकांकों–बेरोजगारी भत्ता, भुगतान के साथ मातृत्व अवकाश और वृद्ध अवस्था पेशन–रोजगार से जुड़ी सुरक्षा की ओर संकेत करते हैं।

अध्याय 4 अनुलग्नक सारणी, समय का उपयोग, इसमें पिछले 25 वर्षों से अधिक समय से संचालित सर्वेक्षणों में 100 से अधिक बार उपयोग किए गए आंकड़े लिए हैं। ये सर्वेक्षण उस समय से जुड़े हैं, जिसके दौरान महिलाएं और पुरुष प्रमुख क्रियाकलापों– भुगतान सहित और भुगतान रहित कार्यों, सीखने, सामाजिक जीवन और मनोरंजन, व्यक्तिगत देखभाल और रखरखाव तथा अन्य क्रियाकलापों में प्रतिदिन व्यतीत करते थे।

अध्याय 6 अनुलग्नक सारणी, मौलिक अधिकारों से जुड़े सम्मेलनों की स्थितिः इसमें विभिन्न देशों द्वारा प्रमुख श्रम अधिकार सम्मेलनों की कब पुष्टि की गई, इसको दर्शाया गया है। आठ चुनिंदा सम्मेलनों में अधिकारों और स्वतंत्रताओं: संघों की स्वतंत्रता और सामूहिक मोलभाव, जबरन और बाध्यकारी श्रम का उन्मूलन, रोजगार के मामले में भेदभाव की समाप्ति ओर व्यवसाय और बाल श्रम का उन्मूलन सम्मलित किया गया है।

मानव विकास सूचकांक

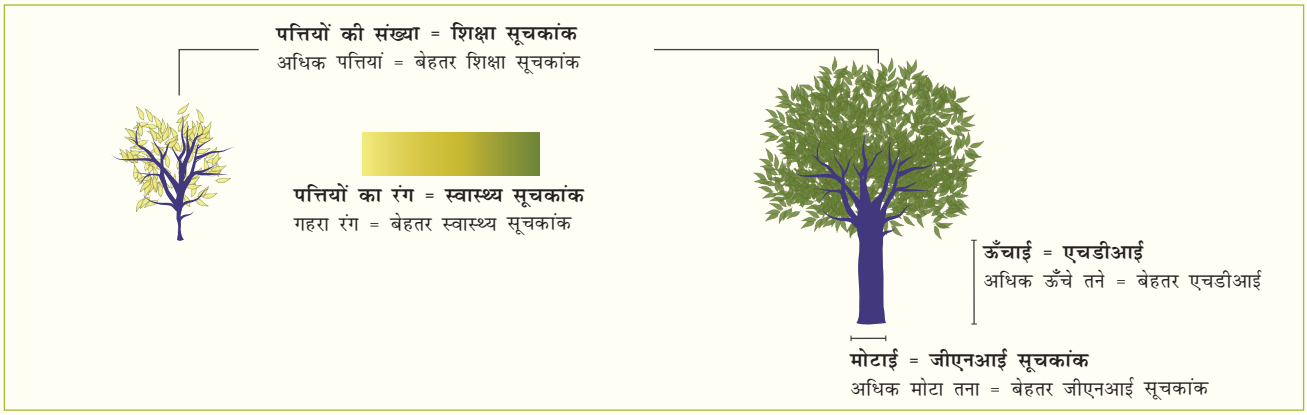

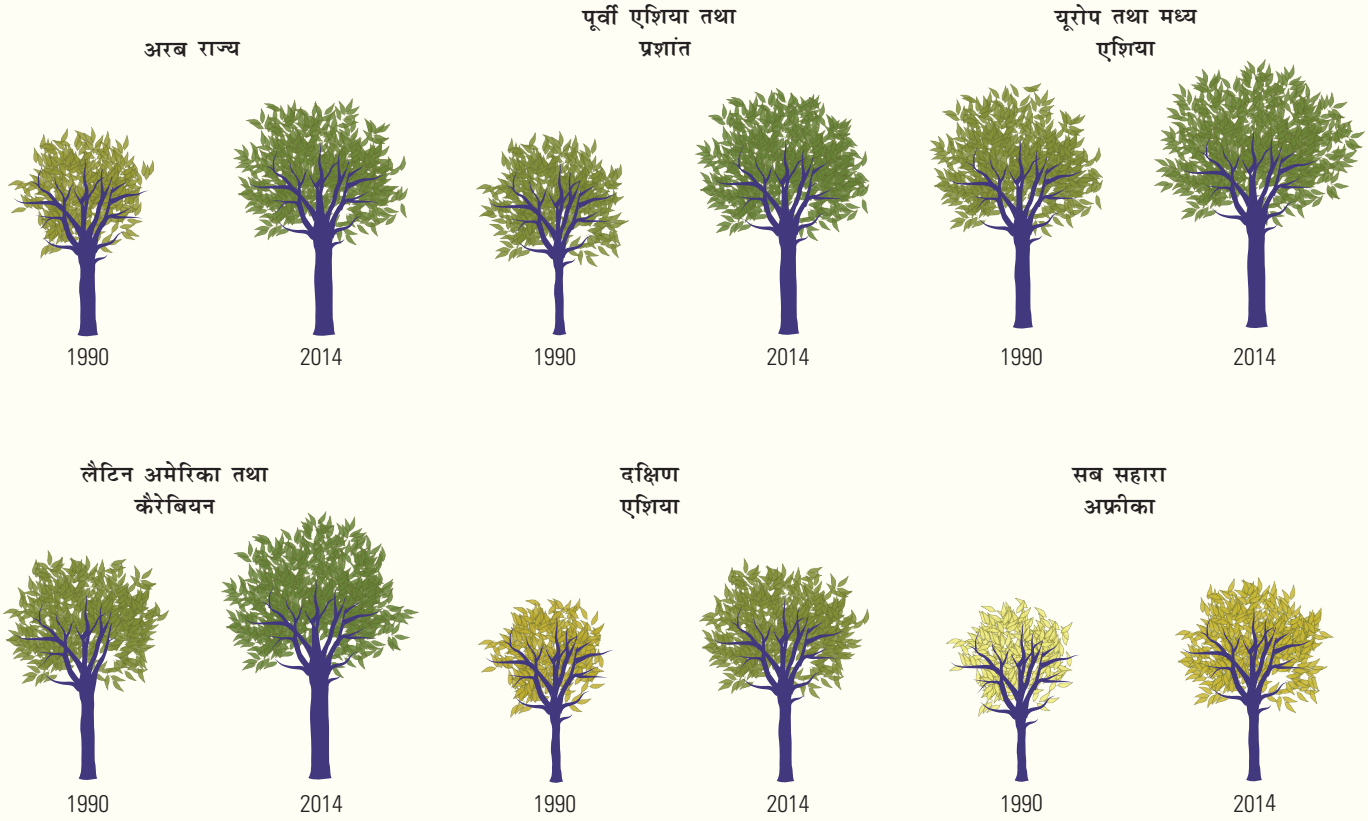

नोट: इस दृश्य छवि की प्रेरणा 2015 के कार्टेजेना डाटा फेस्ट विज़ुलाइजेशन प्रतियोगिता के विजेता जुर्जेन वराजन से मिली।

सारणी 1 मानव विकास सूचकांक और इसके संघटक

सारणी 1

एचडीआई श्रेणी	मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) मान 2014	जन्म के समय जीवन प्रत्याशा वर्षों में 2014	स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष वर्षों में 2014[a]	स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष वर्षों में 2014[a]	प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) (2011 पीपीपी डॉलर) 2014	व्यक्ति व्यक्ति जीएनआई -एचडीआई 2014
अति उच्च मानव विकास						
1 नॉर्वे	0.944	81.6	17.5	12.6[b]	64,992	5
2 आस्ट्रेलिया	0.935	82.4	20.2[c]	13.0	42,261	17
3 स्विटज़रलैण्ड	0.930	83.0	15.8	12.8	56,431	6
4 डेनमार्क	0.923	80.2	18.7[c]	12.7	44,025	11
5 नीदरलैण्ड	0.922	81.6	17.9	11.9	45,435	9
6 जर्मनी	0.916	80.9	16.5	13.1[d]	43,919	11
6 आयरलैण्ड	0.916	80.9	18.6[c]	12.2[e]	39,568	16
8 अमेरिका	0.915	79.1	16.5	12.9	52,947	3
9 कनाडा	0.913	82.0	15.9	13.0	42,155	11
9 न्यूज़ीलैण्ड	0.913	81.8	19.2[c]	12.5[b]	32,689	23
11 सिंगापुर	0.912	83.0	15.4[f]	10.6[e]	76,628[g]	–7
12 हांगकांग, चीन (एस.ए.आर.)	0.910	84.0	15.6	11.2	53,959	–2
13 लिक्टेन्सटाइन	0.908	80.0[h]	15.0	11.8[i]	79,851[g,j]	–10
14 स्वीडन	0.907	82.2	15.8	12.1	45,636	–1
14 ब्रिटेन	0.907	80.7	16.2	13.1[d]	39,267	9
16 आइसलैण्ड	0.899	82.6	19.0[c]	10.6[e]	35,182	12
17 कोरिया गणराज्य	0.898	81.9	16.9	11.9[e]	33,890	13
18 इस्राइल	0.894	82.4	16.0	12.5	30,676	16
19 लक्ज़मबर्ग	0.892	81.7	13.9	11.7	58,711	–11
20 जापान	0.891	83.5	15.3	11.5[e]	36,927	7
21 बेल्जियम	0.890	80.8	16.3	11.3[d]	41,187	0
22 फ्रांस	0.888	82.2	16.0	11.1	38,056	4
23 ऑस्ट्रिया	0.885	81.4	15.7	10.8[d]	43,869	–5
24 फ़िनलैण्ड	0.883	80.8	17.1	10.3[e]	38,695	0
25 स्लोवेनिया	0.880	80.4	16.8	11.9	27,852	12
26 स्पेन	0.876	82.6	17.3	9.6	32,045	7
27 इटली	0.873	83.1	16.0	10.1[d]	33,030	4
28 चेक गणराज्य	0.870	78.6	16.4	12.3	26,660	10
29 ग्रीस	0.865	80.9	17.6	10.3	24,524	14
30 एस्टोनिआ	0.861	76.8	16.5	12.5[e]	25,214	12
31 ब्रूनेई दारस्सलाम	0.856	78.8	14.5	8.8[e]	72,570[k]	–26
32 साइप्रस	0.850	80.2	14.0	11.6	28,633	3
32 कतर	0.850	78.2	13.8[l]	9.1	123,124[g]	–31
34 अंडोरा	0.845	81.3[h]	13.5[f]	9.6[m]	43,978[n]	–18
35 स्लोवाकिया	0.844	76.3	15.1	12.2[d]	25,845	5
36 पोलैण्ड	0.843	77.4	15.5	11.8	23,177	10
37 लिथुआनिया	0.839	73.3	16.4	12.4	24,500	7
37 माल्टा	0.839	80.6	14.4	10.3	27,930	–1
39 सऊदी अरब	0.837	74.3	16.3	8.7[d]	52,821	–27
40 अर्जेंटीना	0.836	76.3	17.9	9.8[d]	22,050[k]	11
41 संयुक्त अरब अमीरात	0.835	77.0	13.3[o]	9.5[d]	60,868	–34
42 चिली	0.832	81.7	15.2	9.8	21,290	11
43 पुर्तगाल	0.830	80.9	16.3	8.2	25,757	–2
44 हंगरी	0.828	75.2	15.4	11.6[d]	22,916	3
45 बहरीन	0.824	76.6	14.4[p]	9.4[b]	38,599	–20
46 लात्विया	0.819	74.2	15.2	11.5[d]	22,281	4
47 क्रोएशिया	0.818	77.3	14.8	11.0	19,409	11
48 कुवैत	0.816	74.4	14.7[l]	7.2	83,961[g]	–46
49 मॉन्टीनेग्रो	0.802	76.2	15.2	11.2	14,558	27
उच्च मानव विकास						
50 बेलारुस	0.798	71.3	15.7	12.0[q]	16,676	14
50 रुसी गणराज्य	0.798	70.1	14.7	12.0	22,352	–1
52 ओमान	0.793	76.8	13.6	8.0	34,858	–23
52 रोमानिया	0.793	74.7	14.2	10.8	18,108	10
52 उरूग्वे	0.793	77.2	15.5	8.5	19,283	7
55 बहामास	0.790	75.4	12.6[r]	10.9	21,336	–3
56 कज़ाकिस्तान	0.788	69.4	15.0	11.4[e]	20,867	–1
57 बारबाडोस	0.785	75.6	15.4	10.5[q]	12,488	27
58 एंटिगुआ और बरबूडा	0.783	76.1	14.0	9.2[r]	20,070	–1
59 बुल्गेरिया	0.782	74.2	14.4	10.6[d]	15,596	13
60 पलाउ	0.780	72.7[h]	13.7	12.3[f]	13,496	18
60 पनामा	0.780	77.6	13.3	9.3	18,192	1

एचडीआई श्रेणी	मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) मान 2014	जन्म के समय जीवन प्रत्याशा वर्षों में 2014	स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष वर्षों में 2014[a]	स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष वर्षों में 2014[a]	प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) (2011 पीपीपी डॉलर) 2014	व्यक्ति व्यक्ति जीएनआई -एचडीआई 2014
62 मलेशिया	0.779	74.7	12.7[l]	10.0	22,762	–14
63 मॉरिशिस	0.777	74.4	15.6	8.5	17,470	0
64 सेशेल्स	0.772	73.1	13.4	9.4[r]	23,300	–19
64 ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	0.772	70.4	12.3[l]	10.9	26,090	–25
66 सर्बिया	0.771	74.9	14.4	10.5	12,190	20
67 क्यूबा	0.769[s]	79.4	13.8	11.5[q]	7,301[t]	47
67 लेबनान	0.769	79.3	13.8	7.9[l]	16,509	–1
69 कोस्टा रिका	0.766	79.4	13.9	8.4	13,413	10
69 ईरान इस्लामिक गणराज्य	0.766	75.4	15.1	8.2[e]	15,440	3
71 वेनेज़ुएला (बोलिवेरियाई गणराज्य)	0.762	74.2	14.2	8.9[d]	16,159	–2
72 तुर्की	0.761	75.3	14.5	7.6	18,677	–12
73 श्रीलंका	0.757	74.9	13.7	10.8[b]	9,779	29
74 मैक्सिको	0.756	76.8	13.1	8.5	16,056	–4
75 ब्राज़ील	0.755	74.5	15.2[u]	7.7	15,175	–1
76 जॉर्जिया	0.754	74.9	13.8	12.1[q]	7,164	40
77 सेंट किट्स एवं नेविस	0.752	73.8[h]	12.9	8.4[r]	20,805	–21
78 अज़रबेजान	0.751	70.8	11.9	11.2[l]	16,428	–11
79 ग्रेनाडा	0.750	73.4	15.8	8.6[r]	10,939	14
80 जॉर्डन	0.748	74.0	13.5	9.9	11,365	11
81 मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	0.747	75.4	13.4	9.3[q]	11,780	9
81 यूक्रेन	0.747	71.0	15.1	11.3[e]	8,178	25
83 अल्जीरिया	0.736	74.8	14.0	7.6	13,054	–1
84 पेरू	0.734	74.6	13.1	9.0	11,015	8
85 अल्बानिया	0.733	77.8	11.8[l]	9.3	9,943	14
85 अर्मेनिआ	0.733	74.7	12.3	10.9[e]	8,124	22
85 बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	0.733	76.5	13.6	8.3[v]	9,638	19
88 इक्वाडोर	0.732	75.9	14.2	7.6	10,605	7
89 सेंट लूसिआ	0.729	75.1	12.6	9.3[q]	9,765	14
90 चीन	0.727	75.8	13.1	7.5[b]	12,547	–7
90 फ़िजी	0.727	70.0	15.7[l]	9.9	7,493	21
90 मंगोलिया	0.727	69.4	14.6	9.3[e]	10,729	4
93 थाइलैण्ड	0.726	74.4	13.5	7.3	13,323	–13
94 डोमिनिका	0.724	77.8[h]	12.7[w]	7.9[r]	9,994	4
94 लीबिया	0.724	71.6	14.0[l]	7.3[e]	14,911[k,x]	–19
96 ट्यूनीशिया	0.721	74.8	14.6	6.8[q]	10,404	1
97 कोलम्बिया	0.720	74.0	13.5	7.3[d]	12,040	–9
97 सेंट विन्सेन्ट एवं ग्रेनाडाइन	0.720	72.9	13.4[l]	8.6[r]	9,937	3
99 जमैका	0.719	75.7	12.4	9.7[e]	7,415	13
100 टोंगो	0.717	72.8	14.7	10.7[e]	5,069	32
101 बेलीज़	0.715	70.0	13.6	10.5	7,614	9
101 डोमीनिकन गणराज्य	0.715	73.5	13.1	7.6	11,883	–12
103 सूरीनाम	0.714	71.1	12.7[l]	7.7[y]	15,617	–32
104 मालदीव	0.706	76.8	13.0[l]	5.8[z]	12,328	–19
105 समोआ	0.702	73.4	12.9[f]	10.3[f]	5,327	24
मध्यम मानव विकास						
106 बोत्स्वाना	0.698	64.5	12.5	8.9[e]	16,646	–41
107 मॉल्डोवा गणराज्य	0.693	71.6	11.9	11.2	5,223	23
108 मिस्र	0.690	71.1	13.5	6.6[e]	10,512	–12
109 तुर्कमेनिस्तान	0.688	65.6	10.8	9.9[r]	13,066	–28
110 गैबन	0.684	64.4	12.5[l]	7.8[y]	16,367	–42
110 इण्डोनेशिया	0.684	68.9	13.0	7.6[z]	9,788	–9
112 पराग्वे	0.679	72.9	11.9	7.7[b]	7,643	–3
113 फिलिस्तीन राज्य	0.677	72.9	13.0	8.9	4,699[x]	21
114 उज़्बेकिस्तान	0.675	68.4	11.5	10.9[aa]	5,567	10
115 फ़िलीपीन्स	0.668	68.2	11.3	8.9[d]	7,915	–7
116 अल सल्वाडोर	0.666	73.0	12.3	6.5	7,349	–3
116 दक्षिण अफ़्रीका	0.666	57.4	13.6	9.9	12,122	–29
116 वियतनाम	0.666	75.8	11.9[w]	7.5[e]	5,092	15
119 बोलिविया (प्लूरीनेशनल राज्य)	0.662	68.3	13.2	8.2	5,760	4
120 किर्गिस्तान	0.655	70.6	12.5	10.6	3,044	29
121 इराक	0.654	69.4	10.1	6.4[e]	14,003	–44
122 केप वर्दे	0.646	73.3	13.5	4.7[r]	6,094	–1
123 माइक्रोनेशिया (संघीय राज्य)	0.640	69.1	11.7	9.7[f]	3,432	21

सारणी 1 मानव विकास सूचकांक और इसके संघटक

सारणी 1

	मानव विकास सूचकांक (एचडीआई)	जन्म के समय जीवन प्रत्याशा	स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष	स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष	प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई)	व्यक्ति व्यक्ति जीएनआई -एचडीआई
	मान	वर्षों में	वर्षों में	वर्षों में	(2011 पीपीपी डॉलर)	
एचडीआई श्रेणी	2014	2014	2014[a]	2014[a]	2014	2014
124 गयाना	0.636	66.4	10.3	8.5 [e]	6,522	–4
125 निकारगुआ	0.631	74.9	11.5 [l]	6.0 [e]	4,457	12
126 मोरक्को	0.628	74.0	11.6	4.4 [b]	6,850	–8
126 नामीबिया	0.628	64.8	11.3	6.2 [e]	9,418	–21
128 ग्वाटेमाला	0.627	71.8	10.7	5.6	6,929	–11
129 ताजिकिस्तान	0.624	69.4	11.2	10.4 [y]	2,517	27
130 भारत	0.609	68.0	11.7	5.4 [e]	5,497	–4
131 होण्डुरास	0.606	73.1	11.1	5.5	3,938	7
132 भूटान	0.605	69.5	12.6	3.0 [q]	7,176	–17
133 टिमोर लेस्ट	0.595	68.2	11.7	4.4 [y]	5,363 [ab]	–6
134 सीरियाई अरब गणराज्य	0.594	69.6	12.3	6.3 [e]	2,728 [k,x]	21
134 वनुआतु	0.594	71.9	10.6 [l]	6.8 [aa]	2,803	19
136 कांगो	0.591	62.3	11.1	6.1 [b]	6,012	–14
137 किरिबाटी	0.590	66.0	12.3	7.8 [r]	2,434	21
138 इक्वेटोरियल गिनी	0.587	57.6	9.0 [l]	5.5 [y]	21,056	–84
139 ज़ाम्बिया	0.586	60.1	13.5	6.6 [e]	3,734	2
140 घाना	0.579	61.4	11.5	7.0	3,852	–1
141 लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	0.575	66.2	10.6	5.0 [q]	4,680	–6
142 बांग्लादेश	0.570	71.6	10.0	5.1 [e]	3,191	5
143 कम्बोडिया	0.555	68.4	10.9	4.4 [y]	2,949	7
143 साओ टोम एवं प्रिन्साइप	0.555	66.5	11.3	4.7 [y]	2,918	8
निम्न मानव विकास						
145 केन्या	0.548	61.6	11.0	6.3 [b]	2,762	9
145 नेपाल	0.548	69.6	12.4	3.3 [e]	2,311	16
147 पाकिस्तान	0.538	66.2	7.8	4.7	4,866	–14
148 म्याँमार	0.536	65.9	8.6	4.1 [e]	4,608 [k]	–12
149 अंगोला	0.532	52.3	11.4	4.7 [y]	6,822	–30
150 स्वाज़ीलैण्ड	0.531	49.0	11.3	7.1 [b]	5,542	–25
151 तंज़ानिया गणराज्य	0.521	65.0	9.2	5.1 [e]	2,411	8
152 नाईजीरिया	0.514	52.8	9.0 [l]	5.9 [y]	5,341	–24
153 कैमरून	0.512	55.5	10.4	6.0 [e]	2,803	–1
154 मैडागास्कर	0.510	65.1	10.3	6.0 [q]	1,328	24
155 ज़िम्बाब्वे	0.509	57.5	10.9	7.3 [e]	1,615	13
156 मॉरिटानिया	0.506	63.1	8.5	3.8 [e]	3,560	–14
156 सॉलोमन द्वीपसमूह	0.506	67.9	9.2	5.0 [f]	1,540	16
158 पापुआ न्यू गिनी	0.505	62.6	9.9 [r]	4.0 [e]	2,463	–1
159 कोमोरॉस	0.503	63.3	11.5	4.6 [y]	1,456	16
160 यमन	0.498	63.8	9.2	2.6 [e]	3,519	–17
161 लेसोथो	0.497	49.8	11.1	5.9 [z]	3,306	–16
162 टोगो	0.484	59.7	12.2	4.5 [y]	1,228	17
163 हैती	0.483	62.8	8.7 [r]	4.9 [y]	1,669	4
163 रवाण्डा	0.483	64.2	10.3	3.7	1,458	11
163 युगाण्डा	0.483	58.5	9.8	5.4 [e]	1,613	6
166 बेनिन	0.480	59.6	11.1	3.3 [e]	1,767	0
167 सूडान	0.479	63.5	7.0	3.1 [b]	3,809	–27
168 जिबूती	0.470	62.0	6.4	3.8 [q]	3,276 [k]	–22
169 दक्षिण सूडान	0.467	55.7	7.6 [r]	5.4	2,332	–9
170 सेनेगल	0.466	66.5	7.9	2.5	2,188	–8
171 अफ़गानिस्तान	0.465	60.4	9.3	3.2 [e]	1,885	–7
172 आइवरी कोस्ट	0.462	51.5	8.9	4.3 [b]	3,171	–24
173 मलावी	0.445	62.8	10.8	4.3 [e]	747	13
174 इथियोपिया	0.442	64.1	8.5	2.4	1,428	2
175 गैम्बिया	0.441	60.2	8.8	2.8 [e]	1,507	–2
176 कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	0.433	58.7	9.8	6.0	680	11
177 लाइबेरिया	0.430	60.9	9.5 [l]	4.1 [e]	805	7
178 गिनी बिसाउ	0.420	55.2	9.0	2.8 [r]	1,362	–1
179 माली	0.419	58.0	8.4	2.0	1,583	–8
180 मोज़ाम्बीक	0.416	55.1	9.3	3.2 [y]	1,123	1
181 सिएरा लिओन	0.413	50.9	8.6 [l]	3.1 [e]	1,780	–16
182 गिनी	0.411	58.8	8.7	2.4 [y]	1,096	0
183 बुर्किना फ़ासो	0.402	58.7	7.8	1.4 [y]	1,591	–13
184 बुरुण्डी	0.400	56.7	10.1	2.7 [e]	758	1
185 चाड	0.392	51.6	7.4	1.9	2,085	–22

एचडीआई श्रेणी	मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) मान 2014	जन्म के समय जीवन प्रत्याशा वर्षों में 2014	स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष वर्षों में 2014[a]	स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष वर्षों में 2014[a]	प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) (2011 पीपीपी डॉलर) 2014	व्यक्ति व्यक्ति जीएनआई -एचडीआई 2014
186 **एरिट्रिया**	0.391	63.7	4.1	3.9[r]	1,130	–6
187 **मध्य अफ्रीकी गणराज्य**	0.350	50.7	7.2	4.2[q]	581	1
188 **नाइजर**	0.348	61.4	5.4	1.5[e]	908	–5
अन्य देश अथवा अंचल						
कोरिया (लोकतांत्रिक गणराज्य)	..	70.3	..	..	..	..
मार्शल द्वीप	..	..	..	..	4,674	..
मोनाक्को	..	..	..	..	..	..
नॉरू	..	..	9.3	..	..	..
सैन मरीनो	..	..	..	..	..	..
सोमालिया	..	55.4	..	..	..	..
तुवालू	..	..	..	..	5,278	..
मानव विकास समूह						
अति उच्च मानव विकास	0.896	80.5	16.4	11.8	41,584	—
उच्च मानव विकास	0.744	75.1	13.6	8.2	13,961	—
मध्यम मानव विकास	0.630	68.6	11.8	6.2	6,353	—
निम्न मानव विकास	0.505	60.6	9.0	4.5	3,085	—
विकासशील देश	0.660	69.8	11.7	6.8	9,071	—
क्षेत्र						
अरब राज्य	0.686	70.6	12.0	6.4	15,722	—
पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र	0.710	74.0	12.7	7.5	11,449	—
यूरोप और मध्य एशिया	0.748	72.3	13.6	10.0	12,791	—
लैटिन अमेरिका और कैरिबियाइ क्षेत्र	0.748	75.0	14.0	8.2	14,242	—
दक्षिण एशिया	0.607	68.4	11.2	5.5	5,605	—
सब सहारा अफ्रीका	0.518	58.5	9.6	5.2	3,363	—
न्यूनतम विकसित देश	0.502	63.3	9.3	4.1	2,387	—
छोटे द्वीप विकासशील राज्य	0.660	70.1	11.4	7.9	6,991	—
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन	0.880	80.2	15.8	11.5	37,658	—
विश्व	**0.711**	**71.5**	**12.2**	**7.9**	**14,301**	**—**

नोट

a उल्लिखित उपलब्ध आंकडे 2014 अथवा अभी हाल के वर्ष के हैं।

b बैरो एंड ली पर आधारित (2013बी)।

c एचडीआई मूल्यांकन मान की गणना के लिए स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्षों की अधिकतम सीमा 18 वर्ष रखी गई है।

d यूनेस्को इंस्ट्रीयूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2015) और बैरो एंड ली (2014) के आंकड़ो के आधार पर एचडीआरओ द्वारा अपडेट किया।

e बैरो एंड ली (2014) पर आधारित (2014)।

f नेशनल स्टेटिस्टिकल ऑफिस से उपलब्ध आंकड़ों पर आधारित।

g एचडीआई के मान की गणना के लिए प्रति व्यक्ति जीएनआई की अधिकतम सीमा $ 75,000 रखी गई है।

h यूएनडीईएसए (2011) के मान द्वारा।

i ऑस्ट्रिया और स्विट्ज़रलैंड में स्कूली शिक्षा के माध्य वर्षों के औसत के आधार पर परिकलित।

j स्विट्ज़रलैंड की क्रय शक्ति समता दर और अनुमानित प्रक्षिप्त संवृद्धि दर के प्रयोग पर आधारित।

k वर्ल्ड बैंक (2015ए) और यूनाइटेड नेशंस स्टेटिस्टिकस डिवीजन (2015) से उपलब्ध आंकड़ो पर आधारित एचडीआरओ के प्राकल्लन।

l यूनेस्को इंस्ट्रीयूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2015) से उपलब्ध आंकड़ो पर आधारित एचडीआरओ द्वारा अपडेट किया।

m स्पेन में वयस्कों के लिए स्कूली शिक्षा के माध्य वर्षों के समान माना गया है।

n स्पेन की क्रय शक्ति समता दर और प्रक्षिप्त संवृद्धि दर के आधार पर अनुमानित।

o यूनेस्को इंस्ट्रीयूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2011) के आंकड़ो पर आधारित।

p यूनेस्को इंस्ट्रीयूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2013) के स्कूली जीवन प्रत्याशा के आंकड़ों पर आधारित।

q यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रन फंड (यूनिसेफ) के मल्टीपल इंडीकेटर क्लस्टर सर्वेक्षणों, 2005–14 के आंकड़ों पर आधारित।

r क्रॉस कंट्री प्रतिगमन पर आधारित।

s 2014 की ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट में प्रकाशित 2013 का एचडीआई मान 2011 में प्रति व्यक्ति जीएनआई के गलत आकलन पर आधारित था। एचडीआरओ द्वारा विकसित और क्यूबा के नेशनल स्टेटिस्टिकस ऑफिस द्वारा सत्यापित और स्वीकृत मान $ 7.222 कहीं अधिक वास्तविक मान है। मॉडल के आधार यह 7.222 है, कहीं अधिक वास्तविक मान है। इसके अनूरूप 2013 का एचडीआई मान 0.759 है और उसकी श्रेणी 69वीं है।

t क्रॉस कंट्री प्रतिगमन मॉडल और ईसीएलएसी (2014) द्वारा प्रक्षिप्त संवृद्धि दर पर आधारित।

u ब्राजील के नेशनल इंस्ट्रीयूट फॉर एजुकेशनल स्टडीज (2013) के आंकड़ों के आधार पर एचडीआरओ द्वारा परिकलित।

v एचडीआरओ यूनेस्को इंस्ट्रीयूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2015) और यूनिसेफ के मल्टीपल इंडीकेटर क्लस्टर सर्वेक्षण के आंकड़ों के आधार पर एचडीआरओ द्वारा अपडेट किया गया।

w यूनेस्को इंस्ट्रीयूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2012) के स्कूली जीवन प्रत्याशा के आंकड़ों पर आधारित।

x यूएनईएससीडब्ल्यूए (2014) द्वारा प्रक्षिप्त संवृद्धि दर पर आधारित।

y 2005 से 2014 तक आईसीएफ डेमोग्राफिक एंड हेल्थ सर्वेक्षणों (2005–2014) पर आधारित।

z यूनेस्को इंस्ट्रीयूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2015), आईसीएफ डेमोग्राफिक एंड हेल्थ सर्वेक्षण और बैरो एंड ली (2014) के आंकड़ों के आधार पर एचडीआरओ द्वारा अपडेट किया गया।

aa यूनिसेफ मल्टीपल इंडीकेटर क्लस्टर सर्वेक्षण के आंकड़ों के आधार पर एचडीआरओ द्वारा अपडेट किया गया।

bb टिमोरलेस्ट के वित्त मंत्रालय (2015) के आंकड़ों पर आधारित।

परिभाषाएं

मानव विकास सूचकांक (एचडीआई): एक समग्र सूचकांक जो मानव विकास के तीन मूल आयामों पर औसत उपलब्धि की गणना करता है। ये तीन आयाम हैं– दीर्घ और स्वस्थ जीवन, ज्ञान और काफ़ी अच्छा जीवन-स्तर। एचडीआई की गणना कैसे की गई है इस विवरण के लिए तकनीकी नोट http://hdr.undp.org/een पर देखें।

जन्म के समय जीवन प्रत्याशा: नवजात शिशु कितने वर्ष जीने की उम्मीद कर सकता है यदि उसके जन्म के समय उम्र केंद्रित मृत्यु दर का प्रतिरुप जन्मे शिशु के संपूर्ण जीवन भर एक समान ही रहता है।

स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष: स्कूल जाने की उम्र का कोई बच्चा कितने वर्ष की स्कूली शिक्षा ग्रहण कर सकेगा। यदि उस समय उम्र केंद्रित नामांकन दर बच्चे के लिए जीवन पर्यन्त रहती है।

स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष: प्रत्येक स्तर की आधिकारिक अवधि के सापेक्ष शिक्षा प्राप्ति के स्तर के हिसाब से 25 या उससे अधिक आयु के लोगों द्वारा प्राप्त स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष।

प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई): किसी अर्थव्यवस्था में उत्पादन और उत्पादन के कारकों के स्वामित्व से हुई सकल आय को शेष विश्व द्वारा उत्पादन के कारकों के एवज में किए गए भुगतान से घटाकर उसे पीपीपी दर के आधार पर अंतरराष्ट्रीय डॉलर में मध्य वर्ष की जनसंख्या से विभाजित कर प्राप्त की जाती है।

आंकड़ों के मुख्य स्रोत

कॉलम 1: यूनेस्को इंस्ट्रीयूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2015ए), यूनाइटेड नेशंस स्टेटिस्टिकस डिवीजन (2015), वर्ल्ड बैंक (2015), बैरो एंड ली (2014) और आईएमएफ (2015) के आंकड़ों पर आधारित यूएनडीईएसए (2015) के आंकड़ों पर केंद्रित एचडीआरओ की गणना।

कॉलम 2: यूएनडीईएसए (2015)।

कॉलम 3: यूनेस्को इंस्ट्रीयूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2015)।

कॉलम 4: यूनेस्को इंस्ट्रीयूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2015), बैरो एंड ली (2014), यूनिसेफ मल्टीपल इंडीकेटर क्लस्टर सर्वे और आईसीएफ डेमोग्राफिक एंड हेल्थ सर्वे।

कॉलम 5: वर्ल्ड बैंक (2015ए), आईएमएफ (2015) और यूनाइटेड नेशंस स्टेटिस्टिकस डिवीजन (2015)।

कॉलम 6: कॉलम 1 और 5 के आंकड़ों पर आधारित गणना।

सारणी 2

मानव विकास सूचकांक के रुझान 1990–2014

एचडीआई श्रेणी	मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) मान 1990	2000	2010	2011	2012	2013	2014	एचडीआई श्रेणी 2013	बदलाव 2009–2014[a]	औसत वार्षिक एचडीआई संवृद्धि (%) 1990–2000	2000–2010	2010–2014	1990–2014
अति उच्च मानव विकास													
1 नॉर्वे	0.849	0.917	0.940	0.941	0.942	0.942	0.944	1	0	0.77	0.25	0.11	0.44
2 आस्ट्रेलिया	0.865	0.898	0.927	0.930	0.932	0.933	0.935	2	0	0.36	0.33	0.20	0.32
3 स्विटज़रलैण्ड	0.831	0.888	0.924	0.925	0.927	0.928	0.930	3	0	0.67	0.40	0.14	0.47
4 डेनमार्क	0.799	0.862	0.908	0.920	0.921	0.923	0.923	4	1	0.76	0.53	0.41	0.61
5 नीदरलैण्ड	0.829	0.877	0.909	0.919	0.920	0.920	0.922	5	0	0.56	0.36	0.34	0.44
6 जर्मनी	0.801	0.855	0.906	0.911	0.915	0.915	0.916	6	3	0.66	0.58	0.26	0.56
6 आयरलैण्ड	0.770	0.861	0.908	0.909	0.910	0.912	0.916	8	–2	1.12	0.54	0.21	0.72
8 अमेरिका	0.859	0.883	0.909	0.911	0.912	0.913	0.915	7	–3	0.28	0.28	0.18	0.26
9 कनाडा	0.849	0.867	0.903	0.909	0.910	0.912	0.913	8	1	0.22	0.41	0.28	0.31
9 न्यूज़ीलैण्ड	0.820	0.874	0.905	0.907	0.909	0.911	0.913	10	–1	0.64	0.35	0.24	0.45
11 सिंगापुर	0.718	0.819	0.897	0.903	0.905	0.909	0.912	11	11	1.33	0.92	0.41	1.00
12 हांगकांग, चीन (एस.ए.आर.)	0.781	0.825	0.898	0.902	0.906	0.908	0.910	12	2	0.55	0.85	0.32	0.64
13 लिक्टेन्सटाइन	..	..	0.902	0.903	0.906	0.907	0.908	13	–2	..	..	0.14	..
14 स्वीडन	0.815	0.897	0.901	0.903	0.904	0.905	0.907	14	–1	0.96	0.04	0.16	0.45
14 ब्रिटेन	0.773	0.865	0.906	0.901	0.901	0.902	0.907	15	–2	1.13	0.46	0.02	0.67
16 आइसलैण्ड	0.802	0.859	0.892	0.896	0.897	0.899	0.899	16	–1	0.69	0.38	0.20	0.48
17 कोरिया गणराज्य	0.731	0.821	0.886	0.891	0.893	0.895	0.898	17	0	1.16	0.77	0.33	0.86
18 इस्राइल	0.785	0.850	0.883	0.888	0.890	0.893	0.894	18	1	0.80	0.38	0.31	0.54
19 लक्ज़मबर्ग	0.779	0.851	0.886	0.888	0.888	0.890	0.892	19	–3	0.88	0.41	0.16	0.56
20 जापान	0.814	0.857	0.884	0.886	0.888	0.890	0.891	19	–3	0.51	0.31	0.18	0.37
21 बेल्जियम	0.806	0.874	0.883	0.886	0.889	0.888	0.890	21	–2	0.81	0.10	0.21	0.41
22 फ्रांस	0.779	0.848	0.881	0.884	0.886	0.887	0.888	22	–1	0.85	0.38	0.20	0.55
23 ऑस्ट्रिया	0.794	0.836	0.879	0.881	0.884	0.884	0.885	23	1	0.53	0.50	0.17	0.46
24 फ़िनलैण्ड	0.783	0.857	0.878	0.881	0.882	0.882	0.883	24	–1	0.90	0.25	0.13	0.50
25 स्लोवेनिया	0.766	0.824	0.876	0.877	0.878	0.878	0.880	25	–1	0.73	0.61	0.13	0.58
26 स्पेन	0.756	0.827	0.867	0.870	0.874	0.874	0.876	26	2	0.90	0.47	0.27	0.62
27 इटली	0.766	0.829	0.869	0.873	0.872	0.873	0.873	27	–1	0.79	0.47	0.13	0.55
28 चेक गणराज्य	0.761	0.821	0.863	0.866	0.867	0.868	0.870	28	0	0.76	0.50	0.21	0.56
29 ग्रीस	0.759	0.799	0.866	0.864	0.865	0.863	0.865	29	–2	0.51	0.81	–0.04	0.55
30 एस्टोनिआ	0.726	0.780	0.838	0.849	0.855	0.859	0.861	30	3	0.73	0.71	0.69	0.71
31 ब्रूनेई दारस्सलाम	0.782	0.819	0.843	0.847	0.852	0.852	0.856	31	1	0.46	0.29	0.37	0.38
32 साइप्रस	0.733	0.800	0.848	0.852	0.852	0.850	0.850	32	–2	0.87	0.59	0.04	0.62
32 कतर	0.754	0.809	0.844	0.841	0.848	0.849	0.850	33	–1	0.71	0.42	0.18	0.50
34 अंडोरा	..	..	0.823	0.821	0.844	0.844	0.845	34	..	..	..	0.66	..
35 स्लोवाकिया	0.738	0.763	0.827	0.832	0.836	0.839	0.844	36	3	0.34	0.82	0.48	0.56
36 पोलैण्ड	0.713	0.786	0.829	0.833	0.838	0.840	0.843	35	1	0.99	0.53	0.41	0.70
37 लिथुआनिया	0.730	0.754	0.827	0.831	0.833	0.837	0.839	37	–1	0.32	0.93	0.38	0.58
37 माल्टा	0.729	0.766	0.824	0.822	0.830	0.837	0.839	37	4	0.49	0.74	0.45	0.59
39 सऊदी अरब	0.690	0.744	0.805	0.816	0.826	0.836	0.837	39	10	0.76	0.79	1.00	0.81
40 अर्जेंटीना	0.705	0.762	0.811	0.818	0.831	0.833	0.836	40	7	0.78	0.62	0.75	0.71
41 संयुक्त अरब अमीरात	0.726	0.797	0.828	0.829	0.831	0.833	0.835	40	–6	0.94	0.39	0.21	0.59
42 चिली	0.699	0.752	0.814	0.821	0.827	0.830	0.832	42	2	0.74	0.79	0.56	0.73
43 पुर्तगाल	0.710	0.782	0.819	0.825	0.827	0.828	0.830	43	0	0.97	0.47	0.33	0.65
44 हंगरी	0.703	0.769	0.821	0.823	0.823	0.825	0.828	44	–4	0.90	0.67	0.21	0.69
45 बहरीन	0.746	0.794	0.819	0.817	0.819	0.821	0.824	45	–6	0.62	0.32	0.14	0.41
46 लात्विया	0.692	0.727	0.811	0.812	0.813	0.816	0.819	47	–5	0.49	1.09	0.25	0.70
47 क्रोएशिया	0.670	0.749	0.807	0.814	0.817	0.817	0.818	46	–1	1.12	0.75	0.32	0.83
48 कुवैत	0.715	0.804	0.809	0.812	0.815	0.816	0.816	47	–3	1.18	0.06	0.23	0.55
49 मॉन्टीनेग्रो	..	..	0.792	0.798	0.798	0.801	0.802	49	1	..	..	0.32	..
उच्च मानव विकास													
50 बेलारुस	..	0.683	0.786	0.793	0.796	0.796	0.798	51	4	..	1.41	0.39	..
50 रुसी गणराज्य	0.729	0.717	0.783	0.790	0.795	0.797	0.798	50	8	–0.17	0.88	0.47	0.38
52 ओमान	..	..	0.795	0.793	0.793	0.792	0.793	52	–4	..	..	–0.06	..
52 रोमानिया	0.703	0.706	0.784	0.786	0.788	0.791	0.793	53	–1	0.04	1.06	0.26	0.50
52 उरूग्वे	0.692	0.742	0.780	0.784	0.788	0.790	0.793	54	4	0.70	0.50	0.40	0.57
55 बहामास	..	0.778	0.774	0.778	0.783	0.786	0.790	55	2	..	–0.06	0.51	..
56 कज़ाकिस्तान	0.690	0.679	0.766	0.772	0.778	0.785	0.788	56	6	–0.15	1.20	0.73	0.56
57 बारबाडोस	0.716	0.753	0.780	0.786	0.793	0.785	0.785	56	–3	0.50	0.36	0.18	0.39
58 एंटिगुआ और बरबूडा	..	..	0.782	0.778	0.781	0.781	0.783	58	–6	..	..	0.03	..
59 बुल्गेरिया	0.695	0.713	0.773	0.775	0.778	0.779	0.782	59	0	0.26	0.81	0.29	0.49
60 पलाउ	..	0.743	0.767	0.770	0.775	0.775	0.780	62	0	..	0.31	0.44	..
60 पनामा	0.656	0.714	0.761	0.759	0.772	0.777	0.780	60	4	0.85	0.64	0.61	0.72
62 मलेशिया	0.641	0.723	0.769	0.772	0.774	0.777	0.779	60	1	1.21	0.62	0.32	0.82

	मानव विकास सूचकांक (एचडीआई)							एचडीआई श्रेणी		औसत वार्षिक एचडीआई संवृद्धि			
	मान								बदलाव	(%)			
एचडीआई श्रेणी	1990	2000	2010	2011	2012	2013	2014	2013	2009–2014[a]	1990–2000	2000–2010	2010–2014	1990–2014
63 मॉरिशिस	0.619	0.674	0.756	0.762	0.772	0.775	0.777	62	6	0.86	1.15	0.68	0.95
64 सेशेल्स	..	0.715	0.743	0.752	0.761	0.767	0.772	68	8	..	0.39	0.97	..
64 ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	0.673	0.717	0.772	0.767	0.769	0.771	0.772	64	–4	0.63	0.74	0.01	0.57
66 सर्बिया	0.714	0.710	0.757	0.761	0.762	0.771	0.771	64	–1	–0.05	0.65	0.45	0.32
67 क्यूबा	0.675	0.685	0.778	0.776	0.772	0.768	0.769	66	–14	0.15	1.28	–0.28	0.54
67 लेबनान	..	..	0.756	0.761	0.761	0.768	0.769	66	1	..	..	0.43	..
69 कोस्टा रिका	0.652	0.704	0.750	0.756	0.761	0.764	0.766	69	1	0.77	0.64	0.52	0.67
69 ईरान इस्लामिक गणराज्य	0.567	0.665	0.743	0.751	0.764	0.764	0.766	69	7	1.62	1.11	0.74	1.26
71 वेनेज़ुएला (बोलिवेरियाई गणराज्य)	0.635	0.673	0.757	0.761	0.764	0.764	0.762	69	–4	0.59	1.17	0.18	0.76
72 तुर्की	0.576	0.653	0.738	0.751	0.756	0.759	0.761	72	16	1.26	1.23	0.79	1.17
73 श्रीलंका	0.620	0.679	0.738	0.743	0.749	0.752	0.757	74	5	0.91	0.85	0.62	0.83
74 मैक्सिको	0.648	0.699	0.746	0.748	0.754	0.755	0.756	73	–2	0.77	0.65	0.35	0.65
75 ब्राज़ील	0.608	0.683	0.737	0.742	0.746	0.752	0.755	74	3	1.18	0.76	0.60	0.91
76 जॉर्जिया	..	0.672	0.735	0.740	0.747	0.750	0.754	76	4	..	0.89	0.65	..
77 सेंट किट्स एवं नेविस	..	..	0.739	0.741	0.743	0.747	0.752	79	..	..	..	0.44	..
78 अज़रबेजान	..	0.640	0.741	0.742	0.745	0.749	0.751	77	–2	..	1.46	0.35	..
79 ग्रेनाडा	..	..	0.737	0.739	0.740	0.742	0.750	82	..	..	..	0.43	..
80 जॉर्डन	0.623	0.705	0.743	0.743	0.746	0.748	0.748	78	–8	1.25	0.53	0.17	0.77
81 मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	..	..	0.738	0.742	0.743	0.744	0.747	81	–2	..	..	0.31	..
81 यूक्रेन	0.705	0.668	0.732	0.738	0.743	0.746	0.747	80	2	–0.54	0.92	0.51	0.24
83 अल्जीरिया	0.574	0.640	0.725	0.730	0.732	0.734	0.736	84	4	1.09	1.26	0.35	1.04
84 पेरू	0.613	0.677	0.718	0.722	0.728	0.732	0.734	85	15	1.00	0.58	0.57	0.75
85 अल्बानिया	0.624	0.656	0.722	0.728	0.729	0.732	0.733	85	2	0.50	0.96	0.35	0.67
85 अर्मेनिआ	0.632	0.648	0.721	0.723	0.728	0.731	0.733	87	1	0.24	1.08	0.41	0.62
85 बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	..	..	0.710	0.724	0.726	0.729	0.733	89	2	..	..	0.78	..
88 इक्वाडोर	0.645	0.674	0.717	0.723	0.727	0.730	0.732	88	5	0.45	0.61	0.52	0.53
89 सेंट लूसिआ	..	0.683	0.730	0.730	0.730	0.729	0.729	89	–5	..	0.66	–0.02	..
90 चीन	0.501	0.588	0.699	0.707	0.718	0.723	0.727	93	13	1.62	1.74	1.02	1.57
90 फ़िजी	0.631	0.678	0.717	0.720	0.722	0.724	0.727	91	1	0.72	0.56	0.36	0.59
90 मंगोलिया	0.578	0.589	0.695	0.706	0.714	0.722	0.727	95	14	0.18	1.68	1.11	0.96
93 थाइलैण्ड	0.572	0.648	0.716	0.721	0.723	0.724	0.726	91	3	1.25	1.00	0.35	1.00
94 डोमिनिका	..	0.694	0.723	0.723	0.723	0.723	0.724	93	–10	..	0.41	0.03	..
94 लीबिया	0.679	0.731	0.756	0.711	0.745	0.738	0.724	83	–27	0.75	0.34	–1.07	0.27
96 ट्यूनीशिया	0.567	0.654	0.714	0.715	0.719	0.720	0.721	96	–1	1.43	0.88	0.26	1.00
97 कोलम्बिया	0.596	0.654	0.706	0.713	0.715	0.718	0.720	97	3	0.93	0.76	0.50	0.79
97 सेंट विन्सेन्ट एवं ग्रेनाडाइन	..	0.674	0.711	0.713	0.715	0.717	0.720	98	–5	..	0.55	0.30	..
99 जमैका	0.671	0.700	0.727	0.727	0.723	0.717	0.719	98	–23	0.42	0.38	–0.30	0.28
100 टोंगो	0.650	0.671	0.713	0.716	0.717	0.716	0.717	100	–4	0.32	0.60	0.14	0.41
101 बेलीज़	0.644	0.683	0.709	0.711	0.716	0.715	0.715	101	–7	0.59	0.38	0.19	0.43
101 डोमीनिकन गणराज्य	0.596	0.655	0.701	0.704	0.708	0.711	0.715	103	0	0.95	0.68	0.50	0.76
103 सूरीनाम	..	..	0.707	0.709	0.711	0.713	0.714	102	–5	..	..	0.24	..
104 मालदीव	..	0.603	0.683	0.690	0.695	0.703	0.706	104	2	..	1.25	0.86	..
105 समोआ	0.621	0.649	0.696	0.698	0.700	0.701	0.702	105	–3	0.45	0.70	0.21	0.52
मध्यम मानव विकास													
106 बोत्स्वाना	0.584	0.561	0.681	0.688	0.691	0.696	0.698	106	1	–0.41	1.96	0.61	0.74
107 मॉल्डोवा गणराज्य	0.652	0.597	0.672	0.679	0.683	0.690	0.693	107	2	–0.87	1.19	0.78	0.26
108 मिस्र	0.546	0.622	0.681	0.682	0.688	0.689	0.690	108	–3	1.31	0.90	0.33	0.98
109 तुर्कमेनिस्तान	..	..	0.666	0.671	0.677	0.682	0.688	109	..	..	..	0.80	..
110 गैबन	0.620	0.632	0.663	0.668	0.673	0.679	0.684	111	1	0.20	0.48	0.76	0.41
110 इण्डोनेशिया	0.531	0.606	0.665	0.671	0.678	0.681	0.684	110	3	1.34	0.92	0.71	1.06
112 पराग्वे	0.579	0.623	0.668	0.671	0.669	0.677	0.679	113	–1	0.74	0.70	0.41	0.67
113 फिलिस्तीन राज्य	..	..	0.670	0.675	0.685	0.679	0.677	111	–4	..	..	0.29	..
114 उज़्बेकिस्तान	..	0.594	0.655	0.661	0.668	0.672	0.675	114	0	..	0.98	0.77	..
115 फ़िलीपीन्स	0.586	0.623	0.654	0.653	0.657	0.664	0.668	115	–1	0.61	0.50	0.52	0.55
116 अल सल्वाडोर	0.522	0.603	0.653	0.658	0.662	0.664	0.666	115	0	1.46	0.79	0.50	1.02
116 दक्षिण अफ़्रीका	0.621	0.632	0.643	0.651	0.659	0.663	0.666	117	4	0.17	0.18	0.87	0.29
116 वियतनाम	0.475	0.575	0.653	0.657	0.660	0.663	0.666	117	1	1.92	1.29	0.47	1.41
119 बोलिविया (प्लूरीनेशनल राज्य)	0.536	0.603	0.641	0.647	0.654	0.658	0.662	119	2	1.19	0.61	0.79	0.88
120 किर्गिस्तान	0.615	0.593	0.634	0.639	0.645	0.652	0.655	121	3	–0.37	0.68	0.84	0.26
121 इराक	0.572	0.606	0.645	0.648	0.654	0.657	0.654	120	–2	0.58	0.62	0.34	0.56
122 केप वर्दे	..	0.572	0.629	0.637	0.639	0.643	0.646	122	2	..	0.96	0.66	..
123 माइक्रोनेशिया (संघीय राज्य)	..	0.603	0.638	0.640	0.641	0.639	0.640	123	–2	..	0.56	0.06	..
124 गयाना	0.542	0.602	0.624	0.630	0.629	0.634	0.636	124	1	1.05	0.36	0.47	0.66
125 निकारगुआ	0.495	0.565	0.619	0.623	0.625	0.628	0.631	125	1	1.34	0.91	0.51	1.02

एचडीआई श्रेणी	मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) मान 1990	2000	2010	2011	2012	2013	2014	एचडीआई श्रेणी 2013	बदलाव 2009–2014[a]	औसत वार्षिक एचडीआई संवृद्धि (%) 1990–2000	2000–2010	2010–2014	1990–2014
126 मोरक्को	0.457	0.528	0.611	0.621	0.623	0.626	0.628	126	5	1.44	1.48	0.69	1.33
126 नामीबिया	0.578	0.556	0.610	0.616	0.620	0.625	0.628	128	3	–0.39	0.94	0.70	0.35
128 ग्वाटेमाला	0.483	0.552	0.611	0.617	0.624	0.626	0.627	126	0	1.35	1.03	0.65	1.10
129 ताजिकिस्तान	0.616	0.535	0.608	0.612	0.617	0.621	0.624	129	1	–1.39	1.28	0.68	0.06
130 भारत	0.428	0.496	0.586	0.597	0.600	0.604	0.609	131	6	1.49	1.67	0.97	1.48
131 होण्डुरास	0.507	0.557	0.610	0.612	0.607	0.604	0.606	131	–4	0.95	0.91	–0.16	0.75
132 भूटान	..	..	0.573	0.582	0.589	0.595	0.605	134	..	..	..	1.39	..
133 टिमोर लेस्ट	..	0.468	0.600	0.611	0.604	0.601	0.595	133	1	..	2.51	–0.22	..
134 सीरियाई अरब गणराज्य	0.553	0.586	0.639	0.635	0.623	0.608	0.594	130	–15	0.58	0.88	–1.82	0.30
134 वनुआतु	..	..	0.589	0.590	0.590	0.592	0.594	135	1	..	..	0.19	..
136 कांगो	0.534	0.489	0.554	0.560	0.575	0.582	0.591	138	2	–0.87	1.25	1.61	0.42
137 किरिबाटी	..	..	0.588	0.585	0.587	0.588	0.590	136	–1	..	..	0.09	..
138 इक्वेटोरियल गिनी	..	0.526	0.591	0.590	0.584	0.584	0.587	137	–5	..	1.18	–0.18	..
139 ज़ाम्बिया	0.403	0.433	0.555	0.565	0.576	0.580	0.586	139	1	0.71	2.52	1.36	1.57
140 घाना	0.456	0.485	0.554	0.566	0.572	0.577	0.579	140	–2	0.63	1.33	1.13	1.00
141 लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	0.397	0.462	0.539	0.552	0.562	0.570	0.575	141	2	1.51	1.56	1.62	1.55
142 बांग्लादेश	0.386	0.468	0.546	0.559	0.563	0.567	0.570	142	0	1.94	1.57	1.07	1.64
143 कम्बोडिया	0.364	0.419	0.536	0.541	0.546	0.550	0.555	144	1	1.40	2.50	0.87	1.77
143 साओ टोम एवं प्रिन्साइप	0.455	0.491	0.544	0.548	0.552	0.553	0.555	143	–2	0.76	1.02	0.52	0.83
निम्न मानव विकास													
145 केन्या	0.473	0.447	0.529	0.535	0.539	0.544	0.548	145	0	–0.58	1.70	0.92	0.62
145 नेपाल	0.384	0.451	0.531	0.536	0.540	0.543	0.548	146	3	1.62	1.64	0.78	1.49
147 पाकिस्तान	0.399	0.444	0.522	0.527	0.532	0.536	0.538	147	0	1.07	1.62	0.79	1.25
148 म्याँमार	0.352	0.425	0.520	0.524	0.528	0.531	0.536	148	1	1.90	2.03	0.72	1.76
149 अंगोला	..	0.390	0.509	0.521	0.524	0.530	0.532	149	1	..	2.70	1.11	..
150 स्वाज़ीलैण्ड	0.536	0.496	0.525	0.528	0.529	0.530	0.531	149	–5	–0.78	0.57	0.28	–0.04
151 तंज़ानिया गणराज्य	0.369	0.392	0.500	0.506	0.510	0.516	0.521	151	2	0.60	2.46	1.05	1.44
152 नाईजीरिया	..	..	0.493	0.499	0.505	0.510	0.514	152	2	..	..	1.06	..
153 कैमरून	0.443	0.437	0.486	0.496	0.501	0.507	0.512	154	6	–0.13	1.07	1.32	0.61
154 मैडागास्कर	..	0.456	0.504	0.505	0.507	0.508	0.510	153	–4	..	1.02	0.27	..
155 ज़िम्बाब्वे	0.499	0.428	0.461	0.474	0.491	0.501	0.509	158	12	–1.53	0.75	2.50	0.08
156 मॉरिटानिया	0.373	0.442	0.488	0.489	0.498	0.504	0.506	156	1	1.71	0.98	0.92	1.28
156 सॉलोमन द्वीपसमूह	..	0.446	0.494	0.501	0.504	0.505	0.506	155	–2	..	1.02	0.57	..
158 पापुआ न्यू गिनी	0.353	0.424	0.493	0.497	0.501	0.503	0.505	157	–2	1.87	1.51	0.60	1.51
159 कोमोरॉस	..	..	0.488	0.493	0.499	0.501	0.503	158	–1	..	..	0.75	..
160 यमन	0.400	0.441	0.496	0.495	0.496	0.498	0.498	160	–8	0.99	1.19	0.08	0.92
161 लेसोथो	0.493	0.443	0.472	0.480	0.484	0.494	0.497	161	1	–1.05	0.62	1.30	0.03
162 टोगो	0.404	0.426	0.459	0.468	0.470	0.473	0.484	167	3	0.52	0.76	1.29	0.75
163 हैती	0.417	0.442	0.471	0.475	0.479	0.481	0.483	162	–3	0.58	0.62	0.67	0.61
163 रवाण्डा	0.244	0.333	0.453	0.464	0.476	0.479	0.483	163	5	3.16	3.13	1.61	2.89
163 युगाण्डा	0.308	0.393	0.473	0.473	0.476	0.478	0.483	164	–2	2.47	1.86	0.51	1.89
166 बेनिन	0.344	0.392	0.468	0.473	0.475	0.477	0.480	165	–2	1.33	1.78	0.64	1.40
167 सूडान	0.331	0.400	0.465	0.466	0.476	0.477	0.479	165	–5	1.90	1.52	0.74	1.55
168 जिबूती	..	0.365	0.453	0.462	0.465	0.468	0.470	168	0	..	2.17	0.97	..
169 दक्षिण सूडान	..	..	0.470	0.458	0.457	0.461	0.467	171	..	..	..	–0.15	..
170 सेनेगल	0.367	0.380	0.456	0.458	0.461	0.463	0.466	170	–3	0.36	1.83	0.55	1.00
171 अफ़गानिस्तान	0.297	0.334	0.448	0.456	0.463	0.464	0.465	169	0	1.20	2.97	0.97	1.89
172 आइवरी कोस्ट	0.389	0.398	0.444	0.445	0.452	0.458	0.462	172	0	0.23	1.12	0.98	0.72
173 मलावी	0.284	0.340	0.420	0.429	0.433	0.439	0.445	174	2	1.83	2.14	1.49	1.90
174 इथियोपिया	..	0.284	0.412	0.423	0.429	0.436	0.442	175	2	..	3.78	1.78	..
175 गैम्बिया	0.330	0.384	0.441	0.437	0.440	0.442	0.441	173	–2	1.55	1.38	–0.02	1.22
176 कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	0.355	0.329	0.408	0.418	0.423	0.430	0.433	176	3	–0.77	2.18	1.52	0.83
177 लाइबेरिया	..	0.359	0.405	0.414	0.419	0.424	0.430	177	1	..	1.20	1.50	..
178 गिनी बिसाउ	..	..	0.413	0.417	0.417	0.418	0.420	178	–4	..	..	0.42	..
179 माली	0.233	0.313	0.409	0.415	0.414	0.416	0.419	179	–3	2.97	2.73	0.61	2.47
180 मोज़ाम्बीक	0.218	0.300	0.401	0.405	0.408	0.413	0.416	180	0	3.25	2.96	0.94	2.74
181 सिएरा लिओन	0.262	0.299	0.388	0.394	0.397	0.408	0.413	182	0	1.32	2.63	1.59	1.91
182 गिनी	..	0.323	0.388	0.399	0.409	0.411	0.411	181	1	..	1.83	1.50	..
183 बुर्किना फ़ासो	..	..	0.378	0.385	0.393	0.396	0.402	184	2	..	..	1.58	..
184 बुरुण्डी	0.295	0.301	0.390	0.392	0.395	0.397	0.400	183	0	0.20	2.62	0.66	1.28
185 चाड	..	0.332	0.371	0.382	0.386	0.388	0.392	186	1	..	1.12	1.37	..
186 एरिट्रिया	..	..	0.381	0.386	0.390	0.390	0.391	185	–5	..	..	0.62	..
187 मध्य अफ़्रीकी गणराज्य	0.314	0.310	0.362	0.368	0.373	0.348	0.350	187	0	–0.14	1.58	–0.84	0.45

	मानव विकास सूचकांक (एचडीआई)							एचडीआई श्रेणी		औसत वार्षिक एचडीआई संवृद्धि			
	मान								बदलाव	(%)			
एचडीआई श्रेणी	1990	2000	2010	2011	2012	2013	2014	2013	2009–2014[a]	1990–2000	2000–2010	2010–2014	1990–2014
188 नाइजर	0.214	0.257	0.326	0.333	0.342	0.345	0.348	188	0	1.85	2.40	1.69	2.05
अन्य देश अथवा अंचल													
कोरिया (लोकतांत्रिक गणराज्य)	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मार्शल द्वीप	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मोनाक्को	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
नॉरू	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
सैन मरीनो	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
सोमालिया	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
तुवालू	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मानव विकास समूह													
अति उच्च मानव विकास	0.801	0.851	0.887	0.890	0.893	0.895	0.896	—	—	0.61	0.42	0.26	0.47
उच्च मानव विकास	0.592	0.642	0.723	0.730	0.737	0.741	0.744	—	—	0.81	1.20	0.71	0.95
मध्यम मानव विकास	0.473	0.537	0.611	0.619	0.623	0.627	0.630	—	—	1.28	1.29	0.78	1.20
निम्न मानव विकास	0.368	0.404	0.487	0.492	0.497	0.502	0.505	—	—	0.92	1.90	0.92	1.32
विकासशील देश	0.513	0.568	0.642	0.649	0.654	0.658	0.660	—	—	1.02	1.23	0.70	1.06
क्षेत्र													
अरब राज्य	0.553	0.613	0.676	0.679	0.684	0.686	0.686	—	—	1.02	0.99	0.38	0.90
पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र	0.516	0.593	0.686	0.693	0.702	0.707	0.710	—	—	1.39	1.48	0.87	1.34
यूरोप और मध्य एशिया	0.651	0.665	0.731	0.739	0.743	0.746	0.748	—	—	0.22	0.94	0.59	0.58
लैटिन अमेरिका और कैरिबियाइ क्षेत्र	0.625	0.684	0.734	0.738	0.743	0.745	0.748	—	—	0.91	0.70	0.47	0.75
दक्षिण एशिया	0.437	0.503	0.586	0.596	0.599	0.603	0.607	—	—	1.42	1.55	0.86	1.38
सब सहारा अफ्रीका	0.400	0.422	0.499	0.505	0.510	0.514	0.518	—	—	0.54	1.68	0.94	1.08
न्यूनतम विकसित देश	0.348	0.399	0.484	0.491	0.495	0.499	0.502	—	—	1.39	1.95	0.92	1.54
छोटे द्वीप विकासशील राज्य	0.574	0.607	0.656	0.658	0.658	0.658	0.660	—	—	0.56	0.79	0.13	0.59
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन	0.785	0.834	0.872	0.875	0.877	0.879	0.880	—	—	0.61	0.44	0.24	0.48
विश्व	**0.597**	**0.641**	**0.697**	**0.703**	**0.707**	**0.709**	**0.711**	**—**	**—**	**0.71**	**0.85**	**0.47**	**0.73**

नोट

a घनात्मक मान वास्तविक श्रेणी के मान में सुधार का संकेत है।

परिभाषाएं

मानव विकास सूचकांक (एचडीआई): एक समग्र सूचकांक जो मानव विकास की औसत उपलब्धि का मापन तीन मूल आयामों– दीर्घ और स्वस्थ जीवन, ज्ञान, और संतोषजनक जीवन स्तर–में करता है। एचडीआई की गणना प्रक्रिया के विवरण के लिए तकनीकी नोट http://hdr.undp.org/en देखें।

वार्षिक औसत एचडीआई संवृद्धि: एक निश्चित अवधि में एचडीआई की अबाध वार्षिक संवृद्धि जिसकी गणना वार्षिक यौगिक संवृद्धि दर के रूप में की गयी है।

आंकड़ों के मुख्य स्रोत

कॉलम 1–7: यूनेस्को इंस्ट्टीयूट फॉर स्टेटिस्टिक्स (2015), यूनाइटेड नेशंस स्टेटिस्टिक्स डिवीजन (2015), वर्ल्ड बैंक (2015[a]), बैरो एंड ली (2014) और आईएमएफ (2015) से उपलब्ध आंकड़ों पर आधारित एचडीआरओ की गणना।

कॉलम 8: कॉलम 6 के आंकड़ों पर आधारित गणना।

कॉलम 9: एचडीआरओ के एचडीआई आंकड़े तथा कालम 7 में दिये गये आंकड़ों पर आधारित गणना।

कॉलम 10–13: कॉलम 1, 2, 3 और 7 के आंकड़ों पर आधारित गणना।

सारणी 3 असमानता–समायोजित मानव विकास सूचकांक

एचडीआई श्रेणी	मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) मान 2014	असमानता-समायोजित एचडीआई (आईएचडीआई) मान 2014	कुल हानि % 2014	एचडीआई[b] से अंतर 2014	मानव-असमानता का गुणांक 2014	जीवन प्रत्याशा में असमानता (%) 2010–2015[c]	असमानता समायोजित जीवन प्रत्याशा सूचकांक मान 2014	शिक्षा में असमानता[a] (%) 2014[d]	असमानता समायोजित शिक्षा सूचकांक मान 2014	आय में असमानता[a] (%) 2014[d]	असमानता समायोजित आय मान 2014	आय में असमानता क्विंटायल अनुपात 2005–2013[e]	आय में असमानता पाल्मा अनुपात 2005–2013[e]	आय में असमानता गिनी गुणांक 2005–2013[e]
अति उच्च मानव विकास														
1 नॉर्वे	0.944	0.893	5.4	0	5.3	3.4	0.916	2.3	0.886	10.2	0.878	4.0	0.9	26.8
2 आस्ट्रेलिया	0.935	0.858	8.2	–2	7.9	4.2	0.920	1.9	0.914	17.7	0.752	5.8	1.3	34.0
3 स्विटज़रलैण्ड	0.930	0.861	7.4	0	7.3	3.9	0.931	5.7	0.816	12.3	0.839	5.2	1.2	32.4
4 डेनमार्क	0.923	0.856	7.3	–1	7.1	4.0	0.889	3.0	0.897	14.4	0.787	4.0	0.9	26.9
5 नीदरलैण्ड	0.922	0.861	6.6	3	6.5	3.9	0.911	4.1	0.858	11.6	0.817	4.5	1.0	28.9
6 जर्मनी	0.916	0.853	6.9	0	6.7	3.7	0.902	2.4	0.871	14.1	0.790	4.7	1.1	30.6
6 आयरलैण्ड	0.916	0.836	8.6	–3	8.5	3.7	0.902	5.4	0.858	16.3	0.756	5.3	1.2	32.1
8 अमेरिका	0.915	0.760	17.0	–20	15.7	6.2	0.853	5.3	0.842	35.6	0.610	9.8	2.0	41.1
9 कनाडा	0.913	0.832	8.8	–2	8.6	4.6	0.910	3.9	0.841	17.4	0.754	5.8	1.3	33.7
9 न्यूज़ीलैण्ड	0.913	..	..	..	..	4.8	0.905	..	..	..	..	..	..	..
11 सिंगापुर	0.912	..	..	..	..	2.8	0.942	..	..	..	..	..	..	..
12 हांगकांग, चीन (एस.ए.आर.)	0.910	..	..	..	..	2.8	0.957	..	..	..	..	..	..	..
13 लिक्टेन्सटाइन	0.908	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
14 स्वीडन	0.907	0.846	6.7	3	6.5	3.1	0.927	3.5	0.813	13.1	0.804	3.7	0.9	26.1
14 ब्रिटेन	0.907	0.829	8.6	–2	8.4	4.5	0.892	2.8	0.860	17.8	0.742	7.6	1.7	38.0
16 आइसलैण्ड	0.899	0.846	5.9	4	5.8	2.8	0.936	2.4	0.832	12.2	0.777	3.8	0.9	26.3
17 कोरिया गणराज्य	0.898	0.751	16.4	–19	15.9	3.9	0.915	25.5	0.644	18.4	0.718	..	..	..
18 इस्राइल	0.894	0.775	13.4	–9	12.9	3.8	0.923	9.9	0.776	25.0	0.649	10.3	2.2	42.8
19 लक्ज़मबर्ग	0.892	0.822	7.9	0	7.7	3.3	0.918	6.0	0.729	13.9	0.829	..	..	..
20 जापान	0.891	0.780	12.4	–5	12.2	3.2	0.945	19.8	0.649	13.5	0.773	5.4	1.2	32.1
21 बेल्जियम	0.890	0.820	7.9	1	7.9	3.9	0.899	8.1	0.762	11.6	0.804	5.0	1.3	33.1
22 फ्रांस	0.888	0.811	8.7	0	8.6	4.0	0.919	8.0	0.751	13.9	0.772	5.1	1.2	31.7
23 ऑस्ट्रिया	0.885	0.816	7.8	2	7.6	3.7	0.909	3.5	0.771	15.5	0.777	4.6	1.1	30.0
24 फ़िनलैण्ड	0.883	0.834	5.5	10	5.5	3.5	0.902	2.1	0.800	10.8	0.803	4.0	1.0	27.8
25 स्लोवेनिया	0.880	0.829	5.9	8	5.8	3.8	0.894	2.6	0.840	11.0	0.757	3.6	0.8	24.9
26 स्पेन	0.876	0.775	11.5	0	11.0	3.9	0.926	5.2	0.759	23.9	0.663	7.6	1.4	35.8
27 इटली	0.873	0.773	11.5	–1	11.3	3.4	0.938	10.6	0.700	19.8	0.702	6.9	1.4	35.5
28 चेक गणराज्य	0.870	0.823	5.4	10	5.3	3.7	0.868	1.4	0.854	11.0	0.751	3.9	0.9	26.4
29 ग्रीस	0.865	0.758	12.4	–5	12.1	4.0	0.899	11.6	0.735	20.6	0.660	6.4	1.4	34.7
30 एस्टोनिआ	0.861	0.782	9.2	6	8.9	5.6	0.825	2.4	0.853	18.6	0.680	5.6	1.2	32.7
31 ब्रूनेई दारस्सलाम	0.856	..	..	..	..	4.4	0.865	..	..	..	..	..	..	..
32 साइप्रस	0.850	0.758	10.7	–2	10.6	3.7	0.892	13.1	0.673	15.0	0.727	..	..	..
32 कतर	0.850	..	..	..	..	6.0	0.841	..	..	..	..	..	..	..
34 अंडोरा	0.845	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
35 स्लोवाकिया	0.844	0.791	6.2	9	6.2	5.6	0.818	1.5	0.813	11.3	0.744	4.1	0.9	26.6
36 पोलैण्ड	0.843	0.760	9.8	2	9.6	5.7	0.833	5.6	0.778	17.5	0.678	5.2	1.3	32.8
37 लिथुआनिया	0.839	0.754	10.1	–1	10.0	6.6	0.766	5.9	0.817	17.5	0.686	5.7	1.2	32.6
37 माल्टा	0.839	0.767	8.5	4	8.5	4.8	0.888	7.3	0.690	13.3	0.737	..	..	..
39 सऊदी अरब	0.837	..	..	..	..	8.7	0.762	..	..	..	..	..	..	..
40 अर्जेंटीना	0.836	0.711	15.0	–8	14.5	9.3	0.786	8.1	0.759	26.3	0.601	10.6	2.3	43.6
41 संयुक्त अरब अमीरात	0.835	..	..	..	..	5.5	0.829	..	..	..	..	..	..	..
42 चिली	0.832	0.672	19.3	–13	18.2	5.9	0.893	12.6	0.655	36.0	0.519	12.6	3.3	50.8
43 पुर्तगाल	0.830	0.744	10.4	1	10.1	3.9	0.900	5.9	0.685	20.3	0.668	..	..	..
44 हंगरी	0.828	0.769	7.2	10	7.1	5.4	0.803	3.2	0.789	12.6	0.717	4.5	1.0	28.9
45 बहरीन	0.824	..	..	..	..	6.3	0.816	..	..	..	..	..	..	..
46 लात्विया	0.819	0.730	10.8	0	10.5	7.6	0.771	3.5	0.778	20.5	0.649	6.9	1.5	36.0
47 क्रोएशिया	0.818	0.743	9.1	3	8.9	5.2	0.836	4.3	0.745	17.2	0.659	5.3	1.4	33.6
48 कुवैत	0.816	..	..	..	..	7.2	0.776	..	..	..	..	..	..	..
49 मॉन्टीनेग्रो	0.802	0.728	9.2	1	9.2	7.6	0.799	7.4	0.735	12.6	0.658	4.7	1.1	30.6
उच्च मानव विकास														
50 बेलारुस	0.798	0.741	7.1	4	7.1	6.8	0.736	3.7	0.804	10.8	0.690	3.8	0.9	26.5
50 रुसी गणराज्य	0.798	0.714	10.5	1	10.3	9.8	0.695	2.3	0.788	18.7	0.664	7.3	1.8	39.7
52 ओमान	0.793	..	..	..	..	7.0	0.813	..	..	..	..	..	..	..
52 रोमानिया	0.793	0.711	10.3	2	10.2	8.8	0.768	4.7	0.719	17.1	0.651	4.1	0.9	27.3
52 उरूग्वे	0.793	0.678	14.5	–4	14.2	9.2	0.799	9.2	0.647	24.2	0.602	9.0	2.0	41.3
55 बहामास	0.790	..	..	..	..	9.4	0.772	..	..	..	..	..	..	..
56 कज़ाकिस्तान	0.788	0.694	11.9	1	11.8	16.7	0.633	5.9	0.751	12.7	0.704	4.0	1.0	28.6
57 बारबाडोस	0.785	..	..	..	..	8.1	0.786	5.5	0.734	..	..	..	..	..
58 एंटिगुआ और बरबूडा	0.783	..	..	..	..	8.0	0.794	..	..	..	..	..	..	..
59 बुल्गेरिया	0.782	0.699	10.5	3	10.4	7.9	0.768	5.5	0.710	17.8	0.627	6.4	1.4	34.3

एचडीआई श्रेणी	मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) मान 2014	असमानता-समायोजित एचडीआई (आईएचडीआई) मान 2014	कुल हानि % 2014	एचडीआई[b] से अंतर 2014	मानव-असमानता का गुणांक 2014	जीवन प्रत्याशा में असमानता (%) 2010–2015[c]	असमानता समायोजित जीवन प्रत्याशा सूचकांक मान 2014	शिक्षा में असमानता[a] (%) 2014[d]	असमानता समायोजित शिक्षा सूचकांक मान 2014	आय में असमानता[a] (%) 2014[d]	असमानता समायोजित आय मान 2014	आय में असमानता क्विंटायल अनुपात 2005–2013[e]	आय में असमानता पाल्मा अनुपात 2005–2013[e]	आय में असमानता गिनी गुणांक 2005–2013[e]
60 पलाउ	0.780	..	..	..	..	..	..	12.0	0.696	23.0	0.570	..	..	..
60 पनामा	0.780	0.604	22.5	–20	21.7	12.1	0.779	16.6	0.567	36.5	0.499	17.6	3.6	51.9
62 मलेशिया	0.779	..	..	..	..	4.9	0.800	..	..	..	..	11.3	2.6	46.2
63 मॉरिशिस	0.777	0.666	14.2	–2	14.1	9.2	0.760	13.2	0.623	19.8	0.625	5.9	1.5	35.9
64 सेशेल्स	0.772	..	..	..	..	7.9	0.752	..	..	..	..	18.8	6.4	65.8
64 ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	0.772	0.654	15.2	–3	15.0	16.4	0.648	6.6	0.659	21.9	0.656	..	..	..
66 सर्बिया	0.771	0.693	10.1	5	10.1	8.5	0.773	8.1	0.688	13.5	0.627	4.6	1.1	29.7
67 क्यूबा	0.769	..	..	..	..	5.1	0.867	11.3	0.681	..	..	..	..	..
67 लेबनान	0.769	0.609	20.8	–15	20.2	6.7	0.852	24.1	0.491	30.0	0.540	..	..	..
69 कोस्टा रिका	0.766	0.613	19.9	–11	19.1	7.3	0.847	15.5	0.561	34.3	0.486	12.8	2.9	48.6
69 ईरान इस्लामिक गणराज्य	0.766	0.509	33.6	–41	32.1	12.5	0.746	37.3	0.433	46.6	0.407	7.0	1.7	38.3
71 वेनेज़ुएला (बोलिवेरियाई गणराज्य)	0.762	0.612	19.7	–11	19.4	12.2	0.732	17.6	0.570	28.4	0.550	11.7	2.4	44.8
72 तुर्की	0.761	0.641	15.8	0	15.7	11.0	0.757	14.2	0.563	21.8	0.618	8.0	1.9	40.0
73 श्रीलंका	0.757	0.669	11.6	7	11.6	8.3	0.774	12.8	0.646	13.7	0.597	5.8	1.6	36.4
74 मैक्सिको	0.756	0.587	22.4	–12	21.8	10.9	0.778	19.7	0.518	34.6	0.501	11.1	2.8	48.1
75 ब्राज़ील	0.755	0.557	26.3	–20	25.6	14.5	0.717	23.6	0.518	38.7	0.465	16.9	3.8	52.7
76 जॉर्जिया	0.754	0.652	13.6	5	13.2	12.9	0.736	3.3	0.761	23.4	0.494	8.9	2.0	41.4
77 सेंट किट्स एवं नेविस	0.752	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
78 अज़रबेजान	0.751	0.652	13.2	7	12.9	21.7	0.612	8.3	0.645	8.9	0.702	5.1	1.3	33.0
79 ग्रेनाडा	0.750	..	..	..	..	8.4	0.753	..	..	..	..	..	..	..
80 जॉर्डन	0.748	0.625	16.5	2	16.4	11.9	0.732	16.9	0.586	20.5	0.568	5.1	1.4	33.7
81 मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	0.747	0.622	16.7	2	16.1	7.6	0.788	10.6	0.608	30.1	0.504	9.3	2.3	44.2
81 यूक्रेन	0.747	0.689	7.8	16	7.7	10.4	0.703	3.6	0.770	9.2	0.604	3.4	0.9	24.8
83 अल्जीरिया	0.736	..	..	..	..	16.7	0.702	..	..	..	..	..	..	..
84 पेरू	0.734	0.563	23.4	–10	23.0	13.9	0.723	23.3	0.509	31.9	0.484	11.9	2.5	45.3
85 अल्बानिया	0.733	0.634	13.5	8	13.4	9.9	0.801	11.9	0.561	18.3	0.567	4.3	1.0	29.0
85 अर्मेनिआ	0.733	0.658	10.2	14	10.1	12.7	0.735	3.7	0.679	13.9	0.572	4.5	1.1	30.3
85 बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	0.733	0.635	13.3	9	13.1	6.7	0.811	12.5	0.573	20.2	0.551	5.4	1.3	33.0
88 इक्वाडोर	0.732	0.570	22.1	–4	21.8	13.4	0.745	21.1	0.510	30.9	0.487	12.0	2.7	46.6
89 सेंट लूसिआ	0.729	0.613	15.9	5	15.5	9.9	0.764	9.2	0.600	27.4	0.502	..	..	..
90 चीन	0.727	..	..	..	..	9.8	0.774	..	..	29.5	0.514	10.1	2.1	37.0
90 फ़िजी	0.727	0.616	15.3	8	15.1	12.3	0.675	10.5	0.686	22.6	0.505	8.0	2.2	42.8
90 मंगोलिया	0.727	0.633	12.9	12	12.8	16.6	0.634	9.4	0.647	12.3	0.619	6.2	1.6	36.5
93 थाइलैण्ड	0.726	0.576	20.6	1	19.9	9.8	0.755	16.1	0.519	34.0	0.488	6.9	1.8	39.4
94 डोमिनिका	0.724	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
94 लीबिया	0.724	..	..	..	..	10.1	0.714	..	..	..	..	..	..	..
96 ट्यूनीशिया	0.721	0.562	22.0	–2	21.4	10.6	0.753	34.6	0.415	18.9	0.569	6.4	1.5	35.8
97 कोलम्बिया	0.720	0.542	24.7	–10	24.1	13.5	0.718	21.3	0.489	37.4	0.453	17.5	4.0	53.5
97 सेंट विन्सेन्ट एवं ग्रेनाडाइन	0.720	..	..	..	..	13.0	0.708	..	..	..	..	..	..	..
99 जमैका	0.719	0.593	17.5	7	16.9	15.0	0.729	5.6	0.628	30.1	0.454	9.6	2.5	45.5
100 टोंगो	0.717	..	..	..	..	13.7	0.701	..	..	..	..	..	..	..
101 बेलीज़	0.715	0.553	22.6	–3	21.7	11.4	0.682	15.9	0.611	37.9	0.406	..	..	..
101 डोमीनिकन गणराज्य	0.715	0.546	23.6	–6	23.4	16.9	0.684	22.9	0.474	30.3	0.503	10.3	2.5	45.7
103 सूरीनाम	0.714	0.543	24.0	–5	23.3	13.6	0.680	19.0	0.492	37.3	0.478	..	..	..
104 मालदीव	0.706	0.531	24.9	–6	23.8	8.1	0.803	40.0	0.333	23.2	0.559	6.8	1.6	37.4
105 समोआ	0.702	..	..	..	..	13.3	0.713	..	..	..	..	..	..	..
मध्यम मानव विकास														
106 बोत्स्वाना	0.698	0.431	38.2	–23	36.5	21.9	0.535	32.1	0.437	55.5	0.344	22.9	5.8	60.5
107 मॉल्डोवा गणराज्य	0.693	0.618	10.8	20	10.8	11.0	0.707	7.3	0.651	14.0	0.514	4.6	1.1	30.6
108 मिस्र	0.690	0.524	24.0	–5	22.8	13.4	0.681	40.9	0.351	14.2	0.604	4.4	1.2	30.8
109 तुर्कमेनिस्तान	0.688	..	..	..	..	26.0	0.519	..	..	..	..	..	..	..
110 गैबन	0.684	0.519	24.0	–6	24.0	28.0	0.492	23.5	0.465	20.4	0.613	8.3	2.1	42.2
110 इण्डोनेशिया	0.684	0.559	18.2	6	18.2	16.4	0.629	20.8	0.486	17.3	0.573	5.7	1.5	38.1
112 परागवे	0.679	0.529	22.1	–1	21.8	19.2	0.657	16.2	0.492	30.1	0.458	13.0	2.9	48.0
113 फिलिस्तीन राज्य	0.677	0.577	14.9	16	14.8	13.1	0.707	16.5	0.549	15.0	0.494	5.5	1.4	34.5
114 उज़्बेकिस्तान	0.675	0.569	15.8	14	15.3	24.3	0.563	1.4	0.672	20.1	0.485	5.8	1.5	35.2
115 फ़िलीपीन्स	0.668	0.547	18.1	7	17.8	15.2	0.629	11.6	0.539	26.8	0.483	8.4	2.2	43.0
116 अल सल्वाडोर	0.666	0.488	26.7	–6	26.2	14.5	0.697	30.2	0.389	34.0	0.428	8.4	2.0	41.8
116 दक्षिण अफ़्रीका	0.666	0.428	35.7	–15	33.0	25.7	0.427	16.1	0.594	57.3	0.310	28.5	8.0	65.0
116 वियतनाम	0.666	0.549	17.5	9	17.4	12.1	0.755	18.0	0.474	22.0	0.463	6.1	1.5	35.6
119 बोलिविया (प्लूरीनेशनल राज्य)	0.662	0.472	28.7	–5	28.4	24.5	0.561	24.7	0.480	36.1	0.391	15.2	2.7	46.6

सारणी 3 असामानता–समायोजित मानव विकास सूचकांक

	मानव विकास सूचकांक (एचडीआई)	असमानता-समायोजित एचडीआई (आईएचडीआई)			मानव-असमानता का गुणांक	जीवन प्रत्याशा में असमानता	असमानता समायोजित जीवन प्रत्याशा सूचकांक	शिक्षा में असमानता[a]	असमानता समायोजित शिक्षा सूचकांक	आय में असमानता[a]	असमानता समायोजित आय	आय में असमानता		
	मान	मान	कुल हानि %	एचडीआई[b] से अंतर		(%)	मान	(%)	मान	(%)	मान	विचंटायल अनुपात	पाल्मा अनुपात	गिनी गुणांक
एचडीआई श्रेणी	2014	2014	2014	2014	2014	2010–2015[c]	2014	2014[d]	2014	2014[d]	2014	2005–2013[e]	2005–2013[e]	2005–2013[e]
120 किर्गिस्तान	0.655	0.560	14.5	17	14.2	20.0	0.623	5.0	0.665	17.7	0.424	5.4	1.3	33.4
121 इराक	0.654	0.512	21.8	2	21.5	17.6	0.626	30.6	0.342	16.1	0.626	4.4	1.1	29.5
122 केप वर्दे	0.646	0.519	19.7	5	19.4	12.0	0.722	18.2	0.433	28.0	0.447	8.7	2.3	43.8
123 माइक्रोनेशिया (संघीय राज्य)	0.640	..	..	..	..	19.8	0.606	..	..	..	..	40.2	7.0	61.1
124 गयाना	0.636	0.520	18.3	8	18.1	19.2	0.577	10.5	0.511	24.4	0.477	..	..	..
125 निकारगुआ	0.631	0.480	24.0	1	23.6	13.2	0.733	29.5	0.366	28.3	0.411	11.0	2.5	45.7
126 मोरक्को	0.628	0.441	29.7	–2	28.5	16.8	0.692	45.8	0.253	23.0	0.492	7.3	2.0	40.9
126 नामीबिया	0.628	0.354	43.6	–25	39.3	21.7	0.539	27.8	0.377	68.3	0.217	19.6	5.8	61.3
128 ग्वाटेमाला	0.627	0.443	29.4	1	28.9	17.4	0.658	36.2	0.308	33.1	0.429	14.8	3.6	52.4
129 ताजिकिस्तान	0.624	0.515	17.5	10	17.0	29.3	0.537	6.5	0.615	15.0	0.414	4.7	1.1	30.8
130 भारत	0.609	0.435	28.6	1	27.7	25.0	0.554	42.1	0.292	16.1	0.508	5.0	1.4	33.6
131 होण्डुरास	0.606	0.412	32.1	–7	30.7	17.0	0.678	26.4	0.361	48.6	0.285	23.5	5.0	57.4
132 भूटान	0.605	0.425	29.8	–2	28.9	22.2	0.593	44.8	0.249	19.6	0.519	6.8	1.8	38.7
133 टिमोर लेस्ट	0.595	0.412	30.7	–4	29.4	22.8	0.572	47.6	0.247	17.8	0.494	4.4	1.2	30.4
134 सीरियाई अरब गणराज्य	0.594	0.468	21.2	8	20.8	12.6	0.667	31.5	0.376	18.3	0.408	5.7	1.5	35.8
134 वनुआतु	0.594	0.492	17.2	12	17.2	15.4	0.675	17.5	0.430	18.5	0.410	..	..	..
136 कांगो	0.591	0.434	26.6	6	26.2	36.0	0.417	21.5	0.402	21.2	0.488	8.2	1.9	40.2
137 किरिबाटी	0.590	0.405	31.5	–2	30.1	20.6	0.562	21.4	0.474	48.4	0.249	..	..	..
138 इक्वेटोरियल गिनी	0.587	..	..	..	..	44.4	0.322	..	..	..	..	..	..	..
139 ज़ाम्बिया	0.586	0.384	34.4	–6	33.9	37.2	0.387	21.7	0.466	42.6	0.314	17.4	4.8	57.5
140 घाना	0.579	0.387	33.1	–3	33.1	30.8	0.441	36.7	0.350	31.7	0.377	9.3	2.2	42.8
141 लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	0.575	0.428	25.6	7	25.3	21.5	0.558	34.1	0.304	20.3	0.463	5.8	1.6	36.2
142 बांग्लादेश	0.570	0.403	29.4	1	29.0	20.1	0.634	38.6	0.274	28.3	0.375	4.7	1.3	32.1
143 कम्बोडिया	0.555	0.418	24.7	7	24.6	25.3	0.557	28.3	0.321	20.3	0.407	4.6	1.3	31.8
143 साओ टोम एवं प्रिन्साइप	0.555	0.418	24.7	6	24.7	26.9	0.523	21.4	0.368	25.8	0.378	5.6	1.3	33.9
निम्न मानव विकास														
145 केन्या	0.548	0.377	31.3	–3	31.1	31.5	0.439	26.0	0.380	36.0	0.321	11.0	2.8	47.7
145 नेपाल	0.548	0.401	26.8	3	25.9	21.1	0.602	41.4	0.266	15.1	0.403	5.0	1.3	32.8
147 पाकिस्तान	0.538	0.377	29.9	0	28.6	29.9	0.498	44.4	0.208	11.6	0.519	4.1	1.1	29.6
148 म्याँमार	0.536	..	..	..	..	27.1	0.515	19.4	0.303	..	..	..	..	..
149 अंगोला	0.532	0.335	37.0	–8	36.6	46.2	0.267	34.6	0.310	28.9	0.453	9.0	2.2	42.7
150 स्वाज़ीलैण्ड	0.531	0.354	33.3	–2	33.1	35.0	0.290	26.8	0.404	37.6	0.379	14.0	3.5	51.5
151 तंज़ानिया गणराज्य	0.521	0.379	27.3	4	27.2	30.4	0.482	28.5	0.304	22.7	0.372	6.2	1.7	37.8
152 नाईजीरिया	0.514	0.320	37.8	–9	37.5	40.8	0.299	43.3	0.254	28.4	0.430	9.1	2.2	43.0
153 कैमरून	0.512	0.344	32.8	–1	32.4	39.4	0.331	34.8	0.318	23.1	0.387	7.5	1.9	40.7
154 मैडागास्कर	0.510	0.372	27.0	4	26.8	24.8	0.522	35.0	0.318	20.4	0.311	7.4	1.9	40.6
155 ज़िम्बाब्वे	0.509	0.371	27.0	4	26.7	26.8	0.422	17.4	0.449	35.8	0.270	..	..	..
156 मॉरिटानिया	0.506	0.337	33.4	1	32.9	36.6	0.420	40.8	0.214	21.2	0.425	7.8	1.9	40.5
156 सॉलोमन द्वीपसमूह	0.506	0.385	23.8	11	23.8	22.3	0.573	22.8	0.328	26.3	0.304	..	..	..
158 पापुआ न्यू गिनी	0.505	..	..	..	..	26.5	0.481	11.5	0.360	..	..	..	..	..
159 कोमोरॉस	0.503	0.268	46.7	–18	46.0	34.2	0.438	47.6	0.248	56.0	0.178	26.7	7.0	64.3
160 यमन	0.498	0.329	34.0	0	33.0	30.3	0.469	48.1	0.177	20.6	0.427	5.6	1.5	35.9
161 लेसोथो	0.497	0.320	35.6	–2	34.9	33.5	0.305	24.3	0.383	47.0	0.280	20.4	4.3	54.2
162 टोगो	0.484	0.322	33.4	1	33.1	36.8	0.386	38.9	0.299	23.5	0.290	10.7	2.6	46.0
163 हैती	0.483	0.296	38.8	–7	38.2	27.9	0.475	38.3	0.249	48.4	0.219	26.6	5.5	59.2
163 रवाण्डा	0.483	0.330	31.6	4	31.6	30.2	0.475	29.4	0.289	35.2	0.262	11.0	3.2	50.8
163 युगाण्डा	0.483	0.337	30.2	6	30.2	33.8	0.392	29.4	0.319	27.3	0.305	8.8	2.4	44.6
166 बेनिन	0.480	0.300	37.4	–2	37.1	37.0	0.384	44.8	0.230	29.4	0.306	8.2	2.2	43.5
167 सूडान	0.479	..	..	..	..	32.8	0.450	42.7	0.171	..	..	6.2	1.4	35.3
168 जिबूती	0.470	0.308	34.6	1	33.7	32.5	0.436	47.0	0.162	21.7	0.413	7.7	1.9	40.0
169 दक्षिण सूडान	0.467	..	..	..	..	40.8	0.325	39.6	0.235	..	..	..	..	..
170 सेनेगल	0.466	0.305	34.4	1	34.0	29.5	0.504	44.7	0.168	27.7	0.337	7.8	1.9	40.3
171 अफ़गानिस्तान	0.465	0.319	31.4	5	30.0	34.3	0.408	44.8	0.202	10.8	0.396	4.0	1.0	27.8
172 आइवरी कोस्ट	0.462	0.287	38.0	–1	37.6	40.2	0.290	45.1	0.214	27.4	0.379	9.4	2.2	43.2
173 मलावी	0.445	0.299	32.9	2	32.6	40.0	0.395	30.2	0.308	27.7	0.220	9.7	2.6	46.2
174 इथियोपिया	0.442	0.312	29.4	7	28.0	30.2	0.474	44.3	0.176	9.5	0.363	5.3	1.4	33.6
175 गैम्बिया	0.441	..	..	..	..	34.8	0.403	..	..	26.9	0.299	11.0	2.8	47.3
176 कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	0.433	0.276	36.2	0	35.3	49.9	0.298	27.7	0.341	28.2	0.208	9.3	2.4	44.4
177 लाइबेरिया	0.430	0.280	34.8	2	34.1	33.1	0.421	46.4	0.215	22.7	0.243	7.0	1.7	38.2
178 गिनी बिसाउ	0.420	0.254	39.6	–5	39.4	45.3	0.296	40.3	0.206	32.5	0.267	5.9	1.5	35.5
179 माली	0.419	0.270	35.7	1	34.5	45.6	0.318	41.6	0.176	16.1	0.350	5.2	1.3	33.0
180 मोज़ाम्बीक	0.416	0.273	34.3	3	34.1	40.2	0.323	33.8	0.242	28.4	0.262	9.8	2.5	45.7

	मानव विकास सूचकांक (एचडीआई)	असमानता-समायोजित एचडीआई (आईएचडीआई)			मानव-असमानता का गुणांक	जीवन प्रत्याशा में असमानता	असमानता समायोजित जीवन प्रत्याशा सूचकांक	शिक्षा में असमानता[a]	असमानता समायोजित शिक्षा सूचकांक	आय में असमानता[a]	असमानता समायोजित आय	आय में असमानता		
	मान	मान	कुल हानि %	एचडीआई[b] से अंतर		(%)	मान	(%)	मान	(%)	मान	क्विंटायल अनुपात	पाल्मा अनुपात	गिनी गुणांक
एचडीआई श्रेणी	2014	2014	2014	2014	2014	2010–2015[c]	2014	2014[d]	2014	2014[d]	2014	2005–2013[e]	2005–2013[e]	2005–2013[e]
181 सिएरा लिओन	0.413	0.241	41.7	–4	40.0	51.2	0.232	49.6	0.171	19.2	0.351	5.6	1.5	35.4
182 गिनी	0.411	0.261	36.5	0	35.2	40.3	0.356	48.3	0.167	17.1	0.300	5.5	1.3	33.7
183 बुर्किना फ़ासो	0.402	0.261	35.0	2	34.6	41.1	0.351	38.6	0.161	24.2	0.317	7.0	1.9	39.8
184 बुरुण्डी	0.400	0.269	32.6	5	31.5	43.6	0.318	36.9	0.234	14.1	0.263	4.8	1.3	33.3
185 चाड	0.392	0.236	39.9	–1	39.6	46.1	0.262	41.9	0.157	30.7	0.318	10.0	2.2	43.3
186 एरिट्रिया	0.391	..	..	..	..	24.7	0.506	..	..	..	..	..	..	..
187 मध्य अफ़्रीकी गणराज्य	0.350	0.198	43.5	–1	43.1	45.7	0.256	34.5	0.224	49.2	0.135	18.0	4.5	56.3
188 नाइजर	0.348	0.246	29.2	3	28.4	37.9	0.396	35.0	0.129	12.3	0.292	4.5	1.2	31.2
अन्य देश अथवा अंचल														
कोरिया (लोकतांत्रिक गणराज्य)	..	..	..	..	..	15.4	0.655	..	..	..	..	..	..	..
मार्शल द्वीप	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मोनाक्को	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
नॉरू	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
सैन मरीनो	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
सोमालिया	..	..	..	..	..	42.1	0.316	43.5	..	..	..	..	..	..
तुवालू	..	..	..	..	..	..	..	10.5	..	..	..	..	..	..
मानव विकास समूह														
अति उच्च मानव विकास	0.896	0.788	12.1	—	11.8	4.9	0.885	8.0	0.782	22.5	0.706	—	—	—
उच्च मानव विकास	0.744	0.600	19.4	—	19.0	10.7	0.757	16.8	0.542	29.4	0.527	—	—	—
मध्यम मानव विकास	0.630	0.468	25.8	—	25.5	21.9	0.584	34.7	0.348	19.8	0.503	—	—	—
निम्न मानव विकास	0.505	0.343	32.0	—	31.7	35.0	0.405	37.9	0.247	22.0	0.404	—	—	—
विकासशील देश	0.660	0.490	25.7	—	25.5	19.9	0.614	32.3	0.374	24.5	0.514	—	—	—
क्षेत्र														
अरब राज्य	0.686	0.512	25.4	—	24.7	17.4	0.643	38.9	0.334	17.7	0.626	—	—	—
पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र	0.710	0.572	19.4	—	19.2	11.7	0.734	18.4	0.491	27.4	0.520	—	—	—
यूरोप और मध्य एशिया	0.748	0.651	13.0	—	12.9	14.3	0.690	7.9	0.655	16.6	0.611	—	—	—
लैटिन अमेरिका और कैरिबियाइ क्षेत्र	0.748	0.570	23.7	—	23.2	13.3	0.734	21.0	0.522	35.2	0.485	—	—	—
दक्षिण एशिया	0.607	0.433	28.7	—	27.9	24.4	0.563	41.5	0.288	17.9	0.499	—	—	—
सब सहारा अफ़्रीका	0.518	0.345	33.3	—	33.1	36.6	0.375	35.3	0.285	27.5	0.385	—	—	—
न्यूनतम विकसित देश	0.502	0.347	30.9	—	30.7	32.3	0.451	36.4	0.253	23.4	0.367	—	—	—
छोटे द्वीप विकासशील राज्य	0.660	0.493	25.3	—	24.9	18.6	0.628	21.3	0.457	34.9	0.418	—	—	—
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन	0.880	0.763	13.3	—	12.9	5.6	0.873	9.5	0.744	23.6	0.685	—	—	—
विश्व	**0.711**	**0.548**	**22.8**	**—**	**22.7**	**17.4**	**0.654**	**26.8**	**0.442**	**24.0**	**0.570**	**—**	**—**	**—**

नोट

a असमानता का आकलन करने हेतु http://hdr.undp.org पर दिए गये सर्वेक्षणों की सूची देखें।

b उन देशों पर आधारित जिनके लिए असमानता-समायोजित मानव विकास सूचकांक की गणना की गई है।

c यूएनडीईएसए (2013ए) की 2010–2015 अवधि की जीवन तालिकाओं (लाइफ टेबल्स) से की गई गणना।

d आंकड़े 2014 या अभी हाल के उपलब्ध वर्ष की ओर संकेत करते हैं।

e आंकड़े विनिर्दिष्ट अवधि के दौरान अभी हाल के उपलब्ध वर्ष की ओर संकेत करते हैं।

परिभाषाएं

मानव विकास सूचकांक (एचडीआई): एक समग्र सूचकांक जो मानव विकास के तीन मूल आयामों पर औसत उपलब्धि की गणना करता है– दीर्घ और स्वस्थ जीवन, ज्ञान, और सबसे अच्छा जीवन स्तर। एचडीआई की गणना प्रक्रिया विवरण के लिए तकनीकी नोट 1 http://hdr.undp.org पर देखें।

असमानता-समायोजित एचडीआई (आईएचडीआई): मानव विकास के तीन मूल आयामों में असमानता के लिए समायोजित एचडीआई मान। आईएचडीआई की गणना प्रक्रिया के लिए तकनीकी नोट 2 http://hdr.undp.org पर देखें।

कुल हानि: आईएचडीआई और एचडीआई में अंतर का प्रतिशत।

एचडीआई श्रेणी से अंतर: आईएचडीआई और एचडीआई श्रेणी के अंतर की गणना केवल उन देशों के लिए की गई है जिनके लिए एचडीआई की गणना की गई है।

मानव असमानता का गुणांक: मानव विकास के तीन मूल आयामों में असमानता का औसत। तकनीकी नोट 2 http://hdr.undp.org पर देखें।

जीवन प्रत्याशा में असमानता: एटकिन्सन असमानता सूचकांक का प्रयोग कर जीवन तालिकाओं (लाइफ टेबल्स) के आंकड़ों से जीवित रहने की उम्मीद से जुड़े वर्षों में व्याप्त असमानता पर आधरित आकलन।

असमानता–समायोजित जीवन प्रत्याशा सूचकांक: *आंकड़ों के प्रमुख स्त्रोतों* में सूचिबद्ध जीवन तालिकाओं (लाइफ टेबल्स) पर आधारित एसडीआई जीवन प्रत्याशा सूचकांक जिसे अपेक्षित जीवन काल के वितरण में असमानता द्वारा समायोजित किया गया है।

शिक्षा में असमानता: एटकिन्सन असमानता सूचकांक का प्रयोग कर अनुमानित घरेलू सर्वेक्षणों के आंकड़ों पर आधरित स्कूली शिक्षा के वर्षों के वितरण में असमानता।

असमानता–समायोजित शिक्षा सूचकांक: *आंकड़ों के प्रमुख स्त्रोतों* में सूचिबद्ध घरेलू सर्वेक्षणों के आंकड़ों पर आधारित एचडीआई शिक्षा सूचकांक जिसके स्कूली शिक्षा के वर्षों के वितरण में असामनता द्वारा समायोजित किया गया है।

आय में असमानता: एटकिन्सन असमानता सूचकांक का प्रयोग कर अनुमानित घरेलू सर्वेक्षणों के आंकड़ों पर आधारित आय वितरण में असमानता।

असमानता–समायोजित आय का सूचकांक: *आंकड़ों के प्रमुख स्त्रोतों* में सूचीबद्ध घरेलू सर्वेक्षणों के आंकड़ों पर आधारित एचडीआई आय सूचकांक जिसे आय के वितरण में असमानता द्वारा समायोजित किया गया है।

क्विंटाइल अनुपात: जनसंख्या के 20 प्रतिशत सबसे अधिक धनवानों की औसत आय और जनसंख्या के 20 प्रतिशत सबसे अधिक निर्धनों की औसत आय का अनुपात।

पाल्मा अनुपात: जनसंख्या के सबसे अधिक धनबानों की राष्ट्रीय सकल आय (जीएनआई) में हिस्सेदारी को जनसंख्या के सबसे अधिक निर्धनों की आय से भाग देने पर प्राप्त अनुपात। यह पाल्मा (2011) के कार्यों पर आधरित है जिसने स्थापित किया कि मध्य वर्ग की आय प्राय: हमेशा लगभग आधी जीएनआई के लिए जिम्मेदार होती है और शेष जीएनआई 10 प्रतिशत सबसे अधिक धनवान और 40 प्रतिशत सबसे अधिक निर्धनों के बीच बंट जाती है, यद्यपि उनके हिस्से विभिन्न देशों में अत्यधिक बदलते रहते हैं।

गिनी गुणांक: किसी एक देश में व्यक्तियों अथवा परिवारों के बीच वितरण में विचलन के विपरीत एक समान वितरण का पैमाना शून्य मान पूर्ण समानता को निरुपित करती है, 100 का मान पूर्ण असमानता को।

आंकड़ों के मुख्य स्त्रोत

कॉलम 1: यूएनडीईएसए (2015), एचडीआरओ की गणना का आधार, यूनेस्को इंस्ट्टीयूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2015), यूनाइटेड नेशंस स्टेटिस्टिकस डिवीजन (2015), वर्ल्ड बैंक (2015), बैरो एंड ली (2014) और आईएमएफ (2015) के आंकड़े है।

कॉलम 2: तकनीकी नोट 2 (http://hdr.undp.org पर उपलब्ध) में वर्णित प्रणाली का प्रयोग करते हुए ज्यामितीय माध्य मान की गणना।

कॉलम 3: कॉलम 1 और 2 के आंकड़ों पर आधारित गणना।

कॉलम 4: कॉलम 2 के आंकड़ों तथा जिन देशों के लिए एचडीआई की पुर्नगणना की गई, उन देशों की आईएचडीआई की गणना पर आधारित गणना।

कॉलम 5: तकनीकी नोट 2 (http://hdr.undp.org पर उपलब्ध) में वर्णित प्रणाली का प्रयोग करते हुए अंकगणीतीय माध्य मानों (वैल्यूज) की गणना।

कॉलम 6: यूएनडीईएसए (2013ए) की संक्षिप्त जीवन तालिकाओं पर आधारित गणना।

कॉलम 7: कॉलम 6 तथा जीवन प्रत्याशा सूचकांक के आंकड़ों पर आधारित गणना।

कॉलम 8 और 10: लगभग इनकम स्टडी डेटाबेस, यूरोस्टारस यूरोपियन यूनियन स्टेटिस्टिकस, ऑन इनकम एंड लिविंग कंडीशंस, द वर्ल्ड बैंकस इंटरनेशनल इनकम डिस्ट्रीब्यूशन डेटाबेस, यूनाईटेड नेशंस चिल्ड्रंस फंड मल्टीपल इंडीकेटर कलस्टर सर्वेस तथा आईसीएफ मैक्रो डेमोग्राफिक एंड हैल्थ सर्वेस के आंकड़ों का प्रयोग तकनीकी नोट 2 (http://hdr.undp.org पर उपलब्ध) की गई गणना।

कॉलम 9: कॉलम 8 और असमायोजित शिक्षा सूचकांक के आंकड़े पर आधारित गणना।

कॉलम 11: कॉलम 10 और असमायोजित शिक्षा सूचकांक के आंकड़े पर आधारित गणना।

कॉलम 12 और 13: वर्ल्ड बैंक (2015बी) के आंकड़ों पर आधारित एचडीआरओ की गणना।

कॉलम 14: वर्ल्ड बैंक (2015बी)।

सारणी 4

लैंगिक विकास सूचकांक

	लिंग विकास सूचकांक		मानव विकास सूचकांक		जन्म के समय जीवन प्रत्याशा		स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष		स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष		प्रति व्यक्ति अनुमानित सकल राष्ट्रीय आय[a]	
			(एचडीआई)		(वर्ष)		(वर्ष)		(वर्ष)		(2011 पीपीपी डॉलर में)	
	मान	समूह[b]	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष
एचडीआई श्रेणी	2014	2014	2014	2014	2014	2014	2014[c]	2014[c]	2014[c]	2014[c]	2014	2014
अति उच्च मानव विकास												
1 नॉर्वे	0.996	1	0.940	0.944	83.6	79.5	18.2	16.8	12.7	12.5	57,140	72,825
2 आस्ट्रेलिया	0.976	1	0.922	0.946	84.5	80.3	20.7	19.7	13.1	12.9	33,688	50,914
3 स्विटज़रलैण्ड	0.950	2	0.898	0.946	85.0	80.8	15.7	15.9	11.5	13.1	44,132	69,077
4 डेनमार्क	0.977	1	0.912	0.934	82.2	78.3	19.3	18.1	12.8	12.7	36,439	51,727
5 नीदरलैण्ड	0.947	3	0.893	0.943	83.3	79.7	18.0	17.9	11.6	12.2	29,500	61,641
6 जर्मनी	0.963	2	0.901	0.936	83.3	78.5	16.3	16.6	12.9	13.8	34,886	53,290
6 आयरलैण्ड	0.973	2	0.901	0.926	83.0	78.8	18.5	18.7	12.3	12.0	30,104	49,166
8 अमेरिका	0.995	1	0.911	0.916	81.4	76.7	17.2	15.7	13.0	12.9	43,054	63,158
9 कनाडा	0.982	1	0.904	0.921	84.0	80.0	16.3	15.5	13.1	13.0	33,587	50,853
9 न्यूज़ीलैण्ड	0.961	2	0.894	0.930	83.6	80.0	20.0	18.3	12.5	12.6	24,309	41,372
11 सिंगापुर	0.985	1	0.898	0.912	86.0	79.9	15.5[d]	15.3[d]	10.1[e]	10.9[e]	59,994	93,699[f]
12 हांगकांग, चीन (एस.ए.आर.)	0.958	2	0.892	0.931	86.8	81.2	15.7	15.5	10.9	11.9	38,060	72,052
13 लिक्टेन्सटाइन	..	..	..	..	..	..	13.8	16.1	..	..	..	..
14 स्वीडन	0.999	1	0.906	0.907	83.9	80.4	16.6	15.1	12.2	12.0	40,222	51,084
14 ब्रिटेन	0.965	2	0.888	0.920	82.6	78.7	16.6	15.8	12.9	13.2	27,259	51,628
16 आइसलैण्ड	0.975	1	0.886	0.909	84.0	81.0	20.1	17.9	10.8	10.4	28,792	41,486
17 कोरिया गणराज्य	0.930	3	0.861	0.926	85.0	78.5	16.0	17.7	11.2	12.7	21,896	46,018
18 इस्राइल	0.971	2	0.879	0.905	84.1	80.5	16.5	15.5	12.5	12.6	22,451	39,064
19 लक्ज़मबर्ग	0.971	2	0.877	0.904	83.9	79.3	14.0	13.7	11.3	12.1	47,723	69,800
20 जापान	0.961	2	0.870	0.905	86.7	80.2	15.2	15.5	11.3	11.7	24,975	49,541
21 बेल्जियम	0.975	1	0.872	0.895	83.2	78.3	16.7	16.0	10.6[e]	11.1[e]	31,879	50,845
22 फ्रांस	0.987	1	0.881	0.893	85.1	79.2	16.4	15.6	11.0	11.3	31,073	45,497
23 ऑस्ट्रिया	0.943	3	0.856	0.909	83.8	78.8	16.1	15.4	9.9	11.9	29,598	58,826
24 फ़िनलैण्ड	0.996	1	0.879	0.882	83.6	78.0	17.7	16.5	10.2	10.2	31,644	45,994
25 स्लोवेनिया	0.996	1	0.877	0.881	83.4	77.3	17.7	16.0	11.8	12.0	22,180	33,593
26 स्पेन	0.975	1	0.863	0.885	85.3	79.8	17.7	17.0	9.4	9.8	24,059	40,221
27 इटली	0.964	2	0.851	0.883	85.5	80.6	16.5	15.6	9.5	10.2	22,526	44,148
28 चेक गणराज्य	0.980	1	0.859	0.877	81.5	75.7	16.9	15.8	12.1	12.5	19,929	33,604
29 ग्रीस	0.961	2	0.844	0.879	83.8	78.0	17.7	17.6	9.8	10.5	17,288	31,952
30 एस्टोनिआ	1.030	2	0.872	0.846	81.3	72.0	17.4	15.6	12.7	12.2	20,854	30,254
31 ब्रूनेई दारस्सलाम	0.977	1	0.840	0.860	80.7	77.0	14.9	14.2	8.5	9.0	54,228	90,437
32 साइप्रस	0.971	2	0.836	0.861	82.4	78.0	14.2	13.8	11.4	11.8	22,613	34,400
32 कतर	0.998	1	0.853	0.854	79.9	77.3	14.0	13.9	10.4	8.8	55,123	143,979[f]
34 अंडोरा	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
35 स्लोवाकिया	0.999	1	0.841	0.842	79.9	72.5	15.7	14.5	12.3	12.2	19,903	32,122
36 पोलैण्ड	1.007	1	0.844	0.839	81.4	73.4	16.3	14.7	11.7	11.9	18,423	28,271
37 लिथुआनिया	1.030	2	0.851	0.826	78.9	67.7	16.9	15.9	12.3	12.5	20,955	28,656
37 माल्टा	0.937	3	0.806	0.861	82.2	78.8	14.8	14.0	9.9	10.8	16,435	39,432
39 सऊदी अरब	0.901	4	0.778	0.864	75.7	73.0	16.6	16.1	7.8	9.3	20,094	77,044[f]
40 अर्जेंटीना	0.982	1	0.819	0.834	80.1	72.4	19.1	16.8	9.8	9.8	14,202	30,237
41 संयुक्त अरब अमीरात	0.954	2	0.796	0.835	78.5	76.3	13.9[g]	12.9[g]	9.9	8.5	22,391	77,300[f]
42 चिली	0.967	2	0.815	0.843	84.5	78.6	15.5	15.0	9.7	9.9	14,732	27,992
43 पुर्तगाल	0.985	1	0.823	0.836	83.8	77.9	16.5	16.1	8.1	8.4	21,259	30,543
44 हंगरी	0.976	1	0.818	0.838	78.7	71.5	15.7	15.1	11.3[e]	12.2[e]	17,443	28,960
45 बहरीन	0.940	3	0.789	0.839	77.6	75.8	15.1[h]	13.7[h]	9.1	9.6	20,038	49,890
46 लात्विया	1.029	2	0.829	0.805	78.9	69.1	15.9	14.6	11.7[e]	11.2[e]	18,437	26,845
47 क्रोएशिया	0.987	1	0.812	0.823	80.6	74.0	15.4	14.2	10.5	11.6	16,200	22,853
48 कुवैत	0.972	2	0.793	0.816	75.8	73.5	15.2	14.2	7.3	7.1	42,292	111,988[f]
49 मॉन्टीनेग्रो	0.954	2	0.782	0.819	78.4	74.1	15.5	14.8	10.5	11.8	11,106	18,094
उच्च मानव विकास												
50 बेलारुस	1.021	1	0.806	0.789	77.2	65.5	16.2	15.1	11.9[i]	12.1[i]	12,922	21,010
50 रुसी गणराज्य	1.019	1	0.804	0.789	75.8	64.4	15.1	14.3	11.9	12.0	17,269	28,287
52 ओमान	0.909	4	0.741	0.819	79.2	75.1	13.9	13.5	7.0	8.5	14,709	46,400
52 रोमानिया	0.989	1	0.787	0.796	78.3	71.2	14.6	13.8	10.3	11.1	15,250	21,117
52 उरूग्वे	1.018	1	0.797	0.783	80.6	73.5	16.6	14.4	8.7	8.2	14,721	24,166
55 बहामास	..	..	..	..	78.3	72.3	..	..	11.1	10.7	17,868	24,957
56 कज़ाकिस्तान	1.002	1	0.787	0.786	74.1	64.6	15.4	14.7	11.3	11.5	15,408	26,746
57 बारबाडोस	1.018	1	0.791	0.777	78.0	73.2	17.2	13.8	10.6	10.2	10,245	14,739
58 एंटिगुआ और बरबूडा	..	..	..	..	78.5	73.5	14.6	13.3	..	..	..	..
59 बुल्गेरिया	0.991	1	0.777	0.783	77.7	70.8	14.6	14.1	10.6[e]	10.4[e]	12,448	18,926
60 पलाउ	..	..	..	..	..	..	13.9	13.5	..	..	..	..

	लिंग विकास सूचकांक		मानव विकास सूचकांक		जन्म के समय जीवन प्रत्याशा		स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष		स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष		प्रति व्यक्ति अनुमानित सकल राष्ट्रीय आय[a]	
			(एचडीआई)		(वर्ष)		(वर्ष)		(वर्ष)		(2011 पीपीपी डॉलर में)	
	मान	समूह[b]	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष
एचडीआई श्रेणी	2014	2014	2014	2014	2014	2014	2014[c]	2014[c]	2014[c]	2014[c]	2014	2014
60 पनामा	0.996	1	0.776	0.780	80.7	74.6	13.8	12.8	9.6	9.1	13,699	22,597
62 मलेशिया	0.947	3	0.753	0.796	77.1	72.4	12.7	12.7	9.4	10.1	15,635	30,320
63 मॉरिशिस	0.950	2	0.752	0.792	78.0	70.9	15.9	15.2	8.0	9.1	10,541	24,581
64 सेशेल्स	..	..	..	..	78.1	68.9	13.3	13.4	..	..	..	..
64 ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	0.985	1	0.763	0.774	74.0	67.0	12.5	12.1	10.7[e]	10.9[e]	19,669	32,656
66 सर्बिया	0.966	2	0.757	0.784	77.7	72.1	14.9	13.9	9.8	11.2	9,697	14,799
67 क्यूबा	0.954	2	0.747	0.783	81.5	77.4	14.4	13.3	11.4[i]	11.6[i]	4,912	9,665
67 लेबनान	0.899	5	0.718	0.801	81.3	77.6	13.6	13.9	7.6[j]	8.2[j]	7,334	25,391
69 कोस्टा रिका	0.974	2	0.753	0.774	81.9	77.0	14.3	13.4	8.4	8.3	9,680	17,033
69 ईरान इस्लामिक गणराज्य	0.858	5	0.689	0.805	76.5	74.3	15.0	15.2	7.7	8.6	4,828	25,924
71 वेनेजुएला (बोलिवेरियाई गणराज्य)	1.030	2	0.772	0.750	78.5	70.2	15.3	13.1	9.2	8.6	12,458	19,840
72 तुर्की	0.902	4	0.716	0.794	78.5	72.0	14.0	15.1	6.7	8.5	10,024	27,645
73 श्रीलंका	0.948	3	0.730	0.770	78.2	71.5	14.2	13.3	10.7	10.9	5,452	14,307
74 मैक्सिको	0.943	3	0.731	0.776	79.2	74.4	13.2	12.9	8.2	8.8	10,233	22,252
75 ब्राज़ील	0.997	1	0.752	0.755	78.3	70.7	15.6	14.8	7.8	7.5	11,393	19,084
76 जॉर्जिया	0.962	2	0.736	0.765	78.4	71.2	14.0	13.6	12.0[i]	12.3[i]	4,887	9,718
77 सेंट किट्स एवं नेविस	..	..	..	..	..	..	13.4	12.4	..	..	..	..
78 अज़रबेजान	0.942	3	0.721	0.766	74.0	67.7	11.8	12.0	10.5[j]	11.2[i]	10,120	22,814
79 ग्रेनाडा	..	..	..	..	75.9	71.0	16.3	15.3	..	..	..	..
80 जॉर्डन	0.860	5	0.674	0.785	75.8	72.4	13.7	13.3	9.3	10.5	3,587	18,831
81 मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	0.949	3	0.726	0.765	77.7	73.1	13.5	13.2	8.7[i]	9.8[i]	8,796	14,754
81 यूक्रेन	1.003	1	0.747	0.745	75.9	66.0	15.4	14.9	11.3	11.4	6,518	10,120
83 अल्जीरिया	0.837	5	0.637	0.762	77.2	72.5	14.2	13.8	4.8	7.8	3,898	22,009
84 पेरू	0.947	3	0.712	0.752	77.2	71.9	13.1	13.0	8.5	9.6	8,040	13,977
85 अल्बानिया	0.948	3	0.711	0.751	80.4	75.4	11.9	11.8	8.9	9.6	7,217	12,655
85 अर्मेनिआ	1.008	1	0.734	0.728	78.6	70.9	13.6	11.2	10.8	10.9	6,042	10,089
85 बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	..	..	..	..	79.0	74.0	..	..	6.6[i]	8.6[i]	6,514	12,912
88 इक्वाडोर	0.980	1	0.722	0.738	78.7	73.2	14.5	13.9	7.4	7.6	8,487	12,723
89 सेंट लूसिआ	0.991	1	0.725	0.732	77.8	72.4	13.0	12.1	9.4	9.3	8,018	11,576
90 चीन	0.943	3	0.705	0.748	77.3	74.3	13.2	12.9	6.9	8.2	10,128	14,795
90 फ़िजी	0.941	3	0.699	0.743	73.2	67.2	16.0	15.5	9.8	10.0	4,274	10,592
90 मंगोलिया	1.028	2	0.737	0.717	73.9	65.3	15.3	13.9	9.5	9.0	9,029	12,462
93 थाइलैण्ड	1.000	1	0.726	0.726	77.9	71.1	13.9	13.1	7.1	7.5	11,820	14,888
94 डोमिनिका	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
94 लीबिया	0.950	2	0.699	0.736	74.6	68.9	14.3	13.8	7.7	7.0	7,427	22,392
96 ट्यूनीशिया	0.894	5	0.671	0.751	77.3	72.5	15.0	14.0	5.9	7.8	4,748	16,159
97 कोलम्बिया	0.997	1	0.719	0.721	77.7	70.5	13.9	13.2	7.4	7.3	9,785	14,372
97 सेंट विन्सेन्ट एवं ग्रेनाडाइन	..	..	..	..	75.1	70.9	13.4	13.1	..	..	7,283	12,541
99 जमैका	0.995	1	0.715	0.719	78.1	73.3	13.1	11.6	10.0	9.4	5,820	9,059
100 टोंगो	0.967	2	0.704	0.728	75.8	69.9	15.0	14.4	10.7	10.8	3,796	6,336
101 बेलीज़	0.958	2	0.696	0.728	72.9	67.4	13.9	13.2	10.5	10.5	5,034	10,198
101 डोमीनिकन गणराज्य	0.995	1	0.710	0.714	76.7	70.4	13.6	12.6	7.7	7.2	8,860	14,903
103 सूरीनाम	0.975	1	0.702	0.721	74.4	68.0	13.6	11.8	7.3	8.0	10,241	20,970
104 मालदीव	0.937	3	0.678	0.724	77.8	75.8	12.8	12.5	5.7[e]	6.0[e]	8,531	16,073
105 समोआ	0.956	2	0.681	0.713	76.8	70.4	13.2[k]	12.5[k]	10.3[k]	10.3[k]	3,416	7,124
मध्यम मानव विकास												
106 बोत्स्वाना	0.982	1	0.691	0.704	66.8	62.1	12.6	12.4	8.7	9.1	15,179	18,096
107 मॉल्डोवा गणराज्य	1.003	1	0.694	0.691	75.7	67.4	12.2	11.6	11.1	11.3	4,599	5,915
108 मिस्र	0.868	5	0.633	0.730	73.4	69.0	13.3	13.8	5.4	7.7	4,928	16,049
109 तुर्कमेनिस्तान	..	..	..	..	69.9	61.5	10.6	11.0	..	..	8,725	17,552
110 गैबन	..	..	..	..	65.0	63.8	..	..	8.9	6.6	13,527	19,177
110 इण्डोनेशिया	0.927	3	0.655	0.707	71.0	66.9	13.1	12.9	7.0	8.2	6,485	13,052
112 पराग्वे	0.956	2	0.662	0.693	75.1	70.8	12.2	11.7	7.5	7.9	5,576	9,678
113 फिलिस्तीन राज्य	0.860	5	0.607	0.707	74.9	71.0	13.8	12.2	8.4	9.3	1,580	7,726
114 उज़्बेकिस्तान	0.945	3	0.640	0.678	71.8	65.0	11.3	11.7	9.5[i]	9.9[i]	3,811	7,342
115 फ़िलीपीन्स	0.977	1	0.649	0.665	71.8	64.9	11.5	11.1	8.4[e]	7.9[e]	5,382	10,439
116 अल सल्वाडोर	0.965	2	0.652	0.676	77.4	68.3	12.1	12.4	6.2	6.9	5,497	9,406
116 दक्षिण अफ़्रीका	0.948	3	0.646	0.681	59.3	55.2	13.7	13.4	9.7	10.2	8,713	15,737
116 वियतनाम	..	..	..	..	80.5	71.0	..	..	7.0	7.9	4,624	5,570
119 बोलिविया (प्लूरीनेशनल राज्य)	0.931	3	0.637	0.685	70.9	65.9	12.9	13.4	7.5	8.9	4,383	7,140
120 किर्गिस्तान	0.961	2	0.638	0.664	74.6	66.6	12.7	12.3	10.5	10.6	2,122	3,992
121 इराक	0.787	5	0.561	0.714	71.7	67.2	8.7	11.4	5.1	7.7	4,279	23,515

	लिंग विकास सूचकांक		मानव विकास सूचकांक (एचडीआई)		जन्म के समय जीवन प्रत्याशा (वर्ष)		स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष (वर्ष)		स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष (वर्ष)		प्रति व्यक्ति अनुमानित सकल राष्ट्रीय आय[a] (2011 पीपीपी डॉलर में)	
	मान	समूह[b]	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष
एचडीआई श्रेणी	2014	2014	2014	2014	2014	2014	2014[c]	2014[c]	2014[c]	2014[c]	2014	2014
122 केप वर्दे	..	..	..	..	75.0	71.4	13.9	13.1	..	..	4,098	8,105
123 माइक्रोनेशिया (संघीय राज्य)	..	..	..	..	70.1	68.1	..	..	..	..	..	..
124 गयाना	0.984	1	0.626	0.636	68.8	64.2	11.2	9.4	8.9	8.0	4,164	8,804
125 निकारगुआ	0.960	2	0.615	0.641	77.9	71.9	11.8	11.3	6.2	5.8	2,967	5,979
126 मोरक्को	0.828	5	0.555	0.671	75.1	73.0	10.6	11.6	3.2	5.3	3,222	10,573
126 नामीबिया	0.981	1	0.620	0.633	67.3	62.1	11.4	11.3	6.3	6.1	7,672	11,267
128 ग्वाटेमाला	0.949	3	0.608	0.642	75.3	68.3	10.2	11.0	5.5	5.7	5,021	8,934
129 ताजिकिस्तान	0.926	3	0.600	0.649	73.2	66.2	10.5	12.0	9.6[l]	11.2[l]	2,014	3,017
130 भारत	0.795	5	0.525	0.661	69.5	66.6	11.3	11.8	3.6	7.2	2,116	8,656
131 होण्डुरास	0.944	3	0.583	0.619	75.7	70.7	11.6	10.6	5.5	5.4	2,365	5,508
132 भूटान	0.897	5	0.572	0.638	69.7	69.2	12.8	12.6	2.0	4.1	5,733	8,418
133 टिमोर लेस्ट	0.868	5	0.548	0.632	70.1	66.5	11.3	12.0	3.6[l]	5.3[l]	3,122	7,530
134 सीरियाई अरब गणराज्य	0.834	5	0.520	0.624	76.5	64.0	12.2	12.3	5.4	7.4	864	4,523
134 वनुआतु	0.903	4	0.587	0.651	74.0	69.9	10.2	10.9	8.0	10.0	2,141	3,445
136 कांगो	0.922	4	0.561	0.610	63.9	60.8	10.9	11.3	4.9	6.5	5,165	6,859
137 किरिबाटी	..	..	..	..	69.2	62.8	12.7	11.9	..	..	..	..
138 इक्वेटोरियल गिनी	..	..	..	..	59.0	56.3	..	..	4.0	7.2	17,073	24,850
139 ज़ाम्बिया	0.917	4	0.558	0.611	62.0	58.2	13.0	13.9	5.8	7.3	3,019	4,452
140 घाना	0.885	5	0.540	0.612	62.3	60.4	11.0	12.0	5.6	7.9	3,200	4,515
141 लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	0.896	5	0.543	0.607	67.5	64.8	10.1	11.0	3.9	6.1	4,086	5,279
142 बांग्लादेश	0.917	4	0.541	0.591	72.9	70.4	10.3	9.7	4.5	5.5	2,278	4,083
143 कम्बोडिया	0.890	5	0.519	0.585	70.3	66.2	10.3	11.5	3.2[l]	5.4[l]	2,526	3,393
143 साओ टोम एवं प्रिन्साइप	0.891	5	0.520	0.585	68.4	64.4	11.4	11.2	4.0[l]	5.5[l]	1,886	3,976
निम्न मानव विकास												
145 केन्या	0.913	4	0.527	0.578	63.4	59.9	10.7	11.3	5.9	7.3	2,255	3,270
145 नेपाल	0.908	4	0.521	0.575	71.1	68.2	12.5	12.2	2.3	4.5	1,956	2,690
147 पाकिस्तान	0.726	5	0.436	0.601	67.2	65.3	7.0	8.5	3.1	6.2	1,450	8,100
148 म्याँमार	..	..	..	..	68.0	63.9	..	..	4.3	3.8	3,873	5,386
149 अंगोला	..	..	..	..	53.8	50.8	8.7	14.0	..	..	5,497	8,169
150 स्वाज़ीलैण्ड	0.879	5	0.494	0.562	48.2	49.6	10.9	11.8	7.4	6.8	3,894	7,235
151 तंज़ानिया गणराज्य	0.938	3	0.504	0.539	66.4	63.5	9.0	9.3	4.5	5.8	2,320	2,502
152 नाईजीरिया	0.841	5	0.468	0.558	53.1	52.4	8.2	9.8	4.9[l]	7.1[l]	4,052	6,585
153 कैमरून	0.879	5	0.478	0.545	56.7	54.4	9.5	11.2	5.3	6.7	2,266	3,341
154 मैडागास्कर	0.945	3	0.497	0.528	66.6	63.6	10.2	10.5	6.6[i]	6.1[i]	1,098	1,560
155 ज़िम्बाब्वे	0.922	4	0.487	0.531	58.9	56.2	10.7	11.0	6.7	7.7	1,387	1,850
156 मॉरिटानिया	0.816	5	0.446	0.547	64.5	61.6	8.5	8.5	2.7	4.8	1,625	5,468
156 सॉलोमन द्वीपसमूह	..	..	..	..	69.4	66.5	8.8	9.7	..	..	1,046	2,019
158 पापुआ न्यू गिनी	..	..	..	..	64.8	60.5	..	..	3.2	4.8	2,145	2,768
159 कोमोरॉस	0.813	5	0.443	0.546	65.0	61.6	11.0	11.9	3.7	5.6	778	2,123
160 यमन	0.739	5	0.414	0.561	65.2	62.5	7.7	10.6	1.3	3.8	1,595	5,412
161 लेसोथो	0.953	2	0.482	0.506	49.8	49.6	11.7	10.6	6.5[e]	5.2[e]	2,613	4,017
162 टोगो	0.831	5	0.439	0.529	60.4	58.9	10.9	13.4	3.0	6.3	1,084	1,376
163 हैती	..	..	..	..	64.9	60.7	..	..	4.2	5.6	1,379	1,966
163 रवाण्डा	0.957	2	0.472	0.495	67.0	61.1	10.4	10.2	3.2	4.3	1,312	1,612
163 युगाण्डा	0.886	5	0.452	0.512	60.3	56.7	9.7	9.9	4.5	6.3	1,226	1,997
166 बेनिन	0.823	5	0.431	0.525	61.0	58.1	9.4	12.7	2.1	4.6	1,493	2,043
167 सूडान	0.830	5	0.428	0.516	65.0	62.0	6.7	7.3	2.5	3.8	1,882	5,722
168 जिबूती	..	..	..	..	63.7	60.4	5.9	6.9	..	..	2,019	4,522
169 दक्षिण सूडान	..	..	..	..	56.7	54.7	..	..	4.5	5.8	..	..
170 सेनेगल	0.883	5	0.436	0.495	68.3	64.5	7.8	8.1	1.8	3.2	1,657	2,739
171 अफ़गानिस्तान	0.600	5	0.328	0.547	61.6	59.2	7.2	11.3	1.2	5.1	506	3,227
172 आइवरी कोस्ट	0.810	5	0.410	0.508	52.4	50.7	7.9	10.0	3.2	5.3	2,146	4,157
173 मलावी	0.907	4	0.423	0.469	63.7	61.7	10.8	10.7	3.4	5.2	679	815
174 इथियोपिया	0.840	5	0.403	0.481	66.0	62.2	8.0	9.0	1.4	3.6	1,090	1,765
175 गैम्बिया	0.889	5	0.414	0.468	61.6	58.9	8.7	8.9	2.0	3.7	1,267	1,753
176 कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	0.833	5	0.393	0.474	60.1	57.2	8.6	10.8	4.5	7.7	597	765
177 लाइबेरिया	0.789	5	0.387	0.493	61.8	59.9	8.9	12.4	2.6	5.8	678	930
178 गिनी बिसाउ	..	..	..	..	57.0	53.4	..	..	..	..	1,135	1,593
179 माली	0.776	5	0.363	0.470	57.8	58.2	7.5	9.3	1.5	2.7	961	2,195
180 मोज़ाम्बीक	0.881	5	0.390	0.445	56.5	53.6	8.8	9.8	2.4[l]	4.3[l]	1,040	1,210
181 सिएरा लिओन	0.814	5	0.370	0.455	51.4	50.4	7.2	10.0	2.2	4.0	1,582	1,981
182 गिनी	0.778	5	0.358	0.462	59.2	58.3	7.3	10.0	1.4[l]	3.7[l]	877	1,314

	लिंग विकास सूचकांक		मानव विकास सूचकांक (एचडीआई)		जन्म के समय जीवन प्रत्याशा (वर्ष)		स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष (वर्ष)		स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष (वर्ष)		प्रति व्यक्ति अनुमानित सकल राष्ट्रीय आय[a] (2011 पीपीपी डॉलर में)	
	मान	समूह[b]	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष
एचडीआई श्रेणी	2014	2014	2014	2014	2014	2014	2014[c]	2014[c]	2014[c]	2014[c]	2014	2014
183 बुर्किना फ़ासो	0.881	5	0.376	0.428	59.9	57.3	7.4	8.1	1.0[l]	1.9[l]	1,325	1,859
184 बुरुण्डी	0.911	4	0.381	0.420	58.7	54.8	9.6	10.7	2.2	3.1	693	825
185 चाड	0.768	5	0.338	0.441	52.7	50.5	5.9	8.9	1.0	2.9	1,657	2,513
186 एरिट्रिया	..	..	..	..	65.9	61.6	..	..	..	..	971	1,290
187 मध्य अफ़्रीकी गणराज्य	0.773	5	0.303	0.394	52.6	48.8	5.9	8.6	2.8	5.7	476	689
188 नाइजर	0.729	5	0.287	0.396	62.4	60.6	4.8	6.1	0.8	2.0	491	1,319
अन्य देश अथवा अंचल												
कोरिया (लोकतांत्रिक गणराज्य)	..	..	..	..	73.7	66.7	..	..	..	..	..	..
मार्शल द्वीप	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मोनाक्को	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
नॉरू	..	..	..	..	..	..	9.9	8.9	..	..	..	..
सैन मरीनो	..	..	..	..	..	..	15.9	14.7	..	..	..	..
सोमालिया	..	..	..	..	57.0	53.8	..	..	..	..	..	..
तुवालू	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मानव विकास समूह												
अति उच्च मानव विकास	0.978	—	0.884	0.903	83.1	77.8	16.8	16.0	11.7	12.0	30,991	52,315
उच्च मानव विकास	0.954	—	0.724	0.758	77.4	72.8	13.8	13.4	7.7	8.5	10,407	17,443
मध्यम मानव विकास	0.861	—	0.575	0.667	70.6	66.8	11.5	11.8	4.9	7.3	3,333	9,257
निम्न मानव विकास	0.830	—	0.457	0.549	61.8	59.3	8.3	9.8	3.4	5.5	1,983	4,201
विकासशील देश	0.899	—	0.617	0.686	71.7	68.0	11.6	11.9	5.4	7.3	5,926	12,178
क्षेत्र												
अरब राज्य	0.849	—	0.611	0.719	72.7	68.8	11.6	12.3	4.9	6.9	5,686	24,985
पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र	0.948	—	0.692	0.730	76.0	72.2	13.0	12.8	6.9	8.0	9,017	13,780
यूरोप और मध्य एशिया	0.945	—	0.719	0.760	76.1	68.5	13.5	13.8	9.0	10.0	8,238	17,607
लैटिन अमेरिका और कैरिबियाइ क्षेत्र	0.976	—	0.736	0.754	78.2	71.7	14.4	13.7	8.0	8.1	10,194	18,435
दक्षिण एशिया	0.801	—	0.525	0.655	69.9	67.1	10.8	11.3	3.7	6.9	2,198	8,827
सब सहारा अफ़्रीका	0.872	—	0.480	0.550	59.7	57.1	9.1	10.3	4.2	6.0	2,626	4,148
न्यूनतम विकसित देश	0.866	—	0.465	0.537	64.8	61.9	8.9	10.0	3.2	4.9	1,783	3,005
छोटे द्वीप विकासशील राज्य	..	—	..	..	72.6	67.8	13.4	12.6	..	..	5,045	8,849
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन	0.973	—	0.862	0.887	82.7	77.5	16.0	15.5	11.0	11.5	28,430	47,269
विश्व	**0.924**	**—**	**0.670**	**0.725**	**73.7**	**69.5**	**12.2**	**12.4**	**6.2**	**7.9**	**10,296**	**18,373**

सारणी
4

नोट

a चूंकि असमुच्चय आय के आंकड़े उपलब्ध नहीं है, अपरिष्कृत आंकड़े अनुमानित किये गये हैं। लिंग विकास सूचकांक की गणना हेतु प्रक्रिया विवरण के लिए परिभाषाएं तथा तकनीकी नोट 3 http://hdr.undp.org पर देखें।

b एचडीआई मान में लिंग सममूल्यता में नितांत अविसमान्यता के आधार पर देशों को पांच समूहों में बांटा गया है।

c आंकड़े 2014 या अभी हाल के उपलब्ध वर्ष की ओर संकेत करते है।

d सिंगापुर के शिक्षा मंत्रालय द्वारा की गई गणना।

e एचडीआरओ के अपडेट यूनेस्को इंस्टिट्यूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2015) और बैरो एंड ली (2014) की प्रणाली द्वारा प्राप्त आंकड़ों पर आधारित हैं।

f पुरुष एचडीआई मान की गणना के लिए अनुमानित प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय की अधिकतम सीमा $ 75,000 रखी गई है।

g यूनेस्को इंस्टिट्यूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2011) के आंकड़ों पर आधारित।

h यूनेस्को इंस्टिट्यूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2013) के स्कूली जीवन प्रत्याशा के आंकड़ों पर आधारित।

i युनाइटेड नेशंस चिल्ड्रन फंड (यूनिसेफ) के अभी हाल के मल्टीपल इंडीकेटर क्लस्टर सर्वेक्षणों के आकलनों पर आधारित एचडीआरओ की गणना।

j शैक्षिक उपलब्धि वितरण पर यूनेस्को इंस्ट्टीयूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2015) के अनुमान पर आधारित।

k समोआ ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स (2013) के 2011 की जनगणना के आंकड़ों पर आधारित एचडीआरओ की गणना।

l हाल आईसीएफ मैक्रो डेमोग्राफिक एंड हेल्थ के अभी हाल के सर्वेक्षण के आंकड़ों पर आधारित एचडीआरओ का आकलन।

परिभाषाएं

लिंग विकास सूचकांक: स्त्री–पुरुष एचडीआई मान का अनुपात। लिंग विकास सूचकांक की गणना विवरण के लिए http://hdr.undp.org पर तकनीकी नोट 3 देखें।

लिंग विकास सूचकांक समूह: एचडीआई मान में लिंग सममूल्यता में नितांत अविसमान्यता के आधार पर देशों को पांच समूहों में बांटा गया है। समूह 1 में समाविष्ट वे देश हैं जिनमें स्त्रियों और पुरुषों में एचडीआई उपलब्धियां प्रबल समानता के साथ हैं (2.5 प्रतिशत से कम नितांत अविसमान्यता); समूह 2 में वे देश हैं जिसमें स्त्रियों और पुरुषों में एचडीआई उपलब्धियां औसत से प्रबल समानता के साथ हैं (2.5–5 प्रतिशत नितांत अविस्मान्यता); समूह 3 में समाविष्ट वे देश हैं जिनमें स्त्रियों और पुरुषों के बीच एचडीआई उपलब्धियां औसत समानता के साथ हैं (5–7.5 प्रतिशत नितांत अविस्मान्यता); समूह 4 में समाविष्ट वे देश हैं जिनमें स्त्रियों और पुरुषों में एचडीआई उपलब्धियां औसत से निम्न समानता के साथ हैं (7.5–10 प्रतिशत नितांत अविस्मान्यता); समूह 5 में समाविष्ट वे देश हैं जिनमें स्त्रियों और पुरुषों में एचडीआई उपलब्धियां निम्न समानता के साथ हैं (10 प्रतिशत से अधिक लिंग समानता में नितांत विस्मान्यता)।

मानव विकास सूचकांक (एचडीआई): एक समग्र सूचकांक जो मानव विकास के तीन मूल आयामों पर औसत उपलब्धि की गणना करता है। ये तीन आयाम हैं– दीर्घ और स्वस्थ जीवन, ज्ञान और सबसे अच्छा जीवन स्तर। एचडीआई की गणना प्रक्रिया के विवरण के लिए तकनीकी नोट 1 http://hdr.undp.org पर देखें।

जन्म के समय जीवन प्रत्याशा: नवजात शिशु कितने वर्ष जीने की उम्मीद कर सकता है यदि उसके जन्म के समय उम्र केंद्रित मृत्यु दर का प्रचलित पैटर्न जन्मे शिशु के लिए जीवन भर एक समान ही रहता है।

स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष: स्कूल में प्रवेश करने की उम्र का कोई बच्चा कितने वर्ष की स्कूली शिक्षा ग्रहण करेगा यदि उस समय प्रचलित उम्र केंद्रित नामांकन पैटर्नस बच्चे के लिए जीवन पर्यन्त बने रहते हैं।

स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष: 25 या अधिक आयु के लोगों द्वारा प्राप्त स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष, प्रत्येक स्तर की अधिकारिक अवधि के सापेक्ष शिक्षा प्रप्ति के स्तर के हिसाब से।

प्रति व्यक्ति अनुमानित सकल राष्ट्रीय आय: स्त्री–पुरुष मजदूरी के अनुपात से प्राप्त। आर्थिक रूप से सक्रिय जनसंख्या में स्त्री–पुरुष की भागीदारी और जीएनआई (2011) में क्रय शक्ति समता की शर्तें। http://hdr.undp.org पर तकनीकी नोट 3 देखें।

आंकड़ों के मुख्य स्त्रोत

कॉलम 1: कॉलम 3 और 4 के आंकड़ों पर आधारित गणना।

कॉलम 2: कॉलम 1 के आंकड़ों पर आधारित गणना।

कॉलम 3 और 4: यूएनडीईएसए (2015), यूनेस्को इंस्टिट्यूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2015), वर्ल्ड बैंक (2015ए), बैरो एंड ली (2014) आईएलओ (2015ए) और आईएमएफ (2015) के आंकड़ों पर आधारित एचडीआरओ की गणना।

कॉलम 5 और 6: यूएनडीईएसए (2015)।

कॉलम 7 और 8: यूनेस्को इंस्टिट्यूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2015)।

कॉलम 9 और 10: यूनेस्को इंस्टिट्यूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2015), बैरो एंड ली (2014), यूनीसेफ मल्टीपल इंडीकेटर क्लस्टर सर्वे और आईसीएफ मैक्रो डेमोग्राफिक एंड हेल्थ सर्वे।

कॉलम 11 और 12: आईएलओ (2015ए), यूएनडीईएसए (2013ए), वर्ल्ड बैंक (2015ए) और आईएमएफ (2015) के आंकड़ों पर एचडीआरओ की गणना ।

सारणी 5

लैंगिक असमानता सूचकांक

	लिंग असमानता सूचकांक		मातृत्व मृत्यु अनुपात	किशोर में जन्म दर	संसद में सीटों की हिस्सेदारी	कम से कम माध्यमिक शिक्षा प्राप्त जनसंख्या (25 और अधिक वर्षों का %)		श्रम शक्ति की भागीदारी दर (15 और अधिक वय का %)	
	मान	श्रेणी	(प्रति 100,000 जीवित जन्म पर मृत्यु)	(प्रति 1,000 15-19 वय की महिलाओं में जन्म)	(महिलाओं का %)	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष
एचडीआई श्रेणी	2014	2014	2013	2010/2015[b]	2014	2005–2014[c]	2005–2014[c]	2013	2013
अति उच्च मानव विकास									
1 नॉर्वे	0.067	9	4	7.8	39.6	97.4	96.7	61.2	68.7
2 आस्ट्रेलिया	0.110	19	6	12.1	30.5	94.3[d]	94.6[d]	58.8	71.8
3 स्विटज़रलैण्ड	0.028	2	6	1.9	28.5	95.0	96.6	61.8	74.9
4 डेनमार्क	0.048	4	5	5.1	38.0	95.5[e]	96.6[e]	58.7	66.4
5 नीदरलैण्ड	0.062	7	6	6.2	36.9	87.7	90.5	58.5	70.6
6 जर्मनी	0.041	3	7	3.8	36.9	96.3	97.0	53.6	66.4
6 आयरलैण्ड	0.113	21	9	8.2	19.9	80.5	78.6	53.1	68.1
8 अमेरिका	0.280	55	28	31.0	19.4	95.1	94.8	56.3	68.9
9 कनाडा	0.129	25	11	14.5	28.2	100.0	100.0	61.6	71.0
9 न्यूज़ीलैण्ड	0.157	32	8	25.3	31.4	95.0	95.3	62.0	73.8
11 सिंगापुर	0.088	13	6	6.0	25.3	74.1	81.0	58.8	77.2
12 हांगकांग, चीन (एस.ए.आर.)	..	..	..	3.3	..	72.2	79.2	51.3	67.8
13 लिक्टेन्सटाइन	..	..	..	..	20.0	..	..	..	..
14 स्वीडन	0.055	6	4	6.5	43.6	86.5	87.3	60.3	67.9
14 ब्रिटेन	0.177	39	8	25.8	23.5	99.8	99.9	55.7	68.7
16 आइसलैण्ड	0.087	12	4	11.5	41.3	91.0	91.6	70.5	77.4
17 कोरिया गणराज्य	0.125	23	27	2.2	16.3	77.0[f]	89.1[f]	50.1	72.1
18 इस्राइल	0.101	18	2	7.8	22.5	84.4	87.3	57.9	69.1
19 लक्ज़मबर्ग	0.100	17	11	8.3	28.3	100.0[e]	100.0[e]	50.7	64.6
20 जापान	0.133	26	6	5.4	11.6	87.0	85.8	48.8	70.4
21 बेल्जियम	0.063	8	6	6.7	42.4	77.5	82.9	47.5	59.3
22 फ्रांस	0.088	13	12	5.7	25.7	78.0	83.2	50.7	61.6
23 ऑस्ट्रिया	0.053	5	4	4.1	30.3	100.0	100.0	54.6	67.7
24 फ़िनलैण्ड	0.075	11	4	9.2	42.5	100.0	100.0	55.7	64.0
25 स्लोवेनिया	0.016	1	7	0.6	27.7	95.8	98.0	52.3	63.2
26 स्पेन	0.095	16	4	10.6	38.0	66.8	73.1	52.5	65.8
27 इटली	0.068	10	4	4.0	30.1	71.2	80.5	39.6	59.5
28 चेक गणराज्य	0.091	15	5	4.9	18.9	99.9	99.7	51.1	68.3
29 ग्रीस	0.146	29	5	11.9	21.0	59.5	67.0	44.2	62.5
30 एस्टोनिआ	0.164	33	11	16.8	19.8	100.0[e]	100.0[e]	56.2	68.9
31 ब्रूनेई दारस्सलाम	..	..	27	23.0	..	63.9[f]	67.8[f]	52.6	75.3
32 साइप्रस	0.124	22	10	5.5	12.5	76.0	81.7	56.0	71.1
32 कतर	0.524	116	6	9.5	0.0[g]	66.7	59.0	50.8	95.5
34 अंडोरा	..	..	..	..	50.0	49.5	49.3	..	..
35 स्लोवाकिया	0.164	33	7	15.9	18.7	99.1	99.5	51.1	68.6
36 पोलैण्ड	0.138	28	3	12.2	22.1	79.4	85.5	48.9	64.9
37 लिथुआनिया	0.125	23	11	10.6	23.4	89.1	94.3	55.8	67.3
37 माल्टा	0.227	45	9	18.2	13.0	68.6	78.2	37.9	66.3
39 सऊदी अरब	0.284	56	16	10.2	19.9	60.5	70.3	20.2	78.3
40 अर्जेंटीना	0.376	75	69	54.4	36.8	56.3[f]	57.6[f]	47.5	75.0
41 संयुक्त अरब अमीरात	0.232	46	8	27.6	17.5	73.1	61.2	46.5	92.0
42 चिली	0.338	65	22	55.3	15.8	73.3	76.4	49.2	74.8
43 पुर्तगाल	0.111	20	8	12.6	31.3	47.7	48.2	54.9	66.2
44 हंगरी	0.209	42	14	12.1	10.1	97.9[e]	98.7[e]	44.8	60.0
45 बहरीन	0.265	50	22	13.8	15.0	56.7[f]	51.4[f]	39.2	86.9
46 लात्विया	0.167	36	13	13.5	18.0	98.9	99.0	54.9	67.6
47 क्रोएशिया	0.149	30	13	12.7	25.8	85.0	93.6	44.7	58.4
48 कुवैत	0.387	79	14	14.5	1.5	55.6	56.3	43.6	83.1
49 मॉन्टीनेग्रो	0.171	37	7	15.2	17.3	84.2	94.7	43.0	57.3
उच्च मानव विकास									
50 बेलारुस	0.151	31	1	20.6	30.1	87.0	92.2	50.1	63.1
50 रुसी गणराज्य	0.276	54	24	25.7	14.5	89.6	92.5	57.1	71.7
52 ओमान	0.275	53	11	10.6	9.6	47.2	57.1	29.0	82.6
52 रोमानिया	0.333	64	33	31.0	12.0	86.1	92.0	48.7	64.9
52 उरूग्वे	0.313	61	14	58.3	11.5	54.4[f]	50.3	55.6	76.8
55 बहामास	0.298	58	37	28.5	16.7	91.2	87.6[f]	69.3	79.3
56 कज़ाकिस्तान	0.267	51	26	29.9	20.1	95.3	98.8	67.7	77.9
57 बारबाडोस	0.357	69	52	48.4	19.6	89.5[f]	87.7[f]	65.9	76.6
58 एंटिगुआ और बरबूडा	..	..	..	49.3	25.7	..	..	..	..
59 बुल्गेरिया	0.212	43	5	35.9	20.4	93.0	95.7	47.9	59.0
60 पलाउ	..	..	..	..	10.3	..	..	..	..

	लिंग असमानता सूचकांक		मातृत्व मृत्यु अनुपात	किशोर में जन्म दर	संसद में सीटों की हिस्सेदारी	कम से कम माध्यमिक शिक्षा प्राप्त जनसंख्या (25 और अधिक वर्षों का %)		श्रम शक्ति की भागीदारी दर (15 और अधिक वय का %)	
	मान	श्रेणी	(प्रति 100,000 जीवित जन्म पर मृत्यु)	(प्रति 1,000 15-19 वय की महिलाओं में जन्म)	(महिलाओं का %)	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष
एचडीआई श्रेणी	2014	2014	2013	2010/2015[b]	2014	2005–2014[c]	2005–2014[c]	2013	2013
60 पनामा	0.454	96	85	78.5	19.3	54.0[f]	49.9[f]	49.0	81.8
62 मलेशिया	0.269	52	29	5.7	14.2	25.3[f]	71.3[f]	44.4	75.5
63 मॉरिशिस	0.419	88	73	30.9	11.6	49.4	58.0	43.6	74.2
64 सेशेल्स	..	..	..	56.3	43.8	66.9	66.6	..	..
64 ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	0.371	73	84	34.8	24.7	59.7	60.9	53.0	75.5
66 सर्बिया	0.176	38	16	16.9	34.0	58.4	73.6	44.5	60.9
67 क्यूबा	0.356	68	80	43.1	48.9	74.3[f]	78.8[f]	43.4	70.0
67 लेबनान	0.385	78	16	12.0	3.1	53.0	55.4	23.3	70.9
69 कोस्टा रिका	0.349	66	38	60.8	33.3	50.7[f]	50.5[f]	46.6	79.0
69 ईरान इस्लामिक गणराज्य	0.515	114	23	31.6	3.1	62.2	67.6	16.6	73.6
71 वेनेज़ुएला (बोलिवेरियाई गणराज्य)	0.476	103	110	83.2	17.0	56.6	50.8	51.1	79.2
72 तुर्की	0.359	71	20	30.9	14.4	39.0	60.0	29.4	70.8
73 श्रीलंका	0.370	72	29	16.9	5.8	72.7	76.4	35.1	76.3
74 मैक्सिको	0.373	74	49	63.4	37.1	55.7	60.6	45.1	79.9
75 ब्राज़ील	0.457	97	69	70.8	9.6	54.6	52.4	59.4	80.8
76 जॉर्जिया	0.382	77	41	46.8	11.3	89.7	92.7	56.5	75.1
77 सेंट किट्स एवं नेविस	..	..	..	..	6.7	..	..	..	..
78 अज़रबेजान	0.303	59	26	40.0	15.6	93.7	97.4	62.9	69.6
79 ग्रेनाडा	..	..	23	35.4	25.0	..	..	..	..
80 जॉर्डन	0.473	102	50	26.5	11.6	69.5	78.5	15.6	66.6
81 मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	0.164	33	7	18.3	33.3	40.2	55.6	43.1	67.5
81 यूक्रेन	0.286	57	23	25.7	11.8	91.7[f]	95.9[f]	53.2	66.9
83 अल्जीरिया	0.413	85	89	10.0	25.7	26.7	31.0	15.2	72.2
84 पेरू	0.406	82	89	50.7	22.3	56.3	66.1	68.2	84.4
85 अल्बानिया	0.217	44	21	15.3	20.7	81.8	87.9	44.9	65.5
85 अर्मेनिआ	0.318	62	29	27.1	10.7	94.0[f]	95.0[f]	54.2	72.6
85 बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	0.201	41	8	15.1	19.3	44.9	69.8	34.1	57.3
88 इक्वाडोर	0.407	83	87	77.0	41.6	40.1	39.4	54.7	82.7
89 सेंट लूसिआ	..	..	34	56.3	20.7	..	..	62.7	76.2
90 चीन	0.191	40	32	8.6	23.6	58.7	71.9	63.9	78.3
90 फ़िजी	0.418	87	59	42.8	14.0	64.2	64.5	37.5	72.0
90 मंगोलिया	0.325	63	68	18.7	14.9	85.3[f]	84.1[f]	56.6	69.3
93 थाइलैण्ड	0.380	76	26	41.0	6.1	35.7	40.8	64.3	80.7
94 डोमिनिका	..	..	..	..	21.9	29.7	23.2	..	..
94 लीबिया	0.134	27	15	2.5	16.0	55.5[f]	41.9[f]	30.0	76.4
96 ट्यूनीशिया	0.240	47	46	4.6	31.3	32.8	46.1	25.1	70.9
97 कोलम्बिया	0.429	92	83	68.5	20.9	56.9	55.6	55.8	79.7
97 सेंट विन्सेन्ट एवं ग्रेनाडाइन	..	..	45	54.5	13.0	..	..	55.7	78.0
99 जमैका	0.430	93	80	70.1	16.7	74.0[f]	70.2[f]	56.1	70.9
100 टोंगो	0.666	148	120	18.1	0.0[g]	87.5	88.3	53.5	74.6
101 बेलीज़	0.426	90	45	71.4	13.3	76.4[f]	75.8[f]	49.2	82.3
101 डोमीनिकन गणराज्य	0.477	104	100	99.6	19.1	55.6	53.1	51.3	78.6
103 सूरीनाम	0.463	100	130	35.2	11.8	44.6	47.1	40.5	68.8
104 मालदीव	0.243	48	31	4.2	5.9	27.3	32.7	56.2	77.5
105 समोआ	0.457	97	58	28.3	6.1	64.3	60.0	23.5	58.4
मध्यम मानव विकास									
106 बोत्स्वाना	0.480	106	170	44.2	9.5	73.6[f]	77.9[f]	71.9	81.6
107 मॉल्डोवा गणराज्य	0.248	49	21	29.3	20.8	93.6	96.6	37.6	44.2
108 मिस्र	0.573	131	45	43.0	2.2[h]	43.9[f]	60.6[f]	23.7	74.8
109 तुर्कमेनिस्तान	..	..	61	18.0	25.8	..	..	46.9	76.9
110 गैबन	0.514	113	240	103.0	16.2	53.9[f]	36.1[f]	56.2	65.4
110 इण्डोनेशिया	0.494	110	190	48.3	17.1	39.9	49.2	51.4	84.2
112 पराग्वे	0.472	101	110	67.0	16.8	36.8	43.0	55.7	84.8
113 फिलिस्तीन राज्य	..	..	..	45.8	..	53.9	59.4	15.4	66.4
114 उज़्बेकिस्तान	..	..	36	38.8	16.4	..	..	48.1	75.6
115 फ़िलीपीन्स	0.420	89	120	46.8	27.1	65.9	63.7	51.1	79.7
116 अल सल्वाडोर	0.427	91	69	76.0	27.4	36.8	43.6	47.8	79.0
116 दक्षिण अफ्रीका	0.407	83	140	50.9	40.7[i]	72.7	75.9	44.5	60.5
116 वियतनाम	0.308	60	49	29.0	24.3	59.4	71.2	73.0	82.2
119 बोलिविया (प्लूरीनेशनल राज्य)	0.444	94	200	71.9	51.8	47.6	59.1	64.2	80.9
120 किर्गिस्तान	0.353	67	75	29.3	23.3	94.5	96.8	56.0	79.5
121 इराक	0.539	123	67	68.7	26.5	27.8	50.2	14.9	69.8

एचडीआई श्रेणी	लिंग असमानता सूचकांक मान 2014	लिंग असमानता सूचकांक श्रेणी 2014	मातृत्व मृत्यु अनुपात (प्रति 100,000 जीवित जन्म पर मृत्यु) 2013	किशोर में जन्म दर (प्रति 1,000 15-19 वय की महिलाओं में जन्म) 2010/2015[b]	संसद में सीटों की हिस्सेदारी (महिलाओं का %) 2014	कम से कम माध्यमिक शिक्षा प्राप्त जनसंख्या (25 और अधिक वर्षों का %) स्त्री 2005–2014[c]	कम से कम माध्यमिक शिक्षा प्राप्त जनसंख्या (25 और अधिक वर्षों का %) पुरुष 2005–2014[c]	श्रम शक्ति की भागीदारी दर (15 और अधिक वय का %) स्त्री 2013	श्रम शक्ति की भागीदारी दर (15 और अधिक वय का %) पुरुष 2013
122 केप वर्दे	..	..	53	70.6	20.8	..	..	51.5	83.7
123 माइक्रोनेशिया (संघीय राज्य)	..	..	96	18.6	0.0[g]	..	..	..	..
124 गयाना	0.515	114	250	88.5	31.3	60.3[f]	47.8[f]	42.6	80.5
125 निकारगुआ	0.449	95	100	100.8	39.1	39.4[f]	38.3[f]	47.4	80.3
126 मोरक्को	0.525	117	120	35.8	11.0	20.7[f]	30.2[f]	26.5	75.8
126 नामीबिया	0.401	81	130	54.9	37.7	33.3[f]	34.4[f]	54.7	63.7
128 ग्वाटेमाला	0.533	119	140	97.2	13.3	21.9	23.2	49.3	88.2
129 ताजिकिस्तान	0.357	69	44	42.8	15.2	95.1	91.2	58.9	77.1
130 भारत	0.563	130	190	32.8	12.2	27.0	56.6	27.0	79.9
131 होण्डुरास	0.480	106	120	84.0	25.8	28.0	25.8	42.8	82.9
132 भूटान	0.457	97	120	40.9	8.3	34.0	34.5	66.7	77.2
133 टिमोर लेस्ट	..	..	270	52.2	38.5	..	..	24.6	50.8
134 सीरियाई अरब गणराज्य	0.533	119	49	41.6	12.4	29.5	40.5	13.5	72.7
134 वनुआतु	..	..	86	44.8	0.0[g]	..	..	61.5	80.0
136 कांगो	0.593	137	410	126.7	11.5	39.7[f]	47.0[f]	68.5	73.0
137 किरिबाटी	..	..	130	16.6	8.7	..	..	..	..
138 इक्वेटोरियल गिनी	..	..	290	112.6	19.7	..	..	80.7	92.2
139 ज़ाम्बिया	0.587	132	280	125.4	12.7	25.8[f]	44.0[f]	73.1	85.6
140 घाना	0.554	127	380	58.4	10.9	45.2	64.7	67.3	71.4
141 लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	..	..	..	65.0	25.0	22.9[f]	37.0[f]	76.3	79.1
142 बांग्लादेश	0.503	111	170	80.6	20.0	34.1[f]	41.3[f]	57.4	84.1
143 कम्बोडिया	0.477	104	170	44.3	19.0	9.9	22.9	78.8	86.5
143 साओ टोम एवं प्रिन्साइप	..	..	210	65.1	18.2	..	..	45.3	77.8
निम्न मानव विकास									
145 केन्या	0.552	126	400	93.6	20.8	25.3	31.4	62.2	72.4
145 नेपाल	0.489	108	190	73.7	29.5	17.7[f]	38.2[f]	79.9	87.1
147 पाकिस्तान	0.536	121	170	27.3	19.7	19.3	46.1	24.6	82.9
148 म्याँमार	0.413	85	200	12.1	4.7	22.9[f]	15.3[f]	75.2	82.3
149 अंगोला	..	..	460	170.2	36.8	..	..	63.3	76.9
150 स्वाज़ीलैण्ड	0.557	128	310	72.0	14.7	21.9[f]	26.0[f]	43.9	71.6
151 तंज़ानिया गणराज्य	0.547	125	410	122.7	36.0	5.6[f]	9.5[f]	88.1	90.2
152 नाईजीरिया	..	..	560	119.6	6.6	..	..	48.2	63.7
153 कैमरून	0.587	132	590	115.8	27.1	21.3[f]	34.9[f]	63.8	76.8
154 मैडागास्कर	..	..	440	122.8	20.5	..	..	86.6	90.5
155 ज़िम्बाब्वे	0.504	112	470	60.3	35.1	48.7	62.0	83.2[j]	89.7[j]
156 मॉरिटानिया	0.610	139	320	73.3	22.2	8.3[f]	20.9[f]	28.7	79.1
156 सॉलोमन द्वीपसमूह	..	..	130	64.9	2.0	..	..	53.4	79.0
158 पापुआ न्यू गिनी	0.611	140	220	62.1	2.7	7.6[f]	14.5[f]	70.5	74.0
159 कोमोरॉस	..	..	350	51.1	3.0	..	..	35.2	80.1
160 यमन	0.744	155	270	47.0	0.7	8.6[f]	26.7[f]	25.4	72.2
161 लेसोथो	0.541	124	490	89.4	26.8	21.9	19.0	59.0	73.5
162 टोगो	0.588	134	450	91.5	17.6	16.1[f]	40.3[f]	80.6	81.3
163 हैती	0.603	138	380	42.0	3.5	22.4[f]	35.2[f]	60.9	71.0
163 रवाण्डा	0.400	80	320	33.6	57.5	8.0[f]	8.8[f]	86.4	85.3
163 युगाण्डा	0.538	122	360	126.6	35.0	22.9	33.5	75.8	79.2
166 बेनिन	0.614	142	340	90.2	8.4	11.3[f]	27.0[f]	67.6	78.3
167 सूडान	0.591	135	360	84.0	23.8	12.1[f]	18.2[f]	31.3	76.0
168 जिबूती	..	..	230	18.6	12.7	..	..	36.3	67.7
169 दक्षिण सूडान	..	..	730	75.3	24.3	..	..	..	..
170 सेनेगल	0.528	118	320	94.4	42.7	7.2	15.4	66.0	88.0
171 अफ़गानिस्तान	0.693	152	400	86.8	27.6	5.9[f]	29.8[f]	15.8	79.5
172 आइवरी कोस्ट	0.679	151	720	130.3	9.2	14.0[f]	30.1[f]	52.4	81.4
173 मलावी	0.611	140	510	144.8	16.7	11.1	21.6	84.6	81.5
174 इथियोपिया	0.558	129	420	78.4	25.5	7.8	18.2	78.2	89.3
175 गैम्बिया	0.622	143	430	115.8	9.4	17.4[f]	31.5[f]	72.2	82.9
176 कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	0.673	149	730	135.3	8.2	12.8[f]	32.4[f]	70.7	73.2
177 लाइबेरिया	0.651	146	640	117.4	10.7	15.4[f]	39.3[f]	58.2	64.8
178 गिनी बिसाउ	..	..	560	99.3	13.7	..	..	68.2	78.5
179 माली	0.677	150	550	175.6	9.5	7.7	15.1	50.8	81.4
180 मोज़ाम्बीक	0.591	135	480	137.8	39.6	1.4[f]	6.2[f]	85.5	82.8

	लिंग असमानता सूचकांक		मातृत्व मृत्यु अनुपात	किशोर में जन्म दर	संसद में सीटों की हिस्सेदारी	कम से कम माध्यमिक शिक्षा प्राप्त जनसंख्या (25 और अधिक वर्षों का %)		श्रम शक्ति की भागीदारी दर (15 और अधिक वय का %)	
	मान	श्रेणी	(प्रति 100,000 जीवित जन्म पर मृत्यु)	(प्रति 1,000 15–19 वय की महिलाओं में जन्म)	(महिलाओं का %)	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष
एचडीआई श्रेणी	2014	2014	2013	2010/2015[b]	2014	2005–2014[c]	2005–2014[c]	2013	2013
181 **सिएरा लिओन**	0.650	145	1,100	100.7	12.4	10.0 [f]	21.7 [f]	65.7	69.0
182 **गिनी**	..	..	650	131.0	21.9	..	..	65.6	78.3
183 **बुर्किना फ़ासो**	0.631	144	400	115.4	13.3	0.9	3.2	77.1	90.0
184 **बुरुण्डी**	0.492	109	740	30.3	34.9	5.3 [f]	8.3 [f]	83.3	82.0
185 **चाड**	0.706	153	980	152.0	14.9	1.7	9.9	64.0	79.2
186 **एरिट्रिया**	..	..	380	65.3	22.0	..	..	80.0	89.8
187 **मध्य अफ्रीकी गणराज्य**	0.655	147	880	98.3	12.5 [h]	10.1 [f]	26.7 [f]	72.6	85.1
188 **नाइजर**	0.713	154	630	204.8	13.3	2.4 [f]	7.8 [f]	40.0	89.7
अन्य देश अथवा अंचल									
कोरिया (लोकतांत्रिक गणराज्य)	..	..	87	0.6	16.3	..	..	72.2	84.2
मार्शल द्वीप	..	..	..	..	3.0	..	..	..	..
मोनाक्को	..	..	..	..	20.8	..	..	..	..
नॉरू	..	..	..	..	5.3	..	..	..	..
सैन मरीनो	..	..	..	..	16.7	..	..	..	..
सोमालिया	..	..	850	110.4	13.8	..	..	37.2	75.5
तुवालू	..	..	..	..	6.7	..	..	..	..
मानव विकास समूह									
अति उच्च मानव विकास	0.199	—	18	19.0	26.5	86.2	87.9	52.1	68.7
उच्च मानव विकास	0.310	—	41	28.8	20.6	60.2	69.5	57.0	77.2
मध्यम मानव विकास	0.506	—	168	43.4	18.8	34.8	55.3	37.5	79.8
निम्न मानव विकास	0.583	—	461	92.1	20.5	14.8	28.3	57.2	79.1
विकासशील देश	0.478	—	225	51.5	20.2	44.0	58.4	49.5	78.7
क्षेत्र									
अरब राज्य	0.537	—	155	45.4	14.0	34.7	47.6	23.2	75.3
पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र	0.329	—	72	21.2	18.7	54.2	66.3	62.6	79.4
यूरोप और मध्य एशिया	0.300	—	28	30.8	19.0	70.8	80.6	45.6	70.0
लैटिन अमेरिका और कैरिबियाइ क्षेत्र	0.415	—	85	68.3	27.0	54.3	55.2	53.7	79.8
दक्षिण एशिया	0.536	—	183	38.7	17.5	29.1	54.6	29.8	80.3
सब सहारा अफ़्रीका	0.575	—	506	109.7	22.5	22.1	31.5	65.4	76.6
न्यूनतम विकसित देश	0.566	—	439	97.0	20.4	17.2	26.4	65.7	82.6
छोटे द्वीप विकासशील राज्य	0.474	—	220	61.5	22.8	51.1	55.1	53.0	73.3
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन	0.231	—	21	25.4	26.9	82.9	86.3	50.9	68.9
विश्व	**0.450**	**—**	**210 [T]**	**47.4**	**21.8**	**54.3**	**65.4**	**50.3**	**76.7**

सारणी
5

नोट

a अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के मानक अनुमान।

b आंकड़ें 2010–2015 के प्रस्तावित मानों का वार्षिक औसत है।

c आंकड़े निर्दिष्ट अवधि के दौरान अभी हाल के उपलब्ध वर्षों की ओर संकेत करते हैं।

d 25–64 आयु की जनसंख्या संबंधित।

e 25–74 आयु की जनसंख्या संबंधित।

f युनाइटेड नेशंस एजुकेशनल, साइंटिफिक एंड कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन इंस्टिट्यूट फॉर स्टेटिस्टिक्स के आंकड़ों पर आधारित बैरो एंड ली (2014) द्वारा 2011 के लिए आकलन।

g लिंग असमानता सूचकांक मान की गणना के लिए, 0.1 प्रतिशत का प्रयोग किया गया।

h 2013 से संबंधित।

i तदर्थ के आधार पर नियुक्त 36 विशेष क्रमावर्तन प्रतिनिधि सम्मिलित नहीं है।

j 2012 से संबंधित।

t मूल आंकड़ों के स्रोत से।

परिभाषाएं

लिंग असमानता सूचकांक: तीन आयाम– जननीय स्वास्थ्य, सशक्तिकरण और श्रम बाजार में महिलाओं और पुरुषों के बीच समेकित मापदंड, उपलब्धि में असमानता को दर्शाते हुए। लिंग असमानता सूचकांक की गणना हेतु प्रक्रिया विवरण के लिए तकनीकी नोट 4 http://hdr.undp.org पर देखें।

मातृत्व मृत्यु दर: गर्भावस्था संबंधी कारणों से प्रति 100,000 जीवित शिशु जन्म पर होने वाली मौतें।

किशोरवय में जन्म दर: 15–19 आयु की प्रति 1,000 महिलाओं में जन्म दर।

संसद में सीटों की हिस्सेदारी: संसद में महिलाओं द्वारा प्राप्त सीटों के अनुपात को कुल सीटों के प्रतिशत के रुप में अभिव्यक्त किया गया है। द्विसदनी विधायी व्यवस्था वाले देशों के लिए दोनों सदनों में महिलाओं की संख्या जोड़ कर गणना की गई है।

कम से कम माधयमिक शिक्षा प्राप्त जनसंख्या: माध्यमिक शिक्षा (आवश्यक नहीं कि पूरी की हो) के स्तर तक पहुंचने वाली 25 और उससे अधिक आयु की कुल जनसंख्या का प्रतिशत।

श्रम शक्ति की भागीदारी दर: श्रम बाजार में संलग्न संबंधित देश की कामकाजी उम्र 15 और उससे अधिक आयु वाली जनसंख्या का समानुपात। भले ही वह काम कर रही हो या काम की तलाश में हो, उसे ही कामकाजी उम्र वाली जनसंख्या के प्रतिशत बतौर दिखाया गया है।

आंकड़ों के मुख्य स्त्रोत

कॉलम 1: कॉलम 3 से 9 के आंकड़ों पर आधारित एचडीआरओ की गणना।

कॉलम 2: कॉलम 1 के आंकड़ों पर आधारित गणना ।

कॉलम 3: यू.एन. मैटर्नल मार्टेलिटी एस्टीमेशन ग्रुप (2014)।

कॉलम 4: यूएनडीईएसए (2013ए)।

कॉलम 5: आईपीयू (2015)।

कॉलम 6 और 7: यूनेस्को इंस्टिट्यूट फॉर स्टेटिस्टिकस (2015)।

कॉलम 8 और 9: आईएलओ (2015ए)।

सारणी 6

बहुआयामी निर्धनता सूचकांक : विकासशील देश

		बहुआयामी निर्धनता सूचकांक[b]				बहुआयामी निर्धनता में जनसंख्या[c]				कुल निर्धनता में अभाव का प्रतिशत			निर्धनता रेखा आय से नीचे रहने वाली जनसंख्या	
		एचडीआरओ विनिर्देश[c]		2010 विनिर्देश[d]									(%)	
	वर्ष और सर्वेक्षण[a]	सूची	लोगों की संख्या	सूची	लोगों की संख्या	लोगों की संख्या	अभाव की तीव्रता	बहुआयामी निर्धनता के आस-पास की जनसंख्या[c]	विकट बहुआयामी निर्धनता वाली जनसंख्या[c]	(%)			राष्ट्रीय निर्धनता सीमा	पीपीपी 1.25 डॉलर प्रति दिन
देश	2005–2014	मान	(%)	मान	(%)	(हजारों में)	(%)	(%)	(%)	शिक्षा	स्वास्थ्य	जीवन स्तर	2004–2014[d]	2002–2012[d]
अफ़गानिस्तान	2010/2011 M	0.293[f]	58.8[f]	0.353[f]	66.2[f]	17,116[f]	49.9[f]	16.0[f]	29.8[f]	45.6[f]	19.2[f]	35.2[f]	35.8	..
अल्बानिया	2008/2009 D	0.005	1.2	0.005	1.4	38	38.3	7.2	0.1	22.4	47.1	30.5	14.3	0.5
अर्जेंटीना	2005 N	0.015[g]	3.7[g]	0.011[g]	2.9[g]	1,438[g]	39.1[g]	5.2[g]	0.5[g]	38.2[g]	27.8[g]	34.0[g]	..	1.4
अर्मेनिआ	2010 D	0.002	0.6	0.001	0.3	18	37.0	3.0	0.1	3.4	87.8	8.7	32.0	1.8
अज़रबेजान	2006 D	0.009	2.4	0.021	5.3	210	38.2	11.5	0.2	20.0	50.7	29.3	5.3	0.3
बांग्लादेश	2011 D	0.237	49.5	0.253	51.3	75,610	47.8	18.8	21.0	28.4	26.6	44.9	31.5	43.3
बारबाडोस	2012 M	0.004[h]	1.2[h]	0.003[h]	0.9[h]	3[h]	33.7[h]	0.3[h]	0.0[h]	1.5[h]	95.9[h]	2.6[h]	..	..
बेलारुस	2005 M	0.001	0.4	0.000	0.0	41	34.5	1.1	0.0	2.6	89.7	7.7	5.5	0.0
बेलीज़	2011 M	0.030	7.4	0.018	4.6	23	41.2	6.4	1.5	36.2	34.8	29.0	..	..
बेनिन	2011/2012 D	0.343	64.2	0.307	62.2	6,455	53.3	16.9	37.7	33.1	24.8	42.1	36.2	51.6
भूटान	2010 M	0.128	29.4	0.119	27.2	211	43.5	18.0	8.8	40.3	26.3	33.4	12.0	2.4
बोलिविया (प्लूरीनेशनल राज्य)	2008 D	0.097	20.6	0.089	20.5	2,022	47.0	17.3	7.8	21.9	27.9	50.2	45.0	8.0
बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	2011/2012 M	0.006[h]	1.7[h]	0.002[h]	0.5[h]	65[h]	37.3[h]	3.2[h]	0.0[h]	7.8[h]	79.5[h]	12.7[h]	17.9	0.0
ब्राज़ील	2013 N	0.011[f,i]	2.9[f,i]	..	..	5,738[f,i]	40.2[f,i]	7.2[f,i]	0.4[f,i]	27.6[f,i]	40.7[f,i]	31.7[f,i]	8.9	3.8
बुर्किना फ़ासो	2010 D	0.508	82.8	0.535	84.0	12,875	61.3	7.6	63.8	39.0	22.5	38.5	46.7	44.5
बुरुण्डी	2010 D	0.442	81.8	0.454	80.8	7,553	54.0	12.0	48.2	25.0	26.3	48.8	66.9	81.3
कम्बोडिया	2010 D	0.211	46.8	0.212	45.9	6,721	45.1	20.4	16.4	25.9	27.7	46.4	17.7	10.1
कैमरून	2011 D	0.260	48.2	0.248	46.0	10,187	54.1	17.8	27.1	24.5	31.3	44.2	39.9	27.6
मध्य अफ़्रीकी गणराज्य	2010 M	0.424	76.3	0.430	77.6	3,320	55.6	15.7	48.5	23.8	26.2	50.0	62.0	62.8
चाड	2010 M	0.545	86.9	0.554	87.2	10,186	62.7	8.8	67.6	32.3	22.5	45.2	46.7	36.5
चीन	2012 N	0.023[i]	5.2[i]	0.023[i]	5.2[i]	71,939[i]	43.3[i]	22.7[i]	1.0[i]	30.0[i]	36.6[i]	33.4[i]	..	6.3
कोलम्बिया	2010 D	0.032	7.6	0.022	5.4	3,534	42.2	10.2	1.8	34.3	24.7	41.0	30.6	5.6
कोमोरॉस	2012 D/M	0.165	34.3	0.173	36.0	247	48.1	23.1	14.9	29.1	25.9	45.0	44.8	46.1
कांगो	2011/2012 D	0.192	43.0	0.181	39.7	1,866	44.7	26.2	12.2	10.6	32.8	56.6	46.5	32.8
कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	2013/2014 D	0.369	72.5	0.401	75.1	50,312	50.8	18.5	36.7	15.6	31.0	53.4	63.6	87.7
आइवरी कोस्ट	2011/2012 D	0.307	59.3	0.310	58.7	11,772	51.7	17.9	32.4	36.5	25.8	37.7	42.7	35.0
जिबूती	2006 M	0.127	26.9	0.139	29.3	212	47.3	16.0	11.1	36.1	22.7	41.2	..	18.8
डोमीनिकन गणराज्य	2013 D	0.025	6.0	0.020	5.1	620	41.6	20.6	1.0	28.4	39.6	32.0	41.1	2.3
इक्वाडोर	2013/2014 N	0.015	3.7	0.013	3.5	588	39.6	8.4	0.5	23.6	42.4	34.0	22.5	4.0
मिस्र	2014 D	0.016[j]	4.2[j]	0.014[j]	3.6[j]	3,491[j]	37.4[j]	5.6[j]	0.4[j]	45.6[j]	46.7[j]	7.8[j]	25.2	1.7
इथियोपिया	2011 D	0.537	88.2	0.564	87.3	78,887	60.9	6.7	67.0	27.4	25.2	47.4	29.6	36.8
गैबन	2012 D	0.073	16.7	0.070	16.5	273	43.4	19.9	4.4	15.2	43.8	40.9	32.7	6.1
गैम्बिया	2013 D	0.289	57.2	0.323	60.4	1,058	50.5	21.3	31.7	32.9	30.9	36.2	48.4	33.6
जॉर्जिया	2005 M	0.008	2.2	0.003	0.8	99	37.6	4.1	0.1	7.4	67.4	25.2	14.8	14.1
घाना	2011 M	0.144	30.5	0.139	30.4	7,559	47.3	18.7	12.1	27.7	27.1	45.2	24.2	28.6
गिनी	2012 D/M	0.425	73.8	0.459	75.1	8,456	57.6	12.7	49.8	36.6	22.8	40.6	55.2	40.9
गिनी बिसाउ	2006 M	0.495	80.4	0.462	77.5	1,168	61.6	10.5	58.4	30.5	27.9	41.6	69.3	48.9
गयाना	2009 D	0.031	7.8	0.030	7.7	61	40.0	18.8	1.2	16.8	51.2	32.0	..	..
हैती	2012 D	0.242	50.2	0.248	49.4	5,104	48.1	22.2	20.1	24.8	23.4	51.8	58.5	..
होण्डुरास	2011/2012 D	0.098[k]	20.7[k]	0.072[k]	15.8[k]	1,642[k]	47.4[k]	28.6[k]	7.2[k]	36.6[k]	23.1[k]	40.3[k]	64.5	16.5
भारत	2005/2006 D	0.282	55.3	0.283	53.7	631,999	51.1	18.2	27.8	22.7	32.5	44.8	21.9	23.6
इण्डोनेशिया	2012 D	0.024[f]	5.9[f]	0.066[f]	15.5[f]	14,574[f]	41.3[f]	8.1[f]	1.1[f]	24.7[f]	35.1[f]	40.2[f]	11.3	16.2
इराक	2011 M	0.052	13.3	0.045	11.6	4,236	39.4	7.4	2.5	50.1	38.6	11.3	18.9	3.9
जमैका	2010 N	0.014[h,i]	3.7[h,i]	0.008[h,i]	2.0[h,i]	102[h,i]	38.8[h,i]	9.1[h,i]	0.5[h,i]	7.7[h,i]	59.3[h,i]	33.0[h,i]	19.9	0.2
जॉर्डन	2012 D	0.004	1.2	0.006	1.7	85	35.3	1.0	0.1	31.5	65.0	3.5	14.4	0.1
कज़ाकिस्तान	2010/2011 M	0.004	1.1	0.001	0.2	173	36.4	2.3	0.0	4.3	83.9	11.8	2.9	0.1
केन्या	2008/2009 D	0.226	48.2	0.229	47.8	19,190	47.0	29.1	15.7	11.2	32.4	56.4	45.9	43.4
किर्गिस्तान	2012 D	0.006	1.8	0.007	2.0	96	36.9	10.7	0.1	6.6	70.5	22.9	37.0	5.1
लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	2011/2012 M	0.186	36.8	0.174	34.1	2,447	50.5	18.5	18.8	37.7	25.4	36.9	23.2	30.3
लेसोथो	2009 D	0.227	49.5	0.156	35.3	984	45.9	20.4	18.2	14.8	33.8	51.4	57.1	56.2
लाइबेरिया	2013 D	0.356	70.1	0.374	71.2	3,010	50.8	21.5	35.4	23.0	25.6	51.4	63.8	83.8
लीबिया	2007 N	0.005	1.4	0.006	1.5	79	37.5	6.3	0.1	31.9	47.9	20.2	..	..
मैडागास्कर	2008/2009 D	0.420	77.0	0.357	66.9	15,774	54.6	11.7	48.0	31.6	24.5	43.9	75.3	87.7
मलावी	2010 D	0.332	66.7	0.334	66.7	10,012	49.8	24.5	29.8	18.9	27.7	53.4	50.7	72.2
मालदीव	2009 D	0.008	2.0	0.018	5.2	6	37.5	8.5	0.1	27.8	60.2	11.9	..	1.5
माली	2012/2013 D	0.456	78.4	0.457	77.7	11,998	58.2	10.8	55.9	37.9	22.4	39.7	43.6	50.6
मॉरिटानिया	2011 M	0.291	55.6	0.285	52.2	2,060	52.4	16.8	29.9	34.5	20.3	45.3	42.0	23.4
मैक्सिको	2012 N	0.024	6.0	0.011	2.8	7,272	39.9	10.1	1.1	31.4	25.6	43.0	52.3	1.0
माल्डोवा गणराज्य	2012 M	0.004	1.1	0.003	0.8	38	38.4	2.2	0.1	11.0	66.9	22.1	12.7	0.2
मंगोलिया	2010 M	0.047	11.1	0.037	9.2	302	42.5	19.3	2.3	18.1	27.7	54.2	27.4	..
मॉन्टीनेग्रो	2013 M	0.002	0.5	0.001	0.3	3	38.9	2.0	0.0	22.0	59.9	18.1	11.3	0.2

देश	वर्ष और सर्वेक्षण[a]	बहुआयामी निर्धनता सूचकांक[b] एचडीआरओ विर्निर्देश[c] सूची	बहुआयामी निर्धनता सूचकांक[b] एचडीआरओ विर्निर्देश[c] लोगों की संख्या	बहुआयामी निर्धनता सूचकांक[b] 2010 विर्निर्देश[d] सूची	बहुआयामी निर्धनता सूचकांक[b] 2010 विर्निर्देश[d] लोगों की संख्या	बहुआयामी निर्धनता में जनसंख्या[c] लोगों की संख्या	बहुआयामी निर्धनता में जनसंख्या[c] अभाव की तीव्रता	बहुआयामी निर्धनता के आस-पास की जनसंख्या[c]	विकट बहुआयामी निधनता वाली जनसंख्या[c]	कुल निर्धनता में अभाव का प्रतिशत (%) शिक्षा	कुल निर्धनता में अभाव का प्रतिशत (%) स्वास्थ्य	कुल निर्धनता में अभाव का प्रतिशत (%) जीवन स्तर	निर्धनता रेखा आय से नीचे रहने वाली जनसंख्या (%) राष्ट्रीय निर्धनता सीमा	निर्धनता रेखा आय से नीचे रहने वाली जनसंख्या (%) पीपीपी 1.25 डॉलर प्रति दिन
	2005–2014	मान	(%)	मान	(%)	(हजारों में)	(%)	(%)	(%)				2004–2014[d]	2002–2012[d]
मोरक्को	2011 N	0.069	15.6	0.067	15.4	5,016	44.3	12.6	4.9	44.8	21.8	33.4	8.9	2.57
मोज़ाम्बीक	2011 D	0.390	70.2	0.389	69.6	17,246	55.6	14.8	44.1	30.4	22.3	47.3	54.7	60.7
नामीबिया	2013 D	0.205	44.9	0.193	42.0	1,034	45.5	19.3	13.4	11.0	39.2	49.8	28.7	23.5
नेपाल	2011 D	0.197	41.4	0.217	44.2	11,255	47.4	18.1	18.6	27.3	28.2	44.5	25.2	23.7
निकारगुआ	2011/2012 D	0.088	19.4	0.072	16.1	1,146	45.6	14.8	6.9	37.8	12.6	49.6	42.5	8.5
नाइजर	2012 D	0.584	89.8	0.605	89.3	15,408	65.0	5.9	73.5	35.9	24.0	40.0	48.9	40.8
नाइजीरिया	2013 D	0.279	50.9	0.303	53.2	88,425	54.8	18.4	30.0	29.8	29.8	40.4	46.0	62.0
पाकिस्तान	2012/2013 D	0.237	45.6	0.230	44.2	83,045	52.0	14.9	26.5	36.2	32.3	31.6	22.3	12.7
फिलिस्तीन राज्य	2010 M	0.007	1.9	0.006	1.5	75	37.4	6.2	0.1	13.9	68.8	17.3	25.8	0.1
पेरू	2012 D	0.043	10.4	0.043	10.5	3,132	41.4	12.3	2.1	19.4	29.8	50.8	23.9	2.9
फ़िलीपीन्स	2013 D	0.033 [f,l]	6.3 [f,l]	0.052 [f,l]	11.0 [f,l]	6,221 [f,l]	51.9 [f,l]	8.4 [f,l]	4.2 [f,l]	35.3 [f,l]	30.2 [f,l]	34.5 [f,l]	25.2	19.0
रवाण्डा	2010 D	0.352	70.8	0.350	69.0	7,669	49.7	17.9	34.6	23.8	27.2	49.0	44.9	63.0
सेंट लूसिआ	2012 M	0.003	0.8	0.003	1.0	2	34.5	0.9	0.0	15.8	65.2	19.0	..	..
साओ टोम एवं प्रिन्साइप	2008/2009 D	0.217	47.5	0.154	34.5	82	45.5	21.5	16.4	29.1	26.5	44.4	61.7	43.5
सेनेगल	2014 D	0.278	51.9	0.309	56.9	7,556	53.5	18.1	30.8	43.6	23.1	33.4	46.7	34.1
सर्बिया	2014 M	0.002	0.4	0.001	0.2	41	40.6	2.7	0.1	30.7	40.7	28.7	24.6	0.1
सिएरा लिओन	2013 D	0.411	77.5	0.464	81.0	4,724	53.0	14.6	43.9	25.7	28.5	45.9	52.9	56.6
सोमालिया	2006 M	0.500	81.8	0.514	81.2	7,104	61.1	8.3	63.6	33.7	18.8	47.5	..	..
दक्षिण अफ्रीका	2012 N	0.041	10.3	0.044	11.1	5,400	39.6	17.1	1.3	8.4	61.4	30.2	53.8	9.4
दक्षिण सूडान	2010 M	0.551	89.3	0.557	91.1	8,877	61.7	8.5	69.6	39.3	14.3	46.3	50.6	..
सूडान	2010 M	0.290	53.1	0.321	57.8	18,916	54.6	17.9	31.9	30.4	20.7	48.9	46.5	19.8
सूरीनाम	2010 M	0.033 [h]	7.6 [h]	0.024 [h]	5.9 [h]	40 [h]	43.1 [h]	4.7 [h]	2.0 [h]	31.0 [h]	37.2 [h]	31.8 [h]	..	..
स्वाज़ीलैण्ड	2010 M	0.113	25.9	0.086	20.4	309	43.5	20.5	7.4	13.7	41.0	45.3	63.0	39.3
सीरियाई अरब गणराज्य	2009 N	0.028	7.2	0.016	4.4	1,519	39.1	7.4	1.3	54.7	34.0	11.3	35.2	1.7
ताजिकिस्तान	2012 D	0.031	7.9	0.054	13.2	629	39.0	23.4	1.2	13.4	52.6	34.0	47.2	6.5
तंज़ानिया गणराज्य	2010 D	0.335	66.4	0.332	65.6	29,842	50.4	21.5	32.1	16.9	28.2	54.9	28.2	43.5
थाइलैण्ड	2005/2006 M	0.004	1.0	0.006	1.6	664	38.8	4.4	0.1	19.4	51.3	29.4	12.6	0.3
मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	2011 M	0.007 [h]	1.7 [h]	0.002 [h]	0.7 [h]	36 [h]	38.4 [h]	2.4 [h]	0.1 [h]	18.5 [h]	57.2 [h]	24.3 [h]	27.1	0.3
टिमोर लेस्ट	2009/2010 D	0.322	64.3	0.360	68.1	694	50.1	21.4	31.5	20.0	30.4	49.6	49.9	34.9
टोगो	2013/2014 D	0.242	48.5	0.252	50.1	3,394	49.9	19.9	23.2	26.4	28.8	44.9	58.7	52.5
ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	2006 M	0.007 [f]	1.7 [f]	0.020 [f]	5.6 [f]	23 [f]	38.0 [f]	0.5 [f]	0.2 [f]	2.2 [f]	86.1 [f]	11.7 [f]	..	..
ट्यूनीशिया	2011/2012 M	0.006	1.5	0.004	1.2	161	39.3	3.2	0.2	33.7	48.2	18.1	15.5	0.7
युगाण्डा	2011 D	0.359	70.3	0.367	69.9	24,712	51.1	20.6	33.3	18.0	30.2	51.9	19.5	37.8
यूक्रेन	2012 M	0.001 [f]	0.4 [f]	0.004 [f]	1.2 [f]	162 [f]	34.5 [f]	0.0 [f]	0.0 [f]	19.0 [f]	77.5 [f]	3.5 [f]	8.4	0.0
उज़्बेकिस्तान	2006 M	0.013	3.5	0.008	2.3	935	36.6	6.2	0.1	3.7	83.4	12.8	16.0	..
वनुआतु	2007 M	0.135	31.2	0.129	30.1	69	43.1	32.6	7.3	24.4	24.1	51.6	..	..
वियतनाम	2010/2011 M	0.026	6.4	0.017	4.2	5,796	40.7	8.7	1.3	35.9	25.7	38.4	17.2	2.4
यमन	2013 D	0.200	40.0	..	..	9,754	50.1	22.4	19.4	29.5	32.2	38.2	34.8	9.8
ज़ाम्बिया	2013/2014 D	0.264	54.4	0.281	56.6	8,173	48.6	23.1	22.5	17.9	29.8	52.3	60.5	74.3
ज़िम्बाब्वे	2014 M	0.128	28.9	0.127	29.7	4,222	44.1	29.3	7.8	10.8	34.5	54.8	72.3	..

नोट

a *डी* से आशय डेमोक्रेटिक एंड हेल्थ सर्वे के आंकड़ों से है। *एम* से आशय मल्टीपल इंडीकेटर क्लस्टर सर्वे के आंकड़ों से है। *एन* से आशय नेशनल सर्वे के आंकड़ों से है। (नेशनल सर्वेक्षणों की सूची के लिए http://hdr.undp.org देखें)।

b सभी देशों के लिए सभी संकेतक उपलब्ध नहीं थे, इसलिए क्रॉस कंट्री तुलना के दौरान सावधानी बरतनी चाहिए। जहां कोई संकेतक उपलब्ध नहीं रहा, वहां उपलब्ध सभी संकेतकों का भार शत प्रतिशत तक समायोजित किया गया है। तकनीकी नोट 5 के लिए http://hdr.undp.org पर देखें।

c एचडीआरओ विनिर्देश से आशय 2010 के विनिर्देशों से तुलना के दौरान कुछ संकेतकों के लिए नुकसान की संशोधित परिभाषा के इस्तेमाल से है।

d अलकायर और संतोस (2010) से कार्यप्रणाली के आधार पर।

e दी गई अवधि के उल्लिखित आंकडे उससे भी उपलब्ध सबसे हाल के वर्ष के हैं।

f पोषण पर संकेतक लुप्त है।

g केवल शहरी क्षेत्रों से संबंधित।

h बाल मृत्यु दर पर संकेतक लुप्त है।

i ज़मीन के प्रकार पर संकेतक लुप्त है।

j खाना पकाने के ईंधन पर संकेतक लुप्त है।

k बिजली पर संकेतक लुप्त है।

l स्कूल में उपस्थिति पर संकेतक लुप्त है।

परिभाषाएं

बहुआयामी निर्धनता सूचकांक: जनसंख्या का वह प्रतिशत जो बहुआयामीय विधी है जिसे वंच की प्रबलता के आधार पर समायोजित किया गया है। बहुआयामी निर्धनता सूचकांक की गणना प्रक्रिया के लिए तकनीकी नोट 5 देखें।

बहुआयामी निर्धन लोगों की संख्या: कम-से-कम 33 प्रतिशत भारित बंच कर स्कोर के साथ जनसंख्या का प्रतिशत। इसे सर्वेक्षण वाले वर्ष में हजारों की जनसंख्या में भी व्यक्त किया गया है।

बहुआयामी निर्धनता के लिए वंचन की तीव्रता: बहुआयामी निर्धनता में लोगों द्वारा अनुभव किए गए। वंचन के प्रतिशत बहुआयामी का औसत।

बहुआयामी निर्धनता के समीप की जनसंख्या: बहुआयामी वंचन के जोखिम को सहने वाली जनसंख्या का प्रतिशत अर्थात् 20 से 33 प्रतिशत वंचन के स्कोर वाले लोग।

विकट बहुआयामी निर्धनता की जनसंख्या: विकट बहुआयामी निर्धनता झेल रही जनसंख्या का प्रतिशत अर्थात् 50 या उनसे आये के प्रतिशत वंचन के स्कोर वाले लोग।

कुल निर्धनता में अभाव का योगदान: बहुआयामी निर्धनता सूचकांक का प्रतिशत, जो प्रत्येक आयाम में अभाव के लिए उत्तरदायी है।

राष्ट्रीय निर्धनता सीमा के नीचे रहने वाली जनसंख्या: राष्ट्रीय निर्धनता सीमा के नीचे रहने वाली जनसंख्या का प्रतिशत। जिसे किसी देश की सत्ता द्वारा तय और उचित समझी गई है। राष्ट्रीय अनुमान जनसंख्या-भारित उपसमूह बना कर घरेलू हुए सर्वेक्षणों पर आधारित है।

पीपीपी 1.25 डॉलर प्रति दिन से नीचे की जनसंख्या: 1.25 डॉलर प्रति दिन (क्रय शक्ति समता के आधार पर) की अंतर्राष्ट्रीय निर्धनता सीमा से नीचे रहने वाली जनसंख्या का प्रतिशत ।

आंकड़ों के मुख्य स्त्रोत

कॉलम 1: उस सर्वेक्षण और वर्ष की ओर संकेत करते हैं, जिनके आंकडे कॉलम 2 से 10 के मानों की गणना के लिए प्रयोग किए गये।

कॉलम 2 से 3 और 6 से 12: कॉलम 1 में शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर से जुड़े घरेलू अभावों पर हुए विभिन्न घरेलू सर्वेक्षणों के आंकड़ों पर आधारित एचडीआरओ की गणना। इसके लिए कोआसेविक और केलड्डान (2014) की संशोधित प्रक्रिया का प्रयोग किया गया।

कॉलम 4 और 5: अलकायर और रोबल्स (2015)।

कॉलम 13 और 14: वर्ल्ड बैंक (2015ए)।

सारणी 7

बहुआयामी निर्धनता सूचकांक : समय के साथ बदलाव

देश	वर्ष और सर्वेक्षण[a]	बहुआयामी निर्धनता सूचकांक[b] एचडीआरओ विनिर्देश[c]	बहुआयामी निर्धनता में जनसंख्या[c] लोगों की संख्या		अभाव की तीव्रता	बहुआयामी निर्धनता के आस-पास की जनसंख्या[c]	विकट बहुआयामी निर्धनता वाली जनसंख्या[c]	कुल निर्धनता में अभाव का अंशदान (%)		
	2005–2014	मान	(%)	(हजारों में)	(%)	(%)	(%)	शिक्षा	स्वास्थ्य	जीवन स्तर
बांग्लादेश	2011 D	0.237	49.5	75,610	47.8	18.8	21.0	28.4	26.6	44.9
बांग्लादेश	2007 D	0.294	59.5	87,185	49.3	18.7	27.2	26.0	26.5	47.5
बेलीज़	2011 M	0.030	7.4	23	41.2	6.4	1.5	36.2	34.8	29.0
बेलीज़	2006 M	0.028	6.9	19	40.8	6.5	1.2	13.8	52.6	33.6
बेनिन	2011/2012 D	0.343	64.2	6,455	53.3	16.9	37.7	33.1	24.8	42.1
बेनिन	2006 D	0.401	69.8	5,897	57.4	18.8	45.7	35.0	24.9	40.1
बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	2011/2012 M	0.006[d]	1.7[d]	65[d]	37.3[d]	3.2[d]	0.0[d]	7.8[d]	79.5[d]	12.7[d]
बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	2006 M	0.013[d]	3.5[d]	134[d]	38.1[d]	5.3[d]	0.1[d]	7.9[d]	76.3[d]	15.8[d]
ब्राज़ील	2013 N[e]	0.011[f,g]	2.9[f,g]	5,738[f,g]	40.2[f,g]	7.2[f,g]	0.4[f,g]	27.6[f,g]	40.7[f,g]	31.7[f,g]
ब्राज़ील	2012 N[e]	0.012[f,g]	3.1[f,g]	6,083[f,g]	40.8[f,g]	7.4[f,g]	0.5[f,g]	27.7[f,g]	38.4[f,g]	33.9[f,g]
ब्राज़ील	2006 N[e]	0.017[h]	4.0[h]	7,578[h]	41.4[h]	11.2[h]	0.7[h]	41.4[h]	20.4[h]	38.2[h]
बुर्किना फ़ासो	2010 D	0.508	82.8	12,875	61.3	7.6	63.8	39.0	22.5	38.5
बुर्किना फ़ासो	2006 M	0.538	85.2	11,775	63.2	6.9	67.1	38.0	22.3	39.6
बुरुण्डी	2010 D	0.442	81.8	7,553	54.0	12.0	48.2	25.0	26.3	48.8
बुरुण्डी	2005 M	0.485[f]	87.9[f]	6,833[f]	55.2[f]	8.5[f]	53.5[f]	37.8[f]	11.1[f]	51.1[f]
कम्बोडिया	2010 D	0.211	46.8	6,721	45.1	20.4	16.4	25.9	27.7	46.4
कम्बोडिया	2005 D	0.282	58.0	7,746	48.7	17.5	26.4	29.0	26.3	44.7
कैमरून	2011 D	0.260	48.2	10,187	54.1	17.8	27.1	24.5	31.3	44.2
कैमरून	2006 M	0.304[d]	51.8[d]	9,644[d]	58.7[d]	14.0[d]	35.9[d]	24.8[d]	31.7[d]	43.5[d]
मध्य अफ़्रीकी गणराज्य	2010 M	0.424	76.3	3,320	55.6	15.7	48.5	23.8	26.2	50.0
मध्य अफ़्रीकी गणराज्य	2006 M	0.464	80.5	3,245	57.7	12.1	54.5	30.2	24.3	45.6
चीन	2012 N[e]	0.023[g]	5.2[g]	71,939[g]	43.3[g]	22.7[g]	1.0[g]	30.0[g]	36.6[g]	33.4[g]
चीन	2009 N[e]	0.026[g,i]	6.0[g,i]	80,784[g,i]	43.4[g,i]	19.0[g,i]	1.3[g,i]	21.0[g,i]	44.4[g,i]	34.6[g,i]
कांगो	2011/2012 D	0.192	43.0	1,866	44.7	26.2	12.2	10.6	32.8	56.6
कांगो	2009 D	0.154[f]	32.7[f]	1,308[f]	47.1[f]	29.9[f]	15.1[f]	16.2[f]	25.6[f]	58.2[f]
कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	2013/2014 D	0.369	72.5	50,312	50.8	18.5	36.7	15.6	31.0	53.4
कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	2010 M	0.399	74.4	46,278	53.7	15.5	46.2	18.5	25.5	55.9
आइवरी कोस्ट	2011/2012 D	0.307	59.3	11,772	51.7	17.9	32.4	36.5	25.8	37.7
आइवरी कोस्ट	2005 D	0.269[f,h]	50.0[f,h]	8,693[f,h]	53.9[f,h]	22.7[f,h]	26.7[f,h]	42.8[f,h]	20.8[f,h]	36.5[f,h]
डोमीनिकन गणराज्य	2013 D	0.025	6.0	620	41.6	20.6	1.0	28.4	39.6	32.0
डोमीनिकन गणराज्य	2007 D	0.026	6.2	599	41.9	10.8	1.4	36.2	30.4	33.3
इक्वाडोर	2013/2014 N	0.015	3.7	588	39.6	8.4	0.5	23.6	42.4	34.0
इक्वाडोर	2006 N	0.043	10.6	1,486	40.9	9.4	2.1	22.2	44.3	33.5
मिस्र	2014 D	0.016[h]	4.2[h]	3,491[h]	37.4[h]	5.6[h]	0.4[h]	45.6[h]	46.7[h]	7.8[h]
मिस्र	2008 D	0.036[h]	8.9[h]	6,740[h]	40.3[h]	8.6[h]	1.5[h]	41.8[h]	45.6[h]	12.6[h]
गैम्बिया	2013 D	0.289	57.2	1,058	50.5	21.3	31.7	32.9	30.9	36.2
गैम्बिया	2005/2006 M	0.329	60.8	901	54.1	15.7	35.9	34.0	30.5	35.5
घाना	2011 M	0.144	30.5	7,559	47.3	18.7	12.1	27.7	27.1	45.2
घाना	2008 D	0.186	39.2	9,057	47.4	20.3	15.4	26.5	28.5	45.0
गिनी	2012 D/M	0.425	73.8	8,456	57.6	12.7	49.8	36.6	22.8	40.6
गिनी	2005 D	0.548	86.5	8,283	63.4	7.7	68.6	34.4	22.3	43.3
गयाना	2009 D	0.031	7.8	61	40.0	18.8	1.2	16.8	51.2	32.0
गयाना	2007 M	0.032	7.9	61	40.1	10.7	1.5	16.9	44.8	38.3
हैती	2012 D	0.242	50.2	5,104	48.1	22.2	20.1	24.8	23.4	51.8
हैती	2005/2006 D	0.315	59.3	5,566	53.2	18.1	32.8	28.8	22.8	48.5
होण्डुरास	2011/2012 D	0.098[j]	20.7[j]	1,642[j]	47.4[j]	28.6[j]	7.2[j]	36.6[j]	23.1[j]	40.3[j]
होण्डुरास	2005/2006 D	0.156[j]	31.5[j]	2,214[j]	49.6[j]	26.6[j]	13.3[j]	38.4[j]	22.6[j]	39.0[j]
इण्डोनेशिया	2012 D	0.024[f]	5.9[f]	14,574[f]	41.3[f]	8.1[f]	1.1[f]	24.7[f]	35.1[f]	40.2[f]
इण्डोनेशिया	2007 D	0.043[f]	10.1[f]	23,432[f]	42.4[f]	15.4[f]	2.3[f]	30.4[f]	21.0[f]	48.7[f]
इराक	2011 M	0.052	13.3	4,236	39.4	7.4	2.5	50.1	38.6	11.3
इराक	2006 M	0.077	18.5	5,182	41.8	15.0	4.3	45.7	33.9	20.4
जॉर्डन	2012 D	0.004	1.2	85	35.3	1.0	0.1	31.5	65.0	3.5
जॉर्डन	2009 D	0.004	1.0	64	36.8	4.1	0.1	33.7	56.3	10.0
कज़ाकिस्तान	2010/2011 M	0.004	1.1	173	36.4	2.3	0.0	4.3	83.9	11.8
कज़ाकिस्तान	2006 M	0.007	1.8	277	38.5	4.7	0.2	5.5	73.4	21.2
किर्गिस्तान	2012 D	0.006	1.8	96	36.9	10.7	0.1	6.6	70.5	22.9
किर्गिस्तान	2005/2006 M	0.013	3.4	173	37.9	10.1	0.3	5.0	63.9	31.2
लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	2011/2012 M	0.186	36.8	2,447	50.5	18.5	18.8	37.7	25.4	36.9
लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	2006 M	0.320[d]	55.0[d]	3,242[d]	58.3[d]	11.1[d]	35.2[d]	32.3[d]	32.6[d]	35.2[d]
लाइबेरिया	2013 D	0.356	70.1	3,010	50.8	21.5	35.4	23.0	25.6	51.4
लाइबेरिया	2007 D	0.459	81.9	2,883	56.1	12.9	52.8	30.4	21.8	47.8
माली	2012/2013 D	0.456	78.4	11,998	58.2	10.8	55.9	37.9	22.4	39.7
माली	2006 D	0.533	85.6	10,545	62.4	7.8	66.8	37.4	22.6	40.1

देश	वर्ष और सर्वेक्षण[a]	बहुआयामी निर्धनता सूचकांक[b] एचडीआरओ विनिर्देश[c]	बहुआयामी निर्धनता में जनसंख्या[c] लोगों की संख्या		अभाव की तीव्रता	बहुआयामी निर्धनता के आस-पास की जनसंख्या[c]	विकट बहुआयामी निर्धनता वाली जनसंख्या[c]	कुल निर्धनता में अभाव का अंशदान (%)		
	2005–2014	मान	(%)	(हजारों में)	(%)	(%)	(%)	शिक्षा	स्वास्थ्य	जीवन स्तर
मॉरिटानिया	2011 M	0.291	55.6	2,060	52.4	16.8	29.9	34.5	20.3	45.3
मॉरिटानिया	2007 M	0.362	66.0	2,197	54.9	12.8	42.3	33.5	18.2	48.3
मैक्सिको	2012 N	0.024	6.0	7,272	39.9	10.1	1.1	31.4	25.6	43.0
मैक्सिको	2006 N	0.028	6.9	7,779	40.9	10.7	1.6	32.0	29.0	39.0
माल्डोवा गणराज्य	2012 M	0.004	1.1	38	38.4	2.2	0.1	11.0	66.9	22.1
माल्डोवा गणराज्य	2005 D	0.005	1.3	49	38.8	5.2	0.2	17.7	46.6	35.6
मंगोलिया	2010 M	0.047	11.1	302	42.5	19.3	2.3	18.1	27.7	54.2
मंगोलिया	2005 M	0.077	18.3	462	42.0	19.0	4.2	13.5	35.7	50.8
मॉन्टीनेग्रो	2013 M	0.002	0.5	3	38.9	2.0	0.0	22.0	59.9	18.1
मॉन्टीनेग्रो	2005/2006 M	0.012[d]	3.0[d]	19[d]	40.1[d]	1.3[d]	0.5[d]	21.0[d]	63.8[d]	15.3[d]
मोज़ाम्बीक	2011 D	0.390	70.2	17,246	55.6	14.8	44.1	30.4	22.3	47.3
मोज़ाम्बीक	2009 D	0.395[f]	70.0[f]	16,343[f]	56.5[f]	14.7[f]	43.2[f]	31.3[f]	20.3[f]	48.4[f]
नामीबिया	2013 D	0.205	44.9	1,034	45.5	19.3	13.4	11.0	39.2	49.8
नामीबिया	2006/2007 D	0.200	42.1	876	47.5	22.6	15.7	14.8	33.4	51.8
नेपाल	2011 D	0.197	41.4	11,255	47.4	18.1	18.6	27.3	28.2	44.5
नेपाल	2006 D	0.314	62.1	15,910	50.6	15.5	31.6	26.0	28.0	46.0
निकारगुआ	2011/2012 D	0.088	19.4	1,146	45.6	14.8	6.9	37.8	12.6	49.6
निकारगुआ	2006/2007 D	0.137	27.9	1,561	49.2	15.3	12.9	38.1	12.3	49.7
नाइजर	2012 D	0.584	89.8	15,408	65.0	5.9	73.5	35.9	24.0	40.0
नाइजर	2006 D	0.677	93.4	12,774	72.5	3.4	86.1	35.2	24.5	40.3
नाइजीरिया	2013 D	0.279	50.9	88,425	54.8	18.4	30.0	29.8	29.8	40.4
नाइजीरिया	2011 M	0.239	43.3	71,014	55.2	17.0	25.7	26.9	32.6	40.4
नाइजीरिया	2008 D	0.294	53.8	81,357	54.7	18.2	31.4	27.2	30.8	42.0
पाकिस्तान	2012/2013 D	0.237	45.6	83,045	52.0	14.9	26.5	36.2	32.3	31.6
पाकिस्तान	2006/2007 D	0.218[f]	43.5[f]	71,378[f]	50.0[f]	13.2[f]	21.7[f]	43.0[f]	19.7[f]	37.3[f]
फिलिस्तीन राज्य	2010 M	0.007	1.9	75	37.4	6.2	0.1	13.9	68.8	17.3
फिलिस्तीन राज्य	2006/2007 N	0.007	2.0	74	36.9	7.4	0.1	16.6	72.3	11.1
पेरू	2012 D	0.043	10.4	3,132	41.4	12.3	2.1	19.4	29.8	50.8
पेरू	2011 D	0.051	12.2	3,607	42.2	12.3	2.8	20.2	29.0	50.8
पेरू	2010 D	0.056	13.2	3,859	42.1	14.3	3.1	18.3	30.3	51.4
पेरू	2008 D	0.069	16.1	4,605	42.7	15.1	3.9	17.9	29.1	53.0
फ़िलीपीन्स	2013 D	0.033[f,k]	6.3[f,k]	6,221[f,k]	51.9[f,k]	8.4[f,k]	4.2[f,k]	35.3[f,k]	30.2[f,k]	34.5[f,k]
फ़िलीपीन्स	2008 D	0.038[f,k]	7.3[f,k]	6,559[f,k]	51.9[f,k]	12.2[f,k]	5.0[f,k]	37.1[f,k]	25.7[f,k]	37.2[f,k]
रवाण्डा	2010 D	0.352	70.8	7,669	49.7	17.9	34.6	23.8	27.2	49.0
रवाण्डा	2005 D	0.481	86.5	8,155	55.6	9.7	60.4	23.3	22.3	54.4
सेनेगल	2014 D	0.278	51.9	7,556	53.5	18.1	30.8	43.6	23.1	33.4
सेनेगल	2012/2013 D	0.296	54.8	7,744	54.0	17.8	32.6	41.8	23.6	34.5
सेनेगल	2010/2011 D	0.390	69.4	9,247	56.2	14.4	45.1	36.7	33.1	30.2
सेनेगल	2005 D	0.436	71.1	8,018	61.3	11.7	51.6	38.4	26.1	35.5
सर्बिया	2014 M	0.002	0.4	41	40.6	2.7	0.1	30.7	40.7	28.7
सर्बिया	2010 M	0.001	0.3	25	39.9	3.1	0.0	24.7	48.6	26.7
सर्बिया	2005/2006 M	0.011[d]	3.0[d]	296[d]	38.3[d]	3.8[d]	0.3[d]	18.1[d]	60.1[d]	21.8[d]
सिएरा लिओन	2013 D	0.411	77.5	4,724	53.0	14.6	43.9	25.7	28.5	45.9
सिएरा लिओन	2010 M	0.405	72.7	4,180	55.8	16.7	46.4	24.2	28.3	47.4
सिएरा लिओन	2008 D	0.451	79.7	4,409	56.6	12.5	51.7	32.0	22.7	45.3
दक्षिण अफ्रीका	2012 N	0.041	10.3	5,400	39.6	17.1	1.3	8.4	61.4	30.2
दक्षिण अफ्रीका	2008 N	0.039[g]	9.4[g]	4,701[g]	41.5[g]	21.4[g]	1.4[g]	13.4[g]	45.6[g]	41.1[g]
सूरीनाम	2010 M	0.033[d]	7.6[d]	40[d]	43.1[d]	4.7[d]	2.0[d]	31.0[d]	37.2[d]	31.8[d]
सूरीनाम	2006 M	0.044	9.2	46	47.4	6.3	3.6	36.7	21.1	42.2
सीरियाई अरब गणराज्य	2009 N	0.028	7.2	1,519	39.1	7.4	1.3	54.7	34.0	11.3
सीरियाई अरब गणराज्य	2006 M	0.024	6.4	1,197	38.0	7.7	0.9	44.4	43.1	12.5
ताजिकिस्तान	2012 D	0.031	7.9	629	39.0	23.4	1.2	13.4	52.6	34.0
ताजिकिस्तान	2005 M	0.059	14.7	1,002	39.8	18.6	2.3	11.0	57.3	31.7
मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	2011 M	0.007[d]	1.7[d]	36[d]	38.4[d]	2.4[d]	0.1[d]	18.5[d]	57.2[d]	24.3[d]
मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	2005 M	0.013	3.0	64	42.2	7.1	0.7	50.7	22.3	27.0
टोगो	2013/2014 D	0.242	48.5	3,394	49.9	19.9	23.2	26.4	28.8	44.9
टोगो	2010 M	0.260	50.9	3,207	51.2	20.3	26.4	28.9	25.0	46.1
टोगो	2006 M	0.277	53.1	3,021	52.2	20.3	28.8	31.4	23.2	45.4
युगाण्डा	2011 D	0.359	70.3	24,712	51.1	20.6	33.3	18.0	30.2	51.9
युगाण्डा	2006 D	0.399	74.5	22,131	53.6	18.2	41.5	17.1	30.4	52.5
यूक्रेन	2012 M	0.001[f]	0.4[f]	162[f]	34.5[f]	0.0[f]	0.0[f]	19.0[f]	77.5[f]	3.5[f]
यूक्रेन	2007 D	0.002[f]	0.6[f]	264[f]	34.3[f]	0.2[f]	0.0[f]	1.0[f]	95.1[f]	3.8[f]
यमन	2013 D	0.200	40.0	9,754	50.1	22.4	19.4	29.5	32.2	38.2

सारणी 7 बहुआयामी निर्धनता सूचकांक : समय के साथ बदलाव

		बहुआयामी निर्धनता सूचकांक[b]	बहुआयामी निर्धनता में जनसंख्या[c]			बहुआयामी निर्धनता के आस-पास की जनसंख्या[c]	विकट बहुआयामी निर्धनता वाली जनसंख्या[c]	कुल निर्धनता में अभाव का अंशदान		
	वर्ष और सर्वेक्षण[a]	एचडीआरओ विनिर्देश[c]	लोगों की संख्या		अभाव की तीव्रता			(%)		
देश	2005–2014	मान	(%)	(हजारों में)	(%)	(%)	(%)	शिक्षा	स्वास्थ्य	जीवन स्तर
यमन	2006 M	0.191[f]	37.5[f]	7,741[f]	50.9[f]	16.7[f]	18.4[f]	33.4[f]	21.3[f]	45.3[f]
ज़ाम्बिया	2013/2014 D	0.264	54.4	8,173	48.6	23.1	22.5	17.9	29.8	52.3
ज़ाम्बिया	2007 D	0.318	62.8	7,600	50.7	18.7	31.3	16.3	29.4	54.3
ज़िम्बाब्वे	2014 M	0.128	28.9	4,222	44.1	29.3	7.8	10.8	34.5	54.8
ज़िम्बाब्वे	2010/2011 D	0.181	41.0	5,482	44.1	24.9	12.2	7.8	37.9	54.3
ज़िम्बाब्वे	2006 D	0.193	42.4	5,399	45.4	22.8	15.7	11.5	29.6	58.9

नोट

a डी डेमोक्रेटिक एंड हेल्थ सर्वेज़ के आंकड़ों को संकेत करता है। एम मल्टीपल इंडीकेटर क्लस्टर सर्वेज़ के आंकड़ों को संकेत करता है। एन राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के आंकड़ों को संकेत करता है राष्ट्रीय सर्वेक्षणों की सूची http://hdr.undp.org) पर देखें।

b सभी देशों के लिए सभी संकेतक उपलब्ध नहीं थे, अत: क्रॉस कंट्री तुलना के लिए सावधानी का प्रयोग करना चाहिए। जहां संकेतक विद्यमान नहीं है, उपलब्ध संकेतकों के भार को 100 प्रतिशत तक समायोजित किया गया है। विवरण के लिए तकनीकी टिप्पणी 5 http://hdr.undp.org पर देखें।

c एचडीआरओ विनिर्देश 2010 के विनिर्देशों की तुलना में वचनों की कुछ-कुछ परिवर्तित परिभाषाओं की ओर संकेत करते हैं। विवरण के लिए कोवासेविक एंड कालडेरन (2014) देखें।

d बाल मृत्यु दर पर संकेतक विद्यमान नहीं है।

e विभिन्न वर्षों में हुए राष्ट्रीय घरेलू सर्वेक्षणों पर आधारित अनुमानों पर आधारित है। यह आवश्यक नहीं कि इनकी तुलना की गयी हो। अनुमानों की तुलना में समय के साथ सतर्कता का प्रयोग करना चाहिए।

f पोषण पर संकेतक विद्यमान नहीं है।

g मंजिल के प्रकार पर संकेतक विद्यमान नहीं है।

h खाना पकाने के ईंधन पर संकेतक विद्यमान नहीं है।

i देश के मात्र कुछ (नौ) प्रांतों की ओर संकेत करते हैं।

j बिजली पर संकेतक विद्यमान नहीं है।

k स्कूल में उपस्थिति पर संकेतक विद्यमान नहीं है।

परिभाषाएं

बहुआयामी निर्धनता सूचकांक: बहुआयामी स्तर पर निर्धन जनसंख्या का प्रतिशत, जिसे वंचना की तीव्रता के आधाार पर समायोजित किया गया है। बहुआयामी सूचकांक की गणना विवरण के लिए तकनीकी नोट 5 http://hdr.undp.org पर देखें।

बहुआयामी निर्धन लोगों की संख्या: कम-से-कम 33 प्रतिशत भारित वंचना स्कोर वाली जनसंख्या।

बहुआयामी निर्धनता वंचना की तीव्रता: बहुआयामी निर्धनता वाले लोगों द्वारा अनुभव किए गए वंचन के प्रतिशत का औसत।

बहुआयामी निर्धनता के पास की जनसंख्या: कई अभावों से पीड़ित होने के खतरे के मुहाने पर खड़ी जनसंख्या का प्रतिशत। ये वे लोग हैं जिनका अभाव के लिहाज से स्कोर 20 से 33 प्रतिशत है।

विकट बहुआयामी निर्धनता की जनसंख्या: विकट बहुआयामी निर्धनता वाली जनसंख्या का प्रतिशत। अर्थात् वे लोग जिनका वंचना का स्कोर 50 प्रतिशत या अधिक है।

कुल निर्धनता वंचना का योगदान: बहुआयामी निर्धनता सूचकांक का प्रतिशत, जो प्रत्येक आयाम में अभाव के लिए उत्तरदायी है।

आंकड़ों के मुख्य स्रोत

कॉलम 1: उन सर्वेक्षणों और वर्ष से आशय, जिनके आंकड़े कॉलम 2 से 10 के मूल्यांकन की गणना के लिए इस्तेमाल में लाया गया।

कॉलम 2 से 10: कॉलम 1 में (सूचीब) शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर से जुड़े अभाव पर हुए विभिन्न घरेलू सर्वेक्षणों के आंकड़ों पर एचडीआरओ की गणना। इसके लिए कोआसेविक और केलड्डान (2014) की संशोधित प्रक्रिया इस्तेमाल में लाई गई।

मानव विकास सूचक

सारणी 8

जनसंख्या का रुझान

		जनसंख्या								निर्भरता अनुपात				
		कुल		औसत वार्षिक वृद्धि		शहरी[a]	पांच वर्ष की उम्र	15-64 वर्ष की उम्र	65 वर्ष की उम्र और अधिक वृद्ध	मध्य आयु	औसत उम्र (प्रति 100 व्यक्ति उम्र 15-64)		कुल प्रजनन दर		जन्म के समय लिंग अनुपात[b]
		(मिलियन में)		(%)		(%)	(मिलियम में)			(वर्ष)	उम्र (0-14)	वृद्धावस्था (65 और अधिक)	(प्रसव प्रति महिला)		(स्त्री-पुरुष जन्म)
	एचडीआई श्रेणी	2014[c]	2030[c]	2000/2005	2010/2015[c]	2014[c]	2014[c]	2014[c]	2014[c]	2015[c]	2015[c]	2015[c]	2000/2005	2010/2015[c]	2010/2015[c]
अति उच्च मानव विकास															
1	नॉर्वे[d]	5.1	5.8	0.6	1.0	80.2	0.3	3.3	0.8	39.2	28.6	25.2	1.8	1.9	1.06
2	आस्ट्रेलिया[e]	23.6	28.3	1.3	1.3	89.6	1.6	15.6	3.5	37.4	29.1	22.7	1.8	1.9	1.06
3	स्विटज़रलैण्ड	8.2	9.5	0.7	1.0	73.9	0.4	5.5	1.5	42.3	21.9	27.1	1.4	1.5	1.05
4	डेनमार्क	5.6	6.0	0.3	0.4	87.3	0.3	3.6	1.0	41.5	27.0	29.1	1.8	1.9	1.06
5	नीदरलैण्ड	16.8	17.3	0.6	0.3	84.3	0.9	11.0	3.0	42.4	25.8	27.8	1.7	1.8	1.06
6	जर्मनी	82.7	79.6	0.1	–0.1	74.3	3.5	54.3	17.6	46.3	19.7	32.7	1.4	1.4	1.06
6	आयरलैण्ड	4.7	5.3	1.8	1.1	63.1	0.4	3.1	0.6	35.9	32.9	19.2	2.0	2.0	1.07
8	अमेरिका	322.6	362.6	0.9	0.8	83.1	21.0	213.6	46.2	37.7	29.4	22.2	2.0	2.0	1.05
9	कनाडा	35.5	40.6	1.0	1.0	81.0	2.0	24.1	5.5	40.5	24.4	23.7	1.5	1.7	1.06
9	न्यूज़ीलैण्ड	4.6	5.2	1.4	1.0	86.4	0.3	3.0	0.7	37.3	30.8	22.5	1.9	2.1	1.06
11	सिंगापुर	5.5	6.6	2.7	2.0	100.0	0.3	4.1	0.6	38.7	20.8	15.2	1.3	1.3	1.07
12	हांगकांग, चीन (एस.ए.आर.)	7.3	7.9	0.2	0.7	100.0	0.3	5.4	1.1	43.2	16.0	20.5	1.0	1.1	1.07
13	लिक्टेन्सटाइन	0.0	0.0	1.0	0.7	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
14	स्वीडन	9.6	10.7	0.4	0.7	85.7	0.6	6.1	1.9	41.2	27.6	31.8	1.7	1.9	1.06
14	ब्रिटेन	63.5	68.6	0.5	0.6	80.0	3.9	41.0	11.3	40.5	27.4	28.1	1.7	1.9	1.05
16	आइसलैण्ड	0.3	0.4	1.1	1.1	94.1	0.0	0.2	0.0	35.9	31.2	20.3	2.0	2.1	1.05
17	कोरिया गणराज्य	49.5	52.2	0.5	0.5	84.0	2.4	36.1	6.2	40.5	19.5	17.9	1.2	1.3	1.07
18	इस्राइल	7.8	9.6	1.9	1.3	92.1	0.8	4.8	0.8	30.1	45.8	17.8	2.9	2.9	1.05
19	लक्ज़मबर्ग	0.5	0.6	1.0	1.3	86.1	0.0	0.4	0.1	39.1	25.4	21.2	1.7	1.7	1.05
20	जापान	127.0	120.6	0.2	–0.1	93.0	5.4	77.8	32.8	46.5	21.2	43.6	1.3	1.4	1.06
21	बेल्जियम	11.1	11.7	0.5	0.4	97.6	0.7	7.2	2.0	41.9	26.7	29.0	1.7	1.9	1.05
22	फ्रांस	64.6	69.3	0.7	0.5	87.4	4.0	41.1	11.8	41.0	28.6	29.6	1.9	2.0	1.05
23	ऑस्ट्रिया	8.5	9.0	0.5	0.4	68.3	0.4	5.7	1.6	43.3	21.6	27.9	1.4	1.5	1.06
24	फ़िनलैण्ड[f]	5.4	5.6	0.3	0.3	84.1	0.3	3.5	1.1	42.6	26.1	32.3	1.8	1.9	1.04
25	स्लोवेनिया	2.1	2.1	0.1	0.2	49.8	0.1	1.4	0.4	43.0	21.4	26.4	1.2	1.5	1.05
26	स्पेन[g]	47.1	48.2	1.5	0.4	77.9	2.5	31.3	8.5	42.2	23.4	27.6	1.3	1.5	1.06
27	इटली	61.1	61.2	0.6	0.2	68.9	2.9	39.4	13.1	45.0	21.8	33.8	1.3	1.5	1.06
28	चेक गणराज्य	10.7	11.1	0.0	0.4	73.4	0.6	7.3	1.8	40.9	23.0	26.3	1.2	1.6	1.06
29	ग्रीस	11.1	11.0	0.1	0.0	62.2	0.6	7.3	2.2	43.5	22.6	31.1	1.3	1.5	1.07
30	एस्टोनिआ	1.3	1.2	–0.6	–0.3	69.7	0.1	0.8	0.2	41.3	24.7	28.2	1.4	1.6	1.06
31	ब्रूनेई दारस्सलाम	0.4	0.5	2.1	1.4	77.1	0.0	0.3	0.0	31.1	34.6	6.9	2.3	2.0	1.06
32	साइप्रस[h]	1.2	1.3	1.8	1.1	71.1	0.1	0.8	0.1	35.9	23.5	18.1	1.6	1.5	1.07
32	कतर	2.3	2.8	6.5	5.9	99.2	0.1	1.9	0.0	31.7	15.9	1.1	3.0	2.1	1.05
34	अंडोरा	0.1	0.1	4.3	0.8	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
35	स्लोवाकिया	5.5	5.4	0.0	0.1	54.6	0.3	3.9	0.7	38.9	21.4	19.1	1.2	1.4	1.05
36	पोलैण्ड	38.2	37.4	–0.1	0.0	60.7	2.0	26.8	5.7	39.4	21.7	22.0	1.3	1.4	1.06
37	लिथुआनिया	3.0	2.8	–1.2	–0.5	67.4	0.2	2.1	0.5	39.7	22.4	22.8	1.3	1.5	1.05
37	माल्टा	0.4	0.4	0.4	0.3	95.3	0.0	0.3	0.1	41.4	20.8	26.0	1.4	1.4	1.06
39	सऊदी अरब	29.4	35.6	4.1	1.8	82.9	2.9	20.1	0.9	28.4	41.2	4.4	3.5	2.7	1.03
40	अर्जेंटीना	41.8	46.9	0.9	0.9	93.0	3.4	27.1	4.6	31.6	36.7	17.3	2.4	2.2	1.04
41	संयुक्त अरब अमीरात	9.4	12.3	6.3	2.5	85.2	0.7	7.9	0.0	31.4	19.4	0.6	2.4	1.8	1.05
42	चिली	17.8	19.8	1.1	0.9	89.8	1.2	12.3	1.8	33.7	29.9	15.3	2.0	1.8	1.04
43	पुर्तगाल	10.6	10.4	0.4	0.0	62.7	0.5	7.0	2.0	43.0	21.8	29.3	1.5	1.3	1.06
44	हंगरी	9.9	9.5	–0.3	–0.2	70.9	0.5	6.7	1.7	41.0	21.9	26.1	1.3	1.4	1.06
45	बहरीन	1.3	1.6	5.5	1.7	88.9	0.1	1.0	0.0	30.2	28.3	3.0	2.7	2.1	1.04
46	लात्विया	2.0	1.9	–1.3	–0.6	67.7	0.1	1.4	0.4	41.7	23.5	28.2	1.3	1.6	1.05
47	क्रोएशिया	4.3	4.0	–0.4	–0.4	58.7	0.2	2.8	0.8	43.1	22.0	28.6	1.4	1.5	1.06
48	कुवैत	3.5	4.8	3.7	3.6	98.3	0.3	2.5	0.1	29.7	33.6	3.3	2.6	2.6	1.04
49	मॉन्टीनेग्रो	0.6	0.6	0.2	0.0	63.9	0.0	0.4	0.1	37.6	26.9	20.2	1.8	1.7	1.07
उच्च मानव विकास															
50	बेलारुस	9.3	8.5	–0.6	–0.5	76.3	0.5	6.6	1.3	39.5	22.4	19.7	1.2	1.5	1.06
50	रुसी गणराज्य	142.5	133.6	–0.4	–0.2	74.3	8.4	100.8	18.6	38.5	23.4	18.8	1.3	1.5	1.06
52	ओमान	3.9	4.9	2.8	7.9	74.2	0.4	2.9	0.1	27.1	29.2	4.0	3.2	2.9	1.05
52	रोमानिया	21.6	20.2	–0.2	–0.3	52.9	1.1	15.1	3.3	40.0	21.8	22.3	1.3	1.4	1.06
52	उरूग्वे	3.4	3.6	0.0	0.3	92.8	0.2	2.2	0.5	34.8	33.4	22.3	2.2	2.1	1.05
55	बहामास	0.4	0.4	2.0	1.4	84.8	0.0	0.3	0.0	32.5	29.4	11.7	1.9	1.9	1.06
56	कज़ाकिस्तान	16.6	18.6	0.7	1.0	53.3	1.6	11.2	1.1	29.7	39.4	10.1	2.0	2.4	1.07
57	बारबाडोस	0.3	0.3	0.5	0.5	46.0	0.0	0.2	0.0	37.4	26.7	16.2	1.8	1.9	1.04
58	एंटिगुआ और बरबूडा	0.1	0.1	1.2	1.0	29.8	0.0	0.1	0.0	30.9	35.2	10.4	2.3	2.1	1.03

		जनसंख्या								निर्भरता अनुपात					
		कुल		औसत वार्षिक वृद्धि		शहरी[a]	पांच वर्ष की उम्र	15–64 वर्ष की उम्र	65 वर्ष की उम्र और अधिक वृद्ध	मध्य आयु	औसत उम्र (प्रति 100 व्यक्ति उम्र 15–64)		कुल प्रजनन दर		जन्म के समय लिंग अनुपात[b]
		(मिलियन में)		(%)		(%)	(मिलियम में)			(वर्ष)	उम्र (0–14)	वृद्धावस्था (65 और अधिक)	(प्रसव प्रति महिला)		(स्त्री-पुरुष जन्म)
एचडीआई श्रेणी		2014[c]	2030[c]	2000/2005	2010/2015[c]	2014[c]	2014[c]	2014[c]	2014[c]	2015[c]	2015[c]	2015[c]	2000/2005	2010/2015[c]	2010/2015[c]
59	बुल्गेरिया	7.2	6.2	–0.8	–0.8	74.8	0.3	4.8	1.4	43.4	21.2	30.1	1.2	1.5	1.06
60	पलाउ	0.0	0.0	0.8	0.8	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
60	पनामा	3.9	4.9	1.9	1.6	77.0	0.4	2.5	0.3	28.5	42.5	11.7	2.8	2.5	1.05
62	मलेशिया[i]	30.2	36.8	2.0	1.6	74.8	2.6	20.8	1.7	28.2	36.6	8.3	2.5	2.0	1.06
63	मॉरिशिस[j]	1.2	1.3	0.5	0.4	41.8	0.1	0.9	0.1	35.5	26.4	13.3	1.9	1.5	1.04
64	सेशेल्स	0.1	0.1	1.8	0.6	54.8	0.0	0.1	0.0	33.2	31.7	11.2	2.2	2.2	1.06
64	ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	1.3	1.3	0.5	0.3	14.5	0.1	0.9	0.1	34.2	29.9	13.8	1.8	1.8	1.04
66	सर्बिया[k]	9.5	8.6	–0.6	–0.5	57.4	0.5	6.6	1.4	39.3	22.9	21.7	1.6	1.4	1.05
67	क्यूबा	11.3	10.8	0.3	–0.1	75.1	0.5	7.9	1.5	41.3	22.1	19.9	1.6	1.5	1.06
67	लेबनान	5.0	5.2	4.2	3.0	87.6	0.3	3.5	0.4	30.7	27.1	12.3	2.0	1.5	1.05
69	कोस्टा रिका	4.9	5.8	1.9	1.4	66.0	0.4	3.4	0.4	30.6	32.5	10.8	2.3	1.8	1.05
69	ईरान इस्लामिक गणराज्य	78.5	91.3	1.2	1.3	69.5	7.1	55.5	4.2	29.5	34.2	7.8	2.0	1.9	1.05
71	वेनेज़ुएला (बोलिवेरियाई गणराज्य)	30.9	37.2	1.8	1.5	94.1	3.0	20.2	2.0	27.7	42.6	10.1	2.7	2.4	1.05
72	तुर्की	75.8	86.8	1.4	1.2	74.3	6.3	50.9	5.7	30.1	37.0	11.4	2.3	2.1	1.05
73	श्रीलंका	21.4	23.3	1.1	0.8	15.3	1.9	14.2	1.9	32.0	38.1	13.7	2.3	2.4	1.04
74	मैक्सिको	123.8	143.7	1.3	1.2	79.0	11.2	81.1	8.1	27.7	41.7	10.3	2.5	2.2	1.05
75	ब्राज़ील	202.0	222.7	1.3	0.8	85.4	14.7	138.6	15.7	31.2	33.6	11.6	2.3	1.8	1.05
76	जॉर्जिया[l]	4.3	4.0	–1.2	–0.4	53.2	0.3	2.9	0.6	38.1	27.6	22.0	1.6	1.8	1.11
77	सेंट किट्स एवं नेविस	0.1	0.1	1.5	1.1	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
78	अज़रबेजान[m]	9.5	10.5	1.1	1.1	54.4	0.8	6.9	0.5	30.4	30.8	7.8	2.0	1.9	1.15
79	ग्रेनाडा	0.1	0.1	0.3	0.4	40.2	0.0	0.1	0.0	27.2	40.0	10.7	2.4	2.2	1.05
80	जॉर्डन	7.5	9.4	1.9	3.5	83.4	1.0	4.7	0.3	24.0	53.0	5.8	3.9	3.3	1.05
81	मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	2.1	2.1	0.4	0.1	59.7	0.1	1.5	0.3	37.8	23.2	18.3	1.6	1.4	1.05
81	यूक्रेन	44.9	39.8	–0.8	–0.6	69.5	2.5	31.6	6.7	39.9	21.4	21.2	1.2	1.5	1.06
83	अल्जीरिया	39.9	48.6	1.4	1.8	75.5	4.6	26.9	1.8	27.5	42.4	7.0	2.4	2.8	1.05
84	पेरू	30.8	36.5	1.3	1.3	78.3	2.9	20.0	2.0	27.1	42.9	10.3	2.8	2.4	1.05
85	अल्बानिया	3.2	3.3	–0.7	0.3	56.6	0.2	2.2	0.3	33.5	28.1	16.3	2.2	1.8	1.08
85	अर्मेनिआ	3.0	3.0	–0.4	0.2	64.2	0.2	2.1	0.3	33.4	29.2	15.0	1.7	1.7	1.14
85	बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	3.8	3.7	0.2	–0.1	49.9	0.2	2.6	0.6	40.1	21.2	22.9	1.2	1.3	1.07
88	इक्वाडोर	16.0	19.6	1.9	1.6	69.1	1.6	10.2	1.1	26.7	45.8	10.7	3.0	2.6	1.05
89	सेंट लूसिआ	0.2	0.2	1.1	0.8	15.5	0.0	0.1	0.0	31.2	34.1	13.2	2.1	1.9	1.03
90	चीन	1,393.8	1,453.3	0.6	0.6	54.4	91.0	1,014.3	127.2	36.0	25.1	13.1	1.6	1.7	1.16
90	फ़िजी	0.9	0.9	0.3	0.7	53.4	0.1	0.6	0.0	27.5	43.9	8.9	3.0	2.6	1.06
90	मंगोलिया	2.9	3.4	1.0	1.5	71.2	0.3	2.0	0.1	27.5	40.4	5.6	2.1	2.4	1.03
93	थाइलैण्ड	67.2	67.6	1.0	0.3	35.2	3.6	48.5	6.8	38.0	24.2	14.5	1.6	1.4	1.06
94	डोमिनिका	0.1	0.1	0.2	0.4	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
94	लीबिया	6.3	7.5	1.6	0.9	78.2	0.6	4.1	0.3	27.2	44.7	7.6	2.9	2.4	1.06
96	ट्यूनीशिया	11.1	12.6	1.0	1.1	67.0	0.9	7.7	0.8	31.2	33.4	10.8	2.0	2.0	1.05
97	कोलम्बिया	48.9	57.2	1.6	1.3	76.1	4.5	32.4	3.1	28.3	40.7	10.0	2.6	2.3	1.05
97	सेंट विन्सेन्ट एवं ग्रेनाडाइन	0.1	0.1	0.2	0.0	50.5	0.0	0.1	0.0	29.8	36.0	10.7	2.2	2.0	1.03
99	जमैका	2.8	2.9	0.8	0.5	52.3	0.2	1.8	0.2	28.2	39.5	12.3	2.5	2.3	1.05
100	टोंगो	0.1	0.1	0.6	0.4	23.7	0.0	0.1	0.0	21.3	64.3	10.2	4.2	3.8	1.05
101	बेलीज़	0.3	0.5	2.6	2.4	44.2	0.0	0.2	0.0	23.7	52.1	6.5	3.4	2.7	1.03
101	डोमीनिकन गणराज्य	10.5	12.2	1.5	1.2	71.4	1.1	6.7	0.7	26.4	46.4	10.3	2.8	2.5	1.05
103	सूरीनाम	0.5	0.6	1.4	0.9	70.9	0.0	0.4	0.0	29.1	39.6	10.2	2.6	2.3	1.08
104	मालदीव	0.4	0.4	1.7	1.9	44.5	0.0	0.2	0.0	26.0	42.2	7.3	2.8	2.3	1.06
105	समोआ	0.2	0.2	0.6	0.8	19.3	0.0	0.1	0.0	21.2	64.9	9.1	4.4	4.2	1.08
मध्यम मानव विकास															
106	बोत्स्वाना	2.0	2.3	1.3	0.9	63.6	0.2	1.3	0.1	22.8	52.3	6.0	3.2	2.6	1.03
107	मॉल्डोवा गणराज्य[n]	3.5	3.1	–1.7	–0.8	49.8	0.2	2.5	0.4	36.3	23.6	16.4	1.5	1.5	1.06
108	मिस्र	83.4	102.6	1.6	1.6	44.0	9.3	52.7	4.9	25.8	48.8	9.4	3.2	2.8	1.05
109	तुर्कमेनिस्तान	5.3	6.2	1.1	1.3	49.7	0.5	3.6	0.2	26.4	41.7	6.1	2.8	2.3	1.05
110	गैबन	1.7	2.4	2.4	2.4	87.1	0.2	1.0	0.1	20.9	67.6	8.9	4.5	4.1	1.03
110	इण्डोनेशिया	252.8	293.5	1.4	1.2	53.0	23.3	167.4	13.4	28.4	42.2	8.2	2.5	2.4	1.05
112	पराग्वे	6.9	8.7	2.0	1.7	63.5	0.8	4.3	0.4	24.4	50.8	9.1	3.5	2.9	1.05
113	फिलिस्तीन राज्य[o]	4.4	6.4	2.1	2.5	75.0	0.6	2.5	0.1	19.7	67.3	5.3	5.0	4.1	1.05
114	उज़्बेकिस्तान	29.3	34.1	1.0	1.4	36.3	3.0	19.8	1.3	26.0	41.5	6.4	2.6	2.3	1.05
115	फ़िलीपीन्स	100.1	127.8	2.0	1.7	49.6	11.5	62.3	4.0	23.4	53.4	6.5	3.7	3.1	1.06
116	अल सल्वाडोर	6.4	6.9	0.4	0.7	66.2	0.6	4.1	0.5	24.7	45.2	11.5	2.6	2.2	1.05
116	दक्षिण अफ़्रीका	53.1	58.1	1.5	0.8	63.3	5.3	34.5	3.0	26.5	45.1	8.8	2.8	2.4	1.03

	जनसंख्या									निर्भरता अनुपात				
	कुल		औसत वार्षिक वृद्धि		शहरी[a]	पांच वर्ष की उम्र	15-64 वर्ष की उम्र	65 वर्ष की उम्र और अधिक वृद्ध	मध्य आयु	औसत उम्र (प्रति 100 व्यक्ति उम्र 15-64)		कुल प्रजनन दर		जन्म के समय लिंग अनुपात[b]
	(मिलियन में)		(%)		(%)	(मिलियम में)			(वर्ष)	उम्र (0-14)	वृद्धावस्था (65 और अधिक)	(प्रसव प्रति महिला)		(स्त्री-पुरुष जन्म)
एचडीआई श्रेणी	2014[c]	2030[c]	2000/2005	2010/2015[c]	2014[c]	2014[c]	2014[c]	2014[c]	2015[c]	2015[c]	2015[c]	2000/2005	2010/2015[c]	2010/2015[c]
116 वियतनाम	92.5	101.8	1.0	1.0	33.0	7.1	65.5	6.2	30.7	31.7	9.6	1.9	1.8	1.10
119 बोलिविया (प्लूरीनेशनल राज्य)	10.8	13.7	1.9	1.6	68.1	1.3	6.6	0.5	22.8	56.1	8.3	4.0	3.3	1.05
120 किर्गिस्तान	5.6	6.9	0.4	1.4	35.6	0.7	3.7	0.2	25.1	47.6	6.3	2.5	3.1	1.06
121 इराक	34.8	51.0	2.8	2.9	66.4	5.0	19.9	1.1	20.0	68.1	5.5	4.8	4.1	1.07
122 केप वर्दे	0.5	0.6	1.6	0.8	64.9	0.0	0.3	0.0	25.2	42.4	7.9	3.3	2.3	1.03
123 माइक्रोनेशिया (संघीय राज्य)	0.1	0.1	–0.2	0.2	22.9	0.0	0.1	0.0	21.5	55.3	7.1	4.1	3.3	1.07
124 गयाना	0.8	0.9	0.4	0.5	28.6	0.1	0.5	0.0	23.0	55.7	5.7	2.7	2.6	1.05
125 निकारगुआ	6.2	7.4	1.3	1.4	58.5	0.7	3.9	0.3	23.8	50.4	7.6	3.0	2.5	1.05
126 मोरक्को	33.5	39.2	1.0	1.4	58.1	3.6	22.5	1.7	27.5	41.7	7.6	2.5	2.8	1.06
126 नामीबिया	2.3	3.0	1.3	1.9	40.1	0.3	1.4	0.1	21.8	57.0	5.9	3.8	3.1	1.03
128 ग्वाटेमाला	15.9	22.6	2.5	2.5	51.1	2.3	8.8	0.7	19.7	71.3	8.4	4.6	3.8	1.05
129 ताजिकिस्तान	8.4	11.4	1.9	2.4	26.7	1.2	5.1	0.3	22.0	59.4	5.2	3.7	3.9	1.05
130 भारत	1,267.4	1,476.4	1.6	1.2	32.4	122.0	835.2	67.9	26.9	42.9	8.3	3.0	2.5	1.11
131 होण्डुरास	8.3	10.8	2.0	2.0	53.9	1.0	5.0	0.4	22.5	56.1	7.5	3.7	3.0	1.05
132 भूटान	0.8	0.9	2.8	1.6	37.9	0.1	0.5	0.0	26.7	39.9	7.3	3.1	2.3	1.04
133 टिमोर लेस्ट	1.2	1.6	3.1	1.7	29.5	0.2	0.6	0.0	16.9	86.5	6.6	7.0	5.9	1.05
134 सीरियाई अरब गणराज्य	22.0	29.9	2.1	0.7	57.3	2.6	13.4	0.9	22.7	56.4	7.1	3.7	3.0	1.05
134 वनुआतु	0.3	0.4	2.5	2.2	25.8	0.0	0.2	0.0	22.1	60.3	6.7	4.1	3.4	1.07
136 कांगो	4.6	6.8	2.5	2.6	64.9	0.8	2.5	0.2	18.7	78.5	6.3	5.1	5.0	1.03
137 किरिबाटी	0.1	0.1	1.8	1.5	44.3	0.0	0.1	0.0	24.1	47.8	6.7	3.6	3.0	1.07
138 इक्वेटोरियल गिनी	0.8	1.1	3.1	2.8	40.0	0.1	0.5	0.0	20.9	65.6	4.8	5.6	4.9	1.03
139 ज़ाम्बिया	15.0	25.0	2.5	3.2	40.5	2.7	7.6	0.4	16.7	90.6	5.0	6.0	5.7	1.02
140 घाना	26.4	35.3	2.5	2.1	53.9	3.7	15.4	0.9	20.9	65.0	5.9	4.6	3.9	1.05
141 लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	6.9	8.8	1.4	1.9	37.6	0.9	4.2	0.3	22.0	55.6	6.2	3.7	3.1	1.05
142 बांग्लादेश	158.5	185.1	1.6	1.2	29.9	15.2	104.1	7.6	25.8	43.8	7.3	2.9	2.2	1.05
143 कम्बोडिया	15.4	19.1	1.8	1.7	20.5	1.8	9.8	0.8	25.0	49.0	8.9	3.5	2.9	1.05
143 साओ टोम एवं प्रिन्साइप	0.2	0.3	2.1	2.6	64.7	0.0	0.1	0.0	19.4	74.8	5.8	4.6	4.1	1.03
निम्न मानव विकास														
145 केन्या	45.5	66.3	2.7	2.7	25.2	7.1	25.2	1.2	19.0	75.4	5.0	5.0	4.4	1.03
145 नेपाल	28.1	32.9	1.7	1.2	18.0	2.9	17.1	1.5	23.1	53.4	8.6	3.7	2.3	1.07
147 पाकिस्तान	185.1	231.7	1.9	1.7	37.2	21.5	115.4	8.1	23.2	52.3	7.0	4.0	3.2	1.09
148 म्याँमार	53.7	58.7	0.7	0.8	34.4	4.4	37.7	2.8	29.8	34.4	7.7	2.2	2.0	1.03
149 अंगोला	22.1	34.8	3.4	3.1	61.5	4.1	11.1	0.5	16.4	92.9	4.8	6.8	5.9	1.03
150 स्वाज़ीलैण्ड	1.3	1.5	0.8	1.5	21.1	0.2	0.7	0.0	20.5	63.1	6.1	4.0	3.4	1.03
151 तंज़ानिया गणराज्य[b]	50.8	79.4	2.6	3.0	28.1	8.8	26.4	1.6	17.6	85.9	6.2	5.7	5.2	1.03
152 नाईजीरिया	178.5	273.1	2.6	2.8	51.5	31.4	94.4	4.9	17.7	83.9	5.1	6.1	6.0	1.06
153 कैमरून	22.8	33.1	2.6	2.5	53.8	3.7	12.3	0.7	18.5	78.4	5.9	5.5	4.8	1.03
154 मैडागास्कर	23.6	36.0	3.0	2.8	34.5	3.7	13.0	0.7	18.7	75.2	5.1	5.3	4.5	1.03
155 ज़िम्बाब्वे	14.6	20.3	0.3	2.8	40.1	2.1	8.4	0.6	20.1	66.9	6.7	4.0	3.5	1.02
156 मॉरिटानिया	4.0	5.6	3.0	2.5	42.3	0.6	2.3	0.1	20.0	69.4	5.6	5.2	4.7	1.05
156 सॉलोमन द्वीपसमूह	0.6	0.8	2.6	2.1	21.8	0.1	0.3	0.0	19.9	69.4	5.9	4.6	4.1	1.07
158 पापुआ न्यू गिनी	7.5	10.0	2.5	2.1	12.7	1.0	4.4	0.2	21.2	62.2	5.0	4.4	3.8	1.08
159 कोमोरॉस	0.8	1.1	2.6	2.4	28.3	0.1	0.4	0.0	19.1	75.1	5.1	5.3	4.7	1.05
160 यमन	25.0	34.0	2.8	2.3	34.1	3.5	14.3	0.7	19.7	67.5	5.1	5.9	4.2	1.05
161 लेसोथो	2.1	2.4	0.7	1.1	29.8	0.3	1.3	0.1	21.2	59.2	6.9	3.8	3.1	1.03
162 टोगो	7.0	10.0	2.6	2.6	39.5	1.1	3.9	0.2	19.0	74.6	4.9	5.1	4.7	1.02
163 हैती	10.5	12.5	1.5	1.4	57.4	1.3	6.4	0.5	22.7	55.8	7.5	4.0	3.2	1.05
163 रवाण्डा	12.1	17.8	2.3	2.7	20.0	1.9	6.7	0.3	18.4	74.1	4.5	5.6	4.6	1.02
163 युगाण्डा	38.8	63.4	3.4	3.3	16.8	7.3	19.2	0.9	15.9	96.6	4.9	6.7	5.9	1.03
166 बेनिन	10.6	15.5	3.3	2.7	46.9	1.7	5.8	0.3	18.6	76.7	5.3	5.8	4.9	1.04
167 सूडान	38.8	55.1	2.6	2.1	33.7	5.8	21.7	1.3	19.4	72.1	5.9	5.3	4.5	1.04
168 जिबूती	0.9	1.1	1.4	1.5	77.3	0.1	0.6	0.0	23.4	53.9	6.6	4.2	3.4	1.04
169 दक्षिण सूडान	11.7	17.3	3.8	4.0	18.6	1.8	6.4	0.4	18.9	75.3	6.4	5.9	5.0	1.04
170 सेनेगल	14.5	21.9	2.7	2.9	43.5	2.4	7.8	0.4	18.2	80.5	5.4	5.4	5.0	1.04
171 अफ़गानिस्तान	31.3	43.5	3.8	2.4	24.5	4.8	16.2	0.8	17.0	85.4	4.7	7.4	5.0	1.06
172 आइवरी कोस्ट	20.8	29.2	1.5	2.3	53.5	3.3	11.6	0.7	19.1	73.4	5.7	5.2	4.9	1.03
173 मलावी	16.8	26.0	2.6	2.8	16.1	2.9	8.7	0.5	17.3	86.3	6.3	6.1	5.4	1.03
174 इथियोपिया	96.5	137.7	2.9	2.6	17.8	14.4	52.6	3.3	18.6	75.2	6.3	6.1	4.6	1.04
175 गैम्बिया	1.9	3.1	3.1	3.2	58.9	0.3	1.0	0.0	17.0	87.9	4.5	5.9	5.8	1.03
176 कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	69.4	103.7	2.8	2.7	35.9	12.1	36.3	2.0	17.5	84.7	5.4	6.9	6.0	1.03

	जनसंख्या									निर्भरता अनुपात				
	कुल		औसत वार्षिक वृद्धि		शहरी[a]	पांच वर्ष की उम्र	15-64 वर्ष की उम्र	65 वर्ष की उम्र और अधिक वृद्ध	मध्य आयु	औसत उम्र (प्रति 100 व्यक्ति उम्र 15-64)		कुल प्रजनन दर		जन्म के समय लिंग अनुपात[b]
	(मिलियन में)		(%)		(%)	(मिलियम में)			(वर्ष)	उम्र (0-14)	वृद्धावस्था (65 और अधिक)	(प्रसव प्रति महिला)		(स्त्री-पुरुष जन्म)
एचडीआई श्रेणी	2014[c]	2030[c]	2000/2005	2010/2015[c]	2014[c]	2014[c]	2014[c]	2014[c]	2015[c]	2015[c]	2015[c]	2000/2005	2010/2015[c]	2010/2015[c]
177 लाइबेरिया	4.4	6.4	2.5	2.6	49.3	0.7	2.4	0.1	18.6	77.4	5.5	5.7	4.8	1.05
178 गिनी बिसाउ	1.7	2.5	2.2	2.4	46.0	0.3	1.0	0.1	19.3	73.3	5.3	5.7	5.0	1.03
179 माली	15.8	26.0	3.0	3.0	36.9	3.0	7.8	0.4	16.2	95.5	5.4	6.8	6.9	1.05
180 मोज़ाम्बीक	26.5	38.9	2.8	2.5	32.0	4.5	13.6	0.9	17.3	87.4	6.4	5.7	5.2	1.03
181 सिएरा लिओन	6.2	8.1	4.3	1.9	40.4	0.9	3.5	0.2	19.3	72.4	4.7	5.7	4.8	1.02
182 गिनी	12.0	17.3	1.8	2.5	36.9	1.9	6.6	0.4	18.8	75.9	5.6	5.8	5.0	1.02
183 बुर्किना फ़ासो	17.4	26.6	2.9	2.8	29.0	3.0	9.1	0.4	17.3	85.6	4.6	6.4	5.7	1.05
184 बुरुण्डी	10.5	16.4	3.0	3.2	11.8	2.0	5.5	0.2	17.6	85.3	4.5	6.9	6.1	1.03
185 चाड	13.2	20.9	3.8	3.0	22.1	2.5	6.5	0.3	15.9	96.3	4.8	7.2	6.3	1.03
186 एरिट्रिया	6.5	9.8	4.2	3.2	22.7	1.1	3.6	0.2	18.5	78.8	4.3	5.7	4.7	1.05
187 मध्य अफ़्रीकी गणराज्य	4.7	6.3	1.7	2.0	39.8	0.7	2.7	0.2	20.0	68.7	6.7	5.3	4.4	1.03
188 नाइजर	18.5	34.5	3.6	3.9	18.6	3.8	8.8	0.5	15.0	106.0	5.5	7.7	7.6	1.05
अन्य देश अथवा अंचल														
कोरिया (लोकतांत्रिक गणराज्य)	25.0	26.7	0.8	0.5	60.7	1.7	17.3	2.4	33.9	30.5	13.8	2.0	2.0	1.05
मार्शल द्वीप	0.1	0.1	0.0	0.2	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मोनाक्को	0.0	0.0	1.0	0.8	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
नॉरू	0.0	0.0	0.1	0.2	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
सैन मरीनो	0.0	0.0	2.0	0.6	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
सोमालिया	10.8	16.9	2.7	2.9	39.2	2.0	5.4	0.3	16.5	92.6	5.6	7.4	6.6	1.03
तुवालू	0.0	0.0	0.6	0.2	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मानव विकास समूह														
अति उच्च मानव विकास	1,185.3	1,266.3	0.7	0.6	81.9	69.1	783.5	197.4	40.2	26.1	25.8	1.7	1.8	1.05
उच्च मानव विकास	2,516.7	2,676.6	0.7	0.7	62.3	178.5	1,782.2	223.9	34.2	28.7	13.0	1.8	1.8	1.06
मध्यम मानव विकास	2,288.2	2,712.0	1.6	1.3	38.7	228.9	1,493.3	119.0	26.5	44.6	8.1	3.0	2.6	1.05
निम्न मानव विकास	1,185.2	1,692.9	2.5	2.4	34.8	181.1	660.6	39.5	19.5	72.6	6.0	5.3	4.6	1.04
विकासशील देश	5,962.5	7,091.5	1.4	1.3	47.9	591.3	3,912.5	369.4	28.1	42.7	9.6	2.8	2.7	1.04
क्षेत्र														
अरब राज्य	373.1	481.3	2.2	2.0	58.1	44.4	236.4	15.9	24.6	50.8	6.8	3.6	3.2	1.05
पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र	2,051.5	2,211.9	0.8	0.8	51.8	149.5	1,456.1	166.1	33.7	29.5	11.8	1.8	1.9	1.05
यूरोप और मध्य एशिया	234.9	251.0	0.4	0.7	60.9	18.8	160.1	21.3	32.2	33.4	13.4	2.0	2.0	1.07
लैटिन अमेरिका और कैरिबियाइ क्षेत्र	618.0	711.1	1.3	1.1	79.8	53.6	408.3	45.6	29.0	39.4	11.4	2.5	2.2	1.05
दक्षिण एशिया	1,771.5	2,085.5	1.6	1.3	33.7	175.5	1,158.5	92.0	26.4	44.2	8.1	3.1	2.6	1.06
सब सहारा अफ़्रीका	911.9	1,348.9	2.6	2.7	37.8	149.4	492.1	28.4	18.5	78.9	5.8	5.7	5.1	1.03
न्यूनतम विकसित देश	919.1	1,287.0	2.4	2.3	29.8	133.9	521.4	32.6	20.2	69.1	6.2	5.0	4.2	1.04
छोटे द्वीप विकासशील राज्य	54.9	63.4	1.3	1.1	53.3	5.4	34.9	3.8	27.9	45.4	11.0	3.1	2.7	1.06
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन	1,272.4	1,366.6	0.7	0.6	80.6	77.8	837.3	202.0	39.0	27.8	24.7	1.8	1.8	1.06
विश्व	**7,243.8[T]**	**8,424.9[T]**	**1.2[T]**	**1.1[T]**	**53.5[T]**	**663.0[T]**	**4,765.8[T]**	**586.3[T]**	**30.2[T]**	**39.6[T]**	**12.5[T]**	**2.6[T]**	**2.5[T]**	**1.05[T]**

सारणी **8**

नोट

a चूंकि आंकड़े किसी शहर या महानगर क्षेत्र के गठन की राष्ट्रीय परिभाषा पर आधारित है, अत: विभिन्न देशों में तुलना सावधानी से करने की जरूरत है।

b जन्म के समय प्राकृतिक लिंग अनुपात सामान्यत: प्रति 1 लड़की के जन्म पर 1.05 लड़के बतौर स्वीकृत और अनुभव के तौर पर पुष्ट हुआ है।

c अनुमान मध्यम प्रजनन दर पर आधारित है।

d स्वेलबार्ड और जेन मैयन द्वीप शामिल हैं।

e क्रिसमस द्वीप, कोको (कीलिंग) द्वीप और नॉरफॉक द्वीप शामिल हैं।

f अलंद द्वीप शामिल हैं।

g कैनरी द्वीप, सिअोटा और मेलिला द्वीप शामिल हैं।

h उत्तरी सायप्रस शामिल हैं।

i सबाह और सरावक शामिल हैं।

j अगेलेगा, रोड्रिग्स और सेंट ब्रेंडन शामिल हैं।

k कोसोवो शामिल हैं।

l अब्खजिया और दक्षिण ऑसेटिया शामिल हैं।

m नार्गोनो-कराबख शामिल हैं।

n ट्रांसनिस्त्रिया शामिल हैं।

o पूर्व जेरूसलम शामिल हैं।

p जंजीबार शामिल हैं।

t आंकड़ों के प्रारंभिक स्त्रोत

परिभाषाएं

कुल जनसंख्या: 1 जुलाई को देश, इलाका अथवा क्षेत्र की वास्तविक जनसंख्या।

जनसंख्या की कुल औसत वार्षिक वृद्धि: निर्धारित अवधि में औसत वार्षिक घातांक वृद्धि दर।

शहरी आबादी: प्रत्येक देश द्वारा अपनी कसौटी पर शहर घोषित किए गए क्षेत्र में 1 जुलाई को निवास कर रही जनसंख्या।

5 वर्ष की आयु से कम की जनसंख्या: देश या क्षेत्र की 1 जुलाई को 5 वर्ष से कम उम्र की वास्तविक जनसंख्या।

15-64 वर्ष की आयु की जनसंख्या: देश या क्षेत्र की 1 जुलाई को 15-64 वर्ष की आयु की वास्तविक जनसंख्या।

65 या अधिक वर्ष की आयु की जनसंख्या: देश या क्षेत्र की 1 जुलाई को 65 या उससे अधिक वर्ष की आयु की वास्तविक जनसंख्या।

माध्य उम्र: उम्र की वह सीमा जो जनसंख्या को दो बराबर भागों में बांटती है। यानी 50 प्रतिशत जनसंख्या जो उस आयु से अधिक हो और 50 प्रतिशत उस आयु से नीचे की हो।

युवा आयु निर्भरता अनुपात: 0-14 की वर्ष की आयु तथा 15-64 वर्ष की आयु की जनसंख्या का अनुपात। जो कामकाजी आयु (15-64) के प्रति 100 लोगों पर आश्रित लोगों की संख्या का दर्शाता है।

वृद्धावस्था निर्भरता अनुपात: 65 वर्ष तथा 15-64 वर्ष की आयु से अधिक जनसंख्या का अनुपात जो कामकाजी उम्र (15-64) के प्रति 100 लोगों पर आश्रित लोगों की संख्या को दर्शाता है।

कुल प्रजनन दर: जन्म देने योग्य उम्र के अंतिम पड़ाव तक प्रत्येक महिला के हो सकने वाले बच्चों की संख्या जो उस महिला के द्वारा जन्में जाते यदि वह महिला उम्र विशेष के लिए प्रचलित प्रजनन दर के अनुसार बच्चों को जन्म देती रहती।

जन्म के समय लिंग अनुपात: प्रति कन्या के जन्म पर लड़कों के जन्म की संख्या।

आंकड़ों के मुख्य स्त्रोत

कॉलम 1-4 और 6-14: यूएनडीईएसए (2013ए)।

कॉलम 5: यूएनडीईएसए (2014)।

सारणी 9

स्वास्थ्य परिणाम

एचडीआई श्रेणी	केवल स्तनपान करने वाले शिशु (0–5 माह की उम्र %) 2008–2013[a]	टीकाकरण कमी वाले शिशु (एक वर्ष उम्र का %) (डीटीपी) 2013	(चेचक) 2013	मृत्यु दर (प्रति 1,000 जीवित जन्म पर) (नवजात) 2013	(5 से भीतर) 2013	बच्चों में कुपोषण (5 वर्ष से कम का %) बौने (मध्यम या गंभीर) 2008–2013[a]	व्यस्क मृत्यु दर (प्रति 100,000 लोग) स्त्री 2013	पुरुष 2013	मृत्यु का कारण (प्रति 100,000 लोग) मलेरिया 2012	टी.बी. (क्षय रोग) 2012	एच आई वी व्याप्तता वयस्क (15–49 आयु वर्ग का %) 2013	जीवन प्रत्याशा 60 की उम्र पर वर्ष 2010/2015[b]	चिकित्सक (प्रति 10,000 लोग) 2001–2013[a]	सार्वजनिक स्वास्थ्य खर्च (जीडीपी का %) 2013
अति उच्च मानव विकास														
1 नॉर्वे	..	1	7	2.3	2.8	..	47	73	..	0.1	..	24.0	37.4	9.6
2 आस्ट्रेलिया	..	8	6	3.4	4.0	..	45	78	..	0.2	0.2	25.1	32.7	9.0
3 स्विटज़रलैण्ड	..	2	7	3.6	4.2	..	40	66	..	0.2	0.3	25.0	39.4	11.5
4 डेनमार्क	..	3	11	2.9	3.5	..	60	100	..	0.4	0.2	22.4	34.2	10.6
5 नीदरलैण्ड	..	1	4	3.3	4.0	..	54	69	..	0.2	..	23.5	31.5	12.9
6 जर्मनी	..	2	3	3.2	3.9	1.3[c]	50	92	..	0.4	..	23.5	38.1	11.3
6 आयरलैण्ड	..	2	7	3.2	3.8	..	49	82	..	0.4	..	23.4	27.2	8.9
8 अमेरिका	..	2	9	5.9	6.9	2.1	76	128	..	0.1	..	23.2	24.5	17.1
9 कनाडा	..	2	5	4.6	5.2	..	52	81	..	0.2	..	24.4	20.7	10.9
9 न्यूज़ीलैण्ड	..	7	8	5.2	6.3	..	52	80	..	0.1	..	24.1	27.4	9.7
11 सिंगापुर	..	2	5	2.2	2.8	4.4[c]	38	69	..	1.7	..	24.5	19.2	4.6
12 हांगकांग, चीन (एस.ए.आर.)	..	..	..	..	..	..	..	..	..	2.6	..	25.4	..	..
13 लिक्टेन्सटाइन	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
14 स्वीडन	..	1	3	2.4	3.0	..	43	69	..	0.1	..	24.1	32.7	9.7
14 ब्रिटेन	..	2	5	3.9	4.6	..	55	88	..	0.5	0.3	23.5	27.9	9.1
16 आइसलैण्ड	..	3	9	1.6	2.1	..	37	61	..	0.3	..	24.3	34.8	9.1
17 कोरिया गणराज्य	..	1	1	3.2	3.7	2.5	38	93	0.0	5.4	..	24.0	21.4	7.2
18 इस्राइल	..	5	3	3.2	4.0	..	41	72	..	0.2	..	24.3	33.5	7.2
19 लक्ज़मबर्ग	..	1	5	1.6	2.0	..	50	79	..	0.4	..	23.4	28.2	7.1
20 जापान	..	1	5	2.1	2.9	..	42	81	..	1.7	..	26.1	23.0	10.3
21 बेल्जियम	..	1	8	3.5	4.4	..	57	98	..	0.4	..	23.6	29.9	11.2
22 फ्रांस	..	1	11	3.5	4.2	..	52	109	..	0.5	..	25.1	31.8	11.7
23 ऑस्ट्रिया	..	7	24	3.2	3.9	..	46	91	..	0.4	..	23.9	48.3	11.0
24 फ़िनलैण्ड	..	1	3	2.1	2.6	..	51	114	..	0.3	..	23.8	29.1	9.4
25 स्लोवेनिया	..	2	6	2.3	2.9	..	49	112	..	1.0	..	22.8	25.2	9.2
26 स्पेन	..	2	5	3.6	4.2	..	40	86	..	0.6	0.4	24.8	37.0	8.9
27 इटली	..	1	10	3.0	3.6	..	38	69	..	0.4	0.3	24.7	40.9	9.1
28 चेक गणराज्य	..	1	1	2.9	3.6	2.6[c]	57	127	..	0.4	0.1	21.1	36.2	7.2
29 ग्रीस	..	1	1	3.7	4.4	..	41	98	..	0.7	..	23.5	43.8	9.8
30 एस्टोनिआ	..	4	6	2.7	3.4	..	64	195	..	2.8	1.3	20.2	32.6	5.7
31 ब्रूनेई दारस्सलाम	..	4	1	8.4	9.9	..	69	101	..	3.0	..	21.4	15.0	2.5
32 साइप्रस	..	1	14	2.8	3.6	..	36	75	..	0.2	0.1	22.0	22.9	7.4
32 कतर	..	1	1	7.0	8.2	11.6[c]	50	72	..	0.2	..	21.2	77.4	2.2
34 अंडोरा	..	2	5	2.2	3.0	..	43	90	..	0.9	..	..	37.0	8.1
35 स्लोवाकिया	..	1	2	6.0	7.2	..	67	168	..	0.6	..	19.8	30.0	8.2
36 पोलैण्ड	..	1	2	4.5	5.2	..	70	186	..	1.8	..	21.1	22.0	6.7
37 लिथुआनिया	..	3	7	4.0	4.9	..	88	254	..	3.0	..	19.1	41.2	6.2
37 माल्टा	..	1	1	5.3	6.1	..	41	75	..	0.4	..	22.3	35.0	8.7
39 सऊदी अरब	..	2	2	13.4	15.5	9.3[c]	67	89	0.0	3.9	..	19.2	7.7	3.2
40 अर्जेंटीना	32.7	7	9	11.9	13.3	8.2[c]	83	151	..	1.3	..	21.4	31.6	7.3
41 संयुक्त अरब अमीरात	..	6	6	7.0	8.2	..	59	84	..	0.1	..	19.8	19.3	3.2
42 चिली	..	8	10	7.1	8.2	1.8	55	107	..	1.2	0.3	23.6	10.2	7.7
43 पुर्तगाल	..	1	2	3.1	3.8	..	48	111	..	1.3	..	23.2	34.2	9.7
44 हंगरी	..	1	1	5.2	6.1	..	91	201	..	0.7	..	19.9	29.6	8.0
45 बहरीन	..	1	1	5.2	6.1	13.6[c]	54	70	..	0.3	..	19.5	9.1	4.9
46 लात्विया	..	4	4	7.4	8.4	..	85	224	..	2.6	..	19.1	28.8	5.7
47 क्रोएशिया	..	2	6	3.8	4.5	..	58	135	..	1.4	..	20.6	28.4	7.3
48 कुवैत	..	1	1	8.1	9.5	4.3	42	59	..	0.9	..	17.6	17.9	2.9
49 मॉन्टीनेग्रो	19.3[c]	2	12	4.9	5.3	9.4	79	152	..	0.2	..	19.2	19.8	6.5
उच्च मानव विकास														
50 बेलारुस	19.0	1	1	3.7	4.9	4.5[c]	100	299	..	6.0	0.5	17.1	37.6	6.1
50 रुसी गणराज्य	..	3	2	8.6	10.1	..	126	339	..	13.0	..	17.5	43.1	6.5
52 ओमान	..	1	1	9.8	11.4	9.8	73	116	..	0.9	..	20.5	22.2	2.6
52 रोमानिया	15.8[c]	4	8	10.5	12.0	12.8[c]	81	205	..	5.6	0.1	19.4	23.9	5.3
52 उरूग्वे	..	2	4	9.5	11.1	10.7	79	148	..	1.5	0.7	21.8	37.4	8.8
55 बहामास	..	1	8	10.4	12.9	..	88	141	..	0.4	3.2	22.3	28.2	7.3
56 कज़ाकिस्तान	31.8	1	1	14.6	16.3	13.1	146	322	..	7.8	..	16.5	35.8	4.3
57 बारबाडोस	19.7	7	10	13.3	14.4	..	65	116	..	0.7	0.9	19.5	18.1	6.8

	केवल स्तनपान करने वाले शिशु	टीकाकरण कमी वाले शिशु (एक वर्ष उम्र का %)		मृत्यु दर (प्रति 1,000 जीवित जन्म पर)		बच्चों में कुपोषण	व्यस्क मृत्यु दर (प्रति 100,000 लोग)		मृत्यु का कारण (प्रति 100,000 लोग)		एच आई वी व्याप्तता वयस्क	जीवन प्रत्याशा 60 की उम्र पर	चिकित्सक	सार्वजनिक स्वास्थ्य खर्च
	(0–5 माह की उम्र %)	(डीटीपी)	(चेचक)	(नवजात)	(5 से भीतर)	बौने (मध्यम या गंभीर)	स्त्री	पुरुष	मलेरिया	टी.बी. (क्षय रोग)	(15–49 आयु वर्ग का %)	वर्ष	(प्रति 10,000 लोग)	(जीडीपी का %)
एचडीआई श्रेणी	2008–2013[a]	2013	2013	2013	2013	2008–2013[a]	2013	2013	2012	2012	2013	2010/2015[b]	2001–2013[a]	2013
58 एंटिगुआ और बरबूडा	..	1	2	7.7	9.3	..	145	201	..	1.4	..	21.5	..	4.9
59 बुल्गेरिया	..	4	6	10.1	11.6	8.8[c]	83	189	..	2.0	..	18.8	38.1	7.6
60 पलाउ	..	1	1	15.1	17.5	..	106	156	..	4.4	..	..	13.8	9.9
60 पनामा	..	7	8	15.4	17.9	19.1	81	149	0.0	4.9	0.6	23.9	15.5	7.2
62 मलेशिया	..	1	5	7.2	8.5	17.2[c]	86	169	1.0	5.4	0.4	19.0	12.0	4.0
63 मॉरिशिस	21.0[c]	1	1	12.5	14.3	13.6[c]	95	202	..	1.0	1.1	19.3	10.6	4.8
64 सेशेल्स	..	1	3	12.2	14.2	7.7[c]	99	214	..	1.8	..	19.4	15.1	4.0
64 ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	12.8[c]	6	9	19.0	21.3	5.3[c]	129	229	..	2.1	1.7	17.8	11.8	5.3
66 सर्बिया	13.7	2	8	5.8	6.6	6.6	84	172	..	1.5	0.1	18.7	21.1	10.6
67 क्यूबा	48.6	2	1	5.0	6.2	7.0[c]	73	115	..	0.3	0.2	22.9	67.2	8.8
67 लेबनान	14.8	16	21	7.8	9.1	16.5[c]	46	70	..	1.5	..	22.7	32.0	7.2
69 कोस्टा रिका	32.5	2	9	8.4	9.6	5.6	64	111	0.0	0.8	0.2	23.8	11.1	9.9
69 ईरान इस्लामिक गणराज्य	53.1	2	2	14.4	16.8	6.8	83	153	0.0	2.9	0.1	19.9	8.9	6.7
71 वेनेजुएला (बोलिवेरियाई गणराज्य)	..	10	15	12.9	14.9	13.4	88	198	2.2	2.4	0.6	21.1	19.4	3.4
72 तुर्की	41.6[c]	1	2	16.5	19.2	12.3	73	147	0.0	0.5	..	20.9	17.1	5.6
73 श्रीलंका	75.8[c]	1	1	8.2	9.6	14.7	75	184	0.0	1.1	0.1[d]	19.6	6.8	3.2
74 मैक्सिको	14.4	10	11	12.5	14.5	13.6	93	174	0.0	1.8	0.2	22.7	21.0	6.2
75 ब्राज़ील	38.6[c]	1	1	12.3	13.7	7.1[c]	97	197	0.6	2.5	0.5	21.8	18.9	9.7
76 जॉर्जिया	54.8	1	4	11.7	13.1	11.3	66	174	0.0	4.5	0.3	19.8	42.4	9.4
77 सेंट किट्स एवं नेविस	..	1	1	7.8	10.2	..	79	165	..	2.5	..	..	11.7	6.3
78 अज़रबेजान	11.8[c]	5	2	29.9	34.2	26.8[c]	83	167	0.1	4.2	0.2	18.3	34.3	5.6
79 ग्रेनाडा	..	1	6	10.7	11.8	..	120	194	..	1.0	..	18.5	6.6	6.3
80 जॉर्डन	22.7	1	3	16.0	18.7	7.8	96	131	..	0.5	..	19.0	25.6	7.2
81 मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	23.0	1	4	5.8	6.6	4.9	71	134	..	0.8	0.1[d]	19.1	26.2	6.4
81 यूक्रेन	19.7	10	21	8.6	10.0	3.7[c]	114	295	..	13.0	0.8	17.4	35.3	7.8
83 अल्जीरिया	6.9[c]	1	5	21.6	25.2	15.9[c]	121	164	0.0	15.0	0.1	17.9	12.1	6.6
84 पेरू	72.3	3	15	12.9	16.7	18.4	90	116	0.7	5.1	0.3	21.5	11.3	5.3
85 अल्बानिया	38.6	1	1	13.3	14.9	23.1	85	118	..	0.3	0.1[d]	21.1	11.5	5.9
85 अर्मेनिआ	34.6	3	3	14.0	15.6	20.8	95	227	..	6.3	0.2	20.0	26.9	4.5
85 बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	18.5	5	6	5.7	6.6	8.9	64	138	..	5.2	..	20.2	16.9	9.6
88 इक्वाडोर	40.0[c]	1	3	19.1	22.5	25.3	85	157	0.0	2.7	0.4	23.6	16.9	6.4[e]
89 सेंट लूसिआ	..	1	1	12.7	14.5	2.5	85	177	..	1.2	..	21.0	4.7	8.5
90 चीन	27.6[c]	1	1	10.9	12.7	9.4	76	103	0.0	3.2	..	19.5	14.6	5.6
90 फ़िजी	39.8[c]	1	6	20.0	23.6	7.5[c]	143	239	..	1.7	0.1	17.0	4.3	4.1
90 मंगोलिया	65.7	2	3	26.4	31.8	15.9	148	309	..	7.2	0.1[d]	16.3	27.6	6.0
93 थाइलैण्ड	12.3	1	1	11.3	13.1	16.3	90	177	0.9	14.0	1.1	21.4	3.9	4.6
94 डोमिनिका	..	2	7	10.2	11.4	..	116	219	..	2.0	..	..	15.9	6.0
94 लीबिया	..	1	2	12.4	14.5	21.0[c]	80	117	..	6.8	..	19.7	19.0	4.3
96 ट्यूनीशिया	8.5	1	6	13.1	15.2	10.1	69	130	..	2.9	0.1	20.2	12.2	7.1
97 कोलम्बिया	42.8	3	8	14.5	16.9	12.7	73	148	0.9	1.6	0.5	21.3	14.7	6.8
97 सेंट विन्सेन्ट एवं ग्रेनाडाइन	..	4	1	17.2	19.0	..	110	169	..	2.6	..	19.7	5.3	5.2
99 जमैका	23.8	3	6	14.3	16.6	4.8	105	173	..	0.2	1.8	21.3	4.1	5.8
100 टोंगो	52.2	1	1	10.4	12.1	2.2[c]	245	115	..	2.5	..	18.6	5.6	4.7
101 बेलीज़	14.7	4	1	14.3	16.7	19.3	78	145	0.0	4.3	1.5	21.5	8.3	5.4
101 डोमीनिकन गणराज्य	6.7	9	21	23.6	28.1	10.1[c]	146	160	0.1	4.4	0.7	21.9	14.9	5.4
103 सूरीनाम	2.8	5	7	20.3	22.8	8.8	94	171	1.2	2.6	0.9	18.5	9.1	4.8
104 मालदीव	47.8	1	1	8.4	9.9	20.3	55	86	..	2.0	0.1[d]	21.0	14.2	10.8
105 समोआ	51.3	1	1	15.5	18.1	6.4[c]	97	166	..	3.2	..	18.9	4.5	7.5
मध्यम मानव विकास														
106 बोत्स्वाना	20.3[c]	2	6	36.3	46.6	31.4[c]	254	321	0.4	21.0	21.9	16.4	3.4	5.4
107 मॉल्डोवा गणराज्य	36.4	4	9	13.3	15.4	11.3[c]	106	277	..	18.0	0.6	16.2	28.6	11.8
108 मिस्र	53.2[c]	3	4	18.6	21.8	30.7	117	193	..	0.5	0.1[d]	17.5	28.3	5.1
109 तुर्कमेनिस्तान	13.0[c]	1	1	46.6	55.2	28.1[c]	200	376	..	8.4	..	17.0	41.8	2.0
110 गैबन	6.0	20	30	39.1	56.1	17.5	235	296	67.4	44.0	3.9	18.2	2.9	3.8
110 इण्डोनेशिया	41.5	2	16	24.5	29.3	36.4	121	176	9.8	27.0	0.5	17.8	2.0	3.1
112 परागवे	24.4[c]	7	8	18.7	21.9	17.5[c]	96	178	0.0	3.0	0.4	20.8	11.1	9.0
113 फिलिस्तीन राज्य	28.8	1	1	18.6	21.8	10.9	..	..	..	0.2	..	18.7	..	..
114 उज़्बेकिस्तान	26.4[c]	1	3	36.7	42.5	19.6[c]	130	210	..	2.1	0.2	18.3	23.8	6.1
115 फ़िलीपीन्स	34.0[c]	2	10	23.5	29.9	30.3	136	255	0.1	24.0	..	17.0	11.5	4.4

	केवल स्तनपान करने वाले शिशु	टीकाकरण कमी वाले शिशु		मृत्यु दर		बच्चों में कुपोषण	व्यस्क मृत्यु दर		मृत्यु का कारण		एच आई वी व्याप्तता वयस्क	जीवन प्रत्याशा 60 की उम्र पर	चिकित्सक	सार्वजनिक स्वास्थ्य खर्च
		(एक वर्ष उम्र का %)		(प्रति 1,000 जीवित जन्म पर)		(5 वर्ष से कम का %)	(प्रति 100,000 लोग)		(प्रति 100,000 लोग)					
	(0–5 माह की उम्र %)	(डीटीपी)	(चेचक)	(नवजात)	(5 से भीतर)	बौने (मध्यम या गंभीर)	स्त्री	पुरुष	मलेरिया	टी.बी. (क्षय रोग)	(15–49 आयु वर्ग का %)	वर्ष	(प्रति 10,000 लोग)	(जीडीपी का %)
एचडीआई श्रेणी	2008–2013[a]	2013	2013	2013	2013	2008–2013[a]	2013	2013	2012	2012	2013	2010/2015[b]	2001–2013[a]	2013
116 अल सल्वाडोर	31.4 [c]	3	6	13.5	15.7	20.6	136	290	0.0	1.0	0.5	22.0	16.0	6.9
116 दक्षिण अफ्रीका	8.3 [c]	31	34	32.8	43.9	23.9	320	441	2.2	59.0	19.1	16.0	7.8	8.9
116 वियतनाम	17.0	17	2	19.0	23.8	23.3	69	189	0.2	20.0	0.4	22.4	11.6	6.0
119 बोलिविया (प्लूरीनेशनल राज्य)	60.4 [c]	2	5	31.2	39.1	27.2	172	247	0.1	21.0	0.2	18.6	4.7	6.1
120 किर्गिस्तान	56.1	2	1	21.6	24.2	17.8	130	272	0.0	9.5	0.2	16.8	19.6	6.7
121 इराक	19.6	18	37	28.0	34.0	22.6	104	203	..	2.9	..	17.5	6.1	5.2
122 केप वर्दे	59.6 [c]	7	9	21.9	26.0	21.4 [c]	68	144	0.0	23.0	0.5	19.9	3.0	4.4
123 माइक्रोनेशिया (संघीय राज्य)	..	2	9	29.8	36.4	..	154	181	..	24.0	..	17.3	1.8	12.6
124 गयाना	33.2	2	1	29.9	36.6	19.5	256	377	23.6	15.0	1.4	16.6	2.1	6.5
125 निकारगुआ	30.6 [c]	1	1	20.0	23.5	23.0 [c]	116	200	0.1	3.1	0.2	22.2	3.7	8.3
126 मोरक्को	31.0 [c]	1	1	26.1	30.4	14.9	121	170	..	9.2	0.2	17.9	6.2	6.0
126 नामीबिया	23.9 [c]	6	18	35.2	49.8	29.6 [c]	177	255	0.1	14.0	14.3	17.3	3.7	7.7
128 ग्वाटेमाला	49.6	3	15	25.8	31.0	48.0	126	236	0.0	2.1	0.6	21.5	9.3	6.5
129 ताजिकिस्तान	34.3	2	8	40.9	47.7	26.8	153	176	0.0	7.6	0.3	18.2	19.0	6.8
130 भारत	46.4 [c]	12	26	41.4	52.7	47.9 [c]	158	239	4.1	22.0	0.3	17.0	7.0	4.0
131 होण्डुरास	31.2	12	11	18.9	22.2	22.7	120	173	0.1	2.9	0.5	22.1	3.7	8.6
132 भूटान	48.7	3	6	29.7	36.2	33.6	212	219	0.0	14.0	0.1	19.5	2.6	3.6
133 टिमोर लेस्ट	51.5	14	30	46.2	54.6	57.7	164	208	16.2	74.0	..	16.9	0.7	1.3
134 सीरियाई अरब गणराज्य	42.6	45	39	11.9	14.6	27.5	73	116	..	2.1	..	19.9	15.0	3.3
134 वनुआतु	40.0 [c]	22	48	14.6	16.9	25.9 [c]	113	161	3.7	7.9	..	18.0	1.2	3.9
136 कांगो	20.5	10	35	35.6	49.1	25.0	280	323	103.8	42.0	2.5	17.1	1.0	4.1
137 किरिबाटी	69.0	5	9	45.1	58.2	..	134	206	..	17.0	..	17.4	3.8	10.1
138 इक्वेटोरियल गिनी	7.4	45	58	69.3	95.8	26.2	319	368	69.3	0.0	..	15.9	3.0	3.5
139 ज़ाम्बिया	60.9 [c]	14	20	55.8	87.4	45.8 [c]	303	356	79.2	28.0	12.5	17.0	0.7	5.0
140 घाना	45.7	6	11	52.3	78.4	22.7	222	261	67.0	6.9	1.3	15.5	1.0	5.4
141 लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	40.4	11	18	53.8	71.4	43.8	158	197	9.5	11.0	0.1	17.1	1.8	2.0
142 बांग्लादेश	64.1	1	7	33.2	41.1	41.4	126	156	13.9	45.0	0.1 [d]	18.4	3.6	3.7
143 कम्बोडिया	73.5	5	10	32.5	37.9	40.9	157	210	3.7	63.0	0.7	23.8	2.3	7.5
143 साओ टोम एवं प्रिन्साइप	51.4	1	9	36.7	51.0	31.6	168	221	42.5	16.0	0.6	18.2	4.9	6.9
निम्न मानव विकास														
145 केन्या	31.9	18	7	47.5	70.7	35.2	250	299	49.6	22.0	6.0	17.8	1.8	4.5
145 नेपाल	69.6	6	12	32.2	39.7	40.5	159	192	0.2	20.0	0.2	17.1	2.1	6.0
147 पाकिस्तान	37.7	21	39	69.0	85.5	45.0	155	189	1.8	34.0	0.1	17.4	8.3	2.8
148 म्याँमार	23.6	10	14	39.8	50.5	35.1	183	240	11.3	48.0	0.6	16.6	6.1	1.8
149 अंगोला	..	3	9	101.6	167.4	29.2 [c]	322	372	100.9	42.0	2.4	15.7	1.7	3.8
150 स्वाज़ीलैण्ड	44.1	1	15	55.9	80.0	31.0	496	515	1.2	63.0	27.4	16.3	1.7	8.4
151 तंज़ानिया गणराज्य	49.8	1	1	36.4	51.8	34.8	244	314	50.5	13.0	5.0	17.9	0.1	7.3
152 नाईजीरिया	17.4	37	41	74.3	117.4	36.4	325	357	106.6	16.0	3.2	13.7	4.1	3.9
153 कैमरून	20.4	5	17	60.8	94.5	32.6	341	370	64.7	29.0	4.3	16.4	0.8	5.1
154 मैडागास्कर	41.9	20	37	39.6	56.0	49.2	208	257	41.4	46.0	0.4	16.9	1.6	4.2
155 ज़िम्बाब्वे	31.4	2	7	55.0	88.5	32.3	288	385	18.4	33.0	15.0	18.8	0.6	..
156 मॉरिटानिया	26.9	5	20	67.1	90.1	22.0	187	234	67.2	93.0	..	16.4	1.3	3.8
156 सॉलोमन द्वीपसमूह	73.7 [c]	12	24	25.1	30.1	32.8 [c]	162	203	5.5	15.0	..	16.9	2.2	5.1
158 पापुआ न्यू गिनी	56.1 [c]	12	30	47.3	61.4	49.5	243	319	40.3	54.0	0.6	14.9	0.5	4.5
159 कोमोरॉस	12.1	15	18	57.9	77.9	32.1	234	281	70.4	6.3	..	15.9	1.5	5.8
160 यमन	10.3	6	22	40.4	51.3	46.6	211	255	10.0	5.6	0.1 [d]	16.2	2.0	5.4
161 लेसोथो	53.5	3	8	73.0	98.0	39.0	492	577	..	17.0	22.9	15.5	0.5	11.5
162 टोगो	62.4	6	28	55.8	84.7	29.8	279	323	82.8	8.7	2.3	14.5	0.5	8.6
163 हैती	39.7	14	35	54.7	72.8	21.9	221	263	5.1	25.0	2.0	17.2	..	9.4
163 रवाण्डा	84.9	1	3	37.1	52.0	44.3	196	246	33.2	10.0	2.9	17.8	0.6	11.1
163 युगाण्डा	63.2	11	18	43.8	66.1	33.7	307	380	57.9	13.0	7.4	17.5	1.2	9.8
166 बेनिन	32.5	15	37	56.2	85.3	44.7 [c]	238	284	79.6	9.4	1.1	15.6	0.6	4.6
167 सूडान	41.0	1	15	51.2	76.6	35.0	212	274	16.5	22.0	0.2	17.4	2.8	6.5
168 जिबूती	1.3 [c]	13	20	57.4	69.6	33.5	245	286	27.9	76.0	0.9	17.5	2.3	8.9
169 दक्षिण सूडान	45.1	43	70	64.1	99.2	31.1	323	353	55.4	30.0	2.2	16.4	..	2.2
170 सेनेगल	39.0	4	16	43.9	55.3	19.2	192	244	59.5	20.0	0.5	16.2	0.6	4.2
171 अफ़गानिस्तान	..	14	25	70.2	97.3	59.3 [c]	232	252	0.2	37.0	0.1 [d]	15.9	2.3	8.1
172 आइवरी कोस्ट	12.1	7	26	71.3	100.0	29.6	398	410	70.6	22.0	2.7	13.9	1.4	5.7
173 मलावी	71.4	4	12	44.2	67.9	47.8	290	362	62.9	9.0	10.3	17.0	0.2	8.3

एचडीआई श्रेणी	केवल स्तनपान करने वाले शिशु (0–5 माह की उम्र %)	टीकाकरण कमी वाले शिशु (एक वर्ष उम्र का %) (डीटीपी)	टीकाकरण कमी वाले शिशु (एक वर्ष उम्र का %) (चेचक)	मृत्यु दर (प्रति 1,000 जीवित जन्म पर) (नवजात)	मृत्यु दर (प्रति 1,000 जीवित जन्म पर) (5 से भीतर)	बच्चों में कुपोषण (5 वर्ष से कम का %) बौने (मध्यम या गंभीर)	व्यस्क मृत्यु दर (प्रति 100,000 लोग) स्त्री	व्यस्क मृत्यु दर (प्रति 100,000 लोग) पुरुष	मृत्यु का कारण (प्रति 100,000 लोग) मलेरिया	मृत्यु का कारण (प्रति 100,000 लोग) टी.बी. (क्षय रोग)	एच आई वी व्याप्तता वयस्क (15–49 आयु वर्ग का %)	जीवन प्रत्याशा 60 की उम्र पर (वर्ष)	चिकित्सक (प्रति 10,000 लोग)	सार्वजनिक स्वास्थ्य खर्च (जीडीपी का %)
	2008–2013[a]	2013	2013	2013	2013	2008–2013[a]	2013	2013	2012	2012	2013	2010/2015[b]	2001–2013[a]	2013
174 इथियोपिया	52.0	16	38	44.4	64.4	44.2	198	239	48.1	18.0	1.2	17.8	0.3	5.1
175 गैम्बिया	33.5	1	4	49.4	73.8	23.4	240	295	83.7	51.0	1.2	15.2	1.1	6.0
176 कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	37.0	14	27	86.1	118.5	43.5	320	379	106.6	54.0	1.1	15.2	1.1	3.5
177 लाइबेरिया	55.2	3	26	53.6	71.1	41.8	240	279	69.2	46.0	1.1	15.4	0.1	10.0
178 गिनी बिसाउ	38.3	8	31	77.9	123.9	32.2	325	393	96.2	29.0	3.7	14.9	0.7	5.5
179 माली	20.4	18	28	77.6	122.7	38.5 [c]	275	277	92.1	9.0	0.9	15.4	0.8	7.1
180 मोज़ाम्बीक	42.8	7	15	61.5	87.2	43.1	432	438	71.4	53.0	10.8	16.8	0.4	6.8
181 सिएरा लिओन	31.6	2	17	107.2	160.6	44.9	423	444	108.7	143.0	1.6	12.5	0.2	11.8
182 गिनी	20.5	24	38	64.9	100.7	31.3	267	301	104.8	23.0	1.7	14.8	1.0	4.7
183 बुर्किना फ़ासो	38.2	6	18	64.1	97.6	32.9	256	298	103.3	8.5	0.9	15.1	0.5	6.4
184 बुरुण्डी	69.3	2	2	54.8	82.9	57.5	300	359	63.7	18.0	1.0	16.0	0.3	8.0
185 चाड	3.4	45	41	88.5	147.5	38.7	377	410	152.6	18.0	2.5	15.6	0.4	3.6
186 एरिट्रिया	68.7	3	4	36.1	49.9	50.3	229	301	3.6	4.6	0.6	15.1	0.5	3.0
187 मध्य अफ़्रीकी गणराज्य	34.3	65	75	96.1	139.2	40.7	412	433	114.9	50.0	3.8	15.9	0.5	3.9
188 नाइजर	23.3	15	33	59.9	104.2	43.0	241	252	131.1	16.0	0.4	15.5	0.2	6.5
अन्य देश अथवा अंचल														
कोरिया (लोकतांत्रिक गणराज्य)	68.9	6	1	21.7	27.4	27.9	111	183	0.0	9.0	..	16.8	32.9	..
मार्शल द्वीप	31.3 [c]	27	30	30.6	37.5	..	104	153	..	111.0	..	..	4.4	16.5
मोनाक्को	..	1	1	3.0	3.7	..	48	105	..	0.1	..	..	71.7	4.0
नॉरू	67.2 [c]	2	4	29.9	36.6	24.0 [c]	44	88	..	9.5	..	..	7.1	..
सैन मरीनो	..	28	26	2.8	3.1	..	46	54	..	0.0	..	..	51.3	6.5
सोमालिया	9.1 [c]	48	54	89.8	145.6	42.1 [c]	289	339	33.5	64.0	0.5	16.1	0.4	..
तुवालू	34.7 [c]	1	4	24.4	29.2	10.0 [c]	182	236	..	37.0	..	..	10.9	19.7
मानव विकास समूह														
अति उच्च मानव विकास	..	2	7	5.1	6.0	..	57	106	..	0.9	0.3	23.0	27.9	12.2
उच्च मानव विकास	30.0	2	3	12.0	13.9	10.6	85	143	..	4.2	0.4	20.0	17.6	6.2
मध्यम मानव विकास	43.8	10	20	35.2	44.5	40.2	148	225	6.6	23.0	0.9	18.5	7.7	4.6
निम्न मानव विकास	36.0	17	27	61.5	89.4	39.5	249	291	54.5	27.3	2.4	16.2	2.9	4.5
विकासशील देश	37.5	10	17	37	49.3	31.0	134	192	14.0	15.8	1.2	19.0	10.3	5.6
क्षेत्र														
अरब राज्य	30.1	9	15	28.6	37.6	25.7	124	172	..	8.2	0.1	19.0	13.8	4.1
पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र	30.7	3	5	16.1	19.5	18.1	89	130	1.8	10.2	0.6	18.5	12.2	5.3
यूरोप और मध्य एशिया	32.1	3	5	20.9	23.8	14.3	102	216	..	5.2	0.4	18.7	25.9	5.9
लैटिन अमेरिका और कैरिबियाइ क्षेत्र	35.0	5	8	15.2	17.9	13.9	96	177	0.6	3.0	0.5	21.2	18.9	7.6
दक्षिण एशिया	47.9	12	24	43.2	54.9	45.1	151	222	4.4	24.4	0.2	18.6	6.8	4.3
सब सहारा अफ़्रीका	35.4	18	26	60.8	91.2	37.2	288	337	72.9	26.4	4.7	16.6	1.9	5.6
न्यूनतम विकसित देश	45.9	11	21	54.6	78.8	40.5	223	266	47.3	32.1	1.9	16.8	1.8	5.2
छोटे द्वीप विकासशील राज्य	35.9	9	22	36.8	47.8	23.7	153	202	..	16.5	1.1	19.3	22.6	6.5
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन	..	3	7	6.5	7.6	..	60	113	..	0.9	..	23.4	27.0	12.3
विश्व	**..**	**9**	**16**	**33.6 [T]**	**45.6 [T]**	**29.7**	**120**	**181**	**..**	**13.4**	**1.1**	**20.7**	**13.8**	**9.9**

सारणी 9

नोट

a आँकड़े विशिष्ट अवधि में अद्यतन उपलब्ध सबसे हाल के वर्ष के हैं।

b आँकड़े 2010-2015 के लिए प्रक्षेपित मान के वार्षिक औसत के हैं।

c निर्दिष्टित से एक वर्ष पहले के लिए संदर्भित।

d 0.1 या कम।

e 2012 के लिए संदर्भित।

f मूल आँकडों के स्रोत से।

परिभाषाएं

केवल स्तनपान वाले शिशु: सर्वेक्षण से 24 घंटे पहले केवल स्तनपान कराये गये, 0-5 माह के शिशुओं का प्रतिशत।

डीपीटी के टीकाकरण की कमी वाले शिशु: डिप्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी) और टिटनस के टीके की पहली खुराक नहीं मिलने वाले जीवित शिशुओं का प्रतिशत।

चेचक के टीकाकरण की कमी वाले शिशु: चेचक के टीके की पहली खुराक नहीं मिलने वाले जीवित शिशुओं का प्रतिशत।

शिशु मृत्यु दर: जन्म और एक साल की उम्र के बीच मरने की प्रायिकता, प्रति 1,000 जीवित जन्मों के रूप में व्यक्त।

पांच वर्ष के भीतर मृत्यु दर: जन्म और ठीक पांच साल की आयु के बीच मरने की प्रायिकता, प्रति 1,000 जीवित जन्मों के रूप में व्यक्त।

बौने बच्चे: विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बच्चों की बढ़त के पैमाने पर अपनी उम्र के लिहाज से दो से अधिक पायदान नीचे वाले, 0-59 माह की उम्र वाले ऐसे बच्चों का प्रतिशत।

वयस्क मृत्यु दर: इस बात की प्रायिकता कि 15 साल उम्र का कोई व्यक्ति 60 तक का हाने से पहले मर जाएगा, प्रति 1,000 लोगों के रूप में व्यक्त।

मलेरिया के कारण मौतें: पुष्ट और संभावित मलेरिया से होने वाली मौतें, प्रति 100,000 लोगों के रूप में व्यक्त।

टीबी (क्षय रोग) के कारण मौतें: पुष्ट और संभावित टीबी से होने वाली मौतें, प्रति 100,000 लोगों के रूप में व्यक्त।

एचआईवी व्याप्तता, वयस्क: 15-49 आयु वर्ग की जनसंख्या का प्रतिशत जो एच आई वी से संक्रमित है।

60 की उम्र में जीवन प्रत्याशा: यदि आयु विशिष्ट मृत्यु दर का प्रतिमान किसी स्त्री-पुरुष के लिए शेष जीवन में समान रहता है तो 60 साल उम्र के व्यक्ति की कितने और अतिरिक्त वर्ष जीवित रहने की संभावना हैं।

चिकित्सक: पर चिकित्सकों की संख्या (सामान्य और विशेषज्ञ, दोनों), प्रति 10,000 लोगों के रूप में व्यक्त।

सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय: केंद्र और राज्य सरकार द्वारा बजट में स्वास्थ्य पर वर्तमान और पूंजीगत व्यय, अनुदान और वाह्य ऋण (अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और गैर सरकारी संगठनों के दान समेत) और सामाजिक (या अनिवार्य) स्वास्थ्य बीमा फंड, जीडीपी के प्रतिशत के रूप में व्यक्त।

आँकड़ों के मुख्य स्रोत

कॉलम 1-6: यूनिसेफ (2015)।

कॉलम 7-11: डब्ल्यूएचओ (2015)।

कॉलम 12: यूएनडीईएसए (2013)।

कॉलम 14: विश्व बैंक (2015)।

सारणी 10 शैक्षिक उपलब्धियां

		साक्षरता दर				सकल नामांकन अनुपात					शैक्षिक गुणवत्ता						
		वयस्क (% उम्र 15 और अधिक)	युवा (%15-24 उम्र वर्ग)		कम से कम सेकेण्डरी शिक्षा प्राप्त जनसंख्या	पूर्व प्राथमिक	प्राथमिक	सेकेण्डरी	उच्च	प्राथमिक स्कूल छोड़ने की दर	15 वर्षीय विद्यार्थियों का प्रदर्शन			पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित प्राथमिक स्कूल शिक्षक	प्राथमिक स्कूल में विद्यार्थी - शिक्षक अनुपात	शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय
			स्त्री	पुरुष	(% उम्र 25 और अधिक)	(पूर्वस्कूली उम्र के बच्चों का %)	(प्राथमिक स्कूल-उम्र जनसंख्या का %)	(माध्यमिक स्कूल-उम्र जनसंख्या का %)	(तृतीयक स्कूल-उम्र जनसंख्या का %)	(प्राथमिक स्कूल समूह का %)	वाचन[a]	गणित[b]	विज्ञान[c]	(%)	(प्रति शिक्षक विद्यार्थियों की संख्या)	(जीडीपी का %)
एचडीआई श्रेणी		2005–2013[d]	2005–2013[d]	2005–2013[d]	2005–2013[d]	2008–2014[d]	2008–2014[d]	2008–2014[d]	2008–2014[d]	2008–2014[d]	2012	2012	2012	2008–2014[d]	2008–2014[d]	2005–2014[d]
अति उच्च मानव विकास																
1	नॉर्वे	..	..	..	97.1	99	99	111	74	1.5	504	489	495	..	..	6.6
2	आस्ट्रेलिया	..	..	..	94.4[e]	108	105	136	86	..	512	504	521	..	..	5.1
3	स्विटज़रलैण्ड	..	..	..	95.7	100	103	96	56	..	509	531	515	..	11	5.3
4	डेनमार्क	..	..	..	96.1[f]	102	101	125	80	1.1	496	500	498	..	..	8.7
5	नीदरलैण्ड	..	..	..	89.0	91	106	130	77	..	511	523	522	..	12	5.9
6	जर्मनी	..	..	..	96.6	113	100	101	62	3.8	508	514	524	..	12	5.0
6	आयरलैण्ड	..	..	..	79.6	52	104	119	71	..	523	501	522	..	16	6.2
8	अमेरिका	..	..	..	95.0	74	98	94	94	..	498	481	497	..	14	5.2
9	कनाडा	..	..	..	100.0	72	98	103	..	..	523	518	525	..	..	5.3
9	न्यूज़ीलैण्ड	..	..	..	95.2	92	99	120	80	..	512	500	516	..	15	7.4
11	सिंगापुर	96.4	99.8	99.8	77.4	..	..	..	..	1.3	542	573	551	94	17	2.9
12	हांगकांग, चीन (एस.ए.आर.)	..	..	..	75.4	101	105	99	67	1.0	545	561	555	96	14	3.8
13	लिक्टेन्सटाइन	..	..	..	..	99	104	110	42	20.6	516	535	525	..	7	2.1
14	स्वीडन	..	..	..	86.9	95	102	98	70	4.4	483	478	485	..	10	6.8
14	ब्रिटेन	..	..	..	99.9	84	109	95	62	..	499	494	514	..	18	6.0
16	आइसलैण्ड	..	..	..	91.3	97	98	112	81	2.1	483	493	478	..	10	7.4
17	कोरिया गणराज्य	..	..	..	82.9	118	103	97	98	0.8	536	554	538	..	18	4.9
18	इस्राइल	97.8	99.4	99.7	85.8	101	106	101	68	1.1	486	466	470	..	13	5.6
19	लक्ज़मबर्ग	..	..	..	100.0[f]	92	97	100	20	..	488	490	491	..	8	..
20	जापान	..	..	..	86.4	88	102	102	61	0.2	538	536	547	..	17	3.8
21	बेल्जियम	..	..	..	80.1	118	103	107	71	13.5	509	515	505	..	11	6.5
22	फ्रांस	..	..	..	80.5	110	107	110	58	..	505	495	499	..	18	5.7
23	ऑस्ट्रिया	..	..	..	100.0	103	101	98	72	0.3	490	506	506	..	11	5.8
24	फ़िनलैण्ड	..	..	..	100.0	70	100	108	94	0.4	524	519	545	..	14	6.8
25	स्लोवेनिया	99.7	99.9	99.8	96.9	94	99	98	86	1.2	481	501	514	..	17	5.7
26	स्पेन	97.9	99.7	99.6	69.8	127	103	131	85	2.9	488	484	496	..	13	5.0
27	इटली	99.0	99.9	99.9	75.7	99	99	99	62	0.7	490	485	494	..	10[g]	4.3
28	चेक गणराज्य	..	..	..	99.8	103	100	97	64	0.7	493	499	508	..	19	4.5
29	ग्रीस	97.4	99.3	99.4	63.2	76	102	109	117	5.6	477	453	467	..	9	4.1
30	एस्टोनिआ	99.9	100.0	99.9	100.0[f]	93	98	107	77	3.0	516	521	541	..	12	5.2
31	ब्रूनेई दारस्सलाम	95.4	99.7	99.8	65.9[h]	64	94	106	24	3.6	..	..	..	85	10	3.8
32	साइप्रस	98.7	99.8	99.8	78.7	78	100	95	46	4.7[g]	449	440	438	..	14	7.2
32	कतर	96.7	99.8	98.7	60.5	58	103[i]	112	14	2.3	388	376	384	58	10	2.4
34	अंडोरा	..	..	..	49.4	..	..	..	..	..	..	..	..	100	9	3.1
35	स्लोवाकिया	..	..	..	99.3	91	102	94	55	2.0	463	482	471	..	15	4.1
36	पोलैण्ड	99.7	100.0	100.0	82.3	78	101	98	73	1.5	518	518	526	..	10	4.9
37	लिथुआनिया	99.8	99.9	99.8	91.4	76	99	106	74	2.5	477	479	496	..	12	5.2
37	माल्टा	92.4	99.1	97.5	73.3	116	96	86	41	5.5	..	..	..	..	11	8.0
39	सऊदी अरब	94.4	99.1	99.3	66.5	13	106	116	58	1.3	..	..	..	91[g]	10	5.1
40	अर्जेंटीना	97.9	99.4	99.1	56.9	76	124	107	80	2.9	396	388	406	..	16	5.1
41	संयुक्त अरब अमीरात	90.0	97.0	93.6	64.3	79	108	..	..	8.0	442	434	448	100	16	..
42	चिली	98.6	98.9	98.9	74.8	114	101	89	74	1.3	441	423	445	..	21	4.6
43	पुर्तगाल	94.5	99.5	99.4	48.0	86	106	113	69	..	488	487	489	..	12	5.3
44	हंगरी	99.4	99.5	99.3	98.3[f]	87	100	102	60	1.9	488	477	494	..	10	4.7
45	बहरीन	94.6	97.6	98.6	54.9[h]	50	..	96	33	2.2	..	..	..	82	12	2.7
46	लात्विया	99.9	99.9	99.8	98.9	92	103	98	65	9.7	489	491	502	..	11	4.9
47	क्रोएशिया	99.1	99.7	99.7	89.1	63	97	98	62	0.6	485	471	491	100[j]	14	4.2
48	कुवैत	95.5	98.8	98.7	56.0	81[g]	106[g]	100[g]	28	5.9	..	..	..	77	9	3.8
49	मॉन्टीनेग्रो	98.4	99.1	99.4	89.2	61	101	91	56	19.5	422	410	410	..	..	..
उच्च मानव विकास																
50	बेलारुस	99.6	99.8	99.8	89.3	104	98	105	93	1.3	..	..	..	100	15	5.1
50	रुसी गणराज्य	99.7	99.8	99.7	90.9	91	101	95	76	3.4	475	482	486	..	20	4.1
52	ओमान	86.9	98.2	97.4	53.9	52	113	94	28	6.4	..	..	..	..	20[j]	4.2
52	रोमानिया	98.6	99.0	99.0	88.9	77	94	95	52	6.0	438	445	439	..	18	3.1
52	उरूग्वे	98.4	99.3	98.6	52.5	89	112	90	63	5.3	411	409	416	..	14	4.4
55	बहामास	..	..	..	..	..	108	93	..	10.5	..	..	..	92	14	..
56	कज़ाकिस्तान	99.7	99.9	99.8	99.3	58	106	98	45	0.7	393	432	425	..	16	3.1
57	बारबाडोस	..	..	..	88.7[h]	79	105	105	61	6.6	..	..	..	55	13	5.6

	साक्षरता दर				सकल नामांकन अनुपात					शैक्षिक गुणवत्ता						
	वयस्क (% उम्र 15 और अधिक)	युवा (%15-24 उम्र वर्ग)		कम से कम सेकेण्डरी शिक्षा प्राप्त जनसंख्या	पूर्व प्राथमिक	प्राथमिक	सेकेण्डरी	उच्च	प्राथमिक स्कूल छोड़ने की दर	15 वर्षीय विद्यार्थियों का प्रदर्शन			पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित प्राथमिक स्कूल शिक्षक	प्राथमिक स्कूल में विद्यार्थी - शिक्षक अनुपात	शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय
		स्त्री	पुरुष	(% उम्र 25 और अधिक)	(पूर्वस्कूली उम्र के बच्चों का %)	(प्राथमिक स्कूल-उम्र जनसंख्या का %)	(माध्यमिक स्कूल-उम्र जनसंख्या का %)	(तृतीयक स्कूल-उम्र जनसंख्या का %)	(प्राथमिक स्कूल समूह का %)	वाचन[a]	गणित[b]	विज्ञान[c]	(%)	(प्रति शिक्षक विद्यार्थियों की संख्या)	(जीडीपी का %)
एचडीआई श्रेणी	2005–2013[d]	2005–2013[d]	2005–2013[d]	2005–2013[d]	2008–2014[d]	2008–2014[d]	2008–2014[d]	2008–2014[d]	2008–2014[d]	2012	2012	2012	2008–2014[d]	2008–2014[d]	2005–2014[d]
58 एंटिगुआ और बरबूडा	99.0	..	..	..	89	98	105	23	8.7 [g]	..	..	..	60	14	2.6
59 बुल्गेरिया	98.4	97.7	98.1	94.3	86	100	93	63	3.1	436	439	446	..	17	3.8
60 पलाउ	99.5	99.8	99.8	..	65	103	89	46	..	..	..	..	..	..	..
60 पनामा	94.1	97.3	97.9	52.0	70	99	73	43	8.4	..	..	..	90	25	3.3
62 मलेशिया	93.1	98.5	98.4	68.2 [h]	84	101 [i]	71	37	0.9	398	421	420	..	12	5.9
63 मॉरिशिस	89.2	98.6	97.7	53.6	113	108	96	41	4.2	..	..	..	100	20	3.7
64 सेशेल्स	91.8	99.4	98.8	..	113	108	80	1	15.1 [j]	..	..	..	87	13	3.6
64 ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	98.8	99.6	99.6	59.3	83 [g]	106	86 [k]	12 [k]	10.6	..	..	..	88	18	..
66 सर्बिया	98.2	99.2	99.3	65.6	58	101	94	56	0.8	446	449	445	56	15	0.1
67 क्यूबा	99.8	100.0	100.0	76.5 [h]	98	98	92	48	4.2	..	..	..	100	9	12.8
67 लेबनान	89.6	99.1	98.4	54.2	102	113	75	48	6.7	..	..	..	91	12	2.6
69 कोस्टा रिका	97.4	99.3	99.0	50.6	77	103	109	48	12.3	441	407	429	97	16	6.9
69 ईरान इस्लामिक गणराज्य	84.3	97.7	98.3	65.1	38	119	86	55	3.8	..	..	..	100	26	3.7
71 वेनेजुएला (बोलिवेरियाई गणराज्य)	95.5	98.8	98.3	53.7	76	102	93	78	4.9	..	..	..	..	..	6.9
72 तुर्की	94.9	98.4	99.6	49.4	31	100	86	69	10.0	475	448	463	..	20	2.9
73 श्रीलंका	91.2	98.6	97.7	74.0	89	98	99	17	3.4	..	..	..	82	24	1.7
74 मैक्सिको	94.2	99.0	98.7	58.0	101	105	86	29	4.2	424	413	415	96	28	5.1
75 ब्राज़ील	91.3	99.0	98.2	53.6	69 [i]	136 [i]	105 [i]	26 [i]	19.4 [j]	410	391	405	..	21	5.8
76 जॉर्जिया	99.7	99.9	99.7	..	58	103	101	33	0.2	..	..	..	95	9	2.0
77 सेंट किट्स एवं नेविस	..	..	..	..	82	85	101	18	7.2	..	..	..	65	15	4.2
78 अज़रबेजान	99.8	99.9	100.0	95.5	25	98	100	20	1.8	..	..	..	100	12	2.4
79 ग्रेनाडा	..	..	..	..	99	103	108	53	..	..	..	..	65	16	..
80 जॉर्डन	97.9	99.2	99.0	74.1	34	98	88	47	2.1	399	386	409	..	20 [j]	..
81 मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	97.5	98.5	98.8	..	29	89	83	38	2.5 [l]	..	..	..	..	15	..
81 यूक्रेन	99.7	99.8	99.7	93.6 [h]	83	105	99	79	0.6	..	..	..	100	16	6.7
83 अल्जीरिया	72.6	89.1	94.4	28.9	79	117	98	31	7.2	..	..	..	99 [g]	23	4.3
84 पेरू	93.8	98.7	98.7	61.1	86	102	94	41	26.1	384	368	373	..	18	3.3
85 अल्बानिया	96.8	98.9	98.7	84.8	71	100 [j]	82	56	1.3	394	394	397	32	19	3.3
85 अर्मेनिआ	99.6	99.8	99.7	94.5 [h]	46	102	97	46	4.4	..	..	..	77 [i]	19 [g]	2.3
85 बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	98.2	99.7	99.7	56.8	..	..	..	..	17.2	..	..	..	..	17	..
88 इक्वाडोर	93.3	98.6	98.6	39.8	167	112	103	41	11.1	..	..	..	85	19	4.4
89 सेंट लूसिआ	..	..	..	..	60	100 [g]	88	14	10.4	..	..	..	89	17	4.7
90 चीन	95.1	99.6	99.7	65.3 [h]	70	128	89	27	..	570 [m]	613 [m]	580 [m]	..	18	..
90 फ़िजी	..	..	..	64.3	18	105	88	16 [i]	3.5	..	..	..	100	28	4.2
90 मंगोलिया	98.3	98.9	98.0	84.8 [h]	86	109	92	62	9.1 [j]	..	..	..	100	28	5.5
93 थाइलैण्ड	96.4	96.6	96.6	38.1	119	93	87	51	..	441	427	444	..	16	7.6
94 डोमिनिका	..	..	..	..	99	118	97	..	13.6	..	..	..	65	15	..
94 लीबिया	89.9	99.9	99.9	48.5 [h]	10 [g]	114 [l]	104 [l]	61 [j]	..	..	..	..	..	..	..
96 ट्यूनीशिया	79.7	96.3	98.2	39.3	40	110	91	35	5.9	404	388	398	100	17	6.2
97 कोलम्बिया	93.6	98.7	97.8	56.3	49	115	93	48	15.3	403	376	399	97	25	4.9
97 सेंट विन्सेन्ट एवं ग्रेनाडाइन	..	..	..	..	78	105	103	..	31.4	..	..	..	83	15	5.1
99 जमैका	87.5	98.6	93.3	72.2 [h]	92	92	78	29	13.9	..	..	..	70	21	6.3
100 टोंगो	99.4	99.5	99.4	87.9	35	110	91	6 [j]	9.6 [i]	..	..	..	..	21	..
101 बेलीज़	..	..	..	76.1	49	118	86	26	9.1	..	..	..	49	23	6.6
101 डोमीनिकन गणराज्य	90.9	98.3	96.8	54.4	42	103	76	46	8.9	..	..	..	85	24	3.8
103 सूरीनाम	94.7	98.8	98.0	45.9	96	113	76	..	9.7	..	..	..	94	13	..
104 मालदीव	98.4	99.4	99.2	30.1	82 [g]	98	72 [k]	13	17.2	..	..	..	77	11	6.2
105 समोआ	98.9	99.6	99.4	..	34	105	86	..	10.0	..	..	..	..	30	5.8
मध्यम मानव विकास															
106 बोत्स्वाना	86.7	97.9	94.2	75.7 [h]	18	106	82	18	7.0	..	..	..	100	25	9.5
107 मॉल्डोवा गणराज्य	99.1	100.0	100.0	95.0	82	94	88	41	5.4	..	..	..	..	16	8.3
108 मिस्र	73.9	86.1	92.4	52.1 [h]	27	113	86	30	3.9	..	..	..	..	28	3.8
109 तुर्कमेनिस्तान	99.6	99.9	99.8	..	47	89	85	8	..	..	..	..	..	..	3.0
110 गैबन	82.3	89.4	87.4	45.2 [h]	35	165	..	9 [j]	..	..	..	..	100 [j]	25	..
110 इण्डोनेशिया	92.8	98.8	98.8	44.5	48	109	83	32	11.0	396	375	382	..	19	3.6
112 पराग्वे	93.9	98.7	98.5	38.8	35	95	70	35	19.9	..	..	..	..	22	5.0
113 फिलिस्तीन राज्य	95.9	99.2	99.3	56.7	48	95	82	46	3.5	..	..	..	100	24	..
114 उज़्बेकिस्तान	99.5	100.0	99.9	..	25	93	105	9	1.9	..	..	..	100	16	..
115 फ़िलीपीन्स	95.4	98.5	97.0	64.8	51	106	85	28	24.2	..	..	..	..	31	3.4

एचडीआई श्रेणी	साक्षरता दर: वयस्क (% उम्र 15 और अधिक) 2005–2013[d]	साक्षरता दर: युवा (%15-24 उम्र वर्ग) स्त्री 2005–2013[d]	साक्षरता दर: युवा (%15-24 उम्र वर्ग) पुरुष 2005–2013[d]	कम से कम सेकेण्डरी शिक्षा प्राप्त जनसंख्या (% उम्र 25 और अधिक) 2005–2013[d]	सकल नामांकन अनुपात: पूर्व प्राथमिक (पूर्वस्कूली उम्र के बच्चों का %) 2008–2014[d]	सकल नामांकन अनुपात: प्राथमिक (प्राथमिक स्कूल-उम्र जनसंख्या का %) 2008–2014[d]	सकल नामांकन अनुपात: सेकेण्डरी (माध्यमिक स्कूल-उम्र जनसंख्या का %) 2008–2014[d]	सकल नामांकन अनुपात: उच्च (तृतीयक स्कूल-उम्र जनसंख्या का %) 2008–2014[d]	प्राथमिक स्कूल छोड़ने की दर (प्राथमिक स्कूल समूह का %) 2008–2014[d]	शैक्षिक गुणवत्ता: 15 वर्षीय विद्यार्थियों का प्रदर्शन: वाचन[a] 2012	गणित[b] 2012	विज्ञान[c] 2012	पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित प्राथमिक स्कूल शिक्षक (%) 2008–2014[d]	प्राथमिक स्कूल में विद्यार्थी - शिक्षक अनुपात (प्रति शिक्षक विद्यार्थियों की संख्या) 2008–2014[d]	शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय (जीडीपी का %) 2005–2014[d]
116 अल सल्वाडोर	85.5	96.9	96.2	39.8	62	110	70	25	16.2	..	..	..	96	24	3.4
116 दक्षिण अफ्रीका	93.7	99.3	98.5	74.3	76	101	111	20	23.0 [j]	..	..	..	87	29	6.2
116 वियतनाम	93.5	96.8	97.4	65.0	82	105	..	25	5.5	508	511	528	100	19	6.3
119 बोलिविया (प्लूरीनेशनल राज्य)	94.5	98.8	99.2	53.1	60	91	80	38 [g]	3.3	..	..	..	..	24 [g]	6.4
120 किर्गिस्तान	99.2	99.8	99.7	95.6	25	106	88	48	2.9	..	..	..	72	24	6.8
121 इराक	79.0	80.6	83.7	39.0 [h]	7 [g]	107 [g]	53 [g]	16 [i]	..	..	..	..	100 [k]	17 [g]	..
122 केप वर्दे	85.3	98.4	97.9	..	76	112	93	23	8.6	..	..	..	96	23	5.0
123 माइक्रोनेशिया (संघीय राज्य)	..	..	..	..	29	98	83 [i]	..	..	..	..	..	..	..	..
124 गयाना	85.0	93.7	92.4	54.5 [h]	66	75	101	13	7.8	..	..	..	70	23	3.2
125 निकारगुआ	78.0	88.8	85.2	38.9 [h]	55	117	69	..	51.6 [g]	..	..	..	75	30	4.4
126 मोरक्को	67.1	74.0	88.8	25.3	62	118	69	16	10.7	..	..	..	100	26	6.6
126 नामीबिया	76.5	90.6	83.2	33.9 [h]	16	109	65 [g]	9	15.5	..	..	..	96	30	8.5
128 ग्वाटेमाला	78.3	91.9	95.5	22.6	59	108	65	19	33.3	..	..	..	..	26	2.8
129 ताजिकिस्तान	99.7	99.9	99.9	93.2	9	96	87	22	2.0	..	..	..	100	22	4.0
130 भारत	62.8	74.4	88.4	42.1 [h]	58	113	69	25	..	..	..	..	..	35	3.8
131 होण्डुरास	85.4	96.0	94.0	27.0	41	105	71	21	30.3	..	..	..	87 [k]	34	..
132 भूटान	52.8	68.0	80.0	34.4	14	107	78	9	21.1	..	..	..	91	24	5.5
133 टिमोर लेस्ट	58.3	78.6	80.5	..	10 [j]	125	57	18	16.4	..	..	..	..	31	9.4
134 सीरियाई अरब गणराज्य	85.1	94.5	96.6	34.1	6	74	48	28	6.8	..	..	..	..	..	4.9
134 वनुआतु	83.4	95.1	94.7	..	61	122	60	5 [k]	28.5	..	..	..	100 [g]	22	5.0
136 कांगो	79.3	76.9	85.7	43.2	14	109	54	10	29.7 [g]	..	..	..	80	44	6.2
137 किरिबाटी	..	..	..	..	71 [j]	116	86	..	21.1 [j]	..	..	..	85	25	..
138 इक्वेटोरियल गिनी	94.5	98.5	97.7	..	73	91	28 [i]	..	27.9	..	..	..	49	26	..
139 ज़ाम्बिया	61.4	58.5	70.3	35.0 [h]	..	108	..	..	44.5	..	..	..	93	48	1.3
140 घाना	71.5	83.2	88.3	54.3 [h]	117	107	67	12	16.3	..	..	..	52	30	8.1
141 लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	72.7	78.7	89.2	29.8 [h]	26	121	50	18	26.7	..	..	..	98	26	2.8
142 बांग्लादेश	58.8	81.9	78.0	37.8 [h]	26	114	54	13	33.8	..	..	..	58	40	2.2
143 कम्बोडिया	73.9	85.9	88.4	15.5	15	125	45	16	35.8	..	..	..	100	47	2.6
143 साओ टोम एवं प्रिन्साइप	69.5	77.3	83.1	..	45	117	80	8	33.9	..	..	..	48	31	9.5
निम्न मानव विकास															
145 केन्या	72.2	81.6	83.2	28.6	60	114	67	4	22.4 [k]	..	..	..	97	57	6.6
145 नेपाल	57.4	77.5	89.2	27.4 [h]	87	133	67	14	39.6	..	..	..	94	24	4.7
147 पाकिस्तान	54.7	63.1	78.0	33.2	82	92	38	10	37.8	..	..	..	85	43	2.5
148 म्याँमार	92.6	95.8	96.2	19.2 [h]	9	114	50	13	25.2	..	..	..	100	28	0.8
149 अंगोला	70.6	66.4	79.8	..	87	140	32	7	68.1	..	..	..	47	43	3.5
150 स्वाज़ीलैण्ड	83.1	94.7	92.2	23.8 [h]	25	114	61	5	32.7	..	..	..	68	29	7.8
151 तंज़ानिया गणराज्य	67.8	72.8	76.5	7.5 [h]	33	90	33	4	33.3	..	..	..	99	43	6.2
152 नाईजीरिया	51.1	58.0	75.6	..	13	85	44	10 [i]	20.7	..	..	..	66	38	..
153 कैमरून	71.3	76.4	85.4	28.0 [h]	30	111	50	12	30.2	..	..	..	79	46	3.0
154 मैडागास्कर	64.5	64.0	65.9	..	12	145	38	4	62.0	..	..	..	19	40	2.7
155 ज़िम्बाब्वे	83.6	92.1	89.6	55.3 [h]	34	109	47	6	..	..	..	..	88	36	2.0
156 मॉरिटानिया	45.5	47.7	66.4	14.4 [h]	2 [k]	97	30	5	35.9	..	..	..	100	35	3.8
156 सॉलोमन द्वीपसमूह	..	..	..	..	43	114	48	..	25.1	..	..	..	63	21	9.9
158 पापुआ न्यू गिनी	62.9	75.8	66.8	11.1 [h]	100	114	40	..	..	..	..	..	..	..	..
159 कोमोरॉस	75.9	86.5	86.3	..	22	103	64	10	44.6 [j]	..	..	..	75	28	7.6
160 यमन	66.4	77.8	96.7	17.6 [h]	1	101	49	10	40.5 [k]	..	..	..	..	30	4.6
161 लेसोथो	75.8	92.1	74.2	20.9	37	108	53	11	43.2	..	..	..	72	33	13.0
162 टोगो	60.4	72.7	86.9	26.8	14	134	55	10	36.1	..	..	..	82	41	4.0
163 हैती	48.7	70.5	74.4	28.5 [h]	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
163 रवाण्डा	65.9	78.0	76.7	8.4 [h]	14	134	33	7	65.3	..	..	..	96	60	5.1
163 युगाण्डा	73.2	85.5	89.6	28.8	11	107	27	4	75.2	..	..	..	95	46	3.3
166 बेनिन	28.7	30.8	54.9	19.2 [h]	19	124	54	12	46.8	..	..	..	47	44	5.3
167 सूडान	73.4	85.5	90.3	15.2 [h]	38	70	41	17	20.1	..	..	..	68	46	2.2
168 जिबूती	..	..	..	..	4	68	48	5	15.6	..	..	..	96	33	4.5
169 दक्षिण सूडान	..	..	..	..	6	86	..	..	..	..	..	..	44	50	0.7
170 सेनेगल	52.1	59.0	74.0	10.8	15	84	41	8	38.6	..	..	..	48	32	5.6
171 अफ़गानिस्तान	31.7	32.1	61.9	18.2 [h]	1 [j]	106	54	4	..	..	..	..	..	45	..
172 आइवरी कोस्ट	41.0	38.8	58.3	22.4 [h]	6	96	39	9	26.9	..	..	..	83	41	4.6
173 मलावी	61.3	70.0	74.3	16.3 [h]	..	141	37	1	40.3	..	..	..	91	69	5.4

एचडीआई श्रेणी	साक्षरता दर: वयस्क (% उम्र 15 और अधिक) 2005–2013[d]	साक्षरता दर: युवा (%15-24 उम्र वर्ग) स्त्री 2005–2013[d]	साक्षरता दर: युवा (%15-24 उम्र वर्ग) पुरुष 2005–2013[d]	कम से कम सेकेण्डरी शिक्षा प्राप्त जनसंख्या (% उम्र 25 और अधिक) 2005–2013[d]	सकल नामांकन अनुपात: पूर्व प्राथमिक (पूर्वस्कूली उम्र के बच्चों का %) 2008–2014[d]	सकल नामांकन अनुपात: प्राथमिक (प्राथमिक स्कूल-उम्र जनसंख्या का %) 2008–2014[d]	सकल नामांकन अनुपात: सेकेण्डरी (माध्यमिक स्कूल-उम्र जनसंख्या का %) 2008–2014[d]	सकल नामांकन अनुपात: उच्च (तृतीयक स्कूल-उम्र जनसंख्या का %) 2008–2014[d]	प्राथमिक स्कूल छोड़ने की दर (प्राथमिक स्कूल समूह का %) 2008–2014[d]	शैक्षिक गुणवत्ता: 15 वर्षीय विद्यार्थियों का प्रदर्शन: वाचन[a] 2012	गणित[b] 2012	विज्ञान[c] 2012	पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित प्राथमिक स्कूल शिक्षक (%) 2008–2014[d]	प्राथमिक स्कूल में विद्यार्थी - शिक्षक अनुपात (प्रति शिक्षक विद्यार्थियों की संख्या) 2008–2014[d]	शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय (जीडीपी का %) 2005–2014[d]
174 **इथियोपिया**	39.0	47.0	63.0	12.5	3[g]	87[l]	29[l]	3[i]	63.4	..	..	..	57	54	4.7
175 **गैम्बिया**	52.0	65.5	73.4	24.3[h]	32	87	57	..	27.0	..	..	..	82	36	4.1
176 **कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य**	61.2	53.3	78.9	22.4[h]	4	111	43	8	29.3	..	..	..	94	35	1.6
177 **लाइबेरिया**	42.9	37.2	63.5	26.7[h]	..	96	38	12	32.2	..	..	..	56	26	2.8
178 **गिनी बिसाउ**	56.7	68.9	79.7	..	7	116	34[l]	3[l]	..	..	..	..	39	52	..
179 **माली**	33.6	39.0	56.3	10.9	4	84	45	7	38.4	..	..	..	52	41	4.8
180 **मोज़ाम्बीक**	50.6	56.5	79.8	3.6[h]	..	105	26	5	68.4	..	..	..	87	55	5.0
181 **सिएरा लिओन**	44.5	53.8	71.6	15.7[h]	10	134	45	..	52.2	..	..	..	57	35	2.9
182 **गिनी**	25.3	21.8	37.6	..	16	91	38	10	41.4	..	..	..	75	44	2.5
183 **बुर्किना फ़ासो**	28.7	33.1	46.7	2.0	4	87	28	5	30.9	..	..	..	86	46	3.4
184 **बुरुण्डी**	86.9	88.1	89.6	6.7[h]	9	134	33	3	52.5	..	..	..	95	45	5.8
185 **चाड**	37.3	44.0	53.8	5.5	1	103	23	2	49.0	..	..	..	65	62	2.3
186 **एरिट्रिया**	70.5	88.7	93.2	..	..	..	..	2	31.0	..	..	..	90	41	2.1
187 **मध्य अफ़्रीकी गणराज्य**	36.8	27.0	48.9	18.1[h]	6	95	18	3	53.4	..	..	..	58	80	1.2
188 **नाइजर**	15.5	15.1	34.5	5.2[h]	6	71	16	2	30.7	..	..	..	97	39	4.4
अन्य देश अथवा अंचल															
कोरिया (लोकतांत्रिक गणराज्य)	100.0	100.0	100.0	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मार्शल द्वीप	..	..	..	..	48	105	103	43	16.5	..	..	..	..	..	..
मोनाक्को	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	1.6
नॉरू	..	..	..	..	79	94	72	..	..	..	..	..	74	22	..
सैन मरीनो	..	..	..	..	108	92	95	64	3.8	..	..	..	..	6	..
सोमालिया	..	..	..	..	..	29[g]	7[g]	..	..	..	..	..	..	36[g]	..
तुवालू	..	..	..	..	84	88	84	..	..	..	..	..	..	19[k]	..
मानव विकास समूह															
अति उच्च मानव विकास	..	..	..	87.0	86	103	102	77	2.0	—	—	—	..	14	5.1
उच्च मानव विकास	94.5	99.0	99.1	64.9	72	118	91	35	9.0	—	—	—	95	19	4.9
मध्यम मानव विकास	71.8	82.2	90.1	45.0	52	110	70	24	18.1	—	—	—	83	30	4.1
निम्न मानव विकास	57.1	62.7	75.7	21.6	27	101	41	8	39.4	—	—	—	78	41	3.6
विकासशील देश	79.9	84.1	90.4	51.2	50	110	70	25	25.3	—	—	—	84	27	4.7
क्षेत्र															
अरब राज्य	78.0	86.9	93.1	41.5	33	104	74	29	8.8	—	—	—	91	23	4.3
पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र	94.5	98.7	98.8	60.5	64	118	85	28	17.3	—	—	—	..	19	4.9
यूरोप और मध्य एशिया	98.0	99.3	99.7	75.5	42	100	93	51	3.7	—	—	—	94	17	3.4
लैटिन अमेरिका और कैरिबियाइ क्षेत्र	92.3	98.0	97.6	54.6	78	114	94	38	13.8	—	—	—	93	22	5.5
दक्षिण एशिया	62.5	74.3	86.3	42.0	57	111	64	23	22.8	—	—	—	80	35	3.5
सब सहारा अफ़्रीका	58.4	62.7	74.7	26.5	22	101	43	8	37.9	—	—	—	75	42	5.1
न्यूनतम विकसित देश	58.4	65.9	75.5	21.6	18	106	42	8	39.6	—	—	—	76	41	3.4
छोटे द्वीप विकासशील राज्य	80.1	86.7	86.1	..	66	106	71	..	15.1	—	—	—	88	18	7.6
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन	..	..	..	84.5	87	102	98	71	2.8	—	—	—	..	16	5.1
विश्व	**81.2**	**84.7**	**90.8**	**59.7**	**54**	**109**	**74**	**32**	**17.6**	**—**	**—**	**—**	**..**	**25**	**5.0**

नोट

a आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) देशों के लिए औसत प्रप्तांक 496 हैं।

a ओईसीडी देशों के लिए औसत प्रप्तांक 494 हैं।

a ओईसीडी देशों के लिए औसत प्रप्तांक 501 हैं।

a आँकड़े निर्दिष्ट अवधि के दौरान उपलब्ध सबसे हाल के वर्ष के लिए।

a 25–64 उम्र वर्ग की जनसंख्या के लिए संदर्भित।

a 25–74 उम्र वर्ग की जनसंख्या के लिए संदर्भित।

a 2007 के लिए संदर्भित।

2010 के लिए h बैरो एंड ली (2014) का आकलन यूनाइटेड नेशंस एजुकेशनल, साइंटिफिक एंड कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन इंस्टीट्युट फॉर स्टेटिस्टिक्स के आँकड़ों पर आधारित।

a 2005 के लिए संदर्भित।

a 2003 के लिए संदर्भित।

a 2004 के लिए संदर्भित।

a 2006 के लिए संदर्भित।

a केवल शंघाई के लिए संदर्भित।

परिभाषाएं

वयस्क साक्षरता दर: 15 वर्ष और अधिक उम्र की जनसंख्या में उन लोगों का प्रतिशत, जो समझ के साथ अपने दिन-प्रतिदिन के जीवन के बारे में एक संक्षिप्त और साधारण व्यौरा पढ़ और लिख सकें।

युवा साक्षरता दर: 15–24 उम्र वर्ग की जनसंख्या का प्रतिशत, जो समझ के साथ अपने दिन-प्रतिदिन के जीवन के बारे में एक संक्षिप्त और साधारण व्यौरा पढ़ और लिख सकें।

कम से कम कुछ माधयमिक शिक्षा प्राप्त जनसंख्या: 25 वर्ष और इससे अधिक उम्र की जनसंख्या के उन लोगों का प्रतिशत जिन्हें कम से कम सेकेण्डरी शिक्षा मिली हो।

सकल नामांकन अनुपात: उम्र की बंदिश से मुक्त, शिक्षा के किसी एक स्तर (पूर्व प्राथमिक, प्राथमिक, सेकेण्डरी या तृतीयक) में हुए कुल नामांकन, उसी शैक्षिक स्तर की अधिकृत स्कूली उम्र की जनसंख्या के प्रतिशत के रूप में व्यक्त।

प्राथमिक स्कूल छोड़ने की दर: किसी खास समूह में ऐसे विद्यार्थियों का प्रतिशत जो प्राथमिक स्कूलों में दाखिल तो हुए लेकिन आखिरी दर्जे तक पहुँचने से पहले ही स्कूल छोड़ दिया। इसकी गणना प्राथमिक शिक्षा के अंतिम दर्जे तक पहुँच गए विद्यार्थियों की दर को 100 से घटाकर मिलती है और मान कर चलती है कि उस वर्ग के पूरे जीवन काल में प्रवाह दर अपरिवर्तित रहती है और छोड़ने वाले बच्चे दोबारा स्कूल में दाखिल नहीं होंगे।

15 वर्षीय विद्यार्थियों का वाचन, गणित और विज्ञान में प्रदर्शन: समाज में भागीदारी के लिए अनिवार्य इन विषयों में 15 वर्षीय विद्यार्थियों के कौशल और ज्ञान के परीक्षण में मिले अंक।

पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित प्राथमिक विद्यालय शिक्षक: उन प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों का प्रतिशत जिन्होंने (सेवाकाल से पहले या सेवाकाल में) प्राथमिक स्तर पर पढ़ाने के लिए जरूरी न्यूनतम व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

प्राइमरी स्कूल में अध्यापक-विद्यार्थी अनुपात: किसी स्कूल वर्ष में प्राथमिक शिक्षा में प्रति अध्यापक औसत विद्यार्थियों की संख्या।

सार्वजनिक शिक्षा व्यय: शिक्षा पर वर्तमान और पूंजीगत व्यय, जीडीपी के प्रतिशत के रूप में व्यक्त।

आँकड़ों के मुख्य स्रोत

कॉलम 1-9, 13 और 14: यूनेस्को इंस्ट्टीयूट फॉर स्टेटिस्टिक्स (2015)।

कॉलम 10-12: ओईसीडी (2014)।

कॉलम 15: विश्व बैंक (2015)।

सारणी 11

राष्ट्रीय आय और संसाधनों का संयोजन

		सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)		फिक्स्ड सकल पूंजी निर्माण	आम शासकीय अंतिम उपभोग व्यय		कुल कर राजस्व	मुनाफे और पूंजी लाभ पर कर	अनुसंधान और विकास पर व्यय	ऋण			मूल्य		
										वित्तीय क्षेत्र द्वारा उपलब्ध कराया गया घरेलू ऋण	विदेशी ऋण भंडार	कुल ऋण सेवा	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	घरेलू खाद्य मूल्य स्तर	
		कुल (2011 पीपीपी बिलियन डॉलर)	प्रति व्यक्ति (2011 पीपीपी डॉलर)	(जीडीपी का %)	कुल जीडीपी का %	औसत वार्षिक वृद्धि (% में)	(जीडीपी का %)	(कुल कर राजस्व का %)	(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(जीएनआई का %)	(जीएनआई का %)	(2010 =100)	सूचकांक	परिवर्तनशील सूचकांक
एचडीआई श्रेणी		2013	2013	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2012[a]	2013	2005–2013[a]	2013	2013	2009–2014[a]	2009–2014[a]
अति उच्च मानव विकास															
1	नॉर्वे	317.5	62,448	22.6	21.9	1.8	27.3	31.8	1.7	87.0[b]	..	..	104	1.5	11.3
2	आस्ट्रेलिया	990.7	42,831	28.3	17.7	0.0	21.4	65.3	2.4	158.8	..	..	108	1.4	..
3	स्विटज़रलैण्ड	442.0	54,697	23.4	11.0	1.4	9.8	22.7	2.9	173.4	..	..	99	1.4	6.6
4	डेनमार्क	235.7	41,991	18.3	26.7	–0.5	33.4	39.7	3.0	199.6	..	..	106	1.3	6.0
5	नीदरलैण्ड	755.3	44,945	18.2	26.3	–0.3	19.7	23.5	2.2	193.0	..	..	107	1.4	5.6
6	जर्मनी	3,483.4	43,207	19.8	19.3	0.7	11.5	16.3	2.9	113.5	..	..	106	1.5	5.6
6	आयरलैण्ड	206.5	44,931	15.2	17.5	0.0	22.0	37.8	1.7	186.1	..	..	105	1.2	3.3
8	अमेरिका	16,230.2	51,340	19.3	15.2	–1.3	10.6	53.2	2.8	240.5	..	..	107	1.0	0.0
9	कनाडा	1,472.9	41,894	23.7	21.7	0.6	11.5	51.6	1.7	173.1[c]	..	..	105	1.3	7.1
9	न्यूज़ीलैण्ड	146.7	32,808	20.6	18.7	1.9	29.3	36.3	1.3	154.0[d]	..	..	107	2.0	..
11	सिंगापुर	411.6	76,237	25.9	10.2	9.9	14.0	34.7	2.1	112.6	..	..	113	1.0	4.0
12	हांगकांग, चीन (एस.ए.आर.)	370.2	51,509	23.9	9.3	2.3	12.5	36.2	0.7	224.0	..	..	114	..	..
13	लिक्टेन्सटाइन	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
14	स्वीडन	419.6	43,741	22.1	26.2	1.6	20.7	9.8	3.4	138.1	..	..	104	1.5	6.7
14	ब्रिटेन	2,372.7	37,017	16.4	20.2	0.7	25.3	31.8	1.7	184.1	..	..	110	1.2	5.0
16	आइसलैण्ड	13.3	41,250	15.1	24.3	0.8	22.3	27.4	2.6	130.9	..	..	114	1.8	5.4
17	कोरिया गणराज्य	1,642.6	32,708	29.7	14.9	2.7	14.4	30.3	4.0	155.9	..	..	108	1.9	9.1
18	इस्राइल	249.3	30,927	19.5	22.5	3.5	22.1	27.9	3.9	81.4[e]	..	..	107	2.2	5.9
19	लक्ज़मबर्ग	47.7	87,737	17.1	17.3	5.0	25.5	30.0	1.4	163.9	..	..	108	1.3	8.9
20	जापान	4,535.1	35,614	21.7	20.6	1.9	10.1	46.0	3.4	366.5	..	..	100	1.9	5.6
21	बेल्जियम	454.6	40,607	22.3	24.4	1.1	24.9	35.2	2.2	111.2	..	..	108	1.7	6.0
22	फ्रांस	2,453.3	37,154	22.1	24.1	2.0	21.4	24.6	2.3	130.8	..	..	105	1.7	4.8
23	ऑस्ट्रिया	376.0	44,376	22.2	19.8	0.7	18.3	23.7	2.8	127.9	..	..	108	1.4	5.9
24	फ़िनलैण्ड	211.3	38,846	21.2	24.9	1.5	20.0	14.8	3.5	104.9	..	..	108	1.6	6.2
25	स्लोवेनिया	56.8	27,576	19.7	20.4	–1.1	17.5	10.4	2.8	82.8	..	..	106	2.2	9.4
26	स्पेन	1,473.9	31,596	18.5	19.5	–2.9	7.1	20.1	1.3	205.1	..	..	107	2.0	8.4
27	इटली	2,044.3	34,167	17.8	19.4	–0.7	22.4	32.8	1.3	161.8	..	..	107	2.0	5.0
28	चेक गणराज्य	294.2	27,959	24.9	19.6	2.3	13.4	14.5	1.9	67.0	..	..	107	2.3	10.7
29	ग्रीस	270.7	24,540	11.2	20.0	–6.5	22.4	19.0	0.7	134.3	..	..	104	2.6	11.2
30	एस्टोनिआ	33.3	25,132	27.3	19.1	2.8	16.3	8.9	2.2	71.6	..	..	112	2.8	7.4
31	ब्रूनेई दारस्सलाम	29.0	69,474	15.3	18.3	1.1	..	..	..	20.8	..	..	103	3.0	4.7
32	साइप्रस	23.8	27,394	18.4	19.7	0.5	25.5	26.5	0.5	335.8	..	..	105	2.0	12.7
32	कतर	276.6	127,562	..	12.9	10.1	14.7	40.2	..	73.9	..	..	107	1.8	6.3
34	अंडोरा	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
35	स्लोवाकिया	142.2	26,263	20.4	18.1	2.4	12.2	10.3	0.8	53.1[c]	..	..	109	2.6	9.2
36	पोलैण्ड	881.5	22,877	18.8	18.1	2.1	16.0	13.4	0.9	65.8	..	..	109	2.7	7.0
37	लिथुआनिया	72.4	24,483	17.4	18.7	–3.0	13.4	9.0	0.9	51.0	..	..	109	3.5	5.5
37	माल्टा	12.2	28,828	14.3	20.2	0.9	27.0	33.1	0.8	146.7	..	..	107	2.6	8.6
39	सऊदी अरब	1,501.1	52,068	23.2	22.1	9.2	..	..	0.1	–7.9	..	..	113	2.9	3.8
40	अर्जेंटीना	..	..	17.0	15.5	5.1	..	..	0.6	33.3	22.7	2.3	..	..	..
41	संयुक्त अरब अमीरात	525.1[f]	57,045[f]	22.0	6.8	4.2	0.4	..	0.5	76.5[f]	..	..	103	..	..
42	चिली	382.6	21,714	23.6	12.4	4.2	19.0	30.4	0.4	115.5	..	..	108	2.6	7.4
43	पुर्तगाल	267.7	25,596	15.1	19.0	–1.9	20.3	22.2	1.5	183.3	..	..	107	2.5	9.0
44	हंगरी	226.8	22,914	19.9	19.9	3.2	22.9	15.9	1.3	64.7	170.8	99.0	112	2.4	5.8
45	बहरीन	56.5	42,444	19.2	14.4	10.7	1.1	0.7	..	78.6	..	..	106	2.2	18.5
46	लात्विया	43.9	21,825	22.2	15.5	–11.0	13.8	8.7	0.7	58.6	..	..	107	2.9	7.9
47	क्रोएशिया	85.3	20,063	19.3	20.0	0.5	19.6	7.9	0.8	94.1	..	..	108	3.2	2.7
48	कुवैत	267.7[f]	82,358[f]	18.0	16.7	15.0	0.7	0.6	0.1	47.9[f]	..	..	111	2.6	3.7
49	मॉन्टीनेग्रो	8.8	14,152	19.2	19.8	1.4	..	..	0.4	61.0	65.5	8.1	109	5.6	9.1
उच्च मानव विकास															
50	बेलारुस	161.4	17,055	36.9	14.2	–2.6	15.1	3.5	0.7	39.9	56.7	6.7	289	5.3	6.0
50	रुसी गणराज्य	3,381.5	23,564	21.5	19.5	0.5	15.1	1.9	1.1	48.3	..	..	122	4.3	5.2
52	ओमान	147.6[f]	44,532[f]	22.3	19.2	10.0	2.6	2.6	0.1	35.7	..	..	108	3.3	9.2
52	रोमानिया	363.3	18,200	23.5	6.2	2.3	18.8	18.4	0.5	52.0	72.9	16.6	114	3.7	4.3
52	उरूग्वे	64.6	18,966	22.9	13.8	4.2	19.3	18.4	0.4	36.3	..	..	127	3.1	6.4
55	बहामास	8.5	22,518	26.3	16.1	3.7	15.5	..	..	104.9	..	..	106	1.6	5.4
56	कज़ाकिस्तान	382.8	22,467	21.2	10.3	1.7	..	..	0.2	39.1	74.6	15.0	121	..	..
57	बारबाडोस	4.3[f]	15,299[f]	18.4	16.1	..	25.2	31.6	..	106.7[e]	..	..	116	2.4	5.4
58	एंटिगुआ और बरबूडा	1.8	20,353	23.2	18.5	..	18.6	12.0	..	90.0	..	..	108	2.6	..

		सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)		फिक्स्ड सकल पूंजी निर्माण	आम शासकीय अंतिम उपभोग व्यय		कुल कर राजस्व	मुनाफे और पूंजी लाभ पर कर	अनुसंधान और विकास पर व्यय	ऋण			मूल्य		
										वित्तीय क्षेत्र द्वारा उपलब्ध कराया गया घरेलू ऋण	विदेशी ऋण भंडार	कुल ऋण सेवा	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	घरेलू खाद्य मूल्य स्तर	
		कुल (2011 पीपीपी बिलियन डॉलर)	प्रति व्यक्ति (2011 पीपीपी डॉलर)	(जीडीपी का %)	कुल जीडीपी का %	औसत वार्षिक वृद्धि (% में)	(जीडीपी का %)	(कुल कर राजस्व का %)	(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(जीएनआई का %)	(जीएनआई का %)	(2010 =100)	सूचकांक	परिवर्तनशील सूचकांक
एचडीआई श्रेणी		2013	2013	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2012[a]	2013	2005–2013[a]	2013	2013	2009–2014[a]	2009–2014[a]
59	बुल्गेरिया	114.0	15,695	21.3	16.5	2.8	19.0	14.6	0.6	71.1	104.9	9.5	108	3.2	5.9
60	पलाउ	0.3	14,612	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
60	पनामा	72.6	18,793	26.5	10.0	–1.7	..	..	0.2	67.6	38.9	3.9	116	3.0	2.1
62	मलेशिया	671.3	22,589	26.9	13.6	6.3	16.1	52.0	1.1	142.6	70.7	3.2	107	2.9	4.3
63	मॉरिशिस	21.6	16,648	21.2	14.4	0.7	19.0	17.9	0.4	122.4	91.4	28.4	115	4.9	11.7
64	सेशेल्स	2.1	23,799	33.6	25.6	6.9	31.2	27.9	0.3	35.2	222.4	4.5	115	6.7	7.2
64	ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	39.5	29,469	9.7	9.5	–0.6	28.3	49.6	0.0	33.7	..	..	121	4.0	16.5
66	सर्बिया	92.4	12,893	21.2	19.6	2.1	19.7	7.6	1.0	49.5	88.1	19.4	128	4.0	8.5
67	क्यूबा	211.9[g]	18,796[g]	12.2	37.9	2.7	..	..	0.4	..	..	..	..	..	..
67	लेबनान	74.3	16,623	27.9	14.7	23.2	15.5	19.0	..	187.6	68.9	7.8	112[f]	..	..
69	कोस्टा रिका	65.4	13,431	21.0	17.9	3.9	13.6	15.1	0.5	56.5	35.9	6.2	115	3.2	7.6
69	ईरान इस्लामिक गणराज्य	1,168.7	15,090	25.8	11.2	–4.3	8.4	19.3	0.7	18.0[d]	2.1	0.1	214	4.5	13.0
71	वेनेज़ुएला (बोलिवेरियाई गणराज्य)	535.6	17,615	20.3	12.2	3.3	15.5	21.5	..	52.5	27.5	4.6	215	4.5	12.8
72	तुर्की	1,398.3	18,660	20.3	15.1	6.2	20.4	17.6	0.9	84.3	47.9	7.6	125	3.8	12.9
73	श्रीलंका	193.1	9,426	29.2	13.1	5.5	12.0	16.2	0.2	48.4[f]	38.5	2.8	123	6.9	8.3
74	मैक्सिको	1,992.9	16,291	21.0	11.9	1.1	..	..	0.4	49.5	35.9	3.4	112	3.7	4.7
75	ब्राज़ील	2,916.3	14,555	18.2	22.0	2.0	15.4	26.5	1.2	110.1	21.9	3.8	119	2.6	4.4
76	जॉर्जिया	31.1	6,946	21.9	16.7	..	24.1	35.2	0.2	42.9	86.4	11.2	107	..	..
77	सेंट किट्स एवं नेविस	1.1	20,709	28.7	19.2	..	20.2	9.8	..	65.9	..	..	109	2.9	..
78	अज़रबेजान	156.3	16,594	24.6	11.2	2.2	13.0	13.6	0.2	25.5	13.3	3.6	112	..	..
79	ग्रेनाडा	1.2	11,272	20.1	16.8	..	18.7	16.9	..	80.0	72.6	4.4	105	3.4	..
80	जॉर्डन	73.7	11,407	27.2	19.7	–11.4	15.3	13.6	0.4	111.9	71.9	3.0	115	4.5	6.1
81	मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	24.5	11,609	24.8	17.5	–3.6	16.7	10.7	0.2	52.4	69.5	9.1	110	5.1	7.9
81	यूक्रेन	387.0	8,508	18.2	19.4	2.2	18.2	11.8	0.7	95.7	81.6	20.9	108	5.2	3.9
83	अल्जीरिया	505.5	12,893	33.8	18.9	80.4	37.4	60.2	0.1	3.0	2.5	0.3	118	5.1	5.5
84	पेरू	346.2	11,396	26.6	11.2	6.7	16.5	34.0	..	22.0	29.0	3.6	110	3.9	3.4
85	अल्बानिया	28.9	10,405	26.2	10.7	0.1	..	..	0.2	66.9	60.1	3.2	108	6.4	10.3
85	अर्मेनिआ	22.4	7,527	20.9	14.5	16.3	18.7	21.3	0.3	46.0	79.4	18.5	117	8.9	11.9
85	बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	35.9	9,387	17.9	22.8	–0.5	20.9	6.7	0.0	67.7	60.9	6.2	106	4.8	6.3
88	इक्वाडोर	165.9	10,541	27.9	14.1	7.7	..	..	0.2	29.6	22.9	3.4	113	3.4	5.7
89	सेंट लूसिआ	1.9	10,152	23.3	14.8	..	23.0	27.1	..	123.1	37.2	2.9	109	3.4	12.3
90	चीन	15,643.2	11,525	47.3	14.1	8.2	10.6	24.9	2.0	163.0	9.5	0.4	111	3.3	8.1
90	फ़िजी	6.6	7,502	21.1	15.0	..	23.2	32.5	..	121.8	20.7	1.2	116	5.1	8.3
90	मंगोलिया	25.9	9,132	44.2	11.3	–25.0	18.2	11.6	0.3	63.6	176.0	13.0	137	4.8	16.7
93	थाइलैण्ड	933.6	13,932	26.7	13.8	4.9	16.5	36.2	0.3	173.3	37.2	3.6	109	4.5	2.8
94	डोमिनिका	0.7	10,011	12.0	19.1	..	21.8	16.2	..	61.9	59.4	3.7	104	..	..
94	लीबिया	126.3	20,371	27.9	9.3	..	..	..	..	–51.1	..	..	126	..	..
96	ट्यूनीशिया	117.2	10,768	20.2	19.0	2.8	21.0	26.7	1.1	83.4	55.5	5.9	116	3.9	4.7
97	कोलम्बिया	581.1	12,025	24.5	16.7	5.8	13.2	19.7	0.2	70.1	25.3	2.8	109	2.7	4.5
97	सेंट विन्सेन्ट एवं ग्रेनाडाइन	1.1	10,154	24.9	18.5	..	23.0	24.5	..	58.4	40.6	4.0	107	3.4	4.8
99	जमैका	23.4	8,607	19.7	16.3	0.3	27.1	33.0	..	51.4	100.6	8.8	126	5.0	7.0
100	टोंगो	0.5	5,134	33.1	18.9	..	..	..	..	27.1	41.6	1.4	108	..	..
101	बेलीज़	2.7	8,215	17.8	15.1	0.7	22.6	28.7	..	58.3	80.5	9.0	98	3.0	27.9
101	डोमीनिकन गणराज्य	122.7	11,795	21.5	10.1	–6.4	12.2	20.5	..	47.8	41.2	4.9	118	4.1	5.2
103	सूरीनाम	8.4	15,556	24.9	23.3	..	19.4	31.9	..	31.5	..	..	126	6.2	9.7
104	मालदीव	3.9	11,283	40.4	16.8	..	15.5	2.8	..	86.9	42.0	3.7	129	3.5	14.2
105	समोआ	1.1	5,584	..	..	..	0.0	20.3	..	40.8	67.2	1.9	108	..	..
मध्यम मानव विकास															
106	बोत्स्वाना	30.8	15,247	33.9	19.7	4.3	27.1	23.9	0.5	13.6	16.6	1.3	123	2.9	3.6
107	मॉल्डोवा गणराज्य	16.1	4,521	22.9	20.3	–2.0	18.6	2.7	0.4	44.0	75.0	7.6	118	4.8	5.7
108	मिस्र	880.8	10,733	13.8	11.7	3.4	13.2	26.2	0.4	86.2	16.7	1.3	129	7.5	9.8
109	तुर्कमेनिस्तान	71.0	13,555	47.2	8.9	..	..	..	..	..	1.3	0.1	..	..	..
110	गैबन	31.2	18,646	33.3	8.9	18.2	..	..	0.6	11.7	25.0	6.5	104	5.2	21.0
110	इण्डोनेशिया	2,312.4	9,254	31.7	9.1	4.9	11.4	36.8	0.1	45.6	30.8	4.8	117	6.7	10.7
112	पराग्वे	53.3	7,833	15.1	12.1	5.3	12.8	11.6	0.1	38.3	47.2	6.8	115	4.3	11.2
113	फिलिस्तीन राज्य	18.7	4,484	22.2	27.7	–9.0	5.1	2.1	..	..	..	..	119	..	..
114	उज़्बेकिस्तान	151.3	5,002	23.2	22.4	..	..	..	..	..	18.1	1.2	..	..	..
115	फ़िलीपीन्स	622.5	6,326	20.5	11.1	7.7	12.9	42.1	0.1	51.9	18.6	1.8	111	6.8	2.6
116	अल सल्वाडोर	47.6	7,515	15.1	12.0	6.0	14.5	23.0	0.0	72.1	57.1	4.7	108	4.3	3.0
116	दक्षिण अफ़्रीका	641.4	12,106	19.3	22.2	2.4	26.5	49.4	0.8	190.2	40.7	2.8	117	3.0	6.2

सारणी 11

									ऋण			मूल्य		
	सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)		फिक्स्ड सकल पूंजी निर्माण	आम शासकीय अंतिम उपभोग व्यय		कुल कर राजस्व	मुनाफे और पूंजी लाभ पर कर	अनुसंधान और विकास पर व्यय	वित्तीय क्षेत्र द्वारा उपलब्ध कराया गया घरेलू ऋण	विदेशी ऋण भंडार	कुल ऋण सेवा	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	घरेलू खाद्य मूल्य स्तर	
	कुल (2011 पीपीपी बिलियन डॉलर)	प्रति व्यक्ति (2011 पीपीपी डॉलर)	(जीडीपी का %)	कुल जीडीपी का %)	औसत वार्षिक वृद्धि (% में)	(जीडीपी का %)	(कुल कर राजस्व का %)	(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(जीएनआई का %)	(जीएनआई का %)	(2010 =100)	सूचकांक	परिवर्तनशील सूचकांक
एचडीआई श्रेणी	2013	2013	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2012[a]	2013	2005–2013[a]	2013	2013	2009–2014[a]	2009–2014[a]
116 वियतनाम	459.7	5,125	23.8	6.2	7.3	..	..	..	108.2	40.2	3.1	138	..	..
119 बोलिविया (प्लूरीनेशनल राज्य)	63.3	5,934	19.1	13.9	9.3	17.0	9.6	0.2	50.4	27.5	1.9	121	5.9	12.2
120 किर्गिस्तान	17.8	3,110	30.5	18.1	0.2	18.1	19.1	0.2	14.0[h]	98.4	5.6	128	..	..
121 इराक	483.6	14,471	16.7	21.3	..	..	..	0.0	–1.4	..	..	114	5.1	16.4
122 केप वर्दे	3.1	6,210	35.9	18.5	..	17.8	23.3	0.1	82.8	80.9	2.2	109	5.7	5.4
123 माइक्रोनेशिया (संघीय राज्य)	0.3	3,286	..	..	..	..	..	..	–27.2	..	..	..	..	..
124 गयाना	5.1	6,336	24.9	14.2	..	..	..	..	53.7	74.9	2.6	109	..	..
125 निकारगुआ	27.3	4,494	22.9	5.7	1.8	14.8	30.0	..	44.8	87.7	5.8	124	4.5	6.4
126 मोरक्को	233.9	6,967	30.2	19.0	3.7	24.5	26.2	0.7	115.5	38.7	5.0	104	5.7	4.9
126 नामीबिया	21.4	9,276	25.7	27.6	8.9	23.1	32.6	0.1	49.7	..	..	118	3.5	7.2
128 ग्वाटेमाला	109.2	7,063	14.3	10.5	4.8	10.8	29.4	0.0	40.6	32.0	2.4	115	7.1	5.5
129 ताजिकिस्तान	20.0	2,432	14.1	11.7	1.1	..	..	0.1	19.0	41.8	5.0	125	..	..
130 भारत	6,558.7	5,238	28.3	11.8	3.8	10.7	44.8	0.8	77.1	23.0	2.2	132	4.7	8.4
131 होण्डुरास	36.0	4,445	24.5	16.6	4.1	14.7	21.6	..	57.3	39.6	5.4	118	4.8	4.8
132 भूटान	5.4	7,167	47.3	17.5	–6.6	9.2	15.9	..	50.2	83.6	4.5	129	5.1	6.4
133 टिमोर लेस्ट	2.3[f]	2,040[f]	55.7	85.7	3.6	..	..	..	–53.6[f]	..	..	141	..	..
134 सीरियाई अरब गणराज्य	..	..	20.4	12.3	23.6	14.2	30.2	..	36.2[h]	14.3	1.7[h]	143[f]	..	..
134 वनुआतु	0.7	2,895	25.2	16.3	2.2	16.0	..	..	68.7	16.7	1.0	104	..	..
136 कांगो	25.3	5,680	30.7	13.6	–11.8	5.9	4.1	..	–7.2	30.4	2.7	112	6.3	18.8
137 किरिबाटी	0.2	1,796	..	..	..	16.1	8.7	..	..	..	..	..	..	..
138 इक्वेटोरियल गिनी	24.7	32,685	58.4	6.7	9.8	20.5	35.7	..	–3.5	..	..	121	..	..
139 ज़ाम्बिया	55.2	3,800	25.9	2.8	..	16.0	48.0	0.3	27.5	25.9	1.2	121	10.1	3.2
140 घाना	100.1	3,864	22.7	16.6	–7.9	14.9	24.7	0.4	34.8	33.8	2.0	132	5.4	18.3
141 लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	31.6	4,667	29.2	14.5	33.9	14.8	17.6	..	26.5[d]	81.4	2.9	119	8.6	3.6
142 बांग्लादेश	446.8	2,853	28.4	5.1	5.8	8.7	22.4	..	57.9	19.5	1.0	126	8.0	4.5
143 कम्बोडिया	44.6	2,944	18.1	5.2	21.3	11.6	13.8	..	40.3	44.4	1.1	112	7.8	4.7
143 साओ टोम एवं प्रिन्साइप	0.6	2,876	41.7	13.5	..	14.0	12.8	..	28.8	69.6	1.9	132	9.1	50.5
निम्न मानव विकास														
145 केन्या	120.0	2,705	20.4	14.0	1.1	15.9	40.9	1.0	42.8	30.8	1.1	132	5.8	6.0
145 नेपाल	60.4	2,173	22.6	9.9	–6.9	15.3	18.7	0.3	69.1	19.7	1.1	130	9.5	10.2
147 पाकिस्तान	811.3	4,454	13.0	11.0	10.2	11.1	27.9	0.3	49.0	22.8	3.3	132	7.1	13.2
148 म्याँमार	..	..	..	..	..	..	25.2	..	24.6[i]	..	..	112	8.5	8.1
149 अंगोला	160.8	7,488	14.7	19.9	–2.7	18.8	31.9	..	18.9	22.0	4.3	136	7.2	13.7
150 स्वाज़ीलैण्ड	8.1	6,471	9.6	19.9	5.5	..	..	..	18.4	13.1	0.9	122	..	..
151 तंज़ानिया गणराज्य	82.2	1,718	32.1	19.0	36.2	16.1	21.9	0.5	24.3	39.7	0.5	141	11.5	4.8
152 नाईजीरिया	941.5	5,423	14.5	8.1	1.4	1.6	28.3	0.2	22.3	2.8	0.1	135	6.3	4.0
153 कैमरून	61.0	2,739	19.4	11.6	6.5	..	..	..	15.5	17.1	0.7	108	7.8	10.0
154 मैडागास्कर	31.4	1,369	15.7	8.6	–14.3	10.1	21.2	0.1	15.6	27.3	0.7	123	7.1	3.5
155 ज़िम्बाब्वे	25.1	1,773	13.0	20.0	2.7	..	..	..	75.5[b]	69.5	21.2	109	..	..
156 मॉरिटानिया	11.5	2,945	38.0	17.0	2.8	..	..	..	39.1[f]	91.7	4.2	115	10.1	3.1
156 सॉलोमन द्वीपसमूह	1.1	2,003	13.4	39.2	..	..	..	..	20.3	21.2	4.6	120	..	..
158 पापुआ न्यू गिनी	18.0	2,458	..	..	..	..	..	..	49.2	148.4	30.3	115	..	..
159 कोमोरॉस	1.0	1,400	17.8	16.2	2.2	..	..	..	26.9	22.3	0.1	106	..	..
160 यमन	93.5	3,832	16.4	13.8	..	..	..	..	33.9	22.1	0.8	146	7.6	11.0
161 लेसोथो	5.2	2,494	36.7	37.7	12.3	58.7	17.4	0.0	1.7	30.9	1.4	117	4.4	6.4
162 टोगो	9.2	1,346	18.3	9.6	15.8	16.4	10.1	0.3	36.0	24.4	1.5	108	6.8	15.5
163 हैती	17.0	1,648	..	9.1	..	..	..	..	20.4	14.9	0.1	122	9.7	3.4
163 रवाण्डा	16.8	1,426	25.5	14.2	1.0	13.4	25.7	..	8.0[j]	23.0	0.6	117	8.6	10.5
163 युगाण्डा	51.4	1,368	23.8	8.3	7.5	13.0	30.6	0.6	16.3	21.0	0.4	143	5.2	21.8
166 बेनिन	17.9	1,733	26.3	11.2	4.2	15.6	16.8	..	21.5	28.7	1.4	111	8.1	21.8
167 सूडान	123.9	3,265	20.0	7.5	20.9	..	..	..	24.0	47.9	0.5	218	..	..
168 जिबूती	2.5	2,903	37.5	25.1	8.0	..	..	..	33.9	62.5	2.3[j]	112	..	..
169 दक्षिण सूडान	22.2	1,965	11.9	23.0	10.9	..	..	..	..	..	..	149[g]	..	..
170 सेनेगल	30.7	2,170	25.1	15.5	–1.1	19.2	23.1	0.5	35.1	34.9	2.7	106	8.4	8.7
171 अफ़गानिस्तान	57.6	1,884	17.7	12.3	..	7.5	3.7	..	–3.9	12.3	0.1	127	..	..
172 आइवरी कोस्ट	63.1	3,107	17.0	8.4	8.7	14.2	21.4	..	26.9	37.9	4.2	109	6.7	8.8
173 मलावी	12.4	755	19.7	22.1	11.6	..	..	..	31.2	43.6	1.2	166	7.6	23.6
174 इथियोपिया	125.7	1,336	35.8	8.3	..	9.2	16.0	0.2	36.9[c]	26.8	1.4	177	6.3	9.0
175 गैम्बिया	3.0	1,608	20.7	7.5	3.0	15.1	18.0	0.1	50.1	59.0	3.1	115	7.3	2.7
176 कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	52.9	783	20.6	12.4	14.2	8.4	11.9	0.1	7.3	21.9	1.1	129	..	..

	सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)		फिक्स्ड सकल पूंजी निर्माण	आम शासकीय अंतिम उपभोग व्यय		कुल कर राजस्व	मुनाफे और पूंजी लाभ पर कर	अनुसंधान और विकास पर व्यय	ऋण			मूल्य		
									वित्तीय क्षेत्र द्वारा उपलब्ध कराया गया घरेलू ऋण	विदेशी ऋण भंडार	कुल ऋण सेवा	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	घरेलू खाद्य मूल्य स्तर	
	कुल (2011 पीपीपी बिलियन डॉलर)	प्रति व्यक्ति (2011 पीपीपी डॉलर)	(जीडीपी का %)	कुल जीडीपी का %	औसत वार्षिक वृद्धि (% में)	(जीडीपी का %)	(कुल कर राजस्व का %)	(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(जीएनआई का %)	(जीएनआई का %)	(2010 =100)	सूचकांक	परिवर्तनशील सूचकांक
एचडीआई श्रेणी	2013	2013	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2013[a]	2005–2012[a]	2013	2005–2013[a]	2013	2013	2009–2014[a]	2009–2014[a]
177 **लाइबेरिया**	3.6	850	25.4	15.5	6.2	20.9	27.7	..	38.7	30.9	0.3	125	..	..
178 **गिनी बिसाउ**	2.3	1,362	..	..	..	..	..	..	18.6	32.3	0.2	108	..	..
179 **माली**	24.3	1,589	16.3	11.3	–4.2	15.8	21.9	0.7	20.9	33.3	0.9	108	7.7	9.4
180 **मोज़ाम्बीक**	27.6	1,070	17.4	20.4	16.5	20.8	29.5	0.5	29.3	45.0	0.9	117	8.6	6.7
181 **सिएरा लिओन**	9.1	1,495	16.6	10.4	6.5	11.7	31.0	..	14.5	31.1	0.6	145	6.8	3.3
182 **गिनी**	14.2	1,213	15.0	9.7	5.8	..	..	..	32.2[g]	20.8	1.1	156	9.9	7.3
183 **बुर्किना फ़ासो**	26.8	1,582	17.6	18.2	8.4	16.3	20.1	0.2	25.4	23.2	0.7	107	8.4	11.8
184 **बुरुण्डी**	7.6	747	28.7	22.1	2.0	..	..	0.1	23.9	23.5	1.2	140	7.0	8.3
185 **चाड**	25.9	2,022	27.4	7.6	10.3	..	..	..	7.0	17.2	0.8	110	8.0	11.7
186 **एरिट्रिया**	7.3	1,157	10.0	21.1	–9.5	..	..	..	104.0[g]	27.7	2.6	..	..	..
187 **मध्य अफ्रीकी गणराज्य**	2.7	584	14.8	7.7	1.0	9.5	6.9	..	36.7	37.4	0.4	109	..	..
188 **नाइजर**	15.8	887	34.4	14.6	7.9	11.3	11.6	..	11.8	36.3	0.6	106	7.2	9.4
अन्य देश अथवा अंचल														
कोरिया (लोकतांत्रिक गणराज्य)	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मार्शल द्वीप	0.2	3,776	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मोनाक्को	..	..	..	..	..	..	..	0.0	..	..	..	..	..	..
नॉरू	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
सैन मरीनो	..	..	..	..	..	22.3	14.6	..	..	..	..	107	..	..
सोमालिया	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
तुवालू	0.0	3,528	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मानव विकास समूह														
अति उच्च मानव विकास	46,814.6	41,395	20.5	18.2	3.0	14.3	36.8	2.4	196.7	..	..	—	—	—
उच्च मानव विकास	33,466.1	13,549	33.8	15.5	4.1	13.3	22.9	1.4	114.6	21.8	2.5	—	—	—
मध्यम मानव विकास	13,654.0	6,106	25.9	12.5	6.5	13.1	40.0	0.5	73.0	27.2	2.7	—	—	—
निम्न मानव विकास	3,205.5	2,904	17.3	11.4	5.3	8.7	25.5	..	28.7	20.2	1.8	—	—	—
विकासशील देश	49,538.3	8,696	31.3	14.4	6.1	12.5	29.5	1.1	101.3	22.2	2.4	—	—	—
क्षेत्र														
अरब राज्य	5,508.7	16,697	22.2	16.2	11.8	12.2	41.3	..	37.8	25.5	1.9	—	—	—
पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र	20,776.2	10,779	43.8	13.5	..	11.1	28.4	..	149.6	15.0	1.2	—	—	—
यूरोप और मध्य एशिया	3,005.8	12,929	22.0	15.0	1.8	19.3	..	0.7	70.5	54.5	9.8	—	—	—
लैटिन अमेरिका और कैरिबियाइ क्षेत्र	7,911.4	13,877	20.0	16.7	2.7	15.6	26.0	..	74.1	27.4	3.5	—	—	—
दक्षिण एशिया	9,305.8	5,324	26.6	11.3	–0.1	10.3	38.4	0.7	64.3	20.3	2.0	—	—	—
सब सहारा अफ्रीका	2,977.6	3,339	19.5	14.2	6.1	13.5	42.8	0.4	62.7	23.7	1.8	—	—	—
न्यूनतम विकसित देश	1,770.8	2,122	23.8	11.9	7.5	..	..	..	30.4	28.1	1.3	—	—	—
छोटे द्वीप विकासशील राज्य	513.1	9,391	18.0	20.7	..	..	..	..	54.7	65.9	8.7	—	—	—
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन	46,521.4	36,923	20.5	18.2	1.1	14.6	36.4	2.5	199.1	..	..	—	—	—
विश्व	**97,140.4**	**13,964**	**24.3**	**17.0**	**3.6**	**13.9**	**33.7**	**2.0**	**164.0**	**23.6**	**2.9**	**—**	**—**	**—**

सारणी **11**

नोट

a आंकड़े निर्दिष्ट अवधि के दौरान उपलब्ध सबसे हाल के वर्ष के।

b 2006 के लिए संदर्भित।

c 2008 के लिए संदर्भित।

d 2010 के लिए संदर्भित।

e 2009 के लिए संदर्भित।

f 2012 के लिए संदर्भित।

g 2011 के लिए संदर्भित।

h 2007 के लिए संदर्भित।

i 2004 के लिए संदर्भित।

j 2005 के लिए संदर्भित।

परिभाषाएं

सकल घरेलु उत्पाद (जीडीपी): अर्थव्यवस्था में सभी निवासी उत्पादकों द्वारा कुल वर्धित मूल्य और उत्पादों पर शुक्ल, जिनमें उत्पादों पर मिले अनुदानों कोष शामिल नहीं किया गया है और क्रय शक्ति समता (पीपीपी) का इस्तेमाल करते हुए 2011 अंतरराष्ट्रीय डॉलर में व्यक्त है।

प्रति व्यक्ति जीडीपी: विशेष अवधि में जीडीपी को उसी अवधि की कुल जनसंख्या से भाग देने पर निकला मान।

सकल अचल पूँजी निर्माण: व्यवसाय क्षेत्र, सरकारों और परिवारों द्वारा अधिवाहित नई और मौजूदा अचल परिसंपत्तियों के अधिग्रहण मूल्य (उनके अनियमित उद्यम शमिल नहीं) सेनिस्तारित की गई अचल परिसंपत्तियों का अंतर। अचल परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास के लिए कोई समायोजन नहीं किया गया है।

अंतिम शासकीय उपभोग व्यय: वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के लिए सभी सरकारी वर्तमान व्यय जीडीपी के प्रतिशत में व्यक्त (कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति और राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा पर हुआ अधिकांश व्यय शामिल, लेकिन सरकार का वह सैन्य व्यय शामिल नहीं जो सरकारी पूँजी सृजन का हिस्सा है।)

कुल कर राजस्व: सार्वजनिक उद्धेश्य के लिए केंद्र सरकार को अनिवार्य अंतरण, जो जीडीपी के प्रतिशत के रुप में व्यक्त।

आय, मुनाफे और पूंजी लाभ पर कर: वास्तविक या संभावितशु) आय, निगमों और उद्यमों के मुनाफे और पूंजी लाभ (भले ही साधित हो या नहीं हो) भूमि, प्रतिभूतियों और अन्य परिसंपत्तियों पर लगाया गया कर।

अनुसंधान और विकास पर व्यय: नए अनुप्रयोगों के लिए योजनाब) तरीके से ज्ञान और ज्ञान का उपयोग बढ़ाने के लिए वर्तमान और पूंजीगत व्यय (सार्वजनिक और निजी दोनों), जिसे जीडीपी के प्रतिशत में व्यक्तकिया गया है। इसके दायरे में मूल अनुसंधान, प्रायोगिक अनुसंधान और प्रयोगात्मक विकास शामिल हैं।

वित्तीय क्षेत्र द्वारा उपलब्ध कराया गया घरेलू ऋण: सकल आधर पर विभिन्न क्षेत्रें (केंद्र सरकार को दिए गए ऋण के ऋण को दिया गया ऋण, जो जीडीपी के प्रतिशत में व्यक्त।

विदेशी ऋण भंडार: विदेशीमुद्रा, वस्तुएं या सेवा के रूप में भुगतान किए जाने वाला परिवासियोंका शेष ऋण जो सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) के प्रतिशत के रुप में व्यक्त।

कुल ऋण सेवा: दीर्घावधि ऋणों पर विदेशी मुद्रा, वस्तुओं या सेवाओं के रुप में मूलधानपुन भुगतान और वास्तविक चुकाए गए ब्याज का योग, लघु-अवधि ऋण पर ब्याज भुगतान, तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष को पुनर्भुगतान (पुनर्खरीद और शुल्क) सकलराष्ट्रीय आय (जीएनआई) के प्रतिशत के रुप में व्यक्त।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक: एक सूचकांक जो आम उपभोक्ता द्वारा खरीदे गए सामानों एवं सेवाओं के मूल्य में परिवर्तन को प्रतिबिंबित करता है, जो नियत हो सकता है या विशेष समयांतराल के लिए जैसे वार्षिक।

घरेलू खाद्य मूल्य स्तर सूचकांक: खाद्य क्रय शक्ति समता दर को सामान्य पीपीपी दर से भाग देने पर प्राप्त मान। सूचकांक देश की कुल सामान्य खपत के मूल्य के सापेक्ष खाद्य मूल्यों को प्रदर्शित करता है।

घरेलू खाद्य मूल्य स्तर परिवर्तन शीलता सूचकांक: घरेलू खाद्य स्तर सूचकांक में आने वाले परिवर्तन का पैमाना, जिसकी पिछले पांच वर्षों के अंतराल की प्रवृत्ति से विचलनों के आधर पर सामान्य विचलन की गणना।

आंकड़ों के मुख्य स्रोत

कॉलम 1–12: विश्व बैंक (2015)।
कॉलम 13 और 14: एफएओ (2015)।

सारणी 12 पर्यावरणीय संवहनीयता

		प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति		विद्युतीकरण दर				प्राकृतिक संसाधन				पर्यावरणीय खतरों का प्रभाव				
		जीवाश्म ईंधन	अक्षय ऊर्जा	कुल	ग्रामीण	प्रति व्यक्ति कॉर्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन		प्राकृतिक संसाधनों की कमी	वन क्षेत्र		मीठे पानी की निकासी	5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मौत का कारण (प्रति 100,000 बच्चे 5 वर्ष से कम उम्र के)			पड़ती भूमि पर रहने वाली आबादी	प्राकृतिक आपदाएं
		(कुल का %)		(जनसंख्या का %)	(ग्रामीण आबादी का %)	(टन)	औसत वार्षिक वृद्धि (% में)	(जीएनआई का %)	(कुल भूमि क्षेत्रफल का %)	(% बदलाव)	(कुल अक्षय पानी के स्रोत का %)	वाह्य वायु प्रदूषण	आंतरिक वायु प्रदूषण	गंदा पानी, साफ-सफाई या स्वच्छता	(% में)	प्रभावित जनसंख्या (प्रति मिलियन वार्षिक का औसत)
एचडीआई श्रेणी		2012[a]	2012[a]	2012	2012	2011	1970/2011	2008–2013[b]	2012	1990/2012	2005–2014[b]	2008	2004	2004	2010	2005/2012
अति उच्च मानव विकास																
1	नॉर्वे	57.3	47.8	100.0	100.0	9.2	0.8	9.0	28.0	11.9	0.8	0	0	0	0.2	12
2	आस्ट्रेलिया	95.4	4.6	100.0	100.0	16.5	1.1	3.8	19.2	–4.6	3.9	0	0	0	9.0	1,337
3	स्विटज़रलैण्ड	51.1	49.7[c]	100.0	100.0	4.6	–1.1	0.0	31.6	8.6	..	0	0	0	0.5	73
4	डेनमार्क	70.6	26.8	100.0	100.0	7.2	–1.8	1.5	12.9	23.0	10.8	0	0	1	8.5	0
5	नीदरलैण्ड	91.4	6.7[c]	100.0	100.0	10.1	–0.3	0.9	10.8	5.9	11.7	0	0	0	5.4	0[d]
6	जर्मनी	80.2	20.4[c]	100.0	100.0	8.9	..	0.1	31.8	3.3	21.0	0	0	0	8.1	10
6	आयरलैण्ड	84.7	6.4	100.0	100.0	7.9	0.6	0.1	11.0	62.7	..	0	0	..	0.5	14
8	अमेरिका	83.6	16.3[c]	100.0	100.0	17.0	–0.7	1.0	33.3	3.0	15.5	0	0	0	1.1	5,074
9	कनाडा	73.7	27.9[c]	100.0	100.0	14.1	–0.4	2.4	34.1	0.0	..	0	0	0	2.7	364
9	न्यूज़ीलैण्ड	61.4	38.4	100.0	100.0	7.1	1.1	1.6	31.3	6.9	..	0	0	..	5.3	14,226
11	सिंगापुर	97.2	2.8	100.0	99.0	4.3	–2.3	..	3.3	–4.3	..	0	0	0	..	0
12	हांगकांग, चीन (एस.ए.आर.)	94.8	0.4	100.0	100.0	5.7	3.2	..	..	..	..	..	..	..	..	221
13	लिक्टेन्सटाइन	..	..	100.0	100.0	1.4	..	..	43.1	6.2	..	..	..	..	..	..
14	स्वीडन	31.7	70.5[c]	100.0	100.0	5.5	–2.3	0.3	69.2	4.1	1.5	0	0	0	0.3	0
14	ब्रिटेन	85.1	14.4[c]	100.0	100.0	7.1	–1.6	0.9	12.0	10.9	8.8	0	0	..	2.7	665
16	आइसलैण्ड	15.3	84.7	100.0	100.0	5.9	–0.5	0.0	0.3	264.4	0.1	0	0	0	..	0
17	कोरिया गणराज्य	82.8	17.2[c]	100.0	100.0	11.8	6.5	0.0	63.8	–3.4	..	0	0	..	2.9	206
18	इस्राइल	96.7	4.8	100.0	100.0	9.0	1.5	0.2	7.1	16.4	..	0	0	..	12.9	27,775
19	लक्ज़मबर्ग	87.4	4.0	100.0	100.0	20.9	–2.1	0.0	33.5	..	..	0	0	2	..	0
20	जापान	94.8	5.2[c]	100.0	100.0	9.3	0.8	0.0	68.6	0.2	..	0	0	0	0.3	921
21	बेल्जियम	70.1	28.3[c]	100.0	100.0	8.8	–1.2	0.0	22.5	..	34.0	0	0	0	10.5	9
22	फ्रांस	49.1	52.4[c]	100.0	100.0	5.2	–1.6	0.0	29.3	10.4	14.8	0	0	..	3.9	819
23	ऑस्ट्रिया	67.1	32.2	100.0	100.0	7.8	0.4	0.2	47.3	3.3	..	0	0	0	2.7	19
24	फ़िनलैण्ड	43.0	47.5[c]	100.0	100.0	10.2	0.5	0.2	72.9	1.5	1.5	0	0	0	0.0	7
25	स्लोवेनिया	66.6	34.5[c]	100.0	100.0	7.5	..	0.3	62.4	5.8	3.0	0	0	..	8.4	3,114
26	स्पेन	75.9	24.9[c]	100.0	100.0	5.8	1.7	0.0	37.1	34.2	28.6	0	0	0	1.4	51
27	इटली	83.7	13.9	100.0	100.0	6.7	0.6	0.1	31.6	22.6	..	0	0	..	2.2	153
28	चेक गणराज्य	76.9	26.5[c]	100.0	100.0	10.4	..	0.2	34.5	1.3	12.9	0	0	1	4.2	12,572
29	ग्रीस	90.6	8.8	100.0	100.0	7.6	3.3	0.1	30.7	20.1	13.8	0	0	..	1.1	827
30	एस्टोनिआ	88.1	14.6	100.0	100.0	14.0	..	1.1	51.8	5.1	14.0	0	0	0	5.0	8
31	ब्रूनेई दारस्सलाम	100.0	0.0	76.2	67.1	24.0	–3.1	29.8	71.4	–8.9	..	0	0	..	..	0
32	साइप्रस	94.9	5.1	100.0	100.0	6.7	2.9	0.0	18.8	7.6	17.6	0	0	13	11.4	0
32	कतर	100.0	0.0	97.7	92.9	43.9	–1.5	17.4	0.0	—	374.1	1	0	6	0.1	..
34	अंडोरा	..	..	100.0	100.0	6.3	..	..	34.0	0.0	..	0	0	0	..	..
35	स्लोवाकिया	67.5	32.3[c]	100.0	100.0	6.4	..	0.5	40.2	0.6	1.4	0	0	0	9.1	19
36	पोलैण्ड	90.7	9.6	100.0	100.0	8.3	–0.4	1.0	30.7	5.8	19.4	0	0	..	13.2	279
37	लिथुआनिया	74.0	14.5	100.0	100.0	4.5	..	0.4	34.7	11.9	9.5	0	0	..	4.8	0
37	माल्टा	94.5	5.5	100.0	100.0	6.0	3.3	..	0.9	0.0	..	0	0	..	..	..
39	सऊदी अरब	100.0	0.0	97.7	92.9	18.7	2.9	20.6	0.5	0.0	943.3	2	0	..	4.3	41
40	अर्जेंटीना	89.7	9.3[c]	99.8	95.8	4.7	1.0	3.1	10.6	–16.9	4.3	0	0	3	1.7	1,667
41	संयुक्त अरब अमीरात	..	0.1	97.7	92.9	20.0	–3.8	11.7	3.8	30.4	1,867.0	1	0	10	1.9	..
42	चिली	75.6	24.2	99.6	97.8	4.6	1.9	8.3	21.9	6.8	3.8	0	0	1	1.1	24,051
43	पुर्तगाल	74.9	22.0	100.0	100.0	4.7	3.2	0.1	37.8	4.0	..	0	0	..	2.3	48
44	हंगरी	71.1	26.0[c]	100.0	100.0	4.9	–1.1	0.4	22.6	12.9	5.4	0	0	0	17.1	1,055
45	बहरीन	99.9	0.0	97.7	92.9	18.1	1.3	9.7	0.7	154.2	..	0	0	..	..	..
46	लात्विया	63.7	33.8	100.0	100.0	3.8	..	1.0	54.3	6.4	..	0	0	0	1.8	0
47	क्रोएशिया	81.6	10.6	100.0	100.0	4.8	..	1.6	34.4	4.1	0.6	0	0	0	17.5	277
48	कुवैत	100.0	0.0	97.7	92.9	29.1	–0.4	25.1	0.4	86.6	..	1	0	..	0.6	0
49	मॉन्टीनेग्रो	60.2	28.4	100.0	100.0	4.1	..	..	40.4	0.0	..	..	..	..	8.0	2,000
उच्च मानव विकास																
50	बेलारुस	90.4	5.9	100.0	100.0	6.7	..	1.5	42.9	11.9	..	0	0	1	4.7	472
50	रुसी गणराज्य	91.0	9.2[c]	100.0	100.0	12.6	..	11.8	49.4	0.1	..	0	0	5	3.1	161
52	ओमान	100.0	0.0	97.7	92.9	21.4	14.5	25.7	0.0	0.0	..	1	0	..	5.8	682
52	रोमानिया	77.7	22.8[c]	100.0	100.0	4.2	–1.1	1.5	28.9	4.0	3.3	1	6	..	13.5	562
52	उरूग्वे	57.0	42.1	99.5	95.1	2.3	0.4	1.6	10.5	99.3	..	0	0	3	5.7	3,682
55	बहामास	..	..	100.0	100.0	5.2	–3.4	0.0	51.4	0.0	..	0	0	2	..	6,305
56	कज़ाकिस्तान	98.9	1.0	100.0	100.0	15.8	..	17.2	1.2	–3.6	18.4	5	3	249	23.5	634
57	बारबाडोस	..	..	90.9	79.8	5.6	3.7	0.8	19.4	0.0	87.5	0	0	0	..	894
58	एंटिगुआ और बरबूडा	..	..	90.9	79.8	5.8	–0.6	..	22.3	–4.9	8.5	0	1	0	..	35,508

		प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति		विद्युतीकरण दर				प्राकृतिक संसाधन				पर्यावरणीय खतरों का प्रभाव				
		जीवाश्म ईंधन	अक्षय ऊर्जा	कुल	ग्रामीण	प्रति व्यक्ति कॉर्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन		प्राकृतिक संसाधनों की कमी	वन क्षेत्र		मीठे पानी की निकासी	5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मौत का कारण (प्रति 100,000 बच्चे 5 वर्ष से कम उम्र के)			पड़ती भूमि पर रहने वाली आबादी	प्राकृतिक आपदाएं
		(कुल का %)		(जनसंख्या का %)	(ग्रामीण आबादी का %)	(टन)	औसत वार्षिक वृद्धि (% में)	(जीएनआई का %)	(कुल भूमि क्षेत्रफल का %)	(% बदलाव)	(कुल अक्षय पानी के स्रोत का %)	वाह्य वायु प्रदूषण	आंतरिक वायु प्रदूषण	गंदा पानी, साफ-सफाई या स्वच्छता	(% में)	प्रभावित जनसंख्या (प्रति मिलियन वार्षिक का औसत)
एचडीआई श्रेणी		2012[a]	2012[a]	2012	2012	2011	1970/2011	2008–2013[b]	2012	1990/2012	2005–2014[b]	2008	2004	2004	2010	2005/2012
59	बुल्गेरिया	75.0	29.4[c]	100.0	100.0	6.7	–0.2	0.9	37.2	23.7	28.7	1	2	2	7.8	808
60	पलाउ	..	..	59.3	45.5	10.9	–0.3	..	87.6	..	..	0	0	40	..	0
60	पनामा	79.7	20.2	90.9	79.8	2.6	1.9	0.2	43.4	–14.9	0.7	0	16	55	4.1	2,457
62	मलेशिया	94.5	5.5	100.0	100.0	7.8	5.9	8.1	61.7	–9.4	1.9	0	0	33	1.2	10,160
63	मॉरिशिस	..	..	100.0	100.0	3.1	5.4	0.0	17.3	–9.7	..	0	0	7	..	214
64	सेशेल्स	..	..	100.0	17.3	6.8	8.5	0.1	88.5	0.0	..	0	0	..	..	14,228
64	ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	99.9	0.1	99.8	99.0	37.2	4.5	29.3	43.9	–6.5	8.8	0	1	5	..	0
66	सर्बिया	89.1	11.1	100.0	100.0	6.8	..	..	32.1	21.4	2.5	..	..	..	18.5	18,081
67	क्यूबा	86.7	13.3	100.0	95.4	3.2	1.3	3.6	27.6	44.1	18.3	0	1	1	17.0	30,624
67	लेबनान	95.5	3.3	100.0	100.0	4.7	3.3	0.0	13.4	4.6	24.3	1	0	40	1.2	0[d]
69	कोस्टा रिका	48.3	51.8	99.5	98.7	1.7	2.9	0.8	51.9	3.4	2.1	0	2	4	1.3	9,470
69	ईरान इस्लामिक गणराज्य	99.5	0.7[c]	100.0	97.3	7.8	2.9	17.6	6.8	0.0	..	6	3	..	25.1	1,467
71	वेनेज़ुएला बोलिवेरियाई गणराज्य	88.9	11.2	100.0	100.0	6.4	–0.3	10.0	51.8	–12.2	1.7	0	1	30	1.9	545
72	तुर्की	89.5	10.3	100.0	100.0	4.4	4.2	0.3	15.0	19.5	..	2	11	85	5.5	217
73	श्रीलंका	48.7	51.3	88.7	86.0	0.7	3.1	0.4	29.2	–22.1	24.5	0	8	42	21.1	46,648
74	मैक्सिको	90.1	9.9[c]	99.1	97.2	3.9	1.9	6.4	33.2	–8.3	17.2	1	8	23	3.8	9,882
75	ब्राज़ील	54.6	44.2[c]	99.5	97.0	2.2	2.7	3.8	61.6	–10.4	0.9	0	18	123	7.9	4,506
76	जॉर्जिया	72.8	28.3	100.0	100.0	1.8	..	0.7	39.4	–1.5	2.9	2	70	169	1.9	3,301
77	सेंट किट्स एवं नेविस	..	..	90.9	79.8	5.1	7.3	..	42.3	0.0	51.3	0	0	28	..	0
78	अज़रबेजान	97.9	2.6	100.0	100.0	3.6	..	26.0	11.3	0.7	34.5	2	132	269	3.8	1,079
79	ग्रेनाडा	..	..	90.9	79.8	2.4	5.4	..	50.0	0.0	7.1	0	12	5	..	1,578
80	जॉर्डन	96.0	2.0	99.5	99.4	3.6	4.1	0.9	1.1	–0.6	92.4	3	0	59	22.0	0
81	मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	82.1	10.4	100.0	100.0	4.4	..	2.7	39.9	11.4	16.1	0	1	..	7.1	48,256
81	यूक्रेन	79.6	20.7[c]	100.0	100.0	6.3	..	4.6	16.8	5.2	13.8	0	0	3	6.2	944
83	अल्जीरिया	99.9	0.1	100.0	100.0	3.2	3.8	18.0	0.6	–11.6	..	1	5	101	28.8	343
84	पेरू	76.0	24.0	91.2	72.9	1.8	0.9	5.7	52.9	–3.5	0.7	2	21	69	0.7	13,408
85	अल्बानिया	60.5	26.6	100.0	100.0	1.6	–0.3	3.5	28.2	–1.9	4.3	0	5	50	5.7	20,568
85	अर्मेनिआ	71.5	32.7[c]	100.0	100.0	1.7	..	2.2	8.9	–26.9	37.9	2	17	65	9.6	2,549
85	बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	93.9	7.9	100.0	100.0	6.2	..	..	42.8	–1.1	0.9	1	1	2	6.1	27,578
88	इक्वाडोर	86.3	12.9	97.2	92.3	2.3	3.9	8.6	38.1	–23.6	2.2	1	2	63	1.6	6,002
89	सेंट लूसिआ	..	..	90.9	79.8	2.3	4.2	0.1	77.0	7.3	14.3	0	3	2	..	115,690
90	चीन	88.3	11.7[c]	100.0	100.0	6.7	6.5	4.2	22.6	35.2	19.5	2	10	55	8.6	73,314
90	फ़िजी	..	..	59.3	45.5	1.4	1.1	1.7	55.9	7.1	..	1	18	11	..	9,681
90	मंगोलिया	95.4	4.1	89.8	69.9	6.9	3.7	19.8	6.9	–14.4	1.6	19	78	195	31.5	29,190
93	थाइलैण्ड	80.4	18.9	100.0	99.8	4.6	8.0	4.7	37.2	–2.8	13.1	0	21	59	17.0	70,701
94	डोमिनिका	..	..	92.7	79.8	1.7	5.2	0.1	58.8	–11.8	10.0	0	1	0	..	10,905
94	लीबिया	98.7	1.3	100.0	100.0	6.4	–2.8	23.5	0.1	0.0	..	3	2	..	8.5	34
96	ट्यूनीशिया	85.3	14.8	100.0	100.0	2.4	3.9	4.6	6.7	61.6	69.7	1	3	64	36.7	62
97	कोलम्बिया	75.6	24.8	97.0	87.9	1.5	0.5	9.2	54.3	–3.6	0.5	1	6	33	2.0	18,001
97	सेंट विन्सेन्ट एवं ग्रेनाडाइन	..	..	75.9	31.8	2.2	6.3	0.1	68.9	6.2	7.9	0	2	..	..	22,280
99	जमैका	82.1	17.9	92.6	86.7	2.9	0.2	0.8	31.0	–2.4	7.5	1	15	47	3.3	13,248
100	टोंगो	..	..	95.9	82.8	1.0	3.9	0.1	12.5	0.0	..	0	16	55	..	4,364
101	बेलीज़	..	..	100.0	100.0	1.7	1.8	5.9	60.2	–13.4	..	0	21	27	1.1	22,279
101	डोमीनिकन गणराज्य	89.3	10.7	98.0	96.7	2.2	3.8	0.2	40.8	0.0	30.4	2	12	73	7.0	4,057
103	सूरीनाम	..	..	100.0	100.0	3.6	–0.6	20.5	94.6	–0.2	0.6	0	0	43	..	6,040
104	मालदीव	..	..	100.0	100.0	3.3	..	0.0	3.0	0.0	15.7	1	41	167	..	908
105	समोआ	..	..	100.0	92.8	1.3	6.0	0.8	60.4	31.5	..	0	26	63	..	9,854
मध्यम मानव विकास																
106	बोत्स्वाना	65.4	22.3	53.2	23.9	2.4	..	1.6	19.6	–19.0	..	4	210	341	22.0	1,610
107	मॉल्डोवा गणराज्य	94.9	3.4	100.0	100.0	1.4	..	0.2	12.0	23.9	9.1	1	13	15	21.8	6,840
108	मिस्र	96.5	3.7	100.0	100.0	2.8	5.1	8.1	0.1	61.8	..	2	2	86	25.3	5
109	तुर्कमेनिस्तान	..	0.0	100.0	100.0	12.2	..	37.0	8.8	0.0	..	2	2	449	11.1	0
110	गैबन	38.9	61.1	89.3	44.9	1.4	–2.9	29.1	85.4	0.0	0.1	9	33	102	..	6,531
110	इण्डोनेशिया	66.4	33.6	96.0	92.9	2.3	6.7	4.8	51.4	–21.5	..	2	41	130	3.1	4,292
112	पराग्वे	33.8	145.2	98.2	96.3	0.8	3.2	4.6	43.4	–18.6	0.6	1	21	56	1.3	39,146
113	फिलिस्तीन राज्य	..	..	97.7	92.9	0.6	..	..	1.5	1.0	48.8	..	..	..	..	1,624
114	उज़्बेकिस्तान	98.2	1.8	100.0	100.0	3.9	..	13.8	7.7	7.3	100.6	1	192	325	27.0	6
115	फ़िलीपीन्स	59.7	40.3	87.5	81.5	0.9	0.7	2.2	26.1	18.3	17.0	1	37	96	2.2	105,941
116	अल सल्वाडोर	47.9	51.9	93.7	85.7	1.1	3.4	1.7	13.4	–26.2	8.1	1	24	82	6.3	9,378
116	दक्षिण अफ़्रीका	87.2	12.9[c]	85.4	66.9	9.3	1.0	4.8	7.6	0.0	..	2	23	104	17.5	860

सारणी **12**

	प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति		विद्युतीकरण दर		प्रति व्यक्ति कॉर्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन		प्राकृतिक संसाधन				पर्यावरणीय खतरों का प्रभाव				
											5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मौत का कारण				
	जीवाश्म ईंधन	अक्षय ऊर्जा	कुल	ग्रामीण			प्राकृतिक संसाधनों की कमी	वन क्षेत्र		मीठे पानी की निकासी				पड़ती भूमि पर रहने वाली आबादी	प्राकृतिक आपदाएं
	(कुल का %)		(जनसंख्या का %)	(ग्रामीण आबादी का %)	(टन)	औसत वार्षिक वृद्धि (% में)	(जीएनआई का %)	(कुल भूमि क्षेत्रफल का %)	(% बदलाव)	(कुल अक्षय पानी के स्रोत का %)	(प्रति 100,000 बच्चे 5 वर्ष से कम उम्र के)			(% में)	प्रभावित जनसंख्या (प्रति मिलियन वार्षिक का औसत)
एचडीआई श्रेणी	2012[a]	2012[a]	2012	2012	2011	1970/2011	2008–2013[b]	2012	1990/2012	2005–2014[b]	वाह्य वायु प्रदूषण 2008	आंतरिक वायु प्रदूषण 2004	गंदा पानी, साफ-सफाई या स्वच्छता 2004	2010	2005/2012
116 वियतनाम	71.0	28.2	99.0	97.7	2.0	3.6	6.7	45.4	57.9	9.3	1	27	65	8.0	20,060
119 बोलिविया (प्लूरीनेशनल राज्य)	72.7	27.3	90.5	72.5	1.6	3.2	13.0	52.2	–9.9	0.4	0	93	245	2.0	25,572
120 किर्गिस्तान	68.4	39.4	100.0	100.0	1.2	..	7.9	5.1	18.1	32.6	1	115	245	9.7	38,560
121 इराक	97.5	1.0	100.0	96.9	4.2	1.8	19.5	1.9	3.3	..	12	12	383	4.5	231
122 केप वर्दे	..	..	70.6	46.8	0.9	6.2	0.5	21.3	48.3	..	0	26	93	..	4,351
123 माइक्रोनेशिया (संघीय राज्य)	..	..	59.3	45.5	1.2	..	0.1	91.7	..	..	0	30	83	..	0
124 गयाना	..	..	79.5	75.1	2.3	0.1	8.8	77.2	0.0	0.5	0	38	132	..	52,340
125 निकारगुआ	49.8	50.3	77.9	42.7	0.8	1.1	4.7	24.7	–34.1	0.9	1	49	102	13.9	10,726
126 मोरक्को	93.6	4.1	100.0	100.0	1.8	4.4	1.5	11.5	2.0	35.7	6	8	114	39.1	737
126 नामीबिया	66.0	21.0	47.3	17.4	1.3	..	1.0	8.7	–18.5	..	1	11	21	28.5	63,965
128 ग्वाटेमाला	33.5	66.2	78.5	72.1	0.8	1.9	3.6	33.1	–25.3	2.6	2	57	126	9.1	50,204
129 ताजिकिस्तान	42.9	57.5	100.0	100.0	0.4	..	1.3	2.9	0.5	51.1	1	343	551	10.5	38,572
130 भारत	72.3	27.6[c]	78.7	69.7	1.7	5.2	3.6	23.1	7.5	33.9	5	131	316	9.6	11,986
131 होण्डुरास	51.6	48.8	82.2	65.8	1.1	2.4	2.8	44.3	–39.1	..	1	49	106	15.0	23,856
132 भूटान	..	..	75.6	52.8	0.8	14.2	16.6	85.8	32.1	0.4	0	124	324	0.1	2,821
133 टिमोर लेस्ट	..	..	41.6	26.8	0.2	..	..	48.4	–25.5	..	0	0	149	..	951
134 सीरियाई अरब गणराज्य	98.7	1.4	96.3	81.1	2.6	3.0	..	2.7	35.3	84.2	2	12	54	33.3	6,280
134 वनुआतु	..	..	27.1	17.8	0.6	0.7	0.0	36.1	0.0	..	0	9	41	..	28,826
136 कांगो	48.9	51.0	41.6	11.7	0.5	0.7	54.4	65.6	–1.5	..	19	149	220	0.1	1,463
137 किरिबाटी	..	..	59.3	45.5	0.6	0.7	0.1	15.0	0.0	..	0	0	206	..	314
138 इक्वेटोरियल गिनी	..	..	66.0	43.0	9.3	14.9	67.6	57.1	–13.8	..	10	0	505	..	0
139 ज़ाम्बिया	8.8	91.8	22.1	5.8	0.2	–4.4	10.5	66.1	–6.9	..	12	378	503	4.6	26,183
140 घाना	37.4	63.1	64.1	41.0	0.4	0.9	12.6	20.7	–36.8	..	3	152	226	1.4	3,055
141 लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	..	..	70.0	54.8	0.2	–0.5	8.3	67.6	–9.9	1.1	1	157	242	4.1	22,280
142 बांग्लादेश	71.5	28.5	59.6	49.3	0.4	..	2.8	11.0	–3.8	2.9	2	142	334	11.3	28,112
143 कम्बोडिया	26.2	71.1	31.1	18.8	0.3	2.0	2.5	55.7	–24.0	0.5	3	346	595	39.3	28,828
143 साओ टोम एवं प्रिन्साइप	..	..	60.5	47.0	0.6	3.4	2.3	28.1	0.0	..	9	225	428	..	0
निम्न मानव विकास															
145 केन्या	19.7	80.3	23.0	6.7	0.3	0.5	3.3	6.1	–7.1	..	4	217	362	31.0	46,271
145 नेपाल	12.5	86.9	76.3	71.6	0.2	7.0	4.2	25.4	–24.7	4.5	1	139	337	2.3	8,366
147 पाकिस्तान	60.9	39.1[c]	93.6	90.5	0.9	2.7	3.1	2.1	–36.6	74.4	22	132	205	4.5	29,014
148 म्याँमार	21.3	78.7	52.4	31.2	0.2	0.5	..	47.7	–20.5	..	3	181	378	19.2	6,406
149 अंगोला	39.3	60.7	37.0	6.0	1.5	2.9	31.0	46.7	–4.5	0.5	11	1,073	1,266	3.3	13,473
150 स्वाज़ीलैण्ड	..	..	42.0	24.5	0.9	0.2	1.8	33.2	21.1	..	2	148	252	..	35,652
151 तंज़ानिया गणराज्य	10.7	89.3	15.3	3.6	0.2	0.6	3.2	36.8	–21.4	..	4	239	322	25.0	11,026
152 नाईजीरिया	17.4	82.6	55.6	34.4	0.5	1.1	8.1	9.0	–52.3	4.6	14	370	559	11.5	5,667
153 कैमरून	26.8	73.2	53.7	18.5	0.3	3.4	5.1	41.2	–19.9	..	14	361	497	15.3	607
154 मैडागास्कर	..	..	15.4	8.1	0.1	–0.9	3.7	21.4	–9.2	..	2	390	540	0.0	22,638
155 ज़िम्बाब्वे	28.3	70.3	40.5	16.1	0.7	–2.4	5.6	38.7	–32.5	..	5	168	256	29.4	46,023
156 मॉरिटानिया	..	..	21.8	4.4	0.6	1.7	32.6	0.2	–44.1	11.8	16	220	390	23.8	45,968
156 सॉलोमन द्वीपसमूह	..	..	22.8	12.6	0.4	1.2	31.3	78.7	–5.3	..	0	54	84	..	19,098
158 पापुआ न्यू गिनी	..	..	18.1	10.4	0.7	3.2	18.7	62.8	–9.8	0.1	1	108	288	..	7,920
159 कोमोरॉस	..	..	69.3	61.4	0.2	1.9	3.5	1.2	–81.7	..	2	108	177	..	55,515
160 यमन	98.5	1.5	48.4	33.5	1.0	2.8	7.5	1.0	0.0	168.6	5	174	377	32.4	360
161 लेसोथो	..	..	20.6	10.2	1.1	..	4.5	1.5	11.0	..	2	19	44	63.6	60,491
162 टोगो	15.2	82.4	31.5	8.9	0.3	3.0	9.2	4.9	–61.0	..	5	302	419	5.1	4,818
163 हैती	22.0	78.0	37.9	15.0	0.2	3.3	1.9	3.6	–14.3	10.3	5	297	428	15.2	53,388
163 रवाण्डा	..	..	18.0	7.7	0.1	4.4	6.1	18.4	43.1	..	2	803	970	10.1	369
163 युगाण्डा	..	..	18.2	8.1	0.1	–1.1	13.2	14.1	–40.8	1.1	2	327	427	23.5	10,376
166 बेनिन	41.7	56.2	38.4	14.5	0.5	5.5	1.9	39.6	–22.6	..	8	394	518	1.6	13,001
167 सूडान	29.5	70.5	32.6	17.8	0.4	0.0	4.8	23.2[e]	–27.9	71.2	11	181	255	39.9	27,986
168 जिबूती	..	..	53.3	13.0	0.6	–1.4	..	0.2	0.0	..	31	41	454	7.5	88,442
169 दक्षिण सूडान	..	..	5.1	3.5	..	..	..	..	..	1.3	..	..	..	..	7,598
170 सेनेगल	53.2	46.4	56.5	26.6	0.6	2.1	1.5	43.6	–10.2	..	14	292	530	16.2	12,059
171 अफ़गानिस्तान	..	..	43.0	32.0	0.4	3.3	1.2	2.1	0.0	..	21	1,183	1,405	11.0	17,311
172 आइवरी कोस्ट	21.5	79.0	55.8	29.0	0.3	–1.1	5.4	32.7	1.8	1.8	9	370	561	1.3	104
173 मलावी	..	..	9.8	2.0	0.1	–0.8	12.5	33.6	–18.6	7.9	3	498	617	19.4	54,758
174 इथियोपिया	5.7	94.3	26.6	7.6	0.1	1.2	14.0	12.0	–21.0	..	2	538	705	72.3	25,871
175 गैम्बिया	..	..	34.5	25.7	0.2	2.7	6.8	47.8	9.4	..	7	197	286	17.9	29,355

	प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति		विद्युतीकरण दर		प्राकृतिक संसाधन					पर्यावरणीय खतरों का प्रभाव				
	जीवाश्म ईंधन	अक्षय ऊर्जा	कुल	ग्रामीण	प्रति व्यक्ति कॉर्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन	प्राकृतिक संसाधनों की कमी	वन क्षेत्र		मीठे पानी की निकासी	5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मौत का कारण (प्रति 100,000 बच्चे 5 वर्ष से कम उम्र के)			पड़ती भूमि पर रहने वाली आबादी	प्राकृतिक आपदाएं
	(कुल का %)		(जनसंख्या का %)	(ग्रामीण आबादी का %)	(टन)	औसत वार्षिक वृद्धि (% में)	(जीएनआई का %)	(कुल भूमि क्षेत्रफल का %)	(% बदलाव)	(कुल अक्षय पानी के स्रोत का %)	वाह्य वायु प्रदूषण	आंतरिक वायु प्रदूषण	गंदा पानी, साफ-सफाई या स्वच्छता	(% में)	प्रभावित जनसंख्या (प्रति मिलियन वार्षिक का औसत)
एचडीआई श्रेणी	2012[a]	2012[a]	2012	2012	2011	1970/2011	2008–2013[b]	2012	1990/2012	2005–2014[b]	2008	2004	2004	2010	2005/2012
176 **कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य**	4.2	95.8	16.4	5.8	0.1	–3.0	31.0	67.7	–4.3	0.1	16	644	786	0.1	471
177 **लाइबेरिया**	..	..	9.8	1.2	0.2	–4.9	36.4	44.3	–13.4	..	6	676	885	..	14,150
178 **गिनी बिसाउ**	..	..	60.6	21.5	0.2	1.3	15.0	71.2	–9.7	..	12	648	873	1.0	8,168
179 **माली**	..	..	25.6	11.9	0.1	2.9	8.1	10.1	–12.4	4.3	9	703	880	59.5	38,351
180 **मोज़ाम्बीक**	9.5	93.3	20.2	5.4	0.1	–2.7	4.0	49.1	–11.0	..	11	270	388	1.9	18,424
181 **सिएरा लिओन**	..	..	14.2	1.2	0.2	–2.6	8.0	37.2	–13.8	0.1	11	1,207	1,473	..	1,028
182 **गिनी**	..	..	26.2	2.9	0.2	0.7	21.6	26.3	–10.9	..	11	324	480	0.8	1,473
183 **बुर्किना फ़ासो**	..	..	13.1	1.4	0.1	5.2	13.9	20.2	–19.2	6.1	9	632	786	73.2	48,243
184 **बुरुण्डी**	..	..	6.5	1.2	0.0	0.6	26.9	6.6	–41.7	..	4	897	1,088	18.5	27,356
185 **चाड**	..	..	6.4	3.1	0.0	0.9	11.0	9.0	–13.3	1.9	14	488	618	45.4	43,132
186 **एरिट्रिया**	21.7	78.3	36.1	12.0	0.1	..	17.3	15.1	–6.0	..	3	237	379	58.8	29,975
187 **मध्य अफ्रीकी गणराज्य**	..	..	10.8	8.2	0.1	–1.8	0.2	36.2	–2.8	0.1	10	411	511	..	2,515
188 **नाइजर**	..	..	14.4	5.2	0.1	1.8	16.1	0.9	–39.4	2.9	6	1,023	1,229	25.0	97,330
अन्य देश अथवा अंचल															
कोरिया (लोकतांत्रिक गणराज्य)	88.4	11.6	29.6	12.8	3.0	..	..	45.0	–34.0	11.2	3	0	245	2.9	22,195
मार्शल द्वीप	..	..	59.3	45.5	2.0	..	..	70.2	..	..	..	45	201	..	14,022
मोनाक्को	..	..	100.0	100.0	..	..	..	0.0[f]	—	..	0	0	2	..	..
नॉरू	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	0	1	..	..	..
सैन मरीनो	..	..	100.0	100.0	..	..	..	0.0	—	..	0	0	..	..	..
सोमालिया	..	..	32.7	17.3	0.1	–0.2	..	10.5	–20.4	..	19	710	885	26.3	120,989
तुवालू	..	..	44.6	31.8	..	..	..	33.3	0.0	..	0	18	148	..	0
मानव विकास समूह															
अति उच्च मानव विकास	81.8	17.9	99.9	99.7	11.1	–1.2	1.9	27.5	1.5	..	0	0	..	3.2	—
उच्च मानव विकास	87.2	12.8	99.6	98.9	6.1	0.3	6.1	35.8	–1.1	4.8	2	10	60	8.9	—
मध्यम मानव विकास	74.5	25.3	81.9	72.8	1.9	0.9	5.3	29.5	–8.9	..	4	106	260	10.2	—
निम्न मानव विकास	..	..	43.6	27.7	0.4	–0.2	7.8	26.2	–14.4	..	10	405	552	20.2	—
विकासशील देश	80.6	19.2	81.2	68.5	3.3	–1.1	6.3	27.2	–7.2	..	5	161	287	11.6	—
क्षेत्र															
अरब राज्य	96.3	3.2	86.9	74.2	4.9	–1.6	15.3	5.9	–22.6	..	6	76	219	24.3	—
पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र	..	..	95.7	92.5	5.3	1.5	4.4	29.7	2.8	..	2	29	93	..	—
यूरोप और मध्य एशिया	88.8	10.5	100.0	100.0	5.5	..	6.2	9.1	8.2	33.5	2	63	169	10.7	—
लैटिन अमेरिका और कैरिबियाइ क्षेत्र	74.2	25.8	96.4	87.0	2.9	0.6	5.5	46.8	–9.6	1.7	1	22	79	5.3	—
दक्षिण एशिया	76.3	23.7	78.9	69.9	1.7	3.1	5.2	14.6	3.4	25.2	7	156	333	10.0	—
सब सहारा अफ्रीका	..	..	35.4	14.9	0.8	–0.1	10.0	28.2	–11.3	..	8	428	578	22.3	—
न्यूनतम विकसित देश	..	..	34.2	20.2	0.3	–0.1	9.6	28.7	–12.4	..	7	440	599	23.5	—
छोटे द्वीप विकासशील राज्य	..	..	70.5	48.0	2.6	0.3	5.6	62.9	–3.8	..	2	121	216	..	—
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन	81.2	18.7	99.9	99.7	9.9	–0.5	1.0	30.5	2.1	..	0	2	14	3.4	—
विश्व	**81.2**	**18.6**	**84.5**	**70.9**	**4.6**	**–0.9**	**4.0**	**30.9**	**–3.7**	**..**	**5**	**144**	**263**	**10.2**	**—**

सारणी **12**

नोट

a आंकड़े 2012 के या उपलब्ध सबसे हाल के वर्ष के।
b आंकड़े निर्दिष्ट अवधि में अद्यतन उपलब्ध सबसे हाल के वर्ष के।
c परमाणु ऊर्जा शामिल।
d 0.5 से कम।
e 2010 के लिए संदर्भित।
f 2011 के लिए संदर्भित।

परिभाषाएं

जीवाश्म ईंधन: समस्त ऊर्जा का वह प्रतिशत जो उन प्राकृतिक संसाधनों से प्राप्त होती है, जो दीर्घकालिक भूगर्भीय अतीत के कारण बने थे (जैसे कोयला, तेल और प्राकृतिक गैस)।

अक्षय ऊर्जा स्रोत: समस्त ऊर्जा आपूर्ति का वह प्रतिशत जो लगातार नवीकृत किये जा सकने वाली प्राकृतिक प्रक्रियाओं से प्राप्त होती है। इन स्रोतों में सौर, पवन, जैव-पदार्थ, जिओ-थर्मल, जल विद्युत और समुद्री संसाधन व कुछ अपशिष्ट शामिल हैं। इसमें परमाणु ऊर्जा शामिल नहीं है।

विद्युतीकरण दर: बिजली का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या कुल आबादी के प्रतिशत के रुप में व्यक्त। इसमें व्यावसायिक तौर पर बेची जाने वाली (ग्रिड और गैर ग्रिड वाली) और स्व-उत्पादित विद्युतशामिल है लेकिन बिजली के अनाधिकृत कनेक्शनों को शामिल नहीं किया गया है।

प्रति व्यक्ति कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन: मानव जनित कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन, जिसमें जीवाश्म ईंधन जलाने, गैस का फैलाव और सीमेंट उत्पादन की प्रक्रिया शामिल है, को वर्ष मध्य की आबादी से विभाजित। इसमें क्षय होते वन क्षेत्र से वन जैव ईंधन के द्वारा उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड शामिल है।

प्राकृतिक संसाधन क्षय: ऊर्जा, खनिजों और वनों के क्षय की मौद्रिक अभिव्यक्ति, सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) के प्रतिशत के रुप में व्यक्त।

वन क्षेत्र: ऐसा भू क्षेत्र जो 0.5 हेक्टेयर से अधिक है और जिसमें पांच मीटर से ऊँचे पेड़ लगे हैं और जिसका छाया क्षेत्र 10 प्रतिशत से अधिक है, या पेड जो इस स्तर तक बिना वाह्यस्तक्षेप के पहुँचने में सक्षम हैं। इसमें मुख्य रुप से कृषि या भू उपयोग के अंतर्गत आने वाली जमीन, कृषि उत्पादन में शामिल पेड़ (उदाहरण के लिए, फल बागवानी और कृषि-वानिकी प्रणाली) और शहरी पार्कों तथा बगीचों के पेड़ शामिल नहीं हैं। पुनर्वनीकरण के तहत ऐसी भूमि जहाँ छाया क्षेत्र 10 प्रतिशत के स्तर तक न पहुँचा हो, लेकिन पहुँचने की उम्मीद हो और पेड़ की ऊँचाई 5 मीटर हो, और अस्थायी असंग्रहीत क्षेत्रें के रुप में शामिल किया गया है, जिसके मानव हस्तक्षेप या प्राकृतिक कारणों से पुनर्जीवित होने की उम्मीद है।

ताज़े पानी की निकासी: एक वर्ष में निकाला गया कुल ताज़ा पानी पुनर्पोषणीय जल संसाधन के प्रतिशत के रुप में व्यक्त।

वाह्य वायु प्रदूषण के कारण 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की होने वाली मौतें: वाह्य वायु प्रदूषण के फलस्वरुप होने वाले श्वसन संक्रमण और बीमारियों, फेफड़ों के कैंसर और अन्य हृदय रोगों के कारण 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की होने वाली मौतें।

आंतरिकवायु प्रदूषण के कारण 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की होने वाली मौतें: ठोस ईंधन से उठने वाले भीतरी धुएं के फलस्वरुप होने घातक श्वसन संक्रमण के कारण 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की होने वाली मौतें।

अपर्याप्त जल, सफाई व्यवस्था या स्वच्छता के कारण 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की होने वाली मौतें: असुरक्षित पानी, असंशोधित सफाई व्यवस्था या अपर्याप्त स्वच्छता के फलस्वरुप होने वाले डायरिया के कारण 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की होने वाली मौतें।

पड़ती भूमि पर रहने वाली आबादी: आबादी का वह प्रतिशत जो काफी खराब हो गयी पड़ती भूमि पर रह रहा है। पड़त भूमि के आकलन में जैव पदार्थों की स्थिति, मिट्टी का स्वास्थ्य, जल की गुणवत्ता और जैव विविधता की तीव्रता को धयान में रखा गया है।

प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित आबादी: प्राकृतिक आपदा से आये आपातकाल, जिसमें विस्थापित, निष्कांत, बेघर और घायल लोग शामिल हैं, के दौरान तुरंत सहायता की अपेक्षा करने वाले लोग प्रति मिलियन लोगों में व्यक्त।

आंकड़ों के मुख्य स्रोत

कॉलम 1, **3–5, 7 और 8:** विश्व बैंक (2015)।
कॉलम 2: एचडीआरओ की गणनाएं विश्व बैंक (2015) की कुल प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति के आंकड़ों पर आधारित।
कॉलम 6: एचडीआरओ की गणनाएं विश्व बैंक (2015) के प्रति व्यक्ति कार्बन डाईआक्साइड उत्सर्जन से जुड़े आंकड़ों पर आधारित।
कॉलम 9: एचडीआरओ की गणनाएं विश्व बैंक (2015) के कुल वन और भूमि क्षेत्र से जुड़े आंकड़ों पर आधारित।
कॉलम 10: एफएओ (2015)।
कॉलम 11–13: डब्ल्यूएचओ (2015)।
कॉलम 14: एफएओ (2011)।
कॉलम 15: सीआरईडी ईएम-डीएटी (2015) और यूएनडीएसए एफएओ (2013)।

सारणी

13 कार्य और रोजगार

		रोजगार								बेरोजगारी				श्रम उत्पादकता	
		रोज़गार व आबादी का अनुपात[a]	श्रम बल भागीदारी दर[a]	कृषि में रोजगार		सेवा क्षेत्र में रोजगार		उच्च शिक्षा वाली श्रम बल	असुरक्षित रोजगार	कुल	दीर्घ अवधि	युवा	युवा जो स्कूल या रोजगार में नहीं	प्रति श्रमिक उत्पादन	प्रति सप्ताह कार्य घंटे
		(% उम्र 15 और अधिक)		(% कुल रोजगार का)				(%)	(% कुल रोजगार का)	(% श्रम बल का)		(% उम्र 15–24)		(2005 पीपीपी डॉलर)	(प्रति रोजगारी व्यक्ति)
एचडीआई श्रेणी		2013	2013	1990[b]	2012[c]	1990[b]	2012[c]	2007–2012[d]	2008–2013[d]	2008–2013[d]	2008–2013[d]	2008–2014[d]	2008–2013[d]	2005–2012[d]	2003–2012[d]
अति उच्च मानव विकास															
1	नॉर्वे	62.6	64.9	6.4	2.2	69.2	77.4	41.9	5.1	3.5	0.7	9.2	5.6	92,694	27.3
2	आस्ट्रेलिया	61.5	65.2	5.6	3.3	69.3	75.5	37.3	9.0	5.2	1.1	12.2	4.7	69,987	33.2
3	स्विटज़रलैण्ड	65.2	68.2	4.2	3.5	63.6	72.5	38.8	9.1	4.4	1.3	8.5	7.1	70,738	31.5
4	डेनमार्क	58.1	62.5	5.5	2.6	66.6	77.5	36.6	5.6	7.0	1.8	12.6	6.0	67,033	29.7
5	नीदरलैण्ड	60.1	64.4	4.5	2.5	68.6	71.5	36.1	12.3	6.7	2.4	11.0	5.1	72,312	26.6
6	जर्मनी	56.7	59.9	..	1.5	..	70.2	30.8	6.5	5.3	2.3	7.9	6.3	70,030	26.9
6	आयरलैण्ड	52.6	60.5	12.7	4.7	59.6	76.9	43.7	12.7	13.0	7.8	26.8	16.1	91,507	29.4
8	अमेरिका	57.8	62.5	2.9	1.6	70.7	81.2	61.9	..	8.1	1.9	13.4	16.5	91,710	34.4
9	कनाडा	61.5	66.2	4.1	2.4	71.9	76.5	50.8	..	7.2	0.9	13.5	13.4	69,930	32.9
9	न्यूज़ीलैण्ड	63.6	67.8	10.6	6.6	64.5	72.5	38.6	12.1	6.9	0.7	15.8	11.9	50,713	33.4
11	सिंगापुर	65.9	67.8	..	1.1	63.4	77.1	..	8.7	2.8	0.6	7.0	..	96,573	..
12	हांगकांग, चीन (एस.ए.आर.)	57.0	58.9	0.9	0.2	62.4	87.7	25.3	6.9	3.4	..	9.4	6.6	88,809	44.0
13	लिक्टेन्सटाइन	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
14	स्वीडन	58.9	64.1	3.4	2.0	67.2	77.9	37.6	6.8	8.0	1.4	23.6	7.4	71,577	31.2
14	ब्रिटेन	57.4	62.1	2.1	1.2	64.9	78.9	41.2	12.1	7.7	2.7	20.9	13.3	69,955	31.8
16	आइसलैण्ड	69.8	73.9	..	5.5	..	75.8	37.0	8.3	5.4	1.0	10.7	5.5	60,672	32.8
17	कोरिया गणराज्य	59.1	61.0	17.9	6.6	46.7	76.4	31.0	24.8	3.2	0.0	9.3	..	57,271	40.2
18	इस्राइल	59.4	63.4	4.1	1.7	67.5	77.1	51.0	7.2	6.9	0.8	10.5	15.7	65,705	36.7
19	लक्ज़मबर्ग	54.2	57.6	3.3	1.3	66.4	84.1	43.3	6.2	5.8	1.8	15.5	5.0	149,978	30.9
20	जापान	56.8	59.2	7.2	3.7	58.2	69.7	37.5	10.5	4.3	1.6	6.9	3.9	64,383	33.6
21	बेल्जियम	48.8	53.3	3.1	1.2	65.6	77.1	41.3	10.8	8.4	3.9	23.2	12.7	80,810	30.3
22	फ्रांस	50.1	55.9	5.6	2.9	64.8	74.9	34.9	7.0	9.9	4.0	23.9	11.2	74,114	28.4
23	ऑस्ट्रिया	58.0	61.0	7.9	4.9	54.9	68.9	22.5	8.7	4.9	1.3	9.2	7.1	72,743	32.7
24	फ़िनलैण्ड	54.9	59.8	8.8	4.1	61.1	72.7	43.1	9.4	8.2	1.7	20.0	9.3	68,638	32.2
25	स्लोवेनिया	51.8	57.7	..	8.3	..	60.3	30.7	13.6	10.1	5.2	21.6	9.2	53,749	31.5
26	स्पेन	43.3	59.0	11.8	4.4	54.8	74.9	36.2	12.8	26.1	13.0	55.5	18.6	69,619	32.4
27	इटली	43.1	49.1	8.8	3.7	59.3	68.5	18.9	17.9	12.2	6.9	40.0	22.2	69,989	33.7
28	चेक गणराज्य	55.4	59.5	..	3.1	..	58.8	21.0	14.5	7.0	3.0	19.0	9.1	50,197	34.6
29	ग्रीस	38.7	53.2	23.9	13.0	48.3	70.3	29.9	30.3	27.3	18.0	58.3	20.4	61,648	39.1
30	एस्टोनिआ	56.5	62.0	21.0	4.7	41.8	64.1	40.0	5.4	8.6	3.8	18.7	11.3	41,503	36.3
31	ब्रूनेई दारस्सलाम	61.6	64.0	..	..	..	..	..	..	1.7	..	..	..	100,057	..
32	साइप्रस	53.6	63.7	13.5	2.9	56.3	76.9	42.4	13.5	15.9	6.1	38.9	18.7	39,165	..
32	कतर	86.2	86.7	..	1.4	..	46.8	..	0.2	0.3	0.1	1.1	9.4	96,237	..
34	अंडोरा	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
35	स्लोवाकिया	51.1	59.5	..	3.2	..	59.2	20.8	12.4	14.2	10.0	33.6	13.7	48,653	34.3
36	पोलैण्ड	50.7	56.5	25.2	12.6	35.8	57.0	29.6	17.6	10.3	4.4	27.3	12.2	42,704	37.1
37	लिथुआनिया	53.8	61.0	..	8.9	..	65.9	38.5	9.6	11.8	5.1	19.3	11.1	41,579	..
37	माल्टा	48.6	52.0	..	1.0	..	76.4	22.2	9.1	6.4	2.9	13.0	9.9	54,662	..
39	सऊदी अरब	51.8	54.9	..	4.7	..	70.7	..	..	5.6	1.1	29.5	18.6	78,918	..
40	अर्जेंटीना	56.2	60.8	0.4	0.6	67.6	75.3	23.5	19.0	6.6	2.0	19.4	18.6	28,204	39.4
41	संयुक्त अरब अमीरात	76.9	79.9	..	3.8	..	73.1	19.5[e]	1.0	4.2	..	12.1	..	55,567	56.8
42	चिली	58.1	61.8	19.3	10.3	55.5	66.4	19.9	24.4	6.4	..	16.1	..	34,967	39.0
43	पुर्तगाल	50.4	60.3	17.9	10.5	47.6	63.8	20.3	16.7	16.2	9.1	38.1	14.1	47,474	32.5
44	हंगरी	46.6	51.9	18.2	5.2	45.0	64.9	25.5	6.0	10.2	5.0	27.2	15.4	43,100	36.3
45	बहरीन	65.0	70.2	..	1.1	..	62.4	..	2.0	1.2	20.3[e]	5.3	..	41,315	..
46	लात्विया	53.8	60.6	..	8.4	..	68.1	32.8	7.4	11.9	5.7	23.2	13.0	35,380	..
47	क्रोएशिया	42.2	51.3	..	13.7	..	58.7	23.1	13.7	17.3	12.0	50.0	19.6	43,551	..
48	कुवैत	66.3	68.4	..	2.7	73.2	76.0	18.4	2.2	3.6	..	14.6	..	80,172	..
49	मॉन्टीनेग्रो	40.1	50.0	..	5.7	..	76.2	..	..	19.6	15.8	41.1	..	32,875	..
उच्च मानव विकास															
50	बेलारुस	52.7	56.0	21.6	10.5	36.1	49.9	..	2.1	6.1	..	12.5	12.1	..	..
50	रुसी गणराज्य	60.1	63.7	13.9	9.7	45.6	62.3	54.9	5.7	5.5	1.7	13.8	12.0	29,974	38.1
52	ओमान	59.9	65.1	..	5.2	..	57.9	..	..	..	..	..	..	..	..
52	रोमानिया	52.4	56.5	29.1	29.0	27.4	42.4	18.4	30.9	7.3	3.0	23.6	17.2	24,556	..
52	उरूग्वे	61.3	65.7	0.0	10.9	67.0	68.0	26.3	22.2	6.4	..	19.2	..	28,774	33.1
55	बहामास	64.1	74.1	..	3.7	79.6	83.0	..	..	16.2	7.1	30.8	..	54,282	..
56	कज़ाकिस्तान	68.7	72.5	..	25.5	..	55.1	..	28.6	5.2	..	3.9	..	24,289	..
57	बारबाडोस	62.5	71.2	6.3	2.8	62.0	72.6	19.0[e]	14.0[e]	11.6	2.3	29.6	..	33,312	..
58	एंटिगुआ और बरबूडा	..	..	..	2.8	..	81.6	..	..	8.4[e]	..	19.9	..	..	..

		रोजगार								बेरोजगारी				श्रम उत्पादकता	
		रोज़गार व आबादी का अनुपात[a]	श्रम बल भागीदारी दर[a]	कृषि में रोजगार		सेवा क्षेत्र में रोजगार		उच्च शिक्षा वाली श्रम बल	असुरक्षित रोजगार	कुल	दीर्घ अवधि	युवा	युवा जो स्कूल या रोजगार में नहीं	प्रति श्रमिक उत्पादन	प्रति सप्ताह कार्य घंटे
		(% उम्र 15 और अधिक)		(% कुल रोजगार का)				(%)	(% कुल रोजगार का)	(% श्रम बल का)		(% उम्र 15-24)		(2005 पीपीपी डॉलर)	(प्रति रोजगारी व्यक्ति)
	एचडीआई श्रेणी	2013	2013	1990[b]	2012[c]	1990[b]	2012[c]	2007–2012[d]	2008–2013[d]	2008–2013[d]	2008–2013[d]	2008–2014[d]	2008–2013[d]	2005–2012[d]	2003–2012[d]
59	बुल्गेरिया	46.4	53.3	18.5	6.4	37.3	62.2	28.0	8.2	12.9	7.4	28.4	21.6	30,327	..
60	पलाउ	..	..	..	..	..	..	..	..	4.2[e]	..	..	..	..	..
60	पनामा	62.8	65.5	..	16.7	52.8	65.2	38.7	29.2	4.1	..	10.8	17.6	32,080	33.3
62	मलेशिया	57.5	59.4	26.0	12.6	46.5	59.0	18.9	22.2	3.0	..	10.4	..	35,036	43.2
63	मॉरिशिस	53.7	58.6	16.7	7.8	40.0	64.7	9.8	17.1	7.6	2.0	23.2	..	32,602	39.7
64	सेशेल्स	..	..	..	..	..	..	..	..	4.1	..	11.0	1.2	..	..
64	ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	60.4	64.1	12.3	3.8	60.5	63.8	..	15.6[e]	3.6	..	9.2	52.5	48,012	..
66	सर्बिया	40.8	52.4	..	21.0	..	52.6	..	28.6	22.1	18.7	49.4	19.5	20,857	..
67	क्यूबा	54.9	56.7	..	19.7	..	63.2	15.9	..	3.2	..	6.1	..	..	..
67	लेबनान	44.4	47.6	..	..	..	..	22.5	27.8[e]	9.0[e]	..	22.1[e]	..	35,544	..
69	कोस्टा रिका	58.2	63.0	25.9	13.4	47.5	66.9	24.7	20.2	8.5	0.7	21.8	19.2	25,232	36.0
69	ईरान इस्लामिक गणराज्य	39.2	45.1	..	21.2	..	46.5	..	42.0	10.4	..	28.7	34.4	35,432	..
71	वेनेज़ुएला (बोलिवेरियाई गणराज्य)	60.2	65.1	13.4	7.7	61.2	70.7	39.7	30.3	7.8	..	17.1	19.2	27,251	32.2
72	तुर्की	44.5	49.4	46.9	23.6	32.4	50.4	19.2	31.3	9.7	1.9	18.7	25.5	41,353	35.7
73	श्रीलंका	52.6	55.0	47.8	39.4	30.0	41.5	14.6[e]	43.1	4.4	1.9	20.1	0.5	13,234	44.0
74	मैक्सिको	58.5	61.6	22.6	13.4	46.1	61.9	25.4	29.2	4.8	0.1	9.2	18.2	30,344	42.8
75	ब्राज़ील	65.6	69.8	22.8	15.3	54.5	62.7	18.3	25.1	6.7	9.8	15.0	19.6	20,921	32.5
76	जॉर्जिया	55.8	65.0	..	53.4	..	36.2	..	60.6	14.6	..	35.6	..	11,630	..
77	सेंट किट्स एवं नेविस	..	..	..	..	43.0	..	..	..	..	..	11.0	..	..	..
78	अज़रबेजान	62.5	66.1	30.9	37.7	31.1	48.0	14.5	56.4	5.0	..	13.8	..	18,958	..
79	ग्रेनाडा	..	..	..	..	49.4	..	..	..	..	..	..	..	..	..
80	जॉर्डन	36.3	41.6	..	2.0	76.3	80.5	..	9.7	12.2	4.3	29.3	..	20,007	..
81	मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	39.2	55.2	..	17.3	..	52.8	22.0	23.4	29.0	23.9	51.9	24.2	29,528	..
81	यूक्रेन	54.7	59.4	19.8	17.2	15.4	62.1	..	18.1	7.5	2.1	17.4	..	13,670	..
83	अल्जीरिया	39.6	43.9	..	10.8	..	58.4	10.9[e]	26.9	9.8	7.1	24.8	21.5	25,678	..
84	पेरू	73.3	76.2	1.2	25.8	71.5	56.8	15.7	46.3	4.0	..	8.8	16.5	18,191	40.2
85	अल्बानिया	46.3	55.1	..	41.5	..	37.7	..	58.1	13.4	11.4	30.2	30.5	21,813	..
85	अर्मेनिआ	53.2	63.4	..	38.9	..	44.4	22.9	29.8	18.4	9.7	36.0	..	14,109	35.4
85	बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	32.5	45.3	..	20.5	..	49.0	..	25.3	27.5	25.4	62.8	..	27,060	..
88	इक्वाडोर	65.7	68.6	7.5	27.8	67.3	54.4	21.5	51.2	4.1	..	10.9	3.8	18,547	37.0
89	सेंट लूसिआ	..	69.2	..	14.8	..	59.4	..	..	22.2	..	27.5[e]	..	..	..
90	चीन	68.0	71.3	60.1	34.8	18.5	35.7	..	..	2.9	..	..	..	..	..
90	फ़िजी	50.5	55.0	..	..	..	..	..	38.8	6.9	2.6[e]	18.7[e]	..	11,894	37.5
90	मंगोलिया	59.8	62.9	..	32.6	..	49.6	26.8	51.4	7.9	3.4	16.5	1.5	10,921	..
93	थाइलैण्ड	71.7	72.3	64.0	39.6	22.0	39.4	..	55.9	0.8	0.1	3.4	..	14,443	42.8
94	डोमिनिका	..	..	..	..	38.8	..	..	..	..	..	26.0	..	..	..
94	लीबिया	42.6	53.0	..	..	50.2	..	..	..	19.0	..	48.7	..	..	..
96	ट्यूनीशिया	41.3	47.6	..	16.2	39.1	49.6	..	28.8	17.6	..	37.6	..	26,335	..
97	कोलम्बिया	60.3	67.4	1.4	16.9	67.7	62.2	23.1	48.6	8.9	1.0	19.1	22.0	21,001	36.8
97	सेंट विन्सेन्ट एवं ग्रेनाडाइन	..	67.0	..	..	..	..	..	8.0	18.8	16.9	33.8	..	..	..
99	जमैका	53.8	63.3	..	18.1	..	66.5	..	37.5	13.7	..	34.0	..	17,128	..
100	टोंगो	..	63.9	..	31.8	44.7	37.5	..	55.2[e]	1.1[e]	..	11.9[e]	..	..	..
101	बेलीज़	56.0	65.6	..	19.5	..	61.9	12.3[e]	23.5[e]	11.7	..	25.0	19.0	17,017	..
101	डोमीनिकन गणराज्य	55.2	64.9	..	14.5	..	67.8	21.1	37.1	15.0	..	31.4	..	22,415	..
103	सूरीनाम	50.3	54.5	3.7	8.0	73.3	64.3	..	..	4.8	..	15.3	..	..	..
104	मालदीव	59.1	66.8	25.2	11.5	48.5	60.0	..	29.6[e]	14.4[e]	..	25.4	56.4	18,670	..
105	समोआ	..	41.5	..	..	..	..	..	38.1	5.7	..	19.1	98.8	..	..
	मध्यम मानव विकास														
106	बोत्स्वाना	62.6	76.7	..	29.9	31.4	54.9	..	12.9	17.9	10.4[e]	36.0	..	33,651	..
107	मॉल्डोवा गणराज्य	38.6	40.7	33.8	26.4	33.9	54.3	25.3	30.5	5.6	1.7	12.2	28.6	11,587	..
108	मिस्र	42.9	49.1	39.0	29.2	40.1	47.1	..	26.4	13.2	11.7	34.3	27.9	19,525	..
109	तुर्कमेनिस्तान	55.0	61.5	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
110	गैबन	48.9	60.8	..	24.2	..	64.0	..	52.9[e]	20.4	..	35.7	..	46,714	..
110	इण्डोनेशिया	63.5	67.7	55.9	35.9	30.2	43.5	7.1	33.0	6.2	..	31.3	..	9,536	..
112	पराग्वे	66.6	70.3	2.1	27.2	70.3	56.7	16.6	43.2	5.0	..	10.5	12.3	11,967	36.3
113	फिलिस्तीन राज्य	31.6	41.2	..	11.5	..	62.2	23.3	25.6	23.3	..	41.0	..	..	..
114	उज़्बेकिस्तान	55.1	61.6	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
115	फ़िलीपीन्स	60.6	65.2	45.2	32.2	39.7	52.5	25.3	39.8	7.1	0.1	15.7	24.8	9,571	..
116	अल सल्वाडोर	58.2	62.1	7.4	21.0	63.4	57.9	14.1	37.6	5.9	..	12.4	..	15,306	35.6
116	दक्षिण अफ़्रीका	39.2	52.1	..	4.6	..	62.7	6.6	10.0	24.7	15.5	51.4	31.4	35,206	..

		रोजगार								बेरोजगारी				श्रम उत्पादकता	
		रोज़गार व आबादी का अनुपात[a]	श्रम बल भागीदारी दर[a]	कृषि में रोजगार		सेवा क्षेत्र में रोजगार		उच्च शिक्षा वाली श्रम बल	असुरक्षित रोजगार	कुल	दीर्घ अवधि	युवा	युवा जो स्कूल या रोजगार में नहीं	प्रति श्रमिक उत्पादन	प्रति सप्ताह कार्य घंटे
		(% उम्र 15 और अधिक)		(% कुल रोजगार का)				(%)	(% कुल रोजगार का)	(% श्रम बल का)		(% उम्र 15-24)		(2005 पीपीपी डॉलर)	(प्रति रोजगारी व्यक्ति)
	एचडीआई श्रेणी	2013	2013	1990[b]	2012[c]	1990[b]	2012[c]	2007–2012[d]	2008–2013[d]	2008–2013[d]	2008–2013[d]	2008–2014[d]	2008–2013[d]	2005–2012[d]	2003–2012[d]
116	वियतनाम	75.9	77.5	..	47.4	..	31.5	..	62.6	2.0	0.3	6.0	9.3	5,250	..
119	बोलिविया (प्लूरीनेशनल राज्य)	70.6	72.5	1.2	32.1	73.2	47.9	15.7	54.9	2.7	1.3	6.2	..	10,026	..
120	किर्गिस्तान	62.0	67.5	32.7	34.0	39.4	45.3	1.5[e]	47.3[e]	8.3	..	13.4	21.2	4,938	..
121	इराक	35.5	42.3	..	23.4	..	58.3	..	..	15.3	..	..	..	17,067	..
122	केप वर्दे	62.8	67.5	..	..	..	..	..	..	10.7	..	..	..	..	..
123	माइक्रोनेशिया (संघीय राज्य)	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
124	गयाना	54.5	61.4	..	..	..	..	..	..	..	..	24.0	..	9,652	..
125	निकारगुआ	58.8	63.4	39.3	32.2	38.2	51.2	13.9	47.1	5.3	..	11.9	..	9,043	37.4
126	मोरक्को	45.9	50.5	3.9	39.2	59.5	39.3	9.5[e]	50.7	9.2	5.8	19.1	..	13,769	..
126	नामीबिया	49.0	59.0	..	27.4	..	58.7	10.8[e]	7.8	29.6	30.9	56.2	32.0	21,086	..
128	ग्वाटेमाला	65.8	67.7	12.9	32.3	57.2	48.2	7.5	49.9[e]	3.0	..	6.3	29.8	11,461	..
129	ताजिकिस्तान	60.7	67.9	..	55.5	..	26.2	..	47.1	11.5	..	16.7	..	..	..
130	भारत	52.2	54.2	..	47.2	..	28.1	..	80.8	3.6	1.4	10.7	..	8,821	..
131	होण्डुरास	60.0	62.6	50.1	35.3	33.2	44.9	8.0	53.3	3.9	..	8.0	41.4	9,564	34.9
132	भूटान	70.9	72.5	..	62.2	..	29.1	..	53.1	2.1	..	9.6	..	11,438	..
133	टिमोर लेस्ट	36.2	37.9	..	50.6	..	39.8	2.4	69.6	3.9	0.4	14.8	..	8,156	46.3
134	सीरियाई अरब गणराज्य	38.9	43.6	..	14.3	46.2	53.0	..	32.9	8.4	..	35.8	..	18,563	..
134	वनुआतु	..	70.8	..	60.5	..	31.1	..	70.0	4.6	..	10.6	..	..	..
136	कांगो	66.1	70.7	..	35.4	..	42.2	..	75.1[e]	..	..	..	..	..	..
137	किरिबाटी	..	..	..	..	..	..	..	..	30.6	..	54.0	..	..	..
138	इक्वेटोरियल गिनी	79.8	86.7	..	..	17.6	..	..	..	..	..	..	..	..	..
139	ज़ाम्बिया	68.8	79.3	49.8	72.2	20.8	20.6	..	81.3	7.8	..	15.2	..	4,015	..
140	घाना	66.2	69.3	..	41.5	..	43.1	..	76.8	4.2	..	11.2	..	4,308	..
141	लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	76.6	77.7	..	..	..	..	..	88.0[e]	1.4[e]	..	..	..	5,114	..
142	बांग्लादेश	67.8	70.8	..	48.1	14.8	37.4	..	85.0[e]	4.5	..	8.7	..	3,457	44.3
143	कम्बोडिया	82.3	82.5	..	51.0	..	30.4	..	64.1	0.3	..	0.5	79.2	3,849	..
143	साओ टोम एवं प्रिन्साइप	..	61.1	..	..	28.3	..	..	..	16.7[e]	..	..	..	..	..
	निम्न मानव विकास														
145	केन्या	61.1	67.3	..	61.1	..	32.2	..	..	..	..	..	..	..	..
145	नेपाल	81.1	83.3	..	..	..	..	..	..	2.7	1.0	3.5	..	2,448	37.6
147	पाकिस्तान	51.6	54.4	51.1	44.7	28.9	35.2	24.6	63.1	5.0	1.1	7.7	..	7,367	33.1
148	म्याँमार	75.9	78.6	69.7	..	21.0	..	..	..	..	..	..	..	..	..
149	अंगोला	65.2	70.0	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
150	स्वाज़ीलैण्ड	44.5	57.4	..	..	..	..	..	..	28.2[e]	..	..	..	..	..
151	तंज़ानिया गणराज्य	86.0	89.1	..	76.5	..	19.2	..	74.0	3.5	..	5.8	..	2,822	..
152	नाईजीरिया	51.8	56.1	..	44.6	43.7	41.7	..	..	23.9	..	..	..	..	..
153	कैमरून	67.4	70.3	..	53.3	14.0	34.1	..	76.4	3.8	..	6.4	10.8	5,255	..
154	मैडागास्कर	85.4	88.5	..	80.4	..	15.8	4.4[e]	88.3	3.8	..	2.6	..	1,722	..
155	ज़िम्बाब्वे	81.9	86.5	..	64.8	..	15.3	..	..	11.1	..	8.7	..	..	..
156	मॉरिटानिया	37.2	53.9	..	..	..	..	..	..	31.2	..	..	..	10,112	..
156	सॉलोमन द्वीपसमूह	63.7	66.3	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
158	पापुआ न्यू गिनी	70.7	72.3	..	..	..	..	..	..	..	..	5.3	..	5,738	..
159	कोमोरॉस	53.9	57.6	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
160	यमन	40.3	48.8	..	24.7	..	56.2	11.3	29.6	17.8	4.0	33.7	..	9,057	..
161	लेसोथो	49.7	66.0	..	..	..	..	..	..	24.4	15.6	34.4	..	5,526	..
162	टोगो	75.4	81.0	..	54.1	..	37.5	..	89.1[e]	..	..	..	..	..	..
163	हैती	61.2	65.8	65.6	..	22.8	..	..	..	..	..	..	..	..	..
163	रवाण्डा	85.4	85.9	..	78.8	6.7	16.6	..	..	3.4	..	4.5	..	..	..
163	युगाण्डा	74.5	77.5	..	65.6	..	28.4	..	80.6[e]	4.2	..	2.6	7.0	3,046	..
166	बेनिन	72.1	72.9	..	42.7	..	46.2	..	89.9[e]	1.0	..	2.4	3.5	3,317	..
167	सूडान	45.4	53.5	..	..	..	..	..	..	14.8	..	22.9	..	7,093	..
168	जिबूती	..	52.0	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
169	दक्षिण सूडान	..	..	..	..	..	..	..	..	13.7	..	18.5	..	..	..
170	सेनेगल	68.7	76.5	..	33.7	..	36.1	..	58.0	10.4	..	12.7	..	4,308	..
171	अफ़गानिस्तान	44.0	47.9	..	..	..	..	..	..	8.2	..	..	..	5,417	..
172	आइवरी कोस्ट	64.6	67.3	..	..	..	..	..	..	9.4	..	..	..	..	..
173	मलावी	76.7	83.0	..	..	..	..	..	..	7.8[e]	..	8.6	..	1,857	..
174	इथियोपिया	79.0	83.7	..	79.3	..	13.0	..	91.2[e]	4.5	1.3[e]	7.3	1.1	2,185	..
175	गैम्बिया	72.0	77.4	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
176	कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	66.2	71.9	..	..	..	..	..	..	3.7[e]	..	..	..	..	..

	रोजगार								बेराजगारी				श्रम उत्पादकता	
	रोज़गार व आबादी का अनुपात[a]	श्रम बल भागीदारी दर[a]	कृषि में रोजगार		सेवा क्षेत्र में रोजगार		उच्च शिक्षा वाली श्रम बल	असुरक्षित रोजगार	कुल	दीर्घ अवधि	युवा	युवा जो स्कूल या रोजगार में नहीं	प्रति श्रमिक उत्पादन	प्रति सप्ताह कार्य घंटे
	(% उम्र 15 और अधिक)		(% कुल रोजगार का)				(%)	(% कुल रोजगार का)	(% श्रम बल का)		(% उम्र 15–24)		(2005 पीपीपी डॉलर)	(प्रति रोजगारी व्यक्ति)
एचडीआई श्रेणी	2013	2013	1990[b]	2012[c]	1990[b]	2012[c]	2007–2012[d]	2008–2013[d]	2008–2013[d]	2008–2013[d]	2008–2014[d]	2008–2013[d]	2005–2012[d]	2003–2012[d]
177 **लाइबेरिया**	59.3	61.5	..	48.9	..	41.9	..	78.7	3.7	..	5.1	..	1,675	..
178 **गिनी बिसाउ**	68.1	73.3	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
179 **माली**	60.6	66.0	..	66.0	..	28.3	..	82.9[e]	7.3	..	10.7	13.5	3,267	..
180 **मोज़ाम्बीक**	77.2	84.2	..	80.5	..	16.1	..	87.8[e]	22.5	5.9[e]	39.3	10.1	..	..
181 **सिएरा लिओन**	65.2	67.3	..	68.5	..	25.0	..	92.4[e]	3.4[e]	..	5.2[e]	..	3,093	..
182 **गिनी**	70.7	72.0	..	..	..	..	..	..	1.7	..	1.0	..	..	..
183 **बुर्किना फ़ासो**	80.8	83.4	..	84.8	..	12.2	..	89.6[e]	3.3[e]	..	3.8[e]	..	2,973	..
184 **बुरुण्डी**	76.9	82.6	..	..	..	..	..	94.6[e]	..	..	..	..	..	..
185 **चाड**	66.6	71.6	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
186 **एरिट्रिया**	78.7	84.8	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
187 **मध्य अफ़्रीकी गणराज्य**	72.7	78.7	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
188 **नाइजर**	61.4	64.7	..	56.9	..	31.1	..	84.8[e]	..	..	3.2	..	..	..
अन्य देश अथवा अंचल														
कोरिया (लोकतांत्रिक गणराज्य)	74.4	78.0	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मार्शल द्वीप	..	..	..	..	..	..	..	..	4.7	..	..	..	..	..
मोनाक्को	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	6.9	..	..	..
नॉरू	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	38.0	..	..	..
सैन मरीनो	..	..	2.5	0.3	53.7	62.7	12.2	..	6.0	..	..	..	..	..
सोमालिया	52.2	56.1	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
तुवालू	..	..	..	..	..	..	..	..	6.5[e]	..	..	..	..	..
मानव विकास समूह														
अति उच्च मानव विकास	55.4	60.3	..	3.3	..	74.3	32.5	12.4	8.3	3.0	18.0	13.4	64,041	33.3
उच्च मानव विकास	63.4	67.1	..	28.8	..	43.8	..	28.7	4.7	..	16.7	..	23,766	..
मध्यम मानव विकास	55.7	58.8	..	42.5	..	35.3	..	65.1	5.3	..	15.1	..	9,483	..
निम्न मानव विकास	63.9	68.1	..	..	..	..	..	..	9.7	..	9.8	..	..	..
विकासशील देश	60.7	64.3	..	36.9	..	39.1	..	54.0	5.6	..	14.6	..	..	..
क्षेत्र														
अरब राज्य	44.7	50.3	..	20.8	..	53.9	..	29.5	11.8	..	29.0	..	26,331	..
पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र	67.9	71.1	..	35.5	..	37.3	..	..	3.3	..	18.6	..	..	..
यूरोप और मध्य एशिया	51.5	57.2	..	24.5	..	52.5	..	28.8	9.9	..	19.5	..	30,460	..
लैटिन अमेरिका और कैरिबियाइ क्षेत्र	62.2	66.4	..	16.3	54.2	62.1	..	31.3	6.2	..	13.7	..	23,243	..
दक्षिण एशिया	53.2	55.6	..	45.9	..	30.6	..	77.3	4.2	..	10.9	..	8,117	..
सब सहारा अफ़्रीका	65.7	70.9	..	59.0	..	30.0	..	..	11.9	..	13.5	..	..	..
न्यूनतम विकसित देश	69.8	74.0	..	..	..	..	..	..	6.3	..	10.3	..	..	..
छोटे द्वीप विकासशील राज्य	58.3	63.1	..	..	..	..	..	..	8.7	..	18.0	..	..	..
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन	54.9	59.7	10.1	5.1	59.9	72.3	31.1	15.7	8.2	2.8	16.5	14.7	58,391	34.3
विश्व	**59.7**	**63.5**	**..**	**30.3**	**..**	**46.0**	**..**	**47.6[T]**	**6.1**	**..**	**15.1**	**..**	**24,280**	**..**

नोट

a आईएलओ अनुमान प्रतिरुप।

b आँकड़े 1990 के लिए संदर्भित या उपलब्ध सबसे हाल के वर्ष के।

c आँकड़े 2012 के लिए संदर्भित या उपलब्ध सबसे हाल के वर्ष के।

d आँकड़े निर्दिष्ट अवधि में अद्यतन उपलब्ध सबसे हाल के वर्ष के।

e वर्ष 2003 और कॉलम के शीर्षक में दिए गये सबसे पहले वर्ष के लिए संदर्भित।

t मूल आंकड़ों के स्रोत।

परिभाषाएं

आबादी व रोजगार अनुपात: 15 और उससे अधिक उम्र की आबादी में उन लोगों का प्रतिषत जो कार्यरत है।

श्रम शक्ति भागीदारी दर: श्रम बाजार में सक्रियता से संलग्न देश की कामकाजी- उम्र वाली आबादी का प्रतिशत, जो कि भले ही कार्यरत रूप में हो या फिर रोजगार की तलाश में। माल और सेवा क्षेत्र के उत्पादन में लगाने के लिए उपलब्ध श्रमिकों की आपूर्ति के तुलनात्मक आकार का संकेत इससे मिलता है।

कृषि में रोजगार: कुल रोजगार में कृषि में कार्यरत लोगों की हिस्सेदारी।

सेवा क्षेत्र में रोजगार: कुल रोजगार में सेवा क्षेत्र में कार्यरत लोगों की हिस्सेदारी।

उच्च शिक्षा वाली श्रम बल: तृतीयक शिक्षा पाने वाली श्रम शक्ति का प्रतिशत, शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय मानक वर्गीकरण के अनुसार ये स्तर हैं 5, 5ए, 5बी और 6।

अरक्षित रोजगार: अवैतनिक घरेलू कार्यकर्ता या अपनी तरह के कामगारों के तौर पर नियोजित लोगों का प्रतिशत।

बेरोजगारी दर: 15 या उससे अधिक उम्र की श्रम शक्ति जनसंख्या का प्रतिशत जो कि सवेतन रोजगार में नहीं है या स्वनियोजित भी नहीं है, लेकिन कार्य के लिए उपलब्ध है और सवैतनिक रोजगार या स्वरोजगार के लिए प्रयासरत है।

दीर्घावधि की बेरोजगारी दर: 15 या उससे अधिक उम्र की श्रम शक्ति का प्रतिशत जो कम से कम 12 माह से कार्यरत नहीं है, लेकिन कार्य के लिए उपलब्ध है और सवैतनिक रोजगार या स्वरोजगार के लिए प्रयासरत है।

युवा बेरोजगारी दर: 15 से 24 उम्र की श्रम शक्ति जनसंख्या का प्रतिशत जो वेतनभोगी रोजगार में नहीं है या स्वनियोजित भी नहीं है, लेकिन कार्य के लिए उपलब्ध है और सवैतनिक रोजगार या स्वरोजगार के लिए प्रयासरत है।

युवा जो स्कूल या रोजगार में नहीं हैं: 15–24 उम्र के युवाओं का प्रतिशत, जो न तो किसी रोजगार में है और न ही शिक्षा या किसी तरह का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

प्रति श्रमिक उत्पादन: प्रति श्रमिक की दर से उत्पादन, 2005 में अंतर्राष्ट्रीय डॉलर मूल्य को इस्तेमाल कर क्रय शक्ति समता दरों पर संलग्न प्रति व्यक्ति जीडीपी के रुप में व्यक्त।

प्रति सप्ताह कार्य के घंटे: कार्यरत लोगों (वेतनभोगी या मजदूरी पर कार्य करने वाले तथा स्वरोजगारी लोग) द्वारा किया गये कार्य के प्रति सप्ताह घंटे।

आँकड़ों के मुख्य स्रोत

कॉलम 1–7 और 9–13: आईएलओ (2015)।

कॉलम 8 और 14: आईएलओ (2015)।

सारणी **13**

सारणी 14 मानव सुरक्षा

		जन्म पंजीकरण	मूल देश छोड़ने वाले शरणार्थी[a]	आंतरिक तौर पर विस्थापित शरणार्थी[b]	प्राकृतिक आपदा से बेघर लोग	अनाथ बच्चे	जेल की आबादी	मानव हत्या दर	आत्महत्या दर		खाद्य संकट की गंभीरता	महिलाओं के खिलाफ हिंसा	
									(प्रति 100,000 लोग)			परिचित या अपरिचित सहयोगी द्वारा हिंसा का कभी अनुभव	
		(% 5 वर्ष से कम)	(हजारों में)	(हजारों में)	(वार्षिक औसत प्रति मिलियन लोग)	(हजारों में)	(प्रति 100,000 लोग)	(प्रति 100,000 लोग)	स्त्री	पुरुष	(प्रतिदिन प्रति व्यक्ति किलोकैलोरी)	(%)	
एचडीआई श्रेणी		2005–2013[c]	2014	2014	2005/2014	2013	2002–2013[c]	2008–2012[c]	2012	2012	2012/2014	2001–2011[c]	
अति उच्च मानव विकास													
1	नॉर्वे	100	0.0	..	0	..	72	2.2	5.2	13.0	..	26.8[d]	
2	आस्ट्रेलिया	100	0.0	..	33	..	130	1.1	5.2	16.1	..	39.9	
3	स्विटज़रलैण्ड	100	0.0	..	0	..	82	0.6	5.1	13.6	..	39.0	
4	डेनमार्क	100	0.0	..	0	..	73	0.8	4.1	13.6	..	50.0	
5	नीदरलैण्ड	100	0.1	..	0	..	82	0.9	4.8	11.7	..	..	
6	जर्मनी	100	0.2	..	0	..	79	0.8	4.1	14.5	..	40.0	
6	आयरलैण्ड	100	0.0	..	0	..	88	1.2	5.2	16.9	..	14.5[d,e]	
8	अमेरिका	100	4.8	..	15	..	716	4.7	5.2	19.4	..	35.6[d,e]	
9	कनाडा	100	0.1	..	21	..	118[f]	1.6	4.8	14.9	..	6.4[d]	
9	न्यूज़ीलैण्ड	100	0.0	..	16	..	192	0.9	5.0	14.4	..	33.1[d,g]	
11	सिंगापुर	..	0.1	..	0	..	230	0.2	5.3	9.8	..	9.2	
12	हांगकांग, चीन (एस.ए.आर.)	..	0.0	..	0	..	128	0.4	..	..	..	21.0	
13	लिक्टेन्सटाइन	100	..	..	..	..	24[f]	0.0	..	..	..	..	
14	स्वीडन	100	0.0	..	0	..	67	0.7	6.1	16.2	..	46.0	
14	ब्रिटेन	100	0.1	..	48	..	147[h]	1.0	2.6	9.8	..	28.4[d]	
16	आइसलैण्ड	100	0.0	..	0	..	47	0.3	6.7	21.0	..	42.0	
17	कोरिया गणराज्य	..	0.5	..	9	..	99	0.9	18.0	41.7	5	..	
18	इस्राइल	100	1.0	..	0	..	223	1.8	2.3	9.8	..	..	
19	लक्ज़मबर्ग	100	0.0	..	0	..	122	0.8	4.4	13.0	..	..	
20	जापान	100	0.3	..	32	..	51	0.3	10.1	26.9	..	18.5[g]	
21	बेल्जियम	100	0.1	..	0	..	108	1.6	7.7	21.0	..	28.9	
22	फ्रांस	100	0.1	..	1	..	98[f]	1.0	6.0	19.3	..	..	
23	ऑस्ट्रिया	100	0.0	..	0	..	98	0.9	5.4	18.2	..	..	
24	फ़िनलैण्ड	100	0.0	..	0	..	58	1.6	7.5	22.2	..	43.5	
25	स्लोवेनिया	100	0.1	..	51	..	66	0.7	4.4	20.8	..	..	
26	स्पेन	100	0.1	..	33	..	147	0.8	2.2	8.2	..	..	
27	इटली	100	0.1	..	124	..	106	0.9	1.9	7.6	..	31.9	
28	चेक गणराज्य	100	1.3	..	0	..	154	1.0	3.9	21.5	..	58.0	
29	ग्रीस	100	0.1	..	37	..	111	1.7	1.3	6.3	..	..	
30	एस्टोनिआ	100	0.4	..	0	..	238	5.0	3.8	24.9	..	..	
31	ब्रूनेई दारस्सलाम	..	0.0	..	0	..	122	2.0	5.2	7.7	15	..	
32	साइप्रस	100	0.0	212.4	0	..	106[f]	2.0	1.5	7.7	..	..	
32	कतर	..	0.0	..	..	..	60	1.1	1.2	5.7	..	..	
34	अंडोरा	100	0.0	..	..	..	38	1.3	..	..	..	..	
35	स्लोवाकिया	100	0.2	..	0	..	187	1.4	2.5	18.5	..	27.9[d]	
36	पोलैण्ड	100	1.4	..	0	..	217	1.2	3.8	30.5	..	35.0	
37	लिथुआनिया	100	0.2	..	0	..	329	6.7	8.4	51.0	..	37.6[d]	
37	माल्टा	100	0.0	..	..	..	145	2.8	0.7	11.1	..	16.0[d,e]	
39	सऊदी अरब	..	0.6	..	37	..	162	0.8	0.2	0.6	11	..	
40	अर्जेंटीना	100[i]	0.4	..	18	..	147	5.5	4.1	17.2	6	..	
41	संयुक्त अरब अमीरात	100[i]	0.1	..	..	..	238	0.7[j]	1.7	3.9	26	..	
42	चिली	99[i]	0.6	..	4,832	..	266	3.1	5.8	19.0	23	35.7[d]	
43	पुर्तगाल	100	0.0	..	1	..	136	1.2	3.5	13.6	..	38.0	
44	हंगरी	100	1.2	..	0	..	186	1.3	7.4	32.4	..	..	
45	बहरीन	..	0.3	..	..	..	275	0.5	2.9	11.6	..	..	
46	लात्विया	100	0.2	..	0	..	304	4.7	4.3	30.7	..	..	
47	क्रोएशिया	..	40.2	..	0	..	108	1.2	4.5	19.8	..	..	
48	कुवैत	..	1.0	..	0	..	137	0.4	0.8	1.0	17	..	
49	मॉन्टीनेग्रो	99	0.5	..	0	..	208	2.7	6.4	24.7	..	..	
उच्च मानव विकास													
50	बेलारुस	100[i]	4.4	..	0	..	335	5.1	6.4	32.7	..	..	
50	रुसी गणराज्य	100	75.0	25.4	10	..	475	9.2	6.2	35.1	..	..	
52	ओमान	..	0.0	..	0	..	61	1.1	0.6	1.2	28	..	
52	रोमानिया	..	2.3	..	27	..	155	1.7	2.9	18.4	..	28.5[d,e]	
52	उरूग्वे	100[i]	0.1	..	297	..	281	7.9	5.2	20.0	25	..	
55	बहामास	..	0.2	..	0	..	444	29.8	1.3	3.6	..	..	
56	कज़ाकिस्तान	100	2.2	..	55	..	295	7.8	9.3	40.6	20	..	
57	बारबाडोस	..	0.1	..	0	..	521	7.4	0.6	4.1	24	30.0[d,k]	
58	एंटिगुआ और बरबूडा	..	0.0	..	0	..	403	11.2	..	..	..	..	
59	बुल्गेरिया	100	1.9	..	0	..	151	1.9	5.3	16.6	..	..	

		जन्म पंजीकरण	मूल देश छोड़ने वाले शरणार्थी[a]	आंतरिक तौर पर विस्थापित शरणार्थी[b]	प्राकृतिक आपदा से बेघर लोग	अनाथ बच्चे	जेल की आबादी	मानव हत्या दर	आत्महत्या दर (प्रति 100,000 लोग)		खाद्य संकट की गंभीरता	महिलाओं के खिलाफ हिंसा: परिचित या अपरिचित सहयोगी द्वारा हिंसा का कभी अनुभव
		(% 5 वर्ष से कम)	(हजारों में)	(हजारों में)	(वार्षिक औसत प्रति मिलियन लोग)	(हजारों में)	(प्रति 100,000 लोग)	(प्रति 100,000 लोग)	स्त्री	पुरुष	(प्रतिदिन प्रति व्यक्ति किलोकैलोरी)	(%)
एचडीआई श्रेणी		2005–2013[c]	2014	2014	2005/2014	2013	2002–2013[c]	2008–2012[c]	2012	2012	2012/2014	2001–2011[c]
60	पलाउ	..	0.0	..	0	..	295	3.1	..	..	..	..
60	पनामा	..	0.1	..	35	..	411	17.2	1.3	8.1	75	..
62	मलेशिया	..	0.5	..	103	..	132	2.3	1.5	4.7	20	..
63	मॉरिशिस	..	0.1	..	0	..	202	2.8	2.9	13.2	36	..
64	सेशेल्स	..	0.0	..	0	..	709	9.5	..	..	..	..
64	ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	97	0.3	..	0	..	281	28.3	6.2	20.4	64	..
66	सर्बिया	99	48.8	97.3	15	..	142	1.2	5.8	19.9	..	26.2[g]
67	क्यूबा	100[i]	6.5	..	666	..	510	4.2	4.5	18.5	10	..
67	लेबनान	100	4.2	19.7	0	..	118	2.2	0.6	1.2	34	..
69	कोस्टा रिका	100	0.5	..	0	..	314	8.5	2.2	11.2	40	60.0
69	ईरान इस्लामिक गणराज्य	99[i]	76.4	..	9	..	284	4.1	3.6	6.7	41	..
71	वेनेजुएला (बोलिवेरियाई गणराज्य)	81[i]	8.4	..	13	..	161	53.7	1.0	4.3	12	..
72	तुर्की	94	65.9	953.7	45	..	179	2.6	4.2	11.8	1	19.7
73	श्रीलंका	97	123.0	90.0	5,767	..	132	3.4	12.8	46.4	209	..
74	मैक्सिको	93[i]	9.4	281.4	319	..	210	21.5	1.7	7.1	30	46.7[d,e]
75	ब्राज़ील	93[i]	1.0	..	53	..	274	25.2	2.5	9.4	11	38.8[l]
76	जॉर्जिया	100	6.8	232.7	137	..	225[f]	4.3	1.0	5.7	68	9.1[d]
77	सेंट किट्स एवं नेविस	..	0.0	..	0	..	714	33.6	..	..	..	..
78	अज़रबेजान	94	10.9	568.9	77	..	413[f]	2.1	1.0	2.4	15	15.0
79	ग्रेनाडा	..	0.3	..	0	..	424	13.3	..	..	..	..
80	जॉर्डन	99	1.6	..	0	..	95	2.0	1.9	2.2	13	23.0[d]
81	मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	100	1.8	0.2	0	..	122	1.4	3.2	7.3	..	..
81	यूक्रेन	100	6.3	646.5	7	..	305	4.3	5.3	30.3	..	18.3
83	अल्जीरिया	99	3.7	..	12	..	162	0.7	1.5	2.3	23	..
84	पेरू	96[i]	4.8	150.0	196	..	202	9.6	2.1	4.4	58	38.9[d]
85	अल्बानिया	99	10.5	..	7	..	158	5.0	5.2	6.6	..	..
85	अर्मेनिआ	100	12.2	8.4	0	..	164	1.8	0.9	5.0	48	9.5[d]
85	बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	100	22.3	100.4	0	..	78[h]	1.3	4.1	18.0	..	..
88	इक्वाडोर	90	0.7	..	98	..	149	12.4	5.3	13.2	73	46.3[d,e]
89	सेंट लूसिआ	92	0.7	..	0	..	317	21.6	..	..	..	..
90	चीन	..	205.0	..	212	..	121[f]	1.0	8.7	7.1	83	..
90	फ़िजी	..	1.1	..	0	..	174	4.0	4.1	10.6	30	..
90	मंगोलिया	99	2.1	..	0	..	287	9.7	3.7	16.3	174	..
93	थाइलैण्ड	99[i]	0.2	35.0	24	..	398	5.0	4.5	19.1	60	43.8[l]
94	डोमिनिका	..	0.0	..	135	..	391	21.1	..	..	..	..
94	लीबिया	..	3.4	400.0	0	..	81	1.7	1.4	2.2	..	..
96	ट्यूनीशिया	99	1.4	..	0	..	199	2.2	1.4	3.4	4	..
97	कोलम्बिया	97	108.5	6,044.2	27	..	245	30.8	1.9	9.1	73	37.4[d]
97	सेंट विन्सेन्ट एवं ग्रेनाडाइन	..	1.5	..	550	..	376	25.6	..	..	46	..
99	जमैका	98	1.5	..	43	..	152	39.3	0.7	1.8	62	35.0[d,e]
100	टोंगो	..	0.0	..	0	..	150	1.0	..	..	..	..
101	बेलीज़	95	0.0	..	0	..	476	44.7	0.5	4.9	40	..
101	डोमीनिकन गणराज्य	81	0.3	..	116	..	240	22.1	2.1	6.1	91	17.2[d]
103	सूरीनाम	99	0.0	..	0	..	186	6.1	11.9	44.5	59	..
104	मालदीव	93	0.0	..	0	..	307[f]	3.9	4.9	7.8	45	28.4
105	समोआ	48	0.0	..	0	..	228	3.6	..	..	23	75.8
मध्यम मानव विकास												
106	बोत्स्वाना	72	0.2	..	0	130	205	18.4	2.0	5.7	191	..
107	मॉल्डोवा गणराज्य	100	2.2	..	0	..	188[f]	6.5	4.8	24.1	..	24.6[d]
108	मिस्र	99[i]	13.1	..	1	..	80	3.4	1.2	2.4	12	33.7[d]
109	तुर्कमेनिस्तान	..	0.5	4.0	0	..	224	12.8	7.5	32.5	27	..
110	गैबन	90	0.2	..	52	66	196	9.1	4.5	12.1	20	..
110	इण्डोनेशिया	67	9.8	84.0	327	..	59	0.6	4.9	3.7	55	3.1
112	पराग्वे	76[i]	0.1	..	31	..	118	9.7	3.2	9.1	80	..
113	फिलिस्तीन राज्य	99	5,589.8[m]	275.0[n]	13	..	..	7.4	..	..	..	..
114	उज़्बेकिस्तान	100	5.0	3.4	0	..	152	3.7	4.1	13.2	37	..
115	फ़िलीपीन्स	90	0.7	77.7	98	..	111	8.8	1.2	4.8	97	23.6
116	अल सल्वाडोर	99	9.7	288.9	287	..	422	41.2	5.7	23.5	88	26.3[d]
116	दक्षिण अफ़्रीका	85[i]	0.4	..	17	3,600	294	31.0	1.1	5.5	16	..
116	वियतनाम	95	314.1	..	948	..	145	3.3	2.4	8.0	95	38.5
119	बोलिविया (प्लूरीनेशनल राज्य)	76[i]	0.6	..	1,490	..	140	12.1	8.5	16.2	120	67.6[e]

सारणी **14**

		जन्म पंजीकरण	मूल देश छोड़ने वाले शरणार्थी[a]	आंतरिक तौर पर विस्थापित शरणार्थी[b]	प्राकृतिक आपदा से बेघर लोग	अनाथ बच्चे	जेल की आबादी	मानव हत्या दर	आत्महत्या दर		खाद्य संकट की गंभीरता	महिलाओं के खिलाफ हिंसा	
									(प्रति 100,000 लोग)			परिचित या अपरिचित सहयोगी द्वारा हिंसा का कभी अनुभव	
		(% 5 वर्ष से कम)	(हजारों में)	(हजारों में)	(वार्षिक औसत प्रति मिलियन लोग)	(हजारों में)	(प्रति 100,000 लोग)	(प्रति 100,000 लोग)	स्त्री	पुरुष	(प्रतिदिन प्रति व्यक्ति किलोकैलोरी)	(%)	
एचडीआई श्रेणी		2005–2013[c]	2014	2014	2005/2014	2013	2002–2013[c]	2008–2012[c]	2012	2012	2012/2014	2001–2011[c]	
120	किर्गिस्तान	98	2.3	..	59	..	181	9.1	4.5	14.2	42	..	
121	इराक	99	426.1	3,276.0	8	..	110	8.0	2.1	1.2	190	..	
122	केप वर्दे	91	0.0	..	0	..	267	10.3	1.6	9.1	77	16.1[d]	
123	माइक्रोनेशिया (संघीय राज्य)	..	..	..	0	..	80	4.6	..	..	..	..	
124	गयाना	88	0.8	..	0	..	260	17.0	22.1	70.8	79	..	
125	निकारगुआ	85	1.5	..	99	..	153	11.3	4.9	15.4	130	29.3[d]	
126	मोरक्को	94[i]	1.3	..	0	..	220	2.2	1.2	9.9	34	44.5	
126	नामीबिया	78[i]	1.1	..	0	150	191	17.2	1.4	4.4	315	42.5[o]	
128	ग्वाटेमाला	97	6.6	248.5	433	..	105	39.9	4.3	13.7	99	27.6[d]	
129	ताजिकिस्तान	88	0.7	..	32	..	130	1.6	2.8	5.7	268	58.3[d,p]	
130	भारत	84[i]	11.2	853.9	743	..	30	3.5	16.4	25.8	110	35.4	
131	होण्डुरास	94	3.3	29.4	141	..	153	90.4	2.8	8.3	89	..	
132	भूटान	100	26.7	..	0	..	135	1.7	11.2	23.1	..	..	
133	टिमोर लेस्ट	55	0.0	0.9	0	..	25	3.6	5.8	10.2	198	39.2	
134	सीरियाई अरब गणराज्य	96	3,017.5	7,600.0	0	..	58	2.2	0.2	0.7	..	..	
134	वनुआतु	43[i]	0.0	..	0	..	76	2.9	..	..	40	48.0[q]	
136	कांगो	91	11.7	7.8	519	220	31	12.5	4.6	14.7	188	..	
137	किरिबाटी	94	0.0	..	88	..	114	8.2	..	..	24	73.0	
138	इक्वेटोरियल गिनी	54	0.2	..	0	..	95	19.3	8.6	24.1	..	..	
139	ज़ाम्बिया	14	0.2	..	154	1,400	119	10.7	10.8	20.8	415	51.9	
140	घाना	63	22.5	..	0	990	54	6.1	2.2	4.2	25	44.5	
141	लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	75	7.7	4.5	0	..	69	5.9	6.6	11.2	134	..	
142	बांग्लादेश	31	10.0	431.0	76	..	42	2.7	8.7	6.8	122	53.3[d]	
143	कम्बोडिया	62	13.6	..	0	..	106	6.5	6.5	12.6	108	22.3	
143	साओ टोम एवं प्रिन्साइप	75	0.0	..	0	..	128	3.3	..	..	37	..	
निम्न मानव विकास													
145	केन्या	60	8.6	309.2	12	2,500	121	6.4	8.4	24.4	140	45.1	
145	नेपाल	42	8.1	50.0	316	..	48	2.9	20.0	30.1	50	26.0	
147	पाकिस्तान	34	32.8	1,900.0	2,920	..	39	7.7	9.6	9.1	170	..	
148	म्याँमार	72	223.7	645.3	14	..	120	15.2	10.3	16.5	113	..	
149	अंगोला	36	10.3	..	520	1,100	105	10.0	7.3	20.7	104	..	
150	स्वाज़ीलैण्ड	50	0.1	..	22	100	284	33.8	4.1	8.6	186	..	
151	तंज़ानिया गणराज्य	16	1.0	..	68	3,100	78	12.7	18.3	31.6	241	45.4	
152	नाईजीरिया	30	32.2	1,075.3	9	10,000	32	20.0	2.9	10.3	39	29.5	
153	कैमरून	61	11.5	40.0	233	1,500	119	7.6	3.4	10.9	66	51.1[d]	
154	मैडागास्कर	83	0.3	..	1,206	..	87	11.1	6.9	15.2	223	..	
155	ज़िम्बाब्वे	49	19.7	36.0	0	1,100	129	10.6	9.7	27.2	259	43.4	
156	मॉरिटानिया	59	34.3	..	362	..	45	5.0	1.5	4.5	41	..	
156	सॉलोमन द्वीपसमूह	..	0.1	..	113	..	55	4.3	7.2	13.9	65	64.0	
158	पापुआ न्यू गिनी	..	0.2	7.5	327	300	48	10.4	9.1	15.9	..	..	
159	कोमोरॉस	87	0.5	..	0	..	16	10.0	10.3	24.0	..	..	
160	यमन	17[i]	2.5	334.1	17	..	55	4.8	3.0	4.3	177	..	
161	लेसोथो	45	0.0	..	130	220	121	38.0	3.4	9.2	75	..	
162	टोगो	78	10.3	10.0	214	360	64	10.3	2.8	8.5	96	..	
163	हैती	80	38.5	..	948	340	96	10.2	2.4	3.3	510	20.0[d]	
163	रवाण्डा	63	82.6	..	55	..	492[f]	23.1	7.2	17.1	247	47.9	
163	युगाण्डा	30	6.7	29.8	853	2,400	97	10.7	12.3	26.9	167	62.2	
166	बेनिन	80	0.3	..	1,638	450	75	8.4	3.1	8.8	60	..	
167	सूडान	59	657.8[r]	3,100.0	627	..	56	11.2	11.5	23.0	176[s]	..	
168	जिबूती	92	0.8	..	0	42	83	10.1	9.5	20.9	143	..	
169	दक्षिण सूडान	35	508.5[t]	1,498.2	0	570	65	13.9	12.8	27.1	..	..	
170	सेनेगल	73	21.8	24.0	0	..	64	2.8	2.8	8.6	134	..	
171	अफ़गानिस्तान	37	2,690.8	805.4	161	..	76	6.5	5.3	6.2	158	..	
172	आइवरी कोस्ट	65	70.9	300.9	53	1,300	34	13.6	4.1	10.6	96	..	
173	मलावी	2[i]	0.3	..	565	1,200	76	1.8	8.9	23.9	139	41.2	
174	इथियोपिया	7	74.5	397.2	1	4,000	136	12.0	6.7	16.5	250	55.9[l]	
175	गैम्बिया	53	3.4	..	24	83	56	10.2	2.6	7.6	34	..	
176	कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	28	493.3	2,756.6	36	4,000	33	28.3	4.8	15.8	..	64.1[d]	
177	लाइबेरिया	4[i]	16.8	23.0	100	200	46	3.2	2.0	6.8	269	38.6[d]	
178	गिनी बिसाउ	24	1.2	..	48	120	..	8.4	2.4	7.2	157	..	
179	माली	81	147.7	61.6	72	1,100	36	7.5	2.7	7.2	23	..	

	जन्म पंजीकरण	मूल देश छोड़ने वाले शरणार्थी[a]	आंतरिक तौर पर विस्थापित शरणार्थी[b]	प्राकृतिक आपदा से बेघर लोग	अनाथ बच्चे	जेल की आबादी	मानव हत्या दर	आत्महत्या दर		खाद्य संकट की गंभीरता	महिलाओं के खिलाफ हिंसा
								(प्रति 100,000 लोग)			परिचित या अपरिचित सहयोगी द्वारा हिंसा का कभी अनुभव
	(% 5 वर्ष से कम)	(हजारों में)	(हजारों में)	(वार्षिक औसत प्रति मिलियन लोग)	(हजारों में)	(प्रति 100,000 लोग)	(प्रति 100,000 लोग)	स्त्री	पुरुष	(प्रतिदिन प्रति व्यक्ति किलोकैलोरी)	(%)
एचडीआई श्रेणी	2005–2013[c]	2014	2014	2005/2014	2013	2002–2013[c]	2008–2012[c]	2012	2012	2012/2014	2001–2011[c]
180 **मोज़ाम्बीक**	48	0.1	..	331	2,100	65	12.4	21.1	34.2	195	31.5[d]
181 **सिएरा लिओन**	78	5.3	..	40	310	52	1.9	4.5	11.0	169	..
182 **गिनी**	58	15.2	..	37	670	25	8.9	2.4	7.1	120	..
183 **बुर्किना फ़ासो**	77	1.6	..	412	990	28	8.0	2.8	7.3	167	15.4[d]
184 **बुरुण्डी**	75	71.9	77.6	564	740	72	8.0	12.5	34.1	..	..
185 **चाड**	16	14.6	71.0	106	980	41	7.3	2.3	7.4	288	..
186 **एरिट्रिया**	..	286.0	10.0	0	180	..	7.1	8.7	25.8	..	..
187 **मध्य अफ़्रीकी गणराज्य**	61	377.1	438.5	1,044	320	19	11.8	5.3	14.1	302	..
188 **नाइजर**	64	0.7	11.0	517	..	42	4.7	1.9	5.3	59	..
अन्य देश अथवा अंचल											
कोरिया (लोकतांत्रिक गणराज्य)	100	1.2	..	1,451	..	..	5.2	..	..	344	..
मार्शल द्वीप	96	0.0	..	0	..	58	4.7	..	..	..	36.3
मोनाक्को	100	0.0	..	..	..	73[f]	0.0	..	..	..	..
नॉरू	83	..	..	..	..	277	1.3	..	..	..	..
सैन मरीनो	100	0.0	..	..	..	6[f]	0.7	..	..	..	..
सोमालिया	3	1,080.8	1,106.8	258	630	..	8.0	6.8	18.1	..	..
तुवालू	50	0.0	..	0	..	120	4.2	..	..	..	46.6
मानव विकास समूह											
अति उच्च मानव विकास	100	56.7	212.4	—	..	281	2.2	5.5	18.2	..	..
उच्च मानव विकास	96	839.4	9,653.8	—	..	188	6.5	6.4	10.3	64	..
मध्यम मानव विकास	80	9,511.5	13,185.0	—	..	63	5.0	10.8	17.4	98	..
निम्न मानव विकास	39	5,984.7	14,012.2	—	4,125	71	12.1	7.7	15.2	147	..
विकासशील देश	67	17,341.9	38,144.8	—	..	109	6.9	8.3	13.4	94	..
क्षेत्र											
अरब राज्य	81	10,806.0[u]	16,111.6[u]	—	..	116	4.0	2.6	5.5	68	..
पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र	79	780.0[u]	854.9[u]	—	..	123	2.1	7.3	7.3	83	..
यूरोप और मध्य एशिया	97	203.5[u]	2,615.5[u]	—	..	220	3.9	4.8	18.5	..	..
लैटिन अमेरिका और कैरिबियाइ क्षेत्र	92	207.3[u]	7,042.4[u]	—	..	230	23.2	2.8	9.9	43	..
दक्षिण एशिया	72	2,979.0[u]	4,130.3[u]	—	..	46	3.9	14.2	21.5	115	..
सब सहारा अफ़्रीका	41	2,366.1[u]	7,177.7[u]	—	3,987	90	14.5	6.3	15.6	133	..
न्यूनतम विकसित देश	39	6,948.0[u]	11,886.5[u]	—	..	77	10.0	8.6	15.6	167	..
छोटे द्वीप विकासशील राज्य	..	54.4[u]	8.4[u]	—	..	230	13.0	..	..	..	..
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन	98	88.3[u]	1,235.1[u]	—	..	279	4.0	5.3	17.4	..	32.5
विश्व	**71**	**17,474.2[u]**	**38,170.2[u]**	**—**	**..**	**144**	**6.2**	**7.8**	**14.7**	**93**	**..**

नोट

a आँकड़े 1951 के संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, 1967 के संयुक्त राष्ट्र प्रोटोकॉल और 1969 के अफ़्रीकी एकता सम्मेलन के संगठन के अंतर्गत मान्यता प्राप्त शरणार्थियों के लिए संदर्भित। सरकारी आंकड़ों की अनुपस्थिति में यूएन हाईकमिश्नर फॉर रिफ्यूजी (यूएनएचसीआर) के ऑफिस ने कई औद्योगिक राष्ट्रों में 10 वर्ष के मान्यता प्राप्त व्यक्तिगत स्तर पर शरण मांगने वाले शरणार्थियों की आबादी का आकलन किया है।

b अनुमानों पर और विस्तृत टिप्पणी के लिए www.internal-displacement.org. देखें।

c आँकडे निर्दिष्ट अवधि में अद्यतन उपलब्ध सबसे हाल के वर्ष के लिए।

d अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा के लिए संदर्भित।

e भाव उत्तेजित हिंसा के प्रकार शामिल।

f देशों के और विस्तृत नोट के लिए देखें। www.prisonstudies.org/highest-to-lowest/prison_population_rate

g केवल शहरी क्षेत्रों के लिए संदर्भित।

h एचडीआरओ की गणना आईसीपीएस (2014) के आँकडों पर आधारित।

i आँकडे सामान्य परिभाषा से भिन्न हैं या केवल देश के किसी हिस्से के लिए संदर्भित।

j आँकडे 6 अक्टूबर 2014 को अपडेट किये गये और यूएनओडीसी (2014) में प्रकाशित आँकडों के स्थान पर हैं।

k 1990 के लिए संदर्भित।

l केवल ग्रामीण क्षेत्रें के लिए संदर्भित।

m निकटपूर्व में फिलीस्तीनी शणरणार्थियों के लिए कार्यरत यूनाइटेड नेशंस रिलीफ एंड वर्क्स एजेंसी के उत्तरदायित्व के तहत फिलीस्तीन शरणार्थी शामिल।

n अलग कार्यप्रणाली के प्रयोग द्वारा किए गए सर्वेक्षणों और माध्यमिक जानकारी पर आधारित। यह व्यापक पैमाने पर हुए विस्थापन को व्यक्त नहीं करता। कोई भी संस्था या तंत्र आंतरिक तौर पर विस्थापित लोगों की संख्या पर व्यवस्थित तरीके से जाँच नहीं करती।

o केवल विंडहॉक।

p केवल खॉटलोन क्षेत्र।

q केवल गैर सहयोगी की हिंसा के लिए संदर्भित।

r दक्षिणी सूडान के नागरिक भी शामिल हो सकते हैं।

s दक्षिणी सूडान की स्वतंत्रता से पहले 2009–2011 के औसत के लिए संदर्भित।

t सूडान के आँकडों में दक्षिणी सूडान से अज्ञात संख्या में शरणार्थी और शरण मांगने वाले शामिल किये जा सकते हैं।

u राष्ट्रीय अनुमानों का अभारित आकलन।

परिभाषाएं

जन्म पंजीकरण: सर्वेक्षण के दौरान पांच वर्ष से कम उम्र के पंजीकृत बच्चों का प्रतिशत। इसमें वे बच्चे भी शामिल हैं जिनके जन्म प्रमाणपत्र साक्षात्कार लेने वालों ने देखे और जिनकी माँ या देखभाल करने वालों ने जन्म पंजीकृत कराने का दावा किया।

मूल देश पर आधारित शरणार्थी : लोगों की संख्या जो नस्ल, धार्म, राष्ट्रीयता, राजनीतिक विचारधारा या किसी खास सामाजिक समूह की सदस्यता के कारण उत्पीड़न के भय से अपने मूल देश को छोड़कर भाग गये हैं और चाह कर भी या अब अपनी इच्छा से वे वापस मूल देश नहीं लौटना चाहते।

आंतरिक विस्थापित शरणार्थी: लोगों की संख्या जिन्हें अपने घर अथवा पारंपरिक निवासों को छोड़ने पर मजबूर किया गया हो–विशेषकर, सशस्त्र हिंसा के असर से बचने के लिए या उसके परिणाम स्वरुप, सामान्यीकृत हिंसा की स्थिति, मानवाधिकारों का उल्लंघन अथवा समेत मानव-निर्मित या प्राकृतिक आपदा-और जिन्होंने मान्यता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार नहीं हो।

प्राकृतिक आपदा से बेघर हुए लोग: प्राकृतिक आपदा के परिणामस्वरूप रहने लायक आश्रय ना मिलने वाले तथा अपने साथ कुछ अपना जरूरी सामान अपने साथ ले जाने वाले, और जो सड़कों, दरवाज़ों में, या तटबंध के साथ, या किसी अन्य स्थान पर लगभग बेतरतीब आधार पर सोने वाले लोग प्रति 10 लाख व्यक्तियों के रुप में व्यक्त।

अनाथ बच्चे: 0–17 उम्र के ऐसे बच्चे जो किन्हीं कारणवश अपने एक या दोनों अभिभावकों को खो चुके हैं।

बंदी जनसंख्या: वयस्क और किशोर बंदियों की संख्या, जिनमें मुकदमें से पूर्व के बंदी यदि वह अन्यथा उल्लेखित हैं (देखें नोट एफ) शामिल हों, प्रति 100,000 लोगों पर व्यक्त।

मानव हत्या दर: अवैध मौतों की संख्या जो एक व्यक्ति द्वारा किसी अन्य व्यक्ति की जानते-बूझते की गयी हो, प्रति 100,000 लोगों के रुप में व्यक्त।

आत्महत्या दर: जानते-बूझते स्व-प्रेरित चोटों द्वारा होने वाली मौतों की संख्या आबादी के संदर्भ में प्रति 100,000 लोगों के रुप में व्यक्त।

खाद्य संकट की गम्भीरता: अल्प पोषितों को उनके स्तर से उठाने के लिए किलो कैलोरी की आवश्यकता, अन्य कारणों को यथावत रखते हुए।

अंतरंग या गैर अंतरंग सहयोगी हिंसा का कभी महिला द्वारा अनुभव: 15 या अधिक उम्र की महिला आबादी का प्रतिशत, जिसने कभी न कभी अपने अंतरंग या गैर अंतरंग सहयोगी द्वारा शारीरिक या यौन हिंसा का अनुभव किया है।

आँकडों के मुख्य स्रोत

कॉलम 1 और 5: यूनिसेफ (2015)।

कॉलम 2: यूएनएचसीआर (2015)।

कॉलम 3: आईडीएमसी (2015)।

कॉलम 4: सीआरईडी ईएम-डीएटी (2015) और यूएनडीईएसए (2013)।

कॉलम 6: आईसीपीएस (2014)।

कॉलम 7: यूएनओडीसी (2014)।

कॉलम 8 और 9: डब्ल्यूएचओ (2015)।

कॉलम 10: एफएओ (2015)।

कॉलम 11: यूएन वीमेन (2014)।

सारणी 15 अंतर्राष्ट्रीय एकीकरण

		व्यापार	वित्तीय प्रवाह				मानव गतिशीलता				संचार व्यवस्था		
		आयात और निर्यात	प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का कुल अंतर्वाह	निजी पूंजी प्रावाह	कुल प्राप्त आधिकारिक विकास अनुदान[a]	विप्रेषण अंतर्वाह	कुल प्रवास दर	अप्रवासियों का प्रतिशत	अंतर्राष्ट्रीय छात्र गतिशीलता	आने वाले अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक	इंटरनेट उपयोगकर्ता	मोबाइल फोन ग्राहक	
		(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(प्रति 1,000 लोग)	(जनसंख्या का %)	(तृतीय स्तर की शिक्षा में मानांकन का %)	(हजारों में)	(जनसंख्या का %)	(प्रति 100 लोग)	(बदलाव का %)
एचडीआई श्रेणी		2013[b]	2013[b]	2013[b]	2013[b]	2013[b]	2010/2015[c]	2013	2013[b]	2013[b]	2014	2014	2009–2014
अति उच्च मानव विकास													
1	नॉर्वे	67.0	0.5	11.5	..	0.15	6.0	13.8[d]	–3.4	4,963	96.3	116.5	5.2
2	आस्ट्रेलिया	41.0	3.3	–6.8	..	0.16	6.5	27.7[e]	17.1	6,382	84.6	131.2	30.3
3	स्विटज़रलैण्ड	132.2	–1.2	12.6	..	0.46	8.0	28.9	12.6	8,967	87.0	140.5	16.7
4	डेनमार्क	102.8	0.5	–0.1	..	0.43	2.7	9.9	8.3	8,557	96.0	126.0	1.8
5	नीदरलैण्ड	155.6	3.8	7.6	..	0.18	0.6	11.7	5.4	12,800	93.2	116.4	–4.3
6	जर्मनी	85.3	1.4	6.7	..	0.42	1.3	11.9	2.8	31,500	86.2	120.4	–4.6
6	आयरलैण्ड	189.8	21.5	19.3	..	0.31	2.2	15.9	–3.9	8,260	79.7	104.3	–2.3
8	अमेरिका	30.0	1.8	0.7	..	0.04	3.1	14.3	3.6	69,800	87.4	98.4	11.0
9	कनाडा	61.9	3.9	–2.0	..	0.07	6.3	20.7	..	16,600	87.1	83.0	17.6
9	न्यूज़ीलैण्ड	57.5	–0.3	0.8	..	0.25	3.3	25.1	14.0	2,629	85.5	112.1	3.1
11	सिंगापुर	358.0	21.4	3.4	..	..	15.0	42.9	10.3	11,900	82.0	158.1	14.0
12	हांगकांग, चीन (एस.ए.आर.)	458.3	28.0	21.1	..	0.13	4.2	38.9	–1.7	25,700	74.6	239.3	33.1
13	लिक्टेन्सटाइन	..	..	..	..	..	..	33.1	–16.8	52	95.2	104.3	6.9
14	स्वीडन	82.7	–0.9	–3.3	..	0.20	4.2	15.9	1.8	5,229	92.5	127.8	14.0
14	ब्रिटेन	61.6	1.8	–3.9	..	0.06	2.9	12.4	16.3	31,200	91.6	123.6	–0.3
16	आइसलैण्ड	103.1	3.1	8.5	..	1.15	3.3	10.4	–8.2	800	98.2	111.1	2.6
17	कोरिया गणराज्य	102.8	0.9	1.9	..	0.49	1.2	2.5	–1.7	12,200	84.3	115.5	16.1
18	इस्राइल	64.5	4.1	0.2	..	0.26	–2.0	26.5	–2.6	2,962	71.5	121.5	–2.1
19	लक्ज़मबर्ग	371.4	50.0	–168.9	..	3.02	9.7	43.3	–85.9	945	94.7	148.4	2.7
20	जापान	35.1	0.1	–2.7	..	0.05	0.6	1.9	3.0	10,400	90.6	120.2	31.7
21	बेल्जियम	164.2	–0.6	–10.0	..	2.12	2.7	10.4	6.6	7,684	85.0	114.3	5.4
22	फ्रांस	58.0	0.2	–3.6	..	0.83	2.0	11.6	6.6	84,700	83.8	100.4	9.0
23	ऑस्ट्रिया	103.4	3.6	0.0	..	0.66	3.5	15.7	13.1	24,800	81.0	151.9	11.2
24	फ़िनलैण्ड	77.3	–2.0	0.7	..	0.40	1.8	5.4	4.4	4,226	92.4	139.7	–3.1
25	स्लोवेनिया	143.4	–0.9	–9.6	..	1.43	2.1	11.3	–0.1	2,259	71.6	112.1	9.1
26	स्पेन	59.7	3.2	–5.8	..	0.69	2.6	13.8[f]	1.4	60,700	76.2	107.9	–3.3
27	इटली	54.8	0.6	–0.2	..	0.35	3.0	9.4	1.6	47,700	62.0	154.3	3.2
28	चेक गणराज्य	148.6	2.4	–3.1	..	1.09	3.8	4.0	6.5	9,004	79.7	130.0	4.4
29	ग्रीस	63.4	1.2	1.7	..	0.33	0.9	8.9	–0.8	17,900	63.2	115.0	–4.0
30	एस्टोनिआ	171.3	3.9	0.3	..	1.72	0.0	16.3	–3.5	2,868	84.2	160.7	33.3
31	ब्रूनेई दारस्सलाम	108.6	5.6	–1.0	..	..	0.8	49.3	–38.3	225	68.8	110.1	5.1
32	साइप्रस	86.7	2.8	–71.9	..	0.38	6.2	18.2[g]	–61.0	2,405	69.3	96.3	7.5
32	कतर	97.5	–0.4	11.4	..	0.28	48.8	73.8	16.6	2,611	91.5	145.8	17.0
34	अंडोरा	..	..	..	..	..	..	56.9	–182.3	2,335	95.9	82.6	0.7
35	स्लोवाकिया	181.4	2.2	–10.8	..	2.12	0.6	2.7	–10.9	6,235	80.0	116.9	15.4
36	पोलैण्ड	90.3	–0.9	0.0	..	1.33	–0.2	1.7	0.2	15,800	66.6	156.5	33.4
37	लिथुआनिया	155.7	1.6	3.1	..	4.48	–1.9	4.9	–5.0	2,012	72.1	147.0	–8.1
37	माल्टा	182.5	–19.4	52.7	..	0.35	2.1	8.0	–6.3	1,582	73.2	127.0	27.2
39	सऊदी अरब	82.4	1.2	0.3	0.0	0.04	2.1	31.4	–0.8	13,400	63.7	179.6	7.3
40	अर्जेंटीना	29.3	1.9	–1.7	0.0	0.09	–0.5	4.5	..	5,571	64.7	158.7	21.1
41	संयुक्त अरब अमीरात	176.1	2.6	..	..	..	11.4	83.7	38.2	7,126	90.4	178.1	28.8
42	चिली	65.5	7.3	–5.2	0.0	0.00	0.3	2.3	–0.5	3,576	72.4	133.3	37.6
43	पुर्तगाल	77.5	3.5	–0.2	..	1.92	1.9	8.4	1.4	8,097	64.6	111.8	0.3
44	हंगरी	169.9	–3.2	–2.4	..	3.24	1.5	4.7	3.4	10,700	76.1	118.1	0.4
45	बहरीन	122.2	3.0	–10.4	..	..	3.4	54.7	–4.7	9,163	91.0	173.3	47.3
46	लात्विया	121.5	2.8	–0.6	..	2.46	–1.0	13.8	–2.9	1,536	75.8	124.2	13.9
47	क्रोएशिया	85.4	1.0	–5.7	0.3	2.59	–0.9	17.6	–5.2	11,000	68.6	104.4	–2.8
48	कुवैत	98.1	1.0	20.5	..	0.00	18.3	60.2	..	300	78.7	218.4	137.8
49	मॉन्टीनेग्रो	103.9	10.1	–11.0	2.8	9.59	–0.8	8.2	..	1,324	61.0	163.0	–22.0
उच्च मानव विकास													
50	बेलारुस	125.2	3.1	–2.7	0.2	1.69	–0.2	11.6	–4.0	137	59.0	122.5	20.5
50	रुसी गणराज्य	50.9	3.4	1.3	..	0.32	1.5	7.7	1.2	30,800	70.5	155.1	–3.1
52	ओमान	98.6	2.0	–0.6	0.0	0.05	59.2	30.6	–11.8	1,551	70.2	157.8	5.8
52	रोमानिया	84.5	2.2	–6.0	..	1.86	–0.4	0.9	–1.4	8,019	54.1	105.9	–7.5
52	उरूग्वे	51.3	5.0	–10.0	0.1	0.22	–1.8	2.2	..	2,683	61.5	160.8	31.4
55	बहामास	97.7	4.5	–4.1	..	..	5.2	16.3	..	1,364	76.9	71.4	–29.4
56	कज़ाकिस्तान	64.9	4.2	–0.8	0.0	0.09	0.0	21.1	–5.1	4,926	54.9	168.6	55.6
57	बारबाडोस	96.8	12.2	–9.6	0.4	1.85	1.4	11.3	3.9	509	76.7	106.8	–11.6
58	एंटिगुआ और बरबूडा	103.5	11.2	–11.6	0.1	1.76	–0.1	31.9	–19.0	244	64.0	120.0	–23.2

		व्यापार	वित्तीय प्रवाह				मानव गतिशीलता				संचार व्यवस्था		
		आयात और निर्यात	प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का कुल अंतर्वाह	निजी पूंजी प्रावाह	कुल प्राप्त आधिकारिक विकास अनुदान[a]	विप्रेषण अंतर्वाह	कुल प्रवास दर	अप्रवासियों का प्रतिशत	अंतर्राष्ट्रीय छात्र गतिशीलता	आने वाले अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक	इंटरनेट उपयोगकर्ता	मोबाइल फोन ग्राहक	
		(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(प्रति 1,000 लोग)	(जनसंख्या का %)	(तृतीय स्तर की शिक्षा में मानांकन का %)	(हजारों में)	(जनसंख्या का %)	(प्रति 100 लोग)	(बदलाव का %)
एचडीआई श्रेणी		2013[b]	2013[b]	2013[b]	2013[b]	2013[b]	2010/2015[c]	2013	2013[b]	2013[b]	2014	2014	2009–2014
59	बुल्गेरिया	137.4	3.5	–2.0	..	3.06	–1.4	1.2	–4.6	6,898	55.5	137.7	–1.9
60	पलाउ	137.2	2.3	..	14.8	..	..	26.7	..	105	..	90.6	44.6
60	पनामा	154.8	11.8	–11.1	0.0	1.06	1.5	4.1	..	1,658	44.9	158.1	–5.8
62	मलेशिया	154.1	3.7	0.7	0.0	0.45	3.1	8.3[h]	–0.2	25,700	67.5	148.8	37.2
63	मॉरिशिस	120.8	2.2	–34.1	1.2	0.00	0.0	3.6[i]	–11.6	993	41.4	132.3	49.3
64	सेशेल्स	164.0	12.3	–11.8	1.8	0.89	–3.4	13.0	–198.3	230	54.3	162.2	32.8
64	ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	103.2	7.0	..	0.0	0.53	–2.2	2.4	–27.8	434	65.1	147.3	5.5
66	सर्बिया	92.7	4.3	–9.2	1.8	8.84	–2.1	5.6[j]	–1.2	922	53.5	122.1	–1.8
67	क्यूबा	39.1	..	..	0.1	..	–2.5	0.1	4.1	2,829	30.0	22.5	308.5
67	लेबनान	138.7	6.8	–6.5	1.4	17.73	21.3	17.6	6.9	1,274	74.7	88.4	57.0
69	कोस्टा रिका	73.9	6.5	–9.7	0.1	1.20	2.7	8.6	–0.1	2,428	49.4	143.8	239.3
69	ईरान इस्लामिक गणराज्य	53.7	0.8	..	0.0	0.25	–0.8	3.4	–1.0	4,769	39.4	87.8	22.9
71	वेनेज़ुएला बोलिवेरियाई गणराज्य	50.4	1.6	–1.2	0.0	0.03	0.3	3.9	–0.5	986	57.0	99.0	0.6
72	तुर्की	57.9	1.6	–4.1	0.3	0.14	0.9	2.5	0.2	37,800	51.0	94.8	7.6
73	श्रीलंका	54.5	1.4	–4.4	0.6	9.56	–3.0	1.5	–5.1	1,275	25.8	103.2	30.3
74	मैक्सिको	64.2	3.3	–6.0	0.0	1.83	–2.0	0.9	–0.6	24,200	44.4	82.5	15.5
75	ब्राज़ील	27.6	3.6	–4.1	0.1	0.11	–0.2	0.3	–0.2	5,813	57.6	139.0	58.7
76	जॉर्जिया	102.3	5.9	–4.9	4.1	12.05	–5.8	4.4[k]	–5.8	5,392	48.9	124.9	93.8
77	सेंट किट्स एवं नेविस	87.7	14.5	–14.0	3.9	6.73	..	10.5	–57.9	107	65.4	139.8	–4.2
78	अज़रबेजान	75.6	3.6	–2.5	–0.1	2.36	0.0	3.4[l]	–6.6	2,130	61.0	110.9	28.5
79	ग्रेनाडा	75.8	8.9	–10.6	1.2	3.55	–8.1	10.7	54.1	116	37.4	126.5	15.3
80	जॉर्डन	113.8	5.3	–10.0	4.2	10.82	11.3	40.2	3.7	3,945	44.0	147.8	51.9
81	मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	126.7	4.1	–1.6	2.5	3.69	–0.5	6.6	–5.2	400	68.1	109.1	17.9
81	यूक्रेन	102.2	2.5	–7.3	0.4	5.45	–0.2	11.4	0.5	24,700	43.4	144.1	21.3
83	अल्जीरिया	63.4	0.8	–1.0	0.1	0.10	–0.3	0.7	–1.1	2,634	18.1	93.3	3.7
84	पेरू	48.4	4.6	–7.1	0.2	1.34	–2.0	0.3	..	3,164	40.2	102.9	20.6
85	अल्बानिया	87.9	9.7	–8.3	2.3	8.46	–3.2	3.1	–12.1	2,857	60.1	105.5	34.9
85	अर्मेनिआ	75.0	3.5	–10.0	2.7	21.01	–3.4	10.6	–2.6	1,084	46.3	115.9	57.0
85	बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	85.0	1.8	–1.1	3.0	10.80	–0.3	0.6	–3.2	529	60.8	91.3	8.0
88	इक्वाडोर	60.8	0.8	0.2	0.2	2.60	–0.4	2.3	–1.3	1,364	43.0	103.9	15.8
89	सेंट लूसिआ	97.2	6.3	–13.3	1.9	2.26	0.0	6.7	–31.5	319	51.0	102.6	–5.3
90	चीन	50.3	3.8	–2.7	0.0	0.42	–0.2	0.1	–1.8	55,700	49.3	92.3	66.9
90	फ़िजी	136.4	4.1	–14.1	2.4	5.28	–6.6	2.6	20.1	658	41.8	98.8	31.6
90	मंगोलिया	112.2	18.7	–17.0	4.0	2.22	–1.1	0.6	–3.9	418	27.0	105.1	24.8
93	थाइलैण्ड	143.8	3.3	0.4	0.0	1.47	0.3	5.6	–0.2	26,500	34.9	144.4	45.2
94	डोमिनिका	81.0	3.5	–0.3	4.0	4.56	..	8.9	..	78	62.9	127.5	–8.1
94	लीबिया	94.8	0.9	3.5	0.1	0.03	–7.7	12.2	..	34	17.8	161.1	0.8
96	ट्यूनीशिया	103.1	2.3	–2.4	1.6	4.87	–0.6	0.3	–3.2	6,269	46.2	128.5	37.9
97	कोलम्बिया	38.0	4.3	–4.1	0.2	1.09	–0.5	0.3	..	2,288	52.6	113.1	22.9
97	सेंट विन्सेन्ट एवं ग्रेनाडाइन	87.2	17.9	–19.9	1.1	4.45	–9.1	9.4	..	72	56.5	105.2	–5.1
99	जमैका	83.4	4.6	–5.5	0.5	15.05	–5.8	1.3	..	2,008	40.5	102.9	–5.0
100	टोंगो	80.5	2.5	..	16.8	23.80	–15.4	5.2	..	45	40.0	64.3	25.6
101	बेलीज़	127.2	5.5	–4.5	3.3	4.58	4.6	15.3	..	294	38.7	50.7	–5.6
101	डोमीनिकन गणराज्य	56.8	2.6	–6.1	0.3	7.33	–2.7	3.9	2.7	4,690	49.6	78.9	–9.7
103	सूरीनाम	75.6	2.6	–2.6	0.6	0.13	–1.9	7.7	..	249	40.1	170.6	16.2
104	मालदीव	223.6	15.7	–13.4	1.2	0.14	0.0	24.4	–1,678.1	1,125	49.3	189.4	32.3
105	समोआ	80.9	3.0	–2.8	15.3	19.71	–13.4	3.0	..	116	21.2	55.5	..
मध्यम मानव विकास													
106	बोत्स्वाना	115.0	1.3	7.1	0.7	0.24	2.0	7.2	–5.4	2,145	18.5	167.3	74.2
107	मॉल्डोवा गणराज्य	125.3	3.1	–2.7	4.2	24.91	–5.9	11.2[m]	–12.3	12	46.6	108.0	82.2
108	मिस्र	42.3	2.0	–0.2	2.1	7.32	–0.5	0.4	1.0	9,174	31.7	114.3	58.6
109	तुर्कमेनिस्तान	117.7	7.3	..	0.1	..	–1.0	4.3	..	8	12.2	135.8	217.0
110	गैबन	93.6	4.4	–2.0	0.5	0.13	0.6	23.6	–38.3	269	9.8	210.4	120.4
110	इण्डोनेशिया	49.5	2.7	–2.7	0.0	0.88	–0.6	0.1	–0.5	8,802	17.1	126.2	83.1
112	पराग्वे	94.1	1.2	–3.0	0.5	2.04	–1.2	2.7	..	610	43.0	105.6	19.3
113	फिलिस्तीन राज्य	72.4	1.6	–1.2	19.1	18.29	–2.0	5.9[n]	–9.8	545	53.7	72.1	56.7
114	उज़्बेकिस्तान	59.3	1.9	..	0.5	..	–1.4	4.4	–8.3	1,969	43.6	73.8	23.1
115	फ़िलीपीन्स	59.9	1.3	–0.3	0.1	9.81	–1.4	0.2	–0.2	4,681	39.7	111.2	35.2
116	अल सल्वाडोर	72.2	0.8	–0.7	0.7	16.37	–7.1	0.7	–1.3	1,283	29.7	144.0	17.7
116	दक्षिण अफ्रीका	64.2	2.2	–2.5	0.4	0.27	–0.4	4.5	3.6	9,537	49.0	149.7	64.0

	व्यापार	वित्तीय प्रवाह				मानव गतिशीलता				संचार व्यवस्था		
	आयात और निर्यात	प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का कुल अंतर्वाह	निजी पूंजी प्रावाह	कुल प्राप्त आधिकारिक विकास अनुदान[a]	विप्रेषण अंतर्वाह	कुल प्रवास दर	अप्रवासियों का प्रतिशत	अंतर्राष्ट्रीय छात्र गतिशीलता	आने वाले अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक	इंटरनेट उपयोगकर्ता	मोबाइल फोन ग्राहक	
	(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(प्रति 1,000 लोग)	(जनसंख्या का %)	(तृतीय स्तर की शिक्षा में मानांकन का %)	(हजारों में)	(जनसंख्या का %)	(प्रति 100 लोग)	(बदलाव का %)
एचडीआई श्रेणी	2013[b]	2013[b]	2013[b]	2013[b]	2013[b]	2010/2015[c]	2013	2013[b]	2013[b]	2014	2014	2009–2014
116 वियतनाम	163.7	5.2	–4.9	2.5	6.35	–0.4	0.1	–2.2	7,572	48.3	147.1	32.1
119 बोलिविया (प्लूरीनेशनल राज्य)	81.4	5.7	–4.3	2.4	3.93	–2.4	1.4	..	798	39.0	96.3	48.9
120 किर्गिस्तान	143.1	10.5	–10.6	7.7	31.52	–6.3	4.1	1.9	3,076	28.3	134.5	57.8
121 इराक	66.7	1.2	1.3	0.7	0.13	2.7	0.3	–0.2	892	11.3	94.9	42.3
122 केप वर्दे	87.2	2.2	–1.4	13.4	9.34	–6.9	3.0	–34.5	503	40.3	121.8	103.6
123 माइक्रोनेशिया (संघीय राज्य)	..	0.6	..	41.7	6.97	–15.7	2.5	..	42	..	..	..
124 गयाना	203.8	6.7	–7.0	3.4	10.98	–8.2	1.8	–16.9	177	37.4	70.5	12.8
125 निकारगुआ	92.6	7.5	–7.9	4.5	9.61	–4.0	0.7	..	1,229	17.6	114.6	96.7
126 मोरक्को	80.5	3.2	–3.0	1.9	6.63	–2.7	0.2	–7.7	10,000	56.8	131.7	62.8
126 नामीबिया	104.1	6.9	–3.0	2.0	0.09	–0.3	2.2	–32.7	1,176	14.8	113.8	49.5
128 ग्वाटेमाला	58.6	2.5	–3.2	0.9	9.98	–1.0	0.5	..	1,331	23.4	106.6	–13.8
129 ताजिकिस्तान	87.5	1.3	–1.0	4.5	47.50	–2.5	3.4	–4.2	208	17.5	95.1	44.6
130 भारत	53.3	1.5	–1.8	0.1	3.73	–0.4	0.4	–0.6	6,968	18.0	74.5	68.8
131 होण्डुरास	117.5	5.8	–11.0	3.6	16.91	–1.2	0.3	–0.9	863	19.1	93.5	–16.8
132 भूटान	103.7	2.8	..	8.1	0.66	2.7	6.7	–29.9	116	34.4	82.1	70.6
133 टिमोर लेस्ट	136.7	1.6	178.6	6.0	9.44	–13.3	1.0	..	58	1.1	58.7	78.1
134 सीरियाई अरब गणराज्य	76.5	3.1	..	0.2	2.55	–13.7	6.4	..	5,070	28.1	71.0	48.9
134 वनुआतु	99.1	4.0	–2.0	11.4	2.86	0.0	1.2	..	110	18.8	60.4	5.9
136 कांगो	142.6	14.5	–31.4	1.4	0.18	–2.1	9.7	–20.9	297	..	..	..
137 किरिबाटी	121.0	5.3	4.0	25.5	7.30	–2.0	2.6	..	6	12.3	17.4	69.2
138 इक्वेटोरियल गिनी	156.8	12.3	..	0.1	..	5.3	1.3	..	0	18.9	66.4	124.7
139 ज़ाम्बिया	81.6	6.8	–6.4	4.4	0.20	–0.6	0.7	..	915	17.3	67.3	96.0
140 घाना	89.4	6.7	–8.1	2.8	0.25	–0.8	1.4	0.5	931	18.9	114.8	80.0
141 लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	83.4	3.8	–3.9	4.0	0.53	–2.2	0.3	–3.4	2,510	14.3	67.0	29.8
142 बांग्लादेश	46.3	1.0	–0.9	1.6	9.24	–2.6	0.9	–1.1	148	9.6	75.9	121.0
143 कम्बोडिया	139.5	8.8	–8.4	5.6	1.15	–2.3	0.5	–2.7	4,210	9.0	155.1	250.0
143 साओ टोम एवं प्रिन्साइप	58.3	3.4	–1.4	16.8	8.53	–1.6	3.3	..	12	24.4	64.9	39.2
निम्न मानव विकास												
145 केन्या	50.9	0.9	–0.5	5.9	2.41	–0.2	2.2	..	1,434	43.4	73.8	51.9
145 नेपाल	48.2	0.4	..	4.5	28.77	–2.9	3.5	–7.6	798	15.4	82.5	291.2
147 पाकिस्तान	33.1	0.6	–0.5	0.9	6.30	–1.8	2.2	–5.3	966	13.8	73.3	32.2
148 म्याँमार	..	..	..	..	..	–0.4	0.2	–1.0	2,044	2.1	49.5	..
149 अंगोला	96.5	–5.7	10.7	0.3	0.00	0.6	0.4	..	650	21.3	63.5	48.2
150 स्वाज़ीलैण्ड	114.6	0.6	–0.3	3.4	0.79	–1.0	2.0	–32.8	968	27.1	72.3	27.8
151 तंज़ानिया गणराज्य	49.5	4.3	–5.7	7.9	0.14	–0.6	0.6	–9.3	1,063	4.9	62.8	56.8
152 नाईजीरिया	31.0	1.1	–4.5	0.5	4.46	–0.4	0.7	..	600	42.7	77.8	62.3
153 कैमरून	49.6	1.1	–2.1	2.5	0.83	–0.5	1.3	–8.0	912	11.0	75.7	90.1
154 मैडागास्कर	73.1	7.9	..	4.9	0.22	0.0	0.1	–2.6	196	3.7	38.2	24.7
155 ज़िम्बाब्वे	86.4	3.0	..	6.5	..	5.7	2.6	–16.7	1,833	19.9	80.8	161.0
156 मॉरिटानिया	133.7	27.1	..	7.5	..	–1.0	2.3	–23.0	0	10.7	94.2	51.8
156 सॉलोमन द्वीपसमूह	119.1	4.1	–4.0	30.0	1.51	–4.3	1.4	..	24	9.0	65.8	577.2
158 पापुआ न्यू गिनी	..	0.1	–4.0	4.5	0.09	0.0	0.3	..	174	9.4	44.9	112.5
159 कोमोरॉस	78.2	2.3	–1.6	13.3	20.02	–2.8	1.7	–70.5	19	7.0	50.9	176.6
160 यमन	82.1	–0.4	0.8	2.9	9.30	–1.1	1.3	–0.8	990	22.6	68.5	83.1
161 लेसोथो	150.6	1.9	–1.1	11.2	19.81	–1.9	0.1	–11.7	433	11.0	101.9	206.8
162 टोगो	95.8	1.9	–0.8	6.0	10.61	–0.3	3.0	–9.4	327	5.7	69.0	93.7
163 हैती	71.1	2.2	..	13.7	21.05	–3.4	0.4	..	295	11.4	64.7	73.2
163 रवाण्डा	45.4	1.5	–1.5	14.6	2.26	–0.8	3.8	–5.7	864	10.6	64.0	177.5
163 युगाण्डा	50.7	4.8	–5.5	7.0	3.77	–0.8	1.4	7.2	1,206	17.7	52.4	83.6
166 बेनिन	51.8	3.9	–0.9	7.9	2.75	–0.2	2.3	4.3	231	5.3	101.7	86.7
167 सूडान	25.7	3.3	–3.3	1.8	0.64	–4.3	1.2	..	591	24.6	72.2	99.9
168 जिबूती	134.2	19.6	..	9.6	2.45	–3.7	14.2	–39.3	63	10.7	32.4	106.7
169 दक्षिण सूडान	61.0	..	..	13.4	..	15.7	5.6	..	0	15.9	24.5	..
170 सेनेगल	73.6	2.0	–8.1	6.7	11.18	–1.4	1.5	..	1,063	17.7	98.8	80.3
171 अफ़गानिस्तान	55.4	0.3	0.0	25.7	2.65	–2.6	0.3	–5.8	..	6.4	74.9	97.6
172 आइवरी कोस्ट	91.0	1.2	–3.1	4.2	1.50	0.5	12.0	0.2	289	14.6	106.3	49.9
173 मलावी	110.5	3.2	–1.9	31.5	0.67	0.0	1.3	–20.1	770	5.8	30.5	78.8
174 इथियोपिया	41.5	2.0	..	8.1	1.44	–0.1	0.8	..	681	2.9	31.6	561.5
175 गैम्बिया	87.8	2.8	..	12.7	15.45	–1.5	8.8	..	171	15.6	119.6	48.4
176 कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	74.7	5.2	–5.2	8.6	0.10	–0.2	0.7	–0.1	191	3.0	53.5	242.1

	व्यापार	वित्तीय प्रवाह				मानव गतिशीलता				संचार व्यवस्था		
	आयात और निर्यात	प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का कुल अंतर्वाह	निजी पूंजी प्रावाह	कुल प्राप्त आधिकारिक विकास अनुदान[a]	विप्रेषण अंतर्वाह	कुल प्रवास दर	अप्रवासियों का प्रतिशत	अंतर्राष्ट्रीय छात्र गतिशीलता	आने वाले अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक	इंटरनेट उपयोगकर्ता	मोबाइल फोन ग्राहक	
	(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(जीडीपी का %)	(प्रति 1,000 लोग)	(जनसंख्या का %)	(तृतीय स्तर की शिक्षा में मानांकन का %)	(हजारों में)	(जनसंख्या का %)	(प्रति 100 लोग)	(बदलाव का %)
एचडीआई श्रेणी	2013[b]	2013[b]	2013[b]	2013[b]	2013[b]	2010/2015[c]	2013	2013[b]	2013[b]	2014	2014	2009–2014
177 लाइबेरिया	121.9	35.9	..	30.5	19.65	–0.9	5.3	..	0	5.4	73.4	158.3
178 गिनी बिसाउ	..	1.5	–1.1	10.8	4.76	–1.2	1.1	..	30	3.3	63.5	75.7
179 माली	69.0	3.7	–5.7	13.5	7.36	–4.0	1.3	–5.3	142	7.0	149.0	353.0
180 मोज़ाम्बीक	70.5	42.8	–44.3	14.9	1.39	–0.2	0.8	–1.1	1,886	5.9	69.7	172.6
181 सिएरा लिओन	107.5	3.5	–5.4	9.8	1.63	–0.7	1.6	..	81	2.1	76.7	272.8
182 गिनी	83.1	2.2	–10.6	8.8	1.51	–0.2	3.2	–5.1	56	1.7	72.1	118.9
183 बुर्किना फ़ासो	57.1	2.9	1.8	8.1	1.34	–1.5	4.1	–2.0	218	9.4	71.7	183.2
184 बुरुण्डी	41.6	0.3	..	20.1	1.79	–0.4	2.5	–3.5	142	1.4	30.5	195.3
185 चाड	69.6	4.0	..	3.1	..	–1.9	3.4	–11.9	100	2.5	39.8	98.1
186 एरिट्रिया	37.5	1.3	..	2.5	..	1.8	0.2	..	107	1.0	6.4	151.5
187 मध्य अफ़्रीकी गणराज्य	33.4	0.1	..	12.3	..	0.4	2.9	6.2	71	4.0	31.4	54.9
188 नाइजर	64.7	8.5	–13.0	10.7	2.30	–0.3	0.7	–5.1	123	2.0	44.4	161.7
अन्य देश अथवा अंचल												
कोरिया (लोकतांत्रिक गणराज्य)	..	..	..	..	..	0.0	0.2	..	0	0.0	11.2	..
मार्शल द्वीप	..	11.9	..	41.4	11.93	..	3.2	–18.0	5	16.8	29.4	..
मोनाक्को	..	..	..	..	..	..	64.2	..	328	92.4	88.5	39.7
नॉरू	..	..	..	..	..	..	20.6	..	..	..	..	..
सैन मरीनो	..	..	..	..	..	..	15.4	..	70	..	118.9	21.8
सोमालिया	..	..	..	..	..	–2.9	0.2	..	0	1.6	50.9	644.9
तुवालू	..	0.9	..	48.3	10.59	..	1.5	..	1	..	38.4	276.7
मानव विकास समूह												
अति उच्च मानव विकास	62.5	1.9	–0.1	..	0.28	2.6	12.6	3.6	638,685	82.5	119.8	15.7
उच्च मानव विकास	55.6	3.4	–2.8	0.1	0.76	–0.1	1.8	–1.1	317,832	49.8	104.6	26.2
मध्यम मानव विकास	62.3	2.3	–2.0	0.6	3.92	–0.9	0.7	–0.7	88,252	21.9	91.5	72.1
निम्न मानव विकास	48.4	1.5	–2.4	3.5	4.10	–0.7	1.6	–4.2	22,802	16.0	65.6	140.6
विकासशील देश	59.3	3.0	–2.6	0.4	1.50	–0.5	1.6	–1.2	428,877	31.9	91.2	65.5
क्षेत्र												
अरब राज्य	92.6	1.7	2.0	0.9	2.06	0.4	8.3	–0.8	75,632	34.8	109.4	59.6
पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र	58.5	3.6	–2.4	0.1	0.82	–0.3	0.4	–1.5	139,481	42.1	100.5	91.3
यूरोप और मध्य एशिया	72.6	2.7	–4.0	0.6	2.26	–0.6	6.7	–1.3	87,474	47.4	113.0	45.4
लैटिन अमेरिका और कैरिबियाइ क्षेत्र	44.9	3.5	–4.3	0.2	1.03	–1.0	1.3	–0.2	73,630	50.0	114.9	24.0
दक्षिण एशिया	51.4	1.3	–1.7	0.5	4.09	–0.9	0.9	–1.2	16,165	17.6	75.6	77.1
सब सहारा अफ़्रीका	60.0	2.4	–3.4	3.0	2.18	–0.1	1.8	–2.1	33,865	19.3	71.1	111.5
न्यूनतम विकसित देश	66.8	2.7	–1.1	5.6	4.42	–1.1	1.2	–2.3	23,829	8.6	63.1	157.5
छोटे द्वीप विकासशील राज्य	72.4	3.8	–6.7	1.9	6.11	–2.8	1.9	–7.8	17,532	28.2	64.8	44.0
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन	57.0	1.7	–0.5	..	0.31	1.9	9.6	3.4	602,443	78.1	110.4	9.7
विश्व	60.4	2.3	–0.9	0.4	0.71	0.0	3.2	0.3	1,067,976	40.5	96.2	50.0

नोट

a एक ऋणात्मक मूल्यांकन, जिसका आशय ऋणदाता देशों द्वारा दी गई कुल आधिकारिक विकास सहायता से है।

b उल्लेखित डाटा 2013 या उससे भी उपलब्ध सबसे हालिया वर्ष का।

c डाटा औसत वार्शिक 2010–2015 के लिए प्रस्तावित।

d स्वलबार्ड और जेन मैयन द्वीप समेत।

e क्रिसमस द्वीप, कोको (कीलिंग) द्वीप और नॉरॉक द्वीप समेत।

f कैनरी द्वीप, सियुटा और मेलिला द्वीप समेत।

g उत्तरी सायप्रस समेत।

h सबाह और सरावक समेत।

i अगेलेगा, रोड्रिग्स और सेंट ब्रेंडन समेत।

j कोसोवो समेत।

k जॉर्लिया से स्वतंत्र हुए अब्खजिया और दक्षिण ऑसेटिया रहित।

l नार्गोनो-कराबख समेत।

m ट्रांसनिस्त्रिया समेत।

n पूर्व जेरूसलम समेत। फ़िलीस्तीन में अप्रवासियों द्वारा विदेश में जन्म दिए गए शरणार्थियों को शामिल नहीं किया गया है।

परिभाषाएं

आयात और निर्यात: उत्पादों और सेवाओं के आयात और निर्यात का कुल योग, जिसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के प्रतिशत बतौर व्यक्त करते हैं। विदेश व्यापार और आर्थिक एकीकरण के प्रति खुलापन इसका मूल सूचक होता है। यह घरेलू उत्पादकों की विदेशी मांग (निर्यात) और घरेलू उपभोक्ता और उत्पादकों की विदेशों में आपूर्ति (आयात) पर निर्भरता का भी सूचक होता है। यह संबंधित देश की जीडीपी के सापेक्ष होता है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का कुल अंतर्वाह: शेयर पूंजी, आय का पुनर्निवेश समेत अन्य दीर्घकालिक-अल्पकालिक पूंजी का योग। इसे सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत बतौर व्यक्त करते हैं।

निजी पूंजी प्रवाह: कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और शेयर समूह में हुआ निवेश। इसे भी सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत बतौर व्यक्त करते हैं।

कुल प्राप्त अधिकारिक विकास अनुदान: देश में आर्थिक विकास और कल्याण कार्यों के लिए अधिकारिक संस्थाओं द्वारा रियायती शर्तों पर मिलने वाला ऋण (कुल मूलधान का पुनर्भुगतान) और अनुदान। यह अनुदान विकास अनुदान समिति की अनुदान प्राप्तकर्ताओं की सूची में दर्ज देशों और क्षेत्रों को दिया जाता है। इसे प्राप्तकर्ता देश के जीएनआई के प्रतिशत बतौर व्यक्त करते हैं।

विप्रेशण अंतर्वाह: प्रवासियों या शरणार्थियों द्वारा अपने मूल देश में रह रहे परिजनों या उन देशों, जहां वे पहले रहते थे के बाशिंदों को भेजी जाने वाली आय या भौतिक संसाधान।

कुल प्रवास दर: किसी देश में रहने वाले प्रवासियों और उस देश के बाहर रह रहे अप्रवासियों के अंतर का उस देश की समग्र जनसंख्या के आधार पर अनुपात। इसे संबंधित देश के प्रति हजार लोगों से निरूपित करते हैं।

अप्रवासियों का समूह: किसी देश में निवास कर रहे अप्रवासियों का अनुपात। इसे संबंधित देश की कुल जनसंख्या के प्रतिशत के आधार पर निरूपित करते हैं। हालांकि विभिन्न देशों के लिहाज से अप्रवासियों की परिभाषा अलग-अलग होती है, लेकिन इसमें सामान्यत: विदेशी मूल के जन्में लोग या संबंधित देश में निवास कर रहे विदेशी लोग (नागरिकता के लिहाज से) शामिल होते हैं। यह दर इन दोनों का मिश्रण भी हो सकती है।

अंतरराष्ट्रीय छात्र गतिशीलता: किसी देश में तीसरी श्रेणी की पढ़ाई के लिए विदेश से आए छात्रें (अंतर्गामी छात्र) की कुल संख्या से उस देश से पढ़ाई करने विदेश गए छात्रों (निर्गामी छात्र) की संख्या को घटाने से आया मान। इसे उस देश की तीसरी श्रेणी के नामांकन के प्रतिशत बतौर व्यक्त करते हैं।

आने वाले अंतरराष्ट्रीय (अंतर्गामी) पर्यटक: किसी देश की राष्ट्रीय सीमा को पार कर आने वाले अनिवासी मेहमान (एक रात ठहरने वाले, घूमने आए पर्यटक या उसी दिन लौट जाने वाले)।

इंटरनेट उपयोगकर्ता: इंटरनेट तक पहुंच रखने वाले लोगों की संख्या।

मोबाइल फोन ग्राहक: मोबाइल फोन सेवा लेने वाले ग्राहकों की संख्या, जिसे प्रति 100 लोगों में व्यक्त करते हैं।

आंकड़ों के मुख्य स्त्रोत

कॉलम 1, 2, 4, 5 और 9: विश्व बैंक (2015बी)।

कॉलम 3: विश्व बैंक (2015बी) के डाटा पर एचडीआरओ की गणना।

कॉलम 6: यूएनडीईएसए (2013बी)।

कॉलम 7: यूएनडीईएसए (2013बी)।

कॉलम 8: यूनेस्को इंस्ट्टीयूट ऑफ़ स्टेटिस्टिक्स (2015)।

कॉलम 10 और 11: आईटीयू (2015)।

कॉलम 12: आईटीयू (2015) के डाटा पर एचडीआरओ की गणना।

सारणी **15**

सारणी 16 पूरक सूचकांक : कल्याण की अवधारणा

		वैयक्तिक खुशहाली की धारणा							कार्य और श्रम बाजार की धारणा				सरकार के प्रति धारणा		
		शिक्षा की गुणवत्ता	स्वास्थ्य सेवा गुणवत्ता	जीवन स्तर	सुरक्षा की भावना	चयन की स्वतंत्रता (% संतुष्ट)		कुल मिलाकर जीवन संतुष्टि सूचकांक	आदर्श रोज़गार	सक्रियता और उत्पादकता का एहसास	स्वैच्छिक समय	स्थानीय श्रम बाजार	राष्ट्रीय सरकार में भरोसा	पर्यावरण संरक्षण के प्रयास	न्यायिक प्रणाली में विश्वास
		(% संतुष्ट)	(% संतुष्ट)	(% संतुष्ट)	(% जवाब हां)	स्त्री	पुरुष	(0, अल्प संतुष्ट, 10 तक, अत्यधिक संतुष्ट)	(% जवाब हां)	(% जवाब सहमत या दृढ़तापूर्वक सहमत)	(% जवाब हां)	(% जवाब उत्तम)	(% जवाब हां)	(% संतुष्ट)	(% जवाब हां)
एचडीआई श्रेणी		2014	2014	2014	2014	2014	2014	2014	2013	2013	2014	2014	2014	2014	2014
अति उच्च मानव विकास															
1	नॉर्वे	82	82	95	86	95	96	7.4	85[a]	..	32	52	70	56	83
2	आस्ट्रेलिया	67	82	83	62	91	93	7.3	70	60	40	25	46	58	60
3	स्विटज़रलैण्ड	81	94	94	81	96	93	7.5	84[a]	..	27	47	75	86	81
4	डेनमार्क	75	85	91	80	93	94	7.5	79	70	21	32	46	75	83
5	नीदरलैण्ड	78	86	85	81	89	93	7.3	60	64	36	24	53	74	65
6	जर्मनी	66	85	90	80	88	91	7.0	80	56	32	55	60	71	67
6	आयरलैण्ड	83	67	77	75	93	91	7.0	68	63	41	40	46	75	67
8	अमेरिका	68	77	74	73	87	86	7.2	65[a]	67	44	51	35	60	59
9	कनाडा	73	77	79	80	94	94	7.3	71	67	44	50	52	59	67
9	न्यूज़ीलैण्ड	73	84	83	65	93	93	7.3	66	65	45	41	63	67	63
11	सिंगापुर	87	89	89	91	83	76	7.1	71[a]	..	27	48	84	84	85
12	हांगकांग, चीन (एस.ए.आर.)	51	62	75	91	84	83	5.5	60[a]	..	15	46	46	51	76
13	लिक्टेन्सटाइन	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
14	स्वीडन	64	78	89	76	94	94	7.2	79	64	17	33	56	62	69
14	ब्रिटेन	65	77	79	79	86	81	6.8	71	59	32	43	42	65	60
16	आइसलैण्ड	83[b]	73[b]	81[b]	78[b]	92[b]	90[b]	7.5[b]	66	55	29[b]	42[b]	46[b]	64[b]	63[b]
17	कोरिया गणराज्य	49	62	63	61	55	61	5.8	51	39	21	19	28	34	19
18	इस्राइल	67	72	67	77	68	69	7.4	57	60	21	36	44	45	60
19	लक्ज़मबर्ग	74	88	86	68	94	91	6.9	58	37	34	20	66	81	76
20	जापान	60	71	61	68	79	75	5.9	69	39	26	30	38	51	64
21	बेल्जियम	83	89	81	72	85	87	6.9	73	58	25	27	47	70	49
22	फ्रांस	66	81	74	70	77	82	6.5	74	52	30	11	26	59	48
23	ऑस्ट्रिया	75	89	84	81	88	88	6.9	84	63	32	31	41	68	66
24	फ़िनलैण्ड	81	69	76	81	92	94	7.4	71	49	30	16	47	68	74
25	स्लोवेनिया	76	81	61	84	89	87	5.7	65	60	35	12	18	66	30
26	स्पेन	54	67	68	85	71	76	6.5	62	63	20	12	21	44	36
27	इटली	55	48	64	58	59	64	6.0	66	49	17	3	31	29	29
28	चेक गणराज्य	63	75	68	61	76	76	6.5	70	40	13	19	34	64	39
29	ग्रीस	45	35	36	62	33	39	4.8	59	45	7	10	19	25	44
30	एस्टोनिआ	52	51	46	65	73	73	5.6	50	57	19	26	41	61	54
31	ब्रूनेई दारस्सलाम	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
32	साइप्रस	56	52	59	67	66	73	5.6	67	48	25	10	24	48	31
32	कतर	72[a]	90[c]	86	92[a]	89[a]	91[a]	6.4	73[a]	..	19[a]	66[a]	..	91[a]	..
34	अंडोरा	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
35	स्लोवाकिया	58	56	58	56	57	58	6.1	61	47	11	8	31	45	30
36	पोलैण्ड	59	43	71	63	86	85	5.8	44	62	13	23	25	55	36
37	लिथुआनिया	54	52	34	47	46	43	6.1	50	41	8	16	34	49	30
37	माल्टा	81	79	76	74	90	90	6.5	80	69	26	17[b]	72	64	47
39	सऊदी अरब	66	72	78	..	76	74	6.3	61	49	15	59	..	65	..
40	अर्जेंटीना	62	61	69	42	73	73	6.7	69	68	12	30	41	44	34
41	संयुक्त अरब अमीरात	70	84	81	90[d]	94	91	6.6	70	53	22	59	..	93	..
42	चिली	41	34	81	55	69	74	6.8	74	69	16	41	40	40	23
43	पुर्तगाल	66	62	44	72	82	86	5.1	71	58	15	19	23	63	33
44	हंगरी	53	56	48	47	48	46	5.2	71	54	11	19	31	41	46
45	बहरीन	74	83	74	..	80	84	6.2	69	54	30	42	..	69	..
46	लात्विया	55	48	49	57	60	62	5.7	41	47	9	25	23	50	38
47	क्रोएशिया	57	49	48	60	56	42	5.4	42	41	17	14	16	42	45
48	कुवैत	53	75	81	..	82	78	6.2	69	49	15	47	..	66	..
49	मॉन्टीनेग्रो	52	45	41	75	50	47	5.3	50	41	7	13	40	26	39
उच्च मानव विकास															
50	बेलारुस	48	37	49	62	56	58	5.8	46	43	16	31	51	44	43
50	रुसी गणराज्य	48	38	55	51	65	66	6.0	48	56	19	31	64	28	36
52	ओमान	70[c]	78[c]	87[c]	..	92[c]	..	6.9[c]	..	..	22[c]	69[c]	..	..	..
52	रोमानिया	55	55	48	55	67	72	5.7	41	47	7	16	24	26	36
52	उरूग्वे	59	69	74	49	90	88	6.6	63	70	18	40	60	64	45
55	बहामास	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
56	कज़ाकिस्तान	46	39	66	53	70	70	6.0	48	47	25	40	60	34	43
57	बारबाडोस	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..

		वैयक्तिक खुशहाली की धारणा							कार्य और श्रम बाजार की धारणा				सरकार के प्रति धारणा		
		शिक्षा की गुणवत्ता	स्वास्थ्य सेवा गुणवत्ता	जीवन स्तर	सुरक्षा की भावना	चयन की स्वतंत्रता (% संतुष्ट)		कुल मिलाकर जीवन संतुष्टि सूचकांक	आदर्श रोज़गार	सक्रियता और उत्पादकता का एहसास	स्वैच्छिक समय	स्थानीय श्रम बाजार	राष्ट्रीय सरकार में भरोसा	पर्यावरण संरक्षण के प्रयास	न्यायिक प्रणाली में विश्वास
		(% संतुष्ट)	(% संतुष्ट)	(% संतुष्ट)	(% जवाब हां)	स्त्री	पुरुष	(0, अल्प संतुष्ट, 10 तक, अत्यधिक संतुष्ट)	(% जवाब हां)	(% जवाब सहमत या दृढ़तापूर्वक सहमत)	(% जवाब हां)	(% जवाब उत्तम)	(% जवाब हां)	(% संतुष्ट)	(% जवाब हां)
एचडीआई श्रेणी		2014	2014	2014	2014	2014	2014	2014	2013	2013	2014	2014	2014	2014	2014
58	एंटिगुआ और बरबूडा	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
59	बुल्गेरिया	42	38	37	54	53	53	4.4	51	49	4	13	14	22	19
60	पलाउ	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
60	पनामा	71	62	77	40	89	88	6.6	76	85	31	60	44	56	38
62	मलेशिया	76	85	62	48	77	79	6.0	76	58	37	55	63	67	57
63	मॉरिशिस	81	78	71	64	81	80	5.6	74[c]	..	34	31	56	75	61
64	सेशेल्स	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
64	ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	64[b]	54[b]	54[b]	57[b]	82[b]	83[b]	6.2[b]	56	68	37[b]	43[b]	38[b]	34[b]	33[b]
66	सर्बिया	50	37	36	70	52	48	5.1	45	49	6	7	45	22	28
67	क्यूबा	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
67	लेबनान	67	54	48	52	63	67	5.2	64	50	8	15	24	28	32
69	कोस्टा रिका	79	66	82	42	93	91	7.2	80	74	27	24	40	55	42
69	ईरान इस्लामिक गणराज्य	55	44	55	..	..	..	4.7	72	38	24	24	..	58	..
71	वेनेज़ुएला (बोलिवेरियाई गणराज्य)	61	40	54	22	56	57	6.1	78	70	11	22	20	27	22
72	तुर्की	53	71	57	60	62	67	5.6	61	36	5[b]	30	56	43	48
73	श्रीलंका	83	82	60	70	81	81	4.3	73	50	48	51	77	71	74
74	मैक्सिको	66	55	70	52	78	73	6.7	72	60	18	41	33	56	39
75	ब्राज़ील	46	33	75	36	70	71	7.0	76	72	13	44	36	41	41
76	जॉर्जिया	59	51	27	79	64	67	4.3	33[c]	41	21	11	53	45	45
77	सेंट किट्स एवं नेविस	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
78	अज़रबेजान	51	34	51	74	66	66	5.3	45	53	20	35	78	54	42
79	ग्रेनाडा	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
80	जॉर्डन	58	73	62	75	73	69	5.3	62	46	5	27	..	51	..
81	मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	64	62	46	73	59	65	5.2	56	49	9	19	44	45	34
81	यूक्रेन	49	28	27	46	45	48	4.3	39	43	13	8	24	17	12
83	अल्जीरिया	70	47	72	..	57[a]	56[a]	6.4	51[a]	..	8[a]	43	..	48[a]	..
84	पेरू	48	37	62	45	63	77	5.9	67	62	16	42	24	39	18
85	अल्बानिया	52	47	46	56	68	77	4.8	32	34	9	15	50	40	24
85	अर्मेनिआ	49	41	31	82	46	46	4.5	30	41	7	15	21	31	26
85	बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	60	55	49	66	41	32	5.2	47	48	8	5	10	18	25
88	इक्वाडोर	77	56	77	56	70	73	5.9	77	73	10	43	65	61	47
89	सेंट लूसिआ	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
90	चीन	64[b]	65[b]	77	75[b]	76[b]	77[b]	5.2	51	45	4	38[b]	..	63[b]	..
90	फ़िजी	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
90	मंगोलिया	54	37	62	51	66	70	4.8	74	58	34	11	34	29	31
93	थाइलैण्ड	88	83	76	72	88	91	7.0	80	65	14	58	72	80	81
94	डोमिनिका	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
94	लीबिया	33[a]	..	..	..	67[a]	70[a]	5.8[a]	62[a]	..	37[a]	49[a]	..	37[a]	..
96	ट्यूनीशिया	49	39	60	61	55	57	4.8	55	26	6	36	39	34	58
97	कोलम्बिया	62	45	79	44	79	79	6.4	69	78	20	40	30	40	26
97	सेंट विन्सेन्ट एवं ग्रेनाडाइन	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
99	जमैका	65	53	42	65	82	79	5.3	50	53	38	22	28	35	29
100	टोंगो	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
101	बेलीज़	62	50	66	50	88	84	6.0	..	..	26	40	38	62	37
101	डोमीनिकन गणराज्य	84	57	70	38	89	91	5.4	56	57	35	31	56	61	31
103	सूरीनाम	82[a]	78[a]	64[a]	60[a]	85[a]	88[a]	6.3[a]	70[a]	..	22[a]	34[a]	72[a]	65[a]	71[a]
104	मालदीव	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
105	समोआ	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मध्यम मानव विकास															
106	बोत्स्वाना	56	52	32	35	78	79	4.0	48	42	26	27	71	71	72
107	मॉल्डोवा गणराज्य	49	42	46	41	57	56	5.9	32	50	14	7	18	23	19
108	मिस्र	36	33	70	74	55	59	4.9	58	30	7	30	70	36	68
109	तुर्कमेनिस्तान	77[c]	..	92	71	74	76	5.8	76	61	21	73	..	83	..
110	गैबन	33	20	37	29	61	60	3.9	46	41	10	44	32	39	38
110	इण्डोनेशिया	78	74	70	85	68	70	5.6	76	61	38	49	65	53	54
112	पराग्वे	60	41	82	32	70	76	5.1	79	69	10	54	19	41	9
113	फिलिस्तीन राज्य	67	65	56	61	63	67	4.7	56	38	7	12	47	43	42
114	उज़्बेकिस्तान	85	85	75	81	92	93	6.0	66	..	43	62	..	84	..
115	फ़िलीपीन्स	83	80	70	62	89	91	5.3	87	64	42	66	69	88	63

सारणी 16 पूरक सूचकांक : खुशहाली की धारणा

	वैयक्तिक खुशहाली की धारणा							कार्य और श्रम बाजार की धारणा				सरकार के प्रति धारणा		
	शिक्षा की गुणवत्ता	स्वास्थ्य सेवा गुणवत्ता	जीवन स्तर	सुरक्षा की भावना	चयन की स्वतंत्रता (% संतुष्ट)		कुल मिलाकर जीवन संतुष्टि सूचकांक	आदर्श रोज़गार	सक्रियता और उत्पादकता का एहसास	स्वैच्छिक समय	स्थानीय श्रम बाजार	राष्ट्रीय सरकार में भरोसा	पर्यावरण संरक्षण के प्रयास	न्यायिक प्रणाली में विश्वास
	(% संतुष्ट)	(% संतुष्ट)	(% संतुष्ट)	(% जवाब हां)	स्त्री	पुरुष	(0, अल्प संतुष्ट, 10 तक, अत्यधिक संतुष्ट)	(% जवाब हां)	(% जवाब सहमत या दृढ़तापूर्वक सहमत)	(% जवाब हां)	(% जवाब उत्तम)	(% जवाब हां)	(% संतुष्ट)	(% जवाब हां)
एचडीआई श्रेणी	2014	2014	2014	2014	2014	2014	2014	2013	2013	2014	2014	2014	2014	2014
116 अल सल्वाडोर	69	59	72	45	78	75	5.9	78	75	19	32	32	52	28
116 दक्षिण अफ्रीका	73	57	44	31	80	77	4.8	51	33	28	25	49	51	44
116 वियतनाम	85	72	78	61	80[b]	82[b]	5.1	65	46	14	42	81[b]	73	66[b]
119 बोलिविया (प्लूरीनेशनल राज्य)	66	47	72	47	88	87	5.9	76	68	22	51	47	62	23
120 किर्गिस्तान	58	57	76	49	70	63	5.3	55	49	36	41	37	33	28
121 इराक	45	50	67	60	66	62	4.5	64	42	18	30	51	35	51
122 केप वर्दे	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
123 माइक्रोनेशिया (संघीय राज्य)	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
124 गयाना	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
125 निकारगुआ	80	54	69	56	81	80	6.3	76	67	20	38	58	68	46
126 मोरक्को	34	27	76	66	58	65	5.2	40	56	5	18	38[b]	45	28
126 नामीबिया	71	58	43	44	85	85	4.6	..	..	21	46	78	64	68
128 ग्वाटेमाला	70	49	72	50	82	84	6.5	77	72	41	36	37	55	41
129 ताजिकिस्तान	71	60	82	83	73	73	4.9	67	49	37	49	..	51	..
130 भारत	69	58	58	52	75	79	4.4	80	47	17	34	73	54	67
131 होण्डुरास	70	50	63	49	66	71	5.1	78	62	33	21	33	46	25
132 भूटान	94	90	92	63	84	80	4.9	88	42	38	54	96	95	97
133 टिमोर लेस्ट	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
134 सीरियाई अरब गणराज्य	36[b]	37[b]	35[b]	33[b]	40[b]	39[b]	2.7[b]	28	52	21[b]	15[b]	..	38[b]	..
134 वनुआतु	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
136 कांगो	36	23	41	48	65	61	4.1	55	55	14	45	48	32	47
137 किरिबाटी	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
138 इक्वेटोरियल गिनी	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
139 ज़ाम्बिया	62	45	30	36	79	82	4.3	53	45	29	39	61	44	59
140 घाना	44	41	24	71	67	64	3.9	59	63	27	14	34	30	50
141 लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	73[a]	66[a]	73[a]	75[a]	87[c]	..	4.9[a]	80[a]	..	20[a]	66[a]	..	90[c]	..
142 बांग्लादेश	87	59	80	81	63	69	4.6	85	49	10	39	72	50	72
143 कम्बोडिया	87	79	78	42	94	92	3.9	80	49	9	65	..	89	..
143 साओ टोम एवं प्रिन्साइप	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
निम्न मानव विकास														
145 केन्या	68	53	45	52	82	81	4.9	63	46	43	44	64	60	51
145 नेपाल	83	60	73	59	62	71	5.0	87	37	27	50	59	60	63
147 पाकिस्तान	53	39	57	50	52	53	5.4	74	65	12	30	43	31	57
148 म्याँमार	78	76	70	81	73[b]	74[b]	4.8	52	47	50	42[b]	..	68[b]	..
149 अंगोला	46	29	35	46	30	37	3.8	60	39	17	43	57	37	44
150 स्वाज़ीलैण्ड	77[c]	..	..	42[c]	62[c]	..	..	56[c]	..	..	25[c]	35[c]	56[c]	56[c]
151 तंज़ानिया गणराज्य	40	23	27	52	64	65	3.5	60	37	13	37	65	40	50
152 नाईजीरिया	51	46	40	52	60	66	4.8[b]	48	55	32	35	29	37	45
153 कैमरून	52	32	55	51	76	81	4.2	56	48	12	43	61	55	51
154 मैडागास्कर	49	30	23	42	55	50	3.7	56	49	34	47	51	42	43
155 ज़िम्बाब्वे	64	57	43	55	67	57	4.2	52	45	21	25	57	46	52
156 मॉरिटानिया	40	30	57	52	45	46	4.5	52	63	22	43	35	39	28
156 सॉलोमन द्वीपसमूह	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
158 पापुआ न्यू गिनी	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
159 कोमोरॉस	49[a]	24[a]	38[a]	72[a]	50[a]	57[a]	4.0[a]	64[a]	..	18[a]	30[a]	46[a]	39[a]	34[a]
160 यमन	44	21	51	57	60	63	4.0	47	31	3	14	34	27	29
161 लेसोथो	40[c]	21[c]	27[c]	38[c]	61[c]	..	..	41[c]	..	16[c]	21[c]	40[c]	23[c]	64[c]
162 टोगो	37	24	23	52	65	66	2.8	43[c]	..	9	28	48	49	44
163 हैती	37	21	18	41	46	53	3.9	31	27	24	17	33	34	24
163 रवाण्डा	84	80	44	85	90	89	3.6	63	61	11	50	..	92	..
163 युगाण्डा	47	38	35	46	83	81	3.8	53	49	24	31	58	52	36
166 बेनिन	42	32	27	51	79	76	3.3	51	49	11	37	57	47	59
167 सूडान	28	22	52	71	25	29	4.1	51[a]	..	23	18	..	11	65[c]
168 जिबूती	67[c]	49[c]	63[c]	72[c]	76[c]	..	..	59[c]	..	8[c]	55[c]	68[c]	58[c]	..
169 दक्षिण सूडान	33	21	25	44	51	55	3.8	..	..	24	23	45	30	43
170 सेनेगल	40	26	39	64	68	70	4.4	43	57	14	32	66	39	67
171 अफ़गानिस्तान	52	32	32	34	45	51	3.1	87	58	9	19	41	41	27
172 आइवरी कोस्ट	47	32	29	51	79	77	3.6	50	45	8	54	63	44	50
173 मलावी	54	44	41	43	78	79	4.6	48	46	33	47	62	60	57

	वैयक्तिक खुशहाली की धारणा							कार्य और श्रम बाजार की धारणा				सरकार के प्रति धारणा		
	शिक्षा की गुणवत्ता	स्वास्थ्य सेवा गुणवत्ता	जीवन स्तर	सुरक्षा की भावना	चयन की स्वतंत्रता (% संतुष्ट)		कुल मिलाकर जीवन संतुष्टि सूचकांक	आदर्श रोज़गार	सक्रियता और उत्पादकता का एहसास	स्वैच्छिक समय	स्थानीय श्रम बाजार	राष्ट्रीय सरकार में भरोसा	पर्यावरण संरक्षण के प्रयास	न्यायिक प्रणाली में विश्वास
	(% संतुष्ट)	(% संतुष्ट)	(% संतुष्ट)	(% जवाब हां)	स्त्री	पुरुष	(0, अल्प संतुष्ट, 10 तक, अत्यधिक संतुष्ट)	(% जवाब हां)	(% जवाब सहमत या दृढ़तापूर्वक सहमत)	(% जवाब हां)	(% जवाब उत्तम)	(% जवाब हां)	(% संतुष्ट)	(% जवाब हां)
एचडीआई श्रेणी	2014	2014	2014	2014	2014	2014	2014	2013	2013	2014	2014	2014	2014	2014
174 **इथियोपिया**	75	58	53	68	65	64	4.5	65	61	13	42	68	79	56
175 **गैम्बिया**	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
176 **कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य**	37	22	35	30	49	59	4.4	49	47	14	25	31	40	29
177 **लाइबेरिया**	39	29	29	35	56	56	4.6	31	45	46	30	35	28	27
178 **गिनी बिसाउ**	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
179 **माली**	34	30	35	64	62	68	4.0	62	49	5	58	62	32	45
180 **मोज़ाम्बीक**	65[c]	47[c]	38[c]	42[c]	63[c]	..	5.0[c]	59[c]	..	17[c]	45[c]	63[c]	55[c]	62[c]
181 **सिएरा लिओन**	33[b]	35	33[b]	56	66	67	4.5	49	46	25	27	59	41	38
182 **गिनी**	41	26	37	51	64	70	3.4	53	54	20	41	57	47	42
183 **बुर्किना फ़ासो**	67	45	41	67	68	72	3.5	50	53	11	47	54	55	52
184 **बुरुण्डी**	54	37	26	43	47	39	2.9	..	..	10	10	..	41	..
185 **चाड**	49	26	43	51	57	55	3.5	70	42	9	38	37	53	30
186 **एरिट्रिया**	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
187 **मध्य अफ्रीकी गणराज्य**	39[c]	..	34[c]	60[c]	75[c]	80[c]	3.7[c]	62[c]	..	15[c]	36[c]	78[c]	69[c]	..
188 **नाइजर**	49	29	50	69	62	70	4.2	62	54	9	56	58	50	59
अन्य देश अथवा अंचल														
कोरिया (लोकतांत्रिक गणराज्य)	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मार्शल द्वीप	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मोनाक्को	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
नॉरू	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
सैन मरीनो	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
सोमालिया	49	34	67	71	82	85	..	..	..	16	38	63	75	49
तुवालू	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मानव विकास समूह														
अति उच्च मानव विकास	64	72	73	71	..	..	6.6	68	57	30	36	38	56	53
उच्च मानव विकास	61	58	71	65	..	..	5.6	69	50	10	37	45	55	41
मध्यम मानव विकास	70	60	63	59	..	..	4.7	76	49	20	38	69	55	63
निम्न मानव विकास	53	41	45	53	..	..	4.4	56	52	20	35	48	45	49
विकासशील देश	63	56	63	61	..	..	5.0	72	50	16	37	58	54	..
क्षेत्र														
अरब राज्य	46	41	65	66	..	..	5.0	53	41	12	31	..	41	..
पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
यूरोप और मध्य एशिया	57	55	53	62	..	..	5.3	56	42	17	30	46	42	35
लैटिन अमेरिका और कैरिबियाइ क्षेत्र	57	44	71	43	..	..	6.5	74	..	17	39	35	46	35
दक्षिण एशिया	68	55	60	55	..	..	4.5	81	49	17	34	69	52	66
सब सहारा अफ्रीका	54	41	39	51	..	..	4.3	52	50	22	37	50	48	47
न्यूनतम विकसित देश	60	43	50	59	..	..	4.2	66	49	17	37	58	51	52
छोटे द्वीप विकासशील राज्य	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन	63	70	72	69	..	..	6.6	68	56	28	35	38	55	52
विश्व	**63**	**58**	**64**	**62**	**..**	**..**	**5.3**	**71**	**52**	**18**	**37**	**54**	**54**	**54**

नोट

a 2012 के लिए संदर्भित।

b 2013 के लिए संदर्भित।

c 2011 के लिए संदर्भित।

d 2010 के लिए संदर्भित।

परिभाषाएं

शैक्षिक गुणवत्ता से संतुष्टि: गैलप वैश्विक सर्वेक्षण प्रणाली के प्रश्न, क्या आप शैक्षिक प्रणाली से संतुष्ट या असंतुष्ट हैं? पर उन प्रतिभागियों का प्रतिशत जिनका उत्तर 'संतुष्ट' था।

स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता से संतुष्टि: गैलप के वैश्विक सर्वेक्षण प्रणाली के प्रश्न, 'क्या इस देश में आपको स्वास्थ्य सेवा या चिकित्सा प्रणाली पर भरोसा है?' पर उन प्रतिभागियों का प्रतिशत जिनका उत्तर 'हाँ' था।

जीवन स्तर से संतुष्टि: गैलप के वैश्विक सर्वेक्षण प्रणाली के प्रश्न, 'क्या आप अपने जीवन स्तर, सभी चीज़ें आप खरीद या कर सकते हैं, से संतुष्ट या असंतुष्ट हैं? 'पर उन प्रतिभागियों का प्रतिशत जिनका उत्तर 'संतुष्ट' था।

सुरक्षा का अहसास: गैलप के वैश्विक सर्वेक्षण प्रणाली के प्रश्न, 'क्या आप शहर में या जिस क्षेत्र में आप रहते हैं, वहां रात में अकेले घूमते हुए सुरक्षित महसूस करते हैं? पर उन प्रतिभागियों का प्रतिशत जिनका उत्तर 'हाँ' था।

चयन की स्वतंत्रता को लेकर संतुष्टि: गैलप के वैश्विक सर्वेक्षण प्रणाली के प्रश्न, ''इस देश में क्या आप अपने जीवन को जैसा बनाना चाहते हैं, वैसा बनाने के लिए विकल्पों को चुनने के लिए स्वतंत्रता हैं?'' पर उन प्रतिभागियों का प्रतिशत जिनका उत्तर 'संतुष्ट' था।

कुल मिला कर जीवन से संतुष्टि सूचकांक: गैलप के वैश्विक सर्वेक्षण प्रणाली के इस प्रश्न पर औसत प्रतिक्रिया: कृपया एक सीड़ी की कल्पना करें जिसके पहले पायदान का मान शून्य और एक-एक बढ़ते हुए अंतिम पायदान का मान 10 है। अब मान लीजिए, हम आपसे यह कहें कि सबसे ऊँचा पायदान प्रतीक है आपके लिए श्रेष्ठतम संभव जीवन का। अब बताएं कि आप स्वयं को मौजूदा हाल में किस पायदान पर खड़ा पाते हैं, यह मानते हुए कि कि इससे ऊँचे पायदान पर जाकर आपको अपने जीवन के बारे में अच्छा लगेगा और इससे नीचे पायदान पर जाकर अपने जीवन के बारे में खराब लगेगा? कौन सा पायदान आपके एहसास के सबसे क़रीब बैठता है?

आदर्श रोज़गार: गैलप के वैश्विक सर्वेक्षण प्रणाली के प्रश्न, 'क्या आप आप अपने रोज़गार से संतुष्ट या असंतुष्ट हैं?' पर उन प्रतिभागियों का प्रतिशत जिनका उत्तर 'संतुष्ट' था।

सक्रिय और उत्पादक रहने का एहसास: गैलप के वैश्विक सर्वेक्षण प्रणाली के प्रश्न, 'पिछले सात दिनों में क्या आपने हर रोज सक्रिय और उत्पादक होने का एहसास किया है?' पर उन प्रतिभागियों का प्रतिशत जिनका उत्तर 'सहमत या दृढ़तापूर्वक सहमत' था।

स्वैच्छिक समय: गैलप के वैश्विक सर्वेक्षण प्रणाली के प्रश्न, 'पिछले माह क्या आपने किसी संस्था को स्वैच्छिक समय दिया है?' पर उन प्रतिभागियों का प्रतिशत जिनका उत्तर 'हाँ' था।

स्थानीय श्रम बाजार से संतुष्टि: गैलप के वैश्विक सर्वेक्षण प्रणाली के प्रश्न, 'शहर या क्षेत्र, जहां आप आज रहते हैं, में नौकरी की स्थिति के बारे में क्या आप कह सकते हैं कि रोज़गार ढूढ़ने के लिए अब अच्छा समय या खराब समय है? ''पर उन प्रतिभागियों का प्रतिशत जिनका उत्तर अच्छा'' था।

राष्ट्रीय सरकार पर भरोसा: गैलप के वैश्विक सर्वेक्षण प्रणाली के प्रश्न, 'इस देश में, क्या आपको राष्ट्रीय सरकार पर भरोसा है?' पर उन प्रतिभागियों का प्रतिशत जिनका उत्तर 'हाँ' था।

पर्यावरण संरक्षण के प्रयास से संतुष्टि: गैलप के वैश्विक सर्वेक्षण प्रणाली के प्रश्न, 'इस देश में क्या आप पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों से संतुष्टया असंतुष्ट हैं?' पर उन प्रतिभागियों का प्रतिशत जिनका उत्तर 'संतुष्ट' था।

न्यायिक प्रणाली पर विश्वास: गैलप के वैश्विक सर्वेक्षण प्रणाली के प्रश्न, 'इस दश में, क्या आपको न्यायिक प्रणाली और अदालतों पर विश्वास है?' पर उन प्रतिभागियों का प्रतिशत जिनका उत्तर 'हाँ' था।

आँकड़ों के मुख्य स्रोत

कॉलम 1-14: गैलप (2015)।

क्षेत्र

अरब राज्य (20 देश या क्षेत्र)

अल्जीरिया, बहरीन, जिबूती, मिस्र, इराक, जार्डन, कुवैत, लेबनान, लीबिया, मोरक्को, फिलिस्तीन राज्य, ओमान, कतर, साऊदी अरब, सोमालिया, सूडान, सीरिया (अरब गणराज्य), ट्यूनीशिया, संयुक्त अरब अमीरात, यमन

पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र (24 देश)

कंबोडिया, चीन, फिज़ी, इंडोनेशिया, किरबाटी, कोरिया (लोकतांत्रिक गणराज्य), लाओ (लोकतांत्रिक गणराज्य), मलेशिया, मार्शल आइलेंड, माइक्रोनेशिया (संघीय राज्य), मंगोलिया, म्याँमार, नॉरू, पलाउ, पापुआ न्यू गिनी, फलीपींस, समोआ, सोलोमन आइलेंड, थाईलेंड, टिमोरलेस्ट, टोंगा, तुवालू, वैनुआतु, वियतनाम

यूरोप और मध्य एशिया (17 देश)

अल्बानिया, अर्मेनिया, अज़रबैजान, बेलारूस, बोस्निया और हर्ज़ेगोविना, ज़ार्जिया, कज़ाकिस्तान, किर्गिस्तान, मॉल्डोवा गणराज्य, मांटेनेग्रो, सर्बिया, ताज़िकिस्तान, युगोस्लाव का पूर्व गणराज्य मेसीडोनिया, तुर्की, तुर्कमेनिस्तान, यूक्रेन, उज़्बेकिस्तान

लैटिन अमेरिका और कैरिबियाई क्षेत्र (33 देश)

ऐंटीगुआ और बारबूडा, अर्जेंटीना, बहमास, बारबाडोस, बलीज़, बोलीविया (प्लूरिनेशनल स्टेट), ब्राज़ील, चिली, कोलंबिया, कोस्टारिका, क्यूबा, डोमिनिका, डोमिनिक गणराज्य, अलसेल्वाडोर, ग्रेनेडा, ग्वाटेमाला, गुयाना, हैती, होन्ड्यूरास, जमैका, मैक्सिको, निकारागुआ, पनामा, पैराग्वे, पेरू, सेंट किट्स और नेवीस, सेंटलूशिया, सेंटविंसेंट और ग्रेनेडाइन्स, सूरिनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो, उरूग्वे, बोलीविया (प्लूरिनेशनल स्टेट), वेनेजुएला (बोलिवेरियन गणराज्य)

दक्षिण एशिया (9 देश)

अफ़गानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, इरान (इस्लामिक गणराज्य), मालदीव नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका

सब सहरा अफ्रीका (46 देश)

अंगोला, बेनिन, बोत्सवाना, बुर्कीनाफ़ासो, बुरूंडी, कैमरून, केपवर्दे, मध्य अफीकी गणराज्य, चैड, कोमोरोस, कांगो, कांगो (लोकतांत्रिक गणराज्य), आइवरी कोस्ट, भूमध्यवर्ती गिनी, इरीट्रिया, इथियोपिया, गैबन, गांबिया, घाना, गिनी, गिनी बिसाउ, केन्या, लेसोथो, लाइबेरिया, मेडागास्कर, मलावी, माली, मॉरिटानिया, मॉरिशस, मोज़म्बीक, नामीबिया, नाइजर, नाइजीरिया, रवांडा, साओटोम एवं प्रिन्साइप, सेनेगल, सेशेल्स, सियरालियोन, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण सूडान, स्वाज़ीलैंड, तंज़ानिया (संयुक्त गणराज्य), टोगो, युगांडा, ज़ांबिया, ज़िम्बाब्वे

नोटः न्यूनतम विकसित देशों तथा छोटे द्विपीय विकासशील देशों के योग में शामिल देश संयुक्त राष्ट्र के वर्गीकरण का अनुसरण करते हैं जो कि http://www.unohrlls.org **पर उपलब्ध है।**

संदर्भ

Aguna, C., and M. Kovacevic. 2011. "Uncertainty and Sensitivity Analysis of the Human Development Index." Human Development Research Paper 2010/11. UNDP–HDRO, New York. http://hdr.undp.org/en/content/uncertainty-and-sensitivity-analysis-human-development-index. Accessed 15 April 2015.

Alkire, S., and G. Robles. 2015. "Multidimensional Poverty Index 2015: Brief Methodological Note and Results." Oxford Poverty and Human Development Initiative, Oxford University UK. http://ophi.qeh.ox.ac.uk. Accessed 10 September 2015.

Alkire, S., and M. Santos. 2010. "Acute Multidimensional Poverty: A New Index for Developing Countries." Human Development Research Papers 2010/11. UNDP–HDRO, New York. http://hdr.undp.org/en/content/acute-multidimensional-poverty. Accessed 15 April 2015.

Barro, R.J., and J.-W. Lee. 2013a. Dataset of educational attainment, April 2013 revision. www.barrolee.com. Accessed 9 April 2013.

———. 2013b. "A New Data Set of Educational Attainment in the World, 1950–2010." *Journal of Development Economics* 104: 184–198.

———. 2014. Dataset of educational attainment, June 2014 revision. www.barrolee.com. Accessed 15 December 2014.

Charmes, J. 2015. "Time Use across the World: Findings of a World Compilation of Time-Use Surveys." Working paper. UNDP–HDRO, New York.

CRED EM-DAT (Centre for Research on the Epidemiology of Disasters). 2015. The International Disaster Database. www.emdat.be. Accessed 31 March 2015.

ECLAC (United Nations Economic Commission for Latin America and the Caribbean). 2014. *Preliminary Overview of the Economies of Latin America and the Caribbean, 2014.* Santiago. http://repositorio.cepal.org/bitstream/handle/11362/37345/S1420977_en.pdf?sequence=31. Accessed 15 March 2015.

Eurostat. 2015. European Union Statistics on Income and Living Conditions (EUSILC). Brussels. http://ec.europa.eu/eurostat/web/microdata/european-union-statistics-on-income-and-living-conditions. Accessed 15 January 2015.

FAO (Food and Agriculture Organization). 2011. Unpublished table prepared for the *State of the World's Land and Water Resources for Food and Agriculture* Background Thematic Report 3 "Land degradation." Rome.

———. 2015a. FAOSTAT database. http://faostat3.fao.org. Accessed 2 June 2015.

———. 2015b. AQUASTAT database. www.fao.org/nr/water/aquastat/main/. Accessed 4 June 2015.

Gallup. 2015. Gallup World Poll Analytics database. www.gallup.com/products/170987/gallup-analytics.aspx. Accessed 15 May 2015.

Høyland, B., K. Moene, and F. Willumsen. 2011. "The Tyranny of International Index Rankings." *Journal of Development Economics* 97(1): 1–14.

ICF Macro. Various years. Demographic and Health Surveys. www.measuredhs.com. Accessed 15 March 2015.

ICPS (International Centre for Prison Studies). 2014. "World Prison Population List (10th edition)." London. www.prisonstudies.org/highest-to-lowest/prison_population_rate. Accessed 21 November 2014.

IDMC (Internal Displacement Monitoring Centre). 2015. IDPs worldwide. www.internal-displacement.org. Accessed 9 June 2015.

ILO (International Labour Organization). 2012. Global Wage Report data. www.ilo.org/ilostat/faces/help_home/global_wage?_adf.ctrl-state=18djc8t28q_78&_afrLoop=305541918060446. Accessed 15 May 2015.

———. 2013. *Domestic Workers across the World: Global and Regional Statistics and the Extent of Legal Protection.* Geneva.

———. 2015a. *Key Indicators on the Labour Market: 8th edition.* Geneva. www.ilo.org/empelm/what/WCMS_114240/. Accessed 18 May 2015.

———. 2015b. ILOSTAT database. www.ilo.org/ilostat. Accessed 30 March 2015.

———. 2015c. ILO Social Protection Sector databases. www.ilo.org/protection/information-resources/databases/. Accessed 15 May 2015.

———. 2015d. NORMLEX database. www.ilo.org/dyn/normlex/en/f?p=1000:12001:0::NO. Accessed 15 June 2015.

IMF (International Monetary Fund). 2015. World Economic Outlook database. Washington, DC. https://www.imf.org/external/pubs/ft/weo/2015/01/weodata/index.aspx. Accessed 15 April 2015.

IPU (Inter-Parliamentary Union). 2015. Women in national parliaments. www.ipu.org/wmn-e/classif-arc.htm. Accessed 12 March 2015.

ITU (International telecommunication union). 2015. *ICT Facts and Figures: The World in 2015.* www.itu.int/en/ITU-D/Statistics/Pages/stat/. Accessed 1 July 2015.

LIS (Luxembourg Income Study). 2014. Luxembourg Income Study Project. www.lisdatacenter.org/data-access/. Accessed 15 December 2014.

National Institute for Educational Studies of Brazil. 2013. Correspondence on school life expectancy. Brasilia.

OECD (Organisation for Economic Co-operation and Development). 2014. PISA 2012 results. www.oecd.org/pisa/keyfindings/pisa-2012-results.htm. Accessed 20 November 2014.

Palma, J.G. 2011. "Homogeneous Middles vs. Heterogeneous Tails, and the End of the 'Inverted-U': The Share of the Rich Is What It's All About." Cambridge Working Paper in Economics 1111. Cambridge University, UK. www.econ.cam.ac.uk/dae/repec/cam/pdf/cwpe1111.pdf. Accessed 15 September 2013.

Samoa Bureau of Statistics. 2013. Census tables. www.sbs.gov.ws. Accessed 15 November 2014.

Timor-Leste Ministry of Finance. 2015. National accounts 2000–2013. Dili. www.statistics.gov.tl/timor-leste-nacional-account-2000-2013. Accessed 25 June 2015.

UNDESA (United Nations Department of Economic and Social Affairs). 2011. *World Population Prospects: The 2010 Revision.* New York. www.un.org/en/development/desa/population/publications/trends/population-prospects_2010_revision.shtml. Accessed 15 October 2013.

———. 2013a. *World Population Prospects: The 2012 Revision.* New York. http://esa.un.org/unpd/wpp/. Accessed 15 April 2015.

———. 2013b. *Trends in International Migrant Stock: The 2013 Revision.* New York. http://esa.un.org/unmigration/migrantstocks2013.htm?msax. Accessed 15 April 2015.

———. 2014. *World Urbanization Prospects: The 2014 Revision.* CD-ROM edition. http://esa.un.org/unpd/wup/CD-ROM. Accessed 15 May 2015.

———. 2015. World Population Prospects database. Extracted 9 July 2015.

UNESCO (United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization) Institute for Statistics. 2011. *Global Education Digest 2011: Comparing Education Statistics across the World.* Paris. www.uis.unesco.org/Library/Documents/global_education_digest_2011_en.pdf. Accessed 15 March 2015.

———. 2012. *Global Education Digest 2012: Opportunities Lost: The Impact of Grade Repetition and Early School Leaving.* Paris. www.uis.unesco.org/Education/Documents/ged-2012-en.pdf. Accessed 15 March 2015.

———. 2013. International Literacy Data 2013. www.uis.unesco.org/literacy/Pages/data-release-map-2013.aspx. Accessed 15 March 2015.

———. 2015. Data Centre. http://data.uis.unesco.org. Accessed 26 March 2015.

UNESCWA (United Nations Economic and Social Commission for Western Asia). 2014. *Survey of Economic and Social Developments in Western Asia, 2013-2014.* Beirut. www.escwa.un.org/information/publications/edit/upload/E_ESCWA_EDGD_14_3_E.pdf. Accessed 15 March 2015.

UNHCR (Office of the United Nations High Commissioner for Refugees). 2015. *UNHCR Mid-Year Trends 2014.* www.unhcr.org/54aa91d89.html. Accessed 7 April 2015.

UNICEF (United Nations Children's Fund). 2015. *The State of the World's Children 2015.* New York. http://sowc2015.unicef.org. Accessed 2 April 2015.

———. Various years. Multiple Indicator Cluster Surveys. New York. www.unicef.org/statistics/index_24302.html. Accessed 15 April 2015.

UN Maternal Mortality Estimation Group (World Health Organization, United Nations Children's Fund, United Nations Population Fund and World Bank). 2014. Maternal mortality data. www.childinfo.org/maternal_mortality_ratio.php. Accessed 15 April 2015.

UNODC (United Nations Office on Drugs and Crime). 2014. Global Study on Homicide: UNODC Homicide Statistics 2013. www.unodc.org/gsh/en/data.html. Accessed 21 November 2014.

UNSD (United Nations Statistics Division). 2015. National Accounts Main Aggregates Database. http://unstats.un.org/unsd/snaama. Accessed 1 July 2015.

UN Women. 2014. "Violence against Women Prevalence Data: Surveys by Country." New York. www.endvawnow.org/uploads/browser/files/vawprevalence_matrix_june2013.pdf. Accessed 19 November 2014.

WHO (World Health Organization). 2015. Global Health Observatory. www.who.int/gho/. Accessed 31 March 2015.

World Bank. 2014. World Development Indicators database. Washington, DC. http://data.worldbank.org/data-catalog/world-development-indicators/wdi-2014. Accessed 7 May 2014.

———. 2015a. World Development Indicators database. Washington, DC. http://data.worldbank.org. Accessed 1 July 2015.

———. 2015b. World Development Indicators database. Washington, DC. http://data.worldbank.org. Accessed 16 April 2015.

———. 2015c. "Getting a Job." http://wbl.worldbank.org/Data/ExploreTopics/getting-a-job#Parental. Accessed 15 May 2015.

मानव विकास रिपोर्ट 1990–2015

1990	मानव विकास की अवधारणा एवं मापन
1991	मानव विकास का वित्तीयन
1992	मानव विकास के वैश्विक आयाम
1993	जन भागीदारी
1994	मानव सुरक्षा के नए आयाम
1995	लैंगिकता एवं मानव विकास
1996	आर्थिक प्रगति एवं मानव विकास
1997	ग़रीबी उन्मूलन के लिए मानव विकास
1998	मानव विकास के लिए उपभोग
1999	मानवीयतापूर्ण वैश्वीकरण
2000	मानवाधिकार एवं मानव विकास
2001	नई प्रोद्योगिकियों को मानव विकास में सहायक बनाना
2002	विभाजित विश्व में लोकतंत्र को गहराना
2003	सहस्त्राब्दि विकास लक्ष्य: गरीबी मिटाने के लिए राष्ट्रों के बीच समझौता
2004	आज के वैविध्यपूर्ण विश्व में सांस्कृतिक आज़ादी
2005	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की दुविधाएँ: एक असमान विश्व में सहायता व्यापार एवं सुरक्षा
2006	अभावों के पार: ऊर्जा, ग़रीबी और वैश्विक जल संकट
2007/2008	जलवायु परिवर्तन से मुकाबला: एक विभाजित विश्व में मानव-एकजुटता
2009	बाधाओं पर विजय: मानव गतिशीलता एवं विकास
2010	देशों की वास्तविक संपदा: सबके लिए एक बेहतर भविष्य
2011	संवहनीयता और समता: सबके लिए एक बेहतर भविष्य
2013	दक्षिण का उदय: विविधतापूर्ण विश्व में मानव विकास
2014	मानव प्रगति का संवहन: अरक्षितताएं घटाना और प्रत्यास्थता का निर्माण
2015	मानव विकास के लिए कार्य

एचडीआई देशों तथा श्रेणी की कुंजी, 2014

अफ़गानिस्तान	171
अल्बानिया	85
अल्जीरिया	83
अंडोरा	34
अंगोला	149
एंटिगुआ और बरबूडा	58
अर्जेंटीना	40
अर्मेनिआ	85
आस्ट्रेलिया	2
ऑस्ट्रिया	23
अज़रबेजान	78
बहामास	55
बहरीन	45
बांग्लादेश	142
बारबाडोस	57
बेलारुस	50
बेल्जियम	21
बेलीज़	101
बेनिन	166
भूटान	132
बोलिविया (प्लूरीनेशनल राज्य)	119
बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना	85
बोत्स्वाना	106
ब्राज़ील	75
ब्रूनेई दारस्सलाम	31
बुल्गेरिया	59
बुर्किना फ़ासो	183
बुरुण्डी	184
केप वर्दे	122
कम्बोडिया	143
कैमरून	153
कनाडा	9
मध्य अफ़्रीकी गणराज्य	187
चाड	185
चिली	42
चीन	90
कोलम्बिया	97
कोमोरॉस	159
कांगो	136
कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	176
कोस्टा रिका	69
आइवरी कोस्ट	172
क्रोएशिया	47
क्यूबा	67
साइप्रस	32
चेक गणराज्य	28
डेनमार्क	4
जिबूती	168
डोमिनिका	94
डोमीनिकन गणराज्य	101
इक्वाडोर	88
मिस्र	108
अल सल्वाडोर	116
इक्वेटोरियल गिनी	138
एरिट्रिया	186
एस्टोनिआ	30
इथियोपिया	174
फ़िजी	90
फ़िनलैण्ड	24
फ़्रांस	22
गैबन	110
गैम्बिया	175
जॉर्जिया	76
जर्मनी	6
घाना	140
ग्रीस	29
ग्रेनाडा	79
ग्वाटेमाला	128
गिनी	182
गिनी बिसाउ	178
गयाना	124
हैती	163
होण्डुरास	131
हांगकांग, चीन (एस.ए.आर.)	12
हंगरी	44
आइसलैण्ड	16
भारत	130
इण्डोनेशिया	110
ईरान इस्लामिक गणराज्य	69
इराक	121
आयरलैण्ड	6
इस्राइल	18
इटली	27
जमैका	99
जापान	20
जॉर्डन	80
कज़ाकिस्तान	56
केन्या	145
किरिबाटी	137
कोरिया गणराज्य	17
कुवैत	48
किर्गिस्तान	120
लाओ जनतांत्रिक गणराज्य	141
लात्विया	46
लेबनान	67
लेसोथो	161
लाइबेरिया	177
लीबिया	94
लिक्टेन्सटाइन	13
लिथुआनिया	37
लक्ज़मबर्ग	19
मैडागास्कर	154
मलावी	173
मलेशिया	62
मालदीव	104
माली	179
माल्टा	37
मॉरिटानिया	156
मॉरिशिस	63
मैक्सिको	74
माइक्रोनेशिया (संघीय राज्य)	123
मॉल्डोवा गणराज्य	107
मंगोलिया	90
मॉन्टीनेग्रो	49
मोरक्को	126
मोज़ाम्बीक	180
म्याँमार	148
नामीबिया	126
नेपाल	145
नीदरलैण्ड	5
न्यूज़ीलैण्ड	9
निकारगुआ	125
नाइजर	188
नाईजीरिया	152
नॉर्वे	1
ओमान	52
पाकिस्तान	147
पलाउ	60
फिलिस्तीन राज्य	113
पनामा	60
पापुआ न्यू गिनी	158
पराग्वे	112
पेरू	84
फ़िलीपीन्स	115
पोलैण्ड	36
पुर्तगाल	43
कतर	32
रोमानिया	52
रुसी गणराज्य	50
रवाण्डा	163
सेंट किट्स एवं नेविस	77
सेंट लूसिआ	89
सेंट विन्सेन्ट एवं ग्रेनाडाइन	97
समोआ	105
साओ टोम एवं प्रिन्साइप	143
सऊदी अरब	39
सेनेगल	170
सर्बिया	66
सेशेल्स	64
सिएरा लिओन	181
सिंगापुर	11
स्लोवाकिया	35
स्लोवेनिया	25
सॉलोमन द्वीपसमूह	156
दक्षिण अफ़्रीका	116
दक्षिण सूडान	169
स्पेन	26
श्रीलंका	73
सूडान	167
सूरीनाम	103
स्वाज़ीलैण्ड	150
स्वीडन	14
स्विटज़रलैण्ड	3
सीरियाई अरब गणराज्य	134
ताजिकिस्तान	129
तंज़ानिया गणराज्य	151
थाइलैण्ड	93
मेसाडोनिया (पूर्ववर्ती यूगोस्लाव गणराज्य)	81
टिमोर लेस्ट	133
टोगो	162
टोंगो	100
ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	64
ट्यूनीशिया	96
तुर्की	72
तुर्कमेनिस्तान	109
युगाण्डा	163
यूक्रेन	81
संयुक्त अरब अमीरात	41
ब्रिटेन	14
अमेरिका	8
उरूग्वे	52
उज़्बेकिस्तान	114
वनुआतु	134
वेनेज़ुएला (बोलिवेरियाई गणराज्य)	71
वियतनाम	116
यमन	160
ज़ाम्बिया	139
ज़िम्बाब्वे	155

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम
1, यूएन प्लाज़ा
न्यू यॉर्क, एनवाई 10017

www.undp.org

मानव विकास कि सार्थकता इसमें है कि मनुष्य के पास चुनने के लिए विकल्पों में बढ़ोतरी हो। विकल्प मानव जीवन की समृद्धता दर्शाएं न कि केवल उनकी अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी। इस प्रक्रिया के लिए कार्य महत्वपूर्ण है, जो विश्व भर के सभी लोगों को विभिन्न तरीकों से व्यस्त रखता है और उनके जीवन का बड़ा भाग व्यतीत हो जाता है। विश्व के 7.3 विलियन लोगों में से केवल 3.2 विलियन लोगों के पास रोजगार है, बाकी लोग देखभाल के कार्य, रचनात्मक कार्य, और स्वैच्छिक कार्य में लगे हैं, या भविष्य में कामगार के रूप में अपने को तैयार कर रहे हैं।

मानव विकास के परिपेक्ष्य में, कार्य का अर्थ केवल रोजगार या नौकरी तक सीमित नहीं है। नौकरी का दायरा बहुत से ऐसे कार्यों को अपने अंदर लेने में असमर्थ रहा है जो मानव विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, जैसे देखभाल का कार्य, स्वैच्छिक कार्य और रचनात्मक कार्य जैसे लेखन या चित्रकारी।

मानव विकास और कार्य के बीच की कड़ी सहक्रियाशील हैं। कार्य होने से मानव विकास का लक्ष्य सफल होता है क्योंकि इससे आय का साधन बनता है और जीवन स्तर में सुधार होता है। इस से गरीबी कम होती है और न्यायसंगत समृद्धि आती है। यह लोगों को समाज में पूरी तरह भागीदार होने देता है और उनके भीतर आत्मगौरव और स्वाभिमान की भावना को जगाता है। ऐसे कार्य जो दूसरों की देखभाल से जुड़े होते हैं वह लोगों में सामाजिक एकता बढ़ाते हैं और परिवार तथा सामुदायों के बीच आपसी जुड़ाव को मजबूत करते हैं।

एक साथ मिल कर काम करते लोग न केवल आर्थिक भौतिक रूप से समृद्ध होते हैं बल्कि उससे उनकी जानकारी का दायरा भी भरपूर होता जाता, जो कि संस्कृति और सभ्यता का मूलभूत आधार है। और जब यह सब कार्य पर्यावरण के अनुकूल होता है तो इसका लाभ पीढ़ियों तक पहुँचता है। अंततः, कार्य का होना, मानवीय क्षमता, मानवीय रचनात्मकता और मानवीय भावना का उदय करता है।

किन्तु मानव विकास और कार्य में काई अंतर्संबंध नहीं होता और कुछ कार्य, जैसे बेगारी, मानवाधिकारों का उलंघन करके, मानव गरिमा को नष्ट करके और स्वतंत्रता तथा स्वायत्तता का त्याग कर मानव विकास को अवरुद्ध करते हैं। कुछ कार्य, जैसे खतरनाक औद्योगिक संस्थानों में काम करना, भी कामगारों को जोखिम में डालते हैं। साथ ही उपयुक्त नीतियों के अभाव में कर्मचारियों के लिये पुरस्कार आदि की असमानता भरी स्थितियां बनती है और समाज में विषमता का वातावरण पैदा होता है।

वैश्वीकरण और डिजिटल क्रांति ने काम के बहुत से अवसर पैदा तो किये हैं लेकिन साथ ही उनके कारण जोखिम भी बढ़ा है। इस नए बनते कार्य परिवेश के लाभ का वितरण बराबरी पूर्वक नहीं हुआ है। वहां कुछ लोग जीते हुए हैं और कुछ हारे हुए। वेतन भोगियों और बेगार करने वालों के बीच संतुलन बैठाना एक चुनौती भरा काम है, विशेषकर स्त्रियों के सन्दर्भ में, जो दोनों ही मोर्चों पर घाटे की स्थिति में हैं। नई तथा भावी पीढ़ी के लिए कार्य के अवसरों की व्यवस्था करने के लिए सतत कार्य चाहिये। कार्य के द्वारा मानव विकास तभी हो सकता है जब नीतियाँ उत्पादन सुलभ हों, कार्य के अवसर बेहतर आर्थिक लाभ देने वाले हों तथा संतोषजनक हों,– कामगारों का कौशल तथा क्षमता बढ़ाने वाले हों– उनके अधिकार, सुरक्षा, तथा भलाई को सुनिश्चत करने वाले हों– और विशेष मुद्दों और लोगों के समूहों को लक्षित कर विशिष्ट रणनीति बनाई जाय। इतना ही नहीं, यह भी आवश्यक है कि नए सामाजिक अनुबंध, वैश्विक करार तथा साफ सुथरे काम के लिए कार्यशील एजेंडे को आगे बढ़ाया जाए।

''स्त्रियाँ काम के सन्दर्भ में बहुत घाटे की स्थिति में रहती हैं, चाहे वह भुगतान वाला काम हो या फिर बिना भुगतान वाला। भुगतान वाले कामों के क्षेत्र में भी उनकी संख्या पुरूषों की अपेक्षा कम होती है, वे कम वेतन पाती हैं, उन्हें दिया जाने वाला काम अरक्षित होता है, ऊँचे प्रबंधन स्तर पर और उन पदों पर जहाँ उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है, वहां भी स्त्रियों का प्रतिनिधित्व कम होता है। बिना भुगतान वाले कामों में भी उनके लिए घरेलू कामों तथा देखभाल के कामों में स्त्रियों को अपेक्षाकृत कम ही होते हैं।''

– संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम प्रशासक हेलेन क्लार्क

''बाल श्रम कोई अपने में स्वतंत्र समस्या नहीं है और वह अन्य सन्दर्भों से काट कर हल नहीं की जा सकती। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को यह समझना होगा कि यदि हम अपने बच्चों के हितों की रक्षा नहीं कर सकते तो हम विकास भी नहीं कर सकते। हमें बाल हिंसा का उन्मूलन करना ही होगा।''

– 2014 के नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी.

''रचनात्मक कार्य की अवधारणा को समझना एक मुश्किल भरी समस्या जैसा हो सकता है, लेकिन हमें इसे एक बाधा मान कर रचनात्मक परिवेश बनाने से बचना नहीं चाहिए क्योंकि यह मानव विकास की दिशा में एक कारगर कदम है। आज, हम मानव विकास को रचनात्मकता के एक अनिवार्य घटक के रूप महत्व देते हैं।''

– 2006 साहित्य के नोबेल पुरस्कार विजेता ओरहान पामुक

''जिस तरह घर के कामकाज में स्त्रियों का योगदान दिखाई नहीं देता, उसी तरह समुदाय के संगठन और आपसी टकराहट की स्थिति को हल करने जैसे महत्वपूर्ण कामों में भी स्त्रियों का योगदान जो मानव विकास के लिये महत्वपूर्ण है, अनदेखा रह जाता है।''

– 2011 शान्ति के नोबेल पुरस्कार विजेता लेमाह बोयी

''नौकरी नहीं, बल्कि कार्य के द्वारा ही मानव की प्रगति और मानव विकास होता है। किन्तु कार्य और मानव विकास के बीच कोई सीधा सरल संबंध नहीं है।''

– इस रिपोर्ट के प्रमुख लेखक सलीम जहाँ